शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्

63वीं वार्षिक रिपोर्ट
2018—2019

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली – 110029

63oha ,El okf"kZd fjiksVZ
2018&2019

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली–110029

63वीं एम्स वार्षिक रिपोर्ट
2018–2019

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली–110029

l;Dr :i ls likfnr%

डॉ. संदीप अग्रवाला, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. नसरीन अख्तर, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग

डॉ. नीतू बाहरी, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

डॉ. अंजन दुहा, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. भावुक गर्ग, अस्थिरोग विज्ञान विभाग

डॉ. राकेश गर्ग, अर्बुद संवेदनाहरण विभाग, डॉ. भीम राव अम्बेडकर सं.रो.कैं.अ.

डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, शरीररचना विज्ञान विभाग

डॉ. सिद्धार्थ जैन, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र

डॉ. राजीव कुमार, सह–संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) एवं मूत्ररोग विज्ञान विभाग

डॉ. राकेश लोढ़ा, बाल चिकित्सा विभाग

डॉ. आर. लक्ष्मी, हृद जैवरसायन विभाग

डॉ. संजीव लालवानी, कुल सचिव

डॉ. कल्पना लूथरा, जैवरसायन विभाग

डॉ. पूर्वा माथुर, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केन्द्र

डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण विभाग

डॉ. सिद्धार्थ सरकार, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग

डॉ. अल्पना शर्मा, जैवरसायन विभाग

डॉ. के. अपर्णा शर्मा, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग

डॉ. दीप्ति विभा, तंत्रिका विज्ञान विभाग

श्री एम.के. विश्वकर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष

सुश्री नीतू प्रिया, पुस्तकालयाध्यक्ष

हिंदी अनुवाद संस्थान के हिंदी अनुभाग द्वारा श्री पी.एस. तोमर, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी के पर्यवेक्षण में किया गया।

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

vf[ky Hkkjrh; vk;|foKku lLFkku

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.) की स्थापना सन 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थाओं के लिए एक उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा के प्रदर्शन हेतु स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्वपूर्ण शाखाओं में कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएँ हैं। संस्थान द्वारा स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा एवं परा चिकित्सा पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं तथा अपनी ही डिग्रियाँ प्रदान की जाती हैं। लगभग 100 विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य संचालित किए जाते हैं। एक वर्ष में अपने अनुसंधानकर्ताओं द्वारा रुपए सौ करोड़ से अधिक का बाहरी अनुदान प्राप्त करने के साथ–साथ एम्स चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। एम्स द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है।

विभिन्न विभागों एवं केन्द्रों द्वारा परा–नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार के रोगों का व्यावहारिक उपचार किया जाता है। एम्स द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में एक 50–बिस्तरों वाला अस्पताल एवं व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र भी चलाया जाता है तथा सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र के माध्यम से लगभग 8 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

,El&,d utj e
2018&2019

LFkkiuk o"kZ 1956

शिक्षण विभाग एवं केन्द्र	**42+7**	चिकित्सा स्नातक	**3209**
संकाय सदस्य (स्वीकृत 1042)	**671**	स्नातकोत्तर	**10399**
गैर–संकाय स्टाफ (स्वीकृत 11,266)	**9956**	नर्सिंग/परा–चिकित्सा स्नातक	**3334**
स्नातक–पूर्व विद्यार्थी	**985**	पत्रिका/सार में प्रकाशन	**1855**
स्नातकोत्तर विद्यार्थी	**1991**	पुस्तकों में अध्याय/पुस्तक	**341**

अस्पताल सेवाएं

अस्पताल/केन्द्र	**बाह्य रोगी (आपातकालीन सहित)**	**दाखिले**	**शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन/प्रक्रियाएँ)**	**बिस्तर**		
				सामान्य	**प्राइवेट**	**कुल**
मुख्य अस्पताल	16,56,329	1,17,169	97,900	997	165	1,162
डॉ. रा.प्र. केन्द्र	5,70,061	47,356	49,576	288	22	310
डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.	1,81,566	46,405	12,069	167	15	182
हृद वक्ष केन्द्र	2,07,276	11,534	3,961	226	33	464
तंत्रिका विज्ञान केन्द्र	1,23,754	9,744	3,346	174	31	
एन.डी.डी.टी.सी.*	2,21,947	1,341	–	50	–	50
सी.सी.एम. †	3,51,704	12,608	2,142	50	–	50
जे.पी.एन.ए.टी.सी.	1,28,799	7,080	8,672	226	22	248
सी.डी.ई.आर.**	2,28,659	1,189	23,496	17	–	17
एन.सी.आई., झज्जर	1,435	179	13	–	–	–
आऊटरीच बाह्यरोगी, बाढ़सा, झज्जर	1,43,196	–	617	–	–	–
कुल	**38,14,726**	**2,54,605**	**2,01,792**	**2,195**	**288**	**2,483**

* त्रिलोकपुरी, सुन्दर नगरी तथा कोटला मुबारकपुर सहित   † पी.एच.सी. दयालपुर सहित

** 30 ट्राइएज बिस्तर सहित

अस्पताल कार्य–निष्पादन सूचकांक

मानक	मुख्य अस्पताल		हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र		जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	
	2018–19	2017–18	2018–19	2017–18	2018-19	2017-18
ठहरने की औसतन अवधि (दिन)	9.5	9.3	10.2	9.8	10	8
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	86.8	86.4	84.9	87.9	80	68
शुद्ध मृत्यु दर (%)	1.7	1.8	2.9	2.8	6	6
संयुक्त अपरिष्कृत संक्रमण दर (%)	5.8%	6.0%	–	–	–	–

सी.सी.एम.: सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र

सी.डी.ई.आर.: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.: डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

डॉ. रा.प्र. केन्द्रः डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
जे.पी.एन.ए.टी.सी.: जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
एन.सी.आई.: राष्ट्रीय कैंसर संस्थान
एन.डी.डी.टी.सी.: राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

fo"k; lwph

1. निदेशक की समीक्षा 1
2. संस्थान और इसकी समितियां 9
3. शैक्षिक अनुभाग 14
4. परीक्षा अनुभाग 22
5. सामान्य प्रशासन 28
6. अस्पताल 31
   6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग 32
   6.2 आहारविज्ञान 48
   6.3 अस्पताल बिलिंग अनुभाग 51
   6.4 नर्सिंग सेवाएं 51
   6.5 कल्याण एकक 63
   6.6 चिकित्सा समाज कल्याण एकक 66
7. नर्सिंग महाविद्यालय 79
8. अनुसंधान अनुभाग 88

foHkkx

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार 95
9.2 शरीररचना विज्ञान 110
9.3 जैव रसायन विज्ञान 126
9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी 143
9.5 जैव भौतिकी 147
9.6 जैव सांख्यिकी 154
9.7 जैव प्रौद्योगिकी 164
9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 175
9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान 200
9.10 आपात चिकित्सा 205
9.11 अंतः स्राविकी एवं चयापचय 214
9.12 न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान 225
9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक (एच.एन.यू.) 230
9.14 जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण 241
9.15 जराचिकित्सा विभाग 245
9.16 रुधिर विज्ञान 248
9.17 अस्पताल प्रशासन 254
9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा 261
9.19 काय चिकित्सा 271
9.20 सूक्ष्म जैव विज्ञान 282
9.21 वृक्क विज्ञान 304
9.22 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद 314
9.23 नाभिकीय चिकित्सा 321
9.24 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 328
9.25 अस्थिरोग 353

9.26 नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान 363
9.27 बाल चिकित्सा विज्ञान 374
9.28 बाल शल्य चिकित्सा 413
9.29 विकृति विज्ञान 423
9.30 भेषजगुण विज्ञान 445
9.31 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास 454
9.32 शरीर क्रिया विज्ञान 459
9.33 प्लास्टिक, पुनर्संरचना और दग्ध शल्य चिकित्सा 480
9.34 मनोचिकित्सा विज्ञान 485
9.35 पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार 506
9.36 विकिरणनिदान 512
9.37 प्रजनन जैवविज्ञान 529
9.38 रूमेटोलॉजी 537
9.39 शल्य चिकित्सा विभाग 542
9.40 आधान चिकित्सा एवं रक्त कोष 554
9.41 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 557
9.42 मूत्ररोग विज्ञान 564

dsUnz

10.1 हृद्–वक्ष विज्ञान केंद्र 575
10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र 619
10.3 डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल 640
10.4 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र 686
10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र 729
10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र 760
10.7 तंत्रिका विज्ञान केन्द्र 776

dsUnzh; lqfo/kk,¡

11.1 बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय 826
11.2 कैफेटेरिया 831
11.3 केंद्रीय पशु सुविधा 833
11.4 केंद्रीय कार्यशाला 835
11.5 कम्प्यूटर सुविधा 838
11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा 853
11.7 छात्रावास अनुभाग 856
11.8 नीति विषयक समिति 861
11.9 चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार के.एल. विग सेंटर (सीएमईटी–आई) 862
11.10 मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग 868

12. izdk'ku 879
13. foÙk izHkkx 880

1- fun’kd dh leh{kk

मुझे संस्थान की 63वीं वार्षिक रिपोर्ट तथा वर्ष 2018-2019 के लेखों का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली (एम्स) की स्थापना सन् 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा स्वास्थ्य उपचार के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के पोषण हेतु एक केन्द्र के रूप में कार्य करने के लिए स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी। आज संस्थान जिस प्रकार से फल-फूल रहा है उसके लिए संस्थान इसके शिक्षाविदों, छात्रों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, स्टाफ एवं क्लाइंट का आभारी है, जिनमें आज भी उतना ही जज़्बा है जितना इसके संस्थापकों में था। संस्थान जानता है कि जहां एक ओर वैयक्तिक प्रतिभा महत्वपूर्ण होती है, वहीं दूसरी ओर समान लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एक टीम के साझा प्रयासों की संचयी परामर्श क्षमता ही अक्सर कुछ अलग कर दिखाने में कामयाब होती है। मैं दिन-रात असाधारण कार्य करने वाले इस विशेष समुदाय का आभारी हूँ।

हमारी उपलब्धियां शिक्षा, विज्ञान और उपचार के प्रति हमारे साझा समर्पण को दर्शाती हैं तथा मैं इस रिपोर्ट में पिछले वर्ष की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों में से कुछ पर प्रकाश डालते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ।

भविष्य-उन्मुखी आधारभूत संरचना

एम्स के पुनर्विकास हेतु अनुमानित 9,053 करोड़ रुपये के मास्टर प्लान को 28 फरवरी 2019 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी प्राप्त हुई। इस प्लान के तहत, एम्स की संस्थागत तथा नैदानिक सुविधाएं दोगुनी हो जाएंगी तथा वर्ष 2024 तक अस्पताल के बिस्तरों की वर्तमान संख्या 2,084 से बढ़कर कम से कम 5,000 बिस्तर हो जाएगी। ‘वन-एम्स’ नामक यह प्लान दिल्ली की मुख्य सड़कों से अलग-थलग पड़े पांच भूमि खण्डों में बिखरे परिसरों को एकीकृत करेगा। यह पुनर्विकास रोगी उपचार, शिक्षण, अनुसंधान तथा प्रशासन हेतु आधारभूत संरचना का इष्टतम प्रयोग करने के लिए भूमि के पुन: व्यवस्थापन, लम्बवत् विस्तार एवं उसका एकीकरण करके रोगी सेवा में वृद्धि करने पर केन्द्रित है। हमारी स्थापना से लेकर 6 दशकों की अवधि में रोगियों की संख्या और मानव संसाधनों में लगभग 10 गुना बढ़ोतरी होने के कारण एकीकृत विस्तार का कार्य काफी समय से लंबित था और आधारभूत संरचनात्मक विकास कार्य तेज गति से नहीं हो पाया है।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 12 फरवरी, 2019 को एम्स, दिल्ली का राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर (एन.सी.आई.) राष्ट्र को समर्पित किया गया। 2,035 करोड़ रुपये की लागत से बना राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एक ही अस्पताल संबंधी परियोजना में भारत सरकार द्वारा किया गया सबसे बड़ा निवेश है तथा इसके नाम 3 वर्ष की रिकॉर्ड अवधि में मेगा हेल्थकेयर परियोजना पूरा होने का अनूठा रिकॉर्ड दर्ज है। एन.सी.आई. में कैंसर की रोकथाम, उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा हेतु समर्पित 710 रोगी उपचार बिस्तर तथा 25 ऑपरेशन थियेटर हैं। यह लिनीयर एक्सिलिरेटर्स, पी.ई.टी., एम.आर.आई. और सी.टी. स्कैनर तथा ब्रेकीथेरेपी उपकरणों जैसी आधुनिकतम तकनीकों से लैस है। एन.सी.आई. द्वारा पहली सार्वजनिक क्षेत्र की प्रोटोन सुविधा तथा रोबोटिक कोर क्लीनिकल लेबोरेटरी की भी सुविधा प्रदान की जाएगी, जो एक दिन में 60,000 से अधिक जांच कर सकती है तथा 2 घंटे में जांच रिपोर्ट प्रदान करने में सक्षम है। एन.सी.आई. द्वारा हॉस्पिटल क्रिटिकल केयर सिस्टम और कागज रहित रोगी रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के लिए उन्नत डिजिटल एकीकरण कार्य भी किया जाएगा। एन.सी.आई. भारत संबंधी विशिष्ट कैंसरों पर ट्रांसलेशनल अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा जिससे कैंसर की समयपूर्व पहचान और बेहतर उपचार परिणाम प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। यू.एस.ए., फ्रांस, यू.के. जैसे विभिन्न देश एन.सी.आई. के साथ अनुसंधान साझीदार बने हैं तथा संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएं पहले ही आरंभ हो चुकी हैं। कैंसर की रोकथाम और उपचार में भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका पर अनुसंधान हेतु एन.सी.आई. ने आयुष विभाग के साथ भी साझीदारी की है। इसके अलावा, एन.सी.आई. कैंसर संबंधी गतिविधियों के विकास एवं परामर्श के लिए भारत के राज्य कैंसर संस्थानों (एस.सी.आई.) तथा तृतीयक उपचार कैंसर केंद्रों (टी.सी.सी.सी.) के नेटवर्क हेतु शीर्ष निकाय के रूप में भी कार्य करेगा।

एम्स अपने बाह्य रोगी विभाग (ओ.पी.डी.) को मस्जिद मोठ से सटे अधिक स्थान वाले क्षेत्र में स्थानांतरित करने के लिए तैयार है। हरित और ऊर्जा संरक्षण मानकों के अनुसार निर्मित नई ओ.पी.डी. में एक बार में 10,000 रोगी आ सकेंगे। एम्स एक

नए ब्लॉक का भी निर्माण कर रहा है जिसमें विशेष रूप से बुर्जुग लोगों को बहु-विशिष्टताओं वाली स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएगी। 200 बेड-ब्लॉक तथा एक ऑपरेशन थियेटर वाले नेशनल सेन्टर फॉर एजिंग का भी 330 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण किया जा रहा है। अस्थिरोग विभाग द्वारा उन्नत ऑपरेशन करने के लिए एक अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर कॉम्प्लेक्स की स्थापना की गई है, जिससे वर्तमान सुविधाओं का विस्तार होने से रोगियों की प्रतीक्षा सूची छोटी हो जाएगी। इस सुविधा के द्वारा रोबोटिक स्पाइन सर्जरी तथा शैक्षिक उद्देश्यों हेतु सर्जरी की लाइव स्ट्रीमिंग भी उपलब्ध कराई जाएगी।

एम्स ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को लागू करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी (एन.एच.ए.) के साथ समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान द्वारा इस योजना के प्रावधानों के अनुपालन में तथा अनुमोदित पैकेजों के अनुसार अस्पताल में भर्ती पात्र लाभार्थी रोगियों को सभी नैदानिक और उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। संस्थान में रोगियों के सुगम आवागमन के लिए जीपीएस दिशा-निर्देशित पथ प्रदर्शक 'एम्स इंफोर्मेशन' नामक एक नया ऐप लांच किया गया है। यह ऐप मौजूदा वेबसाइट्स के माध्यम से यूनिक हॉस्पिटल आईडी का प्रयोग करते हुए रोगियों को ऑनलाइन अपाइंटमेंट लेने तथा अपनी प्रयोगशाला रिपोर्ट देखने में सहायता करेगा। पंजीकृत रोगी यह भी पता कर सकते हैं कि क्या वे प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना के अंतर्गत बीमा योजना के पात्र हैं अथवा नहीं। इसके अलावा यह ऐप उन रोगियों को आस-पास के सरकारी अस्पतालों का मानचित्र तथा उनके आपातकालीन नम्बर भी उपलब्ध कराता है, जिन्हें एम्स से दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किये जाने की आवश्यकता हो सकती है।

मेधावी चिकित्सकों की भावी पीढ़ी को प्रशिक्षित करना

एम्स ने वर्ष 2018-19 में इंडिया टूडे तथा द आउटलुक द्वारा संचालित किए गए स्वतंत्र सर्वेक्षणों तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.) के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिग फ्रेमवर्क में भारत के चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। साथ ही सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के अनुसार एम्स भारत का एकमात्र ऐसा चिकित्सा संस्थान है जो विश्वव्यापी स्तर पर उच्च शिक्षा की डिग्री प्रदान करने वाले शीर्ष 1000 संस्थानों में सम्मिलित है। हमारे प्रशिक्षक यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि आधारभूत, ट्रांसलेशनल और नैदानिक विज्ञान के मिश्रण से तैयार किया गया हमारा गतिशील पाठ्यक्रम, स्वास्थ्य क्षेत्र में अगली पीढ़ी के मेधावियों को तैयार कर रहा है।

विभिन्न शिक्षण विभागों एवं सुविधाओं से युक्त अपने 7 केंद्रों तथा 42 आत्मनिर्भर विभागों, लगभग 700 संकाय सदस्यों सहित 10,000 से अधिक स्टाफ सदस्यों के साथ एम्स काफी बड़ी संख्या में चिकित्सा स्नातकों, विशेषज्ञों (एम.डी./एम.एस.), अति विशिष्टता विशेषज्ञों (डी.एम./एम.सी.एच.), पी.एच.डी. स्कॉलरों और नर्सों तथा परा-चिकित्सा विशेषज्ञों सहित संबद्ध स्वास्थ्य एवं आधारभूत विज्ञान के विशेषज्ञों को तैयार करता है। वर्ष के दौरान, हमने विभिन्न पाठ्यक्रमों में 1,015 स्कॉलरों को पंजीकृत किया। संस्थान द्वारा 694 प्रशिक्षुओं को भी प्रशिक्षण दिया गया। एम्स नई दिल्ली द्वारा अन्य एम्स संस्थानों के लिए परामर्शदाता के रूप में अपनी भूमिका निभानी जारी रखी गई और उनके एम.बी.बी.एस. तथा बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रमों में छात्रों के लिए भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गईं तथा अंतिम चयन हेतु काउंसलिंग सेवाएं प्रदान की गईं।

संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा तथा क्रिटीकल केयर विभाग द्वारा ऑपरेशन थियेटर सेवाओं में बी.एस-सी. पाठ्यक्रम तथा पीड़ा चिकित्सा में एक-वर्षीय फेलोशिप आरंभ की गई है।

एम्स द्वारा स्वास्थ्य उपचार क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सकों तथा वैज्ञानिक विद्वानों का चिकित्सा क्षेत्र की यथार्थ परिस्थितियों तथा विज्ञान और स्वास्थ्य उपचार सुविधा की नई पद्धतियों से परिचय कराया जाता है। संस्थान द्वारा हजारों चिकित्सकों तथा स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों को कौशल, ज्ञान और प्रदर्शन को बेहतर करने के उद्देश्य से क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा प्रदान की गई। हमने विभिन्न राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से 200 से अधिक कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया/मेजबानी की। एम्स के आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रोद्यौगिकी केन्द्र (सीमेट) ने स्टाफ सदस्यों के विभिन्न कैडरों के लिये 112 आन्तरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

जुलाई 2018 में कौशल, ई-लर्निंग एवं टेलिमेडिसिन (सेट) सुविधा का उद्‌घाटन किया गया। यह एक अत्याधुनिक सुविधा है, जिसे संस्थान में चिकित्सा शिक्षा के आधुनिकीकरण व उसे अद्यतन करने के लिए स्थापित किया गया है। यह चिकित्साशास्त्र के स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर छात्रों तथा नर्सिंग स्टाफ को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करता है ताकि वे वार्डों तथा निदानशालाओं में रोगियों का उपचार करते समय बेहतर रूप से तैयार रहें। सुविधा में विभिन्न चिकित्सीय तथा गैर-चिकित्सीय विभागों के संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी है जो प्रशिक्षण मॉड्यूल तथा शिक्षण सामग्री तैयार करते हैं तथा छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। सुविधा में एक ड्राई स्किल लैब है जिसे आधारभूत एवं उन्नत चिकित्सीय कौशल प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है तथा एक वैट लैब है जो केडेवरिक एवं अन्य शल्यक कौशल विकास संबंधी कार्यशालाओं हेतु सहयोग करती है। इसके अतिरिक्त, एस.ई.टी. (सेट) सुविधा में तीन आधुनिक स्टूडियो हैं जो पूरे भारत में 50 से अधिक चिकित्सीय संस्थानों के साथ जुड़ने में सक्षम हैं। इस सुविधा द्वारा सम्पूर्ण भारत के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों को टेलिमेडिसिन श्रृंखला के माध्यम से शिक्षा देने के लिये इस ई-लर्निंग माड्यूल को विकसित किया जा रहा है। शैक्षिक अनुभाग द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं छात्र प्रबंधन के लिये 'सरल' (स्टूडेंट एडवांस्ड रिसोर्सिज़ एण्ड लर्निंग) नामक सॉफ्टवेयर का पूर्व परीक्षण भी आरंभ किया गया है।

एम्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-दिल्ली (आई.आई.टी.-डी.) ने अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी इंटरवेंशन्स का प्रयोग कर एक मजबूत स्वास्थ्य उपचार पद्धति का निर्माण करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। दोनों संस्थानों द्वारा अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धि, सूक्ष्मता अभियान्त्रिकी, औषध वितरण हेतु उन्नत सामग्री और पॉलिमर, शल्यक पद्धतियों तथा चिकित्सा के अनुप्रयोग के क्षेत्र में 20 संयुक्त परियोजनाओं को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत सहयोग के छ: मुख्य क्षेत्रों में नियमित संयुक्त संवाद, संकाय अंत:विषयक अनुसंधान, दोनों संस्थानों के स्नातकपूर्व छात्रों में परस्पर विचार-विमर्श हेतु मंच प्रदान करना, एक संयुक्त पीएचडी / पर्यवेक्षण कार्यक्रम तथा झज्जर, हरियाणा में जैव चिकित्सा अनुसंधान पार्क का निर्माण करना सम्मिलित है। एम्स ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-खड़गपुर के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसका उद्देश्य शिक्षा, रिसर्च आउटरीच कार्यक्रम तथा चिकित्सा सेवाओं में संस्थागत सहयोग देना है। एम्स ने आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), जिनोमिकी और समवेत जीव विज्ञान संस्थान (आईजीआईबी), तथा ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई) के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। एम्स-आईआईटी-दिल्ली के सहयोग के अन्तर्गत 25 तथा एम्स-टीएचएसटीआई के सहयोग के अन्तर्गत 9 परियोजनाएं अनुमोदित की जा चुकी हैं।

एम्स ने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के साथ एक पार्टनरशिप की है ताकि अनुसंधान में आपसी सहयोग संभव हो सके और संस्थानों के बीच अकादमिक एवं छात्र आदान-प्रदान के अवसरों की संख्या को बढ़ाया जा सके। इस सहयोग के एक अंग के रूप में, एम्स, यूसीएल के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल सेंटर फॉर जिनोमिक मेडिसिन इन न्यूरोमस्क्यूलर डिसीसिज (आईसीजीएमएन) में शामिल हुआ है। आईसीजीएमएन 5 मिलियन पौंड की लागत वाली एक पहल है जो पांच देशों से कौशल और संसाधन को एक-साथ लाती है और जिसका उद्देश्य मोटर न्यूरोन रोग और मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी सहित पेशी क्षति न्यूरो मस्क्यूलर रोग से पीड़ित रोगियों के लिए अनुवांशिक निदान एवं चिकित्सा को उन्नत करना है।

एम्स द्वारा छात्र विविधता को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जाता है। एम्स के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विभिन्न पृष्ठभूमि से आये छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छात्र संरक्षण कार्यक्रम और करियर जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की गई है ताकि छात्रों को शिक्षा संबंधी परिणामों में सहायता मिल सके।

पूरे विश्व में किए गए अध्ययन दर्शाते हैं कि काम के लंबे घण्टे, अत्यधिक शैक्षिक भार, काम का मुश्किल वातावरण, और जीवन-मरण की परिस्थितियों में निरंतर रहने के कारण चिकित्सक और चिकित्सा छात्र तनाव में रहते हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, एम्स ने अपने चिकित्सा छात्रों और चिकित्सकों के लिए एक स्वास्थ्य क्लीनिक आरम्भ किया है। यह क्लीनिक प्रतिदिन 12 घण्टे के लिए खुलता है और इसके सहयोग हेतु समर्पित एक ई-हेल्पलाइन एवं 24x7 एम-हेल्पलाइन कार्यरत रहती है।

राष्ट्र-सेवा

सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र (सीसीएम), एम्स द्वारा प्रशिक्षण, संसाधन सामग्री संवर्धन और फील्ड आधारित गतिविधियों सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को तकनीकी सहायता प्रदान करना जारी रखा गया। सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र, भारत सरकार की मानव संसाधन विकास स्वास्थ्य अनुसंधान योजना के अन्तर्गत क्रियाशील अनुसंधान पर संकाय विकास संबंधी कार्यक्रमों का संचालन कर चुका है। इसे नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च ऑन एनीमिया कंट्रोल के तौर पर नामित किया गया तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) कोलाबोरैटिंग सेंटर फॉर कैपेसिटी डेवलेपमेंट एंड रिसर्च इन कम्युनिटी बेस्ड नॉन-कम्यूनिकेबल डिसीज़ (एन.सी.डी.) प्रिवेंशन एंड कंट्रोल के रूप में पुनःनामित किया गया। विभाग द्वारा भारत में तीव्र श्वसन संक्रमण तथा वायरल रोगजनकों के जानपदिक रोग विज्ञान को स्पष्ट करने हेतु सेंटर फॉर डिसीज़ कंट्रोल (सीडीसी) अटलांटा के साथ सहयोगी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं।

सरकारों के लिये अपने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावकता की योजना बनाने तथा उन्हें मॉनीटर करने हेतु मृत्यु के कारण सम्बन्धी आंकडें महत्वपूर्ण होते हैं; हालांकि भारत में और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश मौतों को चिकित्सीय रूप से प्रमाणित नहीं किया जाता। सीसीएम ने एमआईएनईआरवीए (मोर्टेलिटी इन इंडिया इस्टेब्लिशड थ्रू वर्बल ऑटोप्सीज़) का निर्माण किया है जो गृह मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (आर.जी.आई.) कार्यालय के लिए मृत्यु के कारणों की कोडिंग का एक ऑनलाइन प्लेटफार्म है।

स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में एम्स द्वारा आपात चिकित्सा विभाग में जलने व आघात के रोगियों के लिये व्यापक प्राथमिक चिकित्सा के साथ-साथ जिला अस्पतालों में आपातकालीन विभागों के लिये दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से, विभाग सड़क सुरक्षा, चोट रोकथाम के लिए दिशानिर्देश प्रतिपादित करने के साथ ही भारत में आपात तथा आघात चिकित्सा के एकीकरण हेतु भी कार्यरत है।

काय-चिकित्सा विभाग को तपेदिक में प्रशिक्षण एंव अनुसंधान हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र के रूप में निर्दिष्ट किया गया है। बाल चिकित्सा विभाग में भी दो विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केन्द्र (न्यूबोर्न ट्रेनिंग एंड रिसर्च इन न्यूबोर्न केयर और ट्रेनिंग इन क्लीनिकल एंड लैबोरेट्री जिनेटिक्स) हैं। बाल चिकित्सा विभाग का नवजात विज्ञान प्रभाग स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़, राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं अस्पताल, चंडीगढ़ तथा पब्लिक हेल्थ फांउडेशन ऑफ इंडिया की साझेदारी से देश के चार राज्यों में विशिष्ट नवजात चिकित्सा एकक (एसएनसीयू) में उपचाराधीन समय-पूर्व जन्में नवजातों की चिकित्सा की गुणवत्ता को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य साक्ष्य-आधारित प्रैक्टिस को लागू करते हुए समय-पूर्व जन्में नवजात शिशुओं में अपरिपक्व दृष्टि पटल विकृति (आरओपी) की व्यापकता को कम करना है। इस कार्य को क्वीन एलिज़ाबेथ डायमंड जुबली ट्रस्ट, यू.के. ने वित्तपोषित किया है।

रूधिर विज्ञान विभाग ने स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित थैलिसीमिया, हिमोग्लोबिनोपैथिज तथा हिमोफिलिया नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय नीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आरम्भ किये गये और एम्स में राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) के नेतृत्व में होने वाले राष्ट्रव्यापी अध्ययन में यह पता चला है कि 5.7 करोड़ भारतीय मद्यपान संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं; 72 लाख व्यक्तियों को उनकी भांग और गांजा/चरस के नशे संबंधी समस्याओं के लिये सहायता की आवश्यकता है; तथा 22 लाख व्यक्तियों को इनहेलेंट नशे की आदत से मुक्ति के लिये मदद की ज़रुरत है। इसके अतिरिक्त 2.5% भारतीय वयस्क आबादी नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करती है तथा लगभग 8.5 लाख लोग ड्रग्स का इंजेक्शन लगाते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी पता चला कि पिछले 15 वर्षों में साइकोएक्टिव पदार्थों जैसे कैनाबिस (भांग और गांजा/चरस), ओपियोइड्स (अफीम, हेरोइन एवं फार्मास्यूटिकल ओपियोइड्स), कोकेन, एम्फिटामाइन टाइप स्टिमूलेंट्स (ए.टी.एस.), शामक, इनहेलेंट दवाओं तथा विभ्रमजनक औषधियों का इस्तेमाल बढ़ गया है; और इससे पीड़ित अधिकतर लोगों के पास इसके उपचार की सुविधा नहीं है। भारत में नशे संबंधी समस्या का सामना करने के लिए सभी पक्षों के साथ विस्तृत परामर्श के बाद राष्ट्रीय दिशा-निर्देश बनाने के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को इस सर्वेक्षण से मदद मिलेगी। एन.डी.डी.टी.सी. द्वारा उपचार सुविधा में सुधार करने तथा उपचार छोड़ने को कम करने के लिए दिल्ली में शहर के अन्दर आस-पास के क्षेत्रों में

ओपियोइड प्रयोग से उत्पन्न विकारों से ग्रसित व्यक्तियों को दैनिक ऑब्जर्व्ड उपचार (डी.ओ.टी.) सुविधा प्रदान करने के लिए मोबाइल मिथेडॉन क्लीनिक भी आरंभ किए गए हैं। अभी तक, भारत में इस प्रकार के उपचार की आवश्यकता वाली आबादी के 2% से कम लोग विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुसार उपचार प्राप्त कर रहे हैं। इस पहल की सफलता के आधार पर, इस नई पद्धति को शहर और देश के विभिन्न भागों में आरंभ किया जा सकता है।

भ्रूण (अन्त: गर्भाशय) विकास के दौरान कटे-फटे होंठ तथा कटे-फटे तालू ऐसी स्थितियां होती हैं जिसमें होंठ के दोनों भाग तथा मुंह का ऊपरी भाग (तालू) पूरी तरह से एक-दूसरे से मिलते नहीं है। ये स्थितियां प्रकट विकृतियों में से है जो राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत देखी गई हैं। दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.डी.ई.आर.) द्वारा किए गए एक बहु-केन्द्रीय अध्ययन से पता चला है कि गर्भ धारण के प्रथम कुछ सप्ताहों के दौरान पोषण में कमी तथा तम्बाकू/धूम्रपान, मद्यपान, अत्यधिक दवा के सेवन एवं विकिरण के कारण नवजात शिशुओं में कटे-फटे होंठ तथा कटे-फटे तालू की समस्या हो सकती है। लोगों में इन स्थितियों की जांच करने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.) की सहायता से एक वेब-आधारित रिकार्डिंग पद्धति, "इंडीक्लेफ्ट" टूल विकसित किया गया है। दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से देश में दंत क्षय, मसूड़े की बीमारी, डेन्टोफेशियल विकृति, कैंसर के घाव, डेंटल फ्लोरोसिस एवं डेंटल ट्रॉमा जैसे आम दंत संबंधी आम रोगों पर नमूना आंकड़ा प्राप्त करने के लिए देशव्यापी मुखीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण भी आरंभ किया गया है।

हृद् विज्ञान विभाग के नेतृत्व में एक बहु-संस्थागत टीम द्वारा चार भारतीय राज्यों में एक सर्वेक्षण किया गया जिससे पता चला कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 23% प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को उच्च रक्तचाप की समस्या थी। अध्ययन में जांच एवं उपचार कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया गया क्योंकि बचपन में उच्च रक्तचाप से वयस्कता में बहुत जल्दी वे हृदय रोग से पीड़ित हो सकते हैं।

भेषजगुणविज्ञान विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पी.वी.पी.आई.) के अन्तर्गत एडवर्स ड्रग रिएक्शन (ए.डी.आर.) मॉनीटरिंग केंद्र (ए.डी.आर.-ए.एम.सी.) तथा मैटेरियोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (एम.वी.पी.आई.) हेतु मेडिकल डिवाइस मॉनीटरिंग केंद्र (एम.डी.एम.सी.) का संचालन किया जा रहा है।

अनुसंधान एवं नवाचार

यह युग नई खोजों की विलक्षण गति एवं अत्यधिक उन्नत प्रौद्योगिकियों के प्रचार-प्रसार से जाना जाता है। हमारा संस्थान जैवचिकित्सा से संबंधित अनुसंधान एवं खोज के गतिशील नेटवर्क का एक प्रमुख केन्द्र है। एम्स दिल्ली अनुसंधान परिणामों के मामले में भारत में शीर्ष चिकित्सा संस्थान बना हुआ है। एम्स द्वारा इस वर्ष राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लगभग 1900 अनुसंधान पत्र तथा 300 से अधिक मोनोग्राफ, पुस्तकें एवं पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए गए।

एम्स-दिल्ली में अनुसंधान अनुभाग, अनुसंधान हेतु मुख्य स्रोत के रूप में कार्य करता है। हम अपनी अनुसंधान की आधारभूत संरचना को विस्तृत एवं मजबूत कर रहे हैं, और क्रॉस-डिसीप्लीनरी सहयोगी अनुसंधान में निवेश कर रहे हैं तथा चिकित्सा उन्मुख एवं ट्रासलेशनल अनुसंधान शिक्षा को विकसित कर रहे हैं। संकाय-सदस्यों तथा वैज्ञानिकों ने संस्थान में 627 से अधिक वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया जिसमें बाह्य अनुसंधान अनुदान के रूप में 128 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त किए गए। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान अनुभाग ने अनुभवहीन अनुसंधान कार्यों में गति लाने के लिए 81 नई आन्तरिक अनुसंधान परियोजनाओं तथा अंत:-विषयक अनुसंधान को सहायता देने के लिए 30 सहयोगी स्कीम परियोजनाओं के लिए 3.72 करोड़ रुपये का अनुदान वितरित किया। अनुसंधान अनुभाग द्वारा एम्स में युवा अनुसंधानकर्ताओं के कार्य का प्रदर्शन करने के लिए 'अनुसंधान दिवस' का आयोजन किया गया। इसमें एम.बी.बी.एस. मेन्टरिंग योजना को जोड़ना महत्वपूर्ण रहा जिसके अन्तर्गत 26 अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ की गई जिसमें 68 छात्र शामिल थे।

एम्स के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के नेतृत्व में एक बहु-संस्थागत टीम द्वारा पल्मोनरी टी.बी. (फेफड़े का ट्यूबरकुलोसिस), प्लूरल टीबी (फेफड़े को प्रभावित करता हुआ ट्यूबरकुलोसिस) तथा टीबी मेनिंजाइटिस (मस्तिष्क को प्रभावित करता हुआ ट्यूबरकुलोसिस) के लिए अत्यन्त संवेदनशील एवं विशेष नैदानिक जांचें विकसित की गई हैं। इन नैदानिक जांचों में एक

डी.एन.ए. एप्टेमर (एक लघु एक-सूत्रीय डी.एन.ए. अणु जो एक विशिष्ट टारगेट अणु से जुड़ता है) का इस्तेमाल किया जाता है जो एक टीबी एंटिजेन के साथ अत्यन्त गहरे संबंध को दर्शाता है। इस टीम द्वारा सस्ते और तीव्र पोर्टेबल जांचें भी विकसित की गई हैं जिसे उच्च-जोखिम समूहों में पल्मोनरी टीबी तथा टीबी मेनिंजाइटिस की स्क्रीनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। एप्टेमर-आधारित निदान जीन एक्सपर्ट, स्मीयर माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे तथा एलिसा जैसे मानक स्क्रीनिंग जांचों से उत्कृष्ट हैं। जांचकर्ताओं द्वारा एप्टेमर रिजेंट के लिए पेटेंट हेतु आवेदन किया गया है एवं इसके आस-पास एक स्टार्ट-अप शुरू करने की योजना बनाई गई है।

भारत में अनुमानित रूप से प्रति वर्ष 1.5 मिलियन लोग अभिघातज मस्तिष्क की चोट से ग्रसित होते हैं। जय प्रकाश नारायण (जे.पी.एन.ए.) ट्रॉमा केन्द्र के आपात चिकित्सा विभाग द्वारा आई.आई.टी. हैदराबाद के सहयोग से मस्तिष्क क्षति की गंभीरता संबंधी सटीक पूर्वानुमान के लिए एक बायोमार्कर (ह्यूमन यूबिक्वीटिन सी-टर्मिनल हाइड्रोलेज-1) का परीक्षण किया गया है। इससे छोटे अस्पतालों में डॉक्टरों को उन्नत न्यूरोरेडियोलॉजिकल (सी.टी. अथवा एम.आर.आई.) सुविधाओं के अभाव में बिस्तर पर ही रक्त जांच के द्वारा मस्तिष्क क्षति का पता लगाने में सहायता मिलेगी तथा वे रोगियों को ऐसे केन्द्रों के लिए रैफर कर सकते हैं जहां ऐसे रोगियों का उपचार हो सकता है।

अनुसंधानकर्ताओं की बहु-संस्थागत टीम द्वारा बालचिकित्सा विभाग के नेतृत्व में मशीन-लर्निंग एलगोरिद्म (कृत्रिम इंटेलिजेंस-आधारित मॉडल) विकसित किया गया है जो डॉक्टरों द्वारा चिकित्सीय रूप से निदान करने से लगभग 12 घंटे पहले बच्चों में हेमोडायनामिक शौक (अंगों में ऑक्सीजन की अपर्याप्त आपूर्ति) की स्थिति का पता लगा सकता है। इसकी शीघ्र-पहचान से अंगों के खराब होने एवं मृत्यु को रोका जा सकता है। अनुसंधानकर्ता मशीन-लर्निंग एलगोरिद्म का इस्तेमाल करने में सक्षम थे क्योंकि एम्स के बालचिकित्सा के गहन उपचार एकक (आई.सी.यू.) में विशाल आकंड़े संग्रहण की सुविधा है (आई.सी.यू. में प्रत्येक रोगी से जुड़ी जानकारी प्रति सेकेंड संग्रहित की जाती है) जो भारत में इस प्रकार की प्रथम सुविधा है।

एम्स के कैंसर शल्य चिकित्सकों (शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान) द्वारा पेट के कैंसरों के रोगियों का ऑपरेशन करने के लिए एक नई तकनीक विकसित की गई है। इस पद्धति को टू पैरलल कर्वीलिनियर इनसिजन तकनीक कहा जाता है, जो रोगी के उत्तरजीविता-दर में वृद्धि करता है एवं उनकी सुरक्षा को जोखिम में डाले बिना फ्लैप नेक्रोसिस को कम करता है।

त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग द्वारा स्वीडन के लुंड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर संचालित एक अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि सीमेंट (उदाहरण स्वरूप-निर्माण उद्योग में कार्य करने वाले मजदूर) से पेशेवर रूप से संपर्क में आने पर त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। सीमेंट में व्याप्त पोटाशियम डाइक्रोमेट हेक्सावेलेंट क्रोमियम जैसे रसायनों की प्रमुख सांद्रताओं से त्वचा संबंधी समस्याएं जैसे डर्माटाइटिस, एक्जिमा, पित्तिका एवं त्वचा में जलन तथा अन्य समस्याएं हो सकती हैं। सीमेंट में फेरस सल्फेट के मिश्रण से हानिकारक रासायनिकों के प्रभाव में कमी आ जाती है। इससे उत्पादन की लागत में मामूली वृद्धि हो सकती है, परन्तु इससे सीमेंट जनित एलर्जी के खतरे को कम करने में सहायता मिल सकती है।

योग को स्वास्थ्य प्रचार के एक माध्यम के रूप में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने के बाद, अत्यधिक प्रसिद्धि प्राप्त हुई है। हालांकि आधुनिक युग की दवा की व्यापक स्वीकृति के लिए विशेष रूप से चिकित्सा अनुसंधान समुदाय में इन्टरवेंशन्स हेतु लाभ के साक्ष्य की मांग करती है। एम्स के सहयोग से पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के नेतृत्व में बहु-केन्द्रीय अध्ययन में यह दर्शाया गया है कि हृद्पात से पीड़ित रोगियों के लिए योग आधारित उपचार पारम्परिक हृदय संबंधी पुनर्सुधार कार्यक्रमों का एक आदर्श विकल्प है। यह सुरक्षित, सुविधाजनक, किफायती एवं इसके परिणामस्वरूप जीवन की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त इंटरवेन्शन में हृदय संबंधी पुनरावर्ती घटनाओं जैसे कि हृद्पात तथा स्ट्रोक कम हुए हैं तथा अस्पताल में हृदय संबंधी आपात भर्तियों में भी 50% तक कमी आई है। शरीर क्रिया विज्ञान विभाग द्वारा संचालित एक अन्य अध्ययन के परिणामों से यह पता चला है कि एक विशिष्ट लय (रिदम) (प्रणायाम) में श्वास लेना हृद्वाहिकाओं के स्वास्थ्य पर कई सकारात्मक प्रभाव डालता है। आयुष मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित तथा एम्स के शरीर रचना विभाग की आनुवंशिक प्रयोगशाला द्वारा एम्स के विभिन्न विभागों (डॉ. आर.पी. नेत्र विज्ञान केन्द्र., शरीर क्रिया विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, मनोचिकित्सा) के साथ समन्वित अध्ययनों से पता चला है कि योग एवं ध्यान से ग्लूकोमा से ग्रसित रोगियों में नेत्र दबाव को कम करने में सहायता मिल सकती है; स्पर्म

डी.एन.ए. की गुणवत्ता में सुधार द्वारा पुनरावर्ती स्वत: गर्भपात की घटनाओं में कमी लाई जा सकती हैं तथा तनाव की तीव्रता को भी कम किया जा सकता है। जिन रोगियों ने ध्यान संबंधी थेरेपी करवाई है, उनके तनाव के हार्मोनों, रोग के परिवर्तनीय कारकों जैसे ऑक्सीडेटिव तनाव तथा जीनोमिक इंटेग्रिटी; तथा स्वास्थ्य के सुधार में बड़ा परिवर्तन हुआ है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ऑपरेशन के बाद रोगियों में योग के प्रभाव पर एम्स में किए गए सर्वेक्षण के उत्साहजनक परिणामों के पश्चात् सभी अन्य एम्स में योग की शुरूआत करने की योजना बनाई है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा अग्न्याशय संबंधी रोग तथा आंत संबंधी रोग में जठरांत्र विज्ञान विभाग एवं मानव पोषण एकक को उन्नत अनुसंधान उत्कृष्टता (सी.ए.आर.ई. अर्थात् केयर) के दो केन्द्र प्रदान किए गए थे। उसी प्रकार, बाल चिकित्सा विभाग को भी अग्रिम अनुसंधान उत्कृष्टता के दो आई.सी.एम.आर. केन्द्र (वृक्क विज्ञान एवं पुल्मोनोलॉजी; तथा बाल्यावस्था तंत्रिका विकासात्मक विकार) प्रदान किए गए थे।

किफ़ायती गुणवत्ता उपचार

'एम्स' एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है जो आर्थिक रूप से पिछड़े लाखों अस्वस्थ व्यक्तियों के लिए एक आशा की किरण है और जिसके प्रवेश द्वार पर उन व्यक्तियों की भीड़ लगी रहती है जिनके मन में यह दृढ़ विश्वास एवं उम्मीद है कि यही वह स्थान है जहां वे अपनी चिकित्सीय समस्याओं का समाधान एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगें।

चिकित्सकों को उनके नैदानिक उपचार में नवीन उन्नतियों को शामिल करना होगा; लेकिन उन्हें अत्यावश्यक नैदानिक समस्याओं तथा अपूर्ण आवश्यकताओं के लिए अनुसंधान को संचालित करने के संदर्भ में नेतृत्व भी प्रदान करना होगा। वर्तमान युग में, जहां चिकित्सा उपचार की उच्च लागत के कारण स्वास्थ्य उपचार प्रदान करना एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है वहां एम्स निरंतर किफ़ायती दरों पर गरीब से गरीब तबके को भी उच्चतम गुणवत्ता का साक्ष्य-आधारित उपचार प्रदान कर रहा है। एम्स मुख्य अस्पताल एवं इसके केन्द्रों-हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र (हृ. तं. केन्द्र), जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केन्द्र, डॉ.भी.रा.अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.), डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र (डॉ. रा.प्र.ने.वि.कें.), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सी.डी.ई.आर.), राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र (एन.डी.डी.टी.सी.) में कुल बिस्तर संख्या 2,483 है। वर्ष के दौरान, अ.भा.आ.सं. द्वारा लगभग 40 लाख बाह्य रोगियों और 2.5 लाख आंतरिक रोगियों का उपचार किया तथा लगभग 87% के औसत बिस्तर अधिभोग, लगभग अस्पताल में ठहरने के औसत दिन 9.5; तथा 2% से कम शुद्ध मृत्युदर के साथ सर्वोत्कृष्ट रोगी उपचार सेवा मापदण्डों के अनुसार 2 लाख ऑपरेशन किए गए। एम्स भारत के भीतर एवं बाहर, विशेषकर दक्षिण एवं दक्षिणपूर्वी एशिया में स्वास्थ्य उपचार की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

डॉ. रा.प्र.ने.वि.कें., जो एम्स में राष्ट्रीय नेत्र बैंक का संचालन करता है, उसने कॉर्निया के दान और उपयोगिता को सरल बनाने हेतु ऑर्बो (अंग पुन: स्थापन बैकिंग संस्था) को वास्तविक समय में मृत्यु की सूचना देने वाले नए अस्पताल कॉर्निया पुन:स्थापन कार्यक्रम (एच.सी.आर.पी.) प्रारंभ किया है। एम्स द्वारा फेफड़ों का प्रतिरोपण करने हेतु सरकार से अनुमति मांगी गई है। इसमें मृत दानदाता के शरीर से प्राप्त स्वस्थ फेफड़े को अस्वस्थ फेफड़े वाले रोगी में प्रतिस्थापित करना शामिल है। शल्य चिकित्सा हेतु आधारभूत संरचना उपलब्ध है तथा संस्थान द्वारा प्रशिक्षण के लिए शव संबंधी कार्यशालाओं का संचालन किया गया है।

न्याय चिकित्सा विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति (आई.सी.आर.सी.), गुजरात फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी तथा एन.जी.ओ. अर्थ सेवियर फाउंडेशन के साथ मिलकर मृत्यु के उच्च प्रबंधन हेतु शवागृह नियम-पुस्तिका को तैयार किया गया है। यह नियम-पुस्तिका आधारभूत संरचना तथा प्रक्रियात्मक आयामों में सुधार के अतिरिक्त, जो व्यक्ति अपने प्रियजनों को खो चुके है, उनके लिए भावनात्मक सहायता के प्रावधान पर बल देती है।

विकिरण निदान विभाग द्वारा उसके चिकित्सीय साधन में फ्लैट पैनल डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी तथा सी-आर्म फ्लोरोस्कोपी को शामिल किया गया है। विभाग द्वारा सी.टी. तथा एम.आर. इमेजों के टेक्सचर विश्लेषण हेतु अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर तथा अस्थि आयु के आकलन हेतु अन्य सॉफ्टवेयर को भी प्राप्त किया गया है। एम्स में पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार विभाग द्वारा लघु ट्यूमर जैसे फेफड़ों में स्पोट्स से पीड़ित रोगियों के निदान एवं उपचार हेतु वर्चुअल ब्रोन्कोस्कोपी नेविगेशन (वी.बी.एन.), उन्नत सुविधा को शुरू किया गया है। यह मशीन श्वासनली के त्रि-आयामी (3डी) दृश्य को उभारने के

लिए रोगी के सीटी स्कैन इमेज का प्रयोग करती है जिसके पश्चात् ब्रोंकोस्कोप को फेफड़ों में छेद करने की क्रिया से बचाते तथा जटिलताओं को घटाते हुए श्वासनली के माध्यम से अस्वस्थ क्षेत्र में पहुँचाया जा सकता है।

पुरस्कार

माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू जी द्वारा प्रो. ए.के. सराया, समिरन नंदी, कमल बक्शी तथा गोमती गोपीनाथ को 46वें वार्षिक दीक्षांत समारोह लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया।

एम्स-दिल्ली ने तीसरे वर्ष के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कायाकल्प पुरस्कार के तहत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विज्ञान के उच्च मानकों को बनाए रखने हेतु वर्ष 2018-2019 के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

निष्कर्ष

यह तथ्य कि हमें विभिन्न स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा कई वर्षों से लगातार विभिन्न मानदण्डों पर रोगी उपचार, आयुर्विज्ञान शिक्षा तथा जैवआयुर्विज्ञान अनुसंधान हेतु सर्वश्रेष्ठ भारतीय संस्थान के रूप में स्थान दिया गया है, हमारे संस्थानगत सामर्थ्य का प्रतीक है तथा शिक्षकों, शिक्षार्थियों, अनुसंधानकर्त्ताओं तथा स्टाफ-सदस्यों की कई पीढ़ियों द्वारा किए गए प्रयास का प्रमाण है। मेरे विचार से एम्स की इस बहु-आयामी भूमिका के लिए स्वीकृति एवं मान्यता की आवश्यकता है।

एम्स-दिल्ली ज्ञान एवं विचारों की उत्पत्ति हेतु पूर्ण रूप से समर्पित है जो सभी लोगों के लिए स्वस्थ जीवन प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

रणदीप गुलेरिया
निदेशक

2. lLFkku vkj bldh lfefr;k

lLFkku fudk;

1.	Jh txr idk'k uMMk स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	अध्यक्ष
2.	ikQslj jke xksiky ;kno] lkln ¼jkT; lHkk½ 8–ए, लोधी स्टेट, नई दिल्ली – 110003	सदस्य
3.	Jh jes'k fc/kMh] lkln ¼yksd lHkk½ म. नं. 179 संपत हाउस, तुगलकाबाद गांव, नई दिल्ली 110044	सदस्य
4.	Jh ijos'k lkfgc flg oek] lkln ¼yksd lHkk½ 1/14 बी, शांति निकेतन, नई दिल्ली	सदस्य
5.	Jh vkj- lqcãe.;e सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य
6.	ikQslj ,e- ds- Hkku पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
7.	Jherh ihfr lnu सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य
8.	ikQslj ;ksxs'k dqekj R;kxh कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन)
9.	Mk- ,l- oSdVs'k महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (पदेन) (दिनांक 17 जून, 2018 से)
	Mk- txnh'k izlkn	(दिनांक 16 जून, 2018 तक)
10.	Mk- Mh- ,l- jk.kk अध्यक्ष, प्रबंधन बोर्ड, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली 110060	सदस्य

11. Mk- ¼Jherh½ fot; y{eh lDlsuk — सदस्य

समन्वयक, जैव सूचना विज्ञान
डीबीटी (भारत सरकार) का मूलसंरचना सुविधा केंद्र,
अध्यक्ष, प्राणिविज्ञान विभाग, दयानंद गर्ल्स पी.जी कॉलेज,
कानपुर, उत्तर प्रदेश
7/182, स्वरूप नगर, कानपुर 208002, उत्तर प्रदेश

पूर्व महासचिव, भारतीय विज्ञान कॉग्रेस एसोसिएशन
(आई.एस.सी.ए.) कोलकाता, पश्चिम बंगाल

12. Mk- eg'k ch- iVsy — सदस्य

एफ–001, शिलालेख टावर, पुलिस स्टेडियम के सामने,
शाही बाग, अहमदाबाद 380004, गुजरात

13. Mk- Mh- th- egsldj — सदस्य

कुलपति, महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस
डिंडोरी रोड, महसरूल नासिक 422004, महाराष्ट्र

14. Mk- ,u- xksikyÑ".ku — सदस्य

आचार्य (वृक्क विज्ञान) मद्रास मेडिकल कॉलेज,
चेन्नई, तमिलनाडु 600003

15. Jherh fot;k JhokLro — सदस्य

अपर सचिव और वित्त सलाहकार,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011

16. iksQslj j.knhi xqysfj;k — सदस्य सचिव (24.03.2017 से)

निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

iksQslj ,e- lh- feJ — (31.1.2017 तक)

निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

17. Jh lqHkk"k iar — विशेष आमंत्रित

संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011

18. iksQslj oh-d- cgy — विशेष आमंत्रित

संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

19. Mk- Mh- d- 'kek] — विशेष आमंत्रित

चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

'kklh fudk;

1.	श्री जगत प्रकाश नड्डा	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य
3.	श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)	सदस्य
4.	श्रीमती प्रीति सूदन	सदस्य
5.	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य
6.	डॉ. डी. एस. राणा	सदस्य
7.	डॉ. एस. वैंकटेश	सदस्य (17 जून, 2018 से)
	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (16 जून, 2018 तक)
8.	डॉ. महेश बी. पटेल	सदस्य
9.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
10.	डॉ. डी.एस. गंगवार	सदस्य (13 मार्च, 2019 से)
	श्री आर.के. वत्स	सदस्य (दिनांक 26 नवम्बर, 2018 से 13 मार्च, 2019 तक)
	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य (दिनांक 25 नवम्बर, 2018 तक)
11.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य सचिव
12.	प्रोफेसर वी.के. बहल संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित
13.	डॉ. डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित

स्थायी वित्त समिति

1.	श्रीमती प्रीति सूदन	अध्यक्ष
2.	श्री परवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोक सभा)	सदस्य
3.	डॉ. एस. वैंकटेश	सदस्य (17 जून, 2018 से)
	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (16 जून, 2018 तक)
4.	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य
5.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य
6.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
7.	डॉ. डी. एस. गंगवार	सदस्य (13 मार्च, 2019 से)
	श्री आर.के. वत्स	सदस्य (दिनांक 26 नवम्बर, 2018 से 13 मार्च, 2019 तक)
	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य (दिनांक 25 नवम्बर, 2018 तक)
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया	सदस्य सचिव

स्थायी शैक्षिक समिति

1.	डॉ. महेश बी. पटेल	अध्यक्ष
2.	डॉ. एस. वैंकटेश	सदस्य (17 जून, 2018 से)
	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (16 जून, 2018 तक)
3.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य
4.	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य
5.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
6.	डॉ. डी. एस. राणा	सदस्य
7.	डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया	सदस्य सचिव

स्थायी संपदा समिति

1.	प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)	अध्यक्ष
2.	श्री परवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा)	सदस्य
3.	डॉ. डी. एस. राणा	सदस्य
4.	डॉ. एस. वैंकटेश	सदस्य (17 जून, 2018 से)
	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (16 जून, 2018 तक)
5.	प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी	सदस्य
6.	डॉ. डी. एस. गंगवार	सदस्य (13 मार्च, 2019 से)
	श्री आर.के. वत्स	सदस्य (दिनांक 26 नवम्बर, 2018 से 13 मार्च, 2019 तक)
	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य (दिनांक 25 नवम्बर, 2018 तक)
7.	डॉ. एन. गोपालकृष्णन	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया	सदस्य सचिव

स्थायी अस्पताल कार्य समिति

1.	श्री परवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा)	अध्यक्ष
2.	श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)	सदस्य
3.	डॉ. डी. एस. राणा	सदस्य
4.	डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना	सदस्य
5.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य

6.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
7.	डॉ. एन. गोपालकृष्णन	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया	सदस्य सचिव

स्थायी चयन समिति

1.	डॉ. डी. एस. राणा	अध्यक्ष
2.	डॉ. एस. वैंकटेश डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य (17 जून, 2018 से) सदस्य (16 जून, 2018 तक)
3.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
4.	प्रोफेसर एम. के. भान	सदस्य
5.	डॉ. महेश बी. पटेल	सदस्य
6.	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (28 फरवरी, 2018 से)
7.	डॉ. एन. गोपालकृष्णन	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया	सदस्य सचिव

3- 'kf{kd vuqHkkx

l dk ;k/;{k

वी.के. बहल

सह–संकायाध्यक्ष

राजीव कुमार

dqy&lfpo

संजीव लालवानी

शैक्षिक अनुभाग के द्वारा नीतियां एवं योजनाएं बनाई जाती हैं तथा शैक्षिक गतिविधियों का संचालन किया जाता है। शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत चिकित्सा, नर्सिंग तथा पराचिकित्सा पाठयक्रमों में स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रम आते हैं। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर तथा परा चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता है।

स्नातक–पूर्व शिक्षा

अनुभाग के द्वारा नए छात्रों के प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताएं पूरी की जाती हैं, पाठ्यक्रमों का विकास एवं संशोधन किया जाता है तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले स्नातक–पूर्व छात्रों का आंतरिक मूल्यांकन भी किया जाता है। संचालित पाठ्यक्रम हैं: एम.बी.बी.एस., बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी, नेत्रविज्ञान तकनीक, ऑपरेशन थिएटर प्रौद्योगिकी, बी.एस.सी. दंत स्वच्छता, बी.एस.सी. दंत शल्यक्रिया कक्ष सहायक (डीओआरए), बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) तथा बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम।

चिकित्सा स्नातक एवं शल्य चिकित्सा स्नातक (एम.बी.बी.एस.)

जुलाई 2004 में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में शिक्षा के पैटर्न की समीक्षा तथा पुनर्रचना की गई। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम साढ़े पांच वर्ष का है तथा इस अवधि में 3 चरण और इंटर्नशिप पूरा करना होता है। विवरण निम्नानुसार हैं :

चरण	**अवधि (वर्षों में)**	**प्रशिक्षण**
प्रथम	एक वर्ष	पूर्व–नैदानिक
द्वितीय	डेढ़ वर्ष	परा–नैदानिक
तृतीय	दो वर्ष	नैदानिक
इंटर्नशिप	एक वर्ष	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रूप से रोटेशन

वर्तमान में प्रतिवर्ष 100 (50 सामान्य श्रेणी, 15 अनुसूचित जाति, 8 अनुसूचित जनजाति एवं 27 अन्य पिछड़े वर्ग) भारतीय छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। इस प्रवेश का आधार अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अर्हता है। अस्थि रोग दिव्यांगों को 5% क्षैतिज आधार पर आरक्षण दिया जाता है। इन 100 सीटों के लिए, 3,64,242 आवेदन प्राप्त हुए। दिनांक 26 एवं 27 मई, 2018 को आयोजित प्रवेश परीक्षा में 2,84,737 अभ्यर्थी शामिल हुए। 31 मार्च 2019 को एमबीबीएस के 69 इंटर्न सहित 434 विद्यार्थी पंजीकृत थे। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की अनुशंसा पर 7 विदेशी नागरिक प्रवेश हेतु अनुशंसित किए गए।

इस वर्ष में, व्यावसायिक परीक्षाओं के प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम चरण में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 9 योग्य एम.बी.बी.एस. छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

परा–चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा

वर्ष 2018–19 में, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में 77 छात्रों (39 सामान्य श्रेणी, 12 अनुसूचित जाति, 6 अनुसूचित जनजाति एवं 19 अन्य पिछड़े वर्ग, 1 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया। बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम में 26 छात्रों (14 सामान्य श्रेणी, 3 अनुसूचित जाति, 1 अनुसूचित जनजाति, 7 अन्य पिछड़े वर्ग तथा 1 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) नेत्र रोग विज्ञान तकनीक में 20 छात्रों (10 सामान्य श्रेणी, 3 अनुसूचित जाति, 1 अनुसूचित जनजाति तथा 5 अन्य पिछड़े वर्ग, 1 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया। बी.एससी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी में 10 छात्रों (5 सामान्य

श्रेणी, 1 अनुसूचित जाति, 1 अनुसूचित जनजाति तथा 2 अन्य पिछड़े वर्ग, तथा 1 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया। शल्य चिकित्सा कक्ष प्रौद्योगिकी में 20 छात्रों (13 सामान्य श्रेणी, 2 अनुसूचित जाति, 5 अन्य पिछड़ा वर्ग), बी.एससी. दंत स्वच्छता में 4 छात्रों (2 सामान्य श्रेणी ,1 अनुसूचित जनजाति तथा 3 पिछड़ा वर्ग) को प्रवेश दिया गया। दिनांक 31 मार्च 2019 को इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की संख्या निम्नलिखित है :

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
नर्सिंग	
बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक)	50
बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग	296
परा – चिकित्सा	
बी.एससी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक	72
बी.एससी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	38
बी.एससी. शल्यक्रिया कक्ष प्रौद्योगिकी	20
बी.एससी. दंत स्वच्छता	4
बी.एससी. दंत शल्यक्रिया कक्ष सहायक(डीओआरए)	8

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग द्वारा जूनियर तथा सीनियर रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में अध्येतावृत्ति, पीएच.डी., डी.एम., एम.सीएच, एम.डी., एम.एस., एम.डी.एस., एम.सीएच./डी.एम.(सीधा 6 वर्षीय पाठ्यक्रम) एम. बायोटेक्नोलॉजी (एम. बायोटेक) तथा एम.एस.सी पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन भी किया जाता है।

भारतीय नागरिकों तथा प्रायोजित उम्मीदवारों को सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा दिया जाता है। सभी एम.एससी तथा एम. बायोटेक पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में एक बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है तथा अन्य सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में दो बार परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रायोजित श्रेणी के अंतर्गत, विदेशी नागरिकों को भी उसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2016–17 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में 716 छात्रों को प्रवेश दिया गया। 31 मार्च 2019 तक पंजीकृत स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1844 थी। विवरण निम्नानुसार हैः

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश–

पाठ्यक्रम का नाम	जुलाई 2018	जनवरी 2019	कुल
एम.एससी./एम. बायोटेक/एम.एससी. नर्सिंग (अगस्त)*	94	–	94
एमडी/एमएस/एमडीएस/एमसीएच./डी.एम. (6 वर्ष)	223	135	358
डीएम/एमसीएच	89	98	187
पी–एच.डी	15	38	53
अध्येतावृत्ति	27	24	51
कुल	448	295	743

*दाखिले वर्ष में एक बार किए जाते हैं।

पंजीकृत स्नातकोत्तर छात्र

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत छात्रों की संख्या
1	पी–एच.डी.	329
2	डीएम	389
3	एम.सीएच	180
4	अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	51

5	एमडी	720
5	एमएस	98
6	एमडीएस	58
7	एम.एससी / एम. बायोटेक / एम.एससी. नर्सिंग	166
	कुल	**1,991**

पंजीकृत पी–एच.डी. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	अर्बुद संवेदनाहरण विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	4	1
2	संवेदनाहरण विज्ञान	2	0
3	शरीर रचना विज्ञान	24	0
4	जैव रसायन	47	0
5	जैव भौतिकी	19	0
6	जैव सांख्यिकी	2	0
7	जैव प्रौद्योगिकी	3	0
8	ब्लड बैंक	1	1
9	हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	2	0
10	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	5	0
11	हृद् जैव रसायन	1	0
12	सी.टी.सी. (मूल कोशिका)	6	0
13	नर्सिंग महाविद्यालय	2	0
14	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	3	0
15	सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	5	0
16	दंत शल्य चिकित्सा	2	0
17	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	1	0
18	हृद् विज्ञान	1	0
19	अंतःस्राविकी एवं चयापचय	5	0
20	न्याय चिकित्सा	3	0
21	जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	5	0
22	स्त्री रोग विज्ञान	1	0
23	रुधिर विज्ञान	1	0
24	प्रयोगशाला चिकित्सा	4	0
25	प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान	5	0
26	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	4	0
27	चिकित्सा भौतिकी (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	4	0
28	काय चिकित्सा	1	0
29	सूक्ष्मजीव विज्ञान	13	1
30	तंत्रिका जैव रसायन	1	0
31	तंत्रिका मनोविज्ञान (तंत्रिका विज्ञान)	3	0
32	तंत्रिका विज्ञान	16	0
33	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	5	0
34	नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद	9	1
35	नाभिकीय चिकित्सा	1	0
36	तंत्रिका विकिरण विज्ञान	1	0

37	नेत्र जैव रसायन (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	3	0
38	नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	1	0
39	नेत्र विकृति विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	4	0
40	नेत्र भेषजगुण विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	4	0
41	बाल चिकित्सा	7	0
42	बाल शल्य चिकित्सा	1	0
43	विकृति विज्ञान	6	0
44	भेषजगुण विज्ञान	15	0
45	शरीर क्रिया विज्ञान	32	0
46	मनोचिकित्सा	11	0
47	पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार	5	0
48	प्रजनन जैव विज्ञान	8	0
49	रेडियोथैरेपी	1	2
50	शल्य चिकित्सा	6	1
51	प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी	6	0
	कुल	**322**	**7**

पंजीकृत डी. एम. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	व्यसन मनोरोग (एनडीडीटीसी)	12	2
2	हृद् शल्य चिकित्सा गहन उपचार	1	0
3	हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	15	1
4	हृद् विज्ञान	22	4
5	नैदानिक रुधिर विज्ञान	12	2
6	नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3	2
7	क्रिटिकल केयर चिकित्सा	19	**2**
8	अंतःस्त्राविकी	8	3
9	जठरांत्र रोग विज्ञान	19	5
10	रुधिर विकृति विज्ञान	8	3
11	संक्रामक रोग	16	3
12	चिकित्सा आनुवंशिकी	5	0
13	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	24	3
14	नवजात विज्ञान	9	3
15	वृक्क विज्ञान	10	4
16	तंत्रिका–संवेदनाहरण विज्ञान और गहन उपचार	17	2
17	तंत्रिका विज्ञान	35	3
18	न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान	6	1
19	अर्बुद संवेदनाहरण, डॉ. बीआरए आईआरसीएच	20	0
20	बाल हृद् विज्ञान	5	2
21	बाल वृक्क विज्ञान	3	3
22	बाल तंत्रिका विज्ञान	8	2
23	बाल पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार	4	2
24	बाल अर्बुद विज्ञान	3	1
25	पल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा विकार	12	3

26	प्रजनन चिकित्सा	3	1
27	चिकित्सीय काय–चिकित्सा	7	1
28	वेस्कुलर रेडियोलॉजी	11	1
	कुल	**317**	**59**

पंजीकृत डी.एम. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1.	संक्रामक रोग	13	0
	कुल	13	0

पंजीकृत एम.सीएच छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	स्तन, अंतःस्रावी और सामान्य शल्य चिकित्सा	6	2
2	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	28	1
3	जठरांत्र शल्य चिकित्सा	12	2
4	स्त्री रोग विज्ञानी अर्बुद विज्ञान	4	3
5	सिर–गर्दन शल्य चिकित्सा और अर्बुद विज्ञान	5	2
6	न्यूनतम एक्सेस शल्य चिकित्सा और सामान्य शल्य चिकित्या	11	2
7	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	16	3
8	बाल शल्य चिकित्सा	6	3
9	प्लास्टिक और पुनर्रचनात्मक शल्य चिकित्सा	14	1
10	शल्यक अर्बुद विज्ञान	12	3
11	आघात शल्य चिकित्सा और गहन उपचार	14	3
12	मूत्र रोग विज्ञान	7	3
	कुल	**135**	**28**

पंजीकृत एम.सीएच (छः वर्षीय पाठ्यक्रम) छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	11	0
2.	बाल शल्य चिकित्सा	6	0
	कुल	**17**	**0**

पंजीकृत अध्येतावृत्ति छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	बेरिएट्रिक और चयापचय शल्य चिकित्सा	1	0
2	गुर्दा प्रतिरोपण शल्य चिकित्सा	1	0
3	संवेदनाहरण विज्ञान–पीड़ा चिकित्सा	5	0
4	मिर्गी शल्य चिकित्सा और कार्यात्मक तंत्रिका शल्य चिकित्सा	2	0
5	मेरूदंड शल्य चिकित्सा	3	0
6	स्कल बेस एंड सेरेब्रोवस्कुलर सर्जरी (एनएस)	2	0
7	उन्नत जठरांत्र इंडोस्कॉपी	1	0

8	स्कल बेस सर्जरी (ई.इन.टी.)	1	0
9	मूत्र रोग–अर्बुद विज्ञान	1	0
10	न्यूनतम इनवेसिव मूत्र रोग विज्ञान (लैप्रोस्कोपिक और रोबोटिक्स)	2	0
11	जेनिटोयूरिनरी रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी (वयस्क)	1	0
12	जीआई विकिरण विज्ञान	2	1
13	वक्ष विकिरण विज्ञान	2	0
14	बाल चिकित्सा विकिरण विज्ञान	2	0
15	न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग विज्ञान संबंधी शल्य चिकित्सा	1	2
16	मूत्र–स्त्री रोग विज्ञान	2	1
17	रक्त और मज्जा प्रतिरोपण	1	0
18	आघात	1	0
19	क्लेफ्ट और क्रैनियोफेशियल ऑर्थोडोंटिक्स	2	0
20	तंत्रिका गहन उपचार	3	0
21	महा धमनी शल्य चिकित्सा	1	0
22	मातृ भ्रूण चिकित्सा	1	1
23	नैदानिक अनुसंधान विधि और साक्ष्य आधारित चिकित्सा	2	0
24	संधि दर्शन	2	0
25	संधि प्रतिरोपण	2	0
26	मांसपेशी–अस्थि अर्बुद विज्ञान	1	0
27	पेल्विक एसिटेबुलर ट्रॉमा	1	0
	कुल	**46**	**5**

पंजीकृत एम. डी./एम. एस./एम. डी. एस. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	संवेदनाहरण विज्ञान	56	3
2	शरीर रचना विज्ञान	18	0
3	जैव रसायन	14	0
4	जैव भौतिकी	13	0
5	सामुदायिक चिकित्सा	23	1
6	रक्षात्मक दंत चिकित्सा विज्ञान एवं एंडोडोटिक्स	9	1
7	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	18	3
8	आपात चिकित्सा	32	2
9	न्याय चिकित्सा	9	1
10	जरा चिकित्सा	17	3
11	अस्पताल प्रशासन	8	3
12	संक्रामक रोग डीएम (6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	18	0
13	प्रयोगशाला चिकित्सा	7	1
14	काय चिकित्सा	55	3
15	सूक्ष्म जैव विज्ञान	14	0
16	तंत्रिका शल्य चिकित्सा–एम.सी.एच. (6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	11	0
17	नाभिकीय चिकित्सा	17	3

18	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	42	2
19	नेत्र विज्ञान	108	3
20	ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा	12	3
21	ऑर्थोडोंटिक्स	12	3
22	अस्थि रोग	18	4
23	कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी)	20	3
24	बाल शल्य चिकित्सा–एम.सी.एच. (6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	6	0
25	बाल चिकित्सा	33	3
26	प्रशामक चिकित्सा	12	2
27	विकृति विज्ञान	28	3
28	पेडोडोंटिक्स और प्रीवेंटिव डेंटिस्ट्री	9	0
29	भेषजगुण विज्ञान	13	0
30	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	9	3
31	शरीर क्रिया विज्ञान	18	0
32	प्रोस्थोडोंटिक्स	8	1
33	मनोचिकित्सा विज्ञान	30	3
34	विकिरण निदान	25	0
35	विकिरण चिकित्सा	9	3
36	शल्य चिकित्सा	56	3
37	आधान (ट्रांसफ्यूजन) चिकित्सा	6	0
	कुल	**813**	**63**

पंजीकृत एम.एससी. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	शरीर रचना	10	1 (विदेशी नागरिक)
2	जैव रसायन	12	2 (विदेशी नागरिक)
3	जैव भौतिकी	8	0
4	भेषजगुण विज्ञान	10	0
5	शरीर क्रिया विज्ञान	10	0
6	परफ्यूजन प्रौद्योगिकी	12	0
7	जैव प्रौद्योगिकी	27	0
8	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	16	0
9	प्रजनन जैव विज्ञान	10	0
10	हृद्वाहिका जांच एवं अंतःवाहिका प्रौद्योगिकी	02	0
	कुल	**117**	**3**

पंजीकृत एम.एससी. (नर्सिंग) छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सेवाकालीन	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् विज्ञान/सी. टी. वी. एस. नर्सिंग	1	6	1 (विदेशी नागरिक)
2	तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	1	5	0
3	बाल चिकित्सा नर्सिंग	1	7	0
4	मनोचिकित्सा नर्सिंग	1	5	0

5	अर्बुद विज्ञान नर्सिंग	1	6	1 (विदेशी नागरिक)
6	वृक्क विज्ञान नर्सिंग	1	5	0
7	गहन उपचार नर्सिंग	1	5	0
	कुल	**7**	**39**	**2**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

देश–विदेश के विभिन्न संगठनों के छात्रों और कर्मचारियों को अल्पावधि, दीर्घावधि एवं ऐच्छिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वर्ष 2018–19 के दौरान 694 व्यक्तियों को निम्नानुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गया :–

क्र.सं.	प्रशिक्षण	प्रशिक्षुओं की संख्या
1	अल्पावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	632
2	अल्पावधिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक	36
3	दीर्घावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	6
4	ऐच्छिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक (स्नातक पूर्व छात्र)	16
5	वि. स्वा. सं. अध्येता : भारतीय नागरिक	2
6	वि. स्वा. सं. अध्येता : विदेशी नागरिक	2
7	सम्मेलनों / कार्यशालाओं की अनुमति दी गई	215

समिति की बैठकें

शैक्षिक अनुभाग द्वारा शैक्षिक समिति, स्टाफ काउंसिल, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय तथा अनुसंधान प्रस्तुतीकरण की बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गई :–

क्र.सं.	समिति	बैठकों की संख्या
1	शैक्षिक समिति	1
2	स्टाफ काउंसिल	1
3	संकायाध्यक्ष समिति	1
4	संकाय (सामान्य चर्चा)	7
5	व्याख्यान	9
6	अनुसंधान प्रस्तुतीकरण	8

दीक्षांत समारोह

संस्थान का 46वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 7 दिसम्बर 2018 को संस्थान के जवाहर लाल सभागार में आयोजित किया गया। भारत के माननीय उप–राष्ट्रपति, श्री एम. वैंकेया नायडू ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने विशिष्ट योग्य छात्रों को संस्थान के पदक / पुरस्कार प्रदान किए तथा दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। संस्थान के अध्यक्ष एवं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री जे. पी. नड्डा ने डिग्रियां प्रदान की।

4. ijh{kk vuHkkx

संकायाध्यक्ष (परीक्षा)
एस. दत्ता गुप्ता

सह–संकायाध्यक्ष (परीक्षा)
अशोक कुमार जरयाल

सहायक परीक्षा नियंत्रक
ओ.पी. शर्मा

लेखा अधिकारी
डी.के. गुप्ता

समीक्ष्य अवधि (2018–19) के दौरान, परीक्षा अनुभाग द्वारा नीचे दी गई व्यावसायिक एवं प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई।

स्नातकोत्तर एवं स्नातक–पूर्व व्यावसायिक परीक्षाएं

क्र. सं.	माह और वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			उपस्थित	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1	**मई, 2018**	डी.एम.	26	-	26	-
2	–तदैव–	एम.सी.एच.	15	-	15	-
3	–तदैव–	एम.डी.	121	2	112	7
4	–तदैव–	एम.एस.	14	-	14	-
5	–तदैव–	एम.डी.एस.	8	-	8	-
6	–तदैव–	फेलोशिप कार्यक्रम	10	1	8	1
7	–तदैव–	एम.एस.सी. पाठ्यक्रम	26	1	21	4
8	–तदैव–	एम. जैव प्रौद्योगिकी	13	-	13	-
9	–तदैव–	एम.एस.सी.(नर्सिंग) चरण–I	21	-	21	-
10	–तदैव–	एम.एस.सी.(नर्सिंग) चरण–II	21	-	21	-
11	–तदैव–	द्वितीय एम.बी.बी.एस. (पूरक)	9	-	7	2
12	–तदैव–	फाइनल एम.बी.बी.एस. (पूरक)	3	1	2	-
13	–तदैव–	बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) चरण–I	26	-	23	3

14	–तदैव–	बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) चरण–II	24	-	24	-
15	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण–I	82	-	65	16 1 एन.ई.
16	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण–II	63	-	60	2 1 एन.ई.
17	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण–III	78	-	77	1 एन.ई.
18	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण–IV	71	-	67	1 3 एन.ई.
19	**जुलाई, 2018**	प्रथम व्यावसायिक एम.बी.बी.एस.	116	4	94	16 2 एन.ई.
20	–तदैव–	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण–I	22	1	13	8
21	–तदैव–	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण–II	14	-	12	2
22	–तदैव–	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण–III	16	-	14	2
23	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण–I	12	-	9	3
24	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण–II	8	-	8	-
25	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण–III	9	-	9	-
26	**अगस्त, 2018**	प्रथम एम.बी.बी.एस. व्यावसायिक (पूरक)	19	3	13	3
27	**नवंबर, 2018**	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण–I (पूरक)	8	1	4	3
28	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण–II (पूरक)	3	-	3	-
29	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण–III (पूरक)	4	-	2	2
30	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण–I (पूरक)	2	-	-	2

31	**दिसम्बर, 2018**	द्वितीय एम.बी.बी.एस.	76	4	67	5
32	–तदैव–	फाइनल एम.बी.बी.एस.	77	1	68	8
33	–तदैव–	बी.एस.सी. (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग चरण– I (पूरक)	3	-	3	-
34	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण–I (पूरक)	16	-	15	1
35	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण–II (पूरक)	4	-	4	
36	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण–III (पूरक)	1	-	1	-
37	–तदैव–	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण–IV (पूरक)	18	-	18	-
38	–तदैव–	डी.एम.	57	-	56	1 आर.डब्ल्यू.
39	–तदैव–	एम.सी.एच.	23	-	22	1
40	–तदैव–	एम.डी.	58	-	57	1
41	–तदैव–	एम.एस.	9	-	9	-
42	–तदैव–	एम.डी.एस.	6	-	6	-
43	–तदैव–	फेलोशिप कार्यक्रम	15	1	14	-
44	–तदैव–	एम.एस.सी. पाठ्यक्रम	8	2	6	–
45	**जनवरी, 2019**	एम.बी.बी.एस. अंतिम वर्ष (कम्पार्टमेंटल परीक्षा)	1	-	1	–
		कुल	**1,236**	**22**	**1,112**	**93+8+1**

स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	अभ्यर्थियों की संख्या	उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या
1.	एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. (एम्स), जुलाई सत्र 2018	06 मई 2018	35,947	28,939
2.	डी.एम./एम.सी.एच./एम.डी. फेलोशिप कार्यक्रम (अस्पताल प्रशासन) जुलाई 2018 सत्र	7 अप्रैल 2018	3,318	2,688
3.	फेलोशिप कार्यक्रम जुलाई 2018 सत्र	14 अप्रैल 2018	121	81

4.	एम.बी.बी.एस. (एम्स) अगस्त सत्र 2018	26-27 मई 2018	4,60,889	3,74,520
5.	ऑनलाइन बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग 2018	24 जून 2018	13,831	7,905
6.	ऑनलाइन बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट–बेसिक) 2018	2 जून 2018	574	386
7.	ऑनलाइन बी.एस.सी. (आनर्स) पैरा मेडिकल पाठ्यक्रम, 2018	9 जून 2018	5,089	2,495
8.	ऑनलाइन एम.एस.सी. पाठ्यक्रम 2018	2 जून 2018	995	664
9.	ऑनलाइन एम.एस.सी. नर्सिंग 2018	9 जून 2018	3,324	2,429
10.	ऑनलाइन एम.जैव प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2018	2 जून 2018	582	381
11	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा 2018 सत्र	17 जून 2018	2,116	1,494
12.	पीएच–डी., जुलाई सत्र 2018	13 अक्टूबर 2018	360	275
13.	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा जनवरी 2019 सत्र	25 नवम्बर 2018	1,143	801
14.	एम.डी. / एम.एस. / एम.डी.एस.(एम्स) जनवरी 2019 सत्र	18 नवम्बर 2018	53,245	50,153
15.	डी.एम. / एम.सी.एच. / एम.डी. (अस्पताल प्रशासन), जनवरी, 2019 सत्र	4 नवम्बर 2018	3,117	2,391
16.	पीएच–डी. 2019 सत्र	जनवरी 2019 सत्र की परीक्षा जुलाई 2019 सत्र के साथ ही 21 मई 2019 को आयोजित होगी।		
17.	फेलोशिप कार्यक्रम जनवरी 2019 सत्र	11 नवम्बर 2017	119	67
		कुल	**5,84,770**	**4,75,669**

पीएच–डी. की मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी : 66 (छियासठ)

भर्ती के लिए परीक्षाएं

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	ऑनलाइन सी.बी.टी.* परीक्षा	आवेदकों की संख्या	उपस्थित आवेदकों की संख्या
1.	चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड–II	8 सितम्बर 2018	285	111
2.	विभागीय परीक्षा–कार्यालय अधीक्षक	11 अगस्त 2018	12	10
3.	विभागीय परीक्षा–निजी सचिव	18 अगस्त 2018	14	12
4.	विभागीय परीक्षा–आशुलिपिक	18 अगस्त 2018	19	10
5.	विकिरण विज्ञान तकनीशियन	8 सितम्बर 2018	841	589
6.	एम्स नर्सिंग अधिकारी	16 सितम्बर 2018	55,710	31,502
7.	नेत्र विज्ञान तकनीशियन ग्रेड–I	23 सितम्बर 2018	176	95
8.	सहायक आहारविद्	23 सितम्बर 2018	156	63
9.	प्रतिरोपण समन्वयक	6 अक्टूबर 2018	235	89
10.	तकनीकी अधिकारी (सी.डब्ल्यू.एस.)	6 अक्टूबर 2018	335	92

11.	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	30 नवम्बर 2018	1,625	485
12.	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	30 नवम्बर 2018	662	167
13.	कनिष्ठ भौतिक चिकित्सक/कनिष्ठ ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट	22 दिसम्बर 2018	283	155
14.	तकनीकी सहायक (ई.एन.टी.)	12 जनवरी 2019	104	36
15.	तकनीशियन (विकिरण चिकित्सा) ग्रेड–II	12 जनवरी 2019	153	84
16.	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	31 जनवरी 2019	199	99
17.	नर्सिंग ट्यूटर (सी.बी.टी.)	31 जनवरी 2019	1,172	388
18.	पुनर्परीक्षा : दिल्ली में केंद्र सरकार हेतु नर्सिंग अधिकारी	28 फरवरी 2019	54,854	34,188
19.	वैज्ञानिक/नैदानिक मनोविज्ञानी	9 मार्च 2019	533	147
20.	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक (चरण–2)	25 मार्च 2019	65	56
		कुल	**1,17,433**	**68,378**

* कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सी.बी.टी.)

आयोजित प्रवेश परीक्षाएं

1. एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों में भर्ती हेतु क्रमशः जुलाई, 2018 सत्र के लिए 6 मई, 2018 को 88 केन्द्रों (दिल्ली 6, दिल्ली से बाहर 82) तथा जनवरी 2019 सत्र के लिए 18 नवंबर 2018 को 113 केन्द्रों (दिल्ली 9, दिल्ली से बाहर 104) में एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इनके परिणाम क्रमशः 12 मई 2018 तथा 23 नवंबर 2018 को घोषित किए गए।
2. जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्रों के लिए विभिन्न पोस्ट डॉक्टरल (सुपर–स्पेशिलिटी) पाठ्यक्रमों अर्थात डी.एम./एम.सी.एच./एम.डी. (अस्पताल प्रशासन) के लिए चयन और जुलाई 2018 सत्र के लिए विभागीय मूल्यांकन 23 अप्रैल 2018 से 25 अप्रैल 2018 तथा जनवरी 2019 सत्र के लिए विभागीय मूल्यांकन 15 से 17 नवंबर 2018 को किया गया।
3. जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्र के लिए क्रमशः 17 जून 2018 एवं 25 नवंबर 2018 को संस्थान के द्वारा वरिष्ठ रेजीडेंट/वरिष्ठ डिमॉन्स्ट्रेटर हेतु ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित की गई।
4. जुलाई 2018 के लिए पी.एच.डी. कार्यक्रम के पंजीकरण हेतु उम्मीदवारों का चयन तथा विभागीय मूल्यांकन 2 अक्टूबर, 2018 को किया गया।
5. अगस्त 2018 सत्र के लिए एम्स सहित 8 नए एम्स एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा हेतु 26, एवं 27 मई 2018 को भारत के 154 शहरों के 317 केन्द्रों (14 स्थानीय और 303 बाहरी) में परीक्षा का आयोजन किया गया (दो दिन, दो पालियों में)।
6. बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग हेतु प्रवेश परीक्षा 24 जून 2018 को दिल्ली तथा 6 एम्स (भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेश) में ऑनलाइन सी.बी.टी. पद्धति से आयोजित की गई।
7. अगस्त 2018 सत्र के लिए एम.एस.सी. पाठ्यक्रम तथा एम. जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम की ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा 2 जून 2018 को दिल्ली में आयोजित की गई।
8. एम.एस.सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम में दाखिले हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा 9 जून 2018 को केवल दिल्ली में किया गया। प्रवेश मेरिट के आधार पर सीटों के आबंटन के द्वारा 1 अगस्त 2018 को काउंसलिंग के माध्यम से किया गया।
9. बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) की प्रवेश परीक्षा का आयोजन सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा 2 जून 2018 को दिल्ली में किया गया तत्पश्चात 20 जून 2018 को उम्मीदवारों का वैयक्तिक आकलन किया गया।
10. पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों जैसे बैचलर ऑफ ऑप्टोमीट्री में बी.एस.सी. (ऑनर्स) तथा रेडियोग्राफी में बी.एस.सी. (ऑनर्स) चिकित्सा प्रौद्योगिकी, दंत शल्य क्रिया कक्ष सहायक में (बी.एस.सी.) (डीओआरए), दंत स्वच्छता में बी.एस.सी. पाठ्यक्रम, शल्य चिकित्सा कक्ष प्रौद्योगिकी में बी.एस.सी. (ओटीटी) चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी (एमएलटी), शल्यक्रिया कक्ष एवं संवेदनाहरण विज्ञान तकनीक में बी.एस.सी. (ओटीएटी), चिकित्सा प्रौद्योगिकी एवं इमेजिंग थेरेपी में बी.एस.सी. हेतु अगस्त 2018 सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा 10 जून 2018 को दिल्ली में आयोजित की गई। इन दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 10 एवं 19 जुलाई 2018 को काउंसलिंग द्वारा मेरिट के आधार पर सीटों का आबंटन किया गया।

11. फेलोशिप कार्यक्रम के जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्र हेतु प्रवेश परीक्षा क्रमशः 14 अप्रैल 2018 और 11 नवंबर 2018 को दिल्ली में आयोजित की गई।

अन्य गतिविधियों में सहभागिता

1. परीक्षा अनुभाग द्वारा एम्स स्नातकोत्तर, एम.बी.बी.एस., बी.एस.सी.(ऑनर्स) परा–चिकित्सा, एम.एस.सी.(नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु शैक्षिक अनुभाग के संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के सहयोग से ऑनलाइन काउंसलिंग शुरू की गई। परीक्षा अनुभाग द्वारा बी.एस.सी.(नर्सिंग) पोस्ट प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु वैयक्तिक मूल्यांकन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया गया।
2. परीक्षा अनुभाग द्वारा भारत मे विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान की जा रही हैं।

महत्वपूर्ण गतिविधियां

परीक्षा अनुभाग एम्स में प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं के आयोजन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि एम्स, नई दिल्ली में विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रवेश हेतु शैक्षणिक प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। संस्थान में ग्रुप–सी से ग्रुप–ए तक के कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु भर्ती परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। अंत में वर्ष में कम–से–कम दो बार व्यावसायिक परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के दिशा निर्देशों के अनुसार एम्स, नई दिल्ली के साथ–साथ भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेश (एम्स मंगलगिरी और नागपुर हेतु एम.बी.बी.एस., बी.एस.सी. नर्सिंग के लिए भी) में स्थित अन्य 6 एम्स के एम्स स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम, बी.एस.सी. नर्सिंग, एम.एस.सी. पाठ्यक्रम एवं डी.एम./एम.सीएच. पाठ्यक्रम इत्यादि विभिन्न स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में छात्रों के प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। कभी–कभी मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार, अन्य परीक्षाओं के अतिरिक्त मंत्रालय और अन्य एम्स की जरूरतों को पूरा करने हेतु भर्ती परीक्षाएं भी आयोजित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त शैक्षिक वर्ष 2019 से एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम–2019 में प्रवेश हेतु एम्स दिल्ली सहित कुल पंद्रह एम्स के लिए शैक्षिक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। नए जुड़ने वाले एम्स हैं–भटिंडा, देवघर, कल्याणी, गोरखपुर, रायबरेली एवं तेलंगाना।

इन परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और कुशल तरीके से आयोजित करने के लिए, 2015 से परीक्षा प्रणाली की प्रक्रियाओं में सुधार किया गया है। तब से सभी प्रवेश एवं भर्ती परीक्षाएं केवल ऑनलाइन (सी.बी.टी.) माध्यम से आयोजित की जा रही हैं। 2018–19 में, 17 प्रवेश परीक्षाओं के अलावा 20 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई।

परीक्षा अनुभाग के कार्य की मात्रा को इस बात से समझा जा सकता है कि पूरे भारत में 154 शहरों में अवस्थित 317 केन्द्रों में एम.बी.बी.एस. प्रवेश परीक्षा 2018 ऑनलाइन (सी.बी.टी.) माध्यम से दो शिफ्टों में 4,60,889 अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की गई थी। यह भारत में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा थी जिसे एक दिन में आयोजित किया गया।

वर्ष 2018–19 के दौरान, परीक्षा अनुभाग ने परीक्षाओं के आयोजन में सुधार के साथ–साथ अनुभाग संचालन में भी सुधार लिया गया हैं। विवरण निम्न प्रकार से हैं:

- पारदर्शिता, सतर्कता और निष्पक्षता के संदर्भ में परीक्षाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए, परीक्षा अनुभाग ने इस वर्ष से सभी प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं में सी.सी.टी.वी. अनिवार्य रुप से लगाया गया है। पारदर्शिता सतर्कता एवं निष्पक्षता में और अधिक सुधार करने के लिए बड़ी परीक्षाओं के सी.सी.टी.वी. का सीधा प्रसारण शुरू किया गया है। इसके लिए परीक्षा अनुभाग के नियंत्रण कक्ष में कम से कम दो परीक्षा केंद्रों के लिए कंप्यूटर पर एक कर्मचारी आबंटित किया गया है। एम्स दिल्ली में पूरी परीक्षा के आयोजन के दौरान ऐसी निगरानी पूरे भारत में किसी परीक्षा के लिए पहली बार हुई है। देशभर के लिए दिल्ली में केंद्र सरकार हेतु नर्सिंग अधिकारी परीक्षा 28 फरवरी, 2019 को ऐसी निगरानी रखी गई।
- परीक्षा अनुभाग में स्थित दोनों परीक्षा कक्षों के अधिकतम उपयोग के लिए कुछ ऑनलाइन भर्ती एवं शैक्षणिक परीक्षाएं इनमें भी आयोजित की गई। यहां तक कि व्यावसायिक परीक्षाओं हेतु बहुविकल्पीय परीक्षाएं भी इनमें आयोजित की गई।
- ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान भुगतान प्रणाली में सुधार के लिए एसबीआई के साथ–साथ "पेगोव" पेमेंट गेटवे भी शुरू किया गया है। अब अभ्यर्थियों को भुगतान संबंधी कोई समस्या नहीं है।
- देशभर से आने वाले बाहरी परीक्षकों के लिए जो प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा इत्यादि लेने आते है, अनुभाग ने होटल एवं हवाई–टिकट बुक करना भी शुरू कर दिया है। इससे परीक्षकों, विभागों तथा अन्य हितधारकों को बहुत सुविधा हो गई है, क्योंकि अब उन्हें अपनी जेब से कोई खर्च नहीं करना पड़ता। सभी प्रक्रियाएं परीक्षा अनुभाग के द्वारा सेवा प्रदाता के माध्यम से क्रेडिट आधार पर पूरी कराई जाती है।

5- lkekU; iz'kklu

mi&funs'kd ¼iz'kklu½

शुभाशीष पांडा

mi&lfpo

एम. बाजपेयी (26 जून, 2018 तक) | धीरेन्द्र वर्मा (27 जून, 2018 से)

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग से संबंधित मामले, भंडार, सतर्कता एवं जनसंपर्क क्रियाकलापों सहित सामान्य प्रशासन का पर्यवेक्षण उप–निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों की देखभाल करने के लिए विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों की सहायता से किया जाता है।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

संजय कुमार आर्य

अधीक्षण अभियंता

मंजुल रस्तोगी

हृदेश कुमार (25 फरवरी, 2019 से)

उप-मुख्य सुरक्षा अधिकारी

आर.एस. रावत

दीपक कुमार (17 सितंबर, 2018 से)

कार्यकारी अभियंता

विद्या भूषण | विनोद कुमार शर्मा

जोगिंदर मल्होत्रा | हरपाल सिंह (5 फरवरी, 2019 से)

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

देव नाथ साह

नरेंद्र कुमार (24 सितंबर, 2018 से) | रेनू भारद्वाज (24 सितंबर, 2018 से)

प्रशासनिक अधिकारी

एस.एल. चमोली (10 अगस्त, 2018 से) पल्लव कुमार चित्तेज ललित उरांव

चक्रवर्ती ई.वी.एस. सतीश कुमार सिंह भूपेंद्र सिंह गिल

राज कुमार राजेंद्रन पिल्लई जी. अनिता टेटे

निखिल भटनागर बी.के. सिंह कुशाल कुमार (13 दिसंबर, 2018 से)

इलियास पी.आई. (30 अक्टूबर, 2018 से)

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

भूप सिंह नरेंद्र कुमार गुप्ता

शशिधरन नायर के.जी. मोहनन पी.एस.

सरोज पंत (12 दिसंबर 2018 से) आर.के. शर्मा (17 दिसंबर 2018 से)

वरिष्ठ भंडार अधिकारी

राकेश कुमार (1 अगस्त 2018 से)

भंडार अधिकारी

नरेंद्र कुमार भवानी राम अरविंद कुमार शर्मा

मनोहर आर्य (1 जनवरी 2019 से) अर्चना शर्मा (1 जनवरी 2019 से)

कमल सिंह (3 जनवरी 2019 से)

स्थापना अनुभाग और सामान्य प्रशासन की जिम्मेदारियों में नियुक्तियां, सांविधिक समितियों की बैठकों की व्यवस्था, संपदा एवं सम्पत्ति प्रबंधन, उपकरण सामग्री एवं उपभोज्यों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों के कल्याण आदि कार्य शामिल हैं।

सभी केन्द्रों/मुख्य अस्पताल/नि.का. के स्टाफ सहित संस्थान की कुल स्वीकृत स्टाफ संख्या 11,767 है। समूहवार स्वीकृत स्टाफ संख्या और कार्यरत स्टाफ की वर्तमान स्थिति नीचे दी गई है :–

क्र. सं.	श्रेणी/समूह	स्वीकृत पद	वर्तमान पद
1	संकाय	1,042	671
2	'क' (गैर-संकाय)	646	452
3	'ख'	6,704	5,480
4	'ग' एवं भूतपूर्व 'घ'	4,958	4,024
	कुल	12,308	9,956

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

1. **संपर्क अधिकारी** — डॉ. राजपाल
   आचार्य, नेत्र रोगविज्ञान, डॉ. रा.प्र.कें. एम्स
2. **प्रशासनिक अधिकारी** — सुश्री अनिता टेटे
3. **प्रवर श्रेणी लिपिक** — एक (बाह्य स्रोत से)

वर्ष के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों से विभिन्न अभ्यावेदन प्राप्त हुए, जो कि निम्नानुसार थे:

प्राप्त अभ्यावेदनों की कुल संख्या	9
समाधान किए गए/निपटाए गए मामलों की कुल संख्या	6
विचाराधीन मामलों की कुल संख्या	3

मामलों का संक्षिप्त विवरण:

1. एम्स, नई दिल्ली में एक अनुसूचित जाति के उम्मीदवार के सेवा उत्पीड़न के संबंध में श्री अजय कुमार के खिलाफ शिकायत। **मामले का निपटान कर दिया गया है।**
2. एम्स, नई दिल्ली में एक अनुसूचित जाति के उम्मीदवार के सेवा उत्पीड़न के संबंध में सुश्री सुशील, परिचर्या अधिकारी, मुख्य ओ.टी. के खिलाफ शिकायत। **मामले का निपटान कर दिया गया है।**
3. श्री संजीव कुमार, मसालची द्वारा सुश्री सुमन रावत, आशुलिपिक के खिलाफ मानसिक यातना एवं अपमान के संबंध में अभ्यावेदन। **मामले का निपटान कर दिया गया है।**
4. अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों (सुश्री शशि प्रभा एवं श्री भूपेंद्र कुमार) द्वारा निजी सहायक पद के संबंध में जारी पदोन्नति आदेश के खिलाफ अभ्यावेदन। **मामले का निपटान कर दिया गया है।**
5. निम्नलिखित द्वारा विभागीय पदोन्नति समिति (डी.पी.सी.) में योग्यता के आधार पर पदोन्नति संबंधी दिनांक 15 जून, 2018 के डी.ओ.पी.टी. आदेश संख्या 36012/11/2016-स्था. (आईईएस-I)(खंड-II) को लागू करने के अनुरोध हेतु अभ्यावेदन:
   (i) श्री भवानी सिंह मीना, तकनीकी अधिकारी (एम.एल.टी.), डॉ.रां.प्र. केन्द्र
   (ii) श्री मनोहर लाल मीना, तकनीकी अधिकारी (एम.एल.टी.), रुधिर विज्ञान
   (iii) सुश्री नीलिमा शर्मा, तकनीकी अधिकारी (एम.एल.टी.), डॉ. रा.प्र. केन्द्र

   उपर्युक्त तीन मामलों का निपटान कर दिया गया है।
6. डॉ.रा.प्र. केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली के परिसर में दो कर्मचारियों (श्रीमती मीना पांडा, परिचर्या अधीक्षक और श्रीमती इंदु बाला शर्मा, उप-परिचर्या अधीक्षक) के बीच आपसी सम्मान/मतभेद के खिलाफ शिकायत। **निपटान के लिए मामला निवारण समिति की प्रक्रियाधीन है।**
7. एम्स, नई दिल्ली में हिन्दी अधिकारी के पद पर पदोन्नति से इन्कार करने के संबंध में श्रीमती अनिता राय सक्सेना, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक का अभ्यावेदन। **मामले का निपटान कर दिया गया है।**
8. सुश्री रेनू प्रकाश (पूर्व नाम तिग्गा), निजी सचिव, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा पदोन्नति संबंधी अभ्यावेदन भर्ती प्रकोष्ठ के विचाराधीन है।
9. एन.सी.एस.ई. केस सं. 1320/30/02019-1513 में डॉ.बिप्लब मिश्रा का सेवा उत्पीड़न संबंधी अभ्यावेदन संकाय प्रकोष्ठ के विचाराधीन है।

6- vLirky

चिकित्सा अधीक्षक

डी.के. शर्मा

अस्पताल प्रशासन विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपति

आचार्य

आई.बी. सिंह   संजय कुमार आर्य

सह-आचार्य

निरुपम मदान   अमित लठवाल

अनूप डागा   महेश आर

सहायक आचार्य

ऐंजल राजन सिंह   विजयदीप सिद्धार्थ   अब्दुल हाकिम

परमेश्वर कुमार (15 मार्च 2019 तक)   कनिका जैन   जितेन्द्र सोढी (18 मार्च 2019 से)

शीतल सिंह (संविदा) (2 जनवरी 2019 से)

बिस्तर संख्या

बिस्तर श्रेणी	**मुख्य अस्पताल**	**दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र**	**हृद्‌वक्ष एवं तंत्रिकाविज्ञान केंद्र**
सामान्य	836	17	317
आई.सी.यू.	92	-	74
आब्जरवेशन	69	-	09
प्राइवेट वार्ड	165	-	64
कुल	**1,162**	**17**	**464**

अस्पताल कार्य निष्पादन सूची

पैरामीटर्स	**मुख्य अस्पताल**		**सी.एन.सी.**		**सी.डी.ई.आर.**		**निष्कर्ष**
	2018-2019	**2017-2018**	**2018-2019**	**2017-2018**	**2018-2019**	**2017-2018**	

ठहरने की औसत अवधि	9.5	9.3	10.2	9.8	5.6	5.4	नियमित भर्ती हेतु बिस्तरों का प्रभावी उपयोग
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	86.8	86.4	84.9	87.9	73.6	71.9	उचित अधिभोग
शुद्ध मृत्यु दर (%)	1.7	1.8	2.9	2.8	-	0.02	बहुत बड़ी संख्या में गंभीर रूप से बीमार भर्ती हुए रोगियों के बावजूद भी कम मृत्यु दर
संयुक्त क्रूड संक्रमण दर (%)	5.8%	6.0%	-	-	-	-	केवल मुख्य अस्पताल से संबंधित

6-1 fpfdRlk vfHkys[k foHkkx

प्रभारी अधिकारी

महेश आर

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (कार्यकारी)

पैटी एस.लिंगदोह (28 फरवरी 2019 तक)

कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी

अशोक कुमार　　पी.डी. शर्मा

संदीप एम. सिंह　　रोशन लाल-II

शिक्षा

1. एम.एस सी. (पी.बी.) नर्सिंग के 22 छात्रों का एक समूह चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल में आए एवं मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (कार्य.)/कनि. चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा दिनांक 19 अप्रैल 2018 को अ.भा.आ.सं. में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।
2. बी.एस सी. (पी.बी.) प्रथम वर्ष नर्सिंग के 25 छात्रों का एक समूह चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल में आए एवं मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (कार्य.)/कनि.

चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा दिनांक 3 अगस्त 2018 को अ.भा.आ.सं. में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

3. एम.एस सी. नर्सिंग के 20 छात्रों का एक समूह चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल में आए एवं मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (कार्य.)/कनि. चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा दिनांक 25 जनवरी 2019 को अ.भा.आ.सं. में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

प्रशिक्षण

1. श्रीमती पैटी एस. लिंगदोह, मुख्य चि.अ. अधिकारी, कार्य. एवं श्री अशोक कुमार, क.चि.अ. अधिकारी ने दिनांक 2 मई 2018 को अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. द्वारा आयोजित कैंसर पंजीकरण पद्धति पर एक दिन की कार्यशाला में भाग लिया।
2. श्रीमती अंजू दीक्षित (एम.आर.टी.) को दिनांक 9 मई 2018 को अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक दिन की कार्यशाला में भाग लेने के लिए नामित किया गया।
3. श्री राजबीर सिंह (एम.आर.टी.), सुश्री अंजू दीक्षित (एम.आर.टी.) एवं सुश्री नीलम बारिया (एम.आर.टी.) चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल को विकास भवन-II, सिविल लाइन्स, दिल्ली में दक्षिण जिला डी.एस.एच.एम.-एम. एंड ई. प्रकोष्ठ द्वारा क्रमश: आयोजित दिनांक 7 एवं 8 फरवरी 2019 को हुई एच.एम.आई.एस. हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक के लिए नामित किया गया।

कोर्ट उपस्थिति

1. चिकित्सा अभिलेख अनुभाग में दिल्ली एवं दिल्ली से बाहर के विभिन्न कोर्ट से कुल 661 सम्मन/नोटिस प्राप्त किए गए। चिकित्सा अभिलेख विभाग के संबंधित डाक्टर्स/परामर्शदाताओं (केस के अनुसार) एवं स्टाफ को केस को निपटानें/समाधान करने के लिए अ.भा.आ.सं. अस्पताल की ओर से कोर्ट में उपस्थित होने के लिए नियुक्त किया गया।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान में सहायता

1. अनुसंधान, शिक्षा एवं अन्य सरकारी प्रयोजनों के लिए संबंधित परामर्शदाताओं द्वारा प्राधिकृत रेजीडेंटों के लिए लगभग 7,246 चिकित्सा केस रिकार्ड (केस शीट) को पुन: प्राप्त एवं जारी किया गया।

चिकित्सा अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण एवं डिजिटाइजेशन

1. रिकार्डो को आसानी से पुन: प्राप्त करने के लिए वर्ष 2014 से मुख्य अस्पताल के अंतरंग

चिकित्सा अभिलेखों के डिजिटाइजेशन आरंभ हुआ। रोगियों के केस रिकार्डों की लगभग 1 करोड़ से अधिक प्रतियों को भविष्य के संदर्भ के लिए स्कैन किया गया है।

अंतरंग रोगी सेवाएं

1. मुख्य अस्पताल, सी.डी.ई.आर. एवं सी.एन. सेंटर, अ.भा.आ.सं. का वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन का सार परिशिष्ट-I में दिया गया है।
2. अ.भा.आ.सं. अस्पताल ने दिल्ली एवं विदेश से अस्पताल आने वाले रोगियों की बढ़ती हुई संख्या के बावजूद रोगी उपचार की सेवाओं एवं गुणवत्ता की अपनी परम्परा को बनाए रखा है। वित्तीय वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के विभिन्न क्लिनिकल एककों में कुल 1,39,636 रोगियों को भर्ती किया गया। विभाग वार, राज्यवार एवं लिंगवार रोगियों का भार, भर्ती, अस्पताल से छुट्टी एवं अस्पताल में ठहरने की औसत अवधि का विवरण क्रमश: परिशिष्ट-II, III एवं V में दिया गया है। विभाग वार मृत्यु का विवरण एवं इसकी सूची परिशिष्ट-IV में दी गई है।
3. वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.डी.ई.आर.) के विभिन्न शल्यक विभागों में कुल 1,28,703 शल्यक प्रक्रियाएं (बड़ी एवं छोटी) निष्पादित की गई जिसकी सूची परिशिष्ट-VI में दी गई है।
4. अंतरंग रोगियों के चिकित्सा रिकार्ड को शिक्षा, अनुसंधान/थीसिस, प्रस्तुतिकरण, बीमा, कोर्ट केसों आदि के प्रयोजन हेतु सहजता से पुन: प्राप्त करने के लिए क्रमबद्ध तरीके से वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन रिकार्डों को सी.आर. नंबरों के अनुसार कॉम्पेक्टर्स में रखा जाता है। मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.डी.ई.आर.) के सभी अंतरंग रिकार्डों का मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा अलग से अनुरक्षण किया जाता है।
5. उपर्युक्त गतिविधियों के अतिरिक्त निम्नलिखित विभागों ने स्वास्थ्य सेवा उपचार को सुगम्य बनाने के लिए वर्ष के दौरान ओ.पी.डी. एवं अंतरंग रोगी भर्ती में अपनी विशेष क्लिनिक आरंभ की है:

क्र. सं.	**विभाग/विशेष क्लिनिक का नाम**	**स्थान**
1.	काय चिकित्सा विभाग के तहत यात्रा स्वास्थ्य एवं वयस्क टीकाकरण क्लिनिक	कायचिकित्सा ओ.पी.डी. में प्रत्येक सोमवार
2.	ई.एन.टी. के तहत सिर एवं गला पुनर्वास क्लिनिक	कमरा सं. 4112-ए ओ.पी.डी.

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ

1.	अ.भा.आ.सं. का केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं पूछताछ (सी.ए.ओ. एवं ई.) बिना विराम के 365 दिन कार्य करता है।
2.	मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के अंतरंग क्षेत्र हेतु सभी भर्ती इस कार्यालय के द्वारा होती हैं। यह संस्थान के दिल की भांति कार्य करता है एवं भर्ती पर्ची (फेस-शीट) बनाने के लिए रोगी पंजीकरण एवं परिचर पास आदि को जारी करना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को करता है।
3.	भर्ती कार्यालय वी.आई.पी./वी.वी.आई.पी. के अस्पताल में भर्ती होने के संबंध में अ.भा.आ.सं. के उच्च प्राधिकारियों के साथ-साथ अनेक मंत्रालयों को भी जानकारी देता है।
4.	इसके अतिरिक्त, कार्यालय रोगी एवं संस्थान के बारे में शीध्र एवं सही जानकारी प्रदान करते हुए एक सामान्य पूछताछ के रूप में भी कार्य करता है। यहां का स्टाफ शिफ्ट में कार्य करता है तथा इसमें स्वागतकर्ता, कनि. चिकित्सा अधिकारी एवं चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन आदि हैं।

बाह्य रोगी विभाग एवं विशिष्टता क्लिनिक

मुख्य अस्पताल, अ.भा.आ.सं. के विभिन्न सामान्य बाह्य रोगी विभाग (ओ.पी.डी.), विशिष्टता क्लिनिक एवं आपात विभाग में कुल **16,56,329** रोगी आए। बाह्य रोगी भार प्रोफाइल का विवरण परिशिष्ट-VII में दिया गया है।

अन्य गतिविधियां

क्र.सं.	**गतिविधि का नाम**	**कुल संख्या**
1.	वर्ष के दौरान अंतरंग रोगियों के रिकार्डों में किए गए संशोधन।	875
2.	वर्ष के दौरान जन्म रिकार्डों में किए गए संशोधन	357
3.	वर्ष के दौरान मृत्यु रिकार्डों में किए गए संशोधन	411
4.	मुख्य अस्पताल एवं सी.डी.ई.आर. में जे.एस.एस.के. योजना के तहत भर्ती रोगियों एवं गरीब रोगियों के लिए भर्ती एवं अन्य शुल्कों में छूट।	20,121
5.	हृद् तंत्रिका केंद्र में जे.एस.एस.के. योजना के तहत भर्ती रोगियों एवं गरीब रोगियों के लिए भर्ती एवं अन्य शुल्कों में छूट	957

वर्ष 2018-2019 (वार्षिक रिपोर्ट) के लिए सांख्यिकीय आंकड़े मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (कार्यकारी) के पर्यवेक्षण के तहत श्री राजबीर सिंह, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन द्वारा तैयार/संकलित किए गए हैं।

तालिका-I वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन

क्र. सं..	मद	मुख्य अस्पताल		सी.टी. एवं एन.एस. केंद्र		सी.डी.ई.आर.	
		2018-2019	**2017-2018**	**2018-2019**	**2017-2018**	**2018-2019**	**2017-2018**
1.	भर्ती किए गए कुल रोगी	1,17,169	1,15,276	21,278	21,745	1,189	1,377
	क. वयस्क एवं बच्चे	1,14,721	1,12,781	-	-	-	-
	- नियमित	34,116	34,940	13,290	13,388	840	838
	- लघु अवधि	80,605	77,841	7,988	8,357	349	539
	ख. नवजात शिशु	2,448	2,495	-	-	-	-
	- नियमित	2,448	2,495	-	-	-	-
2.	डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल संख्या (एलएएमए, भाग गए, अनुरोध पर छुट्टी एवं मृत्यु सहित)	1,13,630	1,11,708	20,704	21,249	1,163	1,351
	क. वयस्क एवं बच्चे	1,11,236	1,09,284	-	-	-	-
	- नियमित	33,027	34,264	12,972	13,118	818	808
	- लघु अवधि	78,209	75,020	7,732	8,131	345	543
	ख. नवजात शिशु	2,394	2,424	-	-	-	-
	- नियमित	2,394	2,424	-	-	-	-
3.	उपचार के कुल दिन	4,13,040	4,15,059	1,39,560	1,37,342	4,918	4,942
	क. वयस्क एवं बच्चे	3,96,071	3,97,173	-	-	-	-
	- नियमित	3,17,862	3,22,153	1,31,828	1,29,211	4,573	4,399
	- लघु अवधि	78,209	75,020	7,732	8,131	345	543
	ख. नवजात शिशु	16,969	17,886	-	-	-	-

	- नियमित	16,969	17,886	-	-	-	-
4.	नियमित रोगियों के ठहरने की औसत अवधि	9.5	9.3	10.2	9.8	5.6	5.4
	क. वयस्क एवं बच्चे	9.6	9.4	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	7.1	7.4	-	-	-	-
5.	कुल रोगी देखभाल दिन(प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	3,46,150	3,41,746	1,40,98 6	1,38,171	4,564	4,454
	क. वयस्क एवं बच्चे	3,43,418	3,39,062	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	2,732	2,684	-	-	-	-
6.	रोगियों की प्रतिदिन औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	948	936	386	379	13	12
	क. वयस्क एवं बच्चे	941	929	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	7	7	-	-	-	-
7.	औसत बिस्तर अधिभोग	86.8	86.4%	84.9	87.9%	73.6	71.9
	क. वयस्क एवं बच्चे	86.7	85.7%	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	0.1	0.7%	-	-	-	-
8.	अस्पताल में जन्म	2,448	2,495	-	-	-	-
	क. लड़का	1,286	1,284	-	-	-	-
	ख. लड़की	1,159	1,209	-	-	-	-
	ग. इंटर सेक्स	3	2	-	-	-	-
9.	कुल अंतरंग रोगी मृत्यु (नवजात शिशुओं सहित)	3,179	3,327	858	887	0	1
	क. 48 घंटे के भीतर मृत्यु	1,300	1,319	255	307	-	-
	ख. 48 घंटे के बाद मृत्यु	1,879	2,008	603	580	0	1
	ग. सकल मृत्यु दर(%)	2.8	3.0	4.1	4.2	0	0.02
	घ. शुद्ध मृत्यु दर(%)	1.7	1.8	2.9	2.8	0	0.02

10.	आपातकालीन में कुल उपस्थिति	1,49,538	1,51,891	-	-	-	-
	मृत्यु	1,586	1,609	-	-	-	-
	मृत लाए गए रोगी	1,238	1,135	-	-	-	-
11.	विशिष्टता क्लिनिक सहित ओ.पी.डी. में उपस्थिति (मुख्य अस्पताल)	15,06,791	19,36,280	-	-	-	-
	नए मामले	7,71,491	7,49,073	-	-	-	-
	पुराने मामले	7,35,300	11,87,207	-	-	-	-

तालिका II. विभाग वार भर्ती (मुख्य अस्पताल, सी.एन केंद्र और सी.डी.ई.आर.)

विभाग	**भर्ती**		**अस्पताल से छुट्टी (एलएएमए, भागे हुए रोगी, ओ आर, मृत्यु सहित)**		**उपचार के कुल दिन**		**नियमित भर्ती होने पर ठहरने की औसत अवधि**
	नियमित	**अल्प कालीन**	**नियमित**	**अल्पकालीन**	**नियमित**	**अल्प कालीन**	
एनेस्थिसियोलॉजी (पीड़ा क्लिनिक)	0	810	0	781	0	781	0
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	724	2,182	699	2,123	8,887	2,123	12.7
अंत:स्रावी और चयापचय	456	189	464	186	7,388	186	15.9
जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषण	2,069	3,755	1,944	3,691	22,738	3,691	11.7
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	789	313	758	303	12,750	303	16.8
जरा चिकित्सा	880	723	867	687	8,782	687	10.1
रुधिरविज्ञान	951	13,979	925	13,756	15,571	13,756	16.8
कायचिकित्सा I	981	371	985	346	9,682	346	9.8
कायचिकित्सा II	1,357	617	1,276	584	13,091	584	10.3
कायचिकित्सा III	1,033	461	1,049	432	10,338	432	9.9
वृक्कविज्ञान	1,125	9,115	1,004	8,900	17,411	8,900	17.3

नवजात	2,448	00	2,394	00	16,969	00	7.1
नवजात(आईसीयू (एनआईसीयू)	177	25	173	20	1,246	20	7.2
नाभिकीय चिकित्सा	358	275	341	302	625	302	1.8
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान I	2,312	2,182	2,273	2,115	15,541	2,115	6.8
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान II	2,293	2,236	2,100	2,206	14,975	2,206	7.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान III	1,895	1,952	1,909	1,885	14,535	1,885	7.6
अर्बुद विज्ञान (मुख्य)	389	00	383	00	2,080	00	5.4
अस्थिरोग I	1,428	2,280	1,390	2,152	11,544	2,152	8.3
अस्थिरोग II	1,359	2,371	1,259	2,265	12,996	2,265	10.3
ऑटोलेरिन्गोलॉजी I	526	1,327	522	1,246	3,785	1,246	7.3
ऑटोलेरिन्गोलॉजी II	488	1,216	462	1,150	4,115	1,150	8.9
ऑटोलेरिन्गोलॉजी III	512	1,195	547	1,130	4,085	1,130	7.5
बाल चिकित्सा I	1,255	4,419	1,001	4,434	6,703	4,434	6.7
बाल चिकित्सा II	625	1,794	585	1,788	6,112	1,788	10.4
बाल चिकित्सा III	976	9,144	950	8,934	9,069	8,934	9.5
बालशल्य चिकित्सा	1,389	2,055	1,332	1,929	13,674	1,929	10.3
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	41	00	38	00	1,526	00	40.2
मनोचिकित्सा	274	00	238	00	8,816	00	37.0
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	907	5,330	851	5,192	9,324	5,192	11.0
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	369	238	356	209	2,064	209	5.8
विकिरण चिकित्सा	6	00	5	00	11	00	2.2
रूमेटोलॉजी	9	1,490	7	1,460	38	1,460	5.4
शल्य चिकित्सा I	882	683	913	595	8,998	595	9.9
शल्य चिकित्सा II	1,220	648	1,317	532	9,174	532	7.0
शल्य चिकित्सा III	925	531	999	439	8,577	439	8.6

शल्य चिकित्सा IV	1,487	930	1,428	815	8,967	815	6.3
मूत्ररोग विज्ञान	1,649	5,771	1,677	5,622	12,644	5,622	7.5
कुल (मुख्य)	36,564	80,605	35,421	78,209	3,34,831	78,209	9.5
हृदविज्ञान	4,088	4,063	4,101	3,982	29,564	3,982	7.2
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3,362	21	3,272	10	37,108	10	11.3
तंत्रिकाविज्ञान I	1,060	853	1,036	815	9,213	815	8.9
तंत्रिकाविज्ञान II	895	765	831	767	9,350	767	11.3
तंत्रिकाविज्ञान III	884	775	843	748	9,018	748	10.7
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा I	1,388	801	1,294	774	18,284	774	14.1
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा II	1,425	506	1,410	454	18,159	454	12.9
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	188	204	185	182	1,132	182	6.1
कुल(हृद तंत्रिका केन्द्र)	*13,290*	*7,988*	*12,972*	*7,732*	*1,31,828*	*7,732*	*10.2*
सी.ई.डी.आर.	840	349	818	345	4,573	345	5.6

रेखा चित्र 1. विभाग- वार ठहरने की औसत अवधि

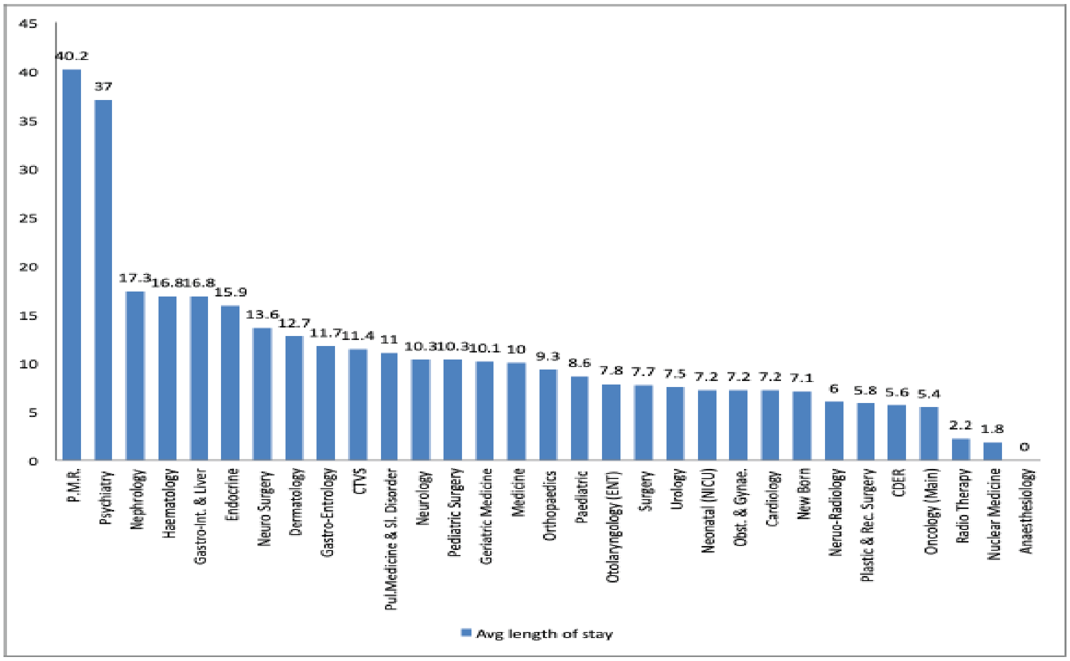

रेखा चित्र 2. मुख्य अस्पताल, हृ.तं. केन्द्र और सी.डी.ई.आर. में लिंग वार अंतरंग रोगी

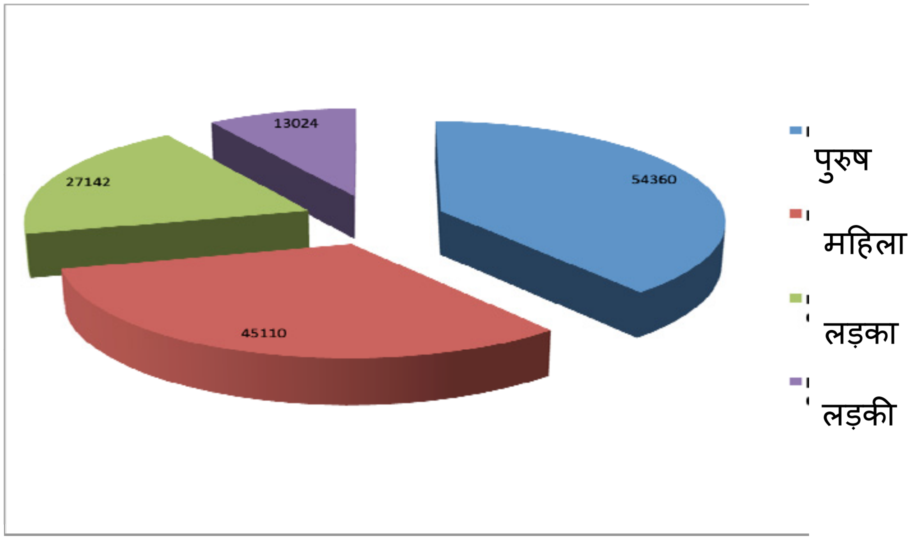

तालिका III. मुख्य अस्पताल और हृद तंत्रिका केन्द्र में विभाग-वार मृत्यु

विभाग	अस्पताल से छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे के अंदर मृत्यु	48 घंटे से अधिक समय में मृत्यु	सकल मृत्यु दर (%)	शुद्ध मृत्यु दर (%)
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	781	00	00	00	0.0	0.0
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	2,822	7	2	5	0.2	0.2
अंत:स्रावी और चयापचय	650	8	2	6	1.2	0.9
जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषण	5,635	561	261	300	10.0	5.6
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रतिरोपण	1,061	82	18	64	7.7	6.1
जरा चिकित्सा	1,554	211	68	143	13.6	9.6
रुधिरविज्ञान	14,681	312	135	177	2.1	1.2
कायचिकित्सा I	1,331	315	154	161	23.7	13.7
कायचिकित्सा II	1,860	331	147	184	17.8	10.7
कायचिकित्सा III	1,481	316	143	173	21.4	12.9
वृक्कविज्ञान	9,904	132	39	93	1.3	0.9
नवजात	2,394	8	4	4	0.3	0.2
नवजात आईसीयू(एनआईसीयू)	193	24	6	18	12.4	9.6
नाभिकीय चिकित्सा	643	00	00	00	0.0	0.0

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान I	4,388	6	2	4	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान II	4,306	6	3	3	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान III	3,794	6	1	5	0.2	0.1
अर्बुदविज्ञान (मुख्य)	383	212	126	86	55.4	33.5
अस्थिरोग I	3,542	4	0	4	0.1	0.1
अस्थिरोग II	3,524	6	1	5	0.2	0.1
ऑटोलेरिन्गोलॉजी I	1,769	7	3	4	0.4	0.2
ऑटोलेरिन्गोलॉजी II	1,611	5	1	4	0.3	0.2
ऑटोलेरिन्गोलॉजी III	1,677	2	00	2	0.1	0.1
बाल चिकित्सा I	5,435	74	26	48	1.4	0.9
बाल चिकित्सा II	2,373	53	17	36	2.2	1.5
बाल चिकित्सा III	9,884	99	28	71	1.0	0.7
बालशल्य चिकित्सा	3,261	65	13	52	2.0	1.6
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	38	00	00	00	0.0	0.0
मनोचिकित्सा	238	00	00	00	0.0	0.0
पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	6,043	213	61	152	3.5	2.5
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	565	00	00	00	0.0	0.0
विकिरण चिकित्सा	05	01	1	00	20.0	0.0
रूमेटोलॉजी	1,467	00	00	00	0.0	0.0
शल्य चिकित्सा I	1,508	36	15	21	2.4	1.4
शल्य चिकित्सा II	1,849	26	8	18	1.4	1.0
शल्य चिकित्सा III	1,438	12	4	8	0.8	0.6
शल्य चिकित्सा IV	2,243	25	6	19	1.1	0.8
मूत्ररोग विज्ञान	7,299	14	5	9	0.2	0.1
कुल (मुख्य अस्पताल)	1,13,630	3,179	1,300	1,879	*2.8*	*1.7*
हृदविज्ञान	8,083	281	149	132	3.5	1.7
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3,282	278	41	237	8.5	7.3

तंत्रिकाविज्ञान I	1,851	52	7	45	2.8	2.4
तंत्रिकाविज्ञान II	1,598	63	14	49	3.9	3.1
तंत्रिकाविज्ञान III	1,591	35	4	31	2.2	2.0
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा I	2,068	76	26	50	3.7	2.4
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा II	1,864	70	12	58	3.8	3.1
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	367	3	2	1	0.8	0.3
कुल(हृद तंत्रिका केन्द्र)	*20,704*	*858*	*255*	*603*	*4.1*	*2.9*

सी.डी.ई.आर. में कोई मृत्यु नहीं हुई

चित्र 3. अंतरंग रोगियों (मुख्य अस्पताल, हृ.तं. केन्द्र और सी.डी.ई.आर.) का भौगोलिक वितरण।

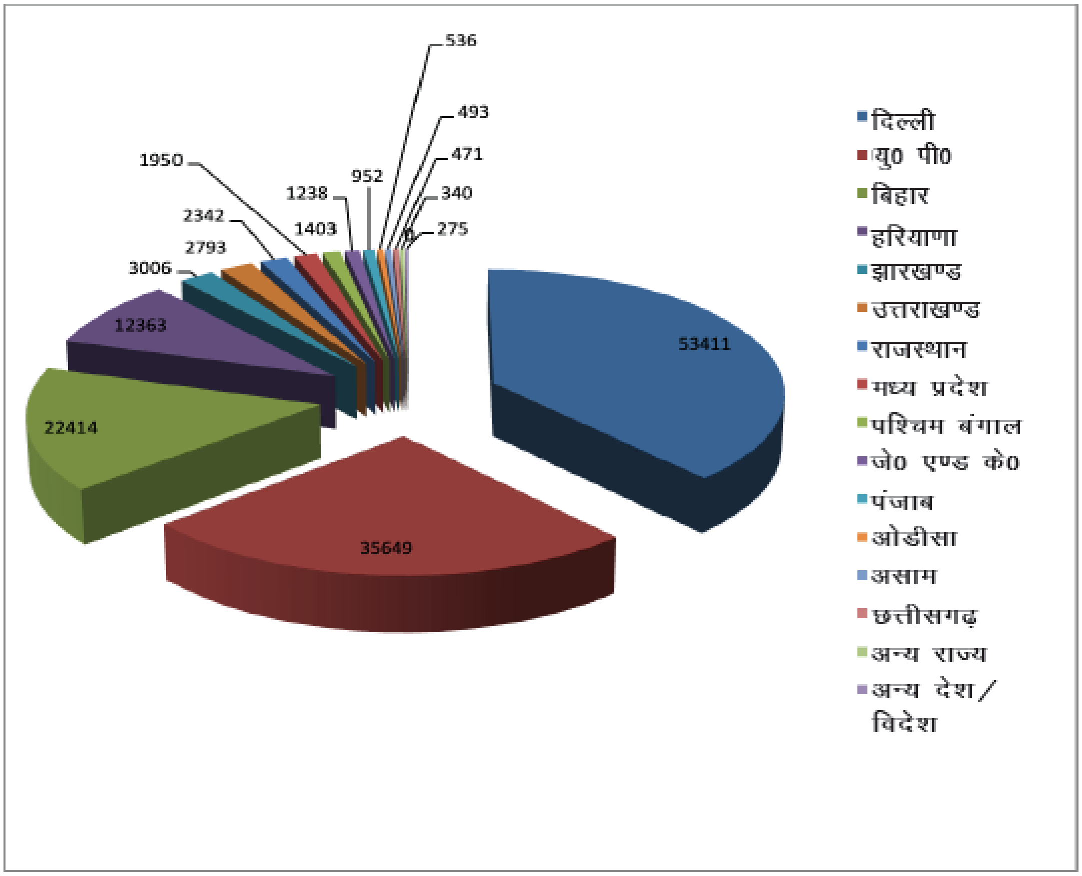

तालिका IV. मुख्य अस्पताल, सी.डी.ई.आर. एवं हृ.तं. केंद्र में की गई शल्य प्रक्रियाएं।

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		अंतरंग रोगी	बाहय रोगी	
शल्य चिकित्सा I	812	277	3,502	4,591

शल्य चिकित्सा II	1,097	295	3,121	4,513
शल्य चिकित्सा III	835	214	2,549	3,598
शल्य चिकित्सा IV	1,238	647	3,712	5,597
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	598	0	0	598
मूत्ररोग विज्ञान	1,629	601	14,215	16,445
प्रसूति विज्ञान	1,294	633	0	1,927
इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन	0	1,306	0	1,306
स्त्रीरोग विज्ञान I	821	774	0	1,595
स्त्रीरोग विज्ञान II	1,037	1,061	0	2,098
स्त्रीरोग विज्ञान III	664	827	0	1,491
भ्रूण चिकित्सा	0	671	0	671
ऑटोलेरिन्गोलॉजी I	865	727	7,741	9,333
ऑटोलेरिन्गोलॉजी II	841	688	7,148	8,677
ऑटोलेरिन्गोलॉजी III	835	629	7,304	8,768
अस्थिरोग I	2,062	951	0	3,013
अस्थिरोग II	1,941	1,528	0	3,469
बालशल्य चिकित्सा	1,544	455	0	1,999
आपात विभाग	0	241	0	241
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	329	795	0	1,124
पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	02	183	2,794	2,979
संवेदनाहरण विज्ञान(पीड़ा क्लिनिक)	29	1	0	30
रुधिरविज्ञान	3	0	0	3
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	0	0	4,628	4,628
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	0	0	9,206	9,206
कुल (मुख्य अस्पताल)	18,476	13,504	65,920	97,900

हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3,961	0	0	3,961
तंत्रिका शल्य चिकित्सा I	1,553	99	0	1,652
तंत्रिका शल्य चिकित्सा II	1,623	71	0	1,694
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	*7,137*	*170*	*0*	*7,307*

दंत शल्यचिकित्सा/सीडीईआर	670	208	22,618	23,496

तालिका 5. बाह्य रोगी एवं विशिष्टता क्लिनिकों में उपस्थिति

चिकित्सा विभाग		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
काय चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	68,991	48,523	1,17,514
	क) मोटापा और चयापचय विकार	520	386	906
	ख) संक्रामक रोग क्लिनिक	637	897	1,534
रूमेटोलॉजी	सामान्य ओपीडी	7,985	6,119	14,104
	क) रूमेटोलॉजी क्लिनिक	66	4,982	5,048
जरा चिकित्सा		16,891	24,492	41,383
पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	सामान्य ओपीडी	12,643	12,210	24,853
	क) निद्रा विकार	163	195	358
	ख) फेफड़ा कैंसर	459	1,584	2,043
	ग) आईएलडी-पीएएच	304	1,071	1,375
	घ) संयुक्त पुल्मोनरी शल्य चिकित्सा	288	375	663
नाभिकीय चिकित्सा		2,769	9,975	12,744
अंत:स्राविकी एवं चयापचय		16,417	14,012	30,429
वृक्कविज्ञान	सामान्य ओपीडी	17,612	15,216	32,828
	क) प्रतिरोपण क्लिनिक	223	11,279	11,502
	ख) आरटीसीसी	471	1,983	2,454
रुधिरविज्ञान		3,415	10,868	14,283
जठरांत्र रोग विज्ञान		29,975	20,725	50,700
बाल चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	33,178	52,217	85,395
	क) स्वस्थ शिशु	671	00	671
	ख) फॉलोअप ट्यूबरकुलोसिस	269	772	1,041
	ग) गुर्दा क्लिनिक	438	992	1,430
	घ) बाल तंत्रिकाविज्ञान	1,294	2,350	3,644
	ड.) बाल चेस्ट क्लिनिक	661	2,904	3,565
	च) उच्च जोखिम नवजात	335	1,218	1,553
	छ) आनुवंशिक एवं जन्म दोष क्लिनिक	2,911	1,039	3,950

	ज) अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	485	1,102	1,587
	झ) बाल विकास क्लिनिक	1,347	818	2,165
	ञ) अंत: स्राविकी क्लिनिक	244	681	925
	ट) न्यूरो सिस्टीसिरकोसिस क्लिनिक	266	656	922
	ठ) पी.सी.एस.सी.	284	697	981
	ड) रूमेटोलॉजी क्लिनिक	780	1,856	2,636
	ढ) मयोपैथी क्लिनिक	615	751	1,366
	ण) बाल जठरांत्र रोग विज्ञान क्लिनिक	514	1,169	1,683
	त) ऑटिज्म	599	264	863
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	सामान्य ओपीडी	34,729	28,908	63,637
	क) यौन संचरित रोग (त्वचा रोग विज्ञान सर्जरी)	1,391	2,709	4,100
	ख) एलर्जी क्लिनिक	607	1,055	1,662
	ग) कुष्ठ रोग	404	1,608	2,012
	घ) सोरियासिस	442	1,152	1,594
	ङ.) त्वचा शल्य चिकित्सा	1,122	683	1,805
	च) विटिलिगो	340	878	1,218
	छ) फोटोथैरेपी	164	203	367
	ज) फोटो डरमेटोलॉजी	61	71	132
	झ) पेडियाट्रिक डरमेटोलॉजी	141	77	218
मनोचिकित्सा	सामान्य ओपीडी	21,424	33,463	54,887
	क) बाल-मार्गदर्शन	781	755	1,536
शल्यचिकित्सा विभाग		**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
शल्यचिकित्सा		62,836	23,921	86,757
प्लास्टिक सर्जरी		2,634	1,403	4,037
मूत्ररोग विज्ञान		19,639	21,277	40,916
जठरांत्र शल्य चिकित्सा		3,941	4,700	8,641
बाल शल्य चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	9,862	7,547	17,409

	क) हाइड्रोसेफेलस	3	41	44
	ख) बाल चिकित्सा मूत्ररोग विज्ञान	485	2,862	3,347
	ग) पी.एस.टी.सी.	44	837	881
संवेदनाहरण विज्ञान	क) पीड़ा क्लिनिक	1,021	3,102	4,123
	ख) पूर्व संवेदनाहरण क्लिनिक	9,552	1,378	10,930
अस्थि रोग	सामान्य ओपीडी	70,059	49,600	1,19,659
	क) फिजियोथेरेपी	29,078	25,398	54,476
	ख) ऑक्यूपेशनल चिकित्सा	1,355	5,285	6,640
	ग) हाइड्रोथैरेपी	1156	6,612	7,768
	घ) ट्यूबरकुलोसिस	71	127	198
	ड.) स्कोलियोसिस	639	1,141	1,780
	च) हैंड क्लिनिक	931	559	1,490
	छ) सीटीईवी	374	1,632	2,006
	ज) खेल क्लिनिक	0	2	2
	झ) फ्रेजिलिटी फ्रैक्चर क्लिनिक और संपर्क सेवा	56	157	213
	ञ) हड्डी और नरम ऊतक सरकोमा क्लिनिक	26	8	34
नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान	सामान्य ओपीडी	55,160	33,438	88,598
	क) श्रवणविज्ञान	151	37	188
	ख) वाक	3,644	3,139	6,783
	ग) श्रवण	216	459	675
	घ) वाणी	386	226	612
	ड.) वर्टिगो	136	159	295
	च)नासाविज्ञान	197	44	241
	छ) एच.एन. एवं आर.	9	11	20
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	सामान्य ओपीडी	42,533	42,848	85,381
	क) आईवीएफ	1,250	4,500	5,750
	ख) परिवार कल्याण	4,789	4,011	8,800
	ग)प्रसव पूर्व	985	2,973	3,958

	घ) अंत:स्राविकी स्त्रीरोग विज्ञान	36	84	120
	ड.) उच्च जोखिम सगर्भता	236	8,965	9,201
विकिरण चिकित्सा		347	1,138	1,485
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	सामान्य ओपीडी	13,900	25,737	39,637
	क) प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स	3,175	7,123	10,298
	ख) अक्षमता मूल्यांकन क्लिनिक	0	68	68
	ग) ओपीडी (पीटी अनुभाग)	0	16,460	16,460
	घ) ओपीडी(ओटी अनुभाग)	0	10,127	10,127
	ड.) ओपीडी(एमएसएसओ)	1,550	1,958	3,508
अन्य	आपातकालीन/आपात	1,03,455	46,083	1,49,538
	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	1,32,402	88,266	2,20,668
	पोषण	10,301	0	10,301
महा योग		*8,74,946*	*7,81,383*	*16,56,329*

6-2 vkgkjfoKku

मुख्य आहारविद्

डॉ. (श्रीमती) परमीत कौर

आहारविद्

सुश्री स्वप्ना चतुर्वेदी

सहायक आहारविद्

सुश्री गुरदीप कौर सुश्री वसुंधरा सिंह सुश्री अंजलि भोला
सुश्री मोनिता गहलोत सुश्री रेखा पाल

आहारविद् विभाग प्रतिदिन लगभग 2,300 अंतरंग रोगियों की चिकित्सीय आहार की जरूरतों का ध्यान रखता है। उनके संबंधित वार्डों में आहार विशेषज्ञों द्वारा पोषण संबंधी जांच और मूल्यांकन के आधार पर रोग एवं आहार संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार रोगियों को विभिन्न प्रकार का आहार दिया जाता है। मुख्य अस्पताल और केंद्रों के भर्ती रोगियों को 3 प्रमुख एवं 2

गौण भोजन सहित भेजे गए विभिन्न प्रकार के आहार का वर्ष भर का अनुमानित डेटा निम्नानुसार है:

तालिका 1. अंतरंग रोगियों की संख्या, जिन्हें प्रति वर्ष आहार प्रदान किए गए (मुख्य अस्पताल एवं केन्द्र)

क्र.सं.	**आहार का प्रकार**	**रोगियों की संख्या**
1.	सामान्य	4,02,000
2.	प्राइवेट वार्ड	94,116
3.	अर्धठोस	84,652
4.	चिकित्सीय	1,72,207
5.	एन्टरल भोजन	68,632
	कुल	**8,21,607**

पोषण परामर्श के अतिरिक्त मुख्य अस्पताल में ओ.पी.डी. और क्लिनिक भी चलाए जाते हैं। विभाग द्वारा परामर्श प्राप्त करने वाले अंतरंग और बाह्य रोगियों की अनुमानित संख्या निम्नानुसार है:

तालिका II बाह्य और अंतरंग पोषण परामर्श पाने वाले रोगियों की कुल संख्या (मुख्य अस्पताल)

लिंग	**बाह्य**	**अंतरंग**	**कुल**
पुरुष	5,824	3,201	9,025
महिला	4,477	2,879	7,356
कुल	10,301	6,080	16,381

विभागीय गतिविधियां

1. चिरकारी रोगों के निवारण एवं उपचार हेतु प्लांट-आधारित पोषण पर सेमिनार, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, 30 जुलाई 2018.
2. गर्भवती एवं दुग्धपान कराने वाली महिलाओं के लिए स्वास्थ्य वर्धक भोजन पर प्रदर्शनी, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, 7 सितंबर 2018.
3. ए.आई.एच.एम., आई.टी.डी.सी., अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली द्वारा मुख्य अस्पताल के आहार संबंधी स्टाफ के लिए दक्षता उन्नतीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम, 11-18 फरवरी 2019.
4. 'एनीमिया मुक्त भारत' के विषय के साथ आहारिकी दिवस समारोह, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, 10 जनवरी 2019.
5. आहारविद विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में महिलाओं एवं शिशु विकास के लिए मंत्रालय की पहल के रूप में पोषण पखवाड़ा को मनाया गया, 8 मार्च 2019.

प्रदत्त व्याख्यान

परमीत कौर

1. डी.जी.एच.एस. निर्माण भवन, नई दिल्ली के संसाधन केंद्र में विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर आहार एवं स्वास्थ्य, जागरूकता पैदा करना, 16 अगस्त 2018, नई दिल्ली।
2. संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली, 7वें बी.एन.डी.ए.पी., मालवीय नगर में संतुलित आहार की महत्ता के संबंध में जवानों को अवगत कराना, 11-12 सितबंर 2018, नई दिल्ली।
3. पैनल परिचर्या-प्रशामक उपचार-संयोजन, सुसंगत एवं सतत, प्रशामक उपचार-जीवन गुणवत्ता का भरोसा, सीमेंट टेक्नोलॉजी हॉल, अ.भा.आ.सं., 22 फरवरी 2019, नई दिल्ली।
4. खेलों में केटोजेनिक आहार, खेल चिकित्सा में वर्तमान संकल्पनाएं एवं विकास, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, 15 मार्च 2019, अमृतसर।
5. वर्तमान उच्च खेल पोषण, खेल चिकित्सा में वर्तमान संकल्पनाएं एवं विकास, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, 16 मार्च, 2019, अमृतसर।
6. सभागार शिक्षण खंड, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. में एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू के सहयोग के साथ सी.एच.एस. के तहत सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी (जी.डी.एम.ओ.) के लिए आहार संबंधी सेवा, तृतीय फांउडेशन ट्रैनिंग प्रोग्राम, 7 सितंबर 2018, नई दिल्ली।
7. क्लिनिकल पोषण, में वर्तमान विकास, आई.ए.पी.ई.एन. क्लिनिक पोषण अपडेट्स "आई.ए.पी.ई.एन. सिंपोजियम सीरिज़", 21 दिसंबर 2018, मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली।
8. अच्छे स्वास्थ्य के लिए जीवन पद्धति एवं गैर संचरणीय रोगों का निवारण, "नेक्स्ट जेनरेंशन फिजियोलॉजी फॉर हेल्दी लाइफस्टाइल" पर इंडो-यूरोपियन कार्यशाला, 31 जनवरी-1 फरवरी 2019, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

1. कौर पी, आहारिकी अभ्यास, शिक्षा एवं अनुसंधान में प्रौद्योगिक लागू करना, 63वां अ.भा.आ.सं. फांउडेशन दिवस, 25 सितबंर 2018, अ.भा.आ.सं.।
2. कौर पी, जी.डी.एम. पर विशेषज्ञ समिति बैठक, जी.डी.एम. में चिकित्सा पोषण थेरेपी, 31 अक्टूबर 2018, आई.सी.एम.आर. मुख्यालय, नई दिल्ली
3. कौर पी, भारतीय महिलाओं में सगर्भता के क्रम के दौरान पौषणिक अंतर्ग्रहण की प्रवृत्तियां, द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय एन.आई.एन. सेंटेंनरी कांफ्रेंस, स्वास्थ्य आहार एवं बेहतर पोषण के लिए खाद्य पद्धति को पंक्तिबद्ध करना, एन.आई.एन. तेलंगाना, 11-13 नवंबर 2018, हैदराबाद।

मोनोग्राफ/प्रकाशन

1. कौर पी, मोनोग्राफ, आई.एल.एस.आई., इंडिया। भारत एवं दक्षिण एशियाई क्षेत्र, स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए उचित भोजन ग्रहण करना। हेल्दी इटिंग टास्क फोर्स का सदस्य।

पुरस्कार एवं सम्मान

विभाग को कायाकल्प योजना के तहत स्वच्छ एवं हरित अ.भा.आ.सं. बनाने के योगदान के सम्मान में "स्वच्छता अवार्ड 2018" प्रदान किया गया।

डॉ. परमीत कौर (मुख्य आहारविद) ने आहारिकी विभाग अ.भा.आ.सं. में आयोजित दिनांक 8 मार्च 2019 को न्यूट्रीमीट 2019 में प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया।

6-3 vLirky fcfyax vuHkkx

वित्तीय वर्ष 2018-2019 के दौरान रोगियों के लिए दानों की प्राप्ति और किए गए भुगतान निम्न प्रकार से हैं:

दाताओं (बैंक ब्याज +दान+निर्धन निधि बॉक्स) से प्राप्त दान	रु. 31,96,869
ऑनलाइन प्राप्त दान (आर.टी.जी.एस.)	रु. 11,25,000
कुल प्राप्तियां	रु. 43,21,869
441 रोगियों को किए गए भुगतान	रु. 12,19,660

(वर्ष के दौरान दाताओं से प्राप्त दानों के साथ-साथ 'एम्स निर्धन निधि खाते' में पिछले बकाया शेष से रोगियों को राशि वितरित की जाती है।

6-4 uflZax lsok,a

मुख्य नर्सिंग अधिकारी (कार्यकारी)

सुश्री कमलेश चंदेलिया

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगी और समुदाय को उच्च गुणवत्ता नर्सिंग देखभाल प्रदान करना है। पेशेवर नर्सें एक ऐसे परिवेश में कार्य करती हैं जो कि अस्पताल में संबद्ध विभागों के सदस्यों के साथ व्यापक रोगी सेवाएं प्रदान करने में व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करती हैं।

स्टाफ संख्या

अ.भा.आ.सं. में मुख्य स्तर कार्यबल का गठन विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित व्यावसायिक नर्सों को शामिल करते हुए किया जाता है। अ.भा.आ.सं. में नर्सिंग सेवा में स्टाफ एस.आई.यू. (स्टाफ निरीक्षण एकक) मानकों पर आधारित होती है।

अस्पताल/केंद्रों में कर्मचारी की संख्या	
मुख्य परिचर्या अधिकारी	1 (कार्यकारी सीएनओ)
नर्सिंग अधीक्षक	4
उप परिचर्या अधीक्षक	32
सहायक परिचर्या अधीक्षक	133
वरिष्ठ परिचर्या अधिकारी	841
नर्सिंग अधिकारी	3,438
कुल	**4,448**

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा

अ.भा.आ.सं. में नर्सिंग उपचार के स्तर में सुधार करने के लक्ष्य के साथ प्रैक्टिस करने वाली नर्सों के क्लिनिकल ज्ञान को अद्यतन करने के लिए सेवाकालीन और सतत शिक्षा कार्यक्रम द्वारा वर्ष भर नर्सिंग स्टाफ शिक्षा को निष्पादित किया जाता है।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

एक सुसंरचित सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम जनवरी 2011 से आरंभ किया गया है। प्रारंभ में, यह प्रत्येक एक घंटे की सप्ताह में दो बार की कक्षाओं के साथ शुरू किया गया था, बाद में इसे सप्ताह में तीन बार के लिए बढ़ा दिया गया। प्रति सप्ताह रोगी के बिस्तर के पास कार्य करने वाली नर्सों (नर्सिंग अधिकारी और वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी) के लिए दो कक्षाओं का आयोजन किया गया, जबकि एक सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (प्रभारी सिस्टर और उपरोक्त) के लिए है।

सुविधाकर्ता : सुश्री कमलेश चंदेलिया
संरक्षक : सुश्री हनुमती देवी
शिक्षक : सुश्री रिबेका जे. हेराल्ड
सुश्री श्रीनित्या राघवन
सुश्री जे. सुब्बुलक्ष्मी

जनवरी, 2014 से 'बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई)' मुख्य अस्पताल से नर्सों के लिए जराचिकित्सा विभाग के सहयोग से मासिक कार्यशाला आयोजित की गई। नर्सिंग प्रशिक्षकों द्वारा कार्यशाला में सत्रों की भी सुविधा है।

नैदानिक शिक्षण

नर्सिंग के कार्य क्षेत्र में नर्सिंग देखभाल के मानकों का उन्नयन करने के लिए और व्यावहारिक मुद्दों को हल करने के लक्ष्य के साथ मुख्य अस्पताल के ए, बी, सी और डी विंग्स में नैदानिक शिक्षण शुरू किया गया। यह प्रयास नैदानिक क्षेत्रों के बेडसाइड नर्सों और पर्यवेक्षी नर्सिंग कर्मियों की सक्रिय भागीदारी के साथ 1 जनवरी 2015 को शुरू किया गया।

1. सुश्री रिबेका हेराल्ड के पर्यवेक्षण के तहत एबी विंग में 31 जुलाई 2018 तक 39 सत्र संचालित किए गए।
2. सुश्री जे. सुब्बुलक्ष्मी के पर्यवेक्षण के तहत सी विंग में 31 जुलाई 2018 तक 20 सत्र संचालित किए गए।
3. सुश्री श्रीनित्या राघवन के पर्यवेक्षण के तहत डी विंग में 31 जुलाई 2018 तक 18 सत्र संचालित किए।
4. पुराने एवं नए प्राइवेट वार्ड ब्लॉक, आपात, नए आपातकालीन एवं ओपीडी में 38 सत्र संचालित किए।

अगस्त 2018 से क्लिनिकल शिक्षण को संबंधित वार्ड के प्रभारी एन.एन.एस. को सौंपा गया। वर्ष 2018-2020 के बी.एस.सी. बैच हेतु एक सुनियोजित ऑरिएन्टेशन कार्यक्रम का संचालन किया गया।

सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाएं

मुख्य अस्पताल में विभिन्न विभागों से कुल 1,693 नर्सों ने सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाओं में भाग लिया। वर्ष 2018-2019 में निम्नलिखित व्याख्यान दिए गए थे:

वरिष्ठ नर्सिंग कार्मिक/सीएनओ/एनएस/डीएनएस/एएनएस/एसएनओ एचआर के लिए कक्षाएं

1. तपेदिक से पीडित रोगी का उपचार
2. एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप
3. पीड़ामुक्त अ.भा.आ.सं.
4. उच्चरक्तदाब वाले रोगी का उपचार
5. निपाह वाइरस वाले रोगी का उपचार
6. पीड़ा चिकित्सा नीति
7. वाइरल हेपाटाइटिस वाले रोगी का उपचार
8. सुरक्षित स्टाफ
9. एस.एन.ओ.एच.आर. सशक्तीकरण कार्यक्रम (अगस्त 2018 से दिसंबर 2018)
10. एनीमिया ग्रस्त रोगी का उपचार

11. रोगी सुरक्षा
12. वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों/नर्सिंग अधिकारियों के लिए कक्षाएं
13. तपेदिक वाले रोगी का उपचार
14. एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप
15. पीड़ामुक्त अ.भा.आ.सं.
16. उच्चरक्तदाब वाले रोगी का उपचार
17. निपाह वाइरस वाले रोगी का उपचार
18. पीड़ा चिकित्सा नीति
19. वाइरल हेपाटाइटिस वाले रोगी का उपचार
20. आई.वी.फ्लूड चिकित्सा
21. चयनित नर्सिंग प्रक्रियाएं
22. एनीमिया ग्रस्त रोगी का उपचार
23. रोगी सुरक्षा

विभिन्न बैचों में उपर्युक्त विषयों पर कुल 89 व्याख्यान दिए गए थे।

सेवाकालीन शिक्षा कक्षाओं में उपस्थित नर्सिंग कार्मिकों की संख्या निम्नानुसार है:

ए.एन.एस. : 83 वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी: 493 नर्सिंग अधिकारी: 1,117

मॉड्यूल

भर्ती/अस्पताल से छुट्टी/हस्तांतरण/लामा/मृत्यु के लिए एक प्रोटोकॉल बनाया गया, क्योंकि अ.भा.आ.सं. में इस प्रकार का कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं था एवं यह प्रयत्न चुनौतीपूर्ण एवं पुरस्कार योग्य रहा है। अ.भा.आ.सं. प्रोटोकॉलस का गंभीर अध्ययन एवं समय-समय पर जारी हुए भर्ती/अस्पताल से छुट्टी की नीति संबंधी परिपत्रों ने इस दस्तावेज को अंतिम रूप दिया है।

सम्मेलन एवं कार्यशालाएं आयोजित की गई

अ.भा.आ.सं में 7 सितबंर 2018 को जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन. 2018 नर्सिंग ट्रैक। कुल सहभागी-52 एम.एस. सेमिनार कक्ष, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में बेडसाइड नर्सिंग कार्मिक के लिए एक दिवसीय क्रिटीकल केयर नर्सिंग अपडेट।

दिवस/माह/वर्ष	**कुल सहभागी**
10 मई 2018	30
14 जून 2018	18

19 जुलाई 2018	31

नर्सिंग प्रशासक सशक्तीकरण कार्यक्रम

मुख्य अस्पताल एवं अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के सभी केंद्रों के नर्सिंग अधीक्षकों/डी.एन.एस./ए.एन.एस. को प्रशासक के रूप में समर्थ बनाने के लिए पांच अर्धदिवसीय कार्यशाला का संचालन किया गया। पांच कार्यशालाओं में कुल 140 सहभागी उपस्थित थे।

एस.एन.ओ.एच.आर. सशक्तीकरण कार्यक्रम

एस.एन.ओ.एच.आर. के लिए नौ एक दिवसीय कार्यशालाओं का संचालन किया तथा इसमें 298 सहभागी थे।

नए भर्ती हुए नर्सों के लिए प्रवेशन कार्यक्रम

वर्ष 2018 एवं 2019 में क्रमश: 210 एवं 330 नए भर्ती हुए नर्सों के लिए सात तथा ग्यारह अर्धदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बेसिक नर्सिंग कौशल अपडेट

सीमेट, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में 205 नए भर्ती हुए नर्सों के लिए पांच अर्धदिवसीय कार्यशालाओं का संचालन किया गया।

कार्यशाला/सम्मलेन में भाग लिया

1. संक्रमण नियंत्रण कार्यशाला, 4 अप्रैल 2018, रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम, अ.भा.आ.सं. दिल्ली, सहभागी: 3
2. कोल्ड चैन हैंडलर का प्रशिक्षण, 4-5 अप्रैल, 2018 डी.पी.एन.यू. साकेत, दिल्ली, सहभागी:1
3. ओप्थेलमोलॉजी में संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिसिस, 12 अप्रैल 2018, छठी तल एल.टी., डॉ. रा.प्र. केंद्र, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 2
4. प्रतिरोपण कोर्डिनेटर प्रशिक्षण, 24-28 अप्रैल, 2018 सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, सहभागी: 2
5. दुर्बल वृद्ध वयस्कों के लिए न्यूमोनिया एवं कैंसर पर मेगा इवेंट, 25 अप्रैल 2018, गांधी स्मृति, नई दिल्ली, सहभागी: 25
6. बेसिक 4 नए पाठयक्रम, 28-29 अप्रैल 2018, पोडुचेरी, सहभागी:5
7. लिवर प्रतिरोपण करवाने वाले रोगियों के उपचार पर कार्यशाला, 10-11 मई 2018, आई.एल.बी.एस., वसंत कुंज, नई दिल्ली, सहभागी: 3
8. पीड़ा नीति पर सत्र, 11 जून 2018, एम.एस. सेमिनार कक्ष, सहभागी: 31
9. योगा सत्र, 18 जून 2018, सी.आई.एम.आर., अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 32
10. बालचिकित्सा नर्सों के लिए फाउंडेशन अर्बुदविज्ञान कौशल, 22-23 सितम्बर 2018,

एस.एस.पी.एच. एवं पी.जी. शिक्षण संस्थान, नोएडा, सहभागी: 5

11. आपात स्वास्थ्य उपचार में प्रौद्योगिकी का लागत प्रभावी प्रयोग, 22 अक्टूबर 2018, जे.पी.एन.ए.टी.सी., अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 20
12. दुग्धपान परामर्श प्रशिक्षण, 5 अक्टूबर 2018, बालचिकित्सा सेमिनार कक्ष, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 11
13. ओस्टॉमी सोसाइटी का 6वां वार्षिक जी.बी.एम., 14 अक्टूबर 2018 कांफ्रेंस हाल, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 4
14. हेमाटोकॉन 2018, 25-26 अक्टूबर 2018, कोची, केरला, सहभागी: 1
15. आपातकालीन बालचिकित्सा, 14 नवंबर 2018, सीमेट, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 20
16. जेरैंटोलॉजी एवं जेरियाट्रिक मेडिसिन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (कांग्रेस), 15/16 नवंबर 2018, जे.एल.एन. सभागार, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी:19
17. मानव स्वास्थ्य उपचार पर कार्यशाला, 16 नवंबर 2018, सीमेट, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी:20
18. आर.ओ.पी. एवं क्यू.आई. मीटिंग, 19-20 नवंबर 2018, कन्वर्जेंस ब्लॉक, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 4
19. सुरक्षित मातृत्व पर प्रैक्टिस को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण पाठयक्रम, 3-11 जनवरी 2019, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू., मुनिरका, नई दिल्ली, सहभागी: 6
20. आपदा चिकित्सा सहायता टीम प्रशिक्षण कार्यक्रम, 19-22 जनवरी 2019, जे.पी.एन.ए.टी.सी., अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 5
21. उच्च नर्सिंग उपचार प्रबंधन एवं गुणवत्ता उपचार कार्यक्रम, 18-23 फरवरी 2019, ए.एच.ए. हाउस, सैक्टर 62, नोएडा, सहभागी: 2
22. भारत में नर्सों की उभरती हुई भूमिका, 24-28 फरवरी 2019, आर.ए.के. कॉन, लाजपत नगर, नई दिल्ली, सहभागी: 2
23. श्रेष्ठता के लिए कार्य करना, 15 फरवरी 2019, सीमेट, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 15
24. प्रशामक उपचार, 22 फरवरी 2019, सीमेट, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी:15
25. गुणवत्ता नर्सिंग उपचार में हीलिंग टच, 11-15 मार्च 2019, आर.ए.के.सी.ओ.एन., लाजपत नगर, नई दिल्ली, सहभागी: 1
26. संवाद कौशल पर कार्यशाला, 26 फरवरी 2019, रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 10

27. नर्सिंग एवं स्वास्थ्य उपचार नई पद्धति पर अपडेट, बांटना एवं सीखना, 14-15 मार्च 2019, सीमेट, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: 14
28. अनुसंधान कार्य पद्धति पर प्रशिक्षण पाठयक्रम, 11-19 मार्च 2019, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू., मुनिरका, नई दिल्ली, सहभागी: 3
29. सेमिनार कक्ष, नया आपात वार्ड, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा 136 नर्सिंग अधिकारियों के लिए पुनरूज्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम पर छह दो-दिवसीय कार्यशाला।
30. सीमेट, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में दो एक-दिवसीय उचित बेडसाइड ट्रांस्फ्यूजन प्रैक्टिसिस सत्रों का आयोजन हुआ, सहभागी: 31
31. सेमिनार कक्ष, ऑर्बो, अ.भा.आ.सं. में 'मृत अंग एवं ऊतक दान' पर 99 नर्सों के प्रशिक्षण के लिए पांच सत्र।
32. सीमेट, अ.भा.आ.सं. में वूंड केयर एंड प्रैशर सोर प्रिवेंशन वर्कशाप, सहभागी: 61
33. सेमिनार कक्ष, सं.रो.कैं.अ., अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में एंड ऑफ लाइफ नर्सिंग एजुकेशन कंसोर्टियम ट्रैनिंग, सहभागी: 157
34. सी.आर.टी.पी. एवं ई.सी.जी. पाठयक्रम पर कार्यशाला, अ.भा.आ.सं., सहभागी: 179

वर्ष के दौरान परामर्श एवं विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता को छोड़कर कुल 1622 नर्सिंग कार्मिक ने 97 कार्यशाला/सम्मेलन में भाग लिया।

डी.एन.एस. : 2 ए.एन.एस. : 31 वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी: 457 नर्सिंग अधिकारी: 1,132

आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

वरिष्ठ नर्सिंग प्रशासकों को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन हॉल में अर्धदिवसीय स्तन स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रो. अनुराग श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष एवं डॉ. अनीता धर, आचार्य, शल्यचिकित्सा विभाग द्वारा की गई वार्ता सम्मिलित है। स्वास्थ्य वार्ता के पश्चात स्वयं स्तन परीक्षण संबंधी एक लघु विडियों फिल्म प्रस्तुत की गई।

गुणवत्ता उन्नत पहल

गुणवत्ता उन्न्त पहल को आचार्य ए.के. देवदारी के नेतृत्व के अंतर्गत सन् 2015 में आरंभ किया गया। संस्थान में अनेक क्यू.आई. परियोनाएं आरंभ की गई। कुछ परियोजनाओं को राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मंचों में प्रस्तुत किया गया। क्यू.आई. पर विशेष तौर पर नर्सों के लिए अर्ध दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

उच्च अध्ययनों के लिए नर्सिंग कार्मिक की प्रतिनियुक्ति

अ.भा.आ.सं. में नर्सिंग सेवाओं का फोकस उच्च अध्ययनों के लिए प्रचुर अवसरों को सुगम बनाकर नर्सिंग उपचार को सुधारना है। 5 वर्ष की नियमित सेवा के पश्चात नर्सें पूर्ण वेतन के साथ उच्च अध्ययन को करने के लिए योग्य हैं। इस वर्ष मुख्य अस्पताल से 3 नर्सें पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग प्रोग्राम एवं 7 एम.एस.सी. नर्सिंग प्रोग्राम कर रही थीं।

विभिन्न नर्सिंग शैक्षिक संस्थानों के लिए शिक्षात्मक दौरों का समन्वय एवं आयोजन

संपूर्ण भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के समूहों के लिए अ.भा.आ.सं. में नर्सिंग शिक्षकों द्वारा संचालित ओरियंटेशन की सूची निम्नानुसार है:

क्र.सं.	कॉलेज का नाम	दौरे की तिथि	छात्रों की संख्या	संकाय संख्या
1.	आर.डी.ओ. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मणिपुर	1 मई 2018	17	3
2.	एस.डी.यू. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोलर, कर्नाटक	27 नवंबर 2018	35	2
3.	एल्वास कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मंगलौर, कर्नाटक	29 जनवरी, 2019	35	2
4.	एस.एम.ई.एस. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुम्बई, महाराष्ट्र	5 फरवरी, 2019	28	2
5.	निर्मला कॉलेज ऑफ नर्सिंग कर्नाटक	10 जनवरी 2019	35	2
6.	रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, बंगलौर, कर्नाटक	7 फरवरी 2019	35	2
7.	सैंट फिलोमेना कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बंगलौर, कनार्टक	21 फरवरी 2019	35	2
8.	लॉर्डी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कन्नूर, केरल	5 मार्च 2019	36	2
9.	आर.डी.ओ. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मणिपुर	12 मार्च 2019	35	2
10.	सी.एम.सी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मणिपुर	12 मार्च 2019	35	2
		कुल	**326**	**21**

क्रेडिट घंटे प्रमाणपत्र जारी करना

कुल नौ नर्सों को नर्सिंग परिषद में पंजीकरण हेतु क्रेडिट घंटों का प्रमाणपत्र जारी किया गया।

गंभीर उपचार कार्यशाला

आपात चिकित्सा, संवेदनाहरणविज्ञान एवं सामान्य कायचिकित्सा के संकायगण के सहयोग से आपात एवं गहन उपचार एककों में कार्यरत नर्सों के लिए गंभीर उपचार अपडेट पर एक पूर्ण दिवसीय कार्यशाला उक्त के लिए प्रमाणपत्र भी जारी किए गए।

सुविधाप्रदाता के रूप में योगदान

एन.आई.ई. टीम ने अ.भा.आ.सं. के भीतर एवं बाहर विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों को सुगम बनाया जैसे: इग्नू में जेरियाट्रिक केयर असिस्टेंट्स के मॉड्यूल डिवलेपमेंट में टीम मेम्बर: जेरियाट्रिक क्लाइंट की पौषणिक एवं उन्मूलन आवश्यकताओं में परिचर्चा करने में स्कूल ऑफ हेल्थ साईंस, इग्नू के संकाय के साथ ज्ञान दर्शन में लाइव टॉक शो में सहभागिता; नर्सों के लिए इंडक्शन एवं प्रोमोशनल ट्रेनिंग के लिए कोर्स मोड्यूल का विकास करने के लिए टी.टी.एस.यू. उप-समिति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया।

संक्रमण नियंत्रण नर्स गतिविधियां

मुख्य अस्पताल 2018-2019

संक्रमण नियंत्रण कोर कमेटी

डॉ.डी.के. शर्मा	चिकित्सा अधीक्षक, अ.भा.आ.सं., अध्यक्ष
डॉ.आरती कपिल	आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग
डॉ.राकेश लोढ़ा	आचार्य, बालचिकित्सा विभाग
डॉ.रश्मि रामचंद्रन	आचार्य, संवेदनाहरण विभाग
डॉ.अनूप डागा	सह-आचार्य, अस्पताल प्रशासन
डॉ.करन मदान	सहायक आचार्य, पुलमोनरी चिकित्सा विभाग
डॉ.गंगदीप सिंह	सहायक आचार्य, सूक्ष्मजैव विभाग
डॉ. झूमा शंकर	सहायक आचार्य, बालचिकित्सा विभाग
सुश्री नंदाश्री जॉर्ज	परिचर्या अधीक्षक, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री एल्प्रेडा एम. विक्टर	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, प्रभारी संक्रमण नियंत्रण नर्स
सुश्री एम.आर.ई. वसंत	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स
सुश्री बेट्टी मारिया बिनु	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स
श्री मुकेश कुमार सैनी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स
श्री धवल द्विवेदी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स
श्री कुंज बिहारी गौतम	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स

एच.आई.सी.सी.ओ.एम. कोर समिति दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों एवं इंटरवेंशन्स पर चर्चा करने के लिए समय-समय पर बैठक करती है। एच.आई.सी.सी.ओ.एम. संक्रमण नियंत्रण कोर समिति

के साथ समय-समय पर प्रशासनिक दौरे संचालित करती है, समस्याओं को पहचान कर उन पर चर्चा करती है तथा उनमें सुधार करती है।

एच.आई.सी.सी.ओ.एम. की गतिविधियां

1. एच.आई.सी.सी.ओ.एम. (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) ने नर्सों के लिए माह में अर्धदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया, कुल 303 नर्सिंग अधिकारियों ने इसमें भाग लिया। पूर्व एवं पश्चात् जांच संचालित की एवं उसका विश्लेषण किया गया।
2. विभिन्न स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों को हाथ की स्वच्छता, पी.पी.ई. एवं बी.एम.डब्ल्यू. उपचार पर जागरूक करना, कुल 92 अस्पताल परिचरों एवं 76 सफाई परिचरों ने सत्र में भाग लिया।
3. अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिसिस एवं बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर नए भर्ती हुए नर्सों (इंडक्शन कार्यक्रम) के लिए सत्र संचालित किए।
4. अगस्त से सितंबर 2018 तक 7 सत्रों का संचालन किया, कुल 213 नर्सिंग अधिकारियों ने इसमें भाग लिया।
5. दिनांक 29 जनवरी से 12 अप्रैल 2019 तक 15 सत्रों का संचालन किया कुल 422 नर्सिंग अधिकारियों ने इसमें भाग लिया।
6. वर्ष 2018-2019 के लिए मानक सावधानियां, एस.ओ.पी. एवं बी.एम.डब्ल्यू. प्रबंधन पर सीमेट में ओ.टी. तकनीशियनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, कुल 100 तकनीकी स्टाफ ने सितंबर से अक्टूबर 2018 तक 3 सत्रों में कार्यक्रम में भाग लिया।
7. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अ.भा.आ.सं. द्वारा 30 सेवारत नर्सिंग कार्मिक के समूह के लिए "क्लिनिकल नर्सिंग अपडेट" में संक्रमण नियंत्रण नर्स की भूमिका पर आई.सी.एन. ने सत्र लिया।
8. कॉलेज ऑफ नर्सिंग अ.भा.आ.सं. के नर्सिंग कॉलेज के नर्सिंग छात्रों के लिए संक्रमण नियंत्रण रोकथाम एवं प्रैक्टिस से संबंधित शिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित रहे।
9. कॉलेज ऑफ नर्सिंग-पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग छात्रों ने स्वास्थ्य उपचार क्षेत्र में सुरक्षित पर्यावरण पर कार्यशाला का आयोजन किया; आई.सी.एन. ने फरवरी 2019 में हेल्थ केयर सेटअप में संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिसिस के संबंध में सुरक्षित पर्यावरण पर सत्र लिया।
10. आई.सी.एन. ने मुख्य किचन स्टाफ के 98 कर्मचारियों के समूह के लिए हाथ की स्वच्छता, पी.पी.ई. का प्रयोग एवं प्रतिरक्षाकरण की महत्ता पर कक्षाओं का आयोजन किया। काया-कल्प दौरों के दौरान संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा उपर्युक्त विषयों पर बल दिया गया।
11. आई.सी.एन. ने ओ.टी. प्रौद्योगिकीविदों के 'एन.सी.ओ.टी.टी.-2018' द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिस पर सत्रों हेतु संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
12. सभी आई.सी.एन. ने "काया-कल्प" 2018-2019 दौरों का आयोजन एवं संचालन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

13. सफाई परिचरों एवं अस्पताल परिचरों के लिए हाथ की स्वच्छता, पी.पी.ई., स्पिल मैनेजमेंट एवं नीडल स्टिक क्षति प्रोटोकॉल्स जागरूकता पर बल दिया गया।
14. बायोटिक कर्मचारियों के लिए हाथ की स्वच्छता, पी.पी.ई., प्रतिरक्षाकरण, स्पिल मैनेजमेंट तथा नीडल स्टिक क्षति प्रोटोकाल्स, निजी स्वच्छता, बी.एम.डब्ल्यू. नियमों के अनुसार बी.एम.डब्ल्यू. ट्रॉली को भरने के लिए सत्र का संचालन किया।
15. आई.सी.एन. ने संक्रमण नियंत्रण पुस्तिका के संशोधित संस्करण की अंतर्वस्तु एवं उसे अंतिम रूप देने में योगदान दिया।
16. चार्ट के रूप में नीडल स्टिक क्षति एवं स्पिल प्रबंधन प्रोटोकाल पर एस.ओ.पी. को अ.भा.आ.सं. के सभी क्लिनिकल क्षेत्रों में बनाया गया, बांटा गया तथा प्रदर्शित किया गया।
17. विभागाध्यक्ष के अनुरोध पर कायचिकित्सा विभाग के रेजीडेंट डाक्टरों के लिए संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिस एवं बी.एम.डब्ल्यू. प्रबंधन पर जागरूकता।
18. सीमेंट में बेसिक नर्सिंग कौशल पर कक्षाओं का संचालन किया गया तथा संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिसिस पर सत्र लिया गया। कुल 206 नर्सिंग अधिकारियों को शिक्षित किया गया।
19. आई.सी.एन. ने लॉड्री सुविधा स्टाफ एवं शवगृह स्टाफ में हाथ की स्वच्छता, निजी स्वच्छता, पी.पी.ई. एवं बी.एम.डब्ल्यू. प्रबंधन पर सत्र संचालित किए।

संक्रमण नियंत्रण नर्सों की गतिविधियां

1. बी.एस.आई., आर.टी.आई. (वी.ए.पी.), एस.एस.आई., यू.टी.आई., सी.एस.एफ./अन्य संक्रमण आदि पर आई.सी.यू./एच.डी.यू., शल्यक क्षेत्र में कुल एच.सी.ए.आई. पर आंकड़ों को संग्रहित करना। सभी शल्यक एककों एवं सभी आई.सी.यू. के लिए माह वार आंकड़े विश्लेषित किए जाते हैं तथा आंकड़े विश्लेषण के प्रोफॉर्मा को शल्यक एककों एवं आई.सी.यू. के संबंधित प्रभारी आचार्य को बांटा जाता है।

वार्षिक स्वास्थ्य उपचार संबंधित संक्रमण (एच.सी.ए.आई.) दर

क्षेत्र	**कुल बड़ी सर्जरी/भर्ती**	**एच.सी.ए.आई.**	**%**
शल्यक एकक	15,204	524	3.4
आई.सी.यू.	4,707	646	13.7

संयुक्त एच.सी.ए.आई. दर: $\frac{(524+646)x100}{19,911}$=5.8%

शल्यक एककों एवं आई.सी.यू. के लिए मासिक अवेक्षण एवं आंकड़ों की गणना की गई तथा मासिक सूचना पत्र हेतु एम.आर.डी. अनुभाग में जमा किया गया।

1. शल्यक एकक एवं आई.सी.यू. के वार्षिक संयुक्त आंकड़े विश्लेषण की गणना की गई तथा उक्त को डॉ. आरती कपिल, प्रभारी आचार्य, सूक्ष्मजैव विज्ञान, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण, आचार्य डी.के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, सुश्री कमलेश चंदेलिया, मुख्य नर्सिंग अधिकारी, डॉ. अनूप डागा, प्रभारी अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण, अस्पताल प्रशासन एवं चिकित्सा अभिलेख अनुभाग को वितरित किया गया।
2. संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा जांच सूची का प्रयोग करके दैनिक आधार पर वैयक्तिक क्षेत्र दौरों का संचालन किया गया है एवं आवश्यकता पड़ने पर क्लिनिकल क्षेत्र में स्थल प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा संक्रमण नियंत्रण कोर कमेटी (एच.आई.सी.सी.ओ.एम.) के साथ चर्चा के पश्चात समस्याओं का निपटान किया जाता है।
3. निरीक्षण गतिविधियां: पर्यावरण संबंधी संवर्धन एवं जीवाणुरहित नमूनों के अवेक्षण को मासिक आधार पर किया जाता है तथा रिपोर्ट रिकार्ड की जाती है एवं इसे सभी संबंधित क्षेत्रों को वितरित किया जाता है तथा अस्पताल नीति के अनुसार उचित प्रोटोकॉल को सुदृढ़ बनाने के लिए चर्चा की जाती है।

वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल से एकत्रित अवेक्षण नमूने

कुल अवेक्षण नमूने	कुल पर्यावरण एवं विसंक्रमण नमूने	कुल उपयोग में घोल के नमूने	कुल विसंक्रमित नमूने		कुल संक्रमित नमूने	
			पर्यावरण एवं विसंक्रमित नमूने	उपयोग में घोल के नमूने	पर्यावरण एवं विसंक्रमित नमूने	उपयोग में घोल के नमूने
7,906	5,649	2,257	4,773	1,953	876	304

महामारी के उपचार का मॉनीटर करना एवं एच.सी.डब्ल्यू. को सावधानियों के संबंध में शिक्षित करना। रिपोर्ट बुक को दैनिक आधार पर रिपोर्टिंग हेतु तथा घटना एवं इंटरवेंशन की रिपोर्टिंग हेतु एक समर्पित रजिस्टर का भी अनुरक्षण करना।

अस्पताल प्रशासन विभाग ने 1 एवं 2 अक्टूबर 2018 को दो दिन के लिए स्वच्छता मेला का आयोजन किया, आई.सी.एन. ने इसमें भाग लिया तथा स्किल स्टेशन को व्यवस्थित किया एवं सभी संक्रमण नियंत्रण संबंधी चार्टों को प्रदर्शित किया। पांच वर्ष के लिए एच.आई.सी.सी.ओ.एम. की शैक्षिक गतिविधियों एवं पांच वर्ष के लिए एच.सी.ए.आई. डाटा को ग्राफ के रूप में दर्शाया गया। माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने अ.भा.आ.सं. के निदेशक, एम.एस., संकाय एवं सी.एन.ओ. के साथ मेले का उद्घाटन किया तथा संक्रमण नियंत्रण स्किल स्टेशन का दौरा किया एवं एच.आई.सी.सी.ओ.एम., अ.भा.आ.सं. की शैक्षिक गतिविधियों के संबंध में बातचीत की।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत “काया-कल्प”-स्वच्छ अस्पताल अभियान का शुभारंभ किया है। स्वच्छ एवं हरित अ.भा.आ.सं. अभियान के दिशा-निर्देशों को तैयार किया गया। अ.भा.आ.सं. इन दिशा-निर्देशों को अंगीकार करके एवं परिवर्तन का प्रतिनिधि बनकर काया-कल्प रूपांतरण के इस आंदोलन के नेतृत्व हेतु विशेष रूप से तैयार है। डब्ल्यू.एच.ओ. हस्त स्वच्छता दिवस मनाया गया एवं आई.सी.एन. ने हस्त स्वच्छता पर जन जागरूकता का संचालन किया जिसे आर.ए.के.ओ.पी.डी. एवं पी.आर.सी. में 3 बार प्रदर्शित किया गया तथा इसमें लोगों की सक्रिय जन सहभागिता देखी गई।

6-5 dY;k.k ,dd

कल्याण अधिकारी

श्रीमती प्रीति आहलूवालिया

कल्याण अधिकारी द्वारा रोगी एवं कर्मचारी कल्याण सेवाएं आयोजित की गई।

रोगी कल्याण

रोगी उपचार: रु. 66,79,000 (लगभग) दान के रूप में प्राप्त किए गए।

उद्देश्य	**दान**	**दानकर्ता**
मुख्य अस्पताल तथा केंद्रों में उपचार कराने वाले गरीब तथा जरूरतमंद रोगियों के उपचार एवं शल्य चिकित्सा हेतु	रु.20,02,748	रोशनी फाउंडेशन
	रु. 5,95,773	बैजनाथ भंडारी पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट
	रु. 3,60,386	साहू जैन ट्रस्ट
	रु. 2,87,500	जवाहर भवन ट्रस्ट
	रु. 3,07,000	सेवा प्रकल्प महिला मंडल ट्रस्ट
	रु. 1,50,000	राष्ट्रपति सचिवालय, भारत सरकार
	रु. 45,000	राजेन्द्र भवन ट्रस्ट
	रु. 60,000	सुश्री स्तुति शर्मा

	रु. 91,104	अन्य दान दाता
अ.भा.आ.सं. निर्धन रोगी निधि खाता	रु. 4,64,227	चिकित्सा शिक्षा पर राष्ट्रीय कांफ्रेस (एन.सी.एम.ई. 2007)
	रु. 3,00,000	श्रीमती द्वारका प्रसाद ट्रस्ट
	रु. 35,000	श्रीमती प्रीति भटनागर
कैंसर रोगियों को नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई कैंसर-रोधी दवाएं	रु.17,32,152	गोपाल फाउंडेशन
	रु. 2,48,369	डॉ. चेतन मेमोरियल डिवाइन ट्रस्ट

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्राप्त योगदान : रु. 31 लाख

उद्देश्य	**योगदान**	**कंपनी का नाम**
अस्पताल में निवारक स्वास्थ्य उपचार-सुरक्षित स्वास्थ्य प्रैक्टिसिस को प्रोत्साहित करने के लिए	रु. 31,00,000	डी.एल.एफ. उर्वा रियल एस्टेट डेवलपर्स एंड सर्विसिस प्राइवेट लिमिटिड

उपर्युक्त के अतिरिक्त निर्धन रोगियों को राष्ट्रीय आरोग्य निधि, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत निधि, स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान तथा अन्य सरकारी एजेंसियों से उनके उपचार के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया जा रहा है तथा उनकी सहायता की जा रही है। अस्पताल निर्धन रोगी खाता से निर्धन रोगियों को वित्तीय सहायता और लेवी प्रभारों, जांच प्रभारों आदि में छूट के लिए मार्गदर्शन तथा सहायता भी दी गई।

धर्मशालाएं

यहां चार विश्राम सदन हैं जैसे राजगढ़िया विश्राम सदन (आर.वी.एस.), सुरेका विश्राम सदन (एस.वी.एस.), श्री साईं विश्राम सदन (एस.एस.वी.एस.) एवं पॉवर ग्रिड विश्राम सदन, इन्हें अ.भा.आ.सं. में उपचार करवाने वाले बाह्य रोगियों एवं उनके परिचरों को आश्रय प्रदान करने के लिए कल्याण गतिविधि के रूप में चलाया जा रहा है। विश्राम सदन ने संस्थान एवं इसके केंद्रों में उपचार करवा चुके 29,500 से अधिक रोगियों एवं उनके परिचरों को आश्रय प्रदान किया। रोगियों एवं उनके परिचरों के लाभ के लिए संस्थान द्वारा दिन के समय सदन से अस्पताल तक आने-जाने के लिए वाहन सुविधा भी चलाई जा रही है।

राजगढ़िया विश्राम सदन के अंदर विश्राम सदन में ठहरने वाले बच्चों के लिए एक खेलने कूदने के कक्ष की सुविधा प्रदान की गई है। यह सुविधा कैंसर पेशेंट एड एसोशिएशन

(सी.पी.ए.ए.) द्वारा सोमवार, बुधवार और शुक्रवार की दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक दी जाती है। इसके अलावा सी.पी.ए.ए. द्वारा यहां ठहरने वालों को सुविधा देने के लिए सप्ताह में एक दिन योग कक्षा का आयोजन किया जाता है। सी.पी.ए.ए. सदन में रहने वालों के लिए दिवाली और होली त्यौहार का आयोजन भी करते हैं। सपना (एन.जी.ओ.) द्वारा विश्राम सदन के निर्धन रोगियों के लिए सप्ताह में एक बार भोजन सामग्री के 60 पैकेट वितरित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे एस.वी.एस. की कैंटीन में सुरेका पब्लिक चैरिटी ट्रस्ट द्वारा आर.वी.एस., एस.वी.एस. एवं एस.एस.वी.एस. में रहने वालों को दोपहर एवं रात्रि भोजन निःशुल्क प्रदान किया जाता है। राजगढ़िया विश्राम सदन कॉम्प्लेक्स में एक रसोई घर भी है जहां आर.वी.एस., एस.वी.एस. एवं एस.एस.वी.एस. में रहने वाले अल्पतम शुल्क पर भोजन पकाते हैं। एल.पी.जी. (गैस बैंक) के बदले दिसंबर 2018 में पी.एन.जी. (गैस पाइपलाइन) आरंभ की गई थी।

इसके अतिरिक्त नवबंर 2012 में सुरेका विश्राम सदन के निकट एक रैन बसेरा सुविधा की व्यवस्था की गई एवं इसका प्रबंध दिल्ली अर्बन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। यह सुविधा अ.भा.आ.सं. में उपचार करवाने वाले गरीब एवं जरूरतमंद रोगियों एवं उनके परिचरों को आश्रय प्रदान करता है। रैन बसेरा में रहने वाले भी 'रसोईघर' की सुविधा एवं आर.वी.एस. परिसर में सामान्य शौचालय सुविधा का उपयोग करते हैं।

माहवारी स्वच्छता का प्रचार-प्रसार

अ.भा.आ.सं. में महिला रोगियों एवं महिला श्रमिकों के लिए माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए आर.ए.के.ओ.पी.डी. अ.भा.आ.सं. एवं स्त्रीरोग ओ.पी.डी. में स्थित महिलाओं के शौचालय में स्वच्छता पैड/नैपकिन पैड वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई थीं। उक्त परियोजना सेवा प्रकल्प महिला मंडल ट्रस्ट (पंजीकरण) द्वारा आरंभ की गई है एवं इसके प्रबंधन तथा संचालन की जिम्मेदारी ट्रस्ट की है।

कर्मचारी कल्याण

अनुकंपा आधार पर नियुक्ति

अनुकंपा आधार पर नियुक्ति के मामलों पर विचार किया गया। परिवार के सदस्यों को हुई भारी क्षति को सहन करने तथा जो जिम्मेदारियां उन पर आ गई हैं, उन्हें निभाने में सक्षम बनाने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु परामर्श सेवाएं तथा नैतिक सहायता प्रदान की गई।

महिला शिकायत प्रकोष्ठ

निम्नलिखित द्वारा की गई शिकायत/फरियाद का समाधान करने के लिए जनवरी 2014 में अ.भा.आ.सं. में महिला शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना की गई:

1. संस्थान की महिला छात्राएं
2. संस्थान की महिला कर्मचारी जो नियमित, अस्थाई, तदर्थ, परियोजना, अस्थाई स्तर, दैनिक वेतनभोगी, संविदा अथवा बाह्य स्रोत के अतिरिक्त अन्य पर कार्यरत हो।

महिला शिकायत प्रकोष्ठ द्वारा प्राप्त शिकायतों पर संदर्भ के अनुसार कार्रवाई की जाती है।

परामर्श सेवाएं

कर्मचारियों, रोगियों एवं उनके संबंधियों को परामर्श सेवाएं प्रदान की गई जिससे कि वह अपनी भौतिक, सामाजिक, भावनात्मक, आर्थिक, पारिवारिक एवं वैवाहिक समस्याओं से उबर सकें/सामंजस्य बैठा सकें तथा इस प्रकार अपनी सामाजिक कार्यशैली को उन्नत बना सकें।

शिकायतों का निवारण

स्टाफ एवं रोगियों की शिकायतों के समाधान हेतु सेवाएं प्रदान की जा रहीं है।

6-6 fpfdRlk lekt dY;k.k ,dd

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

बी.आर. शेखर

पर्यवेक्षण चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

पंकज कुमार

परिचय

एम्स में चिकित्सा समाज कल्याण एकक की नींव 1960 में उस समय रखी गई थी जब मुख्य अस्पताल में प्रथम चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता को नियुक्त किया गया था। चिकित्सा समाज कल्याण इकाई बहुत ही शुरुआत से चिकित्सा अधीक्षक की देखरेख में काम कर रही है। चिकित्सा सामाजिक सेवाओं के एकीकरण से सकारात्मक परिणाम मिले हैं क्योंकि यह रोगियों के लिए सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और वित्तीय सहायता प्रदान करता है और उपचार प्राप्त करते समय कष्ट को कम करता है। चिकित्सा समाज कल्याण एकक, मुख्य अस्पताल में 12 चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (एमएसएसओ) मुख्य अस्पताल में ओपीडी और 20 महत्वपूर्ण विभागों के वार्डों की देखभाल कर रहे हैं। इसके अलावा, यहां रोगी देखभाल और मार्गदर्शन के लिए एकक के तहत 20 अंशकालिक सामाजिक गाइड (पीटीएसजी) और एक अस्पताल परिचर कार्य कर रहे हैं।

हमारा सिद्धांत : "रोगियों के लिए प्रतिबद्ध, एम्स के लिए प्रतिबद्ध"

हमारा उद्देश्य

1. डॉक्टर, पैरामेडिकल कर्मचारी, रोगी, परिवार और समुदाय के बीच एक चिकित्सीय-नेटवर्क बनाना।
2. संपूर्ण शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और व्यवसायिक पुनर्वास के लिए एक समग्र-हीलिंग की ओर अग्रसर करना।
3. रोगियों के बुनियादी मानव अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
4. निर्धन और जरूरतमंद रोगियों के लिए विभिन्न सेवाओं को सुविधाजनक बनाना।
5. आधारभूत रोगी कल्याण सेवाओं को सरल बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन और उपचार कर रहे संकायों के साथ समन्वय करना।
6. समाज कार्य के छात्रों को चिकित्सा समाज कार्य का प्रशिक्षण और अभिविन्यास प्रदान करना।
7. हमारे एकक और एम्स के अन्य विभागों द्वारा शुरू की गई अनुसंधान अध्ययनों का संचालन और समन्वय करना।

पदनाम	**स्टाफ-सदस्यों की संख्या**
चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड I	1
चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड II	9

विशिष्टताएं

अ.भा.आ.सं. में ए. बी.-पीएमजेएवाई योजना का समन्वय एवं कार्यान्वयन

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एबी-पीएमजेएवाई कार्यालय में आए

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ए बी-पीएमजेएवाई), भारत सरकार के कार्यक्रम का दिनांक 23 सितंबर 2018 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ किया गया। अ.भा.आ.सं. इस

कार्यक्रम को लागू करने में हस्ताक्षरकर्ता एवं सहभागी है तथा उक्त के लिए अ.भा.आ.सं. गेट नं.1 (ओपीडी के सामने) के पास एक समर्पित कार्यालय का निर्माण किया गया।

गेट नं.1, अ.भा.आ.सं. के निकट ए बी-पीएमजेएवाई कार्यालय।

चिकित्सा समाज कल्याण एकक चिकित्सा अधीक्षक के नेतृत्व के तहत प्रधान मित्रा आरोग्य मित्रा (पीएमएएम) एवं रोगी उपचार प्रबंधक (पीसीएम) की टीम के साथ इस योजना को अ.भा.आ.सं. में लागू करने हेतु समन्वय कर रहा है। इस योजना को लागू करने के लिए एम.एस.एस.ओ. एक मुख्य अधिकारी हैं तथा मुख्य एम.एस.एस.ओ. के पर्यवेक्षण के तहत चिकित्सा समाज कल्याण एकक ने यह सुनिश्चित किया कि यह कार्यक्रम अधिकांश लाभार्थियों तक पहुँचे। यह सक्रिय केंद्र लाभार्थी पहचान, गोल्डन कार्ड जेनरेशन, उपचार पैकेज चयन, पैकेज का पूर्व-प्राधिकार, शल्यक एवं चिकित्सा उपचार, दावा आरंभ, रिपोर्टिंग एवं नेटवर्किंग को सरल बनाता है।

गरीब एवं निर्धन रोगियों के लिए उपचार हेतु वित्तीय सहायता

रोगी की माता के लिए घर में पुनर्वास एवं उपचार के लिए सी.एस.आर. दान के द्वारा पोर्टेबल वेंटीलेटर (लागत लगभग रु. 7 लाख) प्रदान किया। इसी प्रकार की मदद जे.पी.एन.ए.टी.सी. के 2 रोगियों की रु. 10 लाख प्रदान करके की गई। यह सभी रोगी एक वर्ष से भी अधिक के लिए अस्पताल में भर्ती थे एवं सिर्फ इस मदद के कारण वह अपने घरों में पुनर्वासित हो सके।

1. जीवन घातक रोगों के उपचार को प्राप्त करने के लिए बी.पी.एल. रोगियों के लिए राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आर.ए.एन.) से रु. 21,21,26,230 प्राप्त किया।
   कॉपोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी (सी.एस.आर.) दान के तहत 90 रोगियों के लिए लगभग रु. 50,00,000 की वित्तीय सहायता का प्रबंध किया।
2. निर्धन निधि दान बॉक्स के द्वारा रु. 2,65,500 एकत्रित किए एवं इसे अ.भा.आ.सं. के निर्धन निधि में जमा कर दिया गया।
3. अ.भा.आ.सं. निर्धन निधि में रु.31,96,869 प्राप्त किए।
4. अ.भा.आ.सं. एम.एस. निर्धन निधि के द्वारा 441 गरीब रोगियों की रु.11,19,660 की मदद की गई।
5. एम.एस.एस.ओ. निर्धन निधि के द्वारा गरीब एवं निर्धन रोगियों को रु.1,00,000 की मदद की गई।

गरीब एवं निर्धन रोगियों के लिए नि:शुल्क दवाइयां एवं अन्य दान

1. एम.एस.डब्ल्यू.यू. में स्वैच्छिक दान के द्वारा 15,000 ओपीडी रोगियों को रु.15,00,000/- मूल्य की नि:शुल्क दवाइयां।
2. अ.भा.आ.सं. के लगभग 550 भर्ती रोगियों को नि:शुल्क दवाइयां/शल्यक वस्तुएं।

अस्पताल लेवी शुल्क एवं रेलवे रियायत में छूट

1. लगभग 15,000 बीपीएल/गरीब रोगियों के सीटी,एमआरआई,पीईटी एवं एचएलए आदि सहित विभिन्न अस्पताल शुल्कों में छूट।
2. लगभग 3,000 रोगियों के लिए उपचार करने वाले/संबंधित संकाय की सिफारिश पर छूट।
3. लगभग 10,050 बाह्य रोगियों को रेलवे रियायत सुविधा प्रदान की गई।

परामर्श एवं मार्गदर्शन

1. लगभग 40,000 रोगियों को परामर्श एवं गाइड किया गया।
2. डेंगू, चिकनगुनिया एवं स्वाइन फ्लू अवधि के दौरान लगभग 5,000 रोगियों को विशेष परामर्श एवं मार्गदर्शन दिया गया।

आपात के द्वारा पुनर्वास एवं रेफरल

1. लगभग 275 रोगियों: मेडिको-लीगल केसिस (एमएलसी) एवं गैर-एमएलसी अज्ञात/अपेक्षित/निराश्रित/अनाथ को पुनर्वासित किया गया।
2. लगभग 10,815 रोगियों को बिस्तर उपलब्ध नहीं होने के कारण आपात एमएसएसओ के द्वारा भर्ती हेतु सफदरजंग अस्पताल एवं अन्य सरकारी अस्पतालों में शिफ्ट करने में मदद करना।

3. माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार रोगियों को ईडब्ल्यूएस वर्ग के तहत नि:शुल्क उपचार के लिए निजी अस्पतालों में रेफरल करने में मदद करना।

टीएचओए अधिनियम के तहत अंग प्रतिरोपण का प्राधिकार

टीएचओए, 1994 के अनुसार असंबंधित किडनी दाताओं के 22 केसों को गुरदा प्रतिरोपण प्राधिकरण समिति के समक्ष जांचा, मूल्यांकित, प्रमाणित तथा प्रस्तुत किया गया।

प्रशिक्षण एवं अभिविन्यास

1. देश के विभिन्न कॉलेजों से सामाजिक कार्य के 41 छात्रों को सामाजिक कार्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
2. पूरे भारत में विभिन्न कॉलेजों से लगभग 75 एमएसडब्ल्यू छात्रों के लिए 'अस्पताल व्यवस्था में चिकित्सा सामाजिक सेवाओं' पर छह अभिविन्यास सत्र दिए गए।

विश्व सामाजिक कार्य दिवस के अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक के साथ एमएसडब्ल्यू एकक की टीम

विशेष समारोह

1. दिनांक 19 मार्च 2019 को चिकित्सा अधीक्षक, उप-निदेशक (प्रशासन), संकाय सदस्य एवं स्टाफ के साथ विश्व सामाजिक कार्य दिवस को मनाया गया।
2. दिनांक 6 नवबंर 2018 को ए बी-5 वार्ड में दिवाली समारोह एवं मैजिक शो: चिकित्सा समाज कल्याण एकक ने निदेशक, उप-निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, वरिष्ठ वित्त सलाहकार एवं विभागाध्यक्ष, बाल शल्यचिकित्सा की उपस्थिति में मैजिक शो एवं दिवाली समारोह का आयोजन किया।
3. चिकित्सा समाज कल्याण एकक के "नेक्स्ट जेनरेशन मेडिकल सोशल वेल्फेयर इन एम्स" नामक शीर्षक के बृहत पोस्टर को 63वें संस्थान दिवस समारोह एवं प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया।

अन्य योगदान

1. आपात चिकित्सा में एनएमएलसी से एमएलसी कनवर्जन 179.
2. ई-अस्पताल के द्वारा समाज-सेवाओं एवं ऑनलाइन छूट के लिए डिजिटलीकरण प्रक्रिया जारी रही।
3. मुख्य एमएसएसओ ने अस्पताल स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रोत्साहक उप-समिति (काया-कल्प) हेतु अपना योगदान दिया।

शिक्षा

शिक्षण गतिविधियां

पांडुचेरी में इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क के लोकार्पण पर मुख्य एमएसएसओ

1. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ ने साइंटिफिक अवार्ड पेपर सत्र की अध्यक्षता की तथा दिनांक 4 जनवरी को जेआईपीएमईआर, पोडुचेरी में 'जीआई डिस्आर्डर्स एंड ट्रांसप्लांट-मेडिकल सोशल वर्क पर्सपेक्टिव एंड चैलेंजिस' पर अध्यक्षीय भाषण दिया। इस सम्मलेन में इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क का भी लोकार्पण किया गया।
2. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ ने अस्पताल व्यवस्था में एमएसएसओ की भूमिका पर चिकित्सा समाज कल्याण एकक, मुख्य अस्पताल में एमएचए के छात्रों के लिए नियमित सत्रों का संचालन किया।
3. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ एवं श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने सीमेट, अ.भा.आ.सं. में अपने इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान 'सोशल वेल्फेयर स्किम फॉर पेंशेट्स इन एम्स' विषय पर लगभग 500 नर्सिंग अधिकारियों के लिए कुल 19 सत्रों का संचालन किया।
4. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ एवं श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने दिनांक 7 अप्रैल 2019 को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर अ.भा.आ.सं. के सभी सफाई पर्यवेक्षकों के लिए 'अ.भा.आ.सं. में सफाई कर्मचारियों की महत्ता' पर सत्र का संचालन किया।

नर्सिंग अधिकारियों के लिए अभिविन्यास सत्र

5. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ एवं श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने दिनांक 29 अप्रैल 2018 को 'ग्रोथ हार्मोन थेरेपी: थ्योरी टू प्रैक्टिस' पर संगोष्ठी में 'ग्रोथ हार्मोन थेरेपी: रिसोसिस फॉर नॉन अफोर्डिंग पेशेंट्स' पर सत्र का संचालन किया।
6. दिनांक 26 जून 2018 को सीमेट में समाज कार्य के 21 प्रशिक्षुओं के लिए श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने नॉनवाइलेंट कॉम्युनिकेशन (एनवीसी) पर परिचयात्मक कार्यशाला का संचालन किया।

7. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ एवं श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने दिनांक 9 अगस्त 2018 को दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क (डीएसएसडब्ल्यू) के 83 छात्रों एवं 2 संकाय सदस्यों के लिए 'मेडिकल सोशल सर्विसिस इन एम्स' पर सत्र का संचालन किया।
8. श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने दिनांक 13 अगस्त 2018 को एमएसडब्ल्यू एकक में सोशल वर्क प्रशिक्षुओं के लिए 'हाऊ टू प्रिपेयर फॉर ए प्रेजेंटेशन' पर सत्र का संचालन किया।

9. श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने सीमेट में शरीरक्रिया विभाग, अ.भा.आ.सं. द्वारा आयोजित 'ह्यूमन हेल्थकेयर' नामक शीर्षक कार्यशाला में 'क्राइसिस एंड वाइलेंस इन हेल्थकेयर' पर सत्र का संचालन किया।

चिकित्सा समाज कल्याण एकक द्वारा प्रशिक्षण गतिविधियां

1. सोशल वर्क ट्रैनिंग-ब्लॉक प्लेसमेंट : अस्पताल व्यवस्था में मेडिकल सोशल वर्क में विभिन्न स्कूल एवं कॉलेजों के कुल 23 छात्रों को ब्लॉक प्लेसमेंट प्रशिक्षण दिया गया।

2. सोशल वर्क ट्रैनिंग-कंकरेंट फिल्ड वर्क : दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क (डीएसएसडब्ल्यू) के 2 छात्र, बी.आर. अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली के 2 छात्र एवं अदिति कॉलेज, दिल्ली के 2 छात्रों ने अपने एक साल का कंकरेंट फिल्ड वर्क को पूर्ण किया।

3. समाज कार्य अभिविन्यास सत्र : श्री बी.आर. शेखर, (मुख्य एमएसएसओ), श्री पंकज कुमार (पर्यवेक्षक एमएसएसओ) एवं श्री विवेक कुमार सिंह (एमएसएसओ) ने समाज कार्य छात्रों के

समूहों को उनके संकाय सदस्यों के साथ 'मेडिकल सोशल सर्विसिस इन हॉस्पिटल सेटिंग' पर 6 अभिविन्यास सत्र दिया।

अ.भा.आ.सं. में सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन में भाग लिया

1. भारत में एसोसिशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स का 7वां वार्षिक सम्मेलन, 10 नवंबर 2018, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, सहभागी: श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएओ ने कैंसर रोगियों के लिए ए बी-पी एमजेएवाई (आयुष्मान भारत) एवं अन्य सरकारी योजनाओं पर सत्र प्रदान किया।

अ.भा.आ.सं. के बाहर सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में भाग लिया।

1. स्वास्थ्य सामाजिक कार्य पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण: थ्योरिस, इंटरवेशन्स एंड मॉडल्स, 12-13 फरवरी 2019, राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल सांइसिस, कलामस्सेरी, केरल, सहभागी: श्री आफताब आलाम शाह, एमएसएसओ एवं सुश्री कीर्ति आर्य, एमएसएसओ।
2. 6वां इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस, 1-3 नवम्बर 2018, दिल्ली विश्वविद्यालय, सहभागी: श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ एवं सुश्री कीर्ति आर्य, एमएसएसओ।
3. नॉनवाइलेंट कम्यूनिकेशन (एनवीसी), 7-17 अक्टूबर 2018, रूहपोल्डिंग, जर्मनी, सहभागी: श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ।
4. 'जी आई डिस्आर्डर्स एंड ट्रांसप्लांट-मेडिकल सोशल वर्क पर्सपेक्टिव एंड चैलेंजिस' पर एआईएएमएसडब्ल्यूपी का 6वां राष्ट्रीय सम्मलेन, 4-5 जनवरी 2019, जेआईपीएमईआर, पांडुचेरी, सहभागी: श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ/सुश्री गुरमीत कौर, पर्यवेक्षक एमएसएसओ/श्री आफताब आलम शाह, एमएसएसओ/श्री अभिषेक राजपूत, एमएसएसओ।
5. अंत:सांस्कृतिक सामाजिक कार्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 29-30 नवंबर 2018, मणिपाल, सहभागी: सुश्री नीरजा सपड़ा, एमएसएसओ एवं सुश्री लीमा माइती, एमएसएसओ।
6. आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई पर अभिविन्यास एवं प्रशिक्षण, 11 सितंबर 2018, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी, नई दिल्ली, सहभागी: श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ एवं मो. शाहिद, एमएसएसओ।
7. यूथ डिवेलपमेंट-ए हॉलिस्टिक एप्रोच पर राष्ट्रीय सेमिनार, 12 अक्टूबर 2018, उदयपुर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, राजस्थान, सहभागी: श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ एवं श्री पंकज कुमार, पर्यवेक्षक एमएसएसओ।

चिकित्सा समाज कल्याण एकक द्वारा रोगी उपचार सेवाएं

1. *मनो-सामाजिक एवं आर्थिक मूल्यांकन एवं सामाजिक निदान* : एमएसएसओ गरीब रोगियों के मनो-सामाजिक एवं आर्थिक मूल्यांकन के द्वारा उनके लिए विभिन्न योजनाओं से लाभ

प्राप्त करने में मदद करते हैं।

2. *नि:शुल्क दवाइयां एवं शल्यक वस्तुओं की सुविधा* : एमएसएसओ के पास मुख्य एमएसएसओ की सिफारिश के साथ सामाजिक-आर्थिक समीक्षा हेतु विभिन्न बार्डो से परामर्श प्राप्त होता हैं जिससे गरीब/निर्धन रोगियों को नि:शुल्क दवाइयां/शल्यक वस्तुएं प्राप्त करने में मदद मिलती है।
3. इसके साथ ही ओपीडी में फालो-अप प्राप्त कर रहे, गरीब/निर्धन रोगी, नि:शुल्क दवाइयों/शल्यक वस्तुओं के लिए एमएसएसओ से मदद प्राप्त करते हैं।
4. *बीपीएल रोगियों एवं निर्धन रोगियों के अस्पताल लेवी प्रभारों में छूट* : रोगियों के सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन के आधार पर मुख्य एमएसएसओ की सिफारिश के पश्चात एमएसएसओ विभिन्न अस्पताल जांच एवं भर्ती शुल्कों में छूट प्रदान करता है।
5. *ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के रोगियों के लिए उपलब्ध सेवाओं को सुगम बनाना*: माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार वह सभी व्यक्ति जिनकी पारिवारिक आय रु.1 लाख या उससे कम है, को ईडब्ल्यूएस के रूप में वर्गीकृत किया जाता है एवं वह दिल्ली में सरकार से रियायत दरों में अर्जित भूमि पर निर्मित 46 निजी अस्पतालों में नि:शुल्क चिकित्सा उपचार प्राप्त करने हेतु हकदार है।
6. *आरएएन (राष्ट्रीय आरोग्य निधि) के द्वारा वित्तीय सहायता को सुगम बनाना* :
   - आरएएन (राष्ट्रीय आरोग्य निधि) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक केंद्रीय रूप से प्रयोजित योजना है जो गंभीर जीवन घातक रोगों से ग्रसित गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लक्ष्य के साथ सन् 1997 में आरंभ हुई। श्री पंकज कुमार, पर्यवेक्षक एमएसएसओ द्वारा आर.ए.एन. केसों पर परामर्श दिया जाता है एवं उन्हें लिखित रूप में रखा जाता है तथा वह इन केसों को श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ के साथ अ.भा.आ.सं. आर.ए.एन. उप-समिति के पास प्रस्तुत करते हैं।
7. *वृक्क प्राधिकरण समिति का समन्वय एवं गैर-रिश्तेदार दाता का किडनी मूल्यांकन* : गैर-रिश्तेदार किडनी दाताओं के केसों को श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ/नोडल अधिकारी को वृक्क प्राधिकार हेतु रेफर किया जाता है। मुख्य एमएसएसओ, श्री अनिल जी माली, एमएसएसओ तथा श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ दि ट्रांस्प्लांटेशन ऑफ ह्यूमन आर्गेन एक्ट (टीओएचए), 1994 के अनुसार वृक्क प्राधिकरण समिति (आरएसी) में केसों को प्रस्तुत करने के लिए उस पर परामर्श, समन्वय तथा लिखित रूप में दर्ज करते हैं।
8. *परामर्श सेवाएं* : रोगियों के अ.भा.आ.सं. में प्रवेश करने पर चिकित्सा समाज कल्याण

एकक उनके लिए प्रथम संपर्क बिंदू के रूप में कार्य कर रहा है। रोगी एवं उनके परिचर एमएसएसओ से न केवल बेसिक जानकारी प्राप्त करते हैं बल्कि अस्पताल में उनके ठहरने की पूरी अवधि के दौरान मनो-सामाजिक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं।

9. *चिकित्सा-विधिक केसों (एमएलसी) एवं गैर एमएलसी अज्ञात/उपेक्षित/निराश्रित/अनाथ रोगियों का समन्वय एवं पुनर्वास* : आपात एमएसएसओ अज्ञात, बिना परिचर, निराश्रित, अनाथ रोगियों को सरकार/एनजीओ के द्वारा पुनर्वास करने के लिए स्टेकहोल्डर के साथ समन्वित करता है।

10. *अ.भा.आ.सं. निर्धन निधि के द्वारा वित्तीय सहायता* : तत्काल जरूरत एवं आवश्यकता की स्थिति में गरीब/निर्धन रोगी अ.भा.आ.सं. निर्धन निधि से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। एमएसएसओ सामाजिक आर्थिक मूल्यांकन करता है तथा मुख्य एमएसएसओ के द्वारा इस सुविधा को सुगम बनाते हैं।

11. *रेलवे रियायत सुविधा प्रदान करना* : चिकित्सा समाज कल्याण एकक रेलवे मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार कैंसर, एप्लास्टिक एनीमिया, टीबी, लैप्रोसी, थैलेसीमिया, किडनी प्रतिरोप, डायलेसिस में पीड़ित एवं गूंगे तथा बहरे रोगियों को रेलवे रियायत प्रदान करता है। इस सुविधा के परिणामस्वरूप रोगियों का अच्छा उपचार फॉलो-अप एवं अनुपालन होता है।

12. बाह्य रोगियों एवं उनके परिचरों को आवास सुविधाएं प्रदान करना।

13. *अनुसंधान एवं प्रशिक्षण* : संपूर्ण भारत वर्ष के विभिन्न कॉलेजों के एनएसएस, बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू छात्रों को प्रशिक्षण देना एवं अनुसंधान अध्ययनों का संचालन एवं समायोजन करना।

14. *स्वास्थ्य सुधार एवं शैक्षिक गतिविधियां* : आईईसी सामग्री एवं स्वास्थ्य-कैंपों (अर्थात रक्त दान कैंप, एड्स जागरूकता कैंप, हेल्थ जागरूकता बैठकों) के द्वारा स्वास्थ्य-शिक्षा एवं स्वास्थ्य-जागरूकता का प्रचार करना।

15. योजना एवं प्रबंधन
    - रोगी कल्याण गतिविधियों को सुधारने तथा अधिक रोगी-अनुकूलन वातावरण का निर्माण करने के लिए अस्पताल प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के साथ समायोजन।
    - अंशकालिक सोशल गाइड के द्वारा मुख्य अस्पताल में विभिन्न जानकारी एवं मार्गदर्शन सेवाओं का प्रबंधन करना।

16. निधि-बढ़ोतरी एवं नेटवर्किंग : रोगी कल्याण के लिए विभिन्न कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी (सीएसआर) एककों, ट्रस्ट एवं दाताओं के साथ समायोजन एवं नेटवर्किंग

17. *आपात में आकस्मिक चिकित्सा समाज सेवा (चौबीस घंटे)* :

- रोगियों को शिफ्ट एवं उनका पुनर्वास करना, आपात में सहज कार्य-प्रवाह का निर्माण करने के साथ ही चौबीस घंटे सभी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना।
- असुविधाजनक समय के दौरान पूरे अस्पताल की चिकित्सा समाज सेवाओं को देखना।
- महामारी, आपदा एवं प्राकृतिक विपत्ति के समय रोगी उपचार का कुशलता से प्रबंध करने के लिए विशेष सेवाएं।
- एक स्थल केंद्र (ओएससी): लिंग आधारित हिंसा के पीड़ितों के लिए, समन्वय, परामर्श एवं पक्ष समर्थन।

7. uflZx egkfo|ky;

i/kkukpk;kZ

डॉ. मंजू वत्स

izk/;kid

डॉ. संध्या गुप्ता	डॉ. दीपिका सी. खाखा	डॉ. कमलेश के. शर्मा
डॉ. शशि मवार	डॉ. पूनम जोशी	डॉ. एल.गोपीचंद्रन
सुश्री सिबी रिजु	सुश्री अदिति पी. सिन्हा	डॉ. प्रज्ञा पाठक
सुश्री उज्जवल दाहिया	सुश्री रिम्पल शर्मा	सुश्री सेसिला एम.एस.
श्रीमती मंजू	श्री अमित कुमार राजोरा	सुश्री वाई. सुरबाला देवी
	सुश्री लेविस मुरी	सुश्री मिलन तिरवा
सुश्री स्मिता दास	श्री अजेश कुमार टी.के.	

ofj"B uflZx 0;k[;krk

सुश्री गीता राजदान

uflZx 0;k[;krk

सुश्री किरण सिंह सिमक	सुश्री गायत्री बत्रा	सुश्री सुचेता
सुश्री बबीता साहू	डॉ. फिलोमिना थॉमस	सुश्री मीना अरा
डॉ. सीमा सचदेवा	सुश्री अनुभा डी. (अध्ययन अवकाश पर)	सुश्री नीलिमा राज
सुश्री नेमखोलम	श्री हंसाराम	सुश्री मोनिका सभरवाल

f'k{kk

इस शैक्षणिक वर्ष में निम्नलिखित छात्रों ने कॉलेज से स्नातक किया:

1. स्नातकपूर्व:
   - बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग: चार वर्षीय पाठ्यक्रम में 85 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की।
   - बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक): दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 24 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की।
2. स्नातकोत्तर:
   - एम.एस.सी. नर्सिंग: दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 21 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

नए छात्र

- इस शैक्षणिक वर्ष में 77 छात्रों ने बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग के प्रथम वर्ष तथा 25 छात्रों ने बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) के प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया।
- इस वर्ष के एम.एस सी. नर्सिंग कार्यक्रम में 28 छात्रों ने निम्नलिखित विशेषज्ञताओं में प्रवेश लिया:
- ऑकोलॉजिकल नर्सिंग: 4
- नेफ्रोलॉजिकल नर्सिंग: 3
- क्रिटिकल केयर नर्सिंग: 4
- हृदय रोग विज्ञान / सी.टी.वी.एस. नर्सिंग: 5
- बाल चिकित्सा नर्सिंग: 5
- मनोरोग चिकित्सा नर्सिंग: 4
- न्यूरोसाइंस नर्सिंग: 3

नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

- भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से आगंतुकों के तीन समूह
- 'सनेड्राइव चाउवेउ साउवे', मॉन्ट्रियल यूनिवर्सिटी, कनाड़ा के क्यूबेक में नर्सिंग प्रशिक्षण पर प्रस्तुतीकरण।
- स्किल्स ई.लर्निंग टेलिमेडिसिन (एस.ई.टी.), एम्स, नई दिल्ली हेतु "इनसरशन ऑफ ओरो-गैसट्रिक (ओ.जी.) ट्यूब एण्ड फीडिंग थ्रू ओरो-गैस्ट्रिक ट्यूब इन निओनेट्स" के लिए विकसित मोड्यूल पर प्रस्तुतीकरण।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स, नई दिल्ली द्वारा नर्सिंग अधिकारियों के लिए 29 अक्टूबर 2018 को 'पेडिएट्रिक क्रिटिकल केयर नर्सिंग', विषय पर अपडेट।
2. एम्स, नई दिल्ली द्वारा नर्सिंग अधिकारियों के लिए 15 फरवरी 2019 को 'वर्किंग टूवार्ड्स एक्सीलेंस,' विषय पर कार्यशाला।
3. एम्स, नई दिल्ली द्वारा नर्सिंग अधिकारियों के लिए 22 फरवरी 2019 को 'पैलिएटिव केयर: ए प्रोमिस ऑफ क्वालिटी लाइफ' विषय पर कार्यशाला।
4. एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग अधिकारियों के लिए 14 से 15 मार्च 2019 तक 'नर्सिंग एण्ड हेल्थ केयर इन्नोवेशन्स: शेयरिंग द लर्निंग,' विषय पर अपडेट।

प्रदत्त व्याख्यान

मंजू वत्स: 12 **दीपिका सी. खाखा: 23** **कमलेश शर्मा: 6**
शशि मवार: 4 **पूनम जोशी: 7** **एल. गोपीचंद्रन: 8**
वाई सुरबाला देवी: 1 **मिलन तिरवा: 11**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पेपर / पोस्टर : 12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नर्सों का बी.सी.एल.एस. एवं सी.सी.एल.एस. सम्बधी ज्ञान व कौशल का मूल्यांकन करने और वास्तविक समय आकलन पर प्रशिक्षण का प्रभाव तथा एक तृतीयक स्तर पर देखभाल की सुविधा में इसके परिणाम सम्बधी अध्ययन, स्मिता दास, एम्स, 3 वर्ष, 2017-2020, 3.2 लाख रुपए।
2. नर्स के नेतृत्व में होने वाले संरचनात्मक टेलीफोन हृदयघात उपचार कार्यक्रम की प्रभावकता- एक आर.सी.टी., एल. गोपीचंद्रन, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 2 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एम्स, नई दिल्ली में पार्किन्सन बीमारी से ग्रसित रोगियों में मसक्यूलोस्कैलेटल पीड़ा, अवसाद तथा जीवन गुणवत्ता के मूल्यांकन सम्बन्धी रोगी नियंत्रण अध्ययन।
2. एन.डी.डी.टी.सी., गाजियाबाद में, ओपियोइड डिपेंडेन्सी सिन्ड्रोम से ग्रसित रोगियों तथा उनकी देखभाल करने वालों की इन्द्रीय-गोचर आवश्यकताओं पर सामाजिक सहयोग सम्बन्धी एक तुलनात्मक अध्ययन।
3. सॉलिटरी फंक्शनिंग किडनी वाले बालकों में गुर्दा सम्बन्धी दुष्क्रिया की व्यापकता के मूल्यांकन सम्बन्धी एक प्रतिनिधिक अंशीय अध्ययन।
4. एक शैक्षिक पुस्तिका बनाने हेतु एम्स अस्पताल, दिल्ली में सी.के.डी. रोगियों का उपचार करने तथा सम्बन्धित ज्ञान के मूल्यांकन हेतु विवरणात्मक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

5. एम्स, नई दिल्ली में नर्सों में अंग एवं ऊतक दान संबंधी ज्ञान, व्यवहार और प्रैक्टिस तथा उनका प्रतिरोपण संयोजक (ट्रांसप्लांट कोर्डिनेटर) के रूप में कार्य करने के प्रति प्रैक्टिस तथा मनोवृत्ति की संभावना संबंधी अध्ययन।
6. नई दिल्ली के एक तृतीयक स्तर पर देखभाल करने वाले चयनित अस्पताल में गुर्दा प्रतिरोपण प्राप्तकर्त्ताओं में स्वयं देखभाल सम्बन्धी व्यवहार, मनोवैज्ञानिक लक्षण एवं जीवन की गुणवत्ता पर नर्स के नेतृत्व में हस्तक्षेप की सार्थकता सम्बन्धी अध्ययन।
7. सिस्टिक फिब्रोसिस के रोगियों के लिए एक सूचनात्मक पैम्फलेट बनाने हेतु इन रोगियों में अवसाद, सामना करने की नीति तथा उपचार से जुड़ाव के आकलन सम्बन्धी अध्ययन।
8. एम्स, नई दिल्ली में हृद्य सर्जरी करवा रहे बालकों की प्राथमिक देखभाल करने वालों में बालकों के प्रतिरक्षण एवं प्रतिरक्षा स्तर सम्बन्धी ज्ञान पर शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावकता के आंकलन सम्बन्धी अध्ययन।
9. जे.पी.एन.ए. ट्रामा केन्द्र, एम्स में स्पाईनल कोर्ड की चोट के रोगियों की देखभाल करने वालों के ज्ञान तथा व्यवहार पर शैक्षिक पैकेज की प्रभावकता के आंकलन संबंधी अध्ययन।
10. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसव-पश्चात् माताओं को आवश्यक नवजात सुरक्षा का ज्ञान तथा व्यवहार और घरेलू नवजात सुरक्षा के प्रति प्राधिकृत सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के सामर्थ्य के मूल्यांकन संबंधी अध्ययन।
11. एक सूचनात्मक पुस्तिका बनाने हेतु दीर्धकालिक/स्थायी ट्रैकियोटॉमी के रोगियों में मनोसामाजिक, शारीरिक समस्या तथा सामना करने की नीति के आकलन सम्बन्धी अध्ययन।
12. घर में आक्रामक रोगियों को नियंत्रित करने हेतु ज्ञान पर सुरक्षा प्रदत प्रशिक्षण कार्यक्रम की सार्थकता के आकलन सम्बन्धी अध्ययन।
13. एक तृतीयक स्तरीय सुविधा अस्पताल, नई दिल्ली, भारत में न्यूरोसर्जिकल के ऑपरेशन उपरान्त के रोगियों अथवा सुविधादाताओं हेतु घरेलू स्वास्थ्य सुविधा व्यवहार पर आधारित तथा नर्स द्वारा संचालित मोबाईल एप्लीकेशन की प्रभावकता के आकलन सम्बन्धी अध्ययन।
14. डॉ.बी.आर.ए.आई.आर.सी.एच., एम्स, नई दिल्ली में पीड़ा निदानशाला में आ रहे रोगियों में एनेल्जेसिक और इसके अनुपालन के ज्ञान सम्बन्धी रोगी शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकता के आकलन पर अध्ययन।
15. आई.सी.यू., एम्स, नई दिल्ली में भर्ती अचेतन रोगियों के परिवार के सदस्यों से क्लीनिकल मापदंडों पर ढांचागत बातचीत की सार्थकता के आकलन संबंधी अध्ययन।
16. एम्स अस्पताल, नई दिल्ली की गंभीर उपचार यूनिट में भर्ती रोगी में संवेदी बोधात्मक परिवर्तन के सहयोगी कारकों के आकलन पर अध्ययन।
17. स्वप्रबंधन पर एक सूचनात्मक प्रस्तिका बनाने हेतु किमोथेरेपी प्रेरित पेरिफेरल न्यूरोपेथी से जुड़े हुए रोगियों में प्रभाव, जोखिम तत्व तथा जीवन गुणवत्ता के आकलन का अध्ययन।
18. एम्स कैंपस में रहने वाले एम्स के कर्मचारी (साधारण जन) के सम्बन्धियों में भारतीय पुनरूज्जीवन परिषद् के दिशानिर्देशों के अनुसार कंप्रेशन ऑनली लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण संबंधी ज्ञान तथा प्रभावकता के आकलन पर अध्ययन।
19. बाल चिकित्सा ओ.पी.डी. में उपस्थित अस्थमा रोगी के खाने सम्बन्धी ट्रिगर के ज्ञान तथा व्यवहार के आकलन का अध्ययन।
20. एक सूचनात्मक पुस्तिका निर्माण हेतु एम्स, नई दिल्ली में जा रहे पैरिटोनियल डायलिसिस के रोगियों में पैरिटोनियल डायलिसिस सम्बन्धी घरेलू देखभाल तथा जीवन की गुणवत्ता के प्रति ज्ञान के आकलन का अध्ययन।
21. प्रोटोकॉल निर्माण हेतु एम्स, नई दिल्ली के हृदय रोग विभाग में कार्यरत नर्सों में पोस्ट परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन (पी.सी.आई.) उपचार संबंधी ज्ञान तथा व्यवहार के आकलन पर अध्ययन।
22. एम्स, नई दिल्ली में मेन्टिनेन्स हीमोडाईलिसिस के रोगियों में तरल की प्रचुरता व नींद की गुणवत्ता के बीच सम्बन्ध के आकलन पर अध्ययन।
23. हृदय रोग विज्ञान एकक, एम्स, नई दिल्ली में भर्ती हृदयघात के रोगियों में प्यास की प्रबलता एवं प्यास संबंधी कष्ट तथा इसके उपचार के आकलन संबंधी अध्ययन।

24. एन.डी.डी.टी.सी., गाजियाबाद में एस.यू.डी.-ड्यूल निदान वाले रोगियों तथा उनके पारिवारिक सुविधाप्रदाताओं का इस रोग से सम्बन्धित निदान तथा उपचार के प्रति नजरिये की तुलना तथा चिकित्सीय जुड़ाव से इसके सम्बन्ध जानने हेतु अध्ययन।
25. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत सुरक्षा कर्मचारी में स्क्रीनिंग द्वारा मुंह के कैंसर का जोखिम तत्व तथा इसकी व्यापकता जांचने संबंधी अध्ययन।
26. एक तृतीयक स्तर के अस्पताल में कैंसर के रोगियों में वित्तीय सहायता तथा संसाधनों के इस्तेमाल के प्रति जागरूकता, उपयोग तथा निर्धारक तत्व।
27. नर्सों में अंगदान ई-लर्निंग मॉड्यूल की प्रभावकता।
28. गंभीर मानसिक बीमारियों के उपचार के मार्ग: एम्स, नई दिल्ली के मनोविज्ञान विभाग में मनोविकृति-सम्बन्धी उपचार करा रहे रोगियों पर एक पूर्वप्रभावी अध्ययन।
29. चयनित नर्सिंग कॉलेज के नर्सिंग के विद्यार्थियों में नवजात शिशुओं को पर्याप्त ऑक्सीजन देने में ज्ञान, कौशल अर्जन, और स्व-सूचित आत्म-विश्वास हेतु कार्य प्रशिक्षण विधि से इतर परिस्थिति आधारित सतत् अनुकरण अध्ययन की प्रभावकता के आकलन हेतु एक यादृच्छित नियंत्रण परीक्षण।
30. नर्सिंग में व्यावसायिकता की अवधारणा, इसके सहसम्बद्ध और नर्सिंग शिक्षा के लिए व्यवसायिकता पर पाठ्यक्रम का मॉड्ल ढांचा तैयार करने सम्बन्धी।
31. एक मैकेनिकल दबाव यन्त्र द्वारा फिमोरल आवरण निष्कासन स्थल पर डाले गए दबाव को मापने हेतु पीज़ोइलैक्ट्रिक दबाव सेंसर का प्रयोग तथा एक तृतीयक स्तरीय अस्पताल में ट्रासंफिमोरल कोरोनरी हस्तक्षेप के रोगियों में इसके प्रयोग से होने वाली असुविधा की तीव्रता तथा प्रयोग उपरान्त समस्याओं से इसका सम्बन्ध।

पूर्ण

1. एम्स, नई दिल्ली, भारत में कीमोथेरिपी करा रहे बालकों के लिए मुख स्वास्थ्य पर एक सूचनात्मक पुस्तिका निर्माण हेतु कीमोथेरेपी करा रहे बालकों में मुख स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की व्यापकता तथा उनके सुविधाप्रदाताओं के ज्ञान के मूल्यांकन पर एक अध्ययन।
2. जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बालकों के अभिभावकों तथा रूमेटी हृदयरोग से पीड़ित बालकों के अभिभावकों की जीवन गुणवत्ता पर एक तुलनात्मक अध्ययन।
3. डॉ. बी.आर.ए. आई.आर.सी.एच., एम्स के पेन एवं पैलिएटिव केयर क्लीनिक में दर्द कम करने वाला उपचार ले रहे कैंसर के रोगियों में एनेल्जेसिक्स के प्रति जुड़ाव एवं इसके निर्धारकों के विचलन के आकलन हेतु एक विवरणात्मक अध्ययन।
4. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत क्रिटिकल केयर की नर्सों में पैलिएटिव तथा जीवन के अंतिम क्षणों में सेवा के प्रति ज्ञान, स्वभाव, व्याहावार, कथित अवरोध तथा सहयोग के आंकलन पर एक विवरणात्मक अध्ययन।
5. एम्स, नई दिल्ली में एक सूचनात्मक पुस्तिका निर्माण हेतु जे.पी.एन.ए. ट्रामा केंद्र में न्यूरोसर्जरी ओ.पी.डी. जा रहे मस्तिष्किय चोट के उपचार के उपरान्त के रोगियों की संज्ञानात्मक क्रियाशीलता तथा जीवन गुणवत्ता के आंकलन हेतु एक विवरणात्मक अध्ययन।
6. एम्स, नई दिल्ली में तीव्र ल्यूकीमिया से ग्रसित बालकों में कीमोथैरिपी के दौरान संक्रमण की रोकथाम से सम्बन्धित सुविधाप्रदाताओं में वीडियो आधारित शिक्षा के ज्ञान के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. एम्स, नई दिल्ली की आपातकालीन ईकाई में कार्यरत नर्सों के सक्रियता विश्लेषण पर एक अध्ययन।
8. एक सूचनात्मक पुस्तिका निर्माण हेतु, डॉ. बी.आर.ए.आई.आर.सी.एच., एम्स, नई दिल्ली में हिमैटोलोजिकल कैंसर से पीड़ित रोगियों के परिवार वालों में हिमैटोपोयटिक मूल कोशिका दान के प्रति ज्ञान तथा व्यवहार के आकलन पर अध्ययन।
9. दिल्ली-एन.सी.आर. में एकल अभिभावकीय अनुभव रखने वाली महिलाओं में अभिभावकीय तनाव व मानसिक स्वास्थ्य के आकलन पर अध्ययन।

10. हृदय रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली में नर्सों के ज्ञान तथा रोगी देखभाल के परिणामों पर एक संरचनात्मक हृदयघात निदान माध्यम की सार्थकता के आकलन पर एक अध्ययन।
11. एम्स, नई दिल्ली में उच्च रक्तदाब तथा / अथवा मधुमेह के रोगियों में दीर्घकालिक गुर्दा रोग के ज्ञान से सम्बन्धित शिक्षण पुस्तिका की प्रभावकता के आकलन हेतु अध्ययन।
12. दिल्ली के चयनित कॉलेजों के विद्यार्थियों (18 से 25 वर्ष) का बालकों में रक्तसंबद्धता के कारण होने वाले जन्मजात हृदय दोष के प्रति ज्ञान तथा व्यवहार पर संरचनात्मक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावकता के आकलन हेतु एक अध्ययन।
13. एम्स, नई दिल्ली में यान्त्रिक वाल्व प्रतिरोपण करा रहे रोगियों में स्कंदन विरोधी तथा आई.एन.आर. नियंत्रण के प्रति ज्ञान पर संरचनात्मक रोगी शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावकता के आकलन सम्बन्धी अध्ययन।
14. तंत्रिका विज्ञान ओ.पी.डी., एम्स, नई दिल्ली में इलाज कराने आ रहे माईग्रेन के रोगियों के लिए एक शैक्षिक पुस्तिका निर्माण के उद्देश्य से माईग्रेन सिरदर्द की रोकथाम सम्बन्धी ज्ञान के आकलन तथा कार्य उत्पादकता व माईग्रेन के कारण विकलांगता प्रभाव के आकलन सम्बन्धी अध्ययन।
15. एक सूचनात्मक पुस्तिका निर्माण हेतु एम्स, नई दिल्ली के निद्रा क्लीनिक, मेडिसिन विभाग में उपचार करा रहे रोगियों का ऑब्सट्रक्टिव स्लीप ऐप्निया एण्ड कंटिन्युएस पोज़िटिव एयरवे प्रेशर थेरेपी के प्रति ज्ञान तथा स्वभाव के आकलन पर अध्ययन।
16. मधुमेह मैलिटस टाईप-1 से ग्रसित बालकों के सुविधाप्रदाताओं में मधुमेह देखभाल पर ज्ञान तथा व्यवहार के आकलन संबंधी अध्ययन।
17. पी.आई.सी.यू. में भर्ती गंभीर रूप से बीमार बालकों की पोषण-सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने सम्बन्धी पोषणिक व्यवहारों, इसे सरल और कारगर बनाने वालों, बाधाओं तथा पी.आई.सी.यू. परिणामों पर इसके प्रभावों के आकलन संबंधी अध्ययन।
18. एक तृतीयक स्तरीय अस्पताल में हीमोडाइलिसिस करा रहे दीर्घकालिक गुर्दा रोग के रोगियों में सीरम यूरिया क्रेटिनिन तथा थकान के स्तर पर निम्न प्रबलता इंट्राडाईलिक्टिक प्रयोग के प्रभाव के मूल्यांकन संबंधी अध्ययन।
19. एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग के छात्रों में इंटरनेट प्रयोग का स्तर तथा इसके मनोवैज्ञानिक सहसम्बद्धता के आकलन हेतु एक अन्वेषी अध्ययन।
20. एम्स, नई दिल्ली के साधारण वार्डों में प्रतिलेख, प्रशासन एवं दस्तावेजी अन्तराल तथा दवाई देने सम्बन्धी कार्यकुशलता के आकलन पर एक पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।
21. थैलिसिमिया से ग्रसित युवक-युवतियों तथा उनके अभिभवकों के दृष्टिकोण में रोग की जानकारी तथा साधारण स्व-कार्यकुशलता।
22. भारत में नर्स द्वारा संचालित नवजात शिशु संबंधी जांच केन्द्र की संभावना तथा स्वीकार्यता: एक प्रायोगिक अध्ययन।
23. आई.आर.सी.एच., एम्स, नई दिल्ली में कैंसर के साथ अस्थि मज्जा जांच के दौरान बालक का सहयोग एवं पीड़ा अनुभूति पर माता की रिकार्ड आवाज़ के प्रभाव का आकलन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नर्सिंग सेवाऐं, एम्स, मुख्य अस्पताल प्रसवोत्तर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता के आकलन हेतु एक सामूहिक अध्ययन।
2. नर्सिंग सेवाऐं, एम्स मुख्य अस्पताल, एम्स, नई दिल्ली में प्रसवोत्तर महिलाओं में परिवार नियोजन के नियमों का ज्ञान, स्वभाव व प्रयोग दर तथा इसके प्रभावी कारकों के आकलन सम्बन्धी एक विवरणात्मक सर्वेक्षण।
3. मनोरोग चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली में प्रसवोत्तर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता के आकलन हेतु अध्ययन।
4. कम्प्यूटर सुविधा, ऑर्बो, ऐनेस्थिसियोलॉजी एवं फॉरेन्सिक मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली के चयनित आई.सी.यू. में कार्यरत नर्सों में अंग व ऊतक दान के प्रति ज्ञान तथा स्वीकार्यता पर कम्प्यूटर आधारित आत्म-अनुदेशात्मक मोड्यूल की उपयोगिता के आकलन पर अध्ययन।

5. डे केयर सर्जरी वाले बालकों के अभिभावकों की संतुष्टि: एक विवरणात्मक सर्वेक्षण, बाल चिकित्सा सर्जरी तथा ऐनेस्थिसियोलोजी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 18 **सार : 1**

रोगी उपचार

1. संकाय एवं विद्यार्थियों ने संस्थान के समस्त नैदानिक विभागों की रोगी उपचार संबंधी बाहरी एवं आंतरिक गतिविधियों में हिस्सा लिया।
2. संकाय एवं विद्यार्थियों ने इनका आयोजन और व्यवस्था की:-
   (क) पोस्टर प्रदर्शनी का आयेजन जिसका शीर्षक था: हेल्थ केयर इन नेक्स्ट जनरेशन: जिसे एम्स, नई दिल्ली के 63वें संस्थान दिवस-2018 के स्मरणोत्सव हेतु कमेंडेशन पुरस्कार भेंट किया गया। (डॉ. कमलेश के. शर्मा तथा श्री हंसाराम द्वारा संचालित)
   (ख) जांच शिविर: रक्तचाप, हीमोग्लोबिन लम्बाई/वजन/बी.एम.आई., रक्त शर्करा (400 लोगों की जांच की गई)
3. शहरी समुदाय में 100 से अधिक स्वास्थ्य शिक्षा सत्र।
   1. शहरी समुदाय में 26 प्रदर्शनियां और रोल प्ले आयोजित किये गए। इसके विषय वर्तमान समस्याओं से संबंधित थे और सभी रोल प्ले विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्त्व पर किए गए थे।
   2. छात्रों ने शहरी समुदाय में नौ स्वास्थ्य सर्वेक्षण किए। डॉ.कमलेश कुमारी शर्मा और डॉ. शशि मवार ने समन्वय और निगरानी की।
   3. शहरी समुदाय में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मानसिक विकारों से सम्बन्धित विषयों पर प्रदर्शनियां एवं रोल प्ले का आयोजन किया गया। (डॉ. संध्या गुप्ता द्वारा समन्वित किया गया)।
   4. त्रिलोकपुरी में समुदाय हेतु मानसिक विकारों की रोकथाम के विभिन्न दृष्टिकोणों पर सात कार्यक्रम आयोजित किए गए। (डॉ. संध्या गुप्ता द्वारा समन्वित किया गया)।
   5. एन.डी.डी.टी.सी. की ओ.पो.ड़ी. में समुदाय हेतु वस्तु प्रयोग से सम्बन्धित विकारों से उबर रहे रोगियों के सम्बन्धियों पर इन रोगियों के उपचार तथा पुनर्वास के विभिन्न दृष्टिकोणों पर सात कार्यक्रम आयोजित किये गए। (डॉ. संध्या गुप्ता द्वारा समन्वित किया गया।)
   6. त्रिलोकपुरी, कोटला तथा सुन्दर नगरी में समुदाय में परामर्श सत्र के उपरान्त वस्तुओं का प्रयोग कर रहे लोगों में बदलाव के प्रति तत्परता पर दो सर्वेक्षण आयोजित किये गए। (डॉ. संध्या गुप्ता द्वारा समन्वित किया गया)।
   7. त्रिलोकपुरी, कोटला तथा सुन्दर नगरी में समुदाय के बीच परामर्श सत्र तथा घरेलू हिंसा सम्बन्धी नीतियों पर परियोजना के उपरान्त घरेलू हिंसा पर दो सर्वेक्षण आयोजित किये गए। (डॉ. संध्या गुप्ता द्वारा समन्वित किया गया)।
   8. परामर्श के उपरान्त त्रिलोकपुरी में रह रहे समुदाय में महिलाओं तथा नवयुवक-युवतियों हेतु बाल-उत्पीड़न, क्रोध नियन्त्रण तथा मानसिक स्वास्थ्य की देखरेख सम्बन्धी दो समुदाय परियोजनाओं का आयोजन किया गया। (डॉ. संध्या गुप्ता द्वारा समन्वित किया गया।)
   9. "स्वास्थ्य चेतना और जन संपर्क अभियान" में भागीदारी की तथा छात्र भागीदारी को समन्वित किया; प्रगति मैदान, नई दिल्ली में एन.सी.डी., स्क्रीनिंग और जागरूकता परिसर, 14-21 नवंबर 2019, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित 39वां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला। (सुश्री अदिति सिन्हा द्वारा समन्वित किया गया)

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

सहभागिता तथा जीते गए पुरस्कार/उपहार: निदेशक महोदय, एम्स, नई दिल्ली द्वारा नर्सिंग महाविद्यालय को वार्षिक दिवस पर उनके अच्छे कार्य के लिए प्रशस्ति प्रपत्र दिया गया; टी.एन.ए.आई., स्टूडेंट्स नर्सिस एसोसिएशन-दिल्ली यूनिट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्नातकपूर्व छात्रों ने राज्य स्तरीय पुरस्कार (तीसरा स्थान) जीता।

डॉ. मंजू वत्स ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्स के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में कार्य जारी रखा; इंडियन नर्सिंग काउंसिल की जनरल बॉडी और नर्सिंग एजुकेशन कमेटी सदस्य; कोर समूह सदस्य, आई.एन.जी. पी.एच.डी. कंसोर्टियम; एन.ए.ए.सी. ढांचे की संशोधित प्रमाणिकता में मेडिकल साइंस के मेनुअल का ड्राफ्ट तैयार करने हेतु कोर समूह सदस्य तथा नर्सिंग क्षेत्रवार कार्य समूह की समन्वयक; एम.जी.एम.आई.एच.एस. विश्वविद्यालय, नवी मुंबई तथा औरंगाबाद की एकेडिमिक तथा प्रशासनिक ऑड़िट की। सदस्य; गुरू गोविन्द सिंह विश्वविद्यालय के नर्सिंग महाविद्यालय में निरीक्षक, आर.एम.एल. अस्पताल तथा सफदरजंग अस्पताल, नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स, पटना में नर्सिंग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु; एम्स ऋषिकेश, एम्स भुवनेश्वर, एम्स पटना, इन्सटीट्यूट ऑफ लीवर एण्ड बिलिएरी साइंसिज़, नई दिल्ली, एन.ई.आई.जी.आर.आई.एच.एम.एस. की चयन समिति की सदस्य; एम्स की विभिन्न समितियों में प्रतिभागिता-कर्मचारी परिषद, दीक्षांत समारोह, संस्थान दिवस, चयन समिति (पी.बी. नर्सिंग), अमरिका पुरस्कार चयन समिति के एम्सोनियंस, रैगिंग विरोधी दल, एम.एस.जी. नर्सिंग तथा 7 एम्स में बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग में प्रवेश सम्बन्धी परामर्श, नर्सिंग कर्मचारियों के लिए आर.आर. का संशोधन, हृदयरोग विभाग की मिशन दिल्ली परियोजना हेतु चयन समिति; एम्स पी.जी. परीक्षा तथा नर्सिंग अधिकारियों की परीक्षा हेतु निरीक्षक, महिला सुरक्षा तथा लैंगिक जागरूकता हेतु टास्क फोर्स; के.एल. विग सीमेट टेक्निकल स्पेसिफिकेशन समिति, एम्स में अनुसंधान दिवस पर पोस्टर हेतु जज; हिन्दी पखवाड़ा समारोह के दौरान हिन्दी अनुभाग, एम्स द्वारा हिन्दी निबंध प्रतियोगिता तथा हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए निर्णायक; बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिज़ पंजाब, वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिज़ में एम.एस.सी. नर्सिंग तथा आई.एन.सी. पी.एच.डी. कंसोर्टियम, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस में पी.एच.डी. के लिए परीक्षक; एम्सोनियन्स की मनोनीत कार्यकारिणी सदस्य; नर्सों के लिए आपातकालीन जीवन-रक्षी पाठ्यक्रम निर्माण हेतु- एम.ओ.एच.एफ.डब्लू. में बतौर विशेषज्ञ कार्य किया; एन.एच.एस.आर.सी. में एम.ओ.एच. एण्ड एफ.डब्ल्यू. के मध्यस्तरीय पाठ्यक्रम प्रबन्धन की विशेषज्ञ; भारत में नर्सिंग शिक्षा पर प्रस्तुतिकरण हेतु नीति आयोग के लिए बतौर विशेषज्ञ कार्य किया; विशेषज्ञ सदस्य, नीति आयोग की सिफारिशों के अनुसार एम.ओ.एच. हेतु कार्यकारी मंडल तथा नर्सिंग शिक्षा हेतु उपसमूह; मध्यावधि इ.एस.आई.सी.ओ.एन.-2019, इनडॉक्ट्राईन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा नर्सिंग पर गोलमेज बैठक हेतु विशेषज्ञ; नीति आयोग की सिफारिश के अनुसार एम्स के स्तर उन्नयन हेतु बी.एच.यू. की यात्रा के लिए विशेषज्ञ समूह सदस्य।

डॉ. दीपिका सी खाखा निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं: जरनल ऑफ नर्सिंग साइंस एण्ड प्रेक्टिस, स्कॉलर रिपोर्ट, इंडियन जरनल ऑफ एडवांस्ड नर्सिंग, जरनल ऑफ कांप्रिहेंसिव नर्सिंग रिसर्च एण्ड केयर, जरनल ऑफ कम्यूनिटी हेल्थ मैंनेजमेंट; अग्रलिखित पत्रिकाओं की समीक्षक: इंटरनेशनल जरनल ऑफ हेल्थ एण्ड एलाइड साइंसेज़, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी नर्सिंग जरनल, एडवांस रिसर्च इन नर्सिंग साइंस, अनल्स ऑफ नर्सिंग एण्ड प्रैक्टिस, जरनल ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन एण्ड पब्लिक हेल्थ केयर, करंट साइकियाट्री रिव्यूज़, जरनल ऑफ अफैक्टिव डिसार्डर्स, जरनल ऑफ ऐजुकेशन टैक्नॉलिजी इन हेल्थ साइंसिज़, एशियन जरनल ऑफ साईकियाट्री; राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तिकाओं के प्रकाशित कार्य में उद्धरणों की कुल संख्या-28; सी.एम.ई./सम्मलेनों/सी.एन.ई. में 30 व्याख्यान/सत्र/अतिथि व्याख्यान दिये गए; राष्ट्रीय सम्मलेनों में 2 सत्रों की अध्यक्षता: 14 मार्च 2019 को पी.जी.आई.एम.ई.आर., डॉ. आर.एम.एल. अस्पताल, नई दिल्ली में विश्व गुर्दा दिवस पर 'डाइट इन किडनी डिसीज' के सत्र हेतु अध्यक्ष, 15 मार्च 2019 को पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़ में आयोजित भारतीय नर्सिंग रिसर्च सोसाईटी के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में नर्सिंग के विशेष संदर्भ सहित गुणात्मक अनुसंधान और प्रकार पर सत्र की अध्यक्षता की; विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के ग्लोबल क्लीनिकल प्रैक्टिस नेटवर्क (जी.सी.पी.एन.) की सदस्य, मानसिक स्वास्थ्य एवं प्राथमिक चिकित्सा के पेशेवरों का एक अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय जो विश्वव्यापी मानसिक स्वास्थ्य पर व्यवहार एवं अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। 21 मई 2018 को खालसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अमृतसर में डॉक्टरल कमेटी की बैठक; पोस्ट बेसिक एकेडिमिक समन्वयक; एम.एस.सी. नर्सिंग के लिए अनुसंधान समन्वयक; एकेडमिक

प्लानिंग हेतु तृतीय वर्ष समन्वयक; 26-27 मई 2018 के एम.बी.बी.एस. प्रवेश परीक्षा हेतु संकाय; एम.एम. विश्वविद्यालय की एम.एस.सी. थीसिस हेतु योजक; आई.एल.बी.एस., वसन्त कुंज, नई दिल्ली की सदाचार समिति; एम्स, नई दिल्ली में अस्पताल प्रशासन की समीक्षा समिति की सदस्य; 16 सितम्बर 2018 को नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती परीक्षा की संकाय प्रभारी; एम्स, नई दिल्ली में सुश्री शिव शंकरी की नर्सिंग महाविद्यालय की डॉक्टरल समिति; डॉ.एम.जी.आर. मेडिकल यूनिवर्सिट, तमिलनाडु में पी.एच.डी. की निर्णायक, अंतर्राष्ट्रीय कैंसर केन्द्र, नेय्योर, कन्याकुमारी, तमिलनाडु में कैंसर से ग्रसित वयस्कों में शारीरिक तथा मानसिक लक्षणों की कमी में फुट रिफलेक्सोलॉजी की प्रभावकता के आंकलन हेतु एक प्रयोगात्मक अध्ययन; पी.एच.डी. मनोविज्ञान छात्र की डी.आर.सी. सदस्य-साइकोलोजिकल ट्रॉमा रेज़िलिएंस इन चिल्ड्रन एण्ड एडोलेसेन्ट्स: डेवलपमेंट एण्ड साइकोमैट्रिक प्रोपर्टीज़ ऑफ ए मल्टीडाइमेंशनल स्केल पर सलोनी डांग का अध्ययन; 15 फरवरी 2019 को 'वर्किंग टूवार्डस एक्लीलेंस' विषय पर कार्यशाला की मुख्य समन्वयक; टी.एन.ए.आई. की समीक्षक; प्रवेश तथा भर्ती परीक्षाओं हेतु प्रश्न कोष बनाने में सहयोग किया; 28 फरवरी 2019 को केन्द्र सरकार की नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती की पुन: परीक्षा में संकाय प्रभारी; नर्सिंग विधाओं में व्याख्याताओं हेतु प्रारम्भिक निगरानी समिति की अध्यक्षा; भारतीय नर्सिंग परिषद संकाय के लिए पी.एच.डी. मार्गदर्शक; तेरह विश्वविद्यालयों के लिए परिक्षक/प्रश्नपत्र निर्धारक; एम्स, दिल्ली में पी.एच.डी. नर्सिंग की डॉक्टरल समिति पर तथा श्री जगदीश प्रसाद झाबरवाल तिबरवला यूनिवर्सिटी, राजस्थान में पी.एच.डी. की निरीक्षक।

डॉ. कमलेश के शर्मा वर्तमान में एम्स में मुख्य सह समन्वयक के रूप में प्रोफेसर कामेश्वर प्रसाद के साथ सी.एम.टी. के अन्तर्गत "नैदानिक अनुसंधान पद्धति एवं साक्ष्य आधारित चिकित्सा, में अंशकालिक फेलोशिप कार्यक्रम कर रहे हैं; 3 मार्च 2019 को एम्स में आयोजित 'सिमुलस 44वें राष्ट्रीय सम्मेलन' में 'सिमुलेशन इन मेडिकल एण्ड नर्सिंग एजुकेशन-मेकिंग इट ए रियल्टी' विषय पर एक परिपूर्ण सत्र की अध्यक्षता की, एम्स, नई दिल्ली में बाल रोग चिकित्सा विभाग, एम्स द्वारा 27 फरवरी से 3 मार्च 2019 तक आयोजित पेडीस्टार्स, आई.पी.एस.एस. और इन्सपायर की एक सामूहिक बैठक; कनवरजेंस ब्लॉक, एस.ई.टी. सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में 11 और 12 जुलाई 2018 को बी.एस.सी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष बैच के लिए नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'एस.टी.पी.' (स्टैन्डर्ड ट्रीटमैंट प्रोटोकॉल) कार्यशाला (विषय: आहार) में संकाय के रूप में सहयोग किया; अक्टूबर 2018 को भारतीय नर्सिंग परिषद के लिए हिमाचल प्रदेश में कॉलेज ऑफ नर्सिंग; दिल्ली नर्सिंग परिषद (डी.एन.सी.) के रूफाइदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (फरवरी 2018); दिसम्बर 2014 से बतौर प्रतिनिधि छात्रावास निरीक्षक सहयोग किया; जुलाई 2010 से नर्सिंग महाविद्यालय में बतौर केन्द्रीय सहायक जन-सूचना अधिकारी सहायोग किया; महाविद्यालय के वार्षिक दिवस पर राज्य स्त्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में समन्वयक; एम्स की विभिन्न समितियों में भागीदारी: नर्स छात्रावास, नर्सिंग महाविद्यालय में अग्नि क्षति निर्धारण समिति के अध्यक्ष, प्राध्यापक पद के आवदेनों की निगरानी हेतु प्राथमिक निगरानी समिति में भागीदारी, नर्सिंग महाविद्यालय तथा एम्स छात्रावास की निराकरण समिति, डॉक्टरल समिति में बतौर सदस्य (26 नवम्बर 2016 से), नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स, नई दिल्ली, स्नातकपूर्व नर्सिंग छात्र के लिये मेडिकल बोर्ड में सदस्य सचिव; राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिस, बेंगलोर (12वें और 13वें बैच में प्रत्येक से) के सहयोग से भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा पी.एच.डी. नर्सिंग राष्ट्रीय कंसोर्टियम के पी.एच.डी. उम्मीदवारों (चार) का मार्गदर्शन कर रहे हैं; जून 2018 से फाबलिंक्स जरनल ऑफ कम्युनिटि मेडिसिन के संपादकीय बोर्ड सदस्य 'वूमेन्स स्टडीज़ इंटरनेशनल फोरम' 2018 तथा 'इंटरनेशनल जरनल ऑफ नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी रिसर्च आई.जे.ओ.एन.एम.आर.' के समीक्षक; देशभर के दस विश्वविद्यालयों में परीक्षक।

डॉ. शशि मवार को मार्च 2019 में नर्सिंग में पी.एच.डी. प्रदान की गई; 10 सितम्बर 2018 को भोपाल, एम्स में नर्सिंग अधिकारी (ग्रेड II) समूह 'ख' के पद हेतु चयन समिति की सदस्य रहीं; 12 मई 2018 को नर्सिंग दिवस समारोह में एम्स पटना में विशिष्ट अतिथि; एम्स, नई दिल्ली में बी.सी.एल.एस. एवं सी.सी.एल.एस. हेतु 180 नर्सिंग अधिकारियों के प्रशिक्षण दिया; 28 तथा 29 मार्च 2019 को आर.ए.के. नर्सिंग महाविद्यालय में बी.सी.एल.एस. तथा सी.सी.एल.एस. प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन; इग्नू, नई दिल्ली में घर पर बुजुर्गों की देखभाल पर दो टेलिकानफ्रेंस कक्षाओं का आयोजन; 24-25 जुलाई 2018 को इग्नू, नई दिल्ली में स्क्रिप्ट लेखन कार्यशाला में विशेषज्ञ रहीं; आम जनता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस मनाने हेतु जागरूकता पैदा करने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा के 9 चरणों का आयोजन; प्राथमिक विद्यालय के बालकों की जांच के लिए

विद्यालय में 2 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया तथा स्वच्छ रहने, मोटापे की रोकथाम तथा अच्छे व बुरे स्पर्श के बीच भिन्नता सम्बन्धी शिक्षा प्रदान की गई; अप्रैल 2018 को शिमला में बुजुर्गों की घरेलू देखभाल हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

डॉ. पूनम जोशी: 2018-2019 में ए.एच.ए. द्वारा बी.एल.एस. तथा ए.एल.एस. प्रशिक्षक का तथा 2018-2019 में इंडियन सोसाईटी ऑफ ऐनेसथीसियोलॉजी द्वारा बी.सी.एल.एस. तथा एसी.एल.एस. प्रशिक्षक का नवीनीकरण; अक्टूबर 2018 को ए.जे.पी.एन. ट्रामा केन्द्र में समुदाय हेतु चेस्ट कम्प्रेशन ऑन्ली लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम में 90 सामान्य व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण में बतौर संसाधक भागीदारी की; पेडिएट्रिक सरवाइविंग सेप्सिस कैंपेन-रेकेगनिशन एण्ड मैनेजमेंट ऑफ सेप्सिस एण्ड सेप्टिक शाक (एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना) के लिये एस.सी.जी.एम./ई.एस.आई.सी.एम. सेप्सिस दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने हेतु केंद्र समिति समूह सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में भारतीय ऐनेस्थिसियोलोजी सोसाइटी द्वारा विकसित बेसिक कार्डियक लाइफ सपोर्ट एण्ड कांप्रेहेन्सिव कार्डियक लाइफ सपोर्ट कार्यक्रम में 180 नर्सिंग अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया; 29 और 30 मार्च, 2018 को आर.ए.के. नर्सिंग महाविद्यालय, लाजपत नगर, नई दिल्ली में भारतीय ऐनेस्थिसियोलॉजी द्वारा विकसित बेसिक कार्डियक लाइफ सपोर्ट एण्ड कांप्रिहेन्सिव कार्डियक लाइफ सपोर्ट कार्यक्रम में ए.एस.सी. के 16 छात्रों को प्रशिक्षण दिया; नर्सिंग जनरल ऑफ इंडिया के लिए टी.एन.ए.आई. में संपादकीय बोर्ड की सदस्य; जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में नर्सिंग शिक्षा तथा अनुसंधान के लिए पी.एच.डी. कार्यक्रम, अहिल्याबाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली में बाल स्वास्थ्य नर्सिंग हेतु इग्नू में बी.एस.सी. (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग कार्यक्रम के लिये अतिथि संकाय का कार्य किया।

डॉ. एल. गोपीचंद्रन ने अगस्त 2018 में एम.ए.एच.ई.आर. (डीम्ड विश्वविद्यालय), चेन्नई से पी.एच.डी. पूरी की; नर्सों के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन जीवनरक्षक के मेनुअल हेतु एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू-जी.ओ.आई. परियोजना-तैयारी में विशेषज्ञ समिति सदस्य; डॉ. एम.जी.आर. मेडिकल विश्वविद्यालय में पी.एच.डी. थीसिस के निर्णायक सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग अपडेट 2019 के सह-संयोजक; सीमेट, एम्स (2017-2019 बैच) के साथ क्लिनिकल एपिडिमियोलॉजी यूनिट द्वारा आयोजित क्लिनिकल अनुसंधान पद्धति तथा साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर अल्पकालीन फेलोशिप कार्यक्रम पूरा किया; विभिन्न संस्थानों के लिये बी.एस.सी. और एम.एस.सी. (नर्सिंग) हेतु बाह्य परीक्षक।

सुश्री उज्जवल दाहिया, आर्बो, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से मृतक अंग तथा ऊतकदान विषय पर एम.एस.सी. नर्सिंग के छात्रों तथा बी.एस.सी. नर्सिंग के छात्रों हेतु शिक्षा तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में समन्वयक तथा संसाधक थीं।

सुश्री रिंपल शर्मा ने स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसिज़, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पूर्व पी.एच.डी. परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।

8- vu|l/kku vuHkkx

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

चित्रा सरकार

सह संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

प्रमोद गर्ग (23 अप्रैल 2018 तक)

विनीत आहूजा (23 अप्रैल 2018 से)

प्रशासनिक अधिकारी
इलियास पी.

लेखा अधिकारी
मीनाक्षी डबराल

भंडार अधिकारी
नरेंद्र कुमार

मुख्य बिंदु

1. जारी

- क. सहायक आचार्यों एवं सह आचार्यो के लिए आंतरिक अनुसंधान अनुदान
- ख. बाह्य अनुसंधान अनुदान
- ग. अनुसंधान पद्धति कार्यशाला
- घ. श्रेष्ठ प्रकाशित पेपरों के लिए एम्स एक्सीलेंस अवार्ड
- ङ अक्षय निधि-यात्रा फेलोशिप

2. नई पहलें

- क. आंतरिक अनुसंधान अनुदानों की वृद्धि-सभी स्तर के संकाय के लिए सहयोगी अंतर-अनुशासनात्मक एवं सहयोगी अंतर-संस्थानिक आंतरिक अनुदान
- ख. बुनियादी ढांचा क्षमता निर्माण-सीसीआरएफ, सीआरयू
- ग. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर तथा ओपन हाउस फोरा
- घ. आईपीआर-टीटीडी संगोष्ठी
- ङ अक्षय निधि-यात्रा फेलोशिप में वृद्धि तथा अर्बुद विज्ञान में अनुसंधान पुरस्कारों की शुरूआत।
- च. अनुसंधान प्रोजेक्शन-ई-न्यूजलैटर, ई-ग्रांट अपडेट
- छ. अ.भा.आ.सं. वार्षिक अनुसंधान दिवस

आंतरिक अनुसंधान अनुदान

- **अ.भा.आ.सं. में सहायक आचार्य तथा सह आचार्यों के लिए आंतरिक अनुसंधान अनुदान**
    - सह-अन्वेषकों के साथ एक प्रधान अन्वेषक (पीआई)
    - निधिकरण: अधिकतम 2 वर्ष के लिए 5 लाख रुपये प्रति वर्ष
    - आंतरिक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी।

- **अ.भा.आ.सं. के सभी स्तरों के संकाय के लिए आंतरिक अंतर-अनुशासनात्मक सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं।**
  - अनुपूरक विशेषज्ञता सहित दो विभिन्न विभागों/विषयों से दो प्रधान अन्वेषक।
  - निधिकरण: दो वर्ष के लिए प्रति प्रधान अन्वेषक को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये। (कुल 20 लाख रुपये)
  - बाहरी परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी
- **अन्तर-संस्थानिक सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं**
  - आईआईटी दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर, टीएचएसटीआई
  - अनुपूरक विशेषज्ञता सहित दो विभिन्न संस्थानों से दो प्रधान अन्वेषक
  - निधिकरण: (दोनों संस्थानों से आंतरिक): दो वर्ष के लिए प्रति प्रधान अन्वेषक को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये (कुल 20 लाख रुपये)
  - बाहरी परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी।

आंतरिक अनुसंधान अनुदान योजनाएं	**कुल प्राप्त प्रस्ताव**	**स्वीकृत परियोजनाएं**	**पंजीकृत/आबंटित परियोजनाएं**	**आबंटित परियोजना के लिए स्वीकृत राशि**
आंतरिक परियोजनाएं	92	90	81	3,72,23,805
अ.भा.आ.सं. के सहयोग से	31	12	12	1,38,05,000
अ.भा.आ.सं.-आईआईटी दिल्ली के सहयोग से	53	25	18	84,35,284

बाह्य अनुसंधान अनुदान

निधिकरण एजेंसी	**बाह्य परियोजनाओं की संख्या**	**प्राप्त अनुदान (रुपये)**
डीएसटी	136	16,29,84,438.00
डीबीटी	103	27,91,60,131.00
आईसीएमआर	141	35,68,63,377.00
अन्य	247	48,98,53,449.73
कुल	**627**	**1,28,88,61,395.73**

- अ.भा.आ.सं. के निम्नलिखित विभागों के संकाय के लिए आईसीएमआर द्वारा छः उन्नत अनुसंधान तथा शिक्षा केंद्रों (सीएआरई) को मंजूरी दी गई : (1) जठरांत्र रोग विज्ञान (2) अंत:स्त्राविकी विज्ञान (1), मनोविकार चिकित्सा (1), पुल्मोनरी चिकित्सा (1) तथा अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला (1)
- अ.भा.आ.सं. में संकाय के लिए तीन एसपीएआरसी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

बुनियादी ढांचा क्षमता निर्माण

- **केंद्रीय मूलभूत अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ)**

- **बीएसएल2/3, जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स, बायोएनालिटिक्स, बायो-इनफोर्मेटिक्स, माइक्रोस्कोपिक इमेजिंग, फ्लो साईटोमीटरी तथा सामान्य सुविधा** के उन्नत क्षेत्रों में वर्तमान प्रौद्योगिकी तथा प्रयोगशालाओं का संपूर्ण केंद्र।
- संस्थान के सभी विभागों के सभी संकाय, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों के लिए सुलभ
- कन्वर्जेस ब्लॉक के 9वें तल के निर्माण की प्रक्रिया में

- **नैदानिक अनुसंधान एकक**
  - अ.भा.आ.सं. में नैदानिक अनुसंधान एकक की स्थापना का प्रस्ताव शैक्षिक समिति तथा शासी निकाय द्वारा अनुमोदित किया गया।
  - सर्वोत्तम अभ्यास के अनुपालन सहित अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए अनुसंधान के विकास, अनुप्रयोग तथा कार्यान्वयन में सहायता उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है।
  - नैदानिक अनुसंधान के विकास के लिए संसाधन तथा सेवाएं प्रदान करना तथा नैदानिक अनुसंधान की सर्वश्रेष्ठ पद्धति उपलब्ध कराना

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर तथा ओपन हाऊस सत्र

- अ.भा.आ.सं. तथा आईआईटी दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर, टीएचएसटीआई, आईजीआईबी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- अ.भा.आ.सं. तथा आईआईटी दिल्ली (29 अगस्त 2018) तथा अ.भा.आ.सं. तथा टीएचएसटीआई (3 दिसम्बर 2018) के बीच ओपन हाऊस सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें दोनों संस्थानों के संकाय ने उनकी वर्तमान में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के साथ अनुसंधान अभिरूचि तथा सहयोग के नए क्षेत्रों को प्रस्तुत किया।

बौद्धिक संपदा अधिकार तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग

- 'चिकित्सा विज्ञान में नई खोजों को बढ़ाना' शीर्षक से बौद्धिक संपदा तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर 3 अक्तूबर 2018 को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य बिंदु थे: एम्स आईपीआर तथा टीटीडी वेबसाईट का उद्घाटन, एम्स की आईपीआर नीति पर व्याख्यान, शैक्षिक अनुसंधान में अंतरण: बदलते परिवेश, शैक्षिक अनुसंधान में इन्क्यूबेटर की भूमिका, तथा निधिकरण तथा नवीन शैक्षिक खोजों को आगे बढ़ाने की प्रासंगिकता।

अनुसंधान पद्धति पर कार्यशालाएं

- रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए अनुसंधान पद्धति पर नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

अक्षय निधि

- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सहभागिता के लिए विद्यार्थियों, रेजीडेंटों, पीएचडी शोधार्थियों तथा अनुसंधान स्टाफ के लिए यात्रा फेलोशिप की संख्या में वृद्धि
- यात्रा अनुदान के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु प्रत्येक दो महीने में बैठक आयोजित की जाती है।

माह	अनुमोदित आवेदन	स्वीकृत राशि (रुपये)
अप्रैल से जून 2018	8	3,80,000
जुलाई से सितंबर 2018	8	3,20,000
अक्तूबर से दिसंबर 2018	14	4,80,000
जनवरी से मार्च 2019	16	9,00,000
कुल	**46**	**20,80,000**

- वर्ष 2018-2019 में अर्बुद विज्ञान पुरस्कारों की शुरूआत की गई। निम्नलिखित संकाय ने पुरस्कार प्राप्त किए:

क्र.सं.	नाम	विभाग	प्रकाशन का शीर्षक	श्रेणी	पुरस्कार
1.	एम वनाती	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र	टीयर इन्फ्लामेटरी मिडिएटर्स एंड प्रोटीन इन आइज ऑफ पोस्ट एलोजेनिक हेमाटोपोइटिक स्टेम सैल ट्रांसप्लांट पेशेन्टस	नैदानिक	प्रथम
2.	संजीव कुमार गुप्ता	अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला	मोलेक्युलर जेनेटिक प्रोफाइल इन बीसीआर-एबीएल 1 नेगेटिव पेडियाट्रिक बी-सैल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया कैन फर्दर रिफाईन आउटकम प्रिडिक्शन इन एडिशन टू दैट बाई एंड-इंडक्शन मिनीमल रेजिडयुल डिसीज डिटेक्शन	नैदानिक	द्वितीय
3.	रीतू गुप्ता	अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला	न्यूक्लिएक एसिड बेस्ड रिस्क असेसमेंट एंड स्टेजिंग फोर क्लीनिकल प्रैक्टिस इन मल्टीपल माइलोमा	नैदानिक	तृतीय
4.	शर्मिष्ठा डे	जैव भौतिकी	डाइग्नोस्टिक सिग्निफिकेंन्स ऑफ p^{38} आइसोफोर्मस ($p^{38}\alpha$, $p^{38}\beta$, $p^{38}\gamma$, $p^{38}\delta$) इन हैड एंड नैक स्क्वामोस सैल कार्सिनोमा-कम्पेरेटिव सीरम लेवल इवैल्यूएशन एंड डिजाइन ऑफ नोवेल पेप्टाइड् इनहिबीटर टारगेटिंग द सेम।	आधारभूत	प्रथम
5.	मेहर चन्द शर्मा	विकृति विज्ञान	ट्रांसक्रिप्शनल को-एक्सप्रेशन रेग्युलेटरी नेटवर्क एनालिसिस फोर स्नेल एंड स्लग आईडेंटिफाइज आईएल1आर1, एन इन्फ्लामेटरी साइटोकीन रिसेप्टर, टू बी प्रेफ्रन्शियली एक्सप्रेस्ड इन	आधारभूत	द्वितीय

			एसटी-ईपीएन-आरईएलए एंड पीएफ-ईपीएन-ए मोलेक्युलर सबग्रुप्स ऑफ इंटराक्रेनिअल एपेंडिमोमास		
6.	सविता यादव	जैव-भौतिकी	आइडेन्टिफिकेशन एंड वेलिडेशन ऑफ सलिवरी प्रोटीओमिक सिग्नेचर्स फोर नोन-इनवेसिव डिटेक्शन ऑफ ओवेरियन कैंसर	आधारभूत	तृतीय

अनुसंधान आकंलन

- **ई-अनुसंधान न्यूज लेटर** आरम्भ हो चुका है तथा तिमाही रूप से प्रकाशित किया जा रहा है।
- संकाय को **ई अनुदान की अपडेट** नियमित रूप से उपलब्ध करवाई जा रही हैं।
- अ.भा.आ.सं. में अनुसंधान के विषय में सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ाने लिए एक समिति का गठन किया गया है।

सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पत्रों के लिए एम्स एक्सिलेंस पुरस्कार

क्र. सं.	**नाम, पदनाम तथा विभाग**	**पत्र/प्रकाशन शीर्षक**	**जर्नल का नाम**	**पुरस्कार श्रेणी**
1.	मंजरी त्रिपाठी आचार्य, तंत्रिका विज्ञान	सर्जरी फोर ड्रग-रीजिस्टन्ट एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन	द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसन	प्रथम पुरस्कार
2.	जया एस. त्यागी, आचार्य एवं अध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी	मल्टीफेसेटिड रिमोडलिंग बाई विटामिन सी बुस्ट्स सेन्सिटिविटी ऑफ माइकोबैक्टरीयम ट्यूबरक्लोसिस सबपोपुलेशन्स टू कोंबिनेशन ट्रीटमेंट बाई एन्टी-टयूबरकुलर ड्रग्स।	जर्नल ऑफ रिडोक्स बायोलोजी	प्रथम पुरस्कार
3.	समीर बख्शी, आचार्य, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	मेट्रोनोमिक कीमोथेरेपी वर्सस बेस्ट सपोर्टिव केयर इन प्रोग्रेसिव पीडीएट्रिक सॉलिड मेलिग्नेन्ट टयूमर्स: ए रैंडमाइज्ड क्लीनिकल ट्रायल	जेएएमए ओंकोलोजी	द्वितीय पुरस्कार
4.	श्याम एस चौहान, आचार्य, जैवसायन	कैथेप्सीन एल एंड बी एज पोटेन्शिअल मार्कर्स फॉर लिवर फीब्रोसिस: इनसाइटस फ्रॉम पेशेन्टस एंड एक्स्पेरिमेन्टल मोडल्स	क्लीनिकल एंड ट्रांसलेशनल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी	द्वितीय पुरस्कार
5.	सचिन तलवार, हृद्वक्ष तथा वाहिका शल्य चिकित्सा	इफेक्ट ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ एलोप्युरीनोल ऑन पोस्टोपेरेटिव आऊटकम्स इन पेशन्टस अंडरगोइंग	द जर्नल ऑफ थोरेसिक एंड कार्डियोवेस्क्यूल	तृतीय पुरस्कार

		इन्टराकार्डियेक रिपेयर ऑफ टेट्रालोजी ऑफ फैलो	र सर्जरी	
6.	जी.सेतुरमन, आचार्य, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	डेवलपमेन्ट ऑफ ए क्लीनिकल डायग्नोस्टिक मैट्रिक्स फोर करेक्टराइजिंग इनहेरिटिड एपिडर्मोलिसीस बुलोसा	ब्रिटिश जर्नल ऑफ डरमेटोलॉजी	तृतीय पुरस्कार
7.	कुन्जांग चोसडोल, आचार्य, जैव रसायन	एफएटी1 माडुलेट्स ईएमटी एंड स्टेमनेस जीन्स एक्सप्रेशन इन हाइपोक्सिक ग्लायोब्लास्टोमा	इंटरनेशल जर्नल ऑफ कैंसर	तृतीय पुरस्कार
8.	डी एस आर्या, आचार्य, भेषजगुण विज्ञान	एपिजेनिन एमिलिओरेट्स स्ट्रेप्टोजोटोसिन-इंडयुस्ड डायबेटिक नेफ्रोपैथी इन रैट्स वाया एमएपीके-एनएफ-kबी-टीनएफ-α एंड टीजीएफ-β1 एमएपीके-फ्रीब्रोनेक्टीन पाथवेज	अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, रिनल फिजियोलॉजी	तृतीय पुरस्कार
9.	रीमा दादा, आचार्य, शरीर रचना विभाग	योगा-एंड मेडिटेशन-बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेन्शन इनक्रीजिज न्यूरोप्लास्टिसिटी एंड रिड्यूसिस सिवेरटी ऑफ मेजर डिप्रेसिव डिसार्डर: ए रेन्डमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रायल	रेस्टोरेटिव न्यूरोलोजी एंड न्यूरोसाईसिज	प्रशंसा प्रमाण-पत्र
10.	रोहित सक्सेना, आचार्य, डॉ.राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र	इन्सीडेन्स एंड प्रोग्रेशन ऑफ मायोपिआ एंड एसोसिएटिड फैक्टर्स इन अर्बन स्कूल चिल्ड्रन इन डेल्ही: द नार्थ इंडिया मायोपिया स्टडी (एनआईएम स्टडी)	पीएलओएस ओएनई	प्रशंसा प्रमाण-पत्र
11.	शैफाली गुलाटी, आचार्य, बाल चिकित्सा	डेवलपमेंट ऑफ आल इंडिया इंस्टीट्युट ऑफ मेडिकल साईंसिज-मोडीफाईड इंटरनेशनल क्लिनिकल एपिडेमिओलोजी नेटवर्क डायग्नोस्टिक इंस्ट्रमेंट फॉर न्यूरोमोटर इम्पेयरमेंटस इन चिल्ड्रन एज्ड 1 मंथ टू 18 ईयर्स	फ्रंटियर्स इन पब्लिक हैल्थ	प्रशंसा प्रमाण-पत्र
12.	राजेश सागर, आचार्य, मनोचिकित्सा	असेसमेंट ऑफ कोगनिटिव फंक्शन्स इन बायपोलर I डिसॉर्डर: ए1-ईयर नैचुरलिस्टिक फोलो-अप स्टडी	इंडियन जर्नल ऑफ साइकाइट्री	प्रशंसा प्रमाण-पत्र
13.	शर्मिष्ठा डे, सह-आचार्य, जैव भौतिकी	5-एलओएक्स इन अल्जाइमर्स डीजीज: पोटेंशियल सीरम मार्कर एंड इन विटरो	मोलेक्युलर न्यूरोबायोलोजी	प्रशंसा प्रमाण-

		एविडेंसिज फॉर रेस्क्यु ऑफ न्यूरोटोक्सीसिटी बाइ इट्स इनहिबिटर वाइडब्ल्यूसीएस		पत्र
14.	एमसी शर्मा, आचार्य, विकृति विज्ञान	सी11 ऑर एफ95-आरईएलए फ्यूजन्स एंड अपरेग्युलेटिड एनएफ-केबी सिग्नलिंग कैरैक्टराइज ए सब सैट ऑफ अग्रेसिव सुपराटेंटोरिअल एपेंडिमोमास दैट एक्सप्रेस एल1 सीएएम एंड नेस्टिन	जर्नल ऑफ न्यूरोओंकोलोजी	प्रशंसा प्रमाण-पत्र

प्रथम वार्षिक अनुसंधान दिवस

प्रथम वार्षिक एम्स अनुसंधान दिवस दिनांक 26 मार्च 2019 को मनाया गया था। आचार्य एमके भान इसके मुख्य अतिथि थे तथा उन्होंने एम्स की हीरक जयंती पर व्याख्यान दिया। सभी श्रेणियों के विद्यार्थियों तथा रेजिडेंटो की तरफ से कुल 423 सार स्वीकार किए गए। इन सारों की संकाय-सदस्यों की स्क्रीनिंग समिति द्वारा समीक्षा की गई तथा श्रेष्ठ तीन सार मौखिक प्रस्तुति के लिए चयनित किए गए जबकि शेष पोस्टर श्रेणी में शामिल किए गए। विभिन्न श्रेणियों (एम.बी.बी.एस.,एम.एस.सी.,पी.एच.डी., कनिष्ठ रेजीडेंट, वरिष्ठ रेजीडेंट) के श्रेष्ठ मौखिक पेपर तथा पोस्टर को पुरस्कृत किया गया।

श्रेणी	**सारों की संख्या**
एम.बी.बी.एस.	16
एम.एस.सी.	37
पी.एच.डी.	148
कनिष्ठ रेजीडेंट (एम.डी./एम.एस.)	70
वरिष्ठ रेजीडेंट (डी.एम./एम.सी.एच./फैलोज/गैर अकादमिक	152
कुल	**423**

- डीबीटी,डीएसटी तथा आईसीएमआर-डीएचआर के सचिवों के साथ-साथ डॉ. वी.के. पॉल (सदस्य, नीति आयोग) तथा डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स द्वारा **"बिल्डिंग मेडिकल रिसर्च ट्राजेक्टरी इन इंडिया"** पर पैनल परिचर्चा अनुसंधान दिवस का मुख्य आकर्षण बिंदु था। पैनल परिचर्चा की अध्यक्षता प्रो. राकेश अग्रवाल, निदेशक, जेआईपीएमईआर, पुदुच्चेरी द्वारा की गई।
- अ.भा.आ.सं. की अनुसंधान गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के लिए अ.भा.आ.सं. "रिसर्च एट एम्स" तथा "डायरेक्टरी ऑफ रिसर्च इन्ट्रस्ट ऑफ फैकल्टी एंड साइन्टिस्ट" शीर्षक से लघु पुस्तिका का प्रकाशन किया गया है।

9-1 laosnukgj.k foKku] ihMk fpfdRlk vkSj xaHkhj mipkj

vkpk;Z ,oa v/;{k

रविन्द्र कुमार बत्रा (31 जुलाई 2018 तक)
राजेश्वरी सुब्रमणियम (1 अगस्त 2018 से)

vkpk;Z

अंजन त्रिखा
माया देहरान
दिलीप आर. शिंदे
लोकेश कश्यप
गंगा प्रसाद
वीरेन्द्र कुमार मोहन
विम्मी रेवाड़ी
वनलाल दारलोंग
रेणु सिन्हा (डॉ. रा.प्र. केंद्र)
ज्योत्सना पुंज
बबिता गुप्ता (जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर)
रविन्द्र कुमार पाण्डे
अंजोली छाबड़ा
छवि साहनी (जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर)

lg&vkpk;Z

दालिम कुमार बैद्य (सीडीईआर)
देवलीना गोस्वामी (सीडीईआर)

lgk;d vkpk;Z

पुनीत खन्ना
बिकाश रंजन रे
राहुल कुमार आनंद
देबेश भोई
शैलेंद्र कुमार (आईवीएफ)
मनप्रीत कौर
सौविक मैत्रा
तिलका मुथैय्या
अखिल कांत सिंह
कनिल रंजित कुमार
राकेश कुमार (डॉ. रा.प्र. केंद्र)
कुलभूषण सैनी
निशांत पटेल
अरशद अयुब (डॉ. रा.प्र. केंद्र)
युध्दवीर सिंह (संविदा) (जेपीएनए ट्रामा सेंटर)
अभिषेक कुमार (संविदा)
क्रिस्टोफर दास (संविदा)
अजिशा अरविंदम (संविदा)
विनीता वेंकटेश्वरन (संविदा)
अजय कुमार (संविदा)

fof'k"Vrk,a

आचार्य राजेश्वरी सुब्रमणियम ने 1 अगस्त 2018 को संवदेनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। 1 अप्रैल 2018 से विभाग द्वारा कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों का आयोजन किया गया (चित्र 1–3)। विभाग ने ऑपरेशन थिएटर सेवाओं में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री में तीन साल और पीड़ा चिकित्सा में एक साल का छात्रवृत्ति कार्यक्रम आरंभ किया है। विभाग ने वर्ष के दौरान बहु संस्थान व्यापी गतिविधियों में भी कई पुरस्कार जीते (चित्र 4–5) है।

Figure-1- 11th IAPA Conference

Figure-2- PG Assembly

Figure-3- PG Assembly

Figure-4- Institute Day Prize

Figure-5- AIIMS Got Talent Prize

प्रो. राजेश्वरी सुब्रमणियम के नेतृत्व में संस्थान में कोड ब्लू कार्यक्रम पर काम आरंभ कर दिया गया है।

fp= 1- 11ok vkbZ-,-ih-,- lEesyu fp= 2- ih-th- vlsEcyh

fp= 3- ih-th- vlsEcyh fp= 4- laLFkku fnol iqjLdkj

fp= 5- ,El xkV VsysUV iqjLdkj

f'k{kk

विभाग द्वारा ओ.टी. सेवाओं से संबंधित 3 वर्षीय बी.एस.सी. (ओ.टी. टेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष 20 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। तीव्र और पुराने दर्द से संबंधित विषय में एक वर्ष का फैलोशिप (छात्रवृत्ति) कार्यक्रम भी शुरू किया गया है। इस पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष 2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

मिश्रित शिक्षण प्रणाली (ऑनलाइन और हेन्ड्स ऑन) का प्रयोग करके नवीन शिक्षण पद्धति के विकास के तौर पर संकाय–सदस्य एसईटी (टेलीमेडिसिन ई–लर्निंग कौशल) सुविधा में कौशल मॉडयूल विकसित करने में शामिल रहे हैं। डॉ. रश्मि रामचंद्रन, मनप्रीत कौर एवं तिलक ने एंडोट्रेलकियल इन्ट्यूबेशन, एल.एम.ए. के प्रवेशन, सर्जिकल हेन्डवाशिंग एवं ग्रोइंग के लिए एक कुशल शिक्षण मॉडयूल विकसित किया है। उन्होंने इन कौशल केंद्र में तथा अन्य मॉडयूल पर स्नातकपूर्व छात्रों के लिए कई शिक्षण सत्र भी आयोजित किए है।

रोहतक मेडिकल कॉलेज और शिमला मेडिकल कॉलेज से संवेदनाहरण संकाय और तकनीकी स्टाफ ने गुर्दा प्रत्यारोपण संवेदनाहरण ने अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. सीमेट मैकेनिकल वेंटिलेशन 21–22 जुलाई, 2018 जवाहर लाल नेहरू सभागार, अ.भा.आ.सं.
2. एम्स एनेस्थिसियालॉजी पोस्ट ग्रेजुएट असेम्बली (एएपीजीए) 18–21 अक्टूबर 2018, जवाहर लाल सभागार, अ.भा.आ.सं.।
3. संवेदनाहरण विज्ञानियों हेतु व्यापक अल्ट्रासाउंड (सीयूएसए), 1–2 दिसंबर, 2018
4. भारतीय बाल संवेदनाहरण विज्ञानियों (आईएपीए) का 11वां वार्षिक सम्मेलन, 8–10 फरवरी 2019, जवाहर लाल नेहरू सभागार, अ.भा.आ.सं.।
5. 8 फरवरी 2019 को आईएपीए वार्षिक सम्मेलन, के तौर पर कार्यशाला का संचालन।
   क.) बाल चिकित्सा में मूल एवं उन्नत जीवन सहायक।
   ख.) बाल चिकित्सा में असाध्य वायुप्रवाह।
   ग.) प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस)।
   घ.) पीडिएट्रिक एनेस्थिसिया क्राइसिस स्टीमुलेशन (पीएसीएस) वर्कशॉप।
   ङ.) पीडिएट्रिक रीजनल एनेस्थिसिया।
6. क्रिटिकल केयर अपडेट ऑन फ्लूड, इलैक्ट्रोलाइट एंड एसिड बेस डिसआर्डर (एफईएडी), 16–17 मार्च 2019, जवाहर लाल सभागार, अ.भा.आ.सं.।
7. आईएसए, मासिक नैदानिक सम्मलेन, दिल्ली अध्याय, 26 फरवरी, 2019.
8. संवेदनाहरण शल्यक्रिया एवं गंभीर उपचार से संबंधित तकनीकों पर ओ.टी. तकनीशियनों का द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन, 2 फरवरी 2018.
9. 8वीं ओ.टी. तकनीशियन कार्यशाला, 28 जुलाई 2018.

प्रदत्त व्याख्यान

राजेश्वरी सुब्रामणियम : 14	**अंजन त्रिखा : 10**	**माया देहरान : 1**
दिलीप शिंदे : 5	**लोकेश कश्यप : 1**	**वीरेन्द्र कुमार मोहन : 06**
विम्मी रेवाड़ी : 11	**वनलाल डारलोंग : 4**	**रेनू सिन्हा : 13**
रविन्द्र कु. पांडे : 11	**अंजोली छाबड़ा : 10**	**बबिता गुप्ता : 4**
छवि साहनी : 1	**रश्मि रामचन्द्रन : 4**	**दालिम कुमार बैद्य : 14**
देवलीना गोस्वामी : 8	**शैलेन्द्र कुमार : 4**	**पुनीत खन्ना : 8**
राहुल कुमार आनंद : 8	**बिकाश रंजन रे : 12**	**देबेश भोई : 2**
सौविक मैत्रय : 6	**कुलभूषण सैनी : 2**	**निशांत पटेल : 1**
अखिल सिंह : 2	**मनप्रीत कौर : 2**	**राकेश कुमार : 5**
तिलक मुथैय्या : 3	**अरशद अयुब : 4**	**कनील रंजीत कुमार : 2**

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र/पोस्टर : 37

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. कलाई के वॉलर पहलू पर अल्ट्रासाउंड गाइडेड पृष्ठीय रेडियल धमनी कैनेलेशन और पारंपरिक रेडियल आर्टरी कैनुलेशन की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सौविक मैत्रय, अ.भा.आ.सं., 6 वर्ष, 2018–2019, 4 लाख रुपए।

जारी

1. आपातकालीन लैपरोटॉमी प्रक्रिया से गुज़रने वाले पेरिटानिटिस रोगियों में इंट्राऑपरेटिव फेफड़े का सुरक्षात्मक संवातन (वेंटिलेशन)।
2. संपूर्ण पेट की हिस्टेरेक्टॉमी के घावों में लगातार समावेशित एकल रोपिवैकन पर रोपिवैकन के साथ संबद्ध मैग्नीशियम सल्फेट की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन करने हेतुः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, देवलीना गोस्वामी, अ.भा.आ.सं., 1 वर्ष 2016–17, 5 लाख रुपए।
3. ट्रेंडेलेनबर्ग स्थिति में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से गुज़र रहे रोगियों में आईजेवी अक्षयता तथा इसका ऑपरेशन पश्चात दुष्क्रिया के साथ मूल्यांकन, अखिल कांत सिंह, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2018–जारी, 5 लाख रुपए।
4. मोडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में सीरेट्स एंटीरियर ब्लॉकः दो विभिन्न तकनीकियों की प्रभावकता के मूल्यांकन हेतु एक पायलट अध्ययन, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष 2017–2019, 1.2 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. गंभीर रुप से अस्वस्थ रोगियों में हस्तचालित बनाम स्वचालित अपस्तन का तुलनात्मक प्रायोगिक अध्ययन, इलैक्टिव ऑप्थेलमिक प्रक्रियाओं से गुजर रहे बच्चों में एयर–क्यू® (मानक कफ) बनाम प्रोसील टी.एम. लेरिंगियल मास्क एयरवे की प्रभावकता का तुलना प्रायोगिक अध्ययनः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
2. गंभीर रुप से बीमार रोगियों में हस्तचालित अयातन बनाम स्वचालित अपस्तन का तुलनात्मक प्रायोगिक अध्ययन।
3. एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण–बच्चों में एट्राक्यूरियम के प्रारंभिक काल में इंट्राविनस डेक्सामेथासोन का प्रभाव एवं सुधार संबंधी प्रोफाइल।
4. वृद्धावस्था में पोस्टऑपरेटिव कंजीनाइटिव डिक्लाइन के प्रभाव पर लिग्नोकेन एवं डेक्समेडेटोमाइन के प्रभाव का यादृच्छिक नियंत्रण तुलनात्मक परीक्षणः एक प्रायोगिक अध्ययन।
5. अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉस्टोक्लेविकलर ब्लॉक हेतु 0.5% रोपिवेक्सीन के न्यूनतम प्रभावी वॉल्यूम का अध्ययन।
6. बच्चों में ऑरोथ्रेचल इंटयूबेशन हेतु नलिका के तौर पर एयर क्यू आईएलएः सुयाइन एवं लेटरल स्थिति के बीच तुलना।
7. ट्रांसपेरिटोनियल एवं रेट्रोपेरिटोनियोस्कोपिक एप्रोच द्वारा लेप्रोस्कोपिक नेफ्रेक्टॉमी की संवेदनाहारी जटिलताएं–एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
8. लेबर एनेलजेसिया हेतु सहायक के तौर पर इनरेब्रिकल मार्फीन का संवेदनाहारी प्रभाव एवं एलए स्पेरिंग प्रभाव–एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
9. कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम के उपचार हेतु स्टेलेट गेंगलियॉन ब्लॉक में 0.25% रोपिवेक्सीन के लिए एडिटिव के तौर पर क्लोरिडाइन की संवेदनाहारी प्रभावकता एवं सुरक्षा एक भविष्यसापेक्ष एकल ब्लाइंड अध्ययन।
10. त्वचीय नेफ्रोलिथोटॉमी सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइने ब्लॉक बनाम इंट्राथकल मॉर्फीन की संवेदनाहारी प्रभावकताः एक भविष्यसापेक्ष यादृच्छिक तुलनात्मक परियोजना अध्ययन।
11. अपर लिंब ऑर्थोपेडिक्स शल्याक्रियाओं में सुपरक्लेविकुलर ब्लॉक हेतु अल्ट्रासाउंड गाइडिड कॉर्नर पॉकेट बनाम दो विभाजित इंजेक्शन तकनीकियों की प्रभावकता का मूल्यांकनः एक भविष्यसापेक्ष, यादृच्छिक अध्ययन।
12. पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन के प्रीडिक्टर के तौर पर केरोटिड आर्टरी पीक वेलोसिटी की विविधताओं (सीएपीवी) एवं इंफीरियर वेना कावा कोलेपसिबिलिटी इंडेक्स (आईवीसीसीआई) का मूल्यांकन।
13. अस्वस्थ मोटापा पीड़ित रोगियों में फुफ्फुसीय क्रिया परीक्षण एवं असाध्य वायुमार्ग के बीच सह–संबंध।
14. आपात लेप्रोटोमी में इंट्राऑपरेटिव रक्त शर्करा विधिताओं के साथ पोस्टऑपरेटिव परिणामों का सह–संबंध।
15. दैनिक उपचार प्रक्रिया के दौरान कुपोषित बच्चों में सांस लेने में संवेदनाहारी आवश्यकता एवं चेतना में लाने वाली आवश्यकता का सह–संबंध।

16. टीएपीपी लेप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी में ऑपरेशन के बाद दर्द में आराम लाने के लिए द्विपार्श्वीय क्वाड्रेट्स लैंबोरम ब्लॉक बनाम द्विपार्श्वीय ट्रांसवर्सिस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉकः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
17. दर्दनाक स्पाइन (मेरुदंड) सर्जरी में ऑपरेशन के बाद दर्द से आराम के लिए बाइलेटरल अल्ट्रासाउंड गाइडिड इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉकः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
18. पेरिटोनिटाइटिस के लिए आपात लेप्रोटॉमी से गुजर रहे वयस्क रोगियों में समाान्य संवेदनाहरण दिए जाने के बाद हाइपोटेंशन के प्रीडिक्शन हेतु पीक ब्लड फ्लो गति एवं केरोटिड आर्टरी करेक्टिड फ्लो टाइमः एक भविष्य सापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
19. नवजातों में सामान्य संवेदनाहरण के दौरान आई–जैल एवं एयर क्यूएसपी की प्रभावकता एवं सुरक्षा की तुलनाः एक भविष्य सापेक्ष यादृच्छिक परीक्षण।
20. कूल्हें के फ्रेक्चर से पीड़ित रोगियों में केंद्रीय न्यूरोक्सियल ब्लॉक के लिए ऑपरेशन से पूर्व स्थितिकरण में अल्ट्रासाउंड गाइडिड सुप्रा–इंगुइनल फेशिया इलिएका ब्लॉक की प्रभावकता का तुलनात्मक मूल्यांकन।
21. अल्ट्रासाउंड गाइडिड एक्सिलरी वेन कैन्युलेशन हेतु क्लासिक ''शार्ट एक्सिस'' प्रॉब स्थिति के साथ ''मीडियल ऑब्लिक'' का तुलनात्मक मूल्यांकनः एक क्रॉस ओवर अध्ययन।
22. मामूली गैर यंत्र शल्यक प्रक्रिया में थ्री डाइमेंशनल (3डी) एंडोविज़न सिस्टम बनाम अल्ट्राहाई डेफिनेशन (एच डी) (4 के) इंडोविज़न सिस्टम की तुलनाः एक ओपन लेब्लड यादृच्छिक अध्ययन।
23. स्त्रीरोग सबंधी दुर्दमता हेतु लेप्रोटॉमी रोगियों में संवेदनाहरण तकनीक एवं ओपिओइड मुक्त संवेदनाहरण तकनीक के बीच तुलना।
24. वयस्क रोगियों में वीडियों सहायक थोरेकोस्कोपिक सर्जरी में इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक बनाम लोकल इंफिल्टरेशन के संवेदनाहारी प्रभाव एवं सुरक्षा की तुलना।
25. ड्यूरल पंक्चर एपिड्यूरल तकनीक द्वारा लेबर एनेलजिसिया में लिवोबुपिवेकेन एवं रोपिवेकेन की संवेदनाहारी प्रभावकता की तुलना।
26. ओपन पायलोप्लास्टी से गुज़र रहे बच्चों में अल्ट्रासाउंड निदेशित क्वेड्ट्स लम्बोरम ब्लॉक (क्यूएल) बनाम इरेक्टर स्वाइन प्लेन (ईएसपी) की संवेदनाहारी प्रभावकता की तुलना–एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रण परीक्षण।
27. सीज़ेरियन सेक्शन में संबद्ध इंट्राथेकल 0.75% आईसोबेरेक रोपीवेकेन के साथ फेन्टानायल बनाम क्लोनिडाइन की नैदानिक प्रभावकता की तुलनाः एक भविष्यसापेक्ष यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
28. लेटरल पोज़िशन में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी वाले रोगियों में फिक्स्ड बनाम टिटरोटिड पीईईपी की तुलना।
29. बाल रोगियों में इन्ट्यूबेशन हेतु ग्लाइड स्कोप एवं सी–मेक वीडियों की तुलनाः एक भविष्यसापेक्ष, तुलनात्मक एवं यादृच्छिक अध्ययन।
30. सेप्सिस से पीड़ित रोगियों में मृत्युदर संबंधी प्रीडिक्टर के तौर पर लेक्टेट क्लीयरेंस एवं न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात की तुलना।
31. बच्चों में सीवोफ्लूरेन इंडक्शन की मानक तकनीक के लो फ्रेश गैस फ्लो तकनीक की तुलना।
32. स्त्रीरोग संबंधी दुर्दमता हेतु लेप्रोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में ओपियोइड आधारित एनोस्थिसिया तकनीक एवं ओपिओइड फ्री एनेस्थिसिया तकनीक की तुलनाः यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
33. बाल रोगियों में रीनल सर्जरी के रोगियों में पैरावर्टिबल ब्लॉक एवं कॉडल एपिडयूरल ब्लॉक की तुलना।
34. ट्राइजेमिनल न्यूरेल्जिया के उपचार में गैसेरियन गैंगलियन की त्वचीय रेडियोफ्रीक्वेंसी थर्मोकोगुलेशन एवं त्वचीय माइक्रोबैलून कंप्रेशन की तुलना–एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
35. बच्चों में एयर एसपीबनाम परंपरागत एयर–क्युइंटरयूवेटिंग लेरिंगल एयरवे की सुरक्षा एवं प्रभावकता की तुलनाः एक भविष्यसापेक्ष, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
36. सेप्सिस से पीड़ित गंभीर वयस्क रोगियों में पूर्वानुमानित मृत्युदर में सीरम न्यूक्लियोसोम्स एवं टिश्यू इनहिबिटर ऑफ मेटेलोप्रोटिनेस (टीआईएमपीआई) की तुलना।

37. रीनल प्रत्यारोपण हेतु क्वेडरेट्स लंबोरम ब्लॉक बनाम ट्रांसवर्स एल्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की संवेदनाहरण प्रभावकता की तुलनाः यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
38. बाल रोगियों में सीएमएसी मिलर ब्लेड साइज़ 1 एवं सीएमएसी में किन्टोश ब्लेड साइज़ 2 द्वारा इन्टयूबेट एवं इन्टयूबेशन स्थिति की तुलना–एक भविष्यसापेक्ष यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
39. विट्रो रेटिनल सर्जरी के अधीन बच्चों में दो संवेदनाहारी तकनीकियों की तुलनाः इन्हेलेशनल बनाम टीसीआई (टारगेट कंट्रोल्ड इन्फ्यूज़न)–एक यादृच्छिक पायलट क्लीनिक परीक्षण।
40. कलाई के वोलर एसपेक्ट में अल्ट्रासाउंड गाइडिड पृष्ठीय रेडियल आर्टरी कैन्युलेशन एवं कन्वेंशनल रेडियल आर्टरी कैन्युलेशन की तुलना।
41. घुटने के टयूमर्स की बायोप्सी के बाद पोस्ट ऑपरेटिव एनेल्जोसिया हेतु अल्ट्रासाउंड गाइडिड फीमोरो–साइटिका नर्व ब्लॉक बनाम एपिडयूरल एनेलजिसिया की तुलना–एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
42. 6 महीने से कम आयु के बच्चों में स्तनपान एवं फार्मूला गाय के दूध का सेवन कराने के बीच अल्ट्रासाउंड गाइडिड गैस्ट्रिक एंपटिंग की तुलना एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
43. हाई फिडिलिटी सिमुलेशन सिस्टम के मूल्यांकन के तौर पर मनीकिन बेस्ड स्किल लर्निंग के बाद सी–मेक वीडियों लेरिंगोस्कोप अथवा मैकिन्तोश लेरिंगोस्कोप के प्रयोग द्वारा एंडोथ्रेचियल इंटयूबेशन परफोर्मिंग में अप्रशिक्षित प्रयोगकर्ताओं की योग्यताः एक भविष्यसापेक्ष यादृच्छिक अध्ययन।
44. सामान्य संवेदनाहरण के अंतर्गत आपात लैप्रोटॉमी करा रहे रोगियों में ऑक्सीजिनेशन इंडेक्स एवं ऑक्सीजन परिपूर्णता इंडेक्स का सहसंबंधः एक भविष्य सापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
45. फेसेट आर्थेपेथी में डोर्सल रेयूस की अल्ट्रासाउंड गाइडिड मीडियल ब्रांच ब्लॉक निदानः फ्लूरोस्कोपी द्वारा तकनीकी मूल्यांकन एवं मान्यता।
46. भारतीय जनसमुदाय में एपिड्यूरल एवं स्पाइनल एनेस्थिसिया एवं एनेलजिसिया पर इसका प्रभाव तथा बच्चों में विभिन्न वर्टिब्रल लेवल्स पर स्पाइनल कोर्ड डिस्टेंस की अवधिः एक भविष्यसापेक्ष सी.टी. स्कैन आधारित अध्ययन।
47. गंभीर रुप से बीमार सेप्सिस के रोगियों में आईसीयू लेंथ कम करने हेतु विटामिन डी का शीघ्र प्रवेशनः यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
48. सामान्य संवेदनाहरण के तहत मेंडीबुलर सर्जरिस से गुजर रहे रोगियों में अतिरिक्त मुखी मेंडीबुलर ब्लॉक हेतु रोपिवेकेन के डेक्सामेथासोन की अतिरिक्तता का प्रभाव।
49. गंभीर रुप से बीमार रोगियों में नैदानिक परिणामों के कारण शरीर के वज़न में परिवर्तन का प्रभाव।
50. वृद्ध जनसमुदाय में ऑपरेशन के बाद अनुभूति समाप्ति पर डेक्सामेथासोन का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रण ट्रिपल ब्लाइंड परीक्षण।
51. बच्चों में डेसफ्लूरेन अथवा सेवोफ्लूरेन के बाद बेहोशी से निकलने तथा सुधार संबंधी पैरामीटर्स का प्रभावः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक यादृच्छिक अध्ययन।
52. पोल्वियासेटाबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में ट्रेनेइक्जामिक एसिड का विभिन्न खुराकों के परहेज़ का प्रभावः यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
53. नेत्र शल्यक्रिया से गुजर रहे बच्चों में लेरिंगियल मास्क एयरवे रिमूवल टाइम पर एन्ट्रॉपी गाइडिड लोफ्लो डेसफ्लूटेन संवेदनाहरण का प्रभावः एक भविष्यसापेक्ष, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
54. गंभीर रुप से अस्वस्थ मैकेनिकल वेंटिलेटिड रोगियों में स्केलेरल माल वेस्टिंग पर हाईप्रोटीन नार्मो–केलोरिक न्यूट्रिशन का प्रभावः एक यादृच्छिक डबल–ब्लाइंड अध्ययन।
55. प्रोपोफॉल द्वारा पोस्ट इंडक्शन हाइपोटेंशन संबंधी कारणों पर रोगी स्थिति का प्रभावः एक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण।
56. सामान्य संवेदनाहरण के तहत पेट के मुख्य ऊपरी भाग की शल्यक्रिया करवा रहे रोगियों में सांस लेने में बाधा होने पर सकारात्मक एवं श्वास संबंधी दबाव का प्रभाव–फेफड़े का अल्ट्रासोनोग्राफी संबंधी अध्ययन।

57. बाल जनसमुदाय में रेडियल आर्टरी नलिका प्रवेशन की सुविधा हेतु कलाई कोणीयकरण का प्रभावः अल्ट्रासाउंड गाइडिड एनाटॉमिकल मूल्यांकन।
58. सेप्टिक शॉक में हृदय गति नियंत्रण हेतु एंटीरियल अवाब्रेडिन की प्रभावोत्पादकता–एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
59. प्रशिक्षणार्थियों में वेंटीलेटर इंटरेक्शन्स रोगियों के मूल्यांकन तथा उपचार में मैकेनिकल वेंटीलेशन सिमुलेटर की प्रभावोत्पादकता।
60. लम्बोसेकल स्पाइन सर्जरी में पेरीऑपरेटिव एनेलजिसिया के तौर पर रेट्रोलेमीनर ब्लॉक की प्रभावोत्पादकताः एक यादृच्छिक नियंत्रण पायलट अध्ययन।
61. पेरीऑपरेटिव इन्फ्लेमेटरी साइटोकाइन्स अल्टरेशन्स एवं नैदानिक जटिलताओं पर रीजनल एनेस्थिसिया का प्रभाव।
62. आपात लेप्रोटोमी करवाने वाले वयस्क रोगियों में पोस्टऑपरेटिव ऑक्सीजिनेशन स्टेट्स पर डिक्रीमेंटल पीईईपी परीक्षण का प्रभावः एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
63. रीनल (गुर्दा) प्रत्यारोपण हेतु नियमित रोगियों में पेरी–ऑपरेटिव एनेलजिसिया हेतु इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक एंड क्वाड्रेड्स लंबोरम ब्लॉक की प्रभावकता–एक सिंगल ब्लाइंडिड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
64. बाल वंक्षण हर्निया सुधार में इलियोइनगुइनल एवं इलियोहाइपोगैस्ट्रिक नर्व ब्लॉक की दीर्घ अवधि में रोनिवैकेन सहित हेटास्टार्च की प्रभावकता–एक प्रारंभिक अध्ययन।
65. अल्ट्रासाउंड गाइडिड सुपरक्लेविकुलर ब्लॉक के टारगेट इंट्रा क्लस्टर एप्रोच में स्थानीय संवेदनाहारी (0.75 % रोपीवेकेन) की न्यूनतम प्रभावी वॉल्यूम का मूल्यांकनः एक भविष्यसापेक्ष, खुराक मूल्यांकन अध्ययन।
66. एआरडीएस से पीड़ित रोगियो में एनटीप्रो बीएनपी एवं ट्रोपोनिन I की सीरियल वेल्यू के प्रयोग द्वारा 28 दिन की मृत्यु दर की भविष्यवाणी का मूल्यांकन एवं तुलना।
67. बच्चों में भेंगापन शल्यक्रिया में ऑपरेशन के बाद वमन हेतु एक प्रिऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभाव का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रण अवलोकनात्मक ब्लाइंडिड परीक्षण।
68. आईसीयू में एसेस मसल्स वेस्टिंग की पद्धति के तौर पर एंटीरियर टेम्पोरेल मसल्स अल्ट्रासाउंड की संभाव्यता।
69. हीमोडायनेमिक्स एवं एनेस्थेटिक आवश्यकताओं हेतु फेंटाएनल बनाम डेक्समेडिटोडोमाइन इन्फ्यूज़न द्वारा सिर एवं गर्दन की फ्लैप सर्जरी की तुलना।
70. लेरिंगियल मास्क एयरवे प्लेसमेंट के मूल्यांकन हेतु फोक्सड एयरवे सोनोग्राफी (एफएएस): एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
71. आईसीयू रोगियों में फीड इंटोलरेंस सहित अल्ट्रासाउंड से संबंधित गैस्ट्रिक रेसिड्यूल वाल्यूम–एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
72. फियोक्रोमोसाइटोमा एवं पैरागैंगलियोनोमा के तहत प्रक्रियाधीन रोगियों में पेरीऑपरेटिव अवधि में लो डोज़ डिल्टिज़ेय इंफ्यूज़न के साथ अथवा बिना हीमोडायनेमिक प्रोफाइल।
73. नोवॉइस एनेस्थियालोजिस्ट्स द्वारा वास्तविक रोगियों पर एंडोथ्रेकियल इंटयूबेशन के परफोर्मेन्स पर ऑडियो क्यूस असिस्टिड लर्निंग का प्रभाव।
74. आइसोफ्लूरेन अथवा डेसफ्लूरेन के प्रयोग द्वारा सामान्य संवेदनाहरण के तहत ओपन सर्जरी कराने वाले वृद्ध रोगियों में पोस्टऑपरेटिव संज्ञानात्मक पतन की घटनाः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
75. विट्रो रेटिनल शल्यक्रियाओं के दौरान अपरिपक्वता संबंधी रेटिनोपेथी से पीड़ित नवजातों में समय से पूर्व अथवा समय से बहुत पहले अल्प सेरिब्रल ऑक्सीज़न सेचुरेशन के जोखिम भिन्न कारणों का मूल्यांकन एवं नियर इंफ्रा रेड स्पैक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) के इस्तेमाल द्वारा इंट्रा ऑपरेटिव मॉनीटरिंगः एक अवलोकनात्मक भविष्यसापेक्ष अध्ययन।
76. इलेक्टिव मेजर एब्डोमिनल सर्जरी करा रहे गैर–मधुमेही रोगियों की इंट्रॉऑपरेटिव ग्लायसेमिक स्थितिः एक बहुकेंद्रीय भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।

77. एम्बुलेटरी लेप्रोस्कोपिक गायनीकोलोनिकल शल्यक्रियाओं में बनाम प्रतिबंधित फ्लूड उपचारः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
78. गंभीर तौर पर बीमार सेप्सिस रोगियों में प्रिडिक्टिंग रोगी परिणाम हेतु मार्कर के तौर पर साइक्रो एल्बूमिनूरिया।
79. आपात लेप्रोटॉमी के अधीन पेरीटोनाइटिस से पीड़ित गैरमधुमेही रोगियों में पेरीऑपरेटिव रक्त शर्करा विविधाएंः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
80. लेटरल गर्दन के एक्स–रे में इस्तेमाल कठिन लिरिंगोस्कोपी एवं अरोथ्रेचल इन्टयूबेशन की भविष्यवाणीः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक डबल ब्लाइंड अध्ययन।
81. गंभीर फेब्राइल रोग में गहन उपचार कक्ष में भर्ती एवं मृत्युदर संबंधी प्रिडिक्शनः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
82. सर्जिकल ट्यूमर रिमूवल के तहत फियोक्रोमोसाइटोमा/पैरागैगिलोमा से पीड़ित रोगियों में इंफीरियर वेना कावा कोलोप्सिबिलिटी इंडेक्स द्वारा प्रिऑपरेटिव इंट्रावस्कुलर वॉल्यूम स्टेट्स मापन–एक भविष्यसापेक्ष कोहार्ट अध्ययन।
83. परफोरेशन पेरीटोनाइटिस हेतु आपात लेप्रोटॉमी करा रहे रोगियों में प्रिऑपरेटिव ब्लड लेक्टेट एवं लेक्टेट क्लीयरेंस का पूर्वानुमानित उल्लेखः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
84. सेप्सिस एवं सेप्टिक शॉक से गंभीर रुप से पीड़ित रोगियों में लाल रक्त कोशिकाओं के ट्रांसफ्यूज़न ट्रिगर का उल्लेखनीय पूर्वानुमान–भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
85. ट्रॉमा रोगियों में वेंटिलेटर से संबंधित परिस्थितियों एवं वेंटिलेटर से संबंधित संक्रामक जटिलताओं के जोखिम कारकों एवं परिणामों का भविष्यसापेक्ष मूल्यांकन।
86. गंभीर किडनी क्षति से पीड़ित गंभीर रुप से बीमार रोगियों के वोल्यूम ओवरलोडिड में फ्यूरोसेमाइड स्ट्रेस परीक्षण में स्पॉट यूरिन सोडियम की भमिका–एक भविष्यसापेक्ष अध्ययन।
87. बाह्यरोगी ट्यूबल लिगेशन में इंट्राथिकल संवेदनाहारी की अल्प खुराक की सुरक्षा एवं प्रभावकता।
88. अल्प प्रवाह (1 एल/मिन) द्वारा आइसोफ्लूरेन–एयर ऑक्सीज़न की न्यूनतम फ्लो एनेस्थिसिया (0.5 लि./मिन) सहित अथवा बिना नाइट्रोस ऑक्साइड तुलना में डेसफ्लूरेन की सुरक्षा, आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव–एक यादृच्छिक ओपन लेबल्ड सिंगल ब्लाइंडिड अध्ययन।
89. गहन उपचार यूनिट में सेप्सिस में डायग्नोस्टिक एवं प्रोग्नोस्टिक मार्कर के तौर पर सीरम प्रोकेल्सिटोनिन, इंटरल्यूकिन–6 एंड एस टर्म–1.
90. अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा लिवोसिमेंडन इन्फ्यूज़न द्वारा डायफ्रेगन कांट्रोक्टिलिटी का प्रभाव–एक सिंगल केंद्रीय यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रण परीक्षण।
91. इलेक्टिव ओपन पायलोप्लास्टी में बाल रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडिड क्वेड्ट्स लंबोरम ब्लॉक का पोस्ट ऑपरेटिव संवेदनाहारी एवं न्यूरोएंडोक्राइन दबाव प्रतिक्रिया का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
92. स्वतः श्वास समस्या के रोगियों में पोस्ट स्पाइनल संवेदनाहारी हाइपोटेंशन की भविष्यवाणी में ''केरोटिड आर्टरी करोक्टिड फ्लो टाइम, केरोटिड आर्टरी वेलोसिटी टाइम इंटिग्रल एवं केरोटिड आर्टरी पीक वेलोसिटी वेरिएशन की भूमिका का निर्धारण।`
93. सामान्य संवेदनाहारी के तहत थायरॉइड की शल्यक्रिया वाले रोगियों में वायलेटरल सुपरफिशियल सर्विकल पलेक्सस ब्लॉक द्वारा अल्ट्रासाउंड गाइडिड बायलेटरल इंटरमीडिएट सर्विकल फ्लेक्सस ब्लॉक की संवेदनाहारी से तुलना, प्रभावकता एवं सुरक्षा।
94. बच्चों में पोस्टऑपरेटिव इमरजेंस डेलीरियम के सीवोफ्लूरेन संवेदनाहारी एवं प्रभाव के दौरान फ्रंटल कोर्टक्स में अल्टर्ड सेरिब्रल रक्त प्रवाह के बीच सहसंबंध का निर्धारणः एक एफएनआईआर एस आधारित अवलोकनात्मक अध्ययन।
95. बच्चों में भैंगापन शल्यक्रिया में पोस्टऑपरेटिव वमन संबंधी प्रिऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभाव का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रण अवलोकनात्मक ब्लाइंडिड परीक्षण।

96. विभिन्न अर्बुदविज्ञान संबंधी वक्ष सर्जरी हेतु पेक्ट्रोल नर्व ब्लॉक्स (पीईसीएस I एवं II) में क्लोनिडाइन की विभिन्न खुराकों की सुरक्षा एवं प्रभावकता का मूल्यांकनः एक भविष्यसापेक्ष, तुलनात्मक, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
97. उन्नत आरओपी में क्रमिक तुरंत क्रमिक बाइलेटरल विट्रों रेटिनल सर्जरी (आईएसबीवीएस) के परिणामों का अध्ययन।
98. परफोरेशन पेरीटोनाइटिस हेतु आपात लेप्रोटॉमी कराने वाले रोगियों में प्रतिकूल परिणाम के भविष्यवक्ता तौर पर ब्रेकियल आर्टरी रिएक्टिविटी का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकनः भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
99. टोंसिलेक्टॉमी प्रक्रियाधीन बच्चों में टांसिलर वोल्यूम का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन, एप्रिडिक्टर ऑफ पोस्ट ऑपरेटिव मोरबिडिटी।
100. मोटे रोगियों में कठिन लेरिंगोस्कोपी में प्रिडिक्शन हेतु एयरवे का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन, अवलोकनात्मक पायलट अध्ययन।
101. बच्चों में विभिन्न ऊर्जा पदार्थों द्वारा क्लियर फ्लूड के गैस्ट्रिक रिक्तिकरण का अल्ट्रासाउंड निर्धारणः एक विकासात्मक परियोजना संबंधी अध्ययन।
102. मुख्य हिपेटोबाइलरी एवं लाइनोरीनल शंट सर्जरी में अल्ट्रासाउंड गाइडिड निरंतर इरेक्टर स्पाइने प्लेन ब्लॉकः एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
103. परकुटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में पोस्टऑपरेटिव संवेदनाहारी हेतु अल्ट्रासाउंड गाइडिड इरेक्टर स्वाइने प्लेन ब्लॉक–एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
104. वक्ष सर्जरी हेतु अल्ट्रासाउंड गाइडिउ सीजनल ब्लॉक्सः यादृच्छिक नियंत्रण परीयोजना अध्ययन में इरेक्टर स्वाइने प्लेन (ईएसपी), थोरेसिस पैरावर्टिब्रल (टीपीवीबी) एवं सेरेट्स एंटीरियर प्लेन (एसएपी) ब्लॉक की तुलना।
105. ऐसिटेबुलर फ्रैक्चर रिपेयर में एनेलजेसिया हेतु अल्ट्रासाउंड गाइडिउ सुपरेनगुइनल फेशिया इलियाका ब्लॉक।
106. गंभीर रुप से बीमार सेप्सिस रोगियों में प्रिडिक्टिंग गंभीर किडनी क्षति हेतु मार्कर के तौर पर यूरिन एल्बुमिन क्रिएटिनाइन अनुपात–एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. इलैक्टिव सीज़ेरियन सेक्शन से गुजर रहे पार्टुरिएंट्स में पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन के निवारण हेतु फिनाइलेफ्राइन बनाम नॉरपाइनेफ्राइन के प्रोफाइलेक्टिक इन्फ्यूज़न की प्रभावकता की तुलना–एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
2. बच्चों में ट्रैकियल इन्ट्यूबेशन डेप्थ गाइडिंग में प्रिडिक्टिव इक्वेशन्स की सटीकताः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
3. जन्मजात रूबेला सिन्ड्रोम से पीड़ित बच्चों में नेत्र शल्य प्रक्रियाओं हेतु संवेदनाहारी उपचारः एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
4. एल.एस.सी.एस. के दौरान प्रिडिक्ट पोस्टऑपरेटिव हाइपोटेंशन की गर्भवती रोगियों में इंफीरियर वेना कावा कोलेप्सिबिलिटी इंडेक्स (आईवीसीसीआई)।
5. मोटे रोगियों में फुफ्फुसीय क्रिया परीक्षण एवं कठिन वायुमार्ग के बीच सह–संबंध।
6. दिवस उपचार प्रक्रियाओं के दौरान कुपोषण एवं सीवोफ्लूरेन आवश्यकताओं तथा जागृत अवस्था का संबंध।
7. वयस्क कार्डिएक सर्जिकल रोगियों में गंभीर पोस्ट सर्जिकल दर्द हेतु बाइलेटरल इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉकः एक यादृच्छिक नियंत्रण परियोजना अध्ययन।
8. इलेक्टिव सर्जरी प्रक्रियाधीन रोगियों में सामान्य संवेदनाहरण के देने के बाद हाइपोटेंशन के प्रिडिक्शन के लिए पीक ब्लड फ्लो वेलिसिटी के केरोटिड आर्टरी करेक्टिड फ्लो टाइम एवं श्वास संबंधी विविधताएंः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
9. भारत में तीसरे उपचार अस्पताल में वयस्क गहन उपचार एकक के क्लीनिकल पृथकीकरण का नैदानिक परिणाम, सूक्ष्मजैव विज्ञानी स्पैक्ट्रम एवं एंटीबायोटिक संदेहास्पदता।

10. हृदय शल्यक बाल रोगियों में ऑपरेशन के बाद थोरेकोटॉमी दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडिड सिरोसिस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक, पीईसीएम ब्लॉक एवं इंटरकोस्टल नर्व ब्लॉक की तुलना।
11. संवेदनाहारी बच्चों में इंट्राऑक्यूलर प्रेशर चेंज विद् फसमास्क बनाम लेरिंगियल मास्क की तुलना।
12. लेप्रोस्कोपिक स्त्रीरोग विज्ञान संबंधी शल्यक्रिया में ओपिओइड आधारित एवं ओपीयोइड मुक्त टीआईवीए की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
13. बाल रोगियों में सीएमएसी मिलेर ब्लेड साइज़ 1 एवं सीएमएसी मैकिन्टोश ब्लेड साइज़ 2 द्वारा इंटयूबेट समय एवं इंट्यूबेशन दशाओं की तुलना–एक भविष्यसापेक्ष नियंत्रण अध्ययन।
14. दिवस उपचार प्रक्रिया के तौर पर संवेदनाहरण के तहत नेत्र जांच परीक्षण के अधीन बाल रोगियों में ऑपरेशन से पूर्व फास्टिंग एवं आपात उन्माद अवस्था की अवधि के बीच सह–संबंधः एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
15. मौक्सिलोफेशियल सर्जरी के रोगियों में एक्स्ट्रा ओरल मेंडीबुलर नर्व ब्लॉक में शेपिवेकेन से संबद्ध पोस्ट ऑपरेटिव एनेलजेसिया में डेक्सामेथासोन की प्रभावकता का निर्धारण।
16. वेंटीलेटर एसोसिएटिड निमोनिया में यकृत अल्ट्रासाउंड का नैदानिक प्रदर्शन।
17. बाल रोगियों में कैल्शियम ग्लूकोनेट के सह प्रवेशन में नियोस्टिगमाइन सहित एवं नियोस्टिगमाइन रहित तथा न्यूरोमस्कुलर ब्लॉकेड रिकवरी के बीच तुलनात्मक प्रभाव हेतु डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
18. सामान्य संवेदनाहरण के तहत मेंडीबुलर शल्याक्रियाओं से गुज़र रहे रोगियों में एक्स्ट्रा ओरल मेंडीबुलर नर्व ब्लॉक हेतु रोपिवेकेन हेतु डेक्सामेथासोन का अतिरिक्त प्रभाव।
19. बच्चों में सीवोफ्लूरेन संवेदनाहारी अथवा डेस्फ्लूरेन के बाद आपात उन्माद अवस्था एवं सुधार संबंधी पैरामीटर्स पर डेक्समेडेटोमाइडाइन का प्रभाव।
20. इलेक्टिव नेत्र संबंधी शल्यक्रिया के अधीन बच्चों में सीरम कॉर्टिसोल लेवल एवं पेरीऑपरेटिव हीमोडायनेमिक्स पर डेक्सेमेडेटोमाइडाइन का प्रभाव–एक भविष्यसापेक्ष, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
21. लेप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी कराने वाले रोगियों में पेरीऑपरेटिव एनेलजिसिया इनफ्लेमेटरी मार्कर संबंधी लो डोज केटामाइन का प्रभाव–एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
22. सेप्टिक शॉक में हृदय पर नियंत्रण हेतु इंटेरल इवेब्रेडाइन की प्रभावोत्पादकता–एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
23. बच्चों में कॉडल संवेदनाहारी के सप्लीमेंटेशन हेतु डेक्समेडेटोमाइडाइन इंट्राविनस एकल खुराक का प्रभाव–एक भविष्यसापेक्ष यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
24. आपात लेप्रोटॉमी के अधीन वयस्क रोगियों में ऑपरेशन के बाद ऑक्सीजिनेशन स्थिति पर डिक्रिमेंटल पीईईपी की प्रभावकताः एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
25. पीएलआर हेतु स्ट्रोक वोल्यूम परिवर्तन (डेल्टा एसवी %) इकोकार्डियाग्राफी गाइडिड के साथ टू पेसिव लेग राइज़िंग (पीएलआर) के प्रिडिक्टर के तौर पर लेफ्ट वेंटीकुलर आऊटफ्लो ट्रेक्ट वेलोसिटी टाइम इंटिगुल (एलवीओटीवीटीआई) एवं केरोटिड आर्टरी वीटीआई का प्रभाव।
26. गंभीर सर्कुलेटरी फेलियर मुं प्रिडिक्टिंग फ्लूड रिस्पोंसिवनेस हेतु एंड सक्सपाइरेटरी ऑक्लयुज़न परीक्षण एवं मिनी फ्लूड चैलेंज।
27. सेप्सिस में हीथेटोलाॢसिजकल सिस्टम के सेल्युलर घटकों की एपिडिमियोलॉजी एवं प्रोग्नोस्टिक उपयोगिता।
28. गंभीर श्वास संबंधी असफलता हेतु सिंक्रोनाइज़्ड अनिवार्यता संवाहन एवं रोगी द्वारा प्रेशर रेबुलेटिड वॉल्यूम कंट्रोल्ड डायाफ्रेगमेटिक मसल्स मास का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
29. रेटिनाब्लास्टोमा में अल्ट्रासाउंड बायोमाईक्रोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन।
30. सामान्य संवेदनाहरण के तहत इलेक्टिव सर्जरी की महिला रोगियों में अनुमानित हाइपोटेंशन प्रोपोफॉल पर प्रिऑपरेटिव उत्तेजना का प्रभाव।
31. सामान्य संवेदनाहरण के तहत इलेक्टिव सर्जरी के अधीन बच्चों में अनुमानित हाइपोटेंशन प्रोपोफॉलयर ऑपरेशन पूर्व चिंता का प्रभाव।

32. आइसोफ्लूरेन अथवा डेसफ्लूरेन के प्रयोग द्वारा सामान्य संवेदनाहरण के तहत ओपन सर्जरी के अधीन वृद्ध रोगियों में ऑपरेशन के बाद कोजनिटिव डिक्लाइन का प्रभावः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
33. प्रिडिक्टिंग बिनिंग सक्सेस एंड एक्सटयूबेशन के लियर में इंटिग्रेटिड अल्ट्रासाउंड प्रोटोकॉलः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन।
34. प्रसूति संबंधी प्रसवोन्मुख में घुटना–छाती की स्थिति एवं सुबेराकोएड ब्लॉक ऑनसेटः एक आरसीटी
35. गंभीर रुप से बीमार में निदान हेतु यकृत अल्ट्रासाउंड एवं वेंटिलेटर एसोसिएटिड निमोनिया।
36. वयस्क रोगियों में पेल्वेशन मेथड बनाम अल्ट्रासाउंड निदेशित डोरसिल्स पेडिस आर्टरी (डीपीए) कैन्युलेशन पद्धतिः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
37. रीनल प्रत्यारोपण सर्जरी के अधीन रोगियों में निरंतर क्वेड्रेटस लेबोरम ब्लॉक अथवा निरंतर ट्रांसवर्सिस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की पेरीऑपरेटिव एनलजेसिक प्रभावकताः एक यादृच्छिक डबल–ब्लाइंड नियंत्रित अध्ययन।
38. भारत में तृतीय स्वास्थ्य केंद्र में मुख्य पेल्विक सर्जरी के अधीन रोगियों में पेरीऑपरेटिव परिणामः एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
39. स्त्री रोगी संबंधी अर्बुद विज्ञान शल्यक्रिया में ओपन लाइन चीरे हेतु ऑपरेशन के बाद संवेदनाहारीः अल्ट्रासाउंड गाइडिड बाइलेटरल रेक्टस शीथ ब्लॉक विद् मल्टीमॉडल एनेलजिसिया वर्सिस इंट्राथेकल मार्फीन।
40. वयस्क रोगियों में डिस्टल रेडियल आर्टरी कैनुलेशन की सफलता दरः एक भविष्यसापेक्ष कोहार्ट सर्जरी।
41. सेप्टिक शॉक द्वारा पुनर्जीवन के दौरान पीसीवीसीओ2–पीएसीओ2 / सीएओ2–सीसीवीओ2 अनुपात बनाम सीरम लेक्टेट का टेम्पोरल मूल्यांकन।
42. इलेक्टिव ओपन पाइलोपथी के रोगियों में ऑपरेशन के बाद संवेदनाहारी एवं न्यूरोइंडोक्राइन स्ट्रैस प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड गाइडिड क्वेड्रेट्स लंबोरम का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
43. ऑपरेशन के बाद दर्द नियंत्रण हेतु टेम्पोरोमेंडीबुलर ज्वाइंट एंकलायोजिस सर्जरी में स्थानीय एनेस्थेटिक घाव इंफिलटरेशन की प्रभावकता का मूल्यांकनः यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
44. सामान्य संवेदनाहरण के तहत संपूर्ण कूल्हें की आर्थोप्लोस्टी के तहत प्रक्रियाधीन रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडिड सोर्स कंपार्टमेंट ब्लॉक द्वारा अल्ट्रासाउंड गाइडिड निरंतर क्वेड्रेट्स लंबोरम के बीच पोस्टऑपरेटिव एनेलजेसिया की तुलना।
45. सेंट्रल वीनस केबेटर वाया एक्सीलरी वेन कैन्युलेशन हेतु ऑप्टिमल लेंथ का निर्धारण।
46. मैकेनिकली वेंटीलेटिड रोगियों में केयर प्रोटोकॉल के मानक डेलीरियम मूल्यांकन के प्रभाव में कमी हेतु एक नवीन आईसीयू डिलीरियम प्रिवेंशन बंडल के क्रियान्वयन का निर्धारण।
47. वयस्क वृक्क प्रत्यारोपण ग्राहियों में अल्ट्रासाउंड गाइडिड ट्रांसवर्सिस एब्डोमिनिस पलेन ब्लॉक में रोपिवेकेन से सह–संबंध क्लोनिडाइन की प्रभावकता का अध्ययनः एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
48. ट्रंक आधारित फ्लैप सर्जरी की प्रक्रियाधीन रोगियों में सीरेट्स एंटीरियर प्लेन ब्लॉक की प्रभावकता संबंधी अध्ययनः एक पायलट अध्ययन।
49. लंबोसेक्रल रेडिकुलर दर्द में स्थानीय संवेदनाहारी एवं डोर्सल रूट गैंगलिन प्लस्ड रेडियोफ्रीक्वेंसी उपचार का ट्रांसफॉर्मिनल एपिड्यूरल इंजेक्शन–एक यादृच्छिक, ट्रिपलब्लाइंड, एक्टिव कंट्रोल परीक्षण।
50. मोटे रोगियों में असाध्य लेरिंगोस्कोपी की प्रिडिक्शन हेतु वायुमार्ग का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकनः एक प्रत्याशित अवलोकनात्मक अध्ययन।
51. बच्चों में विभिन्न उर्जा घटकों द्वारा क्लियर फ्लूड के गैस्ट्रिक एंपटिंग का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकनः एक क्रॉसओवर परियोजना अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द का प्रभाव और जोखिक कारकः एक भविष्यसापेक्ष अवलोकनात्मक अध्ययन, स्त्रीरोग एवं प्रसूति विज्ञान।
2. सौम्य थाइरॉइड सूजन, से पीड़ित रोगियों में हेमीथाइरॉइडेक्टॉमी हेतु ट्रांस ओरल वेस्टिबुलर एक्सिलो–ब्रेस्ट एप्रोच की सुरक्षा एवं परिणाम की तुलना हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। सर्जिकल डिसिप्लीन।
3. ट्राइजेमिनल न्यूरेलेजिया में ऑफसेट एनेलजिसिया का एक अध्ययन, भौतिक विज्ञान।
4. इन–विट्रो–फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र प्रक्रियाधीन रोगियों में मनोवैज्ञानिक दबाव एवं एआरटी परिणामों पर संबद्ध योग का प्रभावः एक भविष्यसापेक्ष यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, मनोचिकित्सा, सीआईएमआर।
5. इलेक्टिव सर्जरी हेतु निर्धारित रोगियों के निरस्तीकरण का कारण संबंधी अध्ययन।
6. संपूर्ण लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी के बाद पोस्ट ऑपरेशन हेतु बुपीवेकेन द्वारा वेजाइनल वाल्ट इंफिल्टरेशन का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान।
7. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद दर्द उपचार में सुधारः एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन, सामान्य शल्यक्रिया।
8. एंकीलोसिस एवं मेंडीबुलर डिस्ट्रेक्शन के एक साथ प्रवाह में फेरिंगियल एयरवे वोल्यूम एवं मेंडीबल की लंबाई में सुधार संबंधी मूल्यांकन हेतु एक भविष्यसापेक्ष अध्ययन। मेक्सिलोफेशियल सर्जरी।

पूर्ण

1. अ.भा.आ.सं. के गहन उपचार यूनिट में कार्यरत नर्सों के ज्ञान एवं योग्यता संबंधी सुनियोजित अनुकरण शिक्षण की प्रभावकता का निर्धारण संबंधी अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग।
2. सामान्य संवेदनाहरण के तहत दंत शल्यक्रिया में ऑपरेशन के बाद दर्द में आराम हेतु एक एकल प्रि–ऑपरेटिव प्रिएंप्टिव डोज़ ऑफ इंटोरिकोक्सिब का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक, भविष्यसापेक्ष डबल ब्लाइंडिड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, मेक्सिलो फेशियल सर्जरी।
3. गाइनिकोमेस्टिया में सबकुटेनियस मास्टेक्टॉमी द्वारा लियोसक्शन कंबाइन्ड की भूमिका, प्लास्टिक रिकंस्ट्रक्शन एंड बर्न सर्जरी।
4. ट्राइजेमिनल न्यूरेलेजिया में कंडीशन्ड पेन मोडुलेशन का अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान।
5. भारत में तृतीय उपचार केंद्र में इन्हेन्सड रिकवरी ऑफ्टर सर्जरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल में रेडिकल सिस्टेकटॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में अस्पताल में रहने की अवधि, पेरीऑपरेटिव परिणामों एवं जटिलताओं की तुलना हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मूत्र रोग विज्ञान।
6. सीज़ोफ्रेनिया एवं पार्किन्सन रोग के डोपामाइन डिक्टेटिड स्टेट्स में प्रोटीन सिग्नेचर्स की पहचान हेतु सीएसएफ का प्रोटिया प्रोटियामिक्स। जैवभौतिकी विज्ञान।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 59 **सार : 2** **पुस्तकों में अध्याय : 10** **पुस्तकें : 3**

रोगी उपचार

इलेक्टिव एवं आपात सर्जरी हेतु संवेदनाहारी सेवाएं प्रदान की जाती है। इसके अलावा, इंडोस्कोपी, विकिरण विज्ञान, एमईसीटी इत्यादी सहित कई पेरीफेरल क्षेत्रों में भी सुविधाएं प्रदान की जाती है। इन सुविधाओं से लाभान्वित रोगियों की विस्तृत सूची निम्नानुसार हैः–

पीड़ा निदानालय

नए रोगी						पुराने रोगी				
पुरूष	महिला	बच्चे (पु.)	बच्चियां (स्त्री)	वार्ड	कुल	पुरूष	महिला	बच्चे (पु.)	बच्चियां (स्त्री)	कुल
468	497	3	5	67	1,040	1,557	1,512	12	21	3,102

विशेषताएं		रोगियों की संख्या
जठरांत्र शल्य चिकित्सा		412
शल्य चिकित्सा		3,128
दंत शल्य चिकित्सा (सीडीईआर)		506
प्लास्टिक सर्जरी		309
मूत्ररोग विज्ञान		1471
नाक, कान व गला		1162
स्त्रीरोग विज्ञान		1349
बाल शल्य चिकित्सा		1528
अस्थिरोग विज्ञान		4688
प्रसूति ओ.टी.		2923
आईवीएफ ओ.टी.		602
ऑप्थेलमिक ओटी	रुटीन + ईयूए	5720
	आपात चिकित्सा	1667
	आरपीसीयूएसजी	2990
	एमएसी	485
	कुल	10862
आपात	रोगी	4400
	कॉल	1699
आईसीयू	कुल	736
	पिछले महीने में शेष	88
	नई भर्ती	648
	अस्पताल से छुट्टी	517
	मृत्यु	127
फुफ्फुसीय सेवाएं	1. एमआरआई	424
	2. एमईसीटी	696
	3. सीटी स्कैन	837
	4. अन्य विकिरण विज्ञान संबंधी सेवाएं (डीएसए,आरएफए, लिथोट्रिप्सी)	271
	5. जीआई इंडोस्कोपी	1129
पीड़ा ओ.टी.		685

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

विभागीय उपलब्धियां

विभाग की रेजीडेन्ट्स टीम को 11वें आईएपीए सम्मेलन के भाग के रुप में आयोजित प्रश्नोत्तरी में प्रथम और द्वितीय पुरस्कार मिला। डॉ. रंजीता, जूनियर रेजीडेन्ट्स ने 11वें आईएपीए सम्मेलन में ई–पोस्टर कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. लिपिका, कनिष्ठ रेजीडेन्ट्स ने दिनांक 12–15 सितम्बर, 2018 को ईएसआरए, आयरलैंड में आईसीएमआर यात्रा अनुदान प्राप्त किया; बेस्ट फ्री पेपर में अपना अध्ययन प्रस्तुत किया; डॉ. अलका, सीनियर रेजीडेन्ट्स ने मार्च, 2018 में प्रथम एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस में सीनियर रेजीडेन्ट्स वर्ग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। विभाग ने ''एम्स गोट टेलेंट'' प्रतियोगिता में विविध पुरस्कार प्राप्त किए। डॉ. अभिषेक, क्रिस्टोफर एवं सायन ने वाद्य संगीत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। ''एम्स गोट टेलेंट'' प्रतियोगिता में ग्रुप संगीत एवं ग्रुप नृत्य में पहले तीन स्थान पर उत्कृष्ट कलाकार के तौर पर विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया। डॉ. अभिषेक को एकल संगीत श्रेणी में अंतिम तौर पर चुना गया।

प्रो. अंजन त्रिखा को इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की शैक्षिक समिति का सदस्य नामित किया गया; प्रसूति संवेदनाहरण विज्ञानी एवं गहन उपचार के प्रकाशन का मुख्य संपादक नामित किया गया।

प्रो. माया देहरान ने मई, 2018 में 10 दिन की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान एमएसएससीएच ब्यास (पंजाब) के संवेदनाहरण विभाग में संवेदनाहारी संबंधी सेवाएं प्रदान की; जून 4–9, 2018 को ग्रीष्म अवकाश के दौरान एक हफ्ते के लिए जून में सिकंदरपुर अस्पताल में अस्थिरोग शल्य रोगियों को संवेदनाहारी सेवाएं प्रदान की; सभी रविवार को केवल एम्स में सप्ताहांत ड्यूटी के अतिरिक्त राधा स्वामी सत्संग, दिल्ली भाटी केंद्र में भाटी औषधालय में 13 दिनों तक लगभग 6–7 लाख लोगों के भारी जनसमुदाय को जनरल ओ.पी.डी. सेवाएं प्रदान की उन्हें ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं हास्पिटल, फरीदाबाद, हरियाणा में सहायक एवं सह–आचार्य के साक्षात्कार के लिए चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य के तौर पर आमंत्रित किया गया।

प्रो. गंगा प्रसाद डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली मे एनेस्थेसिया इक्वामेंट फॉर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च इन न्यू दिल्ली की विशिष्ट समिति के सदस्य रहे, एनेस्थिसिया इक्वामेंट्स, नई दिल्ली की ब्यूरों ऑफ इंडियन स्टैण्डर्ड (बीआईएस) के सदस्य; गर्वमेंट ई–मार्केटिंग (जीईएम) में एनेस्थिसिया इक्वामेंट की विशिष्ट समिति के सदस्य; एम्स में ड्राफ्टिड एंड इनिशिएटिड बी.एससी. (ओ.टी. टेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रम के सदस्य; नार्थ एमसीडी, नई दिल्ली के सहायक आचार्य के भर्ती हेतु साक्षात्कार समिति के विषय विशेषज्ञ; 7 एवं 8 अप्रैल 2018 में जयपुर में आरएसएसीपीसीओएन 2018 में ई–पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक; 9 फरवरी 2019 को नई दिल्ली में एलएपीए 2019 में ई–पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक रहे। एम्स के 63वें स्थापना दिवस प्रतियोगिता में केंद्रीय कार्यशाला प्रभारी के तौर पर उत्कृष्ट प्रदर्शनी हेतु प्रशस्ति पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रो. विम्मी रेवाड़ी ने विलनियस, लितुआनिया में 25–27 अक्टूबर 2018 को आयोजित इंटेसिव केयर एंड पेन मैनेजमेंट की 9वीं अंतर्राष्ट्रीय बाल्टिक कांग्रेस ऑफ एनेस्थिसियालॉजी में पोस्टर प्रस्तुति की तथा उन्हें ''पेरीऑपरेटिव'' कैटेगरी में उत्कृष्ट पोस्टर के लिए सम्मानित किया गया; उन्हें मौखिक प्रस्तुति के लिए भी चुना गया तथा उत्कृष्ट मौखिक प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया; उन्होंने दिनांक 6 से 8 अप्रैल 2018 में जयपुर में आयोजित ''नेशनल कांफ्रेंस ऑफ रिसर्च सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियालॉजी क्लीनिकल फार्माकोलोजी'' पर तीन व्याख्यान की तुलना हेतु अध्यक्ष चुना गया; गुरूग्राम दिल्ली एनसीआर, भारत में 6 से 8 अप्रैल 2018 में आयोजित ''चौथे अंतर्राष्ट्रीय लिवर संगोष्ठी'' में लिवर प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता सर्जरी में एल्बुमिन का कोई स्थान नहीं नामक संगोष्ठी के प्रो–कॉन सत्र की अध्यक्षता की; 8 से 10 फरवरी 2019 में एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडिएट्रिक एनेस्थिसियोलॉजिस्टस (आईएपीए 2019) के 11वें वार्षिक सम्मेलन में मौखिक लेख सत्र की अध्यक्षता की; गुरूग्राम दिल्ली एनसीआर भारत में दिनांक 30–31 मार्च 2019 को अपोलो एलटीएचपीएस कॉन्क्लेव 2019 में आयोजित'' लिवर प्रत्यारोपण सर्जरी में टीईई का नियमित प्रयोग किया जाना चाहिए। प्रो–कॉन सत्र की अध्यक्षता की; वह जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, में एनेस्थिसिया एवं गंभीर उपचार में मॉनिटरिंग हेतु संपादकीय त्रिखा ए., सिंह पी.एम. सहित सह–संपादकीय रहे।

प्रो. रविन्द्र कुमार पांडे 4–7 अक्टूबर 2018 में मालदीब में अल्ट्रासाउंड निदेशित पेरीफेरल तंत्रिका अवरोध एवं असाध्य वायुमार्ग उपचार पर गठित स्थानीय संवेदनाहरण कार्यशाला पर आयोजित कार्यशाला के मुख्य सह–संचालक थे; वर्कशॉप ऑन अल्ट्रासाउंड गाइडिड पेरीफेरल नर्व ब्लॉक एंड डिफिकल्ट एयरवे मैनजमेंट, 4–7 अक्टूबर 2018, संवेदनाहरण विभाग, आईजीएम अस्पताल, माले, मालदीव्स; दिनांक 17–19 अक्टूबर 2018 में कांफ्रेंस हॉल गवर्मेंट हॉस्पिटल, जाफना, श्रीलंका में ''अचीविंग क्लीनिकल एक्सीलेंस इन वेन मेडिसिन इन श्रीलंका'' में आयोजित वार्षिक शैक्षिक सत्र, अल्ट्रासाउंड गाइडिड हेन्ड्स ऑन वर्कशॉप ऑन पेरीफेरल नर्व ब्लॉक के मुख्य सह–संचालक रहे।

प्रो. रश्मि रामचंद्रन दिनांक 3 मार्च 2019 को सिमुलस–4 सम्मेलन के पार्ट के तौर पर एम्स, दिल्ली में आयोजित सिमुलेशन हेकेथन में द्वितीय पुरस्कार के विजेता रही; उन्हें पेडीस्टार्स (पीडिएट्रिक सिमुलेशन ट्रेनिंग एंड रिसर्च सोसाइटी) भारत द्वारा लेवल–3 सर्टिफाइड सिमुलेशन ट्रेनर एट सिमुलस–4 से सम्मानित किया गया; द्वितीय पुरस्कार विजेता, सेट फेसिलिटी, पोस्टर एट इंस्टीट्यूट डे, मेडिसिन की स्थायी राष्ट्रीय समिति (एनएनसीएम) की सदस्य तथा स्वच्छता एवं अन्य स्वास्थ्य उपचार उत्पादों की उप–समिति की सदस्य रही।

डॉ. दालिम कुमार बैद्य एम्स द्वारा नई दिल्ली में 17–20 अक्टूबर को आयोजित प्रथम एम्स एनोस्थिसियालॉजी पोस्ट ग्रेजुएट असेम्बली 2018 के आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी रहे; जरनल ऑफ एनेस्थिसियालॉजी क्लीनिकल फार्माकोलोजी के जरनल ऑफ क्लीनिकल एनेस्थिसिया के समीक्षक; द इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम के संपादकीय बोर्ड सदस्य; दिनांक 21–22 जुलाई 2018 को एम्स, नई दिल्ली में मैकेनिकल वेंटिलेशन पर आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा के आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी रहे।

डॉ. पुनीत खन्ना दिनांक 8–10 नवम्बर 2018 को कोरियन एनेस्थिसिया में 1000 यूएसडी हेतु सिओल, कोरिया में लेख प्रस्तुति के लिए कोरियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसिया से अनुदान प्राप्त किया; बैंकॉक, थाइलैंड में 17 से 20 अगस्त, 2018 को एएसपीए–2018 में एएसपीए (एशियाटिक सोसाइटी ऑफ पीडिएट्रिक एनेस्थिसिया) में लेख प्रस्तुति हेतु द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया; 28 फरवरी से 03 मार्च, 2019 विसलर बीसी में 9वें वार्षिक विसलर एनेस्थिसियालॉजी सत्र में पोस्टर प्रस्तुति हेतु द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. देबेश भोई 6–8 अप्रैल, 2018 में एक एस.एम.एस., जयपुर में ''यूएसजी इन हैन्ड्स ऑफ एनेस्थिसियालॉजिस्टस'' आरएसएसीपीसीओएन हेतु वर्कशॉप फैकल्टी रहे; एडवांस रीजनल एनेस्थिसिया वर्कशॉप कम सीएमई 1–2 सितम्बर 2018, हेल्थवर्ल्ड हॉस्पिटल, दुर्गापुर; वर्कशॉप फैकल्टी फॉर द यूएस गाइडिड रीजनल एनेस्थिसिया एंड सीवीसी एक्सेस, साऊथ जोन आईएसएसीओएन 2018, सितम्बर 2018, एस.वी. मेडिकल कॉलेज, तिरुपति; वर्कशॉप फैकल्टी फॉर अल्ट्रासाउंड गाइडिड रीजनल एनेस्थिसिया, सीयूएसए, कांप्रिहेंसिव सिम्पोसियम ऑन यूएस फॉर एनेस्थिसियोलॉजिस्ट्स; वर्कशॉप फैकल्टी फॉर पीडिएट्रिक रीजनल एनेस्थिसिया वर्कशॉप, आईएपीए 2019, 8–10 फरवरी, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. बिकाश रंजन रे ने ला पिटी सेलपेट्रियेरे यूनिवर्सिटी पेरिस, फ्रांस में ईसीएमओ डिप्लोमा प्राप्त किया; एम्स, नई दिल्ली में आईएपीए 2019 में पोस्टर प्रस्तुति हेतु प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया; उन्हें 17 में 20 अगस्त को थाइलैंड, बैंकॉक में एएसपीए (एशियाटिक सोसाइटी ऑफ पीडिएट्रिक एनेस्थिसिया) में पोस्टर प्रस्तुति हेतु सह–लेखक के तौर पर द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. राहुल कुमार आनंद को फ्लूड इलैक्ट्रोलाइट एसिड बेस डिसआर्डर में मार्च 2019 को अद्यतन हेतु आर्गेनाइज़िंग सेक्रेटरी चुना गया।

डॉ. सौविक मैत्रा को सेंटाइनल रिव्यूवर, हेल्थ रिसर्च यूनिट मेकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा, चुना गया।

डॉ. मनप्रीत कौर को 1–2 दिसंबर 2018 को एम्स, नई दिल्ली में अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थिसियोलॉजिस्ट (सीयूएसए), पर व्यापक संगोष्ठी में संकाय चुना गया; 8–9 दिसंबर 2018 एम्स, नई दिल्ली में एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स (इंटर–एक्टिव एंड स्किल डेवलपमेंट कोर्स) में संकाय चुना गया; उन्होंने इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडिएट्रिक एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के दसवें वार्षिक सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया; पीओसीयूएस, 8 फरवरी 2019 को जेपीएनए, ट्रॉमा सेंटर, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडिएट्रिक एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के 10वें सम्मेलन की कार्यशाला का संचालन किया।

डॉ. तिलका मुथैय्या दिनांक 27–31 दिसंबर 2018 को एम्स जोधपुर में सोसाइटी ऑफ अल्ट्रासाउंड एनेस्थिसिया के 7वें वार्षिक सम्मेलन में संकाय चुने गए; 1–2 दिसंबर 2018 को एम्स कांप्रिहेंसिव सिम्पोज़ियम ऑन अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थिसियोलॉजिस्ट्स (सीयूएसए) में संकाय रहे। बीएलएस हेतु प्रशिक्षण में संकाय; एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स (इंटरएक्टिव एंड स्किल डेवलपमेंट कोर्स) में संकाय; 8–9 दिसंबर 2018; एम्स, नई दिल्ली; 8 फरवरी 2019 को एम्स, नई दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडिएट्रिक एनेस्थिसियोलॉजिस्ट्स के 11वें वार्षिक सम्मेलन में पीडिएट्रिक डिफिकल्ट एयरवे मैनेजमेंट पर आयोजित कार्यशाला में संकाय रहे।

9-2 'kjhjjpuk foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

टी.एस. रॉय

आचार्य

ए. शरीफ	पुष्पा धर	एस. बी. रे
रीमा दादा	अरुंधती शर्मा (जेनेटिक्स)	रेणु ढींगरा
टी.सी. नाग (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)		रितु सहगल

सह आचार्य

सरोज कालेर

सहायक आचार्य

टोनी जॉर्ज जैकब	नीरजा रानी
सीमा सिंह	एस.सी. यादव

विशिष्टताएं

150 विद्यार्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के साथ, भारत में अपने प्रकार का प्रथम स्टूडेंट्स डिजिटल हिस्टोलॉजी लेबोरेटरी की स्थापना और शुभारंभ निदेशक, आचार्य रणदीप गुलेरिया द्वारा 8 अगस्त 2018 को किया गया। इसके साथ, 100 से अधिक व्यक्ति/विद्यार्थी क्रमशः अपने सम्बंधित कार्यक्षेत्रों में स्लाइडों को देखने में समर्थ होंगे। शिक्षण संकाय सभी विद्यार्थियों को एक साथ मार्गदर्शन देने में समर्थ होंगे और वे उसी समय विद्यार्थियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से उठाये गए प्रश्नों का समाधान करने में भी समर्थ होंगे।

अपने फैकल्टी और रेजीडेंटों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एम्स के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित कई मृतप्रायः कार्यशालाओं को विभाग के फैकल्टी द्वारा सुविधाएँ प्रदान की गयी है।

विभाग के संकाय सदस्यों ने देश और विदेश में भी आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किये हैं। शिक्षण कार्य के अतिरिक्त, संकाय सदस्य और उनके विद्यार्थी ग्रॉस एनाटोमी, न्यूरोसाइंसेज, एम्ब्रायोलॉजी और जेनेटिक्स के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसन्धान में जुटे हुए थे और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बैठकों और अधिवेशनों में अपने शोधकार्यों को प्रस्तुत किया। फैकल्टी ने अपने रुचि के अनुसन्धान में अतिरिक्त बाहरी अनुदान की सफल प्राप्ति की दिशा में भी कार्य किया है और सहकर्मी द्वारा समीक्षा किये गए सूचीबद्ध पत्रिकाओं में भी इनका प्रकाशन करवाया है।

संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों में कार्य किया है और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के पांडुलिपियों एवं कई सरकारी निधि प्रदान करने वाले अभिकरणों के परियोजना प्रस्तावों के लिए समीक्षकों के रूप में भी कार्य किया है।

विभाग द्वारा शव-संरक्षण लेपन सुविधाओं, विभिन्न चयापचय विकारों के लिए नैदानिक परीक्षण, आनुवांशिक परीक्षणों और परामर्श सेवाओं सहित, रोगी देखभाल सेवाएँ प्रदान की गयी है।

शिक्षा

विभाग ने बीएससी में दो नए पाठ्यक्रमों के लिए एनाटोमी कक्षाओं का आयोजन किया है जिसमें बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट पाठ्यक्रम (डीओआरए) और बीएससी डेंटल हाइजीन पाठ्यक्रम (डीएच) सम्मिलित हैं।

दिल्ली से बाहर के विद्यार्थियों ने विभाग में आनुवांशिकी और इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण से लाभ उठाया है। संकाय के कई सदस्यों ने जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एमएससी न्यूरोसाइंसेज पाठ्यक्रम के लिए सहायक फैकल्टी के रूप में कार्य किया।

आयोजित कार्यशालाएं

1. आईबीआरओ-एपीआरसी स्कूल**, 23** अक्टूबर से **2** नवंबर **2018,** नई दिल्ली

2. तीसरी एशियाई और अफ्रीकी स्टीरियोलॉजी कांग्रेस**, 20** दिसंबर **2018,** नई दिल्ली

विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित कार्यशालाओं के संचालन में एनाटॉमी विभाग द्वारा सुविधा

1. ऑर्थोपेडिक्स, तीसरा एम्स-एसीएसएसटी पेल्विक-एसिटाबुलम कोर्स, 15 अप्रैल 2018, नई दिल्ली
2. सर्जिकल विषय, एम्स सर्जिकल वीक के दौरान स्वयं कार्य करने की कैडवरिक कार्यशाला, 19 अप्रैल 2018, नई दिल्ली
3. छात्र संघ एम्स, स्कूली छात्रों के लिए "कैटेलिस्ट" मेडिकल प्रदर्शनी, 26-27 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
4. ऑर्थोपेडिक्स, जीओएसआईसीओएन-एफएफएन-सीसीए-2018 के दौरान कैडेवर कोर्स, 6 सितंबर 2018, नई दिल्ली
5. सर्जिकल विषय, डीएनबी प्रैक्टिकल परीक्षा, 26 और 27 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
6. लिवर ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया की पहली राष्ट्रीय बैठक के भाग के रूप में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, कैडेवरिक कार्यशाला, 18 नवंबर 2018, नई दिल्ली
7. दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (डीओएसीओएन) के वार्षिक सम्मेलन के भाग के रूप में आर्थोपेडिक्स, स्वयं कार्य करने की कार्यशाला, 22 नवंबर 2018, नई दिल्ली
8. एनेस्थिसियोलॉजी, अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला, 1 और 2 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
9. सर्जिकल विषय, अंतिम प्रैक्टिकल एमएस परीक्षा, 12 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
10. ऑर्थोपेडिक्स, ग्यारहवीं एम्स कैडवर ऑर्थोप्लास्टी कोर्स 2019 के एक भाग के रूप में कैडवरिक कार्यशाला, 17 फरवरी 2019, नई दिल्ली
11. पल्मोनरी मेडिसिन एवं स्लीप डिसऑर्डर, पल्मोनरी कार्यशाला एम्स पल्मोक्रिट 2019, 28 फरवरी 2018, नई दिल्ली

12. ब्लूबेल्स इंटरनेशनल स्कूल, नई दिल्ली के कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के बीस विद्यार्थियों ने एनाटॉमी की विभिन्न प्रयोगशालाओं के अभिविन्यास के लिए दौरा किया, 17 जनवरी 2019, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

टी.एस. रॉय: 6	**एस.बी. रे: 2**	**रीमा दादा: 29**	**रेणु ढींगरा: 4**
टी.सी. नाग: 6	**टोनी जी. जैकब: 11**	**नीरजा रानी: 1**	**एस.सी. यादव: 5**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतिः 100

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में मेजर डिप्रेसिव डिसऑर्डर (एमडीडी) उपचार के लिए योग आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप का एक अनुवादपरक यादृच्छिक परीक्षण और इसके साथ जुड़े सेलुलर एजिंग के बायोमार्कर्स का विश्लेषण, रीमा दादा, आयुष, 3 वर्ष, 2016-2019, 30.0 लाख रुपये।
2. मानव इन्फेरियर कॉलिकुलस में आयु से संबंधित परिवर्तन: एक मॉर्फोलॉजिकल और न्यूरोकेमिकल अध्ययन, टी.एस. रॉय, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 43.86 लाख रुपये।
3. मानव इन्फेरियर कॉलिकुलस में आयु से संबंधित मॉर्फोलॉजिकल और न्यूरोकेमिकल परिवर्तन, टी. एस. रॉय, एम्स, 1 वर्ष, 2017-18, 4.50 लाख रुपये।
4. गैर पारिवारिक बाल्यावस्था के कैंसर वाले बच्चों के पिताओं में शुक्राणु डीएनए क्षति का विश्लेषण- रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015-18, 36.0 लाख रुपये।
5. मावन कोक्लेयर न्यूक्लियस के विकास में एपोप्टोसिस और मिटोसिस, टी.एस. रॉय, आईसीएमआर-एसआरएफ, 1 वर्ष, 2017- से, 4.56 लाख रुपये।
6. ईडब्ल्यूएस-एफएलआई-1 फ्यूजन प्रोटीन की त्वरित और विशिष्ट जांच प्रणाली का विकास, एससी यादव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 79.86 लाख रुपये।
7. डीएसटी एफआईएसटी, टी. एस. रॉय, डीएसटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 150 लाख रुपये।
8. चूहे में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव, मध्य मस्तिष्क धमनी अवरोधः एक मॉर्फोलॉजिकल और जैव रासायनिक अध्ययन, टी. एस. रॉय, डीबीटी-जेआरएफ, 3 वर्ष, 2017-से, 3.30 लाख रुपये।
9. जीवन शैली के हस्तक्षेप के प्रभाव और उम्र बढ़ने के लक्षणों पर मनोवैज्ञानिक तनाव, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 40.0 लाख रुपये।
10. जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलिअल डिस्ट्रॉफी के आनुवांशिक आधार और म्युटेशन पॉजिटिव ..... और नेगेटिव प्रकरणों के नैदानिक फेनोटाइपिंग का मूल्यांकन, अरुंधती शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 10.00 लाख रुपये

11. सर्वाइकल कैंसर के उपचार के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी 16) का प्रयोग करते हुए सिस्प्लाटिन का बाह्य वितरण, एस. सी. यादव, एम्स-आईआईटी, दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2020, 10.00 लाख रुपये।
12. गर्भावस्था के दौरान फ्लोराइड से प्रेरित एनीमिया ... एक मार्गदर्शी अध्ययन, ए. शरीफ, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 25.00 लाख रुपये।
13. रिफ्रैक्टरी रिकेट्स और हाइपोफॉस्फेटेमिया के रोगियों का अनुवांशिक अध्ययन, अरुंधती शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015-2018, 30.0 लाख रुपये।
14. प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा में फेनोटाइपिक एक्स्ट्रीम के जीनोम-वाइड एसोसिएशन का अध्ययनः अरुंधती शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 54.0 लाख रुपये।
15. चुंबकीय नैनोकणों और क्वांटम डॉट्स द्वारा साइटोलॉजी नमूना से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं की दृश्य पुष्टिः ग्रामीण भारतीय सेटअप में एक लागत प्रभावी, त्वरित और उपयुक्त परीक्षण, एस.सी. यादव, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 38.68 लाख रुपये।
16. प्रीएक्लेम्पसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणामों में एक फार्माकोलॉजीकल मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, रेनू ढींगरा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 45.00 लाख रुपये
17. ट्रोफोब्लास्ट कोशिका के आक्रमण में माइक्रो आरएनए-22/स्पेसिफिसिटी प्रोटीन-1/सिस्टाथियोनाइन बीटा सिंथेज एक्सिस की भूमिका और प्रीएक्लेम्पसिया में उनकी स्थिति, रेनू ढींगरा, आईसीएमआर-एसआरएफ, 2 वर्ष, 2018 और उससे आगे, 4.56 लाख रुपये
18. चूहों में लगातार दर्द की स्थितियों में स्पाइनल स्तर पर सिनेप्टिक प्लास्टिसिटी की भूमिका, सरोज कालेर झाँझरिया, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10.00 लाख रुपये
19. भारतीय लोगों में रीयुमोटॉयड आर्थराइटिस में टीएच-17 कोशिकाओं की भूमिका, ए. शरीफ, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2015-2019, 60.00 लाख रुपये
20. प्रीएक्लेम्पसिया के रोगियों में ट्रोफोब्लास्ट के स्थानांतरण को नियंत्रित करने वाले अणुओं की स्थिति और प्लासेन्टेशन के दौरान, स्थानांतरण की मध्यस्थता करने वाले हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, रेनू ढींगरा, आईसीएमआर-एसआरएफ, 2 वर्ष, 2018-उससे आगे, 4.56 लाख रुपये
21. सामान्य आयुवृद्धि के साथ मानव कोरॉयडल रक्तवाहिकाओं का अल्ट्रास्ट्रक्चरल और इम्युनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण, टी.सी. नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015-2018, 21.40 लाख रुपये
22. गैस्ट्रोएंटेरोपैंक्रिएटिक और रेस्पिरेटरी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमरों में नव प्रोटीनों की भूमिका को उजागर करना, नीरजा रानी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 50.00 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों के मायेनट्रिक प्लेक्सस में डोपामाइनर्जिक न्यूरॉनों का एक अध्ययन

2. बारम्बार स्वाभाविक गर्भपातों से जुड़े आनुवांशिक घटकों का एक अध्ययन
3. अल्कोहल और ओपिऑयड निर्भरता में ब्रेन इमेजिंग (पीईटी/एसपीईसीटी) के साथ, मोनोएमिनेर्जिक और जीएबीएअर्जिक पाथवे के आनुवांशिक जुड़ाव और सहसंबंध पर एक अध्ययन
4. अल्कोहल निर्भरता में एडीएच और एएलडीएच जीन के प्रकारों की भूमिका पर एक अध्ययन
5. ओपिऑयड निर्भरता में न्यूरोट्रांसमीटर जीनों में एकल न्युक्लियोटाइड पॉलीमोर्फिस्म्स और एपीजेनेटिक परिवर्तनों के सहयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
6. मानव इनफीरियर कलिकुलस में आयु परिवर्तन
7. मानव स्पाइरल संवहनी में आयु परिवर्तन
8. मानव ट्रोक्लिअर, ऐब्ड्यूसेंट और कॉक्लिअर नर्व में आयु परिवर्तन
9. प्रीएक्लेम्पसिया में सिस्टाथिओनाइन बीटा सिंथेज जीन पॉलीमोर्फिस्म का एक सहयोगिता अध्ययन
10. पशु नमूने में ओपन एंगल ग्लूकोमा के उपचार के लिए नैनो-ड्रग वितरण की प्रभावकता का आकलन
11. आरए में गैर-पारम्परिक एचएलएजी जीन पॉलीमोर्फिस्म की सहयोगिता और योग के हस्तक्षेप का प्रभाव
12. विस्टर चूहों में स्ट्रोक के मिडिल सेरिब्रल आर्टरी ओक्लुजन मॉडल में ऑटोफैगी और न्यूरोजेनेसिस
13. अलग वृद्धि हार्मोन की कमी का कारण बनने वाले नोवेल जीएचआरएचआर उत्परिवर्तन की विशेषता।
14. सीएमएल के रोगियों में बीसीआर-एबीएल ट्रांसलोकेशनों, एमटी परिवर्तनों, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का पता लगाने के लिए बीकन आधारित नैदानिक परख की जाँच
15. साइटोलॉजी नमूनों से सर्वाइकल कैंसर के कोशिकाओं के लिए नैनो-कण आधारित जाँच प्रणाली का विकास
16. मानव कर्णावत नाभिक का विकास
17. चूहे मध्य सेरेब्रल धमनी प्रकोप में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मोड्यूलेशन का प्रभाव: आकारिकी और जैव रासायनिक अध्ययन
18. आर्सेनिक ट्रिऑक्साइड एक्सपोज़र के पश्चात, चूहों के आधारभूत अग्रमस्तिष्क की संरचनाओं पर करक्यूमिन का प्रभाव
19. हल्के तीव्र अग्नाशयशोथ के म्यूराइन मॉडल पर करक्यूमिन के प्रभाव।
20. दीर्घकालिक पैंक्रिएटाइटिस के मूषक मॉडलों पर अदरक सत्व (एलियम साटिवम एल) का प्रभाव
21. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवासन पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव और प्रिक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति।
22. चूहों में आर्सेनिक ट्रिऑक्साइड से प्रेरित कार्डियक विषाक्तता पर रेस्वेराट्रोल का प्रभाव
23. आर्सेनिक ट्राईऑक्साइड के संपर्क में आये वयस्क चुहियों के हाइपोथैलामस और हिप्पोकैंपस में संज्ञानात्मक क्रिया और एस्ट्रोजन रिसेप्टर प्रोफाइल पर रेस्वेराट्रोल के पूरकता का प्रभाव
24. एंटरिक तंत्रिका प्रणाली के विकास में फ्लोराइड का प्रभाव..... एक प्रायोगिक अध्ययन
25. शारीरिक और रोगजनक स्थितियों के अंतर्गत, ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एपिथेलियल से मेसेनकाइमल पारगमन के दौरान एपिजेनेटिक परिवर्तन

26. अल्कोहल निर्भरता और ओपिऑयड निर्भरता में डोपामाइनर्जिक पाथवे के जीनों के एपिजेनेटिक परिवर्तन और जीआरआईएन2ए जीन पॉलीमोर्फिस्म की सहयोगिता
27. प्रसव पूर्व ध्वनि उत्तेजना के लिए अवगत कराए गए नवजात चूजे के केंद्रीय श्रवण मार्ग और हिप्पोकैम्पस में मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रोफिक कारक के पश्चजनन सम्बन्धी विनियमन।
28. मानव तंत्रिका ऊतक में ऑटोफ्लोरेसेंस का मूल्यांकन
29. चूहे में एल-अर्जिनाइन प्रेरित क्रोनिक अग्नाशयशोथ का मूल्यांकन
30. एसएलसी6ए4 और टीपीएच2 पॉलीमोर्फिस्म्स के साथ ओपिऑयड की निर्भरता के साथ संभावित सहयोगिता का मूल्यांकन
31. चूहों के बेसल नाड़ीग्रन्थि में आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड प्रेरित न्यूरोटॉक्सिटी पर करक्यूमिन पूरकता की भूमिका का मूल्यांकन
32. प्रीएक्लेम्पसिया में एमआईआर-22, विशिष्टता प्रोटीन-1 और सिस्टाथियोनाइन बीटा सिंथेस की अभिव्यक्ति और ट्रोफोब्लास्ट इंवेशन में उनकी भूमिका
33. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के रोगियों में तंत्रिका वृद्धि कारक की अभिव्यक्ति
34. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के रोगियों के कोलोनिक ऊतक के एंटरिक न्यूरॉनों में एन-मीक डाउनस्ट्रीम नियंत्रित जीन 4 (एनडीआरजी4) की अभिव्यक्ति
35. आयु बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहा रेटिना में लोहे विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न।
36. अग्रवर्ती पिट्यूइटरी ऐडिनोमा के रोगियों में जेनेटिक एवं एपिजेनेटिक प्रोफाइलिंग
37. रेटिनोब्लास्टोमा के आनुवंशिक और आण्विक आधार।
38. मेन2 सिंड्रोम वाले रोगियों की आनुवंशिक जाँच
39. पोस्टीरियर पोलर कैटरेक्ट हिक रेटिना का आनुवंशिक अध्ययन
40. जल्दी एवं देर से प्रारंभ होने वाले प्रीएक्लैम्पटिक प्लेसेंटा के विभिन्न क्षेत्रों में हाई मोबिलिटी ग्रुप बॉक्स 1 (एचएमजीबी1) और उन्नत ग्लाइकेशन एवं उत्पादों के लिए रिसेप्टर (आरएजीई) का इम्युनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण
41. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और रेस्पिरेटरी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमरों में साईटोकेराटिन19 और सीकेआईटी का इम्युनोहिस्टोकेमिकल मात्रात्मक विश्लेषण
42. प्रायोगिक न्यूरोपैथिक दर्द वाले चूहे के मॉडल के हिप्पोकैम्पस में माइक्रोग्लिअल एक्टिवेशन एवं एएमपीए रेसेप्टर का इम्युनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण
43. ट्रेबेकुलेक्टोमी परिणाम पर पूर्व शल्य चिकित्सा स्टेरॉयड का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
44. मोटापे पर हस्तक्षेप आधारित लघु अवधि योग का प्रभाव
45. रुमेटायड गठिया में एपिजीनोम पर योग और ध्यान पर प्रभाव
46. मोतियाबिंद रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर योग आधारित हस्तक्षेप के प्रभाव
47. प्रकाश प्रेरित पोस्ट-हैच में ऑक्सीडेटिव तनाव और अंतर्जात न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्र
48. डिप्रेशन में आण्विक विश्लेषण: एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन

49. फाइब्रोमायलजिया में आनुवंशिकी अध्ययन
50. कर्णावत नाभिक के विकास का आकृति विज्ञान अध्ययन
51. खराब उत्तरदाताओं में एंटी मुलेरियन हार्मोन जीन में उत्परिवर्तन विश्लेषण
52. जननांगों के अपजनन और 46, एक्सवाई कुपोषण से पीड़ित रोगियों में प्रत्याशी जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण
53. दुर्दम्य रिकेट्स और हायपोफोस्टेमिया वाले रोगियों में उत्परिवर्तन अध्ययन
54. भ्रूण के विकास में पैतृक कारक
55. चूहे में लाइट इन्ड्यूस्ड रेटिना क्षति के बाद क्षैतिज कोशिकाओं में पुनःमॉडलिंग
56. सूजन और कोशिका मृत्यु के विशेष संदर्भ में प्रयोगात्मक तीव्र अग्नाशयशोथ में ऑटोफैगी की भूमिका
57. प्रीक्लेम्पसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में एक फार्माकोलॉजिकल मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका
58. सिस्टाथियोनाइन गामा लायस माध्यित ट्रोफोब्लास्ट कोशिका भेदन में माइक्रो आर.एन.ए. - 30 की भूमिका और प्रीएक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति।
59. ट्रोफोब्लास्ट सेल के असर को न्यूनाधिक करने में miRNA की भूमिका
60. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में वाहिकाजनक कारकों के नियंत्रण में एमआईआरएनए की भूमिका
61. प्रिक्लेम्पसिया में मैट्रिक्स मेटलप्रोटीनेस-9 जीन पॉलिमॉर्फिज्म के जुड़ाव का अध्ययन।
62. शराब निर्भरता में मोनोमाइन मार्ग के जीनों की बहुरूपता, मेथिलिकरण और अभिव्यक्ति स्थिति के सहयोग पर अध्ययन
63. जेनेटिक बेसिस अंडरलाइंग स्टीवन्स - जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) की पहचान हेतु अध्ययन।
64. पुरुष बांझपन में टेलोमेर गतिशीलता।
65. 5 अल्फा रिडक्टेस 2 की कमी और एण्ड्रोजन असंवेदनशीलता वाले रोगियों में फीनोटाइप सह-संबंध का अध्ययन करना
66. अजूस्पर्मिया के लिए माध्यमिक पुरुष जनन अक्षमता के मूल्यांकन में सेमिनल बायोमार्कर्स एएसए नॉन-इनवेसिव डायग्नोस्टिक टूल की भूमिका का अध्ययन करना
67. दृष्य, तीव्र, गैर आक्रामक एवं लागत प्रभावी बी. के. वायरस वितरण प्रणाली।
68. पीओएजी में रक्त, एक्वेस और ट्रेबेकुलर मेशवर्क में इंफ्लेमेटरी मार्करों और जीन अभिव्यक्ति पर "योग आधारित हस्तक्षेप" : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

पूर्ण

1. ह्यूमन इन्फीरियर कॉलीकुलस में आयु संबंधी परिवर्तन: एक मोर्फोलॉजिकल और न्यूरोकेमिकल अध्ययन
2. मानव स्पाइरल संवहनी में आयु संबंधी मोर्फोलॉजिकल और न्यूरोकेमिकल परिवर्तन
3. चूहों में आर्सेनिक ट्रायऑक्साइड प्रेरित कार्डियक विषाक्तता पर रेसवेराट्रोल का प्रभाव

4. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में एंटरिक ग्लिया का मोर्फोलॉजिकल अध्ययन।
5. प्रिक्लेम्पसिया में एमएमपी2 प्रमोटर पॉलिमॉर्फिज्म की भूमिका
6. *विट्रो अध्ययन में* - प्रीक्लेम्पसिया में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव में घुलनशील संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर-1 (sVEGFR-1/sFLt-1) की भूमिका
7. प्रिक्लेम्पसिया में एमएमपी9 जीन पॉलीमोर्फिज्म के एसोसिएशन का अध्ययन
8. बढ़ती आयु वाले मनुष्य के इंफेरियर कॉलिकुलस में पैरावल्बुमिन और कैलबिंडिन की अभिव्यक्ति का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मूत्र आधारित प्रोटीन बायोमार्कर्स का उपयोग करते हुए प्रोस्टेट कैंसर के नैनोइन्वेसिव पहचान के लिए एक नवीन इम्यूनो नैनो फ्लोरोसेंस जांच (आईएनएफए) प्रणाली, पीएसए और एमएसएमबी, पैथोलॉजी।
2. बांझपन में साइटोगेनेटिक और आण्विक विश्लेषण, शरीर रचना विज्ञान, एम्स, रायपुर
3. सुपर रिजोलुशन माइक्रोस्कोपी का प्रयोग करके दृष्टिगत रूप से सक्रिय नैनो-कणों के अंतर्कोशिकीय ट्रैफिकिंग का डेसिफर मैकेनिस्टिक आधार, जेएनयू
4. न्यूरो-एंडोस्कोपिक कौशल के अल्पतम रूप से इनवेसिव वेंट्रिकुलर, स्कल बेस और स्पाइन न्यूरोसर्जरी और इनर्शियल/हिपेटिक सेंसर आधारित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के लिए विद्युतीय-यांत्रिक आंशिक कार्य के प्रशिक्षकों का विकास और पुष्टिकरण, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
5. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व तंत्रिका शल्य चिकित्सा, योजना बनाने के लिए 3डी/स्टेरियोस्कॉपी आधारित आभासी वास्तविकता सिमुलेशन मंच का विकास, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
6. विकसित न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए प्रक्रिया आधारित न्यूरो-एंडोस्कोपिक सिमुलेशन मापांकों का विकास और इंटरैक्टिव ई-लर्निंग मंच के साथ उनका एकीकरण, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
7. फाइब्रोमायेल्जिया रोगियों में पीड़ा मोड्यूलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उद्दीपन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान
8. जल्दी और उन्नत मोतियाबिंद में इलेक्ट्रोएंसेफेलोग्राफिक परिवर्तन, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
9. उन्नत प्राइमरी ओपन एंगल ग्लोकोमा वाले रोगियों में मानसिकता आधारित तनाव की कमी के प्रभाव का मूल्यांकन, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
10. एल्कोहल और दवा निर्भरता की आनुवांशिकी, मनोचिकित्सा
11. एंगल क्लोजर ग्लूकोमा की आनुवांशिकी, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
12. प्राथमिक हाइपरपैराथायरोडिज्म, पैंक्रिएटिक ट्यूमरों एवं पिट्यूट्री ट्यमरों के रोगियों में मेन 2 सिंड्रोम के आनुवंशिकी, एंडोक्रिनोलॉजी, मेन1 जीन म्यूटेशन तथा इसकी नैदानिक जटिलताएं, अंतःस्राविकी विज्ञान

13. पोस्टेरियर पोलार मोतियाबिंद की अनुवांशिकी, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, नवाचार और अनुवाद अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए सहयोगात्मक न्यूरो-इंजीनियरिंग मंच, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
14. हाइपोफोस्फेटेमिक रिकेट्स में आनुवांशिकी अध्ययन, बाल चिकित्सा
15. कार्डियोमायोपैथी के आनुवंशिकी अध्ययन, कार्डियोलॉजी
16. मोटापा और डायबिटीज़ मेलेटस में लघु और दीर्घावधि योग आधारित हस्तक्षेप के बाद, तनाव, सूजन और सेलुलर उम्र बढ़ने का पता लगाने के लिए जीनोम वाइड विश्लेषण, फिजियोलॉजी
17. पीओएजी में जीनोटाइप और फीनोटाइप सह-संबंध, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
18. भारत की विविध जातीय आबादी में कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से जुड़ी नवीन आनुवांशिक रूपों की पहचान और विशेषता, कार्डियोलॉजी।
19. शुक्राणु एपिजीनोम पर पैत्रिक आयु और खराब जीवनशैली का प्रभावः ओटिस्म स्पेक्ट्रम विकार में संभावित एटियोलॉजिकल, बाल चिकित्सा।
20. ट्रेबेकुलेक्टोमी परिणाम पर पूर्व शल्य चिकित्सा स्टेरॉयड का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, रा. प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
21. मोटापे पर हस्तक्षेप आधारित लघु अवधि योग का प्रभाव, फिजियोलॉजी
22. एमडीडी-आरसीटी पर वाईबीएलआई का प्रभाव, मनोचिकित्सा
23. रुमेठी गठिया में एपिजीनोम पर योग और ध्यान का प्रभाव, मेडिसिन
24. आईवीएफ करवा रही पीसीओएस वाली महिलाओं में फोलिकुलर तरल में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्कर्स का स्तर तथा परिणामों के साथ इसके संबंध, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
25. बचपन में कैंसर में शुक्राणु डीएनए अखंडता की हानि, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
26. मिडिल फोसा और रेट्रोसिग्मॉइड सुनवाई संरक्षण स्कल आधार दृष्टिकोण के माध्यम से आंतरिक इंटर्नल एकॉस्टिक के ऑपरेटिव एक्सपोजर की माइक्रोस्कोजिकल तुलना - एक प्रयोगशाला जांच, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
27. खराब उत्तरदाताओं में एएमएच जीन का उत्परिवर्तन विश्लेषण, अस्थमा में वाईकेएल40 का स्तर, बायोफिजिक्स
28. जननांगों के अपजनन और 46, एक्सवाई कुपोषण से पीड़ित रोगियों में सात जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण, अंतःस्राविकी विज्ञान
29. जन्मजात विकृति के साथ भ्रूण वाले सामान्य और गर्भवती युगल जोड़ों का एमनियोटिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
30. पीसीजी के रोगजनन में ऑक्सीडेटिव तनाव, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
31. इंट्रावसल इंजेक्शन योग्य पुरुष गर्भनिरोधक-आरआईएसयूजी के साथ फेस-3 क्लिनीकल परीक्षण, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग
32. दूर के पार्श्व दृष्टिकोण का मात्रात्मक विश्लेषण, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
33. रेटिनोब्लास्टोमा: आनुवांशिक और आण्विक अध्ययन, रा. प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र

34. बांझपन के प्रबंधन में अश्वगंधा की भूमिका, गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय
35. स्पर्शोन्मुख स्थिति में रोगजनकों का पता लगाने के लिए सरल, त्वरित और ऑनसाइट अर्ली डायग्नोस्टिक किट, राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान
36. ऑपरेशनल रिसर्च न्यूरोसर्जरी स्किल्स ट्रेनिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता देना, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
37. 46, एक्सवाय डीएसडी के कारण जननांगों में डिस्जेनेसिस/एजेंसियों वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना, अंतःस्राविकी
38. मोतियाबिंद में क्यूओएल पर योग और प्रभाव, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
39. रक्त, एक्वेस और ट्रेबेकुलर मेशवर्क ऑफ प्राइमरी ओपन एंगल ग्लोकोमा रोगियों में इंफ्लेमेटरी मार्करों और जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल पर 'योग आधारित हस्तक्षेप': एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र

पूर्ण

1. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व तंत्रिका शल्य चिकित्सा की योजना बनाने के लिए 3डी/स्टेरियोस्कोपी आधारित आभासी वास्तविकता सिमुलेशन मंच का विकास, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
2. जन्मजात मोतियाबिंद में आनुवंशिक अध्ययन, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
3. एलएचओएन में आनुवंशिक अध्ययन, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
4. 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा के साथ न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा और आर्किवल, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फरेंसिंग के लिए सेंट्रल रिपॉसिटरी सर्वर- एफआईएसटी डीएसटी एफआईएसटी प्रोग्राम डीएसटी एफआईएसटी लेवल 2, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
5. मानव शव के सिर में इंजेक्शन दूर-पार्श्व और ट्रांसकॉन्डायलर दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त ऑपरेटिव जोखिम के रेडियोलॉजिकल और सूक्ष्म शल्य चिकित्सा की तुलना, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
6. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका और गर्भनाल पर इसके प्रभावः एक इन-विट्रो अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 46 **सारः 17** **पुस्तकों में अध्यायः 1**

रोगी देखभाल

आनुवंशिक निदान एवं परामर्श सेवाएं

कार्योटाइपिंग	300		
मॉलिकुलर स्क्रीनिंग			
कॉर्नियल डिस्ट्रोफी	20	मेन2ए सिंड्रोम	22
विविध मामले	70		

शवों का संपेलन	644		
परिवहन हेतु	614	शिक्षण/अनुसंधान हेतु	30

फ्लोरोसिस डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला: फ्लोराइड अनुमान

मूत्र	40	रक्त/सीरम	40
पेयजल	47		

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट कार्यक्रम

विभाग के विद्यार्थियों ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। उनमें से कई ने अनेक पुरस्कार जीते जो नीचे सूचीबद्ध हैं। डॉ. संकट मोचन को डॉ. एच.के. चटर्जी मेमोरियल गोल्ड मेडल और सुश्री पल्लवी अरोड़ा को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए डॉ. इंद्रजीत दीवान गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार सुश्री पल्लवी अरोड़ा, डॉ. संकट मोचन, सुश्री सुरभि गौतम, शिल्पी बिष्ट, प्रियम कुमारी, किशोर शेषम, इंद्रपाल, वी. रखोलिया (प्रथम वर्ष एमबीबीएस विद्यार्थी), सुरभि सैनी और सबा सरवर को मिला। सुश्री प्रियम कुमारी ने युवा अन्वेषक का पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. विधु धवन, सुश्री सुरभि गौतम, सुश्री बिनाता मारिक, सुश्री शुभी सैनी, सुश्री माधुरी टोलाहुनासे और डॉ. मयंक गौतम द्वारा आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी और सीएसआईआर जैसे बाहरी धन प्रदान करने वाले अभिकरणों से यात्रा अनुदान प्राप्त किया गया। सुश्री शुभी सैनी ने ललिता और रबीन्द्रनाथ यात्रा पुरस्कार भी प्राप्त किया। सुश्री बिनाता मारिक ने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में युवा छात्रवृत्ति प्राप्त की जिसमें यात्रा अनुदान, पंजीकरण और आवास सम्मिलित थे। उन्होंने सम्मेलन में क्रिस्पर-कास9 पर निबंध लेखन में भी प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. मयंक गौतम और सुश्री शिवानी गुप्ता को दर्द के अध्ययन का अंतर्राष्ट्रीय परिषद् (आईएएसपी) से यात्रा अनुदान प्रदान किया गया। श्री परमिंदर सिंह द्वारा भारतीय तंत्रिकाविज्ञान अकादमी से यात्रा अनुदान प्राप्त किया गया।

आचार्य टीएस रॉय ने जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया एंड मेडिसिन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में अपना कार्य जारी रखा; जर्नल पैनक्रिआज के सहयोगी संपादक हैं; एनाटॉमी विभाग की आरटीआई के अंतर्गत खुलासे के लिए केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) है; स्टोर क्रय समिति, डीओ, एमबीबीएस प्रीक्लीनिकल पाठ्यक्रम समिति के अध्यक्ष (चेयरपर्सन) थे; संस्थान सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष हैं; विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और कल्याण गतिविधियों के सदस्य थे। उनकी अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे वर्ष 2018-2019 के दौरान संस्थान में मलहार; संस्थान दिवस और एम्स गॉट टैलेंट (एजीटी)। वे पीएचडी सुधार समिति, कर्मचारी परिषद्, सेंट्रलाइज्ड कोर रिसर्च फैसिलिटी एवं एंटी-रैगिंग कमिटी ऑफ एम्स के सदस्य, एम्स दीक्षांत समारोह की मुख्य समिति के सदस्य थे; शासक मंडल, भारतीय चिकित्सा परिषद की यूजी विशेषज्ञ समूह समिति के सदस्य थे; एनाटॉमी, जेएन मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ में अध्ययन बोर्ड के सदस्य थे; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी) मानेसर में पीएचडी कोर्स के लिए प्रश्नपत्र निर्माता (पेपर सेटर) थे और व्यापक मौखिक

परीक्षा आयोजित की; बाबा फरीद विश्वविद्यालय, फरीदकोट और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के लिए पीएचडी परीक्षक थे; उड़ीसा के भुवनेश्वर में सूक्ष्मदर्शी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर सत्र और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया की 39वीं वार्षिक बैठक तथा वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तंत्रिका विज्ञान पर सम्मेलन और आईएनए की 36वीं वार्षिक बैठक, एम्स, ऋषिकेश में एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन (एनेटीसीओएन-66) के निर्णायक थे; इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो ऑन्कोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली के दसवें वार्षिक सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की; उड़ीसा के भुवनेश्वर में सूक्ष्मदर्शी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया की 39वीं वार्षिक बैठक तथा वाराणसी, अग्रिम और अद्यतन, एम्स, नई दिल्ली में बायोजेरेंटोलॉजी और एजिंग एशिया पैसिफिक गेरिएट्रिक मेडिसिन नेटवर्क की बैठक; एम्स, नई दिल्ली में जुड़े जुड़वां बच्चों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; एनएएमएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मस्कुलोस्केलेटल इंटरवेंशन्स पर सीएमसी और कार्यशाला तथा वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तंत्रिका विज्ञान पर सम्मेलन एवं आईएएन की 36वीं वार्षिक बैठक; तीसरे एफ्रो एशिया स्टेरियोलॉजी कांग्रेस, एमएएमसी, नई दिल्ली में सत्र की अध्यक्षता की; एम्स ऋषिकेश, एम्स जोधपुर, एम्स मंगलगिरी, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा संकाय सदस्यों के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी एंड एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया पत्रिकाओं की पांडुलिपियों की समीक्षा की; 22-23 अक्टूबर 2018 को एम्स, नई दिल्ली में आईबीआरओ सम्मेलन के भाग के रूप में स्टेरोलॉजी पर एक कार्यशाला दिल्ली विश्वविद्यालय की एमडी (एनाटॉमी) परीक्षा आयोजित की तथा तीसरा एफ्रो एशियन स्टेरोलॉगी कांग्रेस, एमएएमसी और एम्स; जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में एमएससी न्यूरोसाइंस कार्यक्रम में अतिथि संकाय थे; निम्नलिखित सम्मेलनों/बैठक/संगोष्ठियों में भाग लिया: ईएमएसआई सम्मेलन, भुवनेश्वर, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकोलॉजी एंड न्यूरोसाइंसेस, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा की अध्ययन बोर्ड की बैठक, सीएमसी, वेल्लोर, में 'अलाइनिंग मेडिकल एजुकेशन विथ द नेशनल हेल्थ पालिसी' पर संगोष्ठी, वाराणसी में न्यूरोसाइंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आईएएन की 36वीं वार्षिक बैठक, सैन डिएगो, यूएसए में तंत्रिका विज्ञान के लिए सोसायटी की 48वीं वार्षिक बैठक में पोस्टर प्रस्तुत किया, एम्स, ऋषिकेश में एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया का 66वां वार्षिक सम्मेलन।

आचार्य ए शरीफ ने कंप्यूटर फैसिलिटी के प्रोफेसर-इन-चार्ज के रूप में कार्य किया; सीसीटीवी समिति, परीक्षा अनुभाग और टेली मेडिसिन सुविधा के लिए कंप्यूटर प्रिंटर की खरीद समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया; डॉक्टरल समिति, विभागीय पदोन्नति समिति, आचार समिति, पुस्तकालय समिति, स्टोर क्रय समिति, चयन समिति, एसवीटी समिति और केएलविंग सीएमईटी की तकनीकी विशिष्टता समिति के सदस्य थे।

आचार्य पुष्पा धर डॉ. बाबा साहिब अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, दिल्ली एनसीटी सरकार में एनाटॉमी में संकाय पदों के साक्षात्कार के बोर्ड की एक विशेषज्ञ थीं, एमएएमसी, दिल्ली में एनाटॉमी विभाग में नियमित आधार पर एसआर के पद के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू की चयन समिति की विशेषज्ञ

सदस्य, फॉरेंसिक रसायन विज्ञान और विष विज्ञान की पत्रिका की राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड की सदस्य; बोर्ड ऑफ एग्जामिनर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय (2019) में नियुक्त किया गया; एमएएमसी, दिल्ली में तीसरी एशियन और अफ्रीकन स्टेरियोलॉजी कांग्रेस में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य एस.बी. रे ने दिल्ली और इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालयों में एनाटॉमी में नियमित और पूरक पहली व्यावसायिक एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया; राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के न्यूरोफिज़ियोलॉजी विभाग में पीएचडी थीसिस के बाहरी परीक्षक थे; एमएससी न्यूरोसाइंस कोर्स शिक्षण के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर में अतिथि संकाय नियुक्त किए गए।

आचार्य रीमा दादा ने अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एंड्रोलॉजी की वार्षिक बैठक में लालोर फाउंडेशन पुरस्कार प्राप्त किया और आईजेआरयूएलए एवं विश्व अनुसंधान परिषद द्वारा 2019 में आणविक जीवविज्ञान में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया; 63 एम्स स्थापना दिवस पर क्लीनिकल रिसर्च में उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए सर्टिफिकेट ऑफ कमेंडेशन पुरस्कार प्राप्त किया; एनएएमएस और एफआईएमएसए के फेलो के रूप में नामित किया गया; एनबीई द्वारा शासक मंडल एवं एमसीआई की पीजी विशेषज्ञ समूह की सदस्य एवं एनाटॉमी की स्पेशलिटी बोर्ड की सदस्य के रूप में नामित किया गया; डीएम मेडिकल जेनेटिक्स के प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य थीं; संपादकीय बोर्ड और कई पत्रिकाओं के समीक्षक बनी रहीं; प्रजनन बायोमेडिसिन में एमआरसी फेलोशिप, एडिनबर्ग और रियॉन अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार की जूरी सदस्य थीं; पुरुष बांझपन पर आईसीएमआर कार्य दल की सदस्य हैं; डीबीटी, यूजीसी, आईसीएमआर, इंडोयूएस टेक्नोलॉजी फोरम, वेलकम ट्रस्ट की परियोजनाओं की समीक्षा की; सीएआरई के अंतर्गत उन्नत अनुसंधान के लिए केंद्र स्थापित करने की आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति की बैठक की सदस्य भी थीं; एचआईएमएस तथा डीडीसी, एनडी में जेनेटिक्स की बाहरी संकाय हैं; दूरदर्शन पर जटिल जीवन शैली रोगों में योग के प्रभाव पर स्काइप साक्षात्कार दिया और डॉक्यूमेंट्री (वृत्तचित्र) दिखाई; सभी प्रमुख राष्ट्रीय और कई अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्रों में स्वास्थ्य और कल्याण पर आनुवांशिक, जीवन शैली कारकों और योग के प्रभाव पर कार्य (15 बार से अधिक) दिखाई दिये; मोरार जी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित योग शिक्षकों के लिए सीएमई के दौरान "सम्मान प्रमाण पत्र" प्राप्त किया; जेनेटिक्स में एमडी पीएचडी शोध का मूल्यांकन किया है और जीएनडीयू, अम्बेडकर केंद्र, सीसीएमबी और दक्षिणी परिसर में पीएचडी जेनेटिक्स की बाहृय परीक्षक थीं; विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के मूल्यांकन, मान्यता, अकादमिक ऑडिट के लिए एमसीआई और मान्यता परिषद द्वारा नामित भी की गईं; 4 प्लेनरी और 26 आमंत्रित व्याख्यान दिए; 12 सम्मेलनों में सत्र की अध्यक्षता की। उनके विद्यार्थी को संस्थान अनुसंधान दिवस पर सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार (तीसरा) मिला; पीएचडी के विद्यार्थियों ने न्यूटन भाभा फेलोशिप प्राप्त की और 68वीं लिंडौ नोबेल पुरस्कार विजेता बैठक, जर्मनी के लिए भी चुने गए; विद्यार्थियों को विभिन्न राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय एनबीआरसीओएम 2018 जैसी बैठकों में सर्वश्रेष्ठ पत्र पुरस्कार, प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार, इम्यूनोलॉजी फाउंडेशन, सीएसआईआर से यात्रा पुरस्कार मिला। वह "एमसीक्यू प्रश्न बैंक के सत्यापन" के लिए एनबीई

की समिति की सदस्य और यौन उत्पीड़न समिति की सदस्य हैं; फर्टिकॉन (आईएफएस की वार्षिक बैठक) में होलिस्टिक मेडिसिन पर प्रीकॉन्ग्रेस कार्यशाला आयोजित की; एम्स दीक्षांत समारोह की स्वागत-समिति, वर्ष के लिए डीएमए पदक की चयन समिति की सदस्य, पुनरावर्ती डीएनए अनुसंधान पर संस्थान जैव सुरक्षा समिति की सदस्य हैं; पाठ्यक्रम समिति की सदस्य; छात्र संघ चुनाव में संकाय प्रभारी थीं; विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में एसआर और संकाय चयन के लिए आमंत्रित किया गया; न्यूरो एनाटॉमी और लॉन्गमैन के भ्रूण विज्ञान की घोंघा एक पाठ्यपुस्तक की समीक्षा की।

आचार्य अरुंधति शर्मा ने निमहंस, बैंगलोर में कई पीएचडी थीसिस के लिए एक समीक्षक और पीएचडी मौखिक के लिए एक बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया; अनेक पत्रिकाओं के संभावित प्रकाशन के लिए कई पांडुलिपियों और विभिन्न अतिरिक्त भित्ति वित्तपोषण अभिकरणों (एजेंसियों) के परियोजना के प्रस्तावों की समीक्षा की; भारत सरकार के कौशल भारत पहल के सदस्यों में से एक हैं; पहले एम्स अनुसंधान दिवस कार्यक्रम में अनुसंधान कार्य मूल्यांकन के लिए निर्णायकों में से एक के रूप में कार्य किया।

आचार्य रेणु ढींगरा एनाटॉमी विभाग, एम्स, ऋषिकेश में 5 अप्रैल 2018 को आयोजित न्यूरो-इस्नोकॉन में वैज्ञानिक सत्र और 12-14 नवंबर 2018 को आयोजित एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के 66वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष थीं; फरवरी 2018 में वर्चुअल टीचिंग सोसाइटी ऑफ इंडिया की आजीवन सदस्य और वर्चुअल टीचिंग सोसाइटी की फेलो के रूप में नियुक्त किया गया; अक्टूबर 2018 में कोलंबो में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति (ओरल प्रेजेंटेशन) में दूसरा स्थान प्राप्त किया। माई लैब में किए जा रहे अनुसंधान कार्य के लिए दो अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार मौखिक प्रस्तुति के लिए डॉ. एच.के. चटर्जी मेमोरियल गोल्ड मेडल और क्लीनिकल एनाटॉमी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए डॉ. इंद्रजीत दीवान गोल्ड मेडल प्राप्त किए; एनाटॉमी मस्कुलो-स्केलटन अल्ट्रासाउंड सोसाइटी की तकनीकी सलाहकार थीं; इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ प्लास्टिनेशन की सदस्य; डीएएसएमओएस की कार्यकारी सदस्य और एम्स के शिक्षण अनुसूची समिति की सदस्य; एम्स में वर्चुअल टीचिंग के शैक्षणिक सलाहकार पैनल की सदस्य; संकाय प्रभारी स्टोर; एनडीएमसी हिंदू राव अस्पताल में एमटीआर कोर्स एवं एमएएमसी मेडिकल कॉलेज में बीडीएस कोर्स की बाह्य परीक्षक; विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के संकाय चयन की विशेषज्ञ; आईसीएमआर से परियोजनाओं, अन्य मेडिकल कॉलेजों से स्नातकोत्तर थीसिस की समीक्षा की, विभिन्न पत्रिकाओं में शोध लेख प्रस्तुत किए; विभिन्न कार्यशालाओं में संसाधन संकाय: एस्थेटिक एक्सप्रेस 2018, हैंड्स-ऑन कार्यशाला प्लास्टिनेशन ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, इंटरनेशनल ब्रेन रिसर्च ऑर्गनाइजेशन, न्यूरल प्लास्टिसिटी इन हेल्थ एंड डिजीज पर एशिया पैसिफिक रीजनल कमेटी स्कूल 2018 और कैडवेरिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला।

आचार्य टी.सी. नाग ने माइक्रोस्कोपी और माइक्रोएनालिसिस, सेल ऊतक अंगों, माइक्रोस्कोपी अनुसंधान और तकनीक, फार्माकोलॉजी में फ्रंटियर्स, वर्तमान दवा डिजाइन, बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी, वैज्ञानिक रिपोर्ट, सामान्य और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी, ऑक्सीडेटिव मेडिसिन और सेलुलर दीर्घायु, वित्तीय सहायता के लिए पत्रिकाओं और डीएसटी-एसईआरबी अनुसंधान परियोजनाओं के लिए पांडुलिपियों की

समीक्षा की; भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी (बीएचयू)की XXXVI वार्षिक बैठक में और एम्स, ऋषिकेश में आयोजित एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (नैटकॉन 66) की 66वीं वार्षिक बैठक में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. एस.के. झाझरिया को जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया में प्रकाशित पत्रों के लिए डॉ. पी.सी. बंसल मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया; बोस्टन, यूएसए में आयोजित दर्द पर 17वीं विश्व कांग्रेस के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ पेन से अंतर्राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त किया और दिसंबर 2018 में आयोजित अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट सीयूएसए कार्यशाला में संसाधन संकाय थे।

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब तीन अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं के संगठन में - संपादकों के लिए, एशिया और अफ्रीका के स्टीरियॉलॉजिस्ट के लिए और एशिया से न्यूरोसाइंटिस्टों के लिए शामिल थे; राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की सदस्यता से सम्मानित किया गया; नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया की कार्यसमिति में कार्य कर रहे हैं और बहुत सारी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित पत्रिकाओं के समीक्षक हैं; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए और विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, डीएसटी के विषय विशेषज्ञ भी है।

डॉ. नीरजा रानी ने एमएससी न्यूरोसाइंस पाठ्यक्रम के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में अतिथि संकाय के रूप में कार्य किया; विभिन्न कार्यशालाओं और संगोष्ठी - ग्यारहवीं एम्स कैडेवर एथरोप्लास्टी कोर्स-2019, अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट सीयूएसए एवं न्यूरल प्लास्टिसिटी इन हेल्थ एंड डिजीज, आईबीआरओ, 2018 में संसाधन संकाय भी हैं, हिस्टोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी पत्रिकाओं की पांडुलिपि की समीक्षा की; व्यावहारिक और वाइवा-वॉयस परीक्षा आयोजित करने के लिए पीजीआईएमएस रोहतक, एचआईएमएसआर जामिया हमदर्द में प्रथम वर्ष एमबीबीएस के बाहरी परीक्षक (एनाटॉमी) एवं प्रश्नपत्र निर्माता (पेपर सेटर) के रूप में कार्य किया तथा पीजीआईएमएस, रोहतक (बीपीओ, बीओटी, और बीपीटी) और एचआईएमएसआर जामिया हमदर्द में विभिन्न पैरामेडिकल परीक्षाओं की व्यावहारिक और वायवा-वोस परीक्षा आयोजित कराने के लिए बाह्य परीक्षक (एनाटॉमी); बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष की वार्षिक परीक्षा, 2018 के लिए एक प्रश्नपत्र निर्माता थे।

डॉ. सीमा सिंह बीएससी डेंटल कोर्स (डीओआरए एवं डीएच) की एनाटॉमी कक्षाएं आयोजित करने के लिए नोडल अधिकारी थीं; ह्यूमन एनाटॉमी ओपन एक्सेस पत्रिका के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं; 66वें नैटकॉन एएसआई, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ फ्लोराइड रिसर्च के 34वें सम्मेलन, न्यूरोसाइंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आईएएन की XXXVI वार्षिक बैठक, अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट 2018 पर व्यापक संगोष्ठी जैसे विभिन्न सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लिया और योगदान दिया; एमएससी न्यूरोसाइंस कोर्स के लिए जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर में अतिथि संकाय हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, न्यूरोफिज़ियोलॉजी विभाग, निमहंस, बैंगलोर, भारत।
2. प्रोफेसर सुलेमान कपलान, हिस्टोलॉजी और भ्रूणविज्ञान विभाग, मेडिकल स्कूल ओन्डोकुज मेय्स विश्वविद्यालय, सैमसन, तुर्की।

9-3 t\oj lk;u foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुब्रत सिन्हा

आचार्य

एस.एस. चौहान	एन.आर. राजेश्वरी	पी.पी. चट्टोपाध्याय
कल्पना लूथरा	अल्पना शर्मा	कुज़ंग चोसडोल

सह-आचार्य

सुदीप सेन	अर्चना सिंह-1

सहायक आचार्य

अर्चना सिंह-II	जयंत कुमार पी	सुभ्रदीप कर्माकर
अशोक शर्मा	प्रज्ञान आचार्य	रियाज़ अहमद मीर
राखी यादव	प्रमोद कुमार गौतम	

विशिष्टताएं

- इस वर्ष विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे डी.बी.टी., डी.एस.टी., आई.सी.एम.आर., डी.एच.आर. डी.आर.डी.ओ., यू.जी.सी. (एम.ओ.ओ.सी.एस.) इंडो-ऑस्ट्रियन, वेलकम ट्रस्ट, आयुष मंत्रालय तथा एम्स की आंतरिक परियोजनाओं द्वारा वित्तपोषित 41 अनुसंधान परियोजनाएं चलाई गई हैं तथा 17.0 करोड़ रु. की तथा 9 परियोजनाएं (2.0 करोड़) पूर्ण की गई।
- विभाग के अन्य संकाय सदस्यों द्वारा 56 विभागीय परियोजनाएं एवं 51 सहयोगी परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।
- 45 शोध प्रकाशन और 11 अमूर्त लेख राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं।
- संकाय द्वारा 55 आमंत्रित वार्त्ताएं दी गई और विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों पर संकाय / शोध छात्रों द्वारा शोध पत्र (मौखिक / पोस्टर) प्रस्तुत किए गए।
- दो संकाय सदस्यों को एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार 2018 प्रदान किया गया।
- संकाय और छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में यात्रा अनुदान के साथ-साथ मौखिक प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार प्राप्त किए।
- 12 एम.एस.सी., 13 एम.डी., 6 एस.आर. और 34 पंजीकृत विद्यार्थी पी.एच.डी. विभाग में काम कर रहे है।

- एम.डी. तथा एम.एस. छात्रों को पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए तथा एम.बी.बी.एस. प्रैक्टिकल्स के लिए व्यावहारिक रूप से शोध में वर्तमान प्रगति को शामिल करने वाले विभिन्न विषयों संबंधी उन्नत कक्षाओं को सम्मिलित किया गया है।
- विभाग द्वारा 1 मई 2018 को विश्व इम्युनोलॉजी दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया; आई.एस.टी.आर. अ.भा.आ.सं.
- विभाग द्वारा 13907 विभिन्न नमूनों का परीक्षण किया गया तथा विभाग द्वारा रोगियों को नैदानिक सेवाएं प्रदान की जा रही है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

विभाग द्वारा स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों में कुछ संशोधनों की शुरूआत की जिसका उद्देश्य जैवरसायन में कौशल एवं विकास दोनों को बढ़ाना तथा वर्तमान विकास के ज्ञान को कायम रखना था। ग्लूकोज़ की निगरानी और जांच हेतु पी.ओ.सी.टी. उपकरणों पर शिक्षाप्रद व्याख्यान और व्यावहारिक प्रदर्शन से संबंधित मामलों की चर्चाओं को व्यावहारिक सिद्धांत से संबंधित विषयों में शामिल किया गया था। किट आधारित व्यावहारिक छात्रों को कुछ जैव-रासायनिक विश्लेषणों के लिए पेश किया गया था, जो पारंपरिक और ऑटो विश्लेषक आधारित तरीकों के बीच (यूरिक एसिड और एच.डी.एल. कोलेस्ट्रॉल) अंतर प्रदर्शित करते थे। आणविक जीवविज्ञान में वर्तमान अनुप्रयोगों से संबंधित तकनीक जैसे प्रतिबंध पाचन और प्रतिबंध साइट मानचित्रण को भी पाठ्यक्रमों में सम्मिलित किया गया था।

इनमें से 12 एम.एस.सी. और 13 एम.डी. छात्र शामिल हैं। विभाग में 34 पी.एच.डी. छात्र भी हैं। पोस्ट डॉक्टरल छात्रों के तौर पर तीन महिला डी.एस.टी. वैज्ञानिक एवं चार एन.-पी.डी.एफ. पर काम कर रहे हैं।

कोशिका जीवविज्ञान, कैंसर जीवविज्ञान, इम्यूनोलॉजी, चयापचय और सिस्टम जीवविज्ञान मॉड्यूल में अधिक उन्नत कक्षाओं के सम्मिलन हेतु स्नातकोत्तर शिक्षण पाठ्यक्रम का विस्तार किया गया। जूनियर और सीनियर रेज़ीडेंट्स के लिए विभिन्न पत्रिकाओं से जटिल केस रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए 'क्लीनिकल केस चर्चा' को संशोधित किया गया है।

पाठ्यक्रम के समन्वयक के रूप में डॉ. एम.आर. राजेश्वरी ने दिसंबर 2018 में बायोमोलीक्युल्स पर आधारित एस.डब्ल्यू.ए.वाई.ए.एम.-एम.ओ.ओ.सी.स. पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। वर्तमान में जनवरी 2019 से शिक्षा पर आधारित अन्य पाठ्यक्रम यू.जी.सी.-एम.एच.आर.डी. द्वारा सूचना एवं प्रौद्योगिकी (एन.एम.ई.आई.सी.टी.) द्वारा राष्ट्रीय परियोजना के तौर पर चलाने की पेशकश की गई है।

आयोजित सम्मेलन

- 1 मई 2018 को इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी के तत्वावधान में अ.भा.आ.सं. में विभाग (डॉ. अल्पना शर्मा) द्वारा विश्व प्रतिरक्षण दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

- 6 एवं 7 जुलाई 2018 को अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में जैव-चिकित्सा एवं कृषि विज्ञान (डॉ. प्रज्ञान आचार्य द्वारा) में अनुवादकीय अनुसंधान पर विभाग द्वारा आई.एस.टी.आर. एम्स संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- 10 मार्च 2019 को अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में विभाग (आचार्य सुब्रत सिन्हा) द्वारा जैवविज्ञान में गणित एक प्रस्तावना नामक विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

क.आयु.शि. / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

सुब्रत सिन्हा : 3 **श्याम एस चौहान : 5** **एम.आर. राजेश्वरी : 4** **कल्पना लूथरा : 10**

अल्पना शर्मा : 7 **कुज़ेग चौसडोल : 3** **सुदीप सेन : 5**

अर्चना सिंह I : 1 **जयंत कुमार : 2** **सुभ्रदीप कर्माकर : 4**

अर्चना सिंह II : 1 **अशोक शर्मा : 2**

प्रज्ञान आचार्य : 3 **रियाज़ अहमद मीर : 1**

मौखिक लेख / विज्ञापन प्रस्तुति : 67

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. गर्भाशय के कैंसर हेतु एक नए बायोमार्कर के तौर पर कैंसर टेस्टिज़ एंटीजन पी.ओ.टी.ई.ई. के सीरम स्तर एवं इंट्रा-ट्यूमर उद्भवन विश्लेषण का पायलट अध्ययन। अशोक शर्मा, डी.एच.आर.-सं.रो.कैं.अं., 2 वर्ष, 2018-2020, रु. 25 लाख।
2. चिरकारी पैंक्रिएटाइटिस के विकृतिविन्यास में इम्यून पाथवें का अध्ययन, कल्पना लूथरा, अ.भा.आ.सं., 1 वर्ष, 2018-2019, रु.5 लाख।
3. हीपाटोमा एनिमल मॉडल सिस्टम में एच.एम.जी.बी. 1 के तृतीयक फॉर्मिंग ओलिगोन्यूक्लियोटाइड (टी.एफ.ओ.एस.) के एंटीकैंसर, प्रभाव का मूल्यांकन, श्री राजेश्वरी, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.63.15 लाख।
4. गंभीर चिरकरी यकृत विकृति असफलता में पूर्वज्ञात यकृत क्षति के उपकरण के तौर पर कोशिका मुक्त डी.एन.ए. (सी.एफ.डी.एन.ए.), प्रज्ञान आचार्य, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.24 लाख।
5. दंत चिकित्सा कोशिकाओं के कार्यात्मक निर्धारकों की भूमिका और एन.के. कोशिकाओं के साथ उनकी प्रतिरक्षा संबंधी क्रॉस टॉक : पेम्फिगस वलगरिस में संभावित उपचरित लक्ष्य; अल्पना शर्मा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रु.42.31 लाख।
6. हर्बल पौधे के अर्क और एच.एस.पी. 70-ट्मूयर एंटीजन का उपयोग करके कैंसर स्टेम सेल पर लिपोसोमस / नैनो पार्टिकल्स का उपयोग करके लक्षित दवा वितरण का विकास और उसके एंटी-ट्येूमर फंक्शन का मूल्यांकन, प्रमोद कुमार गौतम, डी.एस.टी., नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2019-2022 रु.40 लाख।

7. ओलिगोडेन्ड्रोसाइट्स में भ्रूण तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं का विभेदन एवं रोग उत्पत्ति को समझने और सेरेब्रलपाल्सी के लिए चिकित्सीय रणनीतियों को विकसित करने के लिए एक रोग संबंधी मॉडल, सुदीप सेन, डी.बी.टी., 2 वर्ष, 2018-2020, रु.29.2 लाख।
8. इन विट्रो में विभिन्न तंत्रिका कोशिका प्रकारों पर हाइपोक्सिया का प्रभाव-समयपूर्व पैदा शिशुओं में सेरेब्रल पाल्सी के खिलाफ चिकित्सीय रणनीति तैयार करने हेतु एक मॉडल, सुदीप सेन, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2018-2021, रु.49 लाख।
9. मोटापा प्रेरित वसा ऊतक में शिथिलता और सूजन में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव, राखी यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रु.8 लाख।
10. जीनोम वाइड डी.एन.ए. मिथाइलेशन और जीनोमिक अस्थिरता प्रोफाइलिंग और डिम्बग्रंथि कैंसर के लिए एक बायोमार्कर और इम्यूनोथेरेप्यूटिक लक्ष्य के रूप में इसकी क्षमता का मूल्यांकन करना; अशोक शर्मा, डी.बी.टी. रामालिंगास्वामी परियोजना, 5 वर्ष, 2015-2020, रु.32.5 लाख।
11. मानव पित्ताशय के कैंसर के शीघ्र निदान हेतु नॉवल रक्त आधारित बायोमार्कर की पहचान, श्याम एस. चौहान, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, 3 वर्ष, 2017-2020, रु.46.61 लाख।
12. हाइपोक्सिया और स्टेमनेस और इनवेसिव विशेषता के संदर्भ में नैनो कणों और कैंसर कोशिकाओं के बीच सहभागिता, पी. चट्टोपाध्याय, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.80 लाख।
13. गंभीर मलेरिया के परिणाम के साथ प्लास्मोडियम प्यूरीन सालवेज पाथवे एंजाइम और मेटाबोलाइट्स के संगठन की जांच, प्रज्ञान आचार्य, एम.ई.आर.बी., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.88 लाख।
14. एच.आई.वी.-I से संक्रामित बच्चों की मेमोरी बी-कोशिकाओं से मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का अलगाव और लक्षण वर्णन, कल्पना लूथरा, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2016-2019, रु.63 लाख।
15. एच.आई.वी.-I के उप्रकार 'सी' संक्रमित व्यक्तियों (इंडो साउथ अलगाव और लक्षण वर्णन, कल्पना लूथरा, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.88 लाख।
16. कोलोरेक्टरल कैंसर स्टेम सेल के अलगाव और आण्विक लक्षण वर्णन सुदीप सेन, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2015-2019 रु.25 लाख।
17. गंभीर चिरकारी यकृत असफलता में मेटाबोलाइट मीडिएटिड इंट्रासेल्यूर सिग्नलिंग, प्रज्ञान आचार्य, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रु.5 लाख।
18. एंडोमेट्रियल कैंसर की आणविक लक्षण विशेषताएं और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका संबंध, अशोक शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रु.10 लाख।
19. ग्लियोमा के वि.स्वा.सं. 2016 के वर्गीकरण के संदर्भ में प्रोटोमोरियोजेनिक सूजन की आण्विक पहचान। कुनज़ेंग चोसडॉल, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2018-2020, रु.20 लाख।
20. एम.ओ.ओ.सी.एस. स्वयं, एम.आर. राजेश्वरी, एम.एच.आर.डी., 1 वर्ष, 2018-2019, रु.13.50 लाख।
21. एम.ओ.ओ.सी.एस. स्वयं, एम.आर. राजेश्वरी, एम.एच.आर.डी. 6 माह, जनवरी-जून 2019, रु.1.20 लाख।

22. एम.ओ.ओ.सी.एस. स्वयं, एम.आर. राजेश्वरी, 6 माह, जून-दिसंबर 2018, रु.7.20 लाख।
23. ब्रेन आयरन संचय सहित न्यूरोडिजनरेशन : आयरन बायोमार्कर एवं उपचारित विकल्प, एम.आर. राजेश्वरी, अन्तर्राष्ट्रीय इंडिया ऑस्ट्रिया सहयोग वाया डी.एस.टी.डब्ल्यू.टी.जेड., 2 वर्ष, 2017-2019, रु.18.85 लाख।
24. गर्भाशय कैंसर में पेरिसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर-टेस्टिज़। जर्मलाइन एंटीजन पी.ओ.टी.ई. एक्सप्रेशन के तौर पर न्यूक्लियर आर्किटेक्चर, अशोक शर्मा, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.55 लाख।
25. फ्रेडरिक एटोक्सिया (एफ.ए.) के माइटोकॉन्ड्रियल मूल्यांकन में प्लाज़्मा डी.एन.ए. परिसंचरण, एम.आर. राजेश्वरी, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2017-2019, रु.34.60 लाख।
26. पेनाइल कैंसर के भारतीय रोगियों में मानव पैपिलोमा वायरस (एच.पी.वी.) का प्रभाव, अल्पना शर्मा, डी.एच.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रु.25.0 लाख।
27. मानव पैपिलोमा वायरस ऑनकोप्रोटीन्स ई-6 एवं ई-7 के लक्ष्य के तौर पर आर.2 टी.सी. कॉम्प्लेक्स, रियाज़ अहमद मीर, डी.एस.टी.-एस.ई.आर.बी. कोर ग्रांट, 3 वर्ष, 2018-2021, रु.27.85 लाख ।
28. ग्लायल ट्यूमर मॉडल के नियोप्लासिया प्रयोग में अनुमानित प्रतिकूल फीनोटाइप एवं उपचारित रेसिस्टेंस हेतु टेक्लिंग हाइपोक्सिया हेतु रेशनल नीतियां, सुब्रत सिन्हा, डी.एस.टी. 5 वर्ष, 2017-2022, रु.98 लाख।
29. मानव तथा ए.एम.एल. की भमिका में एरिथ्रेइड विभेदीकरण के दौरान ई.पी.ओ. द्वारा टी.ई.टी.2 प्रोटीन्स का रेगुलेशन, सुभ्रदीप कर्माकर एस.ई.आर.बी., 3 वर्ष, 2016-2019, रु.42 लाख ।
30. ट्रोफोब्लास्ट इन्वेज़न में एच.एम.ओ.एक्स. की भूमिका, सुभ्रदीप कर्माकर, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रु.56 लाख ।
31. फुफ्फसीप क्षयरोग के पेथोफिज़ियोलॉजी में मेक्रोफेज इफेक्टर फंक्शन पर हाइपरग्लाइसिमिया की भूमिका, अर्चना सिंह, एस.ई.आर.बी.डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2018-2021, रु.49 लाख।
32. लिम्फोमैग्नेसिस में एक आर.एन.ए. बाइंडिंग प्रोटीन, आई.जी.एफ.2बी.पी.1 की भूमिका, जयंत कुमार प्लानीचेमी डी.बी.टी. वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस अर्ली कैंसर फैलेशिप फॉर क्लीनिमियन्स एंड पब्लिक हेल्थ रिसर्चर्स, 5 वर्ष, 2016-2021, रु.187 लाख।
33. अस्थि एवं रक्त संरचना स्टेम एवं प्रोगिन्टर कोशिका स्थानांतरण एवं विकास के नियमन में मैक्रोफेज की भूमिका, प्रमोद कुमार गौतम, डी.एस.टी., नई दिल्ली, 5 वर्ष, 2017-2022, रु.35 लाख ।
34. हाइपोक्सिया के तहत एफ.ए.टी.1 तथा पी53 के बीच सिग्नलिंग इंटरएक्शन : ग्लियोमा के नॉबल मॉलीक्पुलर लक्षित ट्यूमर फीनोटाइप की पहचान तथा उनका प्रभाव, कुंज़ेग चोसडोल, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2016-2019, रु.55.52 लाख ।
35. ओरल कार्सिकोजेनोसिस में मानव हीट्रोजीनस राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी उद्भवन का नियमन एवं भूमिका का अध्ययन, श्याम एस. चौहान, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2016-2019, रु.71.72 लाख।

36. एडिपोस ऊतक ए.बी.सी.ए.1 एवं मेटाबोलिक स्थिति द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध एवं एच.डी.एल. गुणवत्ता का मोडुलेशन, अर्चना सिंह, एस.ई.आर.बी.डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.40.1 लाख ।

37. ग्लायोब्लास्टोमा (जी.बी.एम.) एग्रोसिवनेस में रेगुलेटिड एफ.ए.टी.आई.,एम.आई.आर.एन. की भूमिका : जी.बी.एम. रोगियों में संभावित एम.आई.आर.एन.ए. (एस.) की क्लीनिकल मार्कर के तौर पर पहचान, कुंजेंग चोसडोल, एस.ई.आर.बी.डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2019-2022, रु.42.33 लाख।

38. मानव प्लेसेंटल विकास एवं प्रिक्लेम्पसिया में सक्रिय रिसेप्टर-अल्फा-प्रिऑक्सीम प्रोलिफिरेट की भूमिका, सुभ्रदीप कर्माकर, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2019-2022, रु.62 लाख ।

39. ग्लियोमा में एफ.ए.टी.1 जीन उद्भवन पर एन.एफ.के.बी. की क्रियात्मक भूमिका का अध्ययन, डॉ.कुंजेंग चोसडोल, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.33.33 लाख ।

40. स्टेम कोशिका पर बी.डिफेंसिन की भूमिका का अध्ययन, कैंसर स्टेम सेल रिमॉडलिंग एवं इससे संबद्ध सूक्ष्म पर्यावरण, प्रमोद कुमार गौतम, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, रु.10 लाख ।

41. रूधिर विज्ञान संबंधी दुर्दमता में एक यूनानी हर्बल फॉर्मुलेशन की चिकित्सीय संभावना का अनावरण, अल्पना शर्मा, आयुष, 3 वर्ष, 2017-2020, रु.62.12 लाख ।

कुल अनुदान प्राप्त 15 करोड़ 17 लाख ।

पूर्ण

1. पेनक्रिएटिक डक्टल एडिनोकार्सिनोमा (पी.डी.ए.सी.) से पीड़ित भारतीय रोगियों में कॉमन ड्राइवर क्यूटेशनस की पहचान हेतु एक कैंडिडेट जीन अ्प्रोच, सुभ्रदीप कर्माकर, अ.भा.आ.सं., इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2017-2019, रु.10 लाख ।

2. गंभीर एच.आई.वी.-1 से संक्रमित बाल रोगियों के प्लाज़्मा में ए.डी.सी.सी. एक्टिबिटी की विशेषता, कल्पना लूथरा, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2016-2018, रु.7 लाख ।

3. इन विट्रो में मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं में सिम्फाइटम ओस्टिनेटिक गतिविधि के अंतर्निहित तंत्र की व्याख्या, सुदीप सेन, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2015-2019, रु.47.6 लाख।

4. डी.एल.बी.सी.एल. में आर2टी.वी. कांप्लेक्स एवं इसके ब्रिजिंग प्रोटीन्स का उद्भवन तथा म्युटेशनल विश्लेषण, रियाज़ अहमद मीर, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2017-2019, रु.8 लाख ।

5. शहरी एवं ग्रामीण दिल्ली में विटामिन डी की कमी का जनसंख्या में प्रभाव तथा कार्डियोवस्कुलर डिज़ीज जोखिम कारकों के साथ उसका संबंध, अर्चना सिंह, डी.एच.आर., स्वास्थ्य. एवं परिवार कल्याण मंत्रालय., भारत, 2 वर्ष, 2016-2018, रु.28 लाख ।

6. कोरोनरी हृदय रोग की पेथोफिज़ियोलॉजी एवं गंभीरता से पीड़ित रोगियों में ल्यूकोसाइट झिल्ली कांप्लीमेंट रेगुलेटर प्रोटीन्स, एम.बी.एल. एवं एम.ए.एस.पी.2 का संबंध, कल्पना लूथरा, डी.एच.आर., 3.6 वर्ष, 2015-2018, रु.44 लाख ।

7. सीरम हेप्सीडिन लेवल्स : फेफड़े के क्षयरोग के विकृतिविज्ञान में फेरोप्रोटीन उद्भवन एवं स्थानीकरण एवं आयरन निर्यात के साथ उसका सहसंबंध, अर्चना सिंह, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2016-2018, रु.8 लाख ।
8. बहुविध मायलोमा में नैदानिक एप्रोच के तौर पर माइक्रो आर.एन.ए.एस. का अध्ययन, अल्पना शर्मा, अ.भा.आ.सं., 2016-2018, रु.10.0 लाख ।
9. क्षयरोग में फॉक1 वी.डी.बार. पॉलीमॉर्फिज़्म के साथ विटामिन डी ग्राही (वी.डी.आर.) एवं कैथिलिसिडीन उद्भवन का अध्ययन, अर्चना सिंह, एस.ई.आर.बी.,डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2015-2018, रु.23 लाख ।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एच.आई.वी.-1 से संक्रमित बच्चों में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं पर ए.आर.टी. की प्रारंभिक दीक्षा के प्रभाव का एक अनुदैर्घ्य अध्ययन ।
2. समयपूर्व डिम्बग्रंथि विफलता के निदान के लिए एक प्रतिरक्षाविज्ञानी और आण्विक पहलू ।
3. मानव कोलोरक्टल कार्सिनोमा में कैंसर कोशिका विभेदीकरण तथा ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट के बीच संबंध ।
4. मानव भ्रूण के तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त एस्ट्रोसाइट्स का लक्षण वर्णन।
5. उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में वृषण अतिजन पी.ओ.टी.ई.ई. की क्लीनिंग और कार्य विश्लेषण ।
6. पी. विवेक्स से गंभीर रूप से संक्रमित एवं हल्के मलेरिया रोग से पीड़ित व्यक्तियों में टी.एन.एफ. अल्फा प्रोफाइलिंग की तुलना।
7. गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन : रोग और उपचार में जटिलताएं
8. विभिन्न ऑक्सीजन सांद्रता के तहत कैंसर कोशिकाओं के स्टेमनेस और माइग्रेशन विशेषताओं पर नैनोकणों का प्रभाव ।
9. कैंसर कोशिकाओं द्वारा पी.एल.जी.ए. बायोडिग्रेबल नैनोपार्टिकल में तेजी पर जेटा क्षमता का प्रभाव।
10. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में प्रतिरक्षा हरण तंत्र का स्पष्टीकरण ।
11. विभिन्न मैस्टास्टेटिक क्षमता वाले स्तन कैंसर की कोशिकाओं में कैथेप्सिन बी के विभेदक अभिव्यक्ति के आणविक तंत्र का प्रसार ।
12. प्रतिकूल ई.एम.टी. एवं कैंसर मेटास्टेटिस को दबाने के लिए एपिजेनेटिक चिकित्सा।
13. बहुविध मायलोमा में एम.आई.आर.एन.ए. द्वारा वर्सिकन की भूमिका एवं उसका विनियमन।
14. मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों के ऊतक शिथिलता में एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स रीमॉडलिंग।
15. ग्लियोमा की कीमो-संवदेनशील पर एफ.ए.टी.आई. एवं पी 53 ।
16. एफ.ए.टी.आई. प्रोटीन : ग्लियोमा कोशिकाओं में इसकी प्रोसेसिंग एवं सेल्युलर किया।
17. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर-वृषण / जर्मलाइन ऐटीजन प्रोटीन के कार्यात्मक लक्षण वर्णन, अभिव्यक्ति और नैदानिक महत्व ।

18. ग्लियोमा में एफ.ए.टी.आई. और एम.आई.आर.एन.ए. की कार्यात्मक परस्पर क्रिया।
19. पेम्फिगस वलेगेरिस के इम्यूनोपेथेसेनोसिस में गामा/डेल्टा/टी कोशिकाएं
20. सबटाइप सी संक्रमित बाल एलाइट न्यूट्रिलाइज़र द्वारा एच.आई.वी.-I मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी (स) की जनरेशन एवं विशेषताएं।
21. सबटाइप सी संक्रमित वयस्क दीर्घकालिक नॉनप्रोग्रेसर से एंटी एच.आई.वी.-I मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की जनरेशन एवं विशेषताएं ।
22. इम्यूनोजिन डिज़ाइन की ओर बाल एच.आई.वी-1 C ट्रिमर्स की जनरेशन एवं विशेषताएं।
23. संभावित सबटाइप सी आधारित इम्यूनोजिन हेतु दीर्घकालिक नॉनप्रोग्रेसर (एल.टी.एन.पी.) एच.आई.वी.-1 से संक्रामित वयस्कों से सूडोवायरस की उत्पत्ति एवं विशेषताएं ।
24. प्रसव के दौरान एच.आई.वी.-I से संक्रमित बच्चों में सूडोवायरस की उत्पत्ति एवं विशेषताएं।
25. मलेरिया में होस्ट पैरासाइट परस्परक्रिया ।
26. कीमोथेरेपी के लिए हाइपोक्सिया एवं प्रतिक्रियाएं : ग्लियाल ट्यूमर सेल लाइन्।
27. इन विट्रो एंडोथिलियल दुष्क्रिया की विभिन्न अवस्थाओं की पहचान तथा कार्डियोवान्कुलर जोखिम कारकों के लिए व्यक्ति विशेष में प्रकट उनकी वैधता ।
28. ए.सी.एल.एफ. में सहज इम्यून प्रतिक्रियाएं ।
29. कैंसर कोशिका के कार्बोनिक एनहाइड्रेस 9 में इनवेसिव सबसेट का आंतरिककरण।
30. संक्रमित बच्चों में मानव एंटी एच.आई.वी.-I मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ की पृथकता एवं विशेषताएं ।
31. ग्लियोमा के वि.स्वा.सं.2016 वर्गीकरण के संदर्भ में ग्लियोमा की मोलीक्यूलर संरचना।
32. प्रोटियोमिक्स ऑफ एफ.आर.डी.ए. पोज़िटिव, एफ.आर.डी.ए. सस्पेक्टिड एंड एफ.आर.डी.ए. कैरियर्स, ऑन प्रोइंग (पी.एच.डी.) चीफ गाइड ।
33. कैंसर में पेरिसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर-वृषण / जर्मलाइन एंटीजन पी.ओ.टी.ई. के एपिजेनेटिक रेगुलेटर के तौर पर 3डी जीनोम आर्किटेक्चर की भूमिका।
34. गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया ई.टी.वी.6-आर.यू.एम.एक्स. 1 ट्रांसलोकेशन पोज़िटिव बी में सी.एम.वाई.सी. एवं ई.जी.एफ.एल.7 की भूमिका ।
35. विटिलिगो में गामा डेल्टा टी कोशिकाओं एवं अपमार्जक ग्राहियों की भूमिका।
36. मुँह के कैंसर में मानव हिटेरोजिनियस राइबोन्यूक्लियर प्रोटीन डी की भूमिका।
37. फेफड़े की तपेदिक में मेक्रोफेज़ इफेक्टर फंक्शन पर हाइपरग्लायसीमिया की भूमिका।
38. गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया ई.टी.वी.6-आर.यू.एन.एक्स.1 पोज़िटिव बी में आई.जी.एफ. 2 बी.पी. 1 की भूमिका ।
39. नॉन-कोडिंग आर.एन.ए. इन रेगुलेटिंग आई.जी.एफ2बी.पी.3 की भूमिका, एन ऑनकोफीटल आर.एन.ए. बाइंडिंग प्रोटीन।
40. ग्लायल ट्यूमरोजिनेसिस में प्रोथाइमोसिन-ए की भूमिका।
41. बी-कोशिका के गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आर.एन.ए. मिथाइलेशन एवं आई.जी.एफ. 2 बी.पी. उद्भव की भूमिका ।

42. माइलोडिस्प्लास्टिक सिन्ड्रोम में टी.ई.टी.2 की भूमिका।
43. गंभीर माइलॉइड ल्यूकेमिया की विकृतिजन्यता में टी.ई.टी.2 की भूमिका।
44. छाती के कैंसर में एंड्रोजन रिसेप्टर्स मीडिएटिड घटनाओं एवं मोलीक्यूलर विषमांगता संबंधी अध्ययन ।
45. ब्लेडर के यूरोथिलियल कार्सिनोमा में स्वपोषी संबद्ध एच.एम.जी.बी.-I तथा इससे संबंधित मोलीक्यूल्स का अध्ययन ।
46. कुष्ठरोग प्रतिक्रिया वाले रोगियों में अनुमानित टी.एच.-17 का अध्ययन : एक नवीन उपचारित एप्रोच ।
47. माइकोबैक्टीरियम तपेदिक इन विटो के विरूद्ध कीमोइम्यूनोथेरेपी में सबंद्ध के तौर पर माइकोबैक्टीरियम इंडीककसप्रेनी एवं मानव बीटा डिफेन्सिन का अध्ययन।
48. मोटापे में एडीपोज़ ऊतक दुष्क्रियाओं में वस्कुलर एंडोथिलियल विकास कारक (वी.ई.जी.एफ.-ए.) एवं इसके आइसोफॉर्म का अध्ययन ।
49. कैंसर में जीन एक्सप्रेशन के नियमन में आर.एन.ए. बाइंडिंग प्रोटीन्स की आर.एन.ए. मिथाइलेशन एवं आई.जी.एफ.एफ.2बी.पी. फैमिली की आंतरिक क्रिया।
50. कैंसर के वैश्विक बायोमार्कर्स के तौर पर केथेप्सिन एल एवं केथेप्सिन बी की संभावित उपयोगिता का मूल्यांकन ।
51. कार्सिनोमा गॉलब्लेडर की विकृतिजन्पता में न्यूक्लियर ग्राहियों की भूमिका की पहचान।
52. प्रि-एक्लेम्सिया के विकास में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज़ की भूमिका की पहचान।
53. ट्रोफोब्लास्ट इनवेज़न एवं विभेदीकरण पर उच्च ग्लूकोज़ एक्सपोज़र के प्रभाव का अध्ययन।
54. हाइपोक्सिया की विभिन्न डिग्री के तहत जी.बी.एम. सेल लाइनस में जीन उद्भवन तथा गंभीर हाइपोक्सिक स्थिति के तहत एच.1एफ.1 में पी.53 की भूमिका का अध्ययन।
55. स्टेम सेल्स, कैंसर स्टेम सेल्स रिमॉडलिंग पर बी-डिफेंसिन की भूमिका तथा उससे संबद्ध सूक्ष्मपर्यावरण का अध्ययन ।
56. कैंसर कोशिकाओं द्वारा बायोडिग्रेडेबल (जैवनिम्नीकरण) नैनोपार्टिकल्स की सक्रियता।

पूर्ण

1. गंभीर ऑन-कॉनिक यकृत असफलता से पीड़ित रोगियों के सीरम में कोशिका युक्त न्यूक्लिक एसिड का विश्लेषण ।
2. एपिथिलियल गर्भाशय कैंसर में पी.ओ.टी.ई.बी. उद्भवन पर मिथाइलेशन डी.एन.ए. प्रभाव ।
3. गर्भाशय कैंसर में कैंसर वृषण/जर्मलाइन जीन पी.ओ.टी.ई.ई. के उद्भवन में डी.एन.ए. मिथाइलेशन का प्रभाव ।
4. फुफ्फुसीय क्षपरोग की पेथोफिजियोलॉजी में मेक्रोफेज प्रक्रिया पर हाइपरग्लाइसिमिया का प्रभाव।
5. मानव अस्थि में आस्टियोजिनोसिस में सिंफिटम ऑफिसिनेल की भूमिका का स्पष्टीकरण।
6. मानव गॉल-ब्लेडर कैंसर में सीरम माइक्रो आर.एन.ए.एस. की नैदानिक उल्लेखनीयता एवं उद्भवन।

7. पेरी-मिनीस्कू इंप्लांट क्रेवाइकुलर फ्लूड (पी.एम.आई.सी.एफ.) में इंफ्लेमेटरी बायोमार्कर्स एच.एम.जी.बी.1 एवं टी.जी.एफ.-1
8. चयनित भारतीयों में एच.आई.वी.-1 से संक्रमित व्यक्ति विशेष की बी कोशिका मेमोरी द्वारा मानव मोनोक्लोनल प्रतिपिंडों का पृथ्थकीकरण एवं विशेषताएं ।
9. सेलिएक रोग में लघु अंत्रीय बायोप्सी का प्रोटिओमिक्स
10. ग्लियोमास में एफ.ए.टी.आई. जीन एक्सप्रेशन का नियमन ।
11. मानव ट्रोफोब्लास्ट इनवेज़न एवं विभेदीकरण पर कॉर्टिसोल की भूमिका ।
12. शेपिंग वर्किंग मेमोरी एवं सिज़ोफ्रेनिया में स्टोकोस्टिसिटी की भूमिका ।
13. ग्लियोमा में एफ.ए.टी.1, पी.53 एवं एच.1एफ.1 के मध्य परस्चर सिगनलिंग
14. ब्लेडर कैंसर में आर.ए.एस.एस.एफ. जीन का अध्ययन एवं उनकी सिगनलिंग ।
15. ट्रोफोब्लास्ट इन्वेज़न में पेरोऑक्सीसम प्रोलाइकिरेटर एक्टिवेटिड रिसेप्टर अल्पना (पी.ए.आर.) की भूमिका का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. यूरोडाथनेमिकली प्रमाणित एस.यू.आई., प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान के रोगियों में रेक्टस फेसिया प्यूबोवेजाइनल स्लिंग सर्जरी बनाम टी.ओ.टी. का एक तुलनात्मक अध्ययन ।
2. छाती के कैंसर में प्रोमोटर डी.एन.ए. मिथाइलेशन प्रोफाइल्स के साइट-स्पेसिकिक ऊतक के मूल्यांकन द्वारा एपिजेनेहिक अध्ययन, सर्जरी ।
3. एनिमिया (एन.सी.ई.ए.आर.-ए.) नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस एवं उन्नत अनुसंधान के तौर पर एनिमिया अनुसंधान संघ, सामुदायिक चिकित्सा
4. ऑर्थोडॉन्टिक दंत क्रिया-एक पायलट अध्ययन के दौरान एकल बनाम आगामी माइक्रोऑस्टियोपरफोरेशन उद्दीपन1 एल. बीटा लेवल्स का मूल्यांकन । दंत शल्यक्रिया
5. प्रोटीन का बायोफिजिक्स, जैव भौतिकी
6. सिर एवं गर्दन के कैंसर पर आधारित कैंसर अनुसंधान में औषधि की खोज के टूल के तौर पर सिंगल-सेल डिराइव्ड क्लोनल स्पिरॉइड का विकास। जैव विज्ञान विद्यालय, ज.ने.वि., नई दिल्ली।
7. भारत की असुरक्षित जनजातीय समुदायों की खाद्य सुरक्षा और पोषण संबंधी स्थिति को संबोधित करने में विभिन्न प्रकार के आहार और स्वदेशी खाद्य पदार्थों के पोषक मूल्य, आई.आई.पी.एच.-दिल्ली, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, दिल्ली।
8. संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर के रूप में पुराने विषयों के बीच उपन्यास प्रोटीन का अनुमान, जरा चिकित्सा ।
9. जी.सी.एफ. में आर.ए.एन. के.एल. का मूल्यांकन और कैनाइन रिट्रेक्शन के दौरान दांतों की मूवमेंट की दर की निम्न स्तर की लेज़र चिकित्सा एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दंत शल्यक्रिया ।
10. सौम्थ पेरोक्ससिस्मल पोजिशनल वर्टिगों रोगियों में सीरम विटामिन डी के स्तर के बायोमार्कर और

सीरम के महत्व के रूप में ऑटोनील-1 का मूल्यांकन, नाक, कान, गला विभाग

11. एंडोथिलियल कोशिकाओं संबंधी एडिपोनेक्टिन स्फिंगोसीनी फॉस्फेट (एस.आई.पी.) और उच्च घनत्व वाले लियोप्रोटीन (एच.डी.एल.) के एंटी-एथेरोजेनिक प्रभावों के लिए एक यूनिफाइड मार्ग की खोज, हृदय रोग विज्ञान ।
12. आर.एन.ए. बाइंडिंग प्रोटीन आई.जी.एफ.2बी.पी.3, दीर्घ नॉन-कोडिंग आर.एन.ए. लिंक एवं एपिथिलियल कैंसर कोशिका लाइन्स के माइग्रेशन एवं इन्वेज़न में उनके लक्ष्य के बीच एक्सप्लोरिंग लिंक, जैवरसायन।
13. एंडोथिलियल कोशिकाओं पर एडिपोनेक्टिन के एंटी एथेरोजेनिक प्रभावों की मध्यस्थता में इंट्रासेल्युलर रूप से गठित स्फिंगोसिन आई-फॉस्फेट (एस.आई.पी.) की भूमिका की व्याख्या, हृदयरोग विज्ञान
14. गर्भाशय ट्यूमर में कैंसर वृषण एंटीजन पी.ओ.टी.ई. का उद्भवन एवं उसका नैदानिक महत्व : एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान
15. पेनक्रियास के कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में रेज-4 एवं एम.यू.सी.-4 का उद्भवन, जठरांत्ररोगविज्ञान।
16. छाती के कैंसर की विकृतिजन्यता में लक्षित साइक्लिन डी के नॉवल यूबिक्विटीन लिगास के तौर पर एफ.बी.एक्स. 04, जैवरसायन।
17. भारतीय रोगियों में पेनाइल कार्सिनोमा में मानव पेपीलोमा वायरस स्थिति एवं क्लीनिको पेथोलॉजिकल स्टेनिंग, मूत्ररोगविज्ञान।
18. भारतीय बी.सी.आर-ए.बी.एल. में गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में नॉवल ड्राइविंग ट्रायोसिन काइनेस की पहचान एवं इन-विट्रो फंक्शनल जांच। अर्बुदविज्ञान प्रयोगशाला ।
19. वृक्कीय कोशिका के कार्सिनोमा के रोगियों में ट्यूमर बिहेवियर के बायोमार्कर के तौर पर ग्लूकोज़ से संबंधित प्रोटीन78 (जी.आर.पी.78) की पहचान, मूत्ररोग विज्ञान ।
20. फ्यूक्स एंडोथिलियल कॉर्नियल डिस्ट्रोफी (एफ.ई.सी.डी.) में नॉवल ट्रांसस्क्रिप्ट एवं नॉन-कोडिंग आर.एन.ए. की पहचान, रा.प्र. केंद्र
21. आई.वी.एफ. असफलता वाले रोगियों में इम्यूनोलॉजिकल मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान।
22. रूमेटाइड आर्थराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग एवं ध्यान का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान।
23. आई.एम.आर.जी. परियोजना : नॉन-मेनियर रोग वर्टिगों रोगियों में बायोमार्कर के तौर पर परिसंचरण में इनर ईयर प्रोटीन ओटोलीन-1, विटामिन डी, आयोडाइज्ड कैलशियम का अध्ययन, कान, नाक, गला विभाग
24. एडिपोज़ मीडिएटिड इंसुलिन रेसिस्टेंस में प्लाज़्मामेम्ब्रेन ए.टी.पी. बाइंडिंग कैसेट ट्रांसपोर्टर (ए.बी.सी.ए.1) की संलिप्तता की जांच, सर्जिकल डिसीप्लिन
25. सीरम में हेपेटाइटिस वायरस (ए.जी.) की समकालिक पहचान हेतु मल्टीप्लेक्स रीयल टाइम पी.सी.आर. (क्यू.पी.सी.आर.) ऐसे का विकास, प्रयोगशाला चिकित्सा।
26. पैनक्रएटिक कैंसर के विकास हेतु उच्च जोखिम वाले क्रोनिक पैनाक्रिएटिक रोगियों में बायोमार्कर के तौर पर एम.आई.आर.ए.नए., जठरांत्ररोगविज्ञान ।
27. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा (आर.सी.सी.) में टाइरोसिन किनेस इन्हीबिटर्स (टी.के.आई.) ग्राही के विरूद्ध

एक्सप्लोर रेजिस्टेंस के लिए मोलीक्युलर विश्लेषण तथा मेटास्टेटिक आर.सी.सी. (एम.आर.सी.सी.) से पीड़ित रोगियों में सी.एक्स.सी.आर.1 उद्भवन की प्रोग्नोसिक भूमिका, मूत्ररोगविज्ञान

28. एंडोमिट्रीयल कैंसर की मोलीक्युलर विशेषता एवं क्लीनिकोपेथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ-इसका संबंध, विकृतिविज्ञान
29. मेलीग्नेंट लेक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर्स की मॉलीक्युलर विशेषता, डॉ.रा.प्र. केंद्र
30. यूविअल मैलीनोमा में एन.एफ.के.बी. की मॉलीक्युलर विशेषता, डॉ.रा.प्र. केंद्र
31. टर्की टीनो वायरस का एन.22 क्षेत्र : इम्यूनोलॉजिकल ऐसे एवं प्रोटिओमिक विश्लेषण में ट्रांसलेशनल पेप्टाइड का इस्तेमाल एवं क्लेनिंग, उद्भवन, प्रयोगशाला चिकित्सा।
32. वृद्ध भारतीयों में एक कार्बन मेटाबोलिज़्म एवं संज्ञानात्मक क्षति, जरा चिकित्सा।
33. उच्च जोखिम वाले रोगियों में पूर्व-एक्लेम्पिसया के विकास हेतु प्रिडिक्टिव एवं पूर्वानुमानित मार्कर के तौर पर प्लेसेंटल विकास कारक, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान ।
34. प्रोस्पेक्टिव नॉन-रेंडोमाइज़्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कंपेयर व एफिकेसी ऑफ सबकुटेनियस इंटेन्टसेप्ट वर्सिस ओरल मेथोट्रेक्सेट इन मॉडरेट टू सीवियर क्रोनिक प्लॉक सोरिसिस एंड टू कोरलेट रिसपोस विद टी.एच.1, टी.एच.2, टी.एच.17 एंड टेग संलपैटर्न, त्वचारोग विज्ञान।
35. अनुमानित प्लूरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं का दुर्लभ रोग माडलिंग में प्रयोग। स्टेम सेल सुविधा।
36. प्रीक्लेम्पसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में एक औषधीय न्यूाधिक के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका। शरीर रचना विज्ञान
37. अग्नाशय के कैंसर में एम.आई.आर.एन.ए. मध्यस्थता मॉडुल सिग्नल की भूमिका। जठरांत्ररोग विज्ञान
38. गंभीर माइलॉयल ल्यूकेमिया (ए.एम.एल.) के विकास और रोग के निदान में माइटोकॉन्ड्रियल विषमता की भूमिका । चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
39. सिस्प्लैटिन की अस्थिरता में पी.ए.आर.पी.आई. और ग्लूटामाइलिस्टाइन सिनथेटेसिन इनहैबिटर की भूमिका और डिम्बग्रंथि के कैंसर में डी.एन.ए. मिथाइलेशन के साथ सहसंबंध। सं.रो.कैं.अ.
40. उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में पूर्व-एक्लम्पसिया की भविष्यवाणी के लिए प्लेसेंटल विकास कारक, गर्भाशय धमनी डॉपलर और 3 डी डॉपलर अल्ट्रासाउंड की भूमिका । प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान।
41. पुनरावर्ती श्वसन पैपिलोमाओसिस के प्रबंधन में संवहनी एन्डोथेलियल वृद्धि कारक की भूमिका। ई.एन.टी.
42. सिर की चोट के रोगियों में ओस्टियोजेनिक ट्यूमर कारकों का उपचार : रहस्य को डिकोड करना । हड्डी रोग।
43. वृषण के बायोसिंथेटिक दोषों में जीनोटाइप फेनोटाइप सहसंबंध की पहचान करना और 5-सेक्स विकास के विकारों के संबंध में रिडक्टेस की कमी। बाल चिकित्सा सर्जरी।
44. पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया और न्यूरोएंडोक्राइन स्ट्रेस की प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेटस लम्बोरम ब्लॉक का प्रभाव ऐच्छिक मुक्त पाइलोप्लास्टी, बाल रोगियों में किया जाने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण संज्ञाहरण दर्द चिकित्सा एवं महत्वपूर्ण देखभाल।

45. ल्यूकोट्रिएन ए 4 हाइड्रोलाज जीन पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका और कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स में नैदानिक परिणाम का संबंध ट्यूबरकलर मैनिंजाइटिस रोगियों से है। तंत्रिका विज्ञान

46. एम.टी.डी.एन.ए. कॉपी संख्या और बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल चयापचय की पुनर्संरचना के बीच आकलन का निर्धारण। चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

47. दो या दो से अधिक असफल आई.वी.एफ./आई.सी.एस.आई. के साथ महिलाओं में आरोपण दर पर इंट्रालिपिड पूरकता के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए उन्नत प्राकृतिक मृतक कोशिका स्तर-एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान।

48. भारतीय विषयों के बीच केराटोकोनस (केसी) के आणविक तंत्र की जांच करना। डॉ.रा.प्र. केंद्र

49. एंटीफंगल थेरेपी के साथ मौखिक ल्यूकोप्लाकिया में कैंडिडा और प्रिनफ्लेमेटरी साइटोकिन्स और केमोकाइन्स के बीच संबंध का अध्ययन करना। दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र

50. मल्टीपल मायलोमा रोगियों में बर्टेज़ोमिब रक्त एकाग्रता और नैदानिक प्रतिक्रिया पर सी.वी.वाई.पी.2 सी. 19 बहुरूपता की अक्षमता का अध्ययन। औषध विज्ञान।

पूर्ण

1. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रसेसिस-एक पायलट अध्ययन के क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वी.ई.जी.एफ. ए और सी के आनुवंशिक स्तर और आनुवांशिक बहुरूपताओं के बीच संबंध दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र।

2. कोबालामिन और फोलेट की स्थिति वाले 6-59 महीने की आयु के बच्चों के बीच जिला फरीदाबाद, हरियाणा में एक माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा प्रदान की गई है। सामुदायिक चिकित्सा।

3. गर्भकालीन मधुमेह रार्करा से पीड़ित द्वारा माताओं जन्म लेने वाले शिशुओं में नवजात शिशु की उम्र के साथ गर्भनाल रक्त और स्तन के दूध आई. एफ.-1 का स्तर .... एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन । बाल चिकित्सा ।

4. इन विट्रो में मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं में सिम्फाइटम ओफिसिनेल की ओस्टोजेनिक गतिविधि के दस्तावेज की अंतर्निहित पहचान। पारिस्थितिकी विभाग, आई.आई.टी. दिल्ली; सी.सी.आर.एच., नई दिल्ली; हड्डी रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

5. टी.यू.आर.बी.टी. प्रक्रिया के बाद मूत्राशय के कैंसर में संचार ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान। मूत्रविज्ञान।

6. गंभीर कोरोनरी सिंड्रोम के रोगियों में एच.डी.एल. कार्यक्षमता पर स्टेटिन थेरेपी की विशेषता। कार्डियोलोजी।

7. ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण में पेरोक्सीसोम प्रोलिफरेटर सक्रिय रिपेटर अल्फा (पी.पी.ए.आर. अल्फा)। जैव रसायन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 40 **सार : 11** **पुस्तकों में अध्याय : 1**

पुस्तक : 1

रोगी उपचार

क्र.सं.	**परीक्षण का नाम**	**परीक्षण की जांच**	**क्र.सं.**	**परीक्षण का नाम**	**परीक्षण की जांच**
1.	सी.ई.ए.		7	ए.एफ.पी.	
2.	सी.ए. 19.9		8	एस. फेरिटिन	
3.	कुल पी.एस.ए.		9	विटामिन बी. 12	
4.	सी.ए. 125		10	फॉलेट	
5.	सी.ए. 15.3		11	फ्री.टी.3	
6.	बी.एच.सी.जी.		12	फ्री.टी.4	

परीक्षणों की कुल सं.

गुणवत्ता नियंत्रण

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन योजना के अलावा, गुणवत्ता रिपोर्ट देने के लिए पिछले एक वर्ष के लिए बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजना (एक्वास) में सफल मासिक भागीदारी।

विभाग ने पोर्फिरीया परीक्षणों का मानकीकरण किया है और संस्थान के विभिन्न विभागों से नमूने प्राप्त करना शुरू कर दिया है।

जैव रसायन विभाग ने एफआरडीए और सस्पेक्टेड एफआरडीए के साथ न्यूरोलॉजी और पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी और पीडियाट्रिक जेनेटिक्स से आने वाले रोगियों के लिए नि:शुल्क आनुवंशिक परीक्षण किया है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य सुब्रत सिन्हा ने गोवा में ए.सी.बी.आई.सी.ओ.एन. 2018 में प्रोफेसर टीएन यट्टाबिरामन व्याख्यान दिया; प्रोफेसर एमजी देव ने आईएडीआर की वार्षिक बैठक 2019 में चंडीगढ़ में की। वह सस्थागत समिति (गवर्नेंस): सोसाइटी, राजीव गांधी सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी; रीजनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद, इंस्टीट्यूशनल कमेटी (साइंटिफिक, रिसर्च एकेडेमिक): पैथोलॉजी संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी), आईसीएमआर (2008-वर्तमान अध्यक्ष); सैक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी; सेलुलर काउंसिल आणविक कजीव विज्ञान, हैदराबाद के लिए अनुसंधान परिषद (आरसी) केंद्र; आरसी; इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी, कोलकाता; आरसी, सेल्युलर और मॉलिक्यूलर बायोलॉज का केंद्र, हैदराबाद; एसएसी, राजीव गांधी सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के सदस्य रहे। इसके अलावा वह प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी (पीआरसी / एक्सपर्ट ग्रुप) न्यूरोडीज बायोलॉजी (अध्यक्ष 2015-2017)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) : अध्यक्ष, संज्ञानात्मक मध्यस्थता (2015-2017)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) : अध्यक्ष, संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (2014 से अब तक); अध्यक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी योग और ध्यान (2015-आज तक)। मेडिका रिसर्च (आईसीएमआर) की

भारतीय परिषद: अध्यक्ष, जैव रसायन, प्रतिरक्षा और एलर्जी के लिए पीआरसी; सदस्य, सेल और आणविक जीव विज्ञान के लिए पीआरसी। एडिटोरियल बोर्ड, वर्तमान विज्ञान: कार्य समिति, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया; सदस्य, स्टेप सेल अनुसंधान और चिकित्सा के लिए राष्ट्रीय सलाहकार समिति; सदस्य, जीन थेरेपी सलाहकार समिति; संयोजक, एनसीआर दिल्ली अध्याय, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष रहे।

आचार्य एसएस चौहान को राष्ट्रीय विज्ञान आकादमी, इलाहाबाद का फेलो चुना गया; एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार) से सम्मानित; डीएसटी के एसईआरबी युवा वैज्ञानिक-जीवन वैज्ञानिक विशेषज्ञ समिति के सदस्य, मेडिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, लाइब्रेरी कमेटी, टास्क फोर्स के दमन में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा यूजी एक्सपर्ट कमेटी ऑफ पैथोलॉजी (आईसीएमआर), नई दिल्ली की यूजी विशेषज्ञ समिति की पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार समिति, एम्स में महिला सुरक्षा और लिंग संवेदीकरण, संस्थान दिवस समारोह समिति, जैव प्रौद्योगिकी शिक्षण सलाहकार समिति, एम्स, जैव-सुरक्षा समिति, वी.पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय, और डीबीटी नॉमिनी ऑफ बायो-सेफ्टी कमेटी ऑफ़ जेओमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, मॉल रोड, दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ की पढ़ाई का बोर्ड, एकेडमिक काउंसिल की स्थायी समिति, बनारस हिंदू यूनवर्सिटी और किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम समिति सौभाग्य; एम्स, जोधपुर में इंट्रामुरल रिसर्च ग्रांट के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ; एम्स जोधपुर, एम्स पटना, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलीरी साइंसेज, दिल्ली में संकाय के चयन के लिए विशेषज्ञ; डीबीटी-आरए, सीएसआईआर-आरए और आईसीएमआर पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ; सदस्य, चिकित्सा शिक्षकों की मान्यता के लिए गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की विशेषज्ञ समिति; संपादकीय बोर्ड ऑफ रिसर्च एंड रिपोर्ट्स इन बायोकैमिस्ट्री एंड इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री के साथ-साथ विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; जैविक रसायनज्ञों (भारत), एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया, इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च और इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के समाज के सदस्य रहे।

आचार्य एमआर राजेश्वरी सोसाइटी ऑफ न्यूरोकैमिस्ट्री के उपाध्यक्ष थे, दिसंबर 2016; “भारत के डीएनए समाज” के अध्यक्ष, न्यूरोकैमिस्ट्री के लिए आईसीएमआर प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी (पीआरसी), 2006; अनुसंधान सलाहकार बोर्ड, राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर; भारत के दुर्लभ रोग सोसायटी के सलाहकार बोर्ड के सदस्य; चेयरपर्सन; न्यूरोपेडिकॉन: विज्ञान, प्रबंधन और शिक्षा, पंजाब विश्वविद्यालय में निदान और नवाचार में उभरते रुझान और प्रगति; सदस्य, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), चिकित्सा प्रौद्योगिकी विभाग; 2006 के बाद विभिन्न समितियों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग; सदस्य, स्कूल ऑफ लाइफ साइंस, केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान, 2013-ऑनर्स; INSPIRE, DST के लिए विशेषज्ञ संरक्षक; सदस्य, अनुसंधान परिषद “एसवी विश्वविद्यालय”, तिरूपति; वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए विशेषज्ञ समीक्षक: अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक रिपोर्ट, प्लोस वन, आणविक संरचना की पत्रिका; डीएनए और कोशिका जीवविज्ञान; आणविक जीवविज्ञान रिपोर्ट, औषधीय रसायन विज्ञान; हरित रसायन विज्ञान

पत्र और समीक्षाएं; कैंसर थेरेपी की पत्रिका केमिकल थर्मोडायनामिक्स, स्पेक्ट्रोचिमिका एक्टा पार्ट ए: आणविक और बायोमोलेक्युलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस रिसर्च, बीएमसी कैंसर की पत्रिका में लोग प्रस्तुत किया।

आचार्य कल्पना लूथरा, को 2018 में भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसायटी की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया; राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन, BIRAC, 5-6 अक्टूबर 2018 के तहत प्रस्तुत प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए विशिष्ट सलाहकार समूह (SAG) समिति के सदस्य; एचआईवी प्रतिरोधी और प्रगति (2018-2020) विषय पर सहकर्मियों के अध्ययन के लिए ICMR के प्रोजेक्ट ओवरसाइट कमेटी (POC) के सदस्य, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के रूप में बहुविषयक अनुसंधान इकाई के लिए स्थानीय अनुसंधान समिति के अध्यक्ष; वह एम्स के लिए चयन समिति की बैठक के विषय विशेषज्ञ रहे। एम्स, नागपुर के लिए बायोकेमेस्ट्री में नियमित संकाय के चयन के लिए नागपुर, 19 से 20 जून 2018 तक JIPMER, पुदुचेरी में, फ्लो साइटोमीटर विविधता, बायोमेडिकल साइनेस और फार्मास्युटिकल साइंसेज में 31 अक्टूबर 2018 को आयोजित; CCRF के लिए कोर कमेटी के सदस्य, एम्स सांस्कृतिक समिति के लिए अध्यक्ष वार्षिक रिपोर्ट संपादन समिति के लिए सह-अध्यक्ष, सेल और आणविक जीव जीवन, जीनोमिक्स और स्टेम सेल अनुसंधान के तहत प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर के विशेषज्ञ समूह की समीक्षा समिति के सदस्य; रहे, जनवरी 2019

आचार्य अल्पना शर्मा डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज, दिल्ली सरकार और ईएसआईसी, फरीदाबाद में संकाय पदों के लिए विशेषज्ञ चयन समिति की सदस्य थीं; निधि गुप्ता: डीएसटी-एडब्ल्यूएसएआर (अनुसंधान को कलात्मक बनाने के लिए लेखन कौशल का विकास) शीर्ष 100 पीएचडी छात्रों के लिए पुरस्कार (फरवरी 2019); कोषाध्यक्ष, भारतीय इम्यूनोलॉजी समाज (2014-2018); 29 अप्रैल 2018 को एम्स, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया; स्कूली बच्चों और युवा शोधकर्ताओं के बीच इम्यूनोलॉजी जागरूकता के लिए “आपकी अद्भुत प्रतिरक्षा प्रणाली” पर हिंदी में पुस्तक विमोचन; कैंसर अनुसंधान, संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्त्रीरोग कैंसर समाज, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अमेरिकम एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य; जेएनयू मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, JIPMER, पुदुचेरी और KGMU, लखनऊ में पीएचडी शोध और वाइवा कंडक्शन के लिए बाहरी परीक्षक; दिल्ली विश्वविद्यालय में एमडी के लिए बाहरी परीक्षक, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय और जेएनएम कूल एएमयू; वित्तीय अनुदान के लिए डीबीटी, डीएसटी, आयुष और यूपीसीएसटी के एडहॉक अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा की गई; टीएचएसटीआई, एस्बिकॉन; गोवा में इम्यूनोकोन 2018 में सत्र की अध्यक्षता की; वह वार्षिक रिपोर्ट समिति, एम्स और यूजी के लिए शिक्षण अनुसूची समिति एम्स की सदस्या रही ।

प्रोफेसर कुंजंग चोसडोल एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार-2018 (तीसरा पुरस्कार) मिला उन्होंने उपाध्यक्ष (2016-2019) इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (आईएसीआर); नेचर पब्लिशिंग ग्रुप (एनपीजी) और प्रभाव पत्रिकाओं के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की; एनबीई, द्वारका में डीएनबी परीक्षा के लिए प्रश्नों का

सत्यापन / मॉडरेशन विशेषज्ञ; अन्य संस्थानों / विश्वविद्यालयों (पीएचडी और पीजीआई चड़ीगढ़) के पीएचडी और एमडी थीसिस की समीक्षा की।

डॉ. सुदीप सेन, पीएचडी छात्र (डॉ. जानवी मन्हास) को एक स्वतंत्र अनुदान के साथ आईसीएमआर डीएचआर युवा वैज्ञानिक फैलोशिप के लिए चुना गया था (कोलोरेक्टल कैंसर स्‌अेम सेल में उपन्यास जीन की भूमिका की जांच; पीएचडी छात्र) डॉ. जानवी मन्हास) के लिए चुना गया था; डीएसटी ओएस-ए महिला वैज्ञानिक फैलोशिप एक स्वतंत्र अनुदान के साथ (कोप्लेराल कैंसर स्टेम सेल में एनयूपीआर आई की भूमिका; 4 वर्ष 2018-3 वर्ष 2021; रु. 8.96 लाख); पीएचडी छात्र (श्री देवाजन डे को 45वें स्थान पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला। पणजी, गोवा में वार्षिक सम्मेलन एसीबीआईसीओएन 2018, 24-27 अक्टूबर 2018; पीएचडी छात्र (श्री देवांजन डे) को 26 मार्च 2019 को पहली वार्षिक अनुसंधान दिवस, एम्स, नई दिल्ली में तृतीय पुरस्कार (पीएचडी पोस्टर) से सम्मानित किया गया ।

डॉ. अशोक शर्मा को 2018-2020 की अवधि के लिए “भारत के डीएनए समाज” के सहायक संयुक्तसचिव के रूप में चुना गया था; इंडियन कैंसर रिसर्च संगोष्ठी (आईसीआरसी), आईसीएमआर, नई दिल्ली के लिए समन्वय सदस्य; कैंसर स्क्रीनिंग हस्तक्षेप, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय परामर्श के सदस्य; “इनोवेटिव ट्रांसलेशनल रिसर्च (आईटीआर) डिवीजन”, आईसीएमआर, भारत की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; “क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी के भारतीय समाज” की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य रहे। वह यंग स्पीकर प्रोग्राम” के साथ-साथ पोस्ट सत्र के लिए परीक्षक की अध्यक्षता, त्वरित जैवविज्ञान 2019 की संगोष्ठी तथा वह 4 से 7 फरवरी तक पुणे में आयोजित “मशीनों की सोच” नामक संगोष्ठी में भी उपस्थित रहे।

डॉ. प्रज्ञान आचार्य ने पीबीएल पर डॉ. कल्पना लूथरा के साथ सत्र आयोजित किया, जिसमें चिकित्सा स्वास्थ्य व्यवसायों की शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम कार्यशाला, 11-13 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली शामिल हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. पैट्रिक डफी, मलेरिया के इम्यूनोलॉजी और वैक्सीनोलॉजी के लैब चीफ लैबोरेटरी, एनआईएआईडी, एनआईएच।
2. प्रोफेसर उत्पल तातु, जैव रसायन विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर।
3. डॉ. रजनीकांत दीक्षित, एनएमआर, द्वारका

9-4 t\o vk;qfoKku bathfu;jh

आचार्य एवं अध्यक्ष

हरपाल सिंह

आचार्य

वीना कौल

सह-आचार्य

नीतू सिंह　　संदीप झा

सहायक आचार्य

दीपक जोशी	दिनेश कल्याणसुंदरम	जयंत भट्टाचार्य
अनूप सिंह	एस.एम.के. रहमान	अमित मेहंदीरत्ता

प्रतिष्ठित आचार्य

स्नेह आनंद

मानद आचार्य

एस.के. गुहा

विशिष्टताएं

जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी विभाग की स्थापना 1971 में एम्स, नई दिल्ली और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के एक संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। विभाग ने चिकित्सा और जैविक समस्याओं को संबोधित करने के लिए अभियांत्रिकी के सिद्धांत अपनाए हैं। विभाग के पास भारत के बड़े संस्थानों और अस्पतालों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाएं हैं।

विभाग निदान, उपचार प्रतिक्रियाओं के फॉलो-अप और दवाओं की डिलीवरी की तकनीकों, साधनों और विधियों के ज्ञान प्रसार तथा विकास एवं बीमारी के उपचार में मदद पर लक्षित है। विभाग के संकाय सदस्य निम्नलिखित प्राथमिकता क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए कार्यरत हैं:

- जैवसामग्री
- बायोइंस्ट्रूमेंटेशन
- बायोमैकेनिक्स
- मेडिकलइमेजिंग

पिछले एक वर्ष में निम्नलिखित नैदानिक शोध के लिए उपकरण स्थापित किए गएः

- 12 मार्च 2019 को आचार्य हरपाल सिंह की लैब में एंटोन पार से डीएलएस ज़ेटा एनालाइज़र लगाया गया

अनुसंधान के अलावा, विभाग अध्यापन में संलग्न रहा है, जहाँ आईआईटी दिल्ली में जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी से संबद्ध पी.जी. यू.जी. और पूर्व पी.एच.डी के पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए जाते हैं।

शिक्षा: गत वर्ष आठ पीएचडी के विद्यार्थियों ने स्नातक किया।

कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन (क्यूआईपी/सीईपी)

1. नैनोमेडिसिन स्किन स्कैफोल्ड टू सब्सट्रेट इंटेग्रा: इंडियन पर्सपेक्टिव, वीणा कौल, आईआईटी दिल्ली, डी.बी.टी. भारत सरकार, 16 अप्रैल 2018
2. मेडिकल इमेजिंग टेक्निक्स, पोस्ट प्रोसेसिंग और क्लिनिकल एप्लिकेशन, पर कार्यशाला, अमित मेहंदीरत्ता और अनूप सिंह, आईआईटी दिल्ली, 13-15 अप्रैल, 2018, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (सोनीपत परिसर)
3. 'जैव प्रौद्योगिकी और जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी' पर अंतर्राष्ट्रीय सीईपी कार्यशाला, अनूप सिंह और अमित मेहंदीरत्ता, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, 3-21 दिसंबर 2018, आईआईटी दिल्ली (सोनीपत परिसर)

दायर किए गए पेटेंटः 8

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टरः 17

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ईएमएलए क्रीम के विकल्प के रूप में लिडोकेन के आयनोफोथेटिक डिलीवरी का नैदानिक सत्यापन, वीणा कौल, आई.आई.टी.डी. और एम्स (एमएफआईआरपी) के बीच संयुक्त सहयोग परियोजना, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
2. **म**धुमेह के टाइप 2 उपचार के लिए जीएलपी-I और एंजियोटेंसिन II टाइप 1 रिसेप्टर (अभिग्राहक) विरोधी, का संयोजन, जयंत भट्टाचार्य, एस.ई.आर.बी., 3 वर्ष, 2018-2021, 32.8 लाख रुपये
3. एंटी-कैंसर पेप्टाइड डीएनए के सहवर्ती वितरण और कैंसर चिकित्सा के लिए कीमोथैरेप्यूटिक के लिए बायोडिग्रेडेबल नैनोकणों का विकास, हरपाल सिंह, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2016-2019, 53.5 लाख रुपये
4. कैंसर निदान और चिकित्सा के लिए आयरन ऑक्साइड आधारित नैनोथेरोनॉस्टिक्स का विकास, हरपाल सिंह, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2015-2018, 32 लाख रुपये
5. मात्रात्मक चेस्ट-एमआरआई के लिए कार्यप्रणाली का विकास, अनूप सिंह, मैटरिक्स, एस.ई.आर.बी., डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2018-2021, 6 लाख रुपये
6. स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए फ्लोरोसेंट नैनोकण: मार्जिन क्लीयरेंस के लिए रैपिड टूल विकसित करने की दिशा में एक कदम, नीतू सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 118 लाख रुपये
7. परिवार कल्याण में राष्ट्रीय तकनीकी केंद्र (आरपी03635जी), दिनेश कल्याणसुंदरम, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2019-2024, 106.7 लाख रुपये

8. स्वाभाविक रूप से लक्षित दवा वितरण के लिए व्युत्पन्न पुटिकाएं, नीतू सिंह, डी.बी.टी., 1 वर्ष, 2018-2019, 40 लाख रुपये
9. नैनो-कैरियर आधारित डीएस-आरएनए प्रदेयता के माध्यम से पौधे के स्वयं के आरएनए साइलेसिंग सिस्टम वृद्धि द्वारा बिगोमोवाइरस तथा इसके वेक्टर व्हाइटफ्लाई में प्रतिरोध क्षमता को मजबूत करने के लिए नॉन-जीएमओ दृष्टिकोण, नीतू सिंह, आईसीएआर, 3 साल, 2018-2021, 25 लाख रु
10. न्यूक्लिक एसिड आधारित पोर्टेबल रैपिड डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म (आरपी03513जी), दिनेश कल्याणसुंदरम, बीआईआरएसी, डी.बी.टी., 1.5 वर्ष, 2018-2019, 40.1 लाख रुपये
11. स्टैनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन कार्यक्रम, हरपाल सिंह, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, 150 लाख रुपये
12. सैलिनोमाइसिन की एंटी-ट्यूमर गतिविधि को परिभाषित करने के लिए एनकैप्सुलेटेड बायोडिग्रेडेबल पॉलिमेरिक नैनो कणों और कुछ कीमोथेरेपीटिक दवाओं या एंटीकेंसर पेप्टाइड्स के साथ इसकी संभावित सहक्रिया, हरपाल सिंह, डी.एच.आर., 2 वर्ष, 2018-2020, 56.7 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 51

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

संकाय

डॉ. अमित मेहंदीरत्ता और डॉ. अनूप सिंह को 16 जून 2018 को पेरिस, फ्रांस में सोसाइटी ऑफ मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम) और ईएसएमआरएमबी द्वारा ई.के. ज़ावोस्की पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. दीपक जोशी ने 5 सितंबर 2018 को आईआईटी दिल्ली में (शिक्षक दिवस) पर शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. नीतू सिंह ने 28 जनवरी 2019 को आईआईटी, दिल्ली में वीना अरोड़ा संकाय शोध पुरस्कार प्राप्त किया।

छात्र

नेहा सिंह ने 18 दिसंबर 2018 को स्वीडन में जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी के क्षेत्र में एरिक्सन इनोवेशन अवार्ड 2018 प्राप्त किया।

ईशा बैद्य ने 22 सितंबर 2018 को उद्योग दिवस, आईआईटी, दिल्ली में 'सभी के लिए स्वास्थ्य देखभाल' के क्षेत्र में तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

आशुतोष तिवारी ने 22 सितंबर 2018 को उद्योग दिवस, आईआईटी, दिल्ली में 'स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी श्रेणी' में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

आशुतोष तिवारी ने 15 अक्टूबर 2018 को जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी, एनबीआरकॉम-एम्स ऋषिकेश में न्यूरोमैकेनिक्स के क्षेत्र में अभिनव विचारों और पेटेंट श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. मॉस्को राज्य विश्वविद्यालय के आचार्य सर्गेई एरेमिन ने 8 जुलाई 2018 को केंद्र का दौरा किया और इम्यूनोडायग्नोस्टिक्स पर एक व्याख्यान दिया।
2. टेरी विश्वविद्यालय के आचार्य एस.वी. ईस्वरन ने 4 दिसंबर 2018 को केंद्र का दौरा किया।

9-5 t\o Hkkfrdh

इन्सा वरिष्ठ वैज्ञानिक
टी. पी. सिंह

आचार्य एवं अध्यक्ष
पुनीत कौर

आचार्य
सविता यादव
सुजाता शर्मा

सह–आचार्य
जी हरीप्रसाद राव
शर्मिष्ठा डे

सहायक आचार्य
इतायातुल्ला ए.एस.
कृष्णा कुमार इनामपुडी
सरोज कुमार

वैज्ञानिक
आशा भूषण
एस. भास्कर सिंह
मनोज कुमार
उद्दीपन दास

fof'k"Vrk,¡

अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जैव भौतिकी विभाग के पास बाह्य अनुदानों द्वारा वित्तपोषित 25 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं है। जैव भौतिकी विभाग अनुसंधान, आण्विक आधारित जैविक प्रक्रिया का निर्धारण करने, तर्कसंगत संरचना के द्वारा दवा के डिजाइन तथा नए विशिष्ट बायोमार्कर की खोज से संबंधित है। विभाग, प्रोटीन और छोटे अणु क्रिस्टल, चिकित्सा जैव सूचना विज्ञान, प्रोटीन अनुक्रमण और पेप्टाइड संश्लेषण, प्रोटियोमिक्स और गतिशील प्रकाश प्रकीर्णन पर डाटा संग्रह के लिए सुविधा प्रदान करता है। विभाग को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार से उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुदान (एफआईएसटी) की मूल संरचना के सुधार के लिए निधि प्राप्त हुई थी जो पिछले वर्ष में जारी की गई है। पिछले वर्ष में, संकाय एवं वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में 28 अनुसंधान प्रकाशित किए गए थे। विभाग में वर्तमान एम.एस.सी., पीएच.डी. और एम.डी. छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा एवं अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण देना जारी रखा गया है। पूरे देश में संकाय सदस्यों तथा वैज्ञानिकों को व्याख्यान एवं सेमिनारों में आमंत्रित किया गया था और उनके द्वारा 46 व्याख्यान दिए गए।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैव भौतिकी विभाग के संकाय एवं वैज्ञानिक, पी.एच–डी. डिग्री, एम.एस.सी. (जैव भौतिकी) एवं एम.डी. (जैव भौतिकी) के छात्रों को शिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया जाना जारी रहा। स्नातकोत्तर अध्यापन में सैद्धांतिक कक्षाएं, हैडंस–ऑन प्रायोगिक कक्षाएं तथा शोध प्रबंध परियोजनाएं सम्मिलित हैं।

अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक प्रशिक्षण

विभाग द्वारा विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के एम.एस.सी. एवं एम. टेक के छात्रों को दीर्घावधिक एवं अल्पावधिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

टी. पी. सिंह : 16
पुनीत कौर : 2
सविता यादव : 4
हरीप्रसाद जी. : 3
शर्मिष्ठा डे : 2
ए. एस. इतायातुल्ला : 1
के. के. इनामपुडी : 2
सरोज कुमार : 3
ज्योतिर्मय बनर्जी : 7
मनोज कुमार : 1
उद्‌दीपन दास : 1

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुति : 18

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पेप्टीडोग्लायकैन रिकग्निशन प्रोटीन (पीआरपी), पेप्टीडायल टीआरएनए–हाइड्रोलेस, डायहाइड्रोडिपिकोलाइनेट सिंथेस (डीएचडीपीएस), डायहाइड्रोपिकोलिनेट रिडक्टेस (डीएचडीपीआर) और फोस्फोलिपेस ए2 का संरचनात्मक अध्ययन, टी. पी. सिंह, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 5 वर्ष, 2014–2019, 25 लाख रुपए।
2. नए ट्यूमर रोधी हीटिरियोएरिनिएंथ्रासिनिडियोनाइज का संरचना आधारित डिजाइन एवं सिंथेसिस, पुनीत कौर, डीएसटी–आरएफबीआर, 2 वर्ष, 2017–2019, 24.4 लाख रुपये।
3. ए.एम.आर.–निदानः प्रतिरोगाणु प्रतिरोध की अनुक्रम आधारित भविष्यवाणी हेतु एक नया नैदानिक उपकरण, पुनीत कौर आईसीएमआर (इंडो–नॉर्वे), 3 वर्ष, 2018–2021, 136 लाख रुपए (पहला वर्ष)
4. संभावित बॉयोमेट्रियल अनुप्रयोगों हेतु ओक टसर (एंथेरिया प्रोयली) कोकून से तैयार रेशम फाइब्रोइन फिल्म का निरूपण, पुनीत कौर, डीबीटी–एनईआर, 3 वर्ष, 2018–2021, 29.62 लाख रुपए।
5. जैव ऊर्जा एवं बॉयोवेल्यूड उत्पादों के लिए नवीन एवं प्रभावी कार्बोहाइड्रेट एंजाइम्स का विकास, डीबीटी–एनईआर, 3 वर्ष, 2018–2021, 23.99 लाख रुपए।
6. मानव स्वास्थ्य पर गैर–आयोजनाइजिंग इलेक्ट्रॉमैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का प्रभाव, सविता यादव, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017–2022, 61 लाख रुपए।
7. थूक में प्रोटियोमिक सिग्नेचर की भूमिका की खोज करना : डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए गैर इनवेसिव निदान उपकरण की ओर कदम, सविता यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016–2019, 36 लाख रुपए।
8. पेप्टिडाइल टी आरएनए–हाइड्रोलेज के खिलाफ नोवल एंटीबैक्टीरियल एजेंटों के विकास के लिए तर्कसंगत संरचना आधारित लाइगैंड डिजाइन, मल्टीड्रग प्रतिरोधी बैक्टीरिया से एक दवा लक्ष्य, *एसिटोबैक्टर बुमन्नी,* सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020, 68 लाख रुपए।
9. प्रारंभिक स्तन कैंसर में एक्सीलेरी सेंटीनेल लिम्फ नोड ऊत्तकों के प्रोटियोमिक्सः सर्जिकल हस्तक्षेप का मार्गदर्शन करने के लिए बायोमार्कर की पहचान के लिए इंप्लीकेशन, हरिप्रसाद जी, एम्स, 2, वर्ष, 2018–2020, 9.8 लाख रूपए।
10. सीरम सिर्टुइन स्तर का मूल्यांकन और पार्किसंस रोग में ट्यूबुलिन, सिनुक्लेइन ऑलिगॉमर के साथ उनका सहसंबंध, शर्मिष्ठा डे, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 30 लाख रूपए।
11. अल्जाइमर रोगों में पीआईके 3 संकेतन मार्ग के संक्रियण पर 5–एलओएक्स संदमक का क्रिया–विधिक विवरण, शर्मिष्ठा डे, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2020 10 लाख रुपए।
12. एक एंटी–पार्किसंस रोग के घटकों का सर्टाइन 2 लक्ष्यीकरण के रुप में एक नए पेप्टाइड संदमक का डिजाइन एवं मूल्यांकन, शर्मिष्ठा डे, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2018–2020, 34 लाख रुपए।
13. साल्मोनेला एंटेरिका से बैक्टीरिया सेल डिवीजन प्रोटीन एफटीएसजेड के संरचनात्मक और जैव भौतिकी लाक्षणीकरण : एंटीमाइक्रोबायल दवा लक्ष्य, ए.एस. इतायातुल्ला, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 33 लाख रुपए।

14. मानव कैंसर में पी53 वाई220 के पुनः निर्माण के उत्परिवर्ती कार्य का एक संभावित लिजेंड के रुप में करक्यूमिन का जैव भौतिक एवं संरचनात्मक विवरण, ए.एस. इतायातुल्ला, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 9.8 लाख रुपए।
15. यक्ष्मा के खिलाफ दवा के विकास के निरीक्षण की वृद्धि में गैर–हाइड्रोलाइसेबल पेप्टाइडल टीआरएनए के जटिल रुप के द्वारा पेप्टाइडल टीआरएनए द्वारा ट्रांसलेशनल बचाव प्रणाली का संरचनात्मक एवं क्रियात्मक लाक्षणीकरण, कृष्णा के. इनामपुडी, डीएसटी, 4 वर्ष, 2017–2020, 50 लाख रुपए।
16. एफटीआईआर इमेजिंग द्वारा स्तन कैंसर की प्रगति में संभावित भूमिका को समझने के लिए फाइब्रोब्लास्टस का लाक्षणीकरण, सरोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 9.8 लाख रुपए।
17. टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी के रोडेंट पायलोकार्पाइन मॉडल में ग्लूटोमेटेर्जिक एक्साइटेटरी न्यूरोट्रांसमिशन के क्षेत्र विशिष्ट परिवर्तनों को स्पष्ट करना, ज्योतिर्मय बनर्जी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018–2021, 61 लाख रुपए।
18. ''विकसित एपीलेप्सी अनुसंधानः एक बहु–विषयक दृष्टिकोण'' ज्योतिर्मय बनर्जी, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय की परियोजना के तहत फार्मेको–प्रतिरोध ऐपीलेप्सी के साथ जुड़ी बेंजोडाइजेपिन–प्रतिरोध में जीएबीए$_{अ}$ संग्राहक पर डाइफंक्शनल बेंजोडाइजेपिन बाईंडिंग साइट की भूमिका की जांच, 3 वर्ष, 2018–2021, 136.75 लाख रुपए।
19. मेसियल टेम्पोरल लोब एपीलेप्सी (एमटीएलई) तथा फोकल कोर्टिकल डाइसप्लेसिया (एफसीडी) के साथ जुड़ी असामान्य सिनेप्टीक संचरण में मेटाबोलाइट्स एवं न्यूरोट्रांसमीटरस की भूमिका की जांचः ''एपीलेप्सी अनुसंधान फेस–II के लिए उत्कृष्ट केंद्र'' परियोजना के तहत ज्योतिर्मय बनर्जी, डीबीटी, द्वारा ऐपीलेप्टीजेनिक फॉकी के स्थानीयकरण हेतु संभावित बॉयोमार्कर्स, 3 वर्ष, 2018–2021, 168.20 लाख रुपए।
20. दुर्दम्य एपीलेप्सी से जुड़े ट्यूमर के रोगियों में उच्छेदित ट्यूमर ऊत्तकों पर प्लाज्मा जेट का प्रभाव, ज्योतिर्मय बनर्जी, परमाणु विज्ञान में अनुसंधान बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई), भारत सरकार, 3 वर्ष, 2018–2021, 33.23 लाख रुपए।
21. हिप्पोकेम्पल स्केलेरोसिस के साथ जुड़ी असमान्य स्नेप्टिक ट्रांसमिशन में निकोटीनीक ग्राहक के उपप्रकार α7 एवं $\alpha4\beta2$ की भूमिका, ज्योतिर्मय बनर्जी, एम्स, 2 वर्ष, 2018–2020, 10 लाख रुपए।
22. बहु–दवा प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए एंटी–टीबी दवा के विकास के लिए एक नई दवा लक्ष्य शिकिमेट काइनेस के खिलाफ लीड यौगिकों की पहचान, मनोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 9.6 लाख रुपए।
23. *माइकोबैक्टीरियन ट्यूबरक्लोसिस* से सल्फेट जटिल संक्रियण का संरचनात्मक लाक्षणीकरण, उद्दीपन दास, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 8 लाख रुपये।
24. पूर्व दुर्दम मौखिक स्थिति से दुर्दम मौखिक पट्टकी कोष कार्सिनोमा के ट्रांसफोर्मेशन के दौरान संभाव्य बॉयोमार्करों की पहचान करने के लिए तुलनात्मक प्रोटियोमिक्स विश्लेषण, एस. भास्कर सिंह, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019–2021, 43 लाख रुपए।

पूर्ण

1. विश्वविद्यालयों एवं उच्च शैक्षिक संस्थानों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मूल संरचना में सुधार के लिए निधि, पुनीत कौर, डीएसटी, 6 वर्ष, 2012–2018, 300 लाख रुपए।
2. पेन–जीनोम का विकास और टाइफॉइडल सल्मोनेला एंटेरिका के लिए नए दवा लक्ष्यों की ज्ञान–आधारित पहचान दवाओं की खोज के लिए जीनोमिक दृष्टिकोण, पुनीत कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018, 52.7 लाख रुपए।
3. एम्स में जैव–चिकित्सा सूचना सुविधा, पुनीत कौर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2013–2018, 100 लाख रुपए।
4. एएमआईआर–पेपकिट आईवीडीः तीव्र मायोकार्डियल इंफारक्शन रोगियों में एक घातक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का शीघ्र पता लगाने के लिए पेप्टाइड–आधारित डायग्नोस्टिक किट का अनुसंधान एवं विकास, सविता यादव, सीईएफआईपीआरए–बीआईआरएसी, 2 वर्ष, 2016–2018, 39 लाख रुपए।
5. ग्रीवा के कैंसर का जल्दी पता लगाने के लिए सैलाइवरी प्रोटियोमिक मार्करों की मान्यता, सविता यादव, 2 वर्ष, 2016–2018, 7.2 लाख रुपए।

6. सिज़ोफ्रेनिया और पार्किंसन रोग की डोपामाइन से नियंत्रित स्थितियों में प्रोटीन संकेतों की पहचान के लिए सीएसएफ का प्रोटियोमिक्स, हरिप्रसाद जी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014 – 2018, 31 लाख रुपए।
7. पार्किंसन और अल्जाइमर रोग में चयनित आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों के संभावित एंटी–ऑक्सीडेंट प्रभाव, शर्मिष्ठा डे, आयुष, 3 वर्ष, 2015–2018, 35 लाख रुपए।
8. अल्जाइमर रोग हेतु संभावित प्रोटीन मार्कर के रुप में हाइपोक्सिया इन्ड्यूसिबल प्रोटीन (एचआई 95) की संभावना का अध्ययन, शर्मिष्ठा डे, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 10 लाख रुपए।
9. पेप्टाइडिल टीआरएनए हाइड्रोलेज (पीटीएच): गैर हाइड्रोलिसेबल पेप्टाइडिल टीआरएनए के साथ पीटीएच की संरचना और कार्यात्मक तंत्र, कृष्णा के इनामपुड़ी, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एस. टाइफी से दवा प्रतिरोधी प्रोटीन के खिलाफ रोगाणुरोधी अणुओं का विकास।
2. मुर पाथवे प्रोटीनों की संरचनात्मक विशेषताएं।
3. एस. टाइफी के खिलाफ जीनोम विश्लेषण और लक्ष्य की पहचान।
4. एस. टाइफी से डी.एन.ए. गाइरेस तथा इसके क्षेत्र का संरचनात्मक और जैव भौतिकी विशेषताएं।
5. एचएनएससीसी और इसके चिकित्सकीय निहितार्थ में गैर–पारंपरिक मानव ल्यूकोसाइट एंटीजेन जी श्रेणी का हस्तक्षेप।
6. मैटेस्टेटिक स्तर कैंसर में शोथ प्रोटीनों, उसके सिग्नेलिंग कास्केड तथा इसके लिए चिकित्सीय निहितार्थ के परिसंचारी स्तर का अध्ययन।
7. न्यूरोडिजनरेटिव रोगों और इसके चिकित्सकीय निहितार्थ में सेस्ट्रिन की भूमिका।
8. टाउ के हाइप्रफोस्फरीलेशन में सम्मिलित संभावित मॉड्यूलेटर्स लक्ष्यों के पाथवें का अध्ययन।
9. अल्जाइमर रोग (एडी) रोग निदान लक्ष्य लाइपोक्सीजिनेसिस में एंटी–न्यूरोटॉक्सिटी के अमाइलॉयड बीटा (एबीटा) का विश्लेषण।
10. साल्मोनेला टाइफी के खिलाफ एक संभावित दवा के लक्ष्य के रुप में एफटीएसजेड कोशिका डिवीजन प्रोटीन का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन।
11. बीसीआर–एबीएल काइनेस में उत्परिवर्तन और उत्परिवर्तन लचीले अवरोधक के डिजाइन के कारण सीएमएल में इमैटिनिब और संबंधित दवाओं के प्रतिरोध का कंप्यूटेशनल विश्लेषण।
12. ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ दवा के विकास के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने हेतु गैर–हाइड्रोलिसेबल पेप्टाइडिल टीआरएनए परिसर बनाने द्वारा पेप्टाइडिल टीआरएनए हाइड्रोलेस द्वारा ट्रांसलेशनल बचाव प्रणाली की संरचनात्मक और कार्यात्मक विशेषता।
13. ईजीएफआर थाइरोसाइन काइनेस उत्परिवर्ती की कार्यात्मक विशेषता और एनएससीएलसीएस के लक्ष्य के लिए नई दवा की पहचान करना।
14. फेफड़ों के कैंसर के उपचार हेतु मानव एसईजीएफआर के विरूद्ध डीएनए एपटामर्स की पहचान।
15. रक्त, मूत्र और लार की प्रोटियोमिक्स और लिपिडोनिक रुपरेखा का उपयोग करके पार्किंसन रोग रोगजनकता की बायोमार्कर आधारित समझ।
16. जैविक संरचनाओं में असंगठित प्रोटीन : मानव दांत का मामला।
17. एफटीआईआर इमेजिंग द्वारा स्तन कैंसर की प्रगति में संभावित भूमिका को समझने के लिए फाईब्रोब्लास्ट्स की विशेषता।
18. टेम्पोरल लोब ऐपिलेप्सी के साथ जुड़ी ऐपिलेप्टोजिनेसिस और हाइप्रेक्साइटेबिलिटी में सेमाफॉरिन की भूमिका को स्पष्ट करना।
19. मेसियल टेम्पोरल लोब ऐपिलेप्सी में साइटोसोलिक फॉस्फोलिप्स ए2 की भूमिका को समझना।
20. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस से एसयूजीएबीसी ट्रांसपोर्टर के एटीपीएएसई क्षेत्र की जैव भौतिकीय विशेषता।

21. बीसीआर–एबीएल काइनेस में उत्परिवर्तन और उत्परिवर्तन लचीलें अवरोधक के डिजाइन के कारण सीएमएल में इमैटिनिब और संबंधित दवाओं के प्रतिरोध का कंप्यूटेशनल विश्लेषण
22. कंप्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन का उपयोग कर एसईजीएफआर के लिए पेप्टाइड अवरोधक की डिजाइनिंग।

पूर्ण

1. पार्किसंन रोग और इसके लिए पेप्टाइड अवरोधक के डिजाइन हेतु एक प्रोटीन मार्कर का विकास।
2. सिर और गले के स्कवैमस सेल कार्सिनोमा (एचएनएससीसी) और नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) प्रस्तावित चिकित्सीय लक्ष्यों में सीरम प्रोटीन मार्कर के रुप में सेल संकेतन अणुओं का मूल्यांकन।
3. पी 53 वाई 220 उत्परिवर्ती की संरचनात्मक और जैव भौतिकीय विशेषता।
4. बैक्टीरियल सेल डिवीजन प्रोटीन एफटीएसजेड के साथ इसके प्राकृतिक अवरोधकों का जैव भौतिकी अध्ययनः एसयूएलए और एमआईएनसी।
5. मानव पी53 शून्य सेल लाइन में वाइल्ड टाइप पी 53 और वाई 220 सी उत्परिवर्ती का कार्यात्मक अध्ययन।
6. कंप्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन का उपयोग कर एसईजीएसआर के लिए पेप्टाइड अवरोधक की डिजाइनिंग और सत्यापन।
7. औषधीय पौधों को निकालने से सीरिन रेसमेज अवरोध की विशेषता।
8. माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस से एक ग्लूटामेट एक्टायल ट्रांस्फिरेस का संरचनात्मक विश्लेषण।
9. माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस से एआरजीए प्रोटीन का संरचनात्मक अध्ययन।
10. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस से लेटेंट टी.बी. संक्रमण लक्ष्य के मेलेट सिंथेस हेतु अवरोधकों की पहचान।
11. एफडीए अनुमोदित दवाओं के बीच डीईवीआर के संभावित अवरोधकों की पहचान।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एस. टाइफी के विरूद्ध अवरोधकों के नए लक्ष्यों और विकास की पहचान, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
2. भारत के लोंगिट्यूडल एजिंग स्टडीज (एलएएसआई) के लिए डिमेंशिया (डीएडी) के हार्मोनाइज्यड डायग्नोस्टिक आकलन, जरा चिकित्सा।
3. पार्किसंस रोग तथा इसके लिए पेप्टाइड अवरोधक के डिजाइन के लिए एक प्रोटीन मार्कर का विकास, जरा चिकित्सा।
4. ईएफजीआर के खिलाफ नेनोबॉडी अवरोधकों का संरचना–आधारित डिजाइनः फेफड़ों के कैंसर, जीव विज्ञान, शिव नादर विश्वविद्यालय हेतु नया चिकित्सीय विकास का एक प्रोटीन इंजीनियरिंग दृष्टिकोण, कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं बॉयोइंर्फामेटिक्स केंद्र, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय; पुलमोनरी मेडिसिन एवं स्लिप डिसोर्डर, एम्स, नई दिल्ली।
5. ईजीएफआर पोजिटीव ट्यूमर के उपचार हेतु दवा प्रतिरोधी ईजीएफआर काइनेस के खिलाफ एक नेनोचिकित्सा दृष्टिकोण, फुफ्फुसजन्य चिकित्सा एवं स्लिप डिसोर्डर, एम्स, नई दिल्ली; रसायन विभाग, आईआईटी दिल्ली; जैव–रसायन विभाग, सूक्ष्मजैव एवं प्रतिरक्षा विज्ञान, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाड़ा।
6. उत्परिवर्ती ईजीएफआरएस को नुक्सान पहुंचाने वाले दवा प्रतिरोधी ट्यूमर को लक्षित करनाः नॉन–स्माल सेल फेफड़ों के कैंसर के उपचार हेतु एक अगली पीढ़ी का आण्विक दृष्टिकोण, रसायन विभाग, आईआईटी दिल्ली; पुलमोनरी मेडिसिन एवं स्लिप डिसोर्डर, एम्स, नई दिल्ली।
7. गेस्ट्रोन्टेरोपेनक्रिएटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमरों में एपोप्टोसिस प्रोटीनों के अवरोधकों की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान।
8. पार्किसंस रोग की जल्दी पहचान करने की तकनीक का विकास, तंत्रिका विज्ञान।
9. मेसियल टेम्पोरल लोब ऐपिलेप्सी (एमटीएलई) से जुड़े काइन्यूरेनिक एसिड, हाइप्रेक्साइटेबिलिटी में एक ग्लूटामेट रिसेप्टर अवरोधक की भूमिका, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
10. मेसियल टेम्पोरल लोब ऐपिलेप्सी में केसिन काइनेस 2 की भूमिका को समझाना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।

11. फोकल कोर्टिकल डाइसप्लेसिया सहित बाल और व्यस्क रोगियों में जीएबीए$_{ए}$ रिसेप्टर परिवर्तन की भूमिका को समझाना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
12. मेसियल टेम्पोरल लोब ऐपिलेप्सी में एटीएफ3 और टीजीएफबीटा सिग्नलिंग की भूमिका को समझाना, तंत्रिका विज्ञान।
13. तत्काल तथा देर से भरे हुए दांत प्रत्यारोपण में प्रइंप्लांट क्रेवीकुलर फ्लूड मेटालोप्रोटिनेस–8 (एमएमपी–8) तथा केथेप्सिन–के (सीटीएसके) के स्तरों का मूल्यांकन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।

पूर्ण

1. आयु बढ़ने के मार्कर के रुप में सीरम में नए इंट्रासेल्यूलर प्रोटीन का मूल्यांकन, जरा चिकित्सा।
2. ऐपिलेप्सी अनुसंधान फेज–1 के लिए उत्कृष्टता केंद्र, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा वित्तपोषित, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर।
3. मेसियल टेम्पोरल लोब ऐपिलेप्सी में हिस्टोन डाईकेटाइलेसिस (एचडीएसीएस) की भूमिका को समझाना, एम्स, अंतरंग अनुसंधान अनुदान, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
4. जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा वित्त पोषित इंटरेक्टेबल ऐपिलेप्सी में बहुमुखी काइनेस सीडीके 5 की भूमिका को समझाना, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र(एनबीआरसी), मानेसर।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 16 **सार : 1**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य टी. पी. सिंह एसईआरबी के एक प्रतिष्ठित अध्येता के रुप में चुनें गए; 2019–2021 की अवधि के लिए बायोटेक रिसर्च सोसायटी के अध्यक्ष में रुप में निर्वाचित हुए; 2019–2021 की अवधि के लिए केंन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर की कार्यकारी परिषद् के सदस्य के रुप में नियुक्त हुए; 2018–2022 की अवधि के लिए आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स सदस्य के रुप में नियुक्त हुए; वर्तमान में 2018–2020 अवधि के लिए बायो–इंफॉर्मेटिक्स एंड ड्रग डिस्कवरी सोसायटी के अध्यक्ष चुने गए।

आचार्य सविता यादव को प्रजनन एवं प्रजनन क्षमता के अध्ययन के लिए इंडियन सोसायटी द्वारा आचार्य एस.एस. गुराया मेमोरियल भाषण पुरस्कार प्राप्त हुआ; एम्स कर्क रोग विज्ञान अनुसंधान पुरस्कार (तीसरा इनाम) प्राप्त हुआ।

डॉ शर्मिष्ठा डे को एम्स, नई दिल्ली द्वारा एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, जैव–चिकित्सा वैज्ञानिक हेतु अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप प्राप्त हुई।

डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी को एक सत्र में पहला इनाम प्राप्त हुआ।

डॉ. सरोज कुमार को आईआईटी बोम्बे में प्रोटियोमिक्स कार्यशाला में ''सेम्पल तैयार करना, जन स्पेक्ट्रोमेट्री तथा डाटा विश्लेषण'' पर प्रश्न प्रतियोगिता में दूसरा इनाम प्राप्त हुआ।

डॉ. ज्योतिर्मयी बनर्जी को रायपुर में सितम्बर, 2018 को भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकेदमी (आईएएन) सम्मेलन 2018 (आईएएनसीओएन–2018) में बेसिक न्यूरोसाइंस के तहत बेस्ट पेपर अवार्ड प्राप्त हुआ; मेम्ब्रेन जैव–भौतिकी शिक्षण पाठ्यक्रम से पी.एच–डी. पहला वर्ष तथा राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर में एम.एस.सी.–पी.एच–डी. के एकीकृत विद्यार्थी; एम्स, नई दिल्ली में अनुसंधान अनुभाग के लिए अनुसंधान पदों के भर्ती नियमों की सुधार समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में अनुसंधान गतिविधियों की जन जागरूकता समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में प्रथम वार्षिक अनुसंधान दिवस की पोस्टर न्यायिक समिति के सदस्य; 15वीं राष्ट्रीय ईईजी तथा एपिलेप्सी न्यूरोबायोलॉजी वर्कशॉप एवं एपिलेप्सी सर्जरी की मास्टर क्लास के आयोजन सचिव, 21–23 नवम्बर, 2018, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

अतिथि वैज्ञानिक

निम्नलिखित वैज्ञानिकों तथा प्रख्यात शिक्षाविदों ने पिछले वर्षों में व्याख्यान प्रस्तुत करने तथा वैज्ञानिक सहयोग करने हेतु विभाग का दौरा किया हैः

1. डॉ. आर. अहमद, नॉर्वे
2. डॉ. आर. बत्रा–सेफर्लिंग, जर्मनी
3. डॉ. बी. गोपाल, बेंगलौर
4. डॉ. डी. वेलमुरूगन, चैन्नई
5. डॉ. आशीष अरोरा, लखनऊ
6. डॉ. हेफाजत सिद्दकी, लखनऊ
7. डॉ. अजय सक्सेना, नई दिल्ली
8. डॉ. सोनिका भटनागर, नई दिल्ली

9-6 t\o lkf[;dh

vkpk;Z ,oa v/;{k

आर. एम. पाण्डे

vkpk;Z

एस. एन. द्विवेदी वी. श्रीनिवास

lg&vkpk;Z

मारूफ ए. खान

oSKkfud

एम. कलाइवानी

fof'k"Vrk,a

विभाग ने संकाय/रेजीडेंट और संस्थान में पीएच.डी. छात्रों के लिए जैव सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं पर तीन व्यावहारिक कार्यशालाएं आयोजित की। संकाय और वैज्ञानिक के पास 123 जारी सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं थीं और संस्थानों के विभिन्न केंद्रों/विभागों के साथ 36 सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा कर चुके थे। विभागीय अनुसंधान परियोजनाओं में तीन जारी बाह्य अनुदान निधि अनुसंधान परियोजनाएं और एक पूर्ण परियोजना शामिल है। विभाग में संकाय और वैज्ञानिक के पास विभिन्न सहकर्मी समीक्षा चिकित्सा पत्रिकाओं में 80 अनुसंधान प्रकाशन थे; देश में लगभग सभी प्रमुख चिकित्सा पत्रिकाओं और विभिन्न चिकित्सा विशेषताओं से कई अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं के लिए समीक्षक बने रहे; संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक और वैज्ञानिक समितियों पर कार्य किया गया; आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी, आयुष के विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के आमंत्रित सदस्य थे; कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्लिनिकल परीक्षणों की डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) पर कार्य किया; देश में विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों में आमंत्रित व्याख्यान दिया; और देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. शोध के लिए परीक्षकों के रूप में कार्य किया।

f'k{kk

विभाग स्नातक पूर्व, पैरामेडिकल एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अर्थात् एम बी बी एस, मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोलॉजी में बी एससी (ऑनर्स), एम बायोटेक, बी एससी, एम एससी नर्सिंग तथा एम डी कॉम्युनिटी मेडीसिन हेतु ''बायोस्टेटिक्स एवं एसेंशिएल्स ऑफ रिसर्च मेथड्स'' शिक्षण का कार्य कर रहा है। विभाग संस्थान के रेजीडेंट के लिए अनुसंधान क्रियाविधि, लेखन और संचार कार्यशालाओं के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाता है, यह अनिवार्य पांच दिन का पाठ्यक्रम है। अनुरोध करने पर, संकाय सदस्यों ने रेजीडेंटों और पीएच डी छात्रों के लिए व्याख्यान दिए एवं संस्थान में विभिन्न केंद्रों/विभागों में विभागीय वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरणों में भाग लिया। विभाग में पी एच डी छात्रों को मार्गदर्शन देने के अतिरिक्त संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने सह–मार्गदर्शक, पीएच डी के डीसी सदस्य, डी एम, एम सीएच, एम डी/एम एस छात्रों के रूप में संस्थान में अन्य विभागों की शैक्षिक गतिविधियों में योगदान दिया। साथ ही, विभागीय संकाय और वैज्ञानिकों ने पूरे देश में विभिन्न राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सम्मेलनों में अनुसंधान विधि और जैव सांख्यिकी पर विभिन्न कार्यशालाओं में 46 आमंत्रित व्याख्यानों को दिया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आर. एम. पाण्डे : 16 **एस. एन. द्विवेदी : 7** **वी. श्रीनिवास : 4**

मारूफ ए. खान : 1 **एम. कलाइवानी : 2**

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुति : 3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य पर इसका प्रभावः 20 बहु स्थल अध्ययन, आर एम पांडे, पर्यावरण मंत्रालय, वन एवं जलवायु परिवर्तन, भारत सरकार, 3 वर्ष, अक्टूबर 2018 से अक्टूबर 2021, 26.40 लाख रुपए।
2. भारत में पांच वर्ष से कम के बच्चे पर भौगोलिक स्वास्थ्य असमानताओं का प्रभाव, मारूफ ए. खान, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 15.93 लाख रुपए।
3. क्लॉ हैंड के लिए टेंडन ट्रांसफर प्रक्रियाओं के पश्चात तीन सप्ताहिक इंमोबिलाइजेशन की तुलना में शीघ्र सक्रिय मोबिलाइजेशन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए बहुकेंद्रीय परीक्षण (डेटा कोर्डिनेशन एंड स्टडी मॉनीटरिंग), वी. श्रीनिवास, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 5 वर्ष, अगस्त 2015 से 2020, 21.22 लाख रुपए।
4. भारत में क्रोन्स रोगः आंत्र तपेदिक के साथ–साथ जान्स रोग स्थानिक है उस देश से एक बहु–केंद्रीय अध्ययन (डेटा कोर्डिनेशन एंड स्टडी मॉनीटरिंग), वी. श्रीनिवास, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार 3½ वर्ष, मार्च 2016 से अगस्त 2019, 27.99 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. लिम्फ नोड सम्मिलिन के पैटर्न एवं संबंधित कारक तथा मुखीय कैंसर रोगियों के मध्य स्थानीय आवर्तीः जैव सांख्यिकीय विचारण।

पूर्ण

1. उत्तर भारत के बच्चों में पुनरावर्ती प्रकोपन एवं दीर्धावधि नियंत्रण अस्थमा के लिए सांख्यिकीय मॉडल्स की तुलना।
2. भारत में किशोर बच्चों में धूमपान मद्यपान एवं तंबाकू खाने के लिए आंकडे संग्रहण पद्धतियों एवं संबंधित महामारी मॉडल्स का तुलनात्मक मूल्यांकन।
3. स्तन कैंसर रोगियों के उपचार में नव सहायक कीमोथेरेपी की प्रभावकता का मूल्यांकन करने के लिए जोखिम उत्तर जीविता मॉडल्स के साथ–साथ क्रमानुसार समीक्षा से प्रतिस्पर्धा एवं करना मेटाविश्लेषण।
4. मौखिक कैंसर रोगियों के बीच लिम्फ नोड भागीदारी और स्थानीय पुनरावृत्ति के जुड़ाव कारक : जैव सांख्यिकीय संबंधी।
5. उत्तरी भारत में बच्चों में अस्थमा बारम्बार के बिगड़े हुए लक्षणों और लंबे समय तक नियंत्रित करने के लिए सांख्यिकीय मॉडल की तुलना।

सहयोगी

जारी

1. सिर की चोट केसों में मस्तिष्क ऊतक में ओलिगोडेंड्रोग्लियल लाइनेज, मायलिनेशन एवं रीमायलिनेटिन का अध्ययन, न्यायचिकित्सा एवं आण्विक डीएनए प्रभाग, जे.पी.एन.ए.टी.सी.।
2. स्वस्थ शिशुओं में जन्म से 6 माह तक फैट गैन ट्रैजेक्टुरी एवं 2 वर्ष की आयु में सीरम इंसुलिन, आईजीएफ–1 एवं एडिपोनेक्टाइन पर इसका प्रभाव, बाल चिकित्सा।
3. मृत्यु अन्वेषण पद्धतियों के मौखिक शव परीक्षा आधारित कारण में नेरटिव के संचालन एवं कैप्चर के लिए टेक्नोलॉजिकल समाधान का मूल्यांकन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
4. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में सिस्टाइन कैथेप्सिन्सः पूर्वानुमान एवं रोग चिकित्सा में जटिलताएं जैवरसायन।
5. भारत में कोरोनरी आर्टेरी रोग के एल.डी.एल. स्ट्रेटिफाइड एवं प्रकृति स्ट्रेटिफाइड रोगियों में पी.सी.एस. के 9 की जीन अभिव्यक्ति एवं प्रोटीन का पता लगाने के लिए अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान।
6. डिपेप्पटाइड I पेप्टीडेज III कोलन कैंसर का रेगुलेशन, इम्यूनोमॉडुलेटरी एवं सेलुलर प्रकार्यों पर अध्ययन, जैवरसायन।
7. आधात एवं संज्ञानात्मक पतन के कारणों को उद्घाटित करने के लिए एक जनसंख्या आधारित पूर्वानुमानिक कोहार्ट अध्ययनः एक क्रास–कल्चरल परिदृश्य, तंत्रिकाविज्ञान।
8. बाल्यावस्था के नेफ्रोटिक संलक्षण में रीनल पेथोजेनेसिस पर फ्लूराइड टॉक्सिटी की भूमिकाः एक अल्ट्रा स्ट्रक्चरल, बायोकैमिकल एवं प्रोटियोमिक अध्ययन, शरीर रचना।
9. मानव ट्राफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवासन पर हाइड्रोजेन सल्फाइड की भूमिका, शरीर रचना।

10. सेप्टिक शॉक वाले रोगियों में कम पर्फुजन स्थितियों में क्रिटिकल केयर टीईई बनाम रूढ़ टीटीई की तुलना, एक दोहरा अवलोकनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं क्रिटीकल उपचार।

11. एल्जाइमर रोग में टाऊ के हायपरफोस्फोरिलेशन में सम्मिलित पोटेंशियल मोडुलेटर टार्गेटिंग पाथवेयस का अध्ययन, जैवभौतिकी।

12. एल्जाइमर्स रोग के लिए संभावित मोडुलेटर का प्रयोग करके ऐंटीऑक्सीडेटिव प्रभाव का अध्ययन एवं सीरम प्रोटीन मार्कर का विकास, जैवभौतिकी।

13. एच.एन.एस.सी.सी. में मानव ल्यूकोलाइट ऐंटीजन का इंटरवेशनस एवं इसकी चिकित्सीय जटिलताएं, जैवभौतिकी।

14. लिपोक्सिजिनेसिस को लक्ष्य बनाते हुए एल्जाइमर्स रोग (एडी) विकृतिविज्ञान में एमिलॉयड बीटा (एबी) का ऐंटी न्यूरोटॉक्सिटी का विश्लेषण, जैवभौतिकी।

15. प्रदाहक प्रोटीन्स के संचरित स्तर पर अध्ययन, मेटास्टैटिक स्तर कैंसर में उनका सिग्नेलिंग कैस्केड एवं उक्त हेतु चिकित्सा जटिलताएं, जैवभौतिकी।

16. पश्च–पी.सी.आई. रोगियों में योगा आधारित हृद् पुनर्वास की प्रभावकताः एक अग्रदर्शी यादृच्छिक, ओपन लेवल, ब्लाइंडिड अंतिम चरण परीक्षण, हृदविज्ञान।

17. दिल्ली के तृतीयक उपचार अस्पताल में चयनित नर्सिंग स्टाफ में व्यवसायिक जीवन गुणवत्ता तथा संरचित योगा कार्यक्रम का प्रभाव, एक छोटे पैमाने का फेज–2 परीक्षण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।

18. ब्रिजिंग चिकित्सा के सहित एवं उससे रहित मुखीय ऐंटीकोगुलेंट्स लेने वाले रोगियों में पश्च संकर्षण रक्तस्राव जटिलताओं की तुलनाः एक प्रायोगिक अध्ययन, डेंटीस्ट्री।

19. आपात विभाग में उपस्थित संदिग्ध संक्रमण वाले रोगियों में 7 एवं 28 दिनों के परिणाम के पूर्व सूचक के रुप में क्यू–सोफा अंक, आपात चिकित्सा।

20. हृद् संरोध रोगियों में केरोटिड पल्स जांच के लिए उपचार बिंदू अल्ट्रासाउण्ड की भूमिका का अध्ययन करना, आपात चिकित्सा।

21. स्मरणशक्ति क्लिनिक में आने वाले रोगियों में गति एवं संतुलन मूल्यांकन, जरा चिकित्सा।

22. भारत में तृतीयक स्वास्थ्य उपचार व्यवस्था में भंगुरता क्लिनिक में आने वाले वृद्ध वयस्कों की व्यापक जराचिकित्सा मूल्यांकन, जराचिकित्सा।

23. भारत के लोंगिट्यूडिनल ऐजिंग अध्ययन (एल.ए.एस.आई.) के लिए मनोभ्रंश का सुसंगत नैदानिक मूल्यांकन (डीएडी), जराचिकित्सा।

24. वृद्ध भारतीय में प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जरी के परिणाम पर भंगुरता एवं जराचिकित्सीय संलक्षणों का प्रभाव, जराचिकित्सा।

25. कैंसर रोगियों में अर्बुदविज्ञानात्मक पीड़ा के उपचार में स्क्रैम्बलर चिकित्सा की प्रभावता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, सं.रो.कैं.अ.।

26. स्तन कैंसर के आनुवांशिक पक्षों के संदर्भ में भारतीय स्तन कैंसर रोगियों की जागरूकता एवं ज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।

27. वयस्क भारतीय गैर–ऐल्कोहॉलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) रोगियों में मेटाबोलिक, एंर्थोपोमेट्रिक एवं अल्ट्रासाउंड पैरामीटर्स पर गहन आहार संबंधी परामर्श का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कायचिकित्सा।

28. बाह्यरोगियों में स्थूलता हेतु जीवविज्ञानात्मक एवं व्यवहारात्मक जोखिम कारक तथा अस्पताल आधारित सेट–अप में मोटे रोगियों में वजन कम करने के लिए कथित अवरोध, कायचिकित्सा।

29. एच.आई.वी. नेगेटिव लिम्फ नोड तपेदिक में पैराडॉक्सिकल प्रतिक्रिया की घटना, परिणाम एवं जोखिम कारक, कायचिकित्सा।

30. दिल्ली एवं समीप के क्षेत्र में तीव्र बैक्टीरियल मेनिनजाइटाइड्स के केसों से अलग किए गए नीजेरिया मेनिनजाइटाइडस का आण्विक लक्षण–वर्णन, सूक्ष्मजैवविज्ञान।

31. उत्तर भारत से गैर–टाइपिएवल हीमोफिलस इंफ्लुंजा (एन.टी.एच.आई.) का फीनोटाइपिक एवं जीनोटायपिक लक्षण–वर्णन, सूक्ष्मजैवविज्ञान।

32. प्रकार्यात्मक मैग्नेटिक रीसोनेंस इमेजिंग (एफ.एम.आर.आई.) का प्रयोग करके चिरकारी दुसाध्य मिरगी में संज्ञान एवं जीवन गुणवत्ता, तंत्रिकाविज्ञान।

33. पार्किन्सन्स रोग में ट्रांस क्रैनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन की भूमिका की जांच, तंत्रिकाविज्ञान।

34. भारत में जनसंख्या आधारित कोहार्ट अध्ययन के लिए अंग्रेजी एवं हिंदी में साक्ष्य आधारित प्रश्नावली की डिजायनिंग एवं वैधीकरण, तंत्रिकाविज्ञान।

35. दिल्ली शहर में 50 वर्ष एवं अधिक आयु वाले व्यक्तियों में सेरेब्रेल माइक्रो–ब्लीड्स की व्यापकता एवं निर्धारकः जनसंख्या आधारित क्रास सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिकाविज्ञान।
36. 50 वर्ष एवं अधिक की आयु वाले वयस्कों में मस्तिष्क एम.आर.आई. पर आकस्मिक खोजों की व्यापकताः जनसंख्या आधारित क्रास–सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिकाविज्ञान।
37. 50 वर्ष एवं अधिक आयु के वयस्कों के जनसमुदाय में वाहिका जोखिम कारक, मस्तिष्क एम.आर.आई. उपाय, संज्ञान एवं गति का संबंधः जनसंख्या आधारित क्रास सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिकाविज्ञान।
38. आरंभिक सुप्रोटेंटोरियल इंट्रासेरेब्रेल रक्तस्राव हेतु उच्च डोज डेक्सामेथाजोनः ब्लाइंडिड अंतबिंदू मूल्यांकन सहित प्रैग्मेटिक समांतर समूह ओपन–लेवल यादृच्छिक परीक्षण (पीआरओबीई), तंत्रिकाविज्ञान।
39. तीव्र आघात में ज्वर, हायपरग्लेसिमिया, निगलना एवं हाइपरटेंशन उपचारः एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आघात उपचार अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार) तंत्रिकाविज्ञान।
40. एन.एम.आर. का प्रयोग करके पार्किन्सन्स रोग में बायोमार्कर्स की पहचान, एन.एम.आर.।
41. एन.एम.आर. स्पेक्ट्रोस्कॉपी का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर का मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, एन.एम.आर.।
42. प्रोस्टेट कैंसर की खोज में एम.आर.गाइडिड बायोप्सी की भूमिका, एन.एम.आर.।
43. आयुर्वेदिक उपचार की चिकित्सीय प्रभावकता का मूल्यांकन करने में मैग्नेटिक रीसोनेंस की भूमिका, एन.एम.आर.।
44. माइक्रोन्यूक्ली विश्लेषण का प्रयोग करके हायपरथायरॉयड रोगियों में अल्प डोज 1311 चिकित्सा की साइटोजेनेटिक विषाक्तता पर अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा।
45. 177 लु डोटा–टीएटीई के साथ न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमर्स की रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी में डोसीमेट्रिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा।
46. मेटास्टेटिक केस्ट्रेटेशन रेसीसटेंट प्रोस्टेट कैंसर वाले रोगियों में एबीरेटिरॉन एसीटेट बनाम कंकुमिटेंट 177 एल यू–डीकेएफ जेड–पी एसएम ए–717 एवं एबीरेटिरॉन एसीटेट थेरेपी की चिकित्सीय प्रभावकताः ओपन लेवल, दो बाहु फेज–2 परीक्षण, नाभिकीय चिकित्सा।
47. पल्मोनरी या पल्मोनरी इंटरवेंशन की आवश्यकता वाले वायुपथ संबंधी रोग से पीड़ित रोगियों में लक्षण भार एवं जीवन गुणवत्ता में परिवर्तनों का मूल्यांकन, अग्रदर्शी अध्ययन, अर्बुद–संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा।
48. इंडक्शन के अंत में फ्लो साइटोमीटरी द्वारा बी–सैल लाइनेज तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एम.आर.डी.) की पहचान, बाल चिकित्सा।
49. स्वस्थ व्यक्यिों में इंडोथेलियल प्रकार्य एवं जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन एवं विभिन्न सोमाटोटाइप वर्गीकरणों के साथ उनका सह–संबंध, शरीरक्रिया विज्ञान।
50. सूक्ष्म वाहिका ऐंजिना में वाहिका प्रकार्य की भूमिका एवं पीड़ा संवेदनशीलता का अध्ययन करना, शरीरक्रिया विज्ञान।
51. किशोर बच्चों में साइकोलॉजिकल ट्रॉमा रीसाइलेंसः मल्टीडायमेशनल स्केल की मनोमितीय विशेषताएं एवं विकास, मनोचिकित्सा।
52. स्तन कैंसर रोगियों में आण्विक पैरामीटरों सहित पूर्वाभासी कारकों का बायोस्टेटिस्टिकल पक्षः महामारी संबंधी समीक्षा, विकिरण चिकित्सा।
53. टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं की भूमिका एवं एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर में उनका क्लिनिकल सह–संबंध, शल्यक अर्बुदविज्ञान।
54. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में प्रौढ़ व्यक्तियों में चिरकारी श्वसन रोग एवं संबंधित कारकों का अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
55. आर्सेनिक ट्राइआक्साइड–अनावृत वयस्क मादा चुहिया का हायपोथेलेमस एवं हिप्पोकैम्पस में संज्ञानात्मक प्रकार्य एवं एस्ट्रोजेन रिसेप्टर प्रोफाइल पर रिजर्वरेट्राल सप्पलीमेंटेशन का प्रभाव, शरीररचना विज्ञान।
56. अस्पताल आधारित रक्त कोष में रक्त सूची प्रबंधन का मूल्यांकन एवं रक्त के अप्रचलन तथा की कमी को कम करने के लिए नीति का विकास करना, क्लिनिकल जैवरसायन।
57. आवर्ती सगर्मता हानि में स्पर्म आण्विक कारकों की भूमिका, शरीर रचना।
58. ऑर्थोपेडिक आघात सर्जरी में क्लिनिकल जटिलताएं एवं पेरीऑपरेटिव प्रदाहक साइटोकाइन्स परिवर्तन पर स्थानीय संवेदनाहरण का प्रभाव, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार जे.पी.एन.ए.टी.सी.।
59. आर्सेनिक ट्रिऑक्साइड प्रकटन के पश्चात माइस बेसल फोरब्रेन संरचनाओं पर कर्कुमिन का प्रभाव, शरीररचना।
60. आर्सेनिक ट्राइऑक्सीड–अनावृत्त वयस्क मादा चुहिया के हायपोथेलामस एवं हिप्पोकैंपस में संज्ञानात्मक प्रकार्य एवं इस्ट्रोजेन रिसेंटर प्रोफाइल पर रिजर्वरेट्रल सप्पलीमेंटेश का प्रभाव, शरीर रचना।

61. मृदु संज्ञानात्मक क्षति वाले पार्किन्सन्स रोगियों के मस्तिष्क में मैपिंग प्रकार्य एवं बायोकैमिकल सह–संबंध, एन.एम.आर. एवं एम.आर. आई. सुविधा।

62. अस्पताल आधारित रक्त कोष में रक्त सूची प्रबंधन का मूल्यांकन एवं रक्त के अप्रचलन तथा कमी को अल्पतम करने के लिए नीति का विकास, क्लिनिकल जैवरसायन।

63. आवर्ती सगर्भता हानि में स्पर्म आण्विक कारकों की भूमिका, शरीर रचना।

64. ऑर्थोपेडिक आधात सर्जरी में क्लिनिकल जटिलताएं एवं पेरीऑपरेटिव प्रदाहक साइटोकाइन्स परिवर्तन पर स्थानीय संवेदनाहरण का प्रभाव, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार (जे.पी.एन.ए.टी.सी.)।

65. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड प्रकटन के पश्चात माइस बेसल फोरब्रेन संरचनाओं पर कर्कुमिन का प्रभाव, शरीररचना।

66. मुखीय ल्यूकोप्लेकिया में प्रो प्रदाहक साइटोकाइन्स पर कैंडिडा एवं ऐंटीफंगल थेरेपी का प्रभाव, एक प्रायोगिक अध्ययन, सी.डी.ई. आर.।

67. मार्फिन को सहने वाले चूहों के स्पाइनल कोर्ड में चुने हुए न्यूरोट्रांस्मीटर्स एवं न्यूरोपेप्टाइडस की अभिव्यक्ति, शरीर रचना।

68. आंत्र तंत्रिका तंत्र पर फ्लुराइड हेतु पूर्व एवं पश्च प्रसव अनावरण का प्रभाव, शरीर रचना।

69. मायलोडिस्प्लास्टिक लक्षण में टीईटी2 प्रोटीन की भूमिका, जैवरसायन।

70. ए.एम.एल. के पैथोजेनेसिस में टीईटी2 प्रोटीनों की भूमिका, जैव रसायन।

71. प्रौढ़ व्यक्तियों में न्यूमोनिया का आर्थिक भार, निवारण एवं नियंत्रण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।

72. भारत (सीडीसी एटलांटा, 2018–2023) में इंफ्लुजा निवारण एवं नियंत्रण के लिए साक्ष्य आधारित पक्षसमर्थन को सशक्त/प्रोत्साहित करना, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।

73. ओपन हार्ट सर्जरी करवाने वाले बच्चों में विटामिन डी अनुपूरण का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस।

74. पोस्ट–ऑपरेटिव पीडियाट्रिक हृद् सर्जिकल रोगियों में माता के दूध के पूरक के साथ आरंभिक एंटेरल भोजन देना, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस।

75. एडिपोज व्युत्पन्न मूल कोशिकाओं के पार्थक्य एवं लक्षण–वर्णन सहित; आयु संबंधी मुख वोल्यूम कमी विशेषतया टियर थ्रू कुरूपता के लिए प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा से मिश्रित आटोलोगस फैट बनाम आटोलोगस फैट एकल के इंजक्शन की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी स्प्लिट मुख यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, त्वचाविज्ञान।

76. बिटिलिगो में ल्यूकोट्रिकिया के रीपिग्मेंटेशन में नॉकल्चरड एपिडर्मल कोशिका सस्पेंशन सहित नॉन–कल्चरड एक्स्ट्रैक्टिड केश फॉलिकल रूट शीथ कोशिका सस्पेंशन की प्रभावकता की तुलना, त्वचा विज्ञान।

77. क्लिनिक अन्वेषणात्मक प्रोफाइल पर आधारित पेरीऑकुलर हायपरपिग्मेंटेशन को वर्गीकृत करने के लिए एक विवरणात्मक अध्ययन, त्वचाविज्ञान।

78. आटोसोमल रीसेसिव कंजेनिटल इचथोसिस में एपिडर्मल सेरामाइड्स का आकलन एवं इसका फीनोटाइप एवं जीनोटाइप से सह–संबंध, त्वचा विज्ञान

79. आटोनोमिक तंत्रिका तंत्र असंतुलन का मूल्यांकन करने के लिए क्रास सेक्शनल अध्ययन एवं दैहिक स्किलरोसिस वाले रोगियों में त्वचीय आविर्भावों के साथ इसका सह–संबंध, त्वचाविज्ञान।

80. एस.जे.एस., एस.जे.एस.–टेन ओवरलेप एवं टेन में साइक्लोस्पोरिन एवं डेक्सामेथासोन की सुरक्षा एवं प्रभावकता की तुलना करते हुए एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, त्वचाविज्ञान।

81. टाइप 2 डायबिटिज मेलीटस के पारिवारिक इतिवृत्त के बिना एवं उसके साथ पी.सी.ओ.एस. वाली महिलाओं में क्लिनिकल, बायोकैमिकल, हार्मोनल पारिवारिक लक्षण–वर्णन तथा एफटीओ जीन विभिन्नता, अंतःस्राविकी।

82. आडियोपैथिक हायपोपेराथायरोडिज्म की जटिलताओं में आण्विक अंतर्दृष्टि, अंतःस्राविकी।

83. आडियोपैथिक हायपोपेराथारोडिज्म वाले भारतीय रोगियों का आटोइम्यून आधार का अन्वेषण, अंतःस्राविकी।

84. आडियोपैथिक हायपोपेराथिरॉडिज्म का विशिष्ट लक्षण, अंतःस्राविकी।

85. अत्वचीय उच्छेदन के पश्चात ट्यूमर प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में तथा सिरोसिस के रोगियों में हीपाटोसेलुलर कार्सिनोमा के निदान में कंट्रास्ट इंहेंस्ड अल्ट्रासाउण्ड की भूमिका, जठरांत्र विज्ञान।

86. हीपोटोसेलुलर कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रुप में माइक्रो आरएनए की भूमिका, जठरांत्र विज्ञान।

87. ट्रासियंट इलैस्टोग्राफी शियर वेब इलैस्टोग्राफी एवं सीरम बायोकैमिकल मार्कर्स का प्रयोग करके चिरकारी लिवर रोग वाले रोगियों में लिवर फिब्रोसिस का मूल्यांकन, जठरांत्र विज्ञान।

88. भारतीय सिलिएक रोग के रोगियों में ग्लुटेन मुक्त आहार हेतु अनुपालन के मूल्यांकन के लिए टूल का विकास एवं वैलीडेशन, जठरांत्र विज्ञान।

89. सेप्सिस में प्रिसेप्सिन का नैदानिक कार्य–निष्पादन का अध्ययन, काय चिकित्सा।

90. टी.बी./एच.आई.वी. सह–संक्रमण में मनोचिकित्सा सह–रूग्णता, कायचिकित्सा।

91. सेप्सिस के रोगियों में मृत्युदर की सूचना देने के लिए बायोमार्कर के रुप में एन–टर्मिनल प्रो–बी.एन.पी. एवं हृद् ट्रोपोनिन–I की भूमिका, कायचिकित्सा।

92. काय चिकित्सा वार्ड में नैमिक रुप से की जाने वाली इंवेसिव प्रक्रियाओं की गुणवत्ता सुधार, कायचिकित्सा।

93. पीड़ा प्रिडोमिनेंट चिकित्सा अभिव्यक्तिहीन संलक्षणों से पीड़ित रोगियों के लक्षण की गंभीरता एवं जीवन गुणवत्ता पर योगा की प्रभावकता, कायचिकित्सा।

94. जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल एवं पीडियाट्रिक ए.एम.एल. में मिटोकोंड्रियल एनर्जी मेंटाबोलिज्म के साथ इसका संबंध चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।

95. प्लेटिनम प्रतिरोध प्लेटीनम दुर्दम्य एवं उच्च अंडाशय कैंसर में पेजोपेनिब आधारित सम्मिश्रण थेरेपीः एक यादृच्छिक फेज 2 अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।

96. श्रेष्ठ सहायक उपचार बनाम इर्लोटिनिब बनाम कैपसिटाबाइन द्वारा खराब कार्य निष्पादन स्थिति वाले अनरिसेक्टेबल या मेटास्टेटिक से ग्रस्त रोगियों में तीन बाहु फेज II/III आर.सी.टी., चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।

97. क्लिनिकल स्वास्थ्य लाभ बनाम न्यूट्रॉफिल स्वास्थ्य लाभ में अनुभवजन्य ऐंटीबायोटिक थेरेपी का विराम, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।

98. हार्डवेयर इंप्लांट्स वाले स्वच्छ ऑर्थोपेडिक सर्जरी करवाने वाले रोगियों में सर्जिकल स्थल संक्रमणों में अत्यधिक इंटरवेशन की प्रभावकताः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

99. ऐंटीबायोटिक नुसखा पैटर्न पर एम.ए.एल.डी.आई.टी.ओ.एफ द्वारा सीघ्र आर्गेनिज्म पहचान का प्रभाव एवं क्लिनिकल परिणाम, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

100. पुरुष द्वारा पुरुष से यौन संबंध (एम.एस.एम.) रखने में जेनीटल एवं एक्स्ट्रा जेनीटल स्थलों में नीजेरिया गोनोरिया की पहचान, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

101. तीव्र इस्कैमिक स्ट्रोक के निदान एवं प्रोग्नेस्टिकेशन में रक्त मार्कर्स का नैदानिक पैनल का विकास, तंत्रिका विज्ञान।

102. इस्कैमिक स्ट्रोक वाले भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध से संबंधित आनुवांशिक एवं क्लिनिकल कारक, तंत्रिका विज्ञान।

103. स्ट्रोक स्वास्थ्य लाभ में गहन भौतिक चिकित्सा एवं ट्रॉमा क्रैनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन (टीएमएस) की भूमिका एवं इंटरवेंशन एवं स्वास्थ्य लाभ के साथ वृद्धि कारकों के सह–संबंध पर अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान।

104. गैर–लघु कोशिका फेफड़ा कैंसर में शीघ्र उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन हेतु संपूर्ण शरीर डिफ्युजन भारित एमआरआई के साथ संपूर्ण शरीर एफ–18 एफडीजीपीईटीसीटी की तुलना तथा गतिशील एफ–18 एफडीजीपीईटी/सीटी प्रोटोकॉल का मानकीकरण, नाभिकीय चिकित्सा।

105. बी.आर.बी. ट्रांसपोंडर प्रकार्यों को समझना एवं ओविटिस के प्रायोगिक मॉडल में एप्टामर्स का मूल्यांकन, नेत्र भेषजगुण विज्ञान, डॉ. रा.प्र. केंद्र।

106. रक्त नेत्र अवरोध के पार दवाइयों के प्रवेश में वृद्धि के लिए क्यू एसपीआर मॉडल को विकसित एवं उसका वैधीकरण करना, नेत्र भेषजगुण विज्ञान, डॉ. रा.प्र. केंद्र।

107. कन्सेंन्सस आण्विक सब्टाइप्स के अनुसार मानव कालोरेक्टल कार्सिनोमस को वर्गीकृत करने के लिए सरगैट इम्यूनोहिस्टोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर मार्कर्स के पैनल की उपयोगिता तथा क्लिनिकल सह–संबंध, विकृति विज्ञान।

108. चूहे के दिल में इस्कैमिया रीपरफ्यूजन क्षति के प्रयोगात्मक मॉडल में प्रज्वलन का भेषजगुण विज्ञानात्मक मॉडुलेशन, भेषजगुण विज्ञान।

109. भारत में उच्च रक्तदाब वाले रोगियों के चिकित्सा अनुपालन का मूल्यांकन करने के लिए प्रश्नावली का विकास एवं वैधीकरण, भेषजगुण विज्ञान।

110. पार्किन्सन्स रोग की आरंभिक अवस्था में व्यायाम की प्रभावकता का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास।

111. मृदु संज्ञानात्मक क्षति एवं एलजाइमर्स रोग में संज्ञानात्मक कमी एवं तनाव प्रतिक्रिया का परिमाणात्मक ईईजी सह–संबंध, शरीरक्रिया विज्ञान।

112. सी.ओ.पी.डी. में विकृति शरीरक्रिया विज्ञात्मक तंत्रों को स्पष्ट करने के लिए ट्रांसक्रिप्टोमिक अध्ययन, शरीरक्रिया विज्ञान।

113. जीनोमिक अभिव्यक्ति एवं योगा–आधारित जीवनशैली इंटरवेशन के प्श्चात स्थूलता में परीसरिए रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं का प्रोटीन प्रोफाइल सह–संबंध, शरीरक्रिया विज्ञान।

114. हाल ही में निदानित हाइपरटेंशन वाले टाईप 2 डायबिटिस में आटोनोमिक, वाहिका एवं इंडोथेलियल प्रकार्य पर ऐंजियोटेंसिन कंवर्टिंग इंहिबीटर का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान।

115. आयरन ऑक्साइड नेनो–पार्टिकल इंप्लांटेशन के पश्चात पेशी पुनरूज्जीवन तथा पूर्ण स्पाइनल कोर्ड क्षति चूहा मॉडल में मैग्नेटिक फील्ड का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान।

116. सिजोफ्रेरिया वाले रोगियों के उपचारदाताओं में उपचार देने का अनुभव का मनो–सामाजिक सह–संबंध, मनोचिकित्सा।

117. विघटनशील कंवर्जन विकार वाले किशोरों के लिए मनोविज्ञानात्मक इंटरवेंशन मैन्यूल का विकास, मनोचिकित्सा।

118. ऑरोफैरेक्स या इसोफेगस के न्यूप्लाज्म्स के कारण मध्यम एवं गंभीर डिस्फेगिया वाले रोगियों में एंटेरिक सपोर्ट के लिए नेसोएंटेरिक फीडिंग एवं अत्वचीय रेडियोलॉजिक गैस्ट्रोस्टॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन, रेडियोडायग्नोसिस एवं इमेजिंग, सं.रो.कैं.अ.।

119. टैप ब्लॉक बनाम टैप ब्लॉक रहित के अंतर्गत पीटीबीडी करवाने वाले गॉल ब्लैडर कैंसर रोगियों में पीड़ा स्कोर, रेडियोडायग्नोसिस एवं इमेजिंग, सं.रो.कैं.अ.।

120. प्रसूति संबंधी हीमोरेज में इंटरवेशनल रेडियोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस।

121. डिफ्युजन भारित एम.आर. इमेजिंग एवं अल्ट्रासाउंड इलैस्ट्राग्राफी का प्रयोग करके नैक मैसिज का मूल्यांकन, रेडियोडायग्नोसिस।

122. वयस्क ट्रामेटिक ब्रैकियल प्लेक्सिस क्षति का मैग्नेटिक रीसोनेंस इमेजिंग मूल्यांकन, रेडियोडायग्नोसिस।

123. आब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्नीया सिंड्रोम में ऊपरी वायुपथ के मूल्यांकन करने में डायनामिक एमआरआई, रेडियोडायग्नोसिस।

124. कीमोथेरेपी करवाने वाले रोगियों में गैर–लघु कोशिका फेफड़ा कार्सिनोमा के मूल्यांकन में परफ्यूजन सी.टी. की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस।

125. स्तन कैंसर में एनएसीटी के पश्चात सेंटीनल लिम्फ नोड बायोप्सी की शुद्धता को बढ़ाने में कक्षीय लिम्फ नोडस का अल्ट्रासाउंड निर्देशित वायर लोकालाइजेशन की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस।

पूर्ण

1. नमूनों के संग्रहण के दौरान एवं मानव शरीर में विट्रीअस ह्यूमर तथा रक्त में माइक्रोबस द्वारा एल्कोहल उत्पादन का अध्ययन करना, न्याय चिकित्सा।

2. वृद्ध भारतीयों में ओर्थोस्टेटिक हायपोटेंशन का अध्ययन, जरा चिकितसा।

3. दुर्बल वृद्ध वयस्कों में संज्ञान का अध्ययन, जरा चिकित्सा।

4. मृदु व्यवहारात्मक क्षति (एमबीआई) में क्लिनिकल बायोकैमिकल एवं रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल, जरा चिकित्सा।

5. रेडियोआयोडीन (131 I–एनए) थेरेपी करवाने वाले पृथक किए थायरॉयड कैंसर वाले बच्चों एवं युवा वयस्कों में डोसीमेट्रिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा।

6. नर्सिंग, इसके सह–संबंध में व्यावसायिकता की संकल्पना का अध्ययन करना तथा नर्सिंग शिक्षा के लिए व्यावसायिकता में पाठयक्रम का मॉडल ढांचा तैयार करना, नर्सिंग महाविद्यालय।

7. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया (एएलएल) भारतीय बच्चों में इंडक्शन कीमोथेरेपी हेतु प्रतिक्रिया एवं पूर्वाभासी पैरामीटर्स सहित साइटोकाइन रिसेप्टर–लाइक कारक 2 (सीआरएलएफ–2) एवं आईकेजेडएफ–1 जीन परिवर्तनों का संबंध, बाल चिकित्सा।

8. निचले अंगों के परीसरिए आर्टेरी रोग के रोगियों में पर्यवेक्षित व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन एवं उनकी जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन करना, शल्य चिकित्सा विभाग।

9. स्तन कैंसर सर्जरी के पश्चात केवल ऊपरी अंग लिम्फएडिमा के निवारण में इंजेक्शन बैंजाथाइन पैनीसिल्लिन, ऊपरी अंग व्यायाम तथा उपचार एवं ऊपरी अंग व्यायाम तथा केवल उपचार की प्रभावकता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग।

10. पश्च ऑपरेटिव पीड़ा के चूहा मॉडल में स्पाइनल स्तर पर विशिष्ट न्यूरोपेप्टाइड्स के सम्मिलन का अध्ययन, शरीर रचना।

11. मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में कैंसर कोशिका विभेदन एवं ट्यूमर माइक्रोइंवायरमेंट के मध्य संबंध, जैवरसायन।

12. भारत में वृद्ध व्यक्तियों के लिए जनसंख्या आधारित इंफ्लुएंजा निगरानी प्लेटफार्मस का नेटवर्क स्थापित करना, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
13. अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में स्नातक पूर्व (यू.जी.) चिकित्सा छात्रों में शारीरिक गतिविधि (पी.ए.) का अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
14. संरचित योगा कार्यक्रम को आरंभ करने का औचित्य एवं अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के नए चिकित्सा स्नातकपूर्व छात्रों पर तनाव एवं कथित स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
15. उत्तरी भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में आने वाले डर्माटोफाइटिक संक्रमणों वाले रोगियों का वर्णनात्मक महामारी विज्ञान अध्ययन, त्वचाविज्ञान।
16. सेलियक रोग एवं अन्य एंटिरोपैथिक वाले रोगियों में विल्लोअस अपसामान्यताओं के मूल्यांकन हेतु बायोमार्कर्स, जठरांत्र विज्ञान।
17. ए.एम.एल. में मिटोकोंडियल डीएनए में परिवर्तनों का क्लिनिकल एवं बायोलॉजिकल महत्ता, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कै.अ.।
18. बहुविध मायलोमा में अस्थि मज्जा माइक्रो इंवायरमेंट की भूमिका, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।
19. बहुविध मायलोमा में आटोलोगस हीमाटपोयटिक स्टेम सैल प्रतिरोपण के पश्चात बोर्टेजोमिक, लिनालिडोमाइड एवं डेक्सामिथाजोन आधारित समेकित थेरेपी, एक एकल बाहु अग्रदर्शी अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।
20. प्रथम आवर्ती पर बाल ए.एम.एल रोगियों के लिए सेल्वेज कीमोथेरेपी के रुप में एडीई, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।
21. सी.एन.सी. में सैल मीडियाटिड इम्यून प्रतिक्रिया एवं सह–संबंध तथा तीव्र बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस के निदान के लिए रियल टाइम पीसीआर का मानकीकरण, सूक्ष्मजैव विज्ञान।
22. अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमेगालोवाइरस के लिए परिमाणात्मक वास्तविक समय पीसीआर एवं जीनोटाइपिंग, सूक्ष्मजैव विज्ञान।
23. तृतीयक उपचार अस्पताल में प्रोस्थेटिक जोड़ संक्रमणों के माइक्रोबायल प्रोफाइल को पहचानने के लिए प्रवर्धन आधारित डीएनए विश्लेषण की भूमिका एवं प्रोस्थेटिक जोड़ संक्रमण (पीजेआई) की महत्ता, सूक्ष्म जैवविज्ञान।
24. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया में मिटोकोंड्रियल डीएनए रेगुलेटरी रीजन में परिवर्तनों का क्लिनिकल एवं जैवविज्ञानात्मक महत्ता, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।
25. माइग्रेन में एड–ऑन थेरेपी के रुप में योगा का प्रभाव, अग्रदर्शी नियंत्रण अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान।
26. स्वस्थ वोलंटियर्स में संज्ञानात्मक कार्य–निष्पादन में संवेदना प्रवृत्त परिवर्तनों का परिमाणात्मक ईईजी सह–संबंध, शरीरक्रिया विज्ञान।`
27. मध्यम एवं उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामेट्रिक एम.आर.आई. एवं जीए–68 पीएसएमएपीईटी स्कैन, रेडियोडायग्नोसिस।
28. तीव्र आघातिक ग्रीवा कोर्ड क्षति में एमआरआई का निदान एवं पूर्वानुमानिक भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस।
29. हृद् एमआरआई की मदद से स्कार पोस्ट एम.आई. का मूल्यांकन, रेडियोनिदान।
30. स्क्रिन आधारित मीडिया का प्रयोग एवं पुनः स्थापन कॉलोनी नई दिल्ली में 10 से 19 वर्ष की आयु वाले किशोरों में स्क्रिन समय का मूल्यांकन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
31. बल्लभगढ़, हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में प्रौढ़ व्यक्तियों में डायबिटिस एवं हायपरटेंशन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
32. दिल्ली में शहरी पुनःस्थापन कॉलोनी में प्रौढ़ व्यक्तियों में दृष्टि हानि, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
33. बायोमार्कर के रुप में ओस्टियोपोटीन का मूल्यांकन एवं गोचर रोग वाले एंजाइम नेव रोगियों में रोग गंभीरता स्कोर सहित इसका सह–संबंध, बाल चिकित्सा।
34. उत्तर भारत के ग्रामीन क्षेत्र में युवा पुरूषों में जोखिम व्यवहारः एक क्रास सेक्शनल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
35. भोजन संबंधी विकारों एवं आहार पैटर्नो का मूल्यांकन तथा डायबिटिस मेलीटस टाईप 2 वाले वयस्क रोगियों में मेटाबोलिक पैरामीटर्स एवं ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ उनका संबंध, अंतःस्राविकी।
36. हृद् रीसाइंक्रोनिजेशन थेरेपी हेतु प्रस्तुत हृद्पात वाले रोगियों के उपचार में गेटिड–स्पेक्ट मायोकार्डियल परफ्युजन इमेजिंग द्वारा इंट्रावेंट्रीकुलर साइंक्रोनिज्म मूल्यांकन की महत्ता, हृद्विज्ञान।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 75

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य आर. एम. पाण्डे ने निम्नलिखित सम्मान प्राप्त किए तथा महत्वपूर्ण घटनाओं में भाग लिया। **एथिक्स कमेटीः** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (पीएचएफआई के तहत), दिल्ली के सभापति; सदस्यः डीबीटी के तहत, यूनाइटिड नेशन्स रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी **समन्वयकर्ताः** अ.भा.आ.सं. में पी.जी. छात्रों के लिए रिसर्च मेथेडोलॉजी, राइटिंग एवं कॉम्युनिकेशन पर अनिवार्य पांच दिवसीय कार्यशाला; **सदस्य;** नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडिमियोलॉजी (आईसीएमआर) की साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी तथा रीजनल मेडिकल रीसर्च सेंटर (आरएमआरसी–आईसीएमआर); आरएनटीसीपी (भारत सरकार) पर ऑपरेशन्स रीसर्च; एडवाइजरी कांसिल, बीपीकेआईएचएस, धरन, नेपाल; रीसर्च एडवाइजरी कमेटी वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय; भारत में लाइसोजोमल संग्रहण विकारों के क्लिनिकल, बायोकैमिकल एवं आण्विक विशेषता का बहुकेंद्रीय सहयोग अध्ययन के स्टीरिंग समिति सदस्य; विशेषज्ञ समिति, क्लैफ्ट लिप एवं पैलेट एनामलि (आईसीएमआर) पर टास्क फोर्स परियोजना; बिल मिलंदा गेट्स फाउंडेशन एवं डीबीटी द्वारा वित्तपोषित विशाल चुनौतियां भारत/पोषण एवं स्वास्थ्य पर तकनीकी सलाहकार समूह; डीएसडी द्वारा जीवन एवं संबंधित आर. एवं डी. पहल पर मोबाइल टावरों से आईएमएफ रेडिएशन प्रकटन के संभावित प्रभाव पर आर. एवं डी. प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ समिति; भारत में बाल एचआईबी केसों के भार के आकलन पर विशेषज्ञ समिति; **सदस्य डीएसएमबीः** नवजात मृत्युदर पर समुदाय आधारित कंगारू मातृ देखभाल, डब्ल्यूएचओ द्वारा समन्वित; राष्ट्रीय जानपदिक रोग विज्ञान, चैनई के वैज्ञानिक अकादमी समिति के सदस्य; आईसीएमआर–क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र भुवनेश्वर। **परीक्षकः** दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में पीएचडी थीसिस जमा की गई; आईआईपीएस, मुम्बई; सीएमसी वैल्लूर एवं केरला विश्वविद्यालय।

आचार्य एस. एन. द्विवेदी सदस्य थे (यूजीसीनामित), सलाहकार समिति, सांख्यिकीय विभाग, कलकता विश्वविद्यालय; दो पीएचडी छात्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए सलाहकार; सदस्य, हैदराबाद 2021 में आयोजित हुई इंटरनेशनल यूनियन फॉर साइंटिफिक स्टडी ऑफ पोपुलेशन (आईयूएसएसपी) के 29वें अंतराष्ट्रीय जनसंख्या सम्मेलन के लिए राष्ट्रीय आयोजन समिति; बाह्य सदस्य, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर में सांख्यिकी में बोर्ड ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज़, लखनऊ; सदस्य, जेस्टेशनल डायबिटिज़ मिलीट्स (जीडीएम) पर विशेषज्ञ समिति हेतु पद्धतियों एवं परियोजना समीक्षा समितियां पर टास्क फोर्स समिति; सदस्य, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के मॉडल रूरल हेल्थ रीसर्च यूनिट्स (ब्लॉक लेवल) के लिए विशेष परियोजना समीक्षा समिति; सदस्य, मल्टीसेंट्रिक स्टडी ऑफ पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) हेतु डेटा सेफ्टी मॉनीटरिंग बोर्ड (डीएसएमबी); पोस्टर प्रस्तुतिकरण एवं अवार्ड के लिए प्रथम तीन श्रेष्ठ पेपरों को संस्तुत करने के लिए जज; एवं इंडियन सोसाइटी फॉर मेडीकल स्टेटिस्टीक्स, निम्हांस, बैंगलुरू के 36वें वार्षिक सम्मेलन के तहत ''एडवांस्ड स्टेटिसटिकल मेथड्स इन मेडीकल रीसर्च'' पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की, सांख्यिकी एवं ऑपरेशन अनुसंधान में उभरती हुई नई पद्धतियां (ईआईएसओआर–2018) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, एम. डी. विश्वविद्यालय, रोहतक; अध्यक्ष इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पोपुलेशन (आईएएसपी), बीएचयू, वाराणसी के 39वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान इंडियन एसोसिएशन फॉर दी स्टडी ऑफ पोपुलेशन (आईएएसपी): हाउ टू टेप? हेतु उभरते–अवसरों पर चर्चा हेतु पेनेलिस्ट एवं ''मृत्युदर'' पर वैज्ञानिक सत्र; सांख्यिकी में पीएचडी डिग्रियां जिनमें से एक यूनीवर्सिटी ऑफ वेस्ट इंडिस स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज़ एंड रीसर्च सेंट अगस्ट्यून कैंपस तथा दूसरी यूनीवर्सिटी ऑफ राजशाही, बंग्लादेश से है, को प्रदान करने के लिए विदेश से दो पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए बाह्य परीक्षक; भारत से चार थीसिस, गुवाहटी विश्वविद्यालय गुवाहटी; कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता; इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पोपुलेशन साइंसिस, मुम्बई एवं सेंटर फॉर कैंसर एपिडिमियोलॉजी, टाटा मेमोरियल कैंसर मुंबई से प्रत्येक एक; पीएचडी मौखिक परीक्षाओं का संचालन करने के लिए बाह्य परीक्षक, सांख्यिकीय विभाग, गुवाहटी विश्वविद्यालय, गुवाहटी; इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पोपुलेशन साइंसिस, मुम्बई, एवं यूनीवर्सिटी ऑफ वेस्ट इंडीज, स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज़ एंड रीसर्च एसकेवाईपी के द्वारा से 2 अगस्ट्यून कैंपस में प्रत्येक एक; सदस्य, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो–साइंसिस, बैंगलुरू में चयन समिति एवं विशेषज्ञ सदस्य, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद में चयन बोर्ड; समीक्षक, अमेरिकन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ; समीक्षक, ''एडिटोरियल बोर्ड सदस्य, बायोस्टेटिस्टिक्स एंड बायोमेट्रिक्स ओपन एक्सेस जर्नल; समीक्षक, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टेटिस्टक्स; सिस्टेमिक समीक्षाएं; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रीसर्च एवं समीक्षाएं; सांख्यिकीय संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ; संपादक डेमोग्राफी इंडिया; सदस्य, एडीटोरियल बोर्ड ऑफ इंडियन स्पाइन जर्नल; सदस्य, एडीटोरियल बोर्ड ऑफ इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ; समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ मेडीकल रिसर्च; सदस्य, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टेरिसटिक्स; चयनित सदस्य, इंटरनेशनल स्टेटिसटिकल इंस्टीट्यूट एवं इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टेटिसटिकल एजुकेशन, नीदरलैंड; सदस्य, इंटरनेशनल एपिडिमियोलॉजिकल एसोसिएशन, यूएसए; फेलो, रॉयल स्टेटिसटिकल सोसाइटी यू.के.; सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययनों के लिए संस्थान एथिक्स समिति; संस्थापक उप सभापति, साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य उपचार सोसाइटी; इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टेटिसटिकस (आईएमएस) के एफएसएमएस अवार्ड के संबंध में फेलोशिप समिति के सदस्य; अन्य आई एसएमएस अवार्ड (प्रो. एस. के. भट्टाचार्य ओरेशन, श्रीमती रामरती लालिमा सहाई अवार्ड, लाइफ टाइम उपलब्धि अवार्ड, प्रोफेसर ए इंद्रयन ट्रैवल ग्रांट) हेतु खोज समिति के सदस्य।

आचार्य वी श्रीनिवास राष्ट्रीय कैंसर निवारण एवं अनुसंधान संस्थान, आईसीएमआर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य थे; सदस्य, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों प्रोत्साहित करने के लिए मूल्यांकन बोर्ड; तंत्रिकाविज्ञान, मानव स्वास्थ्य पर नॉन–आयोजिंग ईएमएफ, निद्रा विकारों पर अध्ययन एवं परम्परागत दवाइयों, पोलीसिस्टिक अण्डाशय रोग, पुरूष गर्भ निरोधक आरआईएसयूजी परीक्षण सहित डीएम पर आईसीएमआर टास्क फोर्स कमेटी के सदस्य; विभिन्न पद, आईसीएमआर के लिए चयन समितियों एवं स्क्रीनिंग समितियों के सदस्य तथा तंत्रिकाविज्ञान, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत की परियोजना समीक्षा समितियों के सदस्य। वह इंडियन जर्नल ऑफ डर्माटोलॉजी एंड वेनरियल डिसीज (आईजेडीवीएल) हेतु सांख्यिकीय परामर्शदाता हैं; जर्नल ऑफ क्लिनिकल ओंकोलॉजी (अमेरिकन सोसाइटी फॉर क्लिनिकल ओंकोलॉजी) पेडियाट्रिक्स (अमेरिकन एकेडमी ऑफ पेडियाट्रिक्स), इंडियन जर्नल ऑफ डर्माटोलॉजी, रतिजरोग एवं लैप्रोलॉजी एवं इंडियन पेडियाट्रिक्स हेतु जैवसांख्यिकी समीक्षक तथा जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एंड एडल्ट मेंटल हेल्थ (जेआईएसीएएम) हेतु परामर्शदाता एवं अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ, मेडीकल रीसर्च कॉन्सिल, यू.के.। वह संस्थान एथिक्स समिति, अ.भा.आ.सं. के सदस्य एवं वह मद्रास विश्वविद्यालय, चैन्नई एवं मनोनमनी सुंदरनर विश्वविद्यालय तिरूनलवेली हेतु पीएचडी सांख्यिकी समीक्षक भी रहे।

डॉ. मारूफ ए खान सह–संपादक (2015–2018) रहे, जर्नल ऑफ स्टेटिसटिक्स एंड मैथमेटिक्स, यूएसए; संपादकीय बोर्ड सदस्य (जैवसांख्यिकी), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोटर्स; इंडियन जर्नल ऑफ मेडीकल रीसर्च, इंडिया के वैज्ञानिक समीक्षक; स्टेटिसटिक्स, आप्टीमाइजेशन एंड कंप्यूटिंग, एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, यू.एस.ए. के वैज्ञानिक समीक्षक; जर्नल ऑफ ओबेसिटी, यू.के. के वैज्ञानिक समीक्षक तथा जर्ननल ऑफ बायोमेडीकल रीसर्च, यू.के. के वैज्ञानिक समीक्षक।

9-7 t\o Ák|kfxdh

आचार्य एवं अध्यक्ष

जया एस. त्यागी

सह-आचार्य

अनुश्री गुप्ता

सहायक आचार्य

रुपेश कुमार श्रीवास्तव
भूपेंद्र कुमार वर्मा
विक्रम सैनी
सिरिश कुमार इप्पागुंटा
सुमित राठौर
उपासना बेदी चनाना (संविदा)
चंचल कुमार (संविदा)

वैज्ञानिक

श्राबनी सौगंधिका

विशिष्टताएं

1. विभाग द्वारा प्रति बैच 12-14 छात्रों हेतु मेडिकल जैव प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञता पाठ्यक्रम प्रवेश के साथ जैव-प्रौद्योगिकी में एक उत्तम मानक का स्नातकोत्तर पाठयक्रम चलाया जाता है। विभाग में एक पी.एच.डी. कार्यक्रम भी चलाया जाता है। एम.एस.सी. एवं पी.एच.डी. छात्रों की कुल संख्या लगभग 35 है।
2. विभाग संकाय ने लगभग 10 पोस्ट डॉक्टरल वैज्ञानिकों का शोध निर्देशन किया है।
3. जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने भारत की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के ग्रीष्म कालीन शोध छात्रवृति कार्यक्रमों में सहायता प्रदान की है।
4. विभाग में 6 वरिष्ठ निदर्शक (डॉ. साक्षी ढींगरा, डॉ. कृति सीकरी, डॉ. प्रिया कालरा, डॉ. सौरभ शर्मा, डॉ. प्रियंका दुग्गल तथा डॉ. चमन सैनी) हैं जो शिक्षण एवं शोध क्रियाओं में भागीदारी रखते हैं।
5. सरकारी वित्त पोषण एजेंसियों से विभागीय संकाय को बड़ी संख्या में बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुए हैं।
6. संकाय एवं छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थाओं की संगोष्ठियों में अपने शोध कार्य की प्रस्तुति की है।
7. संकाय एवं छात्रों ने जैव-प्रौद्योगिकी में अपने उत्कृष्ट योगदान देने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक संगठनों से राष्ट्रीय स्तर के सम्मान/पुरस्कार प्राप्त किए हैं।
8. संकाय ने भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों की सभी वैज्ञानिक समितियों में विशेषज्ञ के रूप में सेवा की।
9. संकाय ने सहकर्मी द्वारा समीक्षा किए गए शोध आलेखों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया।

10. संकाय ने टी.बी. के उपचार की तकनीकों एवं टी.बी. के उपचार की विकसित किटों के लिए पेटेंट फाईल किया।
11. विभाग ने विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्रों की आवश्यकताओं तथा उनके शिक्षण को समर्थन देने के लिए छात्र परामर्श एवं रोजगार जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है।

शिक्षा

स्नातकोतर शिक्षण

1. विभाग द्वारा एम. बायोटेक डिग्री के लिए चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी पर बल देने के साथ बायोटेक्नोलॉजी में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स चलाया गया है। अध्यापन कार्यक्रम में 16 विषय शामिल हैं जिनमें कोशिका एवं विकासात्मक जीव विज्ञान, मानवीय जैव रसायन, चिकित्सा, सूक्ष्म जीव विज्ञान, प्रतिरोग-विज्ञान एवं प्रतिरोग प्रौद्योगिकी, आण्विक जीव विज्ञान संक्रामक रोग जीव विज्ञान, आनुवंशिकी अभियांत्रिकी एवं जीनोम प्रौद्योगिकी, जैव भौतिकी (सिद्धांत, काय चिकित्सा में तकनीक एवं अनुप्रयोग), जैव सूचना विज्ञान, ओमिक्स (जीनोमिक्स, ट्रांस क्रिप्टोमिक्स, प्रोटियोमिक्स एवं मेटा बोलोमिक्स), जैव सांख्यिकी, प्रयोगशाला तकनीक में सेमिनार (सिद्धांत एवं इंस्ट्ररुमेंटेशन), चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी (पत्रिका समूह एवं संप्रेषण कौशल) आण्विक चिकित्सा एवं जैव प्रौद्योगिकी में सेमिनार तथा चिकित्सा शोध के सीमांत क्षेत्रों में लघु शोध प्रबंध है।
2. विभाग ने एम.जैव प्रौद्योगिकी के (2018-20) पाठ्यक्रम में तीन नए विषय शामिल किए गए हैं जिनके नाम हैं-संक्रमित रोग जीव विज्ञान, ओमिक्स: जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स, प्रोटियोमिक्स तथा चिकित्सीय सूक्ष्म जीव विज्ञान तथा संक्रमित रोग जीव विज्ञान में मेटाबोलोमिक्स एवं प्रयोगशाला-पाठ्यक्रम।
3. प्रायोगिक कक्षाओं में छात्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है और प्रशिक्षण में सहायता की जाती है।
4. एम्स संकाय के अलावा, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आण्विक चिकित्सा, जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स इत्यादि विषयों पर, जे.एन.यू., आई.जी.आई.बी., आई.सी.जी.ई.बी., एन.आई.आई., आई.आई.टी., टी.एच.एस.टी.आई., आर.सी.बी., बी.सी. आई.एल., टेरी, जामिया हमदर्द तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से विभिन्न विशेषज्ञों को छात्रों के मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया जाता है।
5. विभाग चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में पी.एच.डी. कार्यक्रम भी चलाता है।
6. विभाग डी.एस.टी. इंस्पायर संकाय पुरस्कार, डी.बी.टी. और डी.एस.टी. राष्ट्रीय पोस्ट डॉक्ट्रल और युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किए हुए युवा वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करता है।

सीएमई/प्रयोगशाला/सिंपोजियम/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. फ्लो साइटोमीटरी पर दो दिवसीय कार्यशाला (आधारभूत, बहुरंगी फ्लो साइटोमीटरी, आंकडों का विश्लेषण तथा प्रस्तुति), 11-12 फरवरी, 2019, डॉ. रुपेश कुमार श्रीवास्तव, जैव प्रोद्यौगिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली।
2. जैव प्रोद्यौगिकी में प्रथम रोजगार जागरूकता कार्यक्रम, 15 मार्च 2019, डॉ. विक्रम सैनी, जैवप्रोद्यौगिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली।
3. जीव चिकित्सा अनुसंधान में मल्टी मोड रीड़र्स युक्त प्रतिबिम्बन क्षमताओं के अनुप्रयोग पर दो दिवसीय कार्यशाला, 25-26 मई 2018, डॉ.विक्रम सैनी, जैव प्रोद्यौगिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

जया एस. त्यागी: 11	**अनुश्री गुप्ता: 1**	**रुपेश कुमार श्रीवास्तव: 3**
भूपेंद्र कुमार वर्मा:3	**विक्रम सैनी: 5**	**सिरीश कुमार इप्पागुंटा: 1**
सुमित राठौर: 1	**उपासना बेदी चनाना: 1**	**चंचल कुमार: 1**

मौखिक शोध पत्र/पोस्टर्स प्रस्तुति : 17

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. जया एस. त्यागी, एमएससी चिकित्सा जैव प्रोद्यौगिकी शिक्षण कार्यक्रम, डीबीटी, जारी, 1986 से, 33.44 लाख रुपये (2018-19)
2. जया एस. त्यागी, प्रतिजीवी (एंटिबायोटिक्स) प्रतिरोधकता की चुनौती का सामना: पारंपरिक एटी ट्यूबटक्लोसिस ड्रग्स के डीईवीआर डोरमैन्सी विनियामक के साथ संयोजन:-एम ट्यूबरक्लोसिस क्लिरेंस में सुधार का उद्देश्य, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 47.30 लाख रुपये
3. जया एस. त्यागी, एप्टामेर आधारित ट्यूबरक्लोसिस उपचार टूलबॉक्स (सहसंयोजी परियोजना), डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 16.52 लाख रुपये।
4. रुपेश कुमार श्रीवास्तव, ऑस्टियोपोरोसिस की प्रोबायोटिक्स मध्यस्थता निषेध में जीयूटी रेसीडेंट नियामक टी कोशिकाओं को शामिल करते हुए सेंलुलर तंत्र का उन्मूलन, डीएसटीएसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 65 लाख रुपये।
5. रुपेश कुमार श्रीवास्तव, ओस्टियोपोरोसिस के प्रबंधन के लिए नवीन मशरुम पर आधारित सिंबायोटिक खाद्य प्रतिपूरक का विकास, एम्स, आई-आईटी, दिल्ली अंतर संस्थानगत सहसंयोजी अनुसंधान अनुदान, दो वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये।

6. रुपेश कुमार श्रीवास्तव, ओवीएक्स, चूहों में अस्थिक्षय के लेक्टोबेसिल्स रैम्नोसस मध्यस्थता रोकथाम में ट्रैग-टी एच 17 की भूमिका को अलग करना एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 9.10 लाख रुपये।
7. भूपेंद्र कुमार वर्मा, डेंगू विषाणु से नवीन जीन विनियामक सर्किट का संबंद्ध: चिकित्सा शास्त्रीय संभावनाओं की खोज, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 99 लाख रुपये
8. भूपेंद्र कुमार वर्मा, डीईएनवी रोग जनन में आरएनए विखंडन से उत्पन्न टीआरएनए की पहचान एवं क्रियात्मक लक्षणात्मकता, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, 39.41 लाख रुपये
9. विक्रम सैनी, हरगोबिन्द खुराना इनोवेटिव यंग बायोटैक्नोलिजस्ट पुरस्कार (आईवाईबीए), डीबीटी, तीन वर्ष, 2019-2022, 59.06 लाख रुपये।
10. विक्रम सैनी, ट्यूबरक्लोसिस के उपचार में नवीन पद्धति के रूप में सेलेनियम अनुपूर्ण द्वारा होस्ट जैव ऊर्जा विज्ञान स्वास्थ्य एवं रेडॉक्स प्रक्रिया की रोकथाम, डीएसटीएसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, 52 लाख रुपये।
11. विक्रम सैनी, सेलेनियम अनुपूर्ण तथा माइक्रोबैक्टिरीयल संक्रमण, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये।
12. श्राबनी सौगंधिका, अधिक नमक युक्त आहार की पुरुष प्रजनन शक्ति में भूमिका का अध्ययन: अस्थि हार्मोन ऑस्टियोकेल्सिन की भूमिका, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये।

पूर्ण

1. जया एस. त्यागी, टीबी के उपचार के लिए 'टीबी डिटेक्ट' एवं 'टीबी कांसन्ट्रैशन एवं ट्रांसपोर्ट' किट् तथा टीबी डीएनए एक्सट्रैक्शन टीबी एवं औषधि प्रतिरोधी किट् की बहु-केंद्रीय वैद्यता, आईसीएमआर, 9 महीने, 2018-2019, 13.34 लाख रुपये।
2. जया एस. त्यागी, टीबी संक्रमण में परपोषी रोग जनक प्रभाव की अंत-कोशिकीय गतिशीलता के निराकरण के लिए नेटवर्क कार्यक्रम, डीबीटी, 6 वर्ष, 2012-2018, 164.34 लाख रुपये।
3. जया एस. त्यागी, सामयिक आनुवंशिक जानकारी का स्थानांतरण, कंप्यूटेशनल मूल्यांकन और आनुवंशिक जानकारी के स्थानांतरण के बाद जीन साइलेंसिग का प्रयोग कर मरीज से सक्रिय अथवा निष्क्रिय प्रतिरुपी माइक्रोबैक्टीरियल टीबी के संबंध की पहचान करना तथा इसे रोकना, डीबीटी, 7.6 वर्ष, 2011-2018, 282.99 लाख रुपये।
4. विक्रम सैनी, एचआईवी के संक्रमण में गैस्ट्रोट्रांसमीटर्स की भूमिका। यूएबी सीएफएआर (एनआईएचयूएसए के वित्तीय सहायक के घटक के रूप में), एक वर्ष, 2017-2018, 35 लाख रुपये।

5. सुमित राठौर, मलेरिया परजीवी में आर्गेनेल डायनामिक्स को समझना-ऑटोफैगी की भूमिका, डीएसटी, 5 वर्ष, 2013-2018, 35 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सक्रिय टीबी एवं गुप्त टीबी संक्रमण में चिकित्सीय प्रतिक्रिया युक्त संक्रमण तथा तुलना के विटामिन सी एक्स वीवो मॉडल में माइकोबैक्टिरीयम ट्यूबरक्लोसिस के लिए होस्ट प्रतिरूपी प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण।
2. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस की निकासी में सुधार के लिए एंटी डीईवीआर डोरमेंसी रेगुलेटर कंपाउड सहित परंपरागत एंटी ट्यूबरक्लोसिस औषधि का मिश्रण।
3. स्तन कैंसर में क्रोमेटिन रीमोडलर में एपिथेलियल से मेसनकिमल ट्रांजिशन की भूमिका का पता लगाना।
4. ट्यूबरक्लोसिस के तीव्र एवं सटीक नैदानिक निर्धारण का विकास एवं वैद्यता।
5. सूक्ष्म स्पलाइसोमल प्रोटीन की क्रियात्मक पहचान।
6. विटामिन सी के लिए माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस डोरमेंसी अनुकूलन के नियंत्रण में शामिल प्रतिरूपी विनियामक नेटवर्क के विषय में अंतर्दृष्टि।
7. विटामिन सी डोरमेंसी मॉडल में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस का अन्त: कोशिकीय अनुकूलन।
8. विटामिन सी डॉर्मेसी मॉडल में माइकोबैक्टिरीयम टयुबरक्लोसिस का चयापचय अनुकूलन।
9. आरएनए को गूंथकर जोड़ने एवं स्थिरता में वाईबीएक्स प्रोटीन की भूमिका।
10. सूक्ष्मजीवी संक्रमण के दौरान अंत:कोशिकीय गैसों की भूमिका का निर्धारण करना।
11. अस्थिक्षय प्रभावित माइक्रोसिस्टिन-एलआर में टीएच 17-टीआरईजी सैल्स की भूमिका को अलग करना।
12. ओवीएक्स चूहे में प्रोबायोटिक लैक्टोबेसिल्स रॉमनोसस (एलआर) एवं टी सैल वंशावली के मध्य संबंध का अध्ययन करना।
13. टयुबरक्लोसिस संक्रमण में सूक्ष्म पोषकों की भूमिका का अध्ययन।
14. सैल इंफेक्शन मॉडल में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के लिए विटामिन सी नियंत्रित होस्ट प्रतिक्रिया: होस्ट निर्देशित चिकित्सा में संभावना।

पूर्ण

1. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस, प्रैनी के प्युटेटिव एंटीजेन प्रोटीन की क्लोनिंग, अनुप्रयोग एवं शुद्धिकरण।
2. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस में डीईवीआर प्रतिक्रिया विनियामक की सक्रियता की क्रियाविधि को समझना।
3. स्तन कैंसर में मेसन कीमल ट्रांजिशन के लिए एपिथेलियल में क्रोमेटिनरी रिमोड्लर की भूमिका को समझना।

4. एमआरएनए स्पलाईसिंग में वाईबीएक्स-1 प्रोटीन की भूमिका एवं इसकी स्थिरता का पता लगाना।
5. ट्यूबरक्लोसिस मेनिनजाइटिस के निदान के लिए नवीन डीएनए एप्टामेर का विकास।
6. प्ल्युरल ट्यूबरक्लोसिस के निदान के लिए केयर एप्टासेंसर के नवीन बिंदुओं का विकास।
7. डीईवीआर रेगुलोन एक्सप्रेशन की मध्यस्थता करने वाले एक्सप्रेशन स्विच में शामिल फोसफेटेस-किनेस बैलेंस कार्यप्रणाली का स्पष्टीकरण।
8. जीनोम व्यापी डीईवीआर ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर ओक्यूपैंसी के मूल्यांकन से डीईवीआर विनियामक नेटवर्क्स का वर्णन।
9. परिवर्तनकारी उग्रता के इंट्रासेल्यूलर माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस की सक्रियता का वर्णन।
10. माइनर स्पलाइजोमोल प्रोटीन का क्रियात्मक लाक्षणीकरण।
11. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस में डीईवीआर इंटरेक्टिंग प्रोटीन की पहचान।
12. एफडीए द्वारा स्वीकृत औषधियों में डीईवीआर के संभावित निरोधक की पहचान।
13. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के जीएलसी (मैलेट सिंथेस) प्रोटीन के विरूद्ध एप्टामेरस की पहचान लाक्षणीकरण एवं उपयोगिता।
14. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के एमपीटी 51 प्रोटीन के विरूद्ध एप्टामेरस की पहचान, लाक्षणीकरण एवं उपयोगिता।
15. माइक्रोबीयल इंफेक्शन के सूक्ष्म पोषण अनुपूर्ण का प्रभाव।
16. ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण से एक्जेनिक कल्चर एवं इंटरासेल्युलर मिलियु में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस डोरमेंसी अनुकूलन दृष्टिकोण।
17. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस में विटामिन सी मीडिएटिड़ डोर्मेंसी अनुकूलन में यांत्रिक दृष्टिकोण।
18. विटामिन सी मॉडल में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस का मेटाबोलिक अनुकूलन।
19. ट्यूबरक्लोसिस उपचार प्रतिक्रिया के लिए मूल्यांकन बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए।
20. टीबी एवं औषधि, टीबी के उपचार के लिए 'टीबी डिटेक्ट' एवं 'टीबी कांसंट्रेशन एवं ट्रांसपोर्ट' किट तथा टीबी डीएनए एक्सट्रैक्शन किट की बहु केंद्रीय वैद्यता।
21. माइक्रोसिस्टिन प्रेरित अस्थिक्षय में टीएच-17 एवं टीआरईजी सैल्स की भूमिका को अलग करना।
22. प्लमनेरी ट्यूबरक्लोसिस के उपचार के लिए नवीन डीएनए एप्टामेटरस की उपयोगिता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एप्टामेर-बेस्ड ट्यूबरक्लोसिस उपचारक टूलबॉक्स (डीबीटी वित्त पोषित), टीएसएसटीआई, फरीदाबाद एवं पीजीआईएमईआर, चंडीगढ

2. ओस्टियो क्लॉस्टोजेनेसिस में टीएच-9 सैल की भूमिका, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद
3. अस्थि स्वास्थ्य में बीपीए की भूमिका, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. अस्थि सुषिरता (ऑस्टियोपोरोसिस) की रोकथाम के लिए नवीन मशरूम बेस्ड सिंबायोटिक खाद्य अनुपूरक का विकास
5. माइनर स्पलाइजोमोल प्रोटीन का क्रियात्मक लक्षणीकरण, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद
6. आरएनए की स्पलाइसिंग एंड स्टेबिलिटी में वाईबीएक्स प्रोटीन की भूमिका, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद
7. कैंसर स्टेम सैल्स मार्करस एवं विभिन्न स्तरीय एस्ट्रोसाइटोमोस में इसके प्रोटीन का चिकित्सीय महत्व
8. किनुरेनिन पाथवे द्वारा ट्राइप्टोफान मेटाबोलिज्म की खोज तथा केराटोकोन्स में उपचारी परिणाम एवं कोर्नियल ट्रांसप्लांटेशन कराने वाले फुच के एंडोथेलियल कोर्नियल डायस्ट्रोफी रोगियों के साथ ट्राइप्टोफान मेटाबोलिज्म के साथ सह संबंद्ध। आरपी सेंटर
9. घातक लिम्फोब्लाष्टिक ल्युकेमिया में माइटोकांड्रियल मोरफोलोजी तथा माइटोकांड्रियल बायोजेनेसिस के बीच संबंध, जैवरसायन

पूर्ण

1. ट्यूबरक्लोसिस उपचार के प्रभाव के लिए मूल्यांकन बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, आईसीजीईबी, नई दिल्ली एवं आईएनएसटीईएम, बंगलौर
2. टार्गेट लेटेन्ट ट्यूबरक्लोसिस संक्रमण के लिए माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के मालेटसिंथेज के लिए अवरोध की पहचान।
3. सल्मोनेला टाईफी से गायरेस एएन- टर्मिनल डोमेन का ढांचागत अध्ययन।
4. पी 53 वाइल्ड-टाईप एवं म्युटैन्ट वाई 220 सी इन ह्युमन पी 53 नल सैल लाईन, का प्रक्रियात्मक अध्ययन, जैवभौतिकी।
5. अतिरिक्त पलेमोनरी ट्यूबरक्लोसिस के लिए एप्टामेर बेस्ड तीव्र उपचार आमाप का विकास, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद
6. बैक्टीरियल सैलडिवीजन प्रोटीन एफटीएस जेड़ का इसके प्राकृतिक अवरोधकों के साथ बायोफिजिकल अध्ययन: एसयूएलए एवं एमआईएनसी, जैवभौतिकी
7. एसीनेटोबेक्टर बाओमन्नी से एमयूआरडी लिगेस का ढांचागत एवं बायोफिजीकल लाक्षणीकरण, जैवभौतिकी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 14

रोगी

1. एमटीबी एमपीटी 51 का एप्टामेर एवं उसके उपयोग। भारतीय पेटैंट आवेदन संख्या 201811023360

2. एमटीबीएमपीटी 51 का एप्टामेर एवं उसके उपयोग। भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या पीसीटी/आईएन 2018/050581 (पीसीटी आवेदन)
3. ट्यूबरक्लोसिस एवं बैक्टीरिया के सुरक्षित ट्रांसपोर्ट के तीव्र उपचार के लिए आगे बढ़ाने के लिए उपकरण एवं पद्धति। भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 201811042155
4. ट्यूबरक्लोसिस मेनिनजाइटिस के तीव्र उपचार के लिए एप्टामेर बेस्ड इलैक्ट्रोकैमिकल बायोसेंसर। भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 201811042593

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्या जया एस. त्यागी जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की ओर से जानकी अम्माल नैशनल वोमेन बायोसाइंटिस्ट अवार्ड (वरिष्ठ श्रेणी) 2017/18 पुरस्कार तथा बेसिक रिसर्च श्रेणी में वर्ष 2018, के एम्स एक्सीलेंस अवार्ड की प्रथम विजेता। सेंटर फोर बायोडिजाइन एंड डायग्नोस्टिक, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद में मानद प्रोफेसर अध्येता, अध्येता, नैशनल एकेडमी ऑफ साईंसेज के अध्येता (भारत), इंडियन एकेडमी ऑफ साईंसेज, अध्येता, गुहा अनुसंधान सम्मेलन के सदस्य नैशनल एकेड़मी ऑफ साईंसेज (भारत) उपाध्यक्ष एवं परिषद सदस्य, पैनल ऑन साईंटिफिक वैल्युज के सदस्य, इंडियन एकेड़मी ऑफ साईंसेज के सदस्य, बैगलुरू के सदस्य, राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान, चैन्नई की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रोद्यौगिकी संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, टीएचएसटीआई की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, नैशनल सेंटर फॉर सैल साईंस, पुणे, गवर्निंग बॉडी के सदस्य, ट्यूबरक्लोसिस पर डीबीटी के विशेष समूह के सदस्य, फलैक्सीबल कोम्पलिमेंटिंग स्कीम के अतंर्गत आईसीएमआर वैज्ञानिकों की पदोन्नति के लिए आंकलन बोर्ड के (विशेषज्ञ) सदस्य, एचआरडी पर टास्क फोर्स के सदस्य, संक्रमित रोग जीव विज्ञान के लिए डीबीटी तकनीकी मूल्यांकन समिति के सदस्य अनुसंधान संस्थान के सदस्य, चैन्नई की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, सदस्य, एनईआर के लिए चिकित्सा जैव प्रोद्यौगिकी-II में डीबीटी तकनीकी मूल्यांकन समिति के सदस्य, ट्यूबरक्लोसिस के लिए क्षेत्रीय प्रत्याशित पर्यवेक्षण अनुसंधान (आरईपीओआरटी) इंडो-यू.एस. संयुक्त समीक्षा बैठक के सदस्य, बारहवीं एनएएसआई स्कोपस यंग साईटिंस्टस अवार्ड की 'वोमेन इन साईंस' श्रेणी की चयनकर्ता समिति की प्रमुख पैनल सदस्य, एनएएसआई में स्कोप्स यंग साईंटिस्ट अवार्ड 2018 के मुख्य अतिथि, आईजीआईबी की संस्थानिक मानविकी आचार समिति के अध्यक्ष, जेएनयु जैवप्रौद्योगिकी स्कूल की विशेष समिति के सदस्य, पीजीआई चंडीगढ़, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की पीएचडी/एमएससी परीक्षाओं के परीक्षक, एम्स की बौद्धिक संपदा प्रबंधन समिति के सदस्य, एम्स अक्षय निधि की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, एम्स बाह्य अनुसंधान अनुदान की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य, एम्स की पीएचडी सुधार समिति के सदस्य, केन्द्रीय कोर अनुसंधान सुविधा एम्स प्रभारी आचार्य, एवं एम्स की प्रयोगशाला, बीसएल-3 एवं बीएसएल-2 के समन्वयक, दक्षिण एशियाई जैव प्रौद्योगिकी सम्मेलन, संक्रमित रोगों पर सत्त के अध्यक्ष, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, 15 मार्च 2019, नई दिल्ली, एनएएसआई महिला दिवस, उद्योग उपक्रम विकास

सत्र की अध्यक्ष, 9 मार्च 2019 को नैशनल एकेड़मी ऑफ साईंस, प्रयागराज में विज्ञान में महिलाएं एवं महिलाओं के लिए विज्ञान विषय पर विशेष कार्यक्रम।

डॉ. अनुश्री गुप्ता, आईआईएसईआर मोहाली की बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की सदस्य हैं।

डॉ. रुपेश कुमार श्रीवास्तव को इंडियन सोसायटी फोर दा स्ट्डी ऑफ रिपरोडक्शन एंड फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ) भारत द्वारा प्रजनन स्वास्थ्य (पोस्ट मेनोपोजल ओस्टीयोपोरोसिस) के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2019 के प्रतिष्ठित "प्रोफेसर जी.पी. तलवार यंग साईंटिस्ट अवार्ड" से सम्मानित किया गया था। राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में विज्ञान दिवस समारोह में एन.सी.आर.- यंग इमर्जिंग साईंटिस्ट (वाईईएस) संगोष्ठी में मौखिकी एवं पोस्टर मूल्यांकन में विशेष निर्णायक।

डॉ. विक्रम सैनी हरगोबिन्द खुराना इनोवेटिव यंग बायोटैक्नोलोजिस्ट अवार्ड (आईवाईबीए), जैव प्रोद्यौगिकी विभाग, भारत सरकार (2018) के प्राप्तिकर्ता, स्टेनले ब्राऊनी प्रयोगशाला, कुष्ठ रोग मिशन ट्रस्ट भारत, नई दिल्ली में अनुसंधान एवं कम्युनिटी प्रोगाम डेवलपमेन्ट के विशेषज्ञ एवं मूल्यांकनकर्ता, एम्स की सीसीआरएफ की बायोसेफ्टी लैब बीएसएल-2 एवं बीएसएल-3 प्रयोगशाला की उप समिति के सदस्य, केन्द्रीय पशु सुविधा, एम्स में तकनीकी समिति न्यूड माईस/ट्रांसजेनिक माईस डेवलपमेंट सुविधा के सदस्य, सूक्ष्म जीव विज्ञान में फ्रंटियर्स पत्रिका की समीक्षा संपादक, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय नई दिल्ली, भारत में संक्रमित रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौखिकी एवं पोस्टर के मूल्यांकन के विशेष निर्णायक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत में विज्ञान दिवस समारोह, दि एनसीआर- यंग इमर्जिंग साईटिस्ट संगोष्ठी में मौखिकी एवं पोस्टर मूल्यांकन के विशेष निर्णायक हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. **डॉ. सत्या दांदेकर, पीएचडी:** आचार्य, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं रोग प्रतिरक्षा विज्ञान चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं रोग प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, कायचिकित्सा स्कूल, कैलिर्फोनिया विश्वविद्यालय, सीए,यूएसए ने 3 जुलाई 2018 को विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों से वार्तालाप किया है।
2. **डॉ. गिरीश राचाकोंडा, पीएचडी:** अनुदेशक काय चिकित्सा स्कूल, मेहररी चिकित्सा कॉलेज, नेशविले, टीएनयूएसए ने 23 जुलाई 2018 को प्रोस्टेट कैंसर में एनआरएफ-2 की गिरावट से होने वाले उच्च स्तर के विकिरण रोजी मेटा स्टेटिक टयुमर पर व्याख्यान दिया।
3. **डॉ. अभिषेक जैन, पीएचडी:** सहायक आचार्य, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी, टेक्सास एएंडएम इंजिनीयरिंग कॉलेज, कॉलेज स्टेशन, टी एक्स, यूएसए ने 6 अगस्त 2018 को विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों से वार्तालाप की।
4. **डॉ. रोशन कुमार सिंह, पीएचडी:** मेसाचुसेट्स कायचिकित्या स्कूल विश्वविद्यालय, वोकैस्टर, यूएसए ने 11 अक्टूबर 2018 को एटीपी की डिपेंडेन्ट क्रोमेटिनरिमोडलिंग पर व्याख्यान दिया।
5. **डॉ. तरुण शर्मा, पीएचडी:** वैज्ञानिक, टीएचएसटीआई फरीदाबाद, ने 18 फरवरी 2019 को एप्टामर बेस्ड पांइट ऑफ केयर डायग्नोस्टिक प्लेटफार्म पर व्याख्यान दिया।

6. **डॉ. आन्दिता सिंह, पीएचडी:** सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, टेरी, नई दिल्ली ने 25 फरवरी 2019 को खाद्य सुरक्षा एवं दीर्घ कालीन विकास के लिए जीएम क्रोप पर व्याख्यान दिया।
7. **डॉ. राहुल पाल पीएचडी:** वैज्ञानिक, एनआईआई, नई दिल्ली ने 26 फरवरी 2019 को प्रसार में अव्यवस्था: नवीन पथ एवं उद्देश्यों का विश्लेषण पर व्याख्यान दिया।
8. **डॉ. एस रायसुद्दीन, पीएचडी:** आचार्य, मध्यवर्ती तत्वविज्ञान एवं विष विज्ञान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने 27 फरवरी 2019 को जैव प्रौद्योगिकी उत्पादों का मानवीय स्वास्थ्य संबंधों पर व्याख्यान दिया।
9. **डॉ. सागर सेनगुप्ता, पीएचडी:** वैज्ञानिक, एनआईआई, नई दिल्ली ने 28 फरवरी 2019 को कुंडिलिनी द्वारा जीनोमिक स्थिरता के रखरखाव की क्रियाविधि पर व्याख्यान दिया।
10. **डॉ. पूर्णिमा शर्मा, पीएचडी:** प्रबंधन निदेशक, बीसीआईएल, नई दिल्ली ने 1 मार्च 2019 को चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में रोजगार के अवसर पर व्याख्यान दिया।
11. **डॉ. धीरज कुमार, पीएचडी:** समूह अध्यक्ष, कोशिकीय प्रतिरोग विज्ञान, आईसीजीईबी, नई दिल्ली ने 5 मार्च 2019 को माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के लिए पर होस्ट इननेट प्रभाव पर आख्यान दिया।
12. **डॉ. के. नटराजन, पीएचडी:** आचार्य, जेएनयू, नई दिल्ली ने 7 मार्च 2019 को प्रमुख कवकीय पेथोजीन कैंडीडा एल्बीकांस में कैसे क्रोपेटिन एवं जीनोमिक लैंड स्केप जीन नियामक को नियंत्रित करते हैं?, पर व्याख्यान दिया।
13. **डॉ. के. नटराजन, पीएचडी:** आचार्य, एसीबीआर ने 8 मार्च 2019 को माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस द्वारा परपोषी रक्षाप्रतिक्रिया का नियंत्रण पर व्याख्यान दिया।
14. **डॉ. मंजुला कालिया, पीएचडी:** सहआचार्य, आरसीबी ने 8 मार्च 2019 को जापानी इंसेफ्लाइटिस विषाणु आण्विक जैवविज्ञान एवं पैथोजेनेसिस पर व्याख्यान दिया।
15. **डॉ. मनीदीपा बनर्जी, पीएचडी:** सह आचार्य, आईआईटी, नई दिल्ली, ने 14 मार्च 2019 को क्रायोइलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी: सिद्धांत एवं अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया।
16. **डॉ. शंकर भट्टाचार्य, पीएचडी:** वैज्ञानिक, टीएचएसटीआई ने 15 मार्च 2019 को डेंगू संक्रमण: रोकथाम करें अथवा उपचार करें पर व्याख्यान दिया।
17. **डॉ. विनय कुमार नंदीकूरी, पीएचडी:** वैज्ञानिक, एनआईआई, नई दिल्ली ने माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस में सेरीन/थ्रीयोनीन की भूमिका के विवरण पर व्याख्यान दिया।

1. डॉ. जया एस. त्यागी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, के जानकी अम्माल नैशनल वोमन बायोसाईंटिस्ट अवार्ड, 2017/18 की प्राप्तिकर्ता।
2. डॉ. विक्रम सैनी, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के हर गोबिन्द खोराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलोजिस्ट (आईवाईबीए) अवार्ड, 2018 के प्राप्तिकर्ता।

3. डॉ. रुपेश कुमार श्रीवास्तव वर्ष 2019 का इंडियन सोसायटी फॉर दा स्टडी ऑफ रिपरोडक्शन एवं फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ) भारत की तरफ से "प्रोफेसर जी.पी. तलवार यंग साईंटिस्ट अवार्ड" के प्राप्तकर्ता।
4. जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 15 मार्च 2019 को आयोजित प्रथम रोजगार जागरुकता कार्यक्रम।
5. 26 मार्च 2019 को एम्स, नई दिल्ली प्रथम वार्षिक अनुसंधान दिवस पर सुश्री लीना सप्रा को सर्वोत्तम पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार मिला
6. एम्स ऋषिकेश में 2018 में प्रथम राष्ट्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रतियोगिता में सुश्री विभा तनेजा ने पोस्टर के लिए यंग रिसर्चर अवार्ड-चिकित्सा विज्ञान श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया
7. एम्स गोट टैलेंट-2019 में जैव प्रौद्योगिकी के समूह (सुश्री किरण, श्रुति, तेज स्विनी, सुरभि एवं निकित्ता) ने प्रथम पुरस्कार (समूह गीत) प्राप्त किया।

9-8 lkeqnkf;d fpfdRlk dsUnz

आचार्य एवं अध्यक्ष

शशि कांत

आचार्य

संजीव कुमार गुप्ता — किरण गोस्वामी — आनंद कृष्णन

बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह — पुनीत मिश्रा — संजय कुमार राय

अपर आचार्य

वाई.एस. कुसुमा कुमारी

सह-आचार्य

कपिल यादव — सुमित मल्होत्रा — अनिल कुमार गोस्वामी

सहायक आचार्य

पार्थ हल्दर — रवनीत कौर

हर्षल रमेश साल्वे — राकेश कुमार

विशिष्टताएं

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र अपने शहरी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों द्वारा समुदाय आधारित व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। नई दिल्ली में शहरी पुनर्वास कॉलोनी दक्षिण पुरी एक्सटेंशन स्थित शहरी स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से संचालित किए जाते हैं। हरियाणा के जिला फरीदाबाद में बल्लभगढ़ में स्थित व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सी.आर.एच.एस.पी.) हरियाणा राज्य सरकार एवं अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के मध्य एक सहयोगी परियोजना है। सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ का उद्देश्य ग्रामीण वातावरण में शिक्षा, अनुसंधान एवं रोगी की देखभाल जैसे क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य में उत्कृष्टता हासिल करना है। इसमें एक उप-जिला अस्पताल (एस.डी.एच.) दयालपुर एवं छैनसा में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी.एच.सी.) एवं 12 उप-केंद्रों का एक नेटवर्क स्थापित करना शामिल है। सी.आर.एच.सी.पी. के गहन क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र में 31 मार्च 2019 तक कुल 100,772 लोग सम्मिलित हैं।

राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों को सहायता

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सी.सी.एम.) ने प्रशिक्षण, संसाधन सामग्रियों के विकास एवं क्षेत्र आधारित गतिविधियों सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को तकनीकी सहायता प्रदान करना जारी रखा है।

- सी.एम. को एनिमिया नियंत्रण पर नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रीसर्च के रूप में पदनामित किया गया है।
- इसे सामुदाय-आधारित एनसीडी निवारण एवं नियंत्रण में क्षमता विकास एवं अनुसंधान हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. के सहयोगी केंद्र के रूप में पुन: पदनामित किया गया है।

- विभाग ने भारत सरकार के मानव संसाधन विकास स्वास्थ्य अनुसंधान योजना के तहत राष्ट्रीय स्तर पर ऑपरेशनल रीसर्च पर संकाय विकास का संचालन किया है।
- विभाग भारत, बंग्लादेश एवं श्रीलंका में आयोडीन अभाव विकारों के उन्मूलन के लिए नेतृत्व प्रदान करता है।
- सी.सी.एम. भारत सरकार के लिए एच.आई.वी. सेंटीनल निगरानी हेतु राष्ट्रीय संस्थान है। यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एच.आई.वी. सेंटीनल निगरानी हेतु क्षेत्रीय संस्थान है जो दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार झारखंड एवं उत्तराखंड राज्यों को सशक्त करता है।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा के सहयोग के साथ एक इनोवैशन एवं लर्निंग केंद्र स्थापित है।
- हरियाणा के महत्वाकांक्षी जिला मेवात में व्यापक प्रारंभिक स्वास्थ्य उपचार के कार्यान्वयन में सहायता करने के लिए नेशनल हेल्थ सिस्टमस रीसोर्स सेंटर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
- भारत में तीव्र श्वसन संक्रमणों एवं वाइरल संक्रमणों एवं वाइरल रोगाणुओं के जानपदिक रोग विज्ञान को स्पष्ट करने के लिए सी.डी.सी. एटलांटा के साथ विभाग की सहयोगी परियोजनाएं।
- आर.जी.आई. कार्यालय, गृह मंत्रालय के साथ वर्बल आटोप्सी टूल आधारित सैम्पल पंजीकरण सिस्टम के द्वारा एस.आर.एस.-आधारित वर्बल आटोप्सी हेतु अ.भा.आ.सं. तकनीकी एकक सी.सी.एम. में स्थित है।
- जिला स्तर पर सस्टेनेबल डिवलपमेंटल गोल्स को मॉनीटर करने के लिए हेल्थ एंड वेल-बीइंग इंडेक्स तथा एन.सी.आर. में वेक्टर जनित रोगों के लिए मौसम आधारित अर्ली वार्निंग सिस्टम का सी.सी.एम. में अध्ययन किया जा रहा है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व एम.बी.बी.एस. छात्र

अपने चौथे-पांचवे सेमेस्टर में, एम.बी.बी.एस. छात्रों को शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में रोटोशन आधार पर पांच सप्ताह के लिए तैनात किया जाता है जहां वे महामारी विज्ञान प्रशिक्षण, स्वास्थ्य वार्ता और पारिवारिक अध्ययन संचालित करते हैं। इन दो सेमेस्टर के दौरान वे फैमिली हेल्थ एडवाइजरी सर्विसेज(एफएचएएस) में भी भाग लेते हैं, जिसमें वे नौ महिने की अवधि के लिए आबंटित परिवारों के फोलो-अप का कार्य करते हैं एवं उनके द्वारा लागू किए गए हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता का आकलन करते हैं।

7वें सेमेस्टर में एम.बी.बी.एस. छात्रों को रोटेशन आधार पर सी.आर.एच.एस.पी., बल्लभगढ़ में छह सप्ताह के लिए तैनात किया जाता है। यह एक आवासीय तैनाती है जिसमें वे महामारी विज्ञान की अवधारणाओं को सीखते हैं, समाज के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेते हैं साथ ही स्वास्थ्य के समाजिक निर्धारकों, शिशु स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य के सामाजिक पक्षों, जिला स्तरीय स्वास्थ्य पद्धतियों एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति जागरूक होते हैं। उन्हें इंटीग्रेटिड मैनेजमेंट ऑफ न्यूनेटल एंड चाइल्डहुड इलनेस (आई.एम.एन.सी.आई.) पर प्रशिक्षण देने के लिए विशेष मॉड्यूल्स हैं। इस तैनाती के दौरान छात्रों को एक संक्षिप्त अनुसंधान परियोजना पर भी कार्य करना होता है।

इंटर्न

इंटर्न को सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ में तीन महिने के लिए तैनात किया जाता है। इस अवधि को एस.डी.एच. में छह: सप्ताह एवं दयालपुर तथा छायसा में स्थित पी.एच.सी. में प्रत्येक तीन सप्ताह में विभाजित किया जाता है। एस.डी.एच. में इंटर्न को ओ.पी.डी. एवं वार्ड में तैनात किया जाता है जिससे उन्हें सामान्य क्लिनिकल कौशलों एवं आंतरिक रोगी उपचार सीखने में मदद मिलती है, जिसमें सामान्य प्रसव कराना भी सम्मिलित है। इन्हें एस.डी.एच. में संबंधित सीनियर रेजीडेंट की निगरानी में सभी उपलब्ध क्लिनिकल विषयों में बारी-बारी से भेजा जाता है। पी.एच.सी. में तैनाती के दौरान इंटर्न पी.एच.सी., उप केंद्रों के क्लिनिकों एवं साथ ही प्रसव पूर्व क्लिनिकों में स्वास्थ्य देखभाल प्रसूति में सम्मिलित होते हैं। उन्हें सामुदायिक चिकित्सा के वरिष्ठ रेजीडेंड की पूर्ण निगरानी के अंतर्गत प्रत्येक पी.एच.सी. में प्रसूति हट में भी तैनात किया जाता है। छात्र समुदाय-स्तर की गतिविधियों में अनुभव प्राप्त करते हैं जैसे स्वास्थ्य कार्मिकों एवं उप केंद्रों का पर्यवेक्षण, तपेदिक चूककर्ताओं, बाह्य गतिविधियों, टीकाकरण एवं पी.एच.सी. में अन्य जारी गतिविधियों का फॉलो-अप करना/गांवों में तैनाती के अंत में मूल्यांकन हेतु संबंधित वरिष्ठ रेजीडेंट द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अपनी लॉग-बुक जमा करनी है।

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर (एम.डी.) छात्र

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्रों को प्रत्येक 16-18 माह हेतु शहरी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों में तैनात किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में कुल अवधि में से वह रोटेशन द्वारा उप-जिला अस्पताल एवं दो पी.एच.सी. में समान समय व्यतीत करते हैं। अपने ग्रामीण आवासीय तैनाती के दौरान वह एस.डी.एच. एवं पी.एच.सी. दोनों में क्लिनिकल एवं उपचार कौशल एवं अनुभवों को प्राप्त करने के लिए प्रचुर अवसर प्राप्त करते हैं। नियमित शैक्षिणिक गतिविधियों में सेमिनार, पारिवारिक एवं क्लिनिकल केस प्रस्तुतिकरण, अस्पताल एवं क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र पर समस्या आधारित व्यायाम साथ ही जर्नल क्लब शामिल है। वह केंद्र में तैनात छात्रों एवं इंटर्न को गाइड करने एवं उनके पर्यवेक्षण में सम्मिलित रहे है।

बी.एस.सी. नर्सिंग एवं पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग छात्र

बी.एस.सी. नर्सिंग छात्र एवं पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग छात्रों को डेढ़ माह के लिए शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा आवासीय तैनाती के लिए विस्तृत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़ में नियुक्त किया जाता है। वे एक माह एस.डी.एच. में तथा दो सप्ताह किसी पी.एच.सी. में व्यतीत करते हैं। उन्हें प्रसवपूर्व देखभाल, वार्ड प्रबंधन एवं टीकाकरण में प्रशिक्षण दिया जाता है। छात्र ओ.पी.डी. एवं वार्ड में स्वास्थ्य वार्ता देते हैं। नर्सिंग छात्रों के प्रशिक्षण की निगरानी नर्सिंग महाविद्यालय, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के संकाय सदस्य द्वारा की जाती है।

सेवाकालीन प्रशिक्षण

छात्रों को शिक्षण प्रदान करने के अतिरिक्त सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ एवं पी.एच.सी. छैंसा तथा दयालपुर में कार्यरत विभिन्न संवर्ग के स्टाफ के लिए आवधिक सेवाकालीन प्रशिक्षण का संचालन किया गया। वर्ष 2018-2019 के दौरान संचालित प्रशिक्षण निम्नानुसार है:

1. फिल्ड हेल्थ कर्मचारियों एवं आशा कर्मचारियों (24∗2=48) के लिए पी.एच.सी. दयालपुर एवं छैंसा में कुल 50 घंटों का सेवाकालीन प्रशिक्षण का संचालन किया (आंकड़े सम्मिलित हैं) यह प्रशिक्षण प्रत्येक माह मासिक बैठकों के दौरान संचालित किए गए। क्षेत्र पर्यवेक्षण के दौरान ज्ञात प्रशिक्षण के आधार पर विषय का निर्णय किया गया; रिपोर्टिंग अवधि के लिए यह निम्नानुसार रहे: 5 वर्ष से पूर्व मृत्यु, एम.आर. वैक्सीन, डी.एच.एस.-II रिपोर्टिंग, कोल्ड चैन मैंटेनस, कंपयूटर के बेसिक, उच्च जोखिम सगर्मता, जैवचिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, पी.सी.वी. वैक्सीन, न्यूमोनिया एवं मैनिनजाइटिस, दुग्धपान, कैंसर, डायबिटिस।
2. दिनांक 24 अप्रैल 2018 को सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ में नर्सिंग स्टाफ के लिए जैवचिकित्सा अपशिष्ट पृथक्करण पर एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।
3. दिनांक 11 मई 2018 को फैमिली प्लानिंग लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट एवं इंफोर्मेशन सिस्टम (एफ.पी.एल.आई.एम.एस.) सॉफ्टवेयर के संबंध में स्टाफ नर्स एवं डाक्टरों के प्रशिक्षण का संचालन किया गया।
4. जुलाई एवं अगस्त 2018 में सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ में इंटर्न एवं कनिष्ठ रेजीडेंटों के लिए प्रसव पूर्व उपचार, सामान्य प्रसव प्रबंधन, पोस्ट-पार्टम देखभाल, उच्च जोखिम गर्भावस्था उपचार एवं पी.पी.एच. उपचार पर प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया।
5. सितम्बर एवं अक्टूबर 2018 में सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ में कनिष्ठ रेजीडेंटों, इंटर्न एवं नर्सिंग स्टाफ के लिए नवजात सिससिटेशन, दुग्धपान, कंगारू मदर केयर एवं बच्चों में डायरिया के उपचार पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन हुआ।
6. दिनांक 6 एवं 20 नवम्बर 2018 को सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ में कनिष्ठ रेजीडेटों एवं इंटर्न के लिए गैर-संचारी रोग एवं तपेदिक के उपचार पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया।
7. दिसम्बर 2018 में सी.आर.एच.एस.पी. में कनिष्ठ रेजीडेंट, इंटर्न एवं नर्सिंग स्टाफ के लिए रोगियों के पूर्व एवं पश्च-ऑप देखभाल, संक्रमण नियंत्रण एवं अपशिष्ट प्रबंधन तथा वार्ड प्रबंधन पर प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया गया।
8. दिनांक 19 दिसम्बर 2018 को पी.एच.सी. एवं उपकेंद्रों में अंतारा (डी.एम.पी.ए.) इंजेक्शन हेतु स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं आशा का प्रशिक्षण।
9. दिनांक 12 एवं 28 मार्च 2019 को नर्सिंग महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के सहयोग के साथ गहन क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र के नर्सिंग स्टाफ एवं हेल्थ कर्मचारियों के लिए न्यूनेटल सिससिटैशन पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण का संचालन किया। इसके विषय थे- स्टेप्स इन न्यूनेटल रिससिटेशन, पॉजीटिव प्रैशर वेंटीलेशन एवं चेस्ट दबाव एवं ईटी इंटूबेशन एवं चिकित्सा की तकनीक/प्रायोगिक सत्रों का भी संचालन किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. प्रौढ़ों (इंस्पायर) इंस्पायर-II में इंफ्लुएंजा एवं अन्य श्वसन वायरसों के लिए जनसंख्या-आधारित निगरानी प्लेटफार्म का भारतीय नेटवर्क, समीक्षा मीटिंग, 24-26 सितम्बर 2018, नई दिल्ली।

2. वर्बल आटोप्सी (एम.आई.एन.ई.आर.वी.ए.) के द्वारा भारत में प्रमाणित मृत्युदर के लिए तकनीकी सलाहकार समूह एवं नेटवर्क्र मीटिंग, 23-34 नवम्बर 2018, नई दिल्ली।
3. पूर्व निगरानी परामर्श, समीक्षा एवं योजना कार्यशाला, रामलिंगास्वामी सभागार कक्ष, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, 17-18 जुलाई 2018.
4. गुड़गांव, हरियाणा में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के संकाय सदस्यों एवं पांच उत्तरी राज्यों (बिहार, झारखंड, दिल्ली, उ.प्र. एवं उत्तराखंड) के स्टेट एडस कंट्रोल सोसाइटीज के अधिकारियों के लिए ए.एन.सी. एवं प्रिजन एच.आई.वी. सैंटीनल सर्विलेंस 2019 (एच.एस.एस. 2019) पर प्रि सर्विलेंस ओरिएंटेशन एवं प्लनिंग वर्कशॉप, 11-12 दिसम्बर 2018, दिल्ली।
5. सेंट्रल टीम मेम्बर्स (सी.टी.एम.) रीजनल इंस्टीट्यूट मेम्बर्स एवं सभी 35 राज्यों एवं भारत के राज्य क्षेत्रों के स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटीज के अधिकारियों के लिए आर.आई. एवं एस.ए.सी.एस. की 5 राष्ट्रीय पूर्व-निगरानी कार्यशाला, 5-6 अक्टूबर 2018 एवं 8-9 अक्टूबर 2018, गुड़गांव।
6. एन.सी.डी.सी., एन.डी.एम.सी. एवं एम.सी.डी. के सहयोग के साथ सफाई निरीक्षकों एवं डेगू प्रिवेंशन आउटब्रेक रिस्पोंस सैल (डी.पी.ओ.आर.सी.) के स्टाफ के लिए वेक्टर जनित रोग, निवारण एवं नियंत्रण पर प्रशिक्षण एवं कार्यशाला, सितम्बर 2018, दिल्ली।
7. एक बेहतर जर्नल क्लब कैसे प्रस्तुत करें, 21 जुलाई 2018, दिल्ली।

व्याख्यान प्रदत्त

किरण गोस्वामी: 4	**आनंद कृष्णन: 13**	**बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह: 10**
पुनीत मिश्रा: 4	**कपिल यादव: 2**	**सुमित मल्होत्रा: 13**
अनिल कुमार गोस्वामी: 5	**रवनीत कौर: 3**	**हर्षल रमेश साल्वे: 10**
राकेश कुमार: 1		

मौखिक पेपर प्रस्तुतिकरण: 17

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एनिमिया नियंत्रण पर नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च, शशिकांत, यूनिसेफ, 2 वर्ष, 2018-2020, 1.8 करोड रूपए।
2. भारत में इंफ्लुएंजा निवारण एवं नियंत्रण हेतु साक्ष्य आधारित पक्षसमर्थन को सशक्त/प्रोत्साहित करना, आनंद कृष्णन, सी.डी.सी., एटलांटा, 5 वर्ष, 2018-2023, 8.1 करोड़ प्रतिवर्ष।
3. नमूना पंजीकरण पद्धति में मृत्यु प्रतीति के आटोप्सी आधारित कारण हेतु एक तकनीकी सहायता एकक को स्थापित करना, रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया, आनंद कृष्णन, आर.जी.आई. कार्यालय, भारत, 3 वर्ष, 2017-2020, 2.8 करोड़ प्रतिवर्ष।
4. समुदाय व्यवस्था में उच्चरक्त चाप, मधुमेह, तनाव एवं स्वास्थ्य पर संरचित योगा कार्यक्रम का प्रभाव, इसकी व्यवहार्यता एवं दीर्घावधिक निरंतरता, पुनीत मिश्रा, डी.एस.डी., 1 वर्ष, 2018, 40 लाख रूपए।

5. स्वस्थ भारतीय बच्चों में सिनोफार्म से हेपाटाइटिस ए (लाइव) वैक्सीन, फ्रीज-ड्राइड के एकल डोज की इम्यूनोजेनिसिटी, सेफ्टी एवं सहनशीलता बनाम वोकहार्ट से बायोबैक टी.एम.-ए. (फ्रीज-ड्राइड लाइव एटीन्यूटिड हेपाटाइटिस ए वैक्सीन) की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, दोहरा, समांतर समूह, फेज III अध्ययन, पुनीत मिश्रा, सिनोफार्म, 1 वर्ष, 2018, 7 लाख रूपए।
6. भारत परियोजना के लिए एच.आई.वी. सेंटीनल निगरानी, संजय के. राय, एन.ए.सी.ओ., स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2018-2020, 2.34 लाख रूपए।
7. दिल्ली में झुग्गी एवं झुग्गी जैसी बस्तियों में डेंगू के निवारण एवं नियंत्रण हेतु समाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण (एस.बी.सी.सी.) नीति का विकास, कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन, वाई.एस. कुसुम, आई.सी.एम.आर. एवं आई.सी.एस.एस.आर., 2½ वर्ष, 2017-2019, 17.8 लाख रूपए।
8. इंडिया के चुने हुए जिला में गर्भवती महिलाओं में आयोडीन की स्थिति का मूल्यांकन, कपिल यादव, आई.सी.एम.आर., 2.5 वर्ष, 2016-2019, 57.6 लाख रूपए।
9. ह्यूमन रिसोर्स डिवलपमेंट हेल्थ रिसर्च स्किम-ऑपरेशनल रिसर्च, सुमित मल्होत्रा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 7 वर्ष, 2014-2021, 56 लाख रूपए।
10. हरियाणा के चुने हुए जिले में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के सहायक कार्यान्वयन हेतु इनोवेशन लर्निंग सेंटर, सुमित मल्होत्रा, नेशनल हेल्थ सिस्टम सिसोर्स सेंटर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2 वर्ष, 2018-2020, 41.45 लाख रूपए।
11. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में स्कूल से बाहर के किशोरों में साप्ताहित आयरन फॉलिक एसिड पूरक कार्यक्रम से संबंधित कार्यान्वयन एवं अवरोधों का मूल्यांकन, सुमित मल्होत्रा, दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली, 1 वर्ष 2018-2019, 16 लाख रूपए।
12. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में रहने वाले वृद्ध लोगों में अपंगता की व्यापकता, अनिल के. गोस्वामी, अ.भा.आ.सं., 1 वर्ष, 2017-2018, 4 लाख रूपए।
13. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भारत में वेक्टर जनित रोगों के लिए समुदाय स्तर का मौसम आधारित शीघ्र वार्मिंग सिस्टम (सी.सी.ई.डब्लयू.एस.) को विकसित करना, हर्षल आर. साल्वे, मौसम परिवर्तन कार्यक्रम (एस.पी.एल.आई.सी.ई.) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष 2017-2020, 55.62 रूपए।
14. ग्रामीण बल्लभगढ़ हरियाणा, उत्तरी भारत में व्यापक पी.एम.$_{2.5}$ प्रकटन का मृत्युदर भार, हर्षल आर. साल्वे, अ.भा.आ.सं.-आई.आई.टी. संयुक्त सहयोगी परियोजना अनुदान, 2 वर्ष, 2018-2020, 8.90 रूपए।
15. एन.सी.डी. जोखिम कारकों को बताने के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. पथसमर्थित स्वास्थ्य प्रमोटिंग सकूल का उपयोग करके विद्यालय स्तर पर इंटरवेंशन हेतु टूल का विकास, हर्षल आर.साल्वे, डब्ल्यू.एच.ओ.-एस.ई.ए.आर.ओ., छह: माह, 2018-2019, 6.28 लाख रूपए।

पूर्ण

1. भारत में वृद्ध व्यक्तियों के लिए जनसंख्या आधारित इंफ्लुएंजा निगरानी का नेटवर्क स्थापित करना, आनंद कृष्णन, सी.डी.सी., 2 वर्ष, 2017-2018, 4 करोड़ रूपए/वर्ष।
2. नेशनल नॉन कॉम्युनिकेबल (एन.सी.डी.) टार्गेट्स को मॉनीटरिंग करने के लिए सर्वेक्षण, आनंद कृष्णन, आई.सी.एम.आर. 1 वर्ष, 2018, 1.10 करोड़ रूपए।
3. गैर संचारी रोग पर भार एवं भारत के लिए संबंधित जोखिम कारक (बी.ओ.डी.-एन.सी.डी.) आनंद कृष्णन, आई.सी.एम.आर. 1 वर्ष 2017, 6.59 लाख रूपए।
4. एक द्वितीयक स्तर अस्पताल, बल्लभगढ़ हरियाणा में आने वाले तपेदिक एवं गैर संचारी रोग (अतिरक्तदाब, मधुमेह) वाले रोगियों में तंबाकू से परहेज रखने वालों पर ब्रीफ सेसैशन एडवाइस का प्रभाव, राकेश कुमार, अ.भा.आ.सं. वर्ष 2017-2019, 1.8 लाख रूपए।
5. प्रवास, गतिशीलता एवं प्रसवपूर्व उपचार: दिल्ली में प्रवासी गर्भवती महिलाओं में प्रसवपूर्व उपचार सेवाओं के उपयोग एवं कवरेज को सुधारने के लिए मुख्य तत्व की पहचान हेतु एक खोजपूर्ण अध्ययन, वाई.एस. कुसुम, डी.एस.टी., 1½ वर्ष, 2017-2018, 25.8 लाख रूपए।
6. भारत के उत्तरी भाग में युवा पुरूषों का स्वास्थ्य एवं पोषण व्यवहार मूल्यांकन, सुमित मल्होत्रा, अ.भा.आ.सं., 1 वर्ष, 2017-2018, 4 लाख रूपए।
7. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भारत में स्कूल आधारित किशोरों के लिए साप्ताहिक आयरन फॉलिक एसिड संपूरण कार्यक्रम से संबंधित कार्यान्वयन एवं अवरोधों का मूल्यांकन, सुमित मल्होत्रा, डब्ल्यू.एच.ओ. 1 वर्ष, 2017-2018, 6.79 लाख रूपए।
8. द्वितीय स्तर अस्पताल, बल्लभगढ़ हरियाणा में आने वाले तपेदिक एवं गैर-संचारी रोगों (अतिरक्तदाब, मधुमेह) वाले रोगियों में तंबाकू से परहेज रखने वालों पर ब्रीफ सेसैशन सलाह की प्रभावकता, राकेश कुमार, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2017-2019, 1.8 लाख रूपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में वृद्ध व्यक्तियों में चिरकारी श्वसन रोग एवं संबंधित कारकों का अध्ययन।
2. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में वृद्ध व्यक्तियों में चिरकारी श्वसन रोग एवं संबंधित कारकों का अध्ययन।
3. इंटेशिव फील्ड प्रैक्टिस एरिया (आईएफपीए) में दशाब्दि (2008-2018) में कैंसर केसिस एवं संबंधित कारकों की व्यापकता पर अध्ययन, व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सी.आर.एच.एस.पी.), बल्लभगढ़ हरियाणा, भारत ।
4. उत्तरी भारत के ग्रामीण क्षेत्र में किशोर लड़कियों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंध का मूल्यांकन ।
5. जिला फरीदाबाद में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का मूल्यांकन, दिल्ली के शहरी क्षेत्र में किशोरों में एक मिश्रित पद्धति अध्ययन, सामान्य मानसिक विकार एवं संबंधित स्वास्थ्य साक्षरता ।

6. शहरी पुनर्वास कलोनी, नई दिल्ली में किशोर लड़कियों में चयनित पौषणिक समस्याओं का मूल्यांकन, एक मिश्रित पद्धति अध्ययन ।
7. शहरी पुनर्वास कलोनी दिल्ली में रोगियों में डायबिटीज के नियंत्रण सहित इसके उपचार की जानकारी एवं स्व.प्रभावोत्पादकता का संबंध ।
8. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में प्रारंभिक उपचार की गुणवत्ता के प्रति समुदाय की धारणा, एक मिश्रित पद्धति अध्ययन ।
9. ग्रामीण हरियाणा, भारत में किशोरों में उच्च वसा, नमक, शुगर (एच.एफ.एस.एस.) की खपत ।
10. बल्लभगढ़ हरियाणा में किशोरों में अवलाद संबंधी विकार: एक समुदाय आधारित क्रास-सेक्शनल अध्ययन ।
11. उत्तरी भारत के ग्रामीण क्षेत्र में तपेदिक रोगियों में उपचार डिफाल्ट के निर्धारक: एक समुदाय आधारित मिश्रित-पद्धति अध्ययन ।
12. बल्लभगढ़, हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में वृद्ध व्यक्तियों में डयबिटिज एवं अतिरक्तदाब ।
13. वृद्ध व्यक्तियों में न्यूमोनिया का आर्थिक भार, निवारण एवं नियंत्रण ।
14. समुदाय व्यवस्था में अतिरक्तदाब, मधुमेह, तनाव एवं स्वास्थ्य पर संरचित योगा कार्यक्रम का प्रभाव, इसकी व्यवहार्यता एवं दीर्घावधि निरंतरता, 2018-2020 ।
15. हरियाणा के जिला फरीदाबाद में एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम का मूल्यांकन: एक मिश्रित पद्धति अध्ययन ।
16. फरीदाबाद जिला, हरियाणा में लॉट क्वालिटी एसेसमेंट सैंपलिंग (एल.क्यू.ए.एस.) तकनीक का प्रयोग करके कैंसर, मधुमेह, हृदवाहिका रोगों एवं स्ट्रोक (एन.पी.सी.डी.सी.एस.) के निवारण एवं नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग के कवरेज का मूल्यांकन ।
17. हरियाणा, भारत के ग्रामीण क्षेत्र में वृद्ध मधुमेह एवं अतिरक्तदाब में चिकित्सा अनुपालन को प्रभावित करने वाले कारण ।
18. उत्तरी भारत में समुदाय-आधारित युवा का स्वास्थ्य एवं पोषण व्यवहार आवश्यकताओं का मूल्यांकन।
19. उत्तर भारत के ग्रामीण समुदाय में वर्ष 2012-2018 के लिए मृत्यु दर पैटर्न: बल्लभगढ़ इंटेसिव फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्र का वर्बल आटोप्सी आंकड़े से साक्ष्य ।
20. जिला फरीदाबाद, हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम के तहत पंजीकृत हाल ही में नैदानित वयस्क तपेदिक रोगियों में रोगी खर्च एवं उपचार विलंब ।
21. हरियाणा, भारत में द्वितीयक उपचार स्वास्थ्य सुविधा में प्रसवपूर्व क्लिनिक में आने वाली गर्भवती महिलाओं में जेस्टाशनल मधुमेह मेलीटस की व्यापकता: एक अस्पताल आधारित अध्ययन ।
22. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में किशोरों में अतिरक्तदाब की व्यापकता ।
23. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में वृद्धों में घुटने के ओस्टियोआर्थेराइटिस की व्यापकता ।
24. आर.एन.टी.सी.पी., हरियाणा के जिला फरीदाबाद के तहत पंजीकृत बाल, किशोर एवं युवा टी.बी. रोगियों का प्रोफाइल ।

25. हरियाणा में एक द्वितीयक उपचार अस्पताल में गर्भवती महिलाओं में आयरन की कमी एनिमिया प्रोफेलेक्सिस हेतु 500 ug फालिक एसिड मुखीय अनुपूरण की नियत डोज के साथ 60 मिग्रा 100 मिग्रा तात्विक आयरन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण ।
26. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कलोनी में साठ वर्ष एवं उससे अधिक की आयु वाले व्यक्तियों में निद्रा गुणवत्ता एवं संबंधित कारण ।
27. शहरी पुनर्वास कलोनी, नई दिल्ली में 20-59 वर्ष की आयु वाली महिलाओं में आहार संबंधी सोडियम के स्रोत एवं नमक खपत से संबंधित जानकारी एवं व्यवहार का अध्ययन।
28. अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में स्नातकपूर्व (चिकित्सा छात्रों) में शारीरिक गतिविधि का अध्ययन ।
29. जन्म में लिंग अनुपात की प्रवृत्तिया : हरियाणा में ग्रामीण व्यवस्था में दशाब्दि में हुए जन्मों का विश्लेषण ।

पूर्ण

1. भारत में अंधता, केटेरेक्ट अंधता एवं केटेरेक्ट शल्यक कवरेज का डोज जेंडर प्रभाव? दैहिक समीक्षा एवं मेटा विश्लेषण से साक्ष्य ।
2. श्वसन वाइरस के कारण भारत में मृत्युदर भार का आकलन: इंफ्लुएंजा एवं श्वसन सिंसाइटियल वाइरस ।
3. ग्रामीण क्षेत्र में एक द्वितीयक स्तर अस्पताल में गैर-संचारी रोग (एन.सी.डी.) क्लिनिक में आने वाले मधुमेह रोगियों में स्व उपचार एवं ग्लासिमिक नियंत्रण पर एकीकृत मधुमेह स्व-उपचार शिक्षा कार्यक्रम का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण ।
4. ग्रामीण पुनर्वास कलोनी, दिल्ली में रहने वाले वृद्ध व्यक्तियों में अशक्तता की व्यापकता।
5. अशक्तता की व्यापकता एवं ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में वयस्क जनसंख्या में जीवन गुणवत्ता के साथ इसका संबंध ।
6. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में वृद्धों में घुटने के ओस्टियोआर्थेराइटिस की व्यापकता।
7. शहरी पुनर्वास कलोनी, नई दिल्ली में 10-19 वर्ष आयु के किशोर में स्क्रीन आधारित मीडिया का प्रयोग एवं स्क्रिन समय का मूल्यांकन ।
8. बल्लभगढ़, हरियाणा में स्वास्थ्य सुविधा में आने वाले 5-15 वर्ष के बाह्य रोगी में बैक्टीरियल खराब गले की पहचान के लिए क्लिनिकल स्कोर का वैलीडेशन ।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. स्ट्रोक एवं संज्ञानात्मक क्षति के कारण का पता लगाने के लिए एक जनसंख्या आधारित अग्रदर्शी कोटार्ट अध्ययन, एक क्रास-सांस्कृतिक दृष्टिकोण, तंत्रिका विज्ञान ।
2. भारत, हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में रहने वाले वयस्कों में कंजेनीटल हृदय रोग की व्यापकता, हृदयरोग विज्ञान
3. पैनिक एवं एंजाइटी भारतीय प्रश्नावली (पी.ए.एन.आई.क्यू.) का विकास, मनोचिकित्सा।

4. साल्मोनेला ऐंटिरिका सिरोटाइप टायफी एवं पैराटायफी-ए में ऐंटीमाइक्रोबायल प्रतिरोध के निगरानी तंत्र हेतु नोडल कोर्डिनेटिंग सेंटर, सूक्ष्मजैवविज्ञान ।

5. व्यापक एनीमिया कार्यक्रम एवं निजी थेरेपिस, स्त्रीरोग विज्ञान ।

6. दि सिस्टेमाटिक मेडीकल एप्रेजल, रेफरल एंड ट्रिटमेंट (एस.एम.ए.आर.टी.) मेंटल हेल्थ प्रोग्राम, मनोचिकित्सा ।

7. पोलीसिस्टिक अण्डाशय सिंड्रोम (पी.सी.ओ.एस.) वाली भारतीय महिलाओं में विभिन्न चिकित्सीय पद्धतियों के प्रत्युत्तर में व्यापकता, क्षेत्रीय फीनोटाइपिक भिन्नता, सहरूग्णता, जोखिम कारकों का मूल्यांकन तथा भिन्नता, भारत में सर्वत्र एक बहु केंद्रीय अध्ययन, स्त्रीरोगविज्ञान ।

8. यूविआशोथ वाले रोगियों में उपचार हेतु अनुपालन एवं प्रथम संपर्क तथा पूर्व-रेफरल उपचार, डॉ.रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र ।

9. दिल्ली के शहरी पुनर्वास कलोनी में वृद्ध व्यक्तियों में दृष्टि हानि, डॉ.रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र ।

10. गैर-ऐल्कोहॉलिक फैटी लिवर रोग की व्यापकता तथा उत्तरी भारत में हृद मेटाबॉलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध (आई-960) (आई.सी.एम.आर.) अंत:स्राविकी एवं चयापचयी ।

11. हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में वयस्क कुपोषित फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों में मानक डॉट थेरेपी हेतु सहायक के रूप में उपयोग हेतु तैयार चिकित्सीय भोजन के रूप में पोषणिक अनुपूरण हेतु अनुपालन एवं स्वीकृति, फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार ।

12. नए फुफ्फुसीय टी.बी. रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में टी.बी. की रोकने में वी.पी.एम. 1002 एवं एम.डब्ल्यू. (एम.आई.पी.) टीके की प्रभावकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक फेज III यादृच्छिक, दोहरा, प्लोसिबो-नियंत्रित परीक्षण करने के लिए क्षमता निर्माण, फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार ।

13. जन स्वास्थ्य दृष्टिकोण : आघात जागरूकता : हिमाचल प्रदेश में समुदाय, स्कूलों एवं पैरामेडिकल स्टाफ हेतु शिक्षा एवं प्रशिक्षण, 2016-2019, तंत्रिकाविज्ञान

14. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा, उत्तरी भारत में परिवेश पी.एम.$_{2.5}$ प्रकटन का मृत्युदर भार, आई.आई.टी. दिल्ली ।

15. विशेष विषय का प्रकटन एवं तनाव का संबंध : एक दैहिक समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण, मनोचिकित्सा, जैवसांख्यिकीय ।

16. दिल्ली, एन.डी.डी.टी.सी., गाजियाबाद में किशोर मित्रवत क्लिनिक में मदद मांगने वाले किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे एवं व्यसनकारी व्यवहार की सीमा, एन.डी.डी.टी.सी., गाजियाबाद

17. बाल अर्बुदविज्ञान रोगियों के लिए मुखीय स्वास्थ्य टूलकिट, सी.डी.ई.आर. ।

18. श्रवण क्षति एवं हेतुविज्ञान की व्यापकता पर टास्कफोर्स परियोजना, ई.एन.टी.

19. गैर-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर रोग की व्यापकता एवं उत्तरी भारत में हृद-मेटाबॉलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, अंत:स्राविकी

20. हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में वयस्क कुपोषित फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों में मानक डॉट्स

थेरेपी हेतु सहायक के रूप में उपयोग हेतु तैयार चिकित्सीय भोजन के रूप में पोषणिक अनुपूरण हेतु स्वीकृति एवं अनुपालन, फुफ्फुसी चिकित्सा एवं निद्रा विकार ।

पूर्ण

1. तंबाकू पीने वालों में संकेत प्रवृत्त लालसा से संबंधित एम.आर.आई. परिवर्तन, मनोचिकित्सा।
2. बल्लभगढ़ ब्लॉक, हरियाणा में वयस्क कुपोषित फुफ्फुसीय तपेदिक के रोगियों में मानक डॉट्स थेरेपी हेतु सहायक के रूप में उपयोग हेतु तैयार भोजन के रूप में पोषणिक अनुपूरण हेतु अनुपालन एवं स्वीकार्यता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार, सूक्ष्मजैव विज्ञान ।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 54 **पुस्तकों में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ में रोगी उपचार को निम्नलिखित दो वर्गों में वर्णित किया गया है:

क. उप-जिला अस्पताल, बल्लभगढ़ में प्रदान की गई रोगी उपचार सेवा एवं;

ख. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रदान की गई रोगी उपचार सेवा ।

वर्ष 2018-2019 के दौरान एस.डी.एच. बल्लभगढ़ में बाल बाह्यरोगी सेवाओं में पोषणिक परामर्श क्लिनिक का आरंभ किया गया ।

बाह्यरोगी विभाग :

दैनिक	**सप्ताह में तीन बार**
सामान्य काय चिकित्सा	प्रसव-पूर्व क्लिनिक
सामान्य शल्य चिकित्सा	**सप्ताह में दो बार**
बाल चिकित्सा	त्वचारोग विज्ञान
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	कान,नाक एवं गला
नेत्ररोगविज्ञान	**सप्ताह में एक बार**
तपेदिक क्लिनिक	पौषण परामर्श क्लिनिक
मनोचिकित्सा	गैर संचारी रोग क्लिनिक
दंत	बाल शल्यचिकित्सा
आयुष (होम्योपैथी)	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
आयुष (आयुर्वेद)	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पी.एम.आर.)
अस्थिरोग	तंत्रिकाविज्ञान

एस.डी.एच. बल्लभगढ़ में प्रदान की गई रोगी उपचार सेवाएं

कुल बाह्य रोगी

बाह्य रोगी कुल	3,51,704
○ नए ओ.पी.डी. रोगी (%)	1,97,318 (56.1%)
सामान्य चिकित्सा	96,281
बालचिकित्सा	79,087
प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान	29,662
प्रसव पूर्व उपचार क्लिनिक पंजीकरण, कुल आगमन	21,740
नेत्ररोग विज्ञान	15,659
सामान्य शल्यचिकित्सा	14,210
ई.एन.टी.	11,131
दंत चिकित्सा	10,057
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	2,507
गैर-संचारी रोग क्लिनिक	7,284
त्वचारोगविज्ञान	13,594
आयुष	11,126
अस्थिरोग	28,260
मनोचिकित्सा	10,727
पौषण परामर्श क्लिनिक	197
बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी	15
तंत्रिकाविज्ञान	167

अंतरंग सेवाएं

आंतरिक रोगी सेवाएं (50 बिस्तर)

क. कुल प्रवेश (जन्म सहित)	12,608
आपातकालीन के माध्यम से प्रवेश	5,539
ओपीडी के माध्यम से प्रवेश	3,315
नवजात शिशु (जन्म) प्रवेश	3,754
ख. प्रवेश के विघटन, विशेषज्ञतावार (सं.=12,608)	
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	7,483
बाल रोग	4,132
नेत्र विज्ञान	588
शल्य चिकित्सा	267
सामान्य कायचिकित्सा	90
ईएनटी	41

शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर)	7
ग. भर्ती होने की औसत दर (प्रतिशत)	118.0%
घ. संचालित कुल प्रसव (आईयूडी सहित)	3,780
ङ. सभी रोगियों के लिए भर्ती रहने की औसत अवधि (दिनों में)	1.72

आपातकालीन सेवाएं

पंजीकृत रोगी	66,540
मेडिको-लीगल मामले	4,115
आपातकालीन प्रवेश	1,581

एसडीएच बल्लभगढ़ में

कुल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं

	बड़े	**छोटे**	**कुल**
नेत्र विज्ञान (मोतियाबिन्द निष्कर्षण सहित)		552	522
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	439	423	871
सामान्य सर्जरी	169	252	413
बाल शल्य चिकित्सा	76	131	207
ईएनटी	5	69	74
पीएमआर	19	7	25
कुल	**708**	**1,434**	**2,142**

प्रयोगशाला और नैदानिक सेवाएं

प्रयोगशाला जांच (जैव रसायन एवं रुधिर संबंधी)	2,67,005
एक्स-रे	20,044
अल्ट्रासाउंड	9,546
मलेरिया स्लाइड	7,300
• पी. विवैक्स सकारात्मक	2
• पी. फाल्सीपरम सकारात्मक	शून्य
एचआईवी के लिए परामर्श और परीक्षण सेवाएं प्रदान की	12,341

संशोधित राष्ट्रीय यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम :

एसडीएच बल्लभगढ़ अस्पताल संशोधित आरएनटीसीपी के तहत एक यक्ष्मा इकाई (टीयू) है। तीन नामित माइक्रोस्कोपी सेंटर (डीएमसी) इस इकाई के अधीन हैं। बल्लभगढ़ अस्पताल में 1 अप्रैल 2018 से लेका 31 मार्च 2019 तक यक्ष्मा के निम्नलिखित मामलों का इलाज किया गया:

उपचार के कुल शुरूआती मामले	**955**
नए मामले	805
पहले से उपचारित मामले	150

सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं

आईएफपीए में घरेलू आउट पेशेंट, इनपेशेंट और रेफरल सेवाएं प्रदान की जाती है। आईएफपीए के लिए महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतक निम्नानुसार थे :

संकेतक	**मान**
जनसंख्या	1,00,772
प्रति 1000 जनसंख्या पर जन्म दर	19.5
प्रति 1000 जनसंख्या पर मृत्यु दर	6.3
जन्म में लिंग अनुपात दर (प्रति 1000 पुरुषों में महिला)	860
प्रति 1000 जीवित जन्म पर नवजात मृत्यु दर	38.6
प्रति 1000 जीवित जन्म पर 5 साल से कम उम्र पर मृत्यु दर	42.6

गहन व्यवहार क्षेत्र में ओपीडी सेवाएं: इसमें पीएचसी के ओपीडी में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के साथ साथ विस्तारित स्वास्थ्य क्लीनिक के ओपीडी भी शामिल हैं, जो प्रत्येक गांव में आयोजित की जाती हैं।

पीएचसी	**नए मामले**	**दोबारा विजिट**	**कुल**
दयालपुर	19,344	21,102	40,446
छैन्सा	14,829	9,323	24,152
कुल	34,173	30,425	**64,598**

पीएचसी दयालपुर में पंजीकृत आयुष ओपीडी रोगी की कुल संख्या: **9,213**

(पीएचसी छैन्सा में आयुष ओपीडी उपलबध नहीं है)

पीएचसी में प्रदान की गई आंतरिक सेवाएं

पीएचसी	**कुल**
दयालपुर	380
छैन्सा	410
कुल	**790**

पी.एच.सी. में प्रदान की गई आपातकालीन सेवाएं

पीएचसी	**कुल**
दयालपुर	12,075
छैन्सा	4,093
कुल	**16,168**

परिवार कल्याण और मातृ बाल स्वास्थ्य

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशानिर्देशों के अनुसार निम्नानुसार सेवाएं उपलब्ध हैं-

संकेतक	**मान**
कुल प्रसव पूर्व पंजीकरण	2,132
पंजीकृत मामलों का सम्पूर्ण टीटी कवरेज (प्रतिशत)	100%
संस्थागत प्रसव का प्रतिशत	
पीएचसी, छैन्सा (प्रतिशत)	98.1%
पीएचसी दयालपुर (प्रतिशत)	98.2%
पीएचसी में प्रसव हट में कुल प्रसव	
पीएचसी, छैन्सा	410
पीएचसी, दयालपुर	380

अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम: ओपीडी में निष्क्रिय निगरानी के एक भाग के रूप में और आईएफपीए में फील्ड श्रमिकों द्वारा घरेलू विजिट के दौरान सक्रिय निगरानी के रूप में रक्त की स्लाइड का संग्रह किया जाता है।

संकेतक	**पीएचसी, छैन्सा**	**पीएचसी, दयालपुर**
मलेरिया स्लाइड की कुल संख्या का परीक्षण किया	3,493	6,433
पोजिटिव मामलों की कुल संख्या	16	9
वार्षिक परजीवी घटना (प्रति 1000 जनसंख्या)	0.3	0.015
वार्षिक रक्त जांच दर (%)	7.0%	12.7%
स्लाइड पोजिटिवीटी दर (%)	0.46%	0.14

संशोधित राष्ट्रीय यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम: आईएफपीए में संशोधित राष्ट्रीय यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है। आईएफपीए में श्रेणीवार तपेदिक रोगियों का उपचार निम्नानुसार है:

संकेतक	**पीएचसी, छैन्सा**	**पीएचसी, दयालपुर**
उपचार के कुल शुरूआती मामले	67	102

नए मामले	61	63
पूर्व में उपचारित मामले	6	39

विशेष सेवाएं: एसडीएच, बल्लभगढ़ में पदस्थ क्लिनीकल विशिष्टताओं के वरिष्ठ रेसिडेंस द्वारा प्रत्येक पीएचसी में साप्ताहिक आउटरीच स्पेशलिटी ओपीडी (ओआरएसओ) आयोजित की जाती है। इस सेवा को जून 2013 में शुरू किया गया था। 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक प्रत्येक पीएचसी में दर्ज मामलों की स्थिति निम्नानुसार है:

सेवाएं	**पीएचसी, छैन्सा**	**पीएचसी, दयालपुर**
प्रसूति विज्ञान	146	1,024
बाल चिकित्सा	246	483
नेत्र विज्ञान	429	812
मनोचिकित्सक	190	261
कुल	**966**	**2,580**

पी.एच.सी. छैन्सा में **1,074** व्यक्तियों को ऐंटीरेबीज टीका एवं पी.एच.सी. दयालपुर में **769** डोज दिए गए।

पी.एच.सी. में कुछ अन्य गतिविधियों का सारांश इस प्रकार है:

विवरण	**पीएचसी, छैन्सा**	**पीएचसी, दयालपुर**
कुल स्वास्थ्य वार्ता	36	46
गर्भवती महिलाओं को प्रदान किया गया आईवीआईएस (अंत:शिरा आयरन सुक्रोस)	184	742
प्रसव उपरान्त डाले गए आईयूसीडी पीपीआई यू सीडी (पोस्ट पार्टम इंट्रायूटेराइन सी यू-टी डिवाइस)	24	111
उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान करना	405	399

आईईसी गतिविधियां

समूह स्वास्थ्य वार्ता: प्रसवोपरान्त देखभाल, स्वच्छ पेयजल, परिवार नियोजन, माहवारी स्वच्छता मच्छरों से बचाव, तम्बाकू, जानवरों के काटाने तथा एएनसी आदि।

लघु फिल्मों के शो

शिशु कल्याण केंद्र, बल्लभगढ़ तथा दयालपुर और छैन्सा जन स्वास्थ्य केंद्रों में फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। ओपीडी के समय के दौरान स्तनपान, प्रसवपूर्व देखभाल, शिशु देखभाल, बालिका भ्रूणहत्या, विटामिन ए की कमी, कुपोषण और हैजा जैसे विषयों को शामिल किया गया।

वर्ष 2018-19 के दौरान पीएचसी में आयोजित विशेष गतिविधियां-

1. **एम.आर. (मीसल्स एंड रूबेला) अभियान:** दयालपुर और छैन्सा पीएचसी क्षेत्र के अन्तर्गत भावेवाले स्कूलों में 25 अप्रैल से 5 जून 2018 तक एम.आर. अभियान चलाया गया ।
2. **जांच एवं उपचार अभियान:** पीएचसी में तथा एसडीएच बल्लभगढ़ में एनीमिया मुक्त अभियान के एक भाग के रूप में जांच एवं उपचार शिविर सितम्बर 2018 में आयोजित किए गए।
3. **राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों का मूल्यांकन:** दोनों ही पीएचसी लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यापक सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से काम कर रहे है। दोनों का एनक्यूएएस के द्वारा मूल्यांकन किया गया और एनक्यूएएस मान्यता प्रदान की गई।

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में परिदर्शक छात्र / फेलों

1. जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सामाजिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के 15 छात्रों (एमपीएच / एमफिल / पीएचडी), 2 संकाय सदस्यों तथा 2 तकनीकी स्टाफ ने अपने क्षेत्रकार्य के लिए सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ का 29/30 अक्टूबर 2018 को परिदर्शन किया ।
2. सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में उन्मुखीकरण के लिए प्रतिवर्ष दो हफ्ते के लिए स्टेनफोर्ड बायोडिजाइन फेलो नियुक्त किए जाते हैं।

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के फील्ड प्रेक्टिस एरिया, सेंटर फॉर कम्यूनिटी मेडिसिन दक्षिणी दिल्ली के दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अंबेडकर नगर में स्थित है, जिनमें सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी के ब्लॉक 1-7, 14, 15, 19 शामिल हैं, जिनसे लगभग 35,363 लोग लाभान्वित होते हैं। शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में रोगियों की देखभाल संबंधी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

नैदानिक सेवाएं

	गतिविधियां	**संख्या**
ओपीडी	देखे गए रोगियों की कुल संख्या (प्रतिरक्षण सहित)	22,682
प्रयोगशाला सेवाएं	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	4,539
	संचालित किए गए एचबी जांच की कुल संख्या	1,487
	एचबी <7जी/डी1 जीएम %	46
	एचबी <11जी/डी1 जीएम %	680
	ब्लड शुगर	2,221
	मूत्र एल्बुमिन और शुगर की जांच की	69
	मलेरिया के लिए आरडीटी	135

बाल स्वास्थ्य सेवाएं

टीकाकरण सत्रों की संख्या: 98

बीसीजी	89

डीपीटी/पेंटावेलेंट 1	262
डीपीटी/पेंटावेलेंट 12	254
डीपीटी/पेंटावेलेंट 13	252
ओपीवी 0 खुराक (जन्म खुराक)	53
ओपीवी1	262
ओपीवी2	253
ओपीवी3	252
हेपेटाइटिस-बी1	3
हेपेटाइटिस-बी2	3
हेपेटाइटिस-बी3	1
इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल1	292
इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल2	207
मीजल्स पहली खुराक	258
एमएमआर	30
मीजल्स दूसरी खुराक	75
डीपीटी/ओपीवी बूस्टर 1	237
डीपीटी/ओपीवी बूस्टर 2	310
टाइफाइड टीका	230
टीटी 10 वर्ष	256
टीटी 16 वर्ष	52
9 महीने और 5 वर्ष के बीच विटामिन ए दिया गया	815
एल्बेंडाजोल	381
गंभीर रूप से कम वजन व्यक्तियों की संख्या, जिन्हें स्वास्थ्य जांच प्रदान की गई (0-5) वर्ष	60

मातृ स्वास्थ्य सेवाएं

प्रसव पूर्व देखभाल	शहरी स्वास्थ्य केंद्र में देखी गई गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या	742
	टीटी1 लेने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	104
	टीटी2+ या बूस्टर लेने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	110
	180 आईएफए गोली लेने वाली गर्भवती महिलाओं की कुल	84

	संख्या	
परिवार नियोजन	वितरित कंडोम की संख्या	2,215
	वितरित मौखिक गर्भनिरोधक गोली चक्र की संख्या	36
	नए आरटीआई/एसटीआई मामलों की पहचान की गई	182

- स्वास्थ्य शिक्षण सामग्री (पोस्टर) का विकास
- टीवी संवाद: डॉ. पुनीत मिश्रा (राज्य सभा टीवी एवं लोक सभा टीवी विशेषज्ञ के रूप में)

एम्स में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियां:-

- 27 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली में खेल और युवा मामले (एमएसवाईए) मंत्रालय द्वारा आयोजित श्री विजय गोयल की अध्यक्षता में एनएसएस कश्मीरी छात्रों के साथ इंटरएक्टिव इंटरनेशनल प्रोग्राम
- एनएसएस की समीक्षा करने के लिए सचिव एमएसवाईए, भारत सरकार के साथ इंडिया हैबिटेट सेंटर में दिल्ली बैठक के एनएसएस पदाधिकारी (10 जुलाई 2017)
- सचिव, एमएसवाईए द्वारा भविष्य की एनएसएस रणनीतियां (10 अक्तूबर 2017)

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट कार्यक्रम

- स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा एनीमिया नियंत्रण पर उत्कृष्ट एवं उन्नत अनुसंधान हेतु राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में नामित सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र
- **प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु कायाकल्प पुरस्कार:** जिला फरीदाबाद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सीआएचएसपी का दयालपुर केन्द्र कायाकल्प पुरस्कार (2018-19) के लिए सर्वोत्तम चुना गया, जबकि दूसरे केन्द्र अर्थात् प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छैन्सा को प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र को दूसरे सत्र 2018-2022 के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन क्षमता विकास एवं समुदाय आधारित एनसीडी रोकथाम एवं नियंत्रण आईएनडी-113 में अनुसंधान हेतु सहयोगी केन्द्र के रूप में पुननार्मित किया गया ।
- डॉ. संजय राय वर्ष 2019-2022 के लिए भारतीय लोक-स्वास्थ्य संगठन के “अध्यक्ष” चुने गए।

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य शशिकांत: संसाधक: 02 फरवरी 2019 को आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में आयोजित आईपीएचए के 63वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. जे.ई. पार्क मेमोरियल ऑरेशन को संबोधित किया। 04 जुलाई 2018 को इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में संकाय साक्षात्कार विशेषज्ञ समिति के सदस्य रहे। अक्तूबर 2018 में एम्स, नागपुर के संस्थान निकाय के सदस्य एवं शासन निकाय, स्थायी चयन समिति, स्थायी वित्त समिति, शैक्षिक समिति तथा मानव संसाधन उपसमिति के सदस्य नामित। 18 फरवरी 2019 को प्रथम संस्थान निकाय की बैठक में शामिल, 19 मार्च 2019 को मानव संसाधन उपसमिति की बैठक में शामिल। **बैठकों की अध्यक्षता:** 10 मार्च 2019 को शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित आईएपीएसएम के वार्षिक सम्मेलन में एनीमिया मुक्त भारत के एक सत्र की अध्यता। 20 मार्च 2019 को आईसीएमआर, नई दिल्ली की परियोजना समीक्षा समिति की अध्यक्षता। 26 मार्च 2019 को आईसीएमआर, नई दिल्ली

की एमआर खिड़की के तहत एचआईवी/एड्स पर पीआरसी बैठक की अध्यक्षता। **बैठकों में शामिल:** 7-9 मई 2018 को काठमांडू, नेपाल में आयोजित “दक्षिण एशिया में गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के पोषण देखभाल में सुधार पर क्षेत्रीय सम्मेलन” में भाग लिया। 16 मई 2018 को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में संकाय-साक्षात्कार के लिए गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य। 29 नवम्बर 2018 की आईसीएमआर-राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लिया। 8 दिसंबर 2018 को आरएमआरआईएमस, पटना की 31वीं एसएसी बैठक में भाग लिया।

आचार्य संजीव कुमार गुप्ता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के जेरिएट्रिक केयर में प्राइमरी केयर के लिए ऑपरेशनल दिशानिर्देशों के विकास के लिए गठित टास्क फोर्स के सदस्य रहे; भारत सरकार, नई दिल्ली के स्वास्थ्य कर्मचारियों और स्कूल अध्यापकों की ओरल हैल्थ पर प्रशिक्षण नियमावलियों के विकास के लिए परामर्शदात्री समिति; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में पीजीडीएमसीएच प्रोग्राम के संशोधन के लिए विशेषज्ञ समितिय तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्था समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सदस्य रहे, भारत सरकार की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के जनसंख्या स्थिरता कोष के आजीवन सदस्य; “ट्यूबरकुलोसिस मिनिंगिटिस (टीबीएम) के लिए एंटी ट्यूबरकुलर ट्रीटमेंट (एटीटी) की 9 महीने, 12 महीने तथा 18 महीने की प्रभावोत्पादकता का निर्धारण: एक यादृच्छिक नियंत्रित स्वतंत्र परख” नामक परियोजना के लिए डाटा सुरक्षा प्रबंधन बोर्ड। (परियोजना प्रभारी : डॉ. दीप्ति विमा, तंत्रिका विज्ञान की सह आचार्य, तंत्रिका विज्ञान केन्द्र, एम्स। मुख्य वार्ता समिति (डी.ओ.) 1 अगस्त 2019 में एम्स के आईसीएमआर वैज्ञानिक-C से वैज्ञानिक-D में पदोन्नति हेतु मूल्यांकन बोर्ड के विशेषज्ञ। द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ क्म्यूनिटी मेडिसिन, पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशन एशियन जर्नल ऑफ साइकाइट्री के समीक्षक रहे।

आचार्य किरण गोस्वामी राष्ट्रीय संस्थान एवं केन्द्रीय क्षेत्रीय संस्थान की सदस्य, पूर्व एचआईवी सेन्टीनल सर्विलांस प्रशिक्षण हेतु एचएसएस की विशेषज्ञ एवं संसाधक, आरआई एवं एसएसीएस (अक्तूबर 2018) की राष्ट्रीय बैठक, देहरादून एवं डीएसएसीएस में उत्तराखंड एसएसीएस राज्य के राजकीय पूर्व निगरानी प्रशिक्षण, दिल्ली (दिसम्बर 2018) तथा दिल्ली एवं महाराष्ट्र राज्यों (जनवरी-मार्च 2019) के लिए क्षेत्र पर्यवेक्षण एवं निगरानी की सदस्य रही। भारत में टीकाकरण की व्याप्ति बढ़ाने के लिए बहुक्षेत्रीय सहयोगी कार्य करने वाले आईएमआई अध्ययन हेतु कोर ग्रुप: गहन मिशन इंद्रधनुष के सबक, एक क्रॉस सेक्टरल सिस्टम को मजबूत करने वाली रणनीति, आईएनसीएलईएन का अध्ययन “भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान में नेतृत्व का मार्ग प्रशस्त करना”; सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिक हस्तक्षेप (टीआईएएसएन) सीड प्रभाग, डीएसटी; एससीएसपी पर कार्यक्रम सलाहकार समिति, की बैठक, सीड प्रभाग, डीएसटी; यूजीसी नेट प्रश्न-पत्र गठन विशेषज्ञ समिति, नवम्बर 2018; 31 जनवरी 2019 को काकीनाडा में भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ को एनीमिया मुक्त भारत पर 63वें राष्ट्रीय सम्मेलन के पूर्ण सत्र की अध्यक्षता; 17 फरवरी 2019 को व्यावसायिक रोगों के निदान एवं प्रबंधन में नई प्रगति, प्रौद्योगिकी तथा

व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; 23-27 जुलाई 2018 तक एनआईएचएफ-डब्ल्यू, पाठ्यचर्या निर्माण एवं मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कोर्स में शामिल; "निरस्त्रीकरण संवाद: वार्त्ता" पर कार्यशाला में प्रतिभागी चयनित, 4 अक्तूबर 2018, शिकागो विश्वविद्यालय, दिल्ली केन्द्र; एमएमसी, दिल्ली में अक्तूबर 2018 में एमडी सामुदायिक चिकित्सा की बाह्य परीक्षक; एमबीबीएस तीसरा व्यावसायिक फाइनल परीक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय, नवम्बर 2018 एवं फरवरी 2019, एम्स, जोधपुर, फरवरी 2019 ।

आचार्य आनंद कृष्णन विश्व स्वास्थ्य संगठन की सहयोगी समुदाय आधारित एनसीडी बचाव तथा नियंत्रण में क्षमता विकास एवं अनुसंधान केन्द्र के अध्यक्ष हैं; आईसीएमआर राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान, अहमदाबाद वैज्ञानिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं; आईसीएमआर राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, भोपाल के अध्यक्ष हैं; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाहान केन्द्र (एनएचएसआरसी) के शासन निकाय के सदस्य; इंफ्लुएंजा बोझ के आकलन पर कार्य समूह, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य; एसआरएस के तहत मौखिक शव-परीक्षा के लिए मृत्यु का कारण निर्धारित करने वाली मिनर्वा नेटवर्क; भारत के महापंजीयक का कार्यालय; भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के स्नातकोत्तर विशेषज्ञ समूह के सदस्य; विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारत के द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा कार्य योजना का मसौदा तैयार करने का अनुरोध किया गया। गंभीरता एवं बोझ के आकलन हेतु इन्फ्लुएंजा डाटा का उपयोग पर बैठक, जेनेवा, स्पिटजरलैंड में 28-30 नवम्बर को शामिल; महामारी एवं विश्वमारी इंन्फ्लुएंजा के खतरे एवं प्रभाव को कम करने के लिए नन-फार्मास्यूटिकल सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों पर तकनीकी सलाह, विश्व स्वास्थ्य संगठन हांग कॉग, चीन में 26-28 मार्च 2019 तक भाग लिया । असंक्रामक बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु बहुक्षेत्रीय कार्यनीति के विकास के लिए टाइमर लेस्ट देश के स्वास्थ्य मंत्रालय को तकनीकी सहायता प्रदान की, 13-28 मई 2018; अटलांटा में उभरती संक्रामक बीमारियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; एनसीडी खतरे के कारकों पर आईसीएमआर भारतीय रोग भार अभियान का नेतृत्व किया। राष्ट्रीय एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह की बैठक में भाग लिया; सीवीडी, न्यूरोलॉजी पर आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति की बैठक में भाग लिया ।

आचार्य बेरिडेलिन नोंग्कायरिह नमूना पंजीयन प्रणाली के तहत मौखिक शव परीक्षा आधारित मृत्यु का कारण निर्धारण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी सहायता एकक की सदस्य रहीं, भारत के महापंजीयक का कार्यालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार; अक्टूबर 2018 में डब्ल्यूएचओ-पीईएन को अनुकूल बनाने एवं स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण देने के लिए तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए स्वाजीलैंड (एस्टाविनी) अफ्रीका में विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अभियान का हिस्सा रहे । जुलाई 2018 में डब्ल्यूएचओ पीईएन के क्रियान्वयन में सहयोग करने के लिए मधुमेह, तीव्र श्वसन रोगों (सीआरडी) एवं हृद्वाहिका रोगों (सीबीडी) पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने पर डब्ल्यूएचओ के मुख्यालय जेनेवा में एक एपीडब्ल्यू पूर्ण किया; प्राथमिक स्वास्थ्य कर्मियों में न्यून संसाधन व्यवस्था के बीच प्राथमिक सुविधाओं के लिए अनिवार्य एनसीडी अंत:क्षेप (डब्ल्यूएचओ पीईन) के डब्ल्यूएचओ पैकेज पर एसईएआर ट्रेनिंग मॉड्यूल विकसित किया; प्रबंधकीय कौशल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं में एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम हेतु राज्य एवं जिला

कार्यक्रम पदाधिकारियों के राष्ट्रीय प्रशिक्षक; एसईएआर देशों के लिए एनसीडी रोगी शिक्षण सामग्री विकसित करने में डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ के साथ एक एपीडब्ल्यू पूर्ण किया; मेघालय के शिलोंग तथा मिजोरम के आइजॉल में एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए संसाधक ।

आचार्य पुनीत मिश्रा अलीगढ़ मुस्लिम विश्विवद्यालय, अलीगढ़ के आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, की चयन समिति के सदस्य रहे; एएमयू, केजीएमयू, गोरखपुर के लिए स्नातकोत्तर परीक्षा प्रश्न पत्र; आईसीएमआर टास्क कोर्स पीसीओएस; जीडीएम पर आईसीएमआर टास्क फोर्स; विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में महिलाएं, भारत(डब्ल्यूआईएसई) के कार्यपालक बोर्ड के सदस्य; भारतीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान के पीएचडी परीक्षक, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार; एनआईएचएफडब्ल्यू आपदा प्रबंधन योजना के विशेषज्ञ कोर्स डेवलपर; अनुसंधान अनुभाग एम्स, चयन समिति; आईएनएसए में विशेषज्ञ समिति, एसवाईएसटी-डीएसटी के सदस्य, नई दिल्ली, जनजातीय परियोजनाएं-डीएसटी नागालैंड में, डीएसटी के लिए योग एप्प; मधुमेह, उपापचय रोग, वृक्क एवं यकृत रोग, हृद्वाहिका रोग पर टीईसी सदस्य, आईसीएमआर; आईसीएमआर की परियोजना की समीक्षा की, डीएसटी, भारत सरकार के कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य; डीएसटी, भारत सरकार के सीड प्रभाग के विशेषज्ञ समिति एवं पत्र समीक्षक; जीएसके द्वारा थाइलैंड में आयोजित आरएसवी टीके की जरूरत पर बैठक में शामिल हुए; एनसीईएआर-ए के सदस्य; प्रतिजैविक प्रतिरोध पर एक स्वास्थ शिखर सम्मेलन में प्रतिभागिता; औषधि व्यसन पर राज्य सभा टीवी, मधुमेह-राज्यसभा टीवी, राज्यसभा टीवी-एचआईवी एड्स एक्ट, राज्यसभा टीवी-सरोकार-स्वच्छ भारत; केजीएमयू लखनऊ, यूसीएमएस दिल्ली, सीएमसी लुधियाणा, एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ में परीक्षाओं में भाग लिया; एम्स पटना में एमडी कोर्स शुरू करने की साध्यता; फरवरी 2019 में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, एनीमिया मुक्त भारत पर सत्र की अध्यता, काकीनाड़ा; फरवरी 2019 में आईपीएचए काकीनाडा में एनीमिया मुक्त भारत पर पूर्ण सत्र को पेनलिस्ट के रूप में संबोधित किया; मार्च 2019 में आईएपीएसएम, शिमला में आसीएच पर सत्र की अध्यता की; दिसम्बर 2018 में उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण कुम्भ में पर्यावरण एवं स्वास्थ्य पर भाषण दिया; वाराणसी; जून 2018 में आमंत्रित वक्ता के रूप में डीएसटी, भारत सरकार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग पर भाषण दिया तथा सत्र की अध्यक्षता की । अक्तूबर 2018 में आरआई-एम्स नई दिल्ली में निगरानी की समस्याओं पर भाषण दिया तथा एचआईवी रक्षक निगरानी बैठक सत्र की अध्यता की; पीएलओएस वन, आईजेसीएम, वीएमजे, लैंसेर पब्लिक हैल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स, एनएमजेआई, बीएमसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडोलसेन्ट मेडिसिन एंड हेल्थ, बीएमसी पब्लिक हेल्थ, बीएमसी वुमेन हेल्थ, बीएमसी इंफेक्शन डिजीज, बायोमेडिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज, फैमिली मेडिसिन एंड कम्यूनिटी हेल्थ, एनएमजेआई, प्रोपोजल फॉर डीएसटी, आईसीएमआर तथा अन्य कई पत्रिकाओं के समीक्षक ।

आचार्य संजय कुमार राय पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा, उत्तर प्रदेश में एमडी सामुदायिक चिकित्सा परीक्षक बोर्ड के सदस्य नामित किए गए। 7-8 मई 2018 तक राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, चंडीगढ़, 30-31 मई 2018 तक दक्षिण बंगाल आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, दार्जिलिंग तथा

12 जुलाई 2018 की उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा में एमडी सामुदायिक चिकित्सा परीक्षा के बाहरी परीक्षक के रूप में भाग लिया। राष्ट्रीय आयोडीन एवं नमक अंतर्ग्रहण सर्वेक्षण (एनआईएसआई) 2018-2019 के तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के सदस्य तथा 7 फरवरी 2018 को नई दिल्ली में टीएसी की बैठक में भाग लिया। पूरे देश में एचआईवी सुरक्षा निगरानी (एचएसएस) हेतु तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा नामित राष्ट्रीय एचएसएस एवं एम्स संस्थान के फोकल पर्सन के रूप में नामित; उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड एवं अंडमान-निकोबार में एचएसएस 2019 को तकनीकी सहायता देने जनवरी से मार्च 2018 तक कई बार गए। हेल्थ एंड पॉपुलेशन पर्सपेक्टिव एंड इश्यूज, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडिमियोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स, एनएमजेआई जैसी विभिन्न पत्रिकाओं की पांडुलिपियों की समीक्षा की। भारत में महान मिशन इंद्रधनुष आईएमआई पर ***"पीएमएनसीएच (मातृ नवजात एवं शिशं स्वास्थ्य हेतु भागीदारी) के लिए देहाती मामले अध्ययन विकास"*** के लिए 2-7 जुलाई 2018 तक बिहार के दरभंगा जिले में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में क्षेत्र-भ्रमण में भागीदारी की। 26-27 मई 2018 को लखनऊ में तथा 18 नवम्बर 2018 को जोरहट, असम में एम्स परीक्षा केन्द्र के द्वारा एमबीवीएस ऑनलाइन सीबीटी, एमडी/एमएस/एमडीएस/डीएम तथा एमसीएच प्रवेश परीक्षाओं में पर्यवेक्षण हेतु नियुक्त किये गये। संशोधित यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एम्स की कोर कमिटी के सदस्य; 4 से 8 जून 2018 तक एम्स दिल्ली के निदेशक प्रो. (डॉ.) रणदीप गुलेरिया के नेतृत्व में बहु-विषयी टीम के सदस्य के रूप में यूनवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल), अमेरिका का भ्रूमण किया; यूसीएल, लंदन और एम्स दिल्ली के बीच बेहतर सहयोग की संभवनाओं की खोज के लिए यूसीएल के अधिकारियों के साथ बैठकों में सक्रियता से भाग लिया; अभियांत्रिकी सेवाओं की सुव्यवस्था के लिए अभियांत्रिकी सलाहकार समिति की बैठकों में सदस्य के रूप में कई बार भाग लिया; वर्ष 2018-19 के दौरान सीसीएम भंडार प्रभारी आचार्य के रूप में बजट निर्माण एवं विभिन्न वस्तुओं की खरीद में भाग लिया; वर्ष 2018 के दौरान कई तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) की बैठकों में भाग लिया तथा टीआरजी (नाको), एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार की भारत में एचआईवी आकलन के सदस्य; स्थायी चयन समिति, ईएसआईसी; हैदराबाद तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सदस्य के रूप में 23-24 अगस्त 2018 को इएसआईसी हैदराबाद तथा 23 जनवरी 2019 को बीएचयू में विभिन्न संकाय-पदों पर चयन में सहायता की। वर्ष 2019-2022 के लिए भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ के अध्यक्ष चुने गए; हेल्थ एंड पॉपुलेशन पर्सपेक्टिस एंड इश्यूज, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स, एनएमजेआई आदि के समीक्षक रहे।

आचार्य वाई.एस. कुसुमा कुमारी एनसीडी खतरा कारक सहयोग (एनसीडी रिस्क) की सदस्य रहीं। आईसीएमआर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), एमआरसी, यूनाइटेड किंगडम की समीक्षक रहीं; स्टडीज ऑन एथ्नो-मेडिसिन एंड एफ्रोएशियन जर्नल ऑफ एथ्रॉपोलॉजी एंड शोशल पॉलिसी के संपादक बोर्ड की सदस्य; जेएनयू एवं आंध्र विश्वविद्यालय के पीएचडी थीसिस की निर्णायक ।

डॉ. कपिल यादव, तकनीकी उपसमूह के सदस्य थे-परीक्षण और उपचार: 'एनीमिया मुक्त भारत', भारत सरकार के संचालन हेतु दिशानिर्देशों का निर्माण; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 'एनीमिया नियंत्रण (एनसीईएआर-ए) पर उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान हेतु राष्ट्रीय केंद्र के लिए मुख्य बिन्दु'।

डॉ. सुमित मल्होत्रा: व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं परियोजना, बल्लभगढ़ के केन्द्रीय पर सूचना अधिकारी है, तथा जनसूचना अधिकारियों के बीच समिति सदस्य हैं, साथ ही प्रथम अपीलीय अधिकारी भी हैं, एम्स से सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत अक्सर मांगी जाने वाली जानकारियों का समृद्ध अनुभव है; मेवात, हरियाणा में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के कार्यान्वयन हेतु सहायक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए "नवाचार अधिगम केन्द्र" के मुख्य बिन्दु; एम्स में चिकित्सा अनुसंधान एकक की स्थापना के लिए गठित कार्य समिति के सदस्य; भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय उत्कृष्ट एवं उन्नत एनीमिया नियंत्रण अनुसंधान केन्द्र के सदस्य; भारत सरकार के गृह मंत्रालय के भारत के महापंजीयक के कार्यालय की ओर से नमूना पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत मौखिक शव परीक्षा पर आधारित मृत्यु का कारण निर्धारण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी सहायता एकक के सदस्य रहे, एमआईबाईसीएन (मातृ, नवजात एवं शिशु पोषण) पर आईएपीएसएम भारतीय रोकथाम एवं सामाजिक चिकित्सा संघ) के राष्ट्रीय कार्य समूह के सदस्य; आयुष्मान भारत (1-2 मई 2018) के एक भाग के रूप में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ देखभाल के लिए स्वास्थ्य एवं संपूर्ण स्वास्थ्य केन्द्रों के संचालन की राष्ट्रीय सलाह में भाग लिया । आपातकालीन एवं चिकित्सकीय राहत, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की केन्द्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा टीम एवं केरल के पथनमथिता जिले में 3 से 14 सितम्बर 2018 तक बाढ़ के दौरान पदस्थापित; अगरतला आयुर्विज्ञान महाविद्यालय तथा एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग (जनवरी 2019) में आयोजित आरजीआई (भारत के महापंजीयक) पर्यवेक्षक प्रशिक्षण के दौरान एम्स में टेली-मेंटरिग सेवाएं (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय नेटवर्क के एक भाग के रूप में) दी; उत्तर प्रदेश एवं बिहार के आयुर्विज्ञान महाविद्यालयों में (17 फरवरी 2019) एमआईवाईसीएन की सेवाओं में सुधार हेतु एमआईवाईसीएन की सेवा प्रदान प्रोटोकॉल पर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण (टीओटी) में भाग लिया; शिमला में 7 से 10 मार्च 2019 तक आयोजित आईएपीएसएम के 46वें वार्षिक सम्मेलन में शामिल; परिवार कल्याण निदेशालय, दिल्ली सरकार के विद्यालय न जाने वाले किशोरों के लिए डब्ल्यूआईएफएस कार्यक्रम की समीक्षा तथा उड़ान अभियान के शुभारंम पर राज्य स्तरीय बैठक में शामिल (22 मार्च 2019) ।

डॉ. पार्थ हलधर: एनसीडीसी (राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित भारत में हेपेटाइटिस निगरानी हेतु तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य रहे; राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत में एचआईवी स्वयं जांच हेतु गठित तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य।

डॉ. रवनीत कौर एसईटी (कौशल, ई-लर्निंग तथा टेलीमेडिसिन) सुविधा, एम्स की संकाय-सदस्य रहीं तथा कॉपर-टी लगाने पर कौशल मॉड्यूल तैयार किए; आईएपीएसएम-एमआईवाईसीएन राष्ट्रीय कार्य समूह के

मातृ-शिशु एवं बाल पोषण पर बुलेटिन की प्रबंध-सम्पादक रही; इग्नू के व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम हेतु दूरस्थ अधिगम इकाइयां तैयार की तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएमसीएच) के इकाइयों की समीक्षा की; (व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य संघ (एओईएच); इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट हेल्थ, जर्नल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च) पत्रिका की समीक्षक; पोषण अभियान के तरह एमवाईसीएन कार्यक्रमों के सहयोगी पर्यवेक्षण में मेडिकल कॉलेजों को नियुक्त करने के लिए सहयोगी पर्यवेक्षण उपकरणों को अंतिम रूप देने हेतु तीन दिवसीय विचार मंथन कार्यशाला में भाग लिया ।

डॉ. हर्षल रमेश साल्वे: केरल में सितम्बर 2018 में कोट्टायम जिले में बाढ़ के बाद की परिस्थितियों के विश्लेषण हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं एम्स नई दिल्ली की टीम के सदस्य रहे; असंक्रामक रोगों पर वैज्ञानिक सत्र, जो आईपीएचए के 63वें राष्ट्रीय सम्मेलन पर आयोजित किया गया, दिनांक 3 फरवरी 2019 को आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में भाग लिया; आरजीआई, एम्स, नई दिल्ली के द्वारा एमआरएस के लिए मिनवी नेटवर्क के राष्ट्रीय प्रशिक्षक एवं कोर टीम के सदस्य रहे; एनपीसीडीसीएस, भारत के तहत कार्यक्रम प्रबंधन प्रशिक्षण के राष्ट्रीय प्रशिक्षक; एम्स में संस्थान दिवस समारोह 2018 के नोडल संकाय सदस्य; एम्स नई दिल्ली में रोग नियंत्रण एवं प्रकोप प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस छात्रों के कौशल आधारित शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु संसाधन संकाय सदस्य के रूप में एसईटी सुविधा के सदस्य रहे; राष्ट्रीय एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण 2015-2016 के डाटा-विश्लेषण एवं रिपोर्ट लेखन कोर टीम के सदस्य रहे ।

डॉ. राकेश कुमार: यकृत एवं पित्ताशय विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में एसपीएसएस सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके मेडिकल डाटा पर जैवसांख्यिकी एवं अभ्यास के उन्नत तरीकों पर कार्यशाला में "अनुसंधान विधि एवं अध्ययन डिजाइनों की आवश्यकताएं" विषय पर व्याख्यान दिया; इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ के समीक्षक; मास्ट्रिच यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल परिदर्शक के रूप में 31 अक्तूबर को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ का भ्रमण किया; मि. मार्टिन डिल्लों, ट्रस्क्रीन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी; 12 मार्च 2018 को मि. गुओ जिनाक्सिन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सिनोफार्म ग्रुप के प्रतिनिधिमंडल में सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ का दौरा किया; 8 नवम्बर 2018 को मि. मोहम्मद रिडोआनी के नेतृत्व में बेल्जियम प्रतिनिधिमंडल।

9-9 Ropk ,oa jfr t jkx foKku

vkpk;l ,oa v/;{k
विनोद कुमार शर्मा

vkpk;l

नीना खन्ना	कौशल के. वर्मा	एम. रामम
बी. के. खैतान	सुजय खांडपुर	जी. सेथुरमन
	सोमेश गुप्ता	

lgk;d vkpk;l

कनिका साहनी	नीतू भारी	विशाल गुप्ता

f'k{kk

विभाग में 21 जूनियर रेजिडेंट्स और 9 सीनियर रेजीडेंट्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और 4 पीएचडी अभ्यर्थियों को गाइड किया जा रहा है। एमडी (काय–चिकित्सा) और डीएम (संक्रामक रोग) रेजीडेंट्स के लिए 2 सप्ताह का योग्यता आधारित प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इन विभागों में 2 सप्ताह तक त्वचाविज्ञान के रेजीडेंट्स को रोटेशन पर भी तैनात किया जा रहा है।

कर्मिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने आई.ए.एस.एस.टी.डी. एवं एड्स का 42वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया, 11–13 अक्टूबर, 2018, नई दिल्ली।

दीर्घ/अल्पावधि प्रशिक्षण

अल्पावधि प्रशिक्षण : 2018–19 के दौरान विभाग में 4 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रदत्त व्याख्यान :

विनोद के. शर्मा : 11	**नीना खन्ना : 5**	**कौशल के. वर्मा : 8**
एम. रामम : 12	**बिनोद के. खैतान : 8**	**सुजय खाण्डपुर : 12**
जी. सेतुरमन : 5	**सोमेश गुप्ता : 9**	**नीतू भारी : 8**
विशाल गुप्ता : 4		

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एटोपिक डर्मेटाइटिस से व्यस्क रोगियों में बरिसाईटीनिब की सुरक्षा एवं दक्षता के दीर्घावधि मूल्यांकन हेतु एक चरण 3 बहुकेंद्र डबल–ब्लाइंड अध्ययन, वी.के. शर्मा, एली लिल्ली एंड कंपनी, 14.77 लाख रुपये, 1 वर्ष, 2018–19।
2. बालों की वृद्धि पर आटोलोगोस प्लेटलेट–समृद्धि प्लाज्मा का प्रभाव तथा एलोपेसिया ऐरियाटा में लेशनल टी–हेल्पर एवं टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं के अभिव्यक्त मार्करों के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक, अन्वेषक–ब्लाइंड, प्लेसिबो–नियंत्रित, स्पिलट–शीर्ष पायलट अध्ययन, वी.के. शर्मा, आईएडीवीएल, 5.22 लाख रुपये, 1 वर्ष, 2018–19।
3. एलोपेसिया एरीटा के रोगजनन में आनुवंशिक, पश्चजनन सम्बन्धी और प्रतिरक्षा में शामिल घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, वी.के. शर्मा, आई.सी.एम.आर., 5.6 लाख रुपए, 3 वर्ष, 2015–19।
4. लिचेन प्लानस पिगमेंटोसस वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और विटिलिगो और मेल्ज़ामा के साथ इसकी तुलना का माप, वी.के. शर्मा, डीबीटी, आईएडीवीएल, 60 हजार रुपये, 1 वर्ष 2017।

5. पीयूवीए सोल और यूनानी फॉर्मूलेशन यूएनआईएम–004 (मौखिक) और यूएनआईएम–005 (एलए) की क्लिनिकल दक्षता और सुरक्षा तथा विटिलिगो के उपचार में सूर्य की रोशनी की तुलना, नीना खन्ना, सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, 35.47 लाख रुपए, 3 वर्ष, 2015–18।
6. एक चरण 2, बहु केंद्र, यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड, एक्ने वल्गारिस व्यक्तियों में स्कार्रिंग की घटनाओं में कमी का मूल्यांकन करने के लिए बेंजोइल पेरोक्साइड (2.5%/5%), जिंक ऑक्साइड और पोलिसिलोक्सेन्स के संयोजन के साथ बेंजोइल पेरोक्साइड (2.5%/5%) का तुलनात्मक अध्ययन, नीना खन्ना, डॉ. रेड्डी प्रयोगशाला, 10.65 लाख रुपये, 18 महीने, 2017–19।
7. डिजिटल इमेजिस के प्रयोग द्वारा त्वचा रोगों के उपचार हेतु एक कंप्यूटर दृष्टि एलोगरिथम का विकास एम. रामम, डोरीस डयूक फाउंडेशन, 6.95 लाख रुपये, 8 महीने, 2018–19।
8. मध्यम से गंभीर पेम्फिगस वल्गेरिस में रिटुक्सिम्ब इंफ्युजन और डेक्सामेथेसोन सायक्लोफोस्फेमाइड पल्स की दक्षता की तुलना करना, सुजय खाण्डपुर, आई.सी.एम.आर., 29.72 लाख रुपये, 3 वर्ष + 9 माह, 2015–18।
9. मध्यम से गंभीर पुराने प्लाक सोरियसिस और टीएच1, टीएच2, टीएच17 और ट्रेग सेल पैटर्न के साथ संबद्ध प्रतिक्रिया के लिए सबक्यूटेनियस एटानरसेप्ट बनाम मौखिक मेथोट्रेक्सट की प्रभावकारिता की तुलना के लिए संभावित गैर–यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुजय खाण्डपुर, फाइजर फार्मास्युटिकल, 11.61 लाख रुपये, 2 वर्ष, 2016–18।
10. ऑटोसोमल रिसेसिव कांगेनिटल आइक्थायोसिस वाले बच्चों में विटामिन डी एवं एसिटरेटिन के उपचार के लिए ट्रांसक्रिप्टोमिक विश्लेषण का प्रयोग करके जेने एक्सप्रशेन प्रोफाइल के एक चरण II यादृच्छिक नियंत्रित प्रशिक्षण को स्पष्ट करना, जी. सेतुरमन, डीएसटी, 36 लाख रुपये, 3 वर्ष, अक्टूबर 2018 से अक्टूबर 2021।
11. एपिडर्मिस से बाहरी रूट शीथ से निकाले गए बालों के फॉलिक्लस बनाम संवर्धित मेलनो–साइटस से संवर्धित मेलेनोसाइट्स के प्रत्यारोपण का एक डबल–ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण, सोमेश गुप्ता, डीबीटी, 60.27 लाख रुपए, 3 वर्ष, 2017–2020।
12. स्थिर विटिलिगों में गैर–संवर्धित निकाले गए फॉलिक्यूलर बाहरी रूट शीथ सेल निलंबन और पारंपरिक एपिडरमल सेल निलंबन प्रत्यारोपण की क्षमता और सुरक्षा तथा घटक स्टेम सेल आबादी से सहसंबंध, सोमेश गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 10.59 लाख रुपए, 1 वर्ष, 2017–वर्तमान।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रयूटाइटस में क्यू.ओ.एल. की तुलना
2. वार्टस की इम्यूनोथेरेपी
3. कॉस्मेटिक्स डर्मेटाइटिस में पैच टेस्ट
4. सोरियासिस में एस.एन.पी. तथा व्यवहारिक कारकों से सह–संबंध का सामान्य अध्ययन
5. पेम्फिगस में रिटुक्सिमाब–दीर्घ अवधि में परिणाम
6. ओटीए के नेवस में एनडी याग लेजर
7. हाइप्स्ट्रॉफिक पीडब्ल्यूएस में प्लस डाई लेजर
8. उत्तरी भारत के तृतीयक देखभाल वाले अस्पताल में आने वाले त्वचाविज्ञान संक्रमण के रोगियों में उपचार विफलता में योगदान देने संबंधी महामारी कारकों का अध्ययन
9. स्वायत तंत्रिका तंत्र के असंतुलन का आकलन करने के लिए एक विषम अनुभागीय अध्ययन और प्रणालीगत स्कलेरोसिस वाले रोगियों में क्यूटेनियस अभिव्यक्तियों के साथ इसका सहसंबंध
10. एक स्प्लिट फेस यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन में मेलाज्यमा के उपचार में फ्रेक्शनल सीओ2 लेजर से टॉपिकल ट्रिपल संयोजन थेरेपी और केवल टॉपिकल ट्रिपल संयोजन थेरेपी की प्रभाविकता और सुरक्षा का मूल्यांकन
11. विटिलिगों से रोगियों के परिवार के सदस्यों के जीवन स्तर की गुणवत्ता, परिवार विटिलिगों प्रभावित स्तर के साइकोमैट्रिक गुणों का अध्ययन करना
12. क्यूटेनियस दवा की प्रतिक्रिया वाले रोगियों को एक सुरक्षित दवा की सूची प्रदान करने की उपयोगिता के मूल्यांकन का एक अध्ययन
13. डेक्सामेथासोन पेम्फिगस में साइक्लोफॉस्फामाइड पल्स थेरेपी
14. सेगमेंटल विटिलिगो के अलावा अधिग्रहित ब्लैकशो–रेखीय तथा सेगमेंटल त्वचा रोगों का नैदानिक और हिस्टोपैथालॉजिकल विशेषताओं का एक वर्णनात्मक अध्ययन
15. हाइपोपिगमेंटीड एवं डीपिगमेंटीड त्वचा लीजन्स से डर्मेटोस्कॉपिक विशेषताओं के असंतुलन का एक विषम अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन
16. मौखिक पेम्फिगस वल्गरिस के रोगियों में नेनोपार्टिकल में टॉपिकल रिटुक्सिमाब के बढ़ने की दक्षता एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण

17. नीले/काले टेटूस के उपचार में एनडी–याग लेजर के तीन पासों की एकल सीट बनाम तीन सीटों के एकल पास की क्षमता की तुलना में एक स्प्लिट टेटू यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
18. विशेषज्ञों की सहायता के बिना डर्मेटोलॉपिकल रोगों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा संचालित मोबाइल फोन एप्लीकेशन का विकास
19. सामान्य त्वचा रोगों के निदान हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा संचालित मोबाइल फोन एप्लीकेशन के प्रदर्शन की जांच करना
20. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) तथा स्वस्थ कंट्रोल महिलाओं में वेजिनल माइक्रोबॉयोम और मेटाबोलोम का अध्ययन
21. विटिलिगों में ल्यूकोट्रिचिया के रिपिगमेंटेशन में गैर–सवंर्धित निकाले गए बाल कूप की बाहरी रूट शीथ सेल निलंबन गैर–संवर्धित एपिडरमल सेल निलंबन के साथ तुलना करना
22. लिवोसेटिरिजिन अप–डोजिंग बनाम लिवोसेटिरिजिन के संयोजन और क्रोनिक स्पॉनटेनियस एर्टिकारिया में डिस्लोरेटाडाइन रहित लिवोसेटिरिजिन की मानक खुराक की प्रतिक्रिया की तुलना, एक यादृच्छिक ओपन–लेबल परीक्षण
23. पेरिओर्बिटल हाइपरपिग्मेंटेशन के वर्गीकरण में डर्मेटोलॉजिकल अन्वेषणों की उपयोगिता का आकलन, पेरिओर्बिटल हाइपरपिग्मेंटेशन तथा नियंत्रण से रोगियों की क्लिनिकों–अन्वेषणात्मक प्रोफाइल के आकलन का एक अध्ययन

पूर्ण

1. विटिलिगो और त्वचा पिग्मेंटेशन में एम.आई.आर.एन.ए. संकेतों को परिभाषित करना
2. सक्रिय गैर–सेगमेंटल सामान्यीकृत विटिलिगो में फोक्स पी3 प्रोमोटर डीएनए मेथाइलेशन स्तर की भूमिका को स्पष्ट करना
3. आवर्ती त्वचा विज्ञान के उपचार में केवल टेर्बिनाफाइन और टेर्बिनाफाइन के साथ आइसोट्रेरिनोइन के संयोजन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन
4. 2–मर्केप्टो बेंजोथियाजोल की उच्च सामग्री के साथ मर्केप्टो मिश्रण के साथ पैच परीक्षण
5. मेथिलिजो थियाजोलाइन की उच्च सांद्रता के साथ मेथिलक्लोरोआइसोथियाजोलाइन/मेथिलिसोथियाजोलिनोन मिश्रण के साथ पैच परीक्षण
6. रोगियों के परिवार के सदस्यों में विटिलिगों के मनो–वैज्ञानिक प्रभाव को मापने के स्तर का विकास
7. एक अन्वेषक ने सहगामी मध्यम से गंभीर क्रोनिक प्लेक सोरियासिस के साथ सोराटिक गठिया के रोगियों में एडलीमुमेब बायोसिमिलर (एक्सेम्पिशियाः जेडआरसी–3197) की प्रभाविकता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए परीक्षण शुरू कियाः एक ओपन लेबल वाली संभावित पायलेट केस श्रृंखला
8. सोरियासिस के रोगियों में अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी द्वारा लिवर फाइब्रोसिस का आकलन और रेइटर रोग पर दीर्घकालिक मेथोट्रैक्सेट थेरेपी
9. एक स्प्लिट फेस यादृच्छिक अध्ययन, मुहांसे के निशानों में माइक्रोनिडलिंग और फ्रेक्शनल सीओ2 की प्रभाविकता और सुरक्षा की तुलना
10. एक स्प्लिट फेस यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, मुहांसे के बाद होने वाले निशानो में इंट्रालेशनल रेडियो फ्रीक्वेंसी सबसिजन की सहायता से बनाम परंपरागत सबसिजन की प्रभाविकता और सुरक्षा की तुलना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पीपीडी तथा अन्य केमिकल डाइस की पहचान हेतु हर्बल हेयर डाइस का अध्ययन, त्वचारोग विज्ञान विभाग, एम्स, ऋषिकेश
2. कुष्ठ रोगियों में सीडी4 टीसीआर δ की भूमिका का मूल्यांकन करना, जैव रसायन
3. सबक्लीनिकल हाइपोथायरायडिज्म के साथ प्रस्तुत पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में क्लिनिकल, बायोकेमिकल, हार्मोनल और इंसुलिन संवेदनशीलता मानकों के लेवोथायरोक्साइन प्रतिस्थापन में सुधार, एंडोक्राइनोलॉजी
4. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं के बीच विभिन्न चिकित्सीय पद्धतियों की प्रतिक्रिया में प्रसार, श्रेत्रीय फेनोटाइपिक–भिन्नता, कॉमोरबिडिटीज, जोखिम कारक और भिन्नता का मूल्यांकनः पूरे भारत में एक बहुआयामी अध्ययन (आईसीएमआर–पीसीओएस टास्क फोर्स), बहुआयामी अध्ययन
5. शहरी क्षेत्रों में (वित्त पोषित परियोजना) एक जनसंख्या आधारित कुष्ठ पंजीयन (पीबीएलआर) और नये केस पहचान रणनीतियों (एनसीडीएस) द्वारा कुष्ठ रोग को जड़ से खत्म करने का विकास, सहयोगी परियोजना, टीएलएम, शाहदरा
6. बसल सेल कार्सिनोमा और केलोइड्स के उपचार के लिए रेडियोधर्मी त्वचा पैच, नाभिकीय चिकित्सा
7. पेम्फिगस वल्गेरिस के रोगजनन में टी कोशिकाओं और इसके स्कैवेंजर रिसेप्टर का अध्ययन, बायोकैमिस्ट्री
8. पेम्फिगस वल्गेरिस में गामा–डेल्टा टी–कोशिकाओं की भूमिका, बायोकैमिस्ट्री
9. बैक्टीरियल वेजिनोसिस, इसके विफल उपचार, पुनः पतन संवेदनशीलताओं में संभावित मेटाबोलोमिक्स का नैदानिक और/या भावी विश्लेषण और अन्य सैक्सुअली ट्रांसमीटिड इंफेक्शंस की अतिसंवेदनशीलता, एनएमआर एंड एमआरआई सुविधा
10. छोटी गैर–देखने वाली आंखों के साथ सॉकेट में कक्षीय मात्रा में वृद्धि के लिए ऑटोलॉगस वसा स्थानांतरण, नेत्र विज्ञान विभाग

11. बालों की वृद्धि और लेशनल टी–हेल्पर तथा टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं पर ऑटोलॉगस प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा के प्रभाव के मूल्यांकन का एक यादृच्छिक, अन्वेषक–ब्लाइंडिड, प्लेसिबो–नियंत्रित, स्पिलट–शीर्ष पायलेट अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
12. लाइचेन प्लानस पिग्मेंटोसस वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता को मापना तथा विटिलिगों और मेलाज्मा के साथ इसकी तुलना, मनोरोगचिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 49 सार : 2 पुस्तक में अध्याय : 14 पुस्तक : 1

रोगी उपचार

विभाग में दो आइसोलेशन कमरे सहित 29 बेड वाला वार्ड है। अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक लंबे समय के लिए भर्ती की कुल संख्या 724 थी और कुल लघु भर्ती 2182 थे। ओपीडी में दोपहर में जनरल डर्मेटोलॉजी रोगियों (पहली छमाही में) और दोपहर के बाद विशेष क्लीनिक (एसटीडी, कुष्ठ रोग, त्वचा रोग, पिग्मेंटेशन, एलर्जी, बाल चिकित्सा, त्वचारोग विज्ञान, फोटोत्वचारोग विज्ञान) और लेजर (डायोड, कार्बन डाइऑक्साइड, एनडीवाईएजी लेजर, पल्स डाई लेजर) दोनों को पूरा किया जाता है। नई विशेषता साइड लैब प्रसंस्करण और डर्मेटोसर्जरी प्रसंस्करण सुबह और दोपहर दोनों समय में आयोजित किए जाते हैं। जनगणना के अनुसार, बाह्य रोगी विभाग में 34,729 नए मामलों को लिया गया था और पुराने रोगियों की कुल संख्या 28,908 थी। एक सीनियर रेजीडेंट सप्ताह में एक बार त्वचा ओपीडी के लिए बल्लभगढ़ जाते हैं और विभाग ने सप्ताह में एक बार झज्जर में सामुदायिक त्वचाविज्ञान ओपीडी सेवाएं शुरू की हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर विनोद के. शर्मा ने जनवरी 2018 में आईएडीवीएल, कोच्चि, का शिक्षण, अनुसंधान और सहयोग कार्य में उपलब्धि के लिए आईएडीवीएल का सर्वोच्च पुरस्कार के.सी. कंधारी फाउंडेशन पुरस्कार प्राप्त किया, संपादकीय बोर्ड–अमेरिकन कॉन्टेक्ट डर्मेटाइटिस सोसाइटी की डर्मेटाइटिस आधिकारिक पत्रिका; संपादकीय बोर्ड–इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डरमेटोलॉजी–इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डरमेटोलॉजी की आधिकारिक पत्रिका यूएसए; यौन संचारित रोगों और एड्स के तीसरे संस्करण आईएएसएसटीडी और एड्स की आधिकारिक पाठ्यपुस्तक के नामित संपादक; इंटरनेशनल ऑब्जर्वर, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर, अमेरिकन एकेडमी ऑफ डरमेटोलॉजी; ढाका, बांग्लादेश में बांग्लादेश कॉलेज ऑफ फिजीशियन एंड सर्जन (एफसीपीएस) के लिए अंतिम अध्येतावृत्ति परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रुप में काम किया; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी में संकाय के साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ के रुप में काम किया; अध्यक्ष, गठन समिति–इंडियन एसोसिएशन ऑफ स्किन स्पेशलिस्ट एंड वेनेरोलॉजिस्ट, डीएसबी; नेशनल चेयरमैन ऑफ एजुकेशन टास्क फोर्स–इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट एंड वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट; अध्यक्षता सत्र, एप्रोच टू मैनेजमेंट ऑफ क्रोनिक एर्टिकारिया, दूसरा क्यूटीकोन जम्मू एवं कश्मीर–2018, 26–27 अक्टूबर, 2018, जम्मू; अध्यक्षता सत्र, एलोपेसिया ऐराटा; चैलोजिस एंड टिप्स इन मैनेजमेंट, क्यूटीकोन 2018, 6–7 अक्टूबर, 2018 कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश; विश्व संबंधी–नॉन–वायरल एसटीआईएस में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के सत्र की अध्यक्षता की, एस्टीकोन 2018, 11–13 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली; डर्मेटो इम्यूनोलॉजी के इंटरनेशनल कांग्रेस में साइक्लोस्पोरिन के सत्र की अध्यक्षता की, 24–26 दिसम्बर, 2018 विजाग, विशाखापटनम; डर्मेटो इम्यूनोलॉजी के इंटरनेशनल कांग्रेस कांटेक्ट डर्मेटाइटिस टची अफेयर के सत्र की अध्यक्षता की, 24–26 दिसम्बर, 2018, विजाग विशाखापटनम; ढ़ाका बांग्लादेश में 17–18 जुलाई, 2018 को बांग्लादेश कॉलेज ऑफ फिजीशियन एंड सर्जन (एफसीपीसी भाग–II क्लीनिकल एंड वीवा वोक) के लिए अंतिम अध्येतावृति परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ; पेरिस, फ्रांस में 12–16 सितम्बर, 2018 को यूरोपियन अकेदमी के डरमेटोलॉजी एंड वेनेरोलॉजी वार्षिक बैठक के आईएसडी प्रतियोगिताओं में भाग लिया; वाशिंगटन डीसी, यूएसए में 1–4 मार्च, 2019 को डरमेटोलॉजी की अमेरिकन अकेदमी के वार्षिक सम्मेलन, में संपादकीय बोर्ड कार्यकारी समिति– डरमेटोलॉजी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर आईएसडी।

प्रोफेसर कौशल के. वर्मा इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सैक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस–एशिया प्रशांत (आईयूएसटीआई–एपी) क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष बने; न्यूजीलैंड के आकलैंड में इंटरनेशनल युनियन अंगेस्ट सैक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस–एशिया प्रशांत (आईयूएसटीआई–एपी) तथा न्यूजीलैंड सैक्सुअल हेल्थ सोसायटी (एनएसएचएस) का संयुक्त सम्मेलन और उद्घाटन समारोह पर मुख्य स्वागत भाषण दिया; न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आईयूएसटीआई–एपी और एनएसएचएस के ''डिस्सेक्टिंग एसटीआई ट्रांसमिशन यूसिंग जीनोमिक्स'', ''विश्व और क्षेत्रीय एपिडिमियोलॉजी के सायफिल्स'' और ''सैक्सुअल हैल्थ प्रोग्राम और अभ्यास में नवाचार के लिए मनोरंजक गतिविधि'' पर एक पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की; न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में कार्यकारी समिति की बैठक और पदाधिकारियों की इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सैक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस–एशिया प्रशांत क्षेत्र (आईयूएसटीआई–एपी) की सामान्य सभा की अध्यक्षता इसके क्षेत्रीय अध्यक्ष के रुप में की; न्यूजीलैंड के ऑकलैंड विश्वविद्यालय के लेजर केंद्र में लेजर पर व्याख्यान और प्रशिक्षण युक्तियां देने के लिए आमंत्रित किया; क्रोएशिया के जगरेब में 28 मार्च, 2019 को हुई इंटरनेशनल कांटेक्ट डरमेटोलॉजी रिसर्च ग्रुप (आईसीडीआरजी) बोर्ड बैठक में भाग लिया; 24–30 सितम्बर, 2018 को लद्दाख में हुए कम्यूनिटी सर्विस हैल्थ केयर प्रोग्राम में योगदान दिया; प्रसार भारती के डीडी नेशनल पर 19 मई, 2018 के ''हैल्थ शो'' लाइव शो में एक विशेषज्ञ के रुप में भाग लिया; बिहार, पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के त्वचा और वीडी विभाग में सहायक

आचार्यों के चयन के लिए स्थायी चयन समिति की बैठक के विशेषज्ञ; विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विभाग (डीएसटी), विज्ञान प्रसार के लाइव शो ''डीडी साइंस'' चैनल पर ''सेफ एंड हैप्पी होली'' के एक शो में एक विशेषज्ञ के रुप में भाग लिया; प्रसार भारती के डीडी नेशनल चैनल पर 20–03–2019 को ''गुड इवनिंग इंडिया'' शो में फोन द्वारा एक विशेषज्ञ के रुप में भाग लिया।

प्रोफेसर एम. रामम डरमेटोपाथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष थे; एशियन सोसायटी ऑफ डरमेटोपाथोलॉजी के उप–अध्यक्ष; डरमेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी और लेपरोलॉजी की भारतीय पत्रिका के सेवामुक्त संपादक; लोकपाल, इंडियन डरमेटोलॉजी ऑनलाइन पत्रिका; क्यूटेनियस पाथोलॉजी की पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; सैन फ्रांसिस्को के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अतिथि प्रोफेसर।

प्रोफेसर विनोद के. खैतान श्रीलंका में 15–18 अगस्त, 2018 को श्रीलंका के डरमेटोलॉजिस्ट महाविद्यालय के पिग्मेंट सेल रिसर्च और 26वें वार्षिक शैक्षिक सत्रों के लिए एशियन सोसायटी के 9वें सम्मेलन, एएसपीसीआर–एसएलसीडी 2018 के वन प्लेनरी सेशन में सभाध्यक्ष थे।

प्रोफेसर सुजय खांडपुर को डरमेटोलॉजिस्ट के क्षेत्र में समग्र योगदान हेतु आईएडीवीएल की दिल्ली शाखा द्वारा ''डॉ. के.सी. कंधारी मेमोरियल अवार्ड'', 2018 से सम्मनित किया गया; माई पेपर ''एंजियोमा लाइक कार्सिनोमा टेलांजिक्टायोड्सः ब्रेस्ट कैंसर मेटास्टिक का एक असमान्य प्रदर्शन'' को आईजेडीवीएल, 2018 में संपादक को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया; आईएडीवीएल दिल्ली शाखा के निर्वाचित अध्यक्ष चुने गए; डरमेटोपाथोलॉजी की आईएडीवीएल पाठ्यपुस्तक के सहायक संपादक के रुप में चुने गए; सचिव, डरमेटोपाथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया, 2018–19; सदस्य, डरमेटोपाथोलॉजी के स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप, आईएडीवीएल।

प्रोफेसर जी. सेतुरमन ने निम्नलिखित शोधों के लिए एम्स रिसर्च एक्सिलेंस अवार्ड 2018 प्राप्त कियाः येनामंतरा वी.के., मोस सी, खान एम, सिवासुब्बु एस, सेतुरमन जी। एपिडरमोलिसिस बुल्लोसा के निरूपक के लिए एक क्लीनिकल डायग्नोस्टिक मेट्रिक्स का विकास। बीआर जे डर्माटोल 2017 1624–1632; के पेडियाट्रिक डरमेटोलॉजी के लिए इंटरनेशनल सोसायटी के सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

डॉ. नीतू भारी एम्स, नई दिल्ली के 11–13 अक्टूबर, 2018 के आईएएसएसटीडी और एड्स के 42वें राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन की सचिव थी, डरमेटोलॉजी, वेनेरियालॉजी ओर लेप्रोलॉजी की भारतीय पत्रिका की सहायक संपादक; डीईबीआरए, चीले द्वारा वित्तपोषित, चीले, सेंटियागो में एपिडरमोलाइसिस बुल्लोसा में दो–सप्ताह की प्रेक्षकता; प्रसार भारती के डीडी नेशनल चैनल पर 18–03–2019 को ''गुड इवनिंग इंडिया'' लाइव शो में एक विशेषज्ञ के रुप में भाग लिया; डरमेटोपाथोलॉजी की आईएडीवीएल की पाठ्यपुस्तक के सहायक संपादक के रुप में चुनी गई।

9-10 vkikr fpfdRlk

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रवीण अग्रवाल

आचार्य

एल.आर. मुरमू

संजीव कुमार भोई

सहायक आचार्य

नेयर जमशेद

मीरा इक्का

प्रकाश रंजन मिश्रा (संविदा पर)

तेज प्रकाश

अक्षय कुमार

रितिन मोहिंद्रा (संविदा पर)

विशिष्टताएं

आपात चिकित्सा विभाग विभिन्न प्रकार की चिकित्सा, बाल रोग और गैर अभिघात शल्य चिकित्सा और अभिघात आपातकालीन स्थितियों के रोगियों को हर समय, समग्र, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन उपचार प्रदान करने में अग्रणी रहा है। वर्ष 2018-2019 में लगभग 1,45,000 रोगियों का विभाग में आगमन हुआ। जुलाई 2012 से, विभाग आपातकालीन चिकित्सा की विशेषज्ञता में अपने स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विभागीय संकाय भी अन्य विभागों (काय-चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, जरा-चिकित्सा और अन्य) के स्नातकोत्तर, स्नातकपूर्व छात्रों नर्सिंग छात्रों और जीवनरक्षा पाठ्यक्रम सहित आपातकालीन चिकित्सा के क्षेत्र में पराचिकित्सा का प्रशिक्षण और अध्यापन भी करता है। विभाग आपातकालीन चिकित्सा विशिष्टता में अन्य महाविद्यालयों और अस्पतालों से वर्तमान और भविष्य के संकाय को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

विभाग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में जिला अस्पतालों में जलने के मामलों और आघात के साथ-साथ आपातकालीन विभाग के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा के लिए दिशा-निर्देश विकसित करने में शामिल है। दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, डब्ल्यूएचओ के सहयोग से, विभाग सड़क सुरक्षा, चोट के उपचार पर दिशानिर्देश तैयार करने के साथ-साथ भारत में आपातकालीन और आघात देखभाल के एकीकरण में भी शामिल है। एम्स गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत, आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने रोगी देखभाल और परिणाम को बेहतर बनाने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। इससे रोगियों की संख्या कम रहने का भी परिणाम सामने आया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विभाग ने डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स प्रशिक्षण के उद्देश्य से यूएसए से कई विश्वविद्यालयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया है। इनमें से कुछ विश्वविद्यालयों में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा और एसयूएनवाई डाउनस्टेट न्यूयॉर्क शामिल है।

शिक्षा

विभागीय संकाय ने विभाग में तैनात स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए जीवन सहायक पाठ्यक्रमों का आयोजन किया। यह संस्थान के अलावा अन्य कॉलेजों के स्नातकोत्तर

छात्रों हेतु एम्स आपात ईसीजी तथा तीव्र अनुक्रम नालिका प्रवेशन पाठ्यक्रम भी संचालित कर चुका है। आपात चिकित्सा के रेजीडेंट्स के लिए शैक्षिक गतिविधियों के कार्यक्रम (सेमिनार, जर्नल क्लब, केस पर चर्चा) सप्ताह में एक बार 6 घंटे चलाए जाते हैं। रोगियों की आपातकालीन देखभाल में अल्ट्रासाउंड के उपयोग पर रेजीडेंटों को शिक्षा और कौशल प्रदान किया जाता हैं। रेजीडेंटों को सिमुलेशन आधारित अध्यापन (दोनों टेबल-टॉप तथा हाई-फाइडिलिटि सिमुलेटर) और प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा विभागीय संकाय द्वारा व्याख्यान और सेमिनार के माध्यम से स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रबोधक शिक्षा प्रदान की गई थी।

विभाग द्वारा अन्य देशों के तीन स्नातक-पूर्व विद्यार्थियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

आयोजित सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशालाएं

1. 3 अप्रैल 2018, एसईएआर, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली में आपात नर्सिंग के गोलमेज बैठक प्रचार का समापन समारोह।
2. 2-4 अप्रैल 2018, एसईएआर, एम्स, नई दिल्ली में आपात नर्सिंग प्रचार हेतु प्रारंभिक बैठक।
3. मैडवर्क 2018 सम्मेलन, रोहेलखण्ड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, 7-8 अप्रैल 2018, बरेली, उत्तर प्रदेश।
4. व्यापक जीवन रक्षा पाठ्यक्रम, जेपीएन एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 12 अप्रैल 2018, नई दिल्ली।
5. आपातकाल चिकित्सा सोनोग्राफी ईएमएसओएनओ पाठ्यक्रम, जेआईपीएमईआर, 14-15 अप्रैल 2018, पुद्दुचेरी।
6. टेक्टिकल कमबैट कैजुअल्टी केयर पाठ्यक्रम, जेपीएन एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 18 अप्रैल 2018, नई दिल्ली।
7. परामर्श संपर्क मनोविकार-चिकित्सा पर राष्ट्रीय सीएमई में “आपातकाल विभाग में उत्तेजित रोगियों का उपचार” विषय पर कार्यशाला, एम्स, अप्रैल 2018, नई दिल्ली ।
8. ट्रामा प्रबंधन तथा क्षति रोकथाम पर विचार गोष्ठी, जेपीएन एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 20 से 21 अप्रैल 2018, नई दिल्ली।
9. ईएम-पीयूएलएमओसीओएन-2018, आईजीएमसी, 28-29 अप्रैल 2018, शिमला।
10. टैक्टिकल कमबैट केजुअल्टी केयर पाठ्यक्रम, जी.पी.एन. एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 11 मई 2018, नई दिल्ली।
11. टैक्टिकल कमबैट केजुअल्टी केयर पाठ्यक्रम, जी.पी.एन. एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 9 जून 2018, नई दिल्ली।
12. अनुदेशकों की नर्सिंग पर प्रशिक्षक तथा नेतृत्व की बैठक, जेपीएन एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 13 जून 2018, नई दिल्ली।
13. टैक्टिकल कमबैट, सेमिनार कक्ष, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 16 जुलाई 2018, नई दिल्ली

14. ट्राएज प्रोटोकॉल पर कार्यशाला, जेपीएन एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 22 जून 2018, नई दिल्ली
15. नर्सों के लिए बेसिक ईसीजी, जेपीएन एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 23 जून 2018, नई दिल्ली
16. मूलभूत जीवन रक्षा, जेपीएन एपेक्स ट्रामा केन्द्र, एम्स, 9 जुलाई 2018, नई दिल्ली
17. ईएमइंडिया 2018, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 21-22 जुलाई 2018, वाराणसी, उ.प्र.
18. नर्सों हेतु मूलभूत ईसीजी, नया आपातकालीन, एम्स, 25 जुलाई 2018, नई दिल्ली
19. ट्रामा पाठ्यक्रम में प्राथमिक चिकित्सा, सेमिनार कक्ष, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 30 जुलाई 2018, नई दिल्ली
20. टीएचआईएचएमएस मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन-भाषण समारोह, टीएचआईएचएमएस, 1 अगस्त 2018, अरूणाचल प्रदेश
21. आपात चिकित्सा (विभाग वर्ग), एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 4 अगस्त 2018, नई दिल्ली
22. सीआरपीएफ हेतु बीईसीसी/बीएलएस प्रशिक्षण, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 8-9 अगस्त 2018, नई दिल्ली
23. ईएम सोनो, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 10-11 अगस्त 2018, नई दिल्ली
24. आपातकालीन तथा ट्रॉमा उपचार पद्धति को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ने हेतु क्षेत्रीय नीति पर बैठक, फुकेट, 23-25 अगस्त 2018, थाइलैण्ड
25. उन्नत अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा जीवन रक्षा, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 14-15 सितम्बर 2018, नई दिल्ली।
26. मूलभूत आपात सुविधा पाठ्यक्रम, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 20 सितम्बर 2018, नई दिल्ली
27. भारतीय संगठित शैक्षणिक चिकित्सा संघ का राष्ट्रीय वैधानिक सम्मलेन, एम्स, 23 सितम्बर 2018, नई दिल्ली
28. ट्रामा पाठ्यक्रम में प्राथमिक चिकित्सा, सेमिनार कक्ष, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 27 सितम्बर 2018, नई दिल्ली
29. रेडियोलॉजी आपातकाल पर कार्यशाला, सेमिनार कक्ष, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 15-17 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
30. मूलभूत आपातकालीन चिकित्सा पाठ्यक्रम, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 25 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
31. बीआरओ हेतु व्यापक जीवन रक्षा पाठ्यक्रम, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 26 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
32. पीएचयूकेईटी प्रतिबद्धता के कार्यन्वयन के समर्थन में सड़क सुरक्षा तथा क्षति रोकथाम हेतु कार्यक्रम प्रबंधकों की बैठक, काठमांडू नेपाल, 12-14 नवंबर 2018, नेपाल
33. प्रबंधक पाठ्यक्रम राजस्थान क्षमता निर्माण कार्यक्रम, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 16-18 नवम्बर 2018, नई दिल्ली
34. के.रि.पु.ब. हेतु मूलभूत आपातकालीन चिकित्सा पाठ्यक्रम, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 22

नवंबर 2018, नई दिल्ली

35. राजस्थान के चिकित्सकों हेतु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 26 नवंबर 2018, नई दिल्ली
36. आपातकालीन चिकित्सा की वैश्विक शैक्षणिक कांग्रेस, 30 अक्टूबर से 4 नवंबर 2018, दोहा, कतर
37. के.रि.पु.ब. हेतु मूलभूत आपातकालीन चिकित्सा पाठ्यक्रम, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 13 दिसम्बर 2018, नई दिल्ली
38. मूलभूत ईसीजी पर कार्यशाला, एटीएसएसएफ, जेपीएनए ट्रामा केन्द्र, 19 दिसम्बर 2018, नई दिल्ली
39. कैडेवेरिक एडवांस्ड अल्ट्रासाउंड गाइडेड प्रीऑपरेटिव एन्ड रीजनल ऐनेस्थिसिया कार्यशाला, नई दिल्ली, 11-13 जनवरी 2019, नई दिल्ली
40. एमईडीआईएनएसपीआईआरई 2019 सम्मेलन में एयूटीएलएस पाठ्यक्रम, डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, 14 फरवरी 2019, मुंबई
41. चौथा नेशनल इमरजेन्सी मेडिसिन बोर्ड रिव्यू ऑफ इंडिया कोर्स (एनईएमबीआरआईसी), राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, 16-20 फरवरी 2019, नई दिल्ली
42. सिमुलस 4, एम्स, 3 मार्च 2019, नई दिल्ली
43. स्वास्थ्य तंत्रिका विज्ञान में तकनीक पर कम लागत वाले प्रयोग पर प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा कार्यशाला, 28-31 मार्च 2019, गोवा
44. सड़क सुरक्षा पर राष्ट्रीय निर्माण कार्यशाला, काठमांडू, नेपाल, 21-22 मार्च 2019, नेपाल
45. पेडीएसटीएआरएस शेपिंग दा सेफ्टी कल्चर का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, एम्स, 27 फरवरी - 3 मार्च 2019, नई दिल्ली
46. केडेवरिक एडवांस्ड अल्ट्रासाउण्ड गाइडेड प्रीऑपरेटिव एण्ड रीजनल ऐनेस्थीसिया कार्यशाला, नई दिल्ली, 11-13 जनवरी 2019, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

प्रवीण अग्रवाल : 7 **नेयर जमशेद : 4** **मीरा इक्का : 6**

अक्षय कुमार : 17 **प्रकाश मिश्रा : 7**

प्रस्तुत किये गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में द्वितीय एवं तृतीयक उपचार केन्द्रों में आपातकाल एवं क्षति सुरक्षा की वर्तमान स्थिति पर एक राष्ट्रीय स्तर का आकलन, संजीव भोई, नीति आयोग, 6 माह, 2018-2018, रुपए 60 लाख ।
2. आपातकालीन विभाग में उपस्थित तीव्र अभिघाती घाव से ग्रसित रोगियों में हीमोस्टासिस प्राप्त

करने में चितोसन की क्षमता का अध्ययन, संजीव भोई, डीआरडीओ, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपए 55 लाख ।

3. कोशिकीय संकेतक पथ के जीन अभिव्यक्ति उत्प्रेरण की भूमिका और ट्रॉमा हैमोरेजिक शॉक में नैदानिक परिणाम से इसके सहसम्बन्ध का अध्ययन करना। संजीव भोई, आई.सी.एम.आर., 1 वर्ष, 2018-2019, रुपए 66 लाख।
4. ट्रामा हीमोरैजिक आघात में हीमैटोपोइटिक प्रजनक कोशिकाओं तथा जी-सीएसएफ के प्रारूप का अध्ययन, संजीव भोई, आईसीएमआर (आरए फेलोशिप), 1 वर्ष, 2018-2019
5. जलन के डाईरेगुलेशन पर एल्कोहल का प्रभाव तथा ट्रामा हीमोरैजिक आघात के रोगियों को स्वास्थ्य लाभ, तेज प्रकाश, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2019, रुपए 9.5 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. लाल रक्त कोशिका के अनुरेखण तथा प्रबंधन सूची हेतु बायोलॉग-आईडी सोल्यूशन (एक आरएफआईडी आधारित व्यवस्था) का मूल्यांकन ।
2. हृद्य के रास्ते पर आधारित अल्प-जोखिम समूह के रूप में वर्गीकृत छाती में तेज दर्द की शुरूआत से ग्रसित रोगियों में आपातकाल विभाग द्वारा प्रस्तुतिकरण के 30 दिनों के भीतर बृहत् प्रतिकूल हृद्य घटनाओं के जोखिम पर अध्ययन करना।
3. यूएसजी द्वारा निर्देशित राइल्स ट्यूब का निवेशन तथा पुष्टीकरण।
4. आपातकाल विभाग में हृदयघात वाले रोगियों में प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउण्ड की भूमिका ।
5. सीओपीडी बंडल का क्रियान्वन करके आपात विभाग में क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मनरी डिसीज़ (सीओपीडी) के दीर्घकालिक प्रकोपन के परिणाम तथा प्रबंधन में सुधार का निर्धारण करना ।
6. आपात विभाग में आने वाले रोगियों में दीर्घकालिक गुर्दा रोग से सम्बन्धित चिकित्सीय प्रोफाइल तथा जटिलताओं के पैटर्न का अध्ययन करना।
7. नियंत्रित समूह के मुकाबले बढे हुए इन्ट्राक्रेनियल दबाव के बाल रोगियों में अल्ट्रासाऊंड द्वारा ऑपटिक तंत्रिका शीथ के व्यास का निर्धारण करना।
8. आपात व्यवस्था में दीर्घकालिक छाती के दर्द से ग्रसित रोगियों में ट्रिपल रूल आउट ड्यूअल एनर्जी की भूमिका।
9. एसटी उन्न्यन मायोकर्डियल रोग गलन के रोगियों में रिपरफ्यूज़न समय की संभावना को कम करना : आपात चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में गुणवत्ता उन्नयन अध्ययन
10. आपात विभाग में आये दीर्घकालिक ऊपरी जठरांत्र रक्तस्त्राव के रोगियों में एक सप्ताह के परिणाम का पूर्वानुमान लगाने हेतु तीन स्कोरिंग प्रणाली (एआईएमएस 65, प्री-इंडोस्कोपिक रॉकल, ग्लासगो ब्लॉचफोर्ड) की तुलना
11. आपात विभाग में बाहरी हाथ तथा पैर की चोटों के मूल्यांकन में वाटर-बाथ अल्ट्रासाउंड तकनीक
12. आपात विभाग में वातरोगग्रस्त हृदय रोग के रोगियों की चिकित्सीय प्रोफाइल

13. आपात चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में कार्डियोपल्मनरी पुनर्जीवन प्राप्त करने वाले रोगियों में परिणाम।
14. आपात विभाग के संदिग्ध संक्रमण से ग्रसित रोगियों पर क्यू-एसओएफए का 7 तथा 30 दिनों की मत्युदर की बतौर पूर्वानुमानक गणना।
15. हृदयघात के रोगियों में परिणाम के अनुमान हेतु जैवरासायनिक संकेतक
16. आपात विभाग में परिवर्तित संवेदना क्षेत्र के रोगियों के आंकलन हेतु फुल आउट लाइन ऑफ अनरिस्पान्सिवनेस (फोर) गणना की ग्लासगो कोमा स्केल (जीसीएस) से तुलना
17. सेप्सिस के रोगियों में ब्लड़ कल्चर सुनिश्चित करना तथा एंटीबायोटिक की पहली खुराक देने के समय को घटाना : आपात चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में गुणवत्ता सुधार अध्ययन
18. ब्लंट ट्रामा चेस्ट के रोगियों में प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाऊंड की नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन करना ।
19. सी टी स्कैन के मुकाबले मैक्सिलोफ्रैक्चर की पहचान हेतु प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाऊंड की नैदानिक विशेषताओं का मूल्यांकन
20. आपात विभाग में लेवल 1 ट्रामा केन्द्र पर गंभीर रूप से चोटिल ट्रामा रोगियों में ट्रांसफ्यूज़न कार्यप्रणाली पर अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
21. ब्लू प्रोटोकॉल का प्रयोग करके तीव्र डाइस्पनिया के हेतुविज्ञान को सही ढंग से खोजने हेतु आपात चिकित्सा रेजीडेंट्स की प्रभावकता।
22. आपात चिकित्सा विभाग में आपात एयरवें प्रबंधन के इच्छुक रोगियों की चिकित्सीय प्रोफाइल
23. सीरम चिमेस स्तर का डेंगू गंभीरता के एक आरम्भिक पूर्वानुमानक के रूप में मूल्यांकन
24. दीर्घकालिक पैनक्रियाटाइटिस में सामान्यत: प्रयोग किए गए स्टोर (एपीएसीएचई II, सीटीएसआई तथा बीआईएसएपी) की तुलना में न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात की उपचारात्मक विशेषताओं का मूल्यांकन
25. हृदयघात के रोगियों में परिणाम के अनुमान हेतु जैवरासायनिक संकेतक
26. मृत्युदर के संदर्भ में एम्स की ट्राएज प्रोटोकॉल का मूल्यांकन तथा मूल्य निर्धारण
27. परिवर्तित मानसिक स्थिति वाले रोगियों का नैदानिक परीक्षण बनाम प्यूपिलरी माप तथा प्यूपिलरी रिफलैक्स का यूएसजी द्वारा दिशा-निर्देशित वस्तुनिष्ठ आरंभिक मूल्यांकन की संभाव्यता।

पूर्ण

1. आपातकालीन विभाग में कार्यस्थल पर हिंसा का अवबोधन
2. स्वभाविक बैक्टीरिया पैरीटोनाइटिस के उपचार निर्माण यूरीनरी मल्टीस्टिक 10 एसजी ल्यूकोसाइट एसटीरेस रीजेंट स्ट्रीप टेस्ट शुद्धता
3. आपातकाल विभाग में आये अविभेदित परिवर्तित स्तर की चेतना के रोगियों में यूरीनरी टोक्सीकोलॉजी स्क्रीन की उपयोगिता
4. आपातकाल विभाग में गंभीर विषाक्तता वाले मामलों की प्रोफाइल

प्रकाशन

पत्रिका : 7

रोगी उपचार

1. आपातकालीन उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या

कुल नए रोगी	**कुल पुराने रोगी**	**कुल रोगी**
1,03,455	46,083	1,49,538

2. प्वाइंट ऑफ केयर टेंस्टिंग प्रयोगशाला (पीओसीटी) डाटा

जांच का प्रकार	**की गईं कुल जांचे**	**कुल योग**
कंपलीट ब्लड काउंट	1,01,903	
क्वांटिटेटिव ट्रोपोनिन I	10,031	
ब्लड गैस एनिलिसिस	91,754	2,07,376
बीएनपी तथा एनटी प्रोबीएनजी	1,263	
डी डाइमर	774	
यूरिन टॉक्स स्क्रीन	651	
पीटी / आईएनआर	800	
प्रोकाल्सीटोनिन	200	

3. ***आपातकालीन ओ टी में की गई प्रक्रियाएं***

प्रक्रिया का नाम	**कुल संख्या**
ट्रैकियोस्टोमी	233

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

हमारे स्नातकोत्तर छात्र, डॉ. ब्रून्डा ने वर्ल्ड ऐकेडमिक कांग्रेस ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन (डब्ल्यूएसीईएम) 2018 के दौरान हज्जर ऑडिटोरियम, हमाद जनरल हॉस्पिटल, दोहा, कतर में आयोजित सीपीसी प्रतियोगिता में क्लीनिको-पैथोलोजिकल केस (सीपीसी) प्रस्तुतिकरण में प्रथम पुरस्कार जीता।

प्रो. प्रवीण अग्रवाल जर्नल ऑफ इमरजेंसीज़, ट्रामा एण्ड शॉक, पबमेड में सम्मिलित एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका के मुख्य संपादक बने। वे फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के लिए केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन और इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के एकल समीक्षा पैनल के नामित सदस्य, सदस्य-वैज्ञानिक निकाय, इंडियन फार्माकोपिया कमीशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पदों पर बने रहे। उन्हें ऐकेडमिक कॉलेज ऑफ इमरजेंसी एक्सपर्ट्स इन इंडिया में उपाध्यक्ष तथा

ऑर्गनाइज़्ड मेडिसिन ऐकेडिमिक गिल्ड ऑफ इंडिया, जो भारत में आयुर्विज्ञान के महत्वपूर्ण संगठनों तथा समुदायों का एक गिल्ड है जिसका उद्देश्य रोगी उपचार, शिक्षा तथा अनुसंधान में राष्ट्रीय नीतियों का निर्माण करना है, के संयुक्त सचिव चुने गए।

प्रो. संजीव कुमार भोई को दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सेन्टर इन इमरजेंसी एण्ड ट्रामा का प्रमुख नमित किया गया जो जेपीएनए ट्रामा केन्द्र में स्थित है। इन्होंने आपात चिकित्सा में बहुत से स्वदेशी पाठ्यक्रमों की रूपरेखा बनाई तथा इन पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम निदेशक हैं तथा इन पाठ्यक्रमों में विभिन्न विषय पढ़ाते हैं।

डॉ. जमशेद नेयर विभाग के ट्राइएज और स्क्रीनिंग क्षेत्र के सुधार में शामिल थे। वे उच्च-निष्ठा सिमुलेटर का उपयोग कर रेजीडेंट को प्रशिक्षित करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वे स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम के प्रभारी है जिसमें साप्ताहिक सेमिनार, जर्नल क्लब, टिंटिनेल्ली की पाठ्य पुस्तक आधारित सामयिक चर्चा, साक्ष्य आधारित दवा और नैदानिक मामले पर चर्चा में शामिल हैं। रोगियों तथा उनके सम्बन्धियों से लगातार बातचीत करके आपातकाल विभाग में हिंसा की रोकथाम में सक्रिय रूप से शामिल रहे। वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए आपातकालीन एम्बुलेंस सेवाओं के लिए दिशा-निर्देश निर्माण में शामिल रहे। वे एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम संशोधन हेतु विभाग के नोड़ल अधिकारी हैं।

डॉ. तेज प्रकाश आपात चिकित्सा में स्वदेशी रूप से डिजाइन किये गए विभिन्न पाठ्यक्रमों को समन्वित कर चुके हैं तथा इनमें बहुत से पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम निदेशक हैं। इन पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत वे बहुत से विषय पढाते हैं। वे स्नातकोत्तर छात्रों को ट्रामा केयर, आपातकालीन समय में सोनोग्राफी के साथ-साथ शवों का इस्तेमाल कर कौशल विकास प्रशिक्षण देने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

डॉ. मीरा इक्का कई पत्रिकाओं की समीक्षक हैं तथा एनल्स ऑफ क्लीनिकल केस स्टडीज़ के संपादक मंडल में हैं। इन्होंने सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली में "बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन" विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन्होंने एसईटी संकाय, कौशल प्रयोगशाला में एमबीबीएस छात्रों के लिए "नीडिल डीकंप्रेशन इन न्यूमोथेरेक्स" पर कौशल अधिगम हेतु नवीन कौशल मोड्यूल विकसित किया तथा एमबीबीएस छात्रों की शिक्षण तथा मूल्यांकन प्रभारी हैं। ये आपात चिकित्सा विभाग हेतु भंडार, संकाय प्रभारी हैं। ये विभाग में ट्राएज एवं स्क्रीनिंग ओपीडी की शुरूआत करने में शामिल हैं।

डॉ. अक्षय कुमार ने आपातकालीन विभाग में समय पर तथा कुशल रोगी उपचार को कारगर बनाने हेतु विभिन्न विचारों में बदलाव का परीक्षण करने के पश्चात विभाग में कई गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं का नेतृत्व किया। इन्होंने विभाग के ऐकेडमिक तथा नॉन ऐकेडमिक रेजिडेंट्स के लिए कई उच्च तथा निम्न निष्ठा सिमुलेशन तथा व्यवहारिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन्होंने विभाग में पराचिकित्सा कर्मचारी, ट्राली ब्वायज़ तथा सुरक्षा कर्मियों के लिए विभिन्न फर्स्ट रिस्पोंडर कोर्स चलाए। इन्होंने एम्स, नई दिल्ली में आयुर्विज्ञान शिक्षा पर संकाय विकास कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से भागीदारी की।

डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा ने स्नातकोत्तर के लिए एम्स आपातकालीन ईसीजी पाठ्यक्रम जारी रखा जिससे उन्हें आपातकालीन व्यवस्था में ईसीजी की व्याख्या करने में प्रशिक्षण मिलता है। वे गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं में भी शामिल हैं।

डॉ. रितिन मोहिन्द्रा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन में शामिल थे। वे आपातकालीन चिकित्सा विभाग से स्थानांतरण के बाद सुचारू उपचार के लिए अन्य अस्पतालों के साथ समन्वय में सक्रिय रूप से शामिल थे।

9-11 var% lzkfodh ,oa p;kip;

आचार्य एवं अध्यक्ष

निखिल टंडन

आचार्य

नंदिता गुप्ता	रविन्द्र गोस्वामी
राजेश खड़गावत	विवेक पी. ज्योत्सना

सह-आचार्य

यशदीप गुप्ता	अल्पेश गोयल (2 जनवरी 2019 से)

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा अनेक शैक्षिक गतिविधियां की जाती हैं जैसे अंतः स्राविकी-विकृति विज्ञानी सम्मेलन, प्रत्येक सप्ताह में एक बार अंतः स्राविकी - शल्य-चिकित्सीय - नाभिकीय चिकित्सा (बुधवार) तथा अंतः स्राविकी विकिरण नैदानिक बैठक (शुक्रवार) प्रत्येक सप्ताह में की जाती है। प्रत्येक सप्ताह एक संगोष्ठी (बुधवार), एक जर्नल क्लब (शुक्रवार) और एक नैदानिक कक्षा (गुरुवार) का आयोजन किया जाता है। इन गतिविधियों के दौरान अत्यंत नैदानिक महत्व और हाल ही में उच्च प्रभाव लेख के विषयों पर चर्चा की गई। विभाग द्वारा बाह्य रोगी दैनिक सेवाएं चलाई जाती है, यहाँ हार्मोन आमापन, चयापचय अध्ययन और अस्थि घनत्व मापन के लिए आधुनिकतम प्रयोगशाला सेवाएं हैं।

शिक्षा

स्नातक, स्नातकोत्तर, पेरामेडिकल प्रशिक्षण

विभाग सक्रिय रूप से, स्नातक मेडिकल छात्र और नर्सिंग छात्रों के शिक्षण में शामिल रहा है। आंतरिक चिकित्सा और जरा चिकित्सा से स्नातकोत्तर छात्र (एमडी) एक और दो महीने पोस्टिंग के लिए विभाग में आते हैं। इसके अलावा, एमसीएच ब्रेस्ट एंड एंडोक्राइन सर्जरी, डीएम न्यूक्लियर मेडिसिन और एमएससी रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी में नामांकित स्नातकोत्तर फेलो को विभाग में 2-4 सप्ताह की अवधि हेतु रोटेशन आधार पर नियुक्त किया गया।

दीर्घ और लघु अवधि प्रशिक्षण

- दो उम्मीदवारों को डीएम पाठ्यक्रम में शामिल किया गया (एक सामान्य और एक प्रायोजित)।
- तीन उम्मीदवारों को लघु अवधि प्रशिक्षण की अनुमति दी गई।

प्रदत्त व्याख्यान

निखिल टंडनः 25	रविंदर गोस्वामीः 2	राजेश खड़गावतः 8
यशदीप गुप्ताः 1	अल्पेश गोयलः 6	

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में युवावस्था के आरंभ - चरण 2 में ही डायबिटीज़ वाले रोगियों का पंजीकरण, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 7 वर्ष, 2012-2019, 246.99 लाख रुपये।
2. बच्चों में डायबिटीज (मधुमेह) संबंधी परिवर्तन, निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 8 वर्ष, 2012-2020, 21 लाख रुपये।
3. को-मॉर्बिड डायबिटीज़ और अवसाद के लिए समन्वित देखभाल, निखिल टंडन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, एनआईएच, यूएसए, 5 वर्ष, 2014-2019, 88.22 लाख रुपये।
4. अनुसंधान हेतु नई दवा के लिए द्वितीय चरण नैदानिक परीक्षण का विकास, निखिल टंडन, टोरेंट फार्मा, 5 वर्ष, 2014-2019, 72.53 लाख रुपये।
5. सीएआरआरएस अनुवाद परीक्षण: डायबिटीज में गुणवत्ता सुधार कार्यनीतियों का कार्यान्वयन, निखिल टंडन, आईसीएमआर-एमोरी यूनिवर्सिटी, 5 वर्ष, 2014-2019, 17.55 लाख अमेरिकी डॉलर।
6. डायबिटीज से पीड़ित दक्षिण एशियाई गर्भवती महिलाओं के बीच टाइप 2 डायबिटीज की रोकथाम के लिए एक जीवन शैली हस्तक्षेप कार्यक्रम, आईसीएमआर, नई दिल्ली, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2015-2020, 72.77 लाख रुपये।
7. युवा में डायबिटीज के मौजूदा पंजीयन का एकीकरण: अमेरिका-भारत सहयोगात्मक अनुसंधान भागीदारी, डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016-2019, 84.13 लाख रुपये
8. एनएन 1218-4131, तेजी से काम करने वाले इंसुलिन की प्रभावशीलता और सुरक्षा नोवो रैपिड की तुलना में भाग 1 डायबिटीज, वाले वयस्कों में इंसुलिन डिग्लुडेक दोनों के संयोजन के साथ, निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2016-2020, 9.02 लाख रुपये
9. उत्तर भारत में एल्कोहोलिक-रहित वसायुक्त यकृत रोग (एनएएफएलडी) की व्यापकता और हृदय चयापचय रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-20, 172.53 लाख रुपये।
10. पायनियर 6-कार्डियोवैस्कुलर परिणामः टाइप 2 डायबिटीज वाले विषयों में मौखिक सेमग्लुटाइड की कार्डियोवैस्कुलर सुरक्षा की जांच का परीक्षण, निखिल टंडन, नोवा नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2017-2020, 21.57 लाख रुपये।
11. एकीकृत ट्रैकिंग रेफ़रल और एल्गोरिदमिक प्रबंधन (आई-टीआरईसी) उच्च रक्तचाप और डायबिटीज इंस्टीट्यूशन के लिए प्रणाली, निखिल टंडन, एनआईएच, यूएसए, 5 वर्ष, 2017-2022, 6.49 लाख यूएस डॉलर।
12. जेस्टेशनल डायबिटीज मेलेटस से पीड़ित महिला की सगर्भता अवधि के बाद की रणनीति विकसित करने के लिए सही परीक्षण और परीक्षण की आवृत्ति और उनके विचारों को शामिल करने के बाद रोगी केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करना, निखिल टंडन, ल्यूपिन, 3 वर्ष, 2018-2021, 40.41 लाख रुपये।

13. जीडीएम के इतिहास वाले महिलाओं में नींद की गुणवत्ता, अवसाद स्कोर और श्रेष्ठ स्तनपान अवधि में सुधार पर जीवनशैली में संशोधन के लिए हस्तक्षेप का प्रभावः लिविंग का उप अध्ययन, निखिल टंडन, यूएसवी, 3 वर्ष, 2018-2021, 53.42 लाख रुपये।
14. युवा डायबिटीज में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र (सीएआरई), निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 104.95 लाख रुपये।
15. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरॉडिज्म वाले रोगियों में कैल्शियम संवेदन रिसेप्टर ऑटोएंटीबाडीज़ का कार्यात्मक महत्व, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 44 लाख रुपये।
16. अलाक्षणिक स्वस्थ भारतीयों में विटामिन डी की कमी और अस्थि माइक्रोआर्किटेक्चर: कम सीरम 25 (ओएच) डी और उच्च पीटीएच के कार्यात्मक महत्व की खोज, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 4 वर्ष, 2019-2023, 76 लाख रुपये।
17. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरॉडिज्म वाले रोगियों में कैल्शियम संवेदन रिसेप्टर ऑटोएंटीबाडीज़ का कार्यात्मक महत्व, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 44 लाख रुपये।
18. एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित संभावित चरण 2 पूर्व आयु डायबिटीज वाले लोगों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर आयुर्वेदिक कोडित दवा 'आयुष-डी' का नैदानिक अध्ययन, राजेश खड़गावत, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2017-2020, 35 लाख रुपये।
19. टाइप 2 डायबिटीज शर्करा के उपचार में मेटफार्मिन की चिकित्सा में संयोजन के रूप में एक आयुर्वेदिक कोडेड दवा 'आयुष डी' का यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित चरण 2 का नैदानिक अध्ययन राजेश खड़गावत, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2017-2020, 35 लाख रुपये।
20. टाइप 2 डायबिटीज़ वाले बच्चों और किशोरों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर मेटफार्मिन बनाम मेटफार्मिन मोनोथैरेपी सहित संयोजन में लाइराग्लुटाइड का प्रभाव और सुरक्षा: 26 सप्ताह मुक्त लेबल विस्तार के बाद 26 सप्ताह डबल ब्लाइंड यादृच्छिक, समानांतर समूह, प्लासेबो नियंत्रित बहु केंद्र परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2014-19, 30 लाख रुपये।
21. वृद्धि संबंधी हार्मोन की कमी से पीड़ित एवं वृद्धि संबंधी हार्मोन उपचार प्रदान किए जाने वाले युवावस्था के प्रारंभिक दौर से गुजर रहे बच्चों में दैनिक हार्मोन वृद्धि उपचार की तुलना में साप्ताहिक एनएनसी0195-0092 खुराक की उपचार की प्रभावकारिता (डबल ब्लाइंडिड) और सुरक्षा की जांच हेतु एक यादृच्छिक, बहुराष्ट्रीय एवं सक्रिय नियंत्रण (ओपन-लेबल्ड) संबंधी समानांतर अनुसंधान परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 3 वर्ष, 2017-2020, 30 लाख रुपये।
22. पूर्व-डायबिटीज वाले व्यक्तियों में टाइप-2 डायबिटीज़ के विकास को रोकने या देरी के लिए ट्राइगोनेला फोएनम-ग्रैकेम बीज के मानक सूत्रीकरण का विकास, राजेश खड़गावत, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2017-2021, 35 लाख रुपये।

23. अधिक वजन या मोटापे और टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में एक बार-साप्ताहिक सेमाग्लूटाइड और 2.4 मिलीग्राम का प्रभाव और सुरक्षा, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2017-2021, 30 लाख रुपये।
24. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले पूर्व-यौवन बच्चों में दैनिक जीनोट्रोपिन-थैरेपी की तुलना में साप्ताहिक एमओडी-4023 का चरण 3, ओपन-लेबल, यादृच्छिक, बहु केंद्र, 12 महीने, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, राजेश खड़गावत, ओपको बायोलॉजिकल, 3 वर्ष, 2017-2020, 25 लाख रुपये।
25. मेट्रोलिन हाइड्रोक्लोराइड उपचार द्वारा अनियंत्रित टाइप 2 डायबिटीज शर्करा से पीड़ित व्यक्तियों में यूएसवीएपीए फॉर्मूलेशन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए चरण 2बी, ओपन-लेबल, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन, राजेश खड़गावत, यूएसवी लिमिटेड, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
26. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® के साथ सोमपैसिएन के एक बार साप्ताहिक खुराक के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना करने वाला परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2018-2023, 20 लाख रुपये।
27. हाई कार्डियोवास्कुलर जोखिम वाले टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में हृदय संबंधी परिणामों पर एफ़ेप्लगैनेटाइड के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह, बहु केंद्र अध्ययन, राजेश खड़गावत, सनोफी एवेंटिस, 5 वर्ष, 2018-2023, 25 लाख रुपये।
28. मेटालिन के साथ या बिना बेसल इंसुलिन पर अपर्याप्त नियंत्रण वाले टाइप 2 डायबिटीज रोगियों में इंसुलिन ग्लार्गिन के इंसुलिन ग्लार्गिन/लिक्सिसेनटाइड निश्चित अनुपात संयोजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करते हुए यादृच्छिक, 24-सप्ताह, नियंत्रित, ओपन लेबल, समानांतर आर्म, बहु केंद्र अध्ययन, राजेश खड़गावत, सनोफी एवेंटिस, 3 वर्ष, 2017-2020, 5 लाख रुपये
29. कुशिंग रोग वाले रोगियों में केवल पसिरोटिड या कबर्गोलिने की संयोजकता में प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक द्वितीय चरण परीक्षण, विवेका पी. ज्योत्सना, नोवार्टिस, 6 वर्ष, 2015-2021, 10 लाख रुपये।
30. कुशिंग रोग के रोगियों के उपचार के लिए एलसीआई 699 की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक 24 सप्ताह, एकल-शाखा, ओपन-लेबल खुराक का आमापन तथा उपचार अवधि के बाद एलसीआई 699 का चरण III, बहु केंद्र, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक वापसी अध्ययन, विवेका पी. ज्योत्सना, नोवार्टिस, 5 वर्ष, 2016-2021, 29.53 लाख रुपये।
31. क्या योग, ओरल एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक दवाओं द्वारा टाइप 2 डायबिटीज शर्करा से पीड़ित रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण को बिगड़ने से रोक सकता है? इसका मूल्यांकन करने के लिए बहु केंद्र ओपन लेबल समानांतर आर्म आरसीटी, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 75 लाख रुपये।

32. टी 2 डीएम और अवसाद वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभावः द्विबाहु समांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, यशदीप गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 36.54 लाख रुपये।
33. टाइप 1 डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूरोनाटॉमिकल और न्यूरोफंक्शनल असामान्यताओं का आकलन, यशदीप गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 34.81 लाख रुपये।
34. अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में एक बार साप्ताहिक सेमाग्लूटाइड 2.4 मिलीग्राम का प्रभाव और सुरक्षा, यशदीप गुप्ता, नोवो नॉर्डिस्क प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018-2020, 23 लाख रुपये।
35. तनाव, चयापचय मानकों और भारतीय किशोरों की संज्ञान (ध्यान और एकाग्रता) पर योग का प्रभाव, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 64.64 लाख रुपए।
36. देश में ही विकसित ग्लूकोज संवेदन उपकरणों का सत्यापन, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019 2.40 लाख रुपये।

पूर्ण

1. ट्रांसलेशनल संबंधी स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बीच बायोडिजाइन और इन-विट्रो डायग्नोस्टिक्स के लिए राष्ट्रीय गठबंधन कार्यक्रम, निखिल टंडन, डीबीटी, 8 वर्ष, 2010-2018, 49.45 लाख रुपये।
2. कार्डियोवस्कुलर घटनाओं के उच्च जोखिम वाले टाइप 2 डायबिटीज़ के रोगियों में इंसुलिन डेग्लूडेक बनाम इंसुलिन ग्लार्जिन की कार्डियोवस्कुलर निरापदता की तुलना के लिए एक परीक्षण, निखिल टंडन, नोवा नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2014-2018, 7.69 लाख रुपये।
3. भारत में टाइप-1 डायबिटीज वाले रोगियों के बीच डायबिटीज़ रेटिनोपैथी (डीआर) के कारण होने वाले अंधेपन की रोकथाम, निखिल टंडन, पीएचएफआई, 2 वर्ष, 2016-2018, 52.16 लाख रुपये।
4. इंसुलिन के साथ उपचारित टाइप 2 डायबिटीज मेलेटस वाले रोगियों में ओरल सेमाग्लूटाइड बनाम प्लेसबो की प्रभावकारिता और सुरक्षा, यशदीप गुप्ता, नोवो नॉर्डिस्क प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2017-2018, 25 लाख रुपये।
5. उपचार की गहनता की आवश्यकता में बेसिल इंसुलिन द्वारा अथवा इसके बिना मौखिक डायबिटीज उपचार किए जाने वाले टाइप-2 डायबिटीज वाले व्यक्तियों में इंसुलिन डिग्लूडेक / इंसुलिन संयोजन बनाम इंसुलिन ग्लेरगीन प्लस इंसुलिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करते हुए 38 सप्ताह का परीक्षण, यशदीप गुप्ता, नोवो नॉर्डिस्क प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2017-2018, 14.72 लाख रुपये।
6. टाइप-2 डायबिटीज वाले व्यक्तियों में मेटफॉर्मिन के लिए सेमेग्लूटाइड बनाम ड्यूलेग्लूटाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा, यशदीप गुप्ता, नोवो नॉर्डिस्क प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2016-2018, 16.02 लाख रुपये।

7. उच्च जोखिम से प्रभावित गर्भवती महिलाओं (गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज मेलेटस / अधिक वजन / मोटापा / पूर्व-मौजूदा डायबिटीज) एवं उनके पति में असामान्य ग्लूकोज सहिष्णुता के पूर्ववर्ती ग्लूकोज सहिष्णुता और जोखिम कारकों के वितरण का मूल्यांकन करने के लिएः एक केस नियंत्रण अध्ययन, यशदीप गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली में शहरी वयस्कों के कार्डियो-चयापचय स्वास्थ्य पर उनके “संभावित सुरक्षात्मक प्रभाव” के संबंध में भारतीय शाकाहारी भोजन का आकलन।
2. जीए68-डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी तथा एफ 18-एफडीजी पीईटी/सीटी के साथ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर की विशेषता और ऊतक विकृति विज्ञान के साथ परिणाम की तुलना।
3. एशियाई भारतीय नवजात शिशुओं में अस्थि समूह के निर्धारक के निर्धारण - पोषण परिप्रेक्ष्य।
4. डायबिटीज मेलेटस टाइप 2 वाले वयस्क रोगियों में चयापचय मापदंडों और ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ खाने के विकार और आहार पैटर्न का मूल्यांकन और उनका सहयोग।
5. हाइपोपेराथायरायडिज्म में बेसल गैंग्लिया कैलिफ़िकेशन के रोगजन्य में आण्विक पहलू।
6. उत्तरी भारत में फेकोक्रोमोसाइटोमा/पैरागैंगलियोमा-ए तृतीयक देखभाल केंद्र अध्ययन के मामलों में प्री और पोस्ट-ऑपरेटिव डिस्ग्लेसेमिया।
7. हाइपरपैरैथायराइडिज्म में बोनी माइक्रोआर्किटेक्चर असामान्यताएं की प्रत्यवर्तिता।
8. गेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस से पीड़ित के पूर्व इतिहास वाले अथवा इसके अप्रभावित मरीजों में नॉन-एल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) के संक्रमण का मूल्यांकन करने के लिएः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
9. टर्नर सिंड्रोम वाले रोगियों में नैदानिक सुविधाओं और जैव रासायनिक प्रोफाइल पर एक्स गुणसूत्र के अभिभावकीय मूल के प्रभाव का अध्ययन करना।
10. भोजन की गुणवत्ता और किशोरों के बीच अकादमिक प्रदर्शन पर व्यक्तित्व के प्रभावः लड़कों और लड़कियों के बीच एक तुलना का अध्ययन करना।
11. विटामिन डी की स्थिति और इसका कार्यात्मक महत्व

पूर्ण

1. 11-17 वर्षीय आयु के मोटे एशियाई भारतीय लोगों में इंसुलिन प्रतिरोध तथा बीटा कोशिका प्रकार्य पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण।
2. गर्भावस्था के दौरान पति/पत्नी में आईएडीपीएसजी मानदंड/अति डायबिटीज से पीड़ित गर्भावस्था में डायबिटीज मेलेटस के इतिहास वाली महिलाओं के बीच ग्लूकोज सहनशीलता के वितरण पर एक अध्ययन।
3. 6-18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में धमनी कठोरता का आकलन।

4. गर्भावस्था में गर्भावधि डायबिटीज मेलेटस के विकास के साथ प्रथम तृतीयक ग्लूकोज जांच एवं सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच संबंध।
5. मोटापे से ग्रस्त भारतीय व्यक्तियों में अग्नाशय बीटा सेल कार्यों पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
6. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में फीनोटाइप और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध।
7. गर्भवती एशियाई - भारतीय महिलाओं में थायरॉइड पैरोक्सीडेस एंटीबॉडी सकारात्मकता का प्रसार।
8. टाइप 2 डायबिटीज में माइटोकोंड्रियल दोषों और वीडीआर बहुरूपताओं का अध्ययन।
9. कूल्हे की गैर दर्दनाक अस्थिभंग वाले रोगियों में विटामिन डी की कमी के प्रसार का आकलन करना।
10. 6 महीने से 5 वर्ष की उम्र में सूखा रोग के उपचार के लिए 90,000 और 1,80,000 आईयू मौखिक एकल खुराक में विटामिन डी की प्रभावकारिता की तुलना करना।
11. सीजीएमएस [मुख्य गाइड] का उपयोग करते हुए दूसरी तिमाही के दौरान जीडीएम के साथ मोटापे से ग्रस्त नोर्मोग्लाइसेमिक महिला के साथ गर्भवती महिला के नोर्मोग्लाइसेमिक सामान्य वजन के ग्लाइसेमिक प्रोफाइल की तुलना करना।
12. एथेरोस्क्लेरोसिस के एक मार्कर के रूप में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई (सीआईएमटी) और 4-18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे के शिकार बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के लिए इसके सहसंबंध का अध्ययन करना।
13. मोटापे के शिकार बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।
14. पिट्यूटरी मोर्फोमेट्री का विभिन्न आयु समूहों में अध्ययन करना।
15. प्राथमिक हाइपोथायरायडिज्म की नैदानिक, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल सुविधाएं: विटामिन डी पोषण और ऊतकविकृतिविज्ञानी के प्रभाव का अध्ययन करना।
16. 6-18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे के शिकार व्यक्तियों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा कोशिका कार्य के साथ सीरम विटामिन डी स्तर के संबंध का अध्ययन करना।
17. 11-17 वर्ष की आयु के मोटे एशियाई भारतीय बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।
18. स्पष्ट रूप से स्वस्थ पुरुष व्यक्तियों में सीरम एंड्रोजन मानकों पर एडिपोसिटी के प्रभाव का अध्ययन करना।
19. 46, एक्सवाई जनन संबंधी रोग के रोगियों में एसआरवाई, एसओएक्स 9, एसएफ 1, डीएएक्स 1, डीएचएच, डीएमआरटी 1 और डब्ल्यूटी 1 जीन में उत्परिवर्तनों का अध्ययन करना
20. नियमित देखभाल के दौरान पहली और तीसरी तिमाही में गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी के प्रसार का अध्ययन करना।
21. भारत में व्यावसायिक उपलब्ध कॉलेकैल्सिफेरॉल तैयारियों की सामग्री शक्ति में परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना।
22. इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉयडिज्म में थाइमिक और अस्थि-मज्जा टी और बी कोशिका उत्प्रवासी के मार्कर के रूप में टीआरईसी और केआरईसी।
23. आउटडोर कामगारों में विटामिन डी की स्थिति

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. हल्के थायराइड सूजन, सजरी वाले मरीजों में एंडोस्कोपिक हेमिथाइरोइडेक्टोमी हेतु ट्रांस-ओरल वेस्टिब्यूलर तथा एक्सिलो ब्रेस्ट अप्रोच की सुरक्षा और परिणामों की तुलना के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. इन्डक्शन कीमोथेरेपी, हेमैटोलॉजी के दौर से गुजर रहे तीव्र ल्यूकेमिया रोगियों में पोषण की स्थिति/मापदंडों का आकलन
3. ऑटो इम्यून और प्रतिरक्षा संबंधी ऑर्बिटोपैथी, न्यूक्लियर मेडिसीन के मरीजों में जीए डोटानॉक पीईटी/सीटी के साथ सोमाटोस्टेटिन रिसेप्टर अभिव्यक्ति का इन-विवो मूल्यांकन
4. पैराथायरॉयड एडेनोमा की पैथोजेनेसिस, पैथोलॉजी, फोरेंसिक मेडिसिन, एनाटॉमी
5. नव नैदानित उच्च रक्तचाप फिजियोलॉजी वाले टाइप 2 डायबिटीज रोगियों में एंजाइम निरोधकों को अंतरित करने वाले एंजियोटेंसिन के बाद रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन प्रणाली और संवहनी कार्यों के घटकों के बीच संबंधों का अध्ययन

पूर्ण

1. एम्स, नई दिल्ली, नर्सिंग में शैक्षिक पुस्तिका विकसित करने के दृष्टिकोण के साथ उच्च रक्तचाप और / या डायबिटीज रोगियों के बीच पुराने गुर्दे के रोग के ज्ञान और जोखिम का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
2. गैर-एल्कोहलिक फैटी यकृत रोग वाले कार्डियो-चयापचय जोखिम कारकों की आबादीः जनसंख्या आधारित केस नियंत्रण अध्ययन, गृह विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
3. मोटे रोगियों, चिकित्सा के बीच मोटापे की ओर ज्ञान, रवैया और अभ्यास (केएपी प्रश्नावली) का आकलन करने के लिए प्रश्नावली का विकास और सत्यापन
4. हाइपोपेराथायरायडिज्म, एनाटॉमी और फॉरेंसिक मेडिसिन में बेसल गैंग्लिया कैलिफ़िकेशन का आण्विक आधार,
5. एम्स, मेडिसिन में अस्पताल में भर्ती रोगियों में हाइपरग्लेसेमिया के प्रबंधन में इंसुलिन प्रोटोकॉल आधारित एडीए/एसीसी दिशानिर्देशों के परिणाम प्रभाव

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 80 **पुस्तकों में अध्यायः 2**

रोगी देखभाल

1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च, 2019 तक ओपीडी में उपस्थिति

माह	पुराने रोगी	नये रोगी	डीओवाई क्लीनिक	कुल
अप्रैल, 2018	2,274	1,138	125	3,537

मई, 2018	3,445	1079	160	4,684
जून, 2018	3,034	997	142	4,173
जुलाई, 2018	3,478	1,003	152	4,633
अगस्त, 2018	3,349	1,078	158	4,585
सितंबर, 2018	3,220	968	165	4,353
अक्टूबर, 2018	3,775	1,043	148	4,966
नवंबर, 2018	3,232	917	123	4,272
दिसंबर, 2018	3,388	919	621	4,928
जनवरी, 2019	3,181	1,058	117	4,356
फरवरी, 2019	3,272	1,009	172	4,453
मार्च, 2019	3,369	942	189	4,500
कुल	**39,017**	**12,151**	**2,272**	**53,440**

आंतरिक रोगी और अन्य रोगी संबंधी विवरण अध्याय 6- अस्पताल (मेडिकल रिकॉर्ड प्रभाग) में देखा जा सकता है।

प्रयोगशाला सेवाएं

हार्मोन की जांचें

सं.	हार्मोन	किए गए ट्यूब आमापन		सं.	हार्मोन	किए गए ट्यूब आमापन
1	टी 4	14,926		13	विटामिन डी	7,172
2	टीएसएच	20,703		14	इंसुलिन	2,718
3	टीपीओ	2,011		15	सी पेप्टाइड	999
4	एलएच	2,805		16	जीएच	1,496
5	एफएसएच	2,810		17	जीएडी	2
6	पीआरएल	3,359		18	एफ टी 4	5,864
7	कोर्टिसोल	5,954		19	टी3	2,887
8	टेस्टोटेरोन	2,716		20	एफ टी 3	1,374
9	डीएचईए	1,032		21	आईजीएफ 1	1,851
10	17 ओएचपी	4		22	ई 2	917
11	एसीटीएच	1,730		23	एल्डोस्टेरोन	543
12	पीटीएच	4,304		24	रेनिन	402
				25	एफजीएफ 23	26
					कुल	**89,706**

मरीज के नमूनों में स्टेरॉयड हार्मोन को मापने के लिए एचपीएलसी-टेंडेम मास स्पेक्ट्रोफोटोमीटर प्रणाली स्थापित की गई है, और यह एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग की आरआईए प्रयोगशाला के अधीन संतोषजनक रूप से काम कर रही है।

वर्ष 2019 की शुरुआत में, स्टेरॉयड हार्मोन की मात्रा के लिए कई मान्य अभिकर्मक विधि प्रोटोकॉल {25 (ओएच) विटामिन डी सहित} लागू किए गए हैं, इनका परीक्षण किया गया है और अंत में इन्हें चयनित किया गया है, और इस प्रणाली पर इन्हें मानकीकृत किया गया है।

वर्तमान में, हम दोनों तरीकों, नामतः हमारे मान्य अभिकर्मक विधि प्रोटोकॉल और परिणाम की तुलना के लिए पारंपरिक आरआईए का उपयोग करके एचपीएलसी-एमएस/एमएस द्वारा रोगी के नमूनों में स्टेरॉयड हार्मोन का परीक्षण माप करने की प्रक्रिया में हैं।

जैव रासायन जाँच

संख्या	जाँच	नमूनों की संख्या
1	ब्लड ग्लूकोज (रक्त शर्करा)	17,491
2	ग्लाइसेटिड हिमोग्लोबिन (एचबीए1सी)	18,697
3	यूरिन पीएच	322
4	ओस्मोलेलिटी (यूरीन (मूत्र) और सीरम)	816
5	लिपिड प्रोफाइल	8,000
	कुल जाँच	**45,326**

विशेषज्ञता क्लिनिक:

(क) शनिवार को डायबिटीज़ ऑफ यंग

(ख) सोमवार दोपहर को बाल एवं किशोर एण्डोक्राइन क्लिनिक

(ग) शुक्रवार सुबह को गर्भावस्था के डायबिटीज मेलेटस (जीडीएम) क्लिनिक

(घ) सामुदायिक सेवाएं / कैंम्प

विभाग द्वारा मोटापे, पीसीओएस, डायबिटीज़ और थायरॉइड विकारों पर खास तौर से जागरुकता तथा छानबीन कार्यक्रमों के लिए शिविरों का नियमित आयोजन किया जाता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य निखिल टंडन को महानिदेशक, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा कार्य के 13वें जनरल प्रोग्राम ऑफ वर्क (जीपीडब्ल्यू 13) मेजरमेंट एंड इम्पैक्ट फ्रेमवर्क कमेटी, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में सेवा देने के लिए नामित किया गया; आर.एम. शाह ओरेशन “ग्लोबल डाइमेंशन्स ऑफ़ ओबेसिटी एंड डायबिटीज मेलेटस: वेयर आर वी हैडिंग?”, डीआईए केयर का चौथा वार्षिक सम्मेलन - डायकॉन 2018, 22 सितंबर 2018, अहमदाबाद; महाराष्ट्र आरएसएसडीआई ओरेशन 2019: “गेस्टेशनल डायबिटीज: द पोस्ट-डिलीवरी इयर्स, महाराष्ट्र आरएसएसडीआई का वार्षिक सम्मेलन, 1 फरवरी 2019, "वेबिनार", नागपुर; सदस्य,

शासक मंडल भारतीय चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली; अध्यक्ष, एनआईएन, हैदराबाद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; वैज्ञानिक पत्रिका ग्लोबल हेल्थ, एपिडेमियोलॉजी एंड जीनोमिक्स के एसोसिएट एडीटर; डायबिटीज और सीकेडी दिशानिर्देश: कार्य समूह के केडीआईजीओ प्रबंधन के सदस्य; चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के शासी निकाय के सदस्य; नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी फॉर पोलर साइंस प्रोग्राम (एनसीपीपी), अंटार्कटिका के सदस्य के रूप में भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा नामित; राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, मुनिरका, नई दिल्ली के शासी निकाय के सदस्य; अंटार्कटिका (आईएसईए), गोवा के लिए 38-भारतीय वैज्ञानिक अभियान के चिकित्सा अधिकारियों के चयन की चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित; उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई), नई दिल्ली; सदस्य, संस्थान निकाय (आईबी), शासी निकाय (जीबी), स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) एवं एम्स, जोधपुर, राजस्थान की स्थायी चयन समिति (एसएससी); दीक्षांत समारोह को संबोधन किया, बीएचयू, आईएमएस दीक्षांत समारोह, 30 मार्च 2019, बीएचयू, वाराणसी।

आचार्य रविंदर गोस्वामी टीईसी 'मानव आनुवंशिकी और जीनोम विश्लेषण कार्यक्रम' डीबीटी के सदस्य थे; एंडोक्राइनोलॉजी विभाग, एम्स, ऋषिकेश 2018 में संकायों के चयन के विशेषज्ञ; एंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबॉलिज्म विभाग के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर की स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ; एंडोक्राइनोलॉजी विभाग, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में संकायों के चयन के विशेषज्ञ; चिकित्सा परियोजनाओं की परियोजना समीक्षा समिति, सीएसआईआर के सदस्य; डीन शोध समिति (डीआरसी) एम्स, नई दिल्ली के सदस्य; कोर कमेटी ऑफ द सेंट्रल कोर रिसर्च फैसिल्टी (सीसीआरएफ) के सदस्य; आईसीएमआर के तहत संस्थान की संयुक्त वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य।

आचार्य राजेश खड़गावत ने लेह, लद्दाख में 21-28 सितंबर 2018 तक चिकित्सा शिविरों में भाग लिया; एंडोक्राइनोलॉजी के साक्षात्कार के विषय विशेषज्ञ - राजस्थान लोक सेवा आयोग, यूपीएससी, लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस); सदस्य, सांइटिफिक कांउसिल ऑफ झंडू फाउंडेशन ऑफ हेल्थ रिसर्च, कोलकाता; विशेषज्ञ, राष्ट्रीय एंटी डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा), युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार; एनआरएस मेडिकल कॉलेज, कोलकाता, श्रीमानता शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर के डीएम परीक्षक; एसएई-डेथ कमेटी, डीसीजीआई के सदस्य; विषय विशेषज्ञ समिति (एंडोक्राइनोलॉजी), डीसीजीआई नई दिल्ली के सदस्य; भारतीय चिकित्सा परिषद के विषय विशेषज्ञ।

डॉ. अल्पेश गोयल को बेस्ट क्लिनिकल रिसर्च**,** 2018 के लिए एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया (ईएसआई) एवी गांधी पुरस्कार मिला।

अतिथि वैज्ञानिक

1. नेशनल हार्ट लंग एंड ब्लड इंस्टीट्यूट (एनएचएलबीआई), एनआईएच, यूएसए के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. ब्रैड न्यूसम ने 13 से 15 सितंबर 2018 को दौरा किया।

9.12 U;k; fpfdRlk vkj fo"k foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुधीर गुप्ता

आचार्य

डी.एन. भारद्वाज — ओ.पी. मूर्ती — मिलो ताबिन

संजीव लालवानी — आदर्श कुमार

(ज.प्र.ना. एपेक्स ट्रॉमा सेंटर)

सह-आचार्य

चित्तरंजन बेहरा

सहायक आचार्य

कुलभूषण प्रसाद — अभिषेक यादव

वैज्ञानिक-ग

निधि शर्मा

रसायनज्ञ

ए.के. जायसवाल

विशिष्टताएं

भारत में न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान विभाग जटिल चिकित्सा विधि समस्याओं के लिए सर्वोच्च रेफरल केंद्र हैं। विभाग द्वारा सीबीआई, एनआईए, एनएचआरसी, अदालतों और विभिन्न राज्यों के अपराध शाखा द्वारा भेजे गए मामलों में विशेषज्ञ राय प्रदान की जाती है। इसमें चिकित्सा - विधि शव परीक्षा, मृत्यु होने पर एमएलसी शव लेप करना, क्लिनिकल विधि विज्ञान काय चिकित्सा सेवाओं, चिकित्सा - विधि मामलों, अध्यापन, प्रशिक्षण, अनुसंधान में विषेषज्ञ की राय और अदालत संबंधी कार्यों में शामिल है। विभाग द्वारा तीन प्रयोगशाला सेवाएं यथा - विष विज्ञान प्रयोगशाला, डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिंग और ऊतक विकृति विज्ञान और न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी और न्याय चिकित्सा मानव विज्ञान के रूप में दो सहायता सेवाएं प्रयोगशाला चलाई जाती हैं। विभाग के डॉक्टरों द्वारा कुल 2665 चिकित्सा विधि शव परीक्षा की गई तथा मुख्य और साथ ही ट्रामा सेंटर दोनों सहित अदालतों से 642 सम्मनों पर कार्य किया गया।

विभाग ने कई चिकित्सकीय विभागों के लिए मृतक कार्यशालाओं के गठन को सरलीकृत किया है। गंधहीन मुर्दाघर के विकास के लिए काम चल रहा है। विभाग को "सेंटर ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस इन वर्चुअल ऑटोप्सी (वर्चुअल ऑटोप्सी उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र" के विकास के लिए आईसीएमआर से अनुदान प्राप्त हुआ है। एक टास्क फोर्स (कार्य बल) परियोजना "बायोइंफॉर्मेटिक्स टूल और तकनीकों का उपयोग करके एम्स, नई दिल्ली में ऑटोप्सी (शवपरीक्षा) किए गए अज्ञात शवों के लिए डीएनए डेटाबेस और पहचान पोर्टल का विकास आईसीएमआर से प्रदान किया जाता है" की अधिकारी है। कुल 10 विभागीय अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं और 2 पूरी हो चुकी हैं। 5 सहयोगी परियोजनाएं पूरी हुईं और 1 जारी है।

शिक्षा

विभाग में 9 स्नातकोत्तर (एमडी) छात्र और एक पीएचडी छात्र नामांकित हैं। विभाग में अखिल भारतीय अन्य विश्वविद्यालयों से बी.एससी, एम.एससी. तथा एम.डी. छात्रों के डी.एन.ए.- फिंगरप्रिंटिंग एवं चिकित्सा विष-विज्ञान में प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। विभिन्न विश्वविद्यालयों के नौ छात्रों को अल्पावधि प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया।

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलन

1. 29 अगस्त 2018 को हुमेनिटेरियन फोरेंसिक पर संगोष्ठी ।

प्रदत्त व्याख्यान

आदर्श कुमारः 11 **चित्तरंजन बेहराः 2** **अभिषेक यादवः 4**
ए.के. जायसवालः 1

मौखिक पत्र / शोध पत्र प्रस्तुतिः 9

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वर्चुअल ऑटोप्सी में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, सुधीर के गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 5 करोड़ रुपए।
2. कार्य बल परियोजना-आईसीएमआर, चित्तरंजन बेहरा, बायोइंफॉर्मैटिक्स (जैव सूचना विज्ञान) उपकरण और तकनीकों, का उपयोग करके एम्स, नई दिल्ली में अज्ञात शवों के लिए डीएनए डेटाबेस और पहचान पोर्टल का विकास 3 वर्ष, 2018-2021, 36 करोड़ रुपए।
3. भारतीय आबादी में आत्महत्या से जुड़ी सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलिमोर्फिज्म के जैव सूचना विज्ञान की पहचान और इन विट्रो मूल्यांकन, चित्तरंजन बेहरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 69.11 लाख रुपए।

पूर्ण

1. आत्मघाती मौतों के साथ इंफ्लेमेटरी साइटोकाइंस का एसोसिएशन: अस्पताल आधारित तुलनात्मक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन, चित्तरंजन बेहरा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 10 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय जनसंख्या में आत्मघाती व्यवहार के साथ साइटोकिन जीन पॉलीमॉर्फिज्म की जेनेटिक एसोसिएशन
2. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा-विधिक शव परीक्षा के दौरान एकत्र किए गए सुसाइड (आत्महत्या) नोट का भाषाई विश्लेषण और सामग्री
3. सकल, हिस्टोलॉजिकल तथा एंटेमॉर्टम का इलेक्ट्रॉन-सूक्ष्म अध्ययन और पोस्टमॉर्टम इलेक्ट्रोक्यूशन बर्न मार्क
4. आरटी पीसीआर द्वारा मानव डीएनए की मात्रा और गुणवत्ता का आकलन
5. गर्दन पर घातक दबाव के कारण मृत्यु के मामलों में आंतरिक गर्दन की चोटों का रेडियोलॉजिकल अध्ययन

6. परिवहन प्रयोजन के लिए एमबलेमिंग में उपयोग किए जा रहे फॉर्मेलिन-आधारित समाधान की तुलना में विभिन्न परिरक्षकों की प्रभावकारिता का अध्ययन
7. कार्डियक मार्करों का अध्ययन, संदिग्ध हृदय संबंधी मौतों के मामलों में हृदय में स्थूल निष्कर्ष और हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन।
8. कोहनी और कलाई के जोड़ों के आसपास एपिफिशियल यूनियन के रेडियोलॉजिकल अध्ययन द्वारा उम्र 1-18 वर्ष के बीच आयु का अनुमान।
9. शवगृह, एम्स, नई दिल्ली में रिपोर्ट करने वाले सड़क यातायात दुर्घटना के मामलों में शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की स्क्रीनिंग।
10. अस्थिभंग से होने वाली मृत्यु में संबंधित एवं संपीड़ित फाइबर सामग्री का पता लगाना, संग्रह, पहचान और तुलना करना।

पूर्ण

1. मौत के बाद विभिन्न रोगाणुओं द्वारा मानव शरीर में एल्कोहल के अंतर्जात उत्पादन का अनुमान और चिकित्सा - विधि शव परीक्षा मुद्दों के लिए इनकी प्रासंगिकता।
2. विभिन्न जैविक नमूनों में विभिन्न दवाओं के विषाक्तता संबंधी विश्लेषण और वितरण पद्धति और आत्मघाती मौतों में उनके न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव।

सहयोग परियोजनाएं

जारी

1. रोटरी अल्ट्रासोनिक बोन (हड्डी) ड्रिलिंग मशीन प्रोटोटाइप, पैथोलॉजी और आईआईटी दिल्ली का विकास
2. रिज विशेषताओं में भिन्नता की सीमा का अध्ययन करने और अपनी फिंगरप्रिंट विशेषताओं का उपयोग करते हुए जुड़वा बच्चों के बीच लिंग का निर्धारण करने के लिए, फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान विभाग, केएमसी, मणिपाल
3. मंडी, हिमाचल प्रदेश की ब्राह्मण और राजपूत आबादी में कान और नाक के मॉर्फोमेट्रिक और मॉर्फोस्कोपिक अध्ययन - एक फोरेंसिक मानवविज्ञानीय जांच, नृविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ।
4. फिब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और सिस्टिक मेडियल डिजनरेशन के साथ महाधमनी धमनीविस्फार में टीजीएफ बीटा की भूमिका पैथोलॉजी।
5. आत्महत्या से होने वाली मौतों में न्यूरोइन्फ्लेमेशन और ग्लिअल सक्रियता की भूमिका: मानव शवपरीक्षा मस्तिष्क, एनाटॉमी में एक अध्ययन

पूर्ण

1. मेटालोप्रोटीनसिस का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण मैट्रिक्स (एमएमपी-2 और 9), मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेसिस के ऊतक इंहिबिटर्स (टीआईएमपी-1 और 2), आरोही थोरेसिक महाधमनी धमनीविस्फार में कोलेजन I और कोलेजन IV, पैथोलॉजी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 40

रोगी उपचार

क. आपात सेवाएं: न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान विभाग द्वारा चोट, यौन अपराध, विषायन में दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण - पूर्व जिले में 24 घंटे चिकित्सा कानूनी सेवाएं प्रदान की जाती है।

ख. शवगृह सेवाएं: शवगृह में कुल 2665 (1788+877-ज.प्र.एन.ए.टी.सी.) मेडिको लीगल ऑप्टोप्सी किए गए।

ग. नैदानिक न्याय चिकित्साः विभाग द्वारा जांच अधिकारी और अदालत से संदर्भित द्वारा आयु के आकलन, पोटेंसी और अन्य मेडिको-लीगल की परीक्षा के लिए लाए गए **605** मामले निपटाए गए। विभाग के चिकित्सा बोर्ड द्वारा सीबीआई से प्राप्त लगभग **54** से अधिक मामले निपटाए गए थे। इसके बाद कुल **658** के मामलों में दुर्घटना आदि से संदर्भित जटिल मामलों में विचार प्रस्तुत किए थे।

घ. सम्मनः दिल्ली और दूसरे राज्यों के 642 मामलों में विभाग के डॉक्टर न्यायालय में पेश हुए।

ङ. चिकित्सा विष विज्ञानः एम्स के नैदानिक विभाग, मेडिको-लीगल मामले और शैक्षणिक मामलों द्वारा भेजे गए विभिन्न विषयों के लिए **79** नमूनों के लिए **222** परीक्षण किए गए।

च. न्याय ऊतकविकृति विज्ञान: विभाग द्वारा दक्षिण और दक्षिण-पूर्व जिले एवं अनुसंधान उद्देश्य हेतु विधिक चिकित्सा ऑटोप्सी मामलों के नमूनों के लिए ऊतक विकृति विज्ञानी सेवाएं प्रदान की जा रही है। इस अवधि के दौरान कुल **102** मामलों और **569** नमूनों की जांच-पड़ताल की गई।

छ. शव संलेपन सुविधा: विभाग एमएलसी (पोस्टमार्टम मामले) के लिए शव रक्षा लेप सुविधा प्रदान कर रहा है। इस अवधि के दौरान लगभग **260** मामलों में शव रक्षा लेप किए गए।

ज. चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनःप्राप्ति: चिकित्सकीय प्रत्यारोपण के लिए शवगृह और दिए गए राष्ट्रीय नेत्र बैंक में **130** कॉर्निया की पुनः प्राप्ति की गई।

झ. न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी सेवाएं: विभिन्न चिकित्सा कानूनी और शैक्षिक प्रयोजनों के लिए **101** मामलों को न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी सेवाएं प्रदान की गई थीं। (ऑटोप्सी और जीवित दोनों मामलों में)

ञ. न्याय चिकित्सा मानव विज्ञान सेवाएं: कुल **7** मामले विभिन्न अदालतों और खेल अधिकारियों से संदर्भित आयु अनुमान के लिए निपटाए गए थे।

ट. डीएनए फिंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला: पितृत्व/मातृत्व मामले (6 नमूने), अनुसंधान नमूने (डीएनए निष्कर्षण और प्रमात्रीकरण), **145** नमूने

ठ. सामुदायिक सेवाएं: विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और लोक अभियोजकों का भाग लेना जारी है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर आदर्श कुमार को जून 2018 में फुकुओका, जापान में 2019-2021 के लिए इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ लीगल मेडिसिन (आईएएलएम) के गवर्निंग काउंसिल मेंबर के रूप में चुने गए; 9 अक्टूबर 2018 को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, तेजपुर, असम में एमएन बर्मन चैरिटेबल ट्रस्ट, गुवाहाटी द्वारा चिकित्सा पेशेवरों के लिए उत्कृष्ट सेवा के मद्देनजर उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया; 2016-2019 के लिए बाली, इंडोनेशिया में इंडो-पेसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में निर्वाचित; कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक द्वारा 2017-19 के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज-एक्सटर्नल एक्सपर्ट मेंबर (फॉरेंसिक मेडिसिन एंड फॉरेंसिक साइंसेज) के रूप में नामांकित; जापान में दो वर्ष 2018-2020 के एक और कार्यकाल के लिए एशिया पैसिफिक मेडिकोलीगल एसोसिएशन (एपीएमएलए) के सदस्य; राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में मेडिको लीगल एक्सपर्ट; सदस्य, विभिन्न पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डः अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य-एचएसओए जर्नल ऑफ फॉरेंसिक, लीगल एंड इंवेस्टिगेटिव साइंसेज (यूएसए), इजिप्टियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज- इजिप्ट, अदली टिप बुलेटिन-तुर्की, इजिप्टियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज एंड टॉक्सिकोलॉजी; एसोसिएट एडिटर, मेडिको लीगल अपडेट, रिसर्च जर्नल मेडिकल एजुकेशन एंड एथिक्स, वेब एडिटर-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड मेडिकोलीगल प्रैक्टिस, मेंबर एडिटोरियल

बोर्ड, जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजीः जर्नल ऑफ कर्नाटक मेडिको लीगल सोसाइटी, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, फोरेंसिक केमिस्ट्री और टॉक्सिकोलॉजी जर्नल।

डॉ. चितरंजन बेहरा ने एम्स, भुवनेश्वर, कोलकाता नेशनल मेडिकल कॉलेज और एनडीएमसी मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में दूसरे एमबीबीएस के लिए बाहरी परीक्षक थे; डॉ. बीएसए मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में संकायों के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; संस्थान दिवस प्रदर्शनी के लिए सीएमईटी, एम्स से प्रशंसा पत्र; पब मेड इंडेक्स जर्नल के समीक्षक: जर्नल ऑफ अफेक्टिव डिसऑर्डर, जर्नल ऑफ़ फॉरेंसिक एंड लीगल मेडिसिन आदि; संपादक / संपादकीय बोर्ड के सदस्यः इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी और लीगल मेडिसिन के सहायक संपादक, एआरसी जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज, एनल्स ऑफ फॉरेंसिक रिसर्च एंड एनालाइजिस, साइंस फेड जर्नल ऑफ फॉरेंसिक, जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन।

डॉ. ए. के. जायसवाल फॉरेंसिक साइंस के रिसर्च जर्नल के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे; मुख्य संपादक-फॉरेंसिक केमिस्ट्री और टॉक्सिकोलॉजी।

डॉ. अभिषेक यादव ने 4 सितंबर 2018 को 33वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े-2018, डॉ. आरपी सेंटर, एम्स द्वारा नेशनल आई बैंक के फैकल्टी इंचार्ज मोर्चरी के रूप में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया; 22-23 मई 2018 को कोलंबो, श्रीलंका में आपात स्थिति में मृतकों के प्रबंधन में क्षेत्रीय सहयोग और नीति विकास, के लिए रेड क्रॉस (ICRC) की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा आयोजित "सरकारी प्रतिनिधियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के लिए तीसरा क्षेत्रीय सम्मेलन" में भारत का प्रतिनिधित्व किया; 20 से 22 जून 2018 तक गांधी नगर, गुजरात में इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रॉस (आईसीआरसी) और गुजरात फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (जीएफएसयू) द्वारा आयोजित "ह्यूमैनिटेरीअन (मानवतावादी) फोरेंसिक की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और ह्यूमैनिटेरीअन फोरेंसिक के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र का उद्घाटन" में एम्स का प्रतिनिधित्व किया; 27 मार्च, 2019 को ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड में वर्चुअल ऑटोप्सी में उन्नत अध्ययन का प्रमाण पत्र पूरा करने के बाद प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

9-13 tBjk= jksx foKku ,oa ekuo iks"k.k ,dd ¼,p-,u-;w-½

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनूप सराया

आचार्य

प्रमोद गर्ग | विनीत आहूजा | गोविंद के. मखारिया

सह-आचार्य

शालीमार | बैबास्वत नायक

सहायक आचार्य

सौरभ केडिया | दीपक गुंजन

विशिष्टताएं

विभाग ने छह सीएमई और राष्ट्रीय सम्मेलन और रोगी शिक्षा गतिविधियों का आयोजन किया। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा अग्नाशय की बीमारी और आंतों के रोगों में उत्कृष्ट उन्नत अनुसंधान दो केंद्रों को पुरस्कृत किया गया; 76 वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित। एंडोस्कोपी, अग्नाशय के रोगों, यकृत के रोगों और आंत्र में सूजन रोगों में उन्नत फैलोशिप कार्यक्रम की शुरुआत की। पूर्ण विकसित जठरांत्र संबंधी गतिशीलता सेवाओं की शुरूआत की। विभाग के संकाय, रेजीडेंस और पीएचडी छात्रों ने बेस्ट पेपर पुरस्कार सहित कई पुरस्कार प्राप्त किए। विभाग के संकाय ने विभिन्न जीआई रोगों पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश को बनाने की पहल और संचालन किया।

शिक्षा

विभाग द्वारा जठरांत्र रोग विज्ञान में डी. एम. तथा जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण में पी.एच.डी. पर पाठ्यक्रम हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। विभाग ने स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में भी भाग लिया। विभाग ने उन्नत फैलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम की पहल की है।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षणः 24 डी.एम. छात्र
4 पी.एच.डी. अभ्यर्थी
एकः उन्नत एंडोस्कोपी में उन्नत फैलोशिप

अल्प अवधि प्रशिक्षणः 2018-2019 के दौरान 2 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां

1. आईबीडी-मास्टर्स क्लास, नई दिल्ली, 10 जून 2018
2. विश्व हेपेटाइटिस दिवस, एम्स, नई दिल्ली, 28 जुलाई 2018
3. क्लिनिकल न्यूट्रीशन का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली, 31 अगस्त से 2 सितंबर 2018

4. "आईबीडी केयरः आईबीडी काउंसलिंग असिस्टेंस एंड रिसर्च फॉर एजुकेशन" पर सीएमई, नई दिल्ली, 9 सितंबर 2018
5. यंग क्लिनिशियन प्रोग्राम, हैदराबाद, 17-19 अगस्त 2018
6. गैस्ट्रोएंटरोलॉजी यंग मास्टर्स (जीवाईएम-2019), एम्स, नई दिल्ली, 12 जनवरी 2019

प्रदत्त व्याख्यान

अनूप सराया: 10 **प्रमोद गर्गः 7** **गोविंद मखारियाः 29**
शालीमारः 10 **बैबास्वत नायकः 4** **सौरभ केडियाः 7**
दीपक गुंजनः 7

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतिः 33

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अग्नाशय एडेनोकार्सिनोमा के रोगजनन में जीन-विनियमन और प्रतिरक्षाविज्ञानी मार्करों की भूमिका, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 41 लाख रुपये
2. पैनक्रियाटिक कैंसर में संकेत पारगमन का एमआईआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका, अनूप सराया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 58 लाख रुपये
3. तीव्र अग्नाशयशोथ में होम आधारित ब्लेंडराइज्ड फॉर्मूलेशन: एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अनूप सराया, आईसीएमआरए 3 वर्ष, 2018-2021, 39 लाख रुपये
4. गंभीर चिरकालिक पैनक्रिएटाइटिस में आंत की म्यूकोसा का अध्ययन करना और अंग विफलता तथा मृत्यु दर के साथ इसका सह संबंध ज्ञात करना, अनूप सराया, डीबीटी, 4 वर्ष, 2015-19, 56 लाख रुपये
5. चिरकालिक अग्नाशयशोथ के रोगियों जिनको अग्नाशय के कैंसर होने का उच्च जोखिम होता है, में बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए, अनूप सराया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 91 लाख रुपये
6. चिरकालिक अग्नाशयशोथ में सरकोपेनिया: महामारी विज्ञान, सर्कोपेनिया के लिए जिम्मेदार एटियलॉजिकल कारकों और आणविक तंत्र का निदान और मूल्यांकन, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 84 लाख रुपये
7. अग्नाशयी रोगों में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र, प्रमोद गर्ग, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 500 लाख रुपये
8. रोगजनन में लाइपोलाइटिक हेलिकोबैक्टर पाइलोरी एंजाइम और उनकी संभावित भूमिका(भूमिकाएं), विनीत आहूजा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2017-2021, 56.75 लाख रुपये
9. आंत माइक्रोबायोम - स्वास्थ्य और सूजन आंत्र रोग में आंतों के स्टेम सेल आला के नियन्त्रक, विनीत आहूजा, एमएचआरडी-शैक्षणिक व अनुसन्धान सहयोग संवर्धन योजना (एसपीएआरसी) 2 वर्ष, 2019-2021, 45.97 लाख रुपये

10. आंतों रोगों में उन्नत अनुसंधान केंद्र, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 500 लाख रुपये
11. क्रोहन रोग और आईटीबी में मैक्रोफेज की जन्मजात सूजन क्षमता का अध्ययन करना, विनीत आहूजा, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2017-2020, 27.40 लाख रुपये
12. भारत में क्रोहन रोग: एक देश का बहु-केंद्रित अध्ययन जहां आंतों के तपेदिक के साथ-साथ क्रोहन रोग स्थानिक है; विनीत आहूजा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016-2019, 42 लाख रुपये
13. गंभीर रूप से सक्रिय क्रोहन रोग वाले सामान्य रोगियों में कमी का आरंभ और रखरखाव में फिल्गोटिनिब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का संयुक्त चरण 3, डबल ब्लाइंड, याद्दच्छिक, प्लेसेबो-नियंत्रित अध्ययन का मूल्यांकन, विनीत आहूजा, गिल्ड, 3 वर्ष, 2018-2021, 20 लाख रुपये
14. गंभीर रूप से सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले सामान्य रोगियों में कमी का आरंभ और रखरखाव में फिल्गोटिनिब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का संयुक्त चरण 2बी/3, डबल ब्लाइंड, याद्दच्छिक, प्लेसेबो-नियंत्रित अध्ययन का मूल्यांकन, विनीत आहूजा, गिल्ड, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये
15. अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन रोग में एन्टीविओ (विदोलिज़ुमब IV) विस्तारित प्रवेश कार्यक्रम, विनीत आहूजा, पीपीडी, 3 वर्ष, 2016-2019, 3 लाख रुपये
16. जैव प्रौद्योगिकी विभाग- सीलिएक रोग पर कंसोर्टियम, गोविंद के. माखरिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 359 लाख रुपये
17. खराब आंत्र सिंड्रोम और गैर-सीलिएक लस संवेदनशीलता वाले रोगियों में पूरी आंतों और आंतों का मेगाहेनेजोम और लस मुक्त आहार का प्रभाव, गोविंद के. माखरिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 61.7 लाख रुपये
18. सीलिएक रोग वाले रोगियों द्वारा बिना लेबल वाले और लेबल वाले लस मुक्त खाद्य उत्पादों और आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों के उपयोग में लस सामग्री का अनुमान, गोविंद के. माखरिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 24 लाख रुपये
19. सीलिएक रोग में इंडो-यूएस जाएंट नेटवर्क सेंटर फॉर एक्सीलेंस, गोविंद के. माखरिया, आईयूएसएसटीएफ, 2 वर्ष, 2017-2019, 43 लाख रुपये
20. कम इम्यूनोजेनिक ग्लूटेन वाले गेहूं के विकास के लिए अन्वेषण, गोविंद के. मखारिया, आईएआरआई, 5 वर्ष, 2016-2021, 46 लाख रुपए।
21. सोफोसबुवीर आधारित उपचार वाले क्रोनिक हिपेटाइटिस सी उपचारित रोगियों में प्रतिरोध संबंधित वेरिएंट (आरएवी) का अध्ययन करना, शालीमार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (डीएचआर) 3 वर्ष, 2017-2020, 44 लाख रुपये
22. हिपेटाइटिस सी. वायरस से ग्रस्त रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को समझने के लिए रिवर्स आनुवंशिक आधारित पुनः संयोजक न्यूकैसल रोग वायरस मॉडल का विकास, बी. नायक, डीबीटी-एनईआर, 3 वर्ष, 2016 -2019, 105 लाख रुपये
23. मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन (एचएलए-जी) के अणुओं की नैदानिक प्रासंगिकता और हिपेटेकोसेल्यूलर कार्सिनोमा में इसकी बहुरूपता, बी. नायक, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4 लाख रुपये।

24. सीडी14-एलपीबीएस-टीएलआर 4 कॉम्प्लेक्स से जुड़े बहुरूपताओं और एमडी 2 अणु के बीच सह-रुग्ण स्थिति और संबंध में एल्कोहल-प्रेरित लिवर रोग (एएलडी) और एल्कोहलिक पैंक्रियाटाइटिस (एएलपी) में सीडी14 जीन विविधता, बी. नायक, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 27 लाख रुपये
25. आंत माइक्रोबायोम - स्वास्थ्य और सूजन आंत्र रोग में आंतों के स्टेम सेल आला का नियंत्रक, विनीत आहूजा, 2 वर्ष, 2019-2021, 4,50,000 रुपये

पूर्ण

1. अग्नाशय के कार्सिनोमा वाले रोगियों के आरईजी-4 और एमयूसी-4 की अभिव्यक्ति, अनूप सराया, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2013-2018, 25 लाख रुपये
2. एच. पाइलोरी सह-संक्रमण वाले एनएएफएलडी के साथ रोगियों में एच. पाइलोरी उन्मूलन चिकित्सा का प्रभाव: एक प्रायोगिक खुले लेबल वाला यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन, शालीमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 5 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानव गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग (एनएएफएलडी) में एमआईआरएनए अभिव्यक्ति की पहचान के लिए एक संभावित सहसंयोजक अध्ययन
2. तीव्र गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में कॉर्टिकोस्टेरॉइड बनाम कॉर्टिकोस्टेरॉइड के साथ अनन्य आंत्र पोषण का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. चिरकालिक अग्नाशयशोथ में अनुकूली प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन
4. पेरियनल फिस्टुलाइजिंग क्रोहन के रोगियों में स्टैमप्यूसेल® *(वयस्क मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न, संवर्धित, अलंकृत, अलोगेलीनिक मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं)* के स्थानीय रूप से देने की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक खुला लेबल**,** एकल आर्म**,** अन्वेषक आरंभित चरण **I / II** अध्ययन
5. सीलिएक रोग वाले रोगियों के पहले-डिग्री वाले रिश्तेदारों में विलस एंटरोपैथी का आकलन
6. लस मुक्त भोजन की उनके लस युक्त समकक्षों के साथ लागत और पोषण संबंधी संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण
7. गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग पर कंसोर्टियम, [आईसीओएन-डी] एक बहुकेंद्रीय भावी अवलोकन अध्ययन
8. हेपेटिक शिरापरक बहिर्वाह पथ बाधा में एक मौखिक एंटीकायगुलेंट के रूप में डाबीगाट्रान: एक पूर्वव्यापी अध्ययन
9. सीलिएक रोग वाले रोगियों में आंतों की विफलता को परिभाषित करना
10. भारतीय सीलिएक रोग वाले रोगियों में लस मुक्त आहार के आकलन के लिए एक उपकरण का विकास और सत्यापन

11. तीव्र अग्नाशयशोथ में संक्रमित तीव्र फ्लुइडकोलिशन के लिए प्रारंभिक बनाम विलंबित परक्यूटेनियस ड्रेनेज: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. लीवर सिरोसिस के रोगियों में सार्कोपेनिया के मापदंडों पर ब्रांच्ड चेन एमिनो एसिड के पूरक का प्रभावः एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
13. छोटी आंत के स्ट्रिक्चर और फ़िस्टुलाइजिंग क्रोहन रोग में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी की प्रभावकारिता और सहनशीलताः एक स्तरीकृत आरसीटी
14. अल्सरेटिव कोलाइटिस में आंत माइक्रोबायोटा व्युत्पन्न चयापचयों के माध्यम से आंतों के उपकला स्टेम सेल (आईएससी) का एपिजेनेटिक रिप्रोग्रामिंग
15. सीलिएक रोग वाले रोगियों द्वारा बिना लेबल वाले और लेबल वाले लस मुक्त खाद्य उत्पादों और आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों के उपयोग में लस सामग्री का अनुमान
16. सीलिएक रोग की अतिरिक्त छोटी आंत की जीआई अभिव्यक्तियाँ
17. भारतीय रोगियों में बड चियारी सिंड्रोम/यकृत शिरापरक बहिर्वाह पथ बाधा का आनुवंशिक आधार
18. आंत माइक्रोबायोटा: स्वास्थ्य और अल्सरेटिव कोलाइटिस में आंतों के स्टेम सेल के नियामक - आंतरिक सिग्नलिंग रास्ता
19. मल्टी-ओमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग के निदान के लिए चरण-विशिष्ट आणविक हस्ताक्षर की पहचान
20. तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में आंतों की पारगम्यता - कठिन जंक्शन प्रोटीन की भूमिका और आंत्र पोषण का प्रभाव।
21. सिरोसिस से पीड़ित रोगियों में ओवर्ट हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी के उपचार में एल-ऑर्निथिन एल-एस्पार्टेट: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
22. इंफ्लेमेटरी बाउल रोग के रोगियों में सीलिय क रोग का प्रसार।
23. सिरोसिस में सार्कोपेनिया की व्यापकता और मांसपेशियों की बायोप्सी में सीरम मायोस्टैटिन और मायोस्टैटिन जीन अभिव्यक्ति के साथ इसका संबंध
24. अग्नाशय के एडेनोकार्सिनोमा वाले रोगियों में ऑटोफैगी की पूर्वाभासी भूमिका
25. चिरकालिक अग्नाशयशोथ के रोगजनन में प्रतिरक्षा पथ की भूमिका
26. हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा और हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस में तरल बायोप्सी बायोमार्कर की भूमिका
27. बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका और एचसीसी लक्ष्यीकरण एमटीओआर मार्ग में इसका मॉडुलेशन।
28. अग्नाशय कैंसर में संकेत पारगमन के एम.आई.आर.एन.ए. मध्यस्थता मॉडूलेशन की भूमिका
29. चिरकालिक पैंक्रियाटाइटिस में सरकोपेनिया: व्यापकता, निदान और रोग-संबंधी मूल्य
30. अनुमानित गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ में लक्षित बनाम मानक द्रव चिकित्सा: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

31. एक वर्ष या उससे अधिक के लिए ग्लूटेन मुक्त आहार पर रोगियों में गैर-उत्तरदायी सीलिएक रोगों के प्रसार और एटियोलॉजी का आकलन करना
32. सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस रोगियों का योजनाबद्ध उपचार करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

पूर्ण

1. आंत के अल्सर-कांस्टिव रोग में क्रोहन रोग से आंतों की टीबी में अंतर करने के लिए एक मल्टी पैरामीटर मॉडल
2. इडियोपैथिक रिकरंट एक्यूट पैन्क्रियाटाइटिस के रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव और एंटीऑक्सिडेंट स्तर का आकलन
3. व्यावसायीकरण के लिए नैदानिक परीक्षणों द्वारा सीलियक रोग और उपभोक्ता सत्यापन के साथ रोगियों के लिए ग्लुटेन-मुक्त खाद्य उत्पादों का विकास
4. तीव्र यकृत विफलता के परिणाम और लंबे समय तक जीवित रहने पर विभिन्न एटियोलॉजी का प्रभाव
5. दो अलग-अलग जातीय आबादी में दूसरी पीढ़ी के सीरोलॉजिकल परीक्षणों के नैदानिक प्रदर्शन का मूल्यांकन, सीलिएक रोग के वैश्विक प्रसार का आकलन
6. सूजन आंत्र रोग (अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोहन रोग) में विटामिन ए द्वारा मानव प्रतिरक्षा और उत्तेजित प्रतिक्रियाओं का मॉड्यूलेशन
7. एचसीसी की लोको-क्षेत्रीय चिकित्सा की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी में सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) की भूमिका
8. मनुष्यों में मादक और गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग के रोगजनन में आंत माइक्रोबायोटा की भूमिका।
9. सीलिएक रोग वाले नैवे मरीजों के उपचार में नैदानिक और उपनैदानिक एंडोक्रिनोपेथि के स्पेक्ट्रम
10. ट्यूमर प्रगति को बढ़ावा देने के लिए मेटाबोलिक रिप्रोग्रामिंग एंजाइम को नियंत्रित करने वाले एमआईआरएनए की भूमिका।
11. भारतीय जनसंख्या में गैर अल्कोहल वसा यकृत रोग के रोगजनन का अध्ययन करना
12. तीव्र क्रोनिक यकृत विफलता वाले रोगियों में पैथोफिजियोलॉजिकल परिवर्तनों का अध्ययन करना
13. 1 वर्ष के लिए जीएफडी पर सीलिएक रोग वाले रोगियों में चयापचय सिंड्रोम के प्रसार का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पैंक्रिएटिक स्यूडोसिस्ट का इंडोस्कॉपिक बनाम लेप्रोस्कोपिक ड्रेनेज का यादृच्छिक परीक्षण, शल्य चिकित्सा
2. लस मुक्त आहार के लिए अनुत्तरदायी सीलिएक रोग वाले रोगियों के एक समूह में दुर्दम्य सीलिएक रोग की पहचान के लिए विभिन्न नैदानिक तौर तरीकों की तुलना, पैथोलॉजी

3. हिपेटिक वसा सामग्री और एंजियोग्राफिक कोरोनरी आर्टरी स्टेनोसिस का सहसंबंध, कार्डियोलॉजी विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल
4. सीआरआईएसपीआर/सीएएस13ए प्रणाली का उपयोग करते हुए वायरल डीएनए की पहचान करने हेतु एक कम लागत वाले नैदानिक मंच का विकास, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
5. चूहों में प्रयोगात्मक तीव्र पैंक्रिएटाइटिस के डक्ट लिगेशन और एनए-ट्रोकोलेट मॉडल पर एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं का प्रभाव, जी.आई. सर्जरी एवं एनाटॉमी
6. उत्तरी भारत से सूजन आंत्र रोग वाले रोगियों में आंत माइक्रोबायोम, माइकोबोम और वारोम पर शहरीकरण का प्रभाव, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
7. यकृत की बीमारी वाले रोगियों में सीलिएक रोग के पूलित प्रसार का अनुमानः व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, बेथ इज़राइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर, यूएसए
8. छोटे कद वाले रोगियों में सीलिएक रोग के पूलित प्रसार का अनुमानः व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, बेथ इज़राइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर, यूएसए
9. भारतीय जनसंख्या में आत्महत्या के साथ साइटोकिन की आनुवंशिक संगति, फोरेंसिक चिकित्सा
10. लिवर फाइब्रोसिस मॉडल में मानव मेसेंकाइमल स्टेम सेल से प्राप्त एक्सोमस की हिपेटिक रिजनरेटिव क्षमता, स्टेम सेल सुविधा
11. सीलिएक रोग में आंतों के स्टेम सेल, पैथोलॉजी
12. सीलिएक रोग वाले रोगियों के एचएलए-डीक्यू2/डीक्यू8 मिलान वाले पहले डिग्री रिश्तेदारों में रोग संशोधक के रूप में एमआईआरएनए, पैथोलॉजी
13. मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम में वृद्धि विभेदन कारक-15 (जीडीएफ-15), आयरन ट्रैकिंग प्रोटीन, सूक्ष्म पोषक तत्व एंटीऑक्सीडेंट के बीच अंतःक्रियात्मक आण्विक अभिव्यक्ति और अंतःक्रिया, प्रयोगशाला चिकित्सा
14. थायरॉइड डिस्फंक्शनिंग का पता लगाने के लिए एम्पेरोमेट्रिक बायोसेंसर आधारित नैनोपार्टिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टैक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
15. हेपेटाइटिस ई वायरस के विरूद्ध टीका आधारित नैनोटेक्नोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टैक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
16. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र जठरांत्र चोट की व्यापकता, बाल चिकित्सा
17. एक्यूट ऑन क्रोनिक लिवर फेल्योर (एसीएलएफ) रोगियों में विभिन्न साइटोकाइन्स के पूर्वानुमानिक मान का आकलन करना, संक्रामक रोग

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा ऑस्टियोसारकोमास में सीरम बायोमार्कर डायनेमिक कन्ट्रास्ट इन्हैस्ड चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और ऊतकविकृतिविज्ञानी के बीच सहसंबंध, आर्थोपेडिक्स
2. अस्वस्थ मोटे रोगियों के गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग में ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रो-एंटीइंफ्लैमेटरी पथ पर बेरियाट्रिक सर्जरी का प्रभाव, शल्य चिकित्सा विभाग

3. क्रिप्टोजेनिक लीवर रोग के रोगियों में ऑक्युलेट हिपेटाइटिस सी वायरस इन्फेक्शन (ओसीआई) की व्यापकता और आण्विक लक्षण वर्णन, माइक्रोबायोलॉजी
4. उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई और जीए-68 पीएसएमए पीईटी स्कैन की भूमिका और हिस्टोपैथोलॉजी और जीनोमिक मार्कर के साथ इसका सहसंबंध, रेडियोडायग्नोसिस।
5. एचबीवी प्रतिकृति और हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा को संशोधित करने में एक लघु-श्रृंखला फैटी एसिड की भूमिका का अध्ययन, जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एसएयू, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 76 **सार: 19** **पुस्तक में अध्यायः 1**

रोगी उपचार

नियमित गैस्ट्रोएंटरोलॉजी क्लिनिक (सोमवार से शुक्रवार)

नए मामलेः 27,552 **पुराने मामलेः 38,606**

विशेष क्लिनिकः

क्लिनिक का नाम	नए मामले	पुराने मामले
लिवर क्लिनिक	1,382	14,329
पैंक्रियाज़ क्लिनिक	772	3,431
आईबीडी और आईटीबी क्लिनिक	688	7,380
इंटरवेंशनल क्लिनिक	405	585
सीलिएक क्लिनिक	70	735

एंडोस्कोपी सेवाएं

प्रक्रियाओं की सूची

नैदानिक एवं चिकित्सीय एंडोस्कोपीः 20,520
नैदानिक एवं चिकित्सीय कॉलोनोस्कोपीः 2,880
नैदानिक सिग्मोइडोस्कोपीः 2,168
साइड-व्यूइंग एंडोस्कोपीः 830
एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कॉलेंजियोपैंक्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी): 2,520
एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक और चिकित्सीय): 515
फाइब्रोस्कैनः 10,610

जी.आई. मोटिलिटी

उच्च रिज़ॉल्यूशन एसोफैगल मैनोमेट्रीः 437
उच्च रिज़ॉल्यूशन एनोरेक्टल मैनोमेट्रीः 334
बायोफीडबैकः 186
24 घंटे ऐम्बुलेटरी पीएच मॉनीटरिंगः 12

विभाग में की गईं जाँचें

1.	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा हेपेटाइटिस बी वायरस क्वांटिटेशन	2,716
2.	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा हेपेटाइटिस सी वायरस क्वांटिटेशन	2,054
3.	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	155
4.	एचईवी डिटेक्शन क्वालिटेटिव	422
5.	एलिसा द्वारा एचबीएसएजी	1,759
6.	फ्लूरोमेटरी/एलीसा द्वारा एचबीईएजी	480
7.	विदास/एलिसा द्वारा एंटी एचबीई	188
8.	विदास/एलिसा द्वारा एंटी एचबीसी कुल	938
9.	विदास द्वारा एचबीसीआईजीएम	7
10.	एलिसा द्वारा एचएवी आईजीएम	447
11.	एलिसा द्वारा एचईवी आईजीएम	450
12.	एलिसा द्वारा एंटी एचसीवी	1,644
13.	आर्टिरियल अमोनिया	1,136
14.	नेफेलोमेट्री द्वारा आईजीजी4	13
15.	कोलोरिमेट्री द्वारा डी-ज़ायलोस	422
16.	ईथर एक्सट्रैक्शन द्वारा फीकल फैट	273
17.	एलिसा द्वारा फीकल इलास्टेज	398
18.	हाइड्रोजन ब्रेथ टेस्ट	79
19.	यूरिया ब्रेथ टेस्ट	23
20.	एफईआईए द्वारा टीटीजी आईजीए	300
21.	एलिसा द्वारा टीटीजी आईजीए	1,753
22.	टर्बिडोमेट्री द्वारा सेरुलोप्लास्मिन	1,615
23.	कोलोरिमेट्री द्वारा सीरम कॉपर	837
24.	24 घंटे यूरिनरी कॉपर	663
25.	स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री द्वारा लिपिड पेरोक्सीडेशन (एमडीए)	21
26.	फ्री रेडिकल एंटीऑक्सीडेंट पोटेंशियल (एफआरएपी)	21
27.	लैक्टोज	150

28.	मन्नीटोल	150
29.	एसएचएलए जी एलिसा	76
30.	एलिसा द्वारा एचएस सीआरपी	80

पुरस्कार, सम्मान और महत्तवपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य प्रमोद गर्ग को वर्ष 2017 के 'स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान' श्रेणी में ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के नामित सदस्य, गैर-संचारी रोग प्रभाग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार समूह के सदस्य, 8 फरवरी 2019 को कोलकाता में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के पश्चिम बंगाल चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'केएन जालान ओरेशन' दिया।

प्रोफेसर गोविंद के. मखारिया को क्लिनिकल रिसर्च कमेटी, विश्व गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन (2017-2020) के सह-अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया; विश्व गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन द्वारा "आहार और आंत" पर वैश्विक दिशानिर्देश बनाने के सह-अध्यक्ष; सीलिएक रोग पर अध्ययन के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन के बोर्ड सदस्य (2015-2019); परिषद सदस्य, एशियन पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (एपीएजीई); इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के महासचिव (2016-2019); संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य, नैदानिक और अनुवाद संबंधी गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (अमेरिकन कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी); सीलिएक रोग पर जैव प्रौद्योगिकी कंसोर्टियम विभाग के समन्वयक; गवर्निंग काउंसिल के सदस्य, इंडियन मोटिलिटी एण्ड फंक्शनल डिजीज एसोसिएशन; इंफ्लेमेट्री बाउल डिजीज पर इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टास्क फोर्स के समन्वयक; यंग क्लिनिशियन प्रोग्राम, इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के समन्वयक।

डॉ. बैबास्वत नायक पीएलओएस पैथोजेन, वायरस डिजीजेस, नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट, बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च, ड्रग रिसर्च, ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पीएलओएस वन, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ वायरोलॉजी, वायरस रिसर्च, वायरोलॉजी इम्यूनोलॉजी, वायरल इम्यूनोलॉजी, जर्नल ऑफ वेटरनरी साइंस, एक्टा ट्रॉपिका, बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल, बीएमसी मेडिकल जीनोमिक्स, मॉलीक्यूलर एण्ड सेल बायोलॉजी ऑफ लिपिड्स, रिसर्च रिपोर्ट, कैनेडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपाटोलॉजी, कंप्यूटर मेथड्स एंड प्रोग्राम इन बायोमेडिसिन एंड इन्फर्मेटिक्स इन मेडिसिन सहित 21 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक हैं; डीएसटी एसईआरबी, आयुष/सीसीआरएच, आईसीएमआर एसटीएस विशेषज्ञ समूह, आईसीएमआर आईटीआर (नवाचार अनुवाद अनुसंधान) समूह बाहय निधि के समीक्षक भी है और संस्थान जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी) के डीबीटी नामांकित व्यक्ति हैं।

डॉ. सौरभ केडिया को केरल के कोच्चि में आयोजित आईएसजीसीओएन-2018 के दौरान 'तीव्र गंभीर बृहदांत्रशोथ में आंत सूक्ष्मजीव विविधता हल्के से मध्यम कोलाइटिस से भिन्न है' पत्र शीर्षक के लिए युवा अन्वेषक पुरस्कार से सम्मानित किया गया, गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स रोग पर भारतीय दिशानिर्देशों के विकास पर आईएसजी टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में नामित, जीईआरडी पर दिशानिर्देशों के विकास पर आईएसजी-एपीआई टास्क फोर्स के नामित सदस्य।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. सौरभ मुकेवर, सहायक प्रोफेसर, एनवाई प्रेस्बिटेरियन अस्पताल, यूएसए, 28 अगस्त 2018
2. डॉ. डेविड सी. व्हिटकोम्ब, मेडिसिन के आचार्य, प्रमुख, गैस्ट्रो प्रभाग, हेपाटोलॉजी और पोषण, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, यूएसए 5 दिसंबर 2018
3. डॉ. एस. दशरथी, अध्यक्ष (चेयरमैन) गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग, हेपेटोलॉजी और पोषण, क्लीवलैंड क्लिनिक, ओहियो, यूएसए 2 फरवरी 2019

9-14 tBjk= 'kY; fpfdRlk vkj ;Ñr iR;kjki.k

vkpk;l ,o v/;{k

पीयूष साहनी

vkpk;l

सुजॉय पाल | निहार रंजन दाश

lgk;d vkpk;l ¼lfonk ij½

राजेश पंवार | आनंद नारायण सिंह

विशिष्टताएं

विभाग ने 17 तथा 18 नवंबर 2018 को लीवर ट्रांस्प्लांटेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एल.टी.एस.आई.सी.ओ.एन. 2018) के सर्वप्रथम सम्मेलन का आयोजन किया। हमने 18 नवंबर 2018 को कैडवेरिक मल्टी-आर्गन रिट्रीवल तथा वैस्कुलर एनास्टोमोसिस पर व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का संचालन भी किया।

शिक्षा

विभाग स्नातकपूर्व छात्रों को शिक्षा देने में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग जठरांत्र शल्य चिकित्सा में एम.सी.एच. प्रदान करने हेतु 3 वर्ष का प्रशिक्षण देता है। विभाग में 14 एम.सी.एच. छात्र हैं। विभाग 1-3 माह की अवधि की लघु-अवधि ऑब्जर्वरशिप भी प्रदान करता है। साप्ताहिक शैक्षणिक गतिविधियों में एक साप्ताहिक ऑडिट, हाल ही में प्रकाशित पत्रों के सार पर प्रस्तुतिकरण, एक सेमिनार, जर्नल क्लब तथा अनुसंधान व शोध-निबंध परियोजना पर चर्चा शामिल हैं। इनके अलावा, जठरांत्र पर एक संयुक्त सत्र तथा जी.आई. रेडियोलॉजी पर एक सम्मेलन का सप्ताह में एक बार तथा जी.ई.-जी.आई. सर्जरी हिस्टोपैथोलॉजी पर दो सप्ताह में एक बार सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के “प्रकाशन के 30 वर्ष पूरे होने का समारोह”, एम्स, नई दिल्ली, 5-8 अप्रैल 2018
2. “अनुसंधान पत्र लेखन” पर कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 5-6 अप्रैल 2018
3. “हाउ टू पीयर रिव्यू” पर कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 6 अप्रैल 2018
4. संपादकों हेतु सेमिनार-सह-कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 7-8 अप्रैल 2018
5. लीवर ट्रांसप्लांटेशन सोसाईटी ऑफ इंडिया (एल.टी.एस.आई.सी.ओ.एन. 2018), का सर्वप्रथम सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली, 17-18 नवंबर 2018
6. कैडेवरिक मल्टीआर्गन रिट्रीवल पर कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 18 नवंबर 2018
7. वस्कुलर एनास्टोमोसिस पर कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 18 नवंबर 2018

प्रदत्त व्याख्यान

पीयूष साहनी : 76 | **सुजॉय पाल : 12** | **निहार रंजन दाश : 2**

राजेश पंवार : 6 | **आनंद नारायण सिंह : 3**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 19

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक सस्ते स्वदेशी नो-फ्रिल एंटरल फीडिंग पंप का निर्माण, पीयूष साहनी, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2015-2018, रुपए 23.85 लाख ।
2. क्लोरेक्सिडीन एल्कोहल सामग्री से त्वचा प्रीप्रेशन बनाम ऐच्छिक जठरांत्र सर्जरी में सैवलोन / बीटाडिन सामग्री पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पीयूष साहनी, एम्स, 5 वर्ष, 2012-2018 रुपए 1.50 लाख ।
3. परिधीय रिसेक्शन मार्जिन तथा मध्यावधि उत्तरजीविता परिणाम पर विशेष ध्यान देते हुए अग्नाशय के कैंसर से ग्रसित रोगियों में पोस्टीरियर (एस.एम.ए.-प्रथम) दृष्टिकोण बनाम मानक पैनक्रियाटोडूडेनेकटॉमी : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुजॉय पाल, एम्स, 5 वर्ष, 2013-2018, रुपए 5 लाख ।
4. भारत में रिसेक्टिड कोलोरेक्टल कैंसर की आनुवांशिक और आणविक प्रोफाइल को दस्तावेजी बनाने हेतु एक प्रारंभिक अध्ययन, सुजॉय पाल, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपए 5 लाख ।
5. पित्ताशय के कैंसर में एच.आई.पी.ई.सी. की सुरक्षा एवं प्रभावकता, निहार रंजन दाश, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपए 5 लाख ।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में ऑपरेशन-पूर्व निम्न खुराक बनाम मानक खुराक स्टेरॉयड आहार का एक यादृच्छिक परीक्षण
2. गैस्ट्रिक कैंसर के उपचार में हाइपरथरमिक इंट्रा पैरिटोनियल कीमोथेरेपी की सुरक्षा एवं प्रभावकता
3. यकृत प्रतिरोपण की प्रतीक्षा कर रहे यकृत की दीर्घकालिक बीमारी (सी.एल.डी.) से ग्रसित रोगियों में सार्कोपेनिया के मूल्यांकन हेतु एक अग्रदर्शी अध्ययन

पूर्ण

1. कमजोरी की व्यापकता तथा शल्य चिकित्सा करवाने वाले बुजुर्ग रोगियों में अस्वस्थता से इसका सम्बन्ध
2. प्रमुख जठरांत्र शल्य चिकित्सा में डीप वीन थ्रोम्बोसिस (डी.वी.टी.) का प्रसार : एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
3. एक तृतीयक उपचार केन्द्र में कोलेसिस्टेक्टोमी पित्त अवक्षेप के उपरान्त के परिणाम
4. गैस्ट्रिक पुलअप तथा सर्वाइकल इसोफैगो-गैस्ट्रिक एनास्टोमोसिस के उपरान्त एनास्टोमोटिक जटिलताओं के विकास पर प्रोटोन पंप अवरोधकों का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कोलोरेक्टल कैंसर मूल कोशिकाओं की पृथक तथा आणविक विशेषता (जीव रसायन)

2. हेपाटाइटिस के बहु-विषाणुओं की पहचान हेतु सिंगलप्लेक्स पी.सी.आर. आधारित जांच का विकास (प्रयोगशाला चिकित्सा)
3. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेड़ से कैंसर मूल कोशिकाओं का विलगाव, पहचान तथा लक्षण-वर्णन (जीव रसायन)
4. कोलोरेक्टल कैंसर मूल कोशिकाओं में अलग ढंग से व्यक्त जीन की भूमिका को स्पष्ट करना (जीव रसायन)
5. भारतीय आबादी में पित्ताशय की थैली के कैंसर में जीनोमिक्स (विकिरण अर्बुद विज्ञान)

पूर्ण

1. जी.आई. सर्जरी करा रहे बुर्जुग रोगियों में दुर्बलता का मूल्यांकन (जराचिकित्सा)
2. हिपेटोबिलरी दुर्दमताओं से ग्रसित रोगियों में पोर्टल वीन इम्बोलाइज़ेशन पर एक अवलोकनात्मक अध्ययन ।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 16 **सार : 17** **पुस्तकों में अध्याय : 1**

पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

ओपीडी

देखे गए नए रोगियों की कुल संख्या : 3,471

देखे गए पुराने रोगियों की कुल संख्या : 6,925

विशिष्ट निदानशाला

विभाग स्टोमा रोगियों के लिए एक दैनिक निदानशाला चला रहा है।

विशिष्ट प्रयोगशाला सेवाएं

गुदा मैनोमेट्री, ग्रासनलीय मैनोमेट्री, 24-घण्टे की एंबुलेटरी इसोफैगल पी.एच. मॉनिटरिंग, एंडोट्रेनिंग प्रयोगशाला।

भर्ती रोगी

कुल शल्यक प्रक्रियाएं : 607 **ऐच्छिक : 480** **आपातकालीन : 127**

विशेष रूचि वाले क्षेत्र

पित्त बाधा	130	पोर्टल हाइपरटेंशन	26
ग्रासनलीय कैंसर	31	कार्सिनोमा पित्ताशय	49
अल्सरेटिव कोलाइटिस	57	अपर जी.आई. हैमरेज	04
लोअर जी.आई. हैमरेज	10	तीव्र अग्नाशयशोथ	12
दीर्घकालिक अग्नाशयशोथ	10	पित्त सम्बन्धी बाधा	13
पैनक्रिएटो-ड्यूओडेनेक्टॉमी	57	यकृत रिसेक्सन	62

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. पीयूष साहनी ने 28 दिसंबर 2018 को चेन्नई में आयोजित एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के 78वें वार्षिक सम्मेलन में डा. श्रीश के भंसाली मेमोरियल व्याख्यान दिया जिसका शीर्षक था "एवोलूशन ऑफ सर्जरी फॉर एक्यूट पैनक्रियाटाइटिस"। वे अध्यक्ष तथा समापति थे, एजुकेशन कमेटी; इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटोरोलॉजी; अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जरनल एडिटर; सभापति मैंमबरशिप कमेटी, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स; सदस्य, संपादकीय मंडल, जरनल ऑफ गैस्ट्रोइंट्सटेनियल सर्जरी (सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ दी एलिमेंट्री ट्रैक्ट की आधिकारिक पत्रिका) तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि, सदस्य सर्विसिज़ कमेटी, सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ दी एलिमेंट्री ट्रैक्ट, यू.एस.ए.; सदस्य, इंटरनेशनल कमेटी ऑफ मेडिकल जरनल ऐडिटर्स; सदस्य, एथिक्स कमेटी, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया; सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, एम्स, भुवनेश्वर।

प्रो. सुजॉय पाल ने नवंबर 2018 को लीवर ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल पूरा किया तथा वर्ष 2018-2019 के लिए भूतपूर्व अध्यक्ष (एल.टी.एस.आई.) नामित किये गए। वे इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी की वैज्ञानिक समिति के सदस्य, आई.एच.पी.बी.ए. के पित्तशय कैंसर रजिस्ट्री कार्यरत समूह तथा इंडियन जरनल ऑफ गैस्ट्रोऐंटोरोलॉजी के संपादक मंडल के सदस्य हैं। वे सूचना के अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत जी.आई. सर्जरी विभाग के मुख्य जन-सूचना अधिकारी भी हैं।

प्रो. निहार रंजन दाश को पुन: इंडियन ऑस्टोमी सोसाइटी का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया तथा इंडियन ऑस्टोमी सोसाइटी की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। वे यूरोपियन रेडियोलॉजी, बी.एम.सी. सर्जरी, बी.एम.सी. केस रिपोर्ट तथा ट्रोपिकल गैस्ट्रोऐंटोरोलॉजी के समीक्षक थे। इन्हें जी.आई. सर्जरी में विशिष्टता के साथ संघ लोक सेवा आयोग में विशेषज्ञ, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, जम्मू-कश्मीर, केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.), प्रश्न इंडिया, आई.सी.एम.आर. गॉल ब्लैडर टास्क कोर्स में सर्जिकल गैस्ट्रोऐंटोरोलॉजी के प्राध्यापक के साक्षात्कार, तथा सर्जिकल गैस्ट्रोऐंटोरोलॉजी विभाग, एम्स, भुवनेश्वर में संकाय के चयन हेतु नियुक्त किया गया।

9-15 t jkfpfdRl k foHkkx

vkpk;l ,o v/;{k

ए. बी. डे

I gk;d vkpk;l

प्रसून चटर्जी　　अविनाश चक्रवर्ती　　विजय कुमार

विशिष्टताएं

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 जून 2018 को एम्स में नेशनल सेंटर फॉर एजिंग की नींव रखी। इस अवसर पर श्री जे.पी. नड्डा, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री अश्विनी कुमार चौबे तथा श्रीमती अनुप्रिया पटेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भी उपस्थित थे। नेशनल सेंटर फॉर एजिंग बुजुर्ग आबादी को अत्याधुनिक नैदानिक उपचार उपलब्ध कराएगा तथा जराचिकित्सा और सम्बन्धित विशिष्टताओं के क्षेत्र में अनुसंधान को निर्देशित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। केन्द्र स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए एक मुख्य प्रशिक्षण केन्द्र भी होगा। केन्द्र 180 जनरल वार्ड बेड तथा 20 आई.सी.यू. बेड के साथ मल्टीस्पेशेलिटी स्वास्थ्य चिकित्सा भी उपलब्ध कराएगा। रुपए 330 करोड़ की लागत से इसका निर्माण किया जाएगा। जराचिकित्सा विभाग ने 15-16 नवंबर 2018 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एशिया पेसिफिक जेरिएट्रिक मेडिसिन नेटवर्क सम्मलेन के साथ-साथ वृद्धावस्था तथा जराचिकित्सा पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन किया।

शिक्षा

विभाग भारत में सबसे बड़ा जराचिकित्सा स्नातकोत्तर विभाग है। नैदानिक संयुक्त सत्र जैसी संस्थानिक शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के अतिरिक्त, विभाग ने प्रति सप्ताह शिक्षण के पांच सत्रों सहित स्नातकोत्तर प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया। डॉ. मंजुला गुप्ता, आचार्य, चिकित्सा विभाग, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल ने अपने अस्पताल में जराचिकित्सा सेवा स्थापित करने हेतु विभाग में बतौर पर्यवेक्षक दो सप्ताह व्यतीत किये।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. एशिया पेसिफिक जेरियाट्रिक मेडिसिन नेटवर्क सम्मेलन के साथ जराविज्ञान तथा जराचिकित्सा पर चौथी अंतराराष्ट्रीय कांग्रेस, 15-16 नवंबर 2018, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

ए.बी. डे : 8　　**प्रसून चटर्जी : 2**

प्रस्तुत किये गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 16

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. लांगिट्यूडनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एल.ए.एस.आई.) हेतु हार्मोनाईज़्ड डायग्नोस्टिक एस समेंट ऑफ डिमेंशिया (डी.ए.डी.), ए.बी. डे, एन.आई.एच., 3 वर्ष, 2015-2019, रुपए 528 लाख ।

2. लांगिट्यूडनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एल.ए.एस.आई.), ए.बी. डे, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 4 वर्ष, 2015-2019 रुपए 5 लाख ।
3. www.oldagesoulutions.org, बुजुर्गों एवं उनके सुविधाप्रदाताओं के लिये एक वेब पोर्टल, ए.बी. डे, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 47.38 लाख ।
4. स्वास्थ्य जागरूकता की तुलना में व्यक्तिपरक हानि में मल्टीमॉडल हस्तक्षेप का प्रभाव, प्रसून चटर्जी, डी.एस.टी., 2 वर्ष, 2018-2020, रुपए 38.52 लाख ।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अति बुजुर्ग व्यक्तियों में कार्यात्मक स्थिति पर नार्डिक वाकिंग प्रशिक्षण का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण ।
2. दुर्दमता से ग्रसित बुजुर्गों में उनके आरम्भिक मूल्यांकन, पूर्व-सूचना तथा उपचार के लिए निर्मित एक नवीन पैमाने द्वारा हीमेटोलॉजिकल विकृतियों (मल्टीपल मायलोमा) वाले रोगियों का जेरियाट्रिक आंकलन ।
3. उम्र बढने के संकतेक के रूप में सीरम में नवीन इंट्रासेलुलर प्रोटीन का मूल्यांकन
4. वृद्धावस्था में कंकाल मांसपेशी के पुनर्जनन का अध्ययन
5. भारतीय बुजुर्गों में दुर्बलता अवस्था की स्वायत कार्यप्रणाली का आंकलन
6. भारतीय बुजुर्गों में न्यूमोकोकल टीके की नैदानिक तथा प्रतिरक्षात्मक प्रभावकता के आंकलन हेतु यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रण परीक्षण
7. जराचिकित्सा ओ.पी.डी. में आ रहे भारतीय बुजुर्गों में कार्डियोपल्मोनरी परीक्षण
8. बुजुर्गों में नैदानिक दुर्बलता के एक नए पैमाने का विकास
9. भारतीय बुजुर्ग आबादी में सार्कोपेनिया के बायोमार्कर तथा नैदानिक उपरकरण
10. भारतीय बुजुर्गों में एक कार्बन चयापचय तथा संज्ञानात्मक क्षति
11. बुजुर्गों में आंतरिक क्षमता की एक नैदानिक संरचना की स्थापना
12. संज्ञानात्मक क्षति हेतु बायोमार्कर के तौर पर पुराने रोगियों में नवीन प्रोटीन की गणना
13. अति बुजुर्गावस्था (>85 वर्ष) में रोग की हालिया शुरूआत हेतु अस्पताल में भर्ती के उपरान्त उत्तर-जीविता का पूर्वानुमानक
14. समुदाय व्यवस्था में सार्कोपेनिया का अवलोकन
15. संज्ञानात्मक क्षति वाले रोगियों के देखभालकर्त्ताओं में सुविधाप्रदाता तनाव, तथा बोझ
16. वृद्ध आबादी में प्रलाप की घटना एवं व्यापकता तथा इसके सामाजिक-जनसांख्यिकीय, नैदानिक तथा जैवरासायनिक सहसंबंध ।
17. भारतीय बुजुर्गों में जैविक उम्र बढने के संकेतक तथा इसके सहसंबंध ।

पूर्ण

1. भारतीय तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में वैकल्पिक आर्थोपेडिक प्रक्रिया के दौर से गुजर रहे बुजुर्ग रोगियों का अध्ययन।
2. दुर्बल बुजुर्ग वयस्कों में अनुभूति का अध्ययन ।
3. स्मृति निदानशाला में आ रहे रोगियों में गति एवं संतुलन का मूल्यांकन
4. सौम्य व्यवहार की हानि में नैदानिक, जैव रासायनिक तथा रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल

5. भारत की एक तृतीयक स्वास्थ्य निदान सुविधा में दुर्बलता निदानशाला में आ रहे वृद्ध वयस्कों का व्यापक जराचिकित्सा मूल्यांकन
6. प्रत्यक्ष रूप से स्वस्थ बुजुर्ग रोगियों में बढ़ती उम्र पर आयुष रसायन (क तथा ख) के प्रभाव के अध्ययन हेतु सहयोगी बहु-केन्द्रित नैदानिक परीक्षण
7. भारतीय अस्पताल संस्थानों में दुर्बलता का अनुमान लगाना; तीन संकेतकों की तुलना
8. वृद्ध वयस्कों में मधुमेह परिधीय न्यूरोपैथिक पीड़ा पर लेज़र थेरेपी उपचार के प्रभाव पर एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
9. अति बुज़ुर्गों में व्यावहारिक स्थिति पर नोर्डिक वाकिंग का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 7 **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी उपचार

विभाग द्वारा प्रतिदिन ओ.पी.डी. सुविधाएं एवं सप्ताह में एक बार अपराहन स्मृति निदानशाला उपलब्ध करायी गई। इस वर्ष के दौरान ओ.पी.डी. में रोगियों को 51,365 (नए व पुराने) परामर्श दिये गए तथा स्मृति निदानशाला में 412 (202 नए तथा 210 पुराने) रोगियों को देखा गया। विभाग की दिवस उपचार सुविधा से 14,345 रोगियों को पुनर्वास सुविधा प्रदान की गई। इस वर्ष के दौरान जराचिकित्सा वार्ड में 1401 रोगियों को भर्ती किया गया।

सामुदायिक सेवा

विभाग के संकाय तथा रेजिडेंट्स ने दिल्ली एन.सी.आर. क्षेत्र के वृद्धाश्रमों में गैर-सरकारी संगठन हेल्दी ऐजिंग इंडिया द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए लगाए गए स्वास्थ्य शिविरों में भाग लिया ।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. ए.बी. डे को जेनेवा में 11-12 दिसंबर 2018 को विश्व स्वास्थ्य संगठन क्लीनिकल कंसोर्टियम की हेल्दी ऐजिंग विषय पर होने वाली बैठक में शामिल होने हेतु निमंत्रित किया गया। डॉ. ए.बी. डे ए.पी.आई. टैक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन के 11वें संस्करण में सेक्शन जेरेनटोलॉजी के अनुभाग संपादक थे।

वैज्ञानिकों का दौरा

डॉ. नंदू गोस्वामी, मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ ग्राज़, आस्ट्रिया प्रिव. डोजेन्ट, ओट्टो लोवि रिसर्च सेंटर फॉर वस्कुलर बायोलॉजी, इम्यूनोलॉजी एण्ड इन्फ्लामेशन ने फरवरी 2019 में विभाग का दौरा किया।

9-16 #f/kj foKku

vkpk;l ,o v/;{k

रेणु सक्सेना

vkpk;l

एच. पी. पति — एम. महापात्रा

एस. त्यागी — तूलिका सेठ

Lkgk;d vkpk;l vuqc/k

मुकुल अग्रवाल — ऋषि धवन

oKkfud & II

एस. सेजवाल — सुमन लता

oKkfud & I

रवि रंजन — रवि कुमार

विशिष्टताएं

- रुधिर विज्ञान विभाग वास्तविक समय पीसीआर/पीसीआर/फ्लोसाइटोमेट्री जैसी आधुनिकतम तकनीक का उपयोग करते हुए रुधिर विज्ञान संबंधी विकारों के निदान और प्रबंध में शामिल था। इसमें रुधिरविज्ञानी विकारों से पीड़ित रोगियों का दैनिक निदान एवं प्रबंधन भी सम्मिलित था।
- विभाग एप्लास्टिक एनिमिया, थेलिसेमिया, यूकेमिया और मायलोडीप्लास्टिक सिंड्रोम के लिए एलोजेनिक हिमेटोपोइटिक स्टीम कोशिका प्रत्यारोपण का निष्पादन जारी रखता है।
- आईएसएचटीएम-एम्स के बाह्य गुणवत्ता आकलन कार्यक्रम, समन्वयक के रूप में डॉ. आर. सक्सेना के साथ रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स द्वारा आयोजित एनएबीएल द्वारा एक पीटी प्रदाता के रूप में मान्यता दी गई थी।
- रुधिर विज्ञान विभाग ने डॉ. आर. सक्सेना, मुख्य अन्वेषक के साथ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपेरिमेंटल हिमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, यूनिवर्सिटी क्लिनिक बोन के सहयोग से इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ हिमोस्टेसिस एंड थ्रोम्बोसिस द्वारा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र का दर्जा प्राप्त किया।
- स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स के संकाय के प्रयासों के माध्यम से थैलिसेमिया एंड हिमोग्लोबिनोपैथीस के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय नीति बनाई गई गई थी।

शिक्षा

विभाग द्वारा पीएच.डी. कार्यक्रम के साथ डीएम नैदानिक रुधिर विज्ञान और डीएम रुधिर विकृति विज्ञान पाठ्यक्रम संचालित करना जारी है।

संकाय सदस्यों द्वारा रुधिर विज्ञान तथा काय चिकित्सा में स्नातक पूर्व छात्रों और बाल चिकित्सा विभाग के छात्रों हेतु नैदानिक रोगी अध्ययनों की कक्षाएं लेना जारी रखा है। उन्होंने रुधिर विज्ञान में एम डी विकृति विज्ञान छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना भी जारी रखा। विभाग ने प्रत्येक दो सप्ताह के लिए अन्य संस्थानों से नैदानिक और रुधिर विज्ञान प्रयोगशाला से 2 डॉक्टरों को क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष के दौरान 7 एमएससी छात्रों के लिए भी दो महीने के लिए रुधिर विज्ञान में अल्पकालिक प्रशिक्षण चलाया गया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- विभाग ने 14-15 अप्रैल 2018 को नेशनल हेमेटोलॉजी अपडेट-**XI** का आयोजन किया
- इसने 13 अप्रैल 2018 को एम्स में हीमोफिलिया और सेंट्रल लाइन इंसर्शन एंड केयर पर कार्यशालाओं का आयोजन किया

प्रदत्त व्याख्यान

रेणु सक्सेनाः 12 एच.पी. पतिः 8 एम महापात्राः 6 सीमा त्यागीः 2

तूलिका सेठः 31 मुकुल अग्रवालः 8

मौखिक पत्र / प्रस्तुति पत्रः 22

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. डिजिटल हीमोग्लोबिनमीटर (TrueHb), क्षेत्र सेटिंग्स में एनीमिया के रोगियों की जांच के लिए हेमोको और गैर-इनवेसिव डिवाइस की नैदानिक प्रभावकारिता, रेणु सक्सेना, डीएचआर, 1 वर्ष, 2018-2019, 25 लाख रुपये
2. सामाजिक - पारिस्थितिकीय प्रभाव और जनजातीय स्वास्थ्य: भारत में जनजातियों के बीच थेलेसेमिया उत्परिवर्तन की महामारी विज्ञान विविधता पर अध्ययन और सामाजिक - पारिस्थितिकीय प्रभावों का प्रभाव, रेणू सक्सेना, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 4.38 लाख रुपए प्रति वर्ष।
3. प्रोफिलैक्सिस के लिए ट्रोटोक्टोग अल्फ़ा की सुरक्षा और मध्यम के साथ पहले के रोगियों में रक्तस्राव के एपिसोड का उपचार या भारत में गंभीर हीमोफिलिया ए, तूलिका सेठ, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष।
4. इब्रूटिनिब के साथ इलाज किए गए सीएलएल और एमसीएल रोगियों के नैदानिक परिणाम: भारत से एक अवलोकन संबंधी पूर्वव्यापी मेडिकल चार्ट की समीक्षा, तूलिका सेठ, सिरो क्लिन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2018-2019

पूर्ण

1. प्रगतिशील और उभरते बाजार में माइलोप्रोलिफरेटिव नियोप्लाज्म्स एपिडेमियोलॉजिकल रजिस्ट्री द मर्ज स्टडी, तूलिका सेठ, नोवार्टिस इंडिया, 3 साल, 2015-2018
2. मोनोसाइट कार्यों के नियमन में सक्रिय प्लेटलेट्स की भूमिका और हेमोलिटिक विकारों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया, तूलिका सेठ, डीबीटी, 1 वर्ष, 2017-2018

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय सिकल सेल सिंड्रोम रोगियों के फेनोटाइप पर आणविक आनुवंशिकी का प्रभाव
2. एफसीएम द्वारा बीसीआर-एबीएल 1 नेगेटिव एमपीएन में एचएमआईसीएल की भूमिका
3. मल्टीपल मायलोमा में इम्यूनोफेनोटाइपिंग और एमआरडी विश्लेषण
4. बी-सेल एक्यून् लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में फ्लो साइटोमेट्रिक प्लोइड विश्लेषण
5. प्रेरण कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे तीव्र ल्यूकेमिया रोगियों में पोषण की स्थिति/पैरामीटर का आकलन
6. ल्यूकेमिया और लिम्फोमा रोगियों में ट्यूमर लेसिस सिंड्रोम के प्रबंधन में कम खुराक वाली रसबरिकेस की प्रभावकारिता
7. इम्मुनोसोम्प्रोमिसेड होस्ट में पेट का संक्रमण: एक नैदानिक, सूक्ष्मजीवविज्ञानी और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध

8. निलोटिनिब बनाम इमेटिनिब सीएमएल में गहरी आणविक प्रतिक्रिया
9. संदिग्ध एमडीएस मामले-पूर्वव्यापी और संभावित अध्ययन में निदान को बढ़ाने में अस्थि मज्जा बायोप्सी पर सीडी61 और पी53 के साथ आईएचसी की भूमिका
10. माइक्रोसायटिक हाइपोक्रोमिक एनीमिया के साथ रोगी में सीरम आयरन प्रोफाइल और हेपसीडिन स्तर का सहसंबंध
11. तीव्र मायलोइड ल्यूकेमिया में अस्थि मज्जा लिम्फोसाइट प्रकार का अध्ययन मुख्य मार्गदर्शक।
12. नव निदान और विभिन्न मायलोमा रोगी का इलाज इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा सेरेबेलोन प्रोटीन की अभिव्यक्ति का अध्ययन
13. तृतीयक देखभाल केंद्र में मल्टीपल मायलोमा (एमएम) के रोगियों के निदान और प्रबंधन में संपूर्ण शरीर की कम खुराक की गणना टोमोग्राफी (डब्ल्यूबी एलडीसीटी) और पारंपरिक कंकाल सर्वेक्षण (सीएसएस) के नैदानिक प्रदर्शन की तुलना
14. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया वाले पुरुष रोगियों में पिट्यूटरी गोनाडल अक्ष और शुक्राणु मापदंडों पर टायरोसिन किनेज अवरोधक का प्रभाव
15. सीएमएल में इमैटिनिब खुराक वृद्धि: संकेत, प्रतिक्रियाएं और परिणाम

पूर्ण

1. प्राथमिक माइलोफिब्रोसिस और आवश्यक थ्रोम्बोसाइटमिया के रोगियों में कैलरेटिकुलिन उत्परिवर्तन का पता लगाने के लिए एक उपकरण के रूप में इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री और पीसीआर के साथ इसकी तुलना।
2. चिरकालिक मायलोइड ल्यूकेमिया के रोगियों में इमैटिनिब थेरेपी के गैर पालन के लिए प्रचलित और कारकों पर एक अवलोकन अध्ययन
3. प्रियंका थीसिस
4. एक्यूट ल्यूकेमिया में हाइपर्यूरिसीमला की रोकथाम के लिए एलोप्यूरिनॉल और फिबक्सोस्टैट की तुलना
5. उदय थीसिस
6. भारत में डीप वेन थ्रोम्बोसिस के रोगजन्य में ऊतक कारक और ऊतक कारक पथमार्ग अवरोधक जीन पॉलिमॉर्फिज्म की भूमिका का मूल्यांकन करें।
7. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में समेकन के रूप में उच्च खुराक साइटाराबीन के संचयी प्रभाव को समझने के लिए
8. फ्लो सायटोमेट्री द्वारा मात्रात्मक इम्यून-फिनोटाइपिंग द्वारा एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया वाले रोगियों में 'एएमएल मेच्युरिटी स्कोर' के पूर्वानुमान के मार्कर के रूप में मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग, आईआरसीएच।
2. समुदाय के बीच एनीमिया का प्रसार, ग्रामीण बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में वृद्ध व्यक्तियों का आवास, सीसीएम
3. तीव्र एसटी उच्च मायोकार्डियल रोधगलन के प्राथमिक पीसीआई, कार्डियोलॉजी वाले रोगियों में पोस्ट प्राथमिक पीसीआई कोरोनरी री-फ्लो तथ्य के साथ अन्य जमावट कारक प्लाज्मा सक्रिय प्रोटीन सी के संबंध में एक अवलोकन अध्ययन

4. प्लेटलेट समूह से एस्पिरिन और क्लोपिडोग्रेल प्रतिरोध का अध्ययन और भारतीस स्थिर कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों में प्रतिकूल परिणामों के साथ इसके संबंध, हृदय रोग विज्ञान
5. इस्केमिक सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लुशन के चिरकालिक मामलों में ऑटोलोगस अस्थिमज्जा से उत्पन्न स्टेम कोशिकाओं के इंट्रा विट्रियल इंजेक्शन की निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
6. स्ट्रोक और कॉग्निटिव के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित प्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट अध्ययन: एक क्रॉस कल्चरल पर्सपेक्टिव, डीबीटी इंटरनेशनल सह-प्रचालन प्रभाग, एम्स और इरास्मस मेडिकल सेंटर रॉटरडैम, नीदरलैंड्स, नैदानिक महामारी विज्ञान इकाई, एम्स।
7. पोस्ट एलोजेनिक एचएससीटी रोगियों में ऑक्युलर जीवीएचडी, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
8. हेप्लो आइडेंटिकल एचएससीटी, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलाजी और इम्यूनोजेनेटिक्स मल्टीपल मायलोमा, बायोकैमिस्ट्री में प्रतिरक्षा पुनर्गठन
9. मल्टीपल मायलोमा, सुक्ष्मजैव विज्ञान
10. बाल चिकित्सा हेमेटोलॉजी रोगियों के लिए वोरिकोनेजोल/पोसोकोनेजोल स्तर का मानकीकरण, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
11. मौखिक पेम्फिगस वल्गरिस में नैनोकणों में घिरे सामयिक रीतुसीमाब की प्रभावकारिता का अध्ययन, एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसेबो-नियंत्रित परीक्षण, त्वचाविज्ञान

पूर्ण

1. हरियाणा में ग्रामीण आबादी में गर्भावस्था के दौरान प्रत्यक्ष रूप से आयरन पूरकता को देखना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सीसीएम.
2. सेप्सिस में हिमेटोलॉजिकल सिस्टम के सेल्यूलर कॉम्पोनेंट्स की महामारी विज्ञान और भविष्यसूचक उपयोग, एनेस्थैसिया।
3. निचले अंगों की धमनी रोग और परिवर्तन में नैदानिक परिणाम के साथ, सर्जरी में एंडोथेलियल नाइट्रिक ऑक्साइड साइटेज़ (eNOS), नाइट्रिक ऑक्साइड (nO), साइटोकाइनीज़, संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर, ए (वेजएफ-ए) एक अध्ययन
4. एरिथ्रोसाइट, पर अल्ट्रा निस्पंदन के दौरान उपयोग किए जाने वाले नकारात्मक दबावों का प्रभाव सीटीवीएस

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 34 **सारः 24** **पुस्तकों में अध्यायः 8**

रोगी उपचार

रुधिर विज्ञान विभाग की प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित आधुनिकतम सुविधाएं हैं:

1. बोन मैरो एस्पिरेट, बोन मैरो बायोप्सिस तथा पेरिफेरल स्मियर्स
2. इम्यूनोहिस्टोकैमेस्ट्री
3. मोलिक्युलर जेनेटिक्स
4. हिमोलायटिक एनेमिया वर्कअप
5. फ्लो सायटोमेट्री
6. कैपिलरी इलेक्ट्रोफोरेसिस फॉर हिमोग्लोबिनोपैथिसिस
7. कोएगुलेशन वर्कअप फॉर इंहेरिटिड तथा एक्वायर्ड ब्लीडिंग डिसऑर्डर्स
8. प्लेटलेट एग्रेगोमेट्री

9. थ्रोम्बोफिलिया वर्कअप
10. प्रीनेटल डायग्नोसिस ऑफ हिमोफिलिया और हिमोग्लोबिनोपैथिस।

नैदानिक सेवाएं

(क) सभी 6 दिन ओपीडी चलेगीः

1. सोमवार: सीएमएल, हिमेटो-ऑंकोलॉजी
2. मंगलवार: ट्रांसप्लांट क्लीनिक
3. बुधवार: हिमोलायटिक एनेमियाज तथा आईटीपी, सीएमपीडी
4. बृहस्पतिवार: कॉएगुलेशन तथा ब्लीडिंग क्लिनिक
5. शुक्रवार: एए, सीएलपीडी
6. शनिवार: ल्यूकेमिया सर्वाइवर क्लिनिक

(ख) अंतः रोगी देखभाल:

i) अंतः रोगी: सी2, सी6, डी6, एमर्जेंसी वार्ड, प्राइवेट वार्ड

ii) स्टेम सेल ट्रांसप्लांट: हर महीने 4 नए एलोजेनिक ट्रांसप्लांट

iii) हेमेटोलॉजी डे केयर

हेमेटोलॉजी ओपीडी

नए रोगीः 5984 अनुवर्ती रोगीः 13,414 कीमोथेरेपीः 3800

हेमेटोलॉजी डे केयर

भर्ती	13742				
पीआरबीसी	4158	**कीमो**	5436	**पीआरपी**	2248
एफएफपी	237	**क्रायो**	12	**एसडीपी**	68
बीएम बीएक्स	1701	**आईटी**	558	**फिलेबॉटोमी**	362
हिकमन निकालना	17				
पुरुष	5513	**महिला**	2741	**बच्चे**	5488

(क) सामुदायिक सेवाएं

विभाग समुदाय सुग्राहीकरण कार्यक्रमों तथा एम्स के सार्वजनिक मंचों पर तथा थेलिसेमिया एण्ड हिमोफिलिया सोसायटी के साथ थैलिसेमिया और हिमोफिलिया की जागरुकता के क्षेत्रों में सक्रिय रहा है। विभाग के संकाय से प्राप्त जानकारियों को नए निःशक्तता विधेयक में शामिल किया गया। विभाग के संकाय द्वारा आनुवंशिक परामर्श और मानसिक-सामाजिक परामर्श दोनों के साथ हीमोफिलिया की महिलाओं के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभाग ने डॉ. आर. सक्सेना के समन्वयक के तौर पर कार्य करते हुए पूरे भारत में 3,000 प्रयोगशालाओं के लिए हिमोग्राम हेतु आईएसएचटीएम - एम्स बाहय गुणवत्ता आकलन कार्यक्रम का आयोजन किया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य रेणु सक्सेना इनस्पायर फैलोशिप, डीएसटी पर विशेषज्ञ समिति की बैठक के सदस्य थे; सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति, आईसीएमआर; मानव आनुवंषिकी और जीनोम विश्लेषण, डीबीटी पर कार्यबल के सदस्य; हिमेटोलॉजी और ऑन्कोलॉजी, डीसीजीआई के लिए नई दवा सलाहकार समिति के सदस्य; चिकित्सा उपकरण

सलाहकार समिति, डीसीजीआई के सदस्य; पीटी प्रदाता के लिए विशेषज्ञ सदस्य, एनएबीएल (डीएसटी) मान्यता समिति; अध्यक्ष, एथिक्स समिति, आईसीएमआर परिसर 2; सदस्य एथिक्स समिति, आईआईटी दिल्ली; इंडियन सोसायटी ऑफ हिमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन - एम्स ईक्यूएपी कार्यक्रम के समन्वयक।

आचार्य एच.पी. पति को 16-17 फरवरी 2019 को आचार्य जे. बी. चटर्जी शताब्दी समारोह और बेस्कॉन-2019, कोलकाता में में आचार्य जे. बी. चटर्जी स्मारक व्याख्यान (ओरेशन) दिया, अक्टूबर 2018 को उनचासवें वार्षिक सम्मेलन (एचईएमएटीओसीओएन), कोच्चि में डॉ. मालती साठे ओरेशन अवार्ड 2018, इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन; 16-17 फरवरी 2019 को आचार्य जे. बी. चटर्जी शताब्दी समारोह तथा बंगाल सोसाइटी सम्मेलन-2019, कोलकाता में आचार्य जे. बी. चटर्जी स्मारक व्याख्यान (ओरेशन) 2019; भारतीय पत्रिका हेमटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन में लगातार मुख्य संपादक हैं।

प्रोफेसर एम. महापात्रा इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ़्यूज़न (आईएसएचबीटी) के मानद सचिव थे; भारतीय समाज विज्ञान और रक्त आधान (आईएसएचबीटी) के उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित; हेमटोलॉजिकल शिक्षा और अनुसंधान सहयोग में यूरोपीय नेताओं के साथ चर्चा करने के लिए स्टॉकहोम, स्वीडन में यूरोपीय हेमटोलॉजी एसोसिएशन (ईएचए) की वार्षिक कांग्रेस में भाग लेने के लिए एक भारतीय नेता के रूप में प्रतिनिधित्व किया; मार्च 2018 में बैंकॉक, थाईलैंड में एएसएच के हाईलाइट्स के दौरान हेमोस्टेसिस पर एक सत्र को मॉडरेट करने के लिए एक भारतीय नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया।

प्रोफेसर तूलिका सेठ आचार समिति कैनसपोर्ट के सदस्य सचिव थीं; आचार समिति, एम्स-पीजी के सदस्य; आचार समितियां, दिल्ली विश्वविद्याल के सदस्य; आचार समिति, आयुष की सदस्य; हेमटोलॉजी के लिए एनबीई के नामित सदस्य; थैलेसीमिया और हिमोफिलिया की राष्ट्रीय नीति बनाने में योगदान करने के लिए चयनित; 28-29 जुलाई 2018, नई दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ एएससीओ के हेमटोलॉजी (ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मायलोमा) के सत्र के समन्वयक थीं; एक साथ भारत के 5 शहरों में प्रेषित आईटीपी पर यूके के विशेषज्ञ के साथ अंतर्राष्ट्रीय वेबकास्ट आयोजित की।

अतिथि वैज्ञानिक

- प्रोफेसर परिंदा मेहता, सिन्नसिनाटी, चिल्ड्रन हॉस्पिटल, 7 अप्रैल 2018
- 22 अक्टूबर 2018 को वैरेसी, इटली से प्रोफेसर फ्रांसीस्को पासामोंटी
- डॉ. नितिन जैन, एमडी एंडरसन यूएसए
- प्रोफेसर फ्रांसीस्को पासामोंटी, इनसुब्रिया, वारेसे, (इटली) विश्वविद्यालय में हेमाटोलॉजी के प्रोफेसर तथा वारेसे (इटली) के ओस्पेडालो सर्कोलो में हेमेटोलॉजी के प्रमुख

9-17 vLirky i!'kklu

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपती

चिकित्सा अधीक्षक, डॉ.रा.प्र. केन्द्र

शक्ति कुमार गुप्ता

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य अस्पताल

डी.के. शर्मा

आचार्य

आई.बी.सिंह   संजय आर्य   आरती विज

सह-आचार्य

निरूपम मदान   अनूप डागा

अमित लठवाल   महेश आर

सहायक आचार्य

एंजेल राजन सिंह   विजयदीप सिद्धार्थ   परमेश्वर कुमार

जितेन्द्र सोढ़ी   अब्दुल हकीम

शिक्षा

विभाग द्वारा चिकित्सा स्नातकों के लिए एक स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम, एम.डी. (अस्पताल प्रशासन) चलाया जा रहा है। पूर्ववर्ती कोर्स जैसे एम.एच.ए. (अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर) भारत में सर्वप्रथम फरवरी, 1966 में प्रारम्भ किया गया था तथा तब से इसे एक विशेष स्नातकोत्तर विषय के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस कोर्स का पुन: नामकरण, जो जनवरी 2016 से लागू हुआ, 13 अप्रैल, 2015 को शासी निकाय (जीबी-152/7) द्वारा अनुसमर्थित शैक्षिक समिति (एसी-113/10) की आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार किया गया। अस्पताल प्रशासन में रेजिडेंसी प्रोग्राम 'हैंड्स ऑन' प्रशिक्षण को केन्द्र में रखा जाता है, जहां रेजिडेंट प्रशासकों को अस्पताल के 'प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष' में 'ड्यूटी अधिकारी' के रूप में रात-दिन नियुक्त किया जाता है तथा वे ड्यूटी अवधि के बाद अस्पताल की सभी गतिविधियों का समन्वय करते हैं। यह अस्पताल का मुख्य केन्द्र भी है।

संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न संगठनों जिसमें केन्द्र, राज्य सरकारों, पैरामिलिट्री बल तथा विविध पी.एस.यू. जैसे आई.आई.सी.एम., रांची तथा अन्य प्रबंधन संस्थानों में भी कार्य करने वाले डॉक्टरों के लिए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया गया।

अल्प-एवं दीर्घ-अवधि प्रशिक्षण

1. बी.पी.के.आई.एच.एस., धरन, नेपाल से एम.डी. (अ.प्र.) का एक विद्यार्थी

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

1. दिनांक 2 फरवरी से 9 फरवरी, 2019 को मैसूर, कर्नाटक में 16वीं हेल्थकेयर एग्जीक्यूटिव मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एचएक्सएमडीपी) का आयोजन
2. दिनांक 30 जुलाई, 2018 को रामलिंगास्वामी सभागार, एम्स, नई दिल्ली में 'प्लांट बेस्ड नयूट्रिशन फॉर प्रिवेन्शन एंड ट्रीटमेंट ऑफ क्रोनिक डिज़िज' विषय पर परिसंवाद
3. दिनांक 26 फरवरी, 2019 को सभागार, एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग कार्मिकों में संप्रेषण कौशल पर कार्यशाला आयोजन
4. दिनांक 10 अप्रैल, 2018 को सी.डी.ई.आर; एम्स में 'इंफेक्शन प्रिवेन्शन इन ओरल हेल्थकेयर' विषय पर कार्यशाला

प्रदत्त व्याख्यान

सिद्धार्थ सतपती : 15 **शक्ति कुमार गुप्ता : 4** **डी.के. शर्मा : 1**
आई.बी. सिंह : 2 **संजय आर्य : 6** **निरूपम मदान : 4**
अनूप डागा : 6 **अमित लठवाल : 8** **महेश आर : 11**
एंजेल राजन सिंह : 1 **पी. कुमार : 6** **विजयदीप सिद्धार्थ : 10**
अब्दुल हाकिम : 6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स में बाह्य रोगी विभाग के संचालन में सॉफ्टवेयर आधारित प्रक्रिया तथा प्रणाली नियंत्रण के अनुप्रयोग के प्रभाव का आकलन हेतु अध्ययन, एंजेल राजन सिंह, सहायक आचार्य, अस्पताल प्रशासन, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रु.4.5 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानक दिशानिर्देशों के अनुसार, दिल्ली में 100 तथा उससे अधिक बिस्तरों वाले चुनिंदा अस्पतालों के इंजीनियरी विभाग का तुलनात्मक अध्ययन।
2. नर्सों के प्रतिरोपण समन्वयकों के रूप में अनुभवों तथा अभ्यास के क्षेत्रों का अध्ययन और एम्स अस्पताल, नई दिल्ली में प्रतिरोपण समन्वयक के रूप में नर्सों की नियुक्ति से पूर्व और पश्चात् अस्पताल के संभावित दानदाताओं की स्थिति एवं हालत जानने संबंधी अध्ययन।
3. प्रणालीगत सुधार की दृष्टिकोण से एम्स के आपात विभाग में चिकित्सा-विधिक विषयों को संभालने की प्रक्रिया का अध्ययन।
4. एम्स में चिकित्सा नुसखों में 'कभी उपयोग न करें' संक्षिप्तियों की सूची की प्रभावशीलता का अध्ययन।
5. विभिन्न विभागों के इकाई प्रमुखों/विभागाध्यक्षों के नेतृत्वशैली तथा सहयोगी डॉक्टरों के कार्य प्रदर्शन एवं कल्याण पर इसकी प्रभावशीलता का अध्ययन।

6. एम्स अस्पताल में प्रशासनिक नर्सों की समय-उपयोगिता तथा प्रभावशीलता का अध्ययन।
7. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में विविध नैदानिक क्षेत्रों में नर्सिंग प्रशासकों की समय उपयोगिता तथा प्रभावशीलता का अध्ययन।
8. भारत में सुपर-स्पेशलिटी रक्त केन्द्र में रक्त सूची प्रबंधन में सुधार ।
9. एम्स के आर.ए.के. ओ.पी.डी. में ओ.पी.डी. सूचना परियोजना के प्रभाव का अध्ययन।

पूर्ण

1. हृद्वक्ष केन्द्र, एम्स में भर्ती कार्डिक रोगियों के उपचार की लागत पर अध्ययन।
2. एम्स के स्वास्थ्य कर्मचारियों हेतु भौतिक एवं रासायनिक जोखिमों की पहचान तथा जोखिम विश्लेषण ।
3. एम्स में अस्पताल सूचकांक नियंत्रण में स्वास्थ्य विश्लेषणों की भूमिका का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. तृतीयक उपचार शैक्षणिक संस्थान के एम.बी.बी.एस. के विद्यार्थियों में तनाव का मूल्यांकन, मनोविज्ञान
2. खाद्य सुरक्षा व्यवहार के ज्ञान, क्रियाकलापों एवं विश्वासों पर आहार सेवाओं में खाद्य संचालकों में प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन, आहार-विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 19

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य सिद्धार्थ सतपती को एम्स के निदेशक द्वारा एम्स प्रतिनिधि के रूप में नेशनल एक्रेडिऐशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर प्रोवाइडर का सदस्य नामित किया गया; इन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन कंट्री कार्यालय, मानेसर, गुड़गांव के तत्वावधान में दिनांक 29-30 मई, 2018 को संक्रमण रोकथाम एवं नियंत्रण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने में विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया; सितम्बर-अक्टूबर 2018 के दौरान 'स्वर्ण शक्ति' पुरस्कारों के लिए एनटीपीसी परियोजना अस्पतालों के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन समिति के बाहय तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; एम्स, भुवनेश्वर के संरक्षक के रूप में इसके विकास एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में, सहायक आचार्य अस्पताल प्रशासन तथा अन्य गैर-संकाय पदों की भर्ती हेतु चयन समिति की सहायता करके योगदान किया; नीति आयोग, भारत सरकार के तत्वावधान में आयुर्विज्ञान संस्थान, बी.एच.यू. की भविष्य की रूपरेखा तैयार करने हेतु दौरा समिति के सदस्य; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार द्वारा भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र के विकास के लिए बनाई गई समिति के विशेषज्ञ सदस्य; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वावधान में अटल बिहारी-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में गुणवत्ता मानकों के विकास के लिए बनाई गई समिति के विशेषज्ञ सदस्य, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान की भवन समिति के सदस्य, प्रेक्षागृह, अकादमिक प्रखण्ड एवं प्रयोगशालाओं के विकास के लिए निगरानी प्रदान करना; यूजीसी द्वारा

निर्धारित शैक्षिक के सुधार के लिए आई.आई.एच.एम.आर. विश्वविद्यालय की अकादमिक लेखा परीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में योगदान किया; गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आगामी सी.ए.पी.एफ.आई.एम.एस. में पदों की भर्ती के लिए भर्ती नियमावली के युक्तिकरण हेतु बनाई गई समिति के सदस्य; जे.ए.एच.ए. और आई.जे.आर.एफ.एच.एच.ए. के संपादकीय समिति के सदस्य तथा नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के समीक्षक के रूप में योगदान किया; इज्जर, हरियाणा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के विकास में योगदान किया; पी.जी.आई.एम.ई.आर. में सहायक आचार्य, अस्पताल प्रशासन एवं उप-चिकित्सा अधीक्षक हेतु गठित चयन समिति के बाह्य विषय विशेषज्ञ सदस्य हैं।

डॉ.शक्ति कुमार गुप्ता को स्वास्थ्य उपचार प्रशासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु असम के राज्यपाल द्वारा सितम्बर, 2018 में कैपिटल फाउंडेशन नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया; स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के सम्मान में टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा टाइम्स हेल्थकेयर एचीवर्स अवार्ड, 2018 से नवाजा गया; दिनांक 19 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली में चिकित्सा अधीक्षक एवं नर्सिंग अधीक्षक के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य; दिनांक 22 जनवरी, 2019 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में एम्स, जम्मू के लिए निर्मित मास्टर प्लान के सदस्य; दिनांक 2 से 5 नवम्बर, 2018 को जूबा, दक्षिण सूडान में मनोवैज्ञानिक एवं मानसिक अस्पताल की स्थापना के लिए बनी विशेषज्ञ समिति के सदस्य; दिनांक 18 सितम्बर, 2018 को राष्ट्रीय जैविक संस्थान, नोएडा में भारतीय हेमोविजिलेंस कार्यक्रम के राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य; दिनांक 11 सितम्बर, 2018 को विशाखापट्टनम में मेडिवैली तथा बायोवैली इन्क्यूबेशन पार्क के प्रोस्पेक्टिव इन्कंबेट का मूल्यांकन हेतु गठित निर्णायक मंडल के सदस्य; दिनांक 6 सितम्बर, 2018 को एम्स, भोपाल के अस्पताल प्रशासन विभाग में संकाय की भर्ती हेतु पैनल चयन समिति के लिए विशेषज्ञ; चुनिंदा चिकित्सा प्रक्रियाओं हेतु लागत के लिए बने फिक्की टास्कफोर्स चेयर के अध्यक्ष पद से सम्मानित किया गया तथा फिक्की के साथ लागत पर एम्स अध्ययनों के परिणाम आपस में बांटना; इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर एप्लाइड मैनेजमेंट (आई.ए.ए.एम.) यूएसए, 2018 के निदेशक मंडल का सदस्य; दिनांक 1 अगस्त, 2017 को सौरा, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में अस्पताल प्रशासन के क्षेत्र में पदोन्नति / चयन हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए विशेषज्ञ; न्यू नगरनार, जगदलपूर, छतीसगढ़ में 200 बिस्तरों वाले मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना के लिए राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड के सम्मानित सलाहकार; दिनांक 22 जून से 24 जून, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित तृतीय लियान सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट इंटरनेशनल प्रोग्राम इन हेल्थकेयर के प्रोग्राम निदेशक; दिनांक 2 मई, 2018 को एम्स, नई दिल्ली में एन.ई.आई.जी.आर.आई.एच.एम.एस. के अस्पताल प्रशासन विभाग में संकाय पद के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; दिनांक 19 अप्रैल, 2018 को हिलर्स ऑफ इंडिया अर्वाड्स के ग्रैंड फाइनल में उपस्थित हुए; दिनांक 15 अप्रैल, 2018 को हैदराबाद में 'इंडो-अमरीकी स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रशासन अकादमी' के उद्घाटन में 'सीएमई ऑन फ्यूचर ऑफ हेल्थकेयर जेन नेक्स्ट' में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया; दिनांक 15 अप्रैल, 2018 को निदेशक सभागार, एम्स में आयोजित परिसंवाद 'भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था में भेषजगुण विज्ञानी' में भाग लिया; दिनांक 13 अप्रैल, 2018 को इंडिया हैबिटैट सेन्टर, नई दिल्ली में आयोजित सी.आई.आई. रिजनल

लाईफ साइंसेज समिट में भाग लिया; दिनांक 12 अप्रैल, 2018 को फिक्की, नई दिल्ली में स्वास्थ्य क्षेत्र में टास्क फोर्स के विशेषज्ञ सदस्य; दिनांक 9 अप्रैल, 2018 को इंस्टीट्युट ऑफ लिवर एंड बिलिचरी साइंसेज, बसंत कुंज, नई दिल्ली में अनियत चिकित्सा अधिकारियों हेतु चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में आमंत्रित; पेशेन्ट सेफ्टी तथा एक्सेस इनीशियेटिव ऑफ इंडिया फाउंडेशन के मानद बोर्ड सदस्य; दिनांक 17 से 19 जुलाई 2018, नेवादा, यूएसए में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर एप्लाइड मैनेजमेंट के वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्षता की।

डॉ. डी.के.शर्मा निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान, हैदराबाद में एम.डी. (अस्पताल प्रशासन) के लिए बाह्य परीक्षक थे; एम्स, रायपुर में अस्पताल प्रशासन विभाग में अनुबंध आधार पर संकाय की भर्ती हेतु विषय विशेषज्ञ; एन.ई.आई.जी.आर.आई.एच.एम.एस. शिलांग में सहायक आचार्य (अस्पताल प्रशासन) की संकाय पदों की भर्ती हेतु विषय विशेषज्ञ; संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में संकाय के चयन हेतु विषय विशेषज्ञ; एन.ई.आई.जी.आर.एच.एम.एस., शिलांग तथा आर.आई.एम.एस., इम्फाल के निदेशक, संकायाध्यक्ष तथा चिकित्सा अधीक्षक की पदों की भर्ती नियमावली को अंतिम रूप देने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित समिति की बैठक में शामिल हुए; जम्मू और कश्मीर जन सेवा आयोग, श्रीनगर में सरकारी मेडिकल कॉलेज (जम्मू/श्रीनगर) में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में उप-चिकित्सा अधीक्षक के साक्षात्कार हेतु विशेषज्ञ के रूप में सोलीना श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) गए; आई.आई.टी. जम्मू हेतु चिकित्सा अधिकारी के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य; शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, सौरा श्रीनगर के लिए एम.डी. अस्पताल प्रशासन वार्षिक परीक्षा (बैच-2015) के व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) गए; एस.सी.टी.आई.एम.एस.टी., तिरूवन्तपुरम में वरिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी की सीधी भर्ती हेतु गठित स्थायी वरिष्ठ कार्मिक चयन समिति के बाह्य विशेषज्ञ; पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़ में अस्पताल प्रशासन के संकाय, मुख्य नर्सिंग अधिकारी तथा चिकित्सा अधिकारी के चयन/पदोन्नति हेतु गठित स्थायी चयन समिति के विषय विशेषज्ञ; मुख्य अतिथि, अस्पताल चिकित्सा कॉनक्लेव 2018, अमृता आयुर्विज्ञान संस्थान, कोची; विषय विशेषज्ञ, चयन समिति बैठक, अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ रेजीडेंट का चयन/भर्ती, भुवनेश्वर, एम्स; विषय विशेषज्ञ, चयन समिति बैठक, चिकित्सा अधीक्षक का पद, एस.एच.के.एम. सरकारी मेडिकल कॉलेज, नल्हार, नूँह, रोहतक; बोर्ड ऑफ स्टडीज फॉर एम.बी.ए. (एच.एम.) के सदस्य, आई.आई.एच.एम.आर. विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, जयपुर; स्वामी रामा हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखण्ड में एम.एच.ए. की अन्तिम सत्र की मौखिक परीक्षा तथा विश्वविद्यालय परीक्षा हेतु डिसर्टेशन के लिए देहरादून, उत्तराखण्ड का दौरा किया; इंस्टीटयूट ऑफ लीवर एंड बायलेरी साइंसेस, वसंत कुंज, नई दिल्ली में विशेषज्ञ; एम्स, जोधपुर में संकाय के चयन हेतु स्थायी चयन समिति बैठक में बाह्य विशेषज्ञ; एम्स, रायपुर में प्रतिनियुक्ति पर मुख्य भेषजज्ञ तथा स्वच्छता अधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु विषय विशेषज्ञ; बोर्ड ऑफ स्टडीज, आई.आई.एच.एम.आर., स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, जयपुर के बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया; बाह्य विशेषज्ञ, चयन समिति बैठक, सहायक आचार्य, अस्पताल प्रशासन विभाग, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना;

राजीव गांधी सुपर स्पेशालिटी अस्पताल, ताहिरपुर, नई दिल्ली में आचार्य, सहायक आचार्य, सह-आचार्य तथा चिकित्सा अधिकारी के चयन के लिए चयन समिति बैठक के विषय विशेषज्ञ; तेलंगाना राज्य में नई एम्स की स्थापना हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित केन्द्रीय दल के सदस्य रूप में हैदराबाद का दौरा किया; पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कल्याणी में प्रस्तावित नए एम्स को शीघ्र प्रारम्भ करने हेतु स्थान की उपयुक्तता की जांच हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित केन्द्रीय दल के सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स जैसे संस्थान की स्थापना करने हेतु स्थान की जांच करने के लिए रेवाड़ी (हरियाणा) गए; बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में स्थान की जांच हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित केन्द्रीय दल के सदस्य; गुजरात (अहमदाबाद, वड़ोदरा तथा राजकोट) में स्थान की जांच करने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित केन्द्रीय दल के सदस्य; एम्स-मंगलगिरि, आंध्र प्रदेश को शीघ्र प्रारम्भ करने के लिए सरकारी सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज, विजयवाड़ा में सुविधाओं की जांच करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित केन्द्रीय दल के सदस्य।

प्रोफेसर आई.बी. सिंह शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू और कश्मीर में एम.डी. अस्पताल प्रशासन वार्षिक परीक्षा (बैच-2015) सत्र, मई 2019 की व्यावहारिक परीक्षा के संचालन हेतु बाह्य परीक्षक थे।

प्रोफेसर आरती विज को दिनांक 5 अप्रैल, 2018 को फिक्की महिला संगठन के 24वीं वार्षिक सम्मेलन में स्वास्थ्य उपचार तथा सम्पूर्ण स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए एफ.एल.ओ. आइकॉन अवार्ड (वूमन ट्रांसफार्मिंग इंडिया) प्राप्त हुआ। भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे; नेशनल आई बैंक, डॉ.रा.प्र. नेत्रविज्ञान केन्द्र, एम्स में अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया; पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के सचिव, श्री एन.सी. झिंगटा से धन्यवाद पत्र; सदस्य, अंग एवं उत्तक प्रतिरोपण/पुन:प्राप्ति हेतु अस्पताल के पंजीकरण के लिए गठित निरीक्षण समिति, दिल्ली अंग एवं उत्तक प्रतिरोपण प्रकोष्ठ; अंगदान तथा ऐच्छिक अंगदाताओं की संख्या वृद्धि के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए ऑरबो दाता प्रतिज्ञा प्रपत्र ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया; अंगदान तथा ऐच्छिक अंगदाताओं की संख्या वृद्धि के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एंड्रायड ओ.एस. आधारित एप्प विकसित किया गया; अंगदान तथा ऐच्छिक अंगदाताओं की संख्या वृद्धि के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया टूल्स पर आसानी से संदेश को प्रसारित करने के उद्देश्य से एक क्यू.आर. कोड आधारित ओ.आर.बी.ओ. दाता प्रतिज्ञा प्रपत्र विकसित किया गया है; अंग एवं उत्तक दान पर जन शिक्षा एवं जागरूकता हेतु 27 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए; ओ.आर.बी.ओ. की प्रेरणा से 7,229 व्यक्तियों ने अंग एवं उत्तक दान की प्रतिज्ञा की।

डॉ. निरूपम मदान को ब्रिटिश उच्च आयुक्त, विदेश एवं कॉमनवेल्थ कार्यालय, यू.के. से नेतृत्व एवं उत्कृष्टता 2018 में चेवनिंग गुरूकुल फेलोशिप अवार्ड मिला; सदस्य, संपादकीय मंडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आई.जे.आर.एफ.एच.एच.ए.), नई दिल्ली, भारत; स्वास्थ्य सूचनाविज्ञान, एम.एच.डी.-17 का एम्स, नई दिल्ली से नामित सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त होने वाले चिकित्सा प्रतिपूर्ति हेतु सी.जी.एच.एस. दरों के संशोधन के

लिए गठित समिति के सदस्य; दक्षिण कोरिया और भारत सरकार के बीच विकास सहयोग पर ढांचा अनुबंध का प्रारूप तैयार करने वाली समिति का सदस्य थे।

डॉ. अनूप डागा जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (जे.ए.एच.ए.), नोएडा, भारत के सह-संपादक थे; सदस्य, संपादक मंडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च फांउडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आई.जे.आर.एफ.एच.एच.ए.), नई दिल्ली, भारत।

डॉ. महेश आर मेडिकल इक्यूपमेंट एंड हॉस्पिटल प्लानिंग डिविजन काउंसिल (एम.एच.डी.सी.), भारतीय मानक ब्यूरो के प्रमुख सदस्य के रूप में योगदान दे रहे थे; इन्होंने पैक वार्निंग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (तम्बाकू नियंत्रण प्रभाग) के विकास हेतु गठित समिति में विशेषज्ञ के रूप में योगदान किया; नैदानिक स्थापना, भारत सरकार, डी.जी.एच.एस. हेतु न्यूनतम मानकों के विकास के लिए गठित उप-समिति के सदस्य के रूप में योगदान किया; स्वास्थ्य रक्षा संगठन का गुणवत्ता प्रबंधन प्रत्यायन (क्यू.एम.-ए.एच.ओ.) में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट के पाठ्यक्रम हेतु समर्थन एवं उपयोगिता सेवाओं के अन्तर्गत 'रक्त ट्रांसफ्यूजन सेवाएं' पर एक अध्याय लिखा; वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपातकाल हेतु अस्पताल की तैयारी पर प्रशिक्षण वस्तुओं के मानकीकरण में विशेषज्ञ के रूप में योगदान दे रहे हैं।

डॉ. एंजेल राजन सिंह को दिनांक 16 से 18 जुलाई, 2018 को 'हेल्थकेयर प्रोजेक्ट मैनेजमेंट: द इंटरसेक्शन ऑफ स्ट्रैटेजी, पीपल एंड प्रोसेस' कार्यक्रम में उपस्थिति के लिए हार्वर्ड टी.एच. चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, यू.एस.ए. द्वारा फेलोशिप प्रदान की गई।

डॉ. परमेश्वर कुमार इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ स्कोप (इरान) के संपादक मंडल के सदस्य थे; संपादक मंडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आई.जे.आर.एफ.एच.एच.ए.), नई दिल्ली, भारत के सदस्य; संपादक मंडल, जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ हॉस्पिटल वेस्ट मैनेजमेंट के सदस्य; 22 देशों के वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (ई.एम.आर.ओ.) के बाह्य विशेषज्ञ एवं अस्थायी सलाहकार थे।

9-18 i;kx'kkyk fpfdRlk

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए.के.मुखोपाध्याय (31 मई 2018 तक) | एम. इरशाद (1 जून 2018 से)

आचार्य

सरमन सिंह (प्रतिनियुक्ति पर)

सहायक आचार्य

सुदीप कुमार दत्ता

राघवेन्द्र एल. (21 जून 2018 तक)

(संविदा पर)

श्याम प्रकाश

प्रियम बत्रा

(संविदा पर)

विशिष्टताएं

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग का रोगी उपचार, शिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्रों मे नियमित योगदान है। 85 लाख वार्षिक जांचों के भारी-भरकम कार्य के साथ विभाग के द्वारा जांच किए जाते हैं, रिपोर्ट ऑनलाइन दिए जाते हैं तथा आंतरिक एवं बाहरी गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रमों के द्वारा सही परिणाम भी सुनिश्चित किए जाते हैं। केन्द्रीय रक्त संग्रहण सुविधा पर एपॉन्इटमैंट सिस्टम तथा ऑटोमेटेड फ्लेबोटॉमी ट्यूब लेबलर के प्रयोग की शुरूआत की गई है। इससे सुविधा में रक्त संग्रहण कार्य में तेजी आई है। समय-सीमा बढ़ाकर 7.30 पूर्वाह्न से 11.00 पूर्वाह्न करने के बाद वर्ष 2018-19 में कुल 4,44,270 फ्लेबोटॉमी बनाए गए। अन्य विभागों के कई सदस्यों को भी इस केन्द्र पर फ्लेबोटॉमी में प्रशिक्षित किया गया। विभाग के संकाय-सदस्य रूटीन-सेवाओं के प्रबंधन तथा स्नातक-पूर्व एवं स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण में संलग्न रहते है। साथ-ही-साथ वे आंतरिक एवं बाह्य शोध-अनुदान भी लाते रहते है। संकाय-सदस्यों और कर्मचारियों ने क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, वैज्ञानिक कार्यक्रम आदि आयोजित किए तथा देश-विदेश के सम्मेलनों में भी भाग लिया। नियमित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा इस वर्ष चार छात्रों ने एम.डी. (प्रयोगशाला चिकित्सा), दो छात्रों ने पी.एच.डी. तथा तीन छात्रों ने प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। अन्य संस्थानों के प्रतिष्ठित संकाय-सदस्यों को विभाग में व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के अगले लक्ष्य हैं नई प्रौद्योगिकी का विकास तथा जांच प्रोफाइल का विस्तार, जिन्हें भविष्य में प्राप्त किया जाना है।

शिक्षा

प्रशिक्षण: पराचिकित्सा कर्मियों के 164 अभ्यर्थियों को प्रयोगशाला कार्यपद्धति का प्रशिक्षण दिया गया।

आयोजित की गई क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन

विभाग के द्वारा “गट माइक्रोबायोम: इमर्जिंग रोल इन हेल्थ एंड डिसीज" विषय पर प्रथम क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा 9 जनवरी 2019 को एम्स दिल्ली में अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल केमिस्ट्री (एएसीसी), भारतीय खण्ड के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

व्याख्यान

सुदीप कुमार दत्ता: 6 **श्याम प्रकाश: 6**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर : 16

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय जनसंख्या में ऑटोसोमल पॉलिसिस्टिक किडनी डिसीज (एडीपीकेडी) का आनुवांशिक लक्षण वर्णन: एक अग्रगामी अध्ययन। सुदीप कुमार दत्ता, एम्स, 2 वर्ष 2018-2020, 10 लाख रूपये।
2. गैर अल्कोहल वसा यकृत रोग में वृद्धि भेद कारक-15 एवं आयरन खत्म करने वाले प्रोटीन के बीच अंत:क्रिया एवं आणविक अभिव्यक्ति। श्याम प्रकाश, एम्स, दो वर्ष 2018-2020, 10 लाख रूपये।
3. हेपेटाइटिस-बी विषाणु डीएनए (एचबीवीडीएनए) के लिए सूक्ष्म पीसीआर का तीव्र नैदानिक मूल्यांकन एवं एचसीवी आरएनए मात्रीकरण। श्याम प्रकाश, बिगटेक बैंगलोर, 6 वर्ष, 2013-2019, 25 लाख रूपये।
4. तीव्र एवं गैर-इनवेसिव प्रोटोटाइपों के विकास के लिए लार ग्लूकोज तथा यूरिया विश्लेषकों के दो संस्करणों की नैदानिक पुष्टि। श्याम प्रकाश, एम्स- आईआईटी, दिल्ली सहयोगी अनुसंधान निधि, दो वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रूपये।
5. मधुमेह एवं चयापचय सिंड्रोम में वृद्धि भेद कारक-15 एवं नाइट्रिक ऑक्साइड नियामक जीनों के बीच अंत:क्रिया एवं आणविक अभिव्यक्ति। श्याम प्रकाश, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 13.7 लाख रूपये।
6. पोलो लाइक काइनेज-1 का नवीन भावी सूचक ट्यूमर अवरोधी,सीएपी-53194। श्याम प्रकाश, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 14.73 लाख।

पूर्ण

1. लूप की मध्यस्थता के द्वारा समतापी प्रवर्धन (एलएएमपी) के माध्यम से हेपेटाइटिस सी वायरल आरएनए (एचसीवी आरएनए) का पता लगाने की सस्ती एवं तीव्र निदान विधि। श्याम प्रकाश, डीबीटी, 5 वर्ष, 2013-2018, 32 लाख रूपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र यकृत विफलता एवं चिरकालिक तीव्र यकृत विफलता में प्लेटलेट्स कार्यों की असामान्यता एवं अमोनिया स्तर का प्रभाव।
2. पोलो लाइक काइनेज-1 का नवीन भावी सूचक ट्यूमर अवरोधी, सीएपी-53194।
3. मानव टोक्सोप्लाज्मोसिस के निदान हेतु टोक्सोप्लाज्मा गोंडी से क्लोनिंग अभिव्यक्ति तथा नया पुन: संयोजक प्रोटीन का शुद्धिकरण एवं इसका मूल्यांकन।

4. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस सहित एवं रहित सक्रिय फुफ्फुसीय क्षयरोग में सीडी4+टी एवं सीडी8+टी कोशिकाओं के उपसमूह की संख्या सीरम फ्लोसाइटोमेट्रिक एसेसमेंट में साथ-साथ हेपेटाइटिस (ए-जी) के विषाणुओं का पता लगाने के लिए विभिन्न रियल टाइम पीसीआर (क्यूपीसीआर) का विकास।
5. आमाशयी कैंसर में असममितिक डाईमिथाइल आर्जीनिन का अनियंत्रण एवं टाइट जंक्शनों की आणविक अभिव्यक्ति (क्लॉडिन्स) तथा प्रोग्राम्ड कोशिका मृत्यु लीगैन्ड-1
6. मस्तिष्क के गहरे जख्म में माइलिन हानि तथा ऑलिगोडेंड्रोसाइट निदान का मूल्यांकन।
7. मधुमेह एवं चयापचय सिंड्रोम में वृद्धि भेद कारक-15, आयरन नाशक प्रोटीन, सूक्ष्मपोषी प्रतिउपचायक के बीच आणविक अभिव्यक्ति एवं अंत:क्रिया
8. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम में माइटोकॉन्ड्रियल रोग तथा एनआरएफ-2 जीन अभिव्यक्ति में क्रियाशील ऑक्सीजन प्रजाति की आणविक अभिव्यक्ति एवं अंत:क्रिया
9. पेट दर्द रोग में थियोप्यूरीन ड्रग उपापचय एवं रूधिर वैज्ञानिक सूचकांकों का मूल्यांकन: परिणाम एवं प्रभाव का मूल्यांकन
10. सार्कोपीनिया वाले मोटे रोगियों में अस्थि, मांसपेशियों, वजन एवं कार्य में परिवर्तन पर व्यायाम एवं पोषकों के प्रभाव की तुलना का याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
11. मस्तिष्क रोग के लिए हल्के आघातजन्य मस्तिष्क चोट से प्रेरित नई परिसंचारी मस्तिष्क प्रोटीन एसएनटीएफ का तीव्र नैदानिक एवं पूर्वलाक्षणिक बायोमार्कर के रूप में अध्ययन
12. हल्के और मध्यम गहरे मस्तिष्क चोट (टीबीआई) से उत्पन्न तंत्रिका मनोवैज्ञानिक रोगों की उन्नत पहचान के लिए नव नैदानिक सुलभ जीववैज्ञानिक अनुमानों का स्थानान्तरणीय अनुप्रयोग

पूर्ण

1. नॉन सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी से गुजर रहे रोगियों में सीरम विटामिन डी के स्तर का मूल्यांकन करने के लिए व्यापक विहंगम अध्ययन तथा दंत ऊतकों से संबंधित इसकी क्षमता का अवलोकन
2. उदर रोग एवं अन्य आंत्रविकृति वाले रोगियों में विलस असामान्यताओं का मूल्यांकन करने हेतु बायोमार्कर्स
3. उत्तर भारत, हरियाणा के एक उप-जिला अस्पताल मे उपस्थित रहकर, गर्भवती महिलाओं में मध्यम रक्ताल्पता के उपचार में शिराओं के अंदर आयरन सुक्रोस का प्रभाव
4. टॉर्क टेनो विषाणु का एन 22 क्षेत्र: क्लोनिंग अभिव्यक्ति एवं प्रतिरक्षात्मक जांच तथा प्रोटियोमिक विश्लेषण में स्थानांतरणीय पेप्टाइडों का प्रयोग
5. प्लेटलेट्स आधान की आवश्यकता वाले ट्रॉमा रोगियों में प्लेटलेट रोगों का अध्ययन
6. चिरकालिक वृक्क रोग (चरण 5 डी) के रोगियों में ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशकों के स्तर पर वृक्क प्रतिरोपण के प्रभाव का मूल्यांकन
7. दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बैटरी श्रमिकों में कैल्शियम चयापचय में शीशे (लेड) के पहुंचने की भूमिका तथा वीडीआर बहुरूपता से इसके संबंध का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. वृद्ध भारतीयों के जरा-सिंड्रोम तथा आंतरिक क्षमता की पहचान में इंटीग्रेटेड केयर टूल-ब्रीफ (आईसीटी ब्रीफ) का उपयोग, जरा चिकित्सा
2. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम, टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस एवं भारतीय महिलाओं की स्वस्थ प्रजनन अवस्था में अंत:स्रावी विघटनकारी रसायन (ऑर्गेनोक्लोरीन, ऑर्गेनोफॉस्फेट, बाईफिनाइलए, फथालेट) का तुलनात्म्क मूल्यांकन तथा खान-पान की आदतों से उसका बहुकेन्द्रीय संबंध (शाकाहारी बनाम मांसाहारी) तथा आनुवांशिक परिवर्तन, बहुउद्देशीय परियोजना: एसकेआईएमएस, श्रीनगर, पीजीआई, चंडीगढ़, एमआईआरआरएच, मुम्बई, जीएमसी, त्रिवेन्द्रम, आईपीजीएमईआर, कोलकाता, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलोंग, एम्स, रायपुर, स्वामी मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद, मैटरनल हेल्थ एण्ड रिसर्च ट्रस्ट, हैदराबाद
3. ट्यूमर लाइसिस सिंड्रोम के उपचार में लो डोज रासबरिकेस का प्रभाव, रूधिर विज्ञान
4. थेरेपी के निदान एवं निगरानी के लिए उपकला डिम्बग्रन्थि कैंसर में एचई 4 के स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान
5. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) से ग्रस्त भारतीय महिलाओं के बीच विभिन्न चिकित्सा विधियों की प्रतिक्रिया में विविधता, प्रसार, क्षेत्रीय प्ररूपी विभिन्नताएं, सह-रूग्णता तथा जोखिम कारकों का मूल्यांकन: पूरे भारत में बहुकेन्द्रीय अध्ययन, एसकेआईएमएस, श्रीनगर
6. पीसीओएस से ग्रस्त भारतीय महिलाओं में विटामिन बी 12 की कमी का प्रसार तथा पीसीओएस के प्रबंधन में परंपरागत दवाओं की क्षमता पर विटामिन बी 12 संपूरण का प्रभाव, एसकेआईएमएस, श्रीनगर
7. प्रतिकूल गर्भावस्था प्रभाव के संभाव्यता सूचक के रूप में मनोसामाजिक तनाव एवं लिपिड प्रोफाइल, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
8. तीव्र वृक्क क्षति वाले अत्यधिक गंभीर रोगियों में स्पॉट मूत्र सोडियम फुरसेमाइड जांच की भूमिका, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार
9. फरीदाबाद, हरियाणा के एक उप-जिला अस्पातल में उपस्थित रहकर मध्यम से गंभीर रक्ताल्पता वाली भारतीय महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने में अंत:शिरा फेरिक कार्बोक्सी माल्टोस (एफसीएम) के प्रभाव का एक भुजीय मुक्त परीक्षण, सामुदायिक चिकित्सा
10. गंभीर रूप से बीमार पूतिता रोगियों में तीव्र वृक्क क्षति के पूर्वानुमान हेतु चिह्नक के रूप में मूत्र एल्बुमिन क्रीएटिनिन अनुपात तथा इसके परिणाम- एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण तथा गहन उपचार

पूर्ण

1. समय से पूर्व (32 हफ्ते से कम) मां के दूध की वृहत् पोषक संरचना- एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 6 **सार: 6**

रोगी उपचार

केन्द्रीय रक्त संग्रह सुविधा

I. **कुल फ्लेबोटोमी : 4,44,370**

II. **रक्त नमूनों का वितरण**

(क) प्रयोगशाला चिकित्सा

नैदानिक जैवरसायन प्रभाग: 2,20,00

रूधिर विज्ञान प्रभाग : 2,01,500

नैदानिक सूक्ष्मजीवविज्ञान प्रभाग: 10,500

(ख) प्रयोगशाला चिकित्सा से बाहर: 12,370

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवा (चौबीसों घंटे)

रूधिर विज्ञान प्रभाग

जांच	संख्या	जांच	संख्या
हीमोग्लोबिन	1,00,241	ब्लड सी/एस और सेरेब्रोस्पाइनल फ्ल्युइड सी/एस	10,932
कुल ल्यूकोसाइट काउंट	1,00,241	स्लाइड स्टेन	16,200
प्लेटलेट्स	1,00,241	मीन कॉर्पस्कुलन वॉल्यूम	1,00,241
प्रोथॉम्बिन टाइम	1,03,297	मीन कॉर्पस्क्यूलन हीमोग्लोबिन	1,00,241
एपीटीटी	51,182	मीन कॉर्पस्क्युलर हीमोग्लोबिन कॉन्सेंट्रेशन	1,00,241
सीएसएफ कोशिकाएं	14,325	पैक्ड सेल वॉल्यूम	1,00,241
मूत्र	1,460	रेड ब्लड सेल काउंट	1,00,241
कुल	**9,99,324**		

नैदानिक जैव रसायन प्रभाग

जांच	संख्या	जांच	संख्या
बी. ग्लूकोस	4,758	क्लोरीन आयन	1,70,296
बी.यूरिया	3,03,705	कैल्सियम आयन	1,70,296
एस. क्रीएटिनिन	3,03,824	एसजीओटी	1,254
एस.बिलिरूबीन-टी	2,37,005	एसजीपीटी	1,254
एमाइलेस	7,929	एएलपी	1,254
एबीजी	29,200	सीएसएफ-ग्लू	5,282
सोडियम आयन	1,70,296	सीएसएफ-प्रोटीन	5,282
पोटैशियम आयन	1,70,296		
कुल	**15,81,931**		

कुल योग = 25,81,255

रूधिर विज्ञान नियमित सेवाएं

क्र.सं.	जांच	ओपीडी	वार्ड
1.	हीमोग्लोबिन	1,27,011	89,318
2.	टीएलसी	1,27,011	89,318
3.	पीसीवी	1,27,011	89,318
4.	डीएलसी	1,27,011	89,318
5.	ईएसआर	40,000	10,935
6.	पी/एस मॉर्फोलॉजी	25,485	33,490
7.	पीएलटी	1,27,011	89,318
8.	रेटिक काउंट	1,407	60
9.	एबीएस ईऑएस. काउंट	1,27,011	89,318
10.	एएनसी	1,27,011	89,318
11.	एमपी	1,143	56
12.	एमसीवी	1,27,011	89,318
13.	एमसीएचसी	1,27,011	89,318
14.	एमसीएच	1,27,011	89,318
15.	आरबीसी	1,27,011	89,318
16.	आरडीडब्ल्यू	1,27,011	89,318
17.	एमपीवी	1,27,011	89,318
18.	पीटी	6,992	9,671

19.	एपीटीटी	1,249	1,547
	कुल	**17,27,419**	**12,16,893**

कुल योग = 29,44,312

नैदानिक जैव रसायन नियमित सेवाएं

जांच	**रक्त**	**मूत्र एवं तरल**
शर्करा	3,76,967	2,599
यूरिया	3,19,982	1,455
क्रिएटिनिन	3,22,965	18,753
कैल्शियम	3,20,807	7,744
फॉस्फेट	3,20,346	7,744
यूरिक एसिड	3,20,733	6,100
सोडियम	3,18,819	6,049
पोटेशियम	3,18,819	6,049
एसजीओटी	3,15,941	-
एसजीपीटी	3,15,941	-
एल्केलाइन फॉस्फेटेस	3,16,629	-
बिलिरूबिन i) कुल ii) कंजुगेट	 3,15,490 2,86,621	-
कुल प्रोटीन	3,15,323	22,895
एल्बुमिन	3,15,323	2,564
कोलेस्टेरॉल	13,856	-
एमाइलेज	4,598	2,531
एसीपी	-	4,253
24 घंटे एल्बुमिन	-	18,980
कुल	**48,19,160**	**1,07,716**

नैदानिक जैवरसायन (अनुरोध पर तथा अनुसंधान हेतु की जाने वाली जांचें)

जांच	**संख्या**	**जांच**	**संख्या**
एचबीएसएजी/एचबीवी-डीएनए	450	टीटीवी- डीएनए	200
आईजीएम एंटी एचबीसी	100	सीके	100
एंटी एचसीवी	300	एलडीएच	50

आईजीएम एंटी एचईवी	100	टीजी	400
आईजीएम एंटी एचएवी	100	एलडीएलसी	400
एचसीवी-आरएनए	300	एचडीएलसी	400
कुल	**2,900**		
कुल योग	**49,29,776**		

नैदानिक सूक्ष्म जीवविज्ञान सेवाएं

नियमित जांचें

1. **मूत्र**

जांच का नाम	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
चिकित्सा बोर्ड	0	1,531	1,531
नियमित	41,915	40,987	82,902
माइक्रोस्कोपिक	41,915	40,987	82,902
पीएच	41,915	40,987	82,902
विशिष्ट ग्रेविटी	41,915	40,987	82,902
एसीटोन	41,915	40,987	82,902
बाइल पिगमेंट/साल्ट	41,915	40,987	82,902
यूरोबिलिनोजीन	41,915	40,987	82,902
बेन्स जोंस प्रोटीन	52	64	116
कायलुरिया	61	53	114
मूत्र संवर्धन	21,438	0	21,438
तनाव पहचान परीक्षण्	16,108	0	16,108
एंटीबायोटिक संवेदनशीलता	31,701	0	31,701
उप योग	**3,62,765**	**2,88,557**	**6,51,322**

2. मल

जांच का नाम	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
वेट माउंट सेलाइन	8,713	3,963	12,676
वेट आयोडिन स्टेन	8,713	3,963	12,676
मल में मिलने वाला रक्त	2,953	2,905	5,858
फैट ग्लोबुल्स	127	71	198
स्पेशल स्टेन फॉर स्टूल जेड-एन स्टेन, मोडिफाइड जेड-एन स्टेन, ट्राइक्रोम और क्रोमोटोप	436	99	535
उप योग	**20,942**	**11,001**	**31,943**

3. सीमेन विश्लेषण

जांच का नाम	ओपीडी	वार्ड	कुल
नियमित	5,234	-	5,234
प्रतिक्रियाओं की संख्या	5,234	-	5,234
गतिशीलता	5,234	-	5,234
संख्या	3,633	-	3,633
फ्रुक्टोज	2,064	-	2,064
उप योग	**21,399**		**21,399**

4. बलगम विश्लेषण

जांच का नाम	ओपीडी	वार्ड	कुल
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	1,719	54	1,773
जेड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	3,068	84	3,152
एमटीबी कल्चर	352	0	352
उप-योग	**5,139**	**138**	**5,277**

5. मूत्र एएफबी विश्लेषण

जांच का नाम	ओपीडी	कुल
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	1,304	1,304
जेड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	1,994	1,994
उप योग	**3,298**	**3,298**

विशेष जांच

इम्यूनो- सीरोलॉजिकल और आण्विक निदान जांच

जांच (ये वर्ष के दौरान अधिकांश समय बंद रहे)		**जांच (ये वर्ष के दौरान अधिकांश समय बंद रहे)**	**कुल**
टोक्सोप्लाज्मा गोंडाइ आईजीजी	1,657	एंटी एचबीएस	640
टोक्सोप्लाज्मा गोंडाइ आईजीएम	1,777	एंटी एचसीवी एंटीबॉडी	45,745
रूबेला आईजीजी	1,841	एचईवी आईजीएम	216
रूबेला आईजीएम	1,947	एचआईवी	39,906
साइटोमेगालोवायरस आईजीजी	1,852	एचबीवी डीएनए	209
साइटोमेगालोवायरस आईजीएम	1,865	एचसीवी आरएनए	116
हर्पिस सिम्प्लेक्स वायरस	495	सीएमवी (आरटी पीसीआर)	1,095

आईजीजी			
हर्पिस सिम्प्लेक्स वायरस 2 आईजीजी	487	हैमस्टर में लैब स्ट्रेन अनुरक्षण	792
हर्पिस सिम्प्लेक्स वायरस (1+2) आईजीएम	28	नमूनों की प्राप्त कुल संख्या	652
एचएवी आईजीएम	1,777	जेड एन स्ट्रेनिंग	1,004
एचबीएसएजी	46,365	एलजे मीडियम इनोकुलेटेड	749
एचबीसी आईजीएम	97	जीन एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ	332
एचबीईएजी	2,079		
कुल	**1,53,723**		

कुल योग: **8,66,962**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण गतिविधियां

प्रो. एम.इरशाद ने विभागाध्यक्ष के रूप में रोगी उपचार एवं स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर शिक्षण पैटर्न में कई बदलाव किए। शैक्षिक मोर्चे पर अग्रणी अनुसंधान में उल्लेखनीय योगदान हेतु उन्हें मार्किस, अमेरिका द्वारा विश्व के प्रतिष्ठित (3%) आइकॉन के रूप में सूचीबद्ध किया गया। उन्हें वर्ल्ड जर्नल ऑफ हेपटोलॉजी के संपादक समिति का सक्रिय सदस्य भी चुना गया। इसके अतिरिक्त अन्य कई पत्रिकाओं की संपादकीय समिति का सदस्य भी चुना गया। बीएमसी, एल्सवियर (सीएलआईएनआरई, जीन रिपोर्ट्स) एवं बीपीजी (डब्ल्यूजेजी, डब्ल्यूजेएच, डब्ल्यूजेजीओ आदि) जैसे प्रकाशकों के अधीन छपने वाली पत्रिकाओं हेतु लेखों की समीक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका उन्होंने निभाई। "इम्यून रिएक्शन कैसकेड फॉर एचसीवी-मेडिएटेड हेपटिक सेल लाइसिस" नामक उनकी शोध टीम के प्रकाशित कार्य का एक भाग **"वायरल इम्यूनोलॉजी"** नाम की पत्रिका के आवरण पृष्ठ के लिए भी चुना गया। इस वर्ष उन्हें कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में वक्ता के रूप में भी आमंत्रित किया गया।

डॉ. सुदीप कुमार दत्ता को अमेरिकन एसोशिएशन ऑफ क्लीनिकल केमेस्ट्री (एएसीसी) के द्वारा शिकागो में आयोजित एएसीसी 2018 वार्षिक बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ। वे 2018 से लेकर आज तक भारत की ओर से इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ क्लीनिकल केमिस्ट्री (आईएफसीसी) टास्क फोर्स के समतुल्य सदस्य तथा अमेरिकन एसोशिएशन ऑफ क्लीनिकल केमिस्ट्री (एएसीसी), इंडिया सेक्शन के सचिव हैं।

डॉ. श्याम प्रकाश ने एम्स, नई दिल्ली में सोसायटी फॉर फ्री रेडिकल रिसर्च इन इंडिया (एसएफआरआरआई-2018) की 16वीं वार्षिक बैठक तथा ट्रांसलेशनल रिसर्च इन फ्री रेडिकल्स, माइक्रोन्यूट्रिएन्ट्स एंटीऑक्सीडेन्ट एंड फंक्शनल फुड्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए। वे आईसीएमआर के पोषण प्रभाग की परियोजना समीक्षा समिति तथा डीएसटी के एसईआरसी प्रभाग की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य हैं। वे इंडियन जर्नल ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट्री एवं क्लीनिकल न्यूट्रीशन ईएसपीईएन के शोध पत्रों के समीक्षक भी है।

9-19 dk; fpfdRlk

आचार्य एवं अध्यक्ष

रीता सूद

आचार्य

नवीत विग — आशुतोष बिस्वास

संजीव सिन्हा — नवल के. विक्रम

सह-आचार्य

मनीश सोनेजा — पीयूष रंजन

सहायक आचार्य

नीरज निश्चल	पंकज जोरवाल	अरविंद कुमार
रनवीर सिंह जाडन	अनिमेश रे	उपेंद्र बैथा
प्रयास सेठी (अनुबंध)	प्रभात कुमार (अनुबंध)	वेद प्रकाश मीणा (अनुबंध)

विशिष्टताएं

कायचिकित्सा विभाग एक जीवंत विभाग है जो रोगी देखभाल, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान सहित समग्र सेवाएं प्रदान करता है। नियमित सेवाओं के अलावा, यह संक्रामक रोगों, मेटाबोलिक विकारों, छाती चिकित्सा और नींद विकारों एवं बहु-अनुशासनात्मक देखभाल की आवश्यकता वाले कई चिकित्सीय समस्याओं के क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति है। संक्रामक रोगों, ट्रैवल हेल्थ और एडल्ट इम्यूनाइजेशन क्लिनिक में रोगी की देखभाल की गतिविधियों ने रोगियों की संख्या में 5 गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की। इस वर्ष विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के नैदानिक कौशल को बढ़ाने के लिए, संगोष्ठियों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसे बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला। हमने डॉ. डेविड डेनिंग और डॉ. रिकर्ड फेरर जैसे विश्व-प्रसिद्ध संक्रामक रोगों के विशेषज्ञों की मेजबानी की, जिन्होंने हमारे छात्रों के साथ बातचीत की। विभाग ने अगले चार वर्षों के लिए तपेदिक में प्रशिक्षण और अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के रूप में पुन: मान्यता प्राप्त की।

शिक्षा

विभाग व्यापक स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम चलाता है जिसमें एकीकृत व्याख्यान, सेमिनार, जर्नल क्लब और बेडसाइड क्लिनिकी मामले चर्चाएं शामिल हैं। वर्तमान में 58 एमडी छात्रों, 37 डीएम-संक्रामक रोग (17 जूनियर रेजीडेंट और 20 वरिष्ठ रेजीडेंट) और 16 वरिष्ठ रेजीडेंट को चिकित्सा विभाग में प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह अपेक्षित परिणामों, सीखने के अवसरों और आकलनों के बीच बेहतर संरेखण के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर के क्लीनिकल प्रशिक्षण में सुधार करने का प्रयास कर रहा है। छात्रों पर नियमित रूप से रचनात्मक आकलन और प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

(विभाग / विभागीय संकाय द्वारा आयोजित)

1. एम्स, नई दिल्ली में 8 अप्रैल 2018 को "क्लीनिकल स्किल्स इन कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम" पर संगोष्ठी
2. एम्स, नई दिल्ली में 22 अप्रैल 2018 को "नेग्लेक्टेड इन्फेक्शस डिजीजस" पर संगोष्ठी
3. एम्स, नई दिल्ली में 16 मई 2018 को "राष्ट्रीय डेंगू दिवस" के अवसर पर "डेंगू फीवर" पर सार्वजनिक व्याख्यान
4. एम्स, नई दिल्ली में 23 मई 2018 को "इंफेक्शस डिजीज" पर संगोष्ठी
5. एम्स, नई दिल्ली में 24 मई 2018 को "एनआईपीएएच वायरस" पर अद्यतन
6. एम्स, नई दिल्ली में 5-6 जून 2018 को "मेडिकल प्रोसीजर्स फ्रॉम ए मेडिसिन रेजिडेंट" पर संगोष्ठी
7. एम्स, नई दिल्ली में 6 अक्टूबर 2018 को "एविडेंस बेस्ड मेडिसिन" पर संगोष्ठी
8. एम्स, नई दिल्ली में 13 अक्टूबर 2018 को "हाउ टू राइट ए रिसर्च पेपर" पर संगोष्ठी
9. एम्स, नई दिल्ली में 3 नवंबर 2018 को "रिसर्च मेथोडोलोजी पार्ट II" पर संगोष्ठी
10. एम्स में 5 दिसंबर 2018 को "रीसेंट एडवांसेज इन फंगल इन्फेक्शंस एंड देयर मैनेजमेंट: हाउ मैनी लिव्स कैन बी सेव्ड?" पर संगोष्ठी

प्रदत्त व्याख्यान

आशुतोष बिसवासः 6 **संजीव सिन्हाः 1** **नवल के विक्रमः 8**

मनीष सोनेजाः 1 **नीरज निश्चलः 2** **अरविंद कुमारः 2**

उपेंद्र बैथा: 1

मौखिक पत्र / प्रस्तुत पोस्टर: 4

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में अस्पतालों में एंटीमाइक्रोबायल स्टीवर्डशिप गतिविधियों की शुरूआत, रीटा सूद, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019, 10 लाख रुपये
2. डेंगू रोग के दौरान प्रेरित मानव सीडी8 टी सेल प्रतिक्रिया का कार्यात्मक विश्लेषण, नवीत विग, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, रु. 25 लाख
3. डेंगू संक्रमण की सिरोप्रिव्लेंस, आशुतोष बिसवास, एनवीबीडीसीपी, एमओएचएंडएफडब्ल्यू, 3 वर्ष, 2016-2019, 30 लाख रुपये
4. स्वास्थ्य, नींद और संज्ञानात्मक क्रिया (पूरे देश से **3** साइट वाले बहुकेंद्रित परियोजनाएं, एम्स, नई दिल्ली एलआरआई है) पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए, संजीव सिन्हा, डीएसटी, 4 वर्ष, 2015-2019

5. श्रेणी 1 के फुफ्फुसीय क्षयरोग से पीड़ित रोगियों में विटामिन डी3 पूरक सहित अथवा विटामिन डी पूरक के बिना दोबारा क्षयरोग की संभावना की रोकथामः एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रण क्लीनिकल परीक्षण प्रोफेसर संजीव सिन्हा, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2016
6. एड्स से पीड़ित भारतीय महिलाओं और उनके बच्चों के साथ स्वास्थ्य और पोषण में सुधार करने वाली आशा, संजीव सिन्हा, एनआईएच, यूएसए, 1 वर्ष, 2013
7. भारत के चुनिंदा शहरों/कस्बों और ग्रामीण आबादी के बीच वसा, नमक और चीनी में उच्च खाद्य और खाद्य उत्पादों/वस्तुओं का उपभोग पैटर्न, नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 15 माह, मई 2018 से शुरू, रु. 62.59 लाख
8. संक्रमण के दौरान डेंगू वायरस के तेजी से प्रसार का तंत्र, नवल के. विक्रम, डीबीटी, 3 वर्ष, मार्च 2018 के बाद, 20 लाख रु.
9. नींद और न्यूरोकॉग्निटिव कार्यों पर मोबाइल फोन के उपयोग के कारण विद्युत चुम्बकीय विकिरण का प्रभावः एक आणविक दृष्टिकोण, मनीष सोनेजा, डीएसटी, 4 वर्ष, 2015-19, 65 लाख रुपये
10. बायोमार्कर की भूमिका और इनवेसिव फंगल संक्रमण के शुरुआती निदान के लिए एल्गोरिद्म में इसकी उपयोगिता, मनीष सोनेजा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
11. एचआईवी से जुड़े लिपोडायस्ट्रॉफी के इलाज में सरोग्लिट्ज़र 4 मिलीग्राम के मुकाबले प्लेसबो की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, नीरज निश्चल, जायडस, 2016-2019, 30 लाख रुपये
12. अतिरिक्त-फुफ्फुसीय तपेदिक के निदान में किट-आधारित लूप मध्यस्थता इसोथर्मल प्रवर्धन (टीबी-एलएएमपी) की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए, नीरज निश्चल, एम्स, **2018-2019, 3** लाख रु.
13. एम्स, नई दिल्ली में मरीजों में जीवाणु मूत्र पथ संक्रमण के प्रबंधन में वर्तमान अभ्यास का अध्ययन करने के लिए वर्तमान एंटीबायोटिक उपयोग और क्लीनिकल परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, अरविंद कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 1 लाख
14. गैर-एचआईवी विषयों के बीच लिम्फनोड तपेदिक में विरोधाभासी प्रतिक्रिया - नैदानिक निहितार्थ और परिणाम, पंकज जोरवाल, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2019-2020, 1.9 लाख रुपये
15. क्रोनिक कैविटरी पल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों के इलाज के लिए मौखिक इट्राकोनाजोल के साथ नेबुलाइज्ड एम्फोटेरिसिन बी की तुलना करने वाला एक अध्ययन, अनिमेश राय, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रु.
16. रेसिजेंट डॉक्टरों और नर्स के ज्ञान और बुनियादी और उन्नत जीवन समर्थन के बारे में कौशल पर सिमुलेशन के प्रभावों पर एक अध्ययन, उपेंद्र बैथा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपये

पूर्ण

1. एक संभावित, बहु केंद्र, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, सक्रिय-नियंत्रित, चरण III अध्ययन प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए, प्रीमिक्स्ड मानव इंसुलिन बिफैसिक (30 मानव इंसुलिन घुलनशील इंजेक्शन और 70 मानव इंसुलिन आइसोफेन निलंबन) की सुरक्षा और प्रतिरक्षाशीलता, टाइप

2 मधुमेह मेलिटस के निदान रोगियों के इलाज में Huminsulin® 30/70 के साथ एमजे बायोफर्म प्राइवेट लिमिटेड का इंजेक्शन योग्य निलंबन, नवल के विक्रम, जेएसएस मेडिकल रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2017-2018, 4.17 लाख रुपये

2. चरण 3, मल्टीसेन्टर, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित, मोटापे के इलाज में लोर्कसेरिन हाइड्रोक्लोराइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए समांतर अध्ययन, नवल के विक्रम, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, 1 वर्ष, जून 2017-अक्टूबर 2018, 9 लाख रुपये
3. एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल आईसीयू में उच्च जोखिम वाले रोगियों में आक्रामक फंगल संक्रमण का पैटर्न, पंकज जोरवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एक आईसीयू और एचआईसी प्रथाओं में सक्रिय निगरानी और लक्षित हस्तक्षेप और वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया पर इसका प्रभाव
2. फैटी लीवर की बीमारी से पीड़ित रोगियों में लीवर की क्षति हेतु एंटी ट्यूबरकुलर प्रेरित औषधि
3. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस वाले रोगियों में एंटी-ट्यूबरक्युलर थेरेपी प्रेरित लिवर की चोटः संभावित समूह अध्ययन
4. क्लिनिकल प्रोफाइल और मरीजों के परिणाम पर क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस अटेंडेंट हॉस्पिटल में मानक देखभाल के लिए एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
5. युवा स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं की शरीर की संरचना और मेटाबोलिक प्रोफाइल का आकलन
6. दुर्लब मांस, मांसपेशी शक्ति और मधुमेह और मेटाबोलिक मानकों के साथ शारीरिक प्रदर्शन की संगति
7. ट्यूबरकुलर सीओपीडी रोगियों और धूम्रपान संबंधित सीओपीडी रोगियों के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल और पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण) प्रोफाइल की तुलना करने के लिए एक अध्ययन
8. भारत में तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल अस्पताल में रीढ़ की हड्डी की टीबी (तपेदिक) के रोगियों के शुरुआती लक्षण और नैदानिक परिणाम
9. इस्नोफीलिया के रोगियों के नैदानिक और एटियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल
10. ऑटोइम्यून हेमोलाइटिक एनीमिया के नैदानिक और सीरोलॉजिकल लक्षण
11. चिकित्सा बाह्य रोगी क्लिनिक में चिकित्सकीय अस्पष्ट शारीरिक लक्षणों के साथ पेश करने वाले मरीजों के क्लिनिकल और सामाजिक-जनसांख्यिकीय सहसंबंध
12. पेरीकार्डियल इफ्यूजन वाले रोगियों की क्लीनिकल ईटियोलॉजिकल और प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल
13. क्लीनिकल प्रोफाइल और गुर्दे की तपेदिक के परिणाम और इसके निदान में जीन विशेषज्ञ की उपयोगिता

14. उपचारित फुफ्फुसीय तपेदिक रोगोत्तर लक्षण (सेक्वेलै) वाले रोगियों में नैदानिक रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक परस्पर संबंध।
15. क्लिनिकल स्पेक्ट्रम, प्रयोगशाला प्रोफाइल और अस्पष्ट मस्तिष्क विकृति रोगग्रस्त रोगियों के नतीजेः उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल से एक संभावित अध्ययन
16. पेरीकार्डियल इम्प्रूजन वाले रोगियों की क्लीनिकल, ईटियोलॉजिकल और प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल
17. यूरोसेप्सीस के साथ रोगियों के क्लीनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल और परिणामः उत्तरी भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल से संभावित अध्ययन
18. गैर-मादक फैटी लिवर रोग वाले मोटे और गैर-मोटे व्यक्तियों के बीच तुलना
19. उच्च गुणवत्ता वाले सीपीआर अंकित के उपयोग के माध्यम से सीपीआर गुणवत्ता पूर्व और पोस्ट प्रशिक्षण की तुलना
20. एचआईवी और एड्स से पीड़ित लोगों में क्रिप्टोकोक्कल एंटीजनेमिया।
21. ब्रोइकोलोसिस और लियम की बीमारी के विशेष संदर्भ में ऑलिगोआर्थराइटिस के रोगियों का निदान
22. डिसिप्लिडिमिया- एचआईवी-एड्स रोगियों में एक कार्डियोवेस्कुलर जोखिम कारक
23. मेडिसिन आईसीयू में परिणामों पर प्रोटोकॉल आधारित पोषण थेरेपी के कार्यान्वयन का प्रभाव
24. रेट्रो पॉज़िटिव व्यक्तियों के बीच तपेदिक के लिए आइसोनियाज़िड निवारक चिकित्सा की प्रभावशीलता
25. मेकनिकली वेंटिलेटेड रोगी की देखभाल में साक्ष्य आधारित प्रथाओं के पालन और परिणाम का मूल्यांकन: एक अर्ध अंतरविरोधी अध्ययन
26. ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस के निदान में टीबी लैम्प परीक्षण का मूल्यांकन
27. डेंगू रोग के दौरान इंड्यूस्ड किए गए ह्यूमन सीडी 8 टी सेल प्रतिक्रिया का कार्यात्मक विश्लेषण
28. वेंटिलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया पर एक गहन देखभाल इकाई में सक्रिय निरंतर निगरानी का प्रभाव, और वेंटिलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया के साथ एक्सोजेनस फ्लोरा की संबद्धता।
29. मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में डिवाइस से जुड़े संक्रमण पर निगरानी और निवारक हस्तक्षेप का प्रभाव
30. हेमेटोपोएटिक स्टीम सेल प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में वयस्कों में श्वसन संश्लेषण वायरस संक्रमण की घटना
31. प्रारंभिक निदान में इनवेसिव फंगल संक्रमणों और बायोमार्कर तथा आणविक पहुँच की भूमिका
32. सेप्सिस में प्रोटोकॉल-आधारित प्रबंधन के परिणाम
33. गंभीर रूप से बीमार रोगियों के अंतर-अस्पताल परिवहन के दौरान प्रतिकूल घटनाओं की आवृति पर मानकीकृत जांचसूची और प्रोटोकॉल प्रभावों के परिणाम
34. एम्स, नई दिल्ली के मेडिसिन विभाग में कृत्रिम रूप से वेंटिलेटेड रोगियों में कृत्रिम वायुमार्ग के रखरखाव और ट्यूब देखभाल पर दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन का परिणाम
35. गौण हेमोफैगोसिटिक लिम्फोहिस्टोसाइटोसिस के परिणाम के भविष्यवक्ता

36. एचआईवी नकारात्मक ईपीटीबी रोगियों में विरोधाभासी प्रतिक्रियाएं--घटना, परिणाम और पूर्वानुमान कारक
37. एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) से वयस्क एचआईवी / एड्स रोगियों में प्रतिरक्षात्मक विफलता की व्यापकता
38. एचआईवी / टीबी सह-संक्रमण में मनोवैज्ञानिक विकृतियां
39. मेडिसिन वार्ड में आक्रामक प्रक्रियाओं में गुणवत्ता सुधार
40. इंटरस्टीशियल फेफड़े के रोग के नवीन नैदानिक मामलों के मूल्यांकन और अनुवर्ती गतिविधियों में इंपल्स ओसिलोमेट्री (आईओएस) की भूमिका
41. बायोमार्कर के रूप में सेप्सिस के रोगियों में परिणाम के अनुमान हेतु एन-टर्मिनल प्रो-बीएनपी और कार्डियक ट्रोपोनिन-I की भूमिका
42. पल्मोंनरी और एक्सट्रा पल्मोंनरी ट्यूबरक्लोसिस में उपचार की प्रतिक्रिया के निदान और निगरानी में सीरम सीए-125 स्तर की भूमिका।
43. सेप्सिस के प्रबंधन में सीरम प्रोकालिटोनिन के स्तर की भूमिका
44. सेप्सिस के रोगियों में गौण हेमोफैगोसिटिक लिम्फोहिस्टोसाइटोसिस (एचएलएच)
45. रक्तचाप रोगियों की मात्रा स्थिति के मूल्यांकन के लिए सब्क्लोवियन शिरा एवं आंतरिक विना कावा क्षति की सोनोग्राफिक तुलना
46. एम्स में मेडिकल वार्ड में प्रणालीगत फंगल संक्रमण का स्पेक्ट्रम
47. मेडिकल वार्ड में भर्ती मरीजों में स्टेरिल प्यूरियाः क्लैमिडिया ट्रेकोमैटिस, यूरिया प्लाज्मा इरेलिटिकम, माइकोप्लाज्मा होमिनिस और माइकोप्लाज्मा जेनिटायटियम की घटनाएं
48. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में तीव्र अपरिभाषित फेब्रियल बीमार रोगियों की क्लिनिको-महामारी विज्ञान प्रोफाइल का अध्ययन
49. मेडिसिन ओपीडी, संबद्ध विकलांगता और देखभालकर्ता पर निर्भरता में चिकित्सकीय रूप से व्याख्या नहीं किए गए शारीरिक लक्षणों (एमयूपीएस) की व्यापकता का अध्ययन
50. सामुदायिक अधिग्रहित निमोनिया के प्रबंधन की गुणवत्ता पर 'गंभीर मार्ग' के कार्यान्वयन के प्रभाव का अध्ययन
51. संक्रमण इमेजिंग के लिए 99एम टेक्नेटियम (99एम टीसी) एंटीबायोटिक दवाओं का संश्लेषण, गुणवत्ता नियंत्रण और जैवविविधता अध्ययन
52. मेडिसन आईसीयू में मैकेनिकली वेंटिलेटिड रोगियों में नेबुलाइज्ड और अंतःशिरा कोलिस्टिन के फार्माकोकाइनेटिक्स
53. डेंगू बुखार में रक्तस्राव की अभिव्यक्तियों के साथ थ्रोम्बोलास्टोग्राफिक असामान्यताएं और सहसंबंध
54. एचआईवी टीबी सह-संक्रमण से जुड़े जोखिम कारकों का मूल्यांकन
55. ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनाइटिस के निदान में-किट-आधारित कमर्शियल लूप-मेडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (टीबी-एलएएमपी) की भूमिका का मूल्यांकन

पूर्ण

1. नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग में जीवनशैली संशोधन सलाह का पालन करना
2. दिल्ली / एनसीआर एम्स, नई दिल्ली में वयस्कों में डेंगू का भार
3. अस्पताल में डेंगू बुखार वाले मरीजों में हृदय संबंधी रोग।
4. मेडिकल आईसीयू में परिणामों पर प्रोटोकॉल आधारित पोषण थेरेपी के कार्यान्वयन का प्रभाव
5. एम्स, नई दिल्ली में आईसीयू में आक्रामक फंगल संक्रमण की महामारी
6. नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग में स्तंभन दोष
7. नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) वाले मरीजों में मेटाबोलिक सुधार की संवेदनशील सूचकांक के रूप में हेपेटिक बाएं लोब वॉल्यूम की मात्रा
8. एनएएफएलडी (नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग) के साथ संबद्ध पोषण और जीवन शैली जोखिम कारक
9. एम्स, मेडिसिन में अस्पताल में रोगियों में हाइपरग्लेसेमिया के प्रबंधन में इंसुलिन प्रोटोकॉल आधारित एडीए / एएसीई दिशानिर्देशों के परिणाम प्रभाव
10. डेंगू संक्रमण में मृत्यु दर की घटनाओं और जोखिम कारकों का मूल्यांकन करना
11. यूटीआई के प्रबंधन के जारी अभ्यास का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पूर्व-मिश्रित इंसुलिन एनालॉग्स, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म का उपयोग करके मधुमेह के रोगियों के साथ वयस्क रोगियों में एसएआर 341402 मिक्स 70/30 से नोवोमिक्स® 30 के 26 सप्ताह की यादृच्छिक ओपन लेबल समानांतर समूह की तुलना
2. टी2डीएम रोगियों में इंसुलिन ग्लारगिन/लिक्सीसेनाटाइड निर्धारित अनुपात के इंसुलिन ग्लार्गिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करते हुए 24 सप्ताह का एक नियंत्रित ओपन लेबल पैरेलल आर्म बहुकेंद्रीय अध्ययन करना जिसमें मेटफ़ोर्मिन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म के साथ या इसके बिना बेसल इंसुलिन पर नियंत्रण अपर्याप्त तौर पर है।
3. टी2डीएम कार्डियोवस्कुलर जोखिम कारक और मध्यम रूप से विकृत गुर्दे के कार्यों, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म वाले रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम और गुर्दे की घटनाओं पर सोटाग्लिफ़्लोज़िन के प्रभाव के प्रदर्शन हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो कंट्रोल समानांतर समूह बहुकेंद्रीय अध्ययन।
4. हाई कार्डियोवस्कुलर जोखिम, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म में टी2डीएम के रोगियों में कार्डियोवस्कुलर परिणामों पर एफ़पेग्लेनाटाइड के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो कंट्रोल समानांतर समूह बहुकेंद्रीय अध्ययन।
5. प्री-डायबिटिक विषयों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर आयुर्वेदिक कोडेड ड्रग 'आयुष-डी' के यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित भावी चरण II का नैदानिक अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म

6. ए रैंडोमाइज्ड, डबल-बलाइंड, प्लैसिबो-एंड एक्टिव-कंट्रोल्ड, मल्टीसेंटर, फेज 3 स्टडी टू एक्सेस द एफिशिएंसी एंड सेफ्टी ऑफ फिल्गोटिनिब एडमिनिस्टर्ड फॉर 52 वीक इन कांबिनेशन विद मेथोट्रेक्सेट टू सब्जेक्ट विद मॉडरेटली टू सर्वे एक्टिव रह्यूमेटोइड अर्थरिटीज हू हैव एन इनएडीक्यूएट रिस्पोंस टू मेथोट्रेक्सेट, संधिवातीयशास्त्र
7. प्रभावकारिता का आंकलन करने के लिए एक याद्दच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो और सक्रिय-नियंत्रित, मल्टीसेटर, चरण 3 का अध्ययन और फिल्गोटिनिब की 52 सप्ताह के लिए सुरक्षा और मेथोट्रेक्सेट (एमटीएक्स) के साथ संयोजन में उन विषयों के साथ होती है, जो गंभीर रूप से सक्रिय संधिशोथ के साथ होते हैं जो एमटीएक्स थेरेपी के लिए एनएआईवीई हैं, संधिवातीयशास्त्र
8. अधिक वजन या मोटापा से ग्रस्त, और टाइप 2 मधुमेह, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म वाले व्यक्तियों में सेमाग्लुटाइड 2.4 मिलीग्राम की सप्ताह में एक खुराक का प्रभाव और सुरक्षा।
9. इंसुलिन के साथ इलाज किए जाने वाले टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाले विषयों में मौखिक सेमाग्लूटाइड बनाम प्लेसीबो की प्रभावकारिता और सुरक्षा, 52-सप्ताह, याद्दच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, डबल-ब्लाइंडेड अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी
10. संयुक्त इन्फ्लेमेशन में बहिर्जात एटीपी की भूमिका की पहचान करना, रुमेटोलॉजी
11. मस्कुलोस्केलेटल लक्षण और किशोर स्कूली बच्चों में उनके प्रभाव, रुमेटोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 67 **सारः 3** **पुस्तकों में अध्यायः 1**

रोगी उपचार

कायचिकित्सा ओपीडी एक प्रत्यक्ष गैर-रेफरल क्लिनिक है जो सप्ताह में 6 दिन चलता है। विभाग विशेष क्लिनिक चलाता है जिसमें स्लीप डिसऑर्डर क्लिनिक (सोमवार 2 बजे), संक्रामक रोग, यात्रा स्वास्थ्य और वयस्क टीकाकरण क्लीनिक (सोमवार 2 बजे) और चेस्ट क्लीनिक (शुक्रवार, 2 बजे) और मोटापा और चयापचय विकार क्लिनिक (बुधवार 2 बजे) सम्मिलित है। विभाग राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत एआरटी केंद्र भी चलाता है। विभाग में एक पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट लैब है (एमओपीडी कक्ष संख्या 34) जिसमें प्रतीक्षा अवधि नहीं है तथा यहाँ जांच की जाती है तथा उसी दिन रिपोर्ट दे दी जाती हैं। ब्रोंकोस्कोपी लैब डी वार्ड में स्थित है और अत्याधुनिक एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड प्रणाली से युक्त है। सीआईआई वार्ड में स्थित स्लीप लैब पॉलीसोम्नोग्राफी मशीन, एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग प्रणाली और एंडोथेलियल डिसफंक्शन के गैर-इनवेसिव आकलन के लिए उपकरण से युक्त है। मेडिसिन विभाग (संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम) के तहत एम्स अस्पताल में आने वाले रोगियों के साथ-साथ दिल्ली (चेस्ट क्लीनिक) के पांच क्षेत्रों से आने वाले रोगियों को तपेदिक के लिए निदानकारी सुविधा प्रदान करता है। विभाग के पास अत्याधुनिक जैव विविधता स्तर 3 (बीएसएल-3) प्रयोगशाला है।
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न क्लीनिकों और प्रयोगशाला जांच में रोगियों के आंकडे निम्नवत हैः

मेडिकल ओपीडी

कुल मामले **1,65,322**

संक्रामक रोग, यात्रा स्वास्थ्य और वयस्क टीकाकरण क्लीनिक (सोमवार 2 बजे)

कुल मामले **3,523**

निद्रा क्लीनिक

कुल मामले **786**

वक्ष क्लीनिक

कुल मामले **4,649**

मोटापा और उपापचयी विकार क्लिनिक

कुल मामले **1,283**

एंटीरिट्रोवायरल (एआरटी) सेंटर

प्री-एआरटी **995** एआरटी **791**

प्रयोगशालाएं

निद्रा

निद्रा अध्ययन **278** एंडोथेलियल डिसफंक्शन अध्ययन **8**

ब्लड प्रेशर की एम्बुलेटरी निगरानी **20**

पीएफटी

पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट **6,822** 6 मिनट का पैदल चलने का परीक्षण **269**

की गई ब्रोंकोस्कोपी की संख्या

फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपीज **381** ईबीयूएस **83**

एडीए/एसीई प्रयोगशाला

एसीई परीक्षण **85**

मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला (आईआरएल) सेवाएं:

बलगम स्मीयर	**7,000**	ठोस संवर्धन के लिए	**500**
तरल संवर्धन के लिए	**15,426**	सोलिड ड्रग ससेप्टिबिलिटी परीक्षण	**87**
तरल डीएसटी (पहली लाइन)	**224**	तरल डीएसटी (दूसरी लाइन)	**716**
लाइन जांच परख (पहली लाइन एलपीए)	**4,093**	लाइन जांच परख (दूसरी एलपीए)	**1,378**
जीन/एक्सपर्ट	**8,276**		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर नवीत विग नोडल अधिकारी, तपेदिक में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र; अध्यक्ष, टीबी पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह - सहरूग्णता; अध्यक्ष विशेषज्ञ समिति, डीएचआर - नैदानिक प्रशिक्षण और ट्रांस्लेशनल अनुसंधान पर वित्त पोषित कार्यशाला के लिए आईसीएमआर; सह-अध्यक्ष, स्थायी उपचार दिशानिर्देश (चिकित्सा), आईसीएमआर; सदस्य, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की गवर्निंग बॉडी के सदस्य थे; भारतीय फार्माकोपिया आयोग के वैज्ञानिक निकाय के सदस्य; एचआईवी / एड्स पर आईसीएमआर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य और एचआईवी/ एड्स परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य।

प्रोफेसर आशुतोष विश्वास को 21 से 28 मई 2018 तक आपातकालीन चिकित्सा राहत हेतु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और डीजीएचएस द्वारा केरल के कोझीकोड में निप्पाह के प्रकोप की समीक्षा के लिए प्रोफेसर आशुतोष विश्वास को केंद्रीय टीम के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया था। अहमदाबाद, गुजरात में 20 अक्टूबर 2018 को जीका वायरस रोग के प्रकोप के लिए राज्य स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (आपातकालीन चिकित्सा राहत) द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों (रोकथाम और निगरानी सहित) की समीक्षा करने के लिए अहमदाबाद, गुजरात का दौरा करने के लिए उच्च स्तरीय केंद्रीय टीम के विशेषज्ञ सदस्य; जयपुर, राजस्थान में 5-10 अक्टूबर 2018 को जीका वायरस के प्रकोप के लिए राज्य स्वास्थ्य विभाग तथा भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (आपातकालीन चिकित्सा राहत) द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों (रोकथाम और निगरानी सहित) की समीक्षा करने के लिए जयपुर, राजस्थान की उच्च स्तरीय केंद्रीय टीम के विशेषज्ञ सदस्य; लचीली पूरक योजना के तहत आईसीएमआर वैज्ञानिकों-बी एंड एफ को बढ़ावा देने के लिए मूल्यांकन बोर्ड के विशेषज्ञ; केंद्रीय टीम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निप्पा वायरस रोग के लिए में नैदानिक प्रबंधन के लिए नए दिशानिर्देशों को तैयार करने वाली केंद्रीय टीम में विशेषज्ञ सदस्य; आईजीआईएमएस, पटना में सामान्य चिकित्सा विभाग के सहायक और एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए बाहरी विशेषज्ञ, स्थायी चयन समिति; आईजीआईएमएस, पटना में सहायक प्रोफेसर, सामान्य चिकित्सा विभाग (ट्रामा तथा आपातकालीन) के पद के लिए बाहरी विशेषज्ञ, स्थायी चयन समिति; आईसीएमआर और डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ द्वारा आयोजित 6-7 अगस्त 2018 को भारत के लिए निप्पा वायरस रिसर्च एंड डेवलपमेंट रोडमैप विकसित करने के लिए कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ सदस्य; एसईएआरओ-डब्ल्यूएचओ द्वारा आयोजित 25 अप्रैल 2018 को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मलेरिया पर कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ सदस्य; नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'निप्पाहः एन इमर्जिंग थ्रेट, कंट्री प्रीपेयर्डनेस एंड चैलेंजेस अहेड' की बैठक के लिए विशेषज्ञ सदस्य; राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) के लिए विशेषज्ञ सदस्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और प्रबंधन के लिए अलग-अलग राष्ट्रीय नीतियों का मूल्यांकन करने पर; मानवाधिकार आयोग के विशेषज्ञ सदस्य, भारत सरकार कानूनी कार्यवाही के लिए हिरासत में मृत्यु के मामले में विशेषज्ञ राय देने के लिए जिम्मेदार; सलाहकार समिति समूह, आईसीएमआर, नई दिल्ली के विशेषज्ञ सदस्य; विभिन्न राष्ट्रीय

विश्वविद्यालयों / मेडिकल कॉलेजों के बाहरी परीक्षक; संयुक्त चिकित्सा सेवा, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), नई दिल्ली के लिए चयन बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य; आईजीआईएमएस, पटना, बिहार में संकाय के चयन बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान तथा राष्ट्रीय डेंगू दिवस और डेंगू संगोष्ठी आयोजित करने के लिए एनवीबीडीसीपी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अत्यधिक सराहना की गई। दिल्ली दूरदर्शन प्रसारण पर वार्ता के लिए विशेष आमंत्रितः दिल्ली दूरदर्शन, डीडी भवन (टावर-2), मंडी हाउस, नई दिल्ली में दिनांक 29 अप्रैल 2018 को "टोटल हेल्थ प्रोग्राम" पर "मलेरिया"; ऑल इंडिया रेडियो लाइव शो पर वार्ता के लिए विशेष आमंत्रित विषयः आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली में 5 नवंबर 2018 को जीका वायरस।

प्रोफेसर संजीव सिन्हा मेडिकल बोर्ड अंटार्कटिका अभियान के सदस्य थे, भारत सरकार, गोवा; वैज्ञानिक समिति के सदस्य, नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम के सदस्य, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार; दक्षिण अफ्रीका से प्रकाशित, जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट मैनेजमेंट के समीक्षा समिति के सदस्य; जर्नल आईजेएमआर की समीक्षा समिति के सदस्य, वर्तमान एचआईवी अनुसंधान के जर्नल की समीक्षा समिति के सदस्य, डीएचआर, आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा समिति के सदस्य; सेंट्रल स्टोर, एम्स की नेगोशिएशन कमेटी के सदस्य; पीजीआर के एम्स आचार समिति के सदस्य सचिव।

प्रोफेसर नवल के. विक्रम ने नैशविले, टेनेसी, यूएसए में 13 नवंबर 2018 को द ओबेसिटी वीक में सार 'एसोसिएशन ऑफ एक्टोपिक फैट डिपॉजिट विद मेटाबॉलिक सिंड्रोम इन एशियन इंडियंस' के लिए '2018 8वें वार्षिक रिसर्च इन डाइवर्स पॉपुलेशन टूर अवार्ड' का विजेता घोषित किया गया; रोगी प्रबंधन में संभावित आवेदन के साथ मधुमेह में अभिनव अनुसंधान की मान्यता में मुंबई में 6 जनवरी 2019 को 'वर्ल्ड-इंडिया डायबिटीज फाउंडेशन (डब्ल्यूआईडीएफ) 2019 इनोवेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

डॉ. मनीष सोनजा इन्फ्लुएंजा दिशानिर्देश, एनसीडीसी के प्रबंधन की उप-समिति के अध्यक्ष थे; डेंगू, चिकनगुनिया और इन्फ्लुएंजा पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के सदस्य विशेषज्ञ समूह, आईसीएमआर एंटीबायोटिक नीति के सदस्य विशेषज्ञ समूह, और हाईजीन और अन्य स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों पर दवाओं (एसएनसीएम) पर स्थायी राष्ट्रीय समिति की उप-समिति।

अतिथि वैज्ञानिकगण

1. प्रोफेसर डेविड वी डेनिंग, वैश्विक स्वास्थ्य में संक्रामक रोगों के प्रोफेसर और संक्रामक रोगों और चिकित्सा माइकोलॉजी, व्यान्थेसेवे अस्पताल और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में सलाहकार
2. डॉ. रिकार्ड फेरर, गहन देखभाल के प्रमुख, वैल्ड'हैब्रोन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, बार्सिलोना, स्पेन, 27 मार्च 2019

9-20 l{e t|o foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

गीता सतपति

आचार्य

रमा चौधरी	आरती कपिल	ललित दार
बिमल के दास	बिजय रंजन मिर्धा	इमाकुलाता जैस
बेनू धवन	सीमा सूद	उर्वशी बी. सिंह

सहायक आचार्य

सरिता महापात्रा	आशीष चौधरी	गगनदीप सिंह
हितेंद्र गौतम	निशांत वर्मा	निशात हुसैन अहमद
किरण बाला	मेघा बृजवाल	

विशिष्टताएं

सूक्ष्म-जैवविज्ञान विभाग सदैव ही रोगी की देखभाल, शिक्षण, अनुसन्धान और सीएमई कार्यक्रमों की दिशा में प्रतिबद्ध रहा है। यह एम.बी.बी.एस., एम.डी., पी.एच.डी. और बी.एस.सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में नामांकित स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के शिक्षण में सक्रिय रूप से संबद्ध रहा है। डी.एम. (संक्रामक रोग) पाठ्यक्रम (3 और 6 वर्षीय कार्यक्रम) को चिकित्सा विभाग के साथ जारी रखा गया है।

सूक्ष्म-जैवविज्ञान विभाग, जो स्वास्थ्य सेवाओं का एक अनिवार्य घटक है, ने रोगी देखभाल की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस वर्ष के दौरान, इसने कुल 2,81,601 नैदानिक परीक्षणों को संपन्न किया है और अस्पताल संक्रमण नियंत्रण में एक मुख्य भूमिका अदा की है। 'कायाकल्प' के लिए बाह्य निरीक्षण समिति ने प्रयोगशालाओं और विभाग के अन्य क्षेत्रों में कई दौरे किये हैं और वे स्वच्छता के स्तर और पालन किये जा रहे जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन के मानकों से अत्यधिक संतुष्ट थे। विभाग ने एन.ए.बी.एल. मानकीकरण की प्रक्रिया को जारी रखा।

इस विभाग ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में सूचीबद्ध किये गए 73 प्रकाशनों के साथ, अनुसन्धान के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण योगदान किया। इस अवधि के दौरान, कई वित्तपोषित अनुसन्धान परियोजनाओं को आरंभ किया गया या जारी रखा गया, जिसमें से कई अन्य विभागों या संस्थानों के सहयोग के साथ था। कई पुरस्कार जीतने वाले मौखिक एवं पोस्टरों की प्रस्तुति राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में की गयी।

विभाग दिनांक 30 अगस्त, 2018 को 'कवकविज्ञान में नैदानिक तकनीक' पर एक दिन के कार्यशाला के आयोजन में शामिल था तथा दिनांक 10 जनवरी, 2019 को एक कार्यशाला "ई.क्यू.ए.एस. पैनल डिस्ट्रीब्यूशन वर्कशॉप" राज्य संदर्भ प्रयोगशाला (एस.आर.एल.) के लिए आयोजित किया गया था

(सहभागी: पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़, गवर्नमेन्ट मेडिकल कॉलेज अमृतसर, गवर्नमेन्ट मेडिकल कॉलेज, पटियाला तथा इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला एवं एम्स के एच.आई.वी. प्रयोगशाला कर्मचारी।)

शिक्षा

स्नातकपूर्व

चिकित्सीय सूक्ष्म-जैवविज्ञान हेतु एम.बी.बी.एस.   बी.एस.सी. (नर्सिंग)- चिकित्सीय सूक्ष्म-जैवविज्ञान

स्नातकोत्तर

पी.एच.डी. (सूक्ष्म-जैवविज्ञान)

व्याख्यान-सप्ताह/एक बार   जर्नल क्लब-सप्ताह/एक बार

एम.डी. (सूक्ष्म-जैवविज्ञान)

व्याख्यान/संगोष्ठी-सप्ताह/एक बार   जर्नल क्लब-सप्ताह/एक बार

ट्यूटोरियल/दो बार/माह   प्रायोगिक अभ्यास प्रस्तुति-माह/दो बार

विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला पोस्टिंग

डी.एम. (संक्रामक रोग)

व्याख्यान-सप्ताह/एक बार

विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला पोस्टिंग

अल्पावधि प्रशिक्षण

विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों से 18 अभ्यर्थियों को अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/परिसंवाद/राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. दिनांक 30 अगस्त, 2018 को 'कवकविज्ञान में नैदानिक तकनीक' पर एक दिन की कार्यशाला
2. राज्य संदर्भ प्रयोगशाला (एसआरएल) के लिए आयोजित कार्यशाला
   - ई.क्यू.ए.एस. पैनल वितरण कार्यशाला-10 जनवरी, 2019

(सहभागी: पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़, गवर्नमेन्ट मेडिकल कॉलेज, अमृतसर, गवर्नमेन्ट मेडिकल कॉलेज, पटियाला तथा इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला और एम्स के एच.आई.वी. प्रयोगशाला कर्मचारी)

प्रदत्त व्याख्यान

गीता सतपति : 1	**रमा चौधरी : 8**	**आरती कपिल : 7**
ललित दार : 6	**बी.आर. मिर्धा : 2**	**इमाकुलाता जैस : 4**
बेनू धवन : 1	**सीमा सूद : 2**	**उर्वशी बी. सिंह : 1**
सरिता महापात्रा : 8	**आशीष चौधरी : 3**	**गगनदीप सिंह : 5**
हितेन्द्र गौतम : 1	**निशांत वर्मा : 2**	**निशात हुसैन अहमद : 1**
मेघा बृजवाल : 1		

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर्स : 58

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. रियल टाइम पीसीआर द्वारा एक्यूट फेब्राइल इलनेस तथा मोलक्युलर डिटेक्शन ग्रसित रोगियों में रिकेटसिया एवं स्क्रब टाइफस का सिरोएपिडेमियोलॉजिकल अध्ययन, रमा चौधरी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 69.8 लाख रुपये
2. गंगा नदी की जल एवं अवसाद दोनों में, न सड़ने की विशेषता को समझने के लिए एक विस्तृत अध्ययन, रमा चौधरी, जल संसाधन मंत्रालय-भारत सरकार, 2 वर्ष, 2017-2019, 68 लाख रुपये
3. इंफ्लेमेटरी बाउल डिसीज (अल्सरेटिव कोलाइटिस/क्रोन डिसीज) में आंतो के माइक्रोबायोटा और म्युकोसल प्रतिरक्षा पर एक प्रोबायोटिक स्ट्रेंस (बेसिलस क्लौसी) के प्रभाव के आकलन के लिए एक अध्ययन, रमा चौधरी, यूनिक बायोटेक प्राइवेट लि., 4 वर्ष, 2016-2020, 60 लाख रूपये
4. लैक्टोबेसिलस द्वारा उत्पन्न बैक्टीरियोसिन्स का चित्रण और एंटी माइक्रोबायल प्रोफाइल का आकलन, रमा चौधरी, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 10 लाख रुपये
5. एंटीमाइक्रोबायल प्रतिरोध के राष्ट्रीय निगरानी के लिए नोडल केंद्र-2013-2017 आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली, आरती कपिल, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2023 (2014-2018 से जारी), प्रथम वर्ष के लिए 65 लाख रुपये।
6. भारत में आंत्रज्वर के लिए राष्ट्रीय निगरानी व्यवस्था (एन.एस.एस.ई.एफ.आई.)-टियर 3, आरती कपिल, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2018, प्रथम वर्ष के लिए 40 लाख रुपये।
7. एच.आई.वी. वायरल लोड (वी.एल.) एवं अर्ली इन्फेंट डायग्नोसिस (ई.आई.डी.) के लिए एन.ए.सी.ओ. क्षेत्रीय सन्दर्भ प्रयोगशाला, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एन.ए.सी.ओ.), 2012 से जारी, रु.10.98 लाख (प्रति वर्ष) + रीजेंट का सहयोग
8. डेंगु और चिकनगुनिया के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम शिखर प्रयोगशाला, ललित दार, नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम; (एन.वी.बी.डी.सी.पी.), 2012-जारी, रु.3 लाख (प्रति वर्ष) + रीजेंट का सहयोग
9. भारत में एचआईवी-1 के उत्पन्न हो रहे नए वायरल तनाव के प्रतिकृति स्वस्थता तथा विकृतिजन विशेषताओं की जांच करने के लिए एक बहु-केन्द्रित अवलोकनात्मक अध्ययन, बिमल के दास, डीबीटी, 2 वर्ष, 2018-2019, रु. 21 लाख
10. बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना, बिमल के दास, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2018-2019, रु.9.9 लाख
11. सी.डी.4 परीक्षण, बिमल कु.दास, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2018-2019, रु.25,000/-
12. बच्चों में परंपरागत तथा आणविक विधियों से एक्यूट बैक्टेरिया की एटियोलॉजी जानने के लिए

बहुकेन्द्रित संभावित अस्पताल आधारित सेंटिनल निगरानी, बिमल के. दास, केन्द्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, के.आई.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर, 2 वर्ष, 2018-2019, रु.1.45 लाख

13. इम्यूनोपेथोजेनेसिस तथा न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी न्यूमोनिया (न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया) की रोग गतिशीलता का अध्ययन, बी.आर. मिर्धा, एस.ई.आर.बी.,डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2018-2021, रु.44 लाख
14. आक्रामक फंफूद संक्रमण: अस्पताल से नैदानिक एवं पर्यावरणीय आइसोलेट्स का जानपदिक रोगविज्ञान, औषधि प्रतिरोध तथा आणविक चित्रण, इमाकुलाता जैस, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.52 लाख
15. तृतीयक देखभाल अस्पताल में मल्टिप्लेक्स पीसीआर द्वारा जननांग अल्सर रोग से ग्रसित रोगियों से हिमोफिलस डुक्रेई, ट्रेपोनिमा पैलिडम, हर्पिस सिम्प्लेक्स वायरस टाइप 1 और 2 की शीघ्र पहचान, बेनू धवन, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.37.63 लाख।
16. एन.गनोरिया का पता लगाने के लिए नैनो-सक्षम बायोसेंसर, सीमा सूद, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, रु.50 लाख।
17. एन. गनोरिया के लिए एप्टेमर आधारित पहचान प्रणाली का विकास, सीमा सूद, डी.एच.आर., 3 वर्ष, 2016-2019, रु.46.5 लाख
18. ड्रग रेसिस्टेंट माइक्रोब्स के लिए एंटिबैक्टीरियल अणुओं के संभावित स्रोत के रूप में हाइपर सैलाइना हैबिटेट से हेलोफिलिक/हेलोअलकालीफिलिक एक्टिनोमाइसिटिस और बैक्टिरीया पर अध्ययन, आरती कपिल एवं सीमा सूद, एम्स-आई.आई.टी. दिल्ली कोलोबरेटिव अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2019-2021, रु.10 लाख
19. भारत में क्रोहन रोग : एक ऐसा देश, जहां आंत्रिक ट्यूबरकुलोसिस के साथ साथ क्रोहन बीमारी स्थानिक है, में बहुकेन्द्रित अध्ययन, उर्वशी बी. सिंह, डी.एच.आर., 3 वर्ष, 2016-2019, रु. ~5 करोड़
20. प्री-एक्स.डी.आर.-टी.बी. में एक उपचार विकल्प के रूप में मोक्सिफ्लोक्सेसिन का उपयोग, उर्वशी बी. सिंह, दिल्ली राज्य ओ.आर. टास्क फोर्स, आर.एन.टी.सी.पी., 1 वर्ष, 2017-2018, रु.2 लाख
21. श्रेणी II ट्यूबरकुलोसिस रोगियों में सीरम मार्कर्स का प्रॉगनॉस्टिक वैल्यु, दिल्ली राज्य ओ.आर. टास्क फोर्स, आर.एन.टी.सी.पी., 1 वर्ष, 2017-2018, रु.2 लाख
22. संभावित बायोमार्कर्स के रूप में विभिन्न रूप से व्यक्त प्रोटीनों का इस्तेमाल करके पल्मोनरी तथा एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस रोगियों का निदान : देखभाल परीक्षण केंद्र के विकास की दिशा में एक अभिगम, उर्वशी बी.सिंह, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रु ~60 लाख
23. जील-नीलसंस स्टेंड माइक्रोस्कोपिक स्लाइड्स से माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस का एम.डी.आर. तथा एक्स.डी.आर.-टी.बी. एवं मॉलक्युलर टाईपिंग के लिए रैपिड मॉलक्युलर ड्रग रेसिस्टेंस डिटेक्शन, उर्वशी बी.सिंह, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रु ~60 लाख
24. जिनोमिक्स विधि का उपयोग करके सिक्किम, असम तथा त्रिपुरा में एम.डी.आर.-टी.बी. के संवेदनशील स्थानों का मानचित्रण, उर्वशी बी. सिंह, डी.बी.टी.-एन.ई.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रु ~4 करोड़

25. बच्चों में एक्टिव पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के निदान हेतु नोवेल बायो-सिग्नेचर का अधिप्रमाणन, उर्वशी बी. सिंह, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2018-2021, रु ~38 लाख
26. मूत्र नमूनों से ट्यूबरकुलोसिस के निदान हेतु केयर डिस्पोज़ेबल सेनोर स्ट्रिप के केन्द्र का डिजाइन तथा वैद्यीकरण, उर्वशी बी. सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रु ~60 लाख
27. कफ के नमूनों से औषध प्रतिरोधी ट्यूबरकुलोसिस के निदान हेतु परंपरागत फेनोटाइपिक आमापन का बहु-केन्द्रित वैद्यीकरण, उर्वशी बी. सिंह, डीबीटी, 2 वर्ष, 2018-2020, रु ~100 लाख
28. बालचिकित्सा फुप्फुसी ट्यूबरकुलोसिस के निदान के लिए देशीय रूप से विकसित तकनीकों का वैद्यीकरण: बहुकेन्द्रित, उर्वशी बी. सिंह, आई.सी.एम.आर., 1 वर्ष, 2018-2019, रु ~1.25 करोड़
29. एक्स्ट्रा-पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के निदान के लिए देशीय रूप से विकसित तकनीकों का वैद्यीकरण : बहु-केन्द्रित, उर्वशी बी. सिंह, आई.सी.एम.आर., 1 वर्ष, 2018-2019, रु ~1.25 करोड़
30. एच.आई.वी. पॉजिटिव रोगियों में हिस्टोप्लाज्मोसिस का प्रचलन, गगनदीप सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रु.6 लाख
31. ज्वर नयूट्रोपेनिक रोगियों में एन.एम.आर. तथा मास स्पेक्ट्रममिति के द्वारा बैक्टिरिमिया, एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध तथा अस्पताल से प्राप्त संक्रमण हेतु बायोमार्कर्स, हितेन्द्र गौतम, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बी.आई.आर.ए.सी.), डी.बी.टी., 1.5 वर्ष, 2019-2020, रु.36.46 लाख
32. विभिन्न विधियों से कोलिस्टीन संवेदनशीलता की जांच तथा एंटेरोबैक्टिरीयासी में कोलिस्टीन रेजिस्टेंस की शीघ्र पहचान, हितेन्द्र गौतम, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019 रु.4.94 लाख
33. एक सामुदायिक अस्पताल में गर्भवती महिलाओं में अलक्षणी मलेरिया संक्रमण का परिमाण, निशांत वर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रु.4.98 लाख
34. पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस में उपचार प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए जीवनक्षमता आमापन का नैदानिक मूल्यांकन, किरण बाला, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019, रु.4.94 लाख
35. वृक्क प्रतिरोपण आदाताओं में बीके पोलियोमावायरस की पहचान एवं जीनोटाइपिंग, मेघा बृजवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रु.4.20 लाख
36. लघुशिरस्कता वाले नवजातों में वायरल ऐटियोलॉजियों की जांच, मेघा बृजवाल, शैक्षिक तथा अनुसंधान सहयोग बढ़ाने हेतु योजना (एस.पी.ए.आर.सी.), एम.एच.आर.डी., 2 वर्ष, 2019-2021, रु.63.66 लाख

पूर्ण

1. साल्मोनेला एन्टेरिक सेरोवर टाइफी और पैराटाइफी ए में ऐजीथ्रोमाइसिन सुसुसियोटिबिलिटी के लिए ईकॉफ के मूल्य को परिभाषित करना, आरती कपिल, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2016-2018, रु.22 लाख
2. जन स्वास्थ्य समुदाय में बायो-रिस्क शमन जागरूकता बढ़ाना तथा वी.एच.एफ. एवं श्वास संबंधी संक्रमणों को उत्पन्न करने वाले हाई-रिस्क समूह वायरल विकृतिजनों के निगरानी तथा

अचानक आरंभ होने के लिए प्रयोगशालाओं का जाल बनाना, ललित दार, सेंटर फॉर डीसिज कंट्रोल, (सी.डी.सी.), अटलांटा (एन.आई.वी. पूर्ण होते हुए), 3 वर्ष, 2015-2018, रु.44.38 लाख प्रतिवर्ष

3. अल्सरेटिव कोलाइटिस में ह्यूमन साइटोमेगालोवायरस (एच.सी.एम.वी.) के लिए संख्यात्मक रियल टाइम पीसीआर और जिनोटाइपिंग, ललित दार, आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2014-2018, रु.7.08 लाख
4. श्वसन निदानशाला नमूनों में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी का जनसंख्या आनुवंशिक अध्ययन और न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया ग्रसित रोगियों की निदानशाला स्थिति के साथ इसका सहसंबंध, बीआर मिर्धा, एस.ई.आर.बी., डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2014-2017, रु.28 लाख
5. प्रमस्तिष्किय मलेरिया में प्लाज्मोडियम फाल्सीपैरम साइटोडिहरेंस मोलक्यूल की पहचान, बीआर मिर्धा, डीबीटी, 2 वर्ष, 2016-2018, रु.36 लाख
6. सेफालोस्पोरिंस तथा मैक्रोलाइड प्रतिरोधकता के प्रति इन विट्रो की घटी हुई सुग्राहिता के देश भर के एसटीडी रोगियों से प्राप्त एन गनोरिया आइसोलेट्स का आणविक विश्लेषण, सीमा सूद, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2015-2017, रु.35 लाख
7. वर्तमान एंटीबायोटिक उपयोग तथा निदानशालाई परिणाम पर ध्यान देने के साथ एम्स, नई दिल्ली के रोगियों में जीवाणु मूत्रीय भू-भाग संक्रमण के प्रबंधन में वर्तमान पद्धति का अध्ययन, सरिता महापात्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रु.1 लाख
8. प्रच्छन्न यकृत बीमारी वाले रोगियों में ऑकल्ट हेपेटाइटिस के संक्रमण का प्रचलन तथा आणविक चित्रण, आशीष चौधरी, एम्स, 3 वर्ष, 2015-2018, रु.3.45 लाख प्रति वर्ष
9. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के साथ पैन्सीटोपिनिया के संबंध का अध्ययन, हितेन्द्र गौतम, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2016-2018, रु.4.50 लाख
10. माइक्रोस्पोरिडिया का प्रचलन तथा उनका आणविक चित्रण, निशांत वर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2015-2018, रु.5 लाख
11. ऑक्यूलर वायरल संक्रमण में हर्पिस सिम्प्लेक्स वायरसिस टाइप 1 और टाइप 2, साइटोमेगालोवायरस, वैरिसेला-जोस्टर वायरस तथा एडिनोवायरस के पहचान के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर की स्थापना, निशात हुसैन अहमद, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रु.7.7 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. आक्रामक फंफूद संक्रमण ग्रसित वयस्कों में कवकरोधी उपचार उपयोग की लेखापरीक्षा
2. एलोजेनिक हेमेटोपिटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण ग्रसित रोगियों में बीके तथा जेसी पोलियोमावायरस पहचान
3. लैक्टोबेसिलस विकृति का चित्रण तथा उनके इम्यूनोमॉड्युलेटरी प्रभावों का आकलन

4. यूरोसेप्सिस का क्लीनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल रूपरेखा तथा परिणाम-उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में एक अग्रदर्शी अध्ययन
5. अस्पताल में भर्ती रोगियों में ऑक्यूलर बैक्टीरियल आइसोलेट्स का एंटीबायोटिक प्रतिरोध, पैटर्न तथा एंटीबायोटिक इस्तेमाल में सहसंबंध-एंटीमाइक्रोबियल प्रबन्ध की ओर एक कदम
6. पुरुषों से यौन संबंध रखने वाले पुरुषों के जननांग तथा अन्य जननांग क्षेत्रों में एन. गनोरिया की पहचान
7. एटिपिकल जीवों पर विशेष बल के साथ संवातक सह-संबंधित न्यूमोनिया में एटियोलॉजिकल कारक
8. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कृत्रिमांग जोड़ संक्रमण का माइक्रोबियल प्रोफाइल की पहचान हेतु कृत्रिमांग जोड़ संक्रमण का परिमाण और प्रवर्धन आधारित डीएनए विश्लेषण की भूमिका
9. एमडीआर-टीबी रोगियों के निकट व्यक्तियों का माइक्रोबायोलॉजिकल फॉलो-अप तथा जीनोटाइपिक जांच
10. टिक बॉर्न लाइम बोरिलियोसिस, ह्यूमन मोनोसाइटिक एहरीलकियोसिस तथा ह्यूमन ग्रैन्यूलोसाइटिक एनाप्लाज्मोसिस की आणविक पहचान तथा चित्रण
11. एक्यूट ज्वर बीमारी से ग्रसित रोगियों में रिकेट्सियासिया की आणविक पहचान तथा चित्रण
12. रियल टाइम पीसीआर के द्वारा लेगियोनेला न्यूमोफिला की आणविक पहचान तथा सिक्वेंस आधारित टाइपिंग के द्वारा आइसोलेट्स का चित्रण
13. विसंक्रमित पूयमूत्रता वाले रोगियों में क्लैमिडिया ट्रैकोमेटिस, यूरियाप्लाज्मा यूरियैलिटीकम, माइाकेप्लाज्मा होमिनीस तथा माइकोप्लाज्मा जिनैटेलियम की उत्पत्ति
14. संदेहजनक नासोफारिंगल कार्सिनोमा के रोगियों में ई.बी.वी. डी.एन.ए. पी.सी.आर. हेतु पी.सी.आर.
15. आक्रामक फंगल संक्रमण के निदान हेतु रियल टाइम पी.सी.आर.
16. बैक्टिरियल वैगिनोसिस संबंधित बैक्टीरिया के पहचान में एप्टेमर तकनीक की भूमिका
17. इम्यूनोकाम्पिटेंट, यांत्रिक रूप से संवातित रोगियों में न्यूमोनिया होने में एच.सी.एम.वी. रिएक्टिवेशन की भूमिका
18. मेडिसिन आई.सी.यू. में भर्ती रोगियों में कैंडिडा ऑरिस के विशेष संदर्भ में कैंडिडा कोलोनाइज़ेशन की जांच
19. निरंतर बैक्टीरियल पेरिटोनाइटिस के अ-प्रसारक नैदानिक मार्कर के रूप में सेरम होमोसिस्टिन (एच.सी.वाई.)
20. बच्चों में अन्त:-वक्ष ट्यूबरकुलोसिस के निदान में लघु अणु बायो-सिग्नेचर
21. ऑक्यूलर संक्रमणों में प्रजाति पहचान तथा कॉगुलेज नेगेटिव स्टेफीलोकोसी के उग्रता कारकों का निर्धारण
22. एच.आई.वी. संक्रमित रोगियों में स्टेफीलोकोकस ऑरियस कोलोनाइज़ेशन : आपतन, खतरे और

परवर्ती चर्म एवं कोमल उत्तक संक्रमण

23. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी न्यूमोनिया (पी.जे.पी.)/न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया (पी.सी.पी.) का उपचार किए गए रोगियों में जीवाणु संक्रमण तथा इस बीमारी के परिणाम पर इसके असर का अध्ययन।
24. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी का श्वसनी विस्फार के एटियोलॉजी के रूप में तथा रोग वृद्धि पर इसके प्रभाव का अध्ययन।
25. बालरोग इटेंसिव केयर एकक रोगियों में अर्ली ऑनसेट तथा लेट ऑनसेट वेंटिलेटर संबंधित न्यूमोनिया का जीवाणु एटियोलॉजी तथा जोखिम कारक
26. कल्चर नेगेटिव संक्रमणों के सूक्ष्म जीवविज्ञान में विकसित जिनोमिक्स का प्रयोग

पूर्ण

1. इनफ्लेमेटरी बाउल डिसिज में माइक्रोस्पोरिडिया की पहचान तथा आणविक चित्रण
2. डायरिया मल नमूनों से क्लोस्ट्रीडियम डिफिसिल का उपचार तथा एलिसा (ई.एल.आई.एस.ए.) और परंपरागत पॉलीमिरेज चेन रिएक्शन (पी.सी.आर.) के द्वारा टॉक्सिन ए तथा बी की पहचान
3. एन. गनोरिया में एक्सटेंडेड स्पेक्ट्रम सेफालोस्पोरिंस के घटित सुग्राहिता की पहचान हेतु हाई रेजोल्युशन मेल्टिंग (एच.आर.एम.) वक्र विश्लेषण
4. हेमेटोपेटिक स्टेम कोशिका प्रतिरोपण के बाद वयस्कों में श्वसन सिंसिशियल वायरस (आर.एस.वी.) संक्रमण का आपतन
5. मोनो/ओलिगोआर्टिकुलर इनफ्लेमेटरी आर्थराइटिस के संक्रामक बनाम असंक्रामक कारण: उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल से एक भावी अध्ययन
6. परंपरागत कल्चर तकनीकों के द्वारा फिकल नमूनों से ह्यूमन गट माइक्रोबायोटा का आइसोलेशन और पहचान
7. आक्रामक संक्रमण एवं माइकोटिक केराटाइटिस के कवक का आणविक चित्रण तथा प्रत्यक्ष पहचान एवं कल्चर जैसे परंपरागत विधियों से तुलना
8. रूधिर हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी के रोगियों में कार्बापिनम प्रतिरोधक एंटेरोबैक्टिरीयासी के कारण आंत्रिक कोलोनाइज़ेशन तथा रक्त-धारा संक्रमण की व्यापकता
9. फुप्फुसी वार्ड तथा आई.सी.यू. में भर्ती रोगियों में फफूंदी और नोकार्डियल संक्रमण का प्रचलन
10. अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमेगालोवायरस के लिए संख्यात्मक रियल टाइम पी.सी.आर. तथा जीनोटाइपिंग
11. मोटे और दुबले भारतीय व्यक्तियों में मेटोजिनोमिक्स अवधारणा के द्वारा मनुष्य की आंत्रिक माइक्रोबायोटा तथा होस्ट इननेट इम्यून प्रतिक्रिया का अध्ययन।
12. फुप्फुसी चिकित्सीय वार्ड तथा आई.सी.यू. में एंटीबायोटिक स्टीवार्डशीप के कार्यान्वयन का प्रभाव

13. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के चिकित्सीय वार्ड एवं इंटेंसिव केयर एकक में एक एंटीमाइक्रोबियल स्टीवार्डशीप मॉडल के प्रभाव
14. श्रेणी II फुप्फुसी ट्यूबरकुलोसिस रोगियों के लिए पूर्वानुमानित मार्करों की पहचान

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मिश्रित योनि संक्रमण, प्रसूति तथा स्त्रीरोग से ग्रसित रोगियों में क्लिन्डामाइसिन 100 मि.ग्रा. तथा क्लॉट्रीमेज़ोल 100 मि.ग्रा. बनाम क्लॉट्रीमेजोल 100 मि.ग्रा. योनि सपोजीटरीज़ के तय मात्रा के मिश्रण की सुरक्षा तथा क्षमता का आकलन करने के लिए एक चरण-IV, डबल ब्लाइंड, तुलनात्मक, भावी, बहुकेन्द्रित अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान
2. तृतीयक देखभाल अस्पताल, चिकित्सा में आने वाले क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के रोगियों के क्लीनिकल प्रोफाइल और उपचार परिणाम पर एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, काय चिकित्सा
3. ए.एम.आर. डायग: एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोधकता के क्रम आधारित अनुमान के लिए एक महत्वपूर्ण नैदानिक उपकरण, जैव भौतिकी
4. बी.वी. में मेटाबोलोमिक्स के निदान या संभावित क्षमता, इसकी उपचार असफलता, आवृत्ति तथा अन्य एस.टी.आई. की सुग्राहिताओं का विश्लेषण, त्वचारोगविज्ञान
5. उपचार के पूर्व तथा पश्चात् बैक्टीरियल वेजिनोसिस से प्रभावित स्त्रियों में वेजिनल माइक्रोबायोम तथा मेटाबोलोम और आवृत्ति या पुनरावृत्ति के साथ उनके सह-संबंध का विश्लेषण, त्वचारोगविज्ञान
6. टी.बी. लिम्फाडिनाइटिस के रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया के साथ उपचारार्थ औषधि स्तर तथा कृमि ग्रसन का सहयोग, काय-चिकित्सा
7. इंफ्लूएंज़ा तथा अन्य श्वसन वायरसों पर सी.डी.सी.-एम्स सहयोगात्मक अनुबंध परियोजनाएं, सेंटर फॉर डिसिज कंट्रोल (सी.डी.सी.), अटलांटा (यू.एस.ए.) तथा सामुदायिक कम्यूनिटी चिकित्सा केन्द्र
8. प्रिस्क्रिप्सन पैटर्न नियंत्रण के साथ सम्मिलित रक्त धारा संक्रमण रोगियों में परंपरागत प्रक्रिया पर माल्डी-टी.ओ.एफ.एम.एस. इस्तेमाल की क्लीनिकल क्षमता, काय-चिकित्सा
9. व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण, यूनिसेफ
10. एच.आई.वी. तथा एड्स पीड़ित व्यक्तियों में क्रिप्टोकोक्कल एंटीजेनेमिया, काय- चिकित्सा
11. लूप मेडियेटेड आइसोथर्मल एमप्लिफिकेशन विधि के द्वारा मल नमूनों में वी. कॉलेरा की पहचान, जैव चिकित्सा इंजीनियरी, एम्स एवं आई.आई.टी., दिल्ली
12. अस्थिर पार्किन्सन बीमारी वाले रोगियों में बोध तथा मोटर लक्षण पर प्रोबायोटिक संपूरण का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान
13. अकृत्रिम अल्सरेटिव कोलाइटिस के उपचार वाले रोगियों में समृद्ध फिकल माइक्रोबायोटा

प्रतिरोपण की क्षमता: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरांत्ररोगविज्ञान

14. सक्रिय सामान्यीकृत विटिलिगों के विकृतिजनन तथा वर्णक नियंत्रण में माइक्रो आर.एन.ए. की भूमिका स्पष्ट करना, त्वचारोग विज्ञान
15. प्लाज्मोडियम वाइवैक्स संक्रमण में कठोरता हेतु ज़ोखिम पूर्ण कारकों का मूल्यांकन-एक भावी अध्ययन, काय- चिकित्सा
16. सिनो-नासाल तथा खोपड़ी आधारित आक्रामक फफूंद रोग के परिणाम का पूर्वानुमान करने में विभिन्न क्लिनिकल तथा इम्यूनोलॉजिकल पैरामीटर्स का मूल्यांकन: एक विस्तृत अध्ययन, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान
17. डिंब ग्रंथि कैंसर हेतु वैकल्पिक लारमय नैदानिक नीतियों की खोज, जैव भौतिकी
18. शीघ्र निदान में आक्रामक फफूंद संक्रमण तथा बायोमार्कर्स की भूमिका एवं आणविक धारणा, काय-चिकित्सा
19. विभिन्न क्लीनिकल नमूनों से मल्टीड्रग रेसिस्टेंस ग्राम नेगेटिव बेसिलि में कोलिस्टिन रेसिस्टेंस का आणविक पहचान, टेक्सिला अमेरिकन विश्वविद्यालय
20. बच्चों में एक्यूट बैक्टीरियल मस्तिष्कावरणशोथ की एटियोलॉजी तय करने हेतु बहु-केन्द्रित अग्रदर्शी अस्पताल आधारित सेन्टीनल निगरानी, केन्द्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, के.आई.एम.एस. अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, केम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान, बैंगलोर
21. एक्यूट फेब्राइल इलनेस हेतु मल्टीप्लेक्स पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण, बाल चिकित्सा
22. यूरोपैथोजेनिक एशेरिसिया कोली के उग्रता कारकों तथा इसके एंटीबायोटिक सुग्राहिता पैटर्न का अध्ययन, टेक्सिला अमेरिकन विश्वविद्यालय
23. कोलेस्टेटोमो आक्रामकता का क्लीनिकोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन, ई.एन.टी.
24. ओरल ल्यूकोप्लाकिया में प्रो-इनफ्लेमेटरी साइटोकाइंस पर कैंडिडा तथा एंटीफंगल थेरेपी का प्रभाव-एक प्रायोगिक अध्ययन, ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी, सी.डी.ई.आर.
25. पूतिता में प्रिसेप्सीन के नैदानिक प्रदर्शन का अध्ययन : एक प्रायोगिक अध्ययन, चिकित्सा
26. एयरवे कोलोनाइज़ेशन तथा एंडोट्रैकियल ट्यूब बायोफिल्म के साथ वेंटिलेटर सह-संबंधित न्यूमोनिया के परिवर्तनशील संबंध का अध्ययन, पल्मोनरी चिकित्सा

पूर्ण

1. क्लीफी लिप और / या पैलेट तथा नॉन-क्लेफ्ट नियंत्रण ग्रसित बच्चों में खतरों की जांच का एक क्लीनिकल अध्ययन, आर्थोडॉन्टिक्स, सी.डी.ई.आर.
2. वयस्कों, जिनमें स्पुटम पॉजीटिव पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस की नयी-नयी पहचान की गई है, में रिफेम्पिसिन, आइसोनियाजिड, पाइराजिनामाइड तथा इथामबूटोल के साथ दिए गए मेटफॉर्मिन की बैक्टीरिया-रोधी क्रिया, फार्माकोकाइनेटिक्स, सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने हेतु एक चरण-IIबी ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षण : एक 8-सप्ताही अध्ययन, फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार
3. 3 दिवसीय अंत: शिरा सेफ्ट्रीएक्सोन के तत्पश्चात् नेफ्रोटिक सिंड्रोम के साथ ओरल सेफेक्सीम

में परिवर्तन का एक प्रूफ-ऑफ-कांसेप्ट अध्ययन, बाल चिकित्सा

4. एनएरोबिक कल्चर तथा आणविक तकनीकों का प्रयोग करते हुए भारतीय बच्चों में होने वालों दंत कैरिज़ का माइक्रोफ्लोरा का मूल्यांकन, पिडोडॉन्टिक्स, सी.डी.ई.आर.
5. क्रोनिक डरमेटोफाइटोसिस का जानपदिक रोग विज्ञान, त्वचारोगविज्ञान
6. नयी पहचान की गई स्पुटम पॉजिटिव पल्मोनरी टी.बी. रोगियों के घर के स्वस्थ व्यक्तियों में ट्यूबरकुलोसिस बीमारी की रोकथाम में वी.पी.एम. 1002, इम्यूनोवैक वेक्सिन की क्षमता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु चरण-III, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार
7. ब्रेस्ट कैंसर में ए.एल.एन.डी. के पश्चात् डिकंजेस्टिव कम्प्रेशन थेरेपी तथा इंजेक्शन बेंजाथाइन पेनिसिलिन बनाम डिकंजेस्टिव कम्प्रेशन थेरेपी, इंजेक्शन बेंजाथाइन पेनिसिलिन-जी और ऊपरी अंग लिम्फेडिमा में हाइड्रोफोबिक सिलिकॉन ट्यूब के स्थापन की क्षमता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा
8. जूवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस में आंत्रिक माइक्रोबायोटा का अध्ययन-एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं संबंधित अस्पताल, नई दिल्ली
9. निर्धारण करना कि क्या निगरानी कल्चर में कार्बापिनेमेज प्रतिरोधक एंटेरोबैक्टिरिसी के साथ आंत का कोलोनाइज़ेशन हाई रिस्क फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक रोगियों को प्रभावित करता है, रूधिरविज्ञान
10. पुल्मोनरी मेडिसिन आई.सी.यू. में नाज़ुक स्थिति वाले रोगियों में प्रतिरोगाणु औषध निर्देशन अभ्यास का अध्ययन, फुप्फुसीय चिकित्सा
11. क्रोनिक डरमेटोफाइटोसिस के रोगियों में टर्बिनाफाइन के साथ या इसके बिना आइसोट्रेटिनॉइन की उपयोगिता, त्वचाविज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 53 **सार : 15** **पुस्तकों में अध्याय : 4** **पुस्तकें : 2**

रोगी देखभाल

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग ने वर्ष 2018-2019 के दौरान कुल 2,81,601 जांचें निष्पादित कीं।

एस्से / जांच / परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**		**एस्से / जांच / परीक्षण का नाम**	**की गई जांचों की संख्या**
जीवाणुविज्ञान प्रयोगशाला			**परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला**	
पूय नमूने संवर्धन एवं पहचान	17,174		**आंत्र परजीवीरूग्णता**	
मूत्र नमूने संवर्धन एवं पहचान	33,560		मल परीक्षण-ओवा / परजीवी (वेट माउंट / सांद्रता)	2,536
रक्त नमूने संवर्धन एवं पहचान	26,325		कॉक्सीडियन परजीवी-मॉड.एसिड फास्ट / विशेष	2,536

			अभिरंजन	
थूक / गला स्वाब / श्वास-प्रणाली स्वाब नमूने संवर्धन एवं पहचान	16,969		इन-विट्रो संवर्धन	42
सी.एस.एफ. नमूने संवर्धन एवं पहचान	9,072		माइक्रोस्पोरिडिया हेतु पी.सी.आर. एस्से	21
मल नमूने संवर्धन एवं पहचान	1,451		**मलेरिया**	
प्रतिरोगाणु सुग्राहिता परीक्षण			जिम्सा अभिरंजन	4,411
पूय / नि:स्त्राव / उत्तक-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	2,839		एक्रिडाइन ऑरेंज (ए.ओ.) प्रतिदीप्त अभिरंजन	4,411
मूत्र-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	2,629		मात्रामापन बफी कोट (क्यू.बी.सी.)	4,411
रक्त-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	1,726		मलेरिया एंटीजन पहचान एस्से	4,411
श्वसन नमूने-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	2,397		**लीशमेनियता (कालाज़ार)**	
सी.एस.एफ. एवं अन्य तरल-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	739		जिम्सा अभिरंजन	36
मल-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	0		एक्रिडाइन ऑरेंज (ए.ओ.) प्रतिदीप्त अभिरंजन	36
कुल	**1,14,881**		कालाज़ार सीरम विज्ञान (आर.के. 39)	766
			फाइलेरिया रोग	
अस्पताल संक्रमण नियंत्रण (एच.आई.सी.) प्रयोगशाला			रक्त की प्रत्यक्ष जांच एंव सांद्रता	542
निगरानी संवर्धन	23,731		पतला आलेप	542
सी.एस.एस.डी./विसंक्रमण मॉनीटरिंग	7,034		मोटा आलेप	542
जल नमूने	1,947		एक्रिडाइन ऑरेंज (ए.ओ.) प्रतिदीप्त अभिरंजन	542
कुल	**32,712**		फाइलेरिया एंटिजेन की पहचान	542
			मात्रामापन बफी कोट (क्यू.बी.सी.)	542

एनएरोबिक, विशेष विकृतजनों तथा माइकोप्लाज्मा प्रयोगशाला			**अन्य जांच**	
एनएरोबिक संवर्धन (रक्त, पित्त, बी.ए.एल.,सी.एस.एफ. उत्तक)	682		अभिरंजन तथा पी.सी.आर. एस्से के द्वारा न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी संक्रमण की पहचान हेतु परीक्षण	350
सी. डिफिसाइल मल संवर्धन	358		फ्री लिविंग अमीबा हेतु सेरिब्रोस्पनल फ्लूड परीक्षण	51
सी.डिफिसाइल एलिसा के लिए मल नमूने	357		कृमि प्रजाति	6
बार्टोनेला संवर्धन	23		आर्थ्रोपॉड प्रजाति	2
बार्टोनेला आई.एफ.ए.	23		**परजीवी सीरम परीक्षण**	
लेप्टोस्पाइरा संवर्धन-रक्त	51		एलिसा के द्वारा एंटी-अमीबीय आई.जी.जी. एंटीबॉडी हेतु अमीबीय सीरम-परीक्षण	122
लेप्टोस्पाइरा संवर्धन-मूत्र	47		हाइडेटिड रोग सीरम-परीक्षण (एलिसा / आई.एच.ए.)	111
एंटी-लेप्टोस्पाइरा आई.जी.एम. (एलिसा)	4584		एलिसा के द्वारा आई.जी.जी. एंटीबॉडियों हेतु टॉक्सोप्लाज़्मता सीरम परीक्षण	23
लेप्टोस्पाइरा-मूत्र डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	654		**विविध**	
लेप्टोस्पाइरा-प्लाज्मा डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	658		एस्पाइरेट्स की जांच (थूक. पूय आदि)	58
लेजिओनेला सीरम-परीक्षण	404		**कुल**	**27,592**
लेजिओनेला मूत्र एंटीजेन	80			
लेजिओनेला संवर्धन	205		**वायरसविज्ञान प्रयोगशाला**	
लेजिओनेला पर्यावरणीय नमूना	75		**आणविक परीक्षण** (पी.सी.आर., आर.टी.-पी.सी.आर.	
लेजिओनेला पी.सी.आर	404		इन्फलूएंजा रियल टाइम	1,347

			मल्टीप्लेक्स आर.टी.-पी.सी.आर.	
स्क्रब टाइफस आई.जी.एम. एलिसा	714		श्वसन वायरस पैनल (इन्फ्लूएंजा के अतिरिक्त) मल्टीप्लेक्स पीसीआर	1,180
स्क्रब टाइफस आई.एफ.ए.	438		एच.एस.वी. 1 & 2 डी.एन.ए. पी.सी.आर. (सी.एस.एफ.,जी.यू.डी. ऑक्यूलर आदि)	955
स्क्रब टाइफस पी.सी.आर.	162		एच.सी.एम.वी. डी.एन.ए. पी.सी.आर. (मूत्र, कोलोनिक बायॉप्सी, सी.एस.एफ. आदि)	1,483
स्क्रब टाइफस हेतु आई.सी.टी.	522		एच.आई.वी.-1 कूल न्यूक्लिक एसिड आर.टी.-पी.सी.आर. (प्रारंमिक शिशु निदान)	3,720
माइकोप्लाज़्मा सीरम-परीक्षण	404		एच.आई.वी.-1 आर.एन.ए. आर.टी.-पी.सी.आर. (वायरल लोड)	62
माइकोप्लाज़्मा संवर्धन	324		डेंगू, चिकनगुनिया एवं जिका वायरस रियल टाइम आर. टी.-पी.सी.आर.	170
माइकोप्लाज़्मा पी.सी.आर.	404		पोलियोमावायरस (बीके/जेसी) रियल टाइम आरटी-पीसीआर	307
माइकोप्लाज़्मा होमिनिस संवर्धन	304		जॉन कनिंघम (जेसी) वायरस नेस्टेड पीसीआर	26
माइकोप्लाज़्मा होमिनिस पी.सी.आर.	419		वायरल मेनिंगाइटिस / एनसेफलाइटिस पीसीआर पैनेल (एचएसवी, एंटेरोवायरस पैरिकोवायरस, वीजेडवी, मम्मस)	61
यूरियाप्लाज़्मा यूरियालिटिकम	304		बैरिसेला जोस्टर वायरस	14

संवर्धन			(वी.जेड.वी.) डी.एन.ए. पी.सी.आर.	
यूरियाप्लाज़्मा यूरियालिटिकम पी.सी.आर.	419		एप्सटीन-बार वायरस (ईबीवी) डीएनए पीसीआर	08
क्लेमाइडिया न्यूमोनी आईजीएम एंटीबॉडी हेतु एलिसा	404		पर्वोवायरस बी19 रियल टाइम पीसीआर	10
क्लेमाड्डिया ट्रेकोमाइटिस पी.सी.आर.	451		**वायरस आइसोलेशन**	
माइक्रोप्लाज़्मा जिनाटेलियम पी.सी.आर.	231		कोशिका संवर्धन (इन्फ्लूएंजा ए/बी, डेंगू, एचएसवी 1 एवं 2, एडीनोवायरस आदि)	155
कुल	**14,105**		**एंटीजेन पहचान**	
			एचसीएमवी पीपी65 एंटीजेनेमिया (इम्यून-प्रतिदीप्ति जांच)	21
यौन संचरित रोग (एस.टी.डी.) प्रयोगशाला			डेंगू एन एस 1 एंटीजेन (एलिसा)	3,888
उच्च वेजिनल स्वाब (एच.वी.एस.)	305		**एंटीबॉडी पहचान**	
वीर्य	1,176		एंटी-डेंगू आईजीएम (एलिसा)	4,197
व्यक्त प्रोस्टेटिक स्राव (ई.पी.एस.)	39		एंटी-चिकनगुनिया आईजीएम (एलिसा)	254
मूत्रमार्ग स्राव	83		एंटी-जापानी एनसेफलाइटिस आई.जी.एम. (एलिसा)	48
सर्विकल स्राव	140		एस.एस.पी.ई. निदान (सी.एस.एफ / सीरम) हेतु एंटी-मीजल्स एंटीबॉडी कम्प्लीमेंट फिक्सेशन परीक्षण (सी.एफ.टी.)	332
योनि-स्राव	26		एंटी-मीजल्स आईजीजी / कुल आई.जी.जी. (एलिसा) (सी.एस.एफ. / सीरम)	381
ग्रसनी स्वाब	40		**विविध**	
मलाशय स्वाब	40		जैंक आलेप (एच.एस.वी. 1	11

			एवं 2, वी.जेड़.वी. हेतु)	
मूत्रमार्ग स्वाब	158		**कुल**	**18,630**
बी.वी. (माइक्रोस्कोपी केवल) हेतु योनि स्वाब	217			
मूत्रमार्ग स्राव-नेसेरिया गनोरिया हेतु पी.सी.आर.	83		**कवकविज्ञान एवं आई.सी.पी. प्रयोगशाला**	
योनि स्राव-नेसेरिया गनोरिया हेतु पी.सी.आर.	26		**प्रत्यक्ष माइक्रोस्कोपी / संवर्धन**	
सर्विकल स्राव-नेसेरिया गनोरिया हेतु पी.सी.आर.	140		रक्त संवर्धन / अस्थि मज्जा / रक्त बैकटेक	1,242
मलाशय स्वाब-नेसेरिया गनोरिया हेतु पी.सी.आर.	40		श्वसन (बी.ए.एल., थूक, ट्रैकियल ऐस्पिरेट)	5,216
ग्रसनी स्वाब-नेसेरिया गनोरिया हेतु पी.सी.आर.	40		मूत्र	1,235
एंटीमाइक्रोबियल सुग्राहिता परीक्षण			सी.एस.एफ.	1,460
उच्च योनि स्वाब (एच.वी.एस.)	103		उत्तक / बायोप्सी	619
वीर्य	126		त्वचा खुरचना / नाखून / बाल	211
व्यक्त प्रोस्टेटिक स्राव (ईपीएस)	16		तरल (पर्युदर्या, हृदयावरण तथा एसिटिक तरल)	740
मूत्रमार्ग स्राव	04		पूय	380
सर्विकल स्राव	01		विविध (प्लेट्स, स्वाब, कैथीटर टिप्स)	1,892
योनि स्राव	-		**कवक सीरम परीक्षण / कवक रोधी / टीडीएम / पी.सी.आर.**	
ग्रसनी स्वाब	-		क्रिप्टोकॉक्कल एंटीजेन	1,436
मलाशय स्वाब	-		गेलेटोमनान एंटीजेन	3,044
कुल	**2,803**		मूत्र हिस्टोप्लाज़्मा एंटीजन	185
			बीटा डी ग्लूकेन एस्से	137
एच.आई.वी. प्रतिरक्षा-विज्ञान प्रयोगशाला			हिस्टोप्लाज़्मा एंटीबॉडी	61
एच.आई.वी. जांच	2,544		ऐस्पर्जिलस एंटीबॉडी	257

सी.डी. 4 गणना	11,593		टीडीएम (वॉरीकोनाजोल)	122
एच.आई.वी. अनिर्धारित नमूनों हेतु वेस्टर्न ब्लॉट (संबंधित राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं से प्राप्त)	7		कवकरोधी सुग्राहिता	558
कुल	**14,144**		पी.सी.आर. (पैनफंगल 11, हिस्टोप्लाज़्मा 3, क्रिप्टोकॉक्कस 1, ऐस्पर्जिलस 2)	16
			कुल	**18,811**
सीरम परीक्षण प्रयोगशाला				
वी.डी.आर.एल.	9,295		**ट्यूबरकुलोसिस प्रयोगशाला**	
विडाल	4,668		जेड एन स्मीयर हेतु नमूने संसाधित	6,979
टी.पी.एच.ए.	212		एल.जे. माध्यम पर संवर्धन	6,414
ए.एस.ओ.	101		एम.जी.आई.टी.960 पर तीव्र संवर्धन	3,584
कुल	**14,276**		एम.जी.आई.टी. डी.एस.टी.	90
			माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस हेतु पी.सी.आर.	5,769
			जेनएक्सपर्ट एम.टी.बी. / आर.आई.एफ.	811
			कुल	**23,647**

एच.आई.वी. प्रतिरक्षा-विज्ञान प्रयोगशाला :

- एन.ए.बी.एल. प्रत्यायित प्रयोगशाला-जुलाई 2018 में सफल एन.ए.बी.एल. पुन: आकलन
- गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम (बाह्य गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधियां)
    - एपेक्स लैब नेशनल एड्स रिसर्च इंस्टिट्यूट, पुणे के साथ ई.क्यू.ए.एस. गतिविधि
        - जुलाई 2018 एवं दिसम्बर 2019 : प्रदर्शन : 100%
    - 4 राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं (एसआरएल) में ई.क्यू.ए.एस. पैनल वितरित किए गए
        - सितम्बर 2018 तथा जनवरी 2019-100% भागीदारी

- राष्ट्रीय सीरमपरीक्षण संदर्भ प्रयोगशाला (एन.एस.आर.एल.), ऑस्ट्रेलिया के साथ अन्तर्राष्ट्रीय ई.क्यू.ए.एस. गतिविधि
    - जून 2018 एवं सितम्बर 2018 प्रदर्शन : 100%

- आई.सी.टी.सी. गतिविधि
  - जांच पूर्व परामर्श : 2,561 रोगी
  - जांच पश्चात परामर्श : 2,515 रोगी
  - आर.एन.टी.सी.पी. केंद्र को रेफर किए गए : 30 रोगी

परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला :

- गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम (बाह्य गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधियां)
  - इंडियन एकेडमी ऑफ ट्रापिकल पैरासिटोलॉजी द्वारा अपने नियमित नैदानिक सेवाओं के लिए ग्रेड ए प्रदान किया गया।

सीरम परीक्षण प्रयोगशाला :

- बाह्य गुणवत्ता आकलन योजना (ईक्यूएएस) : सिफिलिस सीरम परीक्षण (वी.डी.आर.एल. / टी.पी.एच.ए. / आर.पी.आर.) हेतु एपेक्स क्षेत्रीय एस.टी.डी. प्रयोगशाला, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के साथ ई.क्यू.ए.एस. में भाग लिया एवं हमारा प्रदर्शन शानदार रहा।

एस.टी.डी. प्रयोगशाला :

- बाह्य गुणवत्ता आकलन : डब्ल्यू.एच.ओ. जी.ए.एस.पी. (गोनोकॉक्कल एंटीमाइक्रोबियल निगरानी कार्यक्रम) के बाह्य गुणवत्ता आश्वासन (ई.क्यू.ए.) कार्यक्रम में भाग लिया तथा हमारा प्रतिशत अंक 97.3% था।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. गीता सतपति : को आई.सी.एम.आर. के जानपदिक रोगविज्ञान एवं संचारी रोग प्रभाग के वैज्ञानिक सलाहकार समूह का सदस्य बनाया गया।

प्रो. रमा चौधरी : दिनांक 9 अप्रैल 2018 को फादर मूलर मेडिकल कॉलेज, कांकनाडी, मंगलोर, भारत में अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी (ए.एस.एम.) चतुर्थ नेशनल हैंड्स ऑन वर्कशॉप ऑन ऐनेरोबिक कल्चर टेकनिक्स “एन एकांउटर विद ऐनेरोब्स”; सभी हित धारकों डब्ल्यू.एच.ओ., एन.सी.डी.सी.; एफ.एस.एस.ए.आई., एफ.ए.ओ. सी.डी.सी.-भारत को एक साथ लाने के लिए दिनांक 27 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली, भारत में खाद्य जनित बीमारी कम करने हेतु एएसएम गोलमेज सम्मेलन : निगरानी क्षमता एवं जानपदिक रोगविज्ञान जांच सशक्तिकरण; वर्ष 2018-2019 हेतु अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी (ए.एस.एम.) एम्बेसडर लीडरशीप सर्कल (ए.एल.सी.) के सदस्य नियुक्त किए गए; भारत के लिए उन्हें वर्ष 2018-2021 हेतु पुन: ए.एस.एम. अन्तर्राष्ट्रीय राजदूत नियुक्त किया गया; याकू गट

माइक्रोबायोटा संस्थान द्वारा "नेक्स्ट जेनरेशन सिक्वेंसिंग अप्रोच का इस्तेमाल करके भारतीयों में कोलोन कैंसर हेतु माइक्रोबियल बायोमार्कर्स की खोज" विषय पर दिनांक 24-25 नवम्बर, 2018 को एमिटि विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 9वें इंडिया प्रोबायोटिक सिम्पोसियम, "प्रोबायेटिक्स थ्रू द लाइफस्पैन" में पेपर प्रस्तुत करने के लिए 'यंग इनवेस्टिगेटर अवार्ड' श्रेणी के अन्तर्गत यात्रा अनुदान। प्रस्तुतकर्त्ता थे-डी. दूबे, वी.डी. बमोला, आर. कपरदार, बी.लाल एवं आर. चौधरी; याकू गट माइक्रोबायोटा संस्थान द्वारा "प्रिवेन्टिव, थेरेपेटिक एवं क्लीनिकल एप्लिकेशन हेतु इंडिजनस लैक्टोबेसिली द्वारा म्यूकोसल इम्यूनिटी का मॉड्यूलेशन" विषय पर दिनांक 24-25 नवम्बर, 2018 को एमिटि विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 9वें इंडिया प्रोबायोटिक सिम्पोसियम, प्रोबायोटिक्स थ्रू द लाइफस्पेंन में 'यंग इनवेस्टिगेटर अवार्ड' श्रेणी के अन्तर्गत यात्रा अनुदान; प्रस्तुतकर्त्ता : प्रजोयिता सामन्त, वी. दीपक बमोला एवं रमा चौधरी*; दिनांक 7-11 जून 2018 को अटलांटा, जी.ए. में आयोजित ए.एस.एम. माइक्रोब 2018 में उपस्थित होने के लिए यात्रा खर्च पूरा करने में सहायता करने के लिए ए.एस.एम. स्टूडेंट तथा पोस्टडॉक्टोरल ट्रैवल अवार्ड सी.पी.एच.एम.; एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र, भारत का जल प्रणाली से एल. न्यूमोफिलिया आइसोलेट्स की एंटीबायोटिक सुग्राहिता पोस्टर हेतु; प्रस्तुतकर्त्ता: के श्रीनाथ, रमा चौधरी; भारत में बढ़ते लाइम बीमारी का प्रयोगशाला परीक्षण के पोस्टर हेतु, दिनांक 7-11 जून, 2018 को अटलांटा, जी.ए. में आयोजित ए.एस.एम. माइक्रोब 2018 में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी की तरफ से ए.एस.एम.-स्टूडेंट एवं पोस्टडॉक्टोरल ट्रैवल अवार्ड सी.पी.एच.एम.; एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में दो-स्तरीय सीरोलॉजिकल परीक्षण का अनुभव; प्रस्तुतकर्त्ता विनयराज ई.वी., चौधरी आर. नितिन गुप्ता, श्रीनाथ के, वैशाख आनंद, शेफाली गुलाटी एवं वर्ल्ड कांग्रेस ऑन इंफेक्सस डिसीज एंड एंटिबायोटिक्स 2018, 28-29 नवम्बर 2018, बेंगलुरू के एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. बेनू धवन को "नई दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों में माइकोप्लाज़्मा जिनैटेलियम का अधिक प्रचलन" विषय के पेपर हेतु डॉ. पी.एस. रंगनाथन मेमोरियल अवार्ड के द्वितीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। दिनांक 11-13 अक्टूबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित (ए.एस.टी.आई.सी.ओ.एन. 2018) एस.टी.डी. तथा एड्स के अध्ययन हेतु 42वें इंडियन एसोसिएशन में धवन बी, रावरे जे, धवन एन, भाटिया आर, गुप्ता वी, खन्ना एन; "एक उभयलिंगी पुरुष में माइकोप्लाज़्मा जिनेटेलियम तथा क्लैमीडिया ट्रैकोमाइटिस के कारण यौन संपर्क संक्रमण का विविध स्थानों का एक केस" पोस्टर के लिए डॉ. सी.एन. सोमिनी अवार्ड दिया गया। दिनांक 11-13 अक्टूबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित (ए.एस.टी.आई.सी.ओ.एन. 2018) एस.टी.डी. तथा एड्स के अध्ययन हेतु 42वें इंडियन एसोसिएशन में आरिफ एन; रावरे जे, अग्रवाल एस., खन्ना एन, जूयल डी, *धवन बी /*वरिष्ठ लेखक; "एसोसिएशन बिट्विन डिसबायोसिस ऑफ द वेजिनल माइक्रोबायोटा एंड बैक्टीरियल इनफेक्शन" पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए द बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त-पोषित ग्लोबल हेल्थ ट्रैवल अवार्ड प्रदान किया गया। केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका, 11-15 दिसम्बर 2018 को आयोजित "कीस्टोन सिम्पोजिया एस 6: रोल ऑफ

द जिनाइटल ट्रैक्ट माइक्रोबायोम इन सेक्सुअल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ" में अपूर्व, गुप्ता एस, सूद एस, *धवन बी, कच्छवा जी, सक्सेना ए.के., शर्मा वी.के.। *सह-लेखक।

प्रो. इमाकुलाता जेस एवं डॉ. गगनदीप सिंह को श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया : मोनालिसा साहू, इम्माकुलाता जेस, मनीष सोनेजा, नवीत विग, गगनदीप सिंह। एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में मेडिकल आई.सी.यू. में कैंडिडा ऑरिस का फैलना एवं इसकी रोकथाम। माइकोकॉन 2019 । सितम्बर 2019 ।

प्रो. सीमा सूद को आई.यू.एस.टी.आई. तथा एड्स स्कॉलरशिप प्रदान की गई; दिनांक 1-3 नवम्बर 2018 को ऑकलैंड में आयोजित 2018 आई.यू.एस.टी.आई. एशिया पैसिफिक सेक्सूअल हेल्थ कांग्रेस का स्ट्रीम समिति (वैज्ञानिक कार्यक्रम समिति-एस.पी.सी.) की सदस्य, कार्यकारी सदस्य-आई.यू.एस.टी.आई. एशिया पेसिफिक क्षेत्र, संकाय-नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन (एन.बी.ई.), सदस्य-एस्टिकॉन 2018 का आयोजक समूह, सदस्य-परियोजना नियंत्रण समिति, बी.आई.आर.ए.सी., डी.बी.टी., सदस्य-छात्र अनुसंधान सलाहकार समिति (एस.आर.ए.सी.) जामिया मिलिया इस्लामिया, सदस्य-इंस्टीट्युशन ह्यूमन एथिकल कमेटी (आई.एच.ई.सी.), ए.सी.बी.आर. (डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सेन्टर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च), डी.एन.बी. परीक्षा हेतु परीक्षक नियुक्त-गवर्नमेन्ट कॉलेज, बड़ौदा।

प्रो. उर्वशी बी. सिंह 2018 में गठित आर.एन.टी.सी.पी. के अन्तर्गत ट्यूबरकुलोसिस के निदान पर नेशनल टेक्निकल एक्सपर्ट समूह की सह-अध्यक्ष थी; 2018 में गठित, भारत में एल.टी.बी.आई. प्रबंधन पर नेशनल टेक्निकल वर्किंग समूह की सदस्य; 2018 में गठित, आर.एन.टी.सी.पी. के अन्तर्गत ट्यूबरकुलोसिस के उपचार पर नेशनल टेक्निकल एक्सपर्ट समूह की सदस्य; 2018 में गठित, आर.एन.टी.सी.पी. के अन्तर्गत बालचिकित्सा ट्यूबरकुलोसिस के उपचार पर नेशनल टेक्निकल एक्सपर्ट समूह की सदस्य; सदस्य, टीबी अस्वस्थता पर नेशनल टेक्निकल वर्किंग समूह, 2019 में गठित; सदस्य, आर.एन.टी.सी.पी. हेतु टेक्निकल स्पेसीफिकेसन समिति; 2009 से "स्टॉप टी बी न्यू डायग्नॉस्टिक वर्किंग ग्रूप", डब्ल्यू.एच.ओ. का सदस्य; 2014 से "भारतीय स्वदेशी तकनीकियों हेतु अधिप्रमाणन प्रोटोकॉल निर्धारित करने हेतु विशेषज्ञ समिति" में विशेषज्ञ, आई.सी.एम.आर.; डायग्नॉस्टिक, थेरेपेटिक, वैक्सिन एवं इमप्लिमेंटेशन रिसर्च ग्रुप का सदस्य; सदस्य, स्टेट टीबी टास्क फोर्स और / या समिति; 2016 से इंडिया टी.बी. अनुसंधान सह-संघ का अन्तर्राष्ट्रीय एस.ए.जी. समिति में विशेषज्ञ सदस्य; आई.सी.एम.आर.; न्यायाधीश-प्रथम वार्षिक एम्स अनुसंधान दिवस, 26 मार्च 2019, नई दिल्ली; समीक्षक : उभरते हुए संक्रामक रोग, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, माइक्रोब्स एवं संक्रमण, जानपदिक रोगविज्ञान एवं संक्रमण, पी.एल.ओ.एस. वन, जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, इंडियन जे मेड रिसर्च, इंडियन जे ट्यूबरकुलोसिस थी।

डॉ. सरिता महापात्रा स्वच्छता एक्शन योजना के अन्तर्गत कार्यशाला का संचालन किया : दिनांक 12 से 15 नवम्बर 2018 को न्यूरोसाइंसेज सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में 'एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह'; 'एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह' समारोह के एक भाग के रूप में दिनांक 12 से 15 नवम्बर 2018 को समुदाय में एंटीबायोटिक जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक, ज्ञान अभिवृत्ति निगरानी का संचालन किया।

डॉ. हितेन्द्र गौतम एम्स, नई दिल्ली तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में आकस्मिक प्रबंधन हेतु दिनांक 1 से 15 सितम्बर 2018 तक केरल के बाढ़ प्रभावित जिला (पथानामथिट्टा) में जन स्वास्थ्य दल (सूक्ष्म जीव विज्ञानी) के सदस्य थे; टेक्सिला अमेरिकन विश्वविद्यालय में रिसर्च मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी प्रोग्राम द्वारा मेडिसिन में पीएचडी हेतु सह-निर्देशन; सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग के लिए जैव-मेडिकल वर्ज्य का प्रबंधन तथा 'काया कल्प' रांउड; प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना चरण IV एवं V के अन्तर्गत 12 नए एम्स तथा सरकारी मेडिकल महाविद्यालय में सी.एस.एस.डी. के लिए समिति सदस्य के रूप में सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली से नामित संकाय; निपाह वायरस रोग प्रबंधन हेतु पीपीई किट्स तथा बॉडी बैगों की खरीद हेतु तकनीकी विशेषज्ञ, डी.जी.एच.एस., स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डी.जी.एच.एस., स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, मई 2018; 63वें एम्स संस्थान दिवस 2018 में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग हेतु संस्थान दिवस सह-आयोजित हुआ; विसंक्रामक रासायनिकों हेतु एम्स, नई दिल्ली के तकनीकी विशिष्टताओं / मूल्यांकन समिति के समिति सदस्य; डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्य-सचिव; अस्पताल संक्रमण नियंत्रण अधिकारी, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. के रूप में सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली में स्वचालित रक्त संवर्धन की शुरूआत की; दिनांक 2 अक्टूबर 2018 को राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस मनाने के एक भाग के रूप में स्वच्छता पुरस्कार हेतु सं.रो.कैं.अ. के अस्पताल संक्रमण नियंत्रण अधिकारी के रूप में डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. के आन्तरिक आकलन समिति के सदस्य थे।

डॉ. निशांत वर्मा एन.सी.डी.सी; दिल्ली में विकसित परजीवी रोग विभाग के विशेषज्ञ समिति सदस्य थे; मानक भवन, बी.आई.एस. मुख्यालय में मलेरिया के त्वरित नैदानिक किट्स के लिए भारतीय मानक के निर्माण के लिए पैनल मीटिंग के सदस्य; सूक्ष्मजीवविज्ञान, एल.एच.एम.सी., नई दिल्ली में एम.बी.बी.एस. II (वार्षिक) परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक (सैद्धान्तिक, मौखिक एवं व्यावहारिक); कार्यकारी समिति सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजिस्ट; सदस्य, हॉस्पिटल इनफेक्शन सोसाइटी, भारत; सदस्य, आई.ए.एम.एम.- दिल्ली चैप्टर; सदस्य-सचिव, संक्रमण नियंत्रण समिति, सी.डी.ई.आर., एम्स, नई दिल्ली; विभागीय वार्षिक रिपोर्ट हेतु नोडल अधिकारी; विभाग का कॉफी टेबल बुक का संकलन; समीक्षक, जर्नल ऑफ हॉस्पिटल इनफेक्शन, ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी; वाराणसी (7-9 सितम्बर 2018) में आयोजित ट्रोपाकॉन 2018 में पोस्टरों (पुरस्कार श्रेणी) के लिए न्यायाधीश।

डॉ. निशात हुसैन अहमद क्रिस्टियन मेडिकल कॉलेज, वेलोर, तमिलनाडू में आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ द क्लिनिकल इन्फैक्शियस डीसीजेस सोसाइटी-2018 में "एस्टेबलिशमेंट ऑफ मल्टीप्लेक्स पीसीआर फॉर डिटेक्सन ऑफ हर्पस सिमप्लेक्स वायरसेस टाइप-1 एंड टाइप-2, साइटोमेगालोवायरस, वैरिसेला-जोस्टर वायरस एंड एडिनोवायरस इन ऑक्युलर वायरल इन्फेक्शन्स" शीर्षक पोस्टर प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार दिया गया।

डॉ. किरण बाला इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स (जीवन सदस्यता 3301/19), ट्यूबरकुलोसिस तथा फेफड़ा रोग के विरूद्ध संघ द यूनियन इंटरनेशनल (सदस्यता सीयू 0783207) की

सदस्य थी; उन्होंने एम्स, नई दिल्ली 2018 में सी.सी.आर.एफ. मुख्य समिति की उप-समिति बी.एस.एल. 3, बी.एस.एल. 2 का विशेषज्ञ सदस्य; समीक्षक, इंडियन जे. ऑफ यूरोलॉजी, इंटरनेशनल जे ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, मेडिकल माइकोलॉजी, इंडियन जे. मेड रिसर्च, इंडियन जे ट्यूबरकुलोसिस, माइकोपाथेलॉजिया; दिनांक 5-6 अप्रैल 2018 को सी.एम.ई.टी., एम्स, नई दिल्ली में 'राइटिंग ए रिसर्च पेपर' कार्यशाला में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रो. डॉ. मार्सियो पोकस, जीन विनियमन एवं म्यूटाजेनेसिस प्रयोगशाला, आनुवंशिकी एवं मॉर्फोलॉजी विभाग, इंस्टिट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, ब्रासिलिया विश्वविद्यालय, ब्राजील, 17-22 दिसम्बर, 2018
2. डॉ. ग्यानु लमिच्छाने, एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ मेडिसिन, जे.एच.यू.,यू.एस.ए., "बीटा-लैक्टम-हम जानते हैं कि ये कैसे कार्य करते हैं" विषय पर 14 नवम्बर 2018 को व्याख्यान।

9-21 oDd foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय कुमार अग्रवाल

आचार्य

दीपांकर मधुसूदन भौमिक

संदीप महाजन

सह-आचार्य

सौमिता कमल कुमार बागची

सहायक आचार्य

राज कुमार यादव

अरूण कुमार सुब्बिहा
(15 फरवरी 2018 से संविदा पर)

विशिष्टताएं

विभाग नियमित रूप से स्टेट ऑफ आर्ट नेफ्रोलोजी उपचार कर रहा है जिसमें किफायती लागत पर वृक्क प्रतिरोपण शामिल है। इस दौरान संस्थान में ए.बी.ओ.-असंगत वृक्क प्रतिरोपण नियमित रूप से किया जा रहा है। विभाग निरंतर प्रतिरक्षादमनकारी दवा की निगरानी और वृक्क प्रतिरोपण में संक्रमण की निगरानी सभी वृक्क प्रतिरोपण रोगियों के लिए नि:शुल्क कर रहा है। विभाग बहुत कम लागत पर प्रति सप्ताह लगभग 80 रोगियों को हेमोडायलिसिस प्रदान कर रहा है और गरीबी रेखा से नीचे के रोगियों के लिए यह नि:शुल्क है। विभाग द्वारा प्राथमिक चरण की ग्लोमिरूलर रोग और क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों के लिए वृक्क विज्ञान में संभावित अनुसंधान के लिए नमूनों का जैव भंडार चलाया जा रहा है। विभाग संकाय क्रोनिक किडनी डिसीज, डायलिसिस और वृक्क प्रतिरोपण से संबंधित लगभग सभी सरकारी नीति निर्माण के निकायों में है। डॉ. एस. के. अग्रवाल राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रतिरोपण संगठन (एन.ओ.टी.टी.ओ.) के तकनीकी सलाहकार और राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रतिरोपण रजिस्ट्री (एन.ओ.टी.टी.आर.) के प्रभारी अधिकारी हैं। विभाग ने विभाग के अंदर हेमोडायलिसिस हेतु वास्कुलर एक्सेस एवं पेरिटोनियल डायलिसिस हेतु पेरिटोनियल एक्सेस के लिए इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी प्रोग्राम की शुरूआत भी की है।

शिक्षा

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

विभाग अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से योग्यता के आधार पर, एम्स द्वारा चुने गए एम.डी. (मेडिसिन और बाल चिकित्सा) उम्मीदवारों के लिए तीन साल का डिग्री कोर्स डी.एम. नेफ्रोलोजी, चलाता है। एम्स, दिल्ली के सहयोग से विभाग अन्य एम्स जैसे संस्थानों के लिए परीक्षा संचालित कर रहा है। इस अवधि के दौरान चार उम्मीदवारों ने डीएम नेफ्रोलोजी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था । बाल चिकित्सा

और पैथोलॉजी विभाग से रेजीडेंट नियमित रूप से नेफ्रोपैथोलॉजी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए आते है। वर्तमान में विभाग के पास तीन गैर-शैक्षिक कनिष्ठ रेजीडेंट (प्रत्येक छः महीने के लिये) हैं।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग ने निम्नलिखित के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया :

1. आंतरिक चिकित्सा विभाग, जराचिकित्सा विभाग, आपात चिकित्सा, यूरोलॉजी, एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर चिकित्सा एवं ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा के स्नातकोत्तरों को कुछ सप्ताहों से कुछ महीनों की भिन्न अवधियों के लिए चक्रीय आधार पर नियुक्त किया जाता है।
2. सुश्री ज्योति पंत, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की बी.एस.सी. डायलिसिस की छात्रा दिनांक 25 जुलाई से 24 सितम्बर 2018 तक प्रशिक्षण के लिए आई।
3. डॉ. संजय विक्रांत, आचार्य एवं अध्यक्ष, नेफ्रोलॉजी, इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला ने दिनांक 22 से 31 मार्च 2019 को नेफ्रोलॉजी में अल्पावधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विभाग द्वारा आयोजित सी.एम.ई. / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. **("विश्व गुरदा दिवस-2019"),** 13 मार्च 2019 को **जन व्याख्यान** तथा आर.एम.एल. अस्पताल के सहयोग से एम्स, आर.एम.एल. अस्पताल एवं ई.एस.आई. अस्पताल, नई दिल्ली में दिनांक 13 एवं 14 मार्च, 2019 को गुरदे संबंधी बीमारियों के बारे में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. अग्रवाल : 12 **दीपांकर भौमिक : 9** **संदीप महाजन : 7**

सौमिता बागची : 4 **आर. के. यादव : 5** **अरूण कुमार एस. : 3**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 7

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नगरीय भारतीय आबादी में वयस्कों में क्रोनिक किडनी संबंधी रोग की स्थिति जानने हेतु बहु-केन्द्रीत अध्ययन, एस. के. अग्रवाल, आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली, 6 वर्ष, 2012-2018, रु.90 लाख ।
2. एंटी फॉस्फोलाइपेज ए2 रिसेप्टर (पी.एल.ए.2आर.) एंटीबॉडीज का परिसंचरण स्तर तथा इडियोपैथिक मेम्ब्रेन्स नेफ्रोपैथी (आई.एम.जी.एन.) के साथ इसका संबंध जानने के लिए संभावित गहन अध्ययन, एस. के. अग्रवाल, आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2017-2020, रु.31 लाख।
3. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी से पीड़ित भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज ट्रास की स्थिति एवं महत्व : एक केस नियंत्रण अध्ययन, सौमिता बागची, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, रु.5 लाख ।
4. सी.वाई.पी.3ए5 तथा एम.डी.आर.-1 एकल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म का पैटर्न तथा जीवित वृक्क एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्त्ता में टैक्रोलियस आधारित प्रतिरक्षादमनकारी के विशिष्टीकरण पर इसका प्रभाव,

आर.के. यादव, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2019, रु. 4.05 लाख

5. टाइप-2 डायबिटीज, हृदवाहिका जोखिम कारकों तथा साधारण क्षतिग्रस्त वृक्क क्रिया वाले रोगियों में हृदवाहिका तथा वृक्कीय कार्यों पर सोटाग्लिफ्लोजिन के प्रभाव का प्रदर्शन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो नियंत्रित, समकक्ष समूह, बहु-केन्द्रित अध्ययन, आर.के. यादव, सनोफी फार्मा, 5 वर्ष, 2018-2023, रु. 4.71 लाख प्रति रोगी

पूर्ण

1. टाइप-II डायबिटिज के कारण किडनी संबंधी रोग को बढ़ने से धीमा करने के द्वारा किडनी कार्यान्वयन को सुरक्षित रखने में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की भूमिका का मूल्यांकन करने हेतु खुराक संबंधी अध्ययन, एस.के. अग्रवाल, आई.पी.सी.ए. फार्मासूटिकिल, 18 महीने, 2016-2017, रु.8.5 लाख
2. भारतीय रोगियों में वृक्क प्रत्यारोपण के बाद प्रथम वर्ष में बीके वायरस प्रतिकृति की संभावित निगरानी, सौमिता बागची, एम्स, 2 वर्ष, 2014-2016, रु.6.20 लाख
3. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी के भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज ट्रास आई.जी.ए. 1 की स्थिति एवं महत्व : एक केस नियंत्रण अध्ययन, सौमिता बागची, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, रु.5 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वृक्क प्रत्यारोपण के पूर्व और पश्चात हेमोडायलिसिस पर क्रोनिक किडनी डिसीज (सी.के.डी.) में व्यायाम, सहनशीलता तथा पोषण स्थिति में परिवर्तन का मूल्यांकन हेतु एक गहन अध्ययन
2. एम्स, नई दिल्ली में अनुरक्षण हेमोडायलिसिस पर रोगियों में तरल ओवरलोड स्थिति और नींद की गुणवत्ता में संबंध का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
3. वृक्क प्रतिस्थापन थेरेपी पर रोगियों में एच.बी.वी. तथा एच.सी.वी. संक्रमण का क्लीनिकोपेथोलॉजिकल सह-संबंध ।
4. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी के रोगियों में सीरम इम्यूनोग्लोबुलिन ए / पूरण कारक 3 (आई.जी.ए. / सी3) का क्लीनिकल तथा हिस्टोलॉजिक कठोरता के साथ सह-संबंध
5. वृक्क प्रतिरोपण-पश्चात रोगियों के सीरम तथा मूत्र नमूनों से बीके वायरस की तीव्र एवं लागत-प्रभावी नैनो-एल.ए.एम.पी. आधारित पहचान की डिजाइनिंग
6. वृक्क प्रतिरोपण-पश्चात रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट तथा अम्ल आधारित समस्याएं : एक अग्रदर्शी अध्ययन
7. वृक्क दान के बाद मापा हुआ जी.एफ.आर., इकोकार्डियोग्राफी, अस्थि खनिज चयापचय का मार्कर्स तथा कैरोटिड इंटिमल मिडियल थिकनेस (सी.आई.एम.टी.) में परिवर्तन का मूल्यांकन
8. क्रोनिक किडनी डिसीज के रोगियों में ज्ञानात्मक कार्यान्वयन तथा वृक्क प्रतिरोपण के प्रभाव का अध्ययन
9. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी का सहायक प्रबंधन : एक अग्रदर्शी अध्ययन

10. कैथीटर खराबी तथा ऑपरेशन पश्चात जटिलताओं के मामले में क्रोनिक किडनी डिसीज स्टेज 5 रोगियों में ओमेनटेक्टोमी के साथ या इसके बिना लैपरोस्कोपिक पेरिटोनियल डायलिसिस कैथीटर निवेशन बनाम परंपरागत रूप से खुला पेरिटोनियल डायलिसिस कैथीटर निवेशन का तीन रूप से याद्दच्छिक तुलना ।
11. टाइप 2 डायबिटिक रोगियों में नॉन-प्रोटीन्यूरिक रोग का जनांकिकीय एवं नैदानिक प्रोफाइल का अध्ययन

पूर्ण

1. एक तृतीयक उपचार अस्पताल में हेमोडायलिसिस का इलाज करा रहे सी.के.डी. रोगियों के यूरियाक्रिटिनाइन तथा क्लांति स्तर पर इंट्राडायलिटिक अभ्यास के प्रभाव का मूल्यांकन हेतु अध्ययन
2. वृक्क प्रतिरोपण के पूर्व और पश्चात् धमनी की स्वस्थता तथा स्वायत्त क्रियाकलाप का आकलन
3. वृक्क दानदाताओं का दीर्घ अवधि परिणाम
4. भारत में क्रोनिक किडनी डिसीज की प्रक्रिया एवं परिणाम का संभावित गहन अध्ययन
5. वृक्क प्रतिरोपण आदाताओं में पल्मोनरी संक्रमण : संभावित गहन अवलोकनात्मक अध्ययन
6. भारतीय आबादी में आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी का ऑक्सफोर्ड वर्गीकरण का मूल्यांकन करने हेतु पूर्वव्यापी अध्ययन
7. प्राथमिक एफ.एस.जी.एस. के साथ वयस्क रोगियों में क्लीनिकल प्रोफाइल, उपचार प्रतिक्रिया तथा परिणाम का मूल्यांकन करने हेतु पूर्वव्यापी अध्ययन
8. भारत में वृद्ध रोगियों में बायोप्सी प्रमाणित किडनी बीमारी की प्रोफाइल के मूल्यांकन हेतु पूर्वव्यापी अध्ययन
9. वृक्क प्रतिरोपण के बाद प्रथम वर्ष में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता वाले संक्रमण का प्रोफाइल तथा जोखिम के कारक
10. भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में बायोप्सी प्रमाणित वृक्क रोग के पैटर्न की रूपरेखा का अध्ययन
11. तृतीयक उपचार वृक्क विज्ञान केन्द्र में त्वचीय हेमोडायलिसिस कैथीटर के परिणामों का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. लैप्रोस्कॉपी डोनर नेफ्रेक्टोमी बनाम ओपन डोनर नेफ्रेक्टोमी के बाद परिणामों एवं जीवन की गुणवत्ता की तुलना करते हुए एक संभावित अध्ययन, शल्य चिकित्सा
2. एम्स अस्पताल में एक सूचना पुस्तिका विकसित करने के विचार से सी.ए.पी.डी. रोगियों में ज्ञान एवं जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज, एम्स
3. सेलुलर रिजेक्सन में ग्लोमेरूलर केपिलरी एंडोथेलियल क्षति का एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल तथा अति-संरचनात्मक अध्ययन, पैथोलॉजी

4. दिल्ली तथा भारत के अन्य भागों से क्रिप्टोकॉक्क्ल आइसोलेट्स का कवकरोधी सुग्राहिता परीक्षण एवं जिनोटाइपिंग, सूक्ष्म जीवविज्ञान
5. वृक्क प्रतिरोपण आदाताओं में बीके पोलियोमावायरस की पहचान एवं जिनोटाइप वितरण, सूक्ष्म जीवविज्ञान (पी.आई.)
6. नवजातों तथा वृक्क प्रतिरोपण आदाताओं से ह्यूमन साइटोमेगालोवायरस की पहचान एवं जिनोटाइपिंग, सूक्ष्म जीवविज्ञान
7. उप-नैदानिक क्रिप्टोकॉक्क्स के निदान हेतु इम्यूनोब्लॉट एस्से का विकास, सूक्ष्म जीवविज्ञान
8. भारतीय आबादी में ऑटोसोमल डॉमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी डिसीज (ए.डी.पी.के.डी.) का जिनोटाइपिक चित्रण : एक प्रयोगात्मक अध्ययन, जैवरासायनिक विभाग
9. पूर्वानुमानित कठोर एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस में इंट्रावास्कुलर फ्लूज गाइडेड थेरेपी बनाम मानक फ्लूड थेरेपी : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, जठरांत्ररोगविज्ञान
10. मेम्ब्रेन्स नेफ्रोपैथी : इम्यून प्रतिदीप्त, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी तथा पी.एल.ए.2आर. प्रोफाइल के साथ नैदानिक सह-संबंध का अध्ययन, पैथोलॉजी (पी.आई.)
11. संदिग्ध इंटरटिसियल न्यूमोनिया तथा अन्य क्रोनिक फेफड़े संबंधी रोग के दोनों इम्यूनअक्षम के साथ-साथ इम्यूनसक्षम रोगियों से श्वसन नमूनों में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की आणविक पहचान और चित्रण, सूक्ष्म जैव विज्ञान ।
12. सिरोसिस में सार्कोपिनिया की उपस्थिति तथा पेशी बायोप्सी में सीरम मायोस्टेटिन तथा मायोस्टेटिन जीन एक्सप्रेशन के साथ इसका संबंध, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग
13. वृक्क प्रतिरोपण संबंधी जीव में यूरेटेरोनियोसिस्टोस्टोमी में स्टेंट बनाम नो-स्टेंट : एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग
14. न्यूरोसर्जरी में पेशी एंजाइम की मात्रा बढ़ना तथा ऑपरेशन पश्चात् एक्यूट किडनी चोट में इसकी प्रासंगिकता का अध्ययन, न्यूरोएनिस्थिसिया (पी.आई.)
15. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की नैदानिक तनाव का जनसंख्या जननांक तथा इसके क्लीनिकोएपिडेमियोलॉजिकल सह-संबंध का अध्ययन (पी.एच.डी. सूक्ष्म जैव विज्ञान), सूक्ष्म जैव विज्ञान
16. सेलियाक रोग के रोगियों में आंत्रिक न्यूनता को परिभाषित करना, जठरांत्ररोगविज्ञान
17. भारतीय वृक्क प्रतिरोप रोगियों में गैनसीक्लोविर गैर-प्रतिक्रियाकर्त्ता के विपरीत प्रतिक्रियाकर्त्ता में यू.एल. 97 जीन म्यूटेशन के प्रचलन का अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा

पूर्ण

1. प्लाज़्मा तथा मूत्र न्यूट्रोफिल गिलेटिनेज का मूल्यांकन-सर्जिकल इंटेसिव केयर एकक में ट्रॉमा रोगियों में एक्यूट किडनी इंज्यूरी (ए.के.आई.) के पूर्वानुमान में एक अर्ली मार्कर के रूप में एसोसिएटेड लिपोकैलीन (एन.जी.ए.एल.), ऐनेस्थेसिया
2. क्रोनिक किडनी डिसीज (चरण 5 डी) रोगियों में आर्गेनोक्लोरिन पेस्टिसाइड स्तर पर वृक्क

प्रत्यारोपण के प्रभाव का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा

3. लूपस नेफ्राइटिस में उपचार के प्रति प्रतिक्रिया का अनुमान करने वाले बायोमार्कर्स की पहचान, काय-चिकित्सा
4. जीवंत प्रदाता वृक्क प्रत्यारोपण के बाद के परिणाम पर इंट्रा-ऑपरेटिव कारकों का प्रभाव, शल्य चिकित्सा
5. एंटी-कम्प्लिमेंट फैक्टर एच एंटिबॉडी संबंधित एटिपिकल हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम, बाल चिकित्सा
6. प्रतिरोपण पश्चात डायबिटिज मेलिटस-एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, फार्माकोलॉजी
7. आर्टरियोवीनस फिस्टुला सर्जरी के परिणाम पर हैंडग्रिप अभ्यास के प्रभाव का अध्ययन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 10 **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

सभी नेफ्रोलॉजी संबंधी रोग के लिए जनरल नेफ्रोलॉजी उपचार प्रदान करने के साथ ही, विभाग अद्यतन वृक्क प्रतिस्थापन थेरेपी प्रदान करता है; अंतिम चरण के वृक्क रोग के किसी भी रोगी को बहुत कम लागत पर हेमोडायलिसिस, सी.ए.पी.डी. तथा वृक्क प्रतिरोपण की सुविधा देता है। स्वैप प्रतिरोपण तथा ए.बी.ओ. असंगत वृक्क प्रतिरोपण में विभाग द्वारा सहयोग दिया जाता है। विभाग प्रतिरक्षादमनकारी दवा नियंत्रण नि:शुल्क प्रदान करता है। हेमोडायलिसिस के दौरान, मशीन में अतिशुद्ध जल दिया जाता है ताकि रोगियों को अत्यंत सुरक्षित हेमोडायलिसिस प्रदान किया जा सके।

निम्नलिखित रोगियों को संबंधित सुविधा दी गई-

क्र.सं.	**क्षेत्र**	**उप-शीर्षक**	**2,018**
1.	एच.डी. संबंधित	एच.डी. नए रोगी	1,469
		आपातकालीन एच.डी. रोगी	1,144
		कुल एच.डी.	11,003
		प्लाज़्माफेरेसिस	89
		फिमोरल वेन कैथीराइजेशन	877
		जुगलर / सबक्लैवियन कैथीराइजेशन	328
		ए.वी. शंट	0
		ए.वी. फिस्टुला	531
		पर्मकैथ निवेशन	114
2.	आई.सी.यू. संबंधित	सी.आर.आर.टी. / एस.एल.ई.डी.	26
3.	पेरिटोनियल डायलिसिस	एक्यूट पीडी	41

		सी.ए.पी.डी.	30
4.	इंडोर संबंधित	किडनी बायोप्सी	690
		यकृत बायोप्सी	2
		इंडोर नियमित भर्ती	1,287
		इंडोर लघु भर्ती	3,936
		इंडोर मृत्यु / पुरुष	44 / 17
		नेफ्रोलॉजी सलाह	6,523
		अल्ट्रासाउंड	646
5.	डे केयर उपचार	पल्स मिथाइलप्रिडनिसोलोन टी.टी.	79
		आई.वी. लौह थेरेपी	163
		आई.वी. साइक्लोफॉस्फेमाइड थेरेपी	45
		अन्य विविध थेरेपियां	3,649
6.	वृक्क प्रतिरोपण	एल.आर.आर.टी. का मूल्यांकन	475
		कैडेवर प्राप्तकर्ता का मूल्यांकन	118
		की गई जीवंत आर.टी.	121
		की गई कैडेवर आर.टी.	6
7.	वृक्क प्रयोगशाला संबंधित	रक्त नमूना	1,42,157
		जैव रासायनिक (यूरिया, सी.आर., एन.ए., के.)	80,553
		मूत्र ओस्मोलेलिटी	9
		24 घंटे मूत्र जांच	17,229
		आर.टी. रोगियों हेतु हेमोग्राम	18,974
		सी.ओ. 2	23,468
		सीरम लौह	8,764
		टी.आई.बी.सी.	8,764
		यू.आई.बी.सी.	8,764
		टी. संतृप्ति	8,764
		सीरम फेरिटिन	2,316
		एन.जी.ए.एल.	0
		टैक स्तर	4,878
		विट-डी एवं पी.टी.एच.	185
		मूत्र पी.ओ.4	0
8.	ओ.पी.डी. संबंधित	वृक्क निदानशाला नये रोगी	10,802

		वृक्क निदानशाला पुराने रोगी	43,101
		वृक्क निदानशाला कुल रोगी	53,903
		आर.टी.सी.सी. नये केस	463
		आर.टी.सी.सी. पुराने केस	1,910
		आर.टी. नये केस	127
		आर.टी. पुराने केस	10,423
		आर.टी. निदानशाला कुल रोगी	10,550

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर संजय कुमार अग्रवाल ग्लोबल बर्डेन ऑफ डिसीज : इंडियन सी.के.डी. ग्रुप (जारी) की अध्यक्षता की; केन्द्रीय ड्रग मानक नियंत्रण संगठन को 'कार्डियो रीनल डिवीजन' का 'विषय विशेषज्ञ समिति' का सदस्य; सदस्य, साउथ एशियन बोर्ड ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी का एक प्रभाग; माननीय प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय हेमोडायलिसिस कार्यक्रम के प्रसार के लिए अपर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए आमंत्रित; एम्स, भोपाल के निदेशक द्वारा उस संस्थान में हेमोडायलिसिस सेट-अप की स्थापना के लिए आमंत्रित; सदस्य, अपीलीय समिति, राष्ट्रीय अंग प्रतिरोपण कार्यक्रम, भारत सरकार; वृक्क प्रतिरोपण रोगियों की सरकारी नौकरियों के लिए स्वस्थता मानक तय करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति का सदस्य; राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, भारत सरकार द्वारा सी.के.डी. हेतु प्रारूप दिशा-निर्देश की समीक्षा के लिए गठित विशेषज्ञ दल का सदस्य; संपादक, इंडियन जे. ऑफ नेफ्रोलॉजी, 2015 से जारी; मुख्य समूह सदस्य, नेशनल एक्यूट किडनी इंजरी रजिस्ट्री ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी; नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ कैंसर, डायबिटिस, कार्डियोवास्कुलर डिसीज एंड स्ट्रोक (एन.पी.सी.डी.सी.एस.) के तकनीकी विशेषज्ञ समिति का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित, अगस्त 2017 से जारी; देश में वृक्क प्रतिस्थापन थेरेपी के लिए भारत सरकार का मेडिकल टेक्नोलॉजी एसेसमेंट बोर्ड (एम.टी.ए.बी.) में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, 2017 से जारी; राष्ट्रीय अंग प्रतिरोपण कार्यक्रम के लिए दिशा-निर्देश बनाने हेतु विशेषज्ञ समिति का सदस्य; भारत में निरंतर एम्बुलेटरी पेरिटोनियल डायलिसिस के लिए क्रियान्वयन दिशा-निर्देश तैयार करने वाली विशेषज्ञ समिति का सदस्य; आई.एस.एन.-एडवांसिंग क्लीनिकल ट्रायल (ए.सी.टी.) द्वारा 2016-2018 के लिए आई.एस.एन.-ए.सी.टी. समिति सदस्य के रूप में चुने गए; सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडी (बी.ओ.एस.), टेक्सिला अमेरिकन विश्वविद्यालय में डायलिसिस प्रबंधन का सदस्य; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित स्वास्थ्य अनुसंधान पर प्रचार-प्रसार तथा दिशा-निर्देश के लिए इंटर-सेक्टोरल कनवर्जेंस तथा को-ऑर्डिनेशन के ग्रांट-इन-एड (जी.आई.ए.) योजना के अंतर्गत किडनी संबंधी बीमारी के लिए गठित "विशेषज्ञ दल" का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित, 2018 से जारी; यूरोपियन मेडिकल जर्नल, 2018 के संपादकीय मंडल का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित; आर्काइव्स इन नेफ्रोलॉजी, 2018 के संपादकीय मंडल का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित; सफदरजंग अस्पताल, नई

दिल्ली में दिनांक 14 मार्च, 2019 को विश्व गुरदा दिवस-2019 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए।

प्रोफेसर दीपांकर मधुसूदन भौमिक बायोइंजीयनरी पर गठित डी.बी.टी. टास्क-फोर्स के सदस्य थे; नॉन-कम्यूनिकेबल डिसीज में आई.सी.एम.आर. तदर्थ समिति का सदस्य; इंडियन सोसाइटी ऑन नेफ्रोलॉजी-उत्तरी क्षेत्र के सचिव; इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी के सहायक संपादक; दिल्ली के इंस्टीट्यूट किडनी फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष; एम्स ऋषिकेश, आई.एल.बी.एस., नई दिल्ली, आई.जी.एम.ई.आर. आर.एम.एल. अस्पताल, राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, ताहिरपुर, दिल्ली में संकाय चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ; अनेक राष्ट्रीय संस्थानों, पी.जी.आई. चंडीगढ़, एस.एम.एस. जयपुर, आई.जी.एम.सी. शिमला के लिए डी.एम. परीक्षक; आई.जी.आई.एम.एस.; पटना में भण्डार खरीद समिति हेतु बाह्य विशेषज्ञ; गुरू कृपा ट्रस्ट के ट्रस्टी; गुर्दे संबंधी बीमारी पर जन जागरूकता के प्रचार-प्रसार के लिए डी.डी. नेशनल, अक्टूबर 2018 तथा ऑल इंडिया रेडियो में गए; पूल अधिकारियों के चयन के लिए सी.एस.आई.आर. चयन समिति का सदस्य; सदस्य, नेशनल कमेटी लिस्ट ऑफ इसेंशियल मेडिसिन (डिवाइसिस); आई.एस.एन.एन.जेड. तथा आई.एफ.के.डी. के सहयोग से एम्स, आर.एम.एल. तथा सफदरजंग अस्पताल में मार्च 2019 में विश्व गुरदा दिवस समारोह का आयोजन किया।

प्रोफेसर संदीप महाजन राष्ट्रीय पी.डी. दिशानिर्देश समिति (2014 से जारी) के सदस्य थे; पेरिटोनियल डायलिसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया (2014 से जारी) का उत्तर क्षेत्रीय कार्यकारी; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (2016 से जारी) द्वारा हाइपरटेंशन प्रबंधन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के राष्ट्रीय विशेषज्ञ पैनल में आमंत्रित किए गए; इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (2016-2018) के वैज्ञानिक समिति का सदस्य; टेक्सिला अमेरिकन विश्वविद्यालय (2017 से जारी) के लिए स्नातकोत्तर मेडिकल कार्यक्रम (नेफ्रोलॉजी) के अध्यक्ष; मेटाबॉलिक डिसआर्डर एंड ऑटोइम्यून डिसिजिस के पुन: गठित टास्क फोर्स का जैव तकनीकी विभाग, विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय (2017 से जारी) द्वारा विशेषज्ञ सदस्य बनाए गए; राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (2017 से जारी) के अन्तर्गत पेरिटोनियल डायलिसिस की शुरूआत हेतु समिति के सदस्य; नेफ्रोलॉजी (2018) हेतु स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट वर्कफ्लो (एस.टी.डब्ल्यू.) की तैयारी के लिए आई.सी.एम.आर. द्वारा गठित विशेषज्ञ दल के सह-अध्यक्ष के रूप में नामित; आंध्र प्रदेश (2018) के उड्डनम क्षेत्र में सी.के.डी. हेतु आई.सी.एम.आर. विशेषज्ञ दल के सदस्य; ठोस अंग प्राप्तकर्ताओं (2019) में यात्रा एवं स्थानिक संक्रमणों के लिए दक्षिण एशियाई दिशा-निर्देश के सदस्य के रूप में नामित हुए; एम्स के औषधि चयन समिति के सदस्य (2018); अतिरिक्त बजट संसाधन तथा कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर बने समिति के सदस्य (2018); एम्स जन जागरूकता समिति के सदस्य (2018); न्यू पेड वार्ड ब्लॉक हेतु एम्स परियोजना प्रबंधन समिति के सदस्य (2018); एम्स, नई दिल्ली के विस्तार हेतु योजना की समीक्षा करने वाले समिति के सदस्य थे ।

डॉ. राज कुमार यादव को नई दिल्ली में भारतीय विश्वविद्यालयों के महासंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरणीय कन्वेंशन 2018 में 47वें विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के मौके पर नेशनल इको-फ्रेंडली ट्रीटमेंट अवार्ड दिया गया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (ड्रग्स नियमन अनुभाग), स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत उप-समिति नेशनल लिस्ट ऑफ इसेंशियल मेडिसिन (एन.एल.ई.एम.) के संशोधन के लिए गठित स्टैंडिंग नेशनल कमेटी ऑन मेडिसिन का सदस्य; मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के विशेष-सत्र में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल कॉलेजों में स्नातकपूर्व / स्नताकोत्तर पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन की प्रक्रिया में संशोधन करने हेतु मूल्यांकनकर्ता (असेसर) के रूप में नियुक्त हुए ।

डॉ. अरूण कुमार सुब्बिहा 2018 के आई.एस.ओ.टी. (इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन) नोवार्टिस ट्रांसप्लांट एजुकेशन ग्रांट प्राप्त किया था ।

अतिथि वैज्ञानिक

1. **प्रोफसर प्रवीण सिंघल,** मेडिसिन एवं नेफ्रोलॉजी के प्रोफेसर, लांग आईलैंड जूइश मेडिकल सेंटर, न्यूयॉर्क दिनांक 8 मार्च 2019 को नेफ्रोलॉजी विभाग गए तथा रेजीडेंटों से संवाद किया तथा “फोकल एंड सेगमेंटल ग्लोमेरूलोस्लेरोसिस : पोडोसाइटोपैथी एंड मॉलक्यूलर सिग्नेचर” पर व्याख्यान दिया।
2. **प्रोफेसर अमित गोविल,** मेडिसिन के प्रोफेसर, प्रमुख, प्रतिरोपण अनुभाग, चिकित्सा निदेशक, किडनी तथा पैंक्रियाज प्रतिरोपण कार्यक्रम, निदेशक, प्रतिरोपण फेलोशिप कार्यक्रम, नेफ्रोलॉजी प्रभाग, किडनी केयर कार्यक्रम, सिनसिनाटी विश्वविद्यालय, मेडिकल सेंटर 231, एलबर्ट सेबिन वे, सिनसिनाटी, दिनांक 27 मार्च 2019 को विभाग में आए तथा “अमेरिका में वृक्क प्रतिरोपण का वर्तमान प्रचलन” विषय पर व्याख्यान दिया।

9-22 ukfHkdh; p|Ecdh; vu|ukn

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन. आर. जगन्नाथन

आचार्य

रमा जयासुंदर — एस. सेंथिल कुमारन

सह-आचार्य

उमा शर्मा — वीरेंद्र कुमार

वैज्ञानिक

सुजीत कुमार मेवाड़ — पवन कुमार

विशिष्टताएं

प्रोफेसर एनआर जगन्नाथन को इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (एफआईएससी) का फेलो चुना गया।15 अगस्त 2018 से रोगी देखभाल नैदानिक एमआरआई सेवाओं के लिए सोमवार से शनिवार तक सुबह 7 बजे से 11 बजे तक और उसके बाद 11 बजे से सुबह 7 बजे तक समय बढ़ाया गया था। एक एमआरआई स्कैनर रविवार और छुट्टियों सहित सभी दिनों में आपातकालीन मामलों के लिए है।

शिक्षा

शिक्षकों और वैज्ञानिकों ने बायोटेक्नोलॉजी विभाग, एम्स के एम.बायोटेक प्रोग्राम के *"कोर्स 10: स्ट्रक्चरल बायोलॉजी और एनएमआर टेक्नोलॉजी, कोर्स 11: बायोइन्फोर्मेटिक्स"* तथा *"मोलेक्यूलर मेडिसिन"* नामक शीर्ष वाले कोर्सों में, एमबीबीएस पाठ्यक्रम के तीसरे सत्र और एम.डी. फिजियोलॉजी पाठ्यक्रम में सहभागिता की तथा अपने-अपने व्याख्यान दिए।

अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षण

भारत के विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों से चिकित्सा और विज्ञान विषयों के दस व्यक्ति और बीएससी रेडियोग्राफी के छात्र, एम्स, एमआरआई, एफएमआरआई और एमआरआई तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने 13 फरवरी से 17 फरवरी 2019 तक 25वीं राष्ट्रीय चुंबकीय अनुनाद सोसायटी (एनएमआरएस) की बैठक के साथ चिकित्सा में चुंबकीय अनुनाद पर 4 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का आयोजन किया। देशभर से 250 वैज्ञानिक और छात्र से अधिक, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, सिंगापुर और अन्य देशों से 20 वैज्ञानिक ने भाग लिया।

प्रदत्त व्याख्यान

एनआर जगन्नाथनः 8 रमा जयासुंदरः 32 उमा शर्माः 1

वीरेंद्र कुमारः 2

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति: 44

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों (एफआईएसटी) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की बुनियादी संरचना के सुधार के लिए निधियां, डीएसटी, 5 वर्ष, 2014-2019, 147 लाख रुपए
2. मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन के लिए औषधीय पादपों के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, रमा जयासुंदर, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2014-19, 48.96 लाख रुपए
3. आयुर्वेदिक फार्माकोलॉजी में 'रस' के मौलिक प्रश्न को संबोधित करने के लिए एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स और कीमोसेंसरी संकेत का अध्ययन, रमा जयासुंदर, विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-20, 74.76 लाख रुपए।
4. संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक जैव मार्कर्स आधारित चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में क्लासिकल आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की पैथो बायोलॉजी का वर्णन करना, रमा जयासुंदर, विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-20, 79 लाख रुपए।
5. चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का प्रयोग करते हुए मस्तिष्क के पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी अध्ययन में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के रूप में योग के विज्ञान को समझना, रमा जयासुंदर, विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, 2 वर्ष, 2017-19, 43.23 लाख रुपए
6. संज्ञान पर पर्यावरण और व्यावसायिक शोर के प्रभाव, एस. सेंथिल कुमारन, एलएसआरबी, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2017-2020, 59.25 लाख रुपए
7. कंप्यूटर विजन आधारित विश्लेषण, एस सेंथिल कुमारन, एसईआरबी, 2 वर्ष, 2019-2021, का उपयोग करके एमआरआई तकनीक के माध्यम से स्पिनोकेरेबेलर अटैक्सिया प्रभावित रोगियों (एससीए) में आकृति विज्ञान और तंत्रिका विज्ञान संबंधी परिवर्तन 21.01 लाख रुपये।

पूर्ण

1. आकृति विज्ञान, कार्यात्मक, जैव रासायनिक और व्यवहार मूल्यांकन पोस्ट-ईएमएफ विकिरण (मोबाइल हैंडसेट से विद्युत चुम्बकीय विकिरण), एस सेंथिल कुमारन, एसईआरबी, 3.5 वर्ष, 2015-2018, 52.57 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहों में स्ट्रोक के प्रयोगात्मक मॉडल में डायहाइड्रोमाइकेटिन का मूल्यांकन और चूहे में स्ट्रोक के बाद दौरे की संवेदनशीलता।

2. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन।
3. एनएमआर तकनीक का उपयोग कर पार्किंसन रोग में बायोमार्कर की पहचान।
4. प्रोस्टेट कैंसर से ग्रस्त रोगियों में इन-बोर एमआर निर्देशित लक्षित प्रोस्टेट बायोप्सी।
5. स्तन कैंसर के अध्ययन के लिए चुंबकीय अनुनाद (एमआर) बहु-पैरामीट्रिक दृष्टिकोण और आण्विक मार्कर के साथ इसका सहसंबंध।
6. मामूली संज्ञानात्मक क्षति से पीड़ित पार्किंसन रोगियों के मस्तिष्क में कार्यात्मक मैपिंग और जैव रासायनिक सहसंबंध।
7. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबोलोमिक रूपरेखा।
8. ग्लूटेन गतिभंग के साथ रोगियों का मेटाबोलोमिक्स (चयापचय)
9. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सेलियाक रोग के मेटाबोनोमिक्स अध्ययन।
10. हिपेटिक ग्लायकोजेनेसिस टाइप I और III का आण्विक और जैव रासायनिक लाक्षणीकरण।
11. प्रोस्टेट कैंसर का एमआरआई और एमआरएस
12. आयुर्वेद में इस्तेमाल होने वाले औषधीय पौधों के कार्यात्मक संकेतों के लिए एनएमआर मेटाबोलोमिक्स और फार्माकोलॉजिकल जांच।
13. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में रक्त और मूत्र के एनएमआर मेटाबोलोमिक्स अध्ययन।
14. चुनिंदा औषधीय पौधों के कार्यात्मक संकेतों के लिए कीमोसेंसरी और फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन के लिए एनएमआर फाइटोमैटोबोलॉमिक्स।
15. स्ट्रोक के रोगियों में आयुर्वेद हस्तक्षेप की चिकित्सीय दक्षता के आकलन में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका।
16. स्ट्रोक के रोगियों में योग हस्तक्षेप की चिकित्सीय दक्षता के आकलन में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका।

पूर्ण

1. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकानिडिपाइन और सिटालोप्रेम का तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।
2. एनएमआर फाइटो मेटाबोलॉमिक्स और चुनिंदा आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के केमोसेंसरी सिग्नचर का विश्लेषण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. अनियमित जुनूनी बाध्यकारी विकार रोगियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा मूल्यांकित मस्तिष्क न्यूरोकैमिस्ट्री में असामान्यताएं और एस्किटेलोप्राम उपचार के 12 सप्ताह के बाद परिवर्तन, मनोरोग।
2. जुनूनी बाध्यकारी विकार और जुनूनी बाध्यकारी लक्षणों के साथ सिजोफ्रेनिया, एनएमआर सिज़ोफ्रेनिया में 1एच एमआरएस पर न्यूरोकेमिकल परिवर्तन का एक तुलनात्मक अध्ययन

3. ए मॉर्फोलॉजिकल एंड फंक्शनल स्टडी ऑन इंट्रासेरेब्रोवेन्ट्रिकुलर स्ट्रेप्टोजोटोकिन इंड्यूस्ड रेट मॉडल ऑफ एल्जाईमर डिजीजः इफेक्ट ऑफ मैग्नेटिक फील्ड स्टीमुलेशन, फिजियोलॉजी
4. बायपोलर विकार प्रकार 1 में आत्महत्या के प्रयास करने वाले रोगियों में ग्रे मैटर वॉल्यूम और व्हाइट मैटर इंटीग्रिटी का आकलन, मनोचिकित्सा
5. हेमिप्रैटिक सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के लिए संशोधित संकेंद्रित प्रेरित मूवमेंट थेरेपी बनाम संशोधित कांस्ट्रिक्ट प्रेरित मूवमेंट थेरेपी के साथ वर्चुअल रियल थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना 5-18 वर्ष आयु वर्ग के - एक खुली लेबल वाली, यादृच्छिक नियंत्रित, समानांतर डिजाइन, श्रेष्ठता परीक्षण बाल तंत्रिका विज्ञान
6. कोर्टिकल रिऑर्गेनाईजेशन इन कंप्लीट स्पाईनल कॉर्ड इंज्यूर्ड रेट्सः इफेक्ट ऑफ सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स एंड लो इंटेंसिटी मैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर, फिजियोलॉजी
7. चूहे में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव, मध्य मस्तिष्क धमनी अवरोधः एक मॉर्फोलॉजिकल और जैव रासायनिक अध्ययन, एनाटॉमी
8. इफेक्ट ऑफ कॉग्निटिव एंड इमोशनल स्ट्रेस इन पेशेंट्स विद मल्टीसोमेटोफोर्म पैन डिसऑर्डर: एन एफएमआरआई बेस्ड केस कंट्रोल स्टडी, साइकेट्री
9. संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक जैव मार्कर्स आधारित चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में क्लासिकल आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की पैथो बायोलॉजी का वर्णन करना, न्यूरोलॉजी और न्यूरोरेडियो
10. चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का प्रयोग करते हुए मस्तिष्क के पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी अध्ययन में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के रूप में योग के विज्ञान को समझना, न्यूरोलॉजी और न्यूरोरेडियो
11. चूहों में स्ट्रोक के प्रयोगात्मक मॉडल में डायहाइड्रोमाइकेटिन का मूल्यांकन और चूहे में स्ट्रोक के बाद दौरे की संवेदनशीलता, फार्माकोलॉजी
12. तंत्रिका संज्ञानात्मक गिरावट और मस्तिष्क चयापचय से जुड़े एचआईवी, काय चिकित्सा
13. न्यूरोकॉगनिटिव योगाभ्यास करने वालों शारीरिक रूप से सक्रिय और निष्क्रिय जीवन शैली जीने वाले व्यक्तियों के बीच भावना और परोक्ष ज्ञान को आपस में जोड़ता है: एक एफएमआरआई और न्यूरोसाइकोलॉजिकल स्टडी, सीआईएमआर
14. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क इस्चेमिया के बीच सेरेबेरल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेर्बेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन, फार्माकोलॉजी
15. आयुर्वेदिक फार्माकोलॉजी में 'रस' के मौलिक प्रश्न को संबोधित करने के लिए एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स और कीमोसेंसरी संकेत का अध्ययन, ओकुलर फार्माकोलॉजी और फार्मेसी
16. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में उन्नत अल्ट्रासाउंड और उन्नत एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस
17. स्लीप में मेडियोडोरसल थैलेमिक न्यूक्लियर की भूमिका, फिजियोलॉजी
18. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने और स्थानीयकरण में मल्टीपेरामैट्रिक एमआरआई की भूमिका, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र, आईआईटी-दिल्ली।

19. क्षय रोग के निदान में लघु अणु जैव-हस्ताक्षर, सूक्ष्म जीव विज्ञान, एम्स
20. मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन के लिए औषधीय पादपों के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, ओकुलर फार्माकोलॉजी और फार्मेसी
21. एंटी-एचआईवी मेडिसिनल प्लांट पर अध्ययन, बायोकेमिस्ट्री
22. उनकी मेमोरी प्रक्रिया पर हल्के संज्ञानात्मक हानि के साथ पूरी तरह से दन्तहीन जराचिकित्सा रोगियों के प्रोस्थोडोंटिक पुनर्वास का प्रभाव - एक कार्यात्मक एमआरआई आधारित अध्ययन, प्रोस्थोडॉन्टिक्स, सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च

पूर्ण

1. पार्किंसंस रोग में घ्राण रोग की कार्यात्मक इमेजिंग - एक पायलट अध्ययन, न्यूरोलॉजी
2. मेटाबॉलोमिक्स के द्वारा तीव्र चिरकालिक लीवर असफलता (एसीएलएफ) पर मेजरिंग ऑर्गन क्रॉस टॉकः एक पायलट अध्ययन, बायोकेमिस्ट्री
3. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया का इलाज करवा रहे बच्चों में न्यूरोइमेजिंग और सेरेब्रल मेटाबोलाइट परिवर्तन: एक प्रायोगिक अध्ययन, बाल चिकित्सा विज्ञान
4. पार्किंसंस रोग में आंदोलन निष्पादन और इसके संज्ञानात्मक प्रसंस्करण को समझना - एक पायलट अध्ययन, न्यूरोलॉजी विभाग, एलएचएमसी, नई दिल्ली।

प्रकाशन

जर्नलः 9

रोगी उपचार

विभाग में रोगी उपचार एवं अनुसंधान के लिए तीन होल बॉडी एमआरआई स्केनर्स (एक 1.5 टेसला तथा दो 3.0 टेसला स्केनर्स) हैं। विभाग क्लिनिकल एमआरआई सुविधा प्रदान करता है जो तीन उपयोगकर्ता-विभाग, रेडियो डायग्नोसिस, न्यूरो रेडियोलॉजी और कार्डियक रेडियोलॉजी के बीच विभाजित है। एमआरआई समय, सोमवार से शनिवार तक सुबह 7.00 बजे से 11.30 बजे तक और उसके बाद रविवार और छुट्टियों सहित आपातकालीन मामलों के लिए एक एमआरआई स्कैनर चौबीसों घंटे होता है। अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक कुल 8,102 एमआरआई/एमआरएस/एफएमआरआई स्कैन किए गए थे।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर एनआर जगन्नाथन को 2019 में इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (एफआईएससी) के फैलो के रूप में चुना गया; अध्यक्ष, वैज्ञानिक नैतिकता और साहित्यिक चोरी (आईसीएसईपी) पर एसईआरबी आंतरिक समिति, एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार; सह-अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समूह- उपकरण और निदान, नेशनल बायो-फार्मा मिशन (एनबीपीएम), जैव प्रौद्योगिकी औद्योगिक अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), भारत सरकार; सदस्य, शासी परिषद, इंसा (आईएनएसए), चेन्नई के तहत सेंटर फॉर को-ऑपरेशन इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी अमंग डेवलपिंग सोसाइटीज (सीसीएसटीडीएस), वर्तमान में, उपाध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए); परिषद सस्य, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन; अध्यक्ष, आईएनएसए कमेटी फॉर इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एण्ड एप्लाइड

बायोफिजिक्स (आईयूपीएबी); विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के जे.सी. बोस नेशनल फेलोशिप, भारत सरकार; सदस्य, सुविधा प्रबंधन समिति (एफएमसी), परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर; "स्वदेशी चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (आईएमआरआई)-एक राष्ट्रीय मिशन" के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) के अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय; भारत सरकार; सदस्य, विज्ञान सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य, सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर), एसजीपीजीआई कैंपस, लखनऊ; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के उच्च शैक्षणिक संस्थानों (एफआईएसटी) में एसएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुधार के लिए फंड के सदस्य, भारत सरकार; अध्यक्ष, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्यांकन और सलाहकार समूह (एमईएजी) के आईआईपीएम, बीआईआरएसी, भारत सरकार; निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य बने रहने के लिए जारी है: (क) "मेग्मा" (भौतिकी, जीवविज्ञान और चिकित्सा में चुंबकीय अनुनाद सामग्री), (स्प्रिंगर); (ख) "चुंबकीय अनुनाद अंतर्दृष्टि" (लिबेर्ट्स एकेडमिका, यूएसए); (ग) "न्यूरोसाइंस इमेजिंग" के उप संपादक (घ) "एनएमआर बायोमेडिसिन, (जॉन विले एंड संस); (ङ) "चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग" (एल्सेवियर); (च) "बायोमेडिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड इमेजिंग" (आईओसी प्रेस, नीदरलैंड्स); (छ) "बायोफिजिकल रिव्यूज" के उप संपादक (स्प्रिंगर वह एशियाई बायोफिजिक्स एसोसिएशन (एबीए) की संचालन समिति के सदस्य बने रहे); 'बायोमेडिकल डिवाइस और बायोइंजीनियरिंग' पर विशेषज्ञ पैनल के सह-अध्यक्ष, लाइफ साइंसेज रिसर्च बोर्ड, डीआरडीओ; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग समूह, आईआईटी इंदौर; सदस्य, विज्ञान सलाहकार परिषद, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर, हरियाणा; अध्येता, इण्डियन एकेडमी ऑफ साइंसेज (एफएएससी), बैंगलोर; अध्येता, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एफएनएएससी), इलाहाबाद; अध्येता, नेशनल मेडिकल अकेडमी ऑफ साइंसेज (एफएएमएस), दिल्ली; अध्येता, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), यू.एस.ए. और अध्येता (एफ.एन.ए), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए)।

प्रोफेसर रमा जयासुंदर को एक अमेरिकी न्यूरोसाइंटिस्ट द्वारा संस्कृत के प्रभाव पर किए गए एमआरआई अध्ययन के बारे में ऑस्ट्रेलियाई रेडियो द्वारा साक्षात्कार दिया गया था; पाँच वैज्ञानिक बैठकों और सम्मेलनों में मुख्य अतिथि और अतिथि के रूप में आमंत्रित; अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में आमंत्रित व्याख्यान- रेडियोलॉजी विभाग, स्टोनी ब्रूक मेडिसिन (यूएसए), यूनिवर्सिटी ऑफ अर्कांसस एट लिटिल रॉक (यूएसए), फोर्देम यूनिवर्सिटी (यूएसए), एमआर विभाग, इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंस एंड मेडिसिन, जूलिच (जर्मनी); सीएसआईआर-ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (सीएसआईआर-टीकेडीएल) की सलाहकार समिति के सदस्य; नवंबर 2018 से तीन वर्षों के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, उत्कृष्टता केंद्र, इंटरडिसिप्लिनरी स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज, सावित्रीभाई फुले पुणे विश्वविद्यालय 2021 तक 3 वर्ष; मार्च 2019 से तीन वर्षों की अवधि के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा नामित; नवंबर 2018 से तीन वर्षों की अवधि के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मुंबई के

लिए एक आगंतुक के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा नामित; 2020 तक तीन वर्षो की अवधि के लिए बोर्ड ऑफ गवर्नर में मनोनीत मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार; 2020 तक भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), मोहाली में प्रोफेसरों के नियुक्ति के लिए चयन समिति पर नामित परिषद के रूप में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा मनोनीत।

डॉ. उमा शर्मा को मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग 2018 के लिए प्रतिष्ठित समीक्षक बनाया गया।

डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ई के जावोस्की अवार्ड-2018 जीता, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), सीए, यूएसए; एडिटोरियल बोर्ड पैनल ऑफ एनल्स ऑफ यूरोलॉजी एंड नेफ्रोलॉजी; चाइनीज मेडिकल साइंस जर्नल के संपादकीय बोर्ड पैनल; संस्थापक सदस्य, ट्रांसलेशनल बायोमेडिकल रिसर्च सोसाइटी, इंडिया (टीबीआरएसआई), जर्नल्सः कम्प्यूटेशनल एंड मैथमेटिकल मेथड्स इन मेडिसिन एंड एनल्स ऑफ यूरोलॉजी एंड नेफ्रोलॉजी के समीक्षाकर्ता।

9-23 ukfHkdh; fpfdRlk

आचार्य एवं अध्यक्ष

सी एस बाल

आचार्य

राकेश कुमार

चेतन डी. पटेल (हृद् तंत्रिका केंद्र)

सह-आचार्य

माधवी त्रिपाठी

अनिल के. पांडेय (चिकित्सा भौतिकी)

सहायक आचार्य

निशिकान्त ए. दामले

शमीम ए. शमीम

विशिष्टताएं

नाभिकीय चिकित्सा विभाग (मुख्य) में तीन एसपीईसीटी / सीटी, दो डुएल हैड और एक सिंगल हैड गामा कैमरे, वैल काउंटर व इनविट्रो लैब सहित अपटेक प्रोब और सुसज्जित रेडियोफार्मेसी प्रयोगशाला है। सभी पीईटी रेडियो-फार्मास्यूटिकल्स को संश्लेषित करने के लिए एक कार्यशील 11 एमईवी साइलोट्रॉन और हॉट लैब के साथ दो पीईटी/सीटी स्कैनर हैं। हमें यहां यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि वर्तमान में यह विभाग, भिन्न-भिन्न प्रकार के 12 पीईटी स्कैन कर रहा है, जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों की बराबरी कर सकते हैं। चिकित्सकों द्वारा जटिल चिकित्सा समस्याओं का निदान करने के लिए नैदानिक तौर तरीकों पर निर्भरता के कारण, विभिन्न जांचों की प्रतीक्षा सूची संस्थान में हमेशा बढ़ती रहती है। सभी प्रकार की जांचों की प्रतीक्षा सूची को कम करने के लिए, व्यापक पहल के बावजूद, जगह की कमी के कारण विभाग सभी जांचों को अल्प समय के नोटिस पर समायोजित नहीं किया जा सकता है। विभाग रेडियोन्यूक्लाइड चिकित्सा के लिए एक दैनिक ओपीडी चला रहा है और विभाग के सभी 5 संकाय ओपीडी चलाते हैं। इस वर्ष हमने एक सिंगल हेड गामा कैमरे के स्थान पर एक डुअल हेड एसपीईसीटी कैमरा और एक अन्य पुराने सिंगल हेड गामा कैमरे के स्थान पर एक नया सिंगल हेड गामा कैमरा लगा दिया है।

स्थान की कमी के बावजूद इस वर्ष किए गए स्कैन और रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। एम्स में नाभिकीय चिकित्सा में सभी प्रकार की जांच बहुत मामूली शुल्क पर की जाती है। इस प्रकार, गरीब और मध्यम वर्ग के मरीज बहुत हद तक लाभान्वित होते हैं क्योंकि ये जांचें देश भर में बहुत कम केन्द्रों पर उपलब्ध हैं और जहां उपलब्ध हैं भी, वहां उच्च लागत पर उपलब्ध होती हैं। वर्तमान में इस विभाग में 8 डीएम छात्र, 20 एमडी छात्र, 20 एमएससी छात्र और 2 पीएच-डी छात्र हैं। वे दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ अनुसंधान कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं।

हृद् वक्ष केंद्र (सीटीसी) में न्यूक्लियर मेडिसिन नियमित रूप से नैदानिक नाभिकीय कार्डियोलॉजिकल प्रक्रियाएं संपन्न करता है। नाभिकीय चिकित्सा स्नातकोत्तर और नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी छात्रों

को नाभिकीय कार्डियोलॉजी प्रक्रियाओं में रोटेशनल आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है। यह इकाई, अंतरराष्ट्रीय बहु-केन्द्रीय अनुसंधान परियोजना में शामिल है।

शिक्षा

विभाग के संकाय ने वर्ष 2017-2018 के दौरान क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम, कार्यशाला, संगोष्ठी और वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और कुल मिलाकर 41 व्याख्यान दिए।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिए गए व्याख्यान

सीएस बाल: 17 **राकेश कुमार: 11** **चेतन डी पटेल: 4**

अनिल के पाण्डेय: 6 **माधवी त्रिपाठी: 5** **शमीम ए शमीम: 5**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 13

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों में 177एलयू- लेबल वाले पीएसएमए-617 की डोज़ीमेट्री, सीएस बाल, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020
2. पैपिलरी थायराइड कार्सिनोमा वाले रोगियों में बीआरएफ जीन का उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रम: भारतीय आबादी का रोगजनक अध्ययन, सीएस बाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021
3. स्थानीय स्तर पर आवर्तक या मेटास्टैटिक, प्रगतिशील, रेडियोआयोडीन दुर्दम्य विभेदित थायरॉयड कैन्स वाले रोगियों में लीनवाटिनीब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए भावी एकल आर्म पोस्ट मार्केटिंग चरण IV अध्ययन, सीएस बाल, चरण IV एफडीए परीक्षण, क्लिएन्था रिसर्च लिमिटेड।
4. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के निदान और फॉलो-अप में गैलियम-68 लेबिल वाले प्रोस्टेट विशिष्ट मेंब्रेन एंटीजन के साथ पीईटी-सीटी का प्रयोग, राकेश कुमार, अंतर्राष्ट्रीय नाभिकीय ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), वियना, ऑस्ट्रिया, 5 साल, 2017-2022।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. 68-गैलियम पीएसएमए एचबैड सीसी पीईटी/सीटी पॉजिटिव एनाप्लास्टिक कार्सिनोमा थायराइड में 177एलयू पीएसएमए डीकेएफजैड की चिकित्सीय क्षमता का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
2. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में 68-गैलियम पीएसएमए और 68-गैलियम-जीयूएल-एनओटीए पीएसएमए की भूमिका की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन

3. प्राथमिक कीमोरेडियाथेरेपी से रोके गए स्थानीय एडवांस्ड हैड एंड नैक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पीईटी सीटी स्कैन की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन
4. 68-गैलियम पीएसएमए पीईटी/सीटी का उपयोग करके, पुनरावर्ती एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा और ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म वाले रोगियों में त्वरित पीएसएमए एक्सप्रैशन का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन
5. औषध दुर्दम्य मिर्गी में 'सिस्कोस' की नैदानिक सटीकता का विश्लेषण करने के लिए एक अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन
6. मध्यम से गंभीर स्तर की कैरोटिड स्टेनोसिस के रोगियों में एफ-18 फ्लूरोडॉक्सी मन्नोज से कैरोटिड प्लेक इमेजिंग
7. 18एफ एफडीजी ल्यूकोसाइट्स की लेबलिंग के लिए तकनीकों की तुलना और मानकीकरण
8. ईविंग्स सरकोमा से पीड़ित नव निदान रोगियों में अस्थि मज्जा मेटास्टेसिस के मूल्यांकन के लिए 18-एफडीजी पीईटी / सीटी और अस्थि मज्जा बायोप्सी के बीच तुलना
9. उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में अस्थि मेटास्टेसिस का पता लगाने के लिए 68-गैलियम पीएसएमए पीईटी / सीटी और 18-एफ फ्लोराइड पीईटी / सीटी की तुलना
10. आदिष्ट सबसेट अपेक्षा मेक्सिमाइजेशन (आएसईएम) और फ़िल्टर्ड बैक प्रोजेक्शन (एफबीपी) पर प्राप्त पुनर्रचित चित्रों की तुलना बाएं वेंट्रिकुलर इजेक्शन अंश (एलवीईएफ) के साथ; टीसी99-ए-एमआईबीआई मायोकार्डिअल पर्फ्यजून स्पेक्ट्रम: इक्विलीब्रियम रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोग्राफी (ईआरएनए) पर प्राप्त एलवीईएफ के साथ तुलना।
11. टी9999 एमआईबीआई मायोकार्डिअल परफ्यूजन स्पेक्ट्रम से गुजरने वाले रोगियों में इंटरफीयरिंग इन्फ्रा हृदय संबंधी गतिविधि को कम करने में आहार हस्तक्षेप का प्रभाव
12. घातक पोर्टल शिरा घनास्त्रता के साथ हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में आई: 188 एचडीडी लिपिडोल/आरई-188 एन-डीईडीसी लिपिडोल की प्रभावकारिता
13. तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में 51सीआर लेबल वाले आरबीसी द्वारा प्लाज्मा वॉल्यूम न्यूनता का अनुमान
14. एफ-18 एफ डीओपीए का प्रयोग करके उन्नत अज्ञातहेतुक पार्किंसंस रोग में कार्डिएक सिंपेथेटिक डीनर्वेशन का मूल्यांकन
15. एफ-18 एमआई-108 टीएयू पीईटी/सीटी और एफ-18 एफडीजी पीईटी/सीटी का प्रयोग करके मामूली संज्ञानात्मक हानि का मूल्यांकन
16. प्रमुख घटक विश्लेषण का प्रयाग करके इमेज़ कंप्रैशन
17. वेवलेट ट्रांसफ़ॉर्म का प्रयाग करके इमेज़ डीनॉयजिंग
18. स्टोकेस्टिक प्रतिध्वनि का प्रयोग करके इमेज़ वृद्धि
19. अनुकूली थ्रेशोल्डिंग का प्रयोग करके इमेज़ सेगमेंटेशन

20. गेलियम 68 पीएसएमए पीईटी-सीटी का प्रयोग करके मेटास्टेटिक ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में पीएसएमए एक्सप्रैशन की इमेजिंग
21. एफ-18 एफडीजी पीईटी/सीटी अध्ययन पर बनावट विश्लेषण का प्रयोग करके उच्च ग्रेड लिम्फोमा वाले रोगी पर अंतरिम उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन
22. ऑटोइम्यून ऑर्बिटोपैथी के रोगियों में गेलियम 68 डोटानॉक पीईटी सीटी की सहायता से सोमाटोस्टेटिन रिसेप्टर एक्सप्रैशन का त्वरित मूल्यांकन
23. मस्तिष्क और पूरे शरीर के लिए सामान्य 18एफ-एफडीजी डेटाबेस
24. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में क्लोरोमा की पीईटी/सीटी इमेजिंग
25. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में सोमैटोस्टेटिन रिसेप्टर एक्सप्रैशन और इसकी चिकित्सीय व्यवहार्यता का अग्रदर्शी मूल्यांकन
26. न्यूरोब्लास्टोमा में 18-एफ डोपा पीईटी/सीटी और आई-131 एमआईबीजी की भूमिका की तुलना के लिए अग्रदर्शी अध्ययन
27. इंसुलिनोमा वाले वयस्क और बाल रोगियों में 18-एफ डोपा पीईटी/सीटी की भूमिका
28. पुनरावर्ती/परसिस्टेंट प्राथमिक हाइपर-थायरॉइडिज्म से पीड़ित रोगियों में हो जाने वाले घावों में 18-एफ फ्लूरोकोलिन पीईटी/सीटी की भूमिका।
29. पूरे शरीर की नेगेटिव रेडियोआयोडीन स्कैन वाले विभेदित थायरॉयड कैंसर रोगियों में 68 गेलियम-पीएसएमए पीईटी / सीटी इमेजिंग की भूमिका
30. गुर्दे की कोशिका के कार्सिनोमा वाले रोगियों में मूत्रवर्धक एफडीजी पीईटी/ सीटी की भूमिका और हिस्टोपैथोलॉजिकल उपप्रकार के साथ सहसंबंध पीईटी मापदंड
31. कार्डिएक सार्कोइडोसिस में गेलियम-68 डोटानॉक पीईटी/सीटी की भूमिका: कार्डिएक एमआरआई के साथ तुलना
32. नरम ऊतक सार्कोमा के रोगियों में स्टेजिंग और प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में पीईटी/सीटी की भूमिका
33. सामान्य मानव रोगियों में ईसी अनापत्ति का मानकीकरण और दो चरण विधि से त्वरित जीएफआर के साथ इसकी तुलना
34. टीसी-99एम लेबिल वाली एंटीबायोटिक दवाओं (एथमब्यूटोल, सिप्रोफ्लोक्सासिन और सीफ्रीअक्सोन) का संश्लेषण, गुणवत्ता नियंत्रण और बायोडिस्ट्रीब्यूशन
35. हार्ट फेल्योर के रोगियों में सिंपेथेटिक डीइनर्वेशन के मूल्यांकन में एफ18 एफ डोपा की व्यवहार्यता का आकलन, सी11 एचईडी के साथ तुलना

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा लिंफोमा के मानकीकरण में 18 एफडीजी पीईटी/सीटी
2. हृदय री-सिंक्रोनाइजेशन थेरेपी में चल रहे हार्ट फेल्योर के रोगियों को संभालने में गेटेड स्पेक्ट मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा अंतःशिरा समकालिकता मूल्यांकन का मान

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. रूमेटॉइड आर्थराइटिस के आर्टिक्यूलर प्रकटीकरण में पारंपरिक एमडीपी अस्थि स्कैन और सोमैटोस्टैटिन रिसेप्टर पीईटी/सीटी की तुलना-रुमेटोलॉजी
2. चिकित्सा और इनवेसिव एप्रोचिज (इस्केमिया परीक्षण) के साथ तुलनात्मक स्वास्थ्य प्रभावशीलता का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, हृद् विज्ञान
3. इस्केमिक स्ट्रोक और टीआईए के रोगियों में लक्षण-सहित और लक्षण-रहित कोरोनरी धमनी बीमारी की व्यापकता, तंत्रिका विज्ञान, हृद् विज्ञान
4. प्राथमिक पीसीआई के बाद मल्टीवैसल बीमारी वाले एसटीईएमआई रोगियों में नॉन-कलप्रिट धमनियों की इस्केमिया-निर्देशित पीसीआई के लिए गेटेड-स्पैक्ट एमपीआई का मान, हृद् विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 55 **शोध-सार: 35** **पुस्तकों में अध्याय: 6**

रोगी उपचार

डायग्नोस्टिक स्कैन और की गई रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी

नैदानिक: सामान्य नाभिकीय चिकित्सा	
1. टीसी99एम थायरॉइड स्कैन	346
2. आई-131 डब्ल्यूबी स्कैन (नैदानिक)	1,082
3. आरएआईयू	790
4. आई-131 डब्ल्यूबी स्कैन (उपचार के बाद)	715
5. 99एमटीसी-एमडीपी बोन स्कैन	2,727
6. रीनल डायनामिक स्कैन	4,436
7. जीएफआर	2,270
8. डीआरसीजी	271
9. एचआईडीए स्कैन	349
10. जीईटी (गैस्ट्रिक एम्पटीइंग टाइम)	86
11. ब्लड पूल	27
12. गैस्ट्रो एसोफीगल रीफ्लक्स	773
13. लिंफोसिन्टीग्राफी	324
14. सेंटीनल लिंफनोड	21
15. एमआईबीजी स्कैन (नैदानिक)	308
16. जीएचए	6
17. लिवर स्प्लीन	7

18. एमएजी-3	8
19. मैकल स्कैन	57
20. पैराथायरॉइड	259
21. ट्रोडेट स्कैन	409
22. स्पेक्ट-सीटी (ईसीडी-आईसीटी और ईसीडी-आईएनटी)	614
23. डीएमएसए	1,621
चिकित्सीय	
24. थायरॉइड कैंसर उपचार	1,115
25. थायरोटॉक्सिकोसिस उपचार	408
26. एसी-225-डोटा-टीएटीई	115
27. एमआईबीजी थेरेपी	9
28. ल्यूटेशियम 177-डोटाटेट	218
29. 177एलयू पीएसएमए-617	138
30. 177एलयू ईडीटीएमपी	20
31. 225एसी पीएसएमए	30
32. 177एलयू डीओटीएमपी	13
33. 177एलयू बीपीएएमबी	6
34. 177एलयू जोलेड्रानिक एसिड	7
35. रीनियम 188- रेडियोसाइनोवैक्टोमी	36
36. टीएआरई	11
नैदानिक–पोजीट्रॉन इमिशन टोमोग्राफी (पीईटी/सीटी)	
37. 18एफ एफडीजी	7210
38. गेलियम68 पीएसएमए	566
39. गेलियम68 डोटा नॉक	714
40. एफ18 कोलाइन	55
41. 68गेलियम एक्सेनडिन 4	6
42. एफ18 डोपा	83
43. एफ18 टीएयू	19
44. सोडियम फ्लोराइड बोन स्कैन	23
45. एफ18-लेबल्ड -डब्ल्यूबीसी स्कैन	7
46. गेलियम-68 डीएटीए-टीओसी	6
47. एनसीसीटी	391
हृद् केंद्र गतिविधियां	

48. कार्डिएक एफ18एफडीजी पीईटी	156
49. 99एमटीसी/मायोकार्डियल परफ्यूज़न अध्ययन	1,859
50. आरएनवी अध्ययन (एमयूजीए)	562
51. विविध (वी/क्यू स्कैन, प्रथम पास)	147

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर सीएस बाल को ब्रिटिश न्यूक्लियर मेडिसिन सोसाइटी के जर्नल 'न्यूक्लियर मेडिसिन कम्यूनिकेशन' द्वारा वर्ष 2018 के लिए "शीर्ष समीक्षक प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गया; 17 मार्च 2019 को दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित मेटाबोलिक कॉन्क्लेव 2019 में "थायराइड विकार में नाभिकीय चिकित्सा की भूमिका" पर उन्होंने एक आईजीसीएडी व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर बाल का अंतर्राष्ट्रीय योगदान: 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर 2018 तक ढाका, बांग्लादेश में टीसी-बीजीडी 6027 "आणविक इमेजिंग प्रौद्योगिकी और विकिरण ऑन्कोलॉजी में क्षमता निर्माण के माध्यम से कैंसर प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण" के तहत बांग्लादेश में आईएईए विशेषज्ञ मिशन।

प्रोफेसर राकेश कुमार 'न्यूक्लियर मेडिसिन कम्यूनिकेशंस' के ओवरसीज संपादक रहे; जून 2019 में अमेरिका के फिलाडेल्फिया में आयोजित सोसायटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन (एसएनएम) की 65वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत वैज्ञानिक सार-लेखों के समीक्षक भी रहे।

प्रोफेसर चेतन डी. पटेल, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 'सॉलिड स्टेट डिटेक्टर एसपीईसीटी कैमरा' खरीद की तकनीकी विनिर्देश समिति में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में शामिल थे; वे, सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन इंडिया की कार्यकारी समिति के सदस्य और एसोसिएशन ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिशियन ऑफ इंडिया की कार्यकारी समिति के सदस्य और न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की कार्यकारी समिति के सदस्य थे।

डॉ. माधवी त्रिपाठी इंडियन जर्नल ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन की संपादकीय बोर्ड की सदस्या थीं; 23 फरवरी 2019 को नई दिल्ली में आयोजित मूवमेंट डिसऑर्डर्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के चौथे वार्षिक सम्मेलन में 'इमेजिंग इन मूवमेंट डिसऑर्डर्स' विषय सत्र की अध्यक्षा थीं।

9-24 i!lfr ,o L=h jkx foKku

आचार्य और अध्यक्ष

अलका कृपलानी (24 अगस्त 2018 तक) — सुनेश कुमार (25 अगस्त 2018 से)

आचार्य

दीपिका डेका (प्रतिनियुक्ति पर)
नीरजा भाटला
के के रॉय
नीना मल्होत्रा
वत्सला डढ़वाल
जे बी शर्मा
नीता सिंह

सह-आचार्य

के अपर्णा शर्मा
गरिमा कच्छावा
रीता माहे
पी वनमैल

सहायक आचार्य

विदुषी कुलश्रेष्ठ
सीमा सिंघल
राजेश कुमारी
ज्योति मीणा
जूही भारती

वैज्ञानिक

रोहिणी सहगल (ग्रेड III)
अरुण कुमार (ग्रेड I)

विशिष्टताएं

'प्रजनन चिकित्सा के नए क्षितिज' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 'सर्जिकल शुक्राणु पुनर्प्राप्ति तकनीक' विषय पर लाइव कार्यशाला का आयोजन, प्रजनन चिकित्सा विभाग द्वारा 2 और 3 फरवरी 2019 को किया गया था। सम्मेलन का उद्घाटन, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा किया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया के कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संकाय सदस्यों ने विमर्श के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और इसमें प्रतिभागियों की उपस्थिति बहुत अच्छी रही।

लघु अवधि प्रशिक्षण

विभाग में, विभिन्न सुपर स्पेशिएलिटी विषयों जैसे 'गायनी एंडोस्कोपिक सर्जरी', 'मातृ एवं भ्रूण चिकित्सा', 'गायनी ऑन्कोलॉजी', 'अल्ट्रासोनोग्राफी' और 'इन्फर्टिलिटी' में अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं। निम्नलिखित डॉक्टरों को भिन्न-भिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया गया:

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	स्थान	प्रशिक्षण अवधि	विशेषज्ञता
1.	केविन मार्क फोंग	न्यूज़ीलैंड	21 मई 2018 से 22 जून 2018	पर्यवेक्षक
2.	एतना बूशिए	फ्रांस	2 जुलाई 2018 से 24 अगस्त 2018	पर्यवेक्षक
3.	स्वीकृति शर्मा	प्लेवन	17 जुलाई 2018 से 31 जुलाई 2018	पर्यवेक्षक
4.	एलेक्सिस रिक	फ्रांस	17 जुलाई 2018 से 30 जुलाई 2018	पर्यवेक्षक
5.	अंजना झा	झारखंड	6 अगस्त 2018 से 18 अगस्त 2018	बेसिक लैप्रोस्कोपिक गायनी सर्जरी
6.	दिबाकर देबबर्मा	अगरतला	1 नवम्बर 2018	पर्यवेक्षक
7.	कशिश गर्ग	अगरतला	1 नवम्बर 2018 से 31 दिसम्बर 2018	पर्यवेक्षक
8.	प्रशांत कुमार नायक	रायपुर	19 नवम्बर 2018 से 18 दिसम्बर 2018	पर्यवेक्षक (प्रजनन चिकित्सा केन्द्र)
9.	स्ताव ओवेद	इज़राइल	3 दिसम्बर 2018 से 7 दिसम्बर 2018	पर्यवेक्षक
10.	जेन रिप्ली	ऑस्ट्रेलिया	10 दिसम्बर 2018 से 6 जनवरी	पर्यवेक्षक

			2019	
11.	मेरलिन मैथ्यू	ऑस्ट्रेलिया	14 जनवरी 2019 से 18 जनवरी 2019	पर्यवेक्षक
12.	कैथी किंग	ऑस्ट्रेलिया	14 जनवरी 2019 से 18 जनवरी 2019	पर्यवेक्षक
13.	उमा पांडेय	वाराणसी	16 जनवरी 2019 से 23 जनवरी 2019	पर्यवेक्षक
14.	सीमा हकीम	अलीगढ़	21 जनवरी 2019 से 3 फरवरी 2019	पर्यवेक्षक
15.	बील वेंकट राधा कुमारी	विशाखापटनम	15 मार्च 2019 से 15 मई 2019	पर्यवेक्षक
16.	संगीता रमन जोशी	छत्तीसगढ़	15 मार्च 2019 से 29 मार्च 2019	पर्यवेक्षक
दीर्घकालिक प्रशिक्षण				
क्रम संख्या	**अभ्यर्थी का नाम**	**स्थान**	**प्रशिक्षण अवधि**	**विशेषज्ञता**
1.	ले. कर्नल (डॉ.) म्हास्के नीलेश मधुकर	सैन्य बल	15 दिसम्बर 2018 से 14 अक्टूबर 2019	मातृ एवं भ्रूण चिकित्सा
2.	ले. कर्नल (डॉ.) वीनस देशवाल	सैन्य बल	16 अक्टूबर 2018 से 05 नवम्बर 2018	एमआईएस गायनी एंडोस्कोपी
3.	डॉ. अभिजीत कुमार	सैन्य बल	01 जनवरी 2019 से 31 दिसम्बर 2020	पर्यवेक्षक

विभाग में आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. महिलाओं का स्वास्थ्य पहल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम - 'मिनिमली इनवेसिव स्त्री रोगविज्ञान', 16-21 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था पर क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा श्रृंखला, 13 मई 2018, एम्स, नई दिल्ली
3. 'मिनिमली इनवेसिव गायनोकोलॉजी' में महिलाओं का स्वास्थ्य पहल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 4-9 जून 2018, एम्स, नई दिल्ली
4. हिस्टेरोस्कोपी पर सम्मेलन-पूर्व एओजीडी कार्यशाला, प्रसूति विभाग और स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली और दिल्ली प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ एसोसिएशन द्वारा, 23 अगस्त 2018 को एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित

5. मेडिकल कॉलेजों में 'लक्ष्य' कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए कार्यशाला, 17 और 18 सितंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली- डॉ. के. अपर्णा शर्मा
6. माताओं और नवजात शिशुओं की देखभाल में गुणवत्ता सुधार के लिए प्रशिक्षकों का अंतर-देशीय प्रशिक्षण, 3-5 अक्टूबर 2018, वसंत कुंज, नई दिल्ली- डॉ. के. अपर्णा शर्मा
7. एफआईजीओ प्री-कांग्रेस वर्कशॉप: स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच में प्रवीणता तकनीकें और प्रीइनवेसिव सरवाइकल लीजन का प्रबंधन (आईएफसीपीसी और झप्पीगो के सहयोग से) - डॉ. नीरजा भाटला, 14 अक्टूबर 2018, रियो डी जनैरो, ब्राजील
8. एफआईजीओ वीडियो कार्यशाला: प्रैक्टिसिंग स्त्री रोग विशेषज्ञों के लिए निवारक ऑन्कोलॉजी- डॉ नीरजा भाटला, 16 अक्टूबर 2018, रियो डी जनैरो, ब्राजील
9. एफआईजीओ वीडियो वर्कशॉप: गायनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी सर्जरी- लर्निंग फ्रॉम मास्टर्स- डॉ. नीरजा भाटला, 19 अक्टूबर 2018, रियो डी जनैरो, ब्राजील
10. स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी सतत चिकित्सा शिक्षा अपडेट (एओजीडी ऑन्कोलॉजी कमेटी) और एसजीओ, यूएसए के सहयोग से, 14 नवंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
11. हिस्टेरोस्कोपी सम्मेलन-पूर्व एओजीडी कार्यशाला, प्रसूति विभाग और स्त्री रोग विभाग और दिल्ली के प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञों की संस्था द्वारा आयोजित, 22 नवंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
12. मेडिकल कॉलेजों में 'लक्ष्य' के सफल कार्यान्वयन के लिए कार्यशाला, 21 और 22 जनवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली- डॉ. के. अपर्णा शर्मा
13. एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला 'तीसरा फर्टिकॉन 2019' (सर्जिकल शुक्राणु पुनर्प्राप्ति पर पहली लाइव कार्यशाला), 2 और 3 फरवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली
14. स्नातकोत्तर और सीनियर रेजिडेंट्स के लिए सुतूर प्रैक्टिकम कार्यशाला, 9 मार्च 2019, नई दिल्ली

दिए गए व्याख्यान

सुनेश कुमार: 6	**नीरजा भाटला: 16**	**कल्लोल कुमार रॉय: 39**
वत्सला डढ़वाल: 21	**जे बी शर्मा: 11**	**नीता सिंह: 5**
के अपर्णा शर्मा: 41	**गरिमा कछवा: 10**	**रीता माहे: 9**
विदुषी कुलश्रेष्ठ: 8	**सीमा सिंघल: 18**	**ज्योति मीणा: 6**
जूही भारती: 5		

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/पोस्टर: 60

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पॉलीसिस्टिक ओवेरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से ग्रस्त भारतीय महिलाओं में विटामिन बी12 की न्यूनता का प्रचलन और पीसीओएस से ग्रस्त महिलाओं के प्रबंधन में पारंपरिक दवाओं की

प्रभावकारिता पर बी12 सप्लीमेंटेशन का प्रभाव, वत्सला डढवाल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2018, 49.75 लाख रुपए

2. गर्भावस्था में एनीमिया को कम करने के लिए संवर्धित, प्रसवपूर्व देखभाल - व्यापक एनीमिया कार्यक्रम और व्यक्तिगत उपचार (सीएपीपीटी) परियोजना, वत्सला डढवाल, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 117 लाख रुपये
3. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनिंग इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का प्रभाव, जेबी शर्मा, आईसीएमआर, 5 साल, 2009- अब तक, 47 लाख रुपये
4. एब्नॉर्मल यूटेराइन ब्लीडिंग से पीड़ित रोगियों में मासिक धर्म में रक्त बहाव कम करने के लिए ट्रेनेक्सीमिक एसिड (500 मिलीग्राम) और मेफेनमिक एसिड (250 मिलीग्राम) के साथ दी गई डायोसमिन (900 मिलीग्राम) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययन करना; जेबी शर्मा, वाल्टर बुशनेल प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2016-अब तक, 17 लाख रुपए
5. बांझ महिलाओं में जननांग टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन, जेबी शर्मा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 साल, 2016-अब तक, 28 लाख रुपए।
6. प्रीएक्लेम्पसिया के पूर्वानुमान में जैव रासायनिक एंडोथेलियल मार्कर और धमनी कठोरता के संयोजन का मूल्यांकन करना, गरिमा कच्छावा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 76 लाख रुपये
7. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायन (ईडीसी) की भूमिका, गरिमा कच्छावा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 35 लाख रुपए
8. वीर्य के नमूनों में आरओएस स्तरों का और इन विट्रो निषेचन से गुजरने वाले इनफर्टाइल पुरुषों में आरओएस स्तरों और आईवीएफ परिणामों पर 'फर्टिश्योर-एम' के प्रभाव का मूल्यांकन करना - एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसेबो-नियंत्रित अध्ययन, रीता माहे, एम्स, 2 साल, 2017- 2019, 9.4 लाख रुपए
9. इनफर्टाइल और फर्टाइल भारतीय महिलाओं में एफएसएच रिसेप्टर जीन पॉलीमॉर्फिम्स की व्यापकता का अध्ययन करना और आईवीएफ/आईसीएसआई करा रही बांझ उप-समूह की महिलाओं में डिम्बग्रंथि उत्तेजना की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना, रीता माहे, एसईआरबी, 3 साल, 2018-2021, 35 लाख रुपये।
10. ईएमटी संबंधित प्रोटीन एक्सप्रैशन और सूक्ष्म आरएनए 200 ए, बी, सी से उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों में रोग की गंभीरता का आकलन करना, सीमा सिंघल, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 4 लाख रुपये
11. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को रोकने में एचपीवी वैक्सीन की 2 बनाम 3 खुराक की प्रभावशीलता और सुरक्षा: एक भारतीय बहु-केन्द्रीय यादृच्छिक परीक्षण, नीरजा भाटला, डब्ल्यूएचओ-आईएआरसी, 10 वर्ष, 2009-2019, 1.93 करोड़ रुपये

12. डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एचई4) का एक्सप्रैशन और रोग निदान के साथ इसका सह-संबध, नीरजा भाटला, आईसीएमआर, 2 साल, 2017-2019, 3.19 लाख रुपये
13. सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग करा रही महिलाओं पर 100-रोगी अग्रगामी अध्ययन में देखभाल दृश्य निरीक्षण के मानक के लिए एक योनि-अनुप्रस्थ कोलोप्स्कोप की साइड-बाइ-साइड तुलना, नीरजा भाटला, ड्यूक यूनिवर्सिटी, 2 साल, 2017-2019, 10.53 लाख रुपये
14. एचपीवी-एसोसिएटेड मैलिग्नेंसीज की देखभाल का पता लगाने का तीव्र बिंदु, नीरजा भाटला, एरिजोना यूनिवर्सिटी, एनसीआई, यूएसए, 2 साल, 2017-2019, 56.59 लाख रुपये
15. चरण-II/III, आंशिक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, बहुसंयोजक अध्ययन-समूह 1 (9 से 14 वर्ष की आयु के लड़के व लड़कियां) को दो खुराक समय-तालिका और समूह 2 (15 से 26 वर्ष की आयु के पुरुष और महिलाएं) को तीन खुराक समय-तालिका के अनुसार, स्वस्थ स्वयंसेवकों में इंट्रामस्क्युलर रूप से दी गई एसआईआईपीएल के क्यूएचपीवी वैक्सीन की सुरक्षा का आकलन, मर्क के एचपीवी6 नवंबर 16/18 वैक्सीन (गार्डासिल®) की तुलना करना, नीरजा भाटला, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, 5 साल, 2018-2023, 9.69 लाख रुपए
16. प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, अर्ध-कुशल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल स्तरों में वेब आधारित अनुप्रयोग का उपयोग करके डब्ल्यूएचओ एएनसी मॉडल का कार्यान्वयन; के. अपर्णा शर्मा, डीएसटी, 2 साल, 2018-2020, 19.75 लाख रुपए
17. ऐतिहासिक कारकों और जैव-भौतिकी तथा जैव रासायनिक मापदंडों के प्रासंगिक उपयोग के आधार पर भारतीय आबादी के लिए एक प्रीएक्लेम्पसिया पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने के लिए एक संभावित अध्ययन; के. अपर्णा शर्मा, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 3.5 लाख रुपये
18. दृश्य निरीक्षण और कोल्पोस्कोपी के परिणामस्वरूप वल्वल घाव में कोशिका संबंधी घाव की व्यापकता और एचपीवी किस्म; राजेश कुमारी, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 4 लाख रुपये

पूर्ण

1. उच्च जोखिम वाले रोगियों में प्री-एक्लेमप्सिया के विकास के लिए एक अग्रदर्शी और प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में प्लेसेंटल विकास कारक; ज्योति मीणा, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 4 लाख रुपये
2. सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए उभरते नए बायोमार्कर के रूप में एचआर-एचपीवी ऑन्कोजीन ओवर-एक्सप्रेशन की मात्रात्मक पहचान का मूल्यांकन, नीरजा भाटला, क्योर हेल्थ डायग्नोस्टिक्स, 4 साल, 2014-2019, 35 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तनाव मूत्र असंयम से ग्रस्त महिलाओं में ऑटोलॉगस रेक्टस फेशिया प्यूबोवैजाइनल स्लिंग और ट्रान्सऑब्ट्यूरेटर योनि टेप प्रक्रिया का एक तुलनात्मक अग्रगामी अध्ययन

2. यूरोडायनामिक रूप से सिद्ध एसयूआई वाले रोगियों में टीओटी बनाम रेक्टस फ़ेशिया प्यूबोवैजाइनल स्लिंग सर्जरी का तुलनात्मक अग्रगामी अध्ययन
3. अधिक सक्रिय मूत्राशय सिंड्रोम के उपचार में सॉलिफेनासिन और टॉल्टिरोडीन का तुलनात्मक अध्ययन
4. सर्वाइकल इंट्राएपीथेलियल नियोप्लासिया के मूल्यांकन के लिए पोर्टेबल ट्रांसवैजाइनल कोल्पोसोप और हैंड-हेल्ड कोल्पोस्कोप का क्रॉसओवर यादृच्छिक अध्ययन
5. क्रॉनिक पेल्विक दर्द में 5 मिमी टेलीस्कोप और 2.9 मिमी टेलीस्कोप की तुलना करने वाला एक अग्रगामी अध्ययन
6. ओवरएक्टिव मूत्राशय के उपचार के लिए डेरीफिनासिन बनाम मिराबेग्रोन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
7. उचित रूप से विकसित, गर्भकालीन उम्र और विकास प्रतिबंधित भ्रूणों के लिए छोटे भ्रूणों में भ्रूणीय कार्डियक प्रोफाइलिंग और पैरिनेटल परिणाम के साथ इसके संबंध का एक अग्रदर्शी अध्ययन
8. मानक देखभाल प्रोटोकॉल की तुलना में वेब आधारित अनुप्रयोग के आधार पर की गई प्रसवपूर्व देखभाल की गुणवत्ता की तुलना: एक अग्रगामी अध्ययन
9. सफल प्रसववेदना प्रेरण के पूर्वानुमान के लिए गर्भाशय ग्रीवा कतरनी वेव इलास्टोग्राफी, बिशप स्कोर, और ट्रांसवैजाइनल ग्रीवा लंबाई माप की तुलना: एक अग्रगामी अध्ययन
10. आईवीएफ-आईसीएसआई चक्र से गुजरने वाली पीसीओएस महिलाओं में नियंत्रित डिम्बग्रंथि उत्तेजना के लिए लेट्रोजोल प्लस गोनैडोट्रोपिन बनाम केवल गोनैडोट्रोपिन की तुलना-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
11. ओव्यूलेशन इंडक्शन और आईयूआई चक्र से गुजर रही पीसीओएस महिलाओं में मायोइनोसिटोल प्लस मेटफॉर्मिन बनाम मायोइनोसिटॉल की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
12. सीजेरियन में त्वचा क्लोज़र की तकनीक की तुलना
13. पेल्विक ऑर्गन प्रोलैप्स में मनोगत तनाव मूत्र असंयम के निदान के लिए विभिन्न तौर-तरीकों की तुलना
14. भ्रूण की सोनोग्राफिक रूप से मापी गई कोमल ऊतक मोटाई का सहसंबंध, नवजात शरीर की रचना के साथ
15. एशियाई भारतीय महिलाओं में जेस्टेशनल डायबिटीज़ मेलिटस के विकास के साथ पहली तिमाही के मेटाबॉलिक मापदंडों और मातृ शरीर के वसा सूचकांक का सहसंबंध - एक तुलनात्मक अध्ययन
16. स्त्रीरोग संबंधी सर्जरी से गुजरने वाली महिलाओं में एनहांस्ड रिकवरी आफ्टर सर्जरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता और व्यवहार्यता का मूल्यांकन
17. भ्रूण वृद्धि प्रतिबंधित गर्भावस्था में प्लेसेंटल इलास्टोग्राफी और प्लेसेंटल वेस्कुलराइजेशन इंडेक्स का मूल्यांकन: एक केस नियंत्रण अध्ययन
18. मूत्र असंयम वाली महिलाओं में यौन रोग विकार

19. उच्च जोखिम में पूर्व-एक्लेम्पसिया के पूर्वानुमान के लिए प्लेसेंटल वृद्धि कारक, गर्भाशय धमनी डॉपलर और 3डी पावर डॉपलर
20. समयानुकूल गर्भावस्था में सेरिब्रोप्लेसेंटल अनुपात द्वारा प्रतिकूल प्रसवकालीन परिणाम का पूर्वानुमान
21. सीए एंडोमेट्रियम में हर्ज़नर की व्यापकता और रोगसूचक महत्व
22. एनआईसीयू में भर्ती किए गए अपरिपक्व शिशुओं की माताओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं (चिंता, अवसाद और तनाव प्रतिक्रिया) की व्यापकता: एक वर्गगतीय अध्ययन
23. गर्भाशय के सुदम्य रोगों के उपचार के लिए 'थंडरबीट टैक्नोलॉजी', 'हारमोनिक एस' और 'लीगाश्योर डिवाइस' का प्रयोग करके अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन; एक अग्रगामी अध्ययन
24. प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों के पूर्वसूचक के रूप में मनो-सामाजिक तनाव और लिपिड प्रोफाइल
25. अन्य पारंपरिक नैदानिक तकनीकों की तुलना में महिला जननांग तपेदिक के निदान में जीन एक्सपर्ट की भूमिका
26. एशियाई भारतीय महिलाओं में केवल चिकित्सा पोषण थेरेपी की तुलना में गर्भकालीन मधुमेह मेलिटस के उपचार में मायो-इनोसिटोल की भूमिका: एक अग्रगामी अध्ययन
27. आईवीएफ-आईसीएसआई के दौर से गुजर रही पीसीओएस महिलाओं में नियंत्रित डिम्बग्रंथि उत्तेजना के लिए लेट्रोजोल प्लस गोनैडोट्रॉफ़िन बनाम केवल गोनैडोट्रॉफ़िन की तुलना करना- एक यादृच्छिक परीक्षण
28. गर्भावस्था में छोड़ी गई श्वास में कार्बन मोनोऑक्साइड स्तर का मूल्यांकन करना और मातृ एवं भ्रूण के परिणाम के साथ इसका सहसंबंध: एक अग्रगामी अध्ययन
29. एशियाई भारतीय महिलाओं में जेस्टेशनल मधुमेह मेलेटस के उपचार में मायोइनोसिटॉल की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक अग्रगामी अध्ययन
30. जांच में पाए गए गर्भावस्था प्रेरित उच्च रक्तचाप से ग्रस्त महिलाओं में प्री एक्लेम्पसिया की रोकथाम में कम खुराक वाली एस्पिरिन की भूमिका का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
31. इनफर्टाइल और फर्टाइल भारतीय महिलाओं में एफएसएच रिसेप्टर जीन पॉलीमॉर्फिम्स की व्यापकता का अध्ययन करना और आईवीएफ/आईसीएसआई से गुजरने वाले बांझ उपसमूह में डिम्बग्रंथि उत्तेजना की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।
32. आईवीएफ रोगियों में 3डी एंडोमेट्रियल वॉल्यूम और 2डी एंडोमेट्रियल मोटाई की भूमिका का अध्ययन करना
33. पॉलीसिस्टिक ओवेरी सिंड्रोम से ग्रस्त युवा एशियाई-भारतीय लड़कियों में क्लिनिको-हार्मोनल और चयापचय मापदंडों पर संयुक्त मौखिक गर्भ निरोधकों बनाम मायो-इनोसिटोल-डी-चीरो-इनोसिटोल संयोजन की भूमिका का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. तनाव मूत्र असंयम से ग्रस्त महिलाओं में बर्चकोल्पो सस्पेंशन और ट्रांसऑब्ट्यूरेटर योनि टेप प्रक्रिया का एक तुलनात्मक अध्ययन
2. एचआईवी पॉजिटिव और एचआईवी निगेटिव महिलाओं में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण और वल्वा तथा गर्भाशय ग्रीवा के कैंसरपूर्व घावों के प्रसार का तुलनात्मक अध्ययन
3. मेटफॉर्मिन बनाम इंसुलिन द्वारा जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस के उपचार का एक तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
4. पारंपरिक पैप स्मीयर और एचपीवी डीएनए परीक्षण द्वारा गर्भावस्था में समयानुवर्ती गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच की स्वीकार्यता और व्यवहार्यता का अध्ययन
5. ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासाउंड और एमआरआई द्वारा निचले खंड सीजेरियन निशान का आकलन
6. बांझ महिलाओं में संशोधित मिनी लैप्रोस्कोपी की तुलना में ऑफिस हिस्टेरोस्कोपी में चयनात्मक क्रोमो गड़बड़ी के साथ ट्यूबल पेटेंसी का आकलन
7. रोगसूचक गर्भाशय फाइब्रॉएड के उपचार में 2.5 एमजी बनाम 5 एमजी यूलिप्रिस्टल एसीटेट की प्रभावकारिता की तुलना
8. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों के एसिटिक द्रव में एंटरलेयुकिन-6 और वीईजीएफ के स्तर का मूल्यांकन
9. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा से ग्रस्त महिलाओं में एचई-4 और सीए-125 का मूल्यांकन
10. एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया और कार्सिनोमा में बायोमार्कर एक्सप्रैशन
11. जननांग तपेदिक में एंडोमेट्रियम, फैलोपियन ट्यूब और अंडाशय पर एंटीट्यूबरकुलर उपचार के प्रभाव संबंधी इंटरवेंशनल अध्ययन
12. एकध्रुवीय प्रणाली और द्विध्रुवीय प्रणाली का प्रयोग करके हिस्टेरोस्कोपिक मायोमेक्टोमी का अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
13. पहले कराई गई हिस्टेरेक्टॉमी वाली महिलाओं में वॉल्ट प्रोलैप्स के मूल्यांकन और मात्राकरण में एमआरआई की भूमिका
14. वॉल्ट प्रोलैप्स के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका और पीओपीक्यू वर्गीकरण तथा ऑपरेटिव निष्कर्ष के साथ इसका संबंध
15. आईवीएफ परिणाम के अल्प रेस्पोडरों में ट्रांसडर्मल टेस्टोस्टेरोन जैल पूर्व-उपचार की भूमिका - सक्रिय नियंत्रण के साथ अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
16. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम वाले दुबले बनाम अधिक वजन वाले रोगियों में इंसुलिन संवेदनशीलता और कार्डियो-संवहनी जोखिम कारकों के बीच संबंध का अध्ययन
17. ओवरएक्टिव ब्लैडर सिंड्रोम वाले रोगियों में टोलटेरोडाइन और सोलेफेनासीन की प्रभावकारिता की तुलना करना

18. रोगनिरोधी गर्भाशय मायोमा से ग्रस्त महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट बनाम यूलिप्रिस्टल एसीटेट की प्रभावकारिता की तुलना और उपचार बाद फॉलो-अप: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
19. ओवीआई और आईयूआई चक्र से गुजरने वाली पीसीओएस महिलाओं में मेटफॉर्मिन प्लस मायोइनोसिटोल बनाम केवल मेटफोर्मिन देने पर हार्मोनल और चयापचय परिणामों और इसके प्रजनन परिणामों की तुलना करना
20. एंडोमेट्रियोसिस से ग्रस्त महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट की तुलना में कैबर्जोलिन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
21. पुरुष कारक बांझपन में स्खलित शुक्राणु आईसीएसआई बनाम पर्क्यूटेनियस एपिडीडिमल शुक्राणु (पीईएसए आईसीएसआई) का प्रयोग करके आईवीएफ आईसीएसआई चक्रों के प्रजनन परिणाम का मूल्यांकन करना
22. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन साइकल (आईवीएफ-ईटी) के परिणाम में एंडोमेट्रियल स्क्रैचिंग की भूमिका का मूल्यांकन करना
23. तनाव मूत्र असंयम से ग्रस्त महिलाओं में विटामिन डी का स्तर और विटामिन डी पूरकता का प्रभाव

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर, जेपीएनएटीसी में बड़े पोस्ट-ट्रॉमेटिक रॉ एरिया वाले रोगियों में वैकल्पिक घाव ड्रेसिंग के रूप में एमनियोटिक झिल्ली की प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक अग्रगामी अध्ययन।
2. एआरटी, भारत सीरम फार्मास्यूटिकल्स, इंडिया के लिए, नियंत्रित डिम्बग्रंथि उत्तेजना के दौर से गुजर रहे रोगियों में आर-एचएमजी और एचपी-एचएमजी की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना के लिए एक यादृच्छिक, मुक्त लेबल वाले, मूल्यांकक-निरपेक्ष, समानांतर समूह, बहु-केन्द्रीय चरण III अध्ययन करना
3. उपचार से पहले और बाद में बैक्टीरियल वैजाइनोसिस से प्रभावित महिलाओं में योनि माइक्रोबायोम और मेटाबोलोम का विश्लेषण और पुनरावृत्ति या पुनर्भवन, डर्मेटोलॉजी और वीनरियोलॉजी के साथ सह-संबंध
4. डिम्बग्रंथि के कैंसर के रोगियों में मल्टी जीन पैनल परीक्षण के साथ बीआरसीए और गैर-बीआरसीए म्यूटेशनों का आकलन: एक सर्व-वर्गीय अवलोकन अध्ययन, आईआरसीएच
5. उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर और उसके नैदानिक महत्व में टी नियामक कोशिकाओं (एफओएक्सपी3) के एक्सप्रैशन के साथ एचआईपीईसी उपचार का संबंध, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
6. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम, प्रजनन जीव विज्ञान के बायोमार्कर

7. नॉर्मोक्सिया और हाइपोक्सिया, डीबीटी के तहत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और को-कल्चर सिस्टम में एमएससी और एमएपीसी की वैस्कुलराइजेशन क्षमता की तुलना करना
8. उप जिला अस्पताल, फरीदाबाद, हरियाणा में मध्यम से गंभीर एनीमिया से पीड़ित पोस्टपार्टम महिलाओं के हिमोग्लोबिन स्तर में सुधार के लिए इंट्रावीनस फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज़ (एफसीएम) की प्रभावशीलता - एक इंटरवेंशनल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा
9. हरियाणा, उत्तर भारत के उप-जिला अस्पताल में सामुदायिक चिकित्सा में भाग लेने वाली गर्भवती महिलाओं में मध्यम एनीमिया के उपचार में अंतःशिरा लौह सुक्रोज की प्रभावशीलता
10. एडोमेट्रियोसिस से जुड़े दर्द में एंडोमेट्रियल न्यूरोट्रॉफिक कारक और तंत्रिका फाइबर, आईसीएमआर
11. नॉनइम्यून हाइड्रोप्स फेटलिस (एनआईएचएफ), पीडियाट्रिक्स का एटिऑलॉजिकल मूल्यांकन
12. हाइपर-प्रोलैक्टोनीमिया/मैक्रो-प्रोलैक्टोनमिया, रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी की इटिओ-पैथोलॉजी
13. बांझ महिलाओं में जननांग टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
14. सर्वाइकल कैंसर के इलाज के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी 16) आधारित नैनोकैरियर्स का प्रयोग करते हुए सिस्प्लैटिन की बाहरी डिलीवरी, एम्स-आईआईटी-दिल्ली अंतर संस्थागत सहयोग अनुसंधान अनुदान प्रस्ताव, शरीर-रचना विभाग के साथ
15. समयपूर्व डिम्बग्रंथि विफलता के आनुवंशिक निर्धारक, प्रजनन जीव विज्ञान
16. दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गरीबी रेखा के नीचे की 9 से 15 वर्ष की बालिकाओं के बीच एचपीवी टीकाकरण: गर्भाशय ग्रीवा की प्राथमिक रोकथाम के लिए हस्तक्षेप, विकिरण अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच
17. जन्म के समय के वजन पर हाइपोक्सिया के प्रभाव की जांच- हाइपोक्सिया अनुकूलन और गर्भावस्था परिणाम अध्ययन (एचएपीएस), बाल चिकित्सा
18. महिला यौन विकारों संबंधी आईसीडी-11 श्रेणियां: भारतीय महिलाओं के बीच प्रस्तावित नैदानिक आईसीडी-11 दिशानिर्देशों की वैधता, विश्वसनीयता और उपयोगिता का मूल्यांकन, मनोचिकित्सा
19. चुंबकीय नैनोकणों और क्वांटम डॉट्स से युक्त कोशिका विज्ञान नमूने से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कोशिकाओं की चाक्षुष पुष्टि: ग्रामीण भारतीय स्थितियों के लिए एक किफायती, त्वरित और उपयुक्त परीक्षण, शरीर-रचना
20. पीसीओएस में चयापचय संबंधी असामान्यताएं और नींद संबंधी विकार, काय-चिकित्सा
21. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनम का आणविक मूल, शरीर क्रिया विज्ञान
22. एंडोमेट्रियल कैंसर के आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ सह-संबंध, विकृति विज्ञान
23. ह्यूमन पेपिलोमा वायरस ऑनकॉप्रोटीन ई6 और ई7 के लक्ष्य के रूप में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स, डीएसटी
24. प्री-एक्लेमप्सिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में एक औषधीय मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, शरीर-रचना

25. हाइपोक्सिया प्रेरित मस्तिष्क चोट के पशु मॉडल में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की भूमिका: ट्रांसलेशन के निहितार्थ: एचआईबीआई पहल, डीबीटी
26. आउट पेशेंट लैप्रोस्कोपिक ट्यूबल लिगेशन के लिए कम खुराक वाली इंट्राथिकल एनेस्थीसिया की सुरक्षा और प्रभावकारिता, संवेदनाहरण विज्ञान
27. विभिन्न वयस्क ऊतकों में बहुत छोटे भ्रूण जैसे स्टेम सेल (वीएसईएल) का अध्ययन करने के लिए मानक प्रचालन पद्धतियां, आईसीएमआर
28. डिम्बग्रंथि की कैंसर स्टेम कोशिकाओं में एमआईआरएनए के माध्यम से एसटीएटी3 विनियमन: एक चिकित्सीय दृष्टिकोण, प्रजनन जीवविज्ञान
29. एशियाई भारतीय नवजात रोगियों में हड्डी के द्रव्यमान का अध्ययन- एक अस्पताल-आधारित अध्ययन, अंत:स्राविकी और चयापचय
30. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस के जीनोम-वाइड ट्रैंस्क्रिप्शनल परिदृश्य का अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
31. सही परीक्षण और आवृत्ति का प्रयोग करके गर्भकालीन मधुमेह मेलेटस के इतिहास वाली महिला के लिए पोस्ट-पार्टम फॉलो-अप उपचार-नीति विकसित करना और उनके विचारों को शामिल करने के बाद रोगी केन्द्रित कार्यनीति विकसित करना, अंत:स्राविकी एवं चयापचय

पूर्ण

1. गर्भावस्था में आईएडीपीएसजी मानदंड/ओवर्ट डायबिटीज द्वारा गर्भकालीन मधुमेह मेलेटस के इतिहास वाली महिलाओं और उनके स्पाउसिज में ग्लूकोज सहिष्णुता के वितरण संबंधी अध्ययन। अंत:स्राविकी एवं चयापचय।
2. जननांग तपेदिक के उपचार पर एक अध्ययन: आरएनटीसीपी श्रेणी-I उपचार की प्रारंभिक सफलता के बाद 6 महीने में या 9 महीने पर उपचार बंद करने पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, केन्द्रीय टीबी डिवीजन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय।
3. जननांग पथ की खराबी से पीड़ित महिलाओं में नए ट्यूमर मार्कर (सीईए, सीए19.9 सीए 15.3) पर वर्गगतीय अध्ययन, आईएमआरजी, एम्स
4. जननांग पथ की खराबी से पीड़ित महिलाओं में विभिन्न पोषण मार्करों पर वर्गगतीय अध्ययन, आईएमआरजी, एम्स
5. लार में प्रोटियोमिक संकेत की भूमिका की खोज: डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए गैर-इनवेसिव डायग्नोस्टिक टूल की दिशा में कदम, आईसीएमआर
6. प्री-टर्म डिलीवरी के जोखिमों का आकलन करने के लिए गर्भावस्था के दौरान प्रीएक्लेम्पसिया/जेस्टेशनल हाइपरटेंशन और जेस्टेशनल डायबिटीज के रोगियों में विभेदित विनियमित मेटाबोलाइट्स और पाथवे की पहचान के लिए मेटाबॉलोमिक्स उपचार-नीति। इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीईबी)
7. बिना निदान वाले पेट दर्द से पीड़ित रोगी में चयापचय इमेजिंग की भूमिका, शल्य चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 50 शोध-सार: 3 पुस्तकों में अध्याय: 3 पुस्तकें: 1

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

कोलपोस्कोपी - 735

क्रायोथेरेपी - 26

थर्मल एब्लेशन - 15

एलईईपी - 15

सामुदायिक सेवाएं/शिविर

एओजीआईएन-इंडिया सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प - कल्याणमयी और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से

1. संगम विहार, नई दिल्ली - 26 मई 2018
2. चावड़ी बाजार, नई दिल्ली - 1 दिसंबर 2018
3. श्री निवास पुरी, नई दिल्ली - 29 दिसंबर 2018
4. कापसहेड़ा, नई दिल्ली - 13 फरवरी 2019

2018-2019 के दौरान रोगी देखभाल सेवाओं का विवरण

क्लीनिक	दिनों/सप्ताहों की संख्या	नए रोगी	पुराने रोगी
जनरल ओपीडी	6	36,691	99,958
उच्च जोखिम गर्भावस्था क्लीनिक	3	2,056	10,206
गायनी एंडोक्रिन क्लीनिक	3	27	242
गायनोकॉलोजिकल कैंसर क्लीनिक	2	795	3,617
आईवीएफ क्लीनिक	1	4,321	1,147
एएनसी	3	758	2,912
यूरो गायनी क्लीनिक	1	151	427
परिवार कल्याण क्लीनिक	6	4,789	4,011

मातृ स्वास्थ्य कार्य निष्पादन

सेवाओं का प्रकार	लाभान्वित गर्भवती महिलाओं की संख्या
टीटी पहली डोज	1,245
टीटी दूसरी डोज	1,097

जिन्हें आईएफए गोलियां दी गईं	2,308
जिनमें हाइपरटेंशन का पता (रक्तचाप >140/90) लगाया गया और उपचार किया गया	260
उपचार किए गए एक्लैम्पसिया मामले	90
हीमीग्लोबिन का परीक्षण किया गया	2,416
<11 हीमोग्लोबिन का उपचार किया गया	647
<7 हीमोग्लोबिन का उपचार किया गया	24
ओजीटीटी की जांच की गई	2,416
जीडीएम का उपचार किया गया	435
जीडीएम पॉजिटिव की स्थिति में इंसुलिन दी गई	128
सिफलिस के लिए पीओसी परीक्षण का प्रयोग करते हुए जांच की गई	2,416

2018-2019 के दौरान की गई लघु और बड़ी शल्यक्रियाओं की सूची

भ्रूण चिकित्सा

प्रोसीज़र	**जोड़**	**प्रोसीज़र**	**जोड़**
एमनियोसेंटेसिस	160	इंट्रायूटिराइन ट्रांसफ्यूजन	131
कॉर्डोसेंटिसिस	38	ओवेरियन सिस्ट एस्पिरेशन	57
कोरियोनिक विलस सैंपलिंग	274	अन्य	37
फीटल रिडक्शन	17		
कुल जोड़	**714**		

मिनिमली इनवेसिव (लघु शल्य-क्रिया)

प्रोसीज़र	**संख्या**	**प्रोसीज़र**	**संख्या**
अडेसियोलिसिस	4	केनुलेशन	3
सिस्टोस्कोपी + वैजाइनोस्कोपी	1	गोनाडेक्टोमी	1
डायग्नोस्टिक हिस्टैरोस्कोपी+ सिस्टोस्कोपी	1	डायग्नोस्टिक हिस्टैरोस्कोपी	1,381
डायग्नोस्टिक हिस्टैरोस्कोपी+ मॉक ईटी	28	हिस्टैरोस्कोपिक अडेसियोलिसिस	24
हिस्टैरोस्कोपिक आईयूसीडी रिमूवल	3	हिस्टैरोस्कोपिक मायोमेक्टोमी	30
हिस्टैरोस्कोपिक सेप्टल रिस्सेक्शन	19	हिस्टैरोस्कोपिक पॉलीपेक्टोमी	41
लेप्रोस्कोपिक ओवरियन एब्सिस ड्रेनेज	1	आईयूसीडी रिमूवल	4
लेप्रोस्कोपिक रूडीमेंटरी हॉर्न एक्सीजन	1	लेप्रोस्कोपिक ओवेरियन ड्रिलिंग	17
लेप्रोस्कोपिक सालपिंजेक्टोमी/क्लिपिंग	78	लेप्रोस्कोपिक सालपिंजेक्टोमी	10
बांझपन के लिए लैप्रोस्कोपी (ऑपरेटिव)	68	लैप्रोस्कोपी-डायग्नोस्टिक	733

मायोमेक्टोमी	1	मैश रिपेयर	1
ट्यूबोप्लास्टी	2	पॉलीपेक्टोमी	16
टोटल	**2,468**		

मिनीमली इनवेसिव (बड़ी शल्य क्रियाएं)

शल्य-क्रिया का नाम	**संख्या**
लैप्रोस्कोपी + एएफसी + पैरिटोनियल बीएक्स+ ओमेंटल बायोप्सी	1
पैल्विक लिंफेडिनेक्टोमी सहित	22
बी/एल लेप्रोस्कोपिक सेलपिंगो-ओफोरेक्टोमी (जोखिम घटाने वाली)	5
डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी + हिस्टेरोस्कोपी + रूडीमेंटरी होर्म एक्सीजन	3
हिस्टैरोस्कोपिक आईयूसीडी रिमूवल	7
हिस्टैरोस्कोपिक पॉलीपेक्टोमी	24
हिस्टैरोस्कोपिक सेप्टल रिस्सेक्शन	32
हिस्टेरोस्कोपी असिस्टिड वैजाइनोस्कोपिक सैप्टल रीसेक्शन	5
कार्सिनोमा ओवेरी के लिए इंटरवल डीबल्किंग	10
जैफकोट वैजाइनोप्लास्टी + वैजाइनल सेप्टल रीसेक्शन	1
लैप वीवीएफ रिपेयर + सिस्टोस्कोपी	2
लेप्रोस्कोपिक सिस्टेक्टोमी	152
लेप्रोस्कोपिक (आर) हेमी-हिस्टेरेक्टोमी	1
लेप्रोस्कोपिक एब्डोमिनल सर्कलेज	2
लेप्रोस्कोपिक अडेनोमायोमेक्टोमी	7
लेप्रोस्कोपिक बर्श कोलपो-सस्पेंशन	2
लेप्रोस्कोपिक सर्वाइको-वैजाइनोप्लास्टी	3
लेप्रोस्कोपिक सर्वाइको-वैजाइनोप्लास्टी/वैजाइनोप्लास्टी	2
लेप्रोस्कोपिक एक्स्ट्राफैशियल हिस्टेरेक्टोमी + बीएसओ+ पैल्विक/पैरा-आयोर्टिक लिंफेडिनेक्टोमी	1
लेप्रोस्कोपिक एक्स्ट्राफैशियल हिस्टेरेक्टोमी + बीएसओ+ बी/एलपैल्विक लिंफेडिनेक्टोमी	6
लेप्रोस्कोपिक गोनाडेक्टोमी	8
लेप्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी	74
लेप्रोस्कोपिक ओवेरियोटोमी	21
लेप्रोस्कोपिक रैडिकल हिस्टेरेक्टोमी (टाइप-सी) + बीएसओ+ बी/एल पैल्विक लिंफेडिनेक्टोमी	5
लेप्रोस्कोपिक रूडीमेंटरी हॉर्न एक्सीजन	7
लेप्रोस्कोपिक सैक्रोहिस्टेरोपैक्सी/सैक्रोकोल्पोपैक्सी	4

लेप्रोस्कोपिक सालपिंजेक्टोमी	19
लेप्रोस्कोपिक स्कार एक्टोपिक एक्सीजन	1
लेप्रोस्कोपिक ट्यूबल रीकेनुलेशन	3
लेप्रोस्कोपिक अडीनोमायोमेक्टोमी	1
लैप्रोस्कोपी + हिस्टेरोस्कोपी + सीयूटी रिमूवल	4
लैप्रोस्कोपी + रैडिकल हिस्टेरेक्टोमी + बीएसओ+ पैल्विक लिंफेडिनेक्टोमी	1
लैप्रोस्कोपी + हिस्टैरोस्कोपिक अडेसियोलिसिस	5
लैप्रोस्कोपी + पीडब्ल्यूसी + ओमेंटल बीएक्स	1
लैप्रोस्कोपी असिस्टिड वैजाइनोस्कोपिक सैप्टल रीसेक्शन	6
लैपरोटोमी + एक्स्ट्राफैशियल हिस्टेरेक्टोमी + बीएसओ+ पैल्विक/पैरा-आयोर्टिक लिंफेडिनेक्टोमी	11
लैपरोटोमी + रैडिकल हिस्टेरेक्टोमी + बीएसओ+ पैल्विक लिंफेडिनेक्टोमी	3
ओपल सालपिंजेक्टोमी	2
ओपल ट्यूबल रीकैनलाइजेशन	1
ओवरियन सर्जरीज	16
पैरीपार्टम हिस्टेरेक्टोमी	5
कार्सिनोमा ओवेरी के लिए प्राइमरी डीबल्किंग	20
सेकेंड लुक सर्जरी	1
सब-टोटल हिस्टेरेक्टोमी	1
टीएलएच±सालपिंजेक्टोमी	82
टीएलएच±यू/एल अथवा बी/एल साल्पिंगो ओफोरेक्टोमी	66
टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टोमी	25
टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टोमी + साल्पिंगो ओफोरेक्टोमी (यू/एल अथवा बी/एल)	9
टोटल लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टोमी	17
टोटल लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टोमी + सालपिंजेक्टोमी	4
ब्लैडर एंडोमेट्रियोमा लैप्रोस्कोपी का ट्रांसयूरेथ्रल रीसेक्शन+ हैमाटोमा ड्रेनेज + स्कार डेहिसेंस रिपेयर	1
यू/एल लेप्रोस्कोपिक साल्पिंगो ओफोरेक्टोमी	7
जोड़	**719**

रोबोटिक सर्जरी

प्रोसीज़र	**संख्या**	**प्रोसीज़र**	**संख्या**
हिस्टेरेक्टोमी	2	हिस्टेरेक्टोमी + यूएसओ/बीएसओ	1

जोड़	**3**		

ओपन एब्डोमिनल प्रोसीज़र

प्रोसीज़र	संख्या	प्रोसीज़र	संख्या
यूरो-गायनिकोलॉजिकल सर्जरीज	6	एब्डोमिनल स्लिंग सर्जरी	1
एब्डोमिनल सर्वाइको-वैजाइनोप्लास्टी	1	अडीनोमायोमेक्टोमी	7
एब्डोमिनल सैक्रोकोल्पोपैक्सी	8	बी/एलओवरियन ट्रांसपोजीशन	1
बर्श कोलपोसस्पेंशन	1	सीजेरियन मायोमेक्टोमी	4
सिस्टेक्टोमी/ओवेरियोटोमी यू/एल अथवा बी/एल साल्पिंगो-ओफेरेक्टोमी			28
एक्सप्लोरेटरी लैपरोटोमी + एलएसओ + बी/एल पीएलएनडी + इन्फ्राकोलिक ओमेंटेक्टोमी			1
एक्सप्लोरेटरी लैपरोटोमी + पीडब्ल्यूसी + पैरिटोनियल इनक्लूजन सिस्ट एक्सीजन			1
एक्सप्लोरेटरी+ ब्लैडर चोट मरम्मत के साथ बाउल रीसेक्शन एनास्टोमोसिस			2
एक्सप्लोरेटरी लैपरोटोमी + टीएएच + एलएसओ + बाउल रीसेक्शिन एनास्टोमोसिस + पैरिटोनियल और एब्डोमिनल लैइओमायोमा एक्सीजन			1
एक्स्ट्राफैशियल हिस्टेरेक्टोमी + बीएसओ+ बी/एल लिंफेडिनेक्टोमी	55	लैपरोटोमी + पैरिटोनियल वॉश साइटोलॉजी+ टीओ मास ड्रेनेज	1
फॉदरगिल्स रिपेयर	2	लेप्रोस्कोपिक डर्मोइड सिस्टेक्टोमी	7
हिस्टेरोटोमी	1	लेप्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी	19
कार्सिनोमा ओवेरी के लिए इंटरवल डीबल्किंग	80	लैपरोटोमी	1
बी/एल सहित लैपरोटोमी के बाद लैप्रोस्कोपी लैफ्ट यूरेटिरिक नियोइम्प्लांटेशन सहित लैफ्ट हैमेटोसैल्पिंक्स ड्रेनेज के साथ सिस्टोस्टोमी सहित एंडोमीट्रियोटिक सिस्टेक्टोमी			1
लैपरोटोमी + बी/एलरूडीमेंटरी हॉर्न एक्सीजन + ओवरियन सिस्टेक्टोमी + टीओ मास एक्सीजन			2
लैपरोटोमी + सर्कलेज	3	एक्टोपिक के लिए लैपरोटोमी	14
लैपरोटोमी + प्रोसीड	1	मिनीलेप लीगेशन	11
गोल लीगामेंट प्लिकेशन सहित संशोधित पुरंदरे स्लिंग सर्जरी	1	रेक्टस फैशिया प्यूबोवैजाइनल स्लिंग सर्जरी	1
मायोमेक्टोमी	74	ओपल मायोमेक्टोमी	13
पैल्विक हैमाटोमा ड्रेनेज	1	पुरंदरे स्लिंग सर्जरी	1
रैडिकल हिस्टेरेक्टोमी	18	रीकेनलाइजेशन	8
रेक्टीस फैशिया स्लिंग सर्जरी	1	कार्सिनोमा ओवेरी के लिए स्टेजिंग	72

		लैप्रोटोमी	
कार्सिनोमा ओवेरी के लिए स्टेजिंग लैप्रोटोमी (फर्टिलिटी स्पेयरिंग)	6	टीएएच ± यू/एल/बी/एल साल्पिंगो-ओफरेक्टोमी	105
टीएएच + सिस्टोसील रिपेयर+ बी/एल यूटेरोसेक्रल प्लिकेशन	1	टीएएच ± सालपिंजेक्टोमी	74
ट्यूबल रीकेनलाइजेशन	1	वैजाइनोप्लास्टी	6
कुल जोड़	**643**		

माइनर वैजाइनल प्रोसीज़र

प्रोसीज़र	**संख्या**	**प्रोसीज़र**	**संख्या**
सिस्टोसील रिपेयर	2	टीवीटी-ओ	8
लेबियल मास एक्सीजन	1	वैजाइनल सर्कलेज	4
मैकडोनाल्ड सर्कलेज	4	वैजाइनल सिस्ट एक्सीजन	1
रैक्टो वैजाइनल फिस्टूला रिपेयर	1	वैसिको वैजाइनल फिस्टूला रिपेयर	2
सिंपल वल्वेक्टोमी	3	वल्वल हैमाटोमा ड्रेनेज	1
वल्वल मास एक्सीजन	1		
जोड़	**28**		

मेज़र वैजाइनल प्रोसीज़र

प्रोसीज़र	**संख्या**	**प्रोसीज़र**	**संख्या**
क्लाइटोरोप्लास्टी	1	कंप्लीट पैरीनियल टीयर रिपेयर	2
सिस्टोस्कोपी एफ/बीवैजाइनल मास एक्सीजन	1	फॉदरजिल ऑपरेशन	1
हाइमेनोप्लास्टी	2	लेबियल मास एक्सीजन	3
लैबियोप्लास्टी	1	लेबियल सेपरेशन	1
लेप्रोस्कोपिक	1	मैलिग्नेंसी	2
मैकडोनाल्ड सर्कलेज	8	मैकइनडो वैजाइनोप्लास्टी	6
ओपल सैक्रोकोल्पोपैक्सी	1	प्यूबो वैजाइनल स्लिंग	3
रैडिकल वल्वेक्टोमी + बी/एल इनजुइनो फीमरल लिंफ नोड डिस्सेक्शन	10	मैलिग्नेंट मेलानोमा के लिए वल्वा का रैडिकल एक्सीजन	1
रैक्टो-वैजाइनल फिस्टूला रिपेयर	2	सैक्रोस्पिनस फिक्सेशन	7
वैजाइनल हिस्टेरेक्टोमी	8	वैजाइनल हिस्टेरेक्टोमी + पीएफआर	100
वैजाइनल वीवीएफ रिपेयर	1	वैजाइनोप्लास्टी	9

वैसिको वैजाइनल फिस्टूला रिपेयर(लैप)	1	वैजाइनोस्कोपी	1
जोड़	**173**		

अन्य शल्यक्रियाएं

सर्जरी	**संख्या**	**सर्जरी**	**संख्या**
3 स्वाब परीक्षण	6	एमनियोसेंटेसिस	21
एसिटिक फ्लूड टैपिंग	2	बारथोलिन सिस्ट एक्सीजन	26
बायोप्सी (सर्विकल/वैजाइनल/वॉल्ट/वल्वल)	84	बायोप्सी (वल्वल/सर्विकल/वॉल्ट)	16
सर्वाइकल पॉलीपेक्टोमी	13	कोनाइजेशन	9
कोरियोनिक विलस सैंपलिंग	27	सीयूटी रिमूवल और रीइनसर्शन	1
कोर डोसेंटेसिस	6	सीपीटी रिपेयर	11
सीएस स्कार एक्टोपिक एक्सीजन	3	सिस्ट एस्पिरेशन	47
सिस्टसील रिपेयर	1	सिस्टोस्कोपी	2
सिस्टोस्कोपी + वैजाइनोस्कोपी	1	ईए + ईसीसी	43
ईए + ईसीसी + पॉलीपेक्टोमी	52	ईयूए + सर्वाइको-वैजाइनोप्लास्टी	1
एनेस्थीसिया के तहत जांच	14	हाइड्रोसैलफिंक्स ड्रेनेज	1
इंट्रायूटिराइन ट्रांसफ्यूजन	6	लेबियलसिस्ट एक्सीजन	3
लैप सीएस स्कार एंडोमीट्रियोमा एक्सीजन	1	लैप्रोस्कोपी + टीओ मास एक्सीजन	1
लैप फिम्ब्रियोप्लास्टी	1	एलईईपी	14
मेलकोट्स चेंज	4	मेनुअल रिमूवल ऑफ प्लेसेंटा	1
मैश रिमूवल लेप्रोस्कोपिक	1	मैश रिमूवल	1
मिरेना इनसर्शन	104	एमओसीटी ईटी (केवल)	1
माउल्ड चेंज	48	पैप स्मीयर	21
पिगटेल चेंज	1	प्लूरोसेंटेसिस	1
पायोमेट्रा ड्रेनेज	34	रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन	2
रीस्यूचरिंग	42	स्कर एंडोमेट्रियोसिस एक्सीजन	5
सेलेक्टिव फीटल रीडक्शन	3	उपचारी डी एंड सी	2
ट्रांसवर्स वैजाइनल सैप्टम एक्सीजन और जैफकोट वैजाइनोप्लास्टी	2	ट्रांसवर्स वैजाइनल सैप्टम एक्सीजन	2
वीएसीसी ± सीयूटी	20	वूंड डीब्रिजमेंट	3
घाव पुन: सीना ± डीब्रिजमेंट	10		
जोड़	**721**		

2018-2019 के दौरान स्त्रीरोग विज्ञान ओपीडी में संपन्न प्रोसीज़र

लघु

ईए और ईसीसी:	1,577	डीएंडसी:	26
आईयूआई:	736	आयरन थेरेपी:	263
एनएसटी:	4,112		

मिरेना:	95	वीए + सीयू टी:	72
कोल्पोस्कोपी/क्रायो/एलईईपी:	652	ईए + एएफबी + पीसीआर:	2,701
एमटीपी की संख्या:	666	पैप स्मीयर:	6,235
मॉक ईटी:	264	ऑब्सट्रेटिक अल्ट्रासाउंड:	10,346
गायनी अल्ट्रासाउंड:	9,481	एफ फॉर्म यूएसजी:	3,824

प्रसव विवरण

मेज़र (एलएससीएस):	1,314	माइनर (वैजाइनल + फोरसेप्स):	1,102
कुल प्रसव:	2,416		

एआरटी सेंटर

ओवम पिक अप (ओपीयू):	547	फ्रैश एम्ब्रयो ट्रांसफर:	443
फ्रोजन एम्ब्रयो ट्रांसफर (एफईटी):	74	अन्य (सीए, फीटल रीडक्शन):	49
इन्ट्रा-यूटिराइन इनसेमिनेशन (आईयूआई):	196		
टोटल प्रोसीज़र:	1,309		

पोस्ट पार्टम प्रोग्राम

परिवार नियोजन के भिन्न-भिन्न तरीकों, पोस्ट पार्टम कार्यक्रम की उपलब्धियां

तरीके	पिछले वर्ष (2017-2018)	वर्तमान वर्ष (2018-2019)
सीयूटी	1,012	1,262
एमपीए इंजेक्शन पहली खुराक	57	118
एमपीए इंजेक्शन दूसरी खुराक	1	16
एमपीए इंजेक्शन तीसरी खुराक	1	8
एमपीए इंजेक्शन चौथी और अधिक	शून्य	4
मौखिक गोलियां	698 पैकेट	446 पैकेट
सीएचएवाईवाईए	शून्य	30

पारंपरिक गर्भनिरोधक	75,350 नग	75,500 नग
नसबंदी	648	676

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर सुनेश कुमार "यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक, गायनोकोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव मेडिसिन" के लिए पीयर रिव्यूअर रहे; वे, सदस्य, चिकित्सा अधिकारी के पद के लिए साक्षात्कार बोर्ड, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), नई दिल्ली; सदस्य, पीजीआई, चंडीगढ़ में स्त्रीरोग संकाय के चयन हेतु गठित चयन समिति; सदस्य, पीजीआईएमईआर, रोहतक में स्त्रीरोग संकाय के चयन हेतु गठित चयन समिति; सदस्य, प्रजनन चिकित्सा अनुसंधान पर आईसीएमआर समूह; सदस्य, आदर्श ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू), राजस्थान के लिए आईसीएमआर अनुसंधान सलाहकार समिति; सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, महिलाओं के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम के लिए **'रीच'** योजना को अंतिम रूप देने के लिए डीबीटी उप-समूह समिति; सदस्य, एम्स, नई दिल्ली में तकनीकी विनिर्देश/चयन समिति; सदस्य, एम्स, नई दिल्ली की स्टाफ काउंसिल समिति; सदस्य, आचार समिति, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर संबंधी उपसमिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; सदस्य, हेल्थकेयर गुणवत्ता और रोगी संचालन सलाहकार समिति संबंधी आईसीएमआर समिति; सदस्य, भारत में गुणवत्ता उपचार के कार्यान्वयन संबंधी आईसीएमआर टास्क फोर्स समिति; सदस्य, एम्स, नई दिल्ली में फैलोशिप कार्यक्रमों की समीक्षा समिति भी रहे हैं।

प्रोफेसर नीरजा भाटला: उनके विद्यार्थी विजयी रहे (i) फीगो शियन-तिएन-त्शु फैलोशिप 2018-XXII फीगो वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ गायनेकॉलोजी, रियो डी जनैरो, ब्राजील, डॉ. जयश्री नटराजन, 2018; (ii) पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रशस्ति पत्र, प्रथम वार्षिक एम्स अनुसंधान दिवस, डॉ. शायनी पय्यला, 2019; प्रोफेसर भाटला, अध्यक्ष, स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी समिति, फीगो (2015-2018), काउंसिल मेंबर, एशियन सोसाइटी ऑफ गाइनोकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी (2017-2019); महासचिव, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सर्वाइकल पैथोलॉजी एंड कोलपोस्कोपी (2017-2020) रहीं; उन्होंने, सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन पर प्रथम डॉ. एस के दास ओरेशन, नई दिल्ली, 14 अगस्त 2018 में व्याख्यान दिया; वे, (i) XXII फीगो वर्ल्ड कांग्रेस 2018, ब्राजील, सांइटिफिक ट्रैक-स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी की सदस्य; (ii) मध्य पूर्व और अफ्रीका 2018 की फीगो क्षेत्रीय कांग्रेस, संयुक्त अरब अमारात की सदस्य रहीं; (iii) एएसजीओ 5वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला गायनिकॉलोजी ऑन्कोलॉजी 2018, कोरिया की सदस्य रहीं; (iv) सह-अध्यक्ष, वैज्ञानिक समिति, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सर्वाइकल पैथोलॉजी एंड कोल्पोस्कोपी (आईएफसीपीसी) भारत 2020; (v) वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद; (vi) एचपीवी वैक्सीन, डब्ल्यूएचओ पर कार्य करने वाले विशेषज्ञों के सामरिक सलाहकार समूह (एसएजीई); (vii) सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पहल के लिए डब्ल्यूएचओ कार्य समूह; (viii) एमसीआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा नियुक्त पीजी/यूजी विशेषज्ञ समिति, भारतीय चिकित्सा परिषद; (ix) एचपीवी रोग के प्रसार की व्यवस्थित समीक्षा संबंधी एनटीएजीआई स्थायी तकनीकी उप-समिति; (x) डीजीएचएस की अध्यक्षता में एनपीसीडीसीएस के

लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति; (xi) अमेरिका के एनआईएच और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एनसीआई द्वारा विकसित ऑनलाइन स्क्रीनिंग मॉड्यूल/पाठ्यक्रम सामग्री की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समूह समिति; (xii) स्वास्थ्य देखभाल के विभिन्न स्तरों के लिए स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट वर्कफ़्लो (एसटीडब्ल्यू) के लिए विशेषज्ञ समूह की सदस्य, आईसीएमआर, एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; (xiii) एचपीवी टीकाकरण पर तकनीकी विशेषज्ञ समूह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण निदेशालय, पंजाब, चंडीगढ़; (xiv) टीकाकरण संबंधी राज्य तकनीकी सलाहकार समूह (एसटीएजीआई) -दिल्ली के एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम; (xv) कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए गठित तकनीकी विशेषज्ञ समिति, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में शामिल रही हैं।

प्रोफेसर वत्सला डढ़वाल एसईसी (प्रजनन और मूत्रविज्ञान) की सदस्य रहीं; वे एईएफआई समिति की सदस्य; एओजीडी की भ्रूण चिकित्सा और आनुवंशिकी उपसमिति की सदस्य; भ्रूण चिकित्सा जर्नल की सहायक संपादक; 7 फरवरी 2019 को नॉर्थ डीएमसी मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित संकाय साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ; 7 मार्च 2019 को आर्टेमिस अस्पताल, गुड़गांव में प्रसूति और स्त्री रोग में डीएनबी छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आहार संबंधी राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केन्द्र द्वारा 30 और 31 जुलाई 2018 को 'विवांता बाई ताज एम्बैसडर', नई दिल्ली में आयोजित एंटीनेटल केयर हैल्थ केयर डिलीवरी प्लैटफॉर्म में मातृ पोषाहार सेवाओं के सुदृढ़ीकरण संबंधी कार्यशाला (सुविधा और सामुदायिक स्तर पर पीएमएसएमए और एएनसी) में शामिल हुईं; चल रही (8) थीसिस के लिए सह-गाइड रहीं; पूर्ण हो चुकी (1) थीसिस के लिए सह-गाइड रहीं; 17 सितंबर 2018 (सोमवार) को शाम 5:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक "गर्भवती महिलाओं के पोषण" पर लाइव कार्यक्रम "डॉक्टर ऑन-लाइन" (लाइव फोन-इन) के लिए दूरदर्शन के कार्यक्रम में शामिल रहीं; 12 जनवरी 2019 (शनिवार) को शाम 5:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक "पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि रोग (पीसीओडी)" पर लाइव कार्यक्रम "हेल्थ शो" (लाइव फोन-इन) के लिए दूरदर्शन कार्यक्रम में शामिल रहीं।

प्रोफेसर जेबी शर्मा नवंबर 2018, नई दिल्ली में (i) एमआरसीओजी भाग 2 ओएससीई परीक्षा के लिए परीक्षक रहे; (ii) एमआरसीओजी भाग 1 और 2 परीक्षा 2 और 3 जुलाई 2018 को अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली के परीक्षक रहे; (iii) 26 जून 2018 को बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में एमएस प्रसूति रोग और स्त्रीरोग विज्ञान परीक्षा में परीक्षक रहे; चल रही (5) और पूर्ण हो चुकी (4) थीसिस के लिए मुख्य-गाइड रहे; पूर्ण हो चुकी (8) परियोजनाओं के लिए सह-गाइड रहे।

डॉ. के अपर्णा शर्मा ने विविध श्रेणी में शोधपत्र "ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ आयोर्टिक इस्थमस डॉपलर चेंजिस इन एप्रोप्रियएटली ग्रोन एंड स्मॉल फॉर जेस्टेशनल एज फीटसिस एंड एसोसिएशन विद पैरिनेटल आउटकम' की प्रस्तुति, 24 नवंबर, 2018 को एओजीडी, नई दिल्ली के 40वें वार्षिक सम्मेलन में करके गोल्ड मेडल प्राप्त किया; उन्होंने एफओजीएसआई-आईएईसी-सन इंटरनेशनल ट्रैवलिंग फैलोशिप, 2018-2019 प्राप्त की; 1 फरवरी 2019, को नोएडा में 'नॉर्थ जोन युवा फोगसी' में "लीडर ऑफ़ टुमॉरो अवार्ड"

प्राप्त किया; 1 फरवरी 2019 को नॉर्थ जोन युवा फोगसी, नोएडा में बीज व्याख्यान दिया; मातृ शिशु और नवजात स्वास्थ्य में सुधार के लिए क्यूईडी नेटवर्क की दूसरी बैठक 12-15 मार्च, इथियोपिया में भाग लेने के लिए उन्हें नामांकित किया गया; वे, भ्रूण चिकित्सा सोसायटी की कार्यकारी समिति के सदस्य; संयुक्त सचिव, एओजीडी; भ्रूण चिकित्सा और एओजीडी की आनुवंशिकी उपसमिति के सदस्य रहे; सहायक संपादक, 'जर्नल ऑफ फेटल मेडिसिन' रहे; जेएन मेडिकल कॉलेज, एएमयू, अलीगढ़ के लिए "स्वास्थ्य देखभाल में गुणवत्ता सुधार" पर एक विस्तार व्याख्यान के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया; उन्होंने एसईटी सुविधा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल बनाए और स्त्री रोग रोटेशन पोस्टिंग में स्नातकों के लिए हैंड्स-ऑन कौशल आधारित प्रशिक्षण आयोजित किया; उन्होंने प्रति योनि परीक्षा, सीयू-टी इनसर्शन, एपिसीओटॉमी मरम्मत के लिए मॉड्यूल तैयार किए; वे, संस्थान में गुणवत्ता सुधार गतिविधियों हेतु गठित मुख्य टीम का हिस्सा रहे। इसके एक हिस्से के रूप में उन्होंने, लेबर वार्ड में देखभाल की सामग्री में और देखभाल के अनुभव में सुधार के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं का संचालन किया: एलआर प्रलेखन, एलआर संचार, प्रसूति ओटी में सर्जिकल सुरक्षा चेकलिस्ट का कार्यान्वयन, भ्रूण चिकित्सा ओटी में सर्जिकल सुरक्षा चेकलिस्ट का कार्यान्वयन, 'बर्थ कंपेनियन' योजना का कार्यान्वयन; भारत सरकार द्वारा शुरू की गई 'लक्ष्य' लेबर रूम गुणवत्ता सुधार पहल के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय परामर्श समूह का वे हिस्सा रहे; पूरे देश में प्रसवपीड़ा कक्षों में 'लक्ष्य' के कार्यान्वयन के लिए गुणवत्ता सुधार पद्धति पर उन्होंने 50 से अधिक मेडिकल कॉलेजों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया; दूरस्थ सलाह के लिए निम्नलिखित वेबिनार आयोजित किए: दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में एमएनसीएच की गुणवत्ता में सुधार, 17 मई 2018; एसईएआरओ क्षेत्र में कोचिंग योजना के लिए वेबिनार: 5 जून 2018; 'लक्ष्य' मेडिकल कॉलेज रोल आउट के लिए अनुवर्ती वेबिनार; 24 अक्टूबर 2018 ।

डॉ. गरिमा कच्छावा ने नोएडा में आयोजित उत्तर क्षेत्र युवा फोगसी में 1-3 फरवरी 2019 को "रिस्क फैक्टर्स फॉर इन्ड्यूस्ड प्रीटर्म डिलीवरी इन प्रेगनेंट वीमन विद क्रॉनिक किडनी डिसीज: ए रिट्रोस्पेक्टिव एनालिसिस", (अंजू सिंह, गरिमा कच्छावा, निशा मलिक, रीता माहे, विदुषी कुलश्रेष्ठ, राजेश कुमारी, नीरजा भाटला, अलका कृपलानी) नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया और इसके लिए उन्हें तृतीय सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया; उन्हें 1 फरवरी 2018 से दो साल के लिए पोस्ट पार्टम कार्यक्रम की परियोजना सचिव बनाया गया; उन्होंने 32वें (16-21 अप्रैल 2018) और 33वें (4-9 जून 2018) डब्ल्यूएचआई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में न्यूनतम इनवेसिव स्त्रीरोग विज्ञान 2018, प्रसूति विभाग और स्त्री रोग विभाग, एम्स (कोषाध्यक्ष) का आयोजन किया; 15-17 जून 2018, को पुणे में गायनी एंडोक्रिनोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई) और पुणे ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनोकोलॉजिकल सोसाइटी (पीओजीएस) द्वारा आयोजित 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन 'गायनी एंडोक्रिनोलॉजी-जीईएसआईकॉन 2018' में वे आयोजन सचिव और संयुक्त कोषाध्यक्ष थीं; 'हिस्टेरोस्कोपी' 'प्री-कांग्रेस एओजीडी कार्यशाला, 22 नवंबर 2018 को एम्स, नई दिल्ली में दिल्ली के प्रसूति और स्त्री रोग विभाग और प्रसूति रोग एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों के संगठन द्वारा आयोजित की गई, जिसमें वे आयोजन सचिव थीं; उन्होंने जूनियर रेजिडेंटों के नैदानिक कौशल के मूल्यांकन के लिए एक मूल्यांकन प्रोफार्मा संकलित किया; वरिष्ठ रेजिडेंटों के लिए एक कौशल

संवर्धन प्रोफार्मा, उनकी शिक्षा को ट्रैक करने के लिए और विभाग में व्यक्तिगत स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विकसित किया; अनुसंधान सलाहकार समिति - परियोजना समीक्षा समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ: स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग की ग्रांट-इन-एड (जीआईए) योजना के तहत "जन्मजात विकृति और आनुवंशिकी, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, 'लो चाइल्ड सैक्स रेशियो और महिलाओं से संबंधित अन्य जेंडर और स्वास्थ्य समस्याओं" के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति; आईसीएमआर के माध्यम से नैदानिक अनुसंधान का संचालन करने वाली स्थानीय समन्वय/विशेषज्ञ समिति की सदस्य: 2014 से अब तक।

डॉ. पी वनमैल ने आईजेएमआर के लिए 10 पांडुलिपियों की समीक्षा की; वे, जैव रसायन विभाग से पीएच-डी उम्मीदवार के डीसी सदस्य रहे; प्रसूति रोग और स्त्रीरोग विज्ञान से पीएच-डी उम्मीदवार के डीसी सदस्य रहे; बायोस्टैटिस्टिक्स से पीएच-डी उम्मीदवार के सह-गाइड रहे; उन्होंने, काउंट डेटा/मशीन लर्निंग तकनीक के लिए सांख्यिकीय प्रविधियां' विषय पर इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टेटिस्टिक्स के 36वें वार्षिक सम्मेलन, 'निम्हांस, बेंगलुरु (1-3 नवंबर 2018) के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; एमडी/डीएम उम्मीदवारों के लिए सह-गाइड रहे: थीसिस पूर्ण: छह; जारी थीसिस: दस।

डॉ. विदुषी कुलश्रेष्ठ 'प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप ऑन एब्नॉर्मल यूटेराइन ब्लीडिंग' विषय पर 5वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस 'गायनी एंडोक्रिनोलॉजी- जीईएसकॉन 2018' की सह संयोजक रहीं, जिसका आयोजन गायनी एंडोक्रिनोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई) और पुणे ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनोकोलॉजिकल सोसाइटी (पीओजीएस), ने 15 जून 2018 को किया था। वे, हिस्टेरोस्कोपी पर सम्मेलन-पूर्व एओजीडी कार्यशाला की आयोजन सचिव रहीं, जिसका आयोजन प्रसूति विभाग और स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा और दिल्ली प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ एसोसिएशन द्वारा नई दिल्ली में 23 अगस्त 2018 को किया गया; 5वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस 'गायनी एंडोक्रिनोलॉजी- जीईएसकॉन 2018', जिसका आयोजन गायनी इंडोक्रिनोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई) और पुणे ऑब्सटेट्रिक्स एंड गाइनोकोलॉजिकल सोसाइटी (पीओजीएस) द्वारा 15 से 17 जून, 2018 तक पुणे में 'लेटरोजोल फॉर सक्सेसफुल मेडिकल मैनेजमेंट ऑफ सायटिका ड्यू टु एक्स्ट्रापेल्विक एंडोमीट्रियोसिस' विषय पर किया गया, में सर्वोत्तम पोस्टर के प्रथम रचनाकार के रूप में उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया; 'क्रोनिक किडनी रोग वाली गर्भवती महिलाओं में प्रेरित प्रीटर्म डिलीवरी के जोखिम कारक' विषय पर शोधपत्र के सह-लेखक के रूप में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के पुरस्कार से उन्हें सम्मानित किया गया - उत्तर क्षेत्र युवा फोगसी 2019, नोएडा में जिसका आयोजन उत्तर क्षेत्र युवा फोगसी, 2019 नोएडा द्वारा किया गया था; वे, निम्नलिखित के लिए सूत्रधार/संकाय सदस्य रहीं: संकाय, मेडिकल बोर्ड, एम्स - एम्स में एमबीबीएस के नए प्रवेशकों के लिए, बीएससी नर्सिंग, ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी पाठ्यक्रमों में चिकित्सा प्रौद्योगिकी के लिए, (2014 से आगे); वे फेसिलिटेटर रहीं - आईएसओपीएआरबी और आईएमएस दिल्ली चैप्टर के तत्वावधान में 30 जून 2018 को नई दिल्ली में सर गंगा राम हॉस्पिटल द्वारा आयोजित 'गुरुकुल क्लासिज इन सैशन ऑन कॉन्ट्रासेप्शन' में; गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) में: वे, विभाग की गुणवत्ता सुधार पहल में महत्वपूर्ण भूमिका में रहीं; एसईटी सुविधा टीम की सदस्य रहीं: उन्होंने 'स्किल मॉड्यूल फॉर कंडक्ट ऑफ वैजाइनल डिलीवरी फॉर यूजी टीचिंग' में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इसका परीक्षण 20-21 दिसंबर 2018 को 'ट्रायल-3' में किया गया; वे, 21-22 जनवरी 2019 को आयोजित, गुणवत्ता सुधार प्रविधि के लिए पीओसीक्यूआई मॉडल का उपयोग करते हुए मेडिकल कॉलेजों के लिए 'लक्ष्य' ओरिएंटेशन कार्यशाला सह प्रशिक्षण की फेसिलिटेटर रहीं।

डॉ. सीमा सिंघल, एओजीआईएन इंडिया 2018-2020 की संपादक और वेब संपादक रहीं; वे सदस्य फोगसी स्त्री रोग विज्ञान ऑन्कोलॉजी समिति; सदस्य, भारत के ड्रग कंट्रोलर के तहत प्रजनन और मूत्ररोग विज्ञान संबंधी विषय विशेषज्ञ समिति; सदस्य, एंडोमेट्रियोसिस समिति एओजीडी; समीक्षक, न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी, भारतीय प्रसूति और स्त्री रोग; आईएचआई प्रमाणित क्यूआई संकाय; डब्ल्यूएचओ-स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय- एलएसटीएम द्वारा आयोजित दक्ष उन्नत कौशल मॉड्यूल का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य रहीं; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित एलएसएएस पाठ्यचर्या का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य रहीं; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संशोधित ईमॉक पाठ्यचर्या का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य भी रहीं।

डॉ. ज्योति मीणा ने ईएसईटी सुविधा के माध्यम से यूजी शिक्षण के लिए सामान्य वैजाइनल डिलीवरी के संचालन के लिए कौशल मॉड्यूल का मसौदा तैयार किया।

डॉ. जूही भारती, 2-3 फरवरी 2019 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 'तीसरी फर्टिकॉन 2019' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला (सर्जिकल स्पर्म रिट्रीवल पर पहली लाइव कार्यशाला) की आयोजन सचिव थीं; उन्होंने, यूजी शिक्षण के लिए, ईएसईटी सुविधा के माध्यम से श्रोणि जांच और एपिसीओटॉमी मरम्मत के लिए कौशल मॉड्यूल का मसौदा तैयार किया।

डॉ. रोहिणी सहगल, 31 अक्टूबर 2016 से 31 अक्टूबर 2019 तक तीन वर्षों के लिए पीसी और पीएनडीटी अधिनियम 1994 के तहत दक्षिण जिले के लिए सलाहकार समिति की अध्यक्ष थीं; वे, दक्षिण जिला दिल्ली के लिए जिला मजिस्ट्रेट स्तर पर मातृ मृत्यु समीक्षा समिति में फोगसी प्रतिनिधि के रूप में सदस्य के रूप में शामिल रहीं।

9-25 vfLFkjkx

आचार्य एवं अध्यक्ष

राजेश मल्होत्रा

आचार्य

हीरा लाल नाग

रवि मित्तल

शाह आलम खान

विजय कुमार

सह-आचार्य

भावुक गर्ग

मोहम्मद ताहिर अंसारी

सहायक आचार्य

विजय कुमार दिग्गी

विक्रांत मंहास

विवेक शंकर

वेंकटेशन संपत कुमार

शिक्षा

सी.एम.ई. / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 6वां इंटरनेशनल जेरियाट्रिक आर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.) फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉनसेप्ट इन आर्थ्रोप्लास्टी (सी.सी.ए.) 2018, 6-9 सितम्बर 2018, ज.ला. सभागार, एम्स, नई दिल्ली
2. **जेरियाट्रिक ट्रॉमा केयर पर संगोष्ठी,** 6वां इंटरनेशनल जेरियाट्रिक आर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.) फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉनसेप्ट इन आर्थ्रोप्लास्टी (सी.सी.ए.) 2018, 6-9 सितम्बर 2018, ज.ला. सभागार, एम्स, नई दिल्ली
3. **जराचिकित्सा भौतिक चिकित्सा तथा पुनर्वास पर संगोष्ठी,** 6वां इंटरनेशनल जेरियाट्रिक आर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.) फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉन्फ्रेंस इन आर्थ्रोप्लास्टी (सी.सी.ए.) 2018, 6-9 सितम्बर 2018, ज.ला. सभागार, एम्स, नई दिल्ली
4. **जराचिकित्सा नर्सिंग पर संगोष्ठी,** 6वां इंटरनेशनल जेरियाट्रिक आर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.) फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉनसेप्ट इन आर्थ्रोप्लास्टी (सी.सी.ए.) 2018, 6-9 सितम्बर 2018, ज.ला. सभागार, एम्स, नई दिल्ली
5. **बुजुर्गों में अस्थि दुर्दमता पर संगोष्ठी,** 6वां इंटरनेशनल जेरियाट्रिक आर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.) फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉनसेप्ट इन आर्थ्रोप्लास्टी (सी.सी.ए.) 2018, 6-9 सितम्बर 2018, ज.ला. सभागार, एम्स, नई दिल्ली
6. **बुजुर्गों के पांवों एवं टखने पर संगोष्ठी,** 6वां इंटरनेशनल जेरियाट्रिक आर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ

इंडिया कॉन्फ्रेंस (जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.) फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉनसेप्ट इन आर्थ्रोप्लास्टी (सी.सी.ए.) 2018, 6-9 सितम्बर 2018, ज.ला. सभागार, एम्स, नई दिल्ली

7. **बुजुर्गों के हाथों पर संगोष्ठी,** 6वां इंटरनेशनल जेरियाट्रिक आर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.) फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉनसेप्ट इन आर्थ्रोप्लास्टी (सी.सी.ए.) 2018, 6-9 सितम्बर 2018, ज.ला. सभागार, एम्स, नई दिल्ली
8. **कैडेवर पाठ्यक्रम : घुटना, नितम्ब एवं ट्रॉमा,** 6वां इंटरनेशनल जेरियाट्रिक आर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.) फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉनसेप्ट इन आर्थ्रोप्लास्टी (सी.सी.ए.) 2018, 6-9 सितम्बर 2018, ज.ला. सभागार, एम्स, नई दिल्ली
9. **डी.ओ.ए.सी.ओ.एन. 2018,** 22-24 नवम्बर 2018, एम्स, नई दिल्ली
10. **यूनी टॉक यूनी-कम्पार्टमेंटल नी आर्थ्रोप्लास्टी : द स्टेट ऑफ द आर्ट,** दिनांक 23 मार्च 2019 को जे.पी.एन.ए.टी.सी., नई दिल्ली ।

प्रदत्त व्याख्यान

राजेश मल्होत्रा : 41 | **एच.एल. नाग :12** | **रवि मित्तल : 15**
शाह आलम खान : 8 | **विजय कुमार : 29** | **भावुक गर्ग : 26**
मोहम्मद ताहिर अंसारी : 23 | **विजय कुमार डी : 3** | **विक्रांत मंहास : 7**
विवेक शंकर : 4 | **वेंकटेशन सम्पत कुमार : 5**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 20

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वैकल्पिक सम्पूर्ण घुटना प्रतिस्थापन या सम्पूर्ण नितम्ब प्रतिस्थापन सर्जरी कराने वाले भारतीय लोगों में एपिक्साबैन की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण-IV, ओपन-लेबल, बहु-केन्द्रित अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, ब्रिस्टल-मायर्स स्क्वीब इंडिया प्रा.लि., 4 वर्ष, 2015-2019, रु.3.30 लाख
2. घुटना प्रतिस्थापन के कम्प्यूटर सहयोगात्मक संचालन बनाम परपंरागत सर्जिकल तकनीक में प्रणालीगत अम्बॉली की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रु.49 लाख
3. सिर पर जख्म लगे रोगियों में घाव भरने में ऑस्टियोजेनिक ह्यूमोरल कारकों का अध्ययन: रहस्य का उद्घाटन, विजय कुमार दिग्गी, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2018-2021, रु.50 लाख
4. मॉलक्यूलर इमेजिंग (पी.ई.टी.-सी.टी.) का इस्तेमाल करके एक्सट्रा स्पाइनल मसक्यूलोस्केलेटल ट्यूबरकुलोसिस में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन, शाह आलम खान, आई.सी.एम.आर, 2 वर्ष, 2017-2019, रु.33 लाख

5. बाल चिकित्सा अस्थि सरकोमा में निगरानी, शाह आलम खान, जीवदया फाउंडेशन, यू.एस.ए., 3 वर्ष, 2016-2019, यू.एस.डी. 15,000
6. भारतीय एवं पश्चिमी आबादी में ओस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्नों में अंतर को समझना : लक्षणों उपचार के विकल्प तथा उनके परिणाम पर प्रभाव, राजेश मल्होत्रा एवं विजय कुमार, डी.एस.टी.-यू.के.आई.ई.आर.आई., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.90 लाख
7. ऑपरेशन पश्चात् ऑर्थोपेडिक वेदना के रोगियों में एटोडोलाक इंजेक्शन की सुरक्षा एवं क्षमता का मूल्यांकन, विजय कुमार, आई.पी.सी.ए., 1 वर्ष, 2018-2019, रु.3 लाख
8. घुटना ओस्टियोआर्थराइटिस वाले और बिना इस रोग वाले समान उम्र के भारतीय लोगों में जेनेटिक और साइटोकाइन प्रोफाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, भावुक गर्ग, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.140 लाख
9. पोस्टमेनोपॉसल ओस्टियोपोरोसिस के उपचार में एन्जीन बायोसाइंसेज लिमिटेड के बायोसिमिलर डेनोसुमाब बनाम इनोवेटर डेनोसुमाब की सुरक्षा एवं क्षमता की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी, सक्रिय-नियंत्रित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, बहु-केंद्रित, चरण-III अध्ययन, भावुक गर्ग, अल्केम प्रयोगशाला लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018-2020, रु.8 लाख
10. नितम्ब अस्थि भंग के ओस्टियोपोरोटिक वयस्क एवं युवा रोगियों में संभावित अन्तरीय एम.आई.आर.एन.ए. व्यंजक पर एपिजेनेटिक सूक्ष्मदृष्टि, भावुक गर्ग, ए.ओ. ट्रॉमा एशिया पैसिफिक, 3 वर्ष, 2018-2021, रु.1.7 लाख
11. ट्रांसजेंडर आबादी में अस्थि स्वस्थता आकलन : एक प्रयोगात्मक अध्ययन, भावुक गर्ग, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017-2020, रु.72 लाख
12. ओस्टियोसार्कोमास के ट्यूमर सूक्ष्म-पर्यावरण में इम्यून चेकपॉइंट्स का मूल्यांकन, वेंकटेशन सम्पत कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रु.5 लाख

पूर्ण

1. सम्पूर्ण नितम्ब प्रतिस्थापन की आवश्यकता वाले लोगों में डेल्टा मोशन कप प्रणाली की सक्षमता तथा प्रदर्शन का नियंत्रण करने के लिए एक बहु-केन्द्रित, अग्रदर्शी, अनियंत्रित पोस्ट मार्केट क्लीनिकल फॉलो-अप अध्ययन (पी.एम.सी.एफ.एस.), राजेश मल्होत्रा, जॉनसन एवं जॉनसन मेडिकल इंडिया, 05 वर्ष, 2013-2018, रु.15.50 लाख
2. सम्पूर्ण घुटना आर्थ्रोप्लास्टी में पर्सोना घुटना प्रणाली को भावी, बहु-केन्द्रित परिणामों का अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, जिम्मर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2015-2018, रु.23.5 लाख
3. भारतीय पोस्टमेनुपोसल ओस्टियोपोरोटिक महिलाओं में प्राथमिकता, सुविधा, अनुपालन, स्थायित्व तथा अस्थि टर्न-ओवर मार्कर्स में वार्षिक जोलेन्ड्रोनिक एसिड बनाम साप्ताहिक एलेन्ड्रोनेट की तुलना, राजेश मल्होत्रा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2015-2018, रु.40 लाख
4. वॉल्यूमेट्रिक सीटी स्कैन तथा 3डी पुनर्रचना मॉडलों की सहायता से मेरूदंड विरूपता हेतु कम्प्यूटर सहायता-प्राप्त रोगी विशेष ओस्टियोटोमी तथा ड्रिल दिशानिर्देश विकसित करना, भावुक गर्ग,

डी.बी.टी., 4 वर्ष, 2015-2019, रु.50 लाख

5. ओस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए एलेन्ड्रोनेट तथा टेरिपेराटाइड के साथ उपचार के दौरान और इसके बाद अस्थि स्कैन बदलावों की तुलना, भावुक गर्ग, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2015-2018, रु.39.15 लाख
6. साधारण, पल्मोनरी, ओस्टियोमायलाइटिस तथा मेरूदंड ट्यूबरकुलोसिस वाले लोगों के बीच में साइटोकाइंस, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटिनेज तथा अस्थि मारकर्स की तुलना, भावुक गर्ग, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रु.9.99 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सम्पूर्ण घुटना प्रतिस्थापन का बड़ा कंसोल, छाया विहीन कम्प्यूटर सहायता प्राप्त संचालन बनाम एक्सिलेरोमीटर आधारित सुवाह्य संचालन तकनीक की तुलना करने हेतु एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक अध्ययन
2. मध्यवर्ती धुराग्र तथा पार्श्ववर्ती धुराग्र घुटने के बीच में नैदानिक, प्रतिदीप्तिदर्शी तथा विकिरणीय परिणाम की एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक नैदानिक परीक्षण
3. सम्पूर्ण नितम्ब प्रतिस्थापन का कम्प्यूटर सहायता प्राप्त संचालन बनाम फ्री हैंड सर्जिकल तकनीक की तुलना करने हेतु एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक अध्ययन
4. मेडिकल यूनिकम्पार्टमेंटल घुटना आर्थ्रोप्लास्टी में कम्प्यूटर संचालन की सहायता से प्रतिस्थापन स्थान तथा अंग संरेखण की सटीकता निर्धारण करना
5. डे कूरवेन की टेनोसिनोवाइटिस हेतु पुली मोचन तथा पूली पुन: निर्माण के परिणाम का आकलन करने हेतु डबल ब्लाइंड याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
6. पेटेला के विस्थापित विभंग हेतु प्लेटिंग के उपरांत कार्यकारी एवं विकिरण नैदानिक परिणाम
7. सम्पूर्ण घुटना आर्थ्रोप्लास्टी में स्वस्तिक प्रतिधारण बनाम पश्च स्थायीकरण में उच्च फॉरगॉटेन ज्वाइंट स्कोर
8. मोबाइल बियरिंग यू.के.आर. करा रहे भारतीय आबादी में आर.एस.ए. तथा निदान-विकिरणीय परिणाम का इस्तेमाल करके इमप्लांट माइग्रेशन विश्लेषण
9. पी.ई.टी.सी.टी. का इस्तेमाल करके एम.एस.के. ट्यूबरकुलोसिस में प्रतिक्रिया मूल्यांकन
10. मसक्यूलोस्केलेटल ट्यूबरकुलोसिस में मॉलक्यूलर इमेजिंग की भूमिका
11. इविंग सारकोमा में पी53, के.आई. 67 लेबल इंडेक्स, सी.एक्स.सी.एल. 12 कीमोकाइन तथा इसके प्राप्तकर्त्ता सी.एक्स.सी.आर.4 एवं सी.एक्स.सी.आर.7 का अध्ययन

पूर्ण

1. आर्थ्रोस्कोपिक एंटिरियर क्रुसिएट स्नायू पुन:निर्माण में गहन पुन:वाहिकावर्धन के आकलन में पी.ई.टी. स्कैन तथा परिवर्तनशील एम.आर.आई. की तुलना करते हुए एक संभावित अध्ययन
2. दुर्दम अस्थि ट्यूमर में एक्सट्राकॉर्पोरियल किरणन थेरेपी का जैव-यांत्रिक परीक्षण

3. जन्मजात हस्त भेदों का क्रियात्मक प्रभाव: कॉनजिनाइटल अपर लिम्ब डिफरेंसेस (सी.ओ.यू.एल.डी.) की शुरूआत एवं अनुरक्षण, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में पंजीकृत
4. टी.के.ए. प्रतिधारण करने वाले क्रुसिएट में प्रतिधारित पी.सी.एल. की मात्रा का परिमाणन तथा क्रियात्मक परिणाम पर इसका प्रभाव
5. ट्यूबरकुलोसिस मेरूदंड के संदिग्ध केस में सीटी निर्देशित त्वचीय बायोप्सी की भूमिका
6. डिसेक्टोमी का उपचार करा रहे युवा वयस्कों की तुलना में डिजेनरेटिव लम्बर कैनल स्टेनोसिस में स्नायू फ्लैवम की हिस्टोपाथोलॉजिकल तथा इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक विशेषताओं का अध्ययन
7. थोराकोलम्बर स्पाइन की ट्रामैटिक अस्थि भंग विस्थापन में स्थानीय संलवित अस्थि निरोप का प्रयोग करते हुए पश्च एवं पश्च-पार्श्व विसंपीडन तथा यांत्रिक अन्त: शारीरिक संयोजन के नैदानिक तथा विकरणीय परिणाम का अध्ययन
8. 30 वर्ष से कम उम्र के रोगियों में सम्पूर्ण नितम्ब प्रतिस्थापन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में आने वाले रोगियों में मसक्यूलोस्केलेटल ट्यूबरकुलोसिस का चित्रण एवं नैदानिक परिणाम, संक्रामक रोग
2. फलक संधि आर्थ्रोपैथी में डोर्सल रैमस का नैदानिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित लम्बार मध्यवर्ती शाखा खंड : प्रतिदीप्तिदर्शन द्वारा तकनीकी संभाव्यता तथा अधिप्रमाणन, एनेस्थेसिया
3. हार्डवेयर प्रतिरोपण के साथ क्लीन ऑर्थोपेडिक सर्जरी करा रहे रोगियों में सर्जिकल स्थान के संक्रमणों में संगठित हस्तक्षेप की प्रभावकता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सूक्ष्म जीवविज्ञान
4. डिस्क डिजेनरेटिव रोग में लम्बर अंतरावर्टीव्रल डिस्क का उत्तकविज्ञान तथा नैदानिक एवं विकिरण निदान खोजों के साथ इसका संबंध, प्रयोगशाला चिकित्सा
5. वृद्ध भारतीय रोगियों में प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जरी के परिणाम पर कमजोरी तथा जराचिकित्सा लक्षणों का प्रभाव, जराचिकित्सा मेडिसिन
6. नितम्ब के सहज विस्थापन में रोगी विशिष्ट तनाव विश्लेषण, आई.आई.टी., दिल्ली
7. पैरीटी परीक्षण, मैकमास्टर विश्वविद्यालय, कनाडा
8. संतुलित ओस्टियोआर्थराइटिस तथा मध्यवर्ती घुटना दर्द, कार्डियोवास्कुलर विकिरण निदान एवं एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन्स में ट्रांसकैथीटर धमनीय वाहिकारोध की सुरक्षा एवं क्षमता
9. भारतीय एवं पश्चिमी आबादी में ओस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्नों में अंतरों को समझना : लक्षणों, उपचार विकल्पों एवं उनके परिणाम पर प्रभाव, आई.आई.टी., आई.बी.आई.जी., डी.एस.टी. एवं ऑक्सफोर्ड, यू.के.

पूर्ण

1. दुर्दम अस्थि ट्यूमर में एक्सट्राकॉर्पोरियल किरणन थेरेपी का जैव-यांत्रिक परीक्षण, आई.आई.टी., दिल्ली

2. उर्ध्व अंग क्षति में उच्च आवृत्ति अल्ट्रासोनोग्राफी का इस्तेमाल करके कंडरा का परिमाणन, विकिरण विज्ञान
3. भारतीय आबादी में यूनीकम्पार्टमेंटल घुटना प्रतिस्थापन की सुरक्षा, उपयुक्तता एवं नैदानिक प्रभावकता, डी.एस.टी.-यू.के.आई.ई.आर.आई.

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 40 **सार : 3** **पुस्तकों में अध्याय : 5** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

माह	**कुल रोगी (ओ.पी.डी. + वार्ड रोगी)**	**मॉडेल्टी (ओ.पी.डी. रोगी)**	**योगा**
अप्रैल	6,385	15,375	82
मई	7,427	18,465	92
जून	6,259	14,952	76
जुलाई	6,832	15,270	53
अगस्त	5,429	15,708	75
सितम्बर	6,526	15,531	75
अक्टूबर	6,961	11,018	83
नवम्बर	5,769	14,049	69
दिसम्बर	7,004	12,492	73
जनवरी	6,689	15,174	82
फरवरी	6,009	13,644	55
मार्च	6,178	13,569	105
कुल योग	**77,468**	**1,75,247**	**920**

- गेट विश्लेषण प्रयोगशाला
- मॉड्यूलर स्टेट ऑफ द आर्ट ऑर्थोपेडिक ऑपरेशन थियेटर (7 नं.)
- जेनेटिक प्रयोगशाला
- प्रोफेसर एच.एल. नाग : प्रात: जनरल ओ.पी.डी. सप्ताह में दो बार
- प्रोफेसर एच.एल. नाग : दोपहर में 'स्पोर्टस क्लीनिक', सप्ताह में एक बार
- प्रोफेसर एच.एल. नाग : मेडिकल सेंटर, ज.ला. नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में दोपहर में चोटिल धावकों को देखना, सप्ताह में एक बार
- स्टेट ऑफ द आर्ट मॉड्यूलर ऑर्थो ओ.टी. परिसर की स्थापना
- ओ आर्म सुविधा
- मोहम्मद ताहिर अंसारी : मैं संस्थान में हस्त सर्जरी के विकास का एक हिस्सा हूँ। मैं प्रत्येक

बुधवार को विशेष क्लीनिक के रूप में एक हस्त क्लीनिक चलाता हूँ। इससे एम्स में एक विशेष क्षेत्र विकसित करने का अनोखा अवसर मिलता है।

- मोहम्मद ताहिर अंसारी : मैं उस टीम का हिस्सा हूँ जिसने ब्रैकियल प्लेक्सस क्षति रोगियों को विशेष उपचार सुविधा प्रदान करना प्रारम्भ किया है। मैं उस टीम से भी जुड़ा हूँ जो जे.पी.एन.ए.टी.सी., एम्स में एक अलग ब्रैकियल प्लेक्सस क्लीनिक चला रही है।
- डॉ. विजय कुमार डी : नियमित बाह्य रोगी एवं आन्तरिक रोगी उपचार के अलावा, मैं प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा के साथ विशेष क्लीनिक (फ्रैजिलिटी फ्रैक्चर क्लीनिक) से जुड़ा हूँ।
- डॉ. विक्रांत मंहास : बरन, राजस्थान में दिनांक 20 नवम्बर 2018 को अपविकसित घुटना समस्याओं से पीड़ित रोगियों के लिए नि:शुल्क परामर्श शिविर
- डॉ. विक्रांत मंहास : अस्थिरोग विभाग, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 1 जनवरी, 2019 को रक्तदान दिवस के दिन रक्तदान
- डॉ. विक्रांत मंहास : गरीब रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आर.ए.एन.) हेतु एम्स द्वारा गठित समिति का सदस्य
- डॉ. विवेक शंकर : नियमित बाह्य रोगी एवं आन्तरिक रोगी उपचार के अलावा, मैं डॉ. भावुक गर्ग के साथ स्पाइन क्लीनिक से जुड़ा हूँ।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा को आर.ओ.सी. (राणावत ऑर्थोपेडिक सेंटर) सत्रहवें शीत बैठक में, दिनांक फरवरी 22-23, 2019 को प्रस्तुत किए गए वर्गीकरण के एक उच्च प्रणाली के साथ सर्वश्रेष्ठ पत्र पुरस्कार आर्थ्रोप्लास्टी फॉर स्पेक्ट्रम ऑफ ट्रनियन फेल्योर इन टी.एच.ए.-एक व्यापक असफलता विश्लेषण के लिए 'के.टी. ढोलकिया अवार्ड' दिया गया; दिनांक 22-23 फरवरी, 2019 को आर.ओ.सी. (राणावत ऑर्थोपेडिक सेंटर) के सत्रहवें शीत बैठक में बड़े-कंसोल छायाहीन कम्प्यूटर सहायता प्राप्त संचालन बनाम एक्सिलेरोमीटर आधारित पोर्टेबल संचालन तकनीक की तुलना करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन के लिए श्रेष्ठ पत्र हेतु 'के.टी. ढ़ोलकिया अवार्ड' दिया गया; दिनांक 8 जुलाई 2018 को नई दिल्ली में "मिडकॉन 2018" में प्रस्तुत किए गए पोस्टर : "हिप ज्वाइंट के काइनमेटिक्स पर अनलोडर हिप ब्रेस के प्रभाव का मूल्यांकन" को श्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार दिया गया; राजभाषा कार्यान्वयन समिति, एम्स 2018 के सदस्य थे; एम्स-आई.आई.टी. दिल्ली समझौता ज्ञापन 2019 के लिए संचालन समिति के सदस्य; खराब / असुरक्षित / लाइसेंस की शर्तों के अनुसार न पाए गए चिकित्सीय यंत्रों के कारण क्षति या मृत्यु होने की स्थिति में क्षतिपूर्ति का प्रावधान शामिल करने हेतु मेडिकल यंत्र नियमावली (एम.डी.आर.) में संशोधन करने के प्रस्ताव पर विचार के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित बोर्ड के सदस्य; भारत में विश्व स्तरीय ट्रॉमा एवं आपातकालीन सेवाएं विकसित करने के लिए स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित कोर ग्रुप के सदस्य; सलाहकार, विशेषज्ञ सदस्य, संपादक मंडल : एनल्स ऑफ नेशनल एकाडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत) 2018-2021; जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक एवं ट्रॉमा के संपादक थे; 2018 में सम्पूर्ण नितम्ब ऑर्थ्रोप्लास्टी के संशोधन हेतु भारत में पहली बार 3डी मुद्रित के सदस्य; दिनांक 10 सितम्बर, 2018 को हिन्दी पखवाड़ा के दौरान सभागार, एम्स, नई दिल्ली में हिन्दी निबंध लेखन के निर्णायक; दिनांक 30 अक्टूबर 2018 को डी.टी.यू., नई दिल्ली में इंडियन रोड सेफ्टी कैम्पेन (आई.आर.एस.सी.) तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के द्वारा आयोजित 'आई सेफ मेगा कार्यक्रम' में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित; दिनांक 9-10 दिसम्बर, 2018 को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन (एन.बी.ई.) के द्वारा संचालित अपोलो अस्पताल, नवी मुम्बई में ऑर्थोपेडिक सर्जरी विभाग में डी.एन.बी. की शुरूआत के लिए आकलनकर्त्ता; सभापति, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (2019-2020); मुख्य अतिथि, ओ.ओ.ए.सी.ओ.एन. 2019; दिनांक 12 जनवरी 2019 को समारोह का उद्घाटन किया; डी.बी.टी. के अन्तर्गत बायोमेडिकल इंजीनियरी तथा बायो-डिजाइन (यंत्र, निदान एवं रोपण) पर गठित तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सह-अध्यक्ष थे ।

प्रोफेसर हीरा लाल नाग ने इंदौर में "ए.सी.एल. सर्जरी : अतीत, वर्तमान एवं भविष्य" पर डॉ. बी.बी. ओहरी व्याख्यान दिया; मानव अधिकार समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे; ई.एच.एस. सलाहकार समिति के सदस्य; जयपुर एवं लखनऊ में 'ए.सी.एल. पुनर्रचना" का प्रत्यक्ष सर्जिकल प्रदर्शन; 'आर्थ्रोस्कोपिक बैंकार्ट रिपेयर" का कैडेवरिक सर्जिकल प्रदर्शन, ई.एस.आई.सी. मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद; भारतीय खेल प्राधिकरण के लिए मानद सलाहकार; नियुक्त सदस्य, अस्पताल प्रबंधन बोर्ड; नामित सदस्य, सर्जिकल वस्तुओं का तकनीकी विशिष्टता चयन समिति; सिलचर, सिलीगुड़ी तथा जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुडुचेरी में एम.एस. परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक; उप-सभापति, ऑर्थोपेडिक रिसर्च सोसाइटी, एम्स; सदस्य, भंडार खरीद समिति, एम्स; विशेष घटनाएं : बाह्य विशेषज्ञ, संकाय चयन हेतु साक्षात्कार मंडल, अस्थि विज्ञान विभाग, आई.जी.आई.एम.एस. पटना; अस्थि विज्ञान एकक-II के एकक प्रभारी तथा समय-समय पर अस्थिविज्ञान विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष; संकाय प्रभारी, अस्थिविज्ञान ओ.टी.; बाह्य विशेषज्ञ, स्थायी चयन समिति, संकाय चयन, अस्थिविज्ञान विभाग, एम्स, भोपाल, एम्स, रायपुर, एम्स, ऋषिकेश एवं एम्स, गोरखपुर; बाह्य विशेषज्ञ, प्रोफेसर एवं सहायक प्रोफेसर के चयन हेतु साक्षात्कार मंडल, ई.एस.आई.सी. मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद, हरियाणा; सदस्य, चयन मंडल, वरिष्ठ रेजीडेंटों के चयन हेतु, एम्स, ऋषिकेश; विशेषज्ञ सदस्य अस्थिरोग प्रतिरोपण हेतु भारतीय मानक ब्यूरो; विश्वविद्यालय कॉलेज लंदन जाने वाली टीम के सदस्य; बाह्य विशेषज्ञ, बोर्ड ऑफ स्टडीज़ बैठक, एम्स, ऋषिकेश; एस.आई.सी. सफदरजंग के विशेष लेखा-परीक्षा हेतु समिति के सदस्य; विशेषज्ञ, लोकसभा टीवी 'विश्व ओस्टियोपोरोसिस दिवस' तथा "अस्थि एवं संधि उपचार" पर कार्यक्रम में; विशेषज्ञ, दूरदर्शन टी वी, विश्व अशक्तता दिवस तथा आपात रोगी परिवहन व्यवस्था हेतु; सदस्य, स्नातकपूर्व विशेषज्ञ समिति, एम.सी.आई.; सदस्य, साक्षात्कार मंडल, स्पोर्ट्स मेडिसिन फेलो के चयन हेतु, अस्थिविज्ञान विभाग, एम्स, अध्यक्ष, जांच समिति बैठक, आर.एम.एल. अस्पताल, नई दिल्ली।

प्रोफेसर विजय कुमार उत्तर क्षेत्र अस्थिविज्ञान संगठन के संयुक्त सचिव चुने गए; दिनांक 7 सितम्बर, 2018 को एम्स, नई दिल्ली में 6वें इंटरनेशनल गेरियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस, फ्रेजाइलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (भारत) तथा करेंट कॉनसेप्ट इन ऑर्थ्रोप्लास्टी 2018 के संयुक्त बैठक के दौरान "वॉक फॉर एल्डर्ली" आयोजित किया; दिनांक 23 जून से 2 जुलाई, 2018 को डी.एस.टी. यू.के.आई.ई.आर.आई. परियोजना "भारतीय एवं पश्चिमी आबादी में ओस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्नों के अंतरों को समझना : लक्षणों, उपचार विकल्पों तथा उनके परिणामों पर प्रभाव" के अन्तर्गत लीड्स विश्वविद्यालय गए।

डॉ. भावुक गर्ग को 40 वर्ष से कम उम्र में डी.ओ.ए. सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन सम्मान मिला; वर्ल्डवाइड एचीवर हेल्थकेयर पर्सनालिटी ऑफ द ईयर : ऑर्थोपेडिक सर्जन अवार्ड 2018; सदस्य, एस.आर.एस. सी.एम.ई. समिति; ए.ओ. स्पाइन अंतर्राष्ट्रीय संकाय बने; आई.ए.एस.ए. विजिटिंग फेलोशिप, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुईस, 10-18 मई 2018; हांगकांग में आई.ओ.ए.-एच.के.ओ.ए. राजदूत 2018; सदस्य, कार्यकारी समिति, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन्स ऑफ इंडिया; सदस्य, कार्यकारी समिति, दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन; सदस्य, कार्यकारी समिति, आई.ओ.ए. का उत्तरी क्षेत्र भाग, रहे।

डॉ. मोहम्मद ताहिर अंसारी हस्त शल्य-चिकित्सा में यूरोपियन डिप्लोमा थे।

डॉ. विजय कुमार दिग्गी को फरवरी 2019 में नई दिल्ली में राणावत ऑर्थोपेडिक कॉन्फ्रेंस में <40 वर्ष उम्र श्रेणी में के.टी. ढ़ोलकिया बेस्ट पेपर अवार्ड मिला; सिंगापुर जनरल अस्पताल (एस.जी.एच.), सिंगापुर में स्पोर्ट्स मेडिसिन एवं आर्थ्रोस्कोपी (अक्टूबर 2018-अप्रैल 2019) में फेलोशिप; नेविगेटेड नी आर्थ्रोप्लास्टी (एस.आई.सी.ओ.टी.) में एस.आई.सी.ओ.टी. फेलोशिप पुरस्कार मिला; सिंगापुर में जनवरी में बी.सी.एल.एस. कोर्स किया; दिनांक 6-9 सितम्बर 2018 को नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त बैठक सी.सी.ए.-जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.-एफ.एफ.एन. इंडिया हेतु राष्ट्रीय संकाय; 'एंकल' और 'फुट सेशन' के संयोजक तथा दिनांक 7 सितम्बर 2018 से नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त बैठक सी.सी.ए.-जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.-एफ.एफ.एन. इंडिया हेतु राष्ट्रीय संकाय; दिनांक 6-9 सितम्बर 2018 को एम्स, दिल्ली में आयोजित बैठक सी.सी.ए.-जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन. में नेविगेटेड आर्थ्रोप्लास्टी पर एक सत्र की अध्यक्षता की; अप्रैल 2018 में पुणे में पुणे नी कोर्स (पी.के.सी.) आयोजित हुआ; अगस्त 2018 में वड़ोदरा में इंडियन फुट एंड एंकल एसोसिएशन एनुअल कॉन्फ्रेंस (आई.एफ.ए.एस.सी.ओ.एन.) आयोजित हुआ; अक्टूबर 2018 में कालिकट में इंडियन आर्थ्रोस्कोपी एसोसिएशन एनुअल कॉनफ्रेंस (आई.ए.एस.सी.ओ.एन.) आयोजित हुआ; फरवरी 2019 में दिल्ली में आयोजित राणावत ऑर्थोपेडिक कॉन्फ्रेंस (आर.ओ.सी.) में प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हुए; अप्रैल में सिंगापुर में आयोजित 'एडवांस्ड शोल्डर आर्थ्रोस्कोपी एवं आर्थ्रोप्लास्टी' में उपस्थित हुए ।

डॉ. विक्रांत मंहास दिनांक 6-7 सितम्बर 2018 को एम्स, नई दिल्ली में जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.-एफ.एफ.एन.-सी.सी.ए. 2018 में 'जेरियाट्रिक फुट एंड एंकल सिम्पोजियम' सत्र के संयोजक थे; एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 6-7 सितम्बर 2018 को जी.ओ.एस.आई.सी.ओ.एन.-एफ.एफ.एन.-सी.सी.ए. में नेविगेटेड

टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी कैडेवरिक कार्यशाला; डी.ओ.ए. बेसिक ट्रॉमा कोर्स में लैग स्क्रू एक्सरसाइज, बाह्य फिक्सेटर तथा डी.एच.एस. पर कार्यशाला के संयोजक थे ।

डॉ. विवेक शंकर डी.ओ.ए.सी.ओ.एन. 2018, 22-24 नवम्बर 2019, नई दिल्ली के सह-आयोजक सचिव थे; आई.आई.टी., नई दिल्ली में अतिथि विशेषज्ञ (अस्थिरोग) ।

डॉ. वेंकटेशन सम्पत कुमार दिनांक 17 एवं 24 जून 2018 के बीच "ए.पी.ओ.ए.-गंगा हॉस्पिटल ट्रैवलिंग ट्रॉमा फेलोशिप" पर गंगा अस्पताल, कोयम्बटूर गए थे ।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. अनन्त महापात्रा, आयरलैंड, 10 मई 2018
2. डॉ. देबकांत जेना, कनाडा, 30 जुलाई 2018
3. डॉ. राबर्ट हार्वे, यू.के., 19 सितम्बर 2018
4. डॉ. अमित झाला, चिरायु अस्पताल, अहमदाबाद, 18 जून 2018
5. डॉ. देबकांत जेना, यू.एस.ए., 30 जुलाई 2018

9-26 ukd] dku ,o xyk jkx foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुरेश चंद्र शर्मा

आचार्य

आलोक ठक्कर | राकेश कुमार

सह-आचार्य

कपिल सिक्का | चिरोम अमित सिंह

सहायक आचार्य

राजीव कुमार	प्रेम सागर	डेविड विक्टर कुमार इरुगु
अरविंद कैरो	शुचिता सिंह पचौरी	हितेश वर्मा

विशिष्टताएं

विभाग ने अपने स्वयं के छात्रों को और प्रतिनिधियों व पर्यवेक्षकों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की अपनी गतिविधियाँ जारी रखीं। विभाग ने इस वर्ष में 11 बड़ी और लघु कार्यशालाएं आयोजित कीं। विभाग ने 'सिर और ग्रीवा सर्जरी' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की मेजबानी की, जिसमें प्रतिनिधियों के लिए कैडेवरिक प्रदर्शन, विच्छेदन और लाइव सर्जरी प्रदर्शन शामिल था। विभाग ने कैडवेरिक और लाइव लैरींगोलॉजी, फेशियल प्लास्टिक सर्जरी, कान सर्जरी, कोक्लेयर इम्प्लांट और टीओयूएसएस कार्यशालाओं का भी संचालन किया। विभाग ने 'दा विंसी' रोबोटिक प्रणाली का प्रयोग करते हुए निशान-रहित रोबोटिक थायराइड सर्जरी कार्यक्रम शुरू किया है।

शिक्षा

एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों के लिए औपचारिक व्याख्यान छठे और आठवें सेमेस्टर में आयोजित किए जाते हैं और ये व्याख्यान 1-1 घंटे के होते हैं। स्नातक छात्रों को रोटेशन के आधार पर 2 महीने की कुल अवधि के लिए ईएनटी विभाग (ओपीडी और वार्ड) में तैनात किया जाता है। यहां पर वे बुनियादी ईएनटी जांच करना सीखते हैं, आम ईएनटी रोगों का निदान करने और संचार कौशल सहित प्राथमिक प्रबंधन सीखने के तौर-तरीकों से परिचित होते हैं। नैदानिक प्रशिक्षण के अंतर्गत निम्नलिखित घटक शामिल होते हैं:

1. कान, नाक और गले की उचित जांच सहित ईएनटी के नैदानिक पहलुओं के परिचय पर दो कक्षाएं
2. ईएनटी की आम बीमारियों के बारे में बेड साइड शिक्षण और केस चर्चा जैसे सीएसओएम, डीविएटिड नेज़ल सेप्टम, नाक पॉलीप्स, स्वरयंत्र कैंसर, आदि।
3. ईएनटी प्रैक्टिस में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले ईएनटी उपकरणों और एक्स-रे की जानकारी
4. आमतौर पर की जाने वाली ओपीडी प्रक्रियाओं जैसे नाक की पैकिंग, कान की पैकिंग, कॉटेरी, आदि।

5. चुनिंदा ऑपरेटिव प्रक्रियाओं जैसे ट्रेकियोस्टोमी, टॉन्सिलैक्टॉमी, सेप्टोप्लास्टी, नेज़ल पॉलिपेक्टोमी आदि का प्रत्यक्ष परिचय।
6. निवारक ओटोलॉजी और सिर और गर्दन का कैंसर

नाक, कान और गला रोग विभाग की पोस्टिंग पूरी होने तक विद्यार्थी निम्नलिखित में सक्षम हो जाते हैं:

1. कान, नाक और गले की सामान्य समस्याओं की जांच और निदान करना
2. रोगी के निदान और प्रबंधन के लिए सामान्य जांच प्रक्रियाओं की सलाह देना और उनकी व्याख्या करना
3. मरीज का इलाज करते समय प्राथमिक ईएनटी सेंटर में सामान्य ईएनटी और सिर तथा गर्दन की समस्याओं का इलाज करना
4. विभिन्न लघु शल्यचिकित्सा प्रक्रियाओं जैसे कि ईयर सिरिंजिंग, नाक पैकिंग और बायोप्सी प्रक्रिया को करने का प्रशिक्षण प्राप्त करना
5. जनता के सामान्य मार्गदर्शन के लिए निवारक ओटोलॉजी और सिर और गर्दन के कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करना।

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए प्रमुख लक्ष्य रोगी उपचार, शिक्षण, अनुसंधान क्षमता और टीम वर्क है। पीजी छात्रों को सेमिनार/शोधपत्र, शोध लेखन की प्रस्तुति करनी होती है और नैदानिक निर्णय लेने की क्षमता और प्रबंधन विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। स्नातकोत्तर छात्र किसी संकाय सदस्य/वरिष्ठ रेजिडेंट की देखरेख में बड़ी और छोटी शल्यक्रियाएं करते हैं। उन्हें स्वतंत्र रूप से बड़े और छोटे ऑपरेशन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान, ऑडीओलॉजी सेक्शन और वेस्टिबुलर लेबोरेटरी के संपर्क सहित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में तैनाती दी जाती है। उन्हें वार्ड में बैड-साइड पूर्व-वृत्त जानने, ओटी एक्सपोज़र, कैजुअल्टी, आईसीयू आवश्यकताओं के बारे में सीखना होता है और न्यूरोसर्जरी/एनेस्थीसिया जैसे संबंधित विषयों के स्थानों पर उनकी विजिट कराई जाती है। अन्तरंग (चिकित्सा, प्री-ऑपरेटिव और पोस्ट-ऑपरेटिव) रोगियों की देखभाल करनी होती है। ऑपरेशन थिएटर और आपातकालीन प्रचालनों में भाग लेना होता है। अन्य विभागों से आने वाली कॉल लेने/परामर्श प्रदान करने के लिए वरिष्ठ सहयोगियों के साथ वार्ड का और अन्य वार्डों का दौरा करना होता है। सेमिनार/जर्नल क्लब में दोपहर में आयोजित स्पेशियलिटी क्लीनिक में, बेडसाइड नैदानिक पहलू समझने के लिए वार्ड में शिक्षण सत्र में भाग लेना होता है और विभाग के रोस्टर के अनुसार आपातकालीन ड्यूटी करनी होती है। स्नातकोत्तर छात्रों को संकाय के मार्गदर्शन में शोध कार्य भी करना होता है।

विभाग के अंतर्गत एम-सीएच सिर और गर्दन सर्जरी का सुपरस्पेशियलिटी कोर्स और स्कल बेस सर्जरी में फैलोशिप का संचालन भी किया जाता है। एम-सीएच रेजिडेंट्स की ड्यूटी संबंधित स्पेशिएलिटी की ओपीडी, ओटी में भी लगाई जाती है और वे विकिरण ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी, न्यूरोसर्जरी आदि विभागों के साथ संयुक्त रूप से शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। एम-सीएच रेजिडेंट और स्कल बेस फैलो को भी संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने के लिए बढ़ावा दिया जाता है। वे रोटेशन से सेमिनार और जर्नल क्लब में प्रस्तुति भी देते हैं।

विभाग के तहत, हालिया रुचि के विभिन्न विषयों पर, समय-समय पर, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के हित में कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। विभाग में भारत और विदेशों से पर्यवेक्षण के लिए प्रतिनिधि भी आते हैं। उन्हें विभागीय गतिविधियों, विशेष क्लीनिकों, सेमिनारों और ऑपरेटिव प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने की सुविधा प्रदान की जाती है।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. आभा कुमारी, ईएनटी विशेषज्ञ, सैन्य अस्पताल, ग्वालियर, 1 वर्ष, 25 अप्रैल 2017 से 24 अप्रैल 2018

लघु अवधि प्रशिक्षण

1. डॉ. रविंदर सिंह मिन्हास, आचार्य, ईएनटी विभाग, आईजीएमसी, शिमला, 25 मार्च 2019 से 8 अप्रैल 2019
2. डॉ. रमेश आजाद, आचार्य और अध्यक्ष, ईएनटी विभाग, आईजीएमसी, शिमला, 11 फरवरी 2019 से 21 फरवरी 2019 तक

ऐच्छिक प्रशिक्षण

- श्री जोशुआ गोल्ड, सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, 10 दिसंबर 2018 से 6 जनवरी 2019
- श्री तरुण यादव, मेडिकल यूनिवर्सिटी, प्लेवेन, बुल्गारिया, 23 जुलाई 2018 से 16 अगस्त 2018
- श्री मुकुल कादयान, मेडिकल यूनिवर्सिटी, प्लेवेन, बुल्गारिया, 23 जुलाई 2018 से 16 अगस्त 2018
- सुश्री स्वीकृति शर्मा, मेडिकल यूनिवर्सिटी, प्लेवेन, बुल्गारिया, 2 जुलाई 2018 से 16 जुलाई 2018
  - **इंटर्नशिप पोस्टिंग** - आपातकालीन चिकित्सा, बाल चिकित्सा, मेडिसिन और शरीरक्रिया विज्ञान विभाग
  - ऑडियोलॉजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी), एवाईजेएनआईएसएचडी, क्षेत्रीय केन्द्र, नोएडा के स्नातक छात्रों की **इंटर्नशिप पोस्टिंग**।

विभाग में मेडिसिन विभाग, बाल चिकित्सा और फिजियोलॉजी विभाग से पर्यवेक्षक और रोटेशन पोस्टिंग से चिकित्सक आए।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सिर और गर्दन कैडवेरिक विच्छेदन पाठ्यक्रम और एसीएसएसटी फेसिलटी में 7वां एम्स कोर्स, 26-30 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. 8वां हैंड्स-ऑन टेम्पोरल बोन डिसेक्शन कोर्स, 22-24 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली
3. एम्स लेरिंगोलॉजी अपडेट 2019, 10-12 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली
4. एम्स फेसियल प्लास्टिक्स और राइनोप्लास्टी चौथी कार्यशाला, 21-24 फरवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली
5. एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरीन्गोलॉजिस्ट ऑफ़ इंडिया, दिल्ली शाखा के लिए वेद और प्रकाश मोंगा टेम्पोरल अस्थि विच्छेदन प्रतियोगिता, 16 फरवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली

6. छठा एम्स कैडेवरिक सिर और गर्दन पाठ्यक्रम, 16-17 नवंबर 2018, एसीएसएसटी ट्रॉमा सेंटर, दिल्ली
7. द्वितीय टीओयूएसएस कार्यशाला, 16-17 अगस्त 2018, एम्स, दिल्ली
8. एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरींगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा की मासिक बैठक, 20 जुलाई 2018, एम्स, दिल्ली
9. कैडेवरिक प्रशिक्षण और अनुसंधान केन्द्र में 5वां कैडेवरिक सिर और गर्दन विच्छेदन पाठ्यक्रम, 17-18 जुलाई 2018, एम्स, दिल्ली
10. शल्य-चिकित्सकों के लिए व्यवस्थित कॉक्लियर इम्प्लांटेशन कोर्स, 26-27 अप्रैल 2018, एम्स, दिल्ली
11. एसीएसएसटी, ट्रॉमा सेंटर में 'प्रथम एम्स कैडेवरिक वर्कशॉप ऑन वॉइस', 20 अप्रैल 2018, एम्स, दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

आलोक ठक्कर: 52	**राकेश कुमार: 15**	**कपिल सिक्का: 29**
चिरोम अमित सिंह: 16	**राजीव कुमार: 12**	**प्रेम सागर: 14**
डेविड विक्टर कुमार इरुगु: 6	**हितेश वर्मा: 23**	**शुचिता सिंह पचौरी: 12**
अरविंद कुमार कैरो: 10		

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/पोस्टर: 17

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ओरोफैरींजियल कार्सिनोमा मरीजों में एक रोगनिरोधी मार्कर के रूप में बीआरसीसी3 एक्सप्रैशन और रेडियोथेरेपी प्रतिरोध पर इसका प्रभाव, अरविंद कुमार कैरो, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 9.05 लाख रुपए
2. हाल ही में निदान किए गए सिर और गर्दन कैंसर के रोगियों में अवसाद का नैदानिक और जैव रासायनिक मूल्यांकन, प्रेम सागर, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 8 लाख रुपए
3. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनीकरण विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र के प्रभाव: श्रवण और वेस्टिबुलर प्रणाली पर प्रभाव, राकेश कुमार, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष (विस्तारित), 90 लाख रुपए
4. ओलफैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन, राजीव कुमार, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपए
5. संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के स्तर का मूल्यांकन - आवर्तक श्वसन पैपिलोमैटोसिस के मामलों में, हितेश वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4.7 लाख रुपए
6. सर्वाइकल लिम्फ नोड्स में अज्ञात सिर और गर्दन प्राइमरी मेटास्टैटिक का मूल्यांकन, चिरोम अमित सिंह, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 4.95 लाख रुपए

7. श्रवण बाधित होने की व्यापकता और एटियोलॉजी - राष्ट्रीय कार्य बल परियोजना (समन्वय केन्द्र), आलोक ठाकर, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2015-2019, 97 लाख रुपए
8. सैलाइवरी माइक्रो-आरएनए: तंबाकू उपयोगकर्ताओं बनाम तंबाकू गैर-उपयोगकर्ताओं में आणविक परिवर्तन के दौरान जैव-मार्कर के रूप में उनकी उपयोगिता, शुचिता सिंह, एम्स, 2 साल 2016-2018, 9.8 लाख रुपए
9. साउंड फॉर ऑल: री-इंजीनियरिंग हाई-एंड ऑडियोमेट्रिक डिवाइसेस फॉर रोबस्ट एंड अफोर्डेबल ऑडियोलॉजिकल टेस्टिंग, कपिल सिक्का, इंडो जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी), 3 साल 2016-2019, 36.8 लाख रुपए
10. साइनोनेज़ल ट्यूमर में मानव पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) एसोसिएशन का अध्ययन, कपिल सिक्का, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 20 लाख रुपए
11. नॉन-मेनियर डिजीज वर्टिगो रोगियों में बायोमार्कर के रूप में इनर ईयर प्रोटीन ओटोलिन-1, विटामिन 'डी' और आयोनाइज्ड कैल्शियम का अध्ययन, डेविड विक्टर कुमार इरुगु, एम्स, 2 वर्ष, 2018-1620, 8.66 लाख रुपए
12. कोलेस्टेटोमा की आक्रामकता का क्लिनिको-पैथोलॉजिकल मूल्यांकन, कपिल सिक्का, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 6.5 लाख रुपए
13. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) के रोगजनन में साइन3बी एमएनए वैकल्पिक स्प्लिसिंग की कार्यात्मक प्रासंगिकता को स्पष्ट करना, एससी शर्मा, विज्ञान और इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), 2 साल, 2017-2019, 3.55 लाख रुपए

पूर्ण

1. मुख कैंसर में पी13के/एकेटी सिग्नलिंग और इसके लक्षित विघटन के एंटी-ट्यूमर प्रभावों का अध्ययन, एससी शर्मा, डीएसटी, 3.5 वर्ष, 2014-2018, 54.22 लाख रुपए
2. इंडोसायनिन-ग्रीन लोडेड साइटोकैरेटिन लक्षित कैल्शियम फॉस्फेट नैनोपार्टिकुलेट सिस्टम का विकास - सिर और गर्दन के कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड मैपिंग के लिए, आलोक ठाक्कर, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2018, 38 लाख रुपए
3. माइक्रो विच्छेदन द्वारा टैम्पोरल अस्थि का मोर्फो-मीट्रिक विश्लेषण और अध्यय, डेविड विक्टर कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, 1.85 लाख रुपए
4. मास्टॉयड सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में भिन्न-भिन्न स्क्वैमस कानों के रोगों के बीच 'सोरायसिन' के अभिव्यंजक स्तर के अंतर पर एक पायलट तुलनात्मक अध्ययन, अरविंद कुमार कैरो, एम्स, 1 वर्ष, 2016-17ए 5 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बाल जनसंख्या में गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स और ऑब्सट्रक्टिव एडेनोइड या एडेनोटोन्सिलर हाइपरट्रॉफी के कार्य-कारण संबंध पर एक पायलट अध्ययन।

2. सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के नव निदान मामलों में निकोटीन निर्भरता के पैटर्न का पता लगाने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन और पेरिऑपरेटिव जटिलताओं के साथ इसके सह-संबंध का मूल्यांकन करना
3. विस्टर चूहों में अलोजेनिक ऊतक इंजीनियर्ड ट्रेकियल प्रत्यारोपण- प्रीक्लीनिकल अध्ययन
4. मेनियर्स रोग और वेस्टिबुलर माइग्रेन के रोगियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल का आकलन
5. क्लिनिकल पल्पेशन और रेडियोलॉजी द्वारा ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (टी1-टी3) में रोग की गंभीरता का आकलन और रोग की हिस्टोपैथोलॉजिकल गंभीरता के साथ उसका सह-संबंध
6. मुख गुहा कैंसर में हिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा होस्ट इम्यूनोलॉजिकल ट्यूमर की प्रतिक्रिया का आकलन और रोगनिदान पर इसका प्रभाव - रेट्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट अध्ययन
7. एलर्जिक राइनाइटिस और नेज़ल पॉलिपोसिस के मामलों में विटामिन डी और प्रतिरक्षा मार्करों के साथ रोग की गंभीरता का क्लिनिको रेडियोलॉजिकल सहसंबंध
8. लैरींगियल फंक्शन पर शॉर्ट टर्म एंडोट्रैकियल इनट्यूबेशन का प्रभाव
9. लैरींगोफेरींजल रिफ्लेक्स रोग के कारण होने वाले डिस्फ़ोनिया में ईएमजी निष्कर्ष और उपचार के परिणाम के साथ सहसंबंध: एक पर्यवेक्षी अध्ययन
10. साइनोनेज़ल और स्कल बेस इनवेसिव फंगल रोगों के परिणामों के पूर्वानुमान में विभिन्न नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का मूल्यांकन: एक वर्णनात्मक अध्ययन
11. टॉन्सिल के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के पहले इकोलोन लिम्फ नोड ड्रेनेज का पता लगाना- रौवेरी के पार्श्व रेट्रोफैरिंजियल लिम्फ नोड के संदर्भ में
12. माइक्रोटिया के सर्जिकल सुधार से गुजर रहे रोगियों में परिणाम
13. ओलफैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी पायलट अध्ययन
14. किशोर नेज़ल एंजियोफाइब्रोमा एस से ग्रस्त रोगियों में 68 गैलियम पीएसएमए एच बेड सीसी स्कैन की भूमिका
15. सिर और गर्दन के पैरागैंगलियोमा में एसडीएच-एक्स उत्परिवर्तन: एक नैदानिक अध्ययन
16. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में माइक्रोवैस्कुलर घनत्व और ट्यूमर से संबंधित मैक्रोफेगस का अध्ययन
17. कोक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद प्रीलिंगुअल गहन सेंसरी-न्यूरल हियरिंग लॉस रोगियों में श्रवण मौखिक परिणाम के साथ कार्यात्मक लगभग अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी के साथ सहसंबंध का अध्ययन करना
18. सिर और गर्दन के कैंसर रोगियों में सिंक्रोनस एसोफेगल नियोप्लाज्म का पता लगाने के लिए ट्रांसनेज़ल एसोफैगल एंडोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. विक्षोभ के साथ और विक्षोभ के बिना केनाल वॉल डाउन मास्टोआईडेक्टोमी के बीच तुलना
2. रीसेक्शन के बाद जुवेनाइल नेसोफेरींजियल एंजियोफाइब्रोमा पर एंबोलाइजेशन के प्रभाव की तुलना

3. मौखिक गुहा स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा से ग्रस्त रोगियों के परिधीय रक्त में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं का और उनकी मात्रा का पता लगाना
4. टेम्पोरल अस्थियों के भिन्न-भिन्न प्रकार के न्यूमेटाइजेशन में कोलेस्टीटोमा थैली में ईजीएफआर मूल्यांकन
5. ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस के इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और सर्जिकल परिणाम
6. गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड्स के लिए अज्ञात सिर और गर्दन प्राइमरी मेटास्टैटिक का अग्रदर्शी मूल्यांकन
7. बाल ट्रेकियोस्टोमी और रोगियों तथा देखभाल-करने वालों पर इसके प्रभाव का अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. किसी चुनिंदा तृतीयक देखभाल अस्पताल, कॉलेज ऑफ नर्सिंग से छुट्टी पाने वाले रोगियों के बीच नर्स की पहल पर शुरू किए गए अनुवर्ती टैली-कंसल्टेशन के प्रति रोगी संतुष्टि का आकलन करने के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण।
2. किसी चुनिंदा तृतीयक देखभाल अस्पताल, कॉलेज ऑफ नर्सिंग में विभिन्न अस्पताल सेवाओं के प्रति रोगी की संतुष्टि के बारे में ओएमआर शीट आधारित फीड-बैक सर्वेक्षण।
3. भारत में क्लेफ़्ट लिप और पैलेट विसंगति: नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति: अस्पताल आधारित अध्ययन, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केन्द्र
4. ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब की सफाई के लिए सक्शन मशीन विकसित करना, आईआईटी दिल्ली
5. मौखिक श्लैष्मिक घावों, त्वचाविज्ञान के स्पेक्ट्रम में अंतःविषयी विविधताएं
6. उत्तर भारत में नॉन-टाइपेबल हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा (एनटीएचआई) के फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक लक्षण वर्णन, माइक्रोबायोलॉजी
7. मौजूदा सक्शन उपकरणों के साथ बाल ट्रेकियोस्टोमाइज्ड रोगियों के लिए स्वदेशी हस्तचालित सक्शन असेंबली की प्रभावकारिता और प्रयोज्यता की तुलना पर पायलट अध्ययन, बालरोग विज्ञान
8. क्रोनिक आइडियोपैथिक टिनिटस से ग्रस्त भारतीय आबादी में सीरम जिंक स्तर, फार्माकोलॉजी
9. मौखिक कैंसर में इसके लक्षित विघटन के पी13के/एकेटी सिग्नलिंग और ट्यूमर-रोधी प्रभावों के बारे में अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 38 **पुस्तकों में अध्याय: 6** **पुस्तकें: 1**

रोगी उपचार

ओपीडी, ऑपरेशन थियेटर और माइनर ओटी सेवाओं के साथ-साथ, विभाग में ऑडियोलॉजी और स्पीच पैथोलॉजी की एक पुनर्वास यूनिट भी संचालित की जाती है तथा ऑडियोलॉजी व स्कल बेस में स्पेशियलिटी क्लीनिक संचालित किए जाते हैं, जिसमें कॉक्लियर इंप्लांट, राइनोलॉजी, वर्टिगो, वॉयस और निगलने की क्रिया सहित, सप्ताह में दो बार सिर और गर्दन कैंसर क्लीनिक भी संचालित किए जाते हैं।

विभाग द्वारा, सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ और आउटरीच ओपीडी, झज्जर में ग्रामीण सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं। आँकड़े इस प्रकार हैं:

वार्ड भर्ती: डी4 वार्ड: 3,082
ऑपरेशन वाले मरीजों की संख्या

मुख्य ऑपरेशन थिएटर: बड़े मामले: 2,541 छोटे मामले: 2,044
माइनर ओटी: ओपीडी प्रक्रियाएं: 22,236

ओपीडी में देखे गए मरीजों की संख्या
नए मरीज: 50,304 पुराने पंजीकरण -81,467

आरयूएएस में देखे गए मरीजों की कुल संख्या
नए रोगी: 3,691 पुराने पंजीकरण: 3,180
स्पेशियलटी क्लीनिकों में मरीजों की संख्या

क्लीनिक	**नए मरीज**	**पुराने मरीज**	**कुल**
वर्टिगो	135	169	304
ऑडियोलॉजी व स्कल बेस	113	33	146
कोक्लियर इंप्लांट	216	461	677
वॉइस	384	226	610
राइनोलॉजी	198	49	247
सिर और गर्दन कैंसर	1,376	4,522	5,898
रेडियोलॉजी सम्मेलन	941	-	941

सामुदायिक सेवा क्लीनिक
सप्ताह में एक बार ऑपरेशन की सुविधाओं के साथ बल्लभगढ़ के सामुदायिक अस्पताल में दो बार साप्ताहिक क्लीनिक।
गुड़गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में साप्ताहिक क्लीनिक
आईआईटी दिल्ली में सामुदायिक अस्पताल में साप्ताहिक क्लीनिक
विभाग द्वारा आउटरीच ओपीडी झज्जर में दैनिक ओपीडी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर सुरेश चंद्र शर्मा, एम्स, जोधपुर के अध्यक्ष थे; फैलो (विश्वविद्यालय सीनेट के सदस्य), पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़; सदस्य, संस्थान निकाय, स्थायी क्रय समिति और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की स्थायी संपदा समिति; अध्यक्ष, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की एचआर उप-समिति; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में बधिरता रोकथाम और नियंत्रण राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीडी) के तहत मानद सलाहकार; सदस्य, तकनीकी संचालन समिति, स्वास्थ्य और परिवार

कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में बधिरता रोकथाम और नियंत्रण राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीडी); मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994, एम्स, नई दिल्ली के तहत प्राधिकार समिति के सदस्य; मानव जीवन पर मोबाइल टावर्स और हैंडसेट से होने वाले ईएमएफ विकिरण एक्सपोज़र के संभावित प्रभाव और संबंधित अनुसंधान व विकास पहल' नामक कार्यक्रम के अंतर्गत कमेटी ऑन स्लीप डिसऑर्डर्स, संज्ञानात्मक शिथिलता और ईएनटी परियोजना, विज्ञान और इंजीनियरिंग बोर्ड, भारत सरकार, वसंत कुंज, नई दिल्ली में विषय विशेषज्ञ,; अध्यक्ष, 'कान, नाक और गले की सर्जरी के उपकरण' भारतीय मानक ब्यूरो की अनुभागीय समिति (एएएचडी04); सदस्य, कार्यकारी समिति, हरियाणा वैल्फेयर सोसाइटी फॉर पर्सन्स विद स्पीच एंड हियरिंग इंपेयरमेंट, पंचकुला; सदस्य, नए एम्स में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने की पहल करने वाली समिति (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा गठित); ईएनटी विभाग, एम्स, ऋषिकेश में विजिटिंग प्रोफेसर; मुख्य अतिथि, एम्स, जोधपुर का वार्षिक दिवस समारोह, 3 दिसंबर 2018 को आयोजित; 22 जनवरी 2019 को आयोजित एम्स, जोधपुर के पहले दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि।

प्रोफेसर आलोक ठक्कर ईएनटी, 2019 में स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट वर्कफ़्लोज़ संबंधीर आईसीएमआर समिति के अध्यक्ष रहे; दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति के तहत चिकित्सा उपकरणों संबंधी उपसमिति के उपाध्यक्ष रहे; विजिटिंग प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी और न्यूरो-ओटोलॉजी विभाग, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ, 11-16 फरवरी 2019; दिल्ली एओआई ओरेशन - अ कैंडिल लूजिज नथिंग बाइ लाइटिंग एनदर- दिल्ली एसोसिएशन ऑफ़ ओटोलैरीन्गोलॉजिस्ट ऑफ़ इंडिया (डेल एओआई) की 2 मार्च 2019 की 42वीं वार्षिक बैठक में दिल्ली एओआई व्याख्यान; मुख्य व्याख्यान - 'मैक्सिमाइजिंग आउटकम्स इन लेटरल स्कल बेस सर्जरी', सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे, 22-23 फरवरी 2019

प्रोफेसर राकेश कुमार वर्ष 2018-2019 के लिए न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विब्रिओमेट्रिक (एनईएस) सोसायटी ऑफ इंडिया के मानद अध्यक्ष रहे; आईजीआईएमएस पटना में ईएनटी विभाग के विजिटिंग प्रोफेसर रहे, पटना ईएनटी विभाग के कोकलियर इम्प्लांट कार्यक्रम में उनकी मदद की; ऋषिकेश स्थित एम्स में ओटोराइनोलैरींगोलॉजी विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर; ईएनटी उपकरणों के लिए भारतीय मानकों की देखभाल करने वाली बीआईएस समिति के सदस्य; 23 फरवरी 2019 को चौथी एम्स फेसियल प्लास्टिक्स और राइनोप्लास्टी कैडेवरिक वर्कशॉप का आयोजन; न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विब्रियोमेट्रिक (एनईएस) सोसाइटी ऑफ इंडिया, 29-31 मार्च 2019, बेंगलुरु के 38वें वार्षिक सम्मेलन में कोक्लेयर प्रत्यारोपण-परिणाम पर मुख्य व्याख्यान दिया।

डॉ. कपिल सिक्का, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और सहायक संपादक रहे; समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी, सिर एवं गर्दन सर्जरी, इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर भी रहे; संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरींगोलॉजिस्ट ऑफ़ इंडिया, दिल्ली स्टेट ब्रांच; एम्स (ओआरएसए), 2017 के मानद कोषाध्यक्ष; आयोजन सचिव, इंटरनेशनल हेड एंड नेक कैडेवरिक वर्कशॉप; मेंटरिंग टीम, कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम, जेएनयू अलीगढ़ और डीएमसी लुधियाना; ग्रामीण सेवा: 13-14 अक्टूबर 2018 को सामुदायिक विकास

समिति द्वारा आयोजित नौदेरा, जिला - प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में उचित चिकित्सा स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित ग्रामीण लोगों की सेवा हेतु लगाए गए चिकित्सा शिविर के सदस्य; बोकारो जिला, झारखंड के जरीडीह ब्लॉक के बैराडीह गाँव में हियरिंग इंपेयरमेंट संबंधी वीआईपी संदर्भ को लेकर बनाई गई आईसीएमआर टीम के सदस्य रहे; समस्या की जांच के लिए 26 जून से 29 जून 2018 तक संबंधित स्थान का दौरा किया; 22 सितंबर 2018 को "बदलते मौसम के साथ ईएनटी स्वास्थ्य समस्याएं" विषय पर लाइव टीवी स्वास्थ्य शो में भाग लिया और लाइव कॉलर्स के साथ बातचीत की और स्वास्थ्य मुद्दों का समाधान किया; सदस्य, मेडिकल बोर्ड, एम्स; सदस्य, अनुसंधान निर्देशिका संपादकीय टीम, एम्स; लाइव कैडेवरिक प्रदर्शन: गर्दन विच्छेदन पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय सिर और गर्दन कैडेवरिक विच्छेदन पाठ्यक्रम और 7वें एम्स पाठ्यक्रम, 26-30 मार्च 2019, एसीएसएसटी केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली के पाठ्यक्रम समन्वयक रहे; 8वें हैंड्स ऑन टेम्पोरल बोन डिसेक्शन कोर्स, 22-24 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली के गाइडिंग फैकल्टी रहे; पाठ्यक्रम आयोजक, लाइव प्रदर्शन, नेक डिसेक्शन, छठा एम्स हेड एंड नेक कैडेवरिक कोर्स, नवंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली; "स्कल बेस" पर एक सत्र की अध्यक्षता करते हुए फाउंडेशन ऑफ हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजिकल सोसाइटीज़ की 18वीं राष्ट्रीय बैठक, 25-28 अक्टूबर 2018, कोलकाता, भारत में शोधपत्र प्रस्तुत किया; "रेडियो-आवर्तक स्वरयंत्र कैंसर में ओपन आंशिक लेरिंगेक्टॉमी" नामक अवार्ड पोस्टर प्रस्तुत किया, फाउंडेशन ऑफ हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी की 18वीं राष्ट्रीय बैठक और हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजिकल सोसाइटी अंतर्राष्ट्रीय संघ, 25-28 अक्टूबर 2018, कोलकाता, भारत; मुक्त शोधपत्र सत्र, इंडियन सोसाइटी ऑफ थायराइड सर्जन्स की तीसरी राष्ट्रीय बैठक, 24-26 अगस्त 2018, टीएमएच, मुंबई के निर्णायक रहे; कोर्स आयोजक और "डिवाइसेस एंड कंपनीज़-मेक्स एंड मॉडल्स" पर वार्ता की, और टैंपोरल अस्थि विच्छेदन व इलेक्ट्रोड इनसर्शन संबंधी हैंड्स ऑन प्रशिक्षण और इसकी अनुवर्ती बारीकियों के बारे में प्रतिनिधियों को निर्देशित भी किया; शल्य चिकित्सकों के लिए 'कोक्लियर इंप्लांटेशन कोर्स', 26-27 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली की संरचना भी तैयार की।

डॉ. डेविड विक्टर कुमार इरुगु, 14-16 सितंबर 2018 को सिद्दीपेट, तेलंगाना में चौथे एओआई राज्य सम्मेलन, तेलंगाना में पोस्टर प्रस्तुति में निर्णायक रहे।

डॉ. चिरोम अमित सिंह, इंटरनेशनल हेड एंड नेक कैडेवरिक वर्कशॉप के आयोजन सचिव रहे; 12-15 सितंबर 2019 को माइक्रोवेस्कुलर एनास्टोमोसिस कार्यशाला (लाइव रेट मॉडल) का आयोजन और संचालन किया; 10-12 मार्च 2019 को आयोजित एम्स लेरिंगोलॉजी अपडेट-2019 में ट्रांस नेज़ल एसोफैगोस्कोपी (टीएनई) के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक रहे; 21-24 फरवरी 2019 को आयोजित चौथे एम्स फेसियल प्लास्टिक्स और राइनोप्लास्टी कार्यशाला में आयोजन अध्यक्ष रहे; 25 से 29 अक्टूबर 2018 तक लद्दाख के एसएनएम अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने वाली एम्स टीम के सदस्य रहे।

डॉ. प्रेम सागर, ए.ओ.आई., दिल्ली शाखा, नई दिल्ली के 41वें वार्षिक सम्मेलन में 1 अप्रैल 2018 को एस.पी. सोनी वीडियो प्रस्तुति सत्र में सर्वश्रेष्ठ सर्जिकल वीडियो ("क्लोज्ड टैंपनोप्लास्टी फेशियल नर्व डीकम्प्रेशन") के लिए स्वर्ण पदक के विजेता रहे; राइनोकॉन 2018, 4-7 अक्टूबर 2018 के दौरान एम्स,

बीबीएसआर के दौरान "साइनोनेज़ल म्यूकोरमाइकोसिस: 5 वर्ष का संस्थागत अनुभव" के लिए कनिष्ठ कंसल्टेंट शोधपत्र प्रस्तुति में तीसरे पुरस्कार के विजेता रहे; इंडियन सोसाइटी ऑफ ओटोलोजी के 27वें वार्षिक सम्मेलन (आईएसओकॉन 2018), 16-18 नवंबर 2018 को मैसूर, कर्नाटक में 'फेशियल नर्व डीकंप्रैशन बाइ क्लोज्ड टिंपैनोप्लास्टी अप्रोच' पर सर्जिकल वीडियो प्रस्तुति प्रतियोगिता में तीसरे पुरस्कार के विजेता रहे; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'ईएनटी के लिए मानक उपचार कार्यबल (एसटीडब्ल्यू) के लिए विशेषज्ञ समूह' के सदस्य रहे; ईएनटी सर्जरी उपकरण अनुभागीय समिति, भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा एमएचडी04 संबंधी पैनल के सदस्य रहे; एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा, 2018-2019 के मानद संपादक; एनईएस- इंडिया 2019-2020 के कार्यकारी निकाय सदस्य; इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी), इंडियन पीडियाट्रिक्स जर्नल के आधिकारिक प्रकाशन 'स्प्रिंगर नेचर' के समीक्षक; स्वास्थ्य कार्यक्रम 'आयुष्मान भव: साइनोसाइटिस' में आमंत्रित ईएनटी विशेषज्ञ, यह कार्यक्रम, 19 जनवरी 2019 (11 बजे-12 बजे) को राज्यसभा टीवी पर लाइव प्रसारित हुआ।

डॉ. अरविंद कैरो को जूनियर कंसल्टेंट पेपर अवार्ड के लिए आईएसओकॉन 2018 में शोधपत्र प्रस्तुति के लिए पुरस्कार मिला; उन्होंने, पाठ्यक्रम सचिव के रूप में 20 अप्रैल 2018 को प्रथम वॉयस कैडेवरिक कार्यशाला का आयोजन किया; पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में 21 अप्रैल 2018 को प्रथम एयरवे कैडेवरिक कार्यशाला का आयोजन किया; 23 फरवरी 2019 को पाठ्यक्रम सचिव के रूप में चौथी एम्स फेशियल प्लास्टिक और राइनोप्लास्टी कैडेवरिक कार्यशाला का आयोजन किया; पाठ्यक्रम सचिव के रूप में 22 मार्च 2019 को 'एडवांस टेम्पोरल अस्थि विच्छेदन पाठ्यक्रम' का आयोजन किया; 10 मार्च 2019 को पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में 'पशु मॉडल पर पहली थायरोप्लास्टी हैंड्स-ऑन वर्कशॉप' का आयोजन किया।

डॉ. शुचिता सिंह पचौरी ने पाठ्यक्रम सचिव के रूप में 20 अप्रैल 2018 को 'प्रथम वॉयस कैडेवरिक कार्यशाला' का आयोजन किया; पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में 21 अप्रैल 2018 को 'प्रथम एयरवे कैडेवरिक कार्यशाला' का आयोजन किया; पाठ्यक्रम सचिव के रूप में 10 मार्च से 12 मार्च 2019 तक 'एम्स लैरिंगोलॉजी अपडेट 2019' का आयोजन किया; "वर्कशॉप ऑन स्वैलोइंग रिहैबिलिटेशन एंड एफईईएस" और "वर्कशॉप ऑन ईएमजी एंड स्ट्रोबोस्कोपी" की को-ऑर्डिनेटर रहीं।

डॉ हितेश वर्मा ने राइनोकॉन 2018 और एओआई दिल्ली शाखा में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का पुरस्कार जीता; वे ई पोस्टर हरियाणा एओआई, 24-25 नवंबर 2018, एमएम मेडिकल कॉलेज, मुल्लाना में निर्णायक बनाए गए; वे ओएसए सर्जरी आईएएसएसएकॉन, 29-31 मार्च 2019, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 'हाऊ टू इम्प्रूव दि आउटकम' सत्र के अध्यक्ष रहे।

9-27 cky fpfdRlk foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

अशोक के. देवरारी (नवजात विज्ञान)

आचार्य

विनोद के. पॉल (नीति आयोग में प्रतिनियुक्ति पर)(नवजात विज्ञान)

अरविंद बग्गा (वृक्क विज्ञान)	सुशील के. काबरा (पल्मोनोलॉजी, इंटेंसिव केयर, ट्यूबरकुलोसिस)	मधुलिका काबरा (आनुवंशिकी)
पंकज हरि (वृक्क विज्ञान)	शेफाली गुलाटी (तंत्रिका विज्ञान)	राकेश लोढा (पल्मोनोलॉजी, इंटेंसिव केयर, ट्यूबरकुलोसिस)
रचना सेठ (अर्बुद विज्ञान)	वंदना जैन (अंत:स्राविकी विज्ञान)	रमेश के. अग्रवाल (नवजात विज्ञान)

सहायक आचार्य

नीरजा गुप्ता (आनुवंशिकी)	जीवा शंकर (नवजात विज्ञान)	अदिति सिन्हा (वृक्क विज्ञान)
बिश्वरूप चक्रवर्ती (तंत्रिका विज्ञान)	काना राम जाट (पल्मोनोलॉजी, इंटेंसिव केयर, ट्यूबरकुलोसिस)	झुमा शंकर
रजनी शर्मा (अंत:स्राविकी विज्ञान)	अनु सचदेव (नवजात विज्ञान)	प्रशांत कुमार जौहरी (तंत्रिका विज्ञान)
रोहन मलिक (जठरांत्र रोग विज्ञान)	जगदीश प्रसाद मीना (अर्बुद विज्ञान)	नरेंद्र कुमार बागरी (रूमेटोलॉजी)
आदित्य कुमार गुप्ता (अर्बुद विज्ञान)		अंकित वर्मा (अनुबंध) (नवजात विज्ञान)

वैज्ञानिक

मधुमिता राय चौधरी	जी.पी. दास (मेडिकल)
रश्मि शुक्ला (अनुबंध)	काजल जैन

अन्य कर्मचारी

अनुजा अग्रवाल (आहारविद्)	सुमिता गुप्ता (वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक)
पल्लवी मिश्रा (जैव रसायन)	साधना अरोड़ा (तकनीकी अधिकारी)
धनेश्वर यादव	नीना मेहता

(चिकित्सा सामाजिक सेवा अधिकारी)

विशिष्टताएं

बाल चिकित्सा विभाग ने बाल चिकित्सा ओन्कोलॉजी में एक नया डी.एम. कार्यक्रम शुरू किया। एम्स का एकमात्र ऐसा विभाग जिसे 6 डी.एम. कार्यक्रम, 2 डब्ल्यू.एच.ओ. सहयोगी केन्द्र (डब्ल्यू.एच.ओ. सहयोगी केन्द्र जिनमें पहला नवजात देखभाल में नवजात प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए तथा दूसरा नैदानिक एवं

प्रयोगशाला आनुवंशिकी में प्रशिक्षण हेतु) तथा 2 आईसीएमआर एडवांस्ड सेंटर्स ऑफ चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंटल डिसआर्डर्स ऑफ एक्सलंस(वृक्क विज्ञान एवं पल्मोनोलॉजी) तथा चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंटल डिसआर्डर्स के लिए सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च का संचालन करने का गौरव प्राप्त है।

दुर्लभ रोगों की चिकित्सा हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त-पोषित परामर्शी बैठक। "दुर्लभ रोग- उपचार एवं नीति" हेतु केन्द्रीय तकनीकी समिति (सी.टी.सी.) की ओर से दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए बाल चिकित्सा आनुवंशिकी विभाग के प्रभाग ने बैठक का आयोजन किया। दिशा-निर्देशों के मसौदे को देशभर के विशेषज्ञों में परिचालित किया गया। साक्ष्य-आधारित अंतिम दिशा-निर्देशों को अनुमोदन हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय के पास भेज दिया गया है।

नवजात विज्ञान प्रभाग को नवजात देखभाल में प्रशिक्षण और अनुसंधान हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. सहयोगी केन्द्र (2019-2023) के रूप में डब्ल्यू.एच.ओ. मुख्यालय से लगातार छठी बार मान्यता प्राप्त हुई।

नवजात विज्ञान प्रभाग ने देश के 4 राज्यों की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट्स) (एस.एन.सी.यू.) में उपचाराधीन अपरिपक्व नवजात शिशुओं की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार हेतु पी.जी.आई., चडीगढ़, जी.एम.सी.एच., चंडीगढ़ और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के साथ साझीदारी की है। ऐसा करने का मुख्य उद्देश्य साक्ष्य आधारित अभ्यासों के कार्यान्वयन से अपरिपक्व नवजात शिशुओं में रेटिनोपेथी ऑफ प्रीमेच्योरिटी (आर.ओ.पी.) की घटनाओं को कम करना है। इस कार्य का वित्त-पोषण क्वीन एलिजाबेथ डायमंड ज़ुबली ट्रस्ट, यू.के. ने किया है।

बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग ने 7-9 सितम्बर, 2018 तक द लीला एंबियस, गुरूग्राम मे न्यूरोपीडिकोन 2018, एमर्जिंग ट्रेंड्स एंड एडवान्सिस इन डायग्नोस्टिक्स एंड थेराप्यूटिक्स इन पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी विषय पर आई.ए.पी. न्यूरोलॉजी चैप्टर ऑफ आई.ए.पी के 18 वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

वर्ष 2018 में द एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी (www.ajpn-online.org) की शुरूआत की गई, जिसके संपादक प्रो. अरविंद बग्गा हैं तथा प्रो पंकज हरि और डॉ. अदिति सिंहा जर्नल समिति के सदस्य हैं।

शिक्षा

विभाग नवजात विज्ञान, वृक्क विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, आनुवंशिकी, अर्बुद विज्ञान तथा पल्मोनोलॉजी एवं इंटेंसिव केयर में 43 विद्यार्थियों सहित 6 डी.एम. कार्यक्रम चला रहा है। 5 विद्यार्थियों सहित एक प्रभावशाली पी.एच.डी. कार्यक्रम वर्तमान में जारी है।

एम.डी. कार्यक्रम: कुल 37 विद्यार्थियों सहित एक एम.डी. कार्यक्रम वर्तमान में जारी है। इसमें नियमित शिक्षण सत्र और फिलहाल चल रहे आंतरिक मूल्यांकन की प्रणाली है। संकाय द्वारा महीने में एक बार फ्लिप क्लास शिक्षण की शुरूआत की गई है। हमने 21 अप्रैल, 2018 तथा 29 सितंबर 2018 को विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए नवजात पुनर्जीवन तथा 28 से 31 मार्च, 2019 तक विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए वेंटीलेशन वर्कशॉप सहित कई प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया।

डी.एम. कार्यक्रम: सभी प्रभागों में सप्ताह में 3-5 बार नियमित संरिचत शिक्षण गतिविधियां होती है। सभी अनुशासनों में एकीकृत सेमिनारों तथा केस की चर्चा के रूप में अंतर अनुशासनिक एवं अंतर-विभागीय शिक्षण को बढावा दिया जाता है। रेजीडेंट्स और संकाय को शामिल करके नियमित रूप से छोटी कार्यशालाएं तथा परस्पर संवादात्मक केस चर्चाएं आयोजित की जाती हैं। पल्मोनोलॉजी प्रभाग अन्य संस्थानों से संपर्क साधने के लिए टेलीमेडिसिन का उपयोग करता है। नवजात विज्ञान प्रभाग ने सामान्य विषयों जैसे कंगारू मदर केयर, टोटल पेरेन्टरल न्यूट्रीशन, अंडरस्टेंडिंग इक्विपमेंट्स पर साप्ताहिक कार्यशालाएं आयोजित की, जिसमें रेजीडेंट्स और नर्सों को सक्रिय रूप से भागीदार बनाकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रभाग ने पिछले वर्ष ऐसी 24 कार्यशालाएं आयोजित की।

एम.बी.बी.एस. शिक्षण

1. व्याख्यानों, स्ट्रक्चर्ड ट्यूटोरियल्स तथा एकीकृत सेमिनारों के साथ बाल चिकित्सा (ओ.पी.डी. तथा वार्ड) में एम.बी.बी.एस. के छात्रों की तैनाती के दौरान उनके बेडसाइड (रोगी का उपचार करने के दौरान) शिक्षण के लिए विभागीय संकाय भी छात्रों से जुड़ा रहता है।
2. एस.ई.टी. सुविधा के पूर्वस्नातक मेडिकल छात्रों हेतु स्किल मॉड्यूल्स के विकास के लिए बाल चिकित्सा विभाग ने अपना योगदान दिया है।
3. नवजात विज्ञान प्रभाग ने सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए वॉल चार्ट्स, सिमुलेटर्स, टैबलेट्स, केस अध्ययन द्वारा बीमार नवजात शिशुओं के उपचार हेतु मानक चिकित्सा प्रोटोकॉल्स पर एक कार्यशाला तथा सातवें और आठवें सेमेस्टर में पोस्टर्स, लघु समूह संवाद द्वारा गुणवत्ता में सुधार पर एक अन्य कार्यशाला आयोजित की।

अंत:स्राविकी

अन्य एम्स संस्थानों में विशिष्टता के विकास हेतु परामर्श देने के उद्देश्य से एम्स पीडियाट्रिक एंडोक्रीनोलॉजी कोंसोर्टियम (ए.पी.इं.सी.) का गठन किया गया ताकि पीडियाट्रिक एंडोक्रीन डिसआर्डर से पीड़ित रोगियों को अपने घर के पास उचित उपचार मिल सके, साथ ही इन संस्थानों में शिक्षण-प्रशिक्षण गतिविधियों को सुगठित किया जाता है। हमने 6 एम्स संस्थानों से संपर्क किया, जिनमें से 3 (भोपाल, भुवनेश्वर तथा जोधपुर) सक्रिय सदस्य बन गए हैं। वे अपने संकाय को ओब्सरवर्शिप के लिए संभवत: एम्स, दिल्ली भेजने वाले हैं।

नवजात विज्ञान

नवजात विज्ञान प्रभाग ने देश के अग्रणी संस्थानों एवं नवजात विज्ञान विशेषज्ञों के मिले जुले प्रयासों से जिला स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 'केयर ऑफ प्रीटर्म नीयोनेट्स' पर एक मल्टी-मॉड्ल अध्ययन संसाधन सामग्री विकसित की है। प्रभाग ने डब्ल्यू.एच.ओ.-एस.ई.ए.आर.ओ. सहित पॉइंट ऑफ केयर क्वालिटी इंप्रूवमेंट (पी.ओ.सी.क्यू.आई-1,2) पर एक मॉड्यूल विकसित किया जिसे माताओं और नवजात शिशुओं हेतु लेबर रूम केयर प्रेक्टिसिस में सुधार करने के लिए भारत सरकार के लक्ष्य कार्यक्रम में सम्मिलित कर दिया गया है। यह मॉड्यूल www.pocqi.org पर उपलब्ध है।

नर्सों का शिक्षण

नर्सों/बाल रोग विशेषज्ञों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम

नवजात विज्ञान प्रभाग का ऑनलाइन शिक्षा मंच 3 महीनों के लिए 'सिक न्यूबॉर्न केयर कोर्स' तथा 10 सप्ताह के लिए न्यूबॉर्न नर्सिंग एंड क्वालिटी इंप्रूवमेंट कोर्स की मेजबानी करता है। इस मंच ने विभिन्न एस.ई.ए.आर. के देशों के डॉक्टर्स एवं नर्सों को रोगग्रस्त नवजात की देखभाल तथा आवश्यक नवजात देखभाल में प्रशिक्षित किया।

विभाग का संकाय एम.एस.सी. नर्सिंग(बाल चिकित्सा) के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है।

अंतर-विभागीय सहयोग: विभाग विभिन्न विभागों के डी.एम. के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें शामिल हैं: संक्रामक रोग (काय-चिकित्सा विभाग), इंटेंसिव केयर (संवेदनाहरण विज्ञान विभाग), तंत्रिकाविज्ञान तथा हृद्-संवेदनाहरण विज्ञान।

अल्प अवधि प्रशिक्षु: विभिन्न प्रभागों में कुल 41 अल्पावधि/दीर्घावधि प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया। विवरण निम्नानुसार है:

आनुवंशिकी

1. मो. शरीक, 19 जून, 2018 से 18 जुलाई, 2018 (एक माह), साइटोजेनेटिक लैब, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सिटी कैंपस, मंसा रोड, बठिंडा
2. डॉ. प्रतिभा यादव, 1-30 नवंबर, 2018 (एक माह), आनुवंशिकी ओ.पी.डी., वी.एम.एम.सी. एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली-110029
3. डॉ. मीनाक्षी, 1-30 नवंबर, 2018 (एक माह), आनुवंशिकी ओ.पी.डी., वी.एम.एम.सी. एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली-110029
4. डॉ. उदय कुमार डी.एस., एस.आर. (डी.एम. रूधिर विकृति विज्ञान), 1-10 मई, 2018 (10 दिन), आणविक, साइटोजेनेटिक/जैव रसायन, रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. डॉ. डांगे प्रसाद सुधीर, एस.आर. (डी.एम. रूधिर विकृति विज्ञान), 11-21 अगस्त, 2018 (10 दिन) आणविक, साइटोजेनेटिक/जैव रसायन, रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
6. डॉ. देबदास बोस, एस.आर. (डी.एम. रूधिर विकृति विज्ञान), 11-20 सितंबर, 2018 (10 दिन) आणविक, साइटोजेनेटिक/जैव रसायन, रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. डॉ. रिचा जुनेजा, एस.आर. (डी.एम. रूधिर विकृति विज्ञान), 1-10 नवंबर, 2018 (10 दिन) आणविक, साइटोजेनेटिक/जैव रसायन, रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. डॉ. कुंदन कुमार, जे.आर. (शैक्षिक, 1-31 जुलाई, 2018 (1 माह), आणविक/साइटोजेनेटिक/जैव रसायन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
9. डॉ. श्रेयम आचार्य, जे.आर. (शैक्षिक), 1-28 फरवरी, 2019 (1 माह), आणविक, साइटोजेनेटिक/जैव रसायन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
10. डॉ. तनु, 1-30 सितंबर, 2018, क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, नवजात विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग

11. डॉ. श्रीकांत, 1-31 अक्टूबर, 2018, क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, नवजात विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग
12. डॉ. सुरजीत, 1-31 जनवरी, 2019, क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, नवजात विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग
13. डॉ. श्रुति, 1-30 अप्रैल, 2018, क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, तंत्रिका विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग
14. डॉ. विवेक, 1-31 मई, 2018, क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, तंत्रिका विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग
15. डॉ. प्रभजोत, 1-30 सितंबर, 2018, क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, तंत्रिका विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग
16. डॉ. बादल, 1-31 अक्टूबर, 2018, क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, तंत्रिका विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग
17. डॉ. जया जेठरा, 14 जनवरी, 2019 से 10 फरवरी, 2019 क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, भ्रूण चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग
18. डॉ. अनुभूति राणा, 4-31 मार्च, 2019 क्लीनिकल + लैब एक्सपोजर, भ्रूण चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग

नवजात विज्ञान (4)

1. डॉ. रूपेश कुमार, एम.जी.आर. मेडिकल विश्वविद्यालय, मदुरई, भारत, 1-31 अक्टूबर, 2018
2. डॉ. नीतू मुंधरा, के.ई.एम. अस्पताल, मुंबई, 18-24 अक्टूबर, 2018
3. डॉ. सोमालिका पाल, एम.ए.एम.सी., नई दिल्ली, 1-15 अक्टूबर, 2018
4. डॉ. लोकराज शाह, बी.पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान, धरान, नेपाल, 15 अक्टूबर, 2018 से 15 जनवरी, 2019

वृक्क विज्ञान (5)

1. लेफ्टिनेंट कर्नल अदिति शर्मा, गोपनीय बाल चिकित्सा विशेषज्ञ, भारतीय सेना बल (2 वर्ष का प्रशिक्षण, अगस्त 2018 से)
2. लेफ्टिनेंट कर्नल जॉ मिन हत्वे, व्याख्याता/परामर्शक बाल चिकित्सक, बाल चिकित्सा विभाग, डिफेंस सर्विसेस मेडिकल एकेडमी, यंगोन, म्यांमार, 6 माह, प्रारंभ नवंबर, 2018
3. डॉ. जसिंतासबनादिसेन, बाल वृक्क विज्ञान में प्रशिक्षु, श्रीलंका, (2 वर्ष, मार्च 2019 से प्रारंभ)
4. डॉ. सुचित्रा सहगल, बाल चिकित्सा की सहायक आचार्य, डॉ. राम मनोहर लोहिया पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली, मई-अगस्त, 2018
5. डॉ. स्वप्निल, बाल चिकित्सा में सहायक आचार्य, डॉ. डी.वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मार्च-जून, 2018

तंत्रिका विज्ञान (3)

1. सुश्री आस्था शर्मा, 25 नवंबर, 2017 से 15 अप्रैल, 2018
2. डॉ. एस.के. मसिऊर रहमान, (बांग्लादेश), 12 मार्च, 2018 से 31 मई,2018
3. डॉ. मो.अबु सईद (बांग्लादेश), 18 फरवरी, 2019 से 14 अप्रैल, 2019

पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी एंड इंटेंसिव केयर (17)

1. डॉ. प्रोबीर कुमार सरकार, बांग्लादेश से अल्पावधि प्रशिक्षु, 1 जनवरी, 2018 से 30 सितंबर, 2018
2. डॉ. सतनाम कौर, सफदरजंग अस्पताल से प्रशिक्षु, 1 फरवरी, 2018 से 20 जुलाई, 2018
3. डॉ. शीतल अग्रवाल, आर.एम.एल. अस्पताल से अल्पावधि प्रशिक्षु, 11 जून, 2018 से 10 सितंबर, 2018
4. डॉ. सपना तनेजा, ई.एस.आई.सी. अस्पताल से अल्पावधि प्रशिक्षु, फरवरी, 2019-अगस्त, 2019
5. डॉ. सुधा, आर.एम.एल. अस्पताल से अल्पावधि प्रशिक्षु, फरवरी-मई, 2019
6. डॉ. अरूणा हेराथ, दीर्घावधि प्रशिक्षु, अप्रैल, 2018-मार्च, 2019
7. डॉ. योगीराज, अप्रैल, 2018 (संक्रामक रोग में डी.एम. फेलो)
8. डॉ. फरहान, अप्रैल, 2018 (संक्रामक रोग में डी.एम. फेलो)
9. डॉ. पारूल, मई, 2018 (संक्रामक रोग में डी.एम. फेलो)
10. डॉ. रोहित, मई, 2018 (संक्रामक रोग में डी.एम. फेलो)
11. डॉ. नीटो जॉर्ज, जुलाई, 2018 (संक्रामक रोग में डी.एम. फेलो)
12. डॉ. अनिविता अग्रवाल, जुलाई, 2018 (संक्रामक रोग में डी.एम. फेलो)
13. डॉ. छवि गुप्ता, अगस्त, 2018 (संक्रामक रोग में डी.एम. फेलो)
14. डॉ. सौम्यदीप, सितंबर, 2018 (संक्रामक रोग में फेलो)
15. डॉ. समीर अब्दुल समद, सितंबर, 2018 (संक्रामक रोग में फेलो)
16. डॉ. सायन चक्रवर्ती, नवंबर, 2018 (संक्रामक रोग में फेलो)
17. डॉ. नेहा रस्तोगी, 20-31 दिसंबर, 2018 (संक्रामक रोग में डी.एम. फेलो)

सी.एम.ई., सम्मेलन

विभिन्न प्रभागों द्वारा कुल 31 सी.एम.ई./सम्मेलन/कार्यशालाएं आयोजित की गई।

अंत:स्राविकी (1)

1. एम्स बाल अंत:स्राविकी सी.एम.ई., 1 जुलाई, 2018, एम्स, दिल्ली

जठरांत्ररोग विज्ञान तथा यकृत विज्ञान

1. दिनांक 28 अक्टूबर, 2018 को एम्स के जवाहर लाल सभागार में प्रथम एम्स बाल सीलिएक रोग संगोष्ठी तथा 8वें सीलिएक दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।
2. बाल जठरांत्र क्लीनिक में ऑपरेशनलाईज्ड डाटा प्रबंधन

आनुवंशिकी (5)

1. एम्स-आई.जी.आई.बी. जॉइंट हैंड्स-ऑन वर्कशॉप ऑन एक्सोम सीकवेंस एनालिसिस एंड इंटरप्रीटेशन, 25-26 जुलाई, 2018, दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु दिल्ली परामर्श बैठक, दिल्ली
2. एम.पी.एस. जागरूकता दिवस, 15 मई, 2019, दिल्ली
3. एम्स, नई दिल्ली और इंडियन प्रेडर-विली एसोसिएशन (आई.पी.डब्ल्यू.एस.ए.) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रेडर विली सिंड्रोम पेरेंट ग्रुप बैठक, 12 सितंबर, दिल्ली
4. आई.ई.एम. दिवस, "एम.ई;आर.डी. इंडिया" चयापचय संबंधी जन्मजात विकारों पर एक पेरेंट्स ग्रुप तथा "आई.ई.एम सपार्ट चैरिटेबल ट्रस्ट" के सहयोग से बाल चिकित्सा के आनुवंशिकी विभाग का प्रभाग, 15 दिसंबर, दिल्ली
5. टर्नर सिंड्रोम संगोष्ठी- युनिवर्सिटी ऑफ कोलोरेडो, सर गंगा राम अस्पताल तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक इंडो-यू.एस. शिक्षाप्रद गतिविधि।

नवजात विज्ञान (9)

1. प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) हेतु नवजात विकारों हेतु केयर पैकेजों का निर्माण, 6-7 मई, 2018, नई दिल्ली
2. अपरिपक्व शिशु देखभाल एवं गुणवत्ता सुधार कार्यशाला, 4-5 दिसंबर, 2018, एम्स, नई दिल्ली
3. अपरिपक्व शिशु देखभाल एवं गुणवत्ता सुधार कार्यशाला, 11-13 जनवरी, 2019, एम्स, नई दिल्ली
4. मानक उपचार कार्यगति विकास बैठकें, अक्टूबर, 2018-मार्च, 2019, एम्स, आई.सी.एम.आर. डी.एच.आर., नई दिल्ली
5. गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तथा रोगी सुरक्षा पर संकाय हेतु कार्यशाला, 4-5 फरवरी, 2019, रायपुर, एम्स, छत्तीसगढ़
6. एम.एन.एच. हेतु आवश्यक नवजात देखभाल तथा गुणवत्तापूर्ण सुधार पर प्रशिक्षण, 11-17 अगस्त, 2018, माली, मालदीव
7. अपरिपक्व और एल.बी.डब्ल्यू शिशुओं की सुविधा आधारित देखभाल पर उड़ीसा राज्य स्तरीय कार्यशाला, 26-28, दिसंबर, 2018, एस.सी.बी.कटक,
8. महत्वाकांक्षी जिलों हेतु नवजात स्वास्थ्य पर पॉइंट ऑफ केयर फॉर क्वालिटी इंप्रूवमेंट (पी.ओ.सी.क्यू.आई.) पर क्षेत्र स्तरीय कार्यशाला, 19-20 जून, 2018, कोरापुट, उड़ीसा।
9. नवजात वेंटिलेशन कार्यशाला, 28-29, जनवरी, 2019, चटगांव, बांग्लादेश।

तंत्रिका विज्ञान (5)

1. ऑटिज्म उपकरणों आई.एन.डी.टी. ए.एस.डी. और आई.एस.ए.ए. के मास्टर ट्रेनर्स हेतु प्रशिक्षण के लिए नेशनल ट्रस्ट के सहयोग से चौथी राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, (एम्स के सहयोग से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय), 6-8 अप्रैल,2018, विज्ञान भवन, नई दिल्ली।

2. एक जन स्वास्थ्य व्याख्यान का आयोजन, जन स्वास्थ्य व्याख्यान में "ऑटिज्म: कौशल विकास के द्वारा सशक्तीकरण" पर वक्तव्य दिया एवं मोडरेटिड पैनल चर्चा का आयोजन किया, 11 अप्रैल, 2018, जवाहर लाल सभागर, एम्स, नई दिल्ली
3. प्रस्तुति: ज्वर की स्थिति का रहस्योद्घाटन: दिल्ली आई.ए.पी. बैठक के दौरान चिकित्सकों के लिए एक पहेली, 19 जुलाई, 2018, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

अर्बुद विज्ञान (5)

1. जनव्याख्यान एवं पैनल चर्चा, बाल्यावस्था कैंसर जागरुकता, 27 फरवरी, 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. रोगी शिक्षा कार्यक्रम, बाल्यावस्था कैंसर, 10 दिसंबर, 2018, एम्स, नई दिल्ली
3. संक्रमण नियंत्रण का मॉड्यूल, संक्रमण नियंत्रण, 11 नवंबर, 2018, एम्स, नई दिल्ली
4. रोगी शिक्षा कार्यक्रम, बाल्यावस्था कैंसर, 14 मई 2018, एम्स, नई दिल्ली
5. नॉर्थ इंडिया पीडियाट्रिक ऑनकोलॉजी फोरम (एन.आई.पी.ओ.एफ.), एक्यूट मायलॉयड ल्यूकीमिया और अन्य असाधारण पीडियाट्रिक ल्यूकीमिया (ल्यूकीमियास ऑफ एंबिगुअस लाइनएज/एम.पी.ए.एल. और जे.एम.एम.एल.), 23 फरवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली

वृक्क विज्ञान (2)

1. पैनल चर्चा, जन व्याख्यान, सी.एम.ई., गुर्दा स्वास्थ्य सभी के लिए, सभी जगह विषय के साथ विश्व गुर्दा दिवस, 10-16 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, नई दिल्ली और एम्स, भोपाल
2. सी.एम.ई., हेमोडायलिसिस के मूल सिद्धांत, 9 दिसंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली

पल्मोनोलॉजी, इंटेंसिव केयर, ट्यूबरकुलोसिस (2)

1. आई.सी.यू. और सपोर्टिव केयर में ऑर्गन डिसफंक्शन, 5-6 मई 2018, सम्मेलन हॉल, एम्स, नई दिल्ली
2. तीसरा सिस्टक फाइब्रोसिस सम्मेलन और अभिभावक शिक्षण, 6 सितंबर 2018, सम्मेलन हॉल, एम्स, नई दिल्ली

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

संकाय सदस्यों ने सीएमई (राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय) के 256 क्रियाकलापों में हिस्सा लिया।

प्रदत्त व्याख्यान

वंदना जैन: 13	**रजनी शर्मा: 9**	**रोहन मलिक: 4**
मधुलिका काबरा: 13	**नीरजा गुप्ता: 11**	**रश्मि शुक्ला: 2**
ए.के. देवरारी: 20	**रमेश अग्रवाल: 4**	**एम.जीवा शंकर: 17**
अनु सचदेवा: 7	**अरविंद बग्गा: 8**	**पंकज हरि: 4**
अदिति सिन्हा: 11	**शेफाली गुलाटी: 32**	**विश्वरूप चक्रवर्ती: 8**
प्रशांत जौहरी: 6	**रचना सेठ: 11**	**जे.पी.मीना: 2**

अदित्य गुप्ता: 6 **एस.के.काबरा: 60** **राकेश लोढा: 13**
काना राम जाट: 16 **झूमा शंकर: 6** **नरेन्द्र कुमार बागरी: 3**
धनेश्वर यादव एम.एस.एस.ओ.: 4

प्रस्तुत किए गए मुख पत्र/पोस्टर्स: 119

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों में वजन घटाने के लिए परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकता: एक आरसीटी, वंदना जैन, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2016-19, रुपये 51.6 लाख।
2. भारत मे सेक्स विकास के दुर्लभ विरासती विकारों के निदान और उपचार में सुधार, वंदना जैन, आईसीएमआर, दिल्ली और बी.एम.बी.एफ. जर्मनी, 2.5 वर्ष, 2017-19, रुपये 47.0 लाख।
3. निम्न संसाधन सेटिंग्स में टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों के लिए इंसुलिन और आहार व्यवस्था को अनुकूलित करना, वंदना जैन, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 2.5 वर्ष, 2017-2020, रुपये 25.0 लाख।
4. हेपेटिक फैट फ्रैक्शन कम करने में मेटामॉर्फिन की प्रभावकता तथा एन.ए.एफ.एल.डी. से ग्रस्त अत्याधिक वजन वाले किशोरों में इंसुलिन की प्रतिरोधकता- एक आर.सी.टी., वंदना जैन, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 59.2 लाख।
5. एस.ई.ए.आर. मे जन्मजात विकारों की निगरानी के लिए गुणवत्ता आश्वासन तथा गुणवत्ता सुधार पर ए.पी.डब्ल्यू., मधुलिका काबरा, डब्ल्यू.एच.ओ. 6 माह, 2019, रुपये 8 लाख।
6. मातृक रक्त नमूनों से नई ट्राईसोमीस (डाउन सिंड्रोम) की गैर-आक्रामक प्रसव-पूर्व पहचान, मधुलिका काबरा, एस.ई.क्यू. इंडिया, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 12 लाख।
7. भ्रूण विकृतियों तथा मृत-जन्म के मूल्यांकन में न्यूनतम आक्रमक शव-परीक्षण (एम.आई.ए.)-मृत-जन्म मूल्यांकन हेतु मानक प्रोटोकॉल विकसित करने हेतु एक व्यावहारिक अध्ययन, नीरजा गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 29.6 लाख।
8. नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (डी.आई.आई.डी.) द्वारा इडियोपेथिक बौद्धिक अक्षमता की व्याख्या (डी.आई.आई.डी.-एन.जी.एस.स्टडी), नीरजा गुप्ता, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 86.8 लाख।
9. होल एक्सोम सीक्वेंसिंग का प्रयोग कर गंभीर भ्रूण संबंधी तथा नवजात मेंडेलियाई विकासात्मक दोषों के आणविक तंत्र का व्यापक मूल्यांकन, नीरजा गुप्ता, डी.एच.आर., 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 49.3 लाख।
10. इंडियन एटेक्सिया टेलांगएक्टेसिया के रोगियों में म्यूटेशन के स्पेक्ट्रम की पहचान, रश्मि शुक्ला, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, 5 वर्ष, 2014-2019, रुपये 34.9 लाख।

11. नवजात विशेष देखभाल एकक में नवजात देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करके प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपेथी कम करना, अशोक.के.देवरारी, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, 3वर्ष 5 माह, 2015-2019, रुपये 1.14 करोड़।
12. अपरिपक्व नवजात केयर पैकेज और सेवा-पूर्व शिक्षा में गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण का एकीकरण, अशोक देवरारी, डब्ल्यू.एच.ओ.,11 माह, 2019, रुपये 33.6 लाख।
13. सगर्भता के 36 सप्ताह बाद के भीतर अपरिपक्व शिशुओं के लिए अनुपूरक आहार दिशानिर्देशों का विकास, रमेश अग्रवाल, आई.सी.एम.आर., 1वर्ष, 2018-2019, रुपये 9.5 लाख।
14. एल.एम.आई.सी. में नीओनेटल सेप्सिस और एंटी माइक्रोबियल रसिसटेंस पर अनुसंधान को सुगम बनाना: जी.ए.आर.डी.पी./डी.एन.डी.आई. के साथ एक सहभागिता, रमेश अग्रवाल, उपेक्षित रोगों की पहल के लिए औषधि, स्विट्जरलैंड, एक वर्ष 11 माह, 2018-2019, रुपये 45.8 लाख।
15. नीओ ए.एम.आर. ग्लोबल नीओनेटल सेप्सिस ऑब्सर्वेशनल स्टडी (नीओ ओ.बी.एस.): अस्पताल में भर्ती नवजातों में सेप्सिस का एक अग्रदर्शी सामूहिक अध्ययन, रमेश अग्रवाल और एम.जीवा शंकर, निम्नलिखित द्वारा संयुक्त रूप से वित्त-पोषित: ग्लोबल एंटीबायटिक आर एंड डी पार्टनर्शिप (जी.ए.आर.डी.पी.), स्विट्जरलैंड और आई.सी.एम.आर. नई दिल्ली, 1 वर्ष 6 माह, अक्टूबर, 2018- मार्च, 2020, जी.ए.आर.डी.पी.= रुपये 1.5 लाख और आई.सी.एम.आर. रुपये 1.02 लाख।
16. रोग जीव विज्ञान का अध्ययन तथा अस्पताल में भर्ती नवजातों में बैक्टिरियल सेप्सिस का निदान: एक बहु-केन्द्र अध्ययन, रमेश अग्रवाल, डी.बी.टी., नई दिल्ली, 4 वर्ष, 2015-2019, रुपये 1.85 करोड़।
17. भारत में नवजातों में बहु-औषधीय प्रतिरोधक (एम.डी.आर.) एसिनेटोबैक्टर संक्रमण का आणविक महामारी विज्ञान (चरण-I), एम. जीवाशंकर, आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली, 5 वर्ष, 2017-2022, रुपये 79.8 लाख।
18. अस्पताल में भर्ती नवजातों तथा अस्पताल के निकटवर्ती वातावरण से प्राप्त क्लेबसिएला एसपीपी का तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषण, एम. जीवाशंकर, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 5 लाख।
19. नीयोनटल आउटकम्स में सुधार के लिए शिशुओं हेतु मानव दुग्ध तक सार्वभौमिक पहुंच एवं प्राप्ति, काजल जैन, वैज्ञानिक-II, स्वास्थ्य अनुसंधान एवं नवोत्थान केन्द्र (सी.एच.आर.आई.), भारत, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 18.3 लाख।
20. क्या नीयोनेटल अर्ली ऑनसेट सेप्सिस के मामले में भ्रूण प्रतिरोधक प्रतिक्रिया गर्भाशय में शुरू होती है? काजल जैन, वैज्ञानिक-II, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 9.9 लाख।
21. जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस वाले बच्चों में मेथोट्रेक्सेट की प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान लगाना- बायोमार्कर्स की भूमिका, एन.के. बागरी, एम्स, 2 वर्ष, 2016- जारी, प्रतिवर्ष रुपये 4 लाख।
22. एटाइपिकल हीमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, अरविंद बग्गा, सी.ई.एफ.आई.पी.आर.ए. (डी.एस.टी.), 3 वर्ष, 2016-2019, रुपये 12.25 लाख।

23. बाल वृक्क जीव विज्ञान कार्यक्रम: नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान, अरविंद बग्गा, डी.बी.टी., 5 वर्ष, 2016-2021, रुपये 8 करोड़।

(क) 4 वर्ष से कम आयु के बच्चों में इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम के प्रथम अध्याय के लिए प्रेडनिसोलोन सहित की 3 माह की थैरेपी बनाम 6 माह की थेरेपी की प्रभावकता की तुलना करने के लिए रेंडमाइज्ड, मल्टीसैंट्रिक, ओपन लेबल, पेरलल ग्रुप ट्रायल, अरविंद बग्गा, डी.बी.टी., 5 वर्ष, 2016-2021

(ख) वृक्क-ऊतक विज्ञान के बायोमार्कर्स के रूप मे सीरम और यूरीनरी माइक्रो आरएनए तथा स्टेरॉयड प्रतिरोधक नेफ्रोटिक सिंड्रोम से ग्रस्त बच्चों की चिकित्सा के प्रति इनकी प्रतिक्रिया, अरविंद बग्गा, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2016-2019

(ग) ऑटोएंटिबॉडी एसोसिएटिड अल्टर्नेटिव कांप्लिमेंट पाथवे डिस्रेगुलेशन इन नेफ्रोटिक सिंड्रोम सेकंड्री टू मेम्ब्रेनोप्रोलिफ्रेटिव ग्लोमेरूलोनफ्राईटिस, पंकज हरि, डी.बी.टी., 2 वर्ष, 2017-2019

24. बाल गुर्दा रोगों में अनुसंधान के लिए आई.सी.एम.आर. एडवांस्ड सेंटर हेतु प्रस्ताव, अरविंद बग्गा, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष,2017-2022, रुपये 1.6 करोड़।

(क) बार-बार होने वाले स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम से ग्रस्त रोगी को संक्रमण के दौरान रोजाना दी जाने वाली दीर्घावधि की वैकल्पिक दिनों की स्टेरॉयड्स बनाम लिवामिसोल की प्रभावकता एवं सुरक्षा की तुलना करने के लिए रेंडमाइज्ड ओपन लेबल्ड कंट्रोल्ड ट्रायल, अरविंद बग्गा, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022

(ख) बार-बार होने वाले अथवा स्टेरॉयड आश्रित सिंड्रोम से ग्रस्त रोगियों को कम खुराक की प्रीडीनसोलोन सहित दैनिक चिकित्सा बनाम वैकल्पिक दिनों में मानक चिकित्सा की प्रभावकता की तुलना करने के लिए ओपन लेबल, रेंडमाइज्ड, कंट्रोल्ड ट्रायल, अरविंद बग्गा, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022

(ग) हीमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम से ग्रस्त रोगियों के लिए एक बायोरिपोजिट्री तथा रजिस्ट्री का स्थापन, प्रो. अरविंद बग्गा, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022

(घ) हीमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम के नॉन -डायरियल एवं नॉन-ऑटो इम्यून रूप से ग्रस्त रोगियों में होल एग्जोम सीक्वेंसिंग, प्रो. अरविंद बग्गा, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022

(ङ) वेसिकोरिटरल रिफ्लक्स से ग्रस्त भारतीय बच्चों में आनुवंशिक विविधताओं का प्रायोगिक अध्ययन, प्रो. पंकज हरि, आई.सी.एम.आर, 5 वर्ष, 2017-2022

(च) बाल्यावस्था की गुर्दे संबंधी बीमारियों के निदान एवं उपचार हेतु साक्ष्य-आधारित दिशा-निर्देशों का गठन एवं प्रसार, प्रो. अरविंद बग्गा, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022

25. बच्चों में एंटी-कॉम्प्लीमेंट फैक्टर एच (एफ.एच.) संबंधी हीमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम (एच.यू.एस.): प्रतिरक्षा विज्ञानी तथा आनुवंशिक आधार, तथा ऑटो एंटीबोडीज का कार्यात्मक लक्षण वर्णन, अदिति सिंहा, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 68.2 लाख।

26. एटेक्सिया टेलेंगिएक्टेसिया से ग्रस्त रोगियों में तंत्रिका वैज्ञानिक लक्षणों पर इंट्रा एरिथ्रोसाइट डेक्सामीथेसोन साडियम फोसफेट के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए मल्टीसेंटर रंडमाइज्ड डबल

ब्लाइंड प्लेस्बो कंट्रोल्ड ट्रायल, शेफाली गुलाटी, एरिडेल, एस.पी.ए., इटली, 2 वर्ष, 2018- वर्तमान में जारी, रुपये 72 लाख।

27. श्वास संबंधी लक्षणों सहित रैट सिंड्रोम से ग्रस्त रोगियों में सेरीजोटन की प्रभावकता, सुरक्षा तथा सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक रैडंमाइज्ड, डबल ब्लाइंड प्लेस्बो कंट्रोल्ड छमाही अध्ययन, शेफाली गुलाटी, न्यूरोफार्मसूटिकल्स, इटली, 2 वर्ष, 2017- वर्तमान में जारी, रुपये 42 लाख।

28. नॉनसेंस म्यूटेशन डूशेन मस्क्युलर डिस्ट्रोफी और ओपन लेबल एक्स्टेंशन के रोगियों में एटेलूरेन की प्रभावकता तथा सुरक्षा का फेस 3, रेंडमाइज्ड, डबल ब्लाइंड प्लेस्बो कंट्रोल्ड अध्ययन, शेफाली गुलाटी, पी.टी.सी. थैरेप्यूटिक्स, यू.एस.ए., 2 वर्ष, 2019-वर्तमान में जारी, रुपये 50 लाख।

29. बाल्यावस्था में तंत्रिका विकासात्मक विकारों पर सेंटर ऑफ एक्सलंस एंड एडवांस्ड रिसर्च की 5 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परियोजनाएँ, शेफाली गुलाटी, एम्स, जी.आई.ए.(एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आई.आई.एफ.सी.एल. (इसके सी.एस.आर. अंश के रूप में), 5 वर्ष, दिसम्बर 2017-वर्तमान में जारी, रुपये 11.3 करोड़ (6.3+5)

30. सी.ओ.एम.पी.ए.एस.एस.: दक्षिण एशिया ट्रायल में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर के लिए संचार केन्द्रित पेरेंट मीडिएटिड उपचार (यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेचेस्टर एंड संगठ), शेफाली गुलाटी, एम.आर.सी., यू.के., 4 वर्ष, 2018-वर्तमान में जारी

31. लो-रिसोर्स सेटिंग्स में विकासात्मक तंत्रिका मनोविकारों की स्क्रीनिंग के लिए स्केलेबल मोबाइल प्लेटफॉर्म का विकास और विधि मान्यकरण: तकनीक का प्रयोग करके आटिज्म जोखिम के लिए स्क्रीनिंग टूल्स (एम.आर.सी. फाउंडेशन अवार्ड स्कीम, यू.के.), शेफाली गुलाटी, एम.आर.सी., यू.के., 2 वर्ष, 2017- वर्तमान में जारी, 5,85,692 प्लस, 5,04,367 पाउंड स्टर्लिंग।

32. सीरम मैट्रिक्स मेटलोप्रोटीनेस-9: न्यूरोसिस्टीसरकोसिस में कैल्सिफिकेशन और एपिलेप्सी का अनुमान लगाने के लिए एक संभावित बायोमार्कर; एक लोंगिट्युडिनल अवलोकनात्मक अध्ययन, बिश्वरूप चक्रवर्ती, आई.आर.जी., 2 वर्ष, 2016-वर्तमान में जारी, रुपये 5 लाख।

33. सीरम sICAM5 और MMP9/TIMP1 रेशियो: इलेक्ट्रिकल स्टेटस इन स्लीप (ईएसईएस) सिंड्रोम के साथ एन्सीफेलोपेथी से पीड़ित बच्चों में डिसीस एक्टिविटी के संभावित प्रिडिक्टर्स, प्रशांत जौहरी, एम्स, 2 वर्ष, 2016-जारी, रुपये 3.1 लाख।

34. कीमो टू क्योर (सी टू सी)" कैंसर उत्तरजीविता का अध्ययन, रचना सेठ, जिव दया फाउंडेशन, 2011 से, रुपये 1.2 करोड़।

35. बाल्यावस्था के तीव्र लिंफोब्लास्टिक ल्यूकीमिया (ए.एल.एल.) में आणविक परिवर्तन: एफ एक्टर-2 (सीआरएलएफ-2) रिअरेंजमेंट्स एंड जेनस किनेस (जेएके) म्यूटेशन जैसे साइटोकिन रिसेप्टर की भूमिका, रचना सेठ, आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2015-2019, रुपये 3.8 लाख।

36. बायोलोजिकल मार्कर्स का एकीकृत आणविक जीव विज्ञान: भारतीय बाल्यावस्था के बी लाइनेज एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में जीन के कॉपी नम्बर परिवर्तनों की भूमिका, निवेदिता, रचना सेठ, यू.जी.सी. महिला वैज्ञानिक फेलोशिप, 5 वर्ष, 2018 -2022, रुपये 40 लाख।

37. भारतीय बाल आबादी में बी सेल एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकीमिया (बी.ए.एल.एल.) के पेथोजेनिसिस में IKZF1 जीन और विभन्न IKAROS आइसोफोर्म्स की भूमिका का निर्धारण, काकाली पुरकायस्था, रचना सेठ, बायोकेयर अनुदान के अंतर्गत डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2018-2020, रुपये 60 लाख।
38. एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकीमिया (Icic1e) से ग्रस्त पहचाने गए नए रोगियों के लिए एक सहयोगात्मक, बहुकेन्द्र, राष्ट्रीय अध्ययन, रचना सेठ, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड और आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022, रुपये 30 लाख (पीडियाट्रिक्स और आई.आर.सी.एच. हेतु संयुक्त रूप से प्राप्त निधि (डॉ. समीर बक्शी)
39. एक्यूट माइलोइड ल्यूकीमिया (ए.एम.एल.) से ग्रस्त बाल रोगियों में जीन कॉपी नम्बर परिवर्तनों तथा म्यूटेशन प्रोफाइल का आणविक मूल्यांकन तथा रोग पूर्वानुमान से इसका संबंध, जगदीश प्रसाद मीना, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020 प्रतिवर्ष रुपये 4.8 लाख।
40. कैंसर और फीब्राइल न्यूट्रोपिनिया से ग्रस्त बच्चों में श्वास संबंधी वायरल संक्रमण का फैलाव एवं नैदानिक निष्कर्ष, जगदीश प्रसाद मीना, एम्स, 1 वर्ष, 2017-18, रुपये 5 लाख।
41. एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकीमिया से ग्रस्त सीडी 20 पॉजिटिव बच्चों में कीमोथेरेपी के इंडक्शन चरण के बाद मिनिमल रेसिड्युअल डिसीस कम करने के लिए रिटक्सीमैब सहित मानक कीमोथेरेपी बनाम केवल मानक थेरेपी की प्रभावकता का मूल्यांकन, आदित्य कुमार गुप्ता, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 3.5 लाख।
42. एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन ट्रीटमेंट यूनिट्स (ए.टी.यू.) विकसित करना तथा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने तथा निमोनिया संबंधी अस्वस्थता दर तथा मृत्यु दर के अनुसंधान में इनकी उपयोगिता का मूल्यांकन करना, एस.के. काबरा, राकेश लोढा आर., आई.एन.सी.एल.ई.एन. (बिल गेट्स मालिंडा फाउंडेशन), रुपये 1.97 करोड़।
43. दिल्ली में तीव्र श्वास लक्षणों पर बाहरी वायु प्रदूषण का प्रभाव: एक बहुस्थलीय अध्ययन, एस.के. काबरा, राकेश लोढा, आई.सी.एम.आर., 1 वर्ष, 2017-2018, रुपये 56.2 लाख।
44. मल्टीप्लेक्स पाइंट-ऑफ-केयर टेस्ट फॉर एक्यूट फीब्राइल इलनेस (mPOCT), राकेश लोढा, टी.एच.एस.टी.आई. 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 32 लाख।
45. भारत में डेंगू संक्रमण, राकेश लोढा,एन.आई.एच., 5 वर्ष, 2015-2019, रुपये 99 लाख।
46. बच्चों में सेकेंड-लाइन एंटी-ट्यूबरकुलर ड्रग्स के फार्माकोकाइनेटिक्स का अध्ययन, राकेश लोढा, डी.एच.आर., 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 24.6 लाख।
47. क्रिटिकल केयर मेडिसन में पूर्वानुमान और सुनिश्चितता के लिए लॉगिट्यूडिनल बिग-डेटा, राकेश लोढा, डी.एस.टी., 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 38 लाख।
48. क्लीनिकल और बिग डेटा के एकीकरण से पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट्स में सेप्सिस की समय-पूर्व पहचान, राकेश लोढा, वेलकम ट्रस्ट-डी.बी.टी., 6 वर्ष, 2015-2021, रुपये 1.97 करोड़।
49. बच्चों में सेकेंड-लाइन एंटी-ट्यूबरकुलर ड्रग्स के फार्माकोकाइनेटिक्स का अध्ययन, राकेश लोढा, डी.एच.आर., 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 24.6 लाख।

50. विटामिन डी की कमी वाले अस्थमा ग्रस्त बच्चों में विटामिन डी सम्पूरण की प्रभावकता और सुरक्षा:एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल (ई.एस.डी.ए.सी. ट्रायल) ,काना राम जाट, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 34.9 लाख।
51. भारतीय बच्चों में प्राइमरी सीलियरी डिस्काइनेसिया के जीनोटिक म्यूटेशन्स प्रोफाइल की पहचान तथा क्लीनिकल फीनोटाइप से म्यूटेशन का सह-संबंध, काना राम जाट, डी.बी.टी., नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 30.86 लाख।
52. बाल श्वसन रोगों में उन्नत अनुसंधान हेतु केन्द्र, आई.सी.एम.आर., 2018-2023, एस.के.काबरा, राकेश लोढा, कानाराम जाट, झुमा शंकर, रुपये 16.2 करोड़ निधि, परियोजनाएं निम्नानुसार:
    (क) बच्चों में चिरकालिक श्वसन विकारों के उपचार हेतु क्षमता निर्माण
    (ख) भारत में सिस्टिक फिब्रोसिस: फैलाव, म्यूटेशन प्रोफाइल और रजिस्ट्री का विकास
    (ग) बच्चों मे इंटरस्टिशियल लंग डिसीस
    (घ) बच्चों में प्राइमरी सीलियरी डिस्काइनेसिया के लिए पाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग
    (ङ) बच्चों में प्राथमिक और अर्जित इम्यूनो-डेफिशियन्सी विकारों की श्वास संबंधी जटिलताएं।

पूर्ण

(1) सेप्टिक शॉक मे इनिशियल फ्लूड रिससीटेशन में संतुलित सोल्यूशन बनाम सामान्य सेलाइन, झुमा शंकर, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2019, रुपये 71 लाख।

(2) ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चों में ब्लड हेवी मेटल लेवल और क्वांटिटेटिव ईईजी का सह-संबंध, शेफाली गुलाटी, आई.सी.एम.आर., 3.5 वर्ष, 2014-2018, रुपये 49.04 लाख।

(3) अपरिपक्व नवजातों में रिस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम के उपचार हेतु अभिनव और किफायती गोट लंग सर्फेक्टेंट की प्रभावकता और सुरक्षा का मूल्यांकन: एक बहुस्थलीय रेंडमाइज्ड क्लीनिकल ट्रायल, रमेश अग्रवाल, वेलकम ट्रस्ट, 3 वर्ष 5 माह, 2015-2019, रुपये 1.1 करोड़।

(4) गंभीर रूप से बीमार बच्चों में बेड सोर्स के लिए शहद बनाम मानक उपचार, झुमा शंकर, पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर अनुसंधान अनुदान-एच.ए.आर.डी. अनुदान (1 वर्ष), दिसंबर 2018 में पूर्ण, रुपये 6.5 लाख।

(5) हाइपोक्सिया अनुकूलन और गर्भावस्था निष्कर्ष का अध्ययन, विनोद पॉल और वंदना जैन, वेलकम ट्रस्ट, 1.5 वर्ष, 2016-2018, रुपये 43 लाख।

(6) बच्चों में परिसंचरण दोष (सर्कुलेटरी इंपेयरमेंट) के लक्षण, झुमा शंकर, डी.एस.टी. (3 वर्ष),2019-2021, रुपये 34 लाख।

(7) दक्षिण-पूर्व एशिया में पाइंट ऑफ केयर गुणवत्ता सुधार दृष्टिकोण के क्षमता निर्माण, प्रसार तथा अंतरण के लिए एक क्षेत्रीय शिक्षा मंच स्थापित करना, अशोक के. देवरारी, डब्ल्यू.एच.ओ., 1 वर्ष, जनवरी 2018-फरवरी 2019, रुपये 31.85 लाख।

(8) 2-24 माह की आयु के संकटग्रस्त भारतीय बच्चों में रेफरेंस स्टेंडर्ड टूल (डी.ए.एस.आई.आई.-भारतीय शिशुओं के लिए विकासात्मक मूल्यांकन मापदंड) की तुलना में विकासात्मक स्क्रीनिंग टूल

के रूप में अनुकूलित ए.एस.क्यू.-3 (एजिस एंड स्टेजिस प्रश्नावली) का विधिमान्यकरण एवं भारतीय अनुकूलन, शेफाली गुलाटी, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 19.01 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एकमात्र क्रियाशील किडनी वाले बच्चों में रीनल डिसफंक्शन के प्रसार के मूल्यांकन हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन
2. बाल्यावस्था और किशोरावस्था फोकल ऑनसेट रिफ्रेक्ट्री मिर्गी में टारगेटिड लो फ्रीक्वेंसी रिपीटिटिव ट्रांस्क्रेनियल मेग्नेटिक स्टिमुलेशन (rTMS) का एक रेंडमाइज्ड शाम कंट्रोल्ड नैदानिक परीक्षण
3. एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकीमिया (ए.एल.एल.) से पीड़ित भारतीय बच्चों में इंडक्शन कीमोथेरेपी की प्रेजेंटेशन और प्रतिक्रिया में IK2F-1 जीन परिवर्तनों तथा साइटोकिन रिसेप्टर जैसे फैक्टर 2 (सीआरएलएफ 2) एक्स्प्रेशन से प्रोग्नोस्टिक मार्कर्स का संबंध
4. एयर डिस्प्लेसमेंट प्लेथिस्मोग्राफी द्वारा जन्म के समय तथा प्रारंभिक जीवनावस्था में अपरिपक्व नवजातों में शरीर रचना, एक लॉन्गिट्यूडिनल अध्ययन
5. एयर डिस्प्लेसमेंट प्लेथिस्मोग्राफी द्वारा जन्म के समय स्वस्थ नवजातों की शरीर संरचना
6. हृदय-अर्बुदविज्ञान, हृदय-विषाक्तता की रोकथाम में बायोमार्कर्स और स्ट्रेन इमेजिंग इकोकार्डियोग्राफी की भूमिका
7. गुर्दा प्रत्यारोपण कराने वाले रोगियों में हृदय वाहिका निष्कर्ष
8. पीआईसीयू में अपने प्रारंभिक 7 दिनों के ठहराव के दौरान गंभीर रूप से बीमार बच्चों में मांसपेशियों के घनत्व तथा मांसपेशियों की इंकोजीनीसिटी में परिवर्तन
9. देखभालकर्ताओं और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों में बाल्यावस्था एवं किशोरावस्था निद्रा सचेतता, एक सामुदायिक और अस्पताल आधारित सर्वेक्षण
10. भारत में बच्चों में इंफ्लेमेटरी बाउल डिसीस की नैदानिक और प्रयोगशाला प्रोफाइल-एक बहु केन्द्रीय अध्ययन
11. जीनोमिक दृष्टिकोण का प्रयोग कर जन्मजात अंग विकारों का नैदानिक और आणविक लक्षण वर्णन
12. चिकिनगुनिया वायरस जीन की क्लोनिंग और एक्सप्रेशन तथा बच्चों और वयस्कों में चिकनगुनिया रोग जनन में इनकी भूमिका का मूल्यांकन (पी.एच.डी.थीसिस)
13. फ्लूड थेरेपी के दिशा-निर्देशन के लिए सेप्टिक शॉक रिससाइटेशन के थेरेपेटिक एंड पाइंट्स की तुलना
14. ड्रग प्रतिरोधी मिर्गी से ग्रस्त बच्चों में लो ग्लाइसीमिक इंडेक्स थेरेपी और परिवर्तित एटकिन्स आहार की प्रभावकता की तुलना

15. दिमागी लकवे से पीड़ित संवेदी क्रिया विकारग्रस्त बच्चों में संपूर्ण मोटर स्किल को सुधारने में केवल मानक देखभाल से मानक देखभाल के सहायक के रूप में संवेदी एकीकरण थेरेपी की प्रभावकता की तुलना
16. संकटग्रस्त नवजातों में हाइपोग्लाइसीमिया की पहचान करने में टू पॉइंट-ऑफ-केयर ग्लूकोस मीटर्स के प्रदर्शन की तुलना
17. नवजातों में ओरोट्रेकियल ट्यूब की लंबाई का अनुमान लगाने के लिए तीन विभिन्न पद्धतियों की तुलना
18. शिशुओं और बच्चों में सिस्टिक किडनी रोग: क्लीनिकल स्पेक्ट्रम और अल्ट्रासाउंड खोज
19. सेप्टिक शॉक ग्रस्त बच्चों में पहला फ्लूड बोलस और एंटीबायटिक्स की पहली खुराक देना तथा इसकी पहचान करने के समय में घटोतरी
20. 1800 ग्राम से 2499 ग्राम के कम वजन वाले नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए माताओं और परिवारों हेतु एक परामर्शी पैकेज का विकास करना
21. डिस्लेक्सिया सहित विशिष्ट अधिगम दोष ग्रस्त स्कूल जाने वाले भारतीय बच्चों के लिए संरचित उपचारात्मक हस्तक्षेप कार्यक्रम का विकास करना, एक लॉन्गिट्यूडिनल इंटरवेंशन अध्ययन
22. ओवरनाईट पॉलीसोम्नोग्राफी में 3-18 वर्ष के स्कूल जाने वाले भारतीय बच्चों और किशोरों में निद्रा संबंधी समस्याओं की पहचान करने के लिए प्रश्नावली आधारित उपकरण का विकास और विधि-मान्यकरण (जारी)
23. भारतीय नवजातों में सतही तौर पर लगाए गए केन्द्रीय केथेटर (पीआईसीसी) की निवेशन लंबाई के लिए एक सूत्र बनाना, एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
24. वेंटीलेटर पर रखे गए गंभीर रूप से बीमार बच्चों को बेहोश करने के लिए डेक्स्मेडिटोमेडिन बनाम मिडाजोलम
25. अपरिपक्वता की रेटिनोपेथी की पहचान करने में अनुमानक एल्गोरिदम की नैदानिक सटीकता
26. 1 माह से 18 वर्ष के बच्चों में तंत्रिका विकासात्मक विकारों के निदान और उपचार का अंतराल, एक अवलोकनात्मक अध्ययन
27. वेल कंट्रोल्ड नॉन-लीस्नल एपिलेप्सी के बच्चों और किशोरों में कॉग्निशन और व्यवहार के DTI, fMRI एवं qEEG सह-संबंध, एक अवलोकनत्मक अध्ययन
28. अपरिपक्व नवजातों ($\leq$32 सप्ताह की गर्भावस्था) में समय पर फुल एंटरल फीड की पहुंच के लिए दृश्य जांच आधारित एब्डोमिनल मॉनिटरिंग बनाम रूटीन प्रीफीड एब्डोमिनल बर्थ मॉनिटरिंग का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
29. बार-बार होने वाले गुर्दा रोग के लिए इंट्राविनस रिटक्सीमेब बनाम टेक्रोलिमस की प्रभावकता तथा सुरक्षा
30. हाइली एमिटोजीनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों में एक एड-ऑन थेरेपी के रूप में ओलांजापाइन की प्रभावकता एवं सुरक्षा, अ रेंडमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेस्बो कंट्रोल्ड स्टडी

31. जुवेनाइल इडियोपेथिक अर्थराइटिस से पीड़ित बच्चों को दी जाने वाली केवल मानक थेरेपी बनाम मानक थेरेपी के साथ-साथ पल्स डेक्सामीथेसोन की प्रभावकता
32. नवजातों में स्किन एंटिसेप्सिस के दो अलग क्लोराहेक्सिडाइन ग्लूकोनेट प्रीपरेशन्स की प्रभावकता, अ नॉन इंफीरियरिटी रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
33. टाइप 1 मधुमेह में ग्लाइसिमिक कंट्रोल को सुधारने के लिए विटामिन डी संपूरण की प्रभावकता
34. सदमे से ग्रस्त बच्चों में महामारी विज्ञान और आउटकम्स (एस.टी.एस. परियोजना 2019)
35. नॉन इम्यून हाइड्रॉप्स फीटालिस (एन.आई.एच.एफ.) का हेतु वैज्ञानिक मूल्यांकन
36. आई.वी. फ्रूसमाइड थेरेपी के लिए गैर-प्रतिक्रियात्मक गुर्दारोग और एडिमा से ग्रस्त बच्चों में टोलवेप्टन के एक्वारिसिस इफेक्ट की प्रभावकता का मूल्यांकन करना
37. नेफ्रोलिथियासिस से ग्रस्त बच्चों में चयापचय असामान्यताओं का मूल्यांकन
38. आइसोलेटिड हेमिहाइपरप्लेसिया में 11p15.5 लोकस पर आणविक परिवर्तनों का मूल्यांकन
39. स्टेबल अपरिपक्व नवजातों में माता-पिता द्वारा की जाने वाली कंगारू देखभाल के दौरान शारीरिक प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन, एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
40. हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त 5-18 वर्ष के बच्चों में ऊपरी अंग संचालन को सुधारने में मॉडिफाइड कंस्ट्रेंट इंड्यूस्ड मूवमेंट थेरेपी के लिए सहायक के रूप में रिपीटिटिव ट्रांस्क्रेनियल मेग्नेटिक स्टिमुलेशन का मूल्यांकन, एक आर.सी.टी.
41. MPSI और MPS II के 6 माह - 18 वर्ष के ERT नाईव रोगियों के सीरम में एक संभावित बायोमार्कर के रूप में ट्राइसेक्राइड BM-652 का मूल्यांकन
42. गंभीर रूप से उग्र गुर्दे की क्षति के गंभीर रूप से बीमार बच्चों में सस्टेंड लॉ एफिशिएंसी डायलिसिस की साध्यता और प्रभावकता
43. दक्षिण भारत में विशेष नवजात देखभाल इकाईयों में देखभाल की गुणवत्ता को सुधारने में सुविधा-दल-संचालित दृष्टिकोण के कार्यान्वयन की साध्यता, प्रभावकता और निरंतरता
44. अपरिपक्वता की रेटिनोपैथी (आर.ओ.पी.) के लिए लेजर उपचार के दौरान पीड़ा प्रबंधन के लिए फेंटेनिल बनाम केटामीन, एक इंटरवेंशनल केस सीरीज अध्ययन
45. अपरिपक्व (28-34 सप्ताह) वी.एल.बी.डब्ल्यू. नवजातों में ह्यूमन मिल्क फोर्टिफायर बनाम प्रीटर्म फॉर्मूला सहित ई.बी.एम. का फोर्टिफिकेशन, अ रेडमाइज्ड नॉन इंफिरियरिटी ट्रायल
46. जन्म के समय बेहद कम वजन वाले अपरिपक्व नवजातों मे प्रीटर्म फॉर्मूला पाउडर सहित एक्स्प्रेस्ड ब्रेस्ट मिल्क बनाम एच.एम.एफ. का फॉर्टिफिकेशन, अ रेंडमाइज्ड नॉन इंफिरियरिटी ट्रायल
47. हीमोलाइटिक यूरीमिक सिंड्रोम से ग्रस्त रोगियों में एंटी-फैक्टर एच ऑटो एंटीबॉडीस का संचालनात्मक लक्षण वर्णन
48. सेप्टिक शॉक से ग्रस्त बच्चों में संचालनात्मक निष्कर्ष
49. बाल कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपीनिक एंटरोकोलाइटिस के निष्कर्ष का प्रभाव क्षेत्र एवं निर्धारण

50. <1500 ग्राम जन्मकाल वजन तथा/अथवा <32 सप्ताह गर्भावस्था के जन्म के समय बेहद कम वजन वाले नवजातों में अपरिपक्व मस्तिष्क क्षति का प्रभाव क्षेत्र तथा जोखिम कारक, एक अग्रदर्शी सामूहिक अध्ययन
51. सेप्टिक शॉक में ScvO2 की अनिरंतर बनाम निरंतर निगरानी
52. कैंसर के बच्चों में गंभीर मौखिक म्यूकोसाइटिस पीड़ा के उपचार में केटामीन माउथ वॉश बनाम प्लेस्बो, अ रेंडमाइज्ड डबल-ब्लाइंड प्लेस्बो कंट्रोल्ड परीक्षण
53. बिल्कुल अपरिपक्व (<32 सप्ताह) स्तन दूध की मैक्रोन्यूट्रिएंट संरचना, एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
54. स्थायी अस्थमा के बच्चों में चयापचय रोग
55. मिनिमली इंवेसिव सरफेक्टेंट एडमिनिस्ट्रेशन इन प्रीटर्म नीयोनेट्स, अ प्रोस्पेक्टिव सिंगल आर्म इंटरवेंशनल फीसीबिलिटी स्टडी
56. भारत में उग्र ज्वर व्याधि से संबधित चिकनगुनिया वायरस का आणविक तथा प्रतिरक्षाविज्ञानी लक्षण वर्णन
57. बाल अर्बुद विज्ञान रोगियों में कीमोथेरेपी के बाद फ्रीब्राइल न्यूट्रोपीनिया की व्यापकता को कम करने में न्यूट्रोपीनिक आहार बनाम मानक भारतीय आहार, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
58. सेप्टिक शॉक में नॉरपेनफ्रिन सहित डोबुटामाइन बनाम एपिनफ्रिन
59. स्टेरॉयड प्रतिरोधक गुर्दे के रोग से ग्रस्त बच्चों में प्लास्मा PCSK9
60. मशीनी रूप से वेंटिलेटर पर रखे गए गंभीर रूप से बीमार बच्चों में पॉलीन्यूरोपेथी
61. मशीनी रूप से वेंटिलेटर पर रखे गए बच्चों में गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स के लिए जोखिम कारक एवं प्रसार
62. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र जठरांत्र चोट का प्रसार
63. एच.आई.वी. संक्रमित बच्चों में कम अस्थि खनिज घनत्व का प्रसार
64. NF1 जीन में माइक्रोडिलीशन्स का प्रसार तथा न्यूरोफाइब्रोमेटोसिस टाइप 1 से ग्रस्त रोगियों के फीनोटाइपिक स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन
65. डाउन सिंड्रोम से ग्रस्त बच्चों में नॉन अल्कोहोलिक फैटी लिवर रोग (एन.ए.एफ.एल.डी.) का प्रसार
66. बाल्यावस्था के हॉजकिन लिंफोमा के उत्तरजीवियों में फेफड़े संबंधी रोग
67. हॉजकिन लिंफोमा के उत्तरजीवियों में फेफड़े संबंधी रोग
68. <32 सप्ताह की गर्भावस्था के अपरिपक्व नवजातों मे जीवन के पहले सप्ताह में संभावित सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता सुधार पहल: ब्रोन्कोपल्मनरी डिस्प्लेसिया की रोकथाम पर ध्यान केन्द्रण
69. सीलिएक रोग की पहचान करने में इंटेस्टाइनल फैटी एसिड बाइंडिंग प्रोटीन तथा सिट्रलाइन की भूमिका तथा फॉलो-अप पर अनुपालन का मूल्यांकन
70. सेप्टिक शॉक की पहचान करने में सेप्सिस-3 बनाम गोल्डस्टीन परिभाषा

71. डिलिवरी कक्ष में अपरिपक्व नवजात की स्थिरता के लिए स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सकों के कार्य अभ्यास एवं ज्ञान को बेहतर बनाने में सिमुलेशन आधारित शिक्षा बनाम पारंपरिक शिक्षा, एक यादृच्छिक परीक्षण
72. गोचर रोग से पीड़ित भारतीय मरीजों में न्यूरोलॉजिकल मेनिफेस्टेशन का स्पेक्ट्रम, एक अग्रदर्शी अध्ययन
73. जीवन के प्रारंभिक 48 घंटों के दौरान अवधि और पूर्वावधि के जोखिमपूर्ण शिशुओं में हेमाटोक्रिट प्रोफाइल का अध्ययन, एक अग्रदर्शी सामूहिक अध्ययन
74. मिर्गी से पीड़ित 4 माह से 18 वर्ष के बच्चों का टेलीफोन आधारित फॉलो-अप: आमने -सामने के मूल्यांकन की अपेक्षा रखने वाली नाजुक नैदानिक घटनाओं की पहचान करने के लिए एक स्पेशलटी नर्स और एक डी.एम. बाल तंत्रिका विज्ञान रेसिडेंट के बीच की सटीकता का मूल्यांकन
75. सेंसरी प्रोफाइल 2 का प्रयोग कर सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त बच्चों में सेंसरी प्रोसेसिंग असामान्यता के प्रसार का आकलन
76. 1 माह से 18 वर्ष के बच्चों में हाइपोटोनिया के मूल्यांकन हेतु अल्ट्रासाउंड मसल बेस्ड पैरामीटर्स बनाना
77. एच.आई.वी. संक्रमित बच्चों में बी सैल सब-पोपुलेशन पर हाइली एक्टिव एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन
78. 22q11 लोकस पर डोसेज अनोमलीज के प्रसार का अध्ययन और फेशियो-ऑरिकुलो-ओकुलर स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के फीनोटाइपिक स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन
79. बच्चों में एलर्जिक रिनिटिस के निदान में नेसल नाइट्रिक ऑक्साइड माप की उपयोगिता
80. बच्चों में द्रव प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए यू.एस.जी. निर्देशित सूचकांक की उपयोगिता

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. ज्ञान पुस्तिका बनाने के उद्देश्य से पूरक भोजन के संबंध में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 6 माह से 2 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों की माताओं के ज्ञान और कार्य-अभ्यास के मूल्यांकन हेतु तुलनात्मक अध्ययन
2. गुर्दे के रोग से पीड़ित बच्चों में अनकॉम्प्लिकेटिड स्पोनटेनियस बैक्टीरियल पेरिटोनाइटिस के लिए ओरल से सीफिक्सीम में परिवर्तन के पश्चात 3 दिवसीय इंट्राविनस सीफट्रेक्सोन के अवधारणा अध्ययन का एक प्रमाण
3. मेकेनिकली वेंटिलेटर पर रखे गए गंभीर रूप से बीमार बच्चों में निष्कर्ष सहित फ्लूड ओवरलोड का संबंध।
4. 18 F-FDG PET- CT का उपयोग कर बाल हॉजकिन लिंफोमा में बोन मैरो सक्रियता का लक्षण वर्णन और ब्लाइंड बोन मैरो बायोप्सी से इसकी तुलना

5. ≥5-18 वर्ष के हेमीपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त बच्चों के लिए मॉडीफाइड कॉन्ट्रेंट इंड्यूस्ड मूवमेंट थैरेपी सहित वर्चुअल रियलिटी थैरेपी बनाम मॉडीफाइड कॉन्स्ट्रेंट इंड्यूस्ड मूवमेंट थैरेपी की प्रभावकता की तुलना, एक ओपन लेबल्ड, रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड, पेरेलल डिजाइन, सुपीरियरिटी ट्रायल
6. औषध प्रतिरोधक मिर्गी से ग्रस्त 1-15 वर्षों के बच्चों में दैनिक और सविराम लो ग्लाइसेमिक इंडैक्स थेरेपी की प्रभावकता के बीच तुलना; एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड नॉन इंफिरियोरिटी ट्रायल
7. सस्पेक्टिड साइकोजीनिक नॉन एपिलेप्टिक इवेंट्स से ग्रस्त 5-18 वर्ष के बच्चों में आइसोलेशन में वर्बल सजेशन द्वारा वीडियो ईईजी रिकॉर्डिंग के दौरान सजेशन मेथड तथा पैरक्सीसमल इवेंट इंड्यूस करने के लिए कॉटन स्वैब अथवा ट्यूनिंग फॉर्क के साथ वर्बल सजेशन की प्रभावकता की तुलना
8. 6 तथा 18 वर्ष के ए.डी.एच.डी. तथा आम तौर पर विकासशील बच्चों तथा किशारों के सीरम 25 हाइड्रोक्सी विटामिन डी तथा ट्रेस एलिमेंट्स लेवल की तुलना तथा उनका लक्षण गंभीरता तथा साथ-साथ होने वाली बीमारियों से परस्पर संबंध: एनालिटिकल क्रोस सेक्शनल स्टडी
9. को-रिलेशन ऑफ कॉर्ड ब्लड एंड ब्रेस्ट मिल्क IGF-1 विद नीयोनटल एडियोसिटी अमंग इनफेंट्स बॉर्न टू मदर्स विद जेस्टेशनल डायबिटिज मेलिटस एट टर्म जेस्टेशन, अ प्रोस्पेक्टिव कोहर्ड स्टडी
10. डिफाइनिंग स्मॉल-फॉर-जेस्टेशनल-एज (एस.जी.ए.) नीयोनेट्स: कम्पेरिसन ऑफ सीरियस एडवर्स नीयोनटल आउटकम्स इन एस.जी.ए. क्लासिफाइड ऑन एम्स, एन.एनन.पी.डी., इंटर ग्रोथ-21वां न्यूबॉर्न स्टेंडर्ड्स एंड लबचेंको ग्रोथचार्टस, अ प्रोस्पेक्टिव कोहर्ट स्टडी
11. 1-18 माह के बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के पूर्व संकेतों की पहचान करने के लिए एक उपकरण का विकास, एक अवलोकनात्मक अध्ययन
12. एन.आई.सी.यू. में भर्ती नवजातों में तीन अलग-अलग स्किन एंटिसेप्टिक प्रीपेरेशन की प्रभावकता, एक रेंडमाइज्ड नॉन इंफीरियरिटी ट्रायल
13. एक बायोमार्कर के रूप में ऑस्टियोपांटिन का मूल्यांकन और गौचर रोग से पीड़ित एंजाइम नाईव बच्चों में फीनोटाइपिक सीवेरिटी स्कोर से इसका संबंध
14. जन्मजात गुर्दे के रोग के आनुवंशिक आधार तथा क्लीनिकल फीनोटाइप से परस्पर संबंध
15. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर (DSM-5 मानदंड को पूरा करने वाले)वाले बच्चों (3-12 वर्ष) के जीवन की स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता
16. आई.एल.ए.ई. 2017 वर्गीकरण के अनुसार एम्स मॉडिफाइड आई.एन.डी.टी. ई.पी.आई. टूल का उपयोग करके एक माह से 18 वर्ष तक के बच्चों में मिर्गी के निर्धारण में प्राथमिक देखभाल चिकित्सक एवं बाल तंत्रिका वैज्ञानिक के बीच इंटर-ऑब्सर्वर अग्रीमेंट
17. एंटी कॉम्प्लिमेंट फैक्टर एच संबंधी एटाइपिकल हीमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम के रोगियों में दीर्घावधि निष्कर्ष
18. अस्थमा ग्रस्त बच्चों में श्वास संबंधी निद्रा विकार का प्रसार
19. सेप्टिक शॉक के निदान में सेप्सिस-3 बनाम गोल्डस्टीन परिभाषा

20. गुर्दा रोग से पीड़ित रोगियों में रोग की अवधि तथा ऊतक विज्ञान का अनुमान लगाने में सीरम सोल्यूबल यूरोकाइनस-टाइप प्लास्मिनोजेन एक्टिवेटर रिसेप्टर और यूरीनरी CD80
21. मोबाइल फोन के इस्तेमाल से संबंधित स्वास्थ्य चिकित्सकों के हाथों की स्वच्छता, सूचित व्यवहार तथा मोबाइल फोन के सूक्ष्मजीवी संदूषण की निगरानी, एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
22. भारत के तृतीयक देखभाल अस्पतालों में भर्ती बच्चों के पीड़ा स्रोत, तीव्रता और चिकित्सा रणनीतियों का सर्वेक्षण
23. 4 माह से 18 वर्ष के मिर्गी पीड़ित बच्चों का टेलीफोन आधारित फॉलो-अप: आमने-सामने के मूल्यांकन की अपेक्षा रखने वाली गंभीर नैदानिक घटनओं की पहचान करने में एक स्पेशलिटी नर्स और एक डी.एम. बाल तंत्रिका विज्ञान रेजीडेंट की सटीकता की तुलना
24. वायुमार्ग विसंगतियों से पीड़ित बच्चों में इंफेंट पल्मनरी फंक्शन टेस्ट (आई.पी.एफ.टी.) का अध्ययन तथा इनका ब्रोनकोस्कॉपी फाइंडिंग से परस्पर संबंध
25. प्रसव के बाद 24-72 घंटों की आयु के स्वस्थ आवधिक नवजातों की यूरीनरी मेटाबोलोमिक प्रोफाइल
26. ऐंठन अवस्था की मिर्गी के 1 माह से 14 वर्ष के बच्चों में ई.एन.डी.-आई.टी. स्कोर का विधि मान्यकरण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सोनोग्राफिकली मापी गई भ्रूण कोमल ऊतक की मोटाई का नवजात शरीर संरचना से परस्पर संबंध, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
2. ग्रामीण एल.एम.आई.सी. व्यवस्था में गर्भावस्था में एनिमिया के उपचार में वर्धित और वैयक्तिक बनाम नियमित प्रसूति-पूर्व देखभाल-द कंप्रेहेंसिव एनिमिया प्रोग्राम एंड पर्सनलाइज्ड थैरेपीज (सी.ए.पी.पी.टी.) प्रोजेक्ट, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
3. हाइपरइंसुलिनिमिक हाइपोग्लाइसीमीया के बाल और वयस्क रोगियों में F-DOPA PET-CT की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा
4. आई.सी.एम.आर. यंग डायबिटिज रजिस्ट्री, अंत:स्राविकी और चयापचय
5. प्रोग्रेसिव फेमिलियल इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस से ग्रस्त बच्चों में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और जेनेटिक सीक्वेंसिंग, विकृति विज्ञान
6. मल्टीसेंट्रिक इंडिकलेफ्ट टास्क फोर्स प्रोजेक्ट, सी.डी.ई.आर., एम्स, नई दिल्ली
7. सूखे खून के धब्बों द्वारा प्रसव-पूर्व स्क्रीनिंग पहल: ट्राईएजिंग और रिसोर्स यूटिलाइजेशन हेतु भूमिका, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
8. CYP3AS और MDR-1 सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमोर्फिज्म का पैटर्न तथा जीवित वृक्कीय अलग्राफ्ट प्राप्तकर्ता में प्रतिरक्षादमन आधारित टेक्रोलिमस के वैयक्तिकरण पर इसका प्रभाव, नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. लीबर्स हेरेडिटरी ऑप्टिक न्यूरोपैथी के रोगियों में प्लेस्बो की तुलना में आईबेडन की प्रभावकता के मूल्यांकन हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन, एक प्रायोगिक अध्ययन, रा.प्र.केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली
10. आर्थोलोगस CRISPER/Cas9 सिस्टम (FnCaS9) पर आधारित हाई थ्रुपुट जीनोम एडिटिंग पाइपलाइन का विकास तथा डिसीस मॉडलिंग एवं करेक्शन के लिए 3डी ऑर्गनॉइड्स बनाने में इसका अनुप्रयोग, आई.जी.आई.बी., स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
11. अस्पताल में भर्ती नवजातों में रोग जीवविज्ञान को समझना और बैक्टीरियल सेप्सिस का निदान, टी.एच.एस.टी.आई., फरीदाबाद और एन.सी.बी.एस., बंगलुरू
12. एटाइपिकल हीमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, लैबोरेटरी डी इम्यूनोलॉजी, हॉस्पिटल यूरोपियन जॉर्जिस पॉम्पिडो, आई.एन.एस.ई.आर.एम. यू.एम.आर.एस.872, पेरिस, फ्रांस
13. बाल वृक्क जीव विज्ञान कार्यक्रम: नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान, इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली, ट्रांस्लेशनल हेल्थ साइंसिस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, भारत सरकार, फरीदाबाद, रिसर्च एंड रेफरल हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, बंगलुरू, क्रिश्चन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर
14. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम के नॉन डायरियल एवं नॉन-ऑटोइम्यून रूप से पीड़ित रोगियों में होल एक्सोम सीक्वेंसिंग, इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली
15. वेसीकोरेटरल रिफ्लक्स के भारतीय बच्चों में जेनेटिक परिवर्तन का प्रायोगिक अध्ययन, इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली
16. बच्चों मे एंटी-कॉम्प्लिमेंट फेक्टर एच (FH) संबंधी हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम (HUS): प्रतिरक्षा विज्ञानी एवं आनुवंशिक आधार तथा ऑटो एंटीबोडीस कार्यात्मक लक्षण वर्णन, इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली
17. स्पर्म एपिजीनोम पर बढ़ती पैतृक आयु और घटिया जीवनशैली का प्रभाव: पॉसिबल एटियलॉजी इन ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर, शरीर रचना विज्ञान
18. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर के उपचार के तरीके, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पी.एच.एफ.आाई.)
19. ऑटिस्टिक सब्जेक्ट्स में ऑब्जेक्ट परसेप्शन के नॉन वर्बल बायोमार्कर्स की समझ एवं सुधार, आई.आई.टी., दिल्ली
20. इनफेंटाइल ब्रेकियल प्लेक्सोपेथी की इमेजिंग, रेडियोलॉजी
21. ऑटिस्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर में कोर्टिकल सोर्सिस एवं कनेक्टिविटी: एक क्यू.ई.ई.जी. अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
22. डिफ्यूस इंट्रिंसिक पोंटाइन ग्लाइमो के रोगियों मे कनकरेंट एवं एडवेंट्स टेंप्जोलोमाइड सहित हाइपोफ्रेक्शनेट रेडियोथेरेपी बनाम केवल पारंपरिक रेडियोथेरेपी की तुलना करने वाला एक फेज 2 डबल आर्म रेंडमाइज्ड परीक्षण, रेडियोथेरेपी
23. औषध प्रतिरोधी मिर्गी के किशोरों और वयस्कों में मॉडिफाइड एटकिन्स आहार शैली की प्रभावकता, सुरक्षा एवं सहनशीलता: एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान

24. कंपेरेटिव प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग ऑफ पी.बी.एम.सी. आइसोलेटिड फ्रॉम एफ.आर.डी.ए. पेशेंट्स एंड दैट इन प्रेसेंस ऑफ डिफ्रेंट फ्रेटेक्सिन अप-रेगुलेटिंग थेरेप्यूटिक्स, बायोकेमिस्ट्री
25. 'माय होल चाइल्ड; चाइल्ड हेल्थ एंड डेवलपमेंट इंटरएक्टिव सिस्टम' का प्रयोग, 18 वर्ष तक के भारतीय बच्चों तथा किशोरों के समग्र मूल्यांकन एवं उपचार हेतु एक वेब आधारित मंच; एक तृतीयक केन्द्र प्रायोगिक अध्ययन, कडीस, यू.एस.ए.
26. ऑटिस्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर से ग्रस्त बच्चों में भावना अभिज्ञान एवं सामाजिक व्यवहार, व्यवहार और फीनोटाइपिक लिंकेज का अध्ययन, आई.आई.टी., कानपुर
27. हाइपोक्सिक इसकीमिक एंसिफेलोपेथी के स्पेक्ट्रम में विजुअल इंपेयरमेंट का पैटर्न, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
28. ऑटिस्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर के निदान में डी.एस.एम. आई.वी. टी.आर. और डी.एस.एम. 5 की संवेदनशीलता और विशेषता के मूल्यांकन हेतु एक बहु-केन्द्र, ओपन लेबल्ड परीक्षण, भारत में 5 साइट्स
29. यू.के. और भारत में आई-ट्रैकिंग टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर के बच्चों की पहचान हेतु ऑब्जेक्टिव मेसर्स की स्थापना (आई.ई.आर.ए: ऑटिज्म के बच्चों हेतु आई ट्रैकिंग मूल्यांकन) बर्कबैक, लंदन विश्वविद्यालय
30. ए.डी.एच.डी. से ग्रस्त 6-18 वर्ष के बच्चों और किशोरों में एम्स मॉडिफाइड आई.एन.डी.टी.-ए.डी.एच.डी. टूल सहित कॉनर्स पेरेंट रिपोर्टिड स्केल के अनुसार लक्षणों की गंभीरता का मूल्यांकन
31. ऑटिस्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर में कोर्टिकल सोर्सिस और कनेक्टिविटी, एक क्यू.ई.ई.जी. अध्ययन
32. बच्चों में हाई ग्रेड लिंफोमा में पी.ई.टी. सी.टी., नाभिकीय चिकित्सा
33. भारतीय पी.एच-लाइक ए.एल.एल. रोगियों में नॉवल टायरोसिन काइनेस परिवर्तनों की पहचान एवं इन विट्रो विश्लेषण, अर्बुदविज्ञान प्रयोगशाला
34. साइटोजेनेटिकली नॉर्मल एक्यूट माइलॉयड ल्यूकीमिया का आणविक जीव विज्ञान, अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला
35. भारतीय पी.एच. लाइक ए.एल.एल. बाल रोगियों मे नॉवल ड्राइविंग टायरोसिन काइनेसिस की पहचान, अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला
36. पीडियाट्रिक एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में प्रीडनिसोलोन सेंसिटिविटी के आणविक निर्धारक, अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला
37. अपरिपक्व टी-एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकीमिया का आणविक जीव विज्ञान, अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला
38. बाल कैंसर रोगियों में दंत स्वास्थ्य की निगरानी, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
39. ए.एम.एल. के नए मामलों में रोग विकास के बायोमार्कर के रूप में डब्ल्यू टी1 जीन एक्स्प्रेशन के मूल्यांकन हेतु एक अग्रदर्शी अध्ययन, अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला
40. भारत में बच्चों में एच.आई.वी.1 संक्रमण का प्रतिरक्षाविज्ञानी लक्षण वर्णन, जैव रसायन
41. टायफाइडल सेलमनेली के प्रति वैकल्पिक एंटीमाइक्रोबियल एजेंट्स का अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान

42. बाल एच.आई.वी.1 संक्रमण की रोग जनन प्रतिरक्षा तथा वायरल एनवेलप के प्रति ह्यूमन मोनोक्लोनल एंटीबोडीस का जनन, जैव रसायन
43. अज्ञात स्वस्थ रक्त कोष दाताओं में डेंगु/चिकनगुनिया वायरस के विरूद्ध ह्यूमन एवं सेल मीडिएटिड इम्यून मेमोरी को वर्गीकृत करना तथा इस बात का मूल्यांकन करना कि क्या डेंगू/चिकनगुनिया वायरस के विरूद्ध सेल मीडिएटिड इम्यून मेमोरी ह्यूमन इम्यून मेमोरी के साथ ठीक प्रकार से टिकी रहती है, आई.सी.जी.ई.बी., नई दिल्ली
44. बाल रोगियों से सबटाइप-सी एच.आई.वी.-1 के एनवेलप ग्लाइकोप्रोटीन के विरूद्ध ह्यूमनरीकोंबिनेंट सिंगल चेन वेरिएंट फ्रेग्मेंट्स (ScFv)का जनन तथा लक्षण वर्णन, जैव रसायन
45. जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस में प्रतिक्रिया मूल्यांकन में कंट्रास्ट एंहेंस्ड अल्टासाउंड (सी.ई.यू.एस.) तथा संपूर्ण शरीर के एम.आर.आई. की उपयोगिता, विकिरण निदान
46. बाल यूवाइटिस में केटरैक्ट सर्जरी के प्रोग्नास्टिक और सर्जिकल निष्कर्ष, नेत्रविज्ञान

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. बाल यौन शोषण: एक बहुआयामी स्केल तथा मनोवैज्ञानिक आघात चिकित्सा का विकास, मनोरोग विभाग
2. टर्नर सिंड्रोम के मरीजों की नैदानिक विशेषताओं तथा जैव रासायनिक प्रोफाइल पर x क्रोमोसोम के पैतृक मूल के प्रभाव का अध्ययन, अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग
3. भारत में लिसोसोमल स्टोरेज डिस्ऑर्डर के नैदानिक जैव रासायनिक तथा आणविक लक्षण वर्णन का बहु-केन्द्रित सहयोगी अध्ययन: लिसोसोमल स्टोरेज डिस्ऑर्डर के अनुसंधान हेतु एक अनुसंधान पहल, बहु केन्द्र-एस.जी.पी.जी.आई., लखनऊ, सी.डी.एफ.डी., हैदराबाद, एम.ए.एम.सी., नई दिल्ली, एस.जी.आर.एच., नई दिल्ली, एफ.आर.आई.जी.ई., अहमदाबाद, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल
4. हरियाणा के 2 जिलों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में बाल जन्म और नवजात देखभाल की गुणवत्ता में सुधार, बाल चिकित्सा विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ-32 और एस.डब्ल्यू.ए.सी.एच., हरियाणा
5. मिर्गी ग्रस्त बच्चों में जीवन की स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता; बच्चों और माता-पिता की धारणा; ज्ञान अैर रवैया, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली
6. डी.एस.एम.-5 द्वारा पहचाने गए ऑटिस्म से ग्रस्त 6-9 साल के बच्चों की अति सक्रियता पर वेटिड कंप्रेशन वेस्ट का प्रभाव, आई.आई.टी. दिल्ली
7. प्रोबायाटिक इंटरवेंशन के लिए ऑटिस्म ग्रस्त बनाम सामान्य बच्चों में प्रीडोमिनेंट गट माइक्रो फ्लोरा और उनके मेटाबोलाइट्स का तुलनात्मक विश्लेषण, डेयरी माइक्रोबायोलॉजी विभाग, नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट, कर्नाल
8. मिर्गी का उपचार शुरू कराने वाले 5-18 वर्ष के बच्चों में कार्डियक चेनलोपेथीज के प्रसार का अध्ययन, हृदय रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. इंफेंटाइल बेक्रियल प्लेक्सोपैथी की इमेजिंग
10. एक सूचना पुस्तिका बनाने के उद्देश्य से कीमोथैरेपी कराने वाले बच्चों तथा उनकी देखभाल करने वालो में मौखिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रचार और जानकारी का मूल्यांकन करने हेतु एक अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली, दन्त शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, नर्सिंग कॉलेज
11. नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली में कीमोथैरेपी कराने के दौरान होने वाले संक्रमण की रोकथाम के संबंध में एक्यूट ल्यूकीमिया से ग्रस्त बच्चों के देखभालकर्ताओं की जानकारी के लिए वीडियो आधारित शिक्षा के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु एक अध्ययन
12. आक्रामक फंगल संक्रमण के निदान हेतु रीयल टाइम पीसीआर जांच, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

प्रकाशन

जर्नल: 144 **सारांश: 22** **पुस्तकों में अध्याय: 35** **पुस्तकें: 7**

रोगी उपचार

सेवा का नाम	**नये मामले**	**पुराने मामले**	**कुल उपस्थिति**
पीडियाट्रिक सामान्य ओपीडी	32,562	68,522	1,01,084
पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी क्लीनिक (पी.एन.सी.)	1,641	2,003	3,644
पीडियाट्रिक न्यूरो-मस्क्यूलर रोग	551	815	1366
पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी, हेपेटोलॉजी और न्यूट्रीशन (पीजीसी)	514	1,169	1,683
पीडियाट्रिक वेल बेबी क्लीनिक	671		671
पीडियाट्रिक उच्च जोखिम नियोनटोलॉजी क्लीनिक (एचआरसी)	335	1,218	1,553
पीडियाट्रिक रीनल नेफ्रोलॉजी क्लीनिक (आरएमसी)	835	1,968	2,803
पीडियाट्रिक चेस्ट क्लीनिक (पीसीसी)	626	6,500	7,126
पीडियाट्रिक ट्यूबरकुलोसिस क्लीनिक	275	2,003	2,278
पीडियाट्रिक रूमैटोलॉजी क्लीनिक (पीआरसी)	400	2,236	2,636
पीडियाट्रिक आनुवंशिकी एवं जन्मदोष क्लीनिक	795	889	1,684
पीडियाट्रिक जेनेटिक एंटीनरल केस	2,116	150	2,266
पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी क्लीनिक	500	1,087	1,587
पीडियाट्रिक कैंसर सर्वाइवर्स क्लीनिक	249	732	981
पीडियाट्रिक एंडोक्राइन एंड मेटाबोलिस्म क्लीनिक (पीईसी)	228	697	925
बाल विकास क्लीनिक (सीडीसी)	1,347	818	2,165
न्यूरोसिस्टीसर्कोसिस क्लीनिक (एनसीसी)	220	702	922
ऑटिज्म क्लीनिक	581	282	863
कुल योग	**44,446**	**91,791**	**1,36,237**

इसके अतिरक्ति सिस्टिक फाइब्रोसिस और पीडियाट्रिक एचआईवी सेवाओं को पीडियाट्रिक चेस्ट क्लीनिक में उपलब्ध कराया गया। कंगारू मातृ देखभाल इकाई को सामान्य एवं जोखिम वाले नवजातों के फॉलो-अप सेवाओं के साथ चलाया जाता है।

फिजियोथेरेपी सेवाओं को न्यूरोलॉजी क्लीनिक, मायोपैथी क्लीनिक, जेनेटिक क्लीनिकों, उच्च जोखिम, एंडो, विकास क्लीनिक, पीडियाट्रिक चेस्ट क्लीनिक, रूमेटोलॉजी क्लीनिक और ओपीडी सेवाओं में रोगियों को उपलब्ध कराया गया।

वर्ष 2018-2019 के दौरान कुल 2530 भौतिक चिकित्सा सत्र उपलब्ध कराये गए आन्तरिक सेवाएं

- आन्तरिक सेवाओं में निम्नलिखित सम्मिलित है: जनरल वार्डों में भर्ती की सुविधाएं, दैनिक देखभाल सुविधा, नवजात इकाईयां (एनआईसीयू ए और बी), कंगारू मातृ देखभाल इकाई और बाल क्रिटिकल केयर सुविधा
- विभाग ने बाल रोगियों को जीवन रक्षा उपकरणों और अन्य विशेष सुविधाएं प्रदान करने के लिए बच्चों के वार्ड में 8 बिस्तरों की एक उच्च निर्भरता इकाई का संचालन किया। एच.डी.यू. की नर्सों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयजित किया गया।
- छोटी प्रक्रियाओं या उपचार की आवश्यकता वाले बच्चों को सी5 वार्ड में स्थित डे केयर इकाई में एक दिन के लिए भर्ती किया जाता है

कुल आंतरिक भर्ती

पीडियाट्रिक वार्डों में लंबी अवधि की भर्तियां:	2055
डे केयर सुविधा में भर्ती:	15358
पीआईसीयू में भर्ती रोगी:	245
एनआईसीयू ए+बी में भर्तियां	631+179 = 810

विशिष्ट प्रकार के जांच

अंत:स्राविकी

मानव विकास हॉर्मोन	838	सीरम कोर्टिसोल	348
सीरम इन्सुलिन	177	विटामिन डी	189
एटीपीओ	47	पीटीएच	50
थायरॉड फंक्शन जांच	242		

आनुवंशिकी

साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला

पेरिफेरल ब्लड और कॉर्ड ब्लड कल्चर्स	254	एमनियोटिक फ्लूड कल्चर्स	100
कोरियोनिक विलि कल्चर्स	14	क्यूएफ-पीसीआर	410

जैव रासायनिक आनुवंशिकी जांच विवरण:

क्र.सं.	जांच	विकार	रोगियों की संख्या
1	ट्रिपल मार्कर	एंटीनटल स्क्रीनिंग	253
2	ड्यूअल मार्कर टेस्ट	एंटीनटल स्क्रीनिंग	469
3	एमिनो एसिड चयापचय के विकारों हेतु टी.एल.सी.	मेटाबॉलिक स्क्रीनिंग	99
4	एच.पी.एल.सी.	एमिनो एसिड चयापचय	46
5	म्यूकोपॉलीसेक्रीडोसिस विकार (यूरीन स्पॉट टेस्ट)		34
6	जी.ए.जी.एस.		40
7	होमोसिस्टीन यूरीया टेस्ट		32
8	पेशाब में पदार्थों की घटोतरी		53
9	डी.एन.पी.एच.		40
10	एफईसी13		32
11	सलफाइट ऑक्सीकारक		11
12	रक्त अमोनिया		1761
13	ओलिगोसेकेराइड		5

चयापचय की जन्मजात त्रुटियों हेतु एन्जाइम जांच

एन्जाइम जांचों हेतु कुल रोगियों की संख्या- 705

क्र.सं.	एन्जाइम की जांच	विकार	रोगी की संख्या
1	ऐरिलसल्फेट ए	मेट मेटाक्रोमैटिक -ल्युकोडिस्ट्रॉफी	55
2	ß - ग्लुकोसिडेस	गौचर रोग	69
3	एमपीएस-II	हन्टर	39
4	ग्लैक्टोज-6-सल्फेट सल्फाटेज	मॉर्कियो ए (एमपीएस-IVए)	14
5	गैंगलियोसिडोसिस	जीएम1 गैंगलियोसिडोसिस तथा मॉर्क्रियो बी (एमपीएस-IVबीB)	33 और 5
6	ऐरिलसल्फेटेस-बी	एमपीएस-VI	54
7	β - ग्लूकोरोनिडेस	मेरोटेक्स-लेमी सिंड्रोम (एमपीएस VII)	1
8	बायोटिनिडेस		85
9	गाल्ट	गैलेक्टोसेमिया	56
10	हेक्सोसामिनिडेज ए	टय-सैक्स	37

11	प्लास्मा हेक्स-ए	म्युकोलिपिडोसिस	10
12	प्लास्मा-एएसए	म्युकोलिपिडोसिस	10
13	चिटोट्रायोसिडेस (प्लास्मा)		105
14	β-गैलैक्टोसेरिब्रोसिडेस (क्रैबेस)	क्रैबेस	34
15	पाल्मिलोइल-प्रोटीन-थियोएस्टिरेस (आईएनसीएल)	आईएनसीएल-1	28
16	ट्राईपेप्टिडिल-पेप्टिडेस-I	एनसीएल-2	6
17	स्फिन्गोमाइलिनेस	नीमेन पिक रोग	59
18	α- ग्लुकोसिडेस	पॉम्पे	23
19	α- गैलैक्टोसिडेस	फैब्री	7
	α-एन-एसिटिलग्लुकोसेमिनिडेस	सैनफिलिपो बी (एमपीएस III बी)	11
21	एसिटिल-सीओए: α-ग्लुकोसेमिनिडेस एन-एसिटिलट्रांसफरेज	सैनफिलिपो सी (एमपीएस III सी)	6
22	एमपीएस-I	हर्लर	39

	कुल सी.वी.एस. पी.एन.डी		30
1	सीवीएस	नॉन इम्यून हाइड्रोप्स	19
2	सीवीएस	एएसए	1
3	सीवीएस	जीएम1	3
4	सीवीएस	एमपीएस-I	1
5	सीवीएस	गौचर	4

आणविक जांच विवरण :

निम्नलिखित नियमित जांच की गई :

1. बीटा थैलासेमिया (β थैल) म्यूटेशन विश्लेषण : 142 परिवार
   β थैल के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रदान किया गया : 55 परिवार
2. स्पाइनल मस्क्यूलर ऐट्रोफी (एसएमए) म्यूटेशन विश्लेषण : 140 परिवार
   एसएमए के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रदान किया गया : 21 परिवार
3. डुषेन मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) म्यूटेशन विश्लेषण : 480 परिवार
   डीएमडी के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रदान किया गया : 23 परिवार
4. हीमोफेलिया ए लिंकेज विश्लेषण : 2 परिवार
   हीमोफेलिया ए के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रदान किया गया : 0
5. फ्रैजाइल एक्स स्क्रीनिंग : 373
   फ्रैजाइल एकस स्क्रीनिंग के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रदान किया गया : 0

6. सिस्टिक फाइब्रोसिस आणविक विश्लेषण : 63 प्रकरण

सिस्टिक फाइब्रोसिस के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रदान किया गया : 7 परिवार

7. अकॉन्ड्रोप्लेसिया म्यूटशन विश्लेषण : 13 प्रकरण

अकॉन्ड्रोप्लेसिया के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रदान किया गया : 1 परिवार

8. नॉन-सिंड्रोमिक हियरिंग लॉस (कॉनेक्सिन 26) स्क्रीनिंग : 5 प्रकरण

कॉनेक्सिन 26 के लिए प्रसवपूर्व निदान किया गया : 0

9. सेक्स क्रोमैटिन से संबंधित अनियमितता : 33 प्रकरण

अनुसंधान के आधार पर किए गए परीक्षण

1. 3 प्रकरणों में मेगालेंसाफालिक ल्यूकोएंसिफेलोपैथी (एम.एल.सी.) म्यूटेशन विश्लेषण किए गए
2. 1 परिवार को ट्यूबरस स्क्लेरोसिस के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रदान किया गया
3. कैफी रोग - 5 प्रकरण
4. डायस्ट्रोफिक डिस्प्लेसिया - 13 प्रकरण
5. अपर्ट सिंड्रोम - 3 प्रकरण
6. गोचर सिंड्रोम - 3 प्रकरण
7. गोचर सिंड्रोम का प्रसवपूर्व निदान-2
8. ग्लाइकोजन स्टोरेज डिस्ऑर्डर का प्रसवपूर्व निदान-1
9. रैट सिंड्रोम का प्रसवपूर्व निदान-1
10. न्यूरोनल सेरॉयड लिपोफसिनोसिस (एन.सी.एल.) का प्रसवपूर्व निदान-1
11. एस.ई.एम.डी. जे.एल. टाइप (बी3जीएएलटी6) का प्रसवपूर्व निदान-1

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी

नैदानिक गैस्ट्रोस्कोपी	**1170**
एंडोस्कोपिक वेरिसील लिगेशन और स्क्लैरोथेरेपी	500
एंडोस्कोपिक ग्लू इंजेक्शन	12
एंडोस्कोपिक हीमोक्लिप एप्लिकेशन	12
फॉरन बॉडी रिमूवल	20
परकुटेनियस एंडोस्कोपिक गेस्ट्रोटॉमी ट्यूब	5
कोलोनोस्कॉपी (नैदानिक और थैरेपेटिक)	150
लिवर बायोप्सी	60

नेफ्रोलॉजी

नेफ्रोलॉजी क्लीनिक में उपस्थिति 6750

विशेष जांच और प्रक्रियाएं

बच्चों का किडनी प्रत्यारोपण 7

हीमोडायलायसिस 1476

एक्यूट पेरिटोनियल डायलायासिस (स्वचालित पेरिटोनियल डायलायसिस सहित)	107
निरंतर एंबुलेटरी पेरिटोनियल डायलायसिस	99
प्लासमाफेरेसिस सत्र	451
निरंतर किडनी प्रतिस्थापन थैरेपी	7
सस्टेन्ड लो एफिशियंसी डायलायसिस	44
अस्थायी हीमोडायलायसिस कैथेटर प्रतिस्थापन (इंटरनल, जुगुलर, फीमोरल)	235
रीनल बायोप्सीस	164
एंबुलेटरी रक्त चाप निगरानी	113
ई.एल.आई.एस.ए. फॉर एंटीबॉडीज टू कॉम्प्लिमेंट फैक्टर एच	589
सरफेस सीडी46 एक्स्प्रेशन	48

नवजात विज्ञान

1. नवजात इकोकार्डियोग्राफी 129
2. अल्ट्रासोनोग्राफी (न्युरोसोनोग्राम सहित) 489
3. आर्टेरियल ब्लड गैस विश्लेषण 15-20 नमूने/सप्ताह
4. थेराप्यूटिक हाइपोथरमिया 5
5. विनिमय ट्रांसफ्यूसन्स 14
6. पॉइंट ऑफ केयर ग्लूकोस एस्टिमेशन
   (क) प्रसवोत्तर वार्ड 10-12 /दिन
   (ख) एनआईसीयू ए और बी 6-8/ दिन
7. पैक्ड सेल वॉलयूम
   (क) प्रसवोत्तर वार्ड 3-4/दिन
   (ख) एनआईसीयू ए और बी 2-3/ दिन
8. सीरम बिलरूबिन 6-8/दिन
9. ग्राम स्टेनिंग और स्लाइड परीक्षण 2-3/दिन

तंत्रिका विज्ञान

ओपीडी/क्लीनिक	**नए**	**पुराने**
पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी ओपीडी	4928	11781
नयूरोसिस्टिसरकोसिस क्लीनिक	96	1244
बाल विकास क्लीनिक	721	2765
बाल तंत्रिका विज्ञान क्लीनिक	544	5163
ऑटिज्म क्लीनिक	445	2300
न्यूरो मसल क्लीनिक	275	1696

प्रयोगशाला जांच/ मूल्यांकन

क्र.सं.	**जांच**	**संख्या**
1.	इलैक्ट्रोएंसिफेलोग्राफी	2,189
	वीडियो ईईजी	1,183
	एंबुलेटरी ईईजी	129
	कुल	3,501
2.	तंत्रिका संचालन अध्ययन	155
	इलैक्ट्रोमायोग्राफी	96
	सिंपथेटिक स्किन रिस्पांस (एसएसआर)	Nil
	दोहराया जाने वाला तंत्रिका उत्प्रेरण अध्ययन आरएनएसटी	22
	एंबुलेटरी ईपीएस	9
	कुल	282
3.	पॉलीसोम्नोग्राफी	80
4	**मनोवैज्ञानिक एवं विकासात्मक जांच**:	
	एसक्यू हेतु वीएसएमएस	3,000
	विकास प्रोफाइल3	2,400
	बचपन के व्यवहार की जांच सूची	5,800
	भारतीय बच्चों के लिए मालिन का बुद्धिमता मापदंड	3,000
	बच्चों के लिए वेसलर का बुद्धिमता मापदंड	72
	हाउस ट्री पर्सन जांच	900
	भारतीय शिशुओं के लिए विकासात्मक मापदंड	900
	एएसडी के लिए डीएसएम वी	970
	एडीएचडी के लिए डीएसएम वी	97
	कॉनर का रेटिंग मापदंड	68
	विशिष्ट अधिगम दोष के लिए कुल मूल्यांकन:	
	ग्रेड लेवल असेसमेंट डिवाइस	280
	अधिगम अक्षमता के लिए एनआईएमएचएएनएस बैटरी	145
	कुल रोगी	9,980
	वार्ड और आपातकालीन रोगियों सहित	10,460
5	**कुल मनोवैज्ञानिक उपचार कार्य**	
	प्रारंभिक उत्प्रेरण थेरेपी	840
	व्यवहारात्मक उपचार कार्य	4,000
	एचटीपी का प्रयोग करके मनोवैज्ञानिक एवं व्यक्तित्व मूल्यांकन	680

	(कार्यात्मक) नॉक्टरनल एनरिसिस के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श टिक डिस्ऑर्डर के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श संज्ञानात्मक व्यवहारवादी रोगोपचार वार्ड में रोगियों को परामर्श दिया गया आपातकाल में रोगियों को परामर्श दिया गया	 58 59 980 180 46
6	**अक्षमता प्रमाणीकरण** प्रमाणीकरण के लिए मूल्यांकित रोगी	 285

प्रक्रियाएं

क्र.सं.	**जांच**	**संख्या**
1.	मांसपेशी की बायोप्सी	274
2.	स्नायु की बायोप्सी	20
3.	चर्म की बायोप्सी	88
4.	सीएसएफ प्रक्रियाएं	452
5.	रक्त में लैक्टेट	228
6.	नियोस्टिगमाइन चुनौती परीक्षण	6
7.	फोर आर्म इस्कीमिया परीक्षण	4
8.	हेंडहेल्ड डायनामोमेट्री	24
9.	आईसीपी कैथेटर स्थापन	4

अर्बुद विज्ञान

क्र.सं.	**जांच का नाम**	**मासिक**	**वार्षिक**
1	पीसीटी	130	1,600
2	ट्रॉप I	10	120
3	प्रो बी.एन.पी.	10	120
4	एसजीओटी/पीटी	5	60
5	यूरिक अम्ल	8	84

क्र.सं.	**प्रक्रिया का नाम**	**मासिक**	**वार्षिक**
1	अस्थिमज्जा	30-35	360-420
2	सीएसएफ/आईटीएम	40-45	480-540
3	बायोप्सी	20	240

पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी

विशेष प्रयोगशाला जांच

1. हाई स्पीड वीडियो माइक्रोस्कोपी 156
2. स्वैट क्लोराइड अनुमान 549
3. पीडियाट्रिक फ्लैक्सिबल ब्रोनकोस्कोपी 312
4. ईबीयूएस (एंडोब्रोंक्यिल अल्ट्रासाउंड) 29
5. स्पाइरोमीट्री 1,236
6. इंफेंट पीएफटी 649
7. प्लेथिस्मोग्राफी 20
8. इम्पल्स ओसिलोमेट्री (आईओएस) 603
9. नाइट्रिक ऑक्साइड (एफईएनओ) तथा नसल नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ) का आंशिक उत्सर्जन 430
10. कुल और विशिष्ट IgE 203
11. एस्परगिलस के विरूद्ध IgE 70
12. एस्परगिलस के विरूद्ध IgG 70
13. लेंटिल के विरूद्ध IgG 10
14. एवियन एंटिजन के विरूद्ध IgG 10
15. एक्सरसाइज टेस्टिंग 39

रूमेटोलॉजी

आईएसीएस (इंट्रा-आर्टिक्यूलर कोर्टिकोस्टेरायड्स) 250

गरीब रोगियों के लिए जुटाई गई वित्तीय सहायता

श्री धनेश्वर यादव, एमएसएसओ

राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन)	75%	₹2,45,62,073
दिल्ली आरोग्य निधि (डीएएन)	0.97%	₹3,20,000
मुख्य मंत्री राहत निधि (सीएमआरएफ)	18%	₹59,77,500
अस्पताल गरीब निधि (एचपीएफ)	0.94%	₹3,10,100
कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ईएचएस)	4.50%	₹14,86,000
भारतीय कैंसर सोसाइटी (आईसीएस)	1.20%	₹4,00,000
प्रधानमंत्री राहत निधि (पीएमआरएफ)	2.58%	₹8,50,000
गैर सरकारी स्रोत (एनजीएस)	0.58%	₹1,93,600
कुल		₹3,28,49,273

क्रियाकलाप	**लाभान्वित रोगियों की अनुमानित संख्या**
रोगियों को दी गई सूचना एवं मार्गदर्शन	3,256

परामर्श एवं मनोचिकित्सा	1,975
दी गई रेलवे रियायतें	1,120
आवास दिलाने में सहायता	270
विभिन्न जांचों के शुल्क में छूट	2,400
गरीब रोगियों हेतु वित्तीय सहायता का जुटाव	700
अज्ञात/परित्यक्त शिशुओं का पुनर्वास	1
सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण	5
गरीब रोगियों की अन्य जरूरतें जैसे: दाह संस्कार का प्रबंध, मृत व्यक्ति का उसके मूल स्थान तक निर्वासन	10

सामुदायिक सेवाएं

अर्बुद विज्ञान

- बाल कैंसर कार्यक्रमों के लिए रोगी की शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।
- बचपन के कैंसरों पर सार्वजनिक व्याख्यान और प्रदर्शनी का आयोजन किया।
- अंतर्राष्ट्रीय बचपन कैंसर दिवस के अवसर पर लोकसभा टीवी, दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो के लिए पैनलिस्टों और वक्ता के रूप में भाग लिया।
- कैंसर से ग्रसित बच्चों के परिवारों के लिए सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन से वित्तीय सहायता का सरलीकरण
- कैंसर की बुनियादी बातों की ई-लर्निंग हेतु मॉड्यूल बनाना: भारतीय कैंसर सोसाइटी की एक पहल। हमारे केन्द्र में बाल अर्बुद विज्ञान में 5 नर्सों को प्रशिक्षण दिया गया।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

अंत:स्राविकी

डॉ. रजनी शर्मा ने "इंम्प्रूविंग डायग्नोसिस ऑफ डिस्ऑर्डर्स ऑफ सेक्स डेवलपमेंट (डी.एस.डी.) इन इंडिया" पर आईसीएमआर-बीएमबीएफ की संयुक्त रूप से सहयोगी अनुसंधान परियोजना पर सहयोगपूर्ण कार्य के लिए 16-22 जुलाई, 2018 तक अल्पावधि के लिए बाल चिकित्सा विभाग, लुबेक विश्वविद्यालय, लुबेक, जर्मनी का दौरा किया।

प्रो.वंदना जैन जून 2018 में इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित बचपन के मोटापे पर एडिटिड संगोष्ठी की अतिथि रहीं; इन्होंने जुलाई, 2018 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की दुर्लभ रोग नीति के लिए जी.एच. की कमी के उपचार हेतु दिशा-निर्देशों को बनाने में समन्वय किया; सितंबर, 2018 में इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के डॉ. के.सी.चौधरी ओरेशन तथा वार्षिक दिवस पर प्रस्तुति हेतु 6 सर्वश्रेष्ठ थीसिस में इनकी छात्रा डॉ. मीना एच द्वारा संचालित थीसिस का चयन किया गया।

नवजात विभाग

प्रो. अशोक के देवरारी: हैदराबाद में डॉ.तिरूमाला राव व्याख्यान, 29 दिसंबर, 2018; डॉ. एलिजाबेथ जोन व्याख्यान, चैन्नई में साउथ जोन नेशनल नीयोटोलॉजी फॉरम ऑफ इंडिया, 7 अक्टूबर 2018; एक्सपर्ट एडवाइजरी ग्रफ मेंबर

फॉर सरवाइव एंड थ्राइव: प्रत्येक छोटे और बीमार नवजात के लिए ट्रांस्फोर्मिंग केयर, की फाइंडिंग्स, जेनेवा: विश्व स्वास्थ्य संगठन; 2018 (डब्ल्यू.एच.ओ./एफ. डब्ल्यू.सी./एम.सी.ए./18.11); नाएरोबी, केन्या में एम.एन.सी.एच. के लिए क्वालिटी ऑफ केयर प्रोग्राम के कार्यान्वय में सहयोग के लिए तकनीकी विशेषज्ञ, अफ्रीका में दस देशों के लिए नवंबर 2018, स्वास्थ्य सुविधाओं में बच्चों और युवा किशोरों की क्वालिटी ऑफ केयर में सुधार हेतु मानकों के विकास के लिए तकनीकी विशेषज्ञ जेनेवा: विश्व स्वास्थ्य संगठन; आई.एस.बी.एन.978-92-4-156555-4; बच्चों की देखभाल की गुणवत्ता के सुधार में विकास हेतु तकनीकी विशेषज्ञ: एन ऑपरेशनल गाइड फॉर फेसिलिटी बेस्ड ऑडिट एंड रिव्यू ऑफ पीडियाट्रिक मोरटेलिटी, डब्ल्यू.एच.ओ. का प्रकाशन,1918 आई.एस.बी.एन.:978-92-4-151518-4 ।

प्रो. रमेश अग्रवाल ने सेमिनार फीटल एवं नीयोनटल मेडिसन के लिए सह-संपादक के रूप में सेवा दी; बाल संक्रामक रोगों के लिए वर्ल्ड सोसाइटी के लिए वर्किंग ग्रुप के सदस्य के रूप में नियुक्त हुए; सी.डी.एस.सी.ओ. के लिए सब्जेक्ट एक्स्पर्ट कमिटी (वैक्सीन) के विशेषज्ञ के रूप में सेवा दी; मातृ एवं बाल स्वास्थ्य पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य-विकासात्मक और रोग जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए बी.आई.आर.ए.सी.-डी.बी.टी.-बी.एम.जी.एफ. ग्रेंड चेलैंजिस इंडिया की परियोजना निगरानी समिति (पी.एम.सी.) के विशेषज्ञ एवं सदस्य; 'एस.टी.जी. विकास मेनुअल' पर विशेषज्ञ परामर्श समूह के सदस्य, जो एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. भारत सरकार, के लिए मानक उपचार दिशा-निर्देशों के विकास में सहयोग करती है, संपूर्ण केन्द्र विभाग से संबंधित किसी भी पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटना को सर्वप्रथम सूचीबद्ध किया जाना चाहिए, इनमें छात्र व प्रशिक्षुओं द्वारा जीते गए पुरस्कार भी शामिल किए जा सकते हैं।

डॉ. एम.जीवाशंकर मातृ एवं बाल स्वास्थ्य-विकासात्मक एवं रोग जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टी.ई.सी.) के सदस्य थे; अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए बी.आई.आर.ए.सी.-डी.बी.टी.-बी.एम.एफ.जी. ग्रैंड चैलेंजिस इंडिया की परियोजना निगरानी समिति (पी.एम.सी.) के विशेषज्ञ एवं सदस्य; बाल स्वास्थ्य पर अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा के लिए स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू.) भारत सरकार, की ग्रांट-इन-ऐड योजना के अंतर्गत 'फर्स्ट लेवल स्क्रीनिंग कमिटी' के सदस्य; मातृक एवं प्रसवकालीन स्वास्थ्य में विश्व स्वास्थ्य संगठन के गाइडलाइन डेवलपमेंट ग्रुप के सदस्य; बी.आई.आर.ए.सी., जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित नॉलेज इंटीग्रेशन एंड ट्रांस्लेशनल (KnIT) प्लेटफॉर्म के मातृ एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए सेंटर कोर कमिटी(सी3) के सदस्य; वाशिंगटन विश्वविद्यालय में हेल्थ मीट्रिक्स और मूल्यांकन (आई.एच.एम.ई.) के लिए 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिसीसिज, इंजरीज, एंड रिस्क फैक्टर स्टडी (जी.बी.डी.)'-दुनिया भर में रोगों की समस्या के महामारी वैज्ञानिक स्तर और प्रचलन को मापने का सबसे बड़ा प्रयास - के वैश्विक एवं राष्ट्रीय सहयोगी; एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. भारत सरकार के लिए मानक उपचार दिशा-निर्देशों के विकास को सुलभ बनाने वाली 'एस.टी.जी. डेवलपमेंटल मेनुअल' पर विशेषज्ञ परामर्श समूह के सदस्य थे।

डॉ अनु सचदेवा 'एस.टी.जी. डेवलपमेंट मैनुअल' पर विशेषज्ञ परामर्श समूह की सदस्य थी, जो कि एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू, भारत सरकार के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों के विकास में सहयोग करता है; एम्स ,नई

दिल्ली में सिमुलस 4 में 2018-2019 में सिमुलेशन संकाय विकास कार्यक्रम के तहत परियोजनाओं को पूरा करने के बाद एक लेवल 3-सिमुलेशन ट्रेनर के रूप में प्रमाणित।

नेफ्रोलॉजी

प्रो. अरविंद बग्गा एशियाई जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के संपादक थे; कोक्रेन किडनी और प्रत्यारोपण समूह के सम्पादक; संपादकीय बोर्ड: पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स; बाल चिकित्सा और बाल स्वास्थ्य; वर्ल्ड जे पीडियाट्रिक्स; बाल चिकित्सा समीक्षा समूह, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के सदस्य; 'ग्लोमेरुलर रोगों' पर किडनी डिसीस इम्प्रोविंग ग्लोबल ओउटकम्स(के.डी.आई.जी.ओ.) के विशेषज्ञ; अनुसंधान सलाहकार समिति: जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।

प्रो. पंकज हरि, संपादकीय बोर्ड, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रॉमा एंड इमरजेंसी पेडियाट्रिक्स, जर्नल ऑफ प्रोग्रैस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी यूरोलॉजी के सदस्य थे; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; सदस्य, डी.एम. बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी पर एम.सी.आई.की विशेषज्ञ समिति।

डॉ. अदिति सिन्हा इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी की संयुक्त सचिव थी; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, नेफ्रोलॉजी के लिए सेक्शन संपादक; बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, इंडियन पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के लिए समीक्षक; जनवरी-मई 2018 के दौरान रॉयल मैनचेस्टर चिल्ड्रन हॉस्पिटल, यूनाइटेड किंगडम में पीडियाट्रिक डायलिसिस में कॉमनवेल्थ मेडिकल फैलोशिप।

तंत्रिका विज्ञान

प्रो. शेफाली गुलाटी ने 'डेवलपमेंट ऑफ ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसिज़- मॉडिफाइड इन्टरनेशनल क्लीनिकल एपिडेमियोलॉजी नेटवर्क डायग्नोस्टिक इंस्ट्रूमेंट फॉर न्युरोमोटर इम्पेयर्मेंट्स इन चिल्ड्रन एज्ड 1 मंथ टू 18 इयर्स' विषय पर क्लिनिकल रिसर्च के लिए एम्स, नई दिल्ली से एम्स एक्सलंस रिसर्च अवार्ड 2018; भारत में बाल तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए डॉ के.सी. चौधरी ट्रस्ट और इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा डॉ. आई.सी. वर्मा एक्सलंस इन रिसर्च अवार्ड 2018 प्राप्त किया; बाल विकासात्मक विकारों के लिए उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान के केंद्र का संचालन बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली में शुरू कर दिया गया है; यह एम्स अनुदान (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित) और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.) के एक भाग के रूप में इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आई.आई.एफ.सी.एल.) द्वारा वित्त पोषित है; उत्कृष्टता के इस केंद्र में महत्ता के निम्नलिखित लक्षित क्षेत्र हैं : चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर्स के लिए नेशनल रजिस्ट्री का विकास, चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर्स के लिए नेशनल नॉलेज एंड ट्रेनिंग सेंटर, चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर्स : एडवांस्ड डायग्नोस्टिक, चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर्स, एडवांस्ड थेरेप्यूटिक्स/रिहेबिलिटेशन, चाइल्ड न्यूरोलॉजी हेल्पलाइन और टेलीकॉन्सलटेशन सेवाओं का स्थापन; न्यूरोपेडिकॉन 2018 का आयोजन, आई.ए.पी. के आई.ए.पी.न्यूरोलॉजी चैप्टर का 18 वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 7 से 9 सितंबर 2018 तक द लीला एम्बियेंस ,गुरुग्राम, एनसीआर में बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी में निदान और चिकित्सा में उभरते चलन और विकास; विकलांगता मूल्यांकन और प्रमाणन बोर्ड की

अध्यक्ष। बाल रोग विभाग एम्स; संपादकीय बोर्ड के सदस्य (4) के रूप में कार्यरत; विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय (बी.एम.जे. ओपन, जर्नल ऑफ़ इन्हेरिटेड मेटाबोलिक डिसीस, अमेरिकन जर्नल ऑफ़ मेडिकल जेनेटिक्स, जर्नल ऑफ़ चाइल्ड न्यूरोलॉजी सहित) 52 पत्रिकाओं की समीक्षक; एम.डी., डी.सी.एच., डी.एम. और पीएचडी के विभिन्न शोधों की परीक्षक एवं समीक्षक। कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यावसायिक निकायों (22) की सदस्य; विभिन्न समितियों की विशेषज्ञ: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय: राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम; दुर्लभ बीमारियों के उपचार के लिए दिशानिर्देश तैयार करना, राष्ट्रीय ट्रस्ट: ऑटिज्म; ऑटिज्म साधनों में मास्टर ट्रेनरों की राष्ट्रीय समन्वयक; प्रारंभिक हस्तक्षेप, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय: आटिज्म सहित विकासात्मक विकारों के प्रमाणन की उपसमिति की अध्यक्ष; विशिष्ट अक्षमताओं के मूल्यांकन एवं प्रमाणन हेतु दिशा-निर्देश विकसित करने के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ समितियों की सदस्य; अधिक सहायतार्थ विकलांगता; विकलांगों के लिए सरकारी नौकरियों में पदों की पहचान, एम.सी.आई. और संयुक्त चिकित्सा सेवाओं में पी.एच. आरक्षण, यूनिसेफ: दिव्यांग बच्चों पर वैश्विक साझीदारी- ई.सी.डी. टास्क फ़ोर्स, एन.सी.आर.टी.: मुख्यधारा के स्कूलों में विशेष सहायतार्थ बच्चों का दाखिला, ईसीसीई, अध्यक्ष, विशेष सहायतार्थ बच्चों के वर्गीकरण पर विशेषज्ञ समिति की बैठक; सी.ए.आर.ए. (सेंट्रल एडोप्शन रिसोर्स अथॉरिटी) की एन.ओ.सी. विशेषज्ञ समिति की अध्यक्ष; सी.ए.आर.ए. द्वारा अपनाये गए बच्चों की मेडिकल एक्सामिनेशन रिपोर्ट को नवीनीकृत करने के लिए विशेषज्ञ, आई.सी.एम.आर. टास्क फ़ोर्स की सदस्य: आई.ई.एम., ए.एफ.पी., चिल्ड्रन इन डिफिकल्ट सर्कमस्टेंसेस, मानक उपचार वर्कफ्लो-न्यूरोलॉजी ग्रुप, स्टेम सेल रिसर्च एंड थेरेपी, डी.एम. (पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी करिकुलम) मसौदा तैयार करने के लिए एम.सी.आई. एक्सपर्ट ग्रुप की सदस्य; मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण के लिए टीचर क्वालिफिकेशंस और विशेषज्ञ; मेडिकल विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन के लिए यूजीसी विशेषज्ञ और फैलोशिप के लिए चयन, श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, त्रिवेंद्रम में विभिन्न न्यूरोडेवलमेंटल डिसऑर्डर के लिए कंप्रेहेंसिव केयर सेंटर के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति सदस्य, केरल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसिस, थिरुस्सर के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य।

डॉ बिश्वरुप चक्रवर्ती दुर्लभ रोगों के उपचार के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए स्पाइनल मस्कुलर एटरोफी और डूशेन मुस्कुलर डिसट्रोफी के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समूह का हिस्सा थे (एम्स, नई दिल्ली, 18-19 जुलाई, 2018); 3 फरवरी 2019 को नई दिल्ली में आयोजित पोस्टग्रैजुएट्स के लिए बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी में तीसरे ए.ओ.सी.एन. मास्टर क्लास में 'एप्रोच टू अ चाइल्ड विद हेमीपेरेसिस' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता; एम्स सांस्कृतिक समिति के सदस्य।

अर्बुद विज्ञान

प्रो. रचना सेठ: टी और हॉजकिन लिम्फोमा पर केन्द्रित लिम्फोमा पर अंतर्राष्ट्रीय सी.एम.ई. में टी सेल लिम्फोमा पर सत्र के लिए अध्यक्ष, मार्च 2019; रिलेप्सड एन.एच.एल.: हूम केन वी सेल्वेज विद व्हाट? सत्र की अध्यक्ष, रेलेप्स्ड ल्यूकीमिया/लिम्फोमा पर सी.एम.ई.। केन वी स्ले द ड्रैगन। फरवरी 2019; एम.डी. पीडियाट्रिक्स, बाहरी परीक्षक, एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर, जून 2018।

पल्मोनोलॉजी, इंटेंसिव केयर ट्यूबरकुलोसिस

डॉ. काना राम जाट निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षक और वैज्ञानिक सोसाइटीज के सदस्य थे; पीडियाट्रिक एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (पी.ए.एल.एस.) और बेसिक लाइफ सपोर्ट (बी.एल.एस.) के अध्यापक; अस्थमा प्रशिक्षण मॉड्यूल (ए.टी.एम.), रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इंफेक्शन-ग्रुप एजुकेशन मॉड्यूल(आर.टी.आई-जी.ई.एम.) और पीडियाट्रिक ट्यूबरकुलोसिस मॉड्यूल के प्रशिक्षक; **महत्वपूर्ण कार्यक्रम**: 14 अक्टूबर 2018 को प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में सामुदयिक विकास समिति द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।

डॉ. झूमा शंकर ने आयोजन सचिव के रूप में फरवरी 2019 में सिमुलस 4 (संस्थान और एम्स जैसे संस्थानों की क्षमता निर्माण के लिए सिमुलेशन पर 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन) का आयोजन किया; एम्स में सितंबर 2018 को बुनियादी और उन्नत जीवन रक्षा पाठ्यक्रम का आयोजन; आयोजन सचिव के रूप में मई 2018 में "एम्स पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी और इंटेंसिव केयर मॉड्यूल 2018" की आयोजक टीम।

वैज्ञानिक अतिथि

1. प्रो. राम मेनन, अध्यक्ष, बाल चिकित्सा अंतःस्राविकी विभाग, सीएस एमओटीटी चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल, मिशिगन विश्वविद्यालय, एन अर्बोर, यूएसए, ने 5 जून 2019 को विभाग का दौरा किया और 'कैविएट्स इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइन एसेस' और 'इडियोपैथिक शोर्ट स्टेचर' पर दो आतिथ्य व्याख्यान दिए।
2. ओलाफ होर्ट, लुबेक विश्वविद्यालय में बाल अंतःस्राविकी के प्रोफेसर , लुबेक, जर्मनी एंड यूरोपियन लीड ऑफ़ द यूरो-नेटवर्क फॉर रेयर डिसीसिस ने 10-18 जनवरी 2019 के दौरान बाल अंतःस्राविकी प्रभाग का दौरा किया और 'हाइपोफोफेटेमिक रिकेट्स', 'डिसऑर्डर्स ऑफ़ सेक्स डेवलपमेंट' और 'स्यूडो-हाइपो-पेराथायरॉयडिस्म' पर 3 आतिथ्य व्याख्यान दिए
3. डॉ. अशोक वेल्लोडी लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर्स में विशेष रुचि रखने वाले एक नैदानिक आनुवंशिकीविद् हैं; उन्होंने 1994 से 2015 तक ग्रेट ऑरमंड स्ट्रीट चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में सलाहकार के रूप में कार्य किया और लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर्स के लिए सेवाएँ शुरू की।
4. डॉ. स्टेफ़नी एल. बाईलस, मिशिगन मेडिकल स्कूल यूनिवर्सिटी में मानव आनुवंशिकी विभाग में मानव आनुवंशिकी के सहायक प्रोफेसर हैं।
5. डॉ. मोहनीश सूरी, वरिष्ठ सलाहकार- नॉटिंघम रीजनल क्लिनिकल जेनेटिक्स सर्विस, नॉटिंघम यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स एन.एच.एस. ट्रस्ट, सिटी हॉस्पिटल कैंपस, नॉटिंघम, यूके।
6. डॉ. चित्रा प्रसाद, प्रोफेसर जेनेटिक्स, मेटाबॉलिज्म एंड पेडियाट्रिक्स, लंदन, कनाडा।
7. डॉ. अमिता शर्मा, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी डिविजन, मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन,यू.एस.ए., इन्होने 2 जनवरी 2019 को एम्स का दौरा किया और यूनिट फैकल्टी, डी.एम. और एम.डी. रेज़ीडेंट्स, रिसर्च फेलो और डॉक्टरेट छात्रों से बातचीत की।

8. प्रो. बेन मरैस, वेस्टमेड में बच्चों के अस्पताल में बाल संक्रामक रोग, मैरी बशीर इंस्टिट्यूट फॉर इन्फेक्शियस डिसीसिस एंड बायोसिक्योरिटी के उप-निदेशक ने 8 मई 2018 को टीबी ट्रांसमिशन और वैश्विक महामारी से बच्चे किस प्रकार प्रभावित होते हैं विषयों पर व्याख्यान दिया।
9. **प्रो. विटाली सिंटचेनको**, निदेशक, सैंटर फॉर इन्फेक्शियस डिसीसिस एंड माइक्रोबायोलॉजी-पब्लिक हेल्थ, वेस्टमेड हॉस्पिटल, एन.एस.डब्ल्यू. हेल्थ पैथोलॉजी एंड सिडनी मेडिकल स्कूल, द यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिडनी, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया ने 8 मई 2018 को जीनोमिक्स इन टीबी कंट्रोल विषय पर व्याख्यान दिया।

9-28 cky 'kY; fpfdRlk

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी. भटनागर (13 दिसंबर, 2018 तक) मीनू बाजपेयी (1 जनवरी, 2019 से)

आचार्य

संदीप अग्रवाला एम. श्रीनिवास (प्रतिनियुक्ति पर)

सह-आचार्य

शिल्पा शर्मा (जेपीएनएटीसी)

सहायक आचार्य

विशेष जैन अंजन दुहा प्रबुद्ध गोयल

देवेन्द्र यादव अजय वर्मा (संविदा) अपराजिता मित्रा (संविदा)

विशिष्टताएं

ट्रॉमा और उसका उपचार, बाल शल्य चिकित्सा के अनिवार्य भाग है इसलिए बाल शल्य चिकित्सा विभाग ने जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में रोगी देखभाल सेवाओं में जबरदस्त सुधार किया है। विभाग द्वारा एक वरिष्ठ रेजीडेन्ट तथा एक कनिष्ठ रेजीडेन्ट को ट्रामा केन्द्र में 24 घण्टे उपस्थित रहने हेतु तैनात किया गया है। बाल शल्य चिकित्सा संकाय भी कार्य-घण्टे के दौरान उपस्थित रहते हैं तथा उसके बाद भी बुलाए जाने पर उपस्थित हो जाते हैं।

विभाग एम्स में आगामी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र में संकाय, स्थान और स्टाफ के विस्तार हेतु अग्रसर है ताकि गंभीर विकृतियों, एडवांस कैंसर, ट्रामा और अन्य रोगों से पीड़ित बच्चों के लिए सभी उप-विशिष्टताओं और उपचार को विकसित किया जा सके।

शिक्षा

स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर, परा-चिकित्सा शिक्षण

विभाग, एम.सी.एच. बाल शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण, स्नातकोत्तर, पूर्वस्नातक, नर्सिंग विद्यार्थियों, बी.एस.सी. तथा एम.एस.सी. नर्सिंग विद्यार्थियों के शिक्षण तथा प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से सम्मिलित है।

हमारे विभाग में शिक्षण तथा शैक्षिक विकास एवं सुधार हेतु नए और प्रगतिशील विचार "सर्जरी-पीडिया" नामक गूगल ग्रुप की देन है। दिन-प्रतिदिन नैदानिक अभ्यास एवं सेमिनार के दौरान विभिन्न संदेह और पूछताछ संबंधी प्रश्न सामने आ रहे हैं। इन संदेहों और प्रश्नों को रेजीडेन्ट्स को आबंटित किया जाता है जो इन संदेहों के विषय में पढ़ते है तथा उनके उत्तर को सभी को लाभ पहुंचाने हेतु गूगल ग्रुप पर पोस्ट कर देते हैं।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

1. डॉ. टांक नीलेश दयालभाई, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, दिनांक 13 - 26 मई, 2018

2. डॉ. अंकिता अरोड़ा, यूनिवर्सिटा देग्ली सुदी दी पाविआ (इटली), दिनांक 01 अगस्त- 30 सितम्बर, 2018
3. डॉ. अब्दुल माजिद वानी, पीजीआईएमईआर, डॉ.आर.एम.एल. अस्पताल, दिल्ली, दिनांक 01 - 31 दिसम्बर, 2018
4. डॉ. मो. शाहिद मुर्तजा, पीजीआईएमईआर, डॉ.आर.एम.एल. अस्पताल, नई दिल्ली, दिनांक 5 - 17, फरवरी 2018
5. डॉ. सरिता चौधरी, बनारस हिंदू विश्विवद्यालय, दिनांक 01 मार्च- 26 मई, 2018

सी.एम.ई. / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. ग्रासनली प्रतिस्थापन पर सी.एम.ई. तथा आई.ए.पी.एस. बैठक का दिल्ली स्टेट अध्याय, दिनांक 28 जुलाई, 2018
2. इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडियाट्रिक यूरोलॉजी 2018, एशियन सोसाइटी ऑफ पेडियाट्रिक यूरोलॉजी, दिनांक 29-30 दिसम्बर, 2018

प्रदत्त व्याख्यान

मीनू बाजपेयी : 10 **संदीप अग्रवाला : 12** **शिल्पा शर्मा : 16**
विशेष जैन : 01 **देवेन्द्र कुमार यादव : 01** **अंजन दुहा : 4**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पेपर / पोस्टर्स : 66

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. टैस्टोस्टेरोन बायोसिंथेटिक त्रुटियों, एन्जाईम म्युटेशन और एसआरवाई जीन अध्ययनों के सम्बन्ध में हाइपोस्पेडियस के आणविक आधार का एक अध्ययन, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 41.5 लाख रुपये
2. यौन विकास के विकार (डीएसडी) की चिकित्सीय प्रोफाइल और एटियोपैथोजेनेसिस का अध्ययन- एक अग्रगामी अध्ययन, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 70.77 लाख रुपये।
3. जन्मजात यूरोपैथिज और सीकेडी, पर एडवांस अनुसंधान केन्द्र, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, 173.5 लाख रुपये।
4. ऊपरी और निचली मूत्र मार्ग परिणामों से सम्बन्धित मूत्राशय में वृद्धि के संदर्भ में डिट्रूसर के हिस्टोमॉर्फोलॉजी पर एक अध्ययन, एम. बाजपेयी, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, 39 लाख रुपये।
5. सर्जिकल जन्मजात विसंगतियों हेतु फिटल परमर्श के लिए दिशा-निर्देशों की स्थापना, शिल्पा शर्मा, डी.बी.टी. 3.5 वर्ष, 2014-17, 05 लाख रुपये।
6. तीन वर्ष से कम आयु वाले बच्चों में सीरम अल्फा फिटोप्रोटीन की संदर्भ श्रेणी, देवेन्द्र कुमार

यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2015-2017, 2.3 लाख रुपये।

7. पी.यू.जे. रुकावट वाले बच्चों में एम.ए.जी. 3 सिन्टीग्राफी पर कॉर्टिकल पारगमन समय की भूमिका, विशेष जैन, एम्स, 2 वर्ष 2015-2017, 1.65 लाख रुपये।
8. गुर्दे की क्षति के मौजूदा मानकों के साथ तंत्रिका जन्य मूत्राशय और उसके सह संबंध वाले रोगियों में गुर्दे की क्षति का अनुमान लगाने में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका, प्रबुद्ध गोयल, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4.8 लाख रुपये।

पूर्ण

1. बच्चों में जन्मजात मूत्र सम्बन्धी गड़बड़ी के पैथोजेनेसिस में जीन वातावरण के सहक्रिया की भूमिका का अध्ययन-एक मार्गदर्शी अध्ययन, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 01 वर्ष 8 माह, 2017-2018, 46.41 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. विल्मस ट्यूमर वाले बच्चें, जिनका संशोधित एन.डब्ल्यू.टी.एस.-5 रेजिमेन उपचार चल रहा है, उनके उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन।
2. रैब्डोमायोसरकोमा वाले बच्चें, जिनका आई.आर.एस.-5 रेजिमेन उपचार चल रहा है, उनके उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन।
3. हैपेटोब्लास्टोमा वाले बच्चें, जिनकी मोनोथैरेपी तथा पी.एल.ए.डी.ओ. रेजिमेन उपचार चल रहा है, उनके उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन।
4. किडनी के क्लियर कोशिका सारकोमा के उपचार के लिए पांच ड्रग रेजिमेन पर अग्रदर्शी अध्ययन।
5. ठोस ट्यूमर वाले बच्चों में एड्रियामाइसिन के प्रयोग से संबंधित कार्डियोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन।
6. ठोस ट्यूमर के फिर से उभरने/पनपने वाले बच्चों में आई.सी.ई. (आई फॉस्फामाइड, कार्बोप्लेटिन और इटोपोसाइड) सेल्वेज रेजिमेन से उपचार का परिणाम
7. बच्चों के ठोस ट्यूमर में पल्मोनरी मेटास्टेक्टोमी की भूमिका।
8. मूत्राशय/प्रॉस्टेट रैब्डोमायोसरकोमा वाले बच्चों में क्रियात्मक मूत्राशय परिणाम
9. बटन बैटरी अंतर्ग्रहण वाले बच्चों में प्रवृत्तियों एवं परिणामों का अध्ययन करना।
10. यूनिलेटरल पेल्वी-यूरेट्रिक जंक्शन ऑब्सट्रक्शन के गैर-ऑपरेटिव उपचार के परिणाम
11. विल्मस ट्यूमर वाले बच्चे, जिनका संशोधित एन.डब्ल्यू.टी.एस.-5 रेजिमेन उपचार चल रहा हैं, उनके उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन।
12. बिलियरी एट्रिसिया (पैत्तिक अविवरता) में कसाई के साथ तथा बिना आंशिक लीवर रिसेक्शन के, पोस्ट ऑपरेटिव ए.पी.आर.आई. की तुलना हेपाटिक फाइब्रोसिस के एक मार्कर के रूप में करना।

13. न्यूरोब्लास्टोमा के दीर्घकालिक परिणाम: विकासशील देश में पूर्वानुमानिक कारकों की खोज करना, एक एम्बीस्पेक्टिव अध्ययन
14. एक पक्षीय नॉन-सिंड्रोमिक विल्मस ट्यूमर वाले बच्चों में गुर्दे की कार्यप्रणाली का आकलन: एक एम्बीस्पेक्टिव अध्ययन।
15. हाइपोस्पेडियस दीर्घकालिक डाटा आधारित परिणाम (एच.ओ.एल.डी.), अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन।
16. ऐनोरेक्टल कुरचना में पी.एस.ए.आर.पी. के दीर्घकालीन परिणाम
17. हाइपोस्पेडियस के ऑपरेटिड मामलों के दीर्घकालीन परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का पूर्वव्यापी अध्ययन।
18. तत्काल और शुरूआती जटिलताओं के संदर्भ में दूरवर्ती शिश्न हाइपोस्पेडियस के ऑपरेटिड मामलों के अल्पावधि परिणामों का अग्रदर्शी अध्ययन।
19. हर्षस्प्रंग रोग से ग्रसित रोगियों में ऐनोरेक्टल क्रियाकलाप के दीर्घकालीन पोस्ट-ऑपरेटिव परिणामों का आकलन।
20. कसाई के पोर्टोएन्टरोस्टोमी के पश्चात् ई.एच.बी.ए. के रोगियों में इन्ट्रा-हेपाटिक बिलियरी डक्ट्यूलर आर्किटेक्चर का एम.आर. मूल्यांकन।
21. हाइपोस्पेडियस मरम्मत में ऑटोलोगस प्लेटलेट युक्त फाइब्रिन पेच, एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।
22. हाइपोस्पेडियस शल्यक्रिया के पश्चात बच्चों में छोटे युरेथ्रोक्यूटेनियस फिस्टूला की शीघ्र मरम्मत, एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।
23. बाइलरी एट्रेसिया से पीड़ित रोगियों में हेपाटिक फिब्रोसिस का मूल्यांकन करने के लिए उपकरण के रूप में एस्पारटेट एमिनोट्रांसफिरेज की प्लेटलेट रेशो इंडेक्स, सुपरसोनिक शियर वेव इलास्टोग्राफी तथा लीवर की हिस्टोपेथोलॉजी की तुलना करना।
24. इन्टरस्टिशियल सेल्स ऑफ काजल-लाइक सेल्स (आई.सी.सी.-एल.सी.) तथा जन्मजात पेल्वीयूरेट्रिक जंक्शन ऑब्सट्रेक्शन में हिस्टोपैथेलोजी और इंट्राओपरेटिव जांच-परिणामों के साथ उनके सहसम्बंध का मूल्यांकन।
25. बच्चों में बटन बैटरी इन्जेस्शन।
26. ऐन्डोमिनो-पेरिनियल खिंचाव की हैंगिंग बॉवेल तकनीक का पोस्ट-ऑपरेटिव परिणाम
27. न्यूरोजेनिक मूत्राशय तथा गुर्दे की क्षति के मौजूदा मानकों के साथ उनके सह संबंध वाले रोगियों में गुर्दे की क्षति का अनुमान लगाने में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका।
28. भारतीय जनसंख्या में पीडियाट्रिक पेनिल लेन्थ का मानकीय मूल्यांकन
29. शल्यक्रिया पूर्व की प्रतिक्षा अवधि में डे-केयर प्रक्रियाओं हेतु बाल-शल्यचिकित्सा वाले रोगियों को मेंटीनेंस इन्ट्राविन्स फ्लूड्स को चढ़ाने के अनुपालन को सुनिश्चित करने हेतु गुणवत्तायुक्त सुधार (क्यू.आई.) परियोजना।
30. एक्सट्रा-हेपाटिक पोर्टल वेन आब्सट्रेक्शन वाले बाल रोगियों में इन्ट्रा-हेपाटिक पोर्टल एनाटोमी

(बायें और दायें पोर्टल वेन्स) और कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी पोर्टोग्राफी पर रेक्स शंट शल्य चिकित्सा की ऐनाटोमिकल व्यवहारिकता का आकलन।

31. सी.आर.एच.पी.एस., बल्लभगढ़ में बाल शल्यचिकित्सा के अंतर्गत शल्यक्रिया किये गये डे-केयर रोगियों को शल्यक्रिया के पश्चात मुक्त करने के निर्देशों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए गुणवत्तायुक्त सुधार (क्यू.आई.) की पहल

32. 5 वर्ष की आयु के अंदर वाले बच्चों में परक्यूटेनियस नेफ्रोस्टोमी के लिए परम्परांत तकनीक से नवीन कोक्सियल तकनीक की तुलना, एक व्यवहार्यता अध्ययन।

33. पेडियाट्रिक आयू-समूह में स्ट्रेच्ड पेनील लेंथ के मापन हेतु स्लाइडिंग स्केल पेनोमीटर का वैद्यीकरण ।

34. अति इन्सुलिनता तथा अल्प ग्लूकोज़रक्तता से पीड़ित बच्चों और व्यस्क रोगियों में एफ-डोपा पेट-सीटी की भूमिका।

35. लिंग विकास संबंधी विकास के संबंध में टेस्टीक्यूलर बायोसिंथेटिक डिफेक्ट्स तथा 5-अल्फा अपचायक त्रुटि में जीनोटाइप-फीनोटाइप सहसम्बंध की पहचान का अध्ययन।

36. सर्जिकल नियोनेट्स में प्रतिकूल घटनाओं का अनुमान लगाने में सिरम प्रोकैल्सीटोनिन की भूमिका के मूल्यांकन का अध्ययन।

37. गुर्दे के कार्यात्मक परिणामों पर उनके प्रभाव तथा जन्मजात मूत्रमार्ग विकृतियों में नेफ्रोजेनिक जीन्स में पोलीमॉर्फिज़्म की व्यापकता पर अध्ययन।

38. जेनेटिक प्रोपेनसिटी से जन्मजात मूत्रमार्ग विकृतियों के संबंध में यूरिन में मॉलीक्यूलर मार्कर की विभेदीय अभिव्यक्ति का अध्ययन।

39. हाइपोस्पेडियस में वेन्ट्रल पेरायूरेथ्रल ऊतकों में ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर एक्सप्रेशन तथा माइक्रो-वाहिका सघनता का आकलन।

पूर्ण

1. पेल्वीयूरेटेरिक जंक्शन ऑब्सट्रेक्शन के अत्यंत खराब संचालन में आरंभिक त्वचा-प्रवेशी नैफ्रोस्टोमी की भूमिका।

2. एट्रेसिया के साथ अथवा श्वास-ग्रासनली नालव्रण के बिना वाले ग्रासनली रोगियों में सम्बद्ध विसंगितयां तथा इसका उत्तरजीविता पर प्रभाव

3. ऐनोरेक्टल मैनोमिट्री उपयोग करके, ऐनोरेक्टल मेलफोरमेशन से पीड़ित रोगियों में ऐनोरेक्टल क्रियाकलाप के शल्यक्रिया के पश्चात् के दीर्घकालीन परिणामों का आकलन

4. कोलीडोकल सिस्ट के यकृत-ग्रहणी छिद्रीकरण तथा रौक्स-ईएन-वाई हेपटोजेजूनोस्टोमी के उत्तरवर्ती उन्मूलन की तुलना।

5. ग्रासनली प्रतिस्थापन के दीर्घकालीन परिणाम

6. पश्च यूरेथ्रल वॉल्व से पीड़ित रोगियों में गुर्दे के कार्य, गुर्दे के क्षेत्र तथा मूत्राशय के कार्य तथा वॉल्व फल्गुरेशन पर आयु के साथ उनके सहसंबंध का मूल्यांकन

7. क्या हाइपोस्पेडिक ग्लेन में एनाटॉमिक लैन्डमार्क सामान्य ग्लेनों से मेल खाते है?
8. अतिरिक्त हेपाटिक पोर्टल वेन के रूकावट वाले रोगियों में पोर्टल दबाव के साथ हेपाटिक आर्टरी रेस्सिटीव इंडेक्स और सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड के स्तरों का सह-संबंध।
9. टाइप 2 एबरनेथी मेलफोरमेशन से पीड़ित बच्चों में प्रस्तुतीकरण तथा शल्य क्रिया के पश्चात के परिणामों का पूर्वव्यापी विश्लेषण
10. चूहे की टेस्टिस की उच्च शुक्राणु वाहिका बंधन और निम्न शुक्राणु वाहिका बंधन की तुलना करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पश्च यूरेथ्रल वॉल्वस हेतु उपचार किए जाने वाले रोगियों में मूत्राशय के फ्क्शंन्स के दीर्घकालीन परिणाम, रेडियोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन
2. पेडियाट्रिक सोलिड ट्यूमर्स के उत्तरजीवियों में बीमारियों के दीर्घाकालीन प्रभावों तथा उसके उपचार का अध्ययन करना, मेडिकल ऑनकोलॉजी, प्रजननशील जैव विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, हृद्विज्ञान
3. थोरासिक पीनेट में प्रोगनॉस्टिक कारकों का अध्ययन, मेडिकल ऑनकोलॉजी, रेडियो थैरेपी, रेडियो डाइग्नोसिस
4. एडवांस नॉन-रिस्पौंसिव तथा पुन: उभरने वाले न्यूरोब्लास्टोमा के लिए एमआईजीबी थैरेपी की भूमिका, न्यूक्लियर मेडिसिन
5. पी.यू.जे. बाधा वाले बच्चों में एमएजी3 सिंटीग्राफी पर कॉर्टिकल ट्रांजिट टाइम की भूमिका, न्यूक्लियर मेडिसिन।
6. तीन वर्ष से कम उम्र वाले भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा फिटोप्रोटीन की रेफ्रेंस रेंज, प्रजनन जैव विज्ञान
7. एकपक्षीय पीयूजे रूकावट वाले बच्चों में एमएजी-3 सिंटीग्राफी के पश्चात् कोर्टिकल ट्रांसिट टाइम के मापन में अत:-और अंतर-पर्यवेक्षक की परिवर्तनशीलता, नाभिकीय चिकित्सा

पूर्ण

1. मुलायम ऊतक सरकोमा के रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषता वाले उपचार के परिणाम तथा प्रोगनॉस्टिक कारकों का मूल्यांकन, मेडिकल ऑनकोलॉजी
2. मल्टीफोकल हेपाटोब्लास्टोमा की पहचान में डिफ्यूशन एमआरआई का उपयोग तथा मल्टीफोकल और मेटास्टेटिक हेपाटोब्लास्टोमस में वीईजीएफ पर भूमिका का पता लगाना, रेडियोडाइग्नोसिस, पैथोलॉजी।
3. हेपाटोब्लास्टोमा में खांचा (नॉच) तथा डब्ल्यूएनटी सिंगनलिंग पाथवेज़ की भूमिका, पैथोलॉजी
4. एम्स, नई दिल्ली में सर्जिकल रिसेक्शन अनुभव से गुजरने वाले मध्यस्थानिका ट्यूमर से पीड़ित रोगियों का पूर्वव्यापी अध्ययन, हृद-वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा ।

5. ग्रसिका एट्रेसिया के साथ अथवा मातृ तनाव सहित श्वास प्रणाली ग्रासनली फिस्टुला के बिना वाले ऑपरेटिड बच्चों की विकासीय स्थिति, उनके जीवन की गुणवत्ता तथा सहन क्षमताएं, नर्सिंग महाविद्यालय
6. नवजात शिशु / शिशु-कोलेस्टेटिक लीवर रोग के निदान, पूर्व-सूचना तथा फेलोअप में शेयर तरंग इलेस्टोग्राफी की भूमिका, रेडियोडाइग्नोसिस
7. चूहे की रेस्टिस में उच्च-वृषण-वाहिका बंधन, निम्न वृषण-वाहिका बंधन की तुलना, शरीर रचना विज्ञान, प्रजनन जैव विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 35 **सार : 3** **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी उपचार

बाह्य रोगी विभाग

बाल शल्य चिकित्सा बाह्य रोगी विभाग प्रतिदिन चलाया जाता है। इसके अलावा कुछ रोगों पर अधिक ध्यान देने के लिए विशेष क्लीनिक भी चलाये जाते हैं।

विभाग तथा संकाय द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न विशिष्टता क्लीनिक

सोमवार	:	हाइड्रोसेफेल्स क्लीनिक (अपराह्न)
मंगलवार	:	एंटीनेटल डायग्नोसिस तथा फोलोअप (पूर्वाह्न)
बुधवार	:	पीडियाट्रिक यूरोलॉजी क्लिनिक (अपराह्न) क्रेनियोसिनोस्टोसिस क्लीनिक (अपराह्न)
गुरुवार	:	जी.आई. हेपाटोबिलियरी (पूर्वाह्न) पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, फोलो-अप क्लीनिक (अपराह्न) आई.आर.सी.एच.: पीडियाट्रिक सोलिड ट्यूमर क्लीनिक (अपराह्न) पीडियाट्रिक सोलिड ट्यूमर क्लीनिक (मुख्य ओ.पी.डी.)
शुक्रवार	:	पीडियाट्रिक थोरेसिक सर्जरी क्लीनिक (पूर्वाह्न) पीडियाट्रिक यूरोलॉजी क्लीनिक (अपराह्न)
शनिवार	:	पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, इंटरसेक्स तथा हाइपोस्पेडियस (पूर्वाह्न)

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए गहन उपचार एकक
- बाल शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए उच्च निर्भरता क्षेत्र
- कम्प्यूटर आधारित यूरोडायनामिक तथा यूरोफ्लोमेट्री अध्ययन
- कम्प्यूटर आधारित एनोरेक्टल मैनोमेट्री

- कम्प्यूटर आधारित इसोफेगियल मैनोमेट्री
- गैस्ट्रोइसोफेगियल रिफलक्स के लिए 24 घंटे पी.एच. निगरानी
- गैस्ट्रोइसोफेगियल रिफ्लक्स के लिए इम्पेडेंस मैनोमेट्री

सामुदायिक सेवाएं

- सी.आर.एच.एस.पी., बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी क्लीनिक और आपरेटिव सत्र।

ओ.पी.डी. तथा विशेष क्लीनिकों में उपस्थिति

ओ.पी.डी. / क्लीनिक	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
सामान्य	8,174	16,717	24,891
हाइड्रोसेफेल्स	1	36	37
पीडियाट्रिक यूरोलॉजी (डब्ल्यू / टी / एफ)	311	1,891	2,202
इंटरसेक्स एंड यूरोलॉजी (डी.एस.डी. + पी.आई.एस.यू.)	31	340	371
ट्यूमर	33	568	601
पीडियाट्रिक ट्यूमर (आई.आर.सी.एच.)	197	2,642	2,839
क्रेनियोसिनोस्टोसिस	0	0	0
सी.आर.एच.एस.पी., बल्लभगढ़	2,207		

दाखिले

एबी 5 वार्ड : 2,481 (1,204 दीर्घ अवधि भर्ती तथा 1,277 अल्प अवधि भर्ती)

एबी 5 / आई.सी.यू. : 117

शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं

मुख्य ओटी

रूटीन : बड़ी प्रक्रियाएं : 1,105 लघु प्रक्रियाएं : 429

इमरजेंसी : बड़ी प्रक्रियाएं : 327 लघु प्रक्रियाएं : 21

ओ.पी.डी. प्रक्रियाएं (कुल) : 2,917

सी.आर.एच.एस.पी., बल्लभगढ़ : लघु मामले : 75 ओ.पी.डी. प्रक्रियाएं : 159

विशेष जांचे

यूरोडायनेमिक अध्ययन : 206 यूरोफ्लोमेट्री : 451 एनोरेक्टल मैनोमेट्री : 31

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण आयोजन

प्रोफेसर मीनू बाजपेयी अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेशन, घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यू., एम्स, नई दिल्ली की अध्यक्ष थी; वह कैफेटेरिया प्रबंधन समिति, एम्स की अध्यक्ष; आउटसोर्सिंग कैफेटेरिया सेवाओं की उप-समिति की भी अध्यक्ष रही; वह दिनांक 28 नवंबर, 2019 को ब्रुसेल्स, बेल्जियम में प्रत्यक्ष स्वास्थ्य समस्याओं, वैश्विक रूप से विद्यमान तकनीक एवं नवाचर की नवीन प्रक्रिया की मध्यस्थ रही; स्वास्थ्य,

कल्याण एवं स्पोर्ट मंत्रालय, द नीदरलैंड द्वारा आयोजित स्वास्थ्य-हॉलैंड आगन्तुक कार्यक्रम 2018 में मॉडरेटर के रूप में कार्य किया; दिनांक 26 नवंबर, 2019 को रॉटरडैम आर.डी.एम. पनडुब्बी घाट, रॉटरडैम, द नीदरलैंड में आयोजित वर्ल्ड ऑफ हेल्थ केयर ईवेंट, हेल्थ केयर इन इंडियन सेशन में मॉडरेटर रही; एम्स, जोधपुर में दिनांक 15 फरवरी, 2019 को लेपारोस्कोपी-पेसीकॉन 2019 के युग में पीडियाट्रिक शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण पर आयोजित सत्र में अध्यक्ष के रूप में आंमत्रित; एन.सी.के.यू. अस्पताल, ताईवान में प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष के रूप में दौरा किया, ताकि एन.सी.के.यू., ताईवान एवं एम्स, नई दिल्ली के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित किया जा सके; दिनांक 9 अप्रैल 2019 को स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्रालय (एम.ओ.एच.डब्ल्यू.), ताईनन, ताईवान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सम्म्लेन में प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष के रूप में एम्स-भारत में राष्ट्रीय स्वास्थ्य उपचार कवरेज का प्रतिनिधित्व किया; दिनांक 10 अप्रैल, 2019 को राष्ट्रीय चैंग कुगं विश्वविद्यालय (एन.सी.के.यू.), ताईनन, ताईवान में प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष के रूप में एम्स का प्रतिनिधित्व किया; सदस्य, निदेशक महोदय, एम्स, के नेतृत्व में विजिटिंग टीम : ऑन साइट विजिट ऑन इंटेसिव केयर मॉनीटरिंग, डीमेट प्रशिक्षण कार्यक्रम (आपदा चिकित्सा सहायता समूह) आयोजन स्थल : (28 जनवरी 2019), आपात एवं गंभीर उपचार काय-चिकित्सा विभाग, निप्पॉन मेडिकल स्कूल पोस्ट-ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिसिन, जापानी एसोसिएशन फॉर एक्यूट मेडिसिन (जे.ए.ए.एम.), नेशनल हॉस्पिटल ऑर्गेनाइज़ेशन ओसाका नेशनल हॉस्पिटल, ओसाका, जापान। सदस्य, निदेशक महोदय, एम्स के नेतृत्व में विजिटिंग टीम : ट्रॉमा केयर, इमरजेंसी मेडिसिन तथा गहन उपचार, दिनांक 28 जनवरी, 2019 सेंटर हॉस्पिटल ऑफ द नेशनल सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ एंड मेडिसिन, जापानी एसोसिएशन ऑफ सर्जरी फॉर ट्रामा (जे.ए.एस.टी.), टोकियो, जापान।

प्रोफेसर संदीप अग्रवाला एशियन बाल शल्य चिकित्सक संघ के कार्यकारिणी मंडल के सदस्य थे; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक के सेक्शन एडिटर; उपाध्यक्ष, रिसोर्स चैलेंज्ड नेशन्स स्टडी ग्रुप ऑफ एस.आई.ओ.पी.ई.एल; अध्यक्ष, एम्स की 61वीं वार्षिक रिपोर्ट समिति; एम्स, पल्स 2018 के लिए फैकल्टी समन्वय समिति के सह-अध्यक्ष; सचिव, एम्सोनियन्स-एम्स का एलुमिनी संघ; एम्स में पी.एच.डी. में सुधार लाने पर विचार करने की समिति के सदस्य; एम्स के मेसों (भोजनालयों), दुकानों तथा स्थापना समिति के अध्यक्ष; मीडिया रिपोर्टिंग को नियंत्रित करने और बच्चों के बारे में विवरणों को उजागर करने के लिए स्थायी समिति के सदस्य; नैदानिक अनुसंधान हेतु श्री मोहन लाल विग मेडल के चयन के लिए समिति के सदस्य; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (आई.पी.एस.ओ.) द्वारा संचालित सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कोर्स और यूरोपियन बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन तथा यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी के वार्षिक कांग्रेस से पूर्व यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी के पाठ्यक्रम अनुदेशक; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (आई.पी.एस.ओ.) द्वारा संचालित बाल शल्य चिकित्सा आन्कोलॉजी में मास्टरक्लास हेतु तथा यूरोपियन बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन और यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी के पाठ्यक्रम अनुदेशक; छात्रावास के अधीक्षक के रूप में नियुक्त किए गए।

डॉ. शिल्पा शर्मा (जेपीएनएटीसी) वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन, 2017-19 के लिए कार्यकारिणी निकाय सदस्य थी; हेपोस्पेडियस की अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी तथा डीएसडी की कार्यकारिणी परिषद् सदस्य, 2018-2020; सचिव, अनुसंधान अनुभाग, भारतीय बाल शल्य चिकित्सा संघ, 2018-2020; अंतर्राष्ट्रीय बाल शल्य चिकित्सा के संपादकीय बोर्ड की सदस्य; एम्स, पटना में जुलाई 2018 की संकाय भर्ती हेतु स्थायी चयन समिति की सदस्य; एम्स, पटना में अक्टूबर 2018 की संकाय भर्ती हेतु स्थायी चयन समिति की सदस्य; अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, दिनांक 9 मार्च 2019 को दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी (संस्कृति मंत्रालय, उपक्रम, भारत सरकार) तथा काव्याश्रीजन महिला मंच के लिए "सिग्निफिकेटं अचीवमेटं इन द फील्ड ऑफ मेडिसिन" पुरस्कार से सम्मानित; सदस्य के रूप में नामित, संस्थान नीति-विषयक समिति, सुपरस्पेशल्टी पीडयाट्रिक अस्पताल तथा स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, सेक्टर 30, नोएडा, 2018-19; सदस्य के रूप में नामित, संस्थान अनुसंधान समिति, सुपरस्पेशल्टी पीडियाट्रिक अस्पताल तथा स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, सेक्टर 30, नोएडा, 2018-19 ।

डॉ.अंजन दुहा एम्स की वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य थे; एम्स की कॉन्वोकेशन समिति के सदस्य थे; एफ.ए.सी.एस. (फैलो ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स) से पुरस्कृत है।

9-29 foÑfr foKku

vkpk;l ,o a v/;{k
सुब्रत के. पाण्डा

vkpk;l
चित्रा सरकार
रुमा रे
वेंकटेश्वरन के. अय्यर
मनोज के. सिंह
ए.के. डिंडा
संदीप आर. माथुर
एस. दत्ता गुप्ता
एम.सी. शर्मा
वैशाली सूरी

lg&vkpk;l
सुधीर अरावा
दीपाली जैन
गीतिका सिंह
असित रंजन मिर्धा
प्रसन्नजीत दास

lgk;d vkpk;l
रजनी यादव
सौम्या रंजन मलिक
सीमा कौशल
आदर्श बरवाद
आंचल ककड़
शिप्रा अग्रवाल
प्रशांत रामटके

leg 'd' vf/kdkjh
हिमेंद्र सिंह तोमर
शंकर राम आर्य

विशिष्टताएं

अनुसंधान में हमारे पास संकाय सदस्य हैं जो वास्तविक शिक्षा, कौशल विकास, हैपेटाइटिस के आवणिक विषाणु विज्ञान, आंतो के सूजन संबंधी रोग, नैनो प्रोद्योगिकी, फेफड़ों का कैंसर, लिंफोमास, ग्लायोमा एवं उनके आणविक लक्षण वर्णन एवं मोटोबोलिक लक्षण पर कार्य कर रहे हैं।

हेपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी) में माइक्रोआरएनएएस(microRNAs) का कार्यात्मक विश्लेषण प्रगति पर है जो अपने प्रतिलेख और लंबे गैर-कोडिंग आरएनए विश्लेषण के पूरा होने के बाद पिछले वर्ष के काम की निरंतरता में है।

हमने विश्व स्वास्थ्य संगठन 2016 वर्गीकरण के अनुसार मोलिक्यूलर मार्कर को शामिल करने वाले ब्रेन ट्यूमर के एकीकृत निदान देने प्रारंभ कर दिए हैं।

ईजीएफआर म्यूटेशन सहित नियमित रोगी देखभाल में फेफड़े के कैंसर की भविष्यवाणी करने वाले आणविक परीक्षण शुरू किए गए हैं। पिछले वर्ष के दौरान लगभग 400 नए रोगियों को ईजीएफआर म्यूटेशन के लिए परीक्षण किया गया है।

पिछले वर्ष के दौरान लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकारों और हेमाटोलोजिक विकृतियों के निदान के लिए फ्लो साइटोमेट्री लैब की स्थापना की गई है। डबल हिट और ट्रिपल हिट स्टेट्स के लिए बड़े बी सेल लिंफोमा को रिफैक्टरी डिफ्यूज़ के लिए एफआईएसएच केरयोटाइपिंग प्रारंभ की गई है। होजकिन लिंफोमा के गंभीर मामलों के लिए इन सिटू हाइब्रिडाइजेशन में एपस्टिन बार वाइरस प्रारंभ किया गया।

ऊतक माइक्रोएरे सुविधा का उपयोग लिम्फोमास और फिश विश्लेषण में नैदानिक सहायता के रूप में किया जाता है। इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी को सभी मामलों में ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के गुर्दे की विकृति में शामिल किया गया है।

सर्जिकल पैथोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और शिक्षण पद्धति का उन्नयन प्रगति पर है। हम स्नातक, नर्सिंग छात्रों और क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के शिक्षण के लिए एक साधन के रूप में वर्चुअल शिक्षण विकसित कर रहे हैं।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

एमडी छात्रः 32 पीएचडी छात्रः 3 सीनियर रेजीडेंटः 18

लघु अवधि प्रशिक्षण / दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. डॉ. लेफ्ट. कर्नल डॉ. समरेश कुमार दिनांक 29 अगस्त 2016 से 28 अगस्त 2018 तक 24 माह के लिए दीर्घ-अवधि प्रशिक्षण ले चुके है।
2. डॉ. लेफ्ट. कर्नल प्रेरणा कुमार दिनांक 13 दिसंबर 2016 से 12 दिसंबर 2018 तक 24 माह के लिए दीर्घ-अवधि प्रशिक्षण ले चुके है।
3. डॉ. अमित कुमार ठाकुर, डॉ. बंदना मदभरी, डॉ. बिश्वो प्रकाश जंग थापा, डॉ. गोपाल लामा, डॉ. नीरा पाठक, डॉ. प्रबीन चंद्र तिवारी और डॉ. शंकर प्रसाद काफले, बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, धरन, नेपाल से चार सप्ताह का एक्सपोजर ट्रेनिंग पूरा कर चुके हैं।
4. सर्जन कमांडर (डॉ.) नताशा दिनांक 28 दिसंबर 2018 से शुरू होने वाले 24 महीनों की अवधि के लिए दीर्घकालिक ऑब्जर्वरशिप कर रही है।
5. डॉ. केया बासु और डॉ. मौमिता सेन गुप्ता ने 28 फरवरी से 16 मार्च 2019 तक 17 दिनों का लघु अवधि अवलोकन पूरा किया है।
6. डॉ. मालविका गौड़ दिनांक 25 मार्च से 11 अप्रैल 2019 तक अल्पावधि ऑब्ज़र्वरशिप की है।
7. डॉ. चेतन दास ने 1 मार्च से 31 मई 2019 तक शॉर्ट टर्म ऑब्जर्वरशिप की है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

लिम्फोमा पर अंतर्राष्ट्रीय सीएमई, 6 और 7 मार्च 2019 एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

एसके पांडाः 1	**चित्रा सरकारः 5**	**एस दत्ता गुप्ताः 18**
मनोज के सिंहः 1	**एके डिंडाः 13**	**मेहर सी शर्माः 15**
वैशाली सूरीः 12	**संदीप माथुरः 8**	**गीतिका सिंहः 4**
असित रंजन मिर्धाः 5	**दीपाली जैनः 16**	**सुधीर अरावाः 10**
प्रसन्नजीत दासः 10	**रजनी यादवः 9**	**सौम्या रंजन मलिकः 5**
सीमा कौशलः 4	**शिप्रा अग्रवालः 5**	**प्रशांत रामटकेः 2**

आदर्श डब्ल्यू बारवाडः 3 आंचल कक्कड़ः 4

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर: 88

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. हेपेटाइटिस ई. के लिए एम.आई.आर.एन.ए./लंबे नॉन कोडिंग आर.एन.ए. के संभाव्य लक्षण/नैदानिक बायोमार्कर के रूप में जांच, एस के पांडा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 60.14 लाख रुपये
2. जे.सी. बोस फेलोशिप, एस के पांडा, डीएसटी, 2022 तक, 2017-2022 या 68 वर्ष की आयु तक, 95 लाख रुपये
3. ग्लाइयोब्लास्टोमा पर्सनलाइज्ड थेरेपी के लिए व्यापक आणविक जेनेटिक पैनलों को विकसित करने के लिए एक बहु-केन्द्रीय अध्ययन, चित्रा सरकार, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2021, 50 लाख रुपये (लगभग)
4. जे.सी. बोस रिसर्च फेलोशिप, चित्रा सरकार, डीएसटी, 4 वर्ष, 2016-2020, प्रति वर्ष 15 लाख रुपये
5. ओलिगोडेन्ड्रोग्लिओमास में एमआईआरएनए क्लस्टर्स (सी14एमसी और सी19एमसी) की भूमिका का प्रकटीकरणः क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंधों के साथ आनुवंशिक और कार्यात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए अध्ययन, चित्रा सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 10 लाख रु. प्रति वर्ष
6. नियमित आणविक उपसमूह के लिए एक नवीन दृष्टिकोण विकसित करने के लिए जीनोमिक-एपिजीनोमिक विश्लेषण को लक्षित किया और मेनिनजीयोमा में कार्रवाई योग्य लक्ष्यों की पहचान की, वैशाली सूरी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 42 लाख रुपये लगभग।
7. मेनिनजियोमास के स्तरीकरण के लिए नोवल बायोमार्कर के रूप में गैर-कोडिंग आरएनए पैनल की पहचान तथा इसके पूर्वानुमान संबंधी चिकित्सीय सिग्निफिकेंट का मूल्यांकन, वैशाली सूरी, आईआईटी दिल्ली में बहु-संस्थागत संकाय अंतर्विषयक अनुसंधान परियोजना की संकाय, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये।
8. डब्ल्यूएचओ 2016, ग्लायोमा के वर्गीकरण के संदर्भ में में आण्विक सूजन के आणविक हस्ताक्षर, वैशाली सूरी, एम्स इंटर डिपार्टमेंटल कोलैबरेटिव प्रोजेक्ट, 2 साल, 2018-2020, 20 लाख रुपये
9. बाल चिकित्सा एपिन्डियमोमास के रोगजनन में घोंघा पैरालोगस की कार्यात्मक प्रासंगिकता को उजागर करना, एम.सी. शर्मा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2018-2020, 45 लाख रुपये
10. सिक्वेंसिंग टारगेट जीन्स एम्ड एट न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर्स इन इंडिया (स्टैंड-इंडिया), एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2018-2021, 50 लाख रु.
11. रिफ्रैक्टरी/रिप्लेस्ड प्राथमिक डिफ्यूज़ बड़े बी सेल लिंफोमा वाले रोगियों में सर्वाइवल पर सीएमवाईसी, बीसीएल 2, बीसीएल6 और एस्पटीबर्र विषाणु की भूमिका का मूल्यांकन करना: एक एम्बिस्पेक्टिव अध्ययन, सौम्या रंजन मलिक, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2016-2019, 30 लाख रुपये
12. रिफैक्टरी हाडग्किन'स लिंफोमा की पूर्वानुमानित और 9पी24 आल्ट्रेशन में निदान एवं माइक्रोएन्वायरनमेंट क्लोनेलिटी ऐसे की भूमिका का मूल्यांकन करना, सौम्या रंजन मलिक, डीएसटी,

3 वर्ष, 2017-2020, 35 लाख रुपये

13. परिधीय टी सेल लिम्फोमा के आणविक उपप्रकार का मूल्यांकन करना, सौम्यरंजन मलिक, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
14. ट्रिपल नेगेटिव/एचईआर-2 न्यू पॉजिटिव स्तन कैंसर रोगियों में प्रतिरक्षा प्रणाली के इंफलिट्रेटिंग सेल्स ट्यूमर के इम्यूनाफेनोटाइपिक प्रोफाइल और पी.डी.एल.1 की अभिव्यक्ति एवं नवसहायक कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया से उसका सह-संबंध, संदीप आर माथुर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 21 लाख रुपये
15. वायरल मायोकार्डिटिस के नैदानिक रूप से संदिग्ध मामलों में चार सामान्य विषाणुओं का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल लक्षण वर्णन, सुधीर, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2019, 10 लाख रु
16. HLA-DQ2 / DQ8 में रोग संशोधक के रूप में miRNA सीलिएक रोग से ग्रसित रोगियों के पहले डिग्री रिश्तेदारों से मेल खाता है, पी दास, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 45 लाख रुपये
17. विभिन्न प्रोटो-ओन्कोजीन्स और ट्यूमर सप्रेसर्स जीन की तुलनात्मक आनुवंशिक और एपिजेनेटिक बदलाव की पहचान, जो कि प्रोक्सिमल वर्सस डिस्टल कोलोन के एब्रैन्ट क्रिप्ट फॉसी के विकास में निहित हैं, पी दास/वंदना वलोडा, महिला वैज्ञानिक योजना के तहत डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 27 लाख रुपये
18. सीलिएक रोग में अनरिस्पोन्सिव ग्लूटेन-मुक्त आहार वाले रोगियों के एक समूह में दुर्दम्य सीलिएक रोग की पहचान के लिए विभिन्न नैदानिक तरीकों की तुलना, पी दास, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-1922, 37.7 लाख रुपये
19. मेटास्टेसिस मूल्यांकन के लिए कोलोरेक्टल कार्सिनोमस के परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान करने के लिए तेजी से अलगाव तकनीक और लैबीरिंथ (भूलभुलैया) आधारित यांत्रिकी का विकास, असित रंजन मृधा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 30 लाख रु, 2019-2022, 30 लाख रुपये
20. उन्नत सॉफ्ट टिश्यू सार्कोमा में टीपी53 म्यूटैशन की समसामयिक प्रासंगिकता, असित रंजन मृधा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रु.
21. प्रायोगिक तौर पर मधुमेह वाले चूहों में एसीई2/एंजियोटेंसिन (1-7)/मास रिसेप्टर एक्सिस (समेकित अनुसंधान) के माध्यम से डायबेटिक कार्डियोमायोपैथी में विटामिन-डी फार्मेकोलॉजिकल प्रभाव असित रंजन मृधा/हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
22. रोटरी अल्ट्रासोनिक बोन ड्रिलिंग मशीन प्रोटोटाइप का विकास, पीएम पांडे (आईआईटी, दिल्ली)/असित रंजन मृधा, सृष्टि, अहमदाबाद, गुजरात, एईएस बॉयज हॉस्टल कैंपस, 2 वर्ष, 2018-2020, 15 लाख रुपये
23. दीर्घस्थायी कोलेस्टेसिस वाले बाल रोगियों के नैदानिक, प्रयोगशाला और पैथोलॉजिकल प्रोफाइल का अध्ययन, रजनी यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 9.9 लाख रुपये
24. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का मूल्यांकन स्वचालित निदान के लिए एक नैदानिक उपकरण और कोलोरेक्टल कैंसर के ग्रेडिंग के रूप में, रजनी यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये

25. बचपन के आईडियापैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम में पोडोसाइटिक चोट हेतु एक भावी बायोमार्कर के रूप में यूरीनरी एक्सोडोम का अध्ययन, गीतिका सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018- 2021, 76.17 लाख रुपये
26. मुखीय एवं ओरोफारिंजील स्क्वामोस कोशिका कारसीनोमा में ए.के.टी./एम.टी.ओ.आर. संकेतन मार्ग सक्रियण के साथ एच.पी.वी. स्थिति एवं उसके साथ सह-सम्बन्ध का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 8.8 लाख रुपये
27. ऊतक नमूने में नुकसान देहता की पहचान के लिए गहन शिक्षण सहित मशीन लर्निंग तकनीकों का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़ और शेषन श्रीरंगराजन, एम्स-आईआईटीडी सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये
28. छोटे बी.सेल नॉन-हॉजकिन के लिम्फोमास की उचित विशेषता में नए इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री मार्करों की उपयोगिता, प्रशांत रामटके, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 6.5 लाख रुपये
29. एंजियोइम्यूनोब्लास्टिक टी-सेल लिंफोमा में रास होमोलोग मेंबर ए (आरएचओए) और आइसोसिट्रेट डिहाइड्रोजनेज (आईडीएच2) म्यूटेशन, सौम्यारंजन मलिक, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
30. आईएचसी मार्करों के आधार पर मसल इनवेसिव ब्लैडर कैंसर का आणविक उपप्रकार, सीमा कौशल, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रु. 4.9 लाख प्रति वर्ष
31. स्वास्थ्य देखभाल के विभिन्न क्षेत्रों में वर्चुअल टीचिंग मॉड्यूल (एमओओसी) बनाने और परीक्षण करने का प्रस्ताव, मनोज कुमार सिंह, स्वयम् और स्वयम प्रभा (मानव संसाधन विकास मंत्रालय), 3 वर्ष, 2018-2021, 20 लाख रुपये
32. पैपिलरी थायरॉयड कैंसर के निदान के लिए एक भावी गैर-इनवेसिव उपकरण के रूप में बीआरएफ (टी1799ए) म्यूटेशन हेतु परिसंचारी डीएनए का विश्लेषण, शिप्रा अग्रवाल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2018-2020, 8.12 लाख रु.
33. एनहांस्ड प्रतिजन प्रस्तुति और प्रोलोंड इम्यूनिटी के साथ नवीन नैनो कण आधारित हिपेटाइटिस बी (एच.बी.वी.) टीके का विकास: प्रथम चरण, पूर्व नैदानिक अध्ययन, ए.के. डिंडा, डी.बी.टी., 2 वर्ष, 2016-2018, 92.60 लाख रुपये
34. प्रोटीन बायोमार्कर्स, पी.एस.ए. एवं एम.एस.एम.बी. आधारित मूत्र के प्रयोग वाले प्रोस्टेट कैंसर की गैर आक्रामक पहचान हेतु एक नया इम्यूनो नैनो फ्लोरेसेन्स एसे (आई.एन.एफ.ए.) प्रणाली, एके डिंडा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 70.89 लाख रुपये
35. मिनीमल इन्वेसिव नॉवेल इंजेक्शन हाइड्रोजेल और नैनो-वाहक का विकास-स्थानीयकृत लक्षित कैंसर चिकित्सा के लिए हाइब्रिड प्रणाली, एके डिंडा, डीएचआर, 3 साल, 2018-2021, 75.56 लाख रुपये
36. निर्माण 3डी - मैकेनिकल इंस्ट्रक्शन प्रदान करने वाली सामग्री का उपयोग करके और 3डी प्रिंटिंग द्वारा तैयार किए गए पुनर्निर्माण सर्जरी हेतु नॉवेल मिनीमल इन्वेसिव इम्प्लांट्स, एके डिंडा, डीबीटी, 4 साल, 2018-2022, 64.34 लाख रुपये
37. पुल्मोनरी एडीनो कार्सीनोमा वाले रोगियों के ट्यूमर ऊत्तकों और सीरा के मिलान में ई.जी.एफ.आर. म्यूटेशन का पता लगाना और तुलना, दीपाली जैन, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2016-2019, 25 लाख रुपये

38. गैर छोटे सेल फेफड़ों के कार्सिनोमा में रैपेमिसिन का मैमेलियन टारगेट (एम.टी.ओ.आर.) और माइटोजन सक्रिय प्रोटीन (एम.ए.पी.) काइनेज संकेतन मार्ग का एक व्यापक विश्लेषण, दीपाली जैन, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट यंग रिसर्चर अवार्ड, 5 वर्ष, 2015-2020, 29 लाख रुपये
39. नॉन स्मॉल सेल फेफड़ों के कार्सिनोमा में इम्यूनोलॉजिक माइल्यू और पीडी-एल1 का सहसंबंध, दीपाली जैन, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 8 लाख रु.
40. सीनो-नसल एपिथेलियल ट्यूमर में एचपीवी संघ का अध्ययन, दीपाली जैन, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रु.

पूर्ण

1. हेपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी) जीवन चक्र में वायरल प्रोटीज और होस्ट एन्डोजेनस प्रोटीज की भूमिका, एस.के. पांडा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015-2018, 58.63 लाख रुपये
2. विकासशील देशों में नियमित नैदानिक अभ्यास हेतु आणविक उप-समूह और मेडूलाब्लास्टोमा के जोखिम स्तरीकरण के लिए शीघ्र और आर्थिक विधियों की स्थापना, वैशाली सूरी, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 10 लाख रुपये
3. सीलिएक रोग में इंटेस्टिनल स्टीम सेल, पी दास, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये
4. फॉर्मालिन फिक्स्ड पैराफिन एम्बेडेड टिश्यु नमूनों से सामान्य कोलोनिक म्यूकोसा और कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की तुलना में, एबरैंट क्रिप्ट फॉसी में ऑन्कोजीन ट्रान्स्क्रीप्ट का जीन लक्षण विश्लेषण, पी दास, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 25 लाख रु.
5. नॉन सिंड्रोमिक फोकल सेगमेंटल ग्लोमेरूलोसक्लेरोसिस में एन.पी.एच.एस.1, एन.पी.एच.एस.2, डब्ल्यू.टी.1, ए.सी.टी.एन.4 और आई.एन.एफ.2 का विश्लेषण, आदर्श बरवाद, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 10 लाख रुपये
6. आभासी कौशल प्रयोगशाला, डॉ मनोज के. सिंह, डीईआईटीवाई, 2 वर्ष, 2014-2016 तथा 8 अक्टूबर 2018 तक बढ़ा दिया गया, 262.5 लाख रुपये
7. विभिन्न उम्र में सामान्य श्रेष्ठ और हीन पैराथाइरॉइड ग्रंथियों के सेलुलर और आणविक विषमता, शिप्रा अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 9.15 लाख रु.
8. विसरल लिशमानियासिस के इलाज के लिए एम्फोटेरिसिन बी. की दवा वितरण प्रणाली आधारित लागत प्रभावी नैनो कण का विकासः प्रथम चरण का पूर्व नैदानिक अध्ययन, ए.के. डिंडा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2018, 89.65 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एनएससीएलसी में ईजीएफआर डाउनस्ट्रीम पाथवे का विश्लेषण और टीकेआई प्रतिरोध हेतु प्रणाली को स्पष्ट करना
2. ग्लिओमास में प्रतिरक्षा जांच बिंदु मार्करों का विश्लेषण
3. प्राथमिक हाइपरपैराट्रोइडिज्म में चयनित प्रतिलेखन कारकों और रिसेप्टर्स का विश्लेषण

4. डिफ्यूज लार्ज बी सेल लिम्फोमा की साइलोपैथोलॉजिकल प्रोफाइल
5. ऑब्सट्रक्टिव एयरवे मरीजों में टॉन्सिल के नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल विश्लेषण
6. शिशु ग्लियोमास का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन
7. एपेथेलिओइड जीबीएम और पीएक्सए की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल की तुलना
8. आरएचडी रोगियों के एक्साइस्ड वाल्वुलर टिश्यु में पोलीमरेज चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना
9. कम लागत क्रियाशील जैव संगत पॉलीमेरिक घाव ड्रेसिंग का विकास
10. रुमेटीयड आर्थाइटिस के लिए लक्षित नैनोड्रग डिलीवरी प्रणाली का विकास
11. विल्म्स ट्यूमर और न्यूरोब्लास्टोमा का पूर्वानुमान और निदान में एपोप्टोसिस संबंधित miRNA की विभेदक अभिव्यक्ति
12. मेडुलोब्लास्टोमस के आणविक उपसमूह के लिए डीएनए मेथिलिकरण सरणी
13. मेनिंगियोमा में ईएमटी मार्ग
14. पित्ताशय कार्सिनोमा और उसके नैदानिक प्रभाव में हर2 न्यु (Her2 neu) स्टेन की अभिव्यक्ति
15. गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा और उनके नैदानिक प्रभाव में पीडी1, पीडी-एल1 और सीडी8 सेल मार्कर के लक्षण
16. ईजेडएच2 - डब्ल्यूएनटी अभिव्यक्ति और ट्यूमर इनवेसिव में सहसंबंध, स्टेम सेल फेनोटाइप और पिट्यूटरी ग्रंथि में प्रगति
17. नॉन मार्फनॉइड व्यक्तियों के टीएएए में फाइब्रिलिन 1 जीन म्यूटेशन और टीजीएफ बीटा
18. हिस्टोलॉजिकल विश्लेषण और प्रगतिशील पारिवारिक इंट्राहेपैटिक कोलेस्टेसिस का उप वर्गीकरण
19. रुमेटी हृदय वाल्वों शल्य चिकित्सा का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन
20. गहन अध्ययन करते हुए एमईएसटी स्कोरिंग के अनुसार आईजीए नेफ्रोपैथी वर्गीकरण
21. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन, और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका संबंध
22. एपिथेलिओइड ग्लियोब्लास्टोमा की आणविक रूपरेखा
23. पेरीएम्पुलरी कार्सिनोमा के रोगियों में ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) को प्रसारित करने का प्रसार तथा पुनरावृत्ति मुक्त और समग्र सर्वाइवल के साथ इसके सहसंबंध।
24. दुर्दम्य सीलिएक रोग की व्यापकता: एक संस्थागत अध्ययन
25. नॉन-स्माल सेल लंग कार्सिनोमा में टी रेगुलेटरी सेल्स के साथ प्रोग्राम्ड डेथ लिगैंड-1 (पीडीएल-1) और इसका संबंधः साइटोलोजी नमूनों का उपयोग
26. मसल्स इनवेसिव ब्लैडर कैंसर के आणविक उपप्रकार में प्रोग्राम्ड डेथ लिगैंड-1 अभिव्यक्ति
27. स्कैलप बायोप्सी: अलोपेसिया (खालित्य) निदान में ऊर्ध्वाधर और अनुप्रस्थ वर्गों की तुलना
28. प्रोस्टेटाइटिस के एक प्रयोगात्मक मॉडल में रॉक्सिथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन
29. ग्लोमेर्युलर बीमारियों में गैलेक्टोज की कमी वाले IgA1 का अध्ययन

30. पुराने गुर्दा रोग में आयरन होमियोस्टेसिस का अध्ययन
31. विकसित कोमल ऊत्तक सार्कोमा पीड़ित रोगियों में पी53 प्रतिरक्षा अभिव्यक्ति तथा केआई67 एलआई का अध्ययन
32. घ्राणतंत्र न्यूरोब्लास्टोमा में डब्ल्यूएनटी और सोनिक हेजहोग सिग्नलिंग मार्ग का अध्ययन
33. इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मार्करों के आधार पर बेसल और ल्यूमिनल प्रकारों में प्राथमिक मसल-इनवेसिव ब्लेडर कार्सिनोमा की सबटाइपिंग
34. कालाजार के उपचार के लिए लक्षित नैनोकण आधारित दवा वितरण प्रणाली
35. आईडीएच नकारात्मक ग्लियोमा के लक्षित अनुक्रमण
36. कन्सेन्सेस आणविक उपप्रकारों और क्लीनिकल सहसंबंध के अनुसार मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमस को वर्गीकृत करने के लिए सरोगेट इम्यूनो-हिस्टोकेमिकल और आणविक मार्करों के एक पैनल की उपयोगिता
37. पल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा के ईजीएफआर म्यूटेशन परीक्षण में मूत्र परिसंचारी सेल-फ्री डीएनए की उपयोगिता

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रतिरोपण के लिए एंजाइम (ट्रिप्सिन) तथा कई एंजाइम (ट्रिप्सिन, कोलानिज, तथा डिस्पेज) के प्रयोग से तैयार एक्सट्रेक्टड हेयर फॉलिक्ल आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन की विभिन्न कोशिका पॉप्यूलेशन की प्रभावकारिता और संघटन का एक तुलनात्मक अध्ययन
2. सेलुलर रिजेक्शन में ग्लोमेर्युलर केशिका एंडोथेरियल चोट की एक इम्यूनोहिस्टोकैमिकल और अल्ट्रा स्ट्रक्चरल अध्ययन
3. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के चूहे मॉडल में ऑक्सीडेटिव तनाव और आर्टेसुनेट सप्रेस इंफ्लेमैशन
4. नॉन-सिरोथिक पोर्टल फाइब्रोसिस और एक्स्ट्र-हेपाटिक पोर्टल वेनस अवरोध के बीच क्लीनिकल, रेडियोलॉजिकल और हिस्टोलॉजिकल भिन्नता
5. प्राथमिक डबल / ट्रिपल एक्सप्रेसर लिफोंमा का क्लिनोपैथेलॉजिकल प्रोफाइल
6. कार्सिनोमा इसोफैगस में नवदजुवंत कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता - एक पायलट अध्ययन सिस्प्लैटिन 5 एफयू तुलना में पैलिसलैक्स + कार्बोप्लाटिन।
7. थोरेसिक एरोटिक ऐनयूरिज्म में मेट्रिक्स मेटलोप्रोटीनेज-2, मेट्रिक्स मेटलोप्रोटीनेज-9, टिश्यू इनहिबिटर मेटलोप्रोटीनेज-1, टिश्यू इनहिबिटर मेटलोप्रोटीनेज-2, कोलाजन I तथा IV एक्सप्रेशन का प्रकटन।
8. नॉन-सर्वाइवर्स और नॉन-डिकम्पेंसेटेड सिरोसिस की तुलना में पुरानी यकृत की बीमारी के रोगियों में हिस्टोलॉजिकल रोग-संबंधी मापदंड
9. डिस्क हर्नियेशन के युवा रोगियों की तुलना में, डिजेंरेटिव लम्बर कैनाल स्टेनोसिस वाले रोगियों में हिस्टोपैथोलॉजिकल और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक परिवर्तन
10. इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण वर्णन और सिनोनसल कार्सिनोमस के एचपीवी संबंध।

11. मेम्ब्रोनस नेफ्रोपैथी: नैदानिक सहसंबंध सहित इम्यूनोफलोरोसेंस, इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी तथा पीएलए2आर प्रोफाइल का एक अध्ययन।
12. आईडीएच नकारात्मक ग्लियोमा की मोलेक्यूलर प्रोफाइलिंग
13. बाल चिकित्सा ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा की मोलेक्यूलर प्रोफाइलिंग
14. मेडुलोब्लास्टोमा के आणविक उपसमूह के लिए नैनोस्ट्रिंग तकनीक
15. पैपिलरी थायरॉयड कार्सिनोमा की आक्रामकता के अनुमान में बीआरएएफ वी600ई और टीईआरटी प्रमोटर म्यूटेशन की भूमिका
16. हेपाटोबलास्टोमा में नोच और डब्ल्यूएनटी सिग्नलिंग पाथवे की भूमिका
17. आणविक उपप्रकारों द्वारा युवा महिलाओं में स्तन कैंसर का स्तरीकरण
18. मेम्ब्रेनस ग्लोमेरूलोनेफ्राइटिस की रीनल बायोप्सी पर पीएलएआर-2 प्रतिरक्षा ऊत्तक रसायन का अध्ययन
19. एपिडिडाईमस (अधिवृषण) में क्रोमोसोम्ज़ (गुणसूत्र) 22q परिवर्तन और एनएफ2 सिग्नलिंग मार्ग का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एनाप्लास्टिक थायरॉयड कार्सिनोमा के रोगियों में 68 जीए-पीएसएमए-एचबीईडी-सीसी पीईटी/सीटी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन, न्यूक्लियर मेडिसिन
2. पूर्व-ऑपरेटिव रोग के भार और प्रतिरोधकता का निर्धारण करने के लिए कार्सिनोमा अंडाशय में सीटी स्कैन बनाम पीईटी सीटी स्कैन की तुलना का एक संभावित पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन, सर्जिकल ऑनकोलॉजी
3. प्रारंभिक स्तन कैंसर से पीडित रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडेड फाइन नीडल एस्पीरेशन साइटोलॉजी (एफएनएसी) का उपयोग करके एक्सिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन, सर्जिकल ऑनकोलॉजी
4. अग्नाशय के कैंसर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू में संकेत पारगमन को नियंत्रित करने वाले miRNAs की भूमिका पर एक अध्ययन, जैव रसायन, विकृति विज्ञान
5. इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, परमाणु चुंबकीय अनुनाद, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू में सीलिएक रोग के रोगियों में बहु-प्रणाली की भागीदारी की जांच करने के लिए एक अध्ययन, पैथोलॉजी
6. जलने की चोटों के लिए कृत्रिम त्वचा (जैव-प्रेरित बाय-लेयर पॉलिमेरिक हाइब्रिड स्कैफ्फोल्ड), ट्रॉमा केयर (इम्प्रिंट प्रोजेक्ट), सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी, दिल्ली
7. क्लीनिकल पेलपेशन और विकिरण विज्ञान द्वारा मुखीय गुहा स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा (टी1-टी3) में इंवेशन की कार्सिनोमा डेप्थ का आकलन तथा उनका इंवेशन की हिस्टोपैथो-लॉजिकल डेप्थ के साथ सह-संबंध, ईएनटी, पैथोलोजी, रेडियोलॉजी

8. ईएमटी संबंधित प्रोटीन अभिव्यक्ति और सूक्ष्म आरएनए 200 ए,बी,सी, द्वारा एपिथैलियल ओवेरीअन के कैंसर के रोगियों में रोग की गंभीरता का आकलन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
9. प्राथमिक हाइपरपैराट्रोइडिज्म वाले रोगियों में पैराथाइरॉइड घावों और लिम्फ नोड्स के भेदभाव में 18एफ-फ्लूरोकोलीन के साथ प्रारंभिक गतिशील पीईटी/सीटी की भूमिका का आकलन, न्यूक्लियर मेडिसिन
10. क्लिनिकल के साथ एम ट्यूबरकुलोसिस के विभिन्न जीनोटाइप्स का सहसंबंध, पैथोलॉजिकल मैनिफेस्टेशन और डिजीज आउटकम ऑफ पोस्ट-प्राइमरी ट्यूबरकुलोसिस, लैबोरेटरी मेडिसिन, मेडिसिन, पैथोलॉजी और एलआरएस इंस्टीट्यूट ऑफ टीबी एंड रेस्पिरेटरी डिजीज
11. ऑटोएंटीबॉडी से जुड़े हुए वैकल्पिक पूरक मार्ग डिसरेगुलेशन में नेफ्रोटिक सिंड्रोम सेकेण्डरी में मेम्ब्रोनोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, बाल चिकित्सा
12. चेहरे की मात्रा के नुकसान के उपचार में ऑटोलॉगस गैर-सुसंस्कृत त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण, डेर्माटोलॉजी
13. स्तन कैंसर के रोगियों में आणविक मापदंडों सहित प्रोग्नोस्टिक कारकों के जैव सांख्यिकीय आयाम: एक महामारी विज्ञान का मूल्यांकन, बीआरए-आईआरसीएच
14. सेलियाक रोग और अन्य एंटरोपैथी वाले रोगियों में विलस की असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर, जठरांत्र विज्ञान और एचएनयू, पैथोलॉजी
15. इंफ्रारेड इमेजिंग, द्वारा स्तन कैंसर के मेटास्टेसिस का शीघ्र निदान और जानकारी आधारित बायोमार्कर, बायोफिजिक्स
16. लंग कैंसर में ब्रेन मेटास्टेसिस, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
17. ओरोफैरिंगियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा रोगियों में एक रोगनिरोधी मार्कर के रूप में बीआरसीसी3 अभिव्यक्ति और रेडियोथेरेपी प्रतिरोध पर इसके प्रभाव, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी और हेड नेक सर्जरी
18. हिर्शप्रंग रोग के लिए कोलेक्टोमी के बाद गैर-गतिशीलता के कारणों की करेक्टराइजिंग, बाल चिकित्सा सर्जरी, पैथोलॉजी
19. वृषण रोगाणु कोशिका ट्यूमर के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए परिसंचारीः एक पायलट अध्ययन, प्रजनन जीवविज्ञान
20. प्राइमरी पल्मोनरी मैलिग्नेंसीज वाले रोगियों के लिए अंतःशिरा फुफ्फुस बहाव द्रव और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए की नैदानिक उपयोगिता - एक पायलट अध्ययन, सर्जिकल ऑंकोलॉजी
21. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मैन्डिबल (जबड़ा) की नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल भागीदारी, ईएनटी, रेडियोडायग्नोसिस, पैथोलॉजी
22. बृहदान्त्र (कोलोन) कैंसर स्टेम सेल और उनके प्रतिलेख विश्लेषण, जैव रसायन
23. फुफ्फुसीय सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल तपेदिक के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन, पल्मोनरी मेडिसिन
24. ब्लैडर कार्सिनोमा के लिए कोल्ड कप बनाम बायपोलर बायोप्सी नमूनों की तुलना, यूरोलॉजी।

25. ईबीयूएस, टीबीएनए के दौरान वर्गीकृत सक्शन दबावों का उपयोग करके नैदानिक परिणाम की तुलना, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर
26. लिवर फाइब्रोसिस के हिस्टोलॉजिकल और फाइब्रोस्कैन स्कोरिंग की तुलना, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी
27. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने हेतु मानक 12 कोर्स के व्यवस्थित टीआरयूएस निर्देशित बायोप्सी और एमआरआई-फ्यूजन बायोप्सी की तुलना-एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन, यूरोलॉजी
28. स्थानीय उन्नत, रेस्पेक्टेबल कार्सिनोमा गॉलब्लेडर वाले रोगियों में सर्जरी के बाद कनकरंट बनाम सीक्वेंशियल नीयोएडजुवेंट कीमोथैरेपी की तुलनाः एक पायलट अध्ययन, जठरांत्र शल्यचिकित्सा, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण अर्बुद विज्ञान, पैथोलॉजी
29. ऑपरेबिलिटी, लिम्फ नोड स्टेटस तथा रोग के लोकल एक्सटेंशन के साथ गर्दन के प्रारंभिक कैंसर में एम.आर.आई. द्वारा निर्धारित बैरल सूचकांक का सह-संबंध, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
30. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री का उपयोग करके सीलिएक रोग में आंतों के श्लेष्म के मेटाबोनोमिक्स और एंजाइम गतिविधि प्रोफ़ाइल का सहसंबंध, नाभकीय चुंबकीय अनुनाद, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी
31. हिस्टोपैथोलॉजी के अनुमान हेतु रीनल मासेस का सीटी बनावट विश्लेषण, रेडियोलॉजी
32. कॉलोन के माइक्रोस्कोपिक प्रीनेओप्लास्टिक म्यूकोसल घावों में परिवर्तित प्रोटीन अभिव्यक्ति का पता लगाना, पैथोलॉजी, जीआई सर्जरी, सर्जरी
33. आरएचडी रोगियों के एक्साइज्ड वाल्वुलर ऊतक में पोलीमरेज चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना, हृद रोग विज्ञान
34. माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभाव और इंजेक्शन के दर्द को कम करने के लिए एक नए सूत्रीकरण और पैकेजिंग का विकास तथा रिकाल्सिट्रेंट एनाजेनिटल और एक्सट्राजेनिटल (सामान्य) वार्ट्स में इसका चिकित्सकीय परीक्षण, त्वचा विज्ञान
35. ओवेरिन कैंसर के लिए नॉन-इनवेसिव डायग्नोस्टिक किट का विकासः पुराने रास्तों पर नया चलन, बायोफिजिक्स
36. रोटरी अल्ट्रासोनिक बोन ड्रिलिंग मशीन प्रोटोटाइप का विकास, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी, दिल्ली
37. डिस्टल हाइपोस्पेडिया में आंतरिक और बाहरी पूर्व-त्वचा के बीच माइक्रोवेसेल घनत्व और वृद्धि कारकों में अंतर, बाल शल्य चिकित्सा
38. पशु मॉडल में हर्बल एक्स्ट्रेक्ट की एंटी-यूरोलिथियाटिक गतिविधि का मूल्यांकन, राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन, अहमदाबाद
39. ओल्फैक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक प्रोफाइल का मूल्यांकन, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी और सिर गर्दन सर्जरी

40. सी11-मेथाइओनाइन पीईटी/सीटी के साथ रीनल सेल कार्सिनोमा का मूल्यांकन और 18एफ फ्लूरोडिआक्सिग्लूको एसडब्ल्यू पीईटी/सीटी के साथ तुलना, न्यूक्लियर मेडिसिन
41. ग्रीवा लिम्फ नोड में अज्ञात हेड और नेक प्राइमरीज़ मेटास्टॉटिक का मूल्यांकन, ओटोरिनोलारिनोलॉजी और हेड नेक सर्जरी
42. “टेरीगो-पैलेटाईन जीवाश्म-टेरिगाईड कैनल परिसर“ के भ्रूण के विकास के हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन द्वारा जुवेनाइल नेजल एंजीओफिब्रोमा (जेएनए) की उत्पत्ति का अन्वेषण तथा जेएनए से पीडित मामलों में प्रथम ब्रैंकीयल आर्च रेम्नेंट विडीयन आर्टरी का आकलन, ईएनटी, एनाटॉमी रेडियोडायग्नोसिस, पैथोलॉजी, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
43. पेमफिगस वल्गरीज के इम्युनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न रिकॉग्निशन रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ $\gamma\delta$ T सेल सबसेट की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज, फार्माकोलॉजी
44. सीरम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का निर्धारण करने में वसा ऊतक एबीसीए1 की भूमिका की जांच, जैव रसायन
45. ग्लिओमास में वसा जीन, जैव रसायन
46. एफबीएक्सओ4 (FBXO4) एक नोवल यूबिक्विटिन लिगासे के रूप में है जो स्तन कैंसर के रोगजनन में साइक्लिन डी1 को लक्षित करता है, जैव रसायन
47. क्रोनिक हार्ट फेलियर वाले रोगियों में सूजन के साथ टोल लाइक रिसेप्टर्स (टीएलआर) के सहसंबंध का पता लगाना, हृदय रोग विज्ञान, सफदरजंग अस्पताल
48. सर्टोली कोशिका ओनली सिंड्रोम पर जेनेटिक अध्ययन, रिप्रोडक्टिव जीवविज्ञान
49. रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख मामलों और परिवार के सदस्यों में सीलिएक रोग की हिस्टोपैथोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू तथा पैथोलॉजी
50. गैर-सिरोथिक पोर्टल फाइब्रोसिस (एनसीपीएफ) और एक्स्टेराफेटिक पोर्टल वेनस ऑब्सट्रक्शन (ईएचपीवीओ) की हिस्टोपैथोलॉजी, पैथोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, जीआई सर्जरी
51. ह्यूमन पैपिलोमायरस स्टेटस इन पेनियल कार्सिनोमा इन इंडियन पेशेंट्सः इन्सिडेन्स, टाइप डिस्ट्रीब्यूशन एंड कॉरेलेशन विद क्लिनिको-पैथोलोजिकल स्टेजिंग, यूरोलॉजी
52. गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा, के रोगियों में ट्यूमर के व्यवहार के लिए एक बायोमार्कर के रूप में ग्लूकोज संबंधित प्रोटीन 78(जीआरपी78) की पहचान, यूरोलॉजी
53. कोलोरेक्टल कार्सिनोजेनेसिस के दौरान कोलन म्यूकोसा में विचित्र रूपात्मक रूप से पहचाने जाने वाले प्रीनेओप्लास्टिक घावों की पहचान, पैथोलॉजी, जीआई सर्जरी, सर्जरी
54. गहन अध्ययन का उपयोग करते हुए एमईएसटी स्कोरिंग के अनुसार आईजीए नेफ्रोपैथी वर्गीकरण, पैथोलॉजी एम्स तथा एनआईटी, दिल्ली
55. मोटापा की बीमारी में गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी (बेरिएट्रिक सर्जरी) का प्रभाव, सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी
56. तीव्र और जीर्ण जिगर की बीमारी में जिगर की बायोप्सी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी

57. भ्रूण विकृतियों और मृत जन्म के मूल्यांकन में न्यूनतम इन्वेसिव ऑटोप्सी (एमआईए)-मृत जन्म मूल्यांकन के लिए मानक प्रोटोकॉल के विकास के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन, बाल चिकित्सा
58. हेपाटिक ग्लाइकोजिनोसेस टाइप I एवं III का आणविक एवं जैव-रसायनिक चरित्र-चित्रण, जेनेटिक्स, पीडियाट्रिक्स, न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस एंड पैथोलॉजी
59. मिडलाइन ग्लिओमास की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल, न्यूरोसर्जरी
60. ओरल और मैक्सिलोफैशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाले सौम्य फाइब्रोसाइट्स घावों के मॉलेक्यूलर और प्रतिरक्षात्मक लक्षण वर्णन, ओरल पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी, सीडीईआर
61. जेमिसिटाइन-प्लेटिनम डबलेट के साथ उपचार किए गए गॉल ब्लैडर की उन्नत कार्सिनोमा में मॉलेक्यूलर बायोमार्करः आरआरएम1, आरआरएम2, एचईएनटी1 और ईआरसीसी1 की भूमिका, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
62. तंग जंक्शनों की आणविक अभिव्यक्ति और गैस्ट्रिक कैंसर की प्रगति में म्यूकोसल उपकला सेल ध्रुवता का विघटन, प्रयोगशाला चिकित्सा, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी
63. प्रोस्टेट कैंसर की पहचान में एमआर निर्देशित बायोप्सी, न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस, यूरोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस आईआरसीएच, पैथोलॉजी
64. स्तन कैंसर के ऑप्टिकल कैरेक्टराइजेशन, सर्जरी
65. ACE2/एंजियोटेनसिन (1-7)/प्रायोगिक मधुमेह चूहों में (सहयोगी अनुसंधान) मास रिसेप्टर अक्ष के माध्यम से मधुमेह संबंधी कार्डियोमायोपैथी में विटामिन डी औषधीय प्रभाव, औषध विज्ञान (फार्माकोलॉजी)
66. रेनल सेल कार्सिनोमा में टीएच17 और ट्रेग कोशिकाओं के फेनोटाइपिक और मोलेक्यूलर लक्षण वर्णन, बायोकेमिस्ट्री
67. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर में नियो एडजुवांट कीमोरेडियोथेरेपी की प्रतिक्रिया के लिए आकलन संबंधी बायोमार्कर, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी
68. एस्चेरिचिया कोली सिस्टम (इम्प्रिंट प्रोजेक्ट) में आघात और दुर्घटना देखभाल के लिए एक महत्वपूर्ण थेराप्यूटिक प्रोटीन का उत्पादन, स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, आईआईटी दिल्ली
69. आईआरसीएच, मेडिकल ऑन्कोलॉजी में टेस्टीकुलर जर्म सेल ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण
70. मेटास्टेटिक आरसीसी के रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं और सीएक्ससीआर1 लक्षण की भूमिका, यूरोलॉजी
71. स्पष्ट तौर पर इडियोपैथिक इन्टरस्टिशियल फेफड़ों के रोगों के निदान में एचआरसीटी की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस
72. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट थेरेपी के बाद अवशिष्ट ट्यूमर भार के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस

73. ब्रेस्ट कैंसर में फोस्फोफ्रुक्रटोकीनेस-पी (पी.एफ.के.पी.) की भूमिका, मेड ऑन्कोलॉजी भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.
74. नवजात/शिशुओं में कोलेस्टैटिक यकृत रोगों के निदान, पूर्वानुमान और निरीक्षण में शीयर वेब इलास्टोग्राफी की भूमिका, रेडियोलॉजी
75. एंडोमेट्रियल पैथोलॉजी के आकलन में शियरवेव इलास्टोग्राफी और मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस
76. माइक्रोप्लाटर्न सतह और डिकेलरलाइज्ड कॉर्निया का उपयोग करके मूर्तिकला का निर्माण, टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली, स्टीम सेल फैसिलिटी, आर.पी. सेंटर
77. मूत्राशय के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में संबंधित एचएमजीबी-1 और इसके संबंधित अणुओं की आटोफैगी का अध्ययन, बायोकेमेस्ट्री
78. कार्डिक मार्करों, सकल निष्कर्षों और संदिग्ध हृदयाघात के मामलों में हिस्टोपेथोलोजिक्ल परिवर्तन संबंधी अध्ययन, फॉरेंसिक मेडिसिन
79. क्रोनिक हेपेटाइटिस पर नैदानिक और अक्यूट की हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी
80. अग्नाशय वाहिनी एडेनोकार्सिनोमा में एमआईआरएनए(miRNA) का अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
81. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में संभावित बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए-182 और एमआईआरएनए-187 का अध्ययन, सीरम पीएसए, ग्लीसन स्कोर और प्रोस्टेट कैंसर के साथ सहसंबंध, यूरोलॉजी
82. विकसित कोमल ऊत्तक सार्कोमा पीड़ित रोगियों में पी53 प्रतिरक्षा अभिव्यक्ति तथा केआई67 एलआई का अध्ययन, फिजियोलॉजी, पैथोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और गायनोकोलॉजी
83. ओवेरिन सीरस कार्सिनोमा में पीकेसी सिग्नलिंग का अध्ययन, मेड ऑन्कोलॉजी भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.
84. फेफड़े के कैंसर के लिए विभिन्न पारंपरिक पल्मोनोलॉजी प्रक्रियाओं के भविष्यवक्ताओं के नैदानिक प्रतिफल का अध्ययन, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर
85. चूहे में ब्लोमाइसिन-प्रेरित फुफ्फुसीय विषाक्तता में सेसामोल का अध्ययन, फार्माकोलॉजी
86. कोलेस्टेटोमा आक्रामकता का क्लिनिक-पैथोलॉजिकल मूल्यांकन, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी और सिर गर्दन सर्जरी
87. प्रारंभिक परिणाम पोस्ट-कसाई पोर्टोइंटरोस्टोमी के लिए सरल मार्करों के रूप में प्रीऑपरेटिव और पश्चात सीरम बिलीरुबिन और क्षारीय फॉस्फेट का अनुपात, बाल चिकित्सा सर्जरी, पैथोलॉजी
88. थाइमिक ट्यूमर और वैट, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
89. मूल्यांकन करने के लिए कि क्या टी.सी.जी.ए. से एक पूर्व कथन वाला माइक्रोआरएनए सिग्नेचर भारतीय कोलोरेक्टल कैंसर (सीआरसी) के रोगियों में बायोमार्कर के रूप में कार्य करता है, मेडिकल ऑन्कोलॉजी

90. टीआईआरएडीएस और साइटोलॉजिकल ग्रेडिंग वाले अंतिम हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सॉलिटरी थायरॉइड नोड्यूल का अध्ययन करना, सर्जिकल डिसिप्लिन
91. पैपलेरी थायरॉयड कैंसर में संभावित बायोमार्कर के रूप में एस्ट्रोजीन-संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआर गामा) की भूमिका का अध्ययन करना, मेडिकल ऑन्कोलॉजी लैब
92. प्रोटीन प्रोफाइलिंग और तनाव के साथ सहसंबंध द्वारा एंडोमेट्रियोसिस के पैथोफिजियोलॉजी को समझना, फिजियोलॉजी, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान, रिप्रोडक्टिव जीव विज्ञान, बायोस्टैटिस्टिक्स, पैथोलॉजी
93. एपिथैलियल ओवेरिन ट्यूमर के पूर्व निदान में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पोटे-ई का उपयोगः एक पायलट अध्ययन, स्त्री रोग और प्रसूति
94. कोलोरेक्टल कैंसर में केआरएएस म्यूटेशन का पता लगाने के लिए कम लागत के तरीकों का सत्यापन, पैथोलॉजी

पूर्ण

1. उच्च ग्रेड ग्रीवा इंट्राफेथेलियल नियोप्लासिया के निदान के लिए एचपीवी डीएनए टेस्ट और एचपीवी ई6/ई7 एमआरएनए एसे के मूल्यांकन की तुलना करना, स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान
2. सीलिएक रोग वाले रोगियों में विलेस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर और अन्य इंटरपैथीज, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पैथोलॉजी
3. अतिरिक्त आंतों के सीलिएक रोग के टिश्यु में आईजीए और आईजीजी एंटी-टिशू ट्रांसग्लूटामिनेज एंटीबॉडी का कोलोकलाइजेशनः एक पायलट अध्ययन, पैथोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
4. साइक्लोस्पोराईन प्रेरित हेपेटोरेनल टॉक्सीसिटी में मेटफोर्मिन तथा सिलीमरिन का तुलनात्मक मूल्यांकन, फार्माकोलॉजी
5. प्राथमिक अतिपरजीविता (एचपीटी) वाले रोगियों में पाराथयरायड घावों के लोकालाइजेशन में 4डी सीटी, 4डी एमआरआई और फ्लूरोकोलिन पीईटी की तुलना, विकिरण निदान
6. ओरल स्क्वैमस कोसिका कार्सिनोमा में प्रवाहित ट्यूमर कोशिकाओं की जांच और मात्रा निर्धारण, ईएनटी, स्टीम सेल सुविधा, पैथोलॉजी
7. एब्रेन्ट क्रिप्ट फोसी में डीएनए मिथाइलेशन विशिष्ट पीसीआर सरणी द्वारा ट्यूमर शमन जीन की मेथिलेशन स्थिति का पता लगाना, पैथोलॉजी, जीआई सर्जरी, सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
8. काजल के मध्यवर्ती कोशिकाओं का मूल्यांकन, जैसे कि कोशिकाएं (आई.सी.सी.-एल.सी.) और हिस्टोपैथोलॉजी जन्मजात पीलवीयरेटेरिक जंक्शन रुकावट और इंट्राऑपरटिव खोजों के साथ उनका सहसंबंध, बाल शल्य चिकित्सा
9. संकेतन-जुड़े प्रोटीन की अभिव्यक्ति और महत्व, नोच 1, नोच 2 और हेस 1 ओशोफेगल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एक पूर्वव्यापी अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी

10. फॉर्मालिन फिक्स्ड पैराफिन एम्बेडेड टिश्यु नमूनों से सामान्य कोलोनिक म्यूकोसा और कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की तुलना में, एबरैंट क्रिप्टो फॉसी में ऑन्कोजीन ट्रान्स्क्रीप्ट की जीन लक्षण विश्लेषण, पैथोलॉजी, जीआई सर्जरी, सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
11. उत्तर भारत के उच्च ऊंचाई (लद्दाख) और निचले इलाकों के निवासियों हेतु एच पाइलोरी जीनोटाइपिंग और गैस्ट्रिक बायोप्सी में जीनोमिक विविधता का आकलन, पैथोलॉजी, जठरांत्र विज्ञान
12. भारत सहस्राब्दी गठबंधन परियोजनाः घाव की देखभाल के लिए एक तेजी से प्रयुक्त डिवाइस, एक्सेल मैट्रिक्स बायोलॉजिकल डिवाइसेस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद
13. एडिपोस टिश्यु मध्यस्थता इंसुलिन प्रतिरोध में प्लाज्मा मेम्ब्रेन एटीपी बाइंडिंग कैसेट ट्रांसपोर्टर (एबीसीए1) की भागीदारी की जांच, बायोकेमिस्ट्री
14. एफडीजी पीईटी सीटी, एमआरआई और एनएमआर का उपयोग करके स्तन कैंसर का आणविक वर्गीकरणः एक पायलट अध्ययन, सर्जरी
15. प्राथमिक हाइपरपैराट्रोइडिज्म वाले रोगियों में हाइपरफंक्शनिंग पैराथायराइड ऊतक के स्थानीयकरण में 18एफ कोलाइन पीईटी-सीटी की भूमिका, न्यूक्लियर मेडिसिन
16. जिगर के पुरानी बीमारी के रोगियों में जिगर फाइब्रोसिस के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा की गणना टोमोग्राफी, रेडियोलोजी
17. नवजात / शिशु संबंधी कोलेस्टेटिक यकृत रोगों के निदान, प्रोग्नोस्टिकेशन और फोलो-अप में शियर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका, विकिरण विज्ञान
18. एंडोमेट्रियल पैथोलॉजी के आकलन में शियरवेव इलास्टोग्राफी और मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका, विकिरण विज्ञान
19. गर्भाशय रोग विज्ञान के मूल्यांकन में सोनो-इलास्टोग्राफी की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस
20. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा नमूनां के सर्जिको-पैथोलॉजिकल मूल्यांकन का मानकीकरण - एक अग्रदर्शी अध्ययन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 148 **सारः 20** **पुस्तकों में अध्यायः 10**

रोगी देखभाल

प्रयोगशाला सेवाएं

सर्जिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला

संशोधित नमूने	55,312	विशेष स्टेन	37,700

साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला

कुल नमूने	28,060	एफएनएसी (बाहरी रोगी)	10,622
एक्सफोलिएटीव रूटीन	10,912	सर्वाइकल स्मीयर्स (पीएपी स्मीयर)	6,526
की गई शव परीक्षाएं	12	इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	1,250

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन प्रयोगशाला

नैदानिक	45,341	अनुसंधान	1,636

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

कुल नमूने	2,844	फ्रोजन सेक्शन	372

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन

नियमित आईएचसी	7,323	अनुसंधान आईएचसी	2,700
मांसपेशी आईएचसी	1,870	प्राप्त कुल मांसपेशी	367
मांसपेशी एंजाइम-ऊतक रसायन	1,170		

स्वस्थाने संकरण में प्रतिदीप्ति

नैदानिक	305	दैनिक	252

ईएम सुविधा

कुल मसल सैम्पल	376	कुल नर्व सैम्पल	44

टिश्यू कल्चर लैब

एच एंड ई स्टेनिंग	9,517	विशेष स्टेन्स	4,109
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	3,069	फ्रोजेन सेक्शन	2,443
अनस्टेंड	2,987	कोटेड स्लाइड्स	25,191
अनुसंधान ब्लॉक कटिंग	2,497		

वृक्क विकृति सेवाएं

गुर्दा बायोप्सी का इम्यूनोफ्लोरसेंस	876	मूत्र में ठोस पदार्थ विश्लेषण	1,943
गुर्दा बायोप्सी के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	846		

हृदय विकृतिविज्ञान

नमूने

नियमित	460	अनुसंधान	176

अन्य कार्य

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	48 स्लाइड	एच एंड ई स्टेन	327 स्लाइड
विशेष स्टेनस	107 स्लाइड		

प्रतिरोपण बायोप्सी के बाद मैनुअल प्रसंस्करण - 44 मामले

ब्लॉकों की कटिंग (बिना खंड वाले) - 498 स्लाइड

त्वचा बायोप्सी कटिंग	262 मामले (प्रत्येक 6 स्लाइड) = 1572 मामले
रीनल बायोप्सी कटिंग	550 मामले (प्रत्येक 10 स्लाइड)

फ्रोजेन कटिंग	60 मामले (प्रत्येक 3 स्लाइड)
कोटेड स्लाइड	2,000 स्लाइड

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

रेसिडेंट अवार्ड

मधु राजेश्वरी एस को "प्राइमरी हिस्टियोसाइटिक सार्कोमा ऑफ ब्रेन–एक दुर्लभ घटना" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए पहला सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला। दिनांक 6-8 अप्रैल 2018 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में मधु राजेश्वरी, एमसी शर्मा, वी सूरी, चित्रा सरकार।

प्रियदर्शनी एस को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 6 से 8 अप्रैल, 2018 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में "डिफ्यूज़ लेप्टोमेनिंगल ग्लियोयूरोनल ट्यूमर" नामक पोस्टर के लिए तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला।

अग्रिमा एस को तृतीय उत्कृष्ट पोस्टर अवार्ड उनके पोस्टर शीर्षक ''ओवर-एक्स्प्रेशन ऑफ प्रोग्राम्ड सेल डेथ लाइगैंड (पीडी-एल1) सजेस्ट्स नेगेटिव आउटकम इन आरईएलए फ्यूशन एपेन्डाइमोम्स'' के लिए प्राप्त हुआ। अग्रिमा शर्मा; प्रित बेन्नी मालगुवार; मनमोहन सिंह; वैशाली सूरी; चित्रा सरकार; मेहर चांद शर्मा को इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरो-ऑकोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में जिसका आयोजन एम्स, नई दिल्ली में 6-8 अप्रैल, 2018 को किया गया था।

कवनीत कौर को तृतीय उत्कृष्ट प्रोफर्ड पेपर अवार्ड उनके शोध शीर्षक ''मौलेक्यूलर क्लासीफिकेशन ऑफ मेडुलोब्लास्टोमस इन रूटीन पैक्टिसः व्हेयर टू स्ट्राइक अ बैलेंस?'' के लिए इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरो-ऑकोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में जिसका आयोजन एम्स, नई दिल्ली में किया गया था।

अरूणा नंबिराजन ने मौखिक शोधपत्र प्रस्तुतिकरण के लिए प्रथम पुरस्कार जीता, उनका शोध 'क्लिनिकोपैथोलॉजिकल इवैल्यूएशन ऑफ पीडी-11 एक्स्प्रेशन एंड साइटोटॉक्सिक टी-लिंफोसाइट इन्फिल्ट्रेट्स एक्रास मौलेक्यूलर सबग्रूप ऑफ इन्ट्राक्रेनियल एपेन्डाइमोमास' था जिसे पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी 2019 को एनपीएसआईसीओएन-2019 के दौरान प्रस्तुत किया गया।

अंजू जीएस ने दिनांक 15-17 फरवरी 2019 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में "एनएफ2 हेमिज़ेगस डीलीशन एंड मर्लिन लॉस इन स्पाइनल एपेंडिमोमा आर नॉट रिलेटेड टू एमटीओआर और हिप्पो पाथवे ऐक्टीवेशन" मौखिक पेपर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार जीता।

श्रदांजलि सतपती ने दिनांक 15-17 फरवरी 2019 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में "प्राइमरी इंट्राक्रैनिअल मेलिग्नेट इक्टोमेसेन्काइमोमा इन एन अडल्ट्स: दुर्लभ मामले की रिपोर्ट" पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

कल्पना कुमारी ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन -2019 में "सीएनएस लिम्फोमाटॉइड ग्रैनुलोमेटोसिस: दुर्लभ मामले की रिपोर्ट" पोस्टर प्रस्तुति के लिए पहला पुरस्कार जीता।

शालिनी कर्दम ने दिनांक 15-17 फरवरी 2019 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में "जुवेनाइल न्यूरोनल सेरॉइड लिपोफ्यूसिनोसिस-दो मामलों की रिपोर्ट" के लिये गैर-नियोप्लास्टिक/केस रिपोर्ट पोस्टर प्रस्तुति के लिए- तीसरा पुरस्कार जीता।

कवनीत कौर ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी, 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में डब्ल्यूएचओ 2016 वर्गीकरण के अनुसार "स्पेक्ट्रम ऑफ इन्फेंटाइल ट्यूमर अकोर्डिंग टू द डब्ल्यूएचओ 2016" के लिए नियोप्लास्टिक/ ओरिजनल अध्ययन पोस्टर प्रस्तुति के लिए पहला पुरस्कार जीता।

सुधा बट्टू ने पीजीआईएमआर, चंडीगढ़ में दिनांक 15-17 फरवरी 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में अपने पेपर बट्टू एस, कुमार ए, पाठक पी, पुरकित एस, धवन एल, शर्मा एमसी, सूरी ए, सिंह एम, सरकार सी, सूरी वी. क्लिनिकोपथोलॉजिकल एंड बाल चिकित्सा मेनिंगिओमास की आणविक विशेषताएं। तंत्रिकाविकृति विज्ञान। 2018; 38:22-33' के लिए 'डॉ. सुलीमल रॉय प्रकाशित पेपर अवार्ड' जीता।

हेनाखांडेकर को 30 सितंबर 2017 को दिल्ली में आयोजित डीसी-आईएसी में पोस्टर पुरस्कार के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अंजू जीएस को 17 मार्च 2019 को नई दिल्ली के एम.ए.एम.सी. में आयोजित डीसी-आईएपीएम में बेस्ट पोस्टर प्राइज से सम्मानित किया गया।

दीया रॉय द्वारा बेस्ट पोस्टर का पुरस्कार जीता गया, 34वाँ वार्षिक सम्मेलन-दिल्ली चैप्टर आईएपीएम' नई दिल्ली।

मोहम्मद जसीम को बाल रोग पैथोलॉजी पर बेस्ट पोस्टर प्राइज (प्रथम) प्राप्त हुआ: वर्तमान रुझान और परिप्रेक्ष्य, एसएसपीएच और पीजीटीआई, नोएडा, उ.प्र. (2019)।

कंवलप्रीत कौर को बेस्ट पोस्टर प्राइज (द्वितीय), पीडियाट्रिक पैथोलॉजी पर सीएमई: वर्तमान रुझान और परिप्रेक्ष्य, एसएसपीएच और पीजीटीआई, नोएडा, उ.प्र. (2019) प्राप्त हुआ।

कीर्ति जांगड़ा को बेस्ट पोस्टर प्राइज (तृतीय), पीडियाट्रिक पैथोलॉजी पर सीएमई: वर्तमान रुझान और परिप्रेक्ष्य, एसएसपीएच और पीजीटीआई, नोएडा, उ.प्र. (2019)

निशु भारद्वाज को बेस्ट पोस्टर प्राइज (चतुर्थ) प्राप्त हुआ, पीडियाट्रिक पैथोलॉजी पर सीएमई: वर्तमान रुझान और परिप्रेक्ष्य, एसएसपीएच और पीजीटीआई, नोएडा, उ.प्र. (2019)

प्रियदर्शनी स्बेस्ट ने 30 सितंबर 2017 को दिल्ली में आयोजित डीसी-आईएसी की केस रिपोर्ट में बेस्ट पोस्टर प्राइज प्राप्त किया।

तृप्ति नाकरा ने 30 सितंबर 2017 को दिल्ली में आयोजित डीसी-आईएसी की केस रिपोर्ट में बेस्ट पोस्टर प्राइज प्राप्त किया।

प्रोफेसर सुब्रत के. पांडा मेडिकल काउंसिल सीएसआईआर और सलाहकार बीआईआरएसी (डीबीटी) के अध्यक्ष थे।

प्रोफेसर चित्रा सरकार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स, कल्याणी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था; भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के बारे में सिफारिशें सुझाने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष; सदस्य, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के शासी निकाय; सदस्य, टीएचएसटीआई सोसायटी समिति; डीएसटी-इंस्पायर फैलोशिप स्थायी समिति के मनोनीत सदस्य; डीएसटी-इंस्पायर फैलोशिप के विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति के मनोनीत सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में 6 से 8 अप्रैल 2018 को आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (आईएसएनओसीओएन 2018) के 10वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन; आण्विक न्यूरो-ऑन्कोलॉजी पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला का भी आयोजन किया; अध्यक्ष, महिला शिकायत प्रकोष्ठ, एम्स; अध्यक्ष, एम्स में महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम; सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए एम्स और अन्य संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन के समन्वयक; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के नैनो मिशन काउंसिल (एनएमसी) के सदस्य; सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के उत्तर पूर्वी क्षेत्र जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के लिए सर्वोच्च समिति; न्यूरोपैथोलॉजी के इंटरनेशनल सोसायटी के उपाध्यक्ष; सचिव, न्यूरोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया; चयन समिति के सदस्य रैनबैक्सी पुरस्कारों के लिए; आईएनएसए के अनुभागीय समिति (स्वास्थ्य विज्ञान) के सदस्य; सदस्य, जर्नल न्यूरोपैथोलॉजी के संपादकीय बोर्ड (जापान से प्रकाशित); सदस्य, आईसीएमआर के वैज्ञानिकों के प्रचार के लिए मूल्यांकन समिति; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर की शासी निकाय और वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य; पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली की मानव नैतिकता समिति के सह-अध्यक्ष; सदस्य, एनसीडी-III की ऑन्कोलॉजी उप-समिति, आईसीएमआर।

प्रोफेसर एस. दत्ता गुप्ता डीन (परीक्षा) के रूप में कार्यरत है; को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ पैथोलॉजी - इंडियन डिवीजन (आईएपी-आईडी) के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के फैलो के रूप में कार्यरत हैं; इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के सहयोगी संपादक के रूप में कार्यरत; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के एनलों के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; इंडियन जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियन और इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में जारी है।

प्रोफेसर मनोज के सिंह 8वीं सीओडीएफआईसीओएन में सत्र की अध्यक्षता की, संपर्क और व्यावसायिक डर्मेटोसिस फोरम ऑफ इंडिया, आमेर, जयपुर का वार्षिक सम्मेलन, 20 सितंबर 2018 को पैथोलॉजी विभाग, जयपुर में आयोजित किया; पैथोलॉजी विभाग, बरेली में 28 नवंबर -2 दिसंबर 2018 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट और आईएपी-आईडी का 67वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया।

प्रोफेसर एके डिंडा को विजिटिंग प्रोफेसर एम्स, ऋषिकेश के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर एमसी शर्मा को इंस्टीट्यूट डे 2018 के सुअवसर पर "सी11 orf95-आरईएलए फ्यूजंस एंड अपरेगुलेटेड एनएफ-केबी सिग्नलिंग करेक्टराइज ए सबसेट ऑफ़ एग्रेसिव सुपट्राटेनटोरिअल एपेंडीमॉमस दैट एक्सप्रेस एलआईसीएएम एंड नेस्टीन" के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार (तीसरा स्थान) प्राप्त हुआ; टोक्यो, जापान में आयोजित इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ़ न्यूरोपैथोलॉजी (आई.सीएन.-2018) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार; एम्स ऑन्कोलॉजी अवार्ड, दूसरा स्थान बेसिक रिसर्च के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर "ट्रांस्क्रिप्शनल को-एक्सप्रेशन रेगुलेटरी नेटवर्क एनालिसिस फॉर स्नेल एंड स्लग आईडेंटिफ़ाइड आईएलआईआरआई, एन इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन रिसेप्टर टू बी प्रिफेरेंशियली एक्सप्रेस्ड इन ST-EPN-RELA एंड PF-EPN–ए मॉलिक्यूलर सबग्रुप्स ऑफ़ इंट्राक्रेनियल एपेंडीमॉमसिन, पहला वार्षिक एम्स रिसर्च दिवस, 26 मार्च 2019"।

प्रोफेसर वैशाली सूरी को दिनांक 6-8 अप्रैल 2018 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के 10 वें वार्षिक सम्मेलन में न्यूरोकोलॉजी में उत्कृष्ट कार्य के लिए आईएसएनओ वार्षिक पुरस्कार मिला।

प्रोफेसर संदीप आर माथुर को दिल्ली चैप्टर ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट के सचिव के रूप में 2020 तक 3 साल के लिए नियुक्त किया गया है।

डॉ. दीपाली जैन को सितंबर 2018 टोरंटो, कनाडा में फेफड़े के कैंसर के विकृति विज्ञान पर सत्र की अध्यक्षता के लिए फेफड़े के कैंसर (WCLC) पर विश्व सम्मेलन में एक संकाय वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था; मार्च 2019, दिल्ली में लंग कैंसर पल्मोक्रीट 2019 पर आयोजित संगोष्ठी में चेयरपर्सन।

डॉ. सीमा कौशल को सफलतापूर्वक नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएनएएमएस**)** की सदस्यता से सम्मानित किया गया।

डॉ. असित रंजन मृधा लॉन्ग टर्म्स फेलो इन फॉरन इंस्टीट्यूट, 2018 में एचआरडी; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत), 2018 के सदस्य; साइटोलॉजी पोस्टर प्रस्तुति (सह-लेखक), 2018 में सांत्वना पुरस्कार मिला।

डॉ. प्रसेनजीत दास को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा एपीसीओएन 2018 के प्रकाशित पेपर के लिए प्रोफेसर वीआर खानोलकर पुरस्कार मिला।

डॉ. गीतिका सिघ को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स के दिल्ली चैप्टर की वार्षिक बैठक में प्रतिभाशाली युवा पैथोलॉजिस्ट के लिए डॉ. एनसी नायक ओरेशन से सम्मानित किया गया।

डॉ. शिप्रा अग्रवाल को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी (आईएसडीपी) से 2018 ट्रैवल ग्रांट अवार्ड मिला।

डॉ. आदर्श बारवाद ने शरद ऋतु 2018 में रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट पार्ट I की फेलोशिप पूरी की।

डॉ. प्रशांत रामटके को वर्ष 2018 में जर्नल ऑफ साइटोलॉजी में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ मूल लेख के लिए डॉ. पन्ना चौधरी मेमोरियल अवार्ड मिला।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. परमजीत रंधावा, यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग मेडिकल कॉलेज, पिट्सबर्ग, संयुक्त राज्य अमेरिका।

9-30 Hk"k tx|.k foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

वाई.के. गुप्ता (सेवानिवृत्त, 28 अप्रैल 2018) वी.एल. कुमार (29 अप्रैल 2018 से)

आचार्य

कमल किशोर (सेवानिवृत्त, 31 जनवरी 2019) एन.आर. बिस्वास (प्रतिनियुक्ति पर)

एस.के. मौलिक	डी.एस. आर्य	जतिंदर कत्याल
सुरेन्द्र सिंह	के.एच. रीटा	जागृति भाटिया

सहायक आचार्य

एन.एस. राज	पूजा गुप्ता
हरलोकेश नारायण यादव	सुधीर चंद्र सारंगी

वैज्ञानिक

शारदा एस. पेशिन	थॉमस कालीकल	अमिता श्रीवास्तव
माधुरी गुप्ता	सुंदर सिंह सैमुअल	स्वाति शर्मा (29 मार्च, 2019 से)

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ए.डी.आर-ए.एम.सी. एवं एम.वी.पी.आई. दोनों के लिए, समन्वयक के रूप में डॉ. पूजा गुप्ता के साथ फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पी.वी.पी.आई.) के अधीन ए.डी.आर. मॉनीटरिंग सेंटर (ए.डी.आर.-ए.एम.सी.) तथा मेटिरियोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (एम.वी.पी.आई.) हेतु मेडिकल डिवाइस मॉनीटरिंग सेंटर (एम.डी.एम.सी.) को चलाया जा रहा है।

शिक्षा

विभाग बी.एस.सी. नर्सिंग (ऑनर्स), एम.बी.बी.एस., एम.एस.सी. (भेषजगुण विज्ञान), एम.डी., पी.एच.डी. और डी.एम. (नैदानिक भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय है।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 15 अप्रैल, 2018 को "फार्माकोलॉजिस्ट इन इंडिया हेल्थ केयर सिस्टम" पर सीएमई आयोजित की गई।
2. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 25 जून, 2018 को "नोवल एप्रोचिस टू ओवरकम मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंस इन कैंसर" नामक विषय पर डॉ. अमित के तिवारी, सहायक आचार्य एवं प्रधान अन्वेषक, कैंसर कीमोथेरेपी एवं सिस्टम चिकित्साशास्त्र, भेषजगुण विज्ञान तथा एक्सपेरिमेंटल चिकित्साशास्त्र विभाग, टोलेडो विश्वविद्यालय द्वारा गेस्ट लेक्चर दिया गया।
3. विभाग ने उत्तरी कोरिया के तीन डब्ल्यू.एच.ओ. फेलो हेतु दिनांक 01 अक्टूबर से 22 नवम्बर, 2018 तक नैदानिक भेषजगुण विज्ञान पर प्रशिक्षण कोर्स संचालित किया।

4. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 05 नवंबर, 2018 को “नॉन-एपोप्टोटिक सेल डेथ इन्डक्शन टू टारगेट डिफिकल्ट-टू-ट्रीट रेसिस्टेंट ट्यूमर्स” नामक विषय पर डॉ. अमित के तिवारी, सहायक आचार्य एवं प्रधान अन्वेषक, कैंसर कीमोथेरेपी एवं सिस्टम चिकित्साशास्त्र, भेषजगुण विज्ञान तथा एक्सपेरिमेंटल चिकित्साशास्त्र विभाग, टोलडो विश्वविद्यालय द्वारा गेस्ट लेक्चर दिया गया।
5. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 05 नवंबर, 2018 को “द यूज ऑफ जेबराफिश इन द स्टडी ऑफ डिजीज़ एंड ड्रग डिस्कवरी” विषय पर डॉ. फ्रेडरिक ई. विलियम्स, अध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान एवं प्रायोगिक चिकित्साशास्त्र, जेबराफिश अनुसंधान के निदेशक, टोलडो विश्वविद्यालय द्वारा गेस्ट लेक्चर दिया गया ।
6. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 05 नवंबर को “ओवरव्यू ऑफ स्ट्रक्चर एंड फंक्शन ऑफ क्लीनिकल डेवल्पमेंट एंड मेडिकल अफेयर इन फार्मासियूटिकल इंड्रस्टी” नामक विषय पर डॉ. बी. गुरूप्रसाद, सहायक मेडिकल निदेशक, नेत्रविज्ञान नोवरटिस, यू.एस.ए. द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

वी.एल. कुमार : 03 | **के.एच. रीटा : 01** | **पूजा गुप्ता : 02**

सुधीर सारंगी : 04 | **अमिता श्रीवास्तव : 02**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 26

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. रोगियों में मिलने वाली आधुनिक ड्रग थेरेपी के साथ काय-चिकित्सा की भारतीय पद्धति में वर्णित कॉनकरंट ड्रग थेरेपी की व्यापकता एवं प्रभाग के आकलन का अध्ययन, एस.के. मौलिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2 माह, 2016-2019, 18.72 लाख रुपये
2. पल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन के उपचार में एंटीइन्फ्लेमेटरी योजना : एक प्रायोगिक अध्ययन, एस.के. मौलिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 17.92 लाख रुपये
3. मिर्गी वाले रोगियों (पी.डब्ल्यू.ई.) में तनाव : सिरम बायोमार्कर्स तथा सी.वाई.पी.2सी.19 पोलीमॉर्फिज़्म के बीच सह-संबंध, एक अग्रगामी अध्ययन, जतिदंर कत्याल, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2019, 7.87 लाख रुपये
4. लीराग्लूटाइड की ओरल डिलीवरी हेतु सोलिड लीपिड नैनोपार्टिकल्स का विकास, एक एंटी डाइबेटिक ड्रग, एच.एन. यादव, डीबीटी, 2 वर्ष, 2018-2020, 14.75 लाख रुपये
5. मिर्गी से पीड़ित महिलाओं के मेटाबौलिक स्टेटस पर लेविटिराकेटम तथा वाल्प्रोऐट के साथ एंटी इपिलेप्टिक ड्रग मोनोथेरेपी का प्रभाव, एस.सी. सारंगी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपये
6. चूहों में स्ट्रॉक के प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड इस्टर्स (एफ.ए.ई.) का मूल्यांकन, के.एच. रीटा, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2015-2019, 59.54 लाख रुपये

7. चूहों में आघात तथा आघात के पश्चात के दौरे के व्यवहार के प्रायोगिक मॉडल में सेफिनामाइड का मूल्यांकन, के.एच. रीटा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 27.61 लाख रुपये
8. चूहों में सिस्पलेटिन प्रेरित नेफ्रोटॉक्सिसिटी में बर्बेरिन तथा डायड्ज़ीन के नेफ्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन, जागृति भाटिया, डीबीटी, 4 वर्ष, 2015-2019, 24.99 लाख रुपये
9. विस्टर चूहों में प्रयोगात्मक मधुमेह न्यूरोपैथिक दर्द में ऐपालरिस्टाट के लिपिड-आधारित नैनोकणों का निर्माण और मूल्यांकन, एच.एन. यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 5 लाख रुपये
10. चूहों में मधुमेह के प्रायोगिक मॉडल में ग्लिबेनक्लामाइड के साथ आयुर्वेदिक फॉरम्यूलेशन की फार्माकोडायनामिक तथा फार्माकोकिनेटिक पारस्परिक क्रिया, एस.सी. सारंगी, ए.आई.एम.आई.एल. औषध, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2018-2021, 21.01 लाख रुपये
11. पल्मोनरी फिब्रोसिस प्रेरित ब्लेयोमायसिन के प्रायोगिक मॉडल में अधाटोडावासिका के प्रभाव को जांचने की फार्माकोलॉजिकल एवं मोलीक्यूलर एप्रोच, जागृति भाटिया, केन्द्रीय यूनानी मेडिसिन अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, 3 वर्ष, 2018-2021, 55.42 लाख रुपये।
12. होम्योपैथिक दवाओं का प्रारंभिक औषधीय (भेषजगुण विज्ञानीय) एवं सुरक्षा अध्ययन, सुरेंद्र सिंह, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, 2 वर्ष, 2017-2019, 27.56 लाख रुपये।
13. दौरे संबंधित हृदय की अपसामान्यताओं में संभावित बायोमार्कर के रूप में ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रॉपिक फैक्टर (बी.डी.एन.एफ.) की भूमिका, जतिन्दर कत्याल, डी.एस.टी., 2 वर्ष, 2017-2019, 22.03 लाख रुपये।
14. ऐन्जिओजेनेसिस आधारित पशु घाव प्रबंधन हेतु सतह इंजीनियरड सिल्वर (ए.जी.) नैनोकणों एवं पेप्टाइड संयुग्मन, एच.एन. यादव, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2018-2021, 87.36 लाख रुपये।
15. कैंसर चिकित्सा शास्त्र हेतु सिनेरजीस्टिक (योगवाही) प्रभाव को प्राप्त करने के लिए एंटी-कैंसर ड्रग तथा पी53 मॉड्यूलेटर की टारग्रेटिड सह-डिलीवरी, एच.एन. यादव, डी.एस.टी., 5 वर्ष, 2016-2021, 35 लाख रुपये।
16. मायलोमा से पीड़ित रोगियों में नैदानिक प्रतिक्रिया तथा बोर्टेजोमिब ब्लड कॉनसंट्रेशन पर सी.वाई.पी.2सी.19 पॉलीमोर्फिज़्म के प्रभाव का अध्ययन, पूजा गुप्ता, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, 25.31 लाख रुपये ।

पूर्ण

1. ए.ई.डी. टैपरिंग झेल रहे मिर्गी (पी.डब्ल्यू.ई.) के व्यक्तियों में सीज़र पुनरावृत्ति से युक्त बायोमेकर्स स्तरों तथा सीरम एंटी-एपिलेप्टिक ड्रग (ए.ई.डी.) के सहसंबंध का पता लगाने संबंधी अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन, एस.सी. सारंगी, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रुपये ।
2. प्रमस्तिष्क पक्षाघात वाले बच्चों में पोलीमॉर्फिज़्म अफेक्टिंग लीड एवं मर्करी विषाक्ता की आवृति का मूल्यांकन, सुन्दर एस. सैमुअल, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 4.2 लाख रुपये ।
3. अंत:पात्र (इनविट्रो) कार्डियोटॉक्सिसिटी प्रेरित कीमोथेरेपी के विरूद्ध सुरक्षा हेतु नैनो-बर्बेरिन, पूजा गुप्ता, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये ।
4. कोलाइटिस और कोलोरेक्टल कैंसर के प्रयोगात्मक मॉडलों में कैलोट्रोपिस प्रोसेरा के लेटेक्स की

प्रभावकारिता पर अध्ययन, वी.एल. कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 8.24 लाख रुपये

5. चूहों में लीथियम पिलोकारपाइन मॉडल में न्यूरोजेनेसिस तथा कार्डियक रीमॉडलिंग पर सीज़र के प्रभाव को निर्धारित करना-एटी1 रिसेप्टर ब्लॉकर लोसार्टन तथा कप्पा ऑपिऑयड रिसेप्टर एगोनिस्ट यू50488 की भूमिका, जतिन्दर कत्याल, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4.95 लाख रुपये ।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. हृद्पात वाले रोगियों (मैट-एच.एफ.) में मेडिकेशन एडहेरेंस उपकरण के प्रभाव को अध्ययन करने का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. पोस्ट-लंच अवधि के दौरान स्वस्थ स्वयं सेवकों की साइकोमोटर परफॉर्मेंस पर नियमित तथा डिकैफिनेटेड कॉफी के प्रभाव के आकलन का यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड क्रॉस ओवर अध्ययन ।
3. डी-कम्पेंसेटिड हृद्पात से पीड़ित रोगियों में मानक हृद्पात औषधियों के साथ नव औषधियों (अर्नी तथा इवाब्रेडीन) के प्रभाव की तुलना का पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन (ट्रेंड्स इन हर्ट-टी.एच.एफ. अध्ययन)
4. साइक्लोस्पोराईन प्रेरित हेप्टो-रेनल टॉक्सिसिटी में मेटफॉर्मिन तथा सिलीमेरिन का तुलनात्मक अध्ययन ।
5. तनाव से ग्रसित रोगियों के न्यूरोडीजेनेरेशन पर एंटीडिप्रेसेंट के प्रभाव की तुलना ।
6. उपचार की लागत तथा जीवन की गुणवत्ता के संबंध में फोकल तथा जनरलाइज्ड सीज़र में नवीन तथा परंपरागत एंटीऐपिलेप्टिक औषधियों की तुलना
7. फेफड़ों संबंधी तथा असाधारण फेफड़ों संबंधी क्षय रोग (ट्यूबरकुलोसिस) में एंटी-ट्यूबरक्यूलर थेरेपी के संबंध में सीरम ऐमिलॉइड ए1, इंटरल्यूकिन 1 बीटा का सहसंबंध : एक अग्रगामी अध्ययन ।
8. लेवेटिरासेटम का सेवन करने वाले मिर्गी के रोगियों में सी.वाई.पी.2सी.19 पोलीमार्फिज़्म
9. मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में तनाव (पी.डब्ल्यू.ई.) : सीरम बी.डी.एन.एफ. तथा जिंक स्तरों का सहसंबंध
10. लीराग्लुटाइड के मौखिक फॉर्मूलेशन आधारित नैनो-कणों का विकास तथा चूहों में उच्च वसा आहार प्रेरित मोटापे में इसके प्रभाव का मूल्यांकन
11. मिर्गी से पीड़ित महिलाओं में एंटीऐपिलेप्टिक दवाओं का शारीरिक गतिविधि, प्रजनन अंत:स्रावी स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव
12. 35 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के फेफड़ें संबंधी फंक्शन पर एस्कोर्बिक एसिड सप्लीमेंटेशन का प्रभाव
13. छाती के कैंसर से पीड़ित रोगियों में इन्फ्लेमेशन एवं ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के मार्कर्स पर नियोएडजूवेंट कीमोथेरेपी का प्रभाव
14. चूहों में आई.सी.वी.-एस.टी.जेड. प्रेरित संज्ञानात्मक असमर्थता में एन्डोग्राफोलाइड के न्यूरोप्रोटेक्टिव पोटेन्शियल का मूल्यांकन
15. चूहों में स्ट्रॉक के प्रयोगात्मक मॉडल में टाइडग्लूसिब का मूल्यांकन

16. विस्टर चूहों में प्रयोग के साथ प्रेरित मधुमेह मेलिटस में ओरल लिराग्लुटाइड पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स का सूत्रीकरण तथा इसकी हाइपोग्लाइसेमिक गतिविधि का मूल्यांकन
17. स्वस्थ स्वयं सेवकों में प्रायोगिक रूप से प्रेरित दर्द के लिए ओपन-लेबल बनाम डबल ब्लाइंड प्लेसबो उपचार : एक अग्रगामी अध्ययन
18. आर्थ्राइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में टर्मिनालिया बिल्लेरिका तथा ग्लीसीर्रहीजा ग्लाब्र फार्माकोडायनानिक एवं फार्माकोकायनेटिक अध्ययन
19. स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन प्रेरित मधुमेह वाले चूहों में स्केमिया-रिपर्फ्यूजन चोट के मॉडल में चयनित दवा की जांच करने के लिए औषधीय तथा आणविक एप्रोच ।
20. चूहे के हृदय में मायोकार्डियल इनफरक्शन तथा मधुमेह आई/आर-चोट के प्रयोगात्मक मॉडलों में टेरीफ्लूनोमाइड के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का फार्माकोलॉजिकल एवं आणविक विवरण
21. टाईप-2 मधुमेह वाले चूहों में मायोकार्डियल रोधगलन के प्रयोगात्मक मॉडलों में फिसेटिन पर औषधीय (फार्माकोलॉजिकल) एवं आणविक अध्ययन
22. चूहों में मायोकार्डियल इस्कीमिया-रिपर्फ्यूजन चोट के प्रयोगात्मक मॉडल में अर्ग्लाबिन पर औषधीय अध्ययन
23. जीवन की गुणवत्ता तथा लागत विश्लेषण के साथ आई.आर.सी.एच., एम्स में अग्रिम नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एन.एस.सी.एल.सी.) में पैटर्न निर्धारित करना ।
24. ए.ई.डी. टेपरिंग से गुजर रहे मिर्गी के रोगियों में सीज़र पुनरावृत्ति से संबंधित जोखिम
25. आइसोप्रोटेरेनॉल प्रेरित कार्डिक हाइपरट्रोफी के प्रयोगात्मक मॉडल में एबटासेप्ट पर अध्ययन
26. सेप्सिस के प्रयोगात्मक मॉडल में आर्टेसुनेट के प्रभाव पर अध्ययन
27. प्रोस्टेटीटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में रोक्सीथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन
28. सेप्सिस के प्रयोगात्मक मॉडल में रोक्सीथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन
29. हेप्टोटॉक्सिसिटी प्रेरित कार्बन टेट्राक्लोराइड पर एबटासेप्ट के प्रभाव का मूल्यांकन करना
30. चूहों में ब्लेयोमायसिन प्रेरित पल्मोनरी टॉक्सिसिटी में सेसामोल के प्रभाव का अध्ययन करना
31. एक्स्ट्रा-पल्मोनरी क्षयरोग से पीड़ित रोगियों में निदान एवं रोग-उपचारक देखभाल हेतु बायोमार्कर के रूप में वी.ई.जी.एफ.-ए. : एक अग्रगामी अध्ययन

पूर्ण

1. मल्टी मायलोमा वाले रोगियों में बोर्टेज़ोमिब आधारित रेज़िमन के प्रति अनुक्रियता के बायोमार्कर के रूप में जी.आर.पी.78 के अन्वेषण संबंधी अग्रगामी अध्ययन ।
2. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर से पीड़ित रोगियों में उत्तेजक (इन्फ्लेमटॉरी) एवं ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस मार्कर्स में प्लेटिनम आधारित कीमोथेरेपी रेज़िमन्स के प्रभाव के तुलना का अग्रगामी अध्ययन ।
3. पेंटिलिएंटेट्राजोल प्रेरित मिर्गी के काइन्डलिंग मॉडल में ऑसिमम सैंक्टम तथा लेवेटिरासेटम का पारस्परिक क्रिया संबंधी अध्ययन ।
4. पेंटिलिएंटेट्राजोल प्रेरित दौरे और हृदय संबंधी परिवर्तनों में सहसंबंध : सीरम बायोमार्कर्स तथा हिस्टोपैथोलॉजी

5. फैट लीवर पर नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग (एन.ए.एफ.एल.डी.) से पीड़ित रोगियों में एच. पायलोर इराडिक्शन थेरेपी का प्रभाव
6. कोलाइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में कैलोट्रॉपिस प्रोसेरा के लेटेक्स के मैथेनॉल एक्सट्रेक्ट की प्रभावकता
7. कोलोरेक्टल कैंसर के प्रायोगिक मॉडल में कैलोट्रॉपिस प्रोसेरा के लेटेक्स के मैथेनॉल एक्स्ट्रेक्ट की प्रभावकता
8. प्रोस्टेट कैंसर वाले रोगियों के रक्त में मोनो-अमीन ऑसीडेज़-ए (एम.ए.ओ.-ए.) तथा बोना मेटास्टेसिस एवं कास्ट्रेशन रेसिस्टेंस के साथ उसके सहसंबंध का आकलन
9. प्रयोगात्मक मॉडलों में ट्राइगोनेलाफोएनम ग्रासियम लीफ एक्सट्रेक्ट के एंटी-आथ्रेटिक एवं नेफ्रोप्रोटेक्टिव क्षमता का मूल्यांकन
10. प्रयोगात्मक मॉडलों में मेटफॉर्मिन के एनलजेसिक प्रभाव का मूल्यांकन
11. एंटी-ऐपिलेप्टिक ड्रग टेपरिंग से गुजर रहे मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में सीजर की पुनरावृत्ति से संबंधित कारक : एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
12. तृतीय श्रेणी के अस्पताल में एंटी ऐपिलेप्टिक दवा उपचार पर मिर्गी के रोगियों के बीच तंत्रिका मनोविकारी विकृति तथा जीवन की गुणवत्ता
13. चूहों के प्रयोगात्मक मॉडल में एपिलेप्टोजेनेसिस तथा स्वत: आवर्तक दौरों के निरोध में कप्पा ओपियोइड रिसेप्टर के संभावित प्रभाव
14. एंटीऐपिलेप्टिक दवाओं की सुरक्षात्मक रूपरेखा एवं उपयोग पद्धति : एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
15. चूहों में मानसिक रोग संबंधी प्रयोगात्मक मॉडल पर पाइरोलिडाइन डीथियोकार्बामेट का अध्ययन ।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. बी तथा टी सेल्स के समलक्षणीय एवं कार्यात्मक निर्धारकों के साथ पेम्फीगस वल्गेरिस तथा उसके सहसंबंध में रिटुक्सीमैब इन्फ्यूज़न बनाम इंट्रावेनस डेक्सामिथासोन प्लस थेरेपी की प्रभावकता की तुलना संबंधी एक यादृच्छिक नियंत्रित अग्रगामी परीक्षण, त्वचाविज्ञान
2. फेफड़ों के कैंसर में ट्रेस तत्वों एवं भारी धातुओं तथा धूम्रपान के साथ उनके सहसंबंध का निर्धारण करने हेतु अध्ययन, मेडिकल ऑनकोलॉजी, आई.आर.सी.एच., एम्स।
3. ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में ब्लड हैवी मेटल्स एवं परिमाणात्मक ई.ई.जी. का सहसंबंध, बाल चिकित्सा
4. प्राथमिक दाढ़ में पल्पोटॉमी हेतु सिमवास्टेटिन जेल तथा डायोड लेजर का तुलनात्मक मूल्यांकन : सिंगल ब्लाइन्ड, चरण 2 यादृच्छिक परीक्षण, पीडियाट्रिक डेन्टीस्ट्री, सी.डी..ई.आर.
5. सेरिब्रल पक्षाघात (पी.बी.) से पीड़ित बच्चों में पोलीमोर्फिज़्म अफेक्टिंग लीड तथा मर्करी टॉक्सिसिटी की आवृत्ति का मूल्यांकन, बाल चिकित्सा
6. प्रयोगात्मक मधुमेह वाले चूहों में ए.सी.ई.-2 / एंजियोटेनसिन (1-7) / मास रिसेप्टर्स एक्सिस के

माध्यम से मधुमेह कार्डियोमायोपैथी में विटामिन-डी के औषधीय प्रभाव

पूर्ण

1. ए.ई.डी. टेपरिंग से गुजर रहे मिर्गी के रोगियों (पी.डब्ल्यू.ई.) में सीज़र पुनरावृत्ति के साथ बायोमार्कर स्तरों तथा सीरम एंटी एपिलेप्टिक ड्रग (ए.ई.डी.) के सहसंबंध का पता लगाने के लिए एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
2. नव-निदानात्मक सिर तथा नेक स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में निकोटिन विदड्रावल के पैटर्न तथा पेरीऑपरेटिव परिणामों पर उसके प्रभावों के मूल्यांकन का अग्रदर्शी अध्ययन, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान एवं सिर-गर्दन शल्य चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 24 **सार : 04** **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी उपचार

आईसीपी-एईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के साथ जैविक नूमनों में धातुओं का आकलन

विभाग पीपीबी स्तरों पर इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा एटोमिक एमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी (आईसीपी-एईएस) स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (मॉडल जे वाई-2000@2) द्वारा सहयोगी अध्ययनों के लिए आयुर्वेदिक सूत्रीकरण तथा मानव एवं पशु मॉडल (रक्त, सीरम, ऊतक) के जैविक नमूनों में ट्रेस मैटल्स Cu, Zn, Ni, Al, Cr, Co तथा हैवी मैटल्स Pb, Cd, Hg, As जैसे कई धातुओं के आकलन में सम्मिलित है।

चिकित्सीय दवा जांच सुविधा

भेषजगुण विज्ञान विभाग में टी.डी.एम. (चिकित्सीय दवा जांच) सुविधा, वित्तपोषित परियोजनाओं के भाग के रूप में रोगी के नमूनों में दवा के स्तरों के आकलन करने में संलग्न है। हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमेटोग्राफी (एचपीएलसी) सिस्टम्स का प्रयोग रोगी के नमूनों में दवा के स्तरों के गुणात्मक तथा मात्रात्मक आकलनों हेतु किया जाता है। विभाग में फार्माकोकायनेटिक पॅरामीटर्स के आकलन हेतु विननॉनलिन सॉफ्टवेयर उपलब्ध है।

राष्ट्रीय विष सूचना केन्द्र

भेषजगुण विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विष सूचना केन्द्र (एनपीआईसी) विष प्रयोग के उपचार पर सूचना उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनपीआईसी द्वारा प्रदान की जाने वाली 24 घंटे की सेवाओं का लाभ पूरे विश्व भर के उपचार करने वाले चिकित्सकों, सरकारी एजेंसियों, गैर-सरकारी संगठनों तथा सामान्य जनता द्वारा उठाया जाता है।

राष्ट्रीय विष सूचना केन्द्र द्वारा प्राप्त होने वाली विष प्रयोग संबंधी कॉल्स

मद	**एन**	**%**
कॉल्स (आने वाले फोन) की कुल संख्या	3,938	-
विष प्रयोग संबंधी फोन	3,793	96.3

सूचना संबंधी फोन	145	3.6
लिंग		
पुरुष	2,367	62.4
महिला	1,426	37.5
आयु-समूह (वर्ष)		
0-6	2,055	54.1
>6-12	215	5.6
>12-16	180	4.7
>16-18	81	2.1
>18-30	781	20.5
>30-45	329	8.6
>45	152	4
श्रेणियां		
घरेलू प्रोडक्ट्स	1,764	46.5
औद्योगिक रसायन	217	5.7
कृषि-संबंधी कीटनाशक	496	13.0
दवाएं	1,041	27.4
काटना एवं डंक	51	1.3
पौधे	72	1.8
विविध	152	4.0

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. डी.एस. आर्य ने एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड 2018 नामक प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। उन्हें दिनांक 25 सितम्बर, 2018 को वर्ष 2017-2018 के दौरान 'एपिजेनिन अमेलियोरेट्स स्ट्रेप्टोजोटोसिन-MAPK-NF-$_{\kappa}$B-TNF-a तथा TGF-ß1-MAPK-फिब्रोनेक्टिन मार्ग के माध्यम से चूहों में प्रेरित डाईबटिक नेफ्रोपैथी' के प्रकाशन हेतु मूल अनुसंधान की श्रेणी के अतंर्गत पुरस्कृत किया गया।

प्रो. के.एच. रीटा (क) नैदानिक परीक्षणों (ख) नवीन दवाइयों तथा (ग) नव-चिकित्सा उपकरणों के अनुमोदन से संबंधित मामलों में डी.सी.जी.आई. को सलाह देने हेतु ड्रंग कंट्रोलर जनरल (इंडिया) के कार्यालय में विषय विशेषज्ञ समिति (एस.ई.सी.) की सदस्य थी ।

डॉ. पूजा गुप्ता राष्ट्रीय ए.ई.एफ.आई. (एडवर्स इवेंट्स फोलोइंग इम्यूनाइज़ेशन) समिति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कॉज़ैलिटी असेसमेंट सबकमेटी तथा मीडिया एवं एडवोकेसी सबकमेटी की सदस्य थी; ड्रग कंट्रोलर जनरल (भारत) के कार्यालय हेतु विभिन्न चिकित्सा संबंधी पैनलों के लिए सब्जेक्ट एक्सपर्ट समिति (एस.ई.सी.) एवं वैक्सीन की पी.एस.यू.आर. समीक्षा

समिति की सदस्य; नेशनल लिस्ट ऑफ असेन्शल मेडिसिन्स (एन.एल.ई.एम.) 2015, के संशोधन हेतु दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति (एस.एन.सी.एम.) के अंतर्गत मेडिसिन के लिए सबकमेटी की सदस्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; सी.डी.एस.सी.ओ., स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस (जी.सी.पी.) दिशा-निर्देशों के अद्यतनीकरण में भाग लिया; एम्स, नई दिल्ली में नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी हेतु संस्थान नीति-विषयक उप-समिति की सदस्य-सचिव; एम्स, नई दिल्ली में वर्किंग कमेटी फॉर सैटिंग अप क्लीनिकल रिसर्च यूनिट की सदस्य; पल्स 2018 हेतु संकाय समन्वयन समिति की सदस्य तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु एम्स इंस्टीट्यूट डे सबकमेटी की सदस्य थी।

डॉ. हरलोकेश नारायण यादव दिनांक 15-16 नवंबर 2018 को गोवा कॉलेज ऑफ फार्मेसी, गोवा में इन्टलेक्चुअल प्रोपर्टी : प्रोसक्यूशन टू लिटीगैशन विषयक तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अध्यक्ष थे; वह एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 25-27 सितंबर, 2018 को नेक्स्ट जेनरेशन हेल्थ केयर पर आयोजित 63वीं इंस्टीट्यूट डे प्रदर्शनी में रिसोर्स पर्सन थे ।

डॉ. सुधीर सारंगी दिनांक 02 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित आई.सी.एच. / डब्ल्यू.एच.ओ. जी.सी.पी. दिशा-निर्देशों के समान भारतीय जी.सी.पी. दिशा निदेशों की अद्यतनीकरण हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक के लिए विषय-विशेषज्ञ थे; उन्होंने दिनांक 16-18 जुलाई, 2018 को एन.जी.सी.एम.ए. द्वारा संचालित जी.एल.पी. इंस्पेक्टर्स हेतु रिफ्रेश प्रशिक्षण कोर्स में भाग लिया; वह कोर ग्रुप की पहली बैठक तथा नेशनल फॉम्यूलेरी ऑफ इंडिया फार्माकोपिया कमिशन की रिविज़न हेतु विषय समीक्षा समिति के विषय-विशेषज्ञ थे, एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू., भारत सरकार, दिनांक 23 अगस्त, 2018 गाज़ियाबाद ।

डॉ. शारदा एस. पेशिन को दिनांक 27 अक्टूबर, 2018 को डी.वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र, पुणे में लीगल मेडिसिन, मेडिकल नेग्लिगेंस एंड लिटीगेशन इन मेडिकल प्रैक्टिस विषय पर आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा करंट ट्रेंड्स इन फोरेंसिक साइन्स, फोरेंसिक मेडिसिन एंड टेक्नोलॉजी (आई.ए.एम.एल.ई. 2018) विषय पर आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आई.ए.एम.एल.ई. फेलोशिप प्राप्त हुई। वह दिनांक 12 सितंबर, 2018 तथा दिनांक 24 सितंबर, 2018 को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली में साइट स्पेसिफिक टारगेट / स्टैंडर्ड फॉर रेमेडिएशन ऑफ मर्करी कंटामिनेटिड सॉइल विषय पर विशेषज्ञ राय हेतु माननीय एन.जी.टी. (राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण) के विशेषज्ञ पैनल की सदस्य थी।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. अमोल पाटिल, सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़ ने दिनांक 12 मई, 2018 को एन.पी.आई.सी. का दौरा किया ।

9-31 Hkkfrd fpfdRlk ,o iquokl

vkpk;l ,o v/;{k
यू. सिंह

vkpk;l
संजय वाधवा   एस.एल. यादव   गीता हाण्डा

lgk;d vkpk;l
श्रीकुमार वी.   असेम रंगिता चानू

v/kh{kd Hkkfrd fpfdRld
श्रीमती स्मिता दास

ofj"B Hkkfrd fpfdRld
श्री ओ.पी. यादव

v/kh{kd vkD;ii'kuy FkjfiLV
श्री रमन कुमार सिंह

ofj"B vkD;ii'kuy FkjfiLV
श्रीमती लिली फरहत प्रवीन

ofj"B rduhdh vf/kdkjh
श्री अजय बब्बर

fof'k"Vrk,

विभाग ने दिनांक 17 से 18 नवम्बर, 2018 को गुरूग्राम में इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहेबिलीटेशन मेडिसिन, दिल्ली पी.एम.आर.सी. के 13वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में दिल्ली एवं शेष भारत के प्रमुख संकायगणों ने भाग लिया जिन्होंने अपने अनुभव बांटे एवं ज्ञान बढ़ाया। विभाग ने अ.भा.आ.सं. में विश्व अशक्तता दिवस (3 दिसम्बर, 2018) के अवसर पर जागरूकता वार्ता एवं विचार मंथन सत्र का आयोजन किया। कॉस्मेटिक प्रोस्थेटिक्स के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता रोगी उपचार प्रदान करने के लिए विभाग के प्रोस्थेटिक्स एवं ओर्थोटिक्स कार्यशाला में एक उच्च सिलीकोन प्रोस्थेसिस लैब की शुरूआत की गई। प्रोजेक्ट मोड पर फुट प्रैशर मैपिंग आंकड़ों का प्रयोग करके फुट ओर्थोसिस के 3डी प्रिंटिंग को आरंभ किया गया है।

f'k{kk

स्नातकपूर्व शिक्षणः विभाग द्वारा सेमेस्टर VIII के लिए 8 सेमिनारो एवं सेमेस्टर VI के लिए एक सेमिनार के सेट को आरंभ किया गया। बारह स्नातकोत्तर छात्र एमडी (पीएमआर) कर रहे हैं। तीन सरकारी भारतीय संस्थानों एसवीएनआईआरटीएआर (कटक), पीडीयूआईपीएच (दिल्ली) एवं एनआईएलडी (कलकत्ता) से प्रोस्थेटिक्स तथा ऑर्थोटिक्स के छात्र अपने शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में पी एंड ओ कार्यशाला में आए। विभाग में पैलिएटिव केयर एंड ओंको–ऐनेस्थिसियालॉजी, पेडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एवं पैन फेलोस के लिए स्नातकोत्तर एवं फेलोशिप प्रशिक्षण का संचालन किया गया।

lh-,e-bZ-@dk;Z'kkyk,@laxks"Bh@jk"Vªh; rFkk varjk"Vªh; lEesyu

गुरूग्राम में दिनांक 17–18 नवम्बर, 2018 को इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहेबिलिटेशन मेडिसिन (दिल्ली पीएमआरसी) का 13वां वार्षिक सम्मेलन।

ÁnÙk O;k[;ku

यू सिंहः 3   **संजय वाधवाः 23**   **एस.एल. यादवः 6**
गीता हाण्डाः 1   **श्रीकुमार वी.: 6**

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गएः 20

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. विभिन्न फुट समस्याओं के लिए स्मार्टफोन से फुट इमेजों का प्रयोग करके कस्टम 3डी प्रिंटिड फुट ओर्थोटिक्स का विकास एवं जांच, गीता हांडा, डीबीटी 1 वर्ष, 2017–19, रु.12 लाख।

2. चिरकारी पैर की पीड़ा के उपचार के लिए दीर्घ स्थायी कार्मिकों के लिए स्मार्ट डायनेमिक फैब्रिक प्रवर्तक, श्री कुमार वी., अ.भा.आ.सं. –आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2018–20, रु.10 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पार्श्विक अधिस्थूलक–शोध वाले रोगियों में सामान्य एक्सटेंसर टेंडन्स की अल्ट्रासोनोग्राफिक विशेषताएं, प्रकार्य एवं पीड़ा पर अल्ट्रासाउंड गाइडिड कोर्टिकोस्टेरॉयड इंजेक्शन बनाम परम्परागत उपचार की प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. कार्पल टनल संलक्षण वाले रोगियों में एकल डोज प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा एवं कोर्टिकोस्टिरॉयड इंजेक्शन के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
3. चिरकारी प्लांटर फेसिटिस के रोगियों में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा एवं डेक्स्ट्रोज प्रोलोथेरेपी के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
4. प्रमस्तिष्कीय पाल्सी वाले बच्चो में उपचार प्रदाता द्वारा सूचित बुद्धिमत्ता सहित जीवन गुणवत्ता, हाथ प्रकार्य, गंभीर प्रेरक पेशी का सहसंबंध विश्लेषण के लिए एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।
5. सुषुम्ना क्षति से पीड़ित व्यक्तियों में अति सक्रिय ब्लैडर में फुट एवं ऑक्सीबुटिनिम के इलैक्ट्रिकल स्टीमुलेशन की प्रभावकता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
6. पार्क–ईज परीक्षणः पार्किन्सनन्स रोग की आरंभिक अवस्था में व्यायाम की प्रभावकता का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. ऐकिंलोजिंग स्पोंडीलाइटिस वाले रोगियों में संतुलन दुर्बलता एवं लड़खड़ा कर गिरने के जोखिम का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रास–सेक्शनल अध्ययन।
8. ऊपरी अंग विच्छेदनों के कार्य करने की स्थिति एवं प्रोस्थेंटिक उपयोग का अवलोकन करने के लिए एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।
9. घुटने की आरंभिक ओस्टियोआर्थेराइटिस में इंट्रा–आर्टिकुलर एडालिमुमेब बनाम इंट्रा–आर्टिकुलर हयालुरोनिक एसिड की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
10. अकिलीज टेंडीनोपेथि के लिए एक्सेंट्रिक व्यायाम एकल बनाम एक्सेंट्रिक व्यायाम के साथ प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
11. अभिघातज सुषुम्ना क्षति से पीड़ित व्यक्तियों के उपचार प्रदाताओं में जीवन गुणवत्ता एवं उपचार के भार का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।
12. अंतराष्ट्रीय सुषुम्ना सोसायटी (आईएससीओएस) डाटाबेस परियोजना।

पूर्ण

1. तृतीयक स्वास्थ्य उपचार केंद्र में रहने वाले गैर–विशिष्ट पीठ के निचले भाग में चिरकारी पीड़ा में परम्परागत चिकित्सीय व्यायाम के एक सेट बनाम योग आसन के एक सेट की प्रभावकता का तुलनात्मक अध्ययन।
2. प्रारंभिक ओस्टियोपोरोसिस में जोलेड्रोनिक एसिड बनाम संरचित व्यायाम कार्यक्रम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. रेडियल न्यूरोपैथी का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन एवं पार्श्विक ऐपिकांडिलाइटिस में कोर्टिकोस्टिरॉयड इंजेक्शन से पूर्व एवं पश्चात प्रकार्यात्मक परिणाम एवं पीड़ा के साथ इसका संबंध।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. संसाधन–सीमित देशों के लिए फोर्स मायोग्राफी चालित सस्ते सक्रिय निचले अंग प्रोस्थेसिस, आरेगन विश्वविद्यालय, आई.आई.टी. दिल्ली।
2. फाइब्रोमायल्जिया रोगियों में पीड़ा मोडुलेशन स्थिति पर ट्रांस्क्रैनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
3. निचला अंग प्रोस्थेसिस में डैम्पर नियंत्रण, जैवचिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग, आई.आई.टी. दिल्ली।
4. पीठ के निचले भाग में चिरकारी पीड़ा से पीड़ित रोगियों में मोटर कोर्टेक्स एक्सिटाबिल्टी एवं पीड़ा की स्थिति का अध्ययनः ट्रांस्क्रैनियल चुम्बकीय उत्तेजन का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
5. श्रम–दक्षता की दृष्टि से परिष्कृत शल्यक उपकरणों का डिजाइन, विकास एवं वैधीकरण, शल्यचिकित्सा विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
6. गतिवान एवं संतुलन के दौरान संज्ञानात्मक भार का इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल विश्लेषण तथा स्पर्शनीय फीडबैक का उपयोग करने के पश्चात निचले अंग विच्छेदन में गति एवं संतुलन में सुधार की जांच करना, जैवचिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग, अ.भा.आ.सं./आई.आई.टी. दिल्ली।
7. पीठ के निचले भाग में चिरकारी पीड़ा में पीड़ा एवं कोर्टिकोमोटर एक्सिटाबिल्टी पर योग का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
8. रूमेटॉयड आर्थेराइटिस में पीड़ा स्थिति एवं कोर्टिकोमोटर एक्सिटाबिल्टी पर मोटर इमेजरी का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
9. ऐकिलोजिंग स्पोंडीलाइटिस में पुल्मोनरी प्रकार्य का मूल्यांकन, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
10. एडालिमुमेब थेरेपी पर ऐंकिलोजिंग स्पोंडीलाइटिस से पीड़ित व्यक्तियों में व्यायाम सहनशीलता सहित रोग गतिविधि में परिवर्तन की तुलना करना–एक अवलोकनात्मक प्रायोगिक अध्ययन, रूमेटोलॉजी विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
11. स्केलेटल पेशी मास में प्रगतिशील प्रतिरोधी व्यायाम एवं पौषणिक हस्तक्षेप तथा सार्कोपेनिया वाले स्थूल रोगियों में प्रकार्य के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, चिकित्सा विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 8 सारः 3 पुस्तकों में अध्यायः 1

रोगी उपचार

नए रोगी

ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	13,900	प्रोस्थेटिक्स तथा ऑर्थोटिक्स	3,275
कुल नए रोगी	**17,175**		

पुराने रोगी

ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	25,737	दिव्यांगता मूल्यांकन क्लिनिक	68
रेलवे रियायत प्रमाणपत्र	195	ओपीडी आगमन (पी.टी. अनुभाग)	16,460
ओपीडी आगमन (ओ.टी. अनुभाग)	16,096	ओपीडी आगमन (एम.एस.डब्ल्यू.)	4,060
ओपीडी आगमन (पी एंड ओ क्लीनिक)	7,137	माइनर ओ.टी. प्रक्रियाएँ	4,634
कुल पुराने रोगी	**74, 387**		
महायोग	**91,562**		

विभाग की विशेष क्लिनिक

जारी क्लिनिक

1. पेशीकंकाली अल्ट्रासाउंड निर्देशित हस्तक्षेप।
2. फुट क्लिनिक में कस्टम मोल्डिड इंसोल्स।
3. डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देशों के अनुसार, विशिष्ट रूप से निर्मित व्हीलचेयर आपूर्ति के लिए व्हीलचेयर निर्देश एवं जांच क्लिनिक।

4. मस्क्यूलो–स्केलेटल प्रयोगशालाः कम्प्यूटरीकृत मूल्यांकन तथा व्यायाम उपकरण।
5. फुट लैब/क्लिनिक
6. दिव्यांगता मूल्यांकन क्लिनिक
7. ब्रेस जांच क्लिनिकः रोगियों के लिए अंतिम आपूर्ति से पहले हमारी वर्कशॉप में बनी प्रोस्थेटिक तथा ऑर्थोटिक यंत्र।
8. केस परामर्शः लक्ष्य व्यवस्था एवं उपचार मूल्यांकन के लिए दीर्घ–अवधि पुनर्वास रोगियों की परिचर्चा।
9. जिम राउंड क्लिनिकः पीएमआर के तहत भर्ती अंतरंग रोगियों की थेरेपी का मूल्यांकन।

सामुदायिक सेवाएं

रोगी उपचारः विभागीय संकाय तथा रेजीडेन्ट डॉक्टर दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए मथुरा में ग्रामीण कैंपों में समय–समय पर सम्मिलित होते हैं।

जन संचार माध्यम : जन जागरूकता व्याख्यान और टीवी स्वास्थ्य कार्यक्रम

डॉ संजय वाधवा

1. दिनांक 9 दिसम्बर 2018 को डीडी न्यूज पर टोटल हेल्थ प्रोग्राम; विषयः जोड़ों में दर्द।
2. दिनांक 17 जून 2018 को, डीडी न्यूज पर टोटल हेल्थ प्रोग्राम; विषय–योग एवं रोग निवारण।
3. दिनांक 3 दिसम्बर 2018 को, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस पर जागरूकता बढ़ाना।
4. दिनांक 2 सितम्बर 2018 को, एस.सी.आई. दिवस पर इंडिया गेट पर व्हीलचेयर रैली के द्वारा सुषुम्ना क्षतियों के संबंध में जागरूकता बढ़ाना।
5. अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में दिनांक 23 से 25 अगस्त 2018 तक चोट निवारण के संबंध में जागरूकता बढ़ाने पर कार्यशाला।
6. दिनांक 2 सितम्बर 2018 को इंडिया गेट में व्हीलचेयर के द्वारा सुषुम्ना क्षतियों पर जागरूकता बढ़ाना।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. कंहू चरण मलिक रेजीडेन्ट्स डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के एक सक्रिय सदस्य (खेल सचिव) हैं डॉ. रक्तिम स्वर्णकर (स्नातकोत्तर छात्र) ने 'अ.भा.आ.सं. स्वच्छ पखवाड़ा (1–15 अप्रैल 2018) के दौरान क्रिएटिव स्लोगन राइटिंग कंपीटिशन' में प्रथम पुरस्कार, 'क्रिएटिव एस्से राइटिंग कंपीटिशन' में द्वितीय पुरस्कार एवं 'पोस्टर डिजाइनिंग कंपीटिशन' में प्रोत्साहन पुरस्कार जीता, उन्होंने इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहेबिलिटेशन के 47वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रेष्ठ मौखिक पेपर प्रस्तुतिकरण के लिए बिंदेश्वरी सुदर्शन आई. ए.पी.एम.आर. गोल्ड मेडल जीता (17–20 जनवरी)। उन्होंने मूवमेंट डिस्आडर्स सोसायटी ऑफ इंडिया के चौथे वार्षिक सम्मेलन में ट्रैवल ग्रांट अवार्ड भी प्राप्त किया (22–24 फरवरी 2019)।

आचार्य यू सिंह अकैडमिक समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर दि ओर्थोपेडिकली हैंडीकैपड, कलकता के सदस्य एवं एम.वाई.ए. एस.–जी.एन.डी.यू. में अनुसंधान डिग्री समिति, खेल विज्ञान एवं चिकित्सा के विषय में खेल विज्ञान एवं चिकित्सा विभाग हेतु विशेषज्ञ हैं। डॉ. सिंह अवकाश प्राप्त संपादक के जर्नल एडिटोरियल कमेटी इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहेबिलिटेशन का एक भाग हैं; जर्नल ऑफ रिहेबिलिटेशन कॉन्सिल ऑफ इंडिया लोकोमोटर एंड एसोसिएटिड डिसेबिलिटीज़ के परामर्श संपादक एवं समीक्षक; समीक्षक, एन्नलस ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी; समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरों–सर्जरी; समीक्षक, जर्नल ऑफ स्पाइनल कोर्ड मेडिसिन; समीक्षक, जर्नल ऑफ अमेरिकल एकेडमी ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहेबिलिटेशन; समीक्षक, लैप्रोसी समीक्षा; संपादकीय बोर्ड सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोथेरेपी एंड ओक्यूपेशन्स थेरेपी; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसिस एंड टेक्नोलॉजी (आईजेबीएसटी) हेतु संपादकीय बोर्ड के अवैतनिक सदस्य; वरिष्ठ संपादकः एस्ट्रोसाइट, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा मल्टीस्पेशिलिटी जर्नल। सम्मेलन आदि। डॉ. सिंह आईपीएआरएम 13वां वार्षिक सम्मेलन, गुड़गांव के संरक्षक हैं, 17–18 नवम्बर, 2018 एवं सभापति, वैज्ञानिक सत्र 2, आईएपीएमआरसीओएन 2019, मुम्बई, 20 जनवरी, 2019।

आचार्य संजय वाधवा अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन, तकनीकी समिति 173, कार्यकारी समूह 12 (आईएसओ/टीसी173/डब्ल्यू जी 12) के संयोजक थे; सभापति, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की अनुभागीय समिति (एमएचडी 09)के सभापति थे; दिनांक 19 जनवरी 2019 को 2 वर्ष की अवधि (2019–2021) के लिए मुम्बई में वार्षिक जीबी की बैठक के दौरान इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहेबिलिटेशन (आईएपीएमआर) के अध्यक्ष के रूप में घोषित निर्वाचित एवं नियुक्त किए गए; अगस्त 2018 से 3 वर्ष की अवधि के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष; अगस्त 2018 से 3 वर्ष की अवधि के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान विज्ञान अकादमी (एनएएमएस) के शासी परिषद के सदस्य; डिसेबिलिटि कमेटी, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य; दिव्यांगता पर परियोजना समीक्षा समिति, आईसीएमआर

के सदस्य; जराचिकित्सा पर परियोजना समीक्षा समिति, आईसीएमआर के सदस्य; 'यूजी एवं पीजी चिकित्सा पाठ्यक्रम, 2019 के लिए दिव्यांगता वाले छात्रों के प्रवेश के लिए एमसीआई दिशा–निर्देश' के लिए मसौदा तैयार किया, संकलित किया एवं उसे संपादित किया।

आचार्य एस.एल. यादव दिनांक 9 नवम्बर, 2018 को लिवरपूल, यू.के. में कैडा इक्वैना सिंड्रोम पर उपचार दिशा–निर्देश बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वसम्मति बैठक में विशेषज्ञ थे; दिनांक 20 से 22 सितम्बर 2018 तक जयपुर में नेशनल रिफ्रैशर क्रोर्स में संकाय; दिनांक 24 सितम्बर, 2018 को जेआईपीएमईआर, पोडुचेरी की स्थायी चयन समिति हेतु बाह्य विशेषज्ञ; प्रोस्थेटिक्स एवं ओर्थोटिक्स में स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रमों की समिति की बैठक में दिल्ली विश्वविद्यालय सदस्य; दिनांक 27 से 28 अक्तूबर, 2018 तक पुणे में लीगल मेडिसिन पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सभापति; प्रैक्टिस करने वाले तंत्रिका विज्ञानियों के लाभ के लिए तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में नेक्सस 2018 में सभापति, 15 से 16 सितम्बर, 2018 नई दिल्ली; बाह्य परीक्षक, डीएनबी छात्रों के लिए फोर्मेटिव एस्सेसमेंट 2018 के लिए कार्य स्थान आधारित क्लिनिकल मूल्यांकन; एमडी (पीएमआर) एआईआईपीएमआर, महालक्ष्मी, मुम्बई के लिए बाह्य परीक्षक 24 अप्रैल, 2018; दिनांक 12 जून, 2018 को एआईआईपीएमआर, मुम्बई में एमयूएचएस प्रैक्टिल परीक्षक; ऑक्लैंड, न्यूजीलैंड में पेनेलिस्ट, आईसीएम एशिया पैसिफिक 2019, 9–13 फरवरी, 2019; परामर्शदाता, दिनांक 17–18 नवम्बर, 2018 को गुड़गांव में 13वां वार्षिक सम्मेलन दिल्ली पीएमआर कॉन 2018।

आचार्य गीता हांडा जैवप्रौद्योगिकी विभाग, जीओआई द्वारा गठित जैवइंजीनियरिंग पर टास्क फोर्स की सदस्य थी; भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद में परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति सदस्य; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित पीएमआर में परीक्षाओं के लिए विषय विशेषज्ञ; गुड़गांव में दिनांक 17–18 नवम्बर, 2018 को आईपीएआरएम सम्मेलन 2018 के लिए वैज्ञानिक समिति सभापति; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लिए सदस्य विशेषज्ञ समिति; केजीएमयू लखनऊ, भारत के लिए एमडी परीक्षाओं के लिए बाह्य परीक्षक; पीएमआर में पीजी (एमडी) आरंभ करने के अ.भा.आ.सं. पटना में निरीक्षण समिति सदस्य; एमएनयू मौलाना में निरीक्षण करने के लिए यूजीसी की निरीक्षण समिति के सदस्य थे।

डॉ. श्रीकुमार वी इंडियन जर्नल ऑफ आर्थोपेडिक्स के समीक्षक थे; हिंदी पखवाड़ा (सितम्बर, 2018) अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के दौरान ''निबंध लेखन (अन्य भाषा–भाषी)'' में द्वितीय पुरस्कार; समन्वयकर्ता, www.eleranSCI.org में कंस्डयूमर मोड्यूल्स, इंटरनेशनल स्पाइनल कोर्ड सोसायटी की एक पहलः ''बाउल केयर; समीक्षक, www.eleranSCI.org में कंज्यूमर मोड्यूल्स, इंटरनेशनल स्पाइनल कोर्ड सोसायटी की एक पहलः ''बाउल केयर'', समीक्षक, www.eleranSCI.rog में कंज्यूमर मोड्यूल्स, इंटरनेशनल स्पाइनल कोर्ड सोसायटी की एक पहलः ''ब्लैटर मैनेजमेंट'', ''सुषुम्ना क्षति हेतु परिचय'', सुषुम्ना क्षति में भौतिकचिकित्सा'', ''स्किन केयर एंड प्रैशर अल्सर मैनेजमेंट'', ''सुषुम्ना क्षति के पश्चात वजन एवं पोषण उपचार'', ''एससीआई में दीर्घ अवधि वेंटीलेशन उपचार'', ''चिकित्सा जटिलताएं, ''सैक्सुएलिटी एंड फर्टिलिटी'', दिनांक 23–25 अगस्त, 2018 को अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रलाय, भारत सरकार के तत्वावधान के तहत ''क्षति निवारण कार्यशाला'' में ''वाइट पेपर ऑन इंजुरी प्रिवेंशन'' का मसौदा बनाने के लिए विशेषज्ञ पैनल, सदस्य; सदस्य, उप–समूहः ''आरटीसी के कारण क्षतियों के लिए निवारण कार्यक्रम की पहचान एवं डिजाइनिंग करना'', ''आरटीसीएस के कारण क्षतियों के लिए निवारण कार्यक्रम को लागू करने के लिए नीतियां बनाना'', ''हल्के गिरने के कारण क्षतियों के लिए निवारण कार्यक्रम की पहचान एवं डिजाइनिंग'', स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान के तहत ''क्षति निवारण कार्यशाला'' में हल्के गिरने के कारण क्षतियों के लिए निवारण कार्यक्रम को लागू करने के लिए नीतियां बनाना'', 23–25 अगस्त 2018, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली; आयोजक सचिव, इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहेबिलिटेशन मेडिसिन, दिल्ली पीएमआर कॉन 2018 का 13वां वार्षिक सम्मेलन, 17–18 नवम्बर 2018, गुड़गांव; जूरी सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहेबिलिटेशन के 47वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में आईएपीएमआर राष्ट्रीय क्विज प्रतियोगिता, 17–20 जनवरी, 2019 मुम्बई; सदस्य सचिव, एसेसिबिलिटी इंडिया कैंपेन (सुगम्य भारत अभियान), अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली; नोडल अधिकारी, पीएमआर विभाग, प्लान एवं जीईएम के तहत मशीनरी एवं उपकरण को मंगाना; नोडल अधिकारी, पीएमआर विभाग, अ.भा.आ.सं. वार्षिक रिपोर्ट; कोषाध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिसिन एंड रिहेबिलिटेशन; संयुक्त सचिव, इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहेबिलिटेशन मेडिसिन।

डॉ. असेम रंगीता चानू जर्नल ऑफ मेडिसिन सोसायटी की समीक्षक थीं; अ.भा.आ.सं. वेबसाइट के लिए पीएमआर से विषय–वस्तु प्रदानकर्ता; दिनांक 25 से 27 सितम्बर, 2018 तक अ.आ.आ.सं. वेबसाइट के लिए पीएमआर से विषय–वस्तु प्रदानकर्ता; दिनांक 25 से 27 सितम्बर, 2018 तक अ.भा.आ.सं. संस्थान दिवस के लिए पीएमआर विभाग की समन्वयक संकाय; पीजी थिसीस में मुख्य गाइड–ए क्रास सेक्शनल स्टडी टू आब्जर्व दि प्रोस्थेटिक यूसेज एंड फंक्शनल स्टेट्स ऑफ अपर एम्पुटीज; दिनांक 4 अगस्त, 18 एवं 1 सितम्बर, 2018 को ''बायोमेकेनिक्स फॉर नर्सिस'' विषय पर हाल ही में नियुक्त 'नर्सिंग अधिकारियों' के लिए इंडक्शन प्रोग्राम में संकाय।

vfrfFk oKkfud

डॉ. डार्रेन जे प्लेयर, मस्कुलोस्केलेटल बायोइंजीनियरिंग, डिविजन ऑफ सर्जरी एंड इंटरवेशनल साईंस में लेक्चरर, आयुर्विज्ञान, यूनीवर्सिटी कॉलेज लंदन, लंदन, यूनाइटिड किंगडम (5 मार्च 2019) में संकाय।

9-32 'kjhj fØ;k foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

किशोर कुमार दीपक

आचार्य

हरूदानंदा मलिक　देवब्रत घोष　कंवल प्रीत कोचर

रत्ना शर्मा　नलिन मेहता　सुमन जैन

अशोक कुमार जरयाल　राज कुमार यादव　अंजना तलवार

सह-आचार्य

अस्मिता पाटिल　रेनु भाटिया

सहायक आचार्य

सिमरन कौर　प्रशांत तुलसीदास तायडे　दीनू संता चन्द्रन

नसरीन अख्तर　रितेश नेतम　आकांक्षा

गीतांजली बड़े　सूर्या प्रकाश मुथुकृष्णन (अनुबंध पर)

विशिष्टताएं

फिजियोलॉजी विभाग, डॉक्टरल कार्यक्रम के अतिरिक्त, स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर शिक्षण में शामिल रहा है। संकाय ने एम्स और अन्य संस्थानों में कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के आयोजन द्वारा इन-हाउस स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान तकनीकों के लिए मानवशक्ति को प्रशिक्षित करने का कार्य भी किया। संकाय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों जैसे न्यूरोफिजियोलॉजी (स्वायत्त तंत्रिका तंत्र सहित), कोशिकीय और आण्विक शरीरविज्ञान, पोषण, संवहनी शरीरक्रिया विज्ञान, प्रजनन, श्वसन, निद्रा, संज्ञान, ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उददीपन और योगा में कई बाह्य व आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं भी की चलाई गई थी। अनुसंधान परिणाम, विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों में प्रस्तुत किए गए और सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए। अपने मूल शोध के आधार पर, विभाग ने सुधारात्मक सर्जरी और योगिक हस्तक्षेप के दौरान स्वायत्त और संवहनी प्रकार्य आकलन, दर्द प्रबंधन, इंटराऑपरेटिव निगरानी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके रोगी देखभाल में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों को अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा में उनके अभिनव योगदान की सराहना में कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। विभाग ने 5-7 दिसंबर 2018 तक सार्क देशों के लिए कार्यशाला आयोजित की और विदेशों में वैज्ञानिकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की (चित्र 1)। दिनांक 22 फरवरी 2019 को विभाग ने डॉ. क्रिस्टोफर मैथियास के साथ लाइव इंटरैक्शन की एक टेलीकांफ्रेंस का आयोजन किया, जिसमें भारत की वैज्ञानिक सभा के बीच स्वायत्त तंत्रिका विज्ञान और ज्ञान साझा करने के क्षेत्र में प्रगति के लिए एक मंच प्रदान किया गया, यह एक शानदार सफलता थी (फोटोग्राफ 2)। दो महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, इंटरनेशनल ब्रेन रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (आईब्रो) एशिया पैसिफिक रीजन

स्कूल (फोटोग्राफ 3) और लाइफस्टाइल के लिए फिजियोलॉजी पर इंडो-यूरोपीय कार्यशाला भी विभाग में आयोजित किए गए थे जो अकादमिक रूप से अत्यधिक समृद्ध थे।

फोटो 1: सार्क राष्ट्रों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज (टीआईपीएस 2018) में तकनीक पर कार्यशालाः गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर बलराम भार्गव द्वारा उद्घाटन समारोह और सम्मेलन पुस्तिका का विमोचन। चित्र में दिखाई दे रहे हैं (बायें से दायें): प्रोफेसर केके दीपक, मुख्य अतिथि, प्रोफेसर बलराम भार्गव, संरक्षक, प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया, प्रोफेसर एचएन मलिक तथा डॉ. रेणु भाटिया।

फोटो 2: बाएं: टेलीकांफ्रेंस अपडेट: ऑटोनोमिक न्यूरोसाइंस के उद्भव पर प्रोफेसर क्रिस्टोफर मैथियास के साथ लाइव बातचीत। यह लाइव इंटरैक्शन हमारा प्रयास है कि ऑटोनोमिक न्यूरोसाइंसेस और ज्ञान साझाकरण के क्षेत्र में प्रगति की खोज के लिए एक मंच प्रदान करें। (बाएं से दाएं): प्रोफेसर विशाल बंसल, प्रोफेसर क्रिस्टोफर माथियास और प्रोफेसर केके दीपक। दाएं: टेलीकांफ्रेंस में प्रतिभागी।

फोटो 3: एशिया पेसिफिक रीजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन स्कूल 2018: उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रोफेसर उषा नायर (विशिष्ट अतिथि), प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया (मुख्य अतिथि), प्रोफेसर केके दीपक (अध्यक्ष), प्रोफेसर एचएन मल्लिक (आयोजन सचिव) और प्रोफेसर एस जैन (आयोजन सचिव)। प्रतिनिधि और संकाय सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन-एशिया पैसिफिक रीजन स्कूल के उद्घाटन समारोह में फिजियोलॉजी विभाग।

शिक्षा

1. **पूर्व स्नातक शिक्षण:** व्याख्यान 200 घंटे और व्यावहारिक 240 घंटे, यूजी छात्र: छात्रों की कुल संख्या: 107
2. **स्नातकोत्तर शिक्षणः** पीजी छात्रों की कुल संख्याः
   क. एमएससी छात्रः 11 ख. एमडी छात्रः 19 ग. पीएचडी स्कोलरः 32
3. **नर्सिंग और संबद्ध पाठ्यक्रमः** छात्रों की कुल संख्याः 155

फिजियोलॉजी विभाग में लघु अवधि प्रशिक्षणः

क. जामिया मिल्लिया इस्लामिया के 20 फरवरी से 20 मई 2018 तक दो बीएससी छात्र

ख. 1 जून से 31 जुलाई 2018 तक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से एक बीएससी छात्र

ग. 20 मई से 19 जुलाई 2018 तक टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज से एक एमएससी छात्र

घ. 1 जून से 31 जुलाई 2018 तक 2 महीने के लिए अंबेडकर विश्वविद्यालय से एक एमए छात्र

ङ. 18 जून से 1 जुलाई 2018 तक दो सप्ताह के लिए बी.जे. मेडिकल कॉलेज, गुजरात से एक संकाय

च. 1 जून से 31 जुलाई 2018 तक 2 महीने के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से बीएससी के दो छात्र

छ. 1 मई से 30 जून 2018 तक 2 महीने के लिए फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे से बीएससी के दो छात्र

ज. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 10 जून से 31 जुलाई 2018 तक दो एमएससी के छात्र

झ. 11 से 18 मार्च 2018 तक 8 दिनों के लिए श्रीलंका के दो वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

ञ. 18 जून से 31 जुलाई 2018 तक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से एक बीएससी छात्र

ट. 4 से 15 सितंबर 2018 तक 1 महीने के लिए एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज, इंदौर से एक संकाय

ठ. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 14 जून से 30 जुलाई 2018 तक एक एमएससी छात्र

ड. 25 जून से 10 जुलाई 2018 तक दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस एंड रिसर्च से एक बी. फार्मा छात्र

ढ. 25 जून से 24 जुलाई 2018 तक दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस एंड रिसर्च से तीन बी. फार्मा छात्र

ण. 3 से 8 सितंबर 2018 तक 6 दिनों के लिए श्रीलंका से एक तकनीकी अधिकारी और एक वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

त. 7 से 14 अक्टूबर 2018 तक वियतनाम से एक सप्ताह के लिए दो न्यूरोसर्जन

थ. 25 अक्टूबर से 16 नवंबर 2018 तक आरयूएचएस कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर से एक एमएससी छात्र

द. 16 से 31 दिसंबर 2018 तक आरयूएचएस कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर से एक छात्र

ध. 15 दिसंबर 2018 से 14 जनवरी 2019 तक दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस एंड रिसर्च के तीन छात्र

न. 1 से 10 फरवरी 2019 तक 10 दिनों के लिए एम्स, भुवनेश्वर से एक छात्र

प. 26 दिसंबर 2018 से 25 जनवरी 2019 तक दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस एंड रिसर्च का एक छात्र

फ. 24 दिसंबर 2018 से 1 जनवरी 2019 तक 9 दिनों के लिए डीपीएसआरयू, दिल्ली सरकार से एक छात्र

ब. 1 जनवरी से 31 मई 2019 तक 5 महीने के लिए वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल से पांच संकाय सदस्य

भ. 4 से 9 मार्च 2019 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से एक छात्र

म. 25 फरवरी से 8 मार्च 2019 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का एक छात्र

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एडवांस्ड स्लीप टेक्नोलॉजी कोर्स ऑन एस्टाब्लिशिंग ए स्लीप लेबोरेटरी, 7 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. आईएसएसआर का वार्षिक सम्मेलन: इंडिया स्लीप 2018, 21-23 सितंबर 2018, पणजी
3. एपीपीआई यंग इन्वेस्टिगेटर डेवलपमेंट वर्कशॉप ऑन डिस्कवरिंग द मिस्ट्री ऑफ स्लीप, 21 सितंबर 2018, पणजी
4. 21 अक्टूबर से 4 नवंबर 2018 तक एम्स, नई दिल्ली में "न्यूरल प्लास्टिसिटी इन हेल्थ एंड डिजीज"

पर अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन-एशिया पैसिफिक रीजन स्कूल

5. मानव स्वास्थ्य देखभाल पर कार्यशाला, 16 नवंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
6. भारत के फिजियोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन के 5वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्टिंग पर कार्यशाला (एएसएसओपीआईसीओएन 2018), 26 नवंबर से 1 दिसंबर 2018, गुजरात
7. एपीपीआई यंग इन्वेस्टिगेटर डेवलपमेंट वर्कशॉप ऑन ओबेसिटी एपीपीआईसीओएन 2018, 27 नवंबर से 1 दिसंबर 2018, मणिपाल
8. सार्क राष्ट्रों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीकों पर कार्यशाला, 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
9. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआईसीओएन 2017) के 64वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान स्वायत्त समारोह परीक्षण पर कार्यशाला, 27 नवंबर से 1 दिसंबर 2018, मणिपाल
10. इंडो-यूरोपियन वर्कशॉप नेक्स्ट जनरेशन फिजियोलॉजी फॉर हेल्थी लाइफस्टाइल, 31 जनवरी (-1 फरवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली
11. ऑटोनोमिक न्यूरोसाइंस के उद्भव पर प्रोफेसर क्रिस्टोफर माथिया के साथ टेलीकांफ्रेंस अपडेट: लाइव बातचीत पर कार्यशाला, 22 फरवरी 2019, नई दिल्ली
12. मोनो और पॉलीसिनैप्टिक रिफ्लेक्स पर कार्यशाला और चूहों में संभावित क्षमता, आईबीआरओ-एपीआरसी स्कूल, 22-23 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
13. मोनो और पॉलीसिनैप्टिक रिफ्लेक्स एंड इवोक्ड पोटेंशियल्स इन रैट्स पर कार्यशाला, आईबीआरओ-एपीआरसी स्कूल, 26 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
14. आईबीआरओ-एपीआरसी स्कूल के दौरान वीडियो डीमोंस्ट्रेशन एंड डिस्कशन: नॉन-इनवेसिव ब्रेन स्टिमुलेशन मेथड्स पर कार्यशाला, 27 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
15. 31 जनवरी और 1 फरवरी 2019 को नई दिल्ली में स्वस्थ जीवनशैली हेतु आगामी जनरेशन फिजियोलॉजी पर आयोजित इंडो-यूरोपियन कार्यशाला के दौरान फीलिंग बिहेवियर दर्द-मूल्यांकन एवं माइक्रोडायलिसिस पर कार्यशाला।
16. मनुष्यों में दर्द और सोमाटोसेन्सरी मूल्यांकन पर कार्यशाला, 12 अप्रैल 2018, नई दिल्ली
17. फिजियोलॉजी अकादमी के पहली राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन पर पूर्वधारणा कार्यशाला, नैटकॉन फिजियोलॉजी, 8-10 फरवरी 2018, नागपुर
18. सार्क राष्ट्रों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली में क्वांटिटेटिव ईईजी की रिकॉर्डिंग और विश्लेषण पर कार्यशाला
19. सार्क राष्ट्रों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक में संज्ञानात्मक कार्यों के विभिन्न क्षेत्र के मूल्यांकन पर कार्यशाला, 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
20. मनुष्यों और जानवरों में दर्द मूल्यांकन पर कार्यशाला, सार्क देशों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक, 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
21. वर्कशॉप ऑन ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन, सार्क राष्ट्रों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक,

5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली

22. हॉल नाइट पॉलीसोम्नोग्राफी पर कार्यशाला, शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक, 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
23. बैरिटस्कैफट्स की क्षमताओं की रिकॉर्डिंग पर कार्यशाला, सार्क राष्ट्रों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक, 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
24. स्पिरोमेट्री और इम्पल्स ऑसिलोमेट्री द्वारा पल्मोनरी फंक्शन टेस्टिंग पर कार्यशाला, सार्क देशों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक, 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
25. कार्यात्मक जीनोमिक्स के लिए अभिव्यक्ति माइक्रोएरे के पद्धतिगत आधार पर कार्यशाला, सार्क राष्ट्रों के लिए भौतिक विज्ञान में तकनीक, 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
26. योग और चिकित्सा पर संगोष्ठी, 28 सितंबर 2018, गुजरात
27. मणिपाल में 26 सितंबर 2018 को योग और ध्यान: डॉ. भालेंदु एस वैष्णव (मेडिसिन, करमसद के प्रोफेसर) के साथ योगनिद्रा पर कार्यशाला
28. नॉन-इनवेसिव न्यूरोफिजियोलॉजी और न्यूरोमॉड्यूलेशन दृष्टिकोण पर कार्यशाला - 28 नवंबर 2018 को नैदानिक भौतिकविदों की भूमिका, मणिपाल
29. सार्क देशों के लिए भौतिक विज्ञान में योग-ध्यान, तकनीक पर कार्यशाला, 5-7 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
30. फिजियोलॉजी शिक्षा तकनीक 2018 पर आईसीएमआर कार्यशाला श्रृंखला का पहला अध्याय: एक आईयूपीएस पहल, 3-5 नवंबर 2018, जोधपुर
31. फिजियोलॉजी शिक्षा तकनीक 2018 पर आईसीएमआर कार्यशाला श्रृंखला का द्वितीय अध्याय: एक आईयूपीएस पहल, 10-12 नवंबर 2018, शिलांग
32. फिजियोलॉजी शिक्षा तकनीक 2018 पर आईसीएमआर कार्यशाला श्रृंखला का तृतीय अध्याय: एक आईयूपीएस पहल, 15-17 नवंबर 2018, कोझिकोड
33. वर्कशॉप ऑन पेन एंड सोमाटोसेंसरी असेसमेंट, 12 अप्रैल 2018, नई दिल्ली
34. पूर्व सम्मेलन- गैर-इनवेसिव न्यूरोफिजियोलॉजी और न्यूरोमोड्यूलेशन दृष्टिकोण पर कार्यशाला- 28 नवंबर 2018 को मणिपाल में क्लिनिकल फिजियोलॉजिस्ट की भूमिका आयोजित की गई।

प्रदत्त व्याख्यान

किशोर कुमार दीपक: 14	**हृदयानंद मल्लिक: 12**	**देवव्रत घोष: 3**
कंवल प्रीत कोचर: 7	**रत्ना शर्मा: 6**	**नलिन मेहता: 24**
सुमन जैन: 11	**अशोक कुमार जरयाल: 16**	**राज कुमार यादव: 6**
अंजना तलवार: 3	**अस्मिता पाटिल: 8**	**रेणु भाटिया: 8**
सिमरन कौर: 4	**प्रशांत तुलसीदास तायडे: 3**	**दीनू संथा चंद्रन: 7**
नसरीन अख्तर: 7	**आकांक्षा: 6**	**रितेश नीताम: 7**
गीतांजलि बाडे: 4	**सूर्य प्रकाश मुथुकृष्णन: 5**	

मौखिक पत्र/प्रस्तुत पोस्टरः 57

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. सिर के ऊपर, नीचे झुकाव के दौरान कार्डियोवास्कुलर परिवर्तनशीलता पर धीमी गति से सांस लेने के गंभीर प्रभाव, और कम स्वस्थ लोगों में शरीर के निचले हिस्सों पर नकारात्मक दबाव और प्रशिक्षित योग चिकित्सक, के.के. दीपक, आयुष, 3 वर्ष, 2016-2019, 66.75 लाख रुपये
2. अभिव्यक्ति सरणियों का जीनोम-व्यापी विश्लेषण (जीडब्ल्यूए) से एंडोमेट्रियोसिस के लिए ट्रांसक्रिपटोमिक लैंडस्कैपिंग, देवब्रत घोष, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015-2018, 47.37 लाख रुपये
3. मोलेक्यूलर बेसिस ऑफ एस्ट्रोजेनिज्म इन एंडोमेट्रियोसिस, देवव्रत घोष, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 49.72 लाख रुपये
4. ईईजी माईक्रोस्टेट एंड फेज सिंक्रोनी कोरिलेट्स ऑफ कॉग्निटिव डेफिसिट्स इन पार्किंसन डिजीज, रत्ना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016-2019, 17.44 लाख रुपये
5. मोटापे और प्रमुख अवसादग्रस्तता वाले रोगियों में योग-ध्यान आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप की प्रभावकारिताः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, यादव आरके, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 79 लाख रुपये
6. पेरिफेरल और इन-विट्रो प्रेरित टी नियामक कोशिकाओं के इम्यूनोफेनोटाइपिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णन: सीओपीडी के रोगजनन में पुटेटिव भूमिका, अंजना तलवार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रु.
7. स्टडी द इफेक्ट्स ऑफ एक्सपोजर टू डीजल, बायोडीजल एंड बायोडीजल ब्लेंड फ्यूल-इंजन एग्जॉस्ट ऑन टेस्टिकुलर मॉर्फोलोजी एंड स्पेर्माटोजेनेसिस इन मेल विस्टर रैट्स, अस्मिता पाटिल, एम्स-आईआईटी, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रु.
8. इफेक्ट ऑफ योगा ऑन पेन स्टेटस एंड कोर्टिकोमोटर एक्साईटेबिलिटी इन क्रॉनिक लो बैक पेन पेशेंट्स, रेणु भाटिया, डीएसटी सत्यम, 3 वर्ष, 2017-2020, 22.62 लाख रूपये
9. क्यूईईजी बेस्ड न्यूरल कोरिलेट्स एण्ड माईक्रोस्टैट्स ऑफ अटेंशन एंड इंफरेंस इन एडीएचडीः एन एंडोफेनोटाइपिक मार्कर, सिमरन कौर, सीएसआरआई, डीएसटी, 1 वर्ष, 2017-2018, 11.96 लाख रूपये
10. स्टडी ऑफ कार्टिकल सोर्सेज एंड ब्रेन आयरन लेवल्स डयूरिंग रेस्ट एंड विजुओस्पेटियल वर्किंग मेमोरी इन अटेंशन डिफिसिट हाईपरएक्टिव डिसऑर्डर, सिमरन कौर, डीएचआर, 1.5 वर्ष, 2017-2019, 11.54 लाख रूपये
11. क्यूईईजी बेस्ड न्यूरल कोरिलेट्स ऑफ पर्सेप्चुअल डोमिनेंस, सिमरन कौर, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2017-2018, 6.74 लाख रूपये
12. स्टडी ऑफ ईईजी माइक्रोस्टेट इन ओम चेंटिंग, प्रशांत तायडे, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019,

4.63 लाख रु.

13. कंटिन्यूअस नॉन-इनवेसिव ब्लड प्रेशर वेवफॉर्म मीजरिंग डिवाईस फोर कार्डियोवैस्क्यूलर हेल्थ, दीनू एस चंद्रन, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), 1.5 वर्ष, 2018-2019, 5.88 लाख रूपये
14. म्योकार्डिअल रोधगलन के रोगियों में परिधीय, केंद्रीय और कोरोनरी धमनियों में आराम करने वाले प्रतिगामी कतरनी और एथेरोजेनिक प्रोफाइल के बीच संबंधों का अध्ययन करना, दिनु एस चंद्रन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2020, 10.68 लाख रूपए
15. डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन ऑफ पेरीफेरल आर्टेरिअल एप्प्लांटेशन टोनोमीटर टू डेराइव अल्टेरेड शियर प्रोफाइल इन कन्डिट आर्टरीज, दिनु एस चंद्रन, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 4.50 लाख रूपए
16. करेक्टराइजेशन ऑफ थर्मोसैंसिटिव न्यूरॉन्स ऑफ प्रीऑप्टिक एरिया, नसरीन अख्तर, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 9.97 लाख रुपये
17. रक्त दान के मॉडल का उपयोग करके हल्के रक्तस्राव के लिए न्यूरोहर्मोनल प्रतिक्रिया, आकांक्षा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 4.5 लाख रुपये
18. कंपेरिजन ऑफ इनफ्लेमेटरी एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस मार्कर्स इन एग्जेल्ड ब्रेथ कंडेन्सेट्स ऑफ स्मोकर एंड बायोमास स्मोक एक्स्पोज्ड सीओपीडी, गीतांजलि बाडे, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 8.89 लाख रुपये
19. इफेक्ट ऑफ हाइपोथालेमिक इनफ्लेमेशन ऑन ग्लूकोज सेंसिंग न्यूरॉन्स इन आर्कुएट न्यूक्लिअस इन हाई फेट डाईट इंडयूस्ड ओबेसिटी रेट मॉडल, रितेश नेतम, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, 5 लाख रुपये
20. ए नॉवल कॉम्बेनीटोरिअल एप्रोच फॉर न्यूरोरीजनेरशन इन एन इन-वीवो स्पाइनल कॉर्ड इन्जर्ड रैट मॉडल: न्यूरोट्रोफिक फैक्टर्स कोटेड आयरन ऑक्साइड नैनो पार्टिकल्स इम्प्रेग्नेटेड इन ए बायोकॉम्पेटिबल हाइड्रोजेल सिस्टम, सुमन जैन, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 29.83 लाख रूपए

पूर्ण

1. स्तन कैंसर रोगियों में थकावट और तनाव में बदलाव लाने के लिए एक सहायक चिकित्सा के रूप में योग की प्रभावकारिताः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, यादव आरके, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रुपये
2. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया रोगियों में पेन मॉडुलेशन पर ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव, रेणु भाटिया, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2017-2018, 4 लाख रुपये
3. स्टडी ऑफ ईईजी माइक्रोस्टेट एंड टेस्टिंग स्टेट नेटवर्क्स इन रिलेक्स्ड वेकफुलनेस, प्रशांत तायडे, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 9.9 लाख रुपये
4. नव नैदानिक उच्च रक्तचाप वाले टाइप 2 डायबिटीज रोगियों में एंजोइम निरोधकों को अंतरित करने वाले एंजियोटेंसिन के बाद रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन प्रणाली और संवहनी कार्यों के घटकों के बीच संबंधों का अध्ययन, दीनू एस चंद्रन, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 9.2 लाख रुपये
5. इफेक्ट ऑफ एंडोकेनाबिनोइड एट द मेडिकल सेप्टम ऑन स्लीप वेकफुलनेस, नसरीन अख्तर, एम्स, 1

वर्ष, 2016-2018, 4.2 लाख रुपये

6. कार्डियो-रेस्पीरेटरी एंड हार्मोनल रिस्पोंस टू आस्किलेटरी लोवर बॉडी नेगेटिव प्रेशर इन हेल्थी सब्जेक्ट, आकांक्षा, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, 4.6 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ए मॉर्फोलॉजिकल एंड फंक्शनल स्टडी ऑन इंट्रासेरेब्रोवेन्ट्रिकुलर स्ट्रेप्टोजोटोकिन इंड्यूस्ड रेटस मॉडल ऑफ अल्जाईमर डिजीजः इफेक्ट ऑफ मैग्नेटिक फील्ड स्टीम्यूलेशन।
2. एंडोमेट्रियोसिस में एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं की एक नियोप्लास्टिक क्षमता
3. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में कॉर्टिकल कनेक्टिविटी और ईईजी स्रोतों का अध्ययन
4. स्वस्थ व्यक्तियों में एंडोथेलियल कार्य और जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन, और विभिन्न सोमेटोटाइप वर्गीकरण के साथ उनका सहसंबंध
5. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया में ऑफसेट एनाल्जेसिया का एक अध्ययन
6. ए स्टडी ऑफ पेन स्टेटस एंड कॉर्टिकॉमोटर एक्साइटेबिलिटी इन क्रोनिक लो बैक पेन पेशेंट्सः इफेक्ट ऑफ ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन
7. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस के ट्रांसक्रिपटोमिक परिदृश्य का एक अध्ययन
8. एक्यूट कार्डिओ-ऑटोनोमिक रिस्पॉन्सेस टू ग्रेडेड हेड डाउन टिल्ट इन लॉन्ग टर्म सिरसासना योग प्रैक्टिशनर्स
9. एक्यूट इफेक्ट्स ऑफ लो ब्रीथिंग ऑन कार्डियोवैस्क्यूलर वेरिएबिलिटी ड्यूरिंग हेड-अप टिल्ट, हैड डाउन टिल्ट एंड लोवर बॉडी नेगेटिव प्रेशर इन नेवी हैल्थी सब्जेक्ट्स एंड ट्रेन्ड योगा प्रेक्टिशनर्स (सह-मार्गदर्शक के रूप में पीएचडी)
10. मोटर इमेजरी के ईईजी डेटा पर आधारित ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस
11. कंपेरेटिव स्टडी ऑफ योगा एंड नी स्ट्रेंग्थनिंग एक्सरसाईसेज ऑन ओस्टियोआर्थराइटिसः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
12. कोर्टिकल रिऑर्गेनाईजेशन इन कंप्लीट स्पाईनल कॉर्ड इंज्यूर्ड रेट्सः इफेक्ट ऑफ सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स एंड लो इंटेंसिटी मैग्नेटिक फील्ड
13. कोर्टिकल सोर्सेज ऑफ इन्क्रीजिंग द विजुओ-स्पैटिअल कॉम्प्लेक्सिटी इन हिंदी लैंग्वेजः ए क्यूईईजी स्टडी
14. एडिक्टिव विकारों का डिफॉल्ट मोड नेटवर्कः एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन
15. नए निदान उच्च रक्तचाप के साथ मधुमेह में ऑटोनोमिक, वेस्कुलर और एंडोथेलियल कार्य पर एंजियोटेंसिन को बदलने वाले अवरोधक का प्रभाव
16. मनुष्यों में तंत्रिका चालन पर गहरे हाइपोथर्मिया का प्रभाव
17. गतिशील सेरेब्रल ऑटोरेग्यूलेशन पर वर्गीकृत कम शरीर के सकारात्मक दबाव का प्रभाव
18. चूहों में क्षेत्रीय मस्तिष्क तापमान पर शारीरिक चुनौतियों का प्रभाव

19. इफेक्ट ऑफ शॉर्ट-टर्म योगा-बेस्ड लाईफ स्टाईल इंटरवेंशन ऑन स्ट्रेस, एयरवे रेजिस्टेंस एंड इनफ्लेमेशन इन ब्रोंकायल अस्थमा पेशेंट्सः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
20. इफेक्ट ऑफ सिम्पैथो-इन्हिबिटरी मनोयुवर्स ऑन रेस्टिंग रेट्रोग्रेड शियर इन ब्राचीऑल आर्टरी ऑफ मिडिल एज्ड एंड एल्डर्ली ह्यूमन सब्जेक्ट्स
21. इफेक्ट ऑफ विटामिन डी सप्लीमेंटेशन ऑन पैंक्रियाटिक बीटा सेल फंक्शंस इन ओबीज इंडियन सब्जेक्ट्सः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
22. इफेक्ट ऑफ शॉर्ट-टर्म योगा-बेस्ड लाईफस्टाईल इंटरवेंशन ऑन हाइपोथायरायडिज्मः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
23. एंडोमेट्रायल टेलमरेज रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज प्रोटीन एक्सप्रेशन इन ओवेरियन एंडोमीटरियोसिस
24. उच्च रिजॉल्यूशन मैनोमेट्री द्वारा निदान किए गए विभिन्न प्रकार के अकालासिया रोगियों में स्वायत्त समारोह का मूल्यांकन
25. इवेल्यूएशन ऑफ ऑटोमेटिक टोन, वैस्क्यूलर एंड एंडोथेलियल फंक्शंस इन मायोकार्डियल ऑन इनफ्रेक्शन पेशेंट्स अंडरगोइंग योगा बेस्ड कार्डियक रिहेबिलिटेशन
26. जीनोमिक एक्सप्रेशन एंड प्रोटीन प्रोफाइल को-रिलेट्स ऑफ पेरिफेरियल ब्लड मोनोन्यूक्लियर सेल्स इन ओबेसिटी आफ्टर योगा-बेस्ड लाईफस्टाईल इंटरवेंशन
27. हेमोडायनामिक कॉरीलटेस ऑफ रेट्रोग्रेड शियर ऑग्मेंटेशन इन ब्रांचिअल आर्टरी बाय लोअर बॉडी नेगेटिव प्रेशर (एलबीएनपी)
28. मोलेक्यूलर बेसिस ऑफ केटियोनिक एंटी-माइक्रोबियल पेप्टाइड एक्शन ऑन ह्यूमैन प्लेसेनटल साइटोट्रॉफ़ोब्लास्ट सेल्स
29. एंडियोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनीज्म का आणविक आधार
30. मसल रीजनरेशन इन कंप्लीट स्पाईनल कॉर्ड इंजरीः इफेक्ट ऑफ आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल अलोंग विद मैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर इन रेट्स
31. ग्लूकोमा में संज्ञानात्मक प्रदर्शन के तंत्रिका संबंधः एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन
32. द्विनेत्री प्रतिद्वंद्विता के दौरान अनुरूपता और भावात्मक वैधता का तंत्रिका प्रसंस्करणः एक क्यूईईजी अध्ययन
33. नींद और नींद की कमी में न्यूरोमस्कुलर परिवर्तन
34. न्यूरोरीजनरेशन फोलोविंग इंप्लांटेशन ऑफ आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल एलोंग विद मैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर इन स्पाईनल कॉर्ड इंज्यूर्ड रेट्स
35. विभिन्न शारीरिक कार्यों पर प्राणायामों के प्रभाव के पॉलीसोम्नोग्राफिक अध्ययन
36. एडीएचडी में क्यूईईजी आधारित न्यूरल परस्पर संबंध और ध्यान और हस्तक्षेप के माइक्रॉस्टेट्स, एक एंडोफोनोटाइपिक मार्कर
37. क्वांटिटेटिव ईईजी को रिलेट्स ऑफ इमोशन इंड्यूस्ड चेंजेस इन कॉग्निटिव परफॉर्मेंस इन हेल्थी वॉलंटीयर्स
38. मात्रात्मक ईईजी सिजोफ्रेनिया में विजियो-स्पैटियल वर्किंग मैमोरी से संबंधित है

39. स्लीप में मेडियोडोरसल थैलेमिक नाभिक की भूमिका
40. चूहों में नींद में पार्श्व सेप्टल नाभिक की भूमिका
41. संवहनी पर ग्रेडेड कफ दबाव के जवाब में ब्रेकियल धमनी प्रतिगामी कतरनी के अंतर्निहित वृद्धि के संवहनी तंत्र का अध्ययन
42. द इफेक्ट ऑफ मोटर इमेजरी ऑन पेन स्टेटस एंड कॉर्टिकोमोटर एक्साइटेबिलिटी इन रूमेटॉयड आर्थराईटिस पेशेंट्स
43. एंडोथेलियल फंक्शन के एक उपाय के रूप में प्रतिक्रियाशील हाइपरिमिया के दौरान पल्स वेव वेलोसिटी की फ्लो मेडिएटेड स्लोविंग का अध्ययन करना
44. रेडियल धमनी का अध्ययन करने के लिए श्रेणीबद्ध सुप्रा-सिस्टोलिक पुनर्निर्माण द्वारा शियर मॉडुलेशनन की प्रतिक्रिया में लो-फ्लो मेडिएटेड कंसट्रिक्शन
45. रक्तदान के दौरान अल्टेरेड स्पोंटेनीयस बेरॉफ्लेस संवेदनशीलता के तंत्र का अध्ययन करना
46. पोस्ट मायोकार्डियल रोगियों में वैस्कुलर फंक्शन और पेन सेंसिटीविटी की भूमिका का अध्ययन करना
47. टू स्टडी द थेराप्यूटिक इफेक्ट ऑफ सुपरपैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स इंप्लांटेशन एंड मैग्नेटिक फील्ड स्टीमुलेशन ऑन मोटर, कॉग्निटिव इन ए 6-ओएचडीए रेट मॉडल ऑफ पार्किंसन's डिजीज
48. टू स्टडी द वैस्कुलर मेकनिज्म्स कंट्रिब्यूटिंग टू ऑग्मेंटेशन ऑफ ब्राचीयल आर्टरी रेट्रोग्रेड शियर इन रिस्पोंस टू ग्रेडेड कफ प्रेशर ओवर फोरआर्म
49. अंडरस्टेंडिंग द पैथोफिजियोलॉजी ऑफ एंडोमेट्रियोसिस बाय प्रोटीन प्रोफाइलिंग एंड इट्स कोरिलेशन विद स्ट्रेस

पूर्ण

1. ट्रायजेमिनल न्यूराल्जिया रोगियों में अनुकूलित दर्द मॉड्यूलेशन का एक अध्ययन
2. एंडोमेट्रियोसिस में एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं की नियोप्लास्टिक क्षमता का इन-विट्रो अध्ययन
3. एसेसमेंट ऑफ पेरिफेरल आर्टिरियल कंप्लायंस ड्यूरिंग ग्रेडेड लोअर बॉडी नेगेटिव प्रेशर
4. स्पाइनल कॉर्ड सर्जरी में डी वेब और एम-एमईपी आधारित इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग की तुलना
5. कंपेरीजन ऑफ मोनोपोलर एंड बाईपोलर स्टीम्यूलेशन फॉर कॉर्टिकल मोटर मैपिंग इन न्यूरोसर्जरी
6. ईईजी माईक्रोस्टेट्स ऑफ परसेप्चुअल रिवर्सल्स ऑफ इमोशनल स्टीम्यूली इन सिज़ोफ्रेनिया ड्यूरिंग बाइनोक्यूलर रिवालरी
7. दर्द स्थिति, थर्मल संवेदनशीलता और मायोफेशियल दर्द डिसफंक्शन सिंड्रोम में मोटर गतिविधि पर दोहराए जाने वाले ट्रांसैरेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव
8. इफेक्ट ऑफ शॉर्ट-टर्म योगा-बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन ऑन स्ट्रेस, एयरवे रेजिस्टेंस एंड इनफ्लेमेशन इन ब्रोंकायल अस्थमा पेशेंट्सः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
9. फाइब्रोमाइल्गिया के रोगियों में दर्द की स्थिति के मॉड्यूलेशन पर ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव

10. लो फ्लो मेडिएटेड कंस्ट्रक्शन इन ब्रेशियल एंड रेडियल आर्ट्रीज एंड इट्स कंपेरिजन इन डोमिनेंट एंड नॉन-डोमिनेंट आर्म्स आफ्टर करेक्टिंग फॉर द शियर रेट।
11. मात्रात्मक ईईजी 'ओएम' चैंटिंग से संबंधित है
12. माइग्रेन के पुराने रोगियों में मात्रात्मक संवेदी परीक्षण और कॉर्टिकॉमोटर उत्तेजना पर न्यूरो-नेविगेशन आधारित ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक उत्तेजना की भूमिका
13. हिंदी भाषा में विजिओस्पेटिकल कॉम्प्लेक्सिटी के क्यूईईजी कॉरेलेटेस का अध्ययन
14. फाइब्रोमायल्जिया के रोगियों में कॉर्टिकॉमोटर एक्साइटेबिलिटी और संज्ञानात्मक कार्यों पर न्यूरॉनेविगेशन-आधारित आरटीएमएस थेरेपी का प्रभाव
15. श्वसन साइनस एरीथ्मिया के लिए बैरोफ्लेक्स योगदान का अध्ययन करना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑन ऑटोनोमिक फंक्शन एंड कॉर्टिकल पेन परसेप्शन इन फाब्रोमाइल्गिया, पीएमआर
2. ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी टू अस्सेस्स द सेवरिटी ऑफ क्रोनिक प्योरिटिज एंड इतस इफेक्ट ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ यूजिंग 12 आइटम प्रुरिटिज सेवरिटी स्केल एंड 5-डी इच स्केल, त्वचारोग विज्ञान
3. ए पायलट स्टडी फॉर डेवलपमेंट ऑफ विजुअल क्यु-इंड्युस्ड क्रेविंग पैराडिग्म फॉर एल्कोहल डिपेंडेंस एंड इट्स क्यूईईजी कॉरेलट्स, साइकाइट्री
4. ए पायलट स्टडी ऑफ द रोल ऑफ इंटरसेसरी प्रेयर इन डेटरमाईनिंग द आउटकम आफ्टर ट्रामेटिक ब्रेन इंजरी, न्यूरोसर्जरी विभाग, आरएमएल, नई दिल्ली; तंत्रिका शल्यक्रिया, एम्स, नई दिल्ली
5. ए प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कम्पेरिंग द इफेक्ट्स ऑफ इंटराऑपरेटिव डेक्समेडेटॉमिडाइन एंड लिग्नोकैने एडमिनिस्ट्रेशन ऑन द इन्सिडेन्स ऑफ पोस्ट ऑपरेटिव कॉग्निटिव डिक्लाइन इन द एल्डर्ली, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान
6. ए रेंडोमाईज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसेबो-कंट्रोल्ड, स्पिलट-हैड ट्रायल टू स्टडी दी इफेक्ट ऑफ ऑटोलॉगस प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा ऑन हेयर ग्रोथ एंड लेशनल टी-हेल्पर एंड टी-रेगुलेटरी सेल एक्सप्रेशन मार्कर्स इन एलोपेसिया एरियाटा, डेर्माटोलॉजी एंड वेनेरोलॉजी
7. ए स्टडी फॉर डेटर्मिनेशन ऑफ एलोसेंट्रिक न्यूरल नेविगेशन प्रोसेस स्कीमेटिक यूटीलाइजिंग डायनेमिक ऑप्टिक एरे फॉर प्रोस्पेक्टिव कंट्रोल, मनोविज्ञान
8. ए स्टडी ऑफ ऑटोमेटिक फंक्शन इन एडोलसेंट्स विद स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर (डिस्लेक्सिया) विद एंड विदाउट कॉमोरबिड, मनोचिकित्सा
9. ए स्टडी ऑफ ब्रेन एक्टिवेशन यूजिंग फंक्शनल नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड क्वांटिटेटिव इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक स्पेक्ट्रल एनालाइजिस इन डिप्रेशन, नेगिटिव एंड पॉजिटिव सिंजोफ्रेनिया,

मनोविज्ञान

10. सारकॉइडोसिस में इम्पल्स ओस्सिलोमेट्री का एक अध्ययन, पल्मोनरी चिकित्सा
11. ए स्टडी ऑफ रेस्पीरेटरी इंपीडेंस, रेसिस्टेंस एंड रिएक्टेंस इन इंटरस्टीशियल लंग डिजीज, पल्मोनरी चिकित्सा
12. ए स्टडी ऑफ द फंक्शनल ब्रेन एक्टिवेशन एंड इलेक्ट्रो-फिजिकल स्पेक्ट्रल एनालाइजिस इन कैटेटोनिया, मनोचिकित्सा
13. एसेसमेंट ऑफ ऑटोनोमिक फंक्शन एक्रोस फ्रेलिटी स्टेटस इन इंडियन एल्डर्ली, जराचिकित्सा औषधि
14. एसोसिशन ऑफ लीन मास, मसल स्ट्रेंग्थ एंड फिजिकल परफॉर्मेंस विद डाईबिटीज एंड मेटाबोलिक पैरामीटर्स, मेडिसिन
15. ब्लड हैवी मेटल लेवल्स एंड क्वांटिटेटिव ईईजी कॉरेलेट्स इन चिल्ड्रन विद ऑटिज्म, बाल चिकित्सा विज्ञान
16. कार्डिएक ऑटोनोमिक टोन एंड रिएक्टिविटी इन पेशेंट्स विद एल्कोहल यूज डिस्ऑर्डर अंडरगोइंग ट्रिटमेंट ऑफ एक्यूट विदड्रॉल सिंप्टम्स, मनोरोग और एनडीडीटीसी
17. सेंट्रल सीरस कोरियो-रेटिनोपैथी एंड मेडिटेशनः फंक्शनल एंड मार्फिलोजिकल आउटकम स्टडी, डॉ. रा.प्र.ने.वि. केंद्र।
18. स्लीप पैटर्न में परिवर्तन, पहले वर्ष के अंत में चिकित्सा स्नातक छात्रों के बीच पहले वर्ष के अंत में कथित तनाव और प्रतिद्वंद्वियों की रणनीतियां: एक संभावित अध्ययन, चिकित्सा
19. कैरेक्टराईजेशन ऑफ डायनेमिक इंटरेक्शन बिटवीन कार्डियोवेस्क्यूलर एंड रेस्पीरेटरी सिग्नल ड्यूरिंग ऑटोनोमिक स्टिमुलेशन, डिपार्टमेंट ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब।
20. कंपेरेटिव एसेसमेंट ऑफ कॉग्निशन, डिफॉल्ट मोड नेटवर्क्स एंड एनालाइजिस ऑफ साईकोसोशल बिहेवियर एंड लाईफस्टाईल, बिटिवन ओबेस एंड पोस्ट-बैरिएट्रिक सर्जरी ग्रुप्स ऑफ पेशेंट्स, सर्जरी
21. स्नातकोत्तर शिक्षण में जर्नल क्लबों के एक सत्र बनाम चार सत्रों की तुलना, फिजियोलॉजी विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली
22. थोरैकोलम्बर स्पाइन सर्जरी से ग्रसित रोगियों में ट्रांसक्रेनियल मोटर पर प्रोपोफोल और केटोफोल की तुलना, तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन चिकित्सा
23. दिल्ली ग्लूकोमा एपिडेमियोलॉजी स्टडी, डॉ. रा.प्र.ने.वि. केंद्र
24. डेवलपमेंट ऑफ काउंटरमेजर ग्रेविटी लोडिंग बोडीश्यूट एंड इट्स पोटेंशियल एसोसिएशन विद कार्डियोवैस्कुलर एंड मस्कुलर सिस्टम, डिपार्टमेंट ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब
25. डीटीआई, एफएमआरआई एंड क्यूईईजी कॉरीलट्स ऑफ कॉग्निशन एंड बिहेवियर इन चिल्ड्रन एंड एडोलैसैंट्स विद वेल कंट्रोल्ड नॉन-लेशनल एपिलेप्सी: एन ऑब्ज़र्वेशनल स्टडी, बाल तंत्रिका विज्ञान
26. इफेक्ट ऑफ रिपीटिटिव मैग्नेटिक फील्ड स्टीमुलेशन ऑन न्यूरोजेनिसिस इन स्ट्रेप्टोजोटोकिन इंड्यूस्ड रेट मॉडल ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज, जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान

27. चूहों, फार्माकोलॉजी में मोनोक्रोटेलिन इंड्युस्ड पल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन पर विटामिन डी का प्रभाव
28. इफेक्ट ऑफ योगा बेस्ड लाईफस्टाईल इंटरवेंशन ऑन बायोमार्कर्स ऑफ सेलुलर एजिंग इन पेशेंट्स विद डिप्रेशन, शरीर रचना विज्ञान
29. इफेक्ट ऑफ योगा- बेस्ड इंटरवेंशन ऑन इंट्राओक्यूलर प्रेशर, क्वालिटी ऑफ लाईफ, इंफ्लेमेटरी मार्कर्स एंड जीनोम एक्सप्रेशन प्रोफाईल इन ग्लूकोमा पेशेंट्सः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड, ट्रायल, आरपी नेत्र रोग विज्ञान केंद्र
30. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन में कमी के लिए एक परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता, बाल चिकित्सा विज्ञान
31. एंडोथेलियल डिसफंक्शन इन यंग पेशेंट्स विद नॉन-एल्कोहोलिक फेटी लीवर डिजीज, मेडिसिन
32. इवैल्यूएशन ऑफ इफेक्ट ऑफ माइंडफुलनेस बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन इन पेशेंट्स विद प्राईमरी ओपन एंगल ग्लुकोमा, आरपी नेत्र रोग विज्ञान केन्द्र
33. ग्लूकोमा के रोगियों में ओसीटी-एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए ऑप्टिक डिस्क छिड़काव पर माइंडफुलनेस आधारित तनाव में कमी के प्रभाव का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
34. एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस में फुफ्फुसीय कार्यों का मूल्यांकन, भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास
35. इवैल्यूएशन ऑफ रेपेटिटिव ट्रांसक्रानिअल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन एज एन एडजंक्ट टू मॉडिफाइड कन्सट्रैन्ट इंड्यूस्ड मूवमेंट थेरेपी इन इम्प्रूविंग अप्परलिम्ब फंक्शन इन चिल्ड्रन विद हेमिपराइटिक सेरिब्रल पाल्सी एज्ड 5-18 इयर्स: ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल, बाल चिकित्सा विज्ञान
36. इवैल्यूएशन ऑफ द इफेक्ट ऑफ माइंड फुलनेस बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन इन पेशेंट्स विद एडवांस्ड ग्लुकोमा, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
37. फिजिबिलिटी ऑफ इंट्रोड्यूसिंग स्ट्रक्चर्ड योगा प्रोग्राम एंड इट्स इफेक्ट ऑन स्ट्रेस एंड पर्सिव्ड वेल-बीइंग ऑन न्यू मेडिकल अंडर-ग्रेजुएट स्टूडेंट्स ऑफ एम्स, नई दिल्ली, सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन
38. एनएमआर का उपयोग करके पार्किंसंस रोग में बायोमार्कर की पहचान, एनएमआर
39. इंपेक्ट ऑफ न्यूट्रिशनल एंड लाईफस्टाईल मॉडिफिकेशन इन सब्जेक्ट्स विद बीएमआई 25-29.9 किग्रा/एम^2 वर्सेस 30-34.9 किग्रा/एम^2 एंड टू एसेस द इफेक्ट ऑफ बैरिएट्रिक सर्जरी इन बीएमआई $\geq$ 35 किग्रा/एम^2, सर्जिकल डिसिप्लीन
40. वजन घटाने, शरीर में वसा वितरण और वयस्क भारतीय मोटापे से ग्रस्त रोगियों में इंसुलिन प्रतिरोध पर पर्यवेक्षित आहार और जीवनशैली संशोधनों का प्रभाव, सर्जिकल डिसिप्लीन
41. इंपेक्ट ऑफ सुपरवाइज्ड डाइट एंड लाइफस्टाइल मोडिफिकेशन्स ऑन वेट लॉस, बॉडी फेट डिस्ट्रीब्यूशन।
42. इंपेक्ट ऑफ योगा एंड मेडिटेशन ऑन एपिजेनेटिक प्रोफाईन इन रूमेटॉयड आर्थराईटिस, एनाटॉमी
43. भारत में मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए कलंक के लिए हस्तक्षेप, तंत्रिका विज्ञान
44. आंतरिक रूप से ऑपरेटिव बनाम बाह्य रूप से ऑपरेटिव ध्यान नियामक तंत्र के दौरान हृदय-मस्तिष्क की अंतर्क्रिया की जांच, डिपार्टमेंट ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, डॉ. बी.आर. अंबेडकर

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब

45. आईसोलेशन एंड मॉलेक्यूलर कैरेक्टराईजेशन ऑफ कोलोरेक्टल कैंसर स्टीम सेल (डीबीटी), जैव रसायन
46. न्यूट्रिशनल प्रोफाईल एंड लाईफस्टाईल ऑफ इंडियन वूमेन (18-40 वर्ष) विद इंफर्टिलिटी, लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
47. रोल ऑफ साईटोकाईन लेवल्स इन रिकरंट प्रेग्नेंसी लॉस एंड इफेक्ट ऑफ प्रोगेस्टेरॉन ऑन साईटोकाईन लेवल्स, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
48. सीओपीडी, पल्मोनरी मेडिसिन में नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका
49. रोल ऑफ योगा बेस्ड इंटरवेंशन एज एन एडजंक्ट इन इंप्रूविंग क्वालिटी ऑफ लाईफ ऑफ ग्लुकोमा पेशेंट्स, डॉ. रा.प्र.ने.वि. केंद्र
50. दक्षिण दिल्ली के एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में साठ वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में नींद की गुणवत्ता और संबंधित कारक, सामुदायिक चिकित्सा
51. स्टेर्नोक्लैडोमैटोइड एंड ट्रेपेजियस मसल एक्टिविटी बिफोर एंड आफ्टर ट्विन ब्लॉक थेरेपी इन स्केलेटल क्लास II ग्रोइंग पेशेंट्स, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
52. विशिष्ट अधिगम विकलांगता वाले बच्चों और किशोरों में ऑटोनोमिक फंक्शन का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
53. चूहे के मानिया-लाइक बीहेवियर के मॉडल में क्लॉक जीन का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
54. स्टडी ऑफ कॉग्निटिव फंक्शन इन पेशेंट्स विद क्रोनिक किडनी डिजीज एंड द इफेक्ट ऑफ रीनल ट्रासप्लांटेशन, वृक्क विज्ञान
55. स्टडी ऑफ पोटेंशियल मॉड्यूलेटर टार्गेटिंग पाथवेज इनवॉल्व्ड इन द हाइपरफॉस्फोरिलाईजेशन ऑफ टाउ इन अल्जाइमर डिजीज, जैव भौतिकी विज्ञान
56. टू इवैलुएट नैक मसल्स एक्टिविटी आफ्टर मैंडिबुलर पोस्टुरल चेंजेस इन ग्रोइंग क्लास II हाई एंगल पेशेंट्स विद ट्विन ब्लॉक थेरेपी - एन यंग स्टडी, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
57. टू स्टडी द चेंजेस इन बीरीटशाफ्ट पोटेंशियल ओर मूवमेंट रिलेटेड कॉर्टिकल पोटेंशियल इन फाइब्रोमाइल्गिया सिंड्रोम, साइकायट्री एंड पीएमआर
58. सीओपीडी का ट्रांसक्रिपटोमिक आधार, पल्मोनरी चिकित्सा
59. यूनीक अस्पेक्ट्स ऑफ आईडियोपेथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म

पूर्ण

1. सारकॉइडोसिस, पल्मोनरी मेडिसिन में इम्पल्स ओस्सिलोमेट्री का एक अध्ययन
2. ए स्टडी ऑफ रेस्पिरेटरी इंपीडेंस एन हार्ट रेट वेरिएबिलिटी इन पार्किंसंस डिसीज, न्यूरोलॉजी
3. एन एक्स्प्लोरेटरी स्टडी विद ए पर्पस ऑफ फाईंडिंग ए रिलेशनशिप बिटविन एंड स्ट्रेस एंड पेन परसेप्शन/ मॉड्यूलेशन इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ प्रेजेंस ओर एबसेंस ऑफ एंग्जाईटी, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. केन्द्रीय सीरॉस कोरियो-रेटिनोपेथी एवं ध्यानः क्रियात्मक एवं आकृतिक परिणाम अध्ययन, डॉ. राजेंद्र

प्रसाद, नेत्र विज्ञान केंद्र

5. कम्पैरिजन ऑफ सीरम 25 हाइड्रोक्सी विटामिन डी लेवल्स एंड कोमोर्बिडीटीज, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी
6. डिफरेंशियल प्री फ्रंटल कॉर्टेक्स (पीएफसी) एक्टिवेशन फॉर अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर (एडीएचडी) पेशेंट्स एंड कंट्रोल ग्रुप इन रिस्पोंस टू इमोशनल स्टिम्यूलीः ए फंक्शनल नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) स्टडी, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
7. इफेक्ट ऑफ एक्सरसाईज इंटरवेंशन ऑन बोन मिनरल डेंसिटी इन सिस्टिक फाईब्रोसिस पेशेंट्स एज्ड 6-18 ईयर, पीडियाट्रिक्स
8. इफेक्ट ऑफ टू एनेस्थेटिक रेजिम्स विद डेक्स्मेडेटोमाइडीन एज एडजुवेंट ऑन ट्रांसक्रेनियल इलेक्ट्रिकल मोटर इवोक्ड पोटेंशियल्स ड्यूरिंग स्पाईन सर्जरीः ए पायलट स्टडी, न्यूरोएनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर
9. इवैल्यूएशन ऑफ इफेक्ट ऑफ माइंडफुलनेस-बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन इन पेशेंट्स विद प्राईमरी ओपन एंगल ग्लुकोमा, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र रोग विज्ञान केन्द्र
10. क्षय रोग में संभावित सूक्ष्म आरएनए का अभिव्यक्ति विश्लेषण चिकित्सा विज्ञान
11. नए मेडिकल अंडर-ग्रेजुएट छात्रों पर संरचित योग कार्यक्रम और इसके प्रभाव को प्रभावित करने और बेहतर कल्याण शुरू करने की व्यवहार्यता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम) एम्स, नई दिल्ली
12. इंपेक्ट ऑफ लोकल एंडोमेट्रियल इंजरी ऑन द आउटकम ऑफ आईवीएफ साईकिल विद प्रीवियस फेल्ड इंप्लांटेशनः एक्सप्लोरिंग द जीनोम वाइड ट्रांसस्क्रिप्टोमिक बेसिस, ओब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकॉलोजी।
13. इंपेक्ट ऑफ न्यूट्रिशनल एंड लाईफस्टाईल मॉडिफिकेशन इन सब्जेक्ट्स विद बीएमआई 25-29.9 किग्रा/एम^2 वर्सेस 30-34.9 किग्रा/एम^2 एंड टू एसेस द इफेक्ट ऑफ बैरिएट्रिक सर्जरी इन बीएमआई $\geq$ 35 किग्रा/एम^2, सर्जिकल डिसिप्लीन।
14. सीओपीडी, पल्मोनरी मेडिसिन में प्रेरित टी-नियामक कोशिकाओं की इन-विट्रो जनरेशन
15. आईसोलेशन एंड मॉलेक्यूलर कैरेक्टराईजेशन ऑफ ह्यूमैन बोन मेरो डेराईव्ड मेसेनकाइमल स्टीम सेल्स, जैव रसायन
16. एम्स, नई दिल्ली में स्नातक मेडिकल छात्रों के बीच शारीरिक गतिविधि का अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा
17. टू कम्पेयर द मेटाबोलिक एंड हार्मोनल इफेक्ट्स ऑफ मेटाफोर्मिन वस मेटाफोर्मिन प्लस मायोनोसिटोल इन पीसीओएस वॉमेन अंडरगोइंग ओवुलेशन इंडक्शन प्लस आईयूआई साइकल्स एंड इनफर्टिलिटी आउटकम, ऑब्सटेट्रिक्स एंड गयनेकोलोजी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 33 सारः 34 पुस्तकों में अध्यायः 1

रोगी उपचार

ऑटोनोमिक फंक्शन लैब एंड वेस्क्यूलर फंक्शन लैब प्रोवाइड डायग्नोस्टिक फेसिलिटी फोर रेफर्ड पेशेंट्स। प्रयोगशाला, गेस्ट्रिक मोटिलिटी की ऑटोनोमिक टोन क्वांटिफिकेशन और नॉन इनवेसिव रिकॉर्डिंग

(इलेक्ट्रोगैस्ट्रोग्राफी, ईजीजी) के साथ-साथ ऑटोनोमिक प्रतिक्रियाशीलता के दैनिक जांच प्रदान करती है। इस वर्ष, ऑटोनोमिक कार्य परीक्षण के लिए कुल 649 मनुष्यों का परीक्षण किया गया है, जिसमें 626 रोगी और 23 स्वस्थ व्यक्ति शामिल हैं।

इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजीः न्यूरोसर्जरी विभाग के 439 रोगियों, सीटीवीएस के 6, ऑर्थोपेडिक्स के 86 और ट्रॉमा सेंटर के 18 मरीजों को इंट्राऑपरेटिव न्यूरो-मॉनिटरिंग सहायता प्रदान की गई। कुल 549 सर्जरियों के लिए सहायता प्रदान की गई थी।

इंटीग्रल हेल्थ क्लिनिकः लघु अवधि योग आधारित हस्तक्षेप के लिए आईएचसी में कुल 543 विषयों को पंजीकृत किया गया था और वर्ष 2018-2019 के दौरान आईएचसी में कुल 2634 विषयों (दैनिक आधार पर) को प्रशिक्षित और लाभान्वित किया गया था।
इसमें पुरानी बीमारियों (जैसे डायबिटीज टाइप 2, मोटापा, हृदय रोग, क्रोनिक डिप्रेशन, आदि) के रोगी शामिल हैं और रोगियों को एम्स के विभिन्न विभागों (आर.पी. नेत्र विज्ञान केन्द्र, एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, पल्मोनरी मेडिसिन, सर्जिकल डिसिप्लिन, साइकियाट्री, आर्थोपेडिक्स आदि) में भेजा जाता है।

संज्ञानात्मक न्यूरोफिजियोलॉजी प्रयोगशालाः 314 रोगियों का शारीरिक संरचना विश्लेषण, 41 रोगियों के दृश्य ट्रैकिंग, इन्फ्रारेड न्यूरोइमेजिंग, ग्लूकोमा (n=51), ग्लूकोमा में फिजियोलॉजिकल वेरिएबल्स की निगरानी और 103 रोगियों के रीनल ट्रांसप्लांट (n=54) इंफ्रारेड न्यूरोइमेजिंग।

दर्द अनुसंधान और टीएमएस प्रयोगशालाः मोटर कॉर्टेक्स/डॉर्सोलाटल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स, लचीले मूल्यांकन के साथ 360 पर्यवेक्षित योग सत्र पर 756 rTMS (दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना) सत्र दिए गए और पुराने दर्द के रोगियों को 10 मोटर इमेजरी सत्र दिए गए थे। 76 दर्द के पुराने रोगियों एवं 32 स्वास्थ्य स्वयंसेवकों का सोमेटोसेंसरी मूल्यांकन किया गया था। 20 रोगियों के लिए किए गए पेरिक्रेनियल और ग्रीवा की मांसपेशियों की ईएमजी रिकॉर्डिंग किया गया। कॉर्टिकोमोटर एक्साटैबिलिटी मापदंड और 78 पुराने दर्द रोगियों और 58 स्वस्थ स्वयंसेवकों का मूल्यांकन।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य किशोर कुमार दीपक को 28-31 मार्च 2019 को कोबे कन्वेंशन सेंटर जापान में आयोजित 9वें एफएओपीएस कांग्रेस 2019 में 'लाइफस्टाइल रिलेटेड डिजीजस इन एशिया: अंडरलाइंग मेकनिज्म्स, फंक्शन्स एंड बिहेवियरल ट्रांजिशन्स' पर संगोष्ठी में आयोजित सह-अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था; सेठ जी एस मेडिकल कॉलेज और के ई एम अस्पताल, मुंबई द्वारा वर्ष 2018 के लिए डॉ ए सी डुआर्टे मोंटेइरो ओरेशन से सम्मानित; वित्त पोषण, खेल और युवा कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के लिए चिह्नित विश्वविद्यालयों में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और प्रवेश योग्यता के मानकीकरण के लिए एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य; सदस्य, पैरामेडिकल साइंसेज विभाग के अध्ययन बोर्ड, स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड एलाइड हेल्थ, जामिया हमदर्द, दिल्ली; अध्यक्ष, परीक्षा अनुभाग के लिए प्रबंधन प्रणाली के लिए समिति, एम्स; अध्यक्ष, वार्ता समिति, एम्स; सदस्य, स्टोर क्रय समिति, एम्स; कार्यकारी संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी (आईजेपीपी); सदस्य, चयन "खेल इंडिया",

खेल और युवा कार्य मंत्रालय, भारत सरकार; डीबीटी, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित कॉम्पेंडियम 2018 में बीपी इनोवेशन को शामिल किया गया है; अध्यक्ष, केंद्रीय भर्ती समिति, एम्स; सदस्य, बायोमेडिकल डिवाइस और प्रौद्योगिकी विकास (बीडीटीडी) विशेषज्ञ सलाहकार समूह (ईएजी) डीएसटी, भारत सरकार।

आचार्य हृदयानंद मल्लिक 2013-2018 के लिए एशियन स्लीप रिसर्च सोसाइटी के अध्यक्ष थे; स्लीप रिसर्च 2015-2019 के लिए इंडियन सोसाइटी के अध्यक्ष; शासी परिषद के सदस्य, वर्ल्ड स्लीप सोसाइटी 2017-2021; एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया; स्लीप प्रयोगशाला स्थापित करने और नींद की दवा को आगे बढ़ाने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन; न्यूरोलॉजी में एसोसिएट एडिटर फ्रंटियर्स/एसोसिएट एडिटर स्लीप एंड विजिलेंस; अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; एशियन स्लीप रिसर्च सोसाइटी सम्मेलन, 13 जुलाई, साप्पोरो, जापान में मानसी यांगिसावा द्वारा एक प्लेनरी टॉक "टुवर्ड्स मिस्ट्रीज ऑफ स्लीप" की अध्यक्षता की; विशेषज्ञ, एम्स ऋषिकेश, भुवनेश्वर और जोधपुर की चयन समिति; प्रोफेसर प्रभारी स्टोर, फिजियोलॉजी विभाग; सीपीआईओ, छात्रावास; सदस्य, संस्थान आचार समिति।

प्रोफेसर देवव्रत घोष के पीएचडी छात्र, डॉ. अनूप जी को दिनांक 9-10 मार्च 2019 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में "जूलॉजिकल रिसर्च में अग्रिम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "क्या एंडोमेट्रियोसिस एक 'सौम्य' बीमारी है?" पेपर हकदार के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार मिला; 22 मार्च 2019 को आईसीएमआर, नई दिल्ली में फार्माकोलॉजी, पारंपरिक चिकित्सा, औषधीय पौधों और शरीर विज्ञान के विषय में विशेषज्ञ समूह / परियोजना समीक्षा समिति की बैठक के सदस्य; 9-10 मार्च, 2019 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस ऑन जूलॉजिकल रिसर्च (आईसीएजेडआर) और रियल टाइम पीसीआर पर कार्यशाला" में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की; 5-6 मार्च 2019 को आईसीएमआर, नई दिल्ली में फार्माकोलॉजी ट्रेडिशनल मेडिसिन, मेडिकल प्लांट और फिजियोलॉजी विषय में फैलोशिप विशेषज्ञ समूह की बैठक के सदस्य; सरकारी मेडिकल कोझीकोड, केरल में 18 मई 2018 को कोर समिति और स्थानीय आयोजन समिति की संयुक्त बैठक बुलाई; 4 मई 2018 को एनईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, मेघालय में कोर कमेटी की संयुक्त बैठक बुलाई।

आचार्य कंवल प्रीत कोचर को 21 जून 2018 को सीएसआईआर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पूसा रोड, नई दिल्ली में योग और ध्यान में अनुसंधान के वैज्ञानिक सत्यापन पर पूर्ण वार्ता करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था,; 9वें एफएओपीएस कांग्रेस 2019 में 28-31 मार्च 2019 को कोबे कन्वेंशन सेंटर जापान में आयोजित एक संगोष्ठी "लाइफस्टाइल रिलेटेड डिजीजस इन एशिया: अंडरलाइंग मेकनिज्म्स, फंक्शन्स एंड बिहेवियरल ट्रांजिशन्स" धारण करने के लिए अध्यक्ष; दिल्ली में शिकागो विश्वविद्यालय, केंद्र में 9 फरवरी 2019 को आयोजित "डिसएबिलिटी-इनक्लूसिव कम्पैसिएंट केयर: पब्लिक इंगेजमेंट एंड फैकल्टी सैंसिटाइजेशन ऑन डिसएबिलिटी कॉम्पीटेंसीज" में "कम्यूनिकेटर" कम्पीटिशन के तहत विकलांगता दक्षताओं पर सत्र में पैनलिस्ट किया गया; 4 अक्टूबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिकागो केंद्र में आयोजित डिसर्मिंग

डायलॉग्सः स्टोरीज ऑफ प्रोफेशनलिज्म एंड एथिक्स एज एन एप्रोच टू नोइंग (एसपीईएके) में शामिल हुए; 11 सितंबर 2018 को "इम्प्रूविंग साइको-सोशल स्किल्स एंड कॉपिंग मेकनिज्म्स इन पुलिस" पर महिपालपुर, नई दिल्ली में ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नेशनल पुलिस मिशन में 20 अगस्त 2018 को आयोजित सेमिनार/मीटिंग में संसाधन संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था; 30 जून 2018, नई दिल्ली में आयोजित "द इकोनॉमिक टाइम्स डॉक्टर'स डे कॉन्क्लेव 2018" के तत्वावधान में स्वस्थ भारत के आर्किटेक्ट को स्वीकार करने के हिस्से के रूप में डॉक्टर-रोगी के संबंधों की नैतिकता में पैनलिस्ट किया गया; पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, 4/2, पीएचडी हाउस, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली में, शुक्रवार, 29 जून 2018 को आयोजित एनसीडी के बहु-क्षेत्रीय कार्यबल के कार्यबल के सदस्य, जिसमें बहु-क्षेत्रीय सीएसओ, सीएसओ एलायंस, संयुक्त राष्ट्र भागीदार और सरकार शामिल हैं; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए व्याख्यान रिकॉर्डिंग के लिए आमंत्रित वैकल्पिक और पूरक चिकित्सा का एकीकरण: एनसीडी रोकथाम और प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण, 13 जुलाई 2019।

आचार्य नलिन मेहता एमसीआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की विशेषज्ञ समूह समिति के सदस्य थे, (यूजी) सदस्य, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (जीएनडीयू), अमृतसर, पंजाब में संकाय के लिए चयन समिति; सदस्य अनुसंधान आचार बोर्ड, क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस), इंफाल, मणिपुर; बाहरी विशेषज्ञ सदस्य, फैकल्टी (फिजियोलॉजी), एम्स, जोधपुर के चयन के लिए स्थायी चयन समिति; अंडरग्रेजुएट कोर्सेज के लिए बाहरी सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, एम्स, भुवनेश्वर।

आचार्य सुमन जैन को सक्षम प्राधिकारी, एम्स, नई दिल्ली द्वारा "प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी-बेसिक साइंसेज" के सदस्य के रूप में चुना गया था; एम्स, नई दिल्ली में अस्थायी पद के लिए नर्स अधिकारी की नियुक्ति के लिए गठित समिति के सदस्य के रूप में चयनित; इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस के कार्यकारी सदस्य के रूप में चयनित; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 29 से 31 अक्टूबर 2018 तक आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज के 36वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "स्लीप इन न्यूरोसाइकिएट्रिक डिजिजस" पर संगोष्ठी आयोजित करने के लिए अध्यक्ष के रूप में नामित; कुलपति द्वारा बाहरी विशेषज्ञ के रूप में चुना गया, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, दिल्ली में पीएचडी छात्र की डॉक्टोरल रिसर्च कमेटी के लिए कुलपति, भारतियार विश्वविद्यालय द्वारा बाहरी विशेषज्ञ के रुप में चयनित।

आचार्य राज कुमार यादव इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल फिजियोलॉजी (वोल्टर्स क्लूवेर हेल्थ) एवं योग और शरीरक्रिया चिकित्सा के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे; सदस्य, वैज्ञानिक संवर्ग के गठन की समिति, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, सदस्य, यूजी के छात्रों के लिए एम्स छात्र बेनेवोलेंट फंड समिति; सदस्य, ओवरसाइट समिति, एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, जेपीएनए ट्रामा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली (मई 2018 से); डिप्टी हॉस्टल अधीक्षक, एम्स, नई दिल्ली; वित्त सचिव, टीआईपीएस 2018, 5-7 दिसंबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में सार्क राष्ट्रों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक; महासचिव: एफएआईआईएमएस: एम्स के संकाय एसोसिएशन, नई दिल्ली; सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट

एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई), *दिल्ली चैप्टर*; सचिव, फैकल्टी क्लब, एम्स, नई दिल्ली; संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया; मुख्य चुनाव आयुक्त, एसवाईएस (युवा वैज्ञानिकों का समाज) चुनाव, जून 2018; 9 अगस्त 2018 और 27 सितंबर 2018 को रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में वक्ता और संसाधन संकाय के रूप में: पोस्ट ग्रेजुएट प्रशिक्षुओं के लिए कल्याण कार्यक्रम; हेल्दी लाइफस्टाइल, एम्स, नई दिल्ली के लिए अगली पीढ़ी के फिजियोलॉजी पर भारत-यूरोपीय कार्यशाला के दौरान एक पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की; 31 जनवरी - 1 फरवरी 2019; पहला एम्स अनुसंधान दिवस: जूनियर रेजिडेंट द्वारा चयनित मौखिक प्रस्तुति (सर्वश्रेष्ठ तीन में से एक): उन्नत प्राथमिक खुले कोण मोतियाबिंद (आरपीसी, एमडी थीसिस, सह-मार्गदर्शक के रूप में) के साथ रोगियों में ट्रिब्युलर मेशवर्क जीन अभिव्यक्ति पर ध्यान के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

डॉ रेणु भाटिया सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी); वह संस्थागत वार्षिक रिपोर्ट समिति, एम्स, नई दिल्ली के लिए फिजियोलॉजी विभाग की नोडल अधिकारी थी; वॉमेन इन ब्रेन स्टिमुलेशन की सदस्य भी रही।

डॉ. नसरीन अख्तर संस्थागत वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य थे; एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल बोर्ड, मेडिकल परीक्षा के सदस्य।

सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम

मीडिया कवरेज डॉ राज कुमार यादव

1. टेलीविजन, 1 अप्रैल 2018, 8.30 से 9.30 बजे डीडी न्यूज चैनल पर "योग द्वारा रोगों की रोकथाम" पर चर्चा के लिए लाइव शो "टोटल हेल्थ" में चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में।
2. टेलीविजन, 3 जून 2018, 8.30 से 9.30 बजे डीडी न्यूज चैनल पर "योग का महत्व" पर चर्चा के लिए लाइव शो "टोटल हेल्थ" में चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में।
3. एआईआर (ऑल इंडिया रेडियो), "योग और स्वास्थ्य" पर वार्ता, 7 जून 2018, दोपहर 2.30 बजे
4. टेलीविजन, डीडी नेशनल चैनल, 9 जून 2018, शाम 5 से 5.30 बजे तक "आयुष सिस्टम एंड हेल्दी लाइफस्टाइल" पर चर्चा हेतु लाइव 'हेल्थ शो' में चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में।
5. टेलीविज़न, राज्यसभा टीवी, लाइव प्रोग्राम, चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में चर्चा मोटापे पर चर्चा, 2 मार्च 2019, सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक
6. टेलीविज़न, डीडी न्यूज चैनल, लाइव प्रोग्राम "टोटल हेल्थ", मोटापे पर चर्चा, 17 मार्च 2019, सुबह 8.30 से 9.30 बजे तक

अतिथि वैज्ञानिक

1. 6 दिसंबर 2018 को फिजियोलॉजी विभाग में हार्ट रेट वैरिएबिलिटी पर डॉ एलाड फीन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईएफईईएल, इजराइल द्वारा अतिथि व्याख्यान
2. 5 जुलाई 2018 को यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगेन, नीदरलैंड से डॉ. मैरीके वान वॉग्ट द्वारा "द इफेक्ट ऑफ मैडिटेशन ऑन कॉग्निशन, एफेक्ट एंड ब्रेन ओस्किल्लेशंस" पर अतिथि व्याख्यान

3. टेलीकांफ्रेंस अपडेट: ऑटोनोमिक न्यूरोसाइंस के उद्भव पर प्रोफेसर क्रिस्टोफर मैथियास के साथ लाइव बातचीत।
4. आईबीआरओ-एपीआरसी स्कूल 2018 के दौरान वैज्ञानिकों का दौरा
   क. एंथोनी जे हन्नान, एनएचएमआरसी प्रिंसिपल रिसर्च फेलो, फ्लोरे इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंस एंड मेंटल हेल्थ, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया
   ख. अर्पन बैनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान, मानेसर, हरियाणा
   ग. बी एस शंकरनारायण राव, प्रोफेसर, न्यूरोफिजियोलॉजी विभाग, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज, बैंगलोर, भारत
   घ. बसवाराजू संगनहल्ली, एसोसिएट रिसर्च साइंटिस्ट, रेडियोलॉजी और बायोमेडिकल इमेजिंग विभाग, वाईएएलई यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन कनेक्टिकट, कनेक्टिकट, यूएसए
   ङ. डाइसुके ओनो, सहायक आचार्य, न्यूरोसाइंस विभाग II, रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायर्नमेंटल मेडिसिन, नागोया यूनिवर्सिटी, नागोया, जापान
   च. गौरव जैन सीनियर, सहायक आचार्य, औषध विभाग विभाग, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशनल एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, भारत
   छ. गुरचरण कौर, प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, भारत
   ज. हिसाव निशिजो, आचार्य, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ तायोमा, जापान
   झ. जे पी सी चेलिया, सहायक आचार्य, न्यूरोसाइंस यूनिट, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बैंगलोर, भारत
   ञ. जंपेई मात्सुमोतो, सहायक आचार्य, सिस्टम इमोशनल साइंस, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ तोयामा, तोयामा 930-0194, जापान
   ट. जून मात्सुबेशी, सहायक आचार्य, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिसिन, क्योटो विश्वविद्यालय, क्योटो, जापान
   ठ. ज्योतिर्मय बैनर्जी, सहायक आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत
   ड. कमलेश के गुलिया, वैज्ञानिक, श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम
   ढ. कविराज उडुप्पा, अपर आचार्य, न्यूरोफिज़ियोलॉजी विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, भारत
   ण. मंजुला सूरी, सह-आचार्य, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी और प्रोमोटिव हेल्थ, इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
   त. पी के मंडल, सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, भारत
   थ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, वैज्ञानिक, न्यूरोफिजियोलॉजी विभाग, मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, भारत

द. रत्ना सिरकार, द ग्रेजुएट सेंटर, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू यॉर्क, न्यूयॉर्क, यूएसए

ध. रोनाल्डो एम इचियामा, सह-आचार्य, स्कूल ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, लीड्स, यूके

न. सजीकुमा श्रीधरन, सहायक आचार्य, न्यूरोबायोलॉजी प्रोग्राम, फिजियोलॉजी विभाग, सेंटर फॉर लाइफ साइंसेज (सेल्स), नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर

ऩ. शशि वाधवा, आचार्य एवं प्रमुख, एनाटॉमी विभाग, नॉर्थ डीएमसी मेडिकल कॉलेज

प. सौम्या अयंगर, आचार्य, नेशनल ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट मानेसर, हरियाणा

फ. सौरव बैनर्जी, सह-आचार्य, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान, मानेसर, हरियाणा, भारत

ब. स्टेफानिया रायमोंडो, सहायक आचार्य, नैदानिक और जैविक विज्ञान विभाग, ट्यूरिन विश्वविद्यालय, ट्यूरिन, इटली

भ. सुमना चक्रवर्ती, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद, भारत

म. टी लक्ष्मी राव, आचार्य, न्यूरोफिजियोलॉजी विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बैंगलौर, भारत

य. योगेंद्र कुमार गुप्ता, प्रधान सलाहकार, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद, भारत

र. योगनरसिंहा डोरेस्वामी, अपर-आचार्य, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान, मानेसर, हरियाणा

5. इंडो यूरोपियन कॉन्फ्रेंस, जनवरी 2018 के दौरान वैज्ञानिकों का दौरा

क. प्रोफेसर ल्यूक पेनिकाउड, प्रमुख, फ्रांसीसी वैज्ञानिक परिषद, दीजोन, फ्रांस

ख. प्रोफेसर नंदू गोस्वामी, ओटो लोवी रिसर्च सेंटर (संवहनी जीवविज्ञान, इम्यूनोलॉजी और सूजन के लिए) और एचओडी, फिजियोलॉजी, ग्रैज, ऑस्ट्रिया

ग. प्रोफेसर नईम अख्तर खान, सचिव, फ्रेंच फिजियोलॉजिकल सोसायटी, लियोन, फ्रांस

घ. प्रोफेसर अमीरा सईद, यूनिवर्सिटी ऑफ मेंटोरी, कांस्टेंटाइन, अल्जीरिया

ङ. प्रोफेसर मदन थंगावेलु, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम

9-33 lykfLVd] iqulajpuk vkSj nX/k 'kY; fpfdRlk

आचार्य एवं अध्यक्ष

मनीष सिंघल

सहायक आचार्य

राजा तिवारी

शशांक चौहान

राज कुमार मानस

राकेश डावर

शर्मेंद्र आनंद साहू (जून 2018 तक)

विशिष्टताएं

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में प्लास्टिक, पुनर्संरचना और दग्ध शल्य चिकित्सा विभाग की स्थापना जुलाई 2015 में की गई थी। विभाग में वर्तमान में 5 संकाय सदस्य, 15 एमसीएच रेजीडेन्टस तथा 4 गैर-शैक्षिक वरिष्ठ रेजीडेन्टस हैं। हमारे विभाग में मासिक तौर पर आने वाले बाह्य रोगियों की संख्या में विगत वर्षों की तुलना में लगातार वृद्धि हुई है। हाथ और विदर (क्लेफ्ट) में विशेषज्ञता क्लिनिकों के अलावा, हमने त्वचा विज्ञान विभाग के सहयोग से एक कुष्ठ रोग क्लिनिक भी शुरू किया है। हमने कैंसर केंद्र में आर्टिरियोवेनस फिस्टुला के निर्माण और ऑन्कोलॉजिकल दोषों के पुनर्निर्माण के लिए सेवाएं भी शुरू की हैं। जयप्रकाश नारायण ट्रॉमा केंद्र में, हम ब्रैकीयल प्लेक्सस चोटों वाले मरीजों के मूल्यांकन के लिए एक विशेष क्लिनिक के साथ, माइक्रोवास्कुलर सर्जरी और आघात रोगियों के लिए रिप्लांट्स सहित पुनर्संरचनात्मक शल्य चिकित्सा का पूर्ण स्पैक्ट्रम प्रदान कर रहे हैं। विभाग ने प्लास्टिक सर्जरी फ्लैप्स के लिए कैडवेरिक पाठयक्रम और एक व्यावहारिक कार्यशाला तथा साथ ही, स्नातकोत्तर परीक्षा की तैयारी हेतु व्यापक सीएमई (एम्स की अद्यतन प्लास्टिक शल्य चिकित्सा) आयोजित की है। ग्रामीण जनसंख्या तक पहुंचने के लिए हमने बल्लभगढ़ में बाह्य रोगी चिकित्सा विभाग भी शुरू किया है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में हमारे संकाय और रेजीडेन्ट्स द्वारा कई प्रस्तुतियां दी गई हैं। हमने अपने केंद्र में एफएनबी एक्सिट परीक्षा भी सफलतापूर्वक आयोजित की है। विभाग के भविष्य के प्रयासों में बर्न केयर और पुनर्संरचनात्मक शल्य चिकित्सा हेतु स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सेंटर एवं एक समर्पित स्किन बैंक तथा हाथ व चेहरे के प्रतिरोपण के लिए संयुक्त टिश्यु एलोट्रांसप्लांटेशन कार्यक्रम की शुरूआत करना शामिल है।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन

1. फिलर तथा बोटोक्स हेतु कैडवेरिक डिस्सेक्शन पाठ्यक्रम, एस्थेटिक एक्सप्रेस, नई दिल्ली ।
2. प्रथम एम्स प्लास्टिक सर्जरी अपडेट 2018, एम्स, नई दिल्ली।
3. कैडावर फ्लेप पाठ्यक्रम, सितम्बर 2018, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, नई दिल्ली।
4. कैडावर फ्लेप पाठ्यक्रम, दिसंबर 2018, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

मनीष सिंघल : 8 **राजा तिवारी : 13** **राज कुमार मानस : 9**

राकेश डावर : 2 **शशांक चौहान : 7**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पेपर/पोस्टर : 11

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में दग्ध का स्थिति विश्लेषण, मनीष सिंघल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2014-जारी, 38.5 लाख रुपये।
2. सतही बाहरी घावों (चरण-II) पर सी1 हर्बल तेल के स्थानिक प्रयोग की प्रभावकता के आकलन का नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, मनीष सिंघल, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2015-जारी, 38 लाख रुपये।
3. ब्रैकियल प्लेक्सस पुनर्संरचना हेतु रोबोटिक शल्य चिकित्सा की उपयोगिता पर पायलट अध्ययन, राजा तिवारी, इन्ट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 1 वर्ष (विस्तार हेतु अप्लाइड), 2018-जारी, 4.99 लाख रुपये।

पूर्ण

1. स्प्लिट थिकनेस स्किन ग्राफ्ट वाले डोनर पर सी 1 हर्बल तेल के स्थानिक प्रयोग की प्रभावकता के आकलन का नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, (चरण 1), डॉ.मनीष सिंघल, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2014-2018, 17.22 लाख रुपये।
2. समुदाय हेतु फर्स्ट ऐड मॉड्यूल का विकास करना, डॉ.मनीष सिंघल, डब्ल्यू.एच.ओ. और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 6 माह, मई-नवंबर 2018, 6.1 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. रिडक्शन मैमोप्लास्टी से गुजर रहे मरीजों में निप्पल एरोलर परफ्यूजन का पता लगाने में फ्लोरोसेटं एंजियोग्राफी की प्रभावकता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन।
2. स्तन कैंसर उपचार के उपरान्त परिणाम : एक अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य
3. सिंगल सेंटर जेपीएनएटीसी, एम्स में हाथों की चोटों की एपिडिमियोलॉजी, पूर्वव्यापी और अग्रदर्शी अध्ययन।
4. प्लास्टिक सर्जरी वाले रेजीडेन्टस में माइक्रोसर्जरी स्किल्स पर नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकता ।
5. रोगी, जिनका स्पेगहेट्टी रिस्ट चोट के लिए इलाज किया गया था, उनमें परिणामों के साथ संबंधित पूर्वानुमानित कारक।

6. एक्यूट परिधीय तंत्रिका क्षति की मरम्मत में प्लेटलेट प्रधान प्लाज्मा के उपयोग के नैदानिक तथा इलेक्ट्रोफ़िजियोलोजिक परिणामों का अध्ययन।
7. डिजिटल रिप्लांट के प्रभावित करने वाले सर्वाइवल कारको का विश्लेषण।

पूर्ण

1. लिपोसक्शन सहायता-प्राप्त सबक्यूटेनियस मेस्टेक्टोमी
2. भारतीय आबादी में कटे-फटे होंठ तथा तालुओं वाले मरीजों की सोफ्ट टिश्यु प्रोफाइल
3. विभिन्न विकारों के लिए प्रोफंडा आर्टरी पर्फोरेटर फ्लैप की उपयुक्तता तथा परिणाम का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. माइक्रोवेस्क्यूलर फ्री फ्लैप्स के ऑपरेशन के पश्चात के मूल्यांकन में माइक्रोडायलेसिस की भूमिका, संवेदनाहरण विज्ञान तथा गंभीर उपचार
2. भारत में कटे-फटे होंठ और तालु की विसंगति: क्लिनीकल प्रोफाइल जोखिम कारक तथा उपचार की वर्तमान स्थिति : अस्पताल आधारित अध्ययन, आर्थोडोन्टिक्स, दन्त शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सीडीईआर)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 11

रोगी उपचार

अंत: रोगी देखभाल सुविधाएं

- हाइपरबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी सुविधा
- माइक्रोवैस्क्यूलर सुविधा
- हाथ तथा जन्मजात विसंगतियों की सर्जरी सुविधा
- क्रैनोफेशियल और क्लेफ्ट सर्जरी
- एस्थेटिक सर्जरी
- सिर एवं गले का पुनर्निर्माण
- ट्रंक और एक्सट्रिमिटी का पुनर्निर्माण

चिकित्सालय

- कम्बाइन्ड क्लेफ्ट क्लिनिक
- हाथों का क्लिनिक
- ब्रैकियल प्लेक्सस क्लिनिक
- कम्बाइन्ड कुष्ठ रोग क्लिनिक

सामुदायिक सेवा / शिविर

- **'जलने से सुरक्षा पर जागरूकता एवं प्राथमिक उपचार कार्यक्रम'** का आयोजन सीएचआरपीसी, बल्लभगढ़ में किया गया जिसमें हमने जलने से सुरक्षा, पटाखों और अन्य प्रकार के जलने और प्रथम उपचार प्रबंधन पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। लगभग 100 रोगी एवं रोगियों के संबंधियों ने जलने से सुरक्षा पर जागरूकता के इस बाहय रोगी विभाग परिसर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

- सीएचआरपीएस, बल्लभगढ़ में प्रत्येक मंगलवार को प्लास्टिक सर्जरी बाह्य रोगी विभाग सेवाएं आरंभ की गई।
- एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 25 सितंबर, 2018 को संस्थान दिवस के सुअवसर पर प्लास्टिक सर्जरी के विषय पर पोस्टर तैयार किए गए तथा जागरूकता फैलाई गई।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण आयोजन

प्रोफेसर मनीष सिंघल को एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 31 मार्च, 2019 को 13वें एम्स सर्जिकल सप्ताह (इंडोसर्ज 2019) के कॉम्पेटीटिव पेपर सेशन में तथा एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 20 अप्रैल, 2018 को 12वें एम्स सर्जिकल सप्ताह (इंडोसर्ज 2019) में कम्पेटीटिव पेपर सेशन में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ.राजा तिवारी को एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 31 मार्च, 2019 को 13वें एम्स सर्जिकल सप्ताह (इंडोसर्ज 2019) के फ्री पेपर सेशन में अध्यक्ष के रूप में; एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 20 अप्रैल, 2018 को 12वें एम्स सर्जिकल सप्ताह (इंडोसर्ज 2019) के फ्री पेपर सेशन में अध्यक्ष के रूप में; गोवा, भारत में दिनांक 27 अक्टूबर, 2018 को आईओपीबीएस तथा डब्ल्यूसीआई संगोष्ठी के रिडक्शन मैम्मोप्लास्टी सेशन में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ.राकेश डावर को एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 31 मार्च, 2019 को 13वें एम्स सर्जिकल सप्ताह (इंडोसर्ज 2019) में कॉम्पेटीटिव पेपर सेशन में निर्णायक (जज) के रूप में; एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 20 अप्रैल, 2018 को 12वें एम्स सर्जिकल सप्ताह (इंडोसर्ज 2019) में कॉम्पेटीटिव पेपर सेशन में निर्णायक (जज); गोवा, भारत में दिनांक 27 अक्टूबर, 2018 को आईओपीबीएस तथा डब्ल्यूसीआई संगोष्ठी में फैकल्टी के रूप में; एम्स ऋषिकेश, उत्तराखण्ड, भारत में दिनांक 25 और 26 जनवरी, 2019 के प्लास्टीकॉन में फैकल्टी के रूप में, इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत में दिनांक 10 फरवरी, 2019 को 10वें वार्षिक कांग्रेस ऑफ एसोसिएशन ऑफ हेयर रेस्टोरेशन सर्जन ऑफ इंडिया (हेयरकोन) में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ.राज कुमार मानस को श्री गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित आईएसपीएनएस 2018 बैठक में संकाय के रूप में; एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 20 अप्रैल, 2018 को 12वें एम्स सर्जिकल सप्ताह में फ्री पेपर सेशन में अध्यक्ष के रूप में, दिल्ली में दिनांक 20 से 22 अप्रैल, 2018 को एस्थेटिक्स एंड एंटी-ऐजिंग पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-ईएक्स 2018 में संकाय के रूप में, लखनऊ में आयोजित प्लास्टिक सर्जन्स ऑफ इंडिया नामक वार्षिक सम्मलेन, ऐप्सीकॉन 2018 में "प्रोफेसर एस.पी. बजाज जनरल प्लास्टिक सर्जरी" सत्र के अध्यक्ष एवं संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया; पीआरएस ग्लोबल ओपन एंड अमेरिकन सोसाइटी ऑफ प्लास्टिक सर्जन्स द्वारा पीआरएस ग्लोबल ओपन में पत्र प्रकाशित करने की वजह से "बेस्ट इंटरनेशनल कोलाबोरेशन-ऑनरेबल मेंशन अवार्ड 2018" हेतु बेस्ट पेपर अवॉर्ड प्राप्तकर्त्ता तथा शिकागो, यू.एस.ए. में आयोजित अमेरिकन सोसाइटी ऑफ प्लास्टिक सर्जरी बैठक में पुरस्कृत; नई दिल्ली में आयोजित "इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बर्न इंजरीज" बैठक आईएसबीआई 2018 में

पोस्ट बर्न मारजोलिन अल्सर की श्रेष्ठ पेपर शीर्षक व्यापक समीक्षा हेतु इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बर्न इंजरीज़ द्वारा प्रोफेसर ऐकावा यंग इंवेस्टीगेटर प्राइज़ 2018 प्रदान किया गया; लखनऊ में आयोजित ऐप्सीकॉन, 2018 बैठक में एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन्स ऑफ इंडिया द्वारा "कामथ बेस्ट पोस्टर अवार्ड 2017" नामक प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया गया; भारत के प्लास्टिक सर्जन्स के वार्षिक सम्मेलन- ऐप्सीकॉन 2018 में ई-पेपर आवर एक्सपीरियन्सिस ऑफ बर्थ ब्रैकियल प्लेक्सस इंजरीज़ हेतु प्रोफेसर जे.एल. गुप्ता ई-पेपर अवार्ड सेशन के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ; ऐप्सीकॉन 2018 में तंत्रिका क्षति पर व्यक्तिगत फ्री पेपर सेशन में श्रेष्ठ पेपर हेतु बुक प्राइज़ दिया गया; संगठनात्मक सचिव के रूप में दिनांक 1 से 3 सितंबर, 2018 तक प्रथम एम्स प्लास्टिक सर्जरी अपडेट आयोजित किया।

डॉ.शशांक चौहान को एम्स, नई दिल्ली 2019 में दिनांक 31 मार्च, 2019 को 13वें एम्स सर्जिकल सप्ताह (इंडोसर्ज 2019) के कॉम्पेटीटिव पेपर सेशन में निर्णायक के रूप में; एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 20 अप्रैल, 2018 को 12वें एम्स सर्जिकल सप्ताह (इंडोसर्ज 2019) के कॉम्पेटीटिव पेपर सेशन में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया; भुवनेश्वर, उड़ीसा में दिनांक 12 जनवरी, 2019 को ए.पी.आर.ए.एस.ए.सी.ओ.एन. 2019 में कॉम्पेटीटिव पेपर सेशन में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया।

9-34 eukfpfdRlk foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

राकेश कुमार चड्ढा

आचार्य

प्रताप शरण | राजेश सागर
नन्द कुमार | ममता सूद

सह-आचार्य

सुजाता सतपथी (क्लीनिकल मनोविज्ञान) | रमन दीप

सहायक आचार्य

कौशिक सिन्हा देब | रोहित वर्मा
बिचित्र नन्द पात्रा | गगन हंस

बाल मनोवैज्ञानिक

रेणु शर्मा

विशिष्टताएं

आचार्य आर. गुलेरिया, निदेशक, अ.भा.आ.सं. के साथ मनोचिकित्सा विभाग का दल दक्षिण सूडान हेतु साइट पर निरीक्षण दौरा

विश्व मनोरोगी दिवस कार्यक्रम, जेएल ऑडिटोरियम, 10 अक्टूबर 2018
नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर वीके पॉल दीप जलाते हुए

मनोचिकित्सा विभाग एमडी (मनोचिकित्सा), पीएचडी (मनोविज्ञान) और एमबीबीएस छात्रों के लिए उत्कृष्ट प्रशिक्षण आयोजित करने के अलावा बीएससी/एमएससी नर्सिंग के छात्रों तथा कायचिकित्सा, जराचिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, और उपशामक चिकित्सा और विभिन्न अवधि के लिए मनोचिकित्सा में तैनात डीएम तंत्रिका विज्ञान के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी लगा हुआ है। विभाग वर्तमान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर, यूके), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबल्यूएचओ), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत (डीएसटी) आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से कई प्रमुख वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ चला रहा है। विभाग ने वर्ष में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए जिनमें परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा पर राष्ट्रीय सीएमई (अप्रैल 2018), पोस्ट ग्रेजुएट प्रशिक्षुओं के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम (अगस्त 2018; मार्च 2019), न्यूरोमॉड्यूलेशन पर द्वितीय राष्ट्रीय सीएमई (मई 2018), विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पब्लिक लेक्चर एंड पैनल डिस्कशन (अक्टूबर 2018), रिपीटिटिव ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) पर कार्यशाला और सर्टिफिकेट कोर्स (दिसंबर 2018), अंडरग्रेजुएट करिकुलम के लिए एमसीआई को प्रतिक्रिया प्रदान करने पर कार्यशाला (दिसंबर 2018)। विभाग सदैव गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी

रहा है। यह बच्चों और किशोरों के मानसिक विकारों, मनोदैहिक विकारों, सामान्य मानसिक विकारों, गंभीर मानसिक विकारों, दोहरे निदान विकारों के लिए दैनिक वॉक-इन और अनुवर्ती क्लीनिकों के अलावा विशेष साप्ताहिक क्लीनिक और मस्तिष्क उत्तेजना क्लिनिक चलाता है। विभाग सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में सप्ताह में 6 दिन सामुदायिक बाहरी सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें 2018-2019 में 3,974 नए मामले और 6,000 अनुवर्ती मामलों की सेवाएं प्रदान की गईं। 2018-2019 में विभाग ने कुल 15,289 नए मामलों एवं 62,229 फॉलो-अप मरीजों को रोगी परामर्श सेवाओं के साथ 258 रोगियों के लिए रोगी उपचार सेवाएँ प्रदान कीं।

शिक्षा

पूर्वस्नातक

सिद्धांत व्याख्यान: 6वीं छमाही - 20 घंटे

नैदानिक शिक्षण/पोस्टिंग: तीसरी छमाही - 7 घंटे; 4-5वीं छमाही - 25 दिन; 6वीं-8वीं छमाही - 40 दिन

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में समुदाय में शिक्षण: 7वां सेमेस्टर - 12 घंटे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)

बीएससी नर्सिंग

सिद्धांत व्याख्यान: प्रथम वर्ष (मनोविज्ञान) 15 घंटे के लिए; तृतीय वर्ष (मनोचिकित्सा) 8 घंटे के लिए

क्लिनिकल पोस्टिंग: तृतीय वर्ष मनोरोग वार्ड में 2 महीने के लिए

एमएससी नर्सिंग

सिद्धांत व्याख्यान: प्रथम वर्ष 8 घंटे के लिए

क्लिनिकल पोस्टिंग: प्रथम वर्ष - मनोरोग वार्ड में 8 महीने और मनोरोग ओपीडी में एक महीने

दूसरा साल - मनोरोग वार्ड में 3-4 महीने

थीसिस कार्य: अपने थीसिस कार्य का संचालन मनोरोग ओपीडी और वार्ड में करते हैं

अन्य विभागों से तैनात जूनियर रेजीडेंट का प्रशिक्षण

कायचिकित्सा, जेरिएट्रिक मेडिसिन, इमरजेंसी मेडिसिन, आपात चिकित्सा और पैलिएटिव मेडिसिन विभागों से जूनियर रेजीडेंटों को और न्यूरोलॉजी में डीएम प्रशिक्षुओं को 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए मनोचिकित्सा में प्रशिक्षण के लिए मनोचिकित्सा विभाग में तैनात किया जाता है।

एमडी (मनोचिकित्सा) और पीएचडी शिक्षण

- सप्ताह में एक बार संगोष्ठी
- सप्ताह में एक बार केस कांफ्रेंस
- सप्ताह में एक बार जर्नल चर्चा
- सप्ताह में एक बार थीसिस प्रोटोकॉल और मध्यकालीन प्रस्तुति
- सप्ताह में एक बार ट्यूटोरियल
- स्नातकोत्तर मनोचिकित्सा और डॉक्टरेट स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान के छात्रों के लिए मनोचिकित्सा पर्यवेक्षण

- मनोचिकित्सा में जूनियर रेजीडेंटों के लिए परामर्श-संपर्क प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण

सीएमई /कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा पर राष्ट्रीय सीएमई, 9 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली
- "न्यूरोमॉड्यूलेशन: तंत्रिका मनोचिकित्सा एंड व्यावहारिक तंत्रिकाविज्ञान पर फोकस" पर दूसरा राष्ट्रीय सीएमई, 13 मई 2018, एम्स, नई दिल्ली
- पोस्ट ग्रेजुएट प्रशिक्षुओं के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम, 9 अगस्त 2018 और 9 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस सार्वजनिक व्याख्यान और "बदलती दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य और युवा लोग" पर पैनल चर्चा, 9 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
- रिपीटिटिव ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) पर कार्यशाला और सर्टिफिकेट कोर्स, 15 दिसंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
- पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम के लिए एमसीआई को फीडबैक प्रदान करने पर कार्यशाला, 5 दिसंबर, 2018, एम्स, नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

व्याख्यान दिये गए

राकेश कुमार चड्ढा : 18	**प्रताप शरण : 10**	**राजेश सागर : 49**
नन्द कुमार : 8	**ममता सूद : 7**	**सुजाता सतपथी : 6**
रमन दीप : 6	**कौशिक सिन्हा देब : 11**	**रोहित वर्मा : 10**
बिचित्र पात्रा : 1	**गगन हंस : 5**	**रेणु शर्मा : 2**

मौखिक पत्र / पोस्टेर्स प्रस्तुत किए गए : 62

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. साइकोसिस के परिणाम पर एनआईएचआर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च ग्रुप: द वारविक-इंडिया-कनाडा (डबल्यूआईसी) नेटवर्क, आरके चड्डा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, यूके, 3 साल, 2017-2020, 269, 146 जीबीपी
2. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम करने वालों के बीच नए साइकोएक्टिव पदार्थों का पता लगाना - मल्टी सेंट्रिक स्टडी, आरके चड्डा, राजस्व विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 651 लाख
3. दहशत और चिंता का विकास पर भारतीय प्रश्नावली (पीएएनआईक्यू), प्रताप शरण, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2020, रुपये 180 लाख

4. बाइपोलर डिसऑर्डर में मानसिक-सामाजिक परिणाम और संज्ञानात्मक कार्य: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, राजेश सागर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2019, रु॰ 28.53 लाख
5. प्रसवोत्तर अवसाद और चिंता का शिशु के विकास पर प्रभाव: एक सामुदायिक कोहोर्ट अध्ययन, राजेश सागर, स्वयं (पिछली परियोजना का विस्तार), 3 वर्ष, 2016-2019, रु॰ 8.57 लाख
6. नई दिल्ली जन्म कोहार्ट में मनोरुग्णता और इसके शुरुआती पूर्ववृत्त, राजेश सागर, क्यूईडी और डबल्यूएचओ-एसईएआरओ, 3 साल, 2018-2020, रु॰ 8.67 लाख
7. उत्तर भारतीय व्यक्तियों के लिए संज्ञानात्मक मूल्यांकन प्रणाली (सीओजीएनआईएसटीएटी) के मानदंड का क्लिनिकल अध्ययन, अनुवाद, संकर सांस्कृतिक अंगीकरण और विकास, राजेश सागर, कॉग्निटिव हेल्थ रिहैबिलिटेशन सिस्टम एलएलपी, 1 वर्ष, 2018-2019, रु॰ 7.92 लाख
8. मानसिक स्वास्थ्य में न्यूरोमोड्यूलेशन पर सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एंड एक्सीलेंस (सीएआरई), नंद कुमार, आईसीएमआर, 5 साल, 2019-2024, रु 450
9. सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों में संज्ञानात्मक कार्य और मुख्य रूप से नकारात्मक लक्षणों पर उच्च आवृत्ति रिपिटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए रैंडमाइज्ड शाम नियंत्रित डबल ब्लाइंड ट्रायल, नंद कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015-2018, रुपये 50.56 लाख
10. साइकोसिस के परिणामों पर एनआईएचआर ग्लोबल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान: प्रथम स्तरीय साइकोसिस का प्रोटोकॉल आधारित मूल्यांकन और उपचार (एम्स सेंटर), ममता सूद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, यूके, 3 वर्ष, 2017-2020, 115590 GBP
11. एडीएचडी से पीड़ित 6-11 वर्ष के बच्चों के लिए नव विकसित एम्स सीटीटी (नॉन-कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण हस्तक्षेप किट) की व्यवहार्यता और दक्षता का परीक्षण, सुजाता सतपथी, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 3.6 लाख
12. बच्चों और किशोरों में मनोवैज्ञानिक आघात का लचीलापन: एक बहुआयामी पैमाने का विकास और मनोमितीय गुण, सुजाता सतपथी, डीएसटी/सीएसआरआई, 3 साल, 2017-2019, रु 43.17 लाख
13. बाइपोलर डिसऑर्डर में लिथियम प्रतिक्रिया के बायोमार्कर: बाइपोलर डिसऑर्डर वाले लंबे समय तक लिथियम प्रोफिलैक्सिस पर रह रहे व्यक्तियों में क्लिनिकल मार्करों, परिधीय रक्त आधारित मार्करों और ग्रे मैटर वॉल्यूम का आकलन, रमन दीप, डीएसटी: ईसीआरए, 3 वर्ष, 2018-2020 रु॰ 21.21 लाख
14. श्रवण सिमेंटिक और प्रोसिडिक सामग्री का मूल्यांकन करने के लिए डिफ्यूज ऑप्टिकल टोमोग्राफी पर आधारित कॉर्टिकल विश्लेषण, भाषा अधिग्रहण और चेहरे की पहचान को सिज़ोफ्रेनिया में भावना के निर्धारक के रूप में मान्यता, रोहित वर्मा, डीएसटी सीएसआरआई रिसर्च अनुदान, 3 साल, 2018-2021, रु॰ 51.98 लाख
15. अवसाद और सिज़ोफ्रेनिया के उपचार में मस्तिष्क उत्तेजना के तीव्र और अनुदैर्ध्य प्रभावों का अध्ययन, रोहित वर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 5 लाख

16. ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर वाले रोगियों में दाएं डॉर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में चयापचय संबंधी असामान्यताओं का एच[1]-एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित मूल्यांकन- एक पायलट अध्ययन, गगन हंस, एम्स, 2 साल, 2017-2019, रुपये 0.9 लाख
17. भारतीय जनसंख्या पर टीन एडिक्शन सिविएरिटी इंडेक्स का अनुवाद और सत्यापन, रेणु शर्मा, 2 साल और 3 महीने, 2015-2018, 2 लाख रुपये

पूर्ण

1. कार्यात्मक निकट इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी और मात्रात्मक इलेक्ट्रो-एन्सेफैलोग्राफिक वर्णक्रमीय विश्लेषण में कैटेटोनिया का उपयोग करके मस्तिष्क सक्रियण का एक अध्ययन, रोहित वर्मा, एम्स, 3 वर्ष, 2015-2018, रुपये 2.25 लाख
2. भारत में यौन विकारों और यौन स्वास्थ्य के लिए आईसीडी-11 प्रस्तावों का क्षेत्र परीक्षण, प्रताप शरण, डबल्यूएचओ, 3 साल, 2016-2018, रु॰ 12 लाख
3. एसईएआर देशों में लंबे समय तक दुख विकार के लिए पहचान उपकरण का विकास, प्रताप शरण, डबल्यूएचओ एसईएआरओ, 2 साल, 2016-2018, रु॰ 4 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बाल यौन शोषण के लिए एक बहुआयामी आघात पैमाने का विकास और मनोवैज्ञानिक आघात पर केंद्रित हस्तक्षेप
2. विशिष्ट शिक्षण विकार के लिए घर पर आधारित हस्तक्षेप का विकास
3. कानून के साथ संघर्ष में किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास
4. एडीएचडी में प्रतिरक्षा विषयक, ऑक्सीडेटिव मार्कर और संज्ञानात्मक कार्य का अध्ययन
5. उपचार प्रतिरोधी अवसाद में इंटरमिटेंट थेटा-बर्स्ट मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आईटीबीएस) की चिकित्सीय प्रभावकारिता का प्रारंभिक मूल्यांकन: एक डबल ब्लाइंड शम नियंत्रित परीक्षण
6. दवा में गैर-उत्तरदायी ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रानियल मैगनेटिक स्टिमुलेशन: उत्तेजना के विभिन्न साइटों की तुलना करने के लिए एक रैंडमाइज़्ड डबल ब्लाइंड समानांतर समूह शम नियंत्रित परीक्षण
7. बाल यौन शोषण: बहुआयामी पैमाने का विकास और मनोवैज्ञानिक आघात केन्द्रित हस्तक्षेप मॉड्यूल
8. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों का मनो-व्यवहार और संज्ञानात्मक कार्य: समग्र मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास और व्यवहार्यता
9. बच्चों और किशोरों में मनोवैज्ञानिक आघात का लचीलापन: एक बहुआयामी पैमाने का विकास और मनोवैज्ञानिक गुण

10. वयस्क माइलोमा रोगियों में और सक्रिय उपचार और रखरखाव के चरण में मनोरोग, नींद की गुणवत्ता और मानसिक समायोजन शैली
11. ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर टाइप I में आत्मघाती प्रवृत्ति वाले रोगियों में ग्रे मैटर वॉल्यूम और व्हाइट मैटर इंटीग्रिटी का आकलन
12. गैर-प्रतिक्रियात्मक ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर के उपचार में रिपीटिटिव ट्रांसक्रानियल मैगनेटिक स्टिमुलेशन: उत्तेजना के विभिन्न साइटों की तुलना करने के लिए एक रैंडमाइज़्ड डबल ब्लाइंड समानांतर समूह शम नियंत्रित परीक्षण
13. पहले एपिसोड साइकोसिस में उपचार की प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक के रूप में प्रीफ्रंटल कार्यकारिता के तंत्रिकामनोवैज्ञानिक और तंत्रिकासंज्ञानात्मक मार्कर
14. अवसाद के उपचार में ब्रेन स्टिमुलेशन का प्रभाव: मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर तीव्र और अनुदैर्ध्य प्रभाव का एक डिफ्यूज ऑप्टिकल टोमोग्राफी अध्ययन
15. कार्यकारी कार्यप्रणाली पर कार्य निर्भर प्रभाव की जांच के लिए एनोड ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ लक्षित प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
16. ओपियोड निर्भरता वाले रोगियों में तलब को कम करने के लिए द्विपक्षीय ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ लक्षित प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक पायलट रैंडमाइज़्ड नियंत्रित परीक्षण
17. अल्कोहल निर्भरता में ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) द्वारा प्रेरित पृष्ठीय प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स प्लास्टिसिटी का व्यवहारिक प्रभाव
18. अवसाद के उपचार में मस्तिष्क के स्टिमुलेशन का प्रभाव: मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर तीव्र और अनुदैर्ध्य प्रभावों का एक डिफ्यूज ऑप्टिकल टोमोग्राफी अध्ययन
19. ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर का तंत्रिकीय सहसंबंध और इसके वाशिंग उपप्रकार: एक क्रॉस-सेक्शनल एफ़एमआरआई अध्ययन
20. क्लोज़ापीन थेरेपी पर सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में सीरम मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक स्तरों का अध्ययन और नैदानिक प्रोफ़ाइल के साथ इसका जुड़ाव
21. सिज़ोफ्रेनिया में न्यूरोकेमिकल परिवर्तन, ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर और ऑब्सेसिव कंपल्सिव लक्षणों के साथ सिज़ोफ्रेनिया का तुलनात्मक अध्ययन
22. अवसादग्रस्तता विकारों में मेटाकोग्निटिव थेरेपी

पूर्ण

1. एडीएचडी से पीड़ित बच्चों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल एक्टिविटी: एक फंक्शनल नियर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) अध्ययन
2. 8-18 वर्ष की आयु के एचआईवी संक्रमण से पीड़ित बच्चों में एचआईवी की स्थिति के प्रकटीकरण के साथ भावनात्मक और व्यवहार संबंधी स्वास्थ्य की स्थिति

3. उपचार प्रतिरोधी ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर में ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस): एक ओपेन लेबल परीक्षण
4. लिथियम प्रोफ़ाइलेक्सिस पर बाईपोलर डिसऑर्डर से पीड़ित विषयों में मैग्नेटिक रेसोनेन्स स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए न्यूरोकेमिकल प्रोफाइल : लिथियम प्रतिक्रिया के साथ इस के संबंध का आकलन करना
5. बाईपोलर डिसऑर्डर के रोगियों में लिथियम प्रोफिलैक्टिक थेरेपी से संबंधित ज्ञान, दृष्टिकोण और दवा के अवलंबन का आकलन: नैदानिक वैरिएबलों से संबंध
6. सिज़ोफ्रेनिया के पहले प्रसंग के रोगियों में सीरम बीडीएनएफ का स्तर: एक पायलट अध्ययन
7. सिज़ोफ्रेनिया में सुप्त अवस्था के मात्रात्मक इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक वर्णक्रमीय विश्लेषण का एक पायलट अध्ययन
8. सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों को परिवार द्वारा प्राप्त देखभाल के सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर एक अध्ययन
9. पहले एपिसोड के सिजोफ्रेनिया के रोगी में बीमारी की विकलांगता और देखभाल करने वाले के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक कार्यक्षमता के परस्पर संबंध पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
10. मरीजों और उनकी देखभाल करने वालों के बीच ईसीटी और आरटीएमएस के बारे में ज्ञान और दृष्टिकोण का अध्ययन
11. तृतीयक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल वाले अन्तः रोगी की सेटिंग में गंभीर मानसिक बीमारी के रोगी की देखभाल करने वालों में मानसिक बीमारी और उपचार के बारे में ज्ञान में परिवर्तन का आकलन करना एक केस-कंट्रोल अध्ययन
12. गंभीर मानसिक बीमारी वाले रोगियों और उनकी देखभाल करने वालों में मानसिक बीमारी और उपचार के बारे में ज्ञान के बारे में एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
13. मल्टी-सोमैटोफॉर्म दर्द विकार के रोगियों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक तनाव का प्रभाव: एक एफएमआरआई आधारित केस नियंत्रण अध्ययन
14. साइट्रिक आउटपेशेंट क्लीनिक में हिस्सा ले रहे मनोरोग से संबंधित रोगी में चयनात्मक सेरोटोनिन रीअपटेक अवरोधकों के दुष्प्रभावों का एक अवलोकनीय अध्ययन
15. मैक्सीलेक्टामी के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और मनोवैज्ञानिक संकट पर प्रोस्टोडॉन्टिक रिहैबिलिटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन - एक प्रारंभिक अध्ययन
16. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत स्टाफ नर्सों तथा आईसीयू के विभिन्न रोगियों के बीच प्रलाप की पहचान के बारे में ज्ञान का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
17. टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में अवसाद और चिंता विकार और ग्लाइसेमिक नियंत्रण, जीवन की गुणवत्ता और विकलांगता के साथ इसका संबंध
18. पोस्ट मायोकार्डियल इंफ्रैक्शन रोगियों में कार्डियक अर्रिदमिया के साथ चिंता और अवसाद के संबंध का अध्ययन
19. एम्स, नई दिल्ली में परामर्श संपर्क सेवा के लिए जरूरतों, गुंजाइश और फोकस का आकलन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सिज़ोफ्रेनिया, ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर तथा ऑब्सेसिव कंपल्सिव लक्षणों के साथ सिज़ोफ्रेनिया, में एच1 एमआरएस पर न्यूरोकेमिकल परिवर्तन का एक तुलनात्मक अध्ययन, एन.एम.आर.
2. 12-आइटम प्रुरिटस गंभीरता पैमाने और 5-डिच पैमाने का उपयोग करके क्रोनिक प्रुरिटस की गंभीरता और जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, त्वचाविज्ञान
3. एक प्रायोगिक बहुकेंद्रीय ओपन लेबल सामांतर बाहु आरसीटी यह मूल्यांकन करते हुए कि क्या यागा निकट अधिकतम मुखीय दवाई पर सबऑप्टीमल ग्लाइसेमिक नियंत्रण वाले टाइप 2 मधुमेह वाले रोगियों में इंसुलिन थेरपी के आरंभ को विलंबित कर सकता है एवं/या निकट भविष्य में किसे इंसुलिन थेरपी की आवश्यकता हो सकती है, अंत:स्राविकी
4. लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफरेक्टोमी बनाम ओपन डोनर नेफरेक्टोमी के बाद परिणामों और जीवन की गुणवत्ता की तुलना करने वाला एक संभावित अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग
5. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र, में उन्नत सार्कोमा रोगियों में प्रारंभिक एकीकृत उपशामक देखभाल बनाम नियमित ऑन्कोलॉजिकल देखभाल की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए रेंडमाइज़, टू आर्म, तुलनात्मक, नैदानिक अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
6. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में प्रसवोत्तर परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में आघात के बाद निचले पैर के एम्प्यूटीज़ में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक रेंडमाइज़ नियंत्रण परीक्षण, जेपीएनएटीसी
7. भावी नियन्त्रण के लिए डायनामिक ऑप्टिक एर्रे का उपयोग करते हुए आबंटित तंत्रिका नेविगेशन प्रक्रिया का अध्ययन, फिजियोलॉजी
8. कमॉरबिड एचडीएचडी सहित एवं उसके बिना विशिष्ट लर्निंग डिसऑर्डर (डिस्लेक्सिया) के साथ किशोरों में ऑटोनोमिक कार्यों का अध्ययन, बाल चिकित्सा
9. सामान्य मानसिक विकारों के रोगियों में उपचार में देरी को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
10. खुले जाल हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक पूरी तरह से एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एब्डॉमिनल प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) ग्रोइन हर्निया, की मरम्मत के बाद यौन क्रियाओं की तुलना करने के लिए एक तीन हाथ का रेंडमाइज़ नियंत्रित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
11. भारत में प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार (एमडीडी) उपचार के लिए योग-आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप का एक आनुवादिक रेंडमाइज़ परीक्षण और इसके साथ जुड़े सेलुलर बुढ़ापे के बायोमार्कर का विश्लेषण, शरीर रचना
12. एएडीएआर- डिमेंशिया साइंस प्रोग्राम (डीएसपी), जैवप्रौद्योगिकी

13. विभिन्न उपचार पद्धतियों के बाद क्रोनिक सेंट्रल सीरस कोरियोरेटिनोपैथी रोगियों में शारीरिक और कार्यात्मक परिवर्तन, नेत्र रोग विज्ञान
14. केरेटोप्लास्टी सर्जरी के रोगियों में चिंता, तनाव और अवसाद और जीवन मूल्यांकन की गुणवत्ता, डॉ॰ आरपी सेंटर
15. टाइप 1 डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूराएनाटोमिकल और न्यूरोफैक्शनल असामान्यताओं का आकलन, एंडोक्राइनोलॉजी
16. काउंसलिंग के लिए आईआरसीएच आनुवांशिक क्लिनिक पर आने वाले संदिग्ध पारिवारिक कैंसर के रोगियों के बीच संकट, चिंता और अवसाद के लक्षणों का आकलन, और उन पर आनुवांशिक परामर्श के प्रभाव का विश्लेषण करना: एक संभावित कोहार्ट अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
17. फटे होंठ और तालु वाले बच्चों और किशोरों के बीच भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं और जीवन की गुणवत्ता का आकलन, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र
18. जिला फरीदाबाद, हरियाणा में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन-एक मिश्रित विधि अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
19. माता-पिता के विकास के पैटर्न और उनके बच्चों में पुरानी बीमारी के जोखिम के बीच संबंध-नई दिल्ली बर्थ कोहार्ट में एक अंतर-सरकारी अध्ययन, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
20. डायबिटीज मेलिटस के साथ सामान्य मानसिक विकारों का संघ—उत्तर भारत में सामुदायिक आधारित केस-कंट्रोल स्टडी, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
21. ग्रामीण बल्लभगढ़, उत्तर भारत में वयस्कों (> 30 वर्ष) के बीच दीर्घ कालीन मल्टीमोर्बिडिटी के बोझ और संबद्ध कारक, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
22. केंद्रीय सीरस कोरियोरेटिनोपैथी और ध्यान: कार्यात्मक और रूपात्मक परिणाम अध्ययन, ओपथलमोलोजी
23. भारत में क्लिफ्ट लिप और पैलेट अनामली; नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति: एक अस्पताल-आधारित अध्ययन, मुख्य चरण, सेंटर फॉर डेंटल एंड एजुकेशनल रिसर्च
24. भारत में अवसाद और मधुमेह के लिए सहयोगात्मक देखभाल, एंडोक्राइनोलॉजी
25. दिल्ली के एक शहरी क्षेत्र में किशोरों के बीच सामान्य मानसिक विकार और संबंधित मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
26. स्तन कैंसर के रोगियों में "मल्टीजीन वंशानुगत पैनल परीक्षण" प्रोफाइल की तुलना करना जो आनुवंशिक परीक्षण के एनसीसीएन 2018 के मानदंड को योग्य हैं या नहीं हैं: उत्तर भारतीय जनसंख्या में एक संभावित अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
27. अवसाद, फार्माकोलॉजी के रोगियों में न्यूरोडीजेनरेशन पर एंटीडिप्रेसेंट के प्रभाव की तुलना

28. सहवर्ती पित्त की पथरी और सामान्य पित्त नली की पथरी के रोगियों के एकल चरण बनाम द्वि चरण उपचार के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलना: एक संभावित रेंडमाइज़ नियंत्रण परीक्षण, सर्जिकल शिक्षण
29. सुसाइड नोट की सामग्री का विश्लेषण और भाषाई विश्लेषण, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान
30. आईसीडी-11, ओटावा विश्वविद्यालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा के लिए बौद्धिक और अनुकूली व्यवहार कार्य के प्रस्तावित व्यवहार संकेतकों के अनुरूप सत्यापन
31. जेरिएट्रिक हिप फ्रैक्चर-इंट्रा-म्यूरल फंडिंग में प्रीऑपरेटिव सीएसएफ मेलाटोनिन स्तर और पोस्ट-ऑपरेटिव प्रलाप के बीच सहसंबंध, ऑर्थोपेडिक्स
32. आराम के दौरान कॉर्टिकल स्रोतों और मस्तिष्क आयरन का सहसंबंध, अटेन्शन डेफ़िसिट हाइपर एक्टिव डिसऑर्डर में विज़ुओस्पाटियल कार्यशील स्मृति, फिजियोलॉजी
33. ग्रामीण बल्लभगढ़ में किशोरों में अवसादग्रस्तता विकार: एक समुदाय आधारित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
34. चिकित्सकीय रूप से अस्पष्ट शारीरिक लक्षणों वाले रोगियों के उपचार में प्रभावकारिता का विकास और व्यापक उपचार मॉड्यूल की स्वीकार्यता का मूल्यांकन, काय चिकित्सा
35. अच्छी तरह से नियंत्रित नॉनलेजनल मिर्गी से पीड़ित बच्चों और किशोरों में डीटीआई, एफ़एमआरआई और क्यूईईजी अनुभूति और व्यवहार का सहसंबंध: एक अवलोकन अध्ययन, बाल चिकित्सा, न्यूरोलॉजी
36. दूरबीन प्रतिद्वंद्विता के दौरान सिज़ोफ्रेनिया में भावनात्मक उत्तेजनाओं के पर्सेप्चुअल रिवर्सल के ईईजी माइक्रोस्टेट, फिजियोलॉजी
37. हल्के और मध्यम अवसादग्रस्तता विकारों वाले व्यक्ति पर मानक उपचार की तुलना में योग और ध्यान और जीवन शैली संशोधन के 30 मिनट का प्रभाव, मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन (भारत)
38. मल्टी-सोमैटोफॉर्म विकार के रोगियों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक तनाव का प्रभाव: एक एफएमआरआई आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन, न्यूक्लियर मैगनेटिक रेजोनेन्स
39. नींद और तंत्रिका संबंधी कार्यों पर मोबाइल फोन के उपयोग के कारण ईएमएफ विकिरण का प्रभाव: एक आणविक दृष्टिकोण, कायचिकित्सा
40. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र से गुजरने वाले रोगियों में एआरटी के परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभाव: एक संभावित रेंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
41. ग्लूकोमा मरीजों में ओसीटी एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए ऑप्टिक डिस्क परफ्यूजन पर माइंडफुलनेस आधारित तनाव में कमी (एमबीएसआर) का प्रभाव: एक रेंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण, डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
42. स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन स्कोर और परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की गुणवत्ता पर पैरावर्टिब्रल एनेस्थीसिया का प्रभाव, एनेस्थीसिया

43. निचले अंगों के विच्छेदन में संतुलन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार में वर्चुअल रियलिटी थेरेपी (वीआरटी) का प्रभाव, ट्रॉमा सेंटर
44. टी2डीएम और अवसाद के रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभाव: दो हाथ समानांतर रैंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण, एंडोक्राइनोलॉजी
45. पेडिएट्रिक स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में शल्य क्रिया पश्चात की उल्टी पर प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय का प्रभाव: एक रैंडमाइज़ नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइंड परीक्षण, एनेस्थिसियोलॉजी
46. अवसाद के रोगियों में सेलुलर एजिंग के बायोमार्कर पर योग आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप के प्रभाव, लेबॉरेटरी फॉर मोलिकुलर रीप्रोडक्शन एंड जेनेटिक्स
47. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन घटाने के लिए एक परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता, बाल रोग, आयुष
48. लक्षणों की गंभीरता पर योग की प्रभावकारिता और दर्द से पीड़ित रोगियों के जीवन की गुणवत्ता चिकित्सकीय रूप से अस्पष्टीकृत शारीरिक लक्षण (एमयूपीएस), कायचिकित्सा
49. डायबिटीज मेलिटस टाइप 2 वाले वयस्क रोगियों में खाने के विकारों और उनका चयापचय मापदंडों और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर प्रभाव का मूल्यांकन, एंडोक्राइनोलॉजी
50. निस्टागमस रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन, नेत्र रोग विज्ञान के लिए डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
51. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) के साथ भारतीय महिलाओं में विभिन्न चिकित्सीय तौर-तरीकों के जवाब में व्यापकता, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, कोमॉर्बिडिटी, जोखिम कारक और भिन्नता का मूल्यांकन: भारत भर में एक बहुसांस्कृतिक अध्ययन, एंडोक्राइनोलॉजी
52. गैर-मानसिक विकारों वाले किशोरों में इंटरनेट का अधिक उपयोग: एक केस नियंत्रण अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली
53. एम्स के नए मेडिकल अंडर-ग्रेजुएट छात्रों पर योग लागू करने पर इसके प्रभाव की व्यवहार्यता और कल्याणकारिता, नई दिल्ली, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
54. भारतीय जनसंख्या, में आत्मघाती व्यवहार के साथ साइटोकिन्स की आनुवंशिक संगति, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान
55. सेरोटोनर्जिक रास्ते के जीन की आनुवंशिक बहुरूपता और रोग की गंभीरता के साथ उनके साहचर्य का अध्ययन और प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार (आईजीआईबी) वाले रोगियों में एस्सिटालोप्राम उपचार की प्रतिक्रिया, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी
56. हल्के और मध्यम दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर की पहचान, ट्रॉमा सेंटर
57. दिल्ली विश्वविद्यालय के सार्वजनिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों के भोजन सेवन और आहार की गुणवत्ता पर व्यवहार और स्वभाव का प्रभाव, दिल्ली विश्वविद्यालय
58. पार्किंसंस रोगी के दिमाग में कार्यात्मक और जैव रासायनिक सहसंबंधी मेल्ड संज्ञानात्मक प्रभाव, परमाणु चुंबकीय अनुनाद

59. आकृति विज्ञान, कार्यात्मक, जैव रासायनिक और व्यवहार मूल्यांकन पोस्ट- ईएमएफ़ विकिरण, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद
60. ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर और इसकी धुलाई के उपप्रकार के तंत्रिका सहसंबंध: एक क्रॉस सेक्शनल एफ़एमआरआई अध्ययन, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद
61. सिज़ोफ्रेनिया के साथ रोगियों के लिए तंत्रिका संबंधी पुनर्वास मॉड्यूल, न्यूरोसाइकोलॉजी, सीएन सेंटर
62. एंटीएपीलेप्टिक दवाओं के न्यूरोसाइकिएट्रिक प्रतिकूल प्रभाव: लेवेटरेसिटम पर फोकस, फार्माकोलॉजी
63. नई दिल्ली बर्थ कोहार्ट - फेफड़े के कार्य पर प्रारंभिक जीवन के विकास प्रतिरूपों का आकलन करने के लिए अनुवर्ती अध्ययन, एक पारिवारिक कोहार्ट में कार्डियो चयापचय जोखिम कारक और मानसिक स्वास्थ्य, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
64. निम्न-संसाधन सेटिंग, पेडियाट्रिक्स में टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों में आहार और इंसुलिन का अनुकूलन
65. कैंसर के रोगियों में व्यापक चिंता, अवसाद और संकट को प्रभावित करने वाले प्रसार और कारक: एक संभावित क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन, ओन्को-एनस्थीसिया और पलिएटिव मेडिसिन
66. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में गर्भवती महिलाओं के बीच सामान्य मानसिक विकारों की रोकथाम, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
67. पूर्व-नवजात शिशुओं की माताओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं (चिंता, अवसाद और तनाव प्रतिक्रियाओं) की व्यापकता - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
68. आघात के बाद पैर के विच्छेदन के दौर से गुजर रहे रोगियों में प्राथमिक बनाम देरी से प्राथमिक समापन: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, ट्रामा सर्जरी
69. वृद्ध वयस्कों में पोस्टओपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट की घटना का मूल्यांकन करने वाले संभावित पायलट अध्ययन में आइसोफ्लुरेन और डेस्फ़्लुरेन की तुलना करना, एनेस्थिसियोलॉजी
70. मेश निर्धारण की विभिन्न तकनीकों और वेंट्रल हर्निया के साथ चीरों की लेप्रोस्कोपिक मरम्मत के बाद दीर्घ कालीन परिणाम, पुराने दर्द और जीवन की गुणवत्ता की तुलना में संभावित रेंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन - एक पायलट अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
71. मेश निर्धारण की दो तकनीकों के बाद दीर्घ कालीन परिणाम, पुराने दर्द, जीवन की गुणवत्ता और लागत प्रभावशीलता की तुलना - गैर-शोषक बनाम शोषक से निपटने के संक्रामक और उदर हर्निया की मरम्मत के लिए लेप्रोस्कोपिक मेश में तुलना के लिए संभावित रेंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन, -, शल्य चिकित्सा विभाग
72. गाल स्टोन रोग के रोगियों में एकल चीरा लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के साथ मानक चार बंदरगाह लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के परिणाम की तुलना करने के लिए संभावित रेंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
73. बुजुर्ग, एनेस्थिसियोलॉजी में पोस्ट-ऑपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट की घटनाओं पर इंट्राऑपरेटिव डेक्समेडेटोमिडाइन और लिग्नोकेन प्रबंधन के प्रभावों की तुलना करने वाले संभावित रेंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण।

74. ब्रोन्कियल अस्थमा से पीड़ित बच्चों और किशोरों में मनोचिकित्सा रुग्णता और संज्ञानात्मक कार्य
75. एचआईवी/टीबी सह-संक्रमण, चिकित्सा और माइक्रोबायोलॉजी में मनोरोग रुग्णता
76. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले बच्चों का मनो-व्यवहार और संज्ञानात्मक कार्य: एक समग्र हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास
77. क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और एडीएचडी में ध्यान और हस्तक्षेप के माइक्रोस्टेट्स - एक एन्डोफेनोटाइपिक मार्कर, फिजियोलॉजी
78. क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और एडीएचडी में ध्यान और हस्तक्षेप के माइक्रोस्टेट्स: एक एन्डोफेनोटाइपिक मार्कर, फिजियोलॉजी
79. रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (11 वें संशोधन) पर गुणात्मक अध्ययन अन्वेषण दृष्टिकोण; भारत, स्विट्जरलैंड में मानसिक स्वास्थ्य निदान में सुधार के लिए सजीव अनुभव का उपयोग करना, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा
80. ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर में सेंटीनेल नोड बायोप्सी के साथ बीसीएस और मास्टेक्टॉमी के बाद जीवन की गुणवत्ता, सर्जरी
81. ज़ायगोमैटिको-ओटोसो मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स फ्रैक्चर में सीएडी मॉडल्स द्वारा निर्देशित 3डी प्रिंटेड हाइड्रॉक्सीअपटाइट स्कैफोल्ड पर इस्तेमाल किए गए एडिपोज ऊतकों का उपयोग करते हुए निकाले गए मेसेंकाइमल स्टेम सेल द्वारा पोस्ट-ट्रॉमेटिक फेशियल डिफेक्ट्स की मरम्मत, ट्रॉमा सर्जरी
82. शिशुओं में क्षय की गंभीरता और पैटर्न स्कूल पूर्व के बच्चों के अभिभाव में तनाव और विभिन्न व्यवहार कारकों के साथ इसका संबंध, अस्पताल-आधारित अध्ययन, दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र
83. उन्माद जैसे व्यवहार के चूहे के मॉडल पर घड़ी के जीन का अध्ययन, न्यूरोकैमिस्ट्री
84. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD), फिजियोलॉजी में रेस्ट और विजियोस्पेशियल वर्किंग मेमोरी के दौरान ईईजी और मस्तिष्क आयरन के स्तर के कॉर्टिकल स्रोतों का अध्ययन
85. आणविक और परिधीय रक्त बायोमार्कर का अध्ययन और हल्के और मध्यम दर्दनाक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) प्रेरित संज्ञानात्मक हानि, प्रयोगशाला चिकित्सा का निदान करने के लिए उनकी उपयोगिता
86. तिहाड़ जेल, मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन (भारत) में स्थायी मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं
87. व्यवस्थित चिकित्सा मूल्यांकन, रेफरल और उपचार (स्मार्ट) मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
88. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में उन्नत गैर-छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर में इंटीग्रेटेड सिस्टमैटिक पैलिऐटिव केयर (ISPC) बनाम मानक ऑन्कोलॉजी देखभाल: एक संभावित रेंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण, ओन्को-एनेस्थीसिया एंड पैलीएटिव मैडिसिन
89. कोक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद श्रवण गहन सेंसरिनुरल हियरिंग लॉस रोगियों में श्रवण प्रांतस्था सक्रियता के साथ इन्फ्रा-रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी माप के पास कार्यात्मक सहसंबंधी बनाना, ओटोरिनोलार्यनोलोजी

90. प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स इंट्राऑपरेटिवली तथा सेवोफ्लुरेन से प्रेरित एवं अनुरक्षित बच्चों (2-5 वर्ष) में पोस्टऑपरेटिव एमेर्जेन्स डेलीरियम की घटना में कम सेरेब्रेल रक्त प्रवाह के मध्य संबंध को सुनिश्चित करना: एक एफएनआईआरएस आधारित अवलोकनात्मक अध्ययन, ओंटोरिनोलेरिंगोलॉजी

91. बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी मरीजों के लिए एक ओरल हेल्थ टूलकिट (ओएचटीपीओपी) विकसित करना और बेहतर मौखिक स्वास्थ्य स्थिति और कम मौखिक जटिलताओं बनाम देखभाल के मानक के लिए इसकी प्रभावशीलता की तुलना करना, सेंटर ऑफ डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च

92. पोस्ट ट्रॉमैटिक फेशियल डिसफिगरेशन, जेपीएनएटीसी के साथ रोगियों में संरचनात्मक वसा ग्राफ्टिंग के साथ नरम ऊतक पुनर्निर्माण और वृद्धि के परिणामों का मूल्यांकन करना, ट्रॉमा सर्जरी

93. ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती होने वाले बहुमूत्र रोगियों में अल्पकालिक परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी

94. स्तर 1, ट्रामा सेंटर में श्रोणि फ्रैक्चर वाले रोगियों में उपचार, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करना, ट्रामा सर्जरी

95. स्वास्थ्य, नींद और संज्ञानात्मक कार्यों पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन करना, कायचिकित्सा

96. पल्मोनरी फंक्शंस पर योग के प्रभाव, श्वसन की मांसपेशियों की शक्ति और सहनशीलता, छाती की दीवार की गतिशीलता, सूजन के लक्षण और कुंद छाती के आघात के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और उनके स्तर पर थोरैसिक ट्रैकर सेफ्टी स्कोर के साथ सहसंबंध, ट्रॉमा सर्जरी

97. विभिन्न जैविक नमूनों में शराब और विभिन्न दवाओं के विषैले विश्लेषण और वितरण पैटर्न और आत्मघाती मौतों में उनके न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव, फॉरेंसिक मेडिसिन

98. हल्के और मध्यम अभिघातज मस्तिष्क चोट (टीबीआई) प्रेरित न्यूरोसाइकोलॉजिकल इम्प्रूवमेंट, लेबोरेटरी मेडिसिन की उन्नत पहचान के लिए नवीन चिकित्सकीय सुलभ बायोलॉजिकल सूचकों का अनुवादिक प्रयोग, जेपीएनएटीसी

99. क्रोनिक अनिद्रा विकार, सीआईएमआर वाले विषयों में शिरोधारा (आयुर्वेदिक तेल छोड़ने वाले उपचार) की प्रभावकारिता की जांच के लिए ट्रायल पर दो हाथ समानांतर ओपन-लेबल रेंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण

100. दर्दनाक चोट के बाद न्यूरो-संज्ञानात्मक हानि के प्रारंभिक पूर्वानुमान के लिए एक मार्कर के रूप में नवीन प्लेटलेट्स पर उपयोगिता, ट्रॉमा सेंटर, जेपीएनएटीसी

पूर्ण

1. सिज़ोफ्रेनिया और पार्किंसंस रोग के डोपामाइन तयशुदा स्थितियों में प्रोटीन संकेतों की पहचान के लिए सीएसएफ के प्रोटियोमिक्स, बायोफिज़िक्स

2. स्ट्रोक और ऑब्सेसिव कम्पलसिव डिसआर्डर के मरीजों में में टीएमएस एप्लिकेशन के लिए न्यूरो नेविगेशन का उपयोग करते हुए मस्तिष्क क्षेत्र का वास्तविक समय आईआईटी, दिल्ली

3. जन्मजात हृदय शल्यक्रिया के दौर से गुजर रहे बच्चों और अभिभावकों में व्यापक चिंता और तनाव: संक्षिप्त हस्तक्षेप का प्रभाव, हृद् विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. मरीजों के परिवार के सदस्यों में विटिलिगो के मनोसामाजिक प्रभाव को मापने के लिए एक स्केल का विकास, त्वचाविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. आत्मघाती मौतों के साथ प्रदाहक साइटोकिन्स की एसोसिएशन: एक अस्पताल आधारित तुलनात्मक पार-अनुभागीय अध्ययन, फोरेंसिक विज्ञान और विष विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
6. हाल ही में निदान किए गए सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में अवसाद के लिए नैदानिक और जैव रासायनिक मूल्यांकन (एम्स, इंट्रामुरल रिसर्च ग्रांट द्वारा वित्त पोषित), ईएनटी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. लैब मेडिसिन के प्रमुख अवसाद-विभाग में परिधीय तनाव बायोमार्कर (एस100बी, 8-इसोप्रोस्टेन और 8-हाइड्रॉक्सी-2-डीऑक्सीगोनोसिन) का अध्ययन
8. अवसाद के रोगियों में टीएनएफ़-α [308 जी / ए], आईएल-1β [511 सी / टी], और आईएल-6 [174 जी/सी] जीनों में बहुरूपताओं का अध्ययन: उनकी एसोसिएशन और नैदानिक गंभीरता, लैब मेडिसिन विभाग
9. स्वास्थ्य, नींद और संज्ञानात्मक कार्य पर मोबाइल फोन के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन करना, चिकित्सा विभाग
10. एचआईवी से संबंधित न्यूरोकोग्निटिव गिरावट और मस्तिष्क चयापचय, चिकित्सा विभाग
11. दिल्ली के पब्लिक स्कूलों में अध्ययनरत किशोरों (13-15 वर्ष) के भोजन सेवन पर अवसाद और चिंता के लक्षण, डिपार्टमेंट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय
12. ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रॉमा रोगियों में अल्पकालिक परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना
13. मध्यम टीबीआई के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य पर रेगुलेटरी ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) के प्रभाव का आकलन करना

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 80 सार: 25 पुस्तकों में अध्याय: 15 पुस्तकें: 1

रोगी की देखभाल

- **विशेष क्लिनिक:**

  साइकोसोमैटिक क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

  सामान्य मानसिक विकार क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

  बाल और किशोर मनोरोग विशेषज्ञ सेवाएं

  गंभीर मानसिक विकार क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

  गुरुवार को ब्रेन स्टिमुलेशन / टीएमएस क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

  मंगलवार को सीएन सेंटर में न्यूरोप्सिक्युट्री ओपीडी: सप्ताह में एक बार

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मनोरोग सेवाएं

दोहरी निदान क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

- **बल्लभगढ़ मनोरोग ओपीडी सेवाएं**: 3,974 नए रोगियों और 6,000 पुराने रोगियों को मनोरोग सेवाएं प्रदान की गईं।

- **परामर्श संपर्क सेवाएं**

- **सार्वजनिक व्याख्यान:** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, 9 अक्टूबर 2018 को

विभाग में सुविधाएं (विशेष प्रयोगशालाएँ)

- मस्तिष्क मानचित्रण सुविधा का उन्नयन - मस्तिष्क मानचित्रण के लिए अत्याधुनिक सुविधा के विकास के लिए मौजूदा QEEG प्रणाली में fNIRS प्रणाली जोड़ा गया
- ईसीटी क्लिनिक का उन्नयन - ईसीटी के कामकाज में बेहतर डेटा संग्रह; ईसीटी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए केटामाइन उपयोग की अतिरिक्त उपयोगिता
- इलेक्ट्रोएन्सेफालोग्राफी का उन्नत संकेत विश्लेषण - कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से

सामुदायिक सेवा / शिविर-सामुदायिक सेवा / शिविर

- एम्स, नई दिल्ली; 22 मई 2018: सिज़ोफ्रेनिया पर काबू पाना
- हौज़ खास पुलिस स्टेशन; 7 अगस्त 2018: चिंता का प्रबंधन

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट सिद्धांत

राकेश कुमार चड्डा दक्षिण सूडान में मानसिक अस्पताल डिजाइन करने के लिए भारत सरकार के विशेषज्ञ सदस्य थे। टीम के सदस्य के रूप में साइट निरीक्षण के लिए 2-5 जनवरी 2019 को दक्षिण सूडान का दौरा किया; वेंकोबा राव ओरेशन ने इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री, रोहतक के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 16-18 नवंबर 2018 को दिया; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, भाजपा अंतर्राष्ट्रीय; अध्यक्ष, पुरस्कार समिति, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री, 2018-2021; अध्यक्ष, इंजेक्शन ड्रग उपयोगकर्ताओं पर तकनीकी संसाधन समूह; सदस्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय) के तहत नशा मुक्ति अभियान कार्य बल; सदस्य, शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय) के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयन समिति; सदस्य थे, एम्स, जोधपुर, भुवनेश्वर, गोरखपुर के लिए चयन समिति; स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक; केजीएमयू, लखनऊ; चयन समिति में यूपीएससी के सलाहकार रहे हैं; विभिन्न भूमिकाओं में सहायक एनबीई; सदस्य, डीन (अनुसंधान) समिति।

प्रोफेसर प्रताप शरण एम्स में छात्र कल्याण के प्रोफेसर हैं; आईसीडी-11 मानसिक, व्यवहार और तंत्रिका-संबंधी विकार (2018 के बाद से) के लिए प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समूह

के सदस्य; इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री (आईएएसपी, 2018-2020) के उपाध्यक्ष; और इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (2017-2021) के लिए पीजी मनोरोग शिक्षा उपसमिति का सह अध्यक्ष। वह जर्नल ऑफ़ ईटिंग डिसऑर्डर के वरिष्ठ संपादक हैं; नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के एसोसिएट एडिटर; और निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य: इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री, जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड अडोलेसेंट मेंटल हेल्थ, और जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर; और इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री (2019; 34: 1-90) के पूरक के लिए अतिथि संपादक के रूप में सेवा की। उन्होंने इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ रिसर्च की एडवाइजरी कमेटी में स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट वर्कफ्लो के विकास के लिए काम किया। वह एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार के लिए समिति के मुख्य समन्वयक और एम्स अनुसंधान समिति और एम्स की नैतिक समिति के सदस्य हैं। वह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस (एनआईएमएचएएनएस), बेंगलुरु में चयन समिति के सदस्य हैं; किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ; और विभिन्न एम्स। उन्होंने विभिन्न एम्स में मनोरोग विभाग में पोस्ट-ग्रेजुएशन कोर्स शुरू करने के लिए एक निरीक्षक के रूप में कार्य किया। वह मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूके, वेलकम ट्रस्ट, यूके और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के लिए समीक्षक हैं। उन्होंने जीसस एंड मैरी कॉलेज (नई दिल्ली; 18 जनवरी 2019) के कॉम 'एक्यूमेन 2019 में "मानसिक कलंक और सशक्तीकरण" पर मुख्य भाषण दिया। और इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स कॉन्फ्रेंस (नई दिल्ली; 5-8 अप्रैल 2018) में "पब्लिक वर्कशॉप पर सीओपीई वर्कशॉप" की अध्यक्षता की; न्यूरोमॉड्यूलेशन (नई दिल्ली; 13 मई 2018) पर 2 नेशनल सीएमई में "न्यूरोमॉड्यूलेशन: भविष्य क्या है" पर संगोष्ठी; एनएन डी ओरेशन इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री (रोहतक; 25-18 नवंबर 2018) के 25 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में; और इंडियन साइकिएट्रिक सोसाइटी, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री और एम्स रिसर्च सेक्शन के विभिन्न पुरस्कारों के लिए एक न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। उन्होंने जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, इंडिया के शोध सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया, और लंदन के क्वीन मैरी विश्वविद्यालय के रेजिलिएंट फ्यूचर्स इंडिया इनिशिएटिव के लिए संसाधन व्यक्ति; भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य फाउंडेशन का मानसिक स्वास्थ्य क्षमता निर्माण कार्यक्रम; भूटान नेशनल एनसीडी रिस्क फैक्टर सर्वे (एसटीईपीएस), जैव प्रौद्योगिकी विभाग के बच्चों और किशोरों के लिए हस्तक्षेप पैकेज; और एम्स में "लाइफ केयर पॉलिसी का अंत"। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मनोचिकित्सा संस्थान के मास्टर स्पीकर वीडियोकांफ्रेंसिंग श्रृंखला में भाग लिया। उन्होंने निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए एक सहकर्मी समीक्षक के रूप में कार्य किया: प्लोस वन, बीएमजे ओपन, साइकोलॉजिकल मेडिसिन, साइकोपैथोलॉजी, साइकियाट्री रिसर्च, बीएमसी साइकोलॉजी, एशियन जर्नल ऑफ साइकेट्री, सीएनएस डिसऑर्डर की प्राथमिक देखभाल साथी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ इंडिया मनोचिकित्सा, और इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री। एमडी (मनोरोग) परीक्षा के लिए परीक्षक और विभिन्न राष्ट्रीय केंद्रों के लिए पीएचडी और एमडी (मनोरोग) थीसिस।

राजेश सागर, मनोचिकित्सा विभाग, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के मानद प्रोफेसर थे; सचिव, केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, भारत सरकार के तहत नियामक संस्था), 2005-2018 फिर 2018 में सदस्य के रूप में फिर से चयनित; सदस्य, आचार समिति, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, (डीम्ड विश्वविद्यालय), मानेसर, गुड़गांव, 2010-निरंतर; इंडियन साइकेट्री सोसाइटी, नॉर्थ ज़ोन (जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर) के मुख्य संपादक अक्टूबर 2010-2018; मनोचिकित्सा में विशेष सलाहकार बोर्ड के संयोजक, राष्ट्रीय बोर्ड (डीएनबी), राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली, 2011-2019; सेंट्रल काउंसिल ऑफ होम्योपैथी रिसर्च (सीसीआरएच) की आचार समिति के सदस्य, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 2012-निरंतर; स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2013 और जारी रखने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के लिए मानद सलाहकार; सह अध्यक्ष, भारतीय मनोरोग सोसाइटी, 2018 की जर्नल समिति; विशेषज्ञ समिति के सदस्य, मोबाइल टावरों और हैंडसेटों से संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआरआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, 2014-सतत के तहत ईएमएफ विकिरण एक्सपोजर पर प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए; आईसीएमआर, डीएचआर, सीसीआरएच के लिए परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; राष्ट्रीय समन्वय केंद्र-फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया, भारतीय फार्माकोपिया आयोग के सिग्नल समीक्षा पैनल के विशेषज्ञ सदस्य; सार्वजनिक स्वास्थ्य फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफ़आई-आईईसी) की संस्थागत नैतिकता समिति के विशेषज्ञ सदस्य; दूरदर्शन, डीडी न्यूज, डीडी नेशनल, डीडी किसान, लोकसभा चैनल और रेडियो कार्यक्रम, एफएम रेनबो, एफएम गोल्ड, ऑल इंडिया रेडियो में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; सचिव के रूप में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत, सीएमएचए- तीन केंद्रीय मानसिक संस्थान, यानी सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री (सीआईपी), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज (एनआईएमएचएएनएस), बैंगलोर और एलजीबीआरआईएमएच, तेजपुर, असम का निरीक्षण किया। तैयार विस्तृत रिपोर्ट और मंत्रालय को प्रस्तुत; सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर और 2 अन्य पेपर में सह-लेखक के लिए 2018 में एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया; प्रथम एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस समारोह में एम्स संकाय और जूनियर रेजिडेंट (एमडी / एमएस) श्रेणी द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर में सह-लेखक के रूप में पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार); सचिव के रूप में, सीएमएचए ने एनसीटी दिल्ली के मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों / सुविधाओं का सर्वेक्षण किया और माननीय न्यायालय के आदेश के तहत दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए), एनएएलएसए, सीएमएचए, एसएमएचए के लिए कई बैठकों में भाग लिया; माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशन में मनोरोग से पीड़ित रोगियों के पुनर्वास के बारे में राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों से जानकारी एकत्र करने के लिए प्रारूप के विकास में योगदान; एनएमएचपी के तहत मानसिक स्वास्थ्य में व्यापक मीडिया सामग्री के विकास और विभिन्न बैठकों के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में विशेषज्ञ सदस्य और सलाहकार, कई बैठकें, भारत के लिए आत्महत्या की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय रणनीति का विकास, एनएमएचपी, मानसिक स्वास्थ्य प्राथमिक चिकित्सा का विकास आदि। (एमएचएफ़ए) भारत के लिए, ई-लर्निंग, ग्लोबल डिमेंशिया ऑब्जर्वेटरी, मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 और सीएमएचए नियम और क्षमता मूल्यांकन के तहत नियम और कानून बनाना; स्वास्थ्य देखभाल, आईसीएमआर और डीएचआर के विभिन्न स्तर पर उपयोग करने के लिए

मनोरोग की स्थिति के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ (एसटीडब्ल्यू) के विकास के लिए समूह के विशेषज्ञ सदस्य; चेयरपर्सन के रूप में, नर्सो के लिए 5-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किया और 200 से अधिक नर्सो के 4 बैचों में प्रशिक्षण का संचालन किया; एमसीआई-मई-जुलाई, 2018 के लिए आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत मानसिक स्वास्थ्य विकलांगता के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य

नंद कुमार को इंडो-यूएस के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। 22 मार्च 2018 को केआईआरएएन कार्यक्रम के तहत एसटीईएमएम (डबल्यूआईएसटीईएमएम) घटक में महिलाओं के लिए फैलोशिप; 16 अप्रैल 2018 को दिल्ली सरकार के एनसीटी की जेलों के निवासियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ तिहाड़ कैदी के लिए मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा (पीएफए) सेवाओं पर मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर समर्थ परियोजना के उद्घाटन में हिस्सा लिया; 14 मई 2018 को एनएनडीसी-I नेशनल नेटवर्क ऑफ़ डिप्रेशन सेंटर्स इंडिया के बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त; 11 से 12 जून 2018 तक डीएसटी के तहत कार्यक्रम के विकलांग और बुजुर्ग (टीआईडीई) के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के लिए कार्यक्रम सलाहकार और निगरानी समिति की 15वीं बैठक में भाग लिया; माननीय। 27 दिसंबर 2018 को मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन (भारत) के एक ई-पत्रिका (हिंदी) के लिए संपादकीय निदेशक; 7 फरवरी 2019 को महानिदेशक, आईसीएमआर द्वारा सलाहकार के पद के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में नामांकित।

ममता सूद विशेषज्ञ सदस्य थीं, भारत सरकार ने जुबा, दक्षिण सूडान में मानसिक अस्पताल स्थापित करने के लिए, स्थल निरीक्षण के लिए 2-5 जनवरी 2019 को जुबा, दक्षिण सूडान का दौरा किया; महासचिव, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री; सदस्य, संस्थान शैक्षणिक समिति; एम्स, भुवनेश्वर और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आयुर्विज्ञान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर के लिए सदस्य चयन समिति; चयन समिति में यूपीएससी के सलाहकार।

सुजाता सतपथी: यूनिसेफ और बिहार सरकार की पहल, और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के साथ, मैं बिहार के विभिन्न स्थानों में चाइल्ड केयर संस्थानों में कथित रूप से यौन उत्पीड़न करने वाले 44 बच्चों के मूल्यांकन और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के लिए दो चरणों में एक टीम का नेतृत्व कर रहा था। चरण-I: 23-27 जुलाई 2018; चरण-II: 10-14 अगस्त 2018।

रमन दीप को आईसीएमआर तिलक वेंकोबा राव पुरस्कार मिला; जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर (जेएमएचएचबी) के सहयोगी संपादक के रूप में सेवा की, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, नॉर्थ ज़ोन की आधिकारिक पत्रिका। (अक्टूबर 2010 से अक्टूबर 2018 के बीच); महासचिव, मानसिक स्वास्थ्य और पदार्थ उपयोग (एसपीआरईएमएच) में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सोसायटी।

कौशिक सिन्हा देब: 2019-2020: अध्यक्ष, वेबसाइट समिति, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी।

रोहित वर्मा: आईपीएस के फेलो: इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (आईपीएस) के सदस्य के रूप में स्वीकार किए गए (सदस्यता संख्या 1802832018); एनएएमएस की सदस्यता: भारत के पांडिचेरी में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में स्वीकार किया गया; डॉ. जे. के. त्रिवेदी अवार्ड: "सोशल

साइकियाट्री (एनसीआईएएसपी-2018) के इंडियन एसोसिएशन के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पहले एपिसोड सिज़ोफ्रेनिया: एक खोजपूर्ण अध्ययन" के साथ रोगियों में जरूरतों की देखभाल करने वाले की धारणा के साथ "बीमारी विकलांगता और कामकाज के बीच संबंध" शीर्षक अध्ययन के लिए। 16 से 18 नवंबर, 2018 तक रोहतक, भारत में; डॉ. जीसी बोरल पुरस्कार: इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री (एनसीआईएएसपी-2018) के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "गंभीर मानसिक बीमारी और उनके देखभाल करने वाले रोगियों के बीच बीमारी और इसके उपचार के बारे में ज्ञान पर एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन" शीर्षक से अध्ययन के लिए आयोजित रोहतक, भारत 16 से 18 नवंबर 2018 तक; पत्रिका के सहायक संपादक: संज्ञानात्मक न्यूरोलॉजी के एशियन जर्नल; न्यूरोमॉड्यूलेशन सोसायटी (भारत) के महासचिव और संस्थापक सदस्य।

बिचित्रा नंद पात्रा भारतीय मनोरोग सोसायटी के जीवन साथी सदस्य बन गए; 7 मार्च से 9 मार्च 2019 तक इस्तांबुल, तुर्की में बांगोर विश्वविद्यालय, यूके द्वारा आयोजित अनुसंधान कनेक्ट कार्यशाला आयोजित की गई।

गगन हंस ने हरियाणा के रोहतक में इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री 2018 के 25वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकेट्री की साथी सदस्यता प्रदान की; इंडिया टुडे में 9 सितंबर, 2018 को घरेलू हिंसा पर एक लेख में उद्धृत; एब्सट्रैक्ट शीर्षक "भारत में बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य बर्डन और संसाधन की वर्तमान स्थिति" को 23वीं विश्व कांग्रेस फॉर चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकेट्री एंड एलाइड प्रोफेशन (आईएसीएपीएपी 2018) में स्वीकार किया गया; सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मनोरोग में आईएक्स सेमेस्टर एम.बी.बी.एस. छात्रों की पूर्व-व्यावसायिक परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित; एम्स में नए शामिल स्नातकोत्तर छात्रों के मनोरोग मूल्यांकन के लिए मेडिकल बोर्ड में सेवा की।

रेणु शर्मा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए मेडिकल बोर्ड की सदस्य थीं; बाल अधिकार संरक्षण के लिए राष्ट्रीय आयोग के पैनलिस्ट के रूप में नामांकित।

9-35 i|Yekujh fpfdRlk ,oa fuæk fodkj

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनंत मोहन

सहायक आचार्य

करण मदन विजय हड्डा

पवन तिवारी सौरभ मित्तल

वैज्ञानिक-I

ए. सुरेंद्र नाथ स्नेह अरोड़ा

विशेषताएँ

- विभाग ने पल्मोक्रिट 2019 और अपडेट कार्यशाला का आयोजन किया है, जो भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय सम्मेलनों में से एक है। इस सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया (चित्र 1)।
- विभाग ने गंभीर रूप से बीमार रोगी में एंटीमाइक्रोबियल प्रेस्क्रिप्शन (रोगाणुरोधी पर्चे) के लिए दिशानिर्देश तैयार किए। यह दस्तावेज अत्यंत गंभीर रोगियों में एंटीमाइक्रोबियल्स के चुनाव में चिकित्सकों के लिए मार्गदर्शक का काम करता है। यह दस्तावेज़ आईएससीसीएम के सहयोग से तैयार किया गया था। विशेषज्ञों के रूप में जठरांत्ररोग विज्ञानी, न्यूरोलॉजिस्ट, किडनी रोग विशेषज्ञ, माइक्रोबायोलॉजिस्ट और संक्रामक रोग विशेषज्ञ शामिल थे (चित्र 2)।

चित्र 1

चित्र 2

शिक्षा

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स पल्मोक्रिट 2019: पल्मोनरी, सघन चिकित्सा में अपडेट और अल्ट्रासाउंड पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 28 फरवरी-3 मार्च 2019
2. इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम के सहयोग से अस्थमा और एलर्जी पर इंडो-यूएस संगोष्ठी, एम्स, 14-15 दिसंबर 2018

प्रदत्त व्याख्यान

अनंत मोहन: 23 करण मदन: 27 विजय हड्डा: 12

पवन तिवारी: 5 सौरभ मित्तल: 8

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. गैर-छोटी कोशिका फेफड़ों के कैंसर रोगियों के जीव विज्ञान को समझने के लिए आनुवांशिक परिवर्तनों की व्याख्या, अनंत मोहन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2018, रुपए 25 लाख।
2. मॉडरेटर सैवर्स सीओपीडी के रोगियों में अस्पताल आधारित संरचित पल्मोनरी पुनर्वास कार्यक्रम के बाद चिकित्सीय परिणामों का व्यापक मूल्यांकन तथा क्षेत्रीय स्तर पर कार्यान्वयन के लिए रणनीति, अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपए 38 लाख
3. अस्थमा-चरण III के रोगियों में मोमेटेसनफ्यूरेट की तुलना में क्यूएमएफ-149 की प्रभावकता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक मल्टीसेंटर, यादृच्छिक, 52-सप्ताह का उपचार,

डबल ब्लाइंड, ट्रिपल डमी, समानांतर-समूह अध्ययन, अनंत मोहन, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपए 12.5 लाख।

4. एप्लीकेशन ऑफ द साइंसेज ऑफ ब्रेथोमिक्स इन रेस्पिरेटरी डिसीज, अनंत मोहन, आईसीएमआर-सीएआरई (सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस), 5 वर्ष, 2019-2024, रूपए 5 करोड़
5. एचआईवी संक्रमण के साथ सक्रिय और अव्यक्त टीबी में नवीन बायोमार्कर की पहचान, अनंत मोहन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपए 1.80 करोड़।
6. नए नैदानित स्पुटम के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में तपेदिक (टीबी) को रोकने के लिए वीपीएम1002 और इम्यूवैक वैक्सीन की प्रभावकता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण III, याद्दच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण
7. पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी के मरीज, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, रूपए 1.96 करोड़
8. मेटफोर्मिन को नए नैदानित स्पुटम पॉजिटिव पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस वाले वयस्कों में रिफाम्पिसिन, आइसोनियाजिड, पाइराजिनामाइड और एथाम्बुटोल के साथ दिये जाने पर इसकी एंटी-बैक्टीरियल गतिविधियों, फामाकोकाइनेटिक्स, सुरक्षा तथा सहनीयता के मूल्यांकन हेतु एक फेज IIबी ओपन लेबल याद्दच्छिक परीक्षण: 8 सप्ताह का एक अध्ययन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2018-2020, रूपए 1.5 लाख
9. दिल्ली में तीव्र श्वसन लक्षणों पर बाहरी वायु प्रदूषण का प्रभावः एक बहुआयामी अध्ययन, करण मदन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपए 86.24 लाख
10. दिल्ली वायु प्रदूषण: स्वास्थ्य और प्रभाव (डीएपीएचएनई), करण मदन, डीबीटी
11. गंभीर रूप से बीमार सेप्सिस के रोगियों में प्रतिरक्षा कोशिका रोग और अस्पताल के जोखिम के कारण होने वाले संक्रमण, विजय हड्डा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2020, रूपए 35 लाख
12. सेप्सिस के रोगियों में ल्यूकोसाइट्स के लक्षण और परिणाम का पूर्वानुमान, विजय हड्डा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रूपए 5.5 लाख
13. आरएनटीसीपी श्रेणी I पल्मोनरी तपेदिक के वयस्क रोगियों में रिजोरिन कैप्सूल की सुरक्षा और प्रभावकता की तुलना करने के लिए एक खुला लेबल, याद्दच्छिक, सक्रिय नियंत्रण, नैदानिक परीक्षण, विजय हड्डा, कैडिला, 3 वर्ष, 2018-2020, रुपए 50 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दीर्घकालिक अस्थमा के रोगियों में ड्युपाइलुमैब के प्रभाव एवं सुरक्षा के मूल्यांकन हेतु याद्दच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह चरण 3 अध्ययन
2. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में फेफड़ों के कैंसर वाले रोगियों में क्लिनिको-पैथोलॉजिकल प्रोफाइल और परिणामों का एक अवलोकनात्मक अध्ययन

3. तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में दीर्घकालिक फेफड़ों के विकारों की टीबी के पश्चात नैदानिक प्रोफाइल, फुफ्फुसीय कार्य और रोगियों के जीवन की गुणवत्ता
4. ईबीयूएस-टीबीएनए के दौरान विभिन्न सक्शन दबावों का उपयोग करते हुए नमूना पर्याप्तता की तुलना: एक यादृच्छिक परीक्षण
5. पूर्वानुपचारित एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी के प्लाज्मा ड्रग लेवल का निर्धारण और उपचार के परिणाम से इसकी तुलना
6. एंडोब्रोनकियल अल्ट्रासाउंड गाइडेड ट्रांसब्रोनियल नीडल एस्पिरेशन के दौरान मीडियास्टिनल लिम्फ नोड की सोनोग्राफिक और अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी विशेषताओं की नैदानिक उपयोगिता
7. नाक की लचीली ब्रोन्कोस्कोपी के दौरान जाइलोमेटाजोलिन देने का प्रभावः एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण
8. ब्रोन्किइक्टेसिस के वयस्क रोगियों की एटियोलॉजिक और नैदानिक प्रोफाइल
9. लचीली ब्रोन्कोस्कोपी के दौरान सामयिक वायुमार्ग ऐनेस्थीसिया हेतु नेबुलाइज्ड लिग्नोकेन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के बीच खराब परिवेशी वायु गुणवत्ता और स्वास्थ्य संकेतकों के बीच संबंध का मूल्यांकन करने के लिए संभावित समुदाय-आधारित अध्ययन
11. परिवेशी वायु गुणवत्ता में अल्पावधि विविधताओं के साथ दैनिक आपातकालीन दौरे के सहसंबंध पर पूर्वव्यापी अध्ययन
12. केंद्रीय वायुमार्ग अवरोध के लिए विभिन्न हस्पक्षेप प्रक्रियाओं के बाद परिणामों का अध्ययन
13. एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी के रोगियों में एंटी ट्यूबरकुलर दवाओं के प्लाज्मा स्तर का अध्ययन
14. फेफड़ों के कैंसर के लिए विभिन्न ब्रोन्कोस्कोपिक प्रक्रियाओं के नैदानिक परिणामों का अध्ययन
15. एंडोब्रोनोकियल अल्ट्रासाउंड गाइडेड ट्रांसब्रोन्कियल नीडल एस्पिरेशन (ईबीयूएस-टीबीएनए) के दौरान लोकल एनेस्थेशिया के लिए ट्रान्सक्रीकॉयड इंजेक्शन बनाम "स्प्रे एज यू गो" और लचीली ब्रोन्कोस्कोपी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
16. मध्यम से गंभीर इडियोपैथिक अंतरालीय निमोनिया के रोगियों में ट्रांसडायफ्रैग्मैटिक प्रेशर (पीडीआई) का पूर्वानुमान लगाने में अल्ट्रासाउंड और स्पाइरोमेट्री के प्रयोग की उपयोगिता

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर के इलाज के लिए औषधिरोधी ईजीएफआर किनेज के प्रति नैनोमेडिसिन दृष्टिकोण, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी विभाग, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा
2. त्वचा से तपेदिक का पता लगाने के लिए एड़ेसिव सेंसर, प्रयोगशाला चिकित्सा

3. भारत में व्यावसायीकरण के लिए सक्रिय तपेदिक (टीबी) के सभी रूपों के लिए रक्त परीक्षण, प्रयोगशाला चिकित्सा
4. सामान्य, पल्मोनरी, ओस्टियोमाइलाइटिस और ओस्टियोआर्टिकुलर तपेदिक विषयों से साइटोकिन्स, मैट्रिक्स मेटलोप्रोटिनेज और बोन मार्करों की तुलना, अस्थिरोग विभाग
5. दूरस्थल स्वास्थ्य चिकित्सा वितरण प्रणाली का विकासः शुरुआती निदान, चिकित्सा, जांच करना और एनसीडी (हृदय-फुफ्फुसीय) के लिए निवारण चिकित्सा, प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी एवं जेनेटिक्स विभाग, एम्स
6. इन विट्रो निदान हेतु उच्च संबंध एंटीबॉडी के लिए प्लेटफ़ॉर्म तकनीकों का विकास, प्रयोगशाला चिकित्सा
7. ट्यूबरकुलोसिस वैक्सीन डेवलपमेंट (एसटीआरआईटीयूवीएडी) में सिलिको परीक्षण: टीबी, डीबीटी के विरूद्ध 2 चिकित्सीय टीकों की सुरक्षा, प्रतिरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक चरण II चिकित्सा परीक्षण
8. सक्रिय तपेदिक के लिपिड-आधारित इम्यूनोडायग्नोस्टिक्स, प्रयोगशाला चिकित्सा
9. ईजीएफआर पर नैनोबॉडी-रोधकों का संरचना आधारित डिजाइन: फेफड़े के कैंसर के लिए नये उपचार के विकास के प्रति प्रोटीन इंजीनियरिंग दृष्टिकोण, जीव विज्ञान, शिव नादर विश्वविद्यालय, सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश
10. म्युटेंट (उत्परिवर्ती) ईजीएफआर वाले दवारोधी ट्यूमर पर लक्षित: नॉन-स्मॉल कोशिका फेफड़े के कैंसर के उपचार हेतु अत्याधुनिक आणविक दृष्टिकोण, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली
11. रक्त आधारित जीन संकेतकों का उपयोग करते हुए एक्सट्रा पल्मोनरी स्थान पर तपेदिक के अंतरीय निदान की ओर, अस्थिरोग विभाग
12. *माइकोबैक्टीरियम तपेदिक* संक्रमण पर कारकों में सहनशीलता के तंत्र को समझने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, प्रयोगशाला चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 52 सारः 7 पुस्तकों में अध्यायः 1

रोगी देखभाल

पल्मोनरी मेडिसिन ओपीडी

नए मामले	10,525	पुराने मामले	23,578
कीमोथेरेपी प्रक्रियाएं	3,994		

लंग कैंसर क्लीनिक

नए मामले	217	पुराने मामले	2,189

संयुक्त पल्मोनरी सर्जरी क्लीनिक

नए मामले	147	पुराने मामले	673

निद्रा विकार क्लीनिक

नए मामले	72	पुराने मामले	310

आईएलडी/पीएएच क्लीनिक

नए मामले	142	पुराने मामले	1,465

प्रयोगशालाएं

श्वसन प्रयोगशाला

स्पिरोमेट्री प्रक्रियाएं	12,440	प्रसार क्षमता का आकलन	2,570
बॉडी बॉक्स (प्लिथस्मोग्राफी) माप	452	एमआईपी, एमईपी	415
एफओटी/आईओएस	242		

ब्रोंकोस्कोपी प्रयोगशाला

फाइबरऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी प्रक्रियाएं	1,787	एंडोब्रोकियल अल्ट्रासाउंड	722
थोरैकोस्कोपी	62		
क्रायोथेरेपी	12	स्टेन्टिंग	48
रिजिड थोरैकोस्कोपी	119	इलेक्ट्रोकौट्री	4

निद्रा प्रयोगशाला

पॉलीसोम्नोग्राफी अध्ययन	490	सीपीएपी टाइट्रेशन	450

एलर्जी परीक्षण

सीपीईटी	178	एफईएनओ	645
छह मिनट वॉक टेस्ट	1,160	स्किन प्रिक टेस्ट	46
कुल आईजीई स्तर	2,845	एस्परजिलस आईजीई स्तर	2,560
एस्परजिलस आईजीजी स्तर	655		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर अनंत मोहन स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे - गंभीर प्रतिकूल घटनाएँ, जुलाई 2016 से ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत), सितंबर 2016 से "स्पेशल सेंटर फॉर मोलिक्यूलर मेडिसिन" की विशेष समिति के सदस्य, जेएनयू, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एनवायर्नमेंटल हेल्थ, भोपाल में "पर्यावरण विज्ञान" टास्क फोर्स के सदस्य, सदस्य सचिव, इंडियन चेस्ट सोसाइटी (दिल्ली-एनसीआर अध्याय); मार्च 2019 से इंडियन एसोसिएशन ऑफ ब्रोंकोलॉजी के संयुक्त सदस्य-सचिव; श्वसन रोगों के लिए कार्य योजना तैयार करने हेतु आईसीएमआर समिति के सदस्य, 2018-2019

9-36 fofdj.kfunku

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरूण कुमार गुप्ता

आचार्य

दीप नारायण श्रीवास्तव | राजू शर्मा

संजय थुलकर (आई.आर.सी.एच.) | संजय शर्मा (आर.पी.सी.)

आशु सेठ भल्ला | स्मृति हरि

शिवानन्द गामनगट्टी (ट्रामा सेंटर) | अतिन कुमार (ट्रामा सेंटर)

सह-आचार्य

चन्दन जे. दास | मधुसुधन के.एस.

सुरभि व्यास | मनीषा जेना

देवसेनाधिपति कण्डासामी | चन्द्रशेखर एस.एच. (आई.आर.सी.एच.)

सहायक आचार्य

स्मिता मनचंदा | अंकुर गोयल | प्रियंका नारंजी

मुकेश यादव (आई.आर.सी.एच.) | एकता धमीजा (आई.आर.सी.एच.)

वैज्ञानिक IV

शशि बी. पॉल

मुख्य तकनीकी अधिकारी (समूह क)

ब्रहम सिंह | रेनू सूरमा

विशिष्टताएं

विभागीय संकाय सक्रिय रूप से रोगी देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान में लगा हुआ था। विभाग ने विभिन्न इमेजिंग प्रक्रियाओं के लिए प्रतीक्षा अवधि को कम करने के लिए एक ठोस और सफल प्रयास किया। सभी जांचों की रिपोर्टिंग वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक है और कार्य-स्थलों पर की जाती है। इस अवधि के दौरान एक फ्लैट पैनल डिजिटल सब्सट्रेक्शन एंजियोग्राफी मशीन, चार अल्ट्रासाउंड मशीनें, और एक सी-आर्म फ्लोरोस्कोपी मशीन विभाग के नैदानिक उपचार साधनों में जोड़ा गया। विभाग ने सीटी और एमआर इमेजेस की बनावट के विश्लेषण के लिए एक अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर और हड्डी की अवस्था के आकलन के लिए एक अन्य सॉफ्टवेयर भी प्राप्त किया है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न क्रमिक चिकित्सा शिक्षा तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 170 से अधिक व्याख्यान दिए। संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगे रहे, और विभिन्न सूचीबद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 116 शोध पत्र और रेडियोलॉजी की पाठ्यपुस्तकों में 55 अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने रेडियोलॉजी पर दो पुस्तकों का संपादन भी किया। भारत और विदेशों में विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 102 पोस्टर और मौखिक पेपर प्रस्तुत

किए गए। विभाग के संकाय सदस्य 5 अलग-अलग वित्त पोषित परियोजनाओं में प्रमुख अन्वेषक रहे। इसके अलावा, वे 21 जारी विभागीय परियोजनाओं और अन्य नैदानिक विभागों के साथ लगभग 100 सहयोगी परियोजनाओं में भी शामिल थे। विभाग ने इस अवधि के दौरान 2 क्रमिक चिकित्सा शिक्षा आयोजित किए जिनमें देश भर के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इसकी सराहना की।

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

विभाग के संकाय स्नातक-पूर्व छात्रों के शिक्षण में सक्रिय थे। इस अवधि में संकाय ने कुल 60 व्याख्यान दिए।

स्नातकोत्तर

इस अवधि के दौरान विभाग में कुल 25 जूनियर रेजिडेंट थे, जिनमें 6 नए भी थे।

स्नातकोत्तर छात्रों के लिए लगभग 35 सेमिनार, 35 जर्नल क्लब, 70 केस चर्चा, 70 दिलचस्प फिल्म सत्र और 80 व्याख्यान जैसी शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की गई।

विभाग ने इस अवधि में देश भर के कुल 5 रेडियोलॉजिस्टों को अल्पकालिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया।

बीएससी (ऑनर्स) विकिरण विज्ञान में चिकित्सा तकनीक

यह पाठ्यक्रम तीन वर्ष का है, और कुल 29 छात्र यह कोर्स कर रहे हैं।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा का आयोजनः

1. "आईआर प्राइमर" पर दूसरा एम्स इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी कोर्स, 14-15 अप्रैल 2018
2. "वक्ष संक्रमण की जाँच" पर एम्स विकिरण विज्ञान पाठ्यक्रम, 4-5 अगस्त 2018

प्रदत्त व्याख्यान

दीप नारायण श्रीवास्तवः 7	राजू शर्माः 24	संजय शर्माः 3
आशु सेठ भल्लाः 24	स्मृति हरिः 9	शिवानंद गामनगट्टीः 11
अतीन कुमारः 12	चंदन जे दासः 6	मधुसूदन केएसः 7
देवसेनाथिपथि कंदासामीः 16	मनीषा जैनाः 2	सुरभि व्यासः 9
स्मिता मनचंदाः 11	अंकुर गोयलः 12	प्रियंका नारंजीः 16
शशि बी. पॉलः 1		

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुत: 102

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1 चिकित्सकीय जाँच का उपयोग करके सहयोगात्मक डिजिटल निदान प्रणाली (कोलैबाडीडी) का प्रायोगिक कार्यान्वयन, अरुण कुमार गुप्ता, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 वर्ष, 2016-2018, 49 लाख रुपए
2 वृक्क प्रत्यारोपण रोगी में गुर्दे की तीव्र क्षारीयता का आकलन करने के लिए डिफ्यूजन टेन्सर इमेजिंग (डीटीआई), चंदन जे दास, डीएसटी, 2 वर्ष, 2016-18, 23 लाख रुपए
3 नेक मासेस की विशेषज्ञता में एमआर द्रव निवेशन की वृद्धि की भूमिका का मूल्यांकन, स्मिता मनचंदा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018 1 लाख रुपए

पूर्ण

1. शुरुआती शल्य चिकित्सा के बाद की अवधि में कंट्रास्ट-अल्ट्रासाउंड और इलास्टोग्राफी द्वारा ग्राफ्ट किडनी का मूल्यांकन, अंकुर गोयल, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. रीढ़ संबंधी बीमारियों में त्वचा प्रवेशी जाँच आधारित अंतःक्षेपी विकिरण विज्ञान प्रक्रियाएं
2. अग्नाशय समूह में उन्नत सीटी और एमआर तकनीकों की भूमिका
3. सीईयूएस और इलास्टोग्राफी का उपयोग करके नरम ऊतक वाहिका विसंगतियों का मूल्यांकन
4. प्रसूति संबंधी रक्तस्राव में अंतःक्षेपी विकिरण की भूमिका
5. ग्रीवा संहति की जाँच में कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड और एमआर परफ्यूज़न की भूमिका
6. स्तन कैंसर रोगियों में नवसहयोगी रसायनचिकित्सा के बाद प्रहरी लसीका नोड बायोप्सी की नैदानिक यथार्थता बढ़ाने में कर्तित उपचार-पूर्व धनात्मक कक्षीय लसीका नोड़ों को हटाने और अल्ट्रासाउंड से प्राप्त वायर लोकलाइजेशन की भूमिका
7. स्तनशोथ बनने वाले चिरकालिक संहति की बहुवृत्ति जाँच का मूल्यांकन हेतु निर्धारण करने में अल्ट्रासाउंड निर्देशित कोर नीडल बायोप्सी की भूमिका
8. श्रेणि-विभंग रोगियों में नैदानिक परिणाम मूल्यांकन हेतु जाँच की भूमिका
9. शिशु ब्राचियल प्लेक्सोपैथी में इमेजिंग
10. सीईयूएस और इलास्टोग्राफी का उपयोग करके कोमल ऊतक वाहिका विकारों का मूल्यांकन
11. फाइब्रॉडिपोज वाहिका विकार: लाक्षणिक-विकिरण-विकृतिजन्य विशेषताओं और इस नई चीज के परिणामों का व्यापक विश्लेषण
12. निम्न-प्रवाह वाहिका विकारों में काठिन्य कर चिकित्सा: तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में वर्तमान प्रथाओं की नैदानिक प्रभावशीलता का आकलन
13. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में उन्नत एमआरआई और अल्ट्रासोनोग्राफी की भूमिका
14. बिलियो-एंटरिक एनास्टोमोटिक संरचनाओं का प्रबंधन: त्वचा प्रवेशी हस्तक्षेपों की भूमिका
15. योजक ऊतकों से संबंधित अंतरालीय फेफड़े की बीमारी में एमआरआई और फेफड़े के अल्ट्रासोनोग्राफी का सहसंबंध
16. स्पष्ट रूप से अज्ञातहेतुक अंतरालीय फेफड़ों के रोगों के निदान में एचआरसीटी की भूमिका

17. अपने परिवार को पूरा कर चुके रोगियों में रोगसूचक गर्भाशय फाइब्रॉइड के लिए गर्भाशय धमनी अंतःशल्य श्रयण बनाम उदर हिस्टेरेक्टॉमी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
18. कार्सिनोमा स्वर यंत्र को लगाने में स्प्लिट-बोल्टस ड्यूअल एनर्जी सीटी का मूल्यांकन
19. पूर्ण क्षेत्र डिजिटल स्तनचित्रण पर असामान्यताओं का पता लगाने और वर्गीकरण के लिए गहन शिक्षण
20. स्तन कैंसर के रोगियों में, नव सहयोगी रसायनचिकित्सा की शुरुआती प्रतिक्रिया का पता लगाने में, विभेद वर्धित अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता
21. बाल चिकित्सा बड शियारी सिंड्रोम में जाँच और हस्तक्षेप

पूर्ण

1. पुरानी कम पीठ दर्द में उन्नत एमआर इमेजिंग और इमेजिंग निर्देशित हस्तक्षेप
2. ऊपरी अंग की आघातजन्य चोटों के मूल्यांकन और प्रबंधन में उच्च आवृत्ति सोनोग्राफी की भूमिका
3. थाइमिक घावों की ड्यूअल एनर्जी सीटी और एमआर मूल्यांकन
4. प्राथमिक हाइपरपैराट्रोइडिज्म (एचपीटी) के रोगियों में पैराथाइराइड घावों के स्थानीयकरण में 4डी सीटी, 4डी एमआरआई और फ्लूरोकोलीन पीईटी की तुलना
5. चिरकालिक यकृत रोगियों में लिवर फाइब्रोसिस के मूल्यांकन में ड्यूअल एनर्जी कम्प्यूटेड टोमोग्राफी की भूमिका
6. तीव्र दर्दनाक गर्भाशय ग्रीवा की चोट में एमआरआई की नैदानिक और रोगनिरोधी भूमिका
7. निदान संबंधी पूर्वानुमान में शियर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका और नवजात शिशु / शैशवकालीन पित्त संबंधी यकृत रोगों हेतु अनुवर्ती देखभाल
8. क्रोनिक कैविटी की फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस की इमेजिंग विशेषताओं की पहचान करना और टीबी सीकेले और हेमोप्टीसिस के बाद के रोगियों में डीईसीटी पर सरल एस्परगिलोमा से अंतर करना।
9. स्तन कैंसर के रोगियों में नवसहयोगी रसायनचिकित्सा के बाद रेसिडुवल ट्यूमर बर्डन के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका
10. एमआरआई और/या हिस्टोपैथोलॉजी सहसंबंध के साथ गर्भाशय पैथोलॉजी के मूल्यांकन में शियर वेव सोनो-इलास्टोग्राफी की व्यवहार्यता का मूल्यांकन
11. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मल्टी-पैरामीट्रिक एमआरआई और जीए-68 पीएसएमए पीईटी स्कैन की भूमिका
12. पित्त बाधा के प्रबंधन में दाएं तरफा बनाम बाएं तरफा परक्यूटेनियस पित्त जल निकासीः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
13. जिगर के पुरानी बीमारी के रोगियों में जिगर फाइब्रोसिस के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा की गणना टोमोग्राफी

14. थाइमिक लेसियन का एमआरआई मूल्यांकन
15. ऊपरी अंग की दर्दनाक चोटों के मूल्यांकन और प्रबंधन में उच्च आवृत्ति सोनोग्राफी की भूमिका
16. स्तन कैंसर के रोगियों में नव-सहायक रसायन चिकित्सा की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में शियरवेव की इलास्टोग्राफी की भूमिका

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय जनसमुदाय में यूनीकंपार्टमेंटल घुटने के प्रतिस्थापन की सुरक्षा, उपयुक्तता और नैदानिक प्रभाव (यूकेआईईआरआई-डीएसटी), अस्थिरोग विज्ञान विभाग
2. भारतीय और पश्चिमी आबादी में पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में अंतर को समझनाः लक्षण, उपचार के विकल्प और उनके परिणाम (यूकेआईईआरआई-डीएसटी), अस्थिरोग विज्ञान पर प्रभाव
3. गंभीर अग्नाशयशोथ के रोगियों में, स्यूडोसिस्ट / बंद नेक्रोसिस के लिए सिस्टोगैस्ट्रोस्टॉमी के बाद असम्बद्ध अग्नाशय वाहिनी सिंड्रोम असामान्य और स्पर्शोन्मुख होता है, जठरांत्ररोग विज्ञान
4. क्रोहन्स डिजीज में पेरी अनल फिस्टुला में स्टीम सेल थेरेपी, जठरांत्ररोग विज्ञान
5. ईडीओपेथिक हाइपोपौराथायरोडिज्म में चिकित्सीय हस्तक्षेप करने के तरीके और मल्टीसिस्टम जटिलताओं का आकलन, अंतःस्त्राविकी विज्ञान
6. मायस्थेनिया ग्रेविस हेतु सब-जिफ़ोइड वीडियो की सहायता और थायमेक्टॉमी की व्यवहार्यता तथा सुरक्षा: एक पायलट अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
7. छोटे आंत वाली क्रोहन रोग की संरचना और फिस्टुलाइजिंग में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी की प्रभावकारिता और सहनशीलता, जठरांत्ररोग विज्ञान
8. उत्तर भारत में एनएएफएलडी का प्रभाव एवं कार्डियो-मेटाबोलिक जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, अंतःस्त्राविकी विज्ञान
9. सीनो-नसल और खोपड़ी आधारित आक्रामक फंगल रोगों के परिणामों के पूर्वानुमान हेतु विभिन्न नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का मूल्यांकन: एक वर्णनात्मक अध्ययन, ऑटोरिनोलेरिंगोलोलॉजी - सिर एवं गर्दन शल्यक्रिया विज्ञान
10. ओल्फक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा के रोगियों में ओकल्ट लिम्फनोड मेटास्टेसिस की आवृति के मूल्यांकन हेतु संभावित प्रायोगिक अध्ययन, कान, नाक, गला विज्ञान - सिर एवं गर्दन शल्यक्रिया विज्ञान
11. वयस्कों में गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड में अज्ञात हेड और नेक प्राइमरी का मूल्यांकन, ऑटोरिनोलेरिंगोलोलॉजी - हेड एंड नेक सर्जरी
12. विल्केस श्रेणी III के रोगियों में टीएमजे डिस्क प्लेसेशन के लिए पारंपरिक तकनीक के साथ माइटक मिनी एंकर सिवनी तकनीक की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ओरल और मैक्सिला-फेशियल सर्जरी
13. हेड और नेक के पैरेन्ग्लिओमोमा में एसडीएच-एक्स जीन म्युटेशन: एक क्लिनिको पैथोलॉजिकल अध्ययन, ऑटोरिनोलेरिंगोलोलॉजी - हेड एंड नेक सर्जरी

14. विटामिन डी स्तर का नैदानिक रेडियोलॉजिकल सहसंबंध और एलर्जीक नेजल पोलीपोसिस और बार-बार नेजल पोलीपोसिस, के मामले में रोग की गंभीरता के साथ इम्यून मार्कर ऑटोरिनोलेरिंगोलोलॉजी - हेड एंड नेक सर्जरी
15. अतिरिक्त-फुफ्फुसीय टीबी (लिम्फ नोड्स और फुफ्फुस बहाव) के साथ रोगियों में एंटी-ट्यूबरकुलर दवाओं के प्लाज्मा दवा के स्तर का निर्धारण और उपचार परिणामों के साथ इसका संबंध, पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार
16. ब्रोन्किइक्टेसिस से पीड़ित वयस्क रोगियों की इटियोलॉजी और नैदानिक प्रोफ़ाइल पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर
17. तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सुविधा में फेफड़े के कैंसर के लिए विभिन्न ब्रोन्कोस्कोपिक प्रक्रियाओं के नैदानिक पैदावार के पूर्वानुमानकर्ताओं का एक अस्पष्ट सहसंयोजक अध्ययन, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर
18. जुवेनाइल नासोफेरीन्जियल एंजियोफिब्रोमा सर्जरी वाले रोगियों में 68 जीए-पीएसएमए स्कैन की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन, ऑटोरिनोलेरिंगोलोलॉजी-हेड एंड नेक
19. स्कल बेस ऑस्टियोमाइलाइटिस के रोगियों में नैदानिक सुविधाओं और उपचार के परिणामों का मूल्यांकन, ऑटोरिनोलेरिंगोलोलॉजी-हेड एंड नेक
20. 3डी-मॉडल असिस्टेड मेश अनुकूलन बनाम पारंपरिक तकनीक में ऑर्बिटल फ्लोर फ्रैक्चर, ओरल और मैक्सिला-फेशियल सर्जरी के पुनर्निर्माण में पारंपरिक तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण
21. कोबलेशन असिस्टेड एंडोस्कोपिक एक्सीजन ऑफ जुवेनाइल नेसोफेरींगील एंजीयोफिब्रोमाः एक प्रॉस्पेक्टिव पायलट स्टडी (ईएनटी, ऑटोरिनोलेरिंगोलोलॉजी-हेड एंड नेक सर्जरी
22. कम्पैरिजन ऑफ आउटकम्स इन पोस्ट कोचलियर इम्प्लांटेशन चिल्ड्रन विद एंड विदाउट कंजेनिटल इनर इयर मैलफोर्मेशन, ई.एन.टी. – हेड एंड नैक सर्जरी
23. ऑपरेबल स्तन कैंसर वाली महिलाओं में प्रहरी नोड का पता लगाने के लिए फ़्लुएंसिन प्लस मेथिलीन ब्लू बनाम टेक्नेटियम सल्फर कोलाइड प्लस की पहचान दर की तुलना, शल्य चिकित्सा
24. ऑपरेटिव स्तन कैंसर वाली महिलाओं में एक्सिला की व्यवस्थित प्रबंधन रणनीति - नोड पॉजिटिव रोगियों के यादृच्छिककरण के साथ स्तर 1 बनाम पूर्ण अक्षीय लिम्फ नोड विच्छेदन, शल्य चिकित्सा
25. नवजात शिशु रसायन चिकित्सा के बाद पूर्ण नैदानिक छूट के साथ स्तन कैंसर के रोगियों में पैथोलॉजिकल पूर्ण छूट प्राप्त करने में रेडिकल रेडियोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन - एक श्रेष्ठता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जरी
26. स्तन कैंसर में स्तन संरक्षण सर्जरी द्वारा निर्देशित पारंपरिक पल्पेशन के साथ द्वारा इंट्रा-ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एक्सीजन गाइडेड एक्सिशन के बाद कॉस्मेटिक आउटकम और रिसेक्शन मार्जिन की तुलना में पैल्पेशन की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जरी
27. प्रारंभिक स्तन कैंसर में एक्सजीलेरी सेंटीनेल लिम्फनोड ऊतकों के प्रोटियोमिक्स: सर्जिकल हस्तक्षेप का मार्गदर्शन करने के लिए बायोमार्कर की पहचान के लिए इंप्लीकेशन, सर्जरी

28. स्तन कैंसर के लिए धातु ट्यूमर मार्कर क्लिप: डिजाइन, विकास और नैदानिक निहितार्थ, रेडियोडायग्नोसिस, आईआरसीएच
29. मातृ, नवजात और शिशु विज्ञान के लिए अंतर संस्थागत कार्यक्रम- प्रीटर्म बर्थ का अध्ययन करने के लिए एक अनुवाद दृष्टिकोण, बाल चिकित्सा
30. ट्रिपल नकारात्मक / एचईआर-2 न्यु पॉजिटिव स्तन कैंसर के रोगियों में प्रतिरक्षा प्रणाली और पीडीएल 1 की अभिव्यक्ति के ट्यूमर घुसपैठ की ट्यूमर की इम्यूनो-फेनोटाइपिक प्रोफाइल और नवजात कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ उनके सहसंबंध, पैथोलोजी
31. ओस्टियोसारकोमा और ईविंग सारकोमा, ऑर्थोपेडिक्स के मेटास्टेटिक रोग के मूल्यांकन हेतु संपूर्ण शरीर की एमआरआई, अस्थिरोग विज्ञान
32. भ्रूण की विकृतियों के मूल्यांकन में न्यूनतम इनवेसिव ऑटोप्सी (एमआईए) और स्टिलबर्थ्स, बाल रोग चिकित्सा
33. बहुत कम वजन के नवजात शिशुओं में अपरिपक्व मस्तिष्क की चोट (पेरिवेंटिकुलर लुकोमालासिया और/या अंतर्निलयी संवहन रक्तस्त्राव) की घटना और जोखिम कारकों (एवं 1टी; 32 सप्ताह का जेस्टेशन या एवं 1टी; 1500 ग्राम जन्म का वजन): एक भावी कोहॉर्ट अध्ययन, बाल रोग चिकित्सा
34. तीव्र अग्नाशयशोध के बाद परिगलन के लिए लेप्रोस्कोपिक बनाम एंडोस्कोपिक जल निकासी की तुलना में एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण, सर्जरी विभाग
35. ए रेंडोमाइज्ड शैम कंट्रोल्ड क्लीनिकल ट्रायल ऑफ टार्गेटेड लौ फ्रीक्वेंसी रेपेटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन इन चाइल्डहुड फोकल ऑनसेट रिफ्रैक्टरी एपिलेप्सी, डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक्स
36. 1 महीने से 18 वर्ष के बच्चों में पेरिफेरल हाइपोटोनिया वाले बच्चों में मांसपेशियों का अल्ट्रासाउंड, बाल रोग विभाग
37. इवैल्यूएशन ऑफ चेंजेस इन मीजर्ड जीएफआर, इकोकार्डियोग्राफी, मार्कर्स ऑफ बोन मिनरल मेटाबोलिज्म एंड कैरोटिड इंटिमा मीडिया थिकनेस आफ्टर रीनल डोनेशन, नेफ्रोलॉजी विभाग
38. डीटीआई, एफएमआरआई एंड क्यूईईजी कॉरेलेट्स ऑफ कॉग्निशन एंड बिहेवियर इन चिल्ड्रन एंड एडोलैसेंट्स विद वेल कंट्रोल्ड नॉन-लेशनल एपिलेप्सी: एक अवलोकन अध्ययन, बाल रोग विभाग
39. कार्सिनोमा यूरिनरी ब्लेडर, यूरोलॉजी के लिए वीआईआरएडीएस
40. ^{175}लू डोसिमेट्री में कैस्ट्रेशन प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर, न्यूक्लियर मेडिसिन
41. मीडियास्टिनल घावों में ईबीयूएस - सीटी और पीईटी-सीटी, चिकित्सा के साथ सहसंबंध
42. सतही लिपोमास, सर्जिकल डिसिप्लिन के प्रबंधन में सर्जरी के साथ मेसोथेरेपी की तुलना
43. क्लिनिको- इनवेस्टिगेटिव प्रोफाइल, डर्मेटोलॉजी के आधार पर पेरिओरिबिटल हाइपरपिग्मेंटेशन को वर्गीकृत करने के लिए अध्ययन
44. फैटी लीवर, मेडिसिन के रोगियों में एंटी-ट्यूबरकुलर दवा-प्रेरित जिगर की चोट
45. उपचारित पोस्ट पल्मोनरी ट्यूबरकुलर रोगियों की पुनरावृत्ति के निदान में कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी की भूमिका का मूल्यांकन करना

46. मूल्यांकन में इम्पल्स ओसियोमेट्री की भूमिका और अंतरालीय फेफड़े के रोग, चिकित्सा के नए निदान मामलों का पालन करें
47. इंटरस्टीशियल लंग डिजीज, मेडिसिन के रोगियों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया की व्यापकता का अध्ययन करना
48. उपचारित फुफ्फुसीय तपेदिक वाले रोगियों में क्लिनिकल रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक सहसंबंध, चिकित्सा
49. गाउसर रोग से पीड़ित, एंजाइम अनुभवहीन बच्चों में प्ररूपी गंभीरता स्कोर के साथ अपने संबंधों के रूप में तथा एक बायो-मार्कर के तौर पर ओस्टेपोंटिन, बाल रोग विभाग
50. डाउन सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में गैर-अल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) का प्रचलन, बाल रोग चिकित्सा विभाग
51. पीआईसीयू में उनके प्रारंभिक 7 दिनों के दौरान 1-18 वर्ष की आयु के गंभीर रूप से बीमार बच्चों में मांसपेशियों की मोटाई और मांसपेशियों की इकोजेनेसिटी में परिवर्तन का अध्ययन करनाः एक अवलोकन अध्ययन, बाल रोग चिकित्सा विभाग
52. बेड साइड अल्ट्रासोनोग्राफी, पेडियाट्रिक्स का उपयोग करके वेंटिलेटेड बच्चों के डायाफ्राम कार्य का मूल्यांकन, बाल रोग चिकित्सा विभाग
53. भ्रूण की विकृतियों के मूल्यांकन में न्यूनतम इनवेसिव ऑटोप्सी (एमआईए) और स्टिलबर्थ्स, बाल रोग चिकित्सा विभाग (आईसीएमआर वित्तपोषित)
54. उत्तर-भारत में एनएएफएलडी की व्यापकता और कार्डियो-मेटाबोलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, एंडोक्रिनोलॉजी
55. अज्ञातहेतुक हाइपोपाराथायरायडिज्म में चिकित्सीय हस्तक्षेपों और बहु तंत्र प्रणालियों के मूल्यांकन के तरीके, अंतः स्त्राविकी विज्ञान
56. अधिक जोखिम वाले गर्भधारण में प्री-एक्लेम्सिया का पूर्वानुमान लगाने के लिए प्लेसेंटल विकास कारक, गर्भाशय धमनी डोप्लर तथा 3डी डोप्लर अल्ट्रासाउंड की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
57. एडनेक्सल मासेस के पूर्व मूल्यांकन में 2 आयामी और 3 आयामी अल्ट्रासोनोग्राफी का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
58. घ्राण तंत्रिकाशोथ के रोगियों में मनोगत लिम्फनोड मेटास्टेसिस की घटनाओं के मूल्यांकन के लिए संभावित प्रायोगिक अध्ययन, ऑटोरिनोलेरिंगोलोलॉजी, हेड एंड नेक सर्जरी
59. टीबी लिम्फैडेनाइटिस वाले रोगियों में उपचार की प्रतिक्रिया के साथ चिकित्सीय दवा के स्तर और कृमि संक्रमण के बीच संबंध, मेडिसिन
60. गर्भाशय मायोमास के प्रबंधन में इंटरमिटेंट यूलिस्प्रीटल एसीटेट उपचार के दो रेजिमेंटों के बीच तुलनाः पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
61. प्रिवलेन्स ऑफ नॉन-आल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज इन इंडियन यंग अडल्ट्स (18-30 इयर्स): पाइलट स्टडी, मेडिसिन
62. कोरिलेशन ऑफ प्लेसेंटल वासकूलराइजेशन इंडिसेस एंड प्लेसेंटल एलास्टोग्राफी इन आईयूजीआर

प्रेग्नेन्सीस विद पेरिनाटल आउटकम: ए केस कंट्रोल स्टडी, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

63. इवैल्यूएशन ऑफ क्वांटिटेटिव एंड क्वालिटेटिव बोन हीलिंग फॉलोविंग एप्लिकेशन ऑफ लो-लेवेल लेजर थेरपी (एलएलएलटी) ड्यूरिंग कन्सॉलिडेशन पीरियड ऑफ मैंडिब्युलर डिसट्रेक्शन ओस्टेयोजेनेसिस, ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

64. कोरिलेशन ऑफ फर्स्ट ट्राइमेसटर मेटबॉलिक पैरामीटर्स एंड मैटर्नल बॉडी फैट इंडिसेस विद डेवेलपमेंट ऑफ गेस्टेशनल डायबिटीज मेलाइटस इन एशियन इंडियन वॉमेन- ए कॉम्पेरेटिव स्टडी, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

65. कंपेरिजन ऑफ सर्वाइकल शियर वेव इलास्टोग्राफी, बिशोप स्कोर, एंड ट्रांसवेजिनल सर्वाइकल लेंग्थ मेजरमेंट फॉर प्रिडिक्शन ऑफ सक्सेस्फुल लेबर इंडक्शन: ए पाइलट स्टडी, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

66. प्रिडिक्शन ऑफ डिफिकल्ट लारिंजोलोजी एंड ओरोट्रेकियल इंटूबेशन यूजिंग लैटरल नेक एक्स-रे: ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्ज़रवेंशनल डबल-ब्लाइंड स्टडी, एनेस्थौलॉजी, पैन मेडिसिन एंड क्रिटिकल केयर

67. सिस्टेमिक ईफेक्ट ऑफ सर्जरी इन ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिआ सेवियरिटी– एन इवैल्यूयेशन विद इनफ्लमेटरी मार्कर्स, ऑटोरिनोलारिंजोलोजी–हेड एंड नेक सर्जरी

68. स्टडी ऑफ रिस्क फैक्टर्स फॉर ब्रेस्ट कॅन्सर इन इंडियन वॉमेन: ए केस कंट्रोल स्टडी, ब्रेस्ट एंडोक्राइन एंड जनरल सर्जरी

69. रोल ऑफ अल्ट्रसाउंड इन प्रेडिक्टिंग डेप्थ ऑफ ट्यूमर इन्वेशन एंड लिंफ नोड मेटास्टैसिस इन अर्ली टंग कार्सिनोमा, ऑटोरिनोलारिंजोलोजी - हेड एंड नेक सर्जरी

70. नवीन नैदानिक स्पुटम द्वारा फुफ्फुसीय क्षयरोग सकारात्मकता वाले वयस्क रोगियों में राइफेमिसिन, आइसोनाइज्ड, पाइरेजिनिमाइड एवं इथेम्बुथॉल सहित दिए गए मेटाफार्मिन की एंटी-बैक्टीरियल एक्टिविटी, फार्माकोकायनेटिक्स, सुरक्षा एवं सहनशीलता के मूल्यांकन हेतु एक फेज आईआईबी ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षणः 8 सप्ताह का परीक्षण, फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार।

71. फेस III, रैंडोमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो की प्रभावकारिता और वीपीएम1002 और इम्यूवैक वैक्सीन के सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु ट्रायल को नियंत्रित किया और नए तौर पर पता लगाए गए स्पल्म पॉजिटिव टीबी मरीजों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में तपेदिक (टीबी) को रोकना, पल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार

72. रोगियों में फ्लूड संवेदनशीलता के भविष्यवक्ता के रूप में सोनोग्राफिक कैरोटिड वेलोसिमिट्री, चिकित्सा

73. बुजुर्गों के बीच निमोनिया की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु आर्थिक बोझ, सामुदायिक कायचिकित्सा

74. प्रॉस्थेटिक मेटीरियल (मेश) एंकर्ड बाय मैकेनिकल डिवाइस वर्सस ग्लू ड्यूरिंग लैपयरॉसकपिक रिपेयर ऑफ वेंट्रल हर्निया: ए डबल ब्लाइंड रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल, सर्जिकल डिसिप्लिन्स

75. स्थानीय रूप से एडवांस्ड स्तन कैंसर पोस्ट निओ-एड्जुवेंट कीमोथेरेपी के रोगियों में स्तन संरक्षण सर्जरी के ऑन्कोलॉजिकल परिणाम, सर्जिकल डिसिप्लिन्स

76. फिज़िबिलिटी ऑफ एनहांस्ड रिकवरी आफ्टर सर्जरी प्रोटोकॉल इन जनरल थोरेसिक सर्जरी:

प्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट स्टडी, सर्जिकल डिसिप्लिन्स

77. असेसमेंट ऑफ पोस्ट कोल्सीस्ट्क्टमी सिंप्टम्स एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ इवैल्यूएशन: ए प्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट स्टडी, सर्जिकल डिसिप्लिन्स
78. टू स्टडी द सिग्निफिकेन्स ऑफ ट्यूमर इंफील्टरटिंग लिंफोसाईट्स इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स, सर्जिकल डिसिप्लिन्स
79. स्टडी ऑफ रिस्क फैक्टर्स फॉर ब्रेस्ट कैंसर इन इंडियन वॉमेन: ए केस कंट्रोल स्टडी, सर्जिकल डिसिप्लिन्स
80. थाईयोमा, सर्जिकल डिसिप्लिन्स के रोगियों में न्यूनतम पहुंच थाइमेक्टोमी के बाद के परिणाम
81. डी कुर्वेवेन के टेनोसाईनोवाइटिस, आर्थोपेडिक्स के लिए पुली रिलीज और पुली पुनर्निर्माण के परिणाम का आकलन करने के लिए डबल ब्लाइंड रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल, ऑर्थोपेडिक्स
82. सुपरफेशियल लिपोमास के प्रबंधन में सर्जरी के साथ मेसोथेरेपी (गैर ऑपरेटिव) की तुलना, शल्य चिकित्सा विभाग
83. आब्डॉमिनल इन्फेक्शन इन इम्युनो-कोंप्रोमाइज्ड होस्ट्स: ए रेडियलॉजिकल, माइक्रोबायोलॉजिकल एंड क्लिनिकल कोरिलेशन, हेमैटोलोजी
84. भारतीय आबादी में मल्टीडिटेक्टर कंप्युटेड टोमोग्राफी, कार्डियक रेडियोलॉजी का उपयोग करते हुए एओर्टिक और इलिओफेमोरल आयामों के लिए नोमोग्राम की व्युत्पत्ति
85. गैर-विशिष्ट एओर्टिक में कंट्रास्ट एन्हांस्ड यूएसजी के आकलन की भूमिका, कार्डियक रेडियोलॉजी
86. कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिक एंटरोकोलाइटिस की घटना और परिणाम, बाल रोग विभाग, बाल चिकित्सा
87. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मल्टीपल मायलोमा (एमएम) के रोगियों के निदान और प्रबंधन में संपूर्ण शरीर वाली कम खुराक की कंप्यूटेड टोमोग्राफी (डब्ल्यूबी एलडीसीटी) और पारंपरिक कंकाल सर्वेक्षण (सीएसएस) के नैदानिक प्रदर्शन की तुलना करना, हेमाटोलॉजी
88. सिरोसिस के रोगियों में और ट्यूमर की प्रतिक्रिया के आकलन में, हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा के निदान में पर्कुट्यूनल एब्लेशन के बाद कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
89. ट्रांसिएंट इलास्टोग्राफी, शीयर वेव इलास्टोग्राफी और सीरम बायोकेमिकल मार्कर का उपयोग करके गंभीर लीवर की बीमारी वाले रोगियों में लीवर फाइब्रोसिस का आकलन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
90. शीयर वेव इलास्टोग्राफी का उपयोग करके हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा के रोगियों में, लोकोरिजनल चिकित्सा हेतु ट्यूमर की प्रतिक्रिया का आकलन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
91. इंटरमीडिएट हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के प्रबंधन में ट्रांसआर्टेरीयल रेडियोमोबलाइज़ेशन बनाम ट्रांसआर्टेरीयल केमोएम्बोलाइज़ेशन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन
92. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
93. हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा और हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस में तरल बायोप्सी बायोमार्कर की भूमिका, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी

94. अल्ट्रसाउंड असेसमेंट ऑफ गैस्ट्रिक एंप्टीयिंग ऑफ क्लियर फ्लूड्स विद डिफरेंट एनर्जी कॉटेंट इन चिल्ड्रेन: ए क्रॉसओवर पायलट स्टडी, एनेस्थेसिओलोजी
95. हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी के स्पेक्ट्रम में दृश्य हानि का पैटर्न, ओप्थैल्मोलोजी
96. कक्षीय लिम्फैंगियोमा में इंट्रा लेशनल ब्लेओमाइसिन के परिणाम का मूल्यांकन, ओप्थैल्मोलोजी
97. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
98. रेट्रो प्रोस्पेक्टिव स्टडी क्लीनिकल परिणाम के साथ एक्स्ट्राओक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में प्रस्तावित एमआरआई आधारित ऑप्टिक नर्व स्टेजिंग के बीच परस्पर सहसंबंध का मूल्यांकन और ऑप्टिक तंत्रिका वृद्धि के बिना ऑप्टिक तंत्रिका संवर्धन का संभावित मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान
99. पर्क्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटोमी के संदर्भ में किडनी की स्थिति पर बॉल्सटर और इसके अभिविन्यास का प्रभाव, यूरोलॉजी
100. इंटरस्टीशियल लंग डिजीज़स: टेक्सचर बेस्ड एनालाइजिस फॉर क्वांटिफिकेशन, सीएसआईआर-आईजीआईबी

पूर्ण

1. हिपेटोब्लास्टोमा में मल्टीफोकैलिटी के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका और मल्टीफोकैलिटी का वीईजीएफ के साथ संबंध, बाल चिकित्सा सर्जरी
2. ईगल्स सिंड्रोम के साथ रोगियों में लैंडमार्क तकनीक बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित तकनीक के एक्सट्राओरल दृष्टिकोण का उपयोग करके ग्लोसोफेरीन्जियल तंत्रिका ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा प्रोफाइल, एक यादृच्छिक, भावी, नियंत्रित परीक्षण, एनेस्थिसियोलॉजी
3. क्लिनिकल पैल्पेशन और रेडियोलॉजी द्वारा ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में पहुँच की गहराई का आकलन और हिस्टोपैथोलॉजिकल गहराई से उनका संबंध, ऑटोरिनोलारिंजोलोजी - सिर और गर्दन की सर्जरी
4. आवेगीय फुफ्फुसीय एस्परगिलोमा के लिए इंट्राब्रोन्कियल वोरिकोनाजोल स्थापना की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार
5. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में फेफड़े के कैंसर के रोगियों में क्लिनिको-पैथोलॉजिकल प्रोफाइल और परिणामों का एक अवलोकन अध्ययन, पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार
6. पल्मोनरी एस्परगिलोमा वाले रोगियों का सर्जिकल परिणाम- एक अवलोकन अध्ययन, सर्जरी
7. टेम्पोरल बोन के विभिन्न प्रकार के न्यूमैटाइजेशन में कोलेस्टीटोमा थैली में एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) अभिव्यक्ति का मूल्यांकन - ऑटोरिनोलारिंजोलोजी - सिर और गर्दन की सर्जरी
8. कॉस्मेटिक ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड गाइडेड एक्सिस के बाद कॉस्मेटिक परिणाम और स्नेह मार्जिन की तुलना, स्तन कैंसर में पारंपरिक पैल्पेशन निर्देशित स्तन संरक्षण सर्जरी के साथ - रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल, सर्जिकल डिसिप्लिन्स
9. प्रत्यारोपण के साथ त्वचा को फैलाने वाले मास्टेक्टॉमी के ऑन्कोलॉजिकल और सौंदर्य संबंधी

परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एम्बिस्पेक्टिव कोहर्ट अध्ययन, सर्जिकल डिसिप्लिन्स

10. नैदानिक रूप से एक्सिलरी लिम्फनोड नकारात्मक प्रारंभिक संचालक स्तन कैंसर वाले रोगी में एक्सिला के प्रबंधन के लिए एल्गोरिद्म स्थापित करना, सर्जिकल डिसिप्लिन्स
11. एचआईवी रोगियों में एचआईवी ड्रग प्रतिरोधी म्यूटेशन का अध्ययन पैटर्न, सक्रिय तपेदिक से सह-संक्रमित, मेडिसिन
12. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) और आहार कारकों द्वारा इसके मॉडुलेशन के साथ भारतीय महिलाओं में सूजन की भूमिका, एंडोक्राइनोलॉजी
13. एचआईवी/एड्स (एड्स से जुड़े पीयूओ) में 4 सप्ताह से अधिक अवधि के बुखार के मूल्यांकन के लिए एफडीजी-पीईटी/सीटी बनाम सीईसीटी की उपयोगिता का अध्ययन, मेडिसिन
14. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के मूल्यांकन में गैलियम-68 (जीए-68) - लेबल्ड पीएसएमए पीईटी/सीटी, न्यूक्लियर मेडिसिन
15. कुष्ठ रोग संबंधी परिधीय न्यूरोपैथी पर प्लेटलेट रिच प्लाज्मा थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करना, त्वचारोग विज्ञान
16. ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनोपैथी में जीन विशेषज्ञ का मूल्यांकन, मेडिसिन
17. एमडीआर / एक्सडीआर वाले रोगियों में उपचार के परिणाम, एक संभावित अध्ययन, मेडिसिन
18. डीडब्ल्यू एमआरआई और रीनल सेल कार्सिनोमा में परफ्यूजन सीटी द्वारा ट्यूमर एंजियोजेनेसिस की प्रीपेरेटिव भविष्यवाणी और इन बायोमार्कर का उपयोग एडवांस्ड रीनल सेल कार्सिनोमा, यूरोलॉजी में ट्यूमर ग्रेड का आकलन करना
19. एड्स में अवसरवादी संक्रमण, चिकित्सा
20. मध्य लाइन की लंबाई के आकलन में चेस्ट रेडियोग्राफ की भूमिका, एनेस्थिसियोलॉजी
21. डेंगू के गंभीर संक्रमण में साइटोकिन्स की भूमिका, चिकित्सा
22. पल्मोनरी इन्फेक्शन्स इन रीनल ट्रान्सप्लांट रेसिपैयेंट्स: ए प्रोस्पेक्टिव कोहर्ट ऑब्ज़रर्वेशनल स्टडी, नेफ्रोलोजी
23. भूमिका पीईटी-सीटी और उन्नत कार्सिनोमा फेफड़े में ट्यूमर एंजियोजेनेसिस और उपचार प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में डीडब्ल्यूआई, परमाणु चिकित्सा
24. ब्रूसीलोसिस और लाइम रोग के विशेष संदर्भ में, ऑलिगो अर्थीराइटिस के रोगियों का निदान, मेडिसिन एंड माइक्रोबायोलॉजी (संक्रामक रोग)
25. गैर नैदानिक पेट दर्द के रोगियों में मेटाबोलिक इमेजिंग की भूमिका का आकलन करने के लिए पायलट अध्ययन, सर्जिकल डिसिप्लिन
26. एक स्पिलट फेस यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन में मुँहासे निशान के उपचार हेतु आंशिक सीओ2 लेजर और माइक्रो नीडलिंग की प्रभावकारिता की तुलना। एक स्पिलट फेस यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन में मुँहासे निशान के उपचार, त्वचाविज्ञान और वेनेरोलोजी हेतु आंशिक सीओ2 लेजर और माइक्रो नीडलिंग की प्रभावकारिता की तुलना।

27. वैरीयेशन ऑफ डिफरेंट मेथड्स ऑफ फिजिकल एग्जामिनेशन फॉर स्वेल्लिंग इन थायराइड रीजन इन एडोलेसेंट एंड अडल्ट: क्रॉस-सेक्शनल स्टडी, सर्जिकल डिसिप्लिन्स
28. बच्चों में हड्डियों का घनत्व और जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लासिया वाले किशोरों में शारीरिक स्टेरॉयड प्रतिस्थापन, बाल रोग विभाग
29. बाल रोग के अस्थमा वाले बच्चों में एलर्जी ब्रोन्कोपल्मोनरी एस्परगिलोसिस के प्रसार और जोखिम कारक, बाल रोग विभाग
30. हिपेटोब्लास्टोमा में मल्टीफोकलिटी के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका और मल्टीफोकैलिटी के साथ वीईजीएफ के सहसंबंध, बाल सर्जरी विभाग
31. क्लिनिकल पैल्पेशन और रेडियोलॉजी द्वारा ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में पहुँच की गहराई का आकलन और हिस्टोपैथोलॉजिकल गहराई से उनका संबंध, ऑटोरिनोलारिंजोलोजी - सिर और गर्दन की सर्जरी
32. ईगल्स सिंड्रोम के रोगियों में लैंडमार्क तकनीक बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित तकनीक के एक्सट्राओरल दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, ग्लोसोफेरींगल तंत्रिका ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा प्रोफ़ाइल, एक यादृच्छिक, भावी, नियंत्रित परीक्षण, एनेस्थिसियोलॉजी, दर्द चिकित्सा और क्रिटिकल केयर
33. टू कंपेयर द एफिकैसी ऑफ उलिप्रिस्टल एसेटेट वर्सस जीएनआरएच: अगोनिस्ट इन वॉमेन विद सिंप्टमैटिक यूटेरिन मयोमा एंड पोस्ट ट्रीटमेंट फॉलो अप: ए प्रोस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड कंट्रोल स्टडी, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनेकॉलोजी
34. विभिन्न इंट्रा-एब्डोमीनल पैथोलॉजी में लैप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड की प्रयोज्यता, एक संभावित अवलोकन अध्ययन, सर्जिकल डिसिप्लिन्स
35. अकेलेसिया कार्डिया: लैप्रोस्कोपिक हेलर के कार्डियोमायोटॉमी के बाद परिणाम की भविष्यवाणी करने वाले कारकों का दीर्घकालिक परिणाम और मूल्यांकन, सर्जिकल डिसिप्लिन्स
36. गंभीर रूप से ग्रसित एनेस्थीसिया में प्रारंभिक वेंटीलेटर से संबंधित निमोनिया के निदान हेतु फेफड़े का अल्ट्रासाउंड, एनेस्थीसिया

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 95 सारः 5 पुस्तकों में अध्यायः 55 पुस्तकें: 2

रोगी उपचार

क्र.सं.	जांच / विशेष प्रक्रियाओं का नाम	जांचों की कुल संख्या
1	नियमित एक्स-रे	
	• ओपीडी	1,06,548
	• आंतरिक	30,151
	• आपातकालीन	60,763

	• पोर्टेबल	47,450
2	विशेष जांचें	
	• बेरियम अध्ययन	2,687
	• अंतःशिरा यूरोग्राफी	1,651
	• मिक्ट्यूरेटिंग सिस्टोअरेथ्रोग्राफी	2,624
	• हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी	831
	• ऑपरेशन थिएटर अध्ययन	174
	• अन्य विपरीत अध्ययन	1,116
3	मैमोग्राफी	3,833
4	डेक्सा स्कैन	110
5	अल्ट्रासाउंड	
	• नियमित	33,528
	• आपातकालीन	26,272
	• डोपलर (नियमित + हताहत)	4,018
6	सीटी	
	• बॉडी	20,912
	• हेड	7,711
7	एमआरआई (मुख्य + एनएमआर)	2,522 + 3,407
8	हस्तक्षेप प्रक्रियाएं	
	• संवहनी अध्ययन	2,611
9	अन्तःक्षेपी गैर-संवहनी अध्ययन	
	• सीटी गाइडेड	566
	• अल्ट्रासाउंड गाइडेड	4,696
	• फ्लोरोस्कोपी गाइडेड	2,714
	• मैमोग्राफी गाइडेड	29
	• कुल योग	3,66,924

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य अरुण कुमार गुप्ता 'भारतीय बाल चिकित्सा जर्नल' की कार्यकारी समिति के सदस्य थे।

प्रोफेसर दीप नारायण श्रीवास्तव को 2019-2020 के लिए चिकित्सा विज्ञान के अनुभाग के अध्यक्ष के रूप में चुना गया और "भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन (विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत पेशेवर निकाय) के परिषद सदस्य; नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस (भारत) के वार्षिकवृतान्त के एसोसिएट एडिटर; वर्ष 2019-2020 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन "एवरीमैन्स साइंस" के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

प्रोफेसर राजू शर्मा: 28 जुलाई 2019 को नई दिल्ली में इमेजिंग पर अनुसंधान और रेफरल अस्पताल क्रमिक चिकित्सा शिक्षा में मुख्य नोट संबोधन; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एशियन ओशियानियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी और इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी के संयुक्त वार्षिक सम्मेलन पर डॉ. एमवीके शेट्टी ने भाषण दिया; 16 फरवरी 2018 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली में आयोजित भारतीय विकिरण चिकित्सा विज्ञान और इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली स्टेट चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन में दिल्ली इमेजिंग अपडेट भाषण दिया गया।

प्रोफेसर संजय शर्मा जेसीआईआर संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे: जून 2018 में अतिरिक्त भित्ति वित्त पोषित परियोजना का मूल्यांकन करने के लिए यूरो-रेडियोलॉजी अनुभाग; कंसल्टिंग एडिटर (रेडियोलॉजी), इंडियन जे यूरोलॉजी; आईसीएमआर के लिए बाहरी विशेषज्ञ।

प्रोफेसर आशु सीथ भल्ला सोसाइटी ऑफ़ चेस्ट इमेजिंग एंड इंटरवेंशन के अध्यक्ष थे; इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी और इमेजिंग के संयुक्त संपादक

प्रोफेसर शिवानंद गमनगट्टी इंडियन कॉलेज ऑफ़ रेडियोलॉजी के फैलो थे; डॉ. दीवान चंद अग्रवाल मेमोरियल ओरेशन: हेपटोसेलुलर कार्सिनोमा में इमेजिंग, इंटरवेंशन और भविष्य, आईआरआईए, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ का 72वां वार्षिक सम्मेलन।

प्रोफेसर अतिन कुमार ने एनजी गडेकर ऑरेशन ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलोजी एंड इमेजिंग 2018 में एक व्याख्यान दिया; वे 'प्रेसीडेंट इलेक्ट' ऑफ दिल्ली चैप्टर ऑफ इंडियन रेडीयोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन फॉर 2019 हेतु नियुक्त हुए; 2018 के लिए भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली अध्याय के कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया; वे क्रमिक चिकित्सा शिक्षा ऑन आईआर प्राइमर ऑन बेसिक्स ऑफ एंजियोग्राफी, एम्बॉलाइज़ेशन एंड स्केलेरोथेरेपी के लिए आयोजक सचिव रहे।

डॉ चंदन जे दास, एफआरसीपी (एडिन) रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एडिनबर्ग, यूके के फैलो रहे; वे एफआईसीएस (इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी के फेलो) सदस्य रहे; वे राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के सदस्य थे; उन्हें इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (इंडिया) द्वारा ओन्को इमेजिंग अवार्ड 2017-2018 प्रदान किया गया; उन्हें यंग बायोमेडिकल साइंटिस्ट के लिए आईसीएमआर इंटरनेशनल

फैलोशिप प्रदान किया गया; उन्होने वर्ष 2018-2019 में एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, यूएसए का दौरा करने के लिए चुना गया है।

डॉ. देवसेनापति कंडासामी स्प्रिंगर नेचर कॉम्प्रेहैन्सिव क्लीनिकल मेडिसिन के लिए अनुभाग संपादक थे; केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

डॉ मधुसूदन केएस को "जेसीआईआर बेस्ट रिव्यूवर अवॉर्ड 2017-2018" (फॉर जर्नल ऑफ क्लिनिकल इंटरवेन्शनल रेडियोलॉजी) सम्मान द इंडियन सोसाइटी ऑफ वॅस्क्युलर एंड इंटरवेन्शनल रेडाइयालजी द्वारा इसके वार्षिक सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया जिसे गोवा में 7-10 मार्च 2019 के बीच आयोजित किया गया था; उन्हें "ईएसजीएआर सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेन्स इन एब्डॉमिनल रेडियोलॉजी लेवेल II" में सबस्पेसियलिटी रेकग्निशन संबंधी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए द यूरोपियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एब्डॉमिनल रेडियोलोजी द्वारा वर्ष 2019 हेतु प्रदान किया गया।

डॉ मनीषा जना ने एक प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में एमडी शोधपत्र 'रोल ऑफ शियर वेव इलास्टोग्राफी इन डाइयग्नोसिस, प्रोग्नॉस्टिकेशन एंड फॉलो अप ऑफ नियोनेटल/इन्फेंटाईल कोलेस्टटिक लिवर डिजीजस' के लिए रहीं, जिसे प्रोफेसर के सुब्बाराव अवॉर्ड फॉर द बेस्ट थीसिस इन 2018 हेतु स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ; वे वर्ष 2018 के लिए द इंडियन जर्नल ऑफ रेडिओलोजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) द्वारा 'रिव्यूवर ऑफ द ईयर' चुने गए थे।

डॉ अंकुर गोयल को "इन रेकग्निशन एंड एप्रिसियेशन ऑफ कॉट्रिब्यूशन टू प्रमोटिंग अकेडेमिक्स इन रेडिओलोजी एंड इमेजिंग साइंसेज" के लिए अकेडेमिक एक्सीलेन्स अवॉर्ड प्रदान किया गया जिसे उन्हें दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2019 के दौरान एमएएमसी, नई दिल्ली में 16-17 फरवरी 2019 को प्रदान किया गया; वे दिल्ली इमेजिंग अपडेट डीआईयू 2019 एनुअल कांफ्रेंस ऑफ दिल्ली स्टेट चैप्टर ऑफ आईआरआईए के संयुक्त आयोजक सचिव रहे; वे "एम्स रेडिओलोजी कोर्स के संयुक्त आयोजक सचिव रहे जिसे आईआर प्राइमर ऑन बेसिक्स ऑफ डीएसए, स्केलेरोथेरेपी एंड एम्बॉलाइज़ेशन" पर नई दिल्ली में 14-15 अप्रैल 2018 को आयोजित किया गया था; वे दिल्ली स्टेट चैप्टर ऑफ आईआरआईए (2018-2019) के संयुक्त सचिव थे।

डॉ प्रियंका नारंजे ने साइंटिफिक पेपर पोस्टर प्रजेंटेशन में द्वितीय पुरस्कार जीता जिसे एओएसपीआर 2018 के दौरान शीर्षक "एटियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑफ पीडियाट्रिक हेमॉप्टाईसिस: ए टेरटियरी केयर सेंटर एक्सपीरियेन्स" पर आयोजित किया गया था; वे "एम्स रेडियोलॉजिकल कोर्सस: इमेजिंग ऑफ चेस्ट इन्फेक्शन्स 2018" के संयुक्त आयोजक सचिव रहे जिसका आयोजन एम्स, नई दिल्ली में 4-5 अगस्त 2018 को किया गया था।

डॉ शशि पॉल लिवर के अध्ययन के लिए इंडियन नेशनल एसोसिएशन (आईएनएएसएल) द्वारा गठित "टास्क फोर्स ऑन हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा" के सदस्य थे।

डॉ स्मिता मनचंदा को एक्सटर्नल एक्सपर्ट ऑफ रेडियोडायग्नोसिस के तौर पर आमंत्रित किया गया था जिसे "ऑल इंडिया रेडियो" में स्वास्थ्य कार्यक्रम "संजीवनी–बात सेहत की" में 'एआईआर विविध भारती'

चैनल मे 2018 को प्रसारित किया गया; वे “टेक्निकल कमिटी फॉर फाइनलाइजेशन ऑफ गाइडेन्स नोट ऑन पर्मानेंट मेडिकल बोर्ड्स फॉर मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेन्सी बियोंड 20 वीक्स ऑफ जेस्टेशन” (मई 2018) की कोर सदस्य थीं; वे “एम्स रेडियोलोजी कोर्सस: इमेजिंग ऑफ चेस्ट इन्फेक्शन्स 2018” की आयोजक सचिव थीं जिसका आयोजन एम्स, नई दिल्ली में 4-5 अगस्त 2018 को किया गया था; वे “कमिटी फॉर फॉर्मुलेशन ऑफ गाइड्लाइन्स ऑन प्रेवेनशन एंड मैनेजमेंट ऑफ ज़िका वाइरस इन ए प्रेग्नेंट मदर” (अक्टूबर 2018) के लिए कोर मेंबर थीं।

डॉ. सुरभि व्यास 16,17 नवंबर 2019 को प्रतिस्पर्धी पेपर आईएसआईसीओएन पटना इंडिया सत्र की अध्यक्षता कर रही थीं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. विकास गुलानी, रेडियोलॉजी के प्रोफेसर, केस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, ओहियो, यूएसए
2. डॉ. अजय सिंह, मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए
3. डॉ. असीम शर्मा, मल्लिनक्रोड्ट इंस्टीट्यूट ऑफ रेडियोलॉजी, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस, यूएसए
4. डॉ. अखसे बाहेती, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई

9-37 iztuu tSofoKku

vkpk;Z ,oa v/;{k

आशुतोष हल्दर

vkpk;Z

प्रदीप कुमार चतुर्वेदी

lgk;d vkpk;Z

सुरभि गुप्ता　　　　　मोना शर्मा

oSKkfud

दीपक पाण्डे, वैज्ञानिक II　　　　　नीरज कुमार, वैज्ञानिक II

मनीष जैन, वैज्ञानिक I

leg , vf/kdkjh

मरियम मैथ्यू

fo'ks"krk,a

विभाग मुख्य रूप से आण्विक साइटोजेनेटिक प्रयोगशाला में प्रजनन संबंधी विकारों, जन्मजात विकृतियों, कैंसर और बांझपन के लिए आनुवंशिक परामर्श एवं नैदानिक सेवाएं; सीआरआईए सुविधा में प्रजनन हार्मोन्स, थायराइड प्रोफाइल और कैंसर मार्कर के प्रयोगशाला मूल्यांकन; पुरुष विज्ञान प्रयोगशाला में वीर्य मूल्यांकन सेवाएं प्रदान करने के अलावा मुख्यत: शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। अधिकांश प्रजनन आनुवंशिक परामर्श स्वयं से रैफर किए हुए थे। सीआरआईए सुविधा में नियमित रूप से किए जाने वाले 40 मापदण्डों के अलावा पिछले वर्ष संस्थान और बाहर के रोगियों के लिए नई जांच जैसे टोक्सो-IgG, टोक्सो-IgM, रुबेला-IgG, रुबेला-IgM, सीएमवी-IgG और सीएमवी-IgM भी शुरू की गई। सीआरआईए सुविधा द्वारा इस वर्ष 2,37,956 जांच की गई हैं, जो पिछले वर्ष से लगभग 33,000 अधिक हैं। साथ ही विभाग ने इन जांचों के लिए ऑनलाइन रिपोर्टिंग शुरू की है। आण्विक साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला द्वारा विभिन्न एफआईएसएच और पीसीआर संबंधी सेवाएं भी प्रदान की गई हैं।

विभाग के संकाय-सदस्यों को विभिन्न शैक्षिक सहयोगों (एनआईआई स्टेम सैल समिति, एनएबीएल कोर एक्रेडिटेशन समिति, कृषि मंत्रालय की विशेषज्ञ (पेस्टिसाइड्स) बैठक, आईसीएमआर एपीएस और एड-हॉक/एसआरएफ परियोजना समीक्षा/चयन समिति, डीएम (चिकित्सा आनुवंशिकी) कोर्स के लिए एमसीआई मूल्यांकन, पीएसी और आईआरबी समिति, एनआईएचएफडब्ल्यू, आयुष इत्यादि के सदस्य) के लिए कई राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों द्वारा आमंत्रित किया गया।

शिक्षा

छात्र

पीएचडी (पंजीकृत/जारी)-5

एमएससी (प्रजनन जैव विज्ञान और नैदानिक भ्रूणविज्ञान)-10

स्नातकोत्तर-एमडी प्रयोगशाला चिकित्सा (15 दिन के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)

एमडी जैव-रसायन (15 दिन के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)

जेआरएफ/एसआरएफ-3

शैक्षिक क्रियाकलाप

सप्ताह में दो बार पाठ्यक्रम व्याख्यान

साप्ताहिक सेमिनार और पत्रिका क्लब

सप्ताह में दो बार प्रयोगशाला डाटा प्रस्तुति

प्रतिदिवस केस के अनुसार/प्रयोगशाला कार्य संबंधी चर्चा

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. विभाग ने (प्रेडर विली सिंड्रोम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ) 12 सितंबर, 2018 को एम्स, नई दिल्ली में प्रेडर विली सिंड्रोम विषय पर अर्ध दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
2. विभाग ने 12-16 नवंबर 2018 तक एम्स, नई दिल्ली में आण्विक साइटोजेनेटिक्स (एफआईएसएच हेतु प्रोब प्रोडक्शन) विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।

दिए गए व्याख्यान

आशुतोष हल्दर: 8 **सुरभि गुप्ता: 1** **मोना शर्मा: 1**

मौखिक पत्र/प्रस्तुत पोस्टर्स: 7

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. 22q11.2 विलोपन सिंड्रोम में फीनोटाइपिक विषमता/परिवर्तनशीलता के कारणों का पता लगाने की जांच, आशुतोष हल्दर, आईसीएमआर, 3 साल, 2015-2018, 41 लाख रुपये।
2. पॉली सिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम (पीसीओएस): हाइपरएंड्रोजेनिज्म (नैदानिक) और हाइपरएंड्रोजेनेमिया (जैवरसायन) और अंतर्निहित ईटियोलॉजिक (पश्च आनुवंशिक और आनुवंशिक) कारकों के बीच विसंगति के कारणों का पता लगाने की जांच, आशुतोष हल्दर, डीएसटी-एसईआरबी, 3 साल, 2018-2021, 51 लाख रुपये
3. इडियोपैथिक फैमिलियल ओवरियन विफलता में आनुवंशिक कारकों का पता लगाने के लिए जांच, आशुतोष हल्दर, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 44 लाख रुपये
4. एचसीजी किट के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, पीके चतुर्वेदी, एचएलएल लाइफकेयर, लि./स्वास्थ्य मंत्रालय, वार्षिक 2018-2019, 9 लाख रुपये
5. मानव स्वास्थ्य (रेफरल सेंटर) पर गैर-आयनकारी विद्युत चुंबकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव, पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 5 साल, 2017-2022, 15 लाख रुपये
6. एक इंट्रावेसल इंजेक्शन पुरुष गर्भनिरोधक-आरआईएसयूजी के साथ चरण 2 नैदानिक परीक्षण, पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 1 साल, 2018-2019, 3 लाख रुपये
7. वीईजीएफ एक्सप्रेशन और लेडीग कोशिका की कार्यात्मकता के मॉड्यूलेशन में 3,5,3’-एल-ट्रायोडोथिरोनिन (टी3) की भूमिका, सुरभि गुप्ता, डीबीटी, 3 साल, 2016-2019, 39 लाख रुपये
8. मैमलियन स्पर्म-एग फ्यूसन का अध्ययन करने के लिए सीआरआईएसपीआर/कैस-9 आधारित नॉक-आउट/नॉक-इन तकनीक का उपयोग करके जीनोम-एडिटिड चूहों का प्रजनन, सुरभि गुप्ता, डीबीटी, 3 साल, 2017-2020, 75.5 लाख रुपये
9. प्रतिरोपण तथा अनुवर्ती के लिए एम्ब्रीओ यूटरिन क्रॉस टॉक: एक्सोसोमल माइक्रो आरएनए के लिए भूमिका, सुरभि गुप्ता, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 44.2 लाख रुपये
10. ऊसाइट इंट्रासेल्यूलर कैल्शियम में बढ़ोतरी की पुष्टि हेतु संभावित शुक्राणु कारकों और संबंधित संकेतक पथ का अध्ययन, मोना शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये

11. कैनोरहैब्डाइटिस एलिगेंस में स्वस्थ आयु के एचडीएसी इनहिबिटर्स मीडिएटिड जीनोम-व्यापी गतिशीलता, नीरज कुमार, डीएसटी-एसईआरबी, 3 साल, 2017-2020, 50 लाख रुपये
12. इंसुलिन संकेतन के प्रतिलिपि कारकों के अनुप्रवाह के जीनोम व्यापी संयोजन के प्रभाव से स्वास्थ्य-अवधि नियामक मॉड्यूल को स्पष्ट करना, नीरज कुमार, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 50 लाख रुपये
13. भ्रूण विकास के दौरान टर्नओवर और ट्रांसलेशन नियामक एमआरएनए बाध्यकारी प्रोटीन (टीटीआर-आरबीपी) के ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस मीडिएटिड रेगुलेशन को स्पष्ट करना, नीरज कुमार, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 10 लाख रुपये
14. प्रोस्टेट स्ट्रोमल कोशिकाओं के प्रभाव में बढ़ रही प्रोस्टेट एपिथेलियल कोशिकाओं पर आहार फ्लैवोनोइड्स के प्रभावों का अध्ययन करना, दीपक पांडे, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 10 लाख रुपये
15. इडियोपैथिक सर्टोली सैल ऑनली सिंड्रोम (एससीओएस) के मामलों में जीनोमिक कारणों का पता लगाने के लिए एसएनपी माइक्रोअरी का उपयोग कर हाई रिजोल्यूशन जीनोमिक स्क्रीनिंग, मनीष जैन, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मेक्रोप्रोलैक्टिनिमिया की एटियपैथोलॉजी
2. पॉलिसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम का हेतुविज्ञान और बायोमार्कर
3. ओवरियन की परिपक्वता पूर्व विफलता के आनुवंशिक निर्धारक
4. प्रोस्टेट कैंसर कोशिका लाइसं पर औषधीय अर्क की कैंसर-रोधी गतिविधि का मूल्यांकन।
5. ट्रोफोब्लास्ट कोशिका के हमले को नियंत्रित करने में एम.आई.आर.-143-3पी. की भूमिका
6. शारीरिक और रोगात्मक परिस्थितियों के अंतर्गत ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एपिथेलियल से मेसेनकीमल ट्रांसिशन के दौरान पश्च-आनुवंशिक परिवर्तन।
7. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एंजियोजेनिक कारकों के विनियमन में माइक्रों आरएनए की भूमिका
8. मानव शुक्राणु और चूहें के ऊसाईट एक्टिवेशन में सिट्रेट सिंथेस एक्सप्रेशन
9. पूर्व भ्रूण विकास में एम.आर.एन.ए.3' यूटीआर बांइडिंग प्रोटीन जीन के एक्सप्रेशन पर आक्सीडेटिव स्ट्रैस के प्रभाव का अध्ययन
10. प्रोस्टेट कोशिकाओं में होर्मोन मीडिएटिड स्ट्रोमल-एपिथेलियल इंटरेक्शन पर आहार फ्लेवनॉएड्स का प्रभाव।
11. इडियोपैथिक फैमिलियल ओवरियन विफलता में आनुवंशिक कारकों का पता लगाने के लिए जांच।

पूर्ण परियोजनाएं

1. टेस्टिकुलर रोगाणु कोशिका रुकावट (परिपक्वता रुकावट): फेनोटाइप-जीनोटाइप सहसंबंध की एक जांच
2. शुक्राणु दोष: भारी धातु की भूमिका, विटामिन ए और सर्टोली कोशिका परिपक्वता
3. क्रोमोसोम 13 और 21 एनीप्लोइडी की लेबलिंग के स्थान पर प्राइमड द्वारा तत्काल पहचान
4. प्रतिरोपण पूर्व चूहे के भ्रूण में क्रोमोसोम मोजेसिज्म और एनीप्लोइडी
5. मेनोपॉजल के बाद महिलाओं पर पाली हर्बल निर्मित अशोकारिस्टा का डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
6. समयपूर्व आवरियन विफलता में साइटोकिन्स की भूमिका
7. युवावस्था के सर्विकल कार्सिनोमा में नैदानिक आक्रामकता के आणविक आधार का मूल्यांकन
8. विषम लिंग अनुपात का जैविक आधार
9. प्राथमिक टेस्टिकुलर विफलता की आनुवंशिकी
10. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एचएलए-जी एक्सप्रेशन पर सगर्भता होर्मोस का प्रभाव
11. एच.एस.6एस.टी.2 का उत्परिवर्तन मूल्यांकन: इडियोपैथिक पूर्व परिपक्व ओवरियन विफलता में एक प्रमुख जीन।

12. माइस फोलिकल्स में टीएनएफ-अल्फा इंड्यूस्ड एपोपटोसिस पर एल-एसीटाइलकारनीटाइन का प्रभाव
13. मॉडल प्रणाली के रूप में केनोरहाब्डिटिस एलिगेंस का उपयोग कर प्रजनन उम्र बढ़ने में संरक्षित आरएनए बाध्यकारी प्रोटीन (आरबीपी) की भूमिका का अध्ययन करने हेतु
14. प्रजनन उम्र बढ़ने के दौरान भ्रूण की विकासात्मक योग्यता पर एच.डी.ए.सी.आई. का मूल्यांकन
15. प्रोस्टेट कोशिकाओं पर सेलेनियम एवं विटामिन ई के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु
16. सरटोली सेल ऑनली सिंड्रोम (एससीओएस) का आनुवंशिक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एकाधिक माइलोमा में बोन मैरो माइक्रोइनवायरन्मेंट की भूमिका, मेडिकल ओन्कोलॉजी, आईआरसीएच
2. प्रोटीन प्रोफाइलिंग और तनाव के साथ सहसंबंध द्वारा एंडोमेट्रोसिस की पैथोफिजियोलॉजी को समझना, फिजियोलॉजी
3. अस्पष्टीकृत मृत-जन्म का आणविक आनुवंशिक मूल्यांकन, आनुवंशिकी एकक, बाल चिकित्सा
4. इडियोपैथिक हाइपोपेराथायरायडिज्म के अद्‌वितीय पहलू, अंत: स्राविकी विज्ञान
5. मौखिक संभावित रूप से घातक और घातक घाव में बायोमार्कर्स के रूप में सूक्ष्मीआरएनए और एचटीईआरसी जीन प्रोफाइल, सीडीईआर
6. पीसीओएस से ग्रस्त भारतीय महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह के अभिभावकीय इतिहास का प्रभाव, अंत: स्राविकी विज्ञान
7. ट्यूबर्क्यूलोसस में दबी हुई रोग प्रतिरोधक क्षमता पर चैकपाइंट इनहिबिटर्स का प्रभाव, प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान और प्रतिरक्षा आनुवंशिकी
8. 3 साल से कम आयु के भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा फेटो प्रोटीन की संदर्भ सीमा, बाल चिकित्सा सर्जरी
9. प्रजननअक्षम और प्रजननसक्षम भारतीय महिलाओं में एंटी मुलरियन हार्मोन और एंटरल फॉलिकल काउंट्स का आयु विशिष्ट मानदंड, प्रसूति और स्त्री विज्ञान
10. न्यूरोजेनिक मूत्राशय वाले मरीजों में गुर्दे की क्षति की जानकारी देने और गुर्दे की क्षति के मौजूदा मानक के साथ इसके सहसंबंध में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका, बाल चिकित्सा सर्जरी
11. पैनक्रिएटिक कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए मीडिएटिड मॉडयूलेशन की भूमिका, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी
12. बाल रोग संबंधी ठोस ट्यूमर के उत्तरजीवियो में रोग के दीर्घ अवधि प्रभाव एवं इसके उपचार का अध्ययन करने के लिए, बाल रोग सर्जरी
13. दीर्घ कालिक माइलोइस ल्यूकीमिया से पीड़ित पुरुषों में शुक्राणु के पैरामीटर्स और पीट्विटरी गोनेडल एक्सिस पर टाइरोसीन काइनेस इनहिबिटर्स का प्रभाव, रुधिर विज्ञान
14. सिस्टेथियोनिन गामा लायस मध्यस्थ ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रसार में माइक्रो आरएनए-30 की भूमिका और प्रीक्लेम्पसिया में स्थिति, शरीर रचना विज्ञान

पूर्ण

1. गैस्ट्रिक एडेनोकार्सीनोमा में सी एमईटी जीन एक्सप्रेशन का मूल्यांकन और पारंपरिक क्लिनिक-पैथोलॉजिकल पैरामीटर के साथ सह-संबंध - एक वर्णनात्मक अध्ययन, पैथोलॉजी, यूसीएमएस/जीटीबी, दिल्ली विश्वविद्‌यालय
2. सर्विकल इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया के हिस्टोलॉजिक ग्रेड मार्कर के रूप में सर्विकल साइटोलॉजी स्पेसिमेंस में एचटीईआरसी प्रवर्धन का मूल्यांकन, पैथोलॉजी, यूसीएमएस/जीटीबी, दिल्ली विश्वविद्‌यालय
3. हृदय विकृति से ग्रस्त बच्चों में क्लिनिको-डिस्मोर्फिक प्रोफाइल और संबंधित विकृति का अध्ययन,

एमएएमसी, दिल्ली विश्वविद्यालय

4. स्पर्मेटोजेनिसस में सूक्ष्मआरएनए की भूमिका, भारतीय प्रतिरक्षाविज्ञान संस्थान, दिल्ली
5. साइटोनेटिक्स और एफआईएसएच का उपयोग करके एकाधिक माइलोमा में गुणसूत्र विसंगतियों का गुणन, मेडिकल ऑनकोलॉजी, आईआरसीएच
6. बहु माइलोमा का आण्विक जीवविज्ञान, मेडिकल ऑनकोलॉजी, आईआरसीएच, एम्स
7. प्रारंभिक अपरिपक्व टी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया का आण्विक जीवविज्ञान प्रयोगशाला ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
8. लिम्फोसाइट पुनर्स्थापन और संक्रामक विकृति के बाद ऑटोलॉगस हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण, मेडिकल ओन्कोलॉजी विभाग, आईआरसीएच
9. फाइब्रोऐडनोमा और स्तनवेदना को नष्ट करने में निस्वानी (एनआईएसडब्ल्यूएएनआई) की प्रभाविकता को मापने के लिए एक दूरदर्शी सामूहिक अध्ययन, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ कैंसर प्रीवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा, यूपी; सर्जरी
10. चूहा परीक्षण में हाई स्पर्मेटिक वैसल लिगेशन, लो स्पर्मेटिक वैसल लिगेशन की तुलना, बाल चिकित्सा सर्जरी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 6 सार : 1 पुस्तकों में अध्याय: 1

रोगी उपचार

- **बाह्य रोगी सेवा में रोगी चिकित्सा:** प्रजनन जैव विज्ञान विभाग मानक बाह्य रोगी सेवा का हिस्सा नहीं है।

डॉ. हल्दर को मुख्य रूप से दिल्ली के अन्य अस्पतालों से अथवा परामर्श/प्रबंध योजना/सलाह के लिए स्वयं रेफरल और विशेष रूप से पुरुष प्राथमिक हाइपोगोनैडिज्म, बार-बार गर्भपात, बार-बार आईवीएफ विफलता, आनुवंशिक विकार और विकृति सिंड्रोम में प्रजनन आनुवंशिकी से संबंधित 100 से अधिक मामलों को सौंपा जा चुका है।

- **प्रयोगशाला सेवा के रूप में कार्यभार:**

हाइब्रिडाईजेशन सेवाओं में चल रहे फ्लोरेसेंट के अलावा एसटीआर/माइक्रोसैटेलाइट मार्कर्स का प्रयोग करके अतिरिक्त आण्विक साइटोजेनेटिक तकनीक को मानक किया गया तथा इसका रोगी चिकित्सा में प्रयोग किया गया।

- **प्रजनन जैवविज्ञान विभाग में विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं, एम्स आण्विक साइटोजीनेटिक्स प्रयोगशाला**

(क) रक्त (इंटरफेज़/मेटाफेज़ कोशिका), बक्कल कोशिका, मूत्र कोशिका, ठोस कोशिका इत्यादि पर माइक्रोडिलीशन एफआईएसएच

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम के संदिग्ध कुल 300 मरीजों को भर्ती किया गया है। सभी मामलों की एफआईएसएच और क्यूएफ-पीसीआर जांच आण्विक साइटोजेनेटिक प्रयोगशाला में की गई। पीडब्ल्यूएस मामलों के लिए नई तकनीक जैसे मीथाइल विशिष्ट पीसीआर को मानकीकृत किया गया तथा मीथाइल विशिष्ट पीसीआर की सुविधा शुरु की गई। जिन माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम्स के लिए आनुवंशिक सुविधा दी जाती है, वे निम्नलिखित हैं:

- डी जॉर्ज सिंड्रोम (22q11.2)
- विलियम सिंड्रोम (7q11.23)
- प्रेडल विली सिंड्रोम (15q11.13)
- रेटिनोब्लास्टोमा (13q)
- मिलर डैकर सिंड्रोम (17p13.3)
- लेंगर गीडियन्स सिंड्रोम (8q24.11)

- 1p36.13
- वूल्फ हिर्सकॉर्न (4p16.3)

(ख) प्रसवपूर्व एफआइएसएच (एम्नीओटिक द्रव कोशिकाएं/कोरियोनिक ऊतक)

- ट्राईसोमी 21 (डाउन सिंड्रोम)
- ट्राइसोमी 18 (एडवर्ड सिंड्रोम)
- ट्राइसोमी 13 (पटाऊ सिंड्रोम)
- कोई भी ऑटोसोमल एन्यूसप्लॉइडीस (अनुरोध पर)

(ग) कैरियोटाइपिंग (केवल शोध उपयोग के लिए)

(घ) सेक्स क्रोमोसोम एफआइएसएच (एक्स, वाई, एसआरवाई: केवल शोध और बांझपन)

(ड.) वाइक्यू माइक्रोडिलिशन पीसीआर (तकरीबन 20 प्राइमर पूरे हुए)

(च) पीआरआईएनएस (गुणसूत्र 13, 18, 21, एक्स, वाई)

(छ) क्यूएफ-पीसीआर (डीजी, डब्ल्यूएस, पीडब्ल्यूएस, आरबी, एमडी, लैंगर-गिडियंस, ट्राइसोमी 13, 18, 21, आदि)

(ज) मिथाईल विशिष्ट पीसीआर (पीडब्ल्यूएस)

(झ) माइक्रोडिलिशन सिंड्रोम/प्राथमिक टेस्टिकुलर विफलता के लिए डीएनए माइक्रोएरे

सीआरआईए सुविधा: सुविधा में एलएच, एफएसएच, प्रोलैक्टिन टी3, टी4, टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्राडियोल, प्रोजेस्टेरोन, अल्फा फेटो-प्रोटीन, प्रोस्टेट विशिष्ट एंटीजन (पीएसए), बीटा एचसीजी, सीए -125, कोर्टिसोल और विटामिन डी, एंटी टीपीओ, एंटी टीजी, फ्री टी3, फ्री टी4, बीएनपी, ट्रोपोनिन आई, सीकेएमबी, होमोसिस्टीन, एसएचबीजी, सीईए, सीए 19.9, सीए 15.3, फ्री पीएसए, प्रो जीआरपी, एचई 4, एक्टिव बी12, फेरिटिन, फोलेट, इंसुलिन, पीटीएच, सी-पेप्टाइड, एचबीए1सी और एंटी सीसीपी, डीएचटी, 17 हाइड्रोक्सी प्रोजेस्टेरोन, एसीटीएच, जीएच, इनहिबिन बी और प्रोकैल्सिटोनिन (पीसीटी) में एएमएच के लिए 41 पैरामीटर की नियमित जांच के लिए संस्थान और बाहरी रोगियों के रक्त के नमूने लिए गए थे। पिछले वर्ष नई जांच जैसे टोक्सो-IgG, टोक्सो-IgM, रूबेला-IgG, रूबेला-IgM, सीएमवी-IgG और सीएमवी-IgM भी शुरू की गई।

जांच का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या	जांच का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या
एफएसएच	8,094	एंटी सीसीपी	3,481
एलएच	7,042	पीटीएच	12,090
प्रोलैक्टिन	6,260	एंटी-टीपीओ	1,224
डीएचईए-एस	552	इंसुलिन	1,909
टोटल टी3	20,340	प्रोकैल्सिटोनिन	3,645
टोटल टी4	24,535	एंटी टीजी	174
टीएसएच	48,600	बीएनपी	287
टेस्टोस्टेरोन	2,253	मुक्त टी3	432
एस्ट्रेडियोल	1,127	मुक्त टी4	506
प्रोजेस्टेरोन	279	मुक्त पीएसए	126
एएफपी	5,692	ट्रोपोनिन I	319
पीएसए	3,299	जीएच	153
बीटा एचसीजी	1,626	टोक्सो-IgG	11
सीए-125	2,974	टोक्सो-IgM	11
कोर्टिसोल	1,389	रूबेला-IgG	4

विटामिन डी	29,063	रूबेला-IgM	6
फोलेट	10,632	सीएमवी-IgG	17
सक्रिय विटामिन B12	14,729	सीएमवी-IgM	17
सीए 19.9	2,138	डीएचटी	15
सीईए	2,322	17 ओएच प्रोजेस्टेरोन	355
फेरिटीन	9,587	एएमएच	4,656
शोध नमूने	6,000		
कुल	**2,37,956**		

किए गए परीक्षणों की संख्या पिछले वर्ष के **2,05,383** से बढ़कर **2,37,956** हो गई है। 60 रोगियों को एंड्रोलॉजी सेवाएं दी गई जिसमें संपूर्ण शुक्राणु पैरामीटर्स (शुक्राणु गणना, स्वत: गतिशीलता, चेतनत्व, मोर्फोलॉजी) शामिल थी।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग पुरस्कार

"आचार्य के.आर. लोमस" के नाम पर वर्ष 2018 हेतु **आचार्य एम. राजलक्ष्मी** ने विभाग व्याख्यान पुरस्कार प्राप्त किया।

ईशा ऋषि (एमएससी छात्र) ने 22-24 फरवरी 2019 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित आईएसएसआरएफ की 29वीं वार्षिक बैठक में **सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार** प्राप्त किया।

कनिका अग्रवाल (एमएससी छात्र) ने 26 मार्च 2019 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित **एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस पर तृतीय सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार** प्राप्त किया।

प्रोफेसर आशुतोष हल्दर मानव विकास और रोग जीव विज्ञान, डीबीटी के मातृ एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के टास्क फोर्स सदस्य थे; एमसीआई के मेडिकल जेनेटिक्स के टास्क फोर्स सदस्य; कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज में भौतिक एवं अन्य शिक्षण सुविधाओं का आकलन, डीएम के लिए मनीपाल-एमसीआई के मेडिकल जेनेटिक्स कोर्स की मंजूरी; एनएएमएस के सलाहकार पैनल विशेषज्ञ सदस्य (जेनेटिक्स); एनआईएचएफडब्ल्यू की कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) और संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) के सदस्य; एनआईआई की संस्थागत समिति-स्टेम सैल रिसर्च (आईसी-एससीआर) के सदस्य; एमपी पीसीओएस सोसाइटी के कार्यकारी सदस्य; जेनेटिक्स और साइटोजेनेटिक्स पर एनएबीएल की मान्यता समिति के सदस्य; सीसीआरएएस (आयुष मंत्रालय के अंतर्गत) की विशेषज्ञ समिति के सदस्य; डीएम (मेडिकल जेनेटिक्स; एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ) के लिए बाहरी परीक्षक; विभिन्न विश्वविद्यालयों (जेएनयू, सीडीआरआई, डीयू, एसजीपीजीआई, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, केरल विश्वविद्यालय आदि) में पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप (क्लीनिकल साइटोजेनेटिक्स; सीडीएफडी, हैदराबाद) और पीएचडी (थीसिस एवं मौखिक); एम्स की विभिन्न विभागीय समितियों को बढ़ावा देने के लिए आकलन बोर्ड के सदस्य; आईसीएमआर वैज्ञानिकों को बढ़ावा देने के लिए आकलन बोर्ड के विशेषज्ञ; पीएसी समिति, आईसीएमआर (एसआरएफ/आरए परियोजनाएं) के सदस्य; संकाय, आईजीआईएमएस, पटना के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य; वर्तमान विज्ञान, जर्नल ऑफ जेनेटिक्स, एसएम जर्नल ऑफ गायनकोलॉजी एंड आब्सटेट्रिक्स, ट्रांस्लेशनल बायोमेडिसिन, स्कॉलर्स रिपोर्ट, साइंस अलर्ट, जेएपीआई, क्लीनिकल केस रिपोर्ट्स एंड रिव्यूज़, ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च, इंटरनेशनल ब्लड रिसर्च एंड रिव्यूज, जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, इंडियन पेडियाट्रिक्स, साइंस डोमेन इंटरनेशनल, क्लीनिको इकोनोमिक्स एंड आउटकम्स रिसर्च, रिसर्च इन पब्लिक हैल्थ, पोलिश मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड हायर एजुकेशन/नेशनल साइंस सेंटर/नेशनल सेंटर फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (प्रोजेक्ट रिव्यू), आईसीएमआर (प्रोजेक्ट पेपर) आदि के समीक्षक/संपादकीय बोर्ड सदस्य; 100 से अधिक उद्धरण (कुल 900 से अधिक); **अनुगामी अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स के संपादकीय/सलाहकार बोर्ड/कार्यकारी सदस्य थे:** ओपन जर्नल ऑफ क्लीनिकल डायग्नोस्टिक्स ऑफ साइंटिफिक रिसर्च (200 से अधिक मुक्त जर्नल्स का प्रकाशन करती है); जर्नल क्लीनिकल केस रिपोर्ट्स एंड रिव्यूज़ (सीसीआरआर); जेबीआर जर्नल ऑफ क्लीनिकल डायग्नोसिस एंड रिसर्च; एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल सांइसिस (2012 तक); आस्टिन जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड इनफर्टिलिटी; बायोइंफो पब्लिकेशंस जर्नल्स (70 से अधिक मुक्त

और 70 से अधिक सदस्यता आधारित पीयर रिव्यूड जर्नल्स प्रकाशित करती है); ग्लोबल जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स एंड जीन थैरेपी; क्लीनिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट: ओपन एक्सेस; एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड क्लीनिकल रिसर्च; **राष्ट्रीय जर्नल्स:** जर्नल ऑफ दी असोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया (जेनेटिक्स सेक्शन); क्लीनिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट; इनोवेयर जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस।

प्रोफेसर प्रदीप कुमार चतुर्वेदी, पीजी, एम्स के लिए नीति विषयक समिति के सदस्य, आईएम टेक चंडीगढ़, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, कोलकाता विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल में पीएचडी और एमएससी पीएचडी के परीक्षक, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) की परियोजनाओं के समीक्षक, आईसीएमआर चयन समिति के सदस्य, सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च और एड-हॉक परियोजनाओं की समीक्षा के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति के सदस्य और एंड्रोलोजिया जर्नल के समीक्षक थे।

डॉ सुरभि गुप्ता, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) में अनुदान के लिए विशेषज्ञ समीक्षक थी।

डॉ मोना शर्मा, डीबीटी प्रस्तावों और बुक प्रस्तावों (सीआरसी प्रैस) की विशेषज्ञ समीक्षक थी।

आमंत्रित वैज्ञानिक

मॉलिक्यूलर साइटोजेनोटिक्स: इन हाउस एफआईएसएच प्रोब प्रोडक्शन विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में चर्चा के लिए आमंत्रित वैज्ञानिक निम्नलिखित हैं:

1. डॉ. आशीष फौजदार (वैज्ञानिक, ई.एस.आई. अस्पताल, पंजाबी बाग, नई दिल्ली)
2. डॉ. ईशा चौधरी (वैज्ञानिक, डॉ. लाल पैथ लैब, नई दिल्ली)

9-38 :eVkykth

आचार्य एवं अध्यक्ष

सहायक आचार्य

रंजन गुप्ता | दानवीर भादू

सजल अजमानी (अनुबंध)

विशेषताएं

अगस्त, 2015 में विभाग की स्थापना की गई थी और उसे अधिसूचित किया गया था। यह आधुनिकतम रोगी देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने और साथ ही भवन संसाधनों में सहायक होता है जिसे रूमेटालॉजिकल रोग वाले रोगियों के मैसिव लोड के साथ हल करना अपेक्षित होता है। स्थान की कमी के कारण विभाग केवल दो ओपीडी और एक रूमेटालॉजी क्लिनिक चलाने में सक्षम है। इसकी केवल एक छह-बिस्तर वाली रूमेटालॉजी डे-केयर सर्विस है जिसकी शुरुआत वर्ष 2012 में हुई थी, जो भारत में अपनी तरह की पहली सेवा है जो विभिन्न अंतःप्रवाहों, खोजबीन और प्रक्रियाओं के लिए कम अवधि के लिए दाखिल होने वाले रोगियों की आवश्यकताओं को पूरा कर रही थी। विभाग अनुसंधान कार्यों में अग्रणी है, इसे बाहरी स्रोतों और कई सहयोगी परियोजनाओं से 2,31,32,711.00 रु. का अनुसंधान अनुदान प्राप्त होता है। विभागीय क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी लैब बड़ी संख्या में संपूर्ण अस्पताल की विभिन्न इम्यूनोलॉजी जांचों की पूर्ति करती है। प्रशिक्षित रूमेटालॉजी विशेषज्ञों की आवश्यकता महसूस करते हुए, अन्य संगठनों (भारत और विदेशी) से चिकित्सा विशेषज्ञों को नियमित रूप से अल्पावधि प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विभाग का एक सक्रिय अध्यापन कार्यक्रम है और यह रूमेटालॉजी में 'डीएम' नामक एक सुपर-स्पेशलिटी कोर्स आरंभ करने के लिए प्रयासरत है। आम जनता और मेडिकल प्रोफेशनल्स में विभिन्न प्रकार के रुमेटालॉजिकल डिसऑर्डर के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए शैक्षणिक गतिविधियां चलाना इसकी नियमित विशेषताएं हैं।

शिक्षा

यूजी व्याख्यान / सेमिनार और बेडसाइड शिक्षण

1. प्रणालीगत सेलेरोसिस और ओवरलैप सिंड्रोम
2. पॉलीआर्थराइटिस के रोगी के लिए दृष्टिकोण
3. रूमेटॉइड आर्थ्राइटिस का प्रबंधन
4. नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान का विस्तार, स्वप्रतिरक्षा और स्वप्रतिरक्षी रोगों पर वर्तमान अवधारणा
5. रूमेटॉइड आर्थ्राइटिस और स्पोंडिलोआर्थराइटिस
6. प्राथमिक प्रणालीगत नेक्रोटाइजिंग वास्कुलिटिस
7. प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस

नर्सिंग कक्षाएं

1. प्राथमिक इम्यूनोडेफिशिएंसी विकार
2. एलर्जी और अतिसंवेदनशीलता प्रतिक्रियाएं
3. प्रतिरक्षा प्रणाली का अवलोकन
4. इंफ्लेमेट्री मायोसिटिस
5. लघु वेसल वैस्कुलिटिज

चिकित्सकों को दिया गया अल्पकालीन प्रशिक्षण

1. डॉ. लव राज लोहानी, नेपाल
2. डॉ. ऑल अल्लाउद्दीन मामून, चिकित्सा अधिकारी, बांग्लादेश

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. लुपस पर जन जागरूकता कार्यक्रम, 10 मई 2018, दिल्ली
2. दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन मासिक नैदानिक बैठक, 26 नवंबर 2018, दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

उमा कुमारः 15 **रंजन गुप्ताः 3** **दानवीर भादूः 3**

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टरः 13

शोध

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. 'इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (एसएससी-आईएलडी) से संबंधित सिस्टेमिक स्लेरोसिस' वाले रोगियों में कम से कम 52 सप्ताह के ओरल निंटेडेनिब ट्रीटमेंट की क्षमता और सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए एक डबल ब्लाइंड, रेंडोमाइज्ड, प्लेसीबो-कंट्रोल्ड ट्रायल। उमा कुमार, बोरिंगर इंजेलिम इंडिया प्रा.लि., 4 वर्ष, 2015-2019, 4.95 लाख रुपए।
2. टी हैल्पर सैल्स और ल्यूपस नेफराइटिस में बायोमार्कर्स के रूप में उनके सिग्नेचर साइटोकिन्स, रंजन गुप्ता, एसईआरबी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015-2018, 11 लाख रु.
3. रक्त और मूत्र में एलएन एक्टिविटी के मार्कर के रूप में सीडी163+ मार्कोफेगिस और एससीडी163, रंजन गुप्ता, इंडियन रयूमेटालॉजी एसोसिएशन, 2 वर्ष, 2016-2018, 1 लाख रु.
4. सिस्टेमिक लुपस एरिथमेटोसुस पर मल्टी-इंस्टीट्यूशनल नेटवर्क प्रोग्राम: एसएलई की डायवर्सिटी की जानकारी, रंजन गुप्ता, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 99.85 लाख रु.

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. कॉर्टिकोमोटर एग्जिस्टेबिलिटी पर मोटर इमेजरी का प्रभाव और रयूमेटॉयड आर्थराइटिस रोगियों में दर्द की स्थिति, एनाटॉमी
2. सेलिवरी स्केवेंडर एंड एग्लुथिनिन (एसएएलएसए) की भूमिका का मूल्यांकन और रयूमेटॉयड आर्थराइटिस में लेक्टिन पाथवे कॉम्पोनेंट्स, गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय
3. ज्वाइंट इन्फलेमेशन में एक्सोजिनीयस एटीपी की भूमिका की पहचान करना, साउथ एशियन निवर्सिटी, नई दिल्ली
4. रूमेटॉइड, एनाटॉमी, एम्स में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव
5. लुपस में इनेट और एडॉप्टिव इम्यूनिटी के बीच इंटरप्ले : न्यूट्रोफिल्स और मोनोकाइट्स पर एपोप्टोटिक सैल-रिएक्टिव एंटीबॉडिज के इनफ्लेमेटरी इफेक्ट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली
6. संतोष विश्वविद्यालय गाजियाबाद के किशोर स्कूली बच्चों में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के मस्कुलोस्केलेटल लक्षण उनका प्रभाव
7. दवाओं का उचित उपयोग, फार्माकोलॉजी
8. रूमेटॉयड आर्थराइटिस संबंधी बायोलॉजी की जानकारी : कुछ/नॉवेल जेनेटिक डिटरमिनेंट्स का फंक्शनल कैरेक्टेराइजेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय

पूर्ण

1. रूमेटॉयड आर्थराइटिस में नॉन-क्लासिकल एचएलए-जी जीन पॉलीमॉर्फिज्म का एसोसिएशन और इसके स्तरों पर योग के हस्तक्षेप का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान
2. संधिशोथ के उपचार के लिए लक्षित नैनोमेडिसिन का विकास, विकृति विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाः 10 पुस्तकों में अध्यायः 2

रोगी उपचार

विभाग, बड़ी संख्या में रोगियों की देखभाल करता है। पिछले एक वर्ष में लगभग 25,000 मरीजों का बाहरी मरीज विभाग में निरीक्षण किया।

विभाग में सुविधाएं

1. रुमेटोलॉजी चिकित्सालयः 4,982 मरीज देखे गए
2. रुमेटोलॉजी ओपीडीः 5,312 नए रोगियों को देखा गया और 22,000 अनुवर्ती रोगियों को देखा गया
3. रुमेटोलॉजी डे केयर

नाड़ी /जैविक चिकित्सा	अंर्तजोड़ संबंधी इंजेक्शन	अंतर्पेशीय इंजेक्शन	उपचर्म इंजेक्शन	बायोप्सी	मुश्किल प्रकरण चर्चा	अन्य	कुल
1,423	1,045	136	569	39	510	102	**3,824**

4. मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंडः 101 (निर्देशित प्रक्रिया शामिल है)
5. क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला नेफेलोमीटर, इम्यूनोफ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप, पोलराइज्ड माइक्रोस्कोप और एलिसा से सुसज्जित है।

आरएफ	10,407
एएनए	14,290
एएनसीए	7,314
एसीएल	6,340
एंटीडीएसडीएनए	6,065
सी3	345
क्रायो ग्लोबुलिंस	93
एंटी एलकेएम	2,673
एएसएमए	2,668
आईजीजी (IgG), आईजीए (IgA), आईजीएम (IgM)	67
क्रिस्टल के लिए सायनोवियल फ्लूइड	424
कुल	**50,686**

सामुदायिक सेवा

डॉ उमा कुमार

1. प्रतापगढ़, उ.प्र. तथा लेह, लद्दाख में चिकित्सा शिविर में भाग लिया
2. एम्स में एसएलई पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया
3. रुमेटालॉजिकल विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रिंट मीडिया में लेखन
4. गठिया पर टीवी और रेडियो कार्यक्रमों में भाग लेना

आयोजित चिकित्सा शिविर

1. 30 सितंबर 2018 को रेल विहार, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में और 138 रोगियों की जांच की गई
2. 14 अक्टूबर 2018 को नंदा टॉवर, कौशाम्बी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में और 63 रोगियों की जांच की
3. 10 फरवरी 2019 को बीके दत्त कॉलोनी, नई दिल्ली में और 113 रोगियों की जांच की

दक्षिण दिल्ली के स्कूलों में **किशोरों के बीच मस्कुलोस्केलेटल स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम**

क्र. सं.	**स्कूल का नाम**	**तिथि**	**भाग लेने वाले छात्रों की संख्या**
1	सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली	24 अप्रैल 2019	450
2	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय त्यागराज नगर, नई दिल्ली	9 मई 2019	440
3	गवर्नमेंट को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लक्ष्मी बाई नगर, नई दिल्ली	11 जुलाई 2019	200
3	सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	2 अगस्त 2019	500
5	सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एकता विहार, आरके पुरम, नई दिल्ली	2019	500
6	जोस मार्टी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 12, आरके पुरम, नई दिल्ली	12 अक्टूबर 2019	980
7	सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 7, आरके पुरम, नई दिल्ली	5 नवंबर 2019	550
8	सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 13, आरके पुरम, नई दिल्ली	15 नवंबर 2019	450
9	सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नानक पुरा, नई दिल्ली	28 नवंबर 2019	350
10	सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मुनीरिका ग्राम, नई दिल्ली	11 दिसंबर 2019	500

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर उमा कुमार मेटाबॉलिक एंड ऑटोइम्यून डिसऑर्डर्स-डीबीटी पर गठित कार्य दल के विशेषज्ञ सदस्य थे, जिसका आयोजन 19-20 जुलाई, 2018 को लोधी रोड, नई दिल्ली में किया गया था; 21-22 जुलाई 2018 को बोलगट्टी, कोचीन में केरला चैप्टर-आईआरए के अधीन आयोजित, मानसून रूमेटालॉजी सम्मेलन के अध्यक्ष थे; "15 अक्तूबर 2018 को एम्स, ऋषिकेश में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय बायोमेडिकल रिसर्च प्रतियोगिता (एनबीआरसीओएम-2018) में 'रूमेटॉयड आर्थराइटिस में रोग की गतिविधि और डिप्रेशन की गंभीरता में सुधार के लिए योग की अन्तर्निहित भूमिका : एक रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल" शीर्षक के अंतर्गत **आयुष श्रेणी में (कुल मिलाकर चौथा रैंक) सहयोगी कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार** प्रदान किया गया।

डॉ. दानवीर भादू डीआरए अपडेट-2019 में (2-3 फरवरी) क्विजमास्टर थे, इसका आयोजन रूमेटालॉजी एंड क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी विभाग, सेना अस्पताल (आरएंडआर), दिल्ली कैंट द्वारा किया गया था; इन्होंने दिल्ली रूमेटालॉजी अपडेट-2019 में "कनेक्टिव टिश्यू डिसऑर्डर्स" सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ सजल अजमानी ने 3 फरवरी 2019 को दिल्ली रुमैटोलॉजी अपडेट-2019 में "स्पोंडिलोआर्थराइटिस" सत्र में अध्यक्ष थे।

अतिथि वैज्ञानिक

सुतोमु तकेउची, एमडी, पीएचडी, रुमेटोलॉजी के प्रोफेसर, केयू विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन, जनरल डायरेक्टर, केयो यूनिवर्सिटी अस्पताल।

9-39 'kY; fpfdRlk foHkkx

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनुराग श्रीवास्तव

आचार्य

सुनील चुम्बर | राजिंदर पार्षद | वी सीनू (छुट्टी पर)

संदीप अग्रवाल | विरेंद्र कुमार बंसल | अनीता धर

सह-आचार्य

हेमांग के भट्टाचार्जी

सहायक आचार्य

आसुरी कृष्ण | पीयूष रंजन | मंजुनाथ मारुति पोल

मोहित जोशी | यशवंत राठौर | सुहानी

कमल कटारिया | ओम प्रकाश

विशिष्टताएं

हमारा विभाग मिनिमल इनवेसिव, थोरैसिक, वैस्कुलर, रीनल ट्रांसप्लांट, ब्रेस्ट, एंडोक्राइन और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और बैरिएट्रिक सर्जरी में शामिल है। हम ब्रेस्ट कैंसर, बैरियाट्रिक और रीनल ट्रांसप्लांट क्लीनिक चला रहे हैं। इसके अलावा, हम बुनियादी और उन्नत लेप्रोस्कोपिक सर्जिकल कौशल के लिए न्यूनतम इनवेसिव प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं। कई डॉक्टर भारत और आस-पास के सार्क देशों से अल्पकालिक प्रशिक्षण के लिए आए थे। प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय संकायों ने एम्स में आकर अपने अनुभव साझा किए। हमारे विभाग ने राष्ट्रीय कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम के रोल-आउट के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में सुविधा प्रदान की। हमने ब्रैस्ट कैंसर स्क्रीनिंग करने के लिए मॉड्यूल भी विकसित किया है।

शिक्षा

1. प्रत्येक बुधवार को शाम 5.00 बजे से 6.00 बजे तक स्नातकोत्तर सेमिनार
2. एमसीएच सीनियर रेजीडेंट द्वारा प्रत्येक सोमवार को शाम 5 बजे से 6 बजे तक जर्नल क्लब प्रस्तुत किया
3. प्रत्येक शनिवार को जूनियर रेजीडेंट द्वारा जर्नल क्लब प्रस्तुत किया
4. प्रत्येक इकाई में एक सप्ताह में एक बार जूनियर रेजीडेंट द्वारा मृत्यु दर और गतिशीलता राउंड
5. एमबीबीएस छात्रों के लिए ओपीडी / वार्ड में व्याख्यान, शिक्षण कार्यक्रम
6. कनिष्ट रेजीडेंट और एमबीबीएस छात्रों के लिए समय-समय पर आंतरिक मूल्यांकन
7. नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान
8. निम्नलिखित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विभाग के न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किए गए थे:

बुनियादी और उन्नत लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम: 16

लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी: 8

लेप्रोस्कोपिक सीवन: 2

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 13वां एम्स सर्जिकल वीक, इंटरनेशनल मिनिमल एक्सेस सर्जरी कॉन्फ्रेंस, सीएमई सह लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप, ईएनडीओएसयूआरजी 2019, 28-31 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. दिल्ली स्टेट चैप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया, के सहयोग के साथ एब्डोमिनल वाल सुटुरिंग पर प्रयोगिक कार्यशाला, 24 फरवरी 2019, एसईटी सुविधा की ड्राई एवं वेट लैब, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली
3. बेरिएट्रिक सर्जरी विद हैंड्स ऑन कैडवर कोर्स पर द्वितीय राष्ट्रीय सीएमई, 22 एवं 23 फरवरी 2019, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली
4. स्नातकोत्तर और एमसीएच अभ्यर्थियों के लिए लेप्रोस्कोपिक पेट की सर्जरी प्रशिक्षण, दिसंबर 2018, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
5. डॉ. रोनन ओ'कोनेल, आयरलैंड, 16 नवंबर 2018, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा भारतीय सर्जनों को पढ़ाने में बेली और लव की भूमिका पर अतिथि व्याख्यान।
6. "एम्स ईएचएस और एम्स नॉन ईएचएस स्टाफ के लिए ‘‘स्तन स्वास्थ्य जागरूकता कैंप’’, 30 अक्टूबर 2018, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. "पुरुषों और महिलाओं के सामान्य कैंसर : स्तन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर" में स्तन स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता, 29 अक्टूबर 2018, दूरसंचार विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. उदर घाव बंद होने पर सुटिंग कार्यशाला, 25 अगस्त 2018, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
9. स्नातक और स्नातकोत्तर के लिए सुटिंग कार्यशाला, 30 अप्रैल 2018, एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

व्याख्यान दिए

अनुराग श्रीवास्तव: 12	**सुनील चुम्बर: 3**	**राजिंदर पार्षद: 14**
संदीप अग्रवाल: 17	**वीके बंसल: 15**	**अनीता धर: 7**
हेमांग के भट्टाचार्जी: 10	**असुरि कृष्ण: 6**	**पीयूष रंजन: 9**
मोहित जोशी: 7	**यशवंत राठौर: 1**	**सुहानी: 10**
कमल: 7	**ओमप्रकाश: २**	

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुत: 64

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. होमिंग पेप्टाइड और प्लास्मोनिक फोटोथर्मल तकनीक (डी-1848) का उपयोग करके ठोस ट्यूमर

को लक्षित करना, अनुराग श्रीवास्तव, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 5 लाख रुपये

2. एक लेबल एक्सटेंशन, सिंगल आर्म मल्टीसेंट्रिक फेज III में ब्यूर्गर्स डिजीज के कारण नाज़ुक अंग इस्किमिया वाले रोगियों में अनुमोदित उत्पाद स्टेम्पुसेल® की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए अध्ययन, स्टेम सेल की मुफ्त आपूर्ति के साथ, अनीता धर, स्टेमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018-2020, रु. 15 लाख
3. कठोर स्तनवेदना में पूर्ण एस्ट्रोजन ब्लॉकेड: एक रेंडमाइज़ नैदानिक परीक्षण, सुहानी, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2018-2019, रु. 4.99 लाख
4. एर्गोनॉमिक रूप से संवर्धित सर्जिकल उपकरणों का डिजाइन, विकास और सत्यापन, पीयूष रंजन, एम्स, 2 साल, 2018-2019, 4 लाख रुपये

पूर्ण

1. बी.सी.आर.एल. भारतीय रोगियों में लिम्फेडेमा उपचार के गहन चरण के दौरान मॉर्बिडर्म® सहित एक संपीड़न पट्टी की सुरक्षा और प्रभावकारिता: एक रेंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण, थुअसने, फ्रांस, अनीता धर, 1 वर्ष, 2018, रु 8 लाख रूपए।
2. निचले अंगों की धमनीय बीमारी में एंडोथेलियल नाइट्रिक ऑक्साइड सिन्थेज़ (ईएनओएस), नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ), साइटोकिन्स, संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर-ए (वीईजीएफ़-ए) का अध्ययन और नैदानिक परिणाम के साथ परिवर्तन, अनीता धर, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 5 लाख रूपए।
3. रोगसूचक सौम्य स्तन रोग में सेंटाक्रोमैन बनाम टैमोक्सीफेन, रेंडम नैदानिक परीक्षण, मंजूनाथ मारुति पोल, एम्स, 1 वर्ष, 2016, रु. 0.6 लाख रूपए।
4. धमनीविषयक फिस्टुला सर्जरी के परिणाम पर हैंडग्रिप व्यायाम के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए, एक रेंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण, विभाग, 1 वर्ष, 2016, रु. 0.25 लाख रूपए।
5. हीमोडायलिसिस के लिए धमनीविस्फार नालव्रण के निर्माण के दौरान उपयोग किए जाने वाले 2 मिमी या उससे कम कैलिबर नसों के लिए हाइड्रोस्टेटिक डिलेटेशन प्लस बैलून एंजियोप्लास्टी बनाम हाइड्रोस्टैटिक डिलेटेशन प्लस मेलेडेबल वेस्कुलर एनालाइजर, एक रेंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण, मंजूनाथ मारुति पोल, विभाग, 1 वर्ष, 2016, 0.2 लाख रूपए।
6. रिकॉलिसिटेंट मास्टाल्जिया में एस्ट्रोजन ब्लॉकेड: एक पायलट अध्ययन, एम्स, सुहानी, 2 साल, 2016-2018, रु 2.81 लाख रूपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. गैर-लैक्टेशनल मास्टिटिस के प्रबंधन के लिए निर्णय विश्लेषण दृष्टिकोण के लिए एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन
2. तीव्र पैनक्रियाटाइटिस के बाद परिगलन के लिए लैप्रोस्कोपिक बनाम इंडोस्कोपिक जल निकासी की तुलना में एक संभावित प्रोस्पेक्टिव रेंडमाइज़ परीक्षण

3. मोर्बिडिटी ओबेस के लिए लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी के दौरान एंट्राल रेजिन बनाम एंट्रल संरक्षण की तुलना करने के लिए एक संभावित रेंडमाइज़ नियंत्रण अध्ययन।
4. तीव्र पैनक्रियाटाइटिस के बाद परिगलन के लिए लेप्रोस्कोपिक बनाम इंडोस्कोपिक जल निकासी की तुलना करने वाला एक संभावित रेंडमाइज़ परीक्षण
5. बीपीजी और हाइड्रोफोबिक सिलिकॉन ट्यूब डीसीटी के भीतर ऊपरी अंग पश्च स्तन कैंसर के उपचार के लिम्फेडेमा में जल निकासी के लिये रखा गया डिकोंजेस्टिव कंप्रेशन थेरेपी (डीटीसी) की तुलना करने के लिए एक रेंडमाइज़ नियंत्रित परीक्षण
6. आपरेवल स्तन कैंसर वाली महिलाओं में सेंटीनल नोड की पहचान के लिए फ्लुरेसिन एवं मेथीलिन ब्लू बनाम टेक्नीटियम सल्फर कोलॉड प्लस मेथिलीन ब्लू की पहचान दर एवं लागत प्रभावकता की तुलना करने के लिए एक रेंडमाइज़ नियंत्रित, समानांतर समूह, गैर-हीनता परीक्षण
7. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में आंत माइक्रोबायोम का एक अध्ययन
8. प्राथमिक एकलेसिया कार्डिया में लैप्रोस्कोपिक हेलरकार्डियोमायोटॉमी के बाद रोगसूचक परिणाम के साथ फिजियोलोजिकल परिणाम और सहसंबंध का अध्ययन
9. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में चोट के खतरनाक तंत्र के साथ रोगियों में धड़ के सीईसीटी स्कैन के नियमित उपयोग को मान्य करने के लिए एक अध्ययन
10. खुले जाल हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक पूरी तरह से अतिरिक्त पेरिटोनियल (टीईपी) और ग्रोन हर्निया की ट्रांस पेट प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) मरम्मत के बाद यौन कार्यों की तुलना करने के लिए एक तीन हाथ रेंडमाइज़ नियंत्रित अध्ययन।
11. क्रोनिक शिरापरक उच्च रक्तचाप वाले रोगियों में पैर के अल्सर के पूर्ण उपचार को प्राप्त करने में पेनिसिलिन + देखभाल के मानक बनाम केवल देखभाल की तुलना करते हुए एक दो हाथ समानांतर डिजाइन श्रेष्ठता रेंडमाइज़ परीक्षण ।
12. फाइब्रोएडीनोमा के एटियोपैथोजेनेसिस की पहचान करने के लिए एक जांच: एक अवसंरचनात्मक और भौतिक रासायनिक अध्ययन
13. पोस्ट कोलेसिस्टेक्टोमी के लक्षणों और जीवन की गुणवत्ता के मूल्यांकन का आकलन: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन
14. मानकीकृत फैन्टम कार्यों हेतु द्वि-आयामी (2 डी) एंडोवेशन सिस्टम, अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (एचडी) (4K) एंडोविज़न सिस्टम और थ्री-डायमेंशनल (3 डी) एचडी एंडोविजन सिस्टम पर सीखने की अवस्था की तुलना: एक पूर्व-विवो अध्ययन
15. सतही लिपोमा के उपचार में सर्जरी के साथ मेसोथेरेपी (गैर ऑपरेटिव) की तुलना
16. स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में जिन का स्तन संरक्षण के साथ इलाज किया गया है तथा जिन का मास्टेक्टॉमी के साथ इलाज किया जाता है, में ऑन्कोलॉजिकल और कार्यात्मक परिणामों की तुलना: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
17. आरंभिक स्तन क़ैसर वाली महिलाओं में स्किन स्पेयरिंग मास्टेक्टमी बनाम स्तन कंजरवेटिव सर्जरी के ऑन्कोलॉजिकल और कॉस्मेटिक परिणामों की तुलना: प्रारंभिक यादृच्छिकता परिकल्पना

के साथ यादृच्छिक तुलना

18. न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रियाओं में थ्री-डायमेंशनल (3 डी) एंडोविज़न सिस्टम बनाम अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (एचडी) (4के) एंडोविज़न सिस्टम की तुलना-एक खुला लेबल यादृच्छिक अध्ययन
19. मानकीकृत फैन्टम कार्यों पर टू-डायमेंशनल (2D) एंडोविज़न सिस्टम, अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (HD) (4K) एंडोविज़न सिस्टम और थ्री-डायमेंशनल (3D) HD एंडोविज़न सिस्टम की तुलना: एक पूर्व-विवो अध्ययन
20. प्राथमिक हाइपर्थाइरोइडिज़्म के रोगियों में दीर्घकालिक नैदानिक और जैव रासायनिक परिणाम के साथ इमेजिंग और ऑपरेटिव निष्कर्षों का सहसंबंध
21. गैर लैक्टेशनल मास्टिटिस के उपचार में निर्णय विश्लेषण दृष्टिकोण
22. रेडियोआयोडीन (^{131}आई- एनए) थेरेपी के तहत विभेदित थायराइड कैंसर वाले बच्चों और युवा वयस्कों में डॉसिमेट्रिक अध्ययन
23. गुर्दे के प्रत्यारोपण के रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट और एसिड-बेस की गड़बड़ी - एक संभावित अवलोकन अध्ययन
24. एक स्तर 1 के ट्रॉमा सेंटर में आघात के रोगियों में मृत्युदर में पूर्वसूचकों का महामारी विज्ञान एवं विश्लेषण
25. लेप्रोस्कोपी और प्रशिक्षण के प्रभाव के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि का एर्गोनोमिक विश्लेषण
26. स्तन कैंसर में सीरम बायो-मार्कर के रूप में गामा सिन्यूक्लिन का मूल्यांकन
27. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों में मौखिक साइक्लोफॉस्फेमाइड, मैथोट्रेक्सेट और कैपेसिटाबाइन (सीएमसी) की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन: 20 मामलों का एक पायलट अध्ययन
28. मोटापा प्रेरित वसा ऊतक शिथिलता और इंसुलिन प्रतिरोध में एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स रीमॉडेलिंग
29. प्राथमिक अतिपरजीविता के साथ रोगियों में नैदानिक और जैव रासायनिक परिणामों के साथ इमेजिंग और ऑपरेटिव निष्कर्षों के सहसंबंध के मूल्यांकन के लिए फॉलोअप अध्ययन
30. थायरॉइड सर्जरी के दौरान पैराथाइरॉइड ग्रंथि के परफ्यूजन की पहचान करने और उसका आकलन करने के लिए आईसीजी फ्लूरोसीन की इमेजिंग
31. लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद दर्द के उपचार में सुधार: एक यादृच्छिक गुणवत्ता सुधार अध्ययन
32. लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद दर्द के परिणामों में सुधार - गुणवत्ता में सुधार आरसीटी
33. कुल थायरोडेक्टॉमी के पश्चात पैराथायरायड प्रकार्य का रूढ़ मूल्यांकन बनाम इंडोसानाइन ग्रीन फ्लूरेसीन निदेर्शित के पश्चात पोस्टऑपरेटिव हाईपोकैल्सिमिया का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
34. बिनाइन स्तन रोगों वाले रोगियों का दीर्घकालिक परिणाम एक अस्पष्ट अध्ययन
35. वेंट्रल हर्निया के लैप्रोस्कॉपिक मरम्मत के दौरान पेनट्रेटिंग फिक्सीशेशन यंत्र सहित मेश फिक्सशेशन बनाम फाइब्रिन सिलेंट, एक दोहरा ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
36. महिलाओं में निप्पल का डिस्चार्ज; गैर-खूनी निप्पल डिस्चार्ज के साथ आने वाली होने वाली

महिलाओं में 3 सेमी डक्टल शंकु एक्सिजन के साथ सीमित लंबाई डक्टल शंकु अंश (1.5 सेमी) की तुलना करते हुए मूल्यांकन और यादृच्छिक परीक्षण

37. मोटे रोगियों में टाइप2 मधुमेह के लिए ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाईपास बनाम रूक्स एन.वाई. गैस्ट्रिक बाईपास: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
38. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर पोस्ट नियोएडज्वेंट कीमोथेरेपी वाले रोगियों में स्तन संरक्षण सर्जरी के ऑन्कोलॉजिकल परिणाम
39. स्तन कैंसर का ऑप्टिकल लक्षण
40. थियोमा के रोगियों में न्यूनतम पहुंच थाइमेक्टोमी के बाद परिणाम
41. पैराथायराइड विच्छेदन और थायरॉयडेक्टॉमी नमूना से संरक्षण पर पायलट अध्ययन और पश्चात कैल्शियम और पैराथर्मोन स्तर के साथ सहसंबंध
42. अंतिम चरण गुर्दे की बीमारी में हेमोडायलिसिस के लिए धमनी-शिरापरक नालव्रण की विफलता में हेमेटोलॉजिकल मार्करों की पहचान करने के लिए पायलट अध्ययन
43. आघात के बाद निचले अंग विच्छेदन के दौर से गुजरने वाले रोगियों में स्टंप के प्राथमिक बनाम देरी से प्राथमिक समापन: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
44. हीलर कार्डियोमायोटमी के दौर से गुजर रहे एकलेसिया कार्डिया के रोगियों में एंटी रिफ्लक्स प्रक्रिया के रूप में टोपेट फंडोप्लीकेशन बनाम उनके उच्चारण के कोण की तुलना में प्रोस्पेक्टिव रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।
45. वैकल्पिक थोरेसिक सर्जरी से गुजरने वाले रोगी में छाती ट्यूबों के प्रोटोकॉल-आधारित उपचार के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन
46. पेट की दीवार हर्निया की लेप्रोस्कोपिक मरम्मत के दौरान यांत्रिक उपकरण द्वारा अटकाई गई कृत्रिम सामग्री (मेश) बनाम गोंद: एक दोहरा ब्लाइंडिड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
47. एलआरआरटी के बाद मूत्रवाहिनी एनास्टोमोसिस के लिए स्टेंट बनाम नो स्टेंट की तुलना करने वाला आरसीटी
48. मिडलाइन वेंट्रल हर्निया की मानकीकृत लैप्रोस्कोपिक मेश मरम्मत
49. जीवित संबंधित वृक्क प्रत्यारोपण में यूरेटेरोनियोसिस्टोस्टोमी में स्टेंट बनाम बिना स्टेंट: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
50. मूत्र असंयम पर बैरियाट्रिक सर्जरी प्रेरित वजन घटाने का अध्ययन प्रभाव
51. रुग्ण मोटापे के रोगियों में हृदय रोग जोखिम में कमी पर बैरियाट्रिक सर्जरी प्रेरित वजन घटाने के प्रभाव का अध्ययन
52. वजन घटाने पर लेप्रोस्कोपिक मिनी गैस्ट्रिक बाईपास के प्रभाव का अध्ययन करना और बेरिएट्रिक सर्जरी से गुजरने वाले रुग्ण मोटापे के रोगियों में सह रुग्णता
53. जराचिकित्सा आबादी में सर्जिकल परिणाम
54. स्तन कैंसर के साथ महिलाओं में ऑन्कोलॉजिकल और सौंदर्य के परिणाम पर 1 सेमी बनाम 2 सेंटीमीटर के अंतर मार्जिन और ऑन्कोप्लास्टिक क्लोजर ऑफ ब्रेस्ट पैरेन्काइमल दोष का प्रभाव:

एक 2x2 फैक्टोरियल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

55. सबसिफाइड वीडियो की व्यवहार्यता और सुरक्षा मैस्थेनिया ग्रेविस के लिए थाइमेक्टॉमी की सहायता: एक पायलट अध्ययन
56. कैथेटर मल्टीफंक्शन और पोस्ट-ऑपरेटिव जटिलताओं के मामले में क्रोनिक किडनी रोग चरण 5 के रोगियों में पारंपरिक ओपेन पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर डालना बनाम लेप्रोस्कोपिक पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर ओमेंटेक्टॉमी के साथ या बिना डालना की थ्री आर्म यादृच्छिक तुलना
57. उन रोगियों में सर्जिकल परिणाम को परिभाषित करना जो न्यूनतम प्रक्रिया के लिए खुली प्रक्रिया में परिवर्तित हो जाते हैं
58. जिगर और प्लीहा की चोट के गैर-ऑपरेटिव उपचार के साथ रोगियों के शुरुआती निर्वहन के लिए एक प्रोटोकॉल विकसित करना
59. रात भर पॉलीसोम्नोग्राफी का उपयोग करके नींद विकार वाले श्वास मापदंडों पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन करना
60. सामान्य और क्षेत्रीय संज्ञाहरण के तहत सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में 30 दिनों के पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों की भविष्यवाणी करने में समायोजित चार्लसन कोमर्बिडिटी इंडेक्स की उम्र की भूमिका का मूल्यांकन करना
61. मूत्र असंयम पर बैरियाट्रिक सर्जरी प्रेरित वजन घटाने के प्रभाव का अध्ययन करना
62. लैप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी में पोर्ट प्लेसमेंट और एर्गोनॉमिक्स का अध्ययन करना
63. वैकल्पिक संचालन के लिए निर्धारित रोगियों में रद्द करना के कारणों का अध्ययन करना
64. एक लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में श्रोणि आघात के रोगियों में उपचार, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करना
65. पीएडी के साथ मधुमेह के उपचार में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा का उपयोग
66. थायरॉयड क्षेत्र में सूजन और सोनोग्राफिक कोरेलेशन के लिए शारीरिक जांच के विभिन्न तरीकों का सत्यापन-एक पार-अनुभागीय अध्ययन
67. स्तन रोगों के साथ रोगियों में स्तन और एक्सिला के शारीरिक जांच के विभिन्न तरीकों की मान्यता - एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. मानव कोलोरक्टल कार्सिनोमस का उन्हें सामंजस्य आणविक उपप्रकारों के अनुसार वर्गीकृत करने के लिए और इसकी रोगसूचक और चिकित्सीय प्रासंगिकता का मूल्यांकन करने के लिए इनका आणविक और इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन, पैथोलॉजी
2. एनआईएसडबल्यूएएनआई की प्रभावशीलता में फाइब्रोएडिनोमा और मास्टाल्जिया के प्रतिगमन को प्राप्त करने और मापने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

3. वास्तविक समय में आईआईटी दिल्ली में स्तन कैंसर का पता लगाने और निदान के लिए फील्ड-पोर्टेबल मल्टी-मोडल इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक प्रणाली का विकास
4. मेटास्टैटिक मूल्यांकन, पैथोलॉजी के लिए कोलोरेक्टल कार्सिनोमस के परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान के लिए लैब्रिंथिन्थ आधारित यांत्रिक और तेज़ अलगाव तकनीक का विकास
5. एनयूपीआरआई और कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल, के बीच की कड़ी को स्पष्ट करना, बायोकेमिस्ट्री, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
6. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेड से कैंसर स्टेम कोशिकाओं के अलगाव, पहचान और लक्षण का वर्णन, बायोकैमिस्ट्री, फिजियोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और पैथोलॉजी
7. होमिंग पेप्टाइड और प्लास्मोनिक फोटो थर्मल तकनीक का उपयोग करते हुए ठोस ट्यूमर को निशाना बनाना, बोस इंस्टीट्यूट, आईआईटी रोपड़, सीएसआईओ चंडीगढ़
8. कोलोरेक्टल कैंसर, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स के साथ रोगी में प्रतिरक्षा दमन में नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 38 **सार: 9** **अध्याय किताबों में: 4**

रोगी की देखभाल

विभाग स्तन कैंसर के रोगियों, न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी, रीनल प्रत्यारोपण, हेपेटोबिलरी और अग्नाशय की सर्जरी, थोरैसिक और थोरैकोस्कोपिक सर्जरी, प्लास्टिक और पुनर्संरचनात्मक सर्जरी, अंतःस्रावी सर्जरी, चयापचय और बैरिएट्रिक सर्जरी, संवहनी सर्जरी अंत चरण गुर्दे की बीमारी के रोगियों और कैंसर सर्जरी में संवहनी पहुंच के लिए सर्जरी सहित कई क्षेत्रों में नियमित सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग नियमित ओपीडी के अलावा निम्नलिखित विशेष क्लिनिक चलाता है:

- बीसीसी (स्तन कैंसर क्लिनिक), जिसमें पुराने मामलों, कीमोथेरेपी और नए मामलों के पंजीकरण शामिल हैं
- फालो-अप क्लिनिक
- बैरिएट्रिक क्लिनिक
- किडनी प्रत्यारोपण क्लिनिक
- चेस्ट क्लिनिक

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट सिद्धांत

आचार्य अनुराग श्रीवास्तव ने ओडिशा चैप्टर ऑफ एसोसिएशंस ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया, ऑर्गेनाईजेशन पर शोध में एक ऑरेशन दिया, जिसमें सैन एंटोनियो, टेक्सास ब्रेस्ट कैंसर सिंपोजियम, दिसंबर 2018 में स्पॉटलाइट चर्चा में कैंसर का पता लगाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था और नैचुरल के संपादकीय (फोटोनिक्स), मार्च 2019; अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली की लिनन समिति, सी-मेट की स्टोर खरीद समिति; सदस्य, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय, कर्मचारी चयन समिति, आईसीएमआर की परियोजना समीक्षा समिति, वर्चुअल टीचिंग सोसाइटी, यूरोपियन सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी,

ईयूएसओएमए, एशियन सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी एएसओएमए; लाइफ मेंबर, एएसीआर, एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया, दिल्ली सर्जिकल सोसाइटी, इनडैकलेन, एसीटीआरईसी एल्युमनी एसोसिएशन, एडवांस्ड सेंटर फॉर कैंसर रिसर्च एंड एजुकेशन, टाटा मेमोरियल सेंटर; फेलो, इंटरनेशनल क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी नेटवर्क (आईएनसीएलईएन); स्वस्ति चेतना अवाम जन संपर्क अभियान एनसीडी, 14-27 नवंबर, 2018 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में स्क्रीनिंग और जागरूकता शिविर।

आचार्य सुनील चुम्बर परीक्षक थे, एम्स, जोधपुर, सर्जरी में अंतिम एमबीबीएस परीक्षा के दिसंबर 2017; सुभारती विवेकानंद विश्वविद्यालय, मेरठ, सर्जरी में अंतिम एमएस परीक्षा, मई 2018; एम्स में जनरल सर्जरी में डीएनबी परीक्षा, नई दिल्ली, नवम्बर 2018; एमएस फाइनल परीक्षा, एम्स में आंतरिक परीक्षक, 2018; साक्षात्कार में भाग लेने वाले, एम्स, भोपाल, एम्स इन सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, जुलाई 2018, एम्स, नई दिल्ली; एम्स, मंगलगिरी, जनरल सर्जरी में विशेषज्ञ, नवंबर 2018, जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी में; एम्स, जोधपुर, जनरल सर्जरी में विशेषज्ञ, दिसंबर 2018, एम्स, जोधपुर में; विभिन्न संस्थानों के लिए जीडीएमओ के लिए उम्मीदवारों का साक्षात्कार करने के लिए यूपीएससी चयन में भाग लिया, जनवरी 2019; एम्स, गोरखपुर, विशेषज्ञ जनरल सर्जरी में, फरवरी 2019, एसजीपीजीआई लखनऊ में; एम्स, नागपुर, जनरल सर्जरी में विशेषज्ञ, फरवरी 2019, जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी में; आईजीआईएमएस, पटना, विशेषज्ञ जनरल सर्जरी में, फरवरी 2019, आईजीआईएमएस, पटना में; लेह, अशोका मिशन, सितम्बर 2018.

आचार्य राजिंदर प्रसाद: सर्जिकल शिक्षा कार्यक्रम में प्रोफेसर टीसी गोयल गेस्ट लेक्चर, 107वें स्थापना दिवस, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 16 फरवरी 2019; 2016-2018 की अवधि के लिए एएमएएसआई के केंद्रीय क्षेत्र के कार्यकारी सदस्य; 24 जुलाई और 7 अगस्त 2018 को डॉ. ब्रिच, एम्स में एनसीआई-एम्स (झज्जर कैंपस) के लिए डॉ. ब्रिर्च में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के विभिन्न एम एंड ई आइटम के लिए तकनीकी-व्यावसायिक मूल्यांकन के लिए बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में निदेशक, एम्स द्वारा नामित; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में डीन की समिति के सदस्य; "मिनिमल इनवेसिव सर्जरी" और "स्तन और अंतःस्रावी सर्जरी विभाग में" एमसीएच कोर्स के लिए विभागीय आकलन; प्रवेश परीक्षा के लिए अद्यतन एम्स प्रश्न बैंक को एमसीक्यू; जूनियर और एमसीएच निवासियों की विभागीय परीक्षा; ऑपरेटिव लैप्रोस्कोपिक-बेसिक और एडवांस्ड कोर्स पर विभाग के एमआईएस प्रशिक्षण केंद्र पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम निदेशक; बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट द्वारा एमएस (सर्जरी) परीक्षा, मई 2018 के लिए पेपर सेटर; दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए बाहरी परीक्षक; पीटी द्वारा एमडी थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए बाहरी परीक्षक। बीडी विश्वविद्यालय स्वास्थ्य विज्ञान, रोहतक; गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू में 11 से 14 जून, 2018 तक फाइनल प्रोफेसर एमबीबीएस प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक; पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा एमएस थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए बाहरी परीक्षक; 26 अक्टूबर 2018 को आईजीआईएमएस, पटना द्वारा सहायक प्रोफेसर के पद के लिए

स्थायी चयन समिति में बाहरी विशेषज्ञ; सत्र की अध्यक्षता करें, एम्स पल्मोक्रीट-2019, 3 मार्च 2019, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

आचार्य संदीप अग्रवाल ने 22 और 23 फरवरी 2019 को एम्स में कैडेवर कोर्स पर हैंड्स विद बैरिएट्रिक सर्जरी पर दूसरा राष्ट्रीय सीएमई आयोजित किया, जिसमें मेडिकल पाठ्यक्रम में अंतर को भरने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया; मार्च 2019 के महीने में मानव अंगों और ऊतकों अधिनियम, 1994 के प्रत्यारोपण के तहत डॉ। राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में गुर्दे प्रत्यारोपण सुविधाओं के निरीक्षण के लिए निरीक्षण दल के विशेषज्ञ सदस्य; सर्जरी विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा सर्जन को बैरिएट्रिक सर्जरी प्रोग्राम की स्थापना के लिए आमंत्रित किया गया, जिसमें 13 अप्रैल 2018 को लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी और लैप्रोस्कोपिक रॉक्स-एन-गैस्ट्रिक बाईपास सहित दो मामलों का संचालन प्रदर्शन किया गया।

आचार्य वीरेंदर कुमार बंसल ऑर्गन ट्रांसप्लांट विभाग के प्रोफेसर, मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए, 15-23 अक्टूबर 2018; हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा आईजीएमसी, शिमला में गुर्दे प्रत्यारोपण शुरू करने के लिए समन्वयक के रूप में नियुक्त; **पाठ्यक्रम निदेशक**, ऑपरेटिव लेप्रोस्कोपी (5-दिवसीय पाठ्यक्रम) - 14 पाठ्यक्रम, लेप्रोस्कोपिक सुटिंग स्किल्स (3-दिवसीय पाठ्यक्रम) - 2 पाठ्यक्रम, लेप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी (3-दिवसीय पाठ्यक्रम) - 8 पाठ्यक्रम, सामान्य सर्जनों के लिए कैडेवर कोर्स (3-दिन) पाठ्यक्रम) - 1 कोर्स; 19-22 अप्रैल 2018 से एम्स, नई दिल्ली में 12 वें एम्स सर्जिकल वीक (ईएनडीओएसयूआरजी 2018) के **सह-आयोजन अध्यक्ष,** 27 से 31 मार्च 2019 तक एम्स, नई दिल्ली में 13वें एम्स सर्जिकल वीक (ईएनडीओएसयूआरजी 2019)।

आचार्य अनीता धर: परिधीय संवहनी रोग प्रबंधन के पूर्ण स्पेक्ट्रम धमनी, शिरापरक और लसीका रोगों को कवर करने के लिए उपलब्ध हैं। एबीआई, टीसीपीओ2, ट्रेडमिल पर सुपरवाइज्ड एक्सरसाइज थेरेपी, सभी शिरापरक और लसीका रोग के रोगियों के लिए संपीड़न बैंडिंग की जांच के लिए एक संवहनी प्रयोगशाला स्थापित की। लिम्फेडेमा के प्रबंधन के लिए समूह और व्यक्तिगत शिक्षण। फफूंद संक्रमण, मैनुअल लसीका जल निकासी और संपीड़न बैंडिंग (स्वयं सीखने) की एक विकराल त्वचा की देखभाल।

डॉ. हेमांग के भट्टाचार्जी को वर्ष 2017 के लिए अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन (एसीएस) का अंतर्राष्ट्रीय सर्जिकल शिक्षा विद्वान पुरस्कार मिला; अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स (एफ़एसीएस) के फेलो को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन क्लिनिकल कांग्रेस, सैन डिएगो, यूएसए; 62 वें एम्स स्थापना दिवस के अवसर पर एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2017 के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त किया; सर्जन इंटरनेशनल सर्जिकल शिक्षा छात्रवृत्ति अमेरिकन कॉलेज के एक भाग के रूप में; 1 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2018 तक पर्यवेक्षक के रूप में सर्जरी विभाग, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स, यूएसए और सर्जरी विभाग, यूसी सैन डिएगो स्वास्थ्य, सैन डिएगो, यूएसए का दौरा किया।

डॉ. आसुरी कृष्णा ने मैनचेस्टर रॉयल इनफ़र्मरी 2018 में अग्नाशय प्रत्यारोपण के लिए आईसीएमआर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा फ़ेलोशिप प्राप्त की; एसएलईपीटी में आमंत्रित समीक्षक थे; आमंत्रित समीक्षक बीजेएस; लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के सह संपादक इंडियन जर्नल।

डॉ. पीयूष रंजन को सदस्यता दी गई: ईयूएसओएमए - यूरोपियन सोसाइटी ऑफ़ ब्रेस्ट कैंसर स्पेशलिस्ट, ईएसएसओ - यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ़ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी; प्रथम पुरस्कार, कैन ट्राईनेक्सिक एसिड रिड्यूसेक्लेरी ड्रेनेज एक्सिलरी डिसेनएफ़र कार्सिनोमा ब्रेस्ट-प्रिलिमिनरी रिपोर्ट इन द टर्शियरी केयर हॉस्पिटल, अनुराग श्रीवास्तव, अनीता धर, पियूष रंजन, कमल कटारिया, चित्रेश कुमार, एएसओएमएसीओएन 2018, पुरुष, मालदीव से; तीसरा पुरस्कार, नासोगैस्ट्रिक ट्यूब टिप के साथ कीमोसेन्सिटिव स्तन कैंसर का स्थानीयकरण - एक उपन्यास दृष्टिकोण, विश्व भारती गोनकर, अनुराग श्रीवास्तव, अनीता धर, पीयूष रंजन, कमल कटारिया, एएसओएमएसीओएन 2018, पुरुष, मालदीव; स्वास्थ्य देखभाल के लिए सीबीएसई पाठ्यचर्या समिति के नियुक्त सदस्य; आमंत्रित व्याख्यान, फाइब्रोएडीनोमा और स्तन अल्सर, आसोमन, पुरुष, मालदीव, अक्टूबर 2018; सौम्य स्तन रोग, एबीएसआईसीओएन, एम्स, दिल्ली के अध्यक्ष; आयोजन सचिव, एंडोसर्ग, दिल्ली 2018; एम्स स्तन पाठ्यक्रम, दिल्ली, अप्रैल 2018; यूजी क्विज़, मार्च 2019, स्कोप; अध्यक्ष, विभेदित थायराइड कैंसर का प्रबंधन, सर्जिकल; वीडियो प्रदर्शन संशोधित कट्टरपंथी मासेक्टोमी, एलएचएमसी; जज, मेडिसिकॉन, सफदरजंग अस्पताल, मार्च 2019; वीडियो प्रस्तुति, स्कोप, फरवरी 2019; स्त्री रोग विशेषज्ञ और कैंसर स्क्रीनिंग के लिए चिकित्सा अधिकारी, ईसीएचओ, एनआईसीपीआर; प्रतियोगी पेपर, जज, मेडिकॉन, 9 मार्च 2019, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली; फेस - पैरामेडिकल एंड टेक्निकल स्टाफ, एम्स, मार्च और अप्रैल 2018 के लिए सामान्य आपात स्थितियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा; कुंभमेला तैयारी के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, लखनऊ, दिसंबर 2018; कुंभ मेला तैयारियों के लिए पैरामेडिक्स और डॉक्टरों का प्रशिक्षण, प्रयागराज, दिसंबर 2019; कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, IITF, प्रगति मैदान, नवंबर 2018.

डॉ. मोहित जोशी अगस्त 2018, नई दिल्ली में एम्स में शुरू किए गए बीएससी (ओटी टेक्नोलॉजी) कोर्स के लिए सर्जरी विभाग से समन्वयक थे; चेयरपर्सन, एम्स पल्मोक्रीट-2019, 2-3 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली, अध्यक्षा, 13वां एम्स सर्जिकल वीक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीएमई सह लाइव कार्यशाला (ईएनडीओएसयूआरजी 2019), 29 मार्च 2019, 10 नवंबर 2018, नई दिल्ली; न्यायाधीश पोस्टर सत्र, स्वास्थ्य व्यवसायों की शिक्षा पर 10वां राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएचपीई), 15-17 नवम्बर 2018, एनकेपी साल्वे इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नागपुर; संयोजक, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), बेसिक कोर्स वर्कशॉप इन मेडिकल एजुकेशन, 6-7 अगस्त 2018, फरीदाबाद, हरियाणा, बेसिक कोर्स वर्कशॉप इन मेडिकल एंड हेल्थ प्रोफेशन एजुकेशन, 11-13 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली; ईडी (एमएडबल्यूई), 18 सितंबर 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में पाठ्यक्रम निदेशक, तीव्र घावों का प्रबंधन।

डॉ. यशवंत राठौर ने 30 अप्रैल 2018 और 13 अप्रैल 2019 को स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सुटिंग कार्यशाला का आयोजन किया; 28-31 मार्च 2019 और अप्रैल 2018 को 13वें एम्स सर्जिकल

सप्ताह (एंडोसर्ज 2019) के सह आयोजन सचिव; 25 अगस्त 2018 को पेट में घाव बंद होने पर सुटिंग कार्यशाला का आयोजन; 30 अक्टूबर 2018 को एम्स दिल्ली में स्तन जागरूकता शिविर का आयोजन; ट्रेड फेयर, प्रगति मैदान, दिल्ली में स्तन जागरूकता और स्वास्थ्य शिविर में सक्रिय रूप से शामिल किया गया; अप्रैल 2018 को आयोजित बैरिएट्रिक सर्जरी रोगी सहायता समूह की बैठक के आयोजन में भी मदद की।

डॉ. मंजूनाथ मारुति पोल 28-31 मार्च 2019 को 13 वें एम्स सर्जिकल वीक (एंडोसर्ज 2019) के संयुक्त आयोजन सचिव थे; 25 अगस्त 2018 को पेट में घाव बंद होने पर सुटिंग कार्यशाला का आयोजन।

डॉ. सुहानी को सर्जिकल शिक्षा में योगदान के लिए पुरस्कार मिला: दिल्ली स्टेट चैप्टर, एसोसिएशन ऑफ़ सर्जन ऑफ़ इंडिया ऑफ़ सर्जनिक 2018; इंडियन जर्नल ऑफ़ कैंसर के कार्यसमिति सदस्य के रूप में आमंत्रित; मुख्य सुई बायोप्सी और ई-एसईटी मॉड्यूल को विकसित किया गया और एसईटी सुविधा में चिकित्सा स्नातक और प्रशिक्षुओं के कौशल आधारित शिक्षण के लिए त्वचा की सुटिंग; सेट सुविधा में सामग्री विकास समूह के मुख्य सदस्य; सूखी और गीली लैब में मॉडल पर पेट की दीवार बंद करने की तकनीक सिखाने के लिए अगस्त 2018 और फरवरी 2019 में एसईटी सुविधा में पेट की दीवार सुटिंग कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. कमल कटारिया 28 अगस्त-31 मार्च 2019 को 13 वें एम्स सर्जिकल वीक (एंडोसर्ज 2019) के आयोजन सचिव थे, 31 अगस्त-2 सितंबर 2018 को इंडियन सोसाइटी ऑफ़ क्लिनिकल न्यूट्रिशन का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन; 25 अगस्त 2018 को पेट में घाव बंद होने पर सुटिंग कार्यशाला का आयोजन।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ॰ रोनन ओ'कोनेल, एडिटर-इन-चीफ, बेली एंड लव, आयरलैंड।

9-40 vk/kku fpfdRlk ,oa jDr dk"k

vkpk;Z ,oa v/;{k
डी.के. शर्मा

e[; fpfdRlk vf/kdkjh] iHkkjh
पूनम कौशिक

lgk;d vkpk;Z
हेम चंद्र पांडे   गोपाल पाटीदार   राहुल चौरसिया

fof'k"Vrk,a

यह विभाग रोगी देखभाल और रक्त सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए अथक रूप से काम करता है। जनवरी 2017 में पहले छात्र के प्रवेश लेने के साथ ही एम.डी. ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा 2017 में शुरू किया गया था। वर्तमान में हमारे पास एम.डी. कर रहे छह विद्यार्थी हैं। स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए प्रयास शुरू किए गए थे और यह 2016 में 38.5% से बढ़कर 2017 में 68.4% हो गया। इस वर्ष के पहले दो महीनों में यह 76.7% रहा है। जिन ग्रामीण क्षेत्रों ने स्वैच्छिक रक्तदान में मदद की वहां रक्तदान संबंधी शिक्षा, प्रेरणा और भर्ती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

रक्त सुरक्षा एक सतत प्रयास है और हम ई.सी.आई. द्वारा एक ऐसा परीक्षण शुरू करने में सफल रहे हैं जिसके द्वारा समस्त एकत्रित रक्त यूनिटों की संवेदनशील जांच के तहत चौथी जनरेशन के एचआईवी तथा तीसरी जनरेशन के एच.सी.वी. की जाचं की जा सके। सुरक्षा के अतिरिक्त स्तर के लिए सभी एकत्रित इकाइयों पर आई.डी.-एन.ए.टी. परीक्षण किया जा रहा है और इस साल फरवरी से, अधिक संवेदनशील और विशिष्ट परीक्षण-अल्टीरियो एलिट शुरू किया गया है। मुख्य रक्त बैंक की एन.ए.टी. प्रयोगशाला, सी.एन.सी. रक्त बैंक और जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र रक्त बैंक के लिए संक्रामक मार्कर हेतु केन्द्रीय परीक्षण सुविधा से युक्त है।

विस्तारित पैनल का उपयोग कर एंटीबॉडी स्क्रीनिंग की परीक्षण सुविधा को आपातकालीन रोगियों तक भी पहुंचा दिया गया है। अनियमित प्रतिरक्षी वाले मरीजों में प्रतिरक्षी पहचान अब नियमित प्रक्रिया के रूप में की जा रही है।

ब्लड बैंक, मरीजों के लिए, प्लाज्माफेरेसिस प्रक्रियाओं और प्रतिरक्षी टाइटर परीक्षण करके ए.बी.ओ. बेमेल प्रत्यारोपण में मदद कर रहा है।

शिक्षा

1. रेजीडेन्टों और नर्सिंग कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए "बेहतर ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिसिस" पर आधारित सीमेट पाठ्यक्रम।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (सी.एम.ई.), राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिए गए व्याख्यान

हेम चंद्र पांडे : 14   **गोपाल कुमार पाटीदार : 02**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर : 06

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मेनिन्जियोमा से पीडित रोगियों में इम्यून-मॉड्यूलेशन से संबंधित ट्रांसफ्यूजन के मूल्यांकन हेतु याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण, गोपाल कुमार पाटीदार, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये

2. पी.ए.एस. में 22^{0}C तथा 4^{0}C पर संग्रहित प्लेटलेट्स का इन-विट्रो मूल्यांकन: प्रारंभिक अध्ययन, पूनम कौशिक, अ.भा.आ.सं., 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. स्वस्थ रक्तदाताओं में ए.बी.ओ. एंटीबॉडी टाइटर का विश्लेषण।
2. 'ए' तथा 'बी' रक्त समूह वाले रक्तदाता के प्लाज्मा में सामान्य लवण-विलयन के मिश्रण एवं डाइलूशन के बाद स्कंदन (जमाव) कारकों के स्तर तथा ए.बी.ओ. एंटीबॉडी का आकलन।
3. ऑटोइम्यून हेमोलीटिक एनीमिया के नैदानिक एवं सीरमी अभिलक्षण।
4. रक्तदाता अधिसूचना: पंजीकरण की नई पद्धति के माध्यम से प्रतिक्रिया दर में सुधार।
5. स्वस्थ रक्तदाता में एच.आई.वी., एच.बी.वी. और एच.सी.वी. की गिरावट दर तथा आई.डी., एन.ए.टी. स्क्रीनिंग के बाद उनके अवशिष्ट जोखिम के संचरण का आकलन।
6. मुख्य रक्त बैंक अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में इन्वेंट्री मैनेजमेंट, कार्यान्वयन एवं लाल रक्त कोशिका ट्रेसबिलिटी के लिए बायोलोग-आई.डी. सेल्यूशन (आर.एफ.आई.डी. आधारित पद्धति) का मूल्यांकन करना।
7. रक्तदाता की स्क्रीनिंग के दौरान परिवारिक पृष्ठभूमि: क्या हमें इसे वास्तव में अधिक महत्व देना चाहिए?
8. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर के आपात विभाग में अनेक घायल ट्रॉमा मरीजों में ट्रासंफ्यूजन प्रैक्टिस का संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
9. ट्रांसफ्यूजन श्रृंखला के विश्लेषणात्मक चरण में विभिन्न त्रुटियों की घटनाओं के विश्लेषण हेतु संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन।
10. हृदय शल्य चिकित्सा करवा रहे मरीजों में ल्यूकोर्ड और गैर-ल्यूकोर्डड रक्त घटक ट्रांसफ्यूजन के परिणाम।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पूरक फैक्टर एच (सी.एफ.एच.)-संबंद्ध प्रोटीन 1 (सी.एफ.एच.आर.1) और प्रतिरक्षा विज्ञानी सहनीयता के रखरखाव में इसकी भूमिका, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, फरीदाबाद।
2. एक्यूट परिधीय तंत्रिका घाव की मरम्मत में प्लेटलेट युक्त प्लाज्मा के उपयोग के बाद नैदानिक तथा तंत्रिका-शरीर क्रिया विज्ञानी परिणामों के अध्ययन संबंधी, प्लास्टिक सर्जरी जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र, अ.भा.आ.सं.।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 1

रोगी उपचार

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष नैदानिक और/अथवा विशेष प्रयोगशाला सुवधिाओं सहित):

- ऑटोलॉगस रक्तदान
- ऑटोलॉगस प्लेटलेट दान
- स्वैच्छिक रक्तदान शिविर सुविधा
- अफेरेसिस प्रक्रियाएं (एस.डी.पी.,टी.पी.ई., पी.बी.एस.सी.)
- स्वचालित रक्त समूह और सीरम विज्ञान
- स्वचालित संक्रामक मार्कर परीक्षण
- एम्स के तीन रक्त बैंको की सभी दान इकाइयों के आई.डी.-एन.ए.टी. परीक्षण
- 100 प्रतिशत रक्त घटक तैयार करना
- अनियमित प्रतिरक्षी पहचान
- प्रतिरक्षी स्क्रीनिंग
- प्रतिरक्षी टाइटर्स
- ल्यूकोडप्लेटेड रक्त/घटक
- इरिडिएशन सुविधा

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि:

- मुख्य रक्त बैंक ने दिल्ली-एनसीआर में कुल 86 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए और 6300 से अधिक रक्त यूनिट एकत्रित किया।
- सी.एच.सी. बल्लभगढ़ के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदाताओं के लिए प्रेरक और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए।
- सी.एच.सी. बल्लभगढ़ के भंडारण केन्द्र के लिए मुख्य रक्त कोष को प्रमुख रक्त कोष बनाने की प्रक्रिया जारी है।

9-41 çfrjksi.k çfrj{kkfoKku ,oa çfrj{kk vkuqoaf'kdh

आचार्य एवं अध्यक्ष

डीके मित्रा

सहायक आचार्य

उमा कांगा | राकेश कुमार | दीपक

वैज्ञानिक II

सुनील कुमार | लता कुमारी

वैज्ञानिक I

संजीव गोस्वामी | गौरव शर्मा | सोनिया वर्मा

शिक्षा

वर्ष 2018-2019 के दौरान, हमारे विभाग ने भारत और विदेशों से विभिन्न अस्पतालों और संस्थानों के 23 छात्रों / डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया। इन उम्मीदवारों को प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान और प्रतिरक्षा आनुवंशिकी-एचएलए परीक्षण, प्रत्यारोपण के पश्चात निगरानी और प्रतिरक्षा की कमी के लिए अन्य प्रतिरक्षा संबंधी जांच में प्रयोगशाला तकनीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

अल्पकालिक प्रशिक्षण-एम्स (1-2 सप्ताह): एम्स के विभाग द्वारा विकृति विज्ञान विभाग के 3 तथा प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के 3 जूनियर रेजिडेन्ट्स तथा वृक्कविज्ञान विभाग का 1, रूधिर विज्ञान विभाग के 6, जैवरसायन विभाग के 3 तथा चिकित्सा अर्बुदविज्ञान के 3 वरिष्ठ रेजिडेन्ट्स (डीएम विद्यार्थियों) को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (सीएमई)

वर्ष के दौरान, विभाग के संकाय और वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और कई व्याख्यान दिए। हमारा विभाग नियमित रूप से विभिन्न कोशिका कल्चर जांच पर प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें छात्रों के लिए फ्लोसिटोमेट्री आधारित जांच और यात्रा प्रशिक्षुओं सहित हमारा विभाग भारत में अन्य एचएलए प्रयोगशालाओं द्वारा परीक्षण की गुणवत्ता के आकलन के लिए एचएलए जीन के डीएनए आधारित टाइपिंग के लिए एक राष्ट्रीय स्तर के गुणवत्ता नियंत्रण अभ्यास का समन्वय करता है। संकाय ने इन विभागों के शैक्षिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में जैव प्रौद्योगिकी और विकृति विज्ञान विभाग, एम्स में विशेष व्याख्यान भी दिए। संकाय/वैज्ञानिकों ने बाल चिकित्सा, रुधिर विज्ञान, शरीर-रचना विज्ञान, नेफ्रोलोजी, जैव रसायन विज्ञान, चिकित्सा कैंसर विज्ञान, विकृति विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा से एमडी/डीएम निवासियों को व्याख्यान दिए। संस्थान के नर्सिंग छात्रों को प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान पर भी कई व्याख्यान दिए गए थे।

प्रदत्त व्याख्यान

डी.के. मित्राः 7 उमा कांगाः 14 गौरव शर्माः 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. दवा प्रवाह पंप के कार्य और प्रभाव पर होस्ट टी सेल प्रतिक्रिया का प्रभावः दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए प्रासंगिकता। डी.के. मित्रा, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2014-2018, 78.5 लाख रुपये
2. बहुविकल्पीय लीशमैनिया टीका विकास, डी.के. मित्रा, बीआईआरएसी डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2018 397.57 लाख रुपये
3. क्लाउड आधारित इंटीग्रेटेड चिकित्सा उपकरण (आईएमडी) का कार्यान्वयन और सत्यापनः दूरस्थ स्थित निचले तबके की आबादी के लिए विशेष नैदानिक, चिकित्सीय और अनुवर्ती देखभाल का वितरण, डी.के. मित्रा, अज़ूर सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2017-2020, 16.44 लाख रुपये
4. दूरस्थल स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली का विकासः शुरुआती निदान, चिकित्सा, जांच करना और एनसीडी (हृदय-फुफ्फुसीय), के लिए निवारक देखभाल, डीके मित्रा, आईएमपीआरआईएनटी (एचआरडी+आईसीएमआर), 1 वर्ष, 2017-2018, 64.85 लाख रुपये
5. एनकेटी कोशिका सबसेट्सः माइकोबैक्टीरियम तपेदिक विशिष्ट प्रभावकों पर सेल प्रतिक्रियाओं का प्रभाव, डी.के. मित्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 70.26 लाख रुपये
6. क्षय रोग के लिए सिलिको परीक्षण में टीकाकरण विकास (एसटीआरआईटीयूवीएडी) यूरोपियन कमीशन होराइजन 2020, डी.के. मित्रा, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 500 लाख रुपये
7. डीआर एमटीबी में जेनोम वाइड प्रतिरोपण विश्लेषणः प्रमुख लक्ष्यों की पहचान और प्रतिरक्षी उतार-चढ़ाव, डी.के. मित्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 148 लाख रुपये
8. पीडी-एल1/पीडी-1 मार्ग की प्रतिरक्षी विनियामक की भूमिका का अध्ययन करने के लिए विसरेल लीशमेनिया के खिलाफ टीकाकरण रणनीतियों के लिए एक संभावित उपकरण के रूप में इसकी खोज। डी.के. मित्रा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 70 लाख रुपये
9. एनकेटी सेल उप समुचयः माइकोबैक्टीरियम तपेदिक विशिष्ट प्रभावकों पर प्रभाव टी सेल प्रतिक्रियाएं, डी.के. मित्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 70 लाख रुपये
10. मारक इम्यूनोग्लोबुलिन संग्राहक-मानव ल्यूकोसाइट प्रतिजन (केआईआर-एचएलए) प्रभावः हेमेटोपोएटिक स्टीम कोशिका प्रतिरोपण में महत्व, उमा कांगा, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 4 लाख रुपये
11. उत्तर पूर्व भारत की आबादी में एचएलए और गैर एचएलए जीन और टाइप 1 मधुमेह मेलिटस की मानवीय प्रोफाइल का जीनोमिक विश्लेषण, उमा कांगा, डीबीटी (बीसीआईएल), 3 वर्ष, 2017-2020, 127.8 लाख रुपये
12. उत्तर भारतीय जनसंख्या में चिकनगुनिया संक्रमण पर एचएलए और केआईआर जीन का प्रभाव, गौरव शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 4 लाख रुपये

पूर्ण

1. मोलेक्यूलर मेडिसिन में उत्कृष्टता का केंद्र - बेसिक और अप्लाइड इम्यूनोजेनेटिक्स में एडवांस प्रोग्राम, उमा कांगा, आईसीएमआर, 6 वर्ष, 2012-2018, 218 लाख रुपए
2. एचएलए मिनिजिनॉम का चरणबद्ध पॉलिमॉर्फिज्म विश्लेषण और नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग (विज्ञान के विकास के लिए जापानी सोसाइटी) के लिए इसका प्रयोग, उमा कांगा, डीटीएस-जेएसपीएस भारतीय-जापानी, 2 वर्ष, 2016-2018, 6.8 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. क्रोनिक एथेरोस्क्लेरोसिस रोगः जीन अभिव्यक्ति में चरण-विशिष्ट परिवर्तनों का एकीकृत विश्लेषण और एथेरोस्क्लेरोटिक प्लेक के एमआईआरएनए रूपरेखा और प्लाज्मा-व्युत्पन्न बाह्य कोशिकाओं के साथ सहसंबंध में परिसंचरण।
2. एचएससीटी में नॉन-क्लासिकल एचएलए, एमआईसीए और एनकेजी 2 संग्राहक की नैदानिक प्रासंगिकता
3. एचएलए डाइग्नोस्टिक सर्विसेस के लिए इनहाउस जांच हेतु किफायती विकास
4. जेनेटिक मार्कर्स में हेट्रोजिनियटी का होना : ट्रांसप्लांट मॉनिटरिंग में संभावित उपयोग
5. कश्मीरी आबादी में एचएलए जीन की जीनोमिक विविधता- एनजीएस प्रौद्योगिकी का लाभ
6. एए से जुड़े सूक्ष्म आरएनए हस्ताक्षर की पहचान और प्रतिरक्षा को दबाने वाली चिकित्सा की प्रतिक्रिया
7. गुर्दा प्रत्यारोपण में रिजेक्शन का अनुमान लगाने के लिए सिग्नेचर की पहचान करना
8. हीमाटोपोइक स्टीम सेल ट्रांसप्लांट के चलते इम्यून रीकॉन्स्टिट्यूशन
9. तपेदिक में प्रतिरक्षा की दबाने वाली स्थिति पर जांच अवरोधकों का प्रभाव
10. क्षय रोग में एनकेटी कोशिकाएं: सुरक्षात्मक टी सेल प्रतिक्रिया पर प्रभाव
11. सारकोइडोसिस में विभिन्न टी सेल उप समुचय की प्ररूपी और कार्यात्मक विशेषता

सहयोगी परियोजनाएं

1. नवीन फोरेंसिक प्रदर्शनों का मूल्यांकन और कल्पवनावाद की स्थिति में वाई-एसटीआर मार्करों की सूचना, फॉरेंसिक चिकित्सा
2. पूर्वोत्तर भारत के जनसमुदाय में टाइप 1 मधुमेह शर्करा के एचएलए एवं नॉन-एचएलए जीन्स तथा ह्यूमरल प्रोफाइल का जीनोमिक विश्लेषण, शरीर रचना विज्ञान विभाग, तेजपुर मेडिकल कॉलेज।
3. पूर्वोत्तर भारत के नागाओं में नेसोफेरिंजल कार्सिनोमा के लिए आनुवांशिक प्रवृत्ति, नागा अस्पताल एवं प्राधिकरण, नागालैंड
4. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेंकाईमल स्टेम कोशिका (एचएमएससी) द्वारा एचएलए-जी मध्यस्थ प्रतिरक्षी उतार-चढ़ाव की संभावित भूमिका, स्टीम कोशिका की सुविधा

प्रकाशन

पत्रिकाः 3 **सारः 1** **पुस्तक में अध्यायः 1**

रोगी देखभाल

गुर्दा प्रत्यारोपण

	प्राप्तकर्ता	दाता	कुल
जीवन संबंधी	511	477	988
शव प्रत्यारोपण (गुर्दे)	97	7	104
क्रॉस मैच टेस्ट सीडीसी (सीरम विज्ञान)	1,286		
क्रॉस मैच टेस्ट (फ़्लोसाइटॉमेट्री)	392		
ल्यूमिनेक्स पीआरए	412		
ल्यूमिनेक्स (डीएसए निगरानी)	271		

अस्थि मज्जा / हेमटोपोइएटिक स्टीम सेल प्रत्यारोपण (रुधिर, एम्स)

जांचें	प्राप्तकर्ता	दाता	कुल
अविकासी अरक्तता	175	489	664
तीव्र ल्यूकेमिया (एएमएल + एएलएल)	74	198	272
थेलेसीमिया	50	126	176
क्रोनिक ल्यूकेमिया	31	87	118
अन्य	99	279	378
कुल	**429**	**1,179**	**1,608**

क्र.सं.	निदान	की गईं कुल जांचों की संख्या
क	**निम्न समाधान एचएलए टाइपिंग** (पीसीआर-एसएसपी या पीसीआर-एसएसओ लुमेनिक्स आधारित)	
1	एचएलए-ए बिन्दुपथ	1,608
2	एचएलए-बी बिन्दुपथ	1,608
3	एचएलए-डीआरबी1 बिन्दुपथ	605
4	एचएलए-डीआरबी3/4/5 बिन्दुपथ	125
ख	**उच्च समाधान एचएलए टाइपिंग** (अनुक्रम आधारित टाइपिंग / पीसीआर-एसएसओ लुमेनिक्स)	
5	एचएलए-ए बिन्दुपथ	90

6	एचएलए-बी बिन्दुपथ	90
7	एचएलए-सी बिन्दुपथ	90
8	एचएलए-डीआरबी1	95
9	एचएलए-डीक्यूबी1	95
10	एचएलए-डीक्यूए1	95
ग	**दाता विशिष्ट प्रतिरक्षी (डीएसए) मॉनीटरिंग लुमेनिक्स आधारित जांच**	
11	एचएलए वर्ग I	14
12	एचएलए वर्ग II	14
घ	**बीएमटी में काइमेरावाद का अध्ययन**	
13	पोस्ट ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ता	120
14	पूर्व ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ता	120
15	दाता	120
	कुल जांचें	**4,787**
ङ	**बीएमटी के लिए असंबंधित दाता खोज** *** वर्ष के दौरान 'एशियन भारतीय दाता मज्जा रजिस्ट्री' द्वारा एचएलए मिलना हेतु प्राप्त अनुरोध**	45*

II. रोग संगति एचएलए स्क्रीनिंग परीक्षण

	बीमारी	**एचएलए जांच**	**जांचों की संख्या**
16	अचलताकारक कशेरूकाशोथ और अन्य कशेरूकासंधिविकार	एचएलए- बी-27	516
17	सिलिअक रोग	एचएलए-डीक्यूए1/ डीक्यूबी1	34
18	निद्ररोग/कैटाप्लेक्सी	एचएलए-डीक्यूबी1	10
19	बेहसेट्स रोग	एचएल-बी*51	24
	कुल		**584**

प्राथमिक प्रतिरक्षा निदान

प्राथमिक और माध्यमिक इम्यूनो रोगों के लिए प्रदान की गई निःशुल्क लागत सेवा

क्र.सं.	**निदान**	**मार्कर/जांच**	**जांचों की संख्या**
1.	टी-कोशिका आवृत्ति	सीडी3, सीडी4, सीडी8	599
2.	बी-कोशिका आवृत्ति	सीडी19, 20	681

3.	एनके कोशिका आवृत्ति	सीडी3, सीडी56, सीडी16	383
4.	एनके कोशिका गतिविधि (एचएलएच)	सीडी3, सीडी56, परफोरिन	242
5.	एएलपीएस	सीडी3, सीडी4, सीडी8, टीसीआर$\alpha\beta$	64
6.	ल्यूकोसाइट्स आसंजन की कमी	सीडी11ए, बी और सीडी18	232
7.	स्थायी ग्रेनुलोमेटस बीमारी	डीसीएफडीए/ डीएचआर	653
8.	हाइपर आईजीएम	सीडी3, सीडी69, सीडी154 (सीडी40एल)	39
9.	टी कोशिका के कार्य (आईएफएन-गामा)	सीडी3, सीडी8, आईएफएन-गामा	51
10.	कक्षा स्विच मेमोरी	सीडी19^{+}/सीडी27^{+}/आईजीडी$^{-}$	48
11.	विकणीकरण एस्से	सीडी3^{-}/सीडी56^{dim}/सीडी107ए$^{+}$	15
12.	आईएल-11 जांच	सीडी14^{+}/आईएल-12^{+}	22
13.	आईएल-17 जांच	सीडी3^{+}/आईएल-17^{+}	4
14.	एमएसएमडी	सीडी14^{+}/आईएफएनγआर$_1^{+}$ /आईएफएनγआर$_2^{+}$	2
	कुल		**3,035**

अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण, आईआरएच, एम्स

निदान	**प्राप्तकर्ता**
एएमएल	91
सीएमएल	25
एएलएल	57
अन्य	26
कुल	199
दाता	344
कुल	**543**

क्र.सं.	**निदान**	**की गई कुल जांचें**
	कम गुणवत्ता की एचएलए टाइपिंग (पीसीआर-एसएसपी)	
1.	एचएलए-ए लोकस	604
2.	एचएलए-बी लोकस	619

3.	एचएलए-डीआरबी1 लोकस	119
	कुल	**1,342**

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट घटनाएं :

डॉ. उमा कांगा को एशिया पैसिफिक रीजन हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (एपीएचए) (2018 के बाद) के एशिया प्रशांत क्षेत्र पार्षद के रूप में चुना गया; 2-वर्ष के कार्यकाल (2018-2020) के लिए भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसायटी (आईआईएस) के कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया था।

9-42 e=jkx foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

पी॰एन॰ डोगरा (30 नवंबर 2018 तक) अमलेश सेठ (1 दिसंबर 2018)

आचार्य

राजीव कुमार

सह-आचार्य

प्रभजोत सिंह

सहायक आचार्य

ऋषि नैयर वृषभानु नायक

संजय कुमार सिद्धार्थ जैन मनोज कुमार

विशेषताएं

1. सामान्य सर्जरी विभाग की मदद से यूरोलॉजी ओटी में प्रत्यारोपण शुरू किया गया
2. डुअल कंसोल दा विंची शी सर्जिकल रोबोट को यूरोलॉजी ओटी में रोबोट के पुराने संस्करण की जगह पर स्थापित किया गया।
3. 26 अप्रैल 2018 में तीसरा सरिंदर मान सिंह मेमोरियल ओरेशन, यूरोलॉजी विभाग, एम्स में यूरोलॉजी के पूर्व संकाय सदस्य, डॉ॰ महेंद्र भंडारी, द्वारा दिया गया।

मई 2018 में निदेशक, एम्स द्वारा यूरोलॉजी ओटी में ड्युअल कंसोल दा विंची शी सर्जिकल रोबोट का कमीशन

शिक्षा

विभाग के संकाय ने वर्ष के दौरान चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और इनमें व्याख्यान दिये।

विभाग ने स्नातक और नर्सिंग छात्रों (बीएससी और एमएससी) के लिए व्याख्यान दिए। विभाग ने 3 साल की अवधि में यूरोलॉजी में एमसीएच की डिग्री के लिए 11 पोस्टग्रेजुएट्स को प्रशिक्षित किया है। पोस्ट-एमसीएच फैलोशिप प्रशिक्षण उप-विशिष्टताओं के लिए उपलब्ध है, जिसमें न्यूनतम इनवेसिव यूरोलॉजी, यूरो-ऑन्कोलॉजी, रिकंस्ट्रक्टिव यूरोलॉजी और यूरोगायनेकोलॉजी शामिल हैं।

डिपार्टमेंट ऑफ़ सर्जिकल डिसिप्लिन एंड नेफ्रोलॉजी की मदद से विभाग के तहत रीनल ट्रांसप्लांट प्रोग्राम शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका उद्देश्य रीनल ट्रांसप्लांट को शामिल करना है जो रेजिडेंट्स के लिए नियमित पाठ्यक्रम में यूरोलॉजी प्रशिक्षण का एक अनिवार्य हिस्सा है। डॉ. संदीप अग्रवाल और उनकी टीम द्वारा यूरोलॉजी टीम के सहयोग से सर्जिकल स्किल्स को सुलभ बनाने के लिए यूरोलॉजी ओटी में लाइव डोनर किडनी प्रत्यारोपण के 15 मामले किए गए हैं। (सौजन्य: डायरेक्टर, डॉ॰ रणदीप गुलेरिया; एचओडी सर्जरी; डॉ॰ अनुराग श्रीवास्तव; एचओडी नेफ्रोलॉजी; डॉ॰ संजय अग्रवाल)

विभाग के प्राध्यापक एनबीई और एमसीएच, यूरोलॉजी के परीक्षार्थी तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों में, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया और नेशनल बोर्ड फॉर रिकाग्निशन ऑफ स्टैंडर्ड ऑफ टीचिंग एंड ट्रेनिंग एवं यूरोलॉजी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए और सुविधाओं की मान्यता के लिए इंस्पेक्टर हैं। विभाग के संकाय ने अन्य आगामी संस्थानों के यूरोलॉजी में एमसीएच और डीएनबी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम के पुनर्गठन और पुन: निर्धारण में सक्रिय भाग लिया।

विभाग (डॉ॰ प्रभजोत, डॉ॰ ऋषि, डॉ॰ वृषभानु) के संकायों ने छात्रों के लिए कौशल सेट के विभिन्न मॉड्यूल के विकास में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जो ई-लर्निंग की दिशा में एक कदम आगे है। प्राध्यापक मण्डल ने अपने संकाय विकास कार्यक्रम के लिए सुविधा सेट करने के लिए भी व्याख्यान लिये। मूत्रमार्ग कैथीटेराइजेशन के लिए प्रशिक्षुओं और एमबीबीएस छात्रों का प्रशिक्षण: पुरुष और महिला पुतले पर परीक्षण के आधार पर सेट सुविधा में किया गया था और जल्द ही उनके नियमित पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। स्किल सिमुलेटर (यूआरओ/पीईआरसी एमईएनटीओआर) प्रशिक्षण में औपचारिक रूप से रेजिडेन्ट्स को नियमित रूप से शामिल किया गया था। रेजिडेन्ट्स के पाठ्यक्रम (डॉ॰ संजय)।

व्याख्यान दिए

पीएन डोगरा: 4 **अमलेश सेठ: 5** **राजीव कुमार: 23**

प्रभजोत सिंह: 9 **ऋषि नय्यर: 17** **वृषभानु नायक: 2**

मनोज कुमार: 1

मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुति: 18

पुरस्कार जीते: 1. एनज़ेडयूएसआईसीओएन 2018 में सर्वश्रेष्ठ मॉडरेट पोस्टर; 2. एनज़ेडयूएसआईसीओएन 2018 में सबसे अच्छे पोस्टर; 3. डीयूएससीओएन 2018 में सर्वश्रेष्ठ मॉडरेट पोस्टर, द्वितीय पुरस्कार 4. डीयूएससीओएन 2018 में सर्वश्रेष्ठ मॉडरेट पोस्टर;, तृतीय पुरस्कार

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एशिया में प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों की बहुसांस्कृतिक, भावी, अनुदैर्ध्य रजिस्ट्री, अमलेश सेठ / प्रभजोत सिंह, जनसेन शामिल हुए, 3 वर्ष, 2016-2019, 14,00,000 रु॰
2. भारतीय रोगियों में पेनाइल कार्सिनोमा में मानव पैपिलोमावायरस की स्थिति: घटना, प्रकार वितरण और सहसंबंध के साथ क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टेजिंग, प्रभजोत सिंह, एम्स, 3 साल, 2016-2019, 9,00,000,000 रुपये
3. आंशिक नेफ्रेक्टॉमी से पहले किडनी के रोगी-विशिष्ट तीन आयामी मुद्रण का नैदानिक मूल्य: मात्रात्मक और गुणात्मक आकलन, ऋषि नय्यर, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 5,00,000
4. मेटास्टैटिक क्लियर सेल आरसीसी वाले मरीजों में ट्यूमर टिश्यू (सीटीसी) और सीएक्ससीआर1 एक्सप्रेशन ऑफ़ ट्यूमर टिशू में प्रोग्रॉज़िटिक भूमिका: भावी संभावित अनुदैर्ध्य सहवास अध्ययन, वृषभानु नायक, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 8,50,000 रु।
5. रेनल सेल कार्सिनोमा (आरसीसी) के रोगियों में ट्यूमर व्यवहार के लिए ग्लूकोज संबंधित प्रोटीन 78 (जीआरपी78) की पहचान, मनोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 5,00,000 रु॰

पूर्ण

1. नॉन-मसल इनवेसिव यूरिनरी ब्लैडर कैंसरके लिए संयुक्त केमो और फोटो-थर्मल थेरेपी के लिए नैनो टेक्नोलॉजी का प्रयोग, अमलेश सेठ, डीबीटी, 3 साल, 2015-2018, 90 लाख रुपये
2. पुरुष बांझपन: जनसांख्यिकी, एटियोलॉजी और मानक नैदानिक अभ्यास के परिणाम, राजीव कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015-2018, रु. 11.66 लाख
3. मूत्राशय के कैंसर के लिए टीयूआरबीटी से गुजरने वाले रोगियों में ट्यूमर कोशिकाओं के प्रसार की भूमिका: ट्यूमर कोशिकाओं के प्रसार पर प्रभाव और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ इसका संबंध, ऋषि नय्यर, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 9 लाख रुपये
4. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में संभावित बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए 182 और एमआईआरएनए 187 का अध्ययन और सीरम पीएसए, ग्लीसन स्कोर और प्रोस्टेट कैंसर स्टेजिंग के साथ इसके सहसंबंध, वृषभानु नायक, एम्स, 2 साल, 2015-2017, 4,80,000 रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बच्चों, किशोर और युवा वयस्क जनसमुदाय में गुर्दे के ट्यूमर की क्लिनिको पैथोलॉजिकल प्रोफाइल
2. टीयूआरबीटी के दौरान कैंसर मूत्राशय को बहाल करने के लिए कोल्ड कप बनाम लूप बायोप्सी
3. लेप्रोस्कोपिक नेफरेक्टोमी में इलेक्ट्रोकेयूटरी बनाम अल्ट्रासोनिक कर्तनी की तुलना
4. क्या एंडोयूरोलोजिकल प्रक्रिया से गुजरने वाले स्वस्थ पुरुषों में मूत्र पथ के संक्रमण के बाद की प्रक्रिया में इंट्रा-मूत्रमार्ग फ्लोरा की भूमिका होती है - एक नैदानिक अध्ययन
5. बांझ पुरुषों में एजूस्पर्मिया के कारण के रूप में बाधा के निदान के लिए सेमिनल बायोमार्कर का मूल्यांकन
6. सीए प्रोस्टेट रोगियों में पोस्ट कट्टरपंथी प्रोस्टेटक्टोमी रोगियों के बाद लंबे समय तक ऑन्कोलॉजिकल और कार्यात्मक परिणाम
7. आरएआरपी के दीर्घकालिक परिणाम
8. पीसीएनएल के लिए विभिन्न बोल्स्टर पदों के रेडियोलॉजिकल मानवविज्ञान मूल्यांकन
9. मध्यवर्ती जोखिम मूत्राशय कैंसर के लिए मानक मिटोमाइसिन, एचआईवीईसी और बीसीजी की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. कार्सिनोमा मूत्राशय में बीमारी के चरण और ग्रेड की भविष्यवाणी करने में VIRAD (संस्करण 1) का उपयोग करके एमआरआई की भूमिका
11. एकपक्षीय बनाम द्विपक्षीय वासोएपिडिडिमल एनास्टोमोसिस: संभावित यादृच्छिक परीक्षण

पूर्ण

1. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में ईआरएएस प्रोटोकॉल के साथ और बिना रेडिकल सिस्टेक्टॉमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में रोग की अवधि, जटिलताओं के परिणामों और जटिलताओं की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. ओवरएक्टिव मूत्राशय, प्रसूति और स्त्री रोग के उपचार के लिए डार्फेनेसीन बनाम मिर्बोग्रोन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. क्लिनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल और यूरोजेपिस के रोगियों के परिणाम, माइक्रोबायोलॉजी
3. एडेनोकार्सिनोमा प्रोस्टेट, न्यूक्लियर मेडिसिन के रोगियों को बहाल करने में 18 एफ-फ्लोरोमेथिलकोलाइन और 68 जी-पीएसएमए पीईटी / सीटी की तुलना
4. उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर रोगियों, न्यूक्लियर मेडिसिन में 68जीए-पीएसएएमए पीईटी / सीटी और 18एफ़-एनएएफ़ पीईटी / सीटी हड्डी के मेटास्टेसिस की तुलना
5. गर्भाशय प्रोलैप्स के लिए योनि शल्यचिकित्सा के रोगियों में मनोगत एसयूआई अनावरण के लिए यूरोडायनामिक अध्ययन और योनि पेसरी परीक्षण की तुलना, प्रसूति और स्त्री रोग
6. बेरिएट्रिक सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में असंयम का मूल्यांकन, सर्जरी
7. फेयोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंगलियोनोमा सर्जरी के दौर से गुजर रोगियों में पेरीओपरेटिव अवधि में हेमोडायनामिक प्रोफ़ाइल लो डोज़ डिलटियाजेम इंफ्यूजन, संवेदनाहरण विज्ञान
8. प्रोस्टेट कैंसर में सीरम एनएमआर आधारित मेटाबोलोमिक्स और इन-विट्रो यूरिनरी, एनएमआर
9. फेलोक्रोमोसाइटोमा / पैरागैंग्लोमा के साथ रोगियों की आणविक रूपरेखा और फेनोटाइप-जीनोटाइप सहसंबंध: प्रबंधन और पूर्वानुमान, विकृति विज्ञान में निहितार्थ का अनुमान लगाना
10. शल्यचिकित्सा ट्यूमर हटाने के दौर से गुजरने वाले फियोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंगिओलिया के रोगियों में अवर वेना कावा कोलेप्सबिलिटी इंडेक्स द्वारा मापा जाने वाला प्रीऑपरेटिव इंट्रावस्कुलर वॉल्यूम स्टेटस: एक संभावित वेधशाला कॉहोर्ट अध्ययन, एनेस्थीसिया
11. जीयूटीबी रोगियों में जीन एक्सपर्ट मूत्र की भूमिका, चिकित्सा
12. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में इन-बोर एमआर निर्देशित बॉयोप्सी की भूमिका, एनएमआर
13. नपुंसक मर्दों में मेथिलनेटेट्राहाइड्रोफॉलेट रिडक्टेस (एमटीएचएफ़आर) पोलिमोर्फिज़्म के संबंध का अध्ययन, एनाटॉमी
14. अज्ञातहेतुक पुरुष बांझपन में टेलोमेयर स्थिति और डीएनए की मरम्मत तंत्र, एनाटॉमी
15. अल्ट्रासाउंड नेफ्रोलिथोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक-एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एनेस्थीसिया
16. प्रोस्टेट कैंसर, न्यूक्लियर मेडिसिन के रोगियों के निदान और अनुवर्ती में गैलियम-68 लेबल वाले प्रोस्टेट विशिष्ट झिल्ली प्रतिजन के साथ पीईटी-सीटी का उपयोग

पूर्ण

1. गैर-वसायुक्त यकृत रोग, चिकित्सा में स्तंभन दोष

2. इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मार्कर के आधार पर मांसपेशियों में आक्रामक मूत्राशय कैंसर का आणविक उपप्रकार, पैथोलॉजी
3. मूत्रवर्धक सेल कार्सिनोमा के रोगियों में डाययूरेटिक 18 एफ-एफडीजी पीईटी / सीटी की भूमिका और हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेडिंग के साथ पीईटी मापदंडों का सहसंबंध, न्यूक्लियर मेडिसिन
4. प्रोस्टेट कैंसर में मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई और डिफ्यूजन टेन्सर इमेजिंग की भूमिका: रोबोटिक प्रोस्टेटैक्टॉमी नमूनों की संपूर्ण माउंट हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा के साथ तुलना, रेडियोलॉजी
5. एम्स में रोगियों में बैक्टीरियल यूटीआई के प्रबंधन की वर्तमान प्रथाओं का अध्ययन करना, मेडिसिन

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 26 **सार: 9**

रोगी की देखभाल

मुख्य अस्पताल ओपीडी

नए मामले: 16,405 पुराने मामले: 43,228

भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. यूरो-मैलिग्नेंसी क्लिनिक

नए मामले: 502 पुराने मामले: 6,377

एंड्रोलॉजी एंड इनफर्टिलिटी क्लिनिक

नए मामले: 562 पुराने मामले: 1,582

प्रवेश

लंबे प्रवेश: 1,565 लघु प्रवेश: 1,063

निर्वहन: 2,480

मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं: 2,175

ओपन सर्जरी: 431

रेडिकल सिस्टेक्टोमी	34	रेडिकल या सिट्रोएजुक्टिव नेफ्रेक्टोमी	31+3
नेफ्रोयूरेटेरेक्टोमी के साथ रेडिकल सिस्टेक्टोमी	2	आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ रेडिकल नेफ्रेक्टोमी	14
सालवेज सिस्टेक्टोमी	0	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टोमी	9
पार्शियल सिस्टेक्टोमी	4	सिम्पल नेफ्रेक्टोमी	16
एंड टु एंड यूरेथ्रोप्लास्टी	15	पार्शियल नेफ्रेक्टोमी	5

एंटेरियर ले ओपेन	1	हेमीनेफ्रेक्टोमी	0
ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी	0	आरपीएलएनडी	8
औग्मेंटेशन सिस्टोप्लास्टी	2	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	14
एड्रीनलेक्टोमी	6	सेकंड स्टेज क्लोज़र	7
आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ एड्रीनलेक्टोमी	0	पाएलोप्लास्टी	9
पैरागैंग्लियोमा एक्ससीजन	1	कॉन्टिनेंट कैथेटेराइज़ेबल पाउच	0
यूरेटेरिक रिइंप्लांट	9	बोआरी फ्लैप	2
वीवीएफ़ रिपेयर	17	यूरेटेरोयूरेटेरोस्टोमी	0
वेसिकोयूटेरिन फिश्चुला रिपेयर	2	टोटल पेनेक्टोमी	4
ऑर्किडोपेक्सी/ऑर्किएक्टोमी (अंडिसेंडेड टेस्टीज)	5	प्रोस्टएटेक्टोमी	0
एयूएस इंप्लांटेशन/पेनाइल प्रोस्थेसिस	0	पार्शियल पेनेक्टोमी	15
पेरिनियल यूरेथ्रोस्टोमी	6	हाइपोस्पेडियस रिपेयर	7
सिस्टोलिथोटोमी	2	टीवीटी/टीओटी	0
इलियोइंजाइनल लिम्फ़ नोड डिसेक्शन	3	यूरेटेरोकेलिकोस्टोमी	0
हाई इंजाइनल ओरकिएक्टोमी	19	सर्कमसिजन	33
सिम्पल ओर्किडेक्टोमी	75	अन्य	51

रीनल ट्रांसप्लांट

डोनर नेफ्रोक्टोमी	15	लाइव रिलेटेड रीनल ट्रांसप्लांट	15

एंडोयूरोलॉजी: 1,421

अपर ट्रैक्ट: 412		**लोअर ट्रैक्ट: 1,009**					
पीसीएनएल	167	टीयूआरपी/टीयूआईपी/टीयूईबी	92	सीएलटी	72	डीजेएस	306
यूआरएस	173	टीयूआरबीटी	251	पीसीसीएलटी	3	डीजेआर	47
आरआईआरएस	58	टीयूआर फल्गुरेशन	25	एचओएलईपी	24	ओआईयू/बीएनआई/एंडोडिलेटेशन	54
पीसीएनयूएल	7	टीयूआरईडी	5	एचओएलसीटी	1	डिफ्लक्स इंजेक्शन	11
एंडोपाइलोटोमी	7	क्लॉट इवैक्यूएशन	7	पीवीपी	3	लेजर वेल्डिंग	0
		एंडोइवैल्यूएशन	29	यूरेटेरोसील इंसीजन	4	अन्य	75

लेपरोस्कोपिक: 170

रेडिकल नेफ्रोक्टोमी	40	पार्शियल नेफ्रेक्टोमी	11
सिम्पल नेफ्रोक्टोमी	41	एड्रीनलेक्टोमी	28
रेट्रोपेरीटोनोस्कोपिक/नेफ्रोयूरेटेरेक्टोमी	5+2	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टोमी	11
पाइएलोप्लास्टी	11	यूरेटेरोलिथोटोमी	10
पाइएलोलिथोटोमी	2	लैप रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी	0
यूरेटेरिक रिइंप्लांट	0	पैरागैंगलियोमा एक्ससीजन	1
सिम्पल नेफ्रोयूरेटेरेक्टोमी	4	डायग्नोस्टिक लैप	3
		अन्य	1

रोबोटिक: **89**

रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी	30	रेडिकल सिस्टेक्टोमी	0	पाइएलोप्लास्टी	31

यूरेटेरोलिथोटोमी	2	सिम्पल प्रोस्टेटेक्टोमी	0	यूरेटेरिक रिइंप्लांट	1
पार्शियल नेफ़्रेक्टोमी	20	रेडिकल नेफ़्रेक्टोमी	1	अन्य	4

माइक्रोसर्जरी: **34**

वीईए	26	वीवीए	1	एमवीएल	2
स्क्रोटल एक्सप्लोरेशन	5	टीईएसई	0		

माइनर ओटी: **14,226**

एंडोस्कोपिक	3,118
ओपेन	11
माइनर केस	4,588
यूरोफ़्लोमेट्री	6,119
यूरोडायनेमिक स्टडी	390

ईएसडबल्यूएल: **1,435**

नए केस	359	पुराने केस	1076

अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएँ: **298**

प्रोस्टेट टीआरयूएस बायोप्सी	208	एसपीसी	8
एमआरआई- टीआरयूएस फ्यूजन बायोप्सी	51	पीसीएन	3
इन बोर बायोप्सी	26	यूएसजी	2

सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदि

1. 15 सितंबर 2018 को बालिकाविद्यापीठ, बिट्स कैंपस, पिलानी में किशोर स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली जीवन शैली में परिवर्तन के बारे में जागरूकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया (प्रभजोत सिंह)
2. प्रोस्टेटकैंसर: 18 सितंबर 2018 को एम्स में उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) के लिए लघु वेधशाला, कैंसर नियंत्रण और रोकथाम के लिए रोकथाम, स्क्रीनिंग, निदान और उपचार।
3. 14 अक्टूबर 2018 के शिवकुमारी दुबे इंटरकॉलेज, नौढेरा, सुवंसा, प्रतापगढ़, यूपी में आयोजित 3 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में सक्रिय योगदान और मुफ्त ओपीडी सेवाएं (ऋषि नैय्यर)
4. 25-30 सितंबर 2018 (लसुबनायक) पर लेह, लद्दाख में चिकित्सा शिविर में भाग लिया
5. "पत्थर की बीमारियों और मूत्र पथ के संक्रमण " पर डीडी स्वास्थ्य शो में भाग लिया (वृषभानु नायक)
6. ऑल इंडिया रेडियो में प्रोस्टेट कैंसर पर लाइव सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम "स्वस्तिसंजीवनी" में भाग लिया (वृषभानु नायक)

पुरस्कार, सम्मान और हस्ताक्षर

रेजिडेन्ट्स के लिए पुरस्कार

रेजिडेन्ट्स के लिए पीजी क्विज: एनयूएसआईसीओएन 2018 में डॉ॰ देवांशु बंसल द्वारा जीता गया।

प्रोफेसर प्रेम नाथ डोगरा 11वें एसईएलएसआई ओरेशन "रोबोटिक्स एंड जनरल सर्जन", 29 सितंबर 2018 को एसईएलएसआई, बीएचयू, वाराणसी के 11 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में; दिल्ली में दलित लेखकों के 34 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 9 दिसंबर 2018 को भारतीय दलित साहित्य अकादमी द्वारा बाबू परमानंद मेमोरियल राष्ट्रीय पुरस्कार; वर्ष 2019 के लिए यूएसआई द्वारा डॉ हिमाद्री सरकार मेमोरियल ओरेशन; वर्ष 2019 के लिए यूएसआई द्वारा यूरोलॉजी गोल्ड मेडल; चर्चित लाइव सर्जरी सत्र, ग्लोबल पेरिनेकोन 2018, 6-8 अप्रैल 2018, नई दिल्ली; अध्यक्षता लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, एनज़ेडयूएसआईसीओएन 2018, 16-18 नवंबर 2018, लुधियाना; अध्यक्षता की, यूएसआई- एनएयूएस संयुक्त सत्र, यूएसआईसीओएन 2019, 23-26 जनवरी 2019, भुवनेश्वर; चिरस्थायी, बुरी खबर कैसे टूटेगी- संचार कौशल का विकास, यूएसआईसीओएन 2019, 23-26 जनवरी 2019, भुवनेश्वर; भारतीय दिशा-निर्देश, तथ्य या कल्पना बनाना, यूएसआईसीओएन 2019, 23-26 जनवरी 2019, भुवनेश्वर; अध्यक्षता, लेप्रोस्कोपिक आंशिक नेफरेक्टोमी, लेप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी पर कार्यशाला, 10 मार्च 2019, गाजियाबाद।

प्रोफेसर अमलेश सेठ उत्तर क्षेत्र यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; डीजीएचएस, डीसीजीआई (भारत) के कार्यालय के अधीन विषय विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष के रूप में चुने गए, (एसईसी) (प्रजनन और मूत्रविज्ञान) के सदस्य; चिरकालिक लाइव सर्जरी, वयस्कों में हाइपोस्पेडिया, रिकंस्ट्रक्टिव यूरोलॉजी पर लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, 16-17 जून 2018, मणिपाल; अध्यक्षता में पूर्ण सत्र, जटिलता - यह है कि मैंने इसे कैसे प्रबंधित किया: श्रोता प्रस्तुत मामले, एसआईयू वार्षिक बैठक, 3-7 अक्टूबर 2018, सियोल, दक्षिण कोरिया; अध्यक्षता सत्र, "पीएफ़यूडीडी में मूत्रमार्ग पुनर्निर्माण की लाइव सर्जरी", "लेप्रोस्कोपिक यूवीएफ़ मरम्मत" और "रोबोट पायलोप्लास्टी", एनज़ेडयूएसआईसीओएन 2018, 16-18 नवंबर 2018, लुधियाना; चैरेड लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप, यूरेथ्रा @ एआईएनयू, वर्कशॉप ऑफ आईएसओआरयू, 2-3 मार्च 2019, हैदराबाद; जियो ऑपरेटिव वर्कशॉप, पेल्विक हेल्थ अपडेट, 8-9मार्च 2019, चंडीगढ़; अध्यक्षता मुख्य व्याख्यान सत्र, यूरोपीय संघ की वार्षिक बैठक, 15-19 मार्च 2019, बार्सिलोना, स्पेन।

प्रोफेसर राजीव कुमार: 2018-2019 के लिए नई घटनाएं: यूरोलॉजी एसोसिएशन ऑफ यूरोपियन एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में यूएए व्याख्यान, 15-19 मार्च 2019, बार्सिलोना, स्पेन; वैज्ञानिक चिकित्सा लेखन पर कार्यशालाओं के लिए संकाय, रिसर्च डे, जेआईपीएमईआर पुदुचेरी, 6-7 मार्च 2019, आईपीजीएमईआर, कोलकाता, 1-2 सितंबर 2018, सहकर्मी समीक्षा पर आईजेयू कार्यशाला, हैदराबाद, 14-15 अप्रैल 2018, शोधकर्ताओं के लिए कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 7-8 सितंबर 2018, संकाय के लिए कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 5-6 अप्रैल 2018; पिछले वर्षों से जारी: एसोसिएट डीन (शिक्षाविद), एम्स, नई दिल्ली; सह-अध्यक्ष वैज्ञानिक समिति और सदस्य, निदेशक मंडल, SociétéInternationaled'Urologie; अध्यक्ष वैज्ञानिक समिति और सह-ऑप्ट कार्यकारी सदस्य, यूरोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ एशिया; मुख्य संपादक, इंडियन जर्नल

ऑफ यूरोलॉजी; एसोसिएट एडिटर, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया; अंतर्राष्ट्रीय परामर्श संपादक, जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ एंड्रोलॉजी; कार्यकारी सदस्य, ब्रिटिश जर्नल ऑफ यूरोलॉजी इंटरनेशनल; एसोसिएट एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, खोजी और नैदानिक मूत्रविज्ञान; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, एशियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; सचिव, मेडिकल एसोसिएशन (डबल्यूएएमई) के विश्व संघ; मानद सचिव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स।

डॉ॰ प्रभजोत सिंह: इंडो अमेरिकन कैंसर एसोसिएशन जॉन एन कपूर फेलोशिप "यूरोलॉजिकल क्लिनिकल ऑब्जर्वरशिप" यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स, अमेरिका में डॉ॰ इंदरबीर सिंह गिल के तहत 16 अक्टूबर से 15 नवंबर 2018 तक; 24 जनवरी 2019 को यूएसआईसीओएन, भुवनेश्वर, ओडिशा में इंडियन जर्नल ऑफ़ यूरोलॉजी बेस्ट रिव्यूअर अवार्ड 2018; अध्यक्षता, एलआरपी-डीवीसी नियंत्रण और वेसिकोयूरेथरल एनास्टोमोसिस, लेप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी पर कार्यशाला, 10 मार्च 2019, गाजियाबाद; चर्चित लाइव सर्जरी सत्र, ग्लोबल पेरिनेकोन 2018, 6-8 अप्रैल 2018, नई दिल्ली; अध्यक्षता में लाइव सर्जरी सत्र, लाइव ऑपरेटिव इंटरनेशनल न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी कार्यशाला 2018, 18-19 अगस्त 2018, नई दिल्ली के साथ यूरो-ऑन्कोलॉजी में मास्टर क्लास।

डॉ॰ ऋषि नय्यर ने ग्लोबल पेरीनियोकॉन नई दिल्ली 2018 में वैजाइनल वीवीएफ़ की मरम्मत पर लाइव सर्जिकल प्रदर्शन प्रस्तुत किया; दिल्ली यूरोलॉजिकल सोसायटी से अचीवर अवार्ड 2018; यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया यूरोमेट कार्यक्रम के शिक्षा बोर्ड के लिए मुख्य संकाय; एसईटी के लिए संकाय (कौशल-ए-लर्निंग-टेलीमेडिसिन) सुविधा; डीजीएचएस, डीसीजीआई (भारत) के कार्यालय के अधीन विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) (प्रजनन और मूत्रविज्ञान) के सदस्य; संपादकीय समिति के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; अध्यक्षता, फिलिंगसिस्टोमेट्री, न्यूरोजेनिक ब्लैडर, असंयम और मूत्रविज्ञान, बीओई यूएसआई, 15-16 सितंबर 2018, नई दिल्ली पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय मास्टरक्लास; पीसीएनएल में प्रशिक्षित, तकनीकी संशोधन, पीईआरसीओएन 2018, 29-30 वर्ष 2018, नई दिल्ली; अध्यक्षता, पुनर्निर्माण मूत्रविज्ञान तकनीक, पुनर्निर्माण मूत्रविज्ञान, सीयूई एनज़ेडयूएसआई, 21-22 जुलाई 2018, जोधपुर; पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी, 23 नवंबर, 2018, गुड़गांव पर एओजीडी की अध्यक्षता, ऑटोलॉगस फेशियल स्लिंग; चैरेड, फीमेल यूरेथ्रोप्लास्टी, पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी पर एओजीडी की प्री-कांग्रेस वर्कशॉप, 23 नवंबर 2018, गुड़गांव; IVC थ्रोम्बेक्टोमी के साथ लेप्रोस्कोपिक नेफ्रक्टोमी, लेप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी के लिए वर्कशॉप, 10 मार्च 2019, गाजियाबाद।

डॉ॰ वृषभानु नायक ने 10 मार्च 2018, गाजियाबाद में लेप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी पर कार्यशाला के सत्र की अध्यक्षता की।

10-1 âno{k foKku dsUn

हृद रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी॰ के॰ बहल

आचार्य

अनिता सक्सेना	एस॰ एस॰ कोठारी	बलराम भार्गव
के॰ सी॰ गोस्वामी	आर॰ जुनेजा	आर॰ नारंग
सुंदीप मिश्रा	संदीप सेठ	राकेश यादव
एन॰ नाइक	जी॰ कार्तिकेयन	गौतम शर्मा
एस॰ सिंह	अंबुज रॉय	एस॰ रामाकृष्णन

सह-आचार्य

सौरभ के॰ गुप्ता

सहायक आचार्य

दीप्ति सिद्धार्थन सत्यवीर यादव

डीजी आईसीएमआर के रूप में प्रतिनियुक्ति पर

हृद्‌वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस॰ के॰ चौधरी

आचार्य

यू के चौधरी   ए के बिसोई   वी देवगुरू

मिलिंद पी होते   सचिन तलवार

सहयोगी आचार्य

मनोज कुमार साहू   पी॰ राजशेखर

सहायक आचार्य

सर्वेश पाल सिंह   रमेश पी॰ मेनन

हृद संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संदीप चौहान

आचार्य

नीति मखीजा
पूनम मल्होत्रा
मिनाती चौधरी
शम्भूनाथ दास
पराग गार्दे
विश्वास मलिक
सुरुचि हसीजा
अरिंदम चौधरी

सहयोगी आचार्य

सुरुचि हसीजा
अरिंदम चौधरी

हृद जैव रसायन

आचार्य

लक्ष्मी रामाकृष्णन

वैज्ञानिक I

मनोज कुमार तेंभरे

हृद नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य

चेतन डी॰ पटेल

हृद विकृतिविज्ञान

आचार्य

रूमा रे

सह-आचार्य

सुधीर कुमार अरावा

कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजीव शर्मा

आचार्य

गुरप्रीत सिंह गुलाटी
प्रिया जगिया

सहायक आचार्य

संजीव कुमार | अरुण शर्मा

स्टेम सेल सुविधा

आचार्य

सुजाता मोहंती

रक्त- आधान सेवाएँ

आचार्य

आर॰ लक्ष्मी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अंजलि हजारिका

सहायक आचार्य

गोपाल पतिदर

अधी. चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

वीणा बेलानी

मुख्य तकनीकी अधिकारी

बिजय माझी | सुरेश कुमार

गुलशन मेहता | गजेंद्र सिंह चौहान

विशिष्टताएं

ह्रदरोग विज्ञान

साल 2018-19 में विभाग ने यहाँ आने वाले लगभग 1,40,000 बाहरी रोगियों को अपनी सेवाएँ दीं, 35,000 से ज़्यादा मरीजों की इकोकार्डियोग्राफी की गई और लगभग 3,000 मरीजों पर कैथेटेराइजेशन की प्रक्रिया की गई। 3,000 से ज़्यादा मरीज एंजियोप्लास्टी, उपकरण प्रत्यारोपण और बलून वाल्वोप्लास्टी समेत विभिन्न इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं से गुजरे।

इस अवधि के दौरान, विभाग ने ह्रदरोग के विभिन्न प्रकारों से युक्त मरीजों के अध्ययन की कई शोध परियोजनाओं में भाग लिया। एसटीईएमआई ह्रदयाघात, वात जनित ह्रदय रोग और रोग का वैश्विक भार से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकाशनों को उच्च प्रभाव वाली वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया। हमने सीएसआई राष्ट्रीय सम्मेलन 2018 सहित प्रमुख ह्रदरोग की सभाएं आयोजित कीं। विभाग के संकाय मुख्य ह्रदरोग पत्रिकाओं का हिस्सा बने, जिन में हार्ट एशिया, इंडियन हार्ट जर्नल, एनल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी और जेपीसीवीएस शामिल हैं। विभिन्न संकाय सदस्य महत्वपूर्ण आयोगों का हिस्सा बने।

मरीजों की देख-भाल, अनुसंधान और शिक्षण के अलावा, विभाग देश में हृदय रोग में अकादमिक संवाद को बढ़ावा देने में एक प्रमुख तरीके से शामिल था। विभाग के संकाय सदस्य राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय हृदय रोग निकायों में कार्यकारी पदों पर चुने गए और उन्होंने अकादमिक कार्यक्रम पर पुनः ध्यान केन्द्रित करने में सहयोग किया।

हृदवक्ष एवं संवहनी सर्जरी

विभाग मरीजों की देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल था। रोगियों की विस्तृत श्रेणियों को, जिन में सभी तरह की जन्मजात तथा उपार्जित हृदय तथा संवहनी संबन्धित बीमारियाँ थीं, आउट पेशेंट क्लीनिक में देखा गया और इन की साज-संभाल के लिए देश में अधिकतम शल्य क्रियाएँ की गईं। विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोध तथा प्रकाशन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं सहभागिता में सक्रिय रूप से शामिल रहा। विभाग के संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 122 व्याख्यान दिये और 12 शोध पत्र प्रस्तुत किए तथा विशेषज्ञों द्वारा समीक्षित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 25 से अधिक प्रकाशन किए। विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ, विशेषतः महाधमनी की शल्यक्रिया और हृदय शल्य चिकित्सा संबंधी गहन देख-भाल के क्षेत्र में कार्य स्मरणीय था। कुल 15 कार्यशालाएँ तथा फेफड़ों के प्रत्यारोपण, वैस्क्युलर अनस्टोमोसिस तकनीकों, एंटीकॉग्युलेशन, प्रोक्सिमल एरोटा और अन्य विषयों, जो हृदय की शल्य क्रिया के अनेक दृष्टिकोणों से संबन्धित थे, को मिला कर 2 वेटलैब संचालित किए गए। अपने गहन देख-भाल दल के साथ संक्रमण पर काबू पाने के क्षेत्र में अनुकरणीय काम किया है और पोस्ट कार्डियक सर्जरी आईसीयू केयर प्रोटोकाल विकसित किया है।

हृद संवेदनाहरण

विभाग के संकाय तथा रेजीडेन्ट डॉक्टर राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पुरस्कृत किए गए। सभी आचार्य तथा अपर आचार्य देश भर में विभिन्न डीएम हृद संवेदनाहरण, एमडी संवेदनाहरण और डीएनबी संवेदनाहरण के पाठ्यक्रमों में परीक्षक रहे। विभाग पेडियाट्रिक कार्डियक एनस्थेसिया में अधिछात्रवृत्ति आरंभ कराने में अग्रणी रहा और जल्द ही वैस्क्युलर एनस्थेसिया में अधिछात्रवृत्ति आरंभ करने के लिए अनुमति मिल जाएगी। विभाग के सभी संकायगण विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्डियक एनस्थेसिया, एनस्थेसिया तथा इकोकार्डियोग्राफी पत्रिकाओं में संपादक, संपादक मण्डल/समीक्षक मण्डल के सदस्य हैं। विभाग के सभी संकाय सदस्यों के परस्पर सहयोग से पेरीऑपरेटिव ट्रांसइसोफेगल इकोकार्डियोग्राफी पर एक किताब प्रकाशित की गई। डॉ॰ पूनम मल्होत्रा एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा (अनिर्वाचित) की अध्यक्ष रहते हुए, आईएसीटीए की (अनिर्वाचित) अध्यक्ष चुनी गईं तथा भारतीय ईसीएमओ संस्था की (अनिर्वाचित) भूतपूर्व अध्यक्ष बन गईं। वह जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर (जेसीसीसी) की मुख्य संपादक हैं। जिस के 2018 में 2 अंक प्रकाशित हुए। अधिकतर संकाय सदस्य जर्नल के संपादक/सलाहकार मण्डल में शामिल हैं। कार्डियक एनस्थेसिया विभाग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में 72 पत्र प्रकाशित किए गए। विभाग के अध्यापक मण्डल द्वारा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में हिस्सा लिया गया और वहाँ पत्र प्रस्तुत किए गए तथा व्याख्यान दिये गए।

हृद जैवरसायन

विभाग कार्डियोथोरेसिक केंद्र के आंतरिक और बाहरी मरीजों को सेवाएँ प्रस्तुत करता है। कई जाँचें विभाग में की गईं, दूसरे विभागों के तथा दूसरे संस्थानों के मरीजों को भी यहाँ परामर्श हेतु भेजा गया। कई ईक्यूएएस कार्यक्रमों में सम्मिलित होते हुए भी विभाग में विश्लेषण की उत्कृष्टता को सुनिश्चित किया गया। विभाग अनुसंधान में सक्रिय है, जैसा कि सेवेन म्यूरल ग्रांट्स ने प्रमुख जांचकर्ता के तौर पर प्रमाणित किया है, तथा 13 सहयोगी परियोजनाएँ हैं, जिन में कई विभाग शामिल हैं। वर्तमान में दो छात्र पीएचडी कर रहे हैं तथा हृदय संबंधी जैव रसायन विज्ञान से संकाय सह-मार्गदर्शक के तौर पर 5 दूसरे शोध पत्रों में भी शामिल है। विभाग का अध्यापक मण्डल यूनिसेफ तथा स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित किए गए एक पोषण सर्वे में तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्यों के रूप में शामिल था। विभाग के संकाय दीर्घकालीन गुर्दे की बीमारी पर आंध्र प्रदेश सरकार की एक परियोजना में तकनीकी सलाहकार समिति का भी सदस्य था। इस के अतिरिक्त वे आईसीएमआर के ग़ैर संचारी रोग, ओबेसिटी एवं उपापचयी लक्षण के क्षेत्र में परियोजना समीक्षा समिति में विशेषज्ञ सदस्य के तौर पर शामिल थे।

हृद नाभिकीय चिकित्सा

कार्डियोथोरेसिक केंद्र (सीटीसी) में नाभिकीय चिकित्सा विभाग ड्युअल हेड स्पेक्ट सीटी गामा कैमरे से लैस है, जिस में नियमित रूप से नैदानिक नाभिकीय कार्डियोलॉजिकल प्रक्रियाएं की जाती हैं। यह इकाई शिक्षण और अनुसंधान कार्य में भी सक्रिय रूप से शामिल है। नाभिकीय चिकित्सा परास्नातक तथा नाभिकीय चिकित्सा तकनीकी विज्ञान के छात्र नाभिकीय हृद विज्ञान की प्रक्रियाओं में चक्रीय आधार पर प्रशिक्षित किए जाते हैं। वर्तमान में मैं 11 डीएम, एमडी, पीएचडी और एमएससी छात्रों के थीसिस और शोधपत्र के कार्य में शामिल हूँ, जहाँ नाभिकीय हृद विज्ञान उन के अनुसंधान कार्य का एक हिस्सा है। नियमित रूप से टीसी लेबल्ड ट्रेसर्स और पेट अध्ययन के साथ और एन-13 अमोनिया और एफ़-18 एफ़डीजी के साथ मायोकार्डियल स्पेक्ट अध्ययन किया जाता है। हमने दूसरे पेट रेडियो ट्रेसर, जैसे कार्डियक सरकाइडोसिस, कार्डियक इन्फेक्टिव और इन्फ़्लेमेटरी पैथालॉजी के लिए गैलियम-68 डोटानॉक के साथ, का आरंभ भी किया है। हम ने कार्डियक सिम्पेथेटिक इनरवेशन के लिए एफ़-18 एफ़डीओपीए की संभावना का मूल्यांकन भी किया। यह इकाई हृदयाघात के रोगियों के नियोजन में गेटेड स्पेक्ट मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा वैल्यू ऑफ इंट्रावेंट्रिक्युलर सिंक्रोनिस्म मूल्यांकन के शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय बहुकेंद्रीय अनुसंधान परियोजना में भी शामिल रही है, जो कार्डियक रिसिंक्रोनाइज़ेशन थेरेपी को समर्पित थी, और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, विएना, आस्ट्रिया द्वारा वित्त पोषित थी। यह इकाई वित्त पोषित परियोजनाओं में दूसरे विभागों के साथ सहयोग भी कर रही है, जिन में से एक आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित है, जो अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसियों में से एक है और एक नेशनल हार्ट, लंग एंड ब्लड इंस्टीट्यूट (एनएचएलबीआई), यूएसए द्वारा वित्त पोषित है।

कार्डिएक पैथोलॉजी

विभाग हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी मामलों की नियमित नैदानिक रिपोर्टिंग, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण, समन्वय स्नातकोत्तर सेमिनार, जर्नल क्लबों का आयोजन और पल्मोनरी

पैथोलॉजी इंटरडेपार्टल सम्मेलनों के आयोजन में लगा हुआ है। विभाग अनुसंधान और विकासोन्मुखी गतिविधियों में सक्रिय है, विशेषतः उन में, कार्डियक और पल्मोनरी पैथालॉजी से संबन्धित हैं। विभाग संस्थान द्वारा समय समय पर दिये गए दूसरे उत्तरदायित्वों का निर्वहन भी करता है।

कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन

विभाग के संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों में 59 व्याख्यान प्रस्तुत किए। विभाग ने भारत तथा विश्व के विभिन्न स्थानों से आए हुए 29 पर्यवेक्षकों की मेजबानी की। वे कार्डियोवैस्क्युलर इमेजिंग और एंडोवैस्क्युलर इंटेर्वेशंस के विभिन्न दृष्टिकोणों के बारे में प्रशिक्षण ले रहे थे/हैं। संकायगण कई वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादक मण्डल और समीक्षक मण्डल के सदस्य हैं। विभागीय संकाय 29 शोध परियोजनाओं और थीसिस का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने विशेषज्ञ समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 22 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। 21 पत्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में प्रस्तुत किए गए, जिनमें से कुछ ने पुरस्कार भी जीता। इस के अतिरिक्त 10 अध्याय किताबों में प्रकाशित किए गए। विभाग ने अस्पताल के विभिन्न विशेषज्ञ विभागों से रिफ़र किए गए मरीजों को कार्डियोवैस्क्युलर इमेजिंग और वैस्क्युलर इंटरवेंशनल इलाज की सेवाएँ देना जारी रखा।

स्टेम सेल सुविधा

स्टेम सेल सुविधा पिछले वित्तीय वर्ष, 2018-2019 के दौरान बुनियादी, प्रीक्लिनिकल और क्लिनिकल स्टेम सेल अनुसंधान के लिए समर्पित एक अभिन्न अंग रहा है तथा रोगियों को उत्कृष्ट देखभाल सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जैव तकनीकी विभाग, भारत सरकार ने अगले 3 सालों के लिए इस सुविधा को स्टेम सेल रिसर्च में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में इस की वित्तीय सहायता बढ़ा दी है। कुल मिला कर, सुविधा 9 परियोजनाओं में शामिल है, जो एम्स के दूसरे विभागों के सहयोग से संचालित किए जा रहे हैं तथा डीबीटी, आईसीएमआर, डीएसटी आदि द्वारा वित्त पोषित किए जा रहे हैं। संकाय प्रभारी प्रोफेसर सुजाता मोहंती ने पहल कदमी करते हुए विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिन में भारत के भिन्न भिन्न संस्थानों से विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रशिक्षण (सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक का) शामिल हैं। सुविधा में पीएचडी के 16 शोधकर्ताओं तथा उपाधि के लिए पंजीकृत 7 एमडी और डीएम छात्रों के समर्पित दल को 4 वैज्ञानिकों और 1 डीएसटी प्रेरित संकाय के साथ सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं में नियुक्त किया गया है। भारत के दूसरे प्रतिष्ठित संस्थानों, जैसे आईआईएसईआर मोहाली, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी खड़गपुर, दिल्ली विश्वविद्यालय-दक्षिण परिसर, आईजीआईबी, एनआईआई, टीएचएसटीआई, एनबीआरसी तथा आईसीपीओ से शोध छात्र का भी उन के पीएचडी कार्य के लिए सह निरीक्षण किया जाता है। सुविधा ने कुल 16 शोध प्रबंधों को उच्च प्रभाव वाले विशेषज्ञ समीक्षित पत्रिकाओं में सफलता पूर्वक प्रकाशित किया है। डा॰ मोहंती कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थाओं की वैज्ञानिक रिपोर्टों (प्राकृतिक प्रकाशन समूह), ट्रांसलेशनल सर्जरी, स्टेम सेल्स में मौजूदा चलन और रेजेनेरेटिव चिकित्सा, स्टेम सेल में अंतर्दृष्टि इत्यादि में संपादक मण्डल समिति के सदस्य के तौर पर सम्बद्ध हैं। वह कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों की सक्रिय सदस्य भी हैं, जैसे इंटरनेशनल सोसाइटी

फॉर सेल्यूलर थेरेपी (आईएससीटी), इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर) और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स, इंडियन साइंस कॉंग्रेस, इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी। उन्होंने देश भर में (अतिथि व्याख्याता के तौर पर) कई शोध संस्थानों/विश्वविद्यालयों में कई व्याख्यान दिये हैं और कई वित्तीय संस्थाओं जैसे डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर, बायो-केयर, बीआईआरएसी इत्यादि के शोध एवं विकास संबंधी विभागों के अंतर्गत विभिन्न शोध परियोजनाओं के मूल्यांकन की दिशा में निरंतर सहायता और सहयोग प्रदान कर रही हैं। इस वित्तीय वर्ष के दौरान सुविधा ने 3 अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों (मिशिगन विश्वविद्यालय, ब्रिजपोर्ट विश्वविद्यालय और परड्यू विश्वविद्यालय यूएसए) के साथ सहभागिता की है।

रक्त-आधान सेवाएँ

सीएन केंद्र की रक्त-आधान सेवाएँ एम्स के सीएन केंद्र में भर्ती होने वाले मरीजों की आधान आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए चौबीसों घंटे सुरक्षित तथा उत्कृष्ट रक्त तथा रक्त अवयवों के संग्रह, संश्लेषण तथा सुरिक्षत उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहती हैं। गतिविधियों में आंतरिक और बाहरी रक्त का संग्रह, रक्त दाताओं का प्रेरण और पूर्व-दान और उत्तर-दान सलाह, रक्त अवयवों की तैयारी, विभिन्न सेरोलॉजिकल जाँचें और विशेष प्रक्रियाएँ जैसे अफरेसिस और थेराप्युटिक फ्लेबोटॉमी शामिल हैं। अवयव, जैसे परिपूर्ण रक्त कोशिकाएँ, ताज़ा जमा हुआ प्लाज्मा, प्लेटलेट से समृद्ध प्लाज्मा, प्लेटलेट कंसंट्रेट, क्रायोप्रेसीपिटेट, ल्यूकोडिप्लिटेड लाल रक्त कोशिकाएँ और प्लेटलेट पर्याप्त संख्या में हर समय उपलब्ध रहती हैं। अफरेसिस प्रक्रियाएँ तथा ऑटोलोगस दान की सुविधा उपलब्ध है। सरप्लस प्लाज्मा को प्लाज्मा प्रॉडक्ट फ्रैक्शनेशन के लिए भेजा गया है।

बीटीएस में रक्त सामूहिकता के लिए की गई सेरोलॉजिकल जाँचें, अनियमित एंटिबॉडीज के लिए की गई स्क्रीनिंग, अनुकूलता जाँचें, आधुनिक तकनीक जैसे कॉलम एग्लूटिनेशन और एसपीआरसीए एसे का प्रयोग कर के की जाती हैं। रक्त की जितनी भी इकाइयाँ संग्रहीत की जाती हैं, ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल संक्रमण जैसे हेपेटाइटस बी, हेपेटाइटस सी, एचआईवी-1 और 2, सिफ़लिस, मलेरिया के लिए जांचा जाता है। विभाग की अधिकतर प्रयोगशालाओं में बेहतर और उत्कृष्ट नतीजों के लिए ऑटोमेशन का प्रयोग किया जाता है। एचआईवी/एचसीवी/एचबीवी का पता लगाने के लिये दानकर्ताओं के रक्त के नमूनों की भी एनएटी (न्यूक्लिक एसिड एंप्लीफिकेशन टेस्ट) द्वारा जांच की जाती है ताकि रक्त की सुरक्षा बढ़ सके।

उत्कृष्टता प्रबंधन तंत्र अपने उत्पादों यथा रक्त तथा रक्त-अवयव, उपकरण, प्रक्रियाएँ एवं सेवाओं के लिए अपने स्थान पर है। बीटीएस भी अपनी विभिन्न प्रयोगशालाओं के लिए बाह्य उत्कृष्टता मूल्यांकन योजनाओं में भाग लेता है। हीमोविजिलेन्स, दोनों प्राप्तकर्ता, तथा दानकर्ता विजिलेन्स अपने स्थान पर है तथा विभाग भारत के हीमोविजिलेन्स कार्यक्रम (एचवीपीआई) में भाग लेता है।

शिक्षा

हृदरोग विज्ञान

विभाग स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण तथा प्रशिक्षण में संलग्न है। दैनिक अकादमिक गतिविधियों में जर्नल क्लब, मृत्यु-दर बैठक, कैथ सम्मेलन, लघु एवं दीर्घ संगोष्ठियाँ, वाद-विवाद, क्लीनिकल केस परिचर्चा और संकाय द्वारा स्पॉटर्स शामिल हैं।

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. सीएसआई 2018 वैज्ञानिक अन्तर्वस्तु, मुंबई
2. एम्स प्रसार अनुसंधान कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली
3. सीएसआई दिल्ली शाखा वार्षिक बैठक 2019, नई दिल्ली

व्याख्यान प्रदत्त

वी के बहल: 13 अनिता सक्सेना: 18 एस एस कोठारी: 3 जी कार्तिकेयन: 10 एस रामाकृष्णन: 12 सौरभ के गुप्ता: 8

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 5

हृदवक्ष वाहिका सर्जरी

विभाग स्नातकों और स्नातकोत्तर एमसीएच छात्रों, एमएससी (परफ्यूजन तकनीक) छात्रों एवं नर्सों के शिक्षण में सक्रिय रूप से संलग्न था। वर्तमान में 29 छात्र एमसीएच तथा सीटीवीएस कर रहे हैं, 1 कार्डियक सर्जिकल इंटेंसिव केयर में डीएम कर रहा है तथा 12 एमएससी (परफ्यूजन तकनीक में) कर रहे हैं। विभाग एम्स, नई दिल्ली के 11, जम्मू और कश्मीर के एक और भारत से बाहर के 3 (2 ऑस्ट्रेलिया तथा 1 नाइजीरिया से) स्नातकोत्तर एवं पोस्ट डॉक्टोरल छात्रों को अल्पावधि प्रशिक्षण दे रहा है।

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. फेफड़ों के प्रत्यारोपण पर कार्यशाला, 29 अप्रेल 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
2. फेफड़ों के प्रत्यारोपण पर कार्यशाला, 20 मई 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
3. फेफड़ों के प्रत्यारोपण पर वेटलैब, 20 मई 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
4. एंटीकाग्युलेशन कार्यशाला, 9 सितम्बर 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
5. वैस्क्यूलर एनस्टोमोसिस की तकनीकों पर कार्यशाला, 30 सितम्बर 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
6. वैस्क्यूलर एनस्टोमोसिस की तकनीकों पर वेटलैब, 30 सितम्बर 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
7. फेफड़ों के प्रत्यारोपण पर कार्यशाला, 21 अक्टूबर 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

8. वैस्क्यूलर एनस्टोमोसिस की तकनीकों पर कार्यशाला, 28 अक्टूबर 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
9. फेफड़ों के प्रत्यारोपण पर कार्यशाला, 11 नवंबर 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
10. अंग दाताओं के प्रबंधन के लिए सार्वभौमिक दिशा-निर्देश तय करने पर एम्स-नोटो कार्यशाला, 28 नवंबर 2018, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
11. मेच वी 2018 पर संचालित एक्मो की कार्यशाला - एक व्यापक मैकेनिकल वेंटिलेशन कोर्स आधारभूत से उन्नत तक, 8-9 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
12. कार्डियक लंग अल्ट्रासाउंड ईको में पिक्को पर कार्यशाला तथा उन्नत हीमोडायनामिक्स मॉनिटरिंग कार्यशाला (क्लू-2018), 16 दिसंबर 2018, आईएलबीएस, नई दिल्ली
13. एक्मो कार्यशाला, हार्ट फेल्योर एसोसिएशन ऑफ इंडिया का पाँचवाँ वार्षिक सम्मेलन, एचएफ़एआईसीओएन 2019, 2-3 फरवरी, 2019, गुरुग्राम
14. एच1एन1 विषाणु के मिथक और सत्य, 1 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली
15. प्रॉक्सिमल एरोटा पर कार्यशाला, 16-17 मार्च 2019, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

व्याख्यान प्रस्तुत किए गए

शिव कुमार चौधरी: 82 **मिलिंद होते: 4** **सचिन तलवार: 16**

मनोज कुमार साहू: 9 **सर्वेश पाल सिंह: 11**

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 11

हृद संवेदनाहरण

- मुख्य एनेस्थीसिया विभाग से 6 डीएम अभ्यर्थी जिसमें 1 प्रायोजित तथा 9 अन्य एमडी जूनियर रेजीडेन्ट डॉक्टरों को कार्डियक-थोरेसिक एनस्थीसिया में सुपर स्पेशिलिटी प्रशिक्षण दिया गया
- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज की 6 एमडी अभ्यर्थियों और कोलकाता से दो को कार्डियक एनस्थीसिया में विशेषज्ञता का अल्पकालीन प्रशिक्षण दिया गया।
- श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट, त्रिवेन्द्रम से 4 डीएम अभ्यर्थियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण दिया गया

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. ईको सिम्युलेटर पर ईको बेसिक कोर्स पर कार्यशाला, 15 जुलाई 2018, नई दिल्ली
2. वीए और वीवी एक्मो पर टीएसएस और गेटिंग इंडिया (मैकुएट) के बैनर तले कार्यशाला, 25 अगस्त 2018, नई दिल्ली
3. जीई और फिलिप्स ईको मशीन और सिम्युलेटर पर ईको अडवांस कोर्स पर लाइव वेबिनर और कार्यशाला, 2 सितंबर 2018, नई दिल्ली
4. कार्डियक रिससिटेशन में अभ्यास और उन्नति, 21 अक्टूबर 2018, एम्स, नई दिल्ली

5. सीएमई: 'कार्डियक एनस्थीसियोलॉजी स्नातकोत्तर सभा 2018', 27 और 28 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
6. एससीए-दिल्ली, एनसीआर शाखा के बैनर तले और एक्मो सोसायटी ऑफ इंडिया (ईएसओआई) और गेटिंग इंडिया (मकुएट) के सहयोग से एप्लाइड एक्मो पर कार्यशाला, 4 नवंबर 2018, नई दिल्ली
7. मेडिनिट और हैंड्स ऑन फिलिप्स ईको मशीन कार्यशाला के साथ डॉक्टर नवीन सी नन्दा द्वारा पीवी कस्प्स पर लाइव वेबिनर और कार्यशाला, 23 नवंबर 2018, नई दिल्ली
8. कार्डियक केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीसीयूएस) के बिन्दुओं पर डॉक्टर नवीन सी नन्दा, डॉक्टर राकेश गुप्ता, डॉक्टर के के कपूर, डॉ॰ कांची मुरलीधर डॉ॰ नमन शास्त्री द्वारा ईको सिम्युलेटर पर कार्यशाला, 17 फरवरी 2019, नई दिल्ली

व्याख्यान प्रस्तुत किए गए

नीति मखीजा: 4	**पूनम मल्होत्रा कपूर: 40**	**शम्भूनाथ दास: 3**
विश्वास मालिक: 3	**सुरुचि हसीजा: 3**	**अरिंदम चौधरी: 4**

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 8

हृद जैवरसायन

- 2 पीएचडी छात्रों को मुख्य मार्गदर्शक तथा 5 को सह मार्गदर्शक के तौर पर निर्देशित किया
- 2 एमडी छात्रों के लिए मुख्य मार्गदर्शक
- 10 एमडी शोध प्रबंध परियोजनाओं के लिए सह मार्गदर्शक
- एलएनजेएन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस, नई दिल्ली के एमएससी (फोरेंसिक साइंस) के छात्रों के लिए अतिथि व्याख्यान दिये

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. हीमैटोलॉजी (आधारभूत सिद्धान्त और इसका क्लीनिकल प्रयोग), 6 अगस्त 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. एचबीए1सी (आधारभूत सिद्धान्त और इसका क्लीनिकल प्रयोग), 9 अक्टूबर 2018, एम्स नई दिल्ली

व्याख्यान प्रस्तुत किए गए:

आर लक्ष्मी: 1	**मनोज के टेंभरे: 1**

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 2

हृद नाभिकीय चिकित्सा

- स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 36 (20 एमडी नाभिकीय चिकित्सा छात्र और 16 एमएससी नाभिकीय चिकित्सा तकनीक छात्र चक्रीय आधार पर नाभिकीय कार्डियोलॉजी में)
- पूर्ण किए गए थीसिस/शोध प्रबंधों की संख्या: 2
- जर्नल क्लब/सेमिनार/अंतर-विभागीय व्याख्यानों में मध्यस्थता: 8

- आरंभ की गई नई थीसिसों की संख्या: 2
- क्लीनिकल अध्ययन को रिपोर्ट करते हुए एमडी छात्रों का 'ऑन साइट' अध्यापन

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

व्याख्यान प्रस्तुत किए गए:

चेतन डी पटेल: 4

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 14

हृद विकृति विज्ञान

- हिस्टोपैथोलॉजी की नियमित नैदानिक रिपोर्टिंग तथा साइटोपैथोलॉजी मामले
- पूर्वस्नातक छात्रों का शिक्षण
- स्नातकोत्तर छात्रों का शिक्षण
- स्नातकोत्तर सेमिनार, जर्नल क्लबों में समन्वय स्थापित करना
- अंतर्विभागीय पल्मोनरी पैथोलॉजी सम्मेलन का संचालन करना
- अनुसंधान तथा विकासोन्मुखी गतिविधियां, विशेषतः कार्डियक और पल्मोनरी पैथोलॉजी से संबन्धित

व्याख्यान प्रस्तुत किए गए:

सुधीर कुमार ए: 8

कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन

शिक्षण

अतिरिक्त विभागीय

पूर्वस्नातक: कार्डियो वैस्कुलर इमेजिंग और वैस्कुलर इंटेर्वेंशंस पर आधारित व्याख्यान

स्नातकोत्तर: सम्बद्ध विभागों में कार्डियक रेडियोलॉजी क्विज, मॉडरेटिंग सेमिनार

विशेषज्ञता अर्थात कायचिकित्सा, शल्य क्रिया, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी और कार्डियोथोरेसिक शल्य क्रिया

कार्डियोलॉजी विभाग के साथ क्लिनिको रेडियोलॉजी बैठकें और सीटीवीएस

सम्बद्ध विशेषज्ञों के साथ मिल कर संयुक्त क्लीनिकल राउंडों और क्लीनिकल ग्रैंड राउंडों में भाग लेना

अंतर्विभागीय

दैनिक केस प्रस्तुतीकरण, और साप्ताहिक जर्नल क्लब तथा सेमिनार

प्रशिक्षण

कनिष्ठ और वरिष्ठ रेडियोलॉजी रेजीडेन्टों, कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस और कार्डिएक एनेस्थेसिया में वरिष्ठ रेजीडेंटों और कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग और संवहनी हस्तक्षेप की तकनीकों में बाहरी पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. उन्नत कार्डियक इमेजिंग में अंतर्दृष्टि पर सीएमई: अर्जित हृदयरोग और जन्मजात हृदयरोग: 18 अगस्त 2018, एम्स, दिल्ली

व्याख्यान प्रस्तुत किए गए:

संजीव शर्मा: 17 **गुरप्रीत सिंह गुलाटी: 10** **प्रिया जगिया: 9**

संजीव कुमार: 25

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 21

स्टेम सेल सुविधा

विभाग पीएचडी, डीएम और एमडी कार्यक्रमों में भाग लेता है

क्रम संख्या	कार्यक्रम	छात्रों की संख्या
1.	पीएचडी	17
2.	डीएम और एमडी	8
3.	**प्रशिक्षण**	
	अ. अल्प कालीन	8
	ब. दीर्घ कालीन	4

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. आईपीएससीस प्रौद्योगिकी पर एक दिन की संगोष्ठी: वर्तमान प्रगति और भविष्य की गुंजाइश, 1 मई 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. हाइपोक्सिया अनुसंधान पर एक दिन की संगोष्ठी: वर्तमान प्रगति और भविष्य की गुंजाइश, 25 जनवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली

व्याख्यान प्रस्तुत किए गए:

सुजाता मोहंती: 5

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 9

रक्त-आधान सेवाएँ

व्याख्यान प्रस्तुत किए गए:

अंजलि हजारिका: 6 **गोपाल कुमार पतिदार: 2**

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 3

अनुसंधान

हृदरोग विज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में वयस्कों के 18-25 वर्ष आयु वर्ग में आमवाती हृदय रोग की व्यापकता का इकोकार्डियोग्राफी के साथ डॉपलर का उपयोग करके अध्ययन करना, अनीता सक्सेना, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016- 2019, 38.83 लाख रु।
2. तीव्र हृदयगति में बायोमार्कर का अध्ययन, एस सेठ, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 80 लाख रुपये
3. इनविक्टस (विटामिन के प्रतिपक्षी, रिवारोक्साबन या एस्पिरिन अध्ययन का प्रयोग करते हुए रियूमैटीकैफ के उपचार की जांच), जी कार्तिकेयन, जनसंख्या स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाडा, 4 साल, 2016-2020, 16.7 करोड़ रुपये
4. बाएं तरफा वाल्व थ्रोम्बोसिस (सेफ पीवीटी) के लिए फाइब्रिनोलिटिक थेरेपी की तुलना में सर्जरी, जी कार्तिकेयन, आईसीएमआर, 2 साल, 2017-2019, 69 लाख रु
5. स्टेमी मरीजों में प्रारम्भिक पीसीआई के बाद बहुनसीय बीमारियों के साथ निर्दोष नसों के अर्जित निर्देशित पीसीआई के लिए गेटेड स्पेक्ट एमपीआई का मूल्य जी कार्तिकेयन, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, 2 साल, 2018-2020, 13.5 लाख रुपये
6. संचालन समिति के सदस्य और जी-सीएचएफ़ के राष्ट्रीय प्रधान अन्वेषक (ग्लोबल कंजस्टिव हार्ट फेल्योर) का पंजीकरण, हृदयाघात के रोगियों का एक वृहद बहुराष्ट्रीय पंजीकरण, अंबुज रॉय, पीएचआरआई, कनाडा, 3 वर्ष, 2017-2020, रु॰ 64.20 लाख
7. संचालन समिति के सदस्य और आईवीवीई परीक्षण के राष्ट्रीय प्रधान अन्वेषक (प्रतिकूल संवहनी घटनाओं को रोकने के लिए इन्फ्लूएंजा वैक्सीन), हृदयाघात के रोगियों में हृदय की घटनाओं को रोकने में इन्फ्लुएंजा वैक्सीन की भूमिका का अध्ययन करने के लिए एक परीक्षण, अंबुज रॉय, पीएचआरआई, कनाडा, 4 वर्ष, 2016-2020, रु॰ 144.77 लाख
8. राष्ट्रीय हृदयाघात पंजीकरण, आईसीएमआर प्रायोजित एक हृदयाघात पंजीकरण, अंबुज रॉय, पीएचआरआई, कनाडा, 3 वर्ष, 2018-2020, रु॰ 25.57 लाख
9. अधिक वजन या मोटापे के रोगियों में हृदय रोग और स्ट्रोक पर सेमाग्लूटाइड प्रभाव (सेलेक्ट) परीक्षण, नोवो नॉर्डिस्क द्वारा प्रायोजित एक अंतर्राष्ट्रीय बहुस्तरीय परीक्षण, अंबुज रॉय, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2018-2023, 3.8 लाख रुपए प्रति मरीज (कुल 20 मरीज)
10. शहरी और ग्रामीण दिल्ली की आबादी की व्यापकता में विटामिन डी की कमी और हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों के साथ इसका संबंध, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त अध्ययन, अंबुज रॉय, डीएचआर, 2 वर्ष, 2016-2018, रु॰ 24.04 लाख
11. स्वस्थ वयस्क भारतीय में एचडीएल की उत्कृष्टता का मूल्यांकन और उच्च स्थान पर इस का प्रभाव, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी तथा अलाइड साइंसेज, 2017-2019, रु॰ 51.23 लाख
12. योग-देखभाल परीक्षण, कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ पर योग आधारित कार्डियक पुनर्वसन कार्यक्रम का प्रभाव (योग केयर): एक क्लीनिकल परीक्षण (भारत) और क्रियाविधिक अध्ययन (यूके), अंबुज रॉय, आईसीएमआर-एमआरसी (यूके), 2014-2018, रु॰ 24.06 लाख

13. नई दिल्ली एवं वेल्लोर बर्थ कोहर्ट में 45 वर्ष की आयु में मायोकार्डियल संरचना एवं प्रकार्य का बाल्यावस्था एवं युवा वयस्क पूर्वसूचक, भारत, अंबुज रॉय, एक ब्रिटिश हार्ट फ़ाउंडेशन द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त अध्ययन, 3 साल, 2016-2019, रु॰ 20 लाख

पूर्ण

1. टेक्स्ट मेड्स - औषधियों के लाभ में सुधार करने के लिए और दूसरे दर्जे की रोकथाम के लिए टेक्स्ट संदेश - एक अंतर्राष्ट्रीय यादृच्छिक परीक्षण, नेशनल हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एनएचएमआरसी), ऑस्ट्रेलिया, 2 वर्ष, एयूडी 30,000

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ओपेन हार्ट सर्जरी के बाद सियानोटिक जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों में फाइब्रिलिन जीन उत्परिवर्तन और आरएसओवी न्यूरोडेवलपमेंटल परिणामों में सूजन के निशान।
2. क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में स्पर्शोन्मुख मायोकार्डियल इस्किमिया की व्यापकता
3. आरएचडी के वाल्व के ऊतकों में स्ट्रेप्टोकोकल पीसीआर
4. शिशुओं में वीएसडी के साथ फेफड़ों के संक्रमण के साथ पीएएच का बिगड़ना

पूर्ण

1. क्लिनिकल और एंजियोग्राफ़िक प्रोफाइल और प्राथमिक पीसीआई से गुजरने वाले एसटी उत्थान मायोकार्डिअल इन्फ्रक्शन के धूम्रपान करने वाले रोगियों के छह महीने के परिणाम
2. स्टेमी की उपस्थिति में निदान में देरी - एक क्वालिटेटिव विश्लेषण
3. क्या स्टाटिन उपचार में औषधि की उच्च मात्रा स्मृति क्षय पैदा करती है?
4. फोकस अल्ट्रा साउंड: इंटेंसिविस्ट्स को फोकस अल्ट्रासाउंड सिखाने के लिए प्रोटोकॉल का विकास
5. दाएं वेंट्रिकुलर पेसिंग वाले रोगियों में बाएं वेंट्रिकुलर शिथिलता की घटना और भविष्यवाणियां

सहभागी परियोजनाएँ

जारी

1. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट, न्यूरोलॉजी के कारणों को जानने के लिए एक जनसंख्या आधारित भावी कोहार्ट अध्ययन

हृदवक्ष एवं संवहनी सर्जरी

वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाएँ

1. कार्यात्मक माइट्रल वाल्व रिगर्जेटेशन के उपचार में बेस (बाह्य कार्डिया का बेसल एनुलोप्लास्टी) की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन (एफ़एमआर), एसके चौधरी, फीनिक्स कार्डियक उपकरण, 4 वर्ष, 2015-2019, रु॰ 30 लाख
2. आयुष कार्ड चाय की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन माइट्रल वाल्व ओपेन हार्ट सर्जरी के बाद क्लिनिकल रिकवरी और पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों पर

राज योग ध्यान बनाम पारंपरिक उपचार, एसके चौधरी, आयुष मंत्रालय, 2 वर्ष, 2018-2019, रु॰ 45 लाख

3. डैफोडिल 1: उन रोगियों में डैफोडिल पेरिकार्डियल बायोप्रोस्टेसिस की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, बहुसांस्कृतिक, एकल बाहु नैदानिक अध्ययन, जिनके प्राकृतिक या कृत्रिम महाधमनी या माइट्रल वाल्व के प्रतिस्थापन की आवश्यकता होती है, एसके चौधरी, मेरिल लाइफ साइंसेज, 5 वर्ष, 2015-2019, रु॰ 20 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. तीव्र टाइप ए विच्छेदन स्ट्रोक से जटिल होता है : सर्वोतम रणनीति?
2. वाल्साल्वा के साइनस का एन्यूरिज्म इंटरवेंट्रिकुलर सेप्टम में विच्छेदित होता है
3. वयस्कों में महाधमनी का समन्वय
4. ट्रांस एन्यूलर पैच (टीएपी) बनाम नॉन ट्रांस एन्यूलर पैच (नॉन-टीएपी) के साथ कुल सुधार के बाद व्यायाम प्रदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन
5. ओपेन हार्ट सर्जरी से गुजरने वाले बाल रोगियों में प्लाज्मालाइट ए आधारित डेल-नीडो कार्डियोप्लेजिया घोल की सादे रिंगर आधारित डेल-नीडो कार्डियोप्लेजिया घोल के साथ तुलना: एक संभावित अनियमित परीक्षण
6. फेनेस्ट्रेटेड और नॉनफेनेस्ट्रेटेड फोंटान के बीच फुफ्फुस बहाव की तुलना-एक संभावित अनियमित अध्ययन
7. पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी में विलंबित स्टर्नल क्लोजर
8. तीव्र टाइप ए के विच्छेदन वाले रोगियों की जनसांख्यिकीय, नैदानिक और रेडियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल
9. बाईकप्सिड महाधमनी वाल्व के साथ रोगियों में आनुवंशिक स्क्रीनिंग
10. आरोही महाधमनी एन्यूरिज़्म के साथ महाधमनी के कॉर्कटेशन का उपचार
11. भारतीय रोगियों में वालसालवा एन्यूरिज्म के साइनस की मोर्फोलॉजी
12. माइकोबैक्टीरियल एओर्टोपैथी: इसकी प्रस्तुति और प्रबंधन की एक संस्थागत समीक्षा
13. हाइपोथर्मिक संचार में रुकावट के बिना महाधमनी चाप प्रतिस्थापन सर्जरी के न्यूरोलॉजिकल परिणाम
14. फॉन्टान सर्जरी के रोगियों में यकृत फाइब्रोसिस का गैर-इनवेसिव मूल्यांकन
15. अतिरिक्त कार्डियक फॉन्टान प्रक्रिया से गुजर रहे रोगियों में ओरल सिल्डेनाफिल प्रशासन-एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड अध्ययन
16. सेप्सिस के साथ पोस्ट कार्डियक सर्जरी के मरीजों का परिणाम
17. कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग से गुजरने वाले रोगियों में परफ्यूजन की रणनीति
18. जीवन के पहले दशक में टीओएफ की मरम्मत से गुजरने वाले रोगियों में परफ्यूजन की रणनीति

19. सर्जिकल ऑडिट और उन रोगियों का परिणाम जो हेमीआर्च प्रक्रिया के साथ बेंटाल की प्रक्रिया से गुजरे
20. तृतीय श्रेणी के सरकारी अस्पताल में पोस्ट ट्रांसप्लांट चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने वाले हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं की संतुष्टि के स्तर: एक प्रश्नावली-आधारित अध्ययन
21. बाल चिकित्सा सर्जिकल रोगियों में ट्रेकियोस्टोमी
22. गंभीर पीएएच में सेप्टल दोषों के युनिडाइरेक्शनल वाल्वयुक्त पैच को बंद करना: हेमोडायनामिक परिणाम

पूर्ण

1. कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग के दौर से गुजर रहे वयस्क रोगियों में हाइपरसोनिक कार्डियो-पल्मोनरी बाईपास प्राइमिंग के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अवलोकन अध्ययन
2. भारतीय आबादी में सर्कल ऑफ विलिस का आकलन
3. कार्डिएक सर्जरी में कार्डियोपल्मोनरी बाईपास के दौर से गुजर रहे वयस्क रोगियों में दो क्रिस्टलॉइड संतुलित इलेक्ट्रोलाइट प्राइमिंग घोल (प्लास्मालाइट-ए और स्टेरोफंडिनइसो) के बीच तुलनात्मक विश्लेषण
4. बाल चिकित्सा कार्डियोपल्मोनरी बाईपास सर्किट में एल्बुमिन प्राइमिंग के लिए एक मॉडल का विकास
5. ओपन हार्ट सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में परिणाम पर विटामिन डी पूरक मात्रा का प्रभाव: अनियमित नियंत्रित परीक्षण
6. कार्डियोपल्मोनरी बाईपास से गुजरने वाले रोगियों में वजन के अनुसार मैनिटॉल का उपयोग करने की क्षमता
7. हार्ट वाल्व सर्जरी के बाद भारतीय रोगियों में आनुवंशिक बहुरूपता और वारफारिन की खुराक
8. बाइकस्पिड महाधमनी वाल्व के साथ रोगियों के आरोही महाधमनी में अपक्षयी परिवर्तन का हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन
9. होमोग्राफ्ट वाल्व बैंकिंग
10. बीएवी युक्त रोगियों के पहले डिग्री के रिश्तेदारों (एफ़डीआर) में बाईकैस्पिड महाधमनी वाल्व (बीएवी) का प्रसार और आरोही महाधमनी का प्रसार
11. एरिथ्रोसाइट्स पर अल्ट्राफिल्ट्रेशन के दौरान उपयोग किए जाने वाले नकारात्मक दबावों का प्रभाव
12. कार्डियक सर्जरी के दौर से गुजर रहे बच्चों में दिल के रोगों के साथ प्री-कार्डियोपल्मोनरी बाईपास रक्तप्रवाह की भूमिका
13. जीवन के पहले दशक से परे कुल विसंगतिपूर्ण फुफ्फुसीय संबंध
14. महाधमनी जड़ / वाल्व प्रक्रिया से गुजरने वाले रोगियों में कार्यात्मक एमआर के लिए ट्रांस-महाधमनी माइट्रल वाल्व की मरम्मत

सहभागी परियोजनाएँ

जारी

1. पोस्ट-ऑपरेटिव बाल चिकित्सा सर्जिकल रोगियों में पूरक मां के दूध के साथ प्रारंभिक एंटेरल भोजन: एक अनियमित नियंत्रित परीक्षण, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय

हृद संवेदनाहरण

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. जन्मजात हृदय रोग की सर्जिकल मरम्मत के रोगियों में कार्डियक पुनर्वास के जैव रासायनिक और संज्ञानात्मक सह-संबंध पर राजयोग मेडिटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक एकल ब्लाइंड अनियमित नियंत्रित अध्ययन, ऊषा किरण, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017-2019, रु॰ 23 लाख
2. एम्स एल्गोरिथ्म का उपयोग करते हुए सियानोटिक जन्मजात कार्डियक सर्जरी के रोगियों में पॉइंट-ऑफ-केयर गाइडेड हेमोस्टैटिक प्रबंधन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: भावी अनियमित अध्ययन, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2017-2019, रु॰ 12 लाख

पूर्ण

1. वेनो-आर्टेरियल (वीए) एक्स्ट्राकार्पोरल मेम्ब्रेन ऑक्सीकरण (ईसीएमओ) पर प्लेटलेट एग्रीगोमेट्री और मानक टेस्ट का उपयोग करके कोगुलोपैथी का मूल्यांकन, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2017-2019, रु॰ 8 लाख
2. ओपन हार्ट सर्जरी के दौर से गुजर रहे एसैनियोटिक बच्चों में प्रोटामाइन उलटाव के साथ हेपरिन के लिए बायविलिरुडिन की तुलना, सुरुचि हसीजा, एम्स, 2 वर्ष, 2015-2017, रु॰ 5 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. टेट्रालॉजी ऑफ फैलट के मरीजों में, जो सर्जरी की प्रक्रिया से गुज़र रहे हैं, विभिन्न इकोकार्डियोग्राफिक दृष्टिकोणों में आरवीओटी ग्रेडिएंट की तुलना
2. कोरोनरी धमनी बाईपास के रोगियों में संशोधित टीएपीएसई के साथ ट्राईकस्पिड एन्यूलर प्लेन सिस्टोलिक एक्सकर्शन (टीएपीएसई) की तुलना
3. आइसोलेटेड वेंटीकुलर सेप्टल दोष के साथ एसायनोटिक जन्मजात हृदय रोग के रोगियों में प्रत्यक्ष पल्मोनरी धमनी दबाव माप के साथ निर्देशित ईको का सहसंबंध
4. कार्डियक सर्जरी से गुजर रही महिलाओं में मासिक धर्म में खून की हानि का मूल्यांकन
5. दाएं आर्टरीयल धब्बेदार ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफिक सूचकांकों को बाएं तरफा वाल्वुलर हृदय रोग के रोगियों में पल्मोनरी आर्टरीयल दबाव का आकलन करने के लिए एक विधि के रूप में

पूर्ण

1. वयस्क मरीजों में एस्थेटिक स्टेनोसिस की ग्रेडिंग की तुलना ट्रान्सथोरैसिक और ट्रांसजियोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी के बीच ऐच्छिक ऐलिव वॉल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी से: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
2. पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जिकल रोगियों में, जिन्हें मौखिक कार्बोहाइड्रेट घोल तथा वह जिन्हें उपवास पर रखा गया, में प्री-ऑपरेटिव ग्लाइसेमिक प्रोफाइल की तुलना का रैंडमाइज्ड अध्ययन
3. दाएँ वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन मापदंडों से ली गई इकोकार्डियोग्राफी की भूमिका की तुलना में फैलोट के टेट्रालॉजी के लिए इंट्राकार्डियक मरम्मत के दौर से गुजर रहे बच्चों में पेरिऑपरेटिव राइट वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन के लिए पीआरवी / एलवी के अनुपात का मूल्यांकन

सहयोगी की परियोजनाएँ

जारी

1. 2डीटीईई पर 3डीटीईई की संभावित वृद्धि के मूल्य का आकलन करने के लिए 2डी और 3डी टीईई की इंट्राओपरेटिवली तुलना, युनिवर्सिटी ऑफ अलबामा ऐट बर्मिंघम, अलबामा, यूएसए

हृद जैवरसायन

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के लिए व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण के लिए क्यूसी लैब के रूप में सेवा करने के लिए संलग्नता का प्रस्ताव, आर लक्ष्मी, यूनिसेफ, 4 वर्ष, 2016-2020, रु॰ 233 लाख
2. कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में ईपीसी की कार्यात्मक गतिविधि के साथ एंडोथेलियल प्रोहाइज़र सेल (ईपीसी) में टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) के स्तर का अध्ययन करने के लिए, आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017-2019, रु॰ 39 लाख
3. प्रतिरोध प्रशिक्षित वयस्क पुरुषों में प्रोटीन अवशोषण पर शरीर रचना, मांसपेशियों की शक्ति, और प्रतिरक्षा पर प्रोबायोटिक पूरक, बेसिलस कोगुलांस युनीक इस2 और बेसिलस क्लॉज़ी के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए डबल ब्लाइंड अनियमित नियंत्रण परीक्षण, आर लक्ष्मी, युनीक बायोटेक, 20 माह, 2016-2019, रु॰ 37 लाख
4. जेरिएट्रिक जनसंख्या में कार्डियोवैस्कुलर जोखिम के आकलन के लिए डीबीएस में बायोमार्कर का अनुमान लगाना, आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 12 माह, 2018-2019, रु॰ 28 लाख
5. बचपन और जवान वयस्कों में मायोकार्डियल संरचना के पूर्व सूचक और 45 की अवस्था में कार्य नई दिल्ली बर्थ कोहार्ट और वेल्लोर बर्थ कोहार्ट्स भारत: बायोकेमिकल कम्पोनेंट दिल्ली, आर लक्ष्मी, बीएचएफ़, 3 वर्ष, 2016-2019, रु॰ 20 लाख

6. एलार्मिन प्रेरित नेक्रोप्टोसिस के तंत्र की व्याख्या करना और प्रतिरक्षा होमोस्टैसिस और एथ्रोस्क्लेरोसिस में सूजन में इसकी भूमिका, मनोज के टेंभरे, डीएसटी-एसईआरबी (अर्ली कैरियर रिसर्च ग्रांट अवार्ड), 3 वर्ष, 2017-2020 रु. 50 लाख
7. प्रतिरक्षा विनियमन और सूजन में न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप (एनईटी) की भूमिका को परिभाषित करना, मनोज के टेंभरे, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019 रु. 8.5 लाख

पूर्ण

1. कश्मीर घाटी में गैर संचारी रोगों के परिमाण और जोखिम कारकों के विशेष संदर्भ में जनजातीय आबादी का स्वास्थ्य सर्वेक्षण, आर लक्ष्मी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, रु. 171 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ए और बी ग्रुप डोनर प्लाज्मा को मिलाने और नोरम्ल सेलाइन से पतला करने के बाद एबीओ एंटीबॉडी टिटर और कोगुलेशन फैक्टर का आकलन
2. भारत में एक सुपर-स्पेशिएलिटी सेंटर में ब्लड बैंक में रक्त सूची का अनुकूलन
3. कार्डियक सर्जरी के दौर से गुजर रहे मरीजों में ल्यूको-रिड्युस्ड और गैर-ल्यूको- रिड्युस्ड रक्त घटकों के ट्रांसफ्यूजन का परिणाम
4. कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) रोगियों में एंडोथेलियल प्रोजेनीटर सेल (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) के स्तर और ईपीसी नंबर और प्रकार्य के साथ इसके संबंध का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. 3 महीने में चयनित स्वास्थ्य संबंधी परिवर्ती कारक परिणाम पर नर्स-लेड स्ट्रक्चर्ड टेलिफोनिक हार्ट फेल्योर मैनेजमेंट प्रोग्राम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
2. जन्मजात हृदय रोग, कार्डिएक एनेस्थीसिया के लिए सर्जिकल मरम्मत के रोगियों में हृदय पुनर्वास के जैव रासायनिक और संज्ञानात्मक सहसंबंधों पर राजयोग ध्यान के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक सिंगल ब्लाइंडेड रैंडमाइज़्ड नियंत्रण अध्ययन, हृद संवेदनाहरण
3. डायबिटीज मेलिटस के साथ सामान्य मानसिक विकार का संबंध - उत्तर भारत में एक समुदाय आधारित केस-कंट्रोल स्टडी, सी.सी.एम.
4. विभिन्न अवस्थाओं में सामान्य श्रेष्ठ और हीन पैराथायराइड ग्रंथियों के सेलुलर और आणविक विषमता, पैथोलॉजी
5. ओपेन हार्ट सर्जरी के लिए जाने वाले बच्चों पर परिणाम पर विटामिन डी सप्लीमेंटेशन का प्रभाव: एक रैंडमाइज़्ड नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस

6. सोरायसिस में सूजन और त्वचा होमोस्टैसिस को विनियमित करने में टीएनआईपी1, आईएल2बी और एनएफ़केबीआईए की भूमिका और उनके लक्ष्य माइक्रो आरएनए को स्पष्ट करना, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
7. डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एचएनई) का मूल्यांकन, लेबॉरेटरी ऑंकोलॉजी
8. किशोर गिर्ल्स (12-19 वर्ष) के बीच हीमोग्लोबिन स्तर पर विटामिन बी 12 के साथ आयरन और फोलिक एसिड (आईएफ़ए) के पैकेज के पूरक का प्रभाव, मानव पोषण इकाई
9. आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले पेरिटोनिटिस रोगियों में इंट्राऑपरेटिव फेफड़े के सुरक्षात्मक वेंटिलेशन: एक रैंडमाइज़्ड नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान
10. उत्तर भारत में गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग (एनएएफ़एलडी) की व्यापकता और कार्डियो-मेटाबोलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, एंडोक्राइनोलॉजी
11. गैर-मेनियर के रोग वर्टिगो रोगियों में बायोमार्कर के रूप में आंतरिक कान प्रोटीन ओटोलिन -1, विटामिन डी और आयनीकृत कैल्शियम का अध्ययन, ओटोलैरिंजोलॉजी
12. मध्यम एटोपिक त्वचा की सूजन के साथ बच्चों में टीएच2 / टीएच17 सूजन मोड्यूलेटिंग फिलेग्रिन अभिव्यक्ति और रोग की गंभीरता, डर्मैटोलॉजी
13. वसा ऊतक एबीसीए1 और चयापचय स्थिति द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का मॉड्डुलेशन, बायोकेमिस्ट्री

पूर्ण

1. 60 वर्ष या इससे अधिक आयु की बुजुर्ग आबादी में पोषण, रुग्णता की स्थिति और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के उपयोग का आकलन, मानव पोषण इकाई
2. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन उच्च ऊंचाई क्षेत्रों (1,000 मीटर और अधिक) के 6-18 वर्ष की आयु के बच्चों में विटामिन डी की कमी और संबद्ध कारकों की व्यापकता का आकलन, मानव पोषण इकाई
3. स्तन कैंसर के विकास के साथ विटामिन डी और कैल्शियम का संबंध: एक केस नियंत्रण अध्ययन, मानव पोषण इकाई
4. विटिलिगो और त्वचा रंजकता में एमआईआरएनए के संकेतों को परिभाषित करना, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
5. राष्ट्रीय एनसीडी का निगरानी सर्वेक्षण, सी.सी.एम.
6. शहरी और ग्रामीण दिल्ली में विटामिन डी की कमी का जनसंख्या प्रसार और इसके साथ कार्डियोवैस्कुलर रोग के जोखिम के कारकों का संबंध, कार्डियोलॉजी
7. जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश में एचआईजी से संबंधित 10-16 वर्ष की आयु के बच्चों में अधिक वजन, मोटापे और पेडियाट्रिक मेटाबोलिक सिंड्रोम और बच्चों में संबद्ध जोखिम कारकों के प्रसार का अध्ययन, मानव पोषण इकाई

हृद नाभिकीय चिकित्सा

वित्त पोषित परियोजनाएँ

पूर्ण

1. हृदय की पुनरुत्थान चिकित्सा के लिए प्रस्तुत हृदपात वाले रोगियों के उपचार में गेटेड स्पेक्ट मायोकार्डिअल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा इंट्रावेंटीकुलर समकालिकता मूल्यांकन का मान, चेतन डी पटेल, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, विएना, 5 वर्ष, 2013-2018, रु. 18 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में 68जीए पीएसएमए पीईटी / सीटी और 18एफ़ फ्लोराइड पीईटी / सीटी की तुलना
2. मल्टी-न्यूनाधिक इमेजिंग का उपयोग करके आइसेन्जेनर सिंड्रोम वाले रोगियों में दाएं वेंट्रिकलफंक्शन और पलमोनरी परफ्यूजन का व्यापक मूल्यांकन
3. वाईओजीआईसीएडी अध्ययन के डिजाइन और तरीके - पोस्ट पीसीआई रोगियों में योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण
4. टीसी99एम-एमआईबीआई मायोकार्डिअल परफ्यूजन स्पेक्ट से गुजरने वाले रोगियों में हस्तक्षेप करने वाली इन्फ्रा कार्डियक गतिविधि को कम करने में आहार हस्तक्षेप का प्रभाव
5. एफ -18 एफडीजी पीईटी-सीटी पर बनावट विश्लेषण का उपयोग करके उच्च ग्रेड लिम्फोमा के अंतरिम उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन
6. वेवलेट ट्रांसफ़ॉर्म का उपयोग करके साइन्टिग्राफिक छवि के विचलन के लिए इनपुट मापदंडों का अनुकूलन और सत्यापन
7. तनाव संबंधी मायोकार्डियल पर्फ्यूशन साइन्टिग्राफी द्वारा उन्नत सीकेडी वाले रोगियों में स्पर्शोन्मुख तनाव प्रेरित मायोकार्डियल इस्किमिया
8. नर्म ऊतक सार्कोमा के रोगियों में स्टेज और प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में एफ -18 एफडीजी पीईटी-सीटी की भूमिका
9. कार्डिएक सारकॉइडोसिस में जीए68-डीओटीएएनओसी पीईटी / सीटी की भूमिका; कार्डिएक एमआरआई के साथ तुलना
10. हार्ट-फेल्योर में कार्डियक सिंपथेटिक इनरवेशन के मूल्यांकन के लिए फ्लोरीन-18 फ़्लोरो एल-डाइहाइड्रोक्सीफ़िनाइललानाइन (एफ़-18 एफ़डीओपीए) की व्यवहार्यता का आकलन कार्बन -11 हाइड्रॉक्सीपेफेड्रिन (सी-11 एचईडी) पीईटी-सीटी से तुलना
11. माइक्रोवैस्कुलर एनजाइना में संवहनी के कार्य और दर्द की संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना

पूर्ण

1. ओएसईएम और एफ़बीपी पर निकले लेफ्ट वेंट्रिकुलर इजेक्शन फ्रेक्शन (एलवीईएफ़) की टीसी99एम-एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ़्यूज़न स्पैक्ट्रम में की गई छवियों से तुलना: इक्विलिब्रियम गेटेड रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी (ईआरएनए) पर व्युत्पन्न एलवीईएफ के साथ संतुलन
2. उन्नत पार्किंसंस रोग के रोगियों में मायोकार्डियल सिम्पैथेटिक डिनर्वेशन का पता लगाने में एफ - 18 एफडीओपीए का मूल्यांकन
3. मुख्य घटक विश्लेषण का उपयोग कर छवि संपीड़न
4. स्टोकेस्टिक प्रतिध्वनि का उपयोग कर छवि वृद्धि
5. अनुकूली दहलीज का उपयोग करके छवि विभाजन
6. पेडिएट्रिक तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में क्लोरोमा की पीईटी-सीटी इमेजिंग: एक संभावित अध्ययन
7. कार्डियक सार्कोइडोसिस के रोगियों में रोग की पहचान और निदान में टी 1 मैपिंग, टी 2 मैपिंग और विलंबित गेडोलियम वृद्धि का उपयोग करते हुए कार्डिएक एमआरआई की भूमिका
8. 8. वृक्क सेल कार्सिनोमा और हिस्टोपैथोलॉजिकल उपप्रकार के साथ पीईटी पैरामीटर के सहसंबंध में मूत्रवर्धक 18एफ़-एफ़डीजी पीईटी / सीटी की भूमिका
9. प्रारंभिक पार्किंसंस रोग और एटिपिकल पार्किंसनिज़्म के रोगियों में एफ़-18 एफ़डीओपीए पीईटी सीटी इमेजिंग द्वारा कार्डियक सिम्पैथेटिक आरक्षण का अध्ययन

सहभागी परियोजनाएँ

जारी

1. मल्टीवेसल रोग वाले रोगियों में प्राथमिक पीसीआई के बाद स्टेमी में निर्दोष नसों की इस्केमिया-निर्देशित पीसीआई के लिए गेटेड-स्पैक्ट एमपीआई का मूल्य, कार्डियोलॉजी

पूर्ण

1. चिकित्सा और आक्रामक दृष्टिकोण के साथ तुलनात्मक स्वास्थ्य प्रभावशीलता का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, (इस्केमिया ट्रायल), कार्डियोलॉजी
2. इस्केमिक स्ट्रोक और टीआईए, न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी के रोगियों में रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी की बीमारी की व्यापकता, तंत्रिका विज्ञान, हृद विज्ञान

हृद विकृति विज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. वायरल मायोकार्डिटिस के नैदानिक रूप से संदिग्ध मामलों में चार सामान्य विषाणुओं का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल लक्षण वर्णन, सुधीर, अ.भा.आ.सं. 2 वर्ष, 2018-2019, 10 लाख रूपए।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. आरएचडी रोगियों के उत्तेजित वाल्वुलर ऊतक में पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना
2. गैर मार्फ़नॉइड व्यक्तियों के टीएएए में फाइब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और टीजीएफ बीटा
3. शल्य चिकित्सा के हृदय के ह्यूमैटिक वाल्व का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजनेज और डिस्पेज़) का उपयोग करके तैयार किए गए निकाले गए बाल कूप बाहरी रूट म्यान सेल निलंबन की विभिन्न सेल आबादी की प्रभावकारिता और संरचना का एक तुलनात्मक अध्ययन
2. मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस-2, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस-9, ऊतक अवरोधक मेटालोप्रोटीन-2, ऊतक अवरोधक मेटालोप्रोटीन-2, कोलेजन प्रथम और चतुर्थ की अभिव्यक्ति महाधमनी धमनीविस्फार में अभिव्यक्ति

सहभागी परियोजनाएँ

जारी

1. चेहरे की मात्रा के नुकसान, त्वचाविज्ञान के उपचार में ऑटोलॉगस नॉन कल्चर्ड त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण, डर्मेटोलॉजी
2. फुफ्फुसीय सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल तपेदिक के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन, पल्मोनरी मेडिसिन
3. आरएचडी रोगियों के एक्साइज्ड वाल्वुलर ऊतक में पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना, कार्डियोलॉजी
4. माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभाव और इंजेक्शन दर्द को कम करने के लिए एक नया सूत्रीकरण और पैकेजिंग का विकास और पुनरावृत्त एनोनिजिटल और अतिरिक्त-जननांग (आम) मस्सों में नैदानिक परीक्षण, त्वचाविज्ञान
5. पेंफिगस वल्गेरिस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न रिकॉग्निशन रिसेप्टर्स (पीआरआरएस) के साथ $\gamma\delta$ टी सेल सबसेट की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज, फार्माकोलॉजी
6. दीर्घ कालीन हृदय विफलता में सूजन के साथ टोल जैसे रिसेप्टर्स (टीएलआर) के सहसंबंध का पता लगाना, कार्डियोलॉजी, सफदरजंग अस्पताल
7. संदिग्ध हृदय की मृत्यु के मामलों में हृदय में स्थूल निष्कर्ष, हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन और कार्डियक मार्करों का अध्ययन, फॉरेंसिक मेडिसिन
8. चूहे में ब्लोमाइसिन प्रेरित फुफ्फुसीय विषाक्तता में सेसमोल का अध्ययन, फार्माकोलॉजी

कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. ऑटोलॉगस अस्थि-मज्जा व्युत्पन्न मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं की आंत की चोट के उपचार के लिए इंट्रा धमनीविषयक पदार्थों का उपयोग, प्रिया जगिया, एम्स, 2 वर्ष, 2016 से जारी, रु॰ 5 लाख
2. परिधीय धमनी रोग के कारण गैर-संवहनी महत्वपूर्ण अंग इसकीमिया में इंट्रामस्क्युलर ऑटोलॉगस प्लेटलेट रिच प्लाज्मा से प्रेरित चिकित्सीय एंजियोजेनेसिस का मूल्यांकन, संजीव कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रु॰ 4.9 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

1. एडीएमआईआरई (ऍडवांस्ड मॉडल इटरेटिव रिकंस्ट्रक्शन) की विभिन्न शक्तियों का उपयोग करके कोरोनरी सीटी एंजियोग्राफी (सीसीटीए) में इमेज नॉइस और इमेज गुणवत्ता का आकलन
2. नॉनस्पेसिफिक अरोटो आर्टेरिटिस के रोगियों में एंडोवैस्कुलर हस्तक्षेप के लिए दवाओं से धोई गई बलून एंजियोप्लास्टी बनाम नॉनकेटेड बैलून एंजियोप्लास्टी का तुलनात्मक मूल्यांकन: संभावित अध्ययन
3. पीवीडी के रोगी में गैर विपरीत एमआरए के विपरीत परिष्कृत एमआरए की तुलना
4. लोअर एक्सट्रीमिटी वेनस रिफ्लक्स के रोगियों में अकेले त्रिकोणीय लेजर स्केलेरेशन और ट्रिविकल फोम स्केलेरोथेरेपी के परिणामों की तुलना ट्रान्सकल लेजर एबलेशन के साथ - एक एकल केंद्र रैंडमाइज़्ड नियंत्रित परीक्षण
5. कोरोनरी धमनी रोग और कोरोनरी पट्टिका आकृति विज्ञान की गंभीरता के साथ एपिकार्डियल वसा की मात्रा का सहसंबंध
6. भारतीय जनसंख्या में मल्टीडेटेटर कम्प्यूटेड टोमोग्राफी का उपयोग करके महाधमनी और इलियोफीमोरल आयामों के लिए नामकरण की व्युत्पत्ति
7. हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में दोहरे स्रोत संगणित टोमोग्राफी के साथ कार्डियक एल्लोग्राफ़्ट वास्कुलोपैथी का पता लगाना: पारंपरिक कोरोनरी एंजियोग्राफी के साथ तुलनात्मक अध्ययन
8. एंडोवैस्कुलर इंटरवेंशनल जटिलताएँ: एसआईआर, प्रस्तावित नए एसआईआर और सीआईआरएसई रिपोर्टिंग मानकों के बीच व्यवहार्यता और तुलना
9. जटिल प्रकार बी महाधमनी विच्छेदन के लिए स्टेंट ग्राफ्ट के साथ (टीईवीएआर) से गुजरने वाले रोगियों में महाधमनी विस्तार के 12 महीने के विकास का मूल्यांकन
10. सामान्य स्वयंसेवकों में मायोकार्डियल देशी टी 1 और टी 2 मैपिंग मूल्य का मापन
11. आमवाती माइट्रल स्टेनोसिस के साथ रोगियों में उपकला संबंधी भागीदारी के पैटर्न
12. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में प्रमुख प्रतिकूल हृदय घटनाओं की भविष्यवाणी करने में सही कोरोनरी ओपसीफिकेशन में कमी का गुणात्मक मूल्य
13. एओर्टिक स्टेनोसिस के रोगियों में गणना टोमोग्राफी एंजियोग्राफी पर महाधमनी वाल्व कैल्सीफिकेशन की मात्रा

14. ताकायासु धमनीशोथ के कारण अनियंत्रित उच्च रक्तचाप के साथ युवा रोगियों में सफल गुर्दे की एंजियोप्लास्टी के बाद गुर्दे के रूपात्मक परिवर्तन
15. माइट्रल स्टेनोसिस के साथ आमवाती हृदय रोग: ला के संबंध, ला थ्रोम्बस और संबंध के साथ ला आकृति विज्ञान के साथ सहसंबंध
16. नॉन इस्केमिक डिलेटेड कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में मायोकार्डियल फाइब्रोसिस और भित्ति आकृति विज्ञान की पहचान में कार्डियक मैगनेटिक रेसोनेन्स इमेजिंग की भूमिका
17. कार्डियक सार्कोइडोसिस के रोगियों में रोग की पहचान, निदान और उपचार प्रतिक्रिया में कार्डिएक एमआरआई की भूमिका टी 1 मैपिंग, टी 2 मैपिंग और लेट गैडोलिनियम एन्हांसमेंट (एलजीई) का उपयोग करना
18. निरोगी महाधमनी-धमनीशोथ के रोगियों में कार्डिएक एमआरआई की भूमिका और उपचार की प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान और आकलन में इसका मूल्य
19. एनएसएए में गतिविधि में सीईयूएस की भूमिका
20. लौह अधिभार सिंड्रोम में लौह ऊतक के आइडेंटिफिकेशन और क्वांटीफिकेशन में ड्युअल एनर्जी सीटी की भूमिका
21. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी आर्टरी डिजीज के ड्युअल मूल्यांकन में ड्युअल एनर्जी सीटी पल्मोनरी परफ्यूजन की भूमिका और उपचार के परिणाम का आकलन करने में इसका मूल्य
22. हेटोटेक्सी सिंड्रोम में प्रणालीगत और पलमोनरी वेनस विसंगतियों के मूल्यांकन में एमडीसीटी की भूमिका
23. घुटने के मध्यम दर्द वाले रोगियों में जीनिक धमनी एम्बोलिज़ेशन की सुरक्षा और प्रभावकारिता

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सीएडी और एलवी दुष्क्रिया वाले रोगियों में कार्यात्मक अक्षमता की भविष्यवाणी और व्यवहार्यता के आकलन के लिए एफडीजी-पीईटी की तुलना में डीई-सीएमआर, कार्डियोलॉजी
2. रुग्ण मोटापा 2017 में हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में बैरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव, सर्जरी
3. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डॉसिमीटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन, कार्डियक सार्कोइडोसिस में 68 जीए-डीओटीएएनओसी पीईटी / सीटी का विकिरण भौतिकी, कार्डिएक एमआर के साथ तुलना, न्यूक्लियर मेडिसिन

पूर्ण

1. नॉन इसकीमिक डिलेटेड कार्डियोमायोपैथी, कार्डियोलॉजी के रोगियों में मायोकार्डियल फाइब्रोसिस और दीवार आकृति विज्ञान की पहचान में हृदय चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की भूमिका, हृदरोग विज्ञान

स्टेम सेल सुविधा

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. कार्यात्मक सामग्री का उपयोग कर त्वचा के ऊतकों के विकल्प का जैव निर्माण, सुजाता मोहंती, डीएसटी, 2 वर्ष, 2018-2020, रु॰ 15 लाख
2. डीबीटी-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्टेम सेल रिसर्च: बेसिक एंड ट्रांसलेशनल (फेज-II), सुजाता मोहंती, डीबीएस, 3 वर्ष, 2017-2020, रु॰ 298 लाख
3. इन विट्रो विंग बेड बेड मॉडल पर मेलानोसाइट्स और केराटिनोसाइट्स के हस्तांतरण का समर्थन करने में सक्षम एक वाहक ड्रेसिंग का विकास, सुजाता मोहंती, डीबीएस, 3 वर्ष, 2017-2020, रु॰ 59.37 लाख
4. लौह ऑक्साइड नैनोकणों का उपयोग करके रेटिना में स्टेम सेल वितरण को बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ, सुजाता मोहंती, डीबीएस, 3 वर्ष, 2018-2021, रु॰ 82 लाख
5. मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रॉपर्टी: जीएएचडीएचएस मॉडल में उनकी चिकित्सीय क्षमता का आकलन, सुजाता मोहंती, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रु॰ 42 लाख
6. वायरस प्रेरित न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी से निपटने में एक्सोसोम से प्राप्त वयस्क स्टेम सेल की चिकित्सीय भूमिका को समझना, सुजाता मोहंती, डीबीएस, 3 वर्ष, 2018-2021, रु॰ 22 लाख
7. मायोकार्डिअल में स्टेम सेल के वितरण के लिए बायोकम्पैटिबल मंचों का निर्माण
8. इनफारकट मॉडल: एक आदर्श कार्डिएक पैच की खोज में, सुजाता मोहंती, एनईआर-डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रु॰ 28 लाख
9. नोर्मोक्सिया और हाइपोक्सिया के तहत मानव ओईसीस के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर सिस्टम में एमएससीस और एमएपीसीस के संवहनीकरण क्षमता की तुलना करना, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रु॰ 46.26 लाख
10. पुनर्योजी अनुप्रयोगों के लिए 3 डी मुद्रित ट्रेकिअल ग्राफ्ट, सुजाता मोहंती, एम्स, 3 वर्ष, 2018-2021, रु॰ 5 लाख

पूर्ण

1. कोरोमरी धमनी की बीमारी के रोगियों के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर सेल को अमर बनाने के लिए टेलोमेरेस रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित करना, सुजाता मोहंती, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014-2017, रु॰ 56 लाख
2. विभिन्न वयस्क ऊतकों में बहुत छोटे भ्रूण जैसी स्टेम कोशिकाओं (वीएसईएल) का अध्ययन करने के लिए एसओपी, सुजाता मोहंती, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2017-2018, रु॰ 4 लाख
3. रोगी-विशिष्ट संयुक्त ऊतक निर्माण के लिए और इन विट्रो मॉडल सिस्टम में 3डी बायोप्रीनिंग, सुजाता मोहंती, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, रु॰ 30 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. एम्नियोटिक झिल्ली के साथ या बिना अंत कण्डरा मरम्मत के परिणाम के मूल्यांकन के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन
2. ऑटोलॉगस नॉन कल्चर्ड त्वचीय सेल निलंबन की मात्रा में सुधार के लिए प्रत्यारोपण
3. कैल्शियम-सिलिकेट आधारित सीमेंट्स से प्रेरित अधिशोषित मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के सेलुलर प्रतिक्रियाओं और ओस्टोजेनिक क्षमता का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक हिस्टोकेमिकल अध्ययन
4. मौखिक गुहा स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ट्यूमर कोशिकाओं के परिसंचारी का पता लगाने और मात्रा का ठहराव
5. एम्नियोटिक झिल्ली के साथ या बिना तंत्रिका मरम्मत के अंत के परिणामों का मूल्यांकन - एक तुलनात्मक अध्ययन
6. विभेदित थायरॉयड कैंसर का इमेजिंग और आणविक लक्षण वर्णन
7. एचएलए-जी और अन्य घुलनशील कारकों के माध्यम से ऊतक विशिष्ट मानव एमएससी की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी क्षमता
8. इन विट्रो और विवो स्थिरीकरण में एचयूवीईसी सूक्ष्म ऊतकों से मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न एचएमएससीएस और अस्थि ऊतक इंजीनियरिंग में इस का उपयोग
9. अपनी पूर्ण नैदानिक क्षमता का उपयोग करके दाता कॉर्नियल ऊतकों के विस्तारित उपयोग के लिए रणनीतियों का पता लगाने के लिए एन-विट्रो अध्ययन
10. स्तन कैंसर का ऑप्टिकल लक्षण
11. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनएएस की भूमिका
12. दवा से प्रेरित यकृत चोट मॉडल में ऊतक विशिष्ट एमएससी व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रायप्सिन) एवं बहुविध एंजाइमों (ट्रायप्सिन, कोलाजिनेज एवं डिस्पेज) का उपयोग करके निर्मित अर्क निकले हेयर फॉलिकल आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन (ईएचएफ़ ओआरएस सीएस) के विभिन्न सेल पॉपुलेशन की प्रभावकारिता, व्यवहार्यता और संरचना का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन (ट्रिप्सिन) और मल्टीप्लेसेस (ट्रिप्सिन, कोलेजनैस और डिस्पेज़) का उपयोग करके तैयार किया गया
2. एप्लास्टिक एनीमिया में टी कोशिकाएं सब्सेटस और उनके कार्य
3. अस्थि मज्जा की विभेदन क्षमता का पता लगाने के लिए मेसेनकाइमल स्टेम सेल को कार्यात्मक कार्डियोमायोसाइट में से निकाला गया
4. स्टीव जॉनसन सिंड्रोम की आणविक विशेषता; इसका ऑक्युलर सिक्वेलाइ है
5. पूर्ण हृदय ब्लॉक में पेसिंग आवश्यकताओं को कम करने के लिए स्टेम सेल थेरेपी की भूमिका

सहभागी परियोजनाएँ

जारी

1. एपिडर्मिस से कल्चर किए हुए मेलानोसाइट्स बनाम प्लूटेड हेयर फॉलिकल्स के बाहरी रूट म्यान से कल्चर किए हुए मेलानोसाइट्स के प्रत्यारोपण का डबल ब्लाइंड रैंडमाइज़्ड परीक्षण, त्वचाविज्ञान
2. एक्टेसिया टेलानीएक्टेसिया के साथ रोगियों में न्यूरोलॉजिकल लक्षणों पर इंट्रा एरिथ्रोसाइटेडेक्समेथासोन सोडियम फॉस्फेट के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-केंद्र, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी
3. व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और मानव पीरियोडॉन्टल लिगामेंट स्टेम सेल (एचपीडीएलएससीएस) की विभेदन क्षमता पर विभिन्न भंडारण माध्यमों के प्रभाव का आकलन: एक इन-विट्रो अध्ययन, सीडीईआर
4. द्विपक्षीय सिकाट्रीज़िंग ऑक्युलर सतह रोगों के साथ रोगियों में संचित मौखिक श्लैष्मिक उपकला प्रत्यारोपण के साथ संयुग्मन स्टेम सेल प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन (यानी स्टीवंस जॉनसन सिंड्रोम और रासायनिक जलन), आरपी सेंटर
5. परिधीय धमनी रोगों के कारण गैर-संवहनी महत्वपूर्ण अंग इसकीमिया में इंट्रामस्क्युलर ऑटोलॉगस प्लेटलेट रिच प्लाज्मा से प्रेरित चिकित्सीय एंजियोजेनेसिस की प्रभावकारिता का मूल्यांकन, कार्डियक रेडियोलॉजी
6. आईयूएसएसटीएफ़ कैंसर की रोकथाम के माध्यम से कैंसर की मृत्यु दर को कम करना, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
7. सॉलिड ट्यूमर टारगेटिंग होमिंग पेप्टाइड एएनएस प्लास्मोनिक फोटोथर्मल तकनीक, सर्जरी
8. द्विध्रुवीय मार्कर का उपयोग करके स्ट्रोक में ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण के पेराक्राइन तंत्र का अध्ययन, न्यूरोलॉजी
9. ट्रॉमा सर्जरी यूनिट में भर्ती होने वाले पोस्ट ट्रॉमाटिक कच्चे क्षेत्र के रोगियों में एक वैकल्पिक घाव ड्रेसिंग के रूप में एम्नियोटिक झिल्ली की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए, ट्रॉमा सर्जरी
10. रीढ़ की हड्डी में चोट के उपचार के लिए ऑटोलॉगस बोन-मैरो व्युत्पन्न मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं के अंतरा धमनी इंजेक्शन का उपयोग, कार्डियक रेडियोलॉजी

पूर्ण

1. नेत्र जलने के कारण सम्पूर्ण लिम्बल स्टेम सेल की कमी के उपचार के लिए एमनियोटिक मेम्ब्रेन प्रत्यारोपण पर ऑटोलोगस कल्चर्ड लिम्बल स्टेम सेल्स बनाम अकेले लिम्बल लेंटीक्यूल प्रत्यारोपण की तुलना: एक रैंडमाइज़्ड नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण, आरपी सेंटर
2. शुष्क आयु से संबंधित धब्बेदार अध: पतन में ऑटोलॉगस बोन मैरो व्युत्पन्न स्टेम सेल का मूल्यांकन, आरपी सेंटर

रक्त-आधान सेवाएँ

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. नोरमोक्सिया और हाइपोक्सिया के तहत मानव ओईसीस के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर सिस्टम में एमएससीस और एमएपीसीस के संवहनी क्षमता की तुलना करना, स्टेम सेल सुविधा
2. नए चिकित्सीय और निदान के विकास के लिए सीआरआईएसपीआर की मध्यस्थता वाली प्रौद्योगिकियाँ, जैव रसायन
3. फुफ्फुसीय टीबी के पैथोफिज़ियोलॉजी में मैक्रोफेज फ़ंक्शन पर हाइपरग्लाइसीमिया का प्रभाव, बायोकेमिस्ट्री
4. मेसेंकाइमल स्टेम सेल का मूल्यांकन न्यूट्रोफिल पर एक्सोसोम व्युत्पन्न - यकृत और हृदय रोग के पशु मॉडल में ऊतक क्षति का नुकसान, स्टेम सेल सुविधा
5. मलेरिया में मेजबान-परजीवी से संपर्क, जैव रसायन
6. ऑटोफैगी के माध्यम से एचआईवी जलाशयों का विनियमन, बायोकेमिस्ट्री
7. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेंकाइमल स्टेम सेल द्वारा एचएलए-जी मध्यस्थता प्रतिरक्षण की संभावित भूमिका का अध्ययन, स्टेम सेल सुविधा
8. कोरोनरी धमनी रोग, स्टेम सेल सुविधा के साथ रोगियों के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं को अमर बनाने के लिए टेलोमेरेस रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित करना, स्टेम सेल सुविधा

पूर्ण

1. भारतीय एचआईवी -1 संक्रमित बच्चों से आणविक रूप से क्लोन किए गए एचआईवी-1 ईएनवी स्यूडोवाइरस की उत्पत्ति और विशेषता, जैव-रसायन विज्ञान

प्रकाशन

हृदरोग विज्ञान

पत्रिकाएं: 80 **किताबों में अध्याय: 24** **किताबें: 2**

हृदवक्ष और संवहनी सर्जरी

पत्रिकाए: 22 **किताबों में अध्याय: 10**

हृद संवेदनाहरण

पत्रिकाएं: 29 **सारांश: 3** **किताबों में अध्याय: 3** **किताबें: 1**

हृद जैवरसायन

पत्रिकाएं: 12

हृद नाभिकीय चिकित्सा

पत्रिकाएं: 2 **सारांश: 14** **किताबों में अध्याय: 1**

हृद विकृति विज्ञान

पत्रिकाएं: 15 **किताबों में अध्याय: 1**

कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन

पत्रिकाएं: 14 किताबों में अध्याय: 9

स्टेम सेल सुविधा

पत्रिकाएं: 13

रक्त-आधान सेवाएँ

पत्रिकाएं: 2

रोगी उपचार

हृदरोग विज्ञान

कुल संख्या

नए ओपीडी केस	**38,220**	**पुराने कार्डियोलॉजी केस**	**1,10,963**

रोगियों को सेवाएँ

• टीएमटी	2,828	एबीपी	96
• होल्टर	3,100	टीईई	55
• ईकोकार्डियोग्राफी	34,158	एचयूटीटी	198
• ईसीजी	30,903		

कैथ लैब सेवाएँ

सीएआरटी	2,063	आईसीडी	47
कैथ	819	सीआरटी	53
बलून डिलेटेशन	93	आरएफ़ए	92
पीटीएमसी	236	सीएआरटीओ	12
पीडीए	114	डीएसए	305
एएसडी डिवाइस	76	कॉइल एम्बोलाइजेशन	128
वीएसडी डिवाइस	15	बीएएस	75
पीटीसीए	1,165	ईएम बायोप्सी	39
पेसमेकर्स/पीजीआर	390+142		

हृदवक्ष वाहिका सर्जरी

काम का बोझ

सीटीवीएस विभाग में, देश में सबसे बड़ी संख्या में जन्मजात हृदय की खराबियों के लिए वयस्क, एरोटिक और पेड़िएट्रिक कार्डियक सर्जरी की है। 1 अप्रैल 2018 और 31 मार्च 2019 के बीच विभाग में 3,961 सर्जरी की गईं। कार्डियोलॉजी विभाग के साथ, ओपीडी में 38,220 नए मामले और 1,69,056 पुराने मामले देखे गए।

सेवाएँ और बुनियादी सुविधाएँ

क. ऑपरेटिंग रूम (ओआर): सीटीवीएस विभाग में 8 पूरी तरह कार्यात्मक ऑपरेटिंग कमरे हैं। इनमें से प्रत्येक वयस्क, महाधमनी और बाल चिकित्सा हृदय शल्य चिकित्सा की पूरी श्रृंखला के लिए आवश्यक सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है। इनमें अत्याधुनिक मॉनिटरिंग सिस्टम और एनेस्थेसिया स्टेशन, एनआईआरएस, बीआईएस, ईईजी, 3-डी इकोकार्डियोग्राफी, सेल सेवर, सीपीबी मशीन, वैक्यूम असिस्टेड वेनस ड्रेनेज, सेंट्रीफ्यूगल पंप, ब्रोन्कोस्कोप, और इंट्रा-ऑपरेटिव न्यूरोमोनिटरिंग शामिल हैं।

ख. आईसीयू बेड: विभाग में 4 आईसीयू (54 बेड) पूरी तरह से पोस्टऑपरेटिव कार्डियोवास्कुलर सर्जिकल देखभाल के लिए सभी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

i. आईसीयू-ए: 16 बेड

ii. आईसीयू-बी: 18 बेड

iii. नवजात आईसीयू: 8 बेड

iv. सीटी -5 आईसीयू: 12 बेड

हालांकि, एचडीयू में 12 अतिरिक्त बेड भी हैं। इनमें से, 20 बेड बच्चों के लिए विशेष रूप से रखे गए हैं। इसके अलावा, मुख्य आईसीयू और एचडीयू शेष 46 बेड (54 + 12-20 = 46) से युक्त हैं और पूरी तरह से सुसज्जित हैं और हृदय से संबन्धित गहन देखभाल के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

ग. सामान्य बेड: विभाग में 80 **सामान्य बेड हैं:**

i. सीटी -4 वार्ड: 44 बेड

ii. सीटी -5 वार्ड: 24 बेड

iii. सीटी -6 वार्ड: 12 बेड

घ. सीएन टॉवर (प्राइवेट वार्ड): निजी/भुगतान वार्ड में बत्तीस (32) बेड कार्डियोलॉजी विभाग के साथ साझा किए

ङ. होमोग्राफ़्ट वाल्व बैंक: विभाग देश का सबसे सफल वाल्व बैंक चलाता है। यह जटिल बाल हृदय चिकित्सा संबंधी समस्याओं के उपचार के लिए होमोग्राफ़्ट की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करता है

च. सहायक सेवाएं: पांच कार्डिएक कैथीटेराइजेशन लैब सहित, उन्नत सीटी स्कैन, एमआरआई, परमाणु चिकित्सा, अल्ट्रा-साउंड, और इकोकार्डियोग्राफी लैब, अत्याधुनिक ब्लड बैंक, और प्रयोगशाला सेवाएं।

हृद संवेदनाहरण

1. सभी स्पेक्ट्रम से संबंधित नैमिक, आपात एवं उच्च जोखिम हृद सर्जिकल रोगियों के उपचार हेतु उन्नत निगरानी सुविधाएं (टीईई, टीटीई, एनआईआरएस, एनआईसीओ निगरानी)
2. हृदय विफलता, हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी रोगियों के लिए विशिष्ट संज्ञानात्मक पुनर्वास कार्यक्रम
3. पूर्व और पोस्ट ऑपरेटिव रोगियों के लिए नियमित तनाव उपचार कार्यक्रम
4. संकायों द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम

5. हृदय विफलता उपचार जैसे हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी के टीम सदस्य
6. ट्रांसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी
7. सामुदायिक सेवा-धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य शिक्षा
8. जटिल जन्मजात हृद शल्य चिकित्सा और ओपीसीएबी के लिए एनस्थीसिया के साथ विशेष भागीदारी

हृद जैवरसायन

हृद जैवरसायन प्रयोगशाला कार्डियोथोरेसिक केंद्र के बाह्य रोगियों और आंतरिक रोगियों के लिए और कुछ अन्य विभागों के साथ-साथ अन्य विभागों के रोगियों के लिए नैदानिक परीक्षणों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। इस साल हमने रेनिन और एल्डोस्टेरोन का परीक्षण शुरू किया है।

अप्रैल 2018-मार्च 2019 के वर्ष में केंद्रीकृत लैब सीएनसी में किए गए टेस्ट

क्रम सं.	विवरण	परीक्षणों की संख्या (वार्ड)	परीक्षणों की संख्या (ओपीडी)

क्लीनिकल रसायन विज्ञान

1.	ग्लूकोज	31,433	46840
2.	यूरिया	57,478	45810
3.	क्रिएटेनाइन	57,478	45750
4.	कैल्सियम	56,120	44105
5.	फॉस्फोरस	56130	43990
6.	यूरिक एसिड	57115	44220
7.	सोडियम	57300	44550
8.	पोटैशियम	67128	44840
9.	बिलिरूबिन	56390	45450
10.	डाइरेक्ट बिलिरूबिन	55540	45340
11.	कुल प्रोटीन	58160	45110
12.	अल्ब्यूमिन	56890	45110
13.	एएसटी	60140	45220
14.	एएलटी	60140	44740
15.	एएलपी	58140	44700
16.	कोलेस्ट्रॉल	36140	7115
17.	एमाइलेज	26110	7101
18.	साइक्लोस्पोरिन	215	लागू नहीं
19.	टैक्रोलिमस	476	लागू नहीं

हीमैटोलॉजी और कोगुलेशन			
1.	एचबी, टीएलसी, डीएलसी, प्लेटलेट्स, ईएसआर	60,706	35,696
2.	पीटी	13,000	57,968
3.	एपीटीटी	1,250	6,586
हार्मोन्स			
1.	टी3	12,700	7,000
2.	टी4	12,700	7,000
3.	टीएसएच	13,700	9,000
4.	प्रोलेक्टिन	1,660	1,170
5.	कोर्टिसोल	1,690	1,700
6.	विटामिन बी12	8,200	3,700
7.	फोलेट	2,500	2,200
8.	होमोसिस्टीन	1,700	1,200
9.	फेरिटिन	1,350	200
10.	आयरन	1,350	200
11.	यूआईबीसी	1,350	200
कैटेकोलामाइन/वीएमए			
1.	एड्रेनलिन/नॉर एड्रेनलिन	370	120
2.	वीएमए	370	120
पीटीएच/विटामिन डी			
1.	विटामिन डी	3,320	1,000
2.	पीटीएच	50	0
लिपिड्स/कार्डियक एंज़ाइम्स/एचबीए1सी			
1.	लिपिड प्रोफाइल	46,300	51,000
2.	सीके-एनएसी	13,000	3,990
3.	सीके-एमबी	3,700	2,450
4.	एलडीएल	10,200	9,940
5.	एएसएलओ	1,230	3,670
6.	सीआरपी	34,500	26,790
7.	डिगोक्सिन	470	302

हृद नाभिकीय चिकित्सा

सीएनसी में न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी यूनिट एक ड्यूअल हेड स्पेक्ट-सीटी गामा कैमरा से लैस है। परमाणु कार्डियोलॉजी यूनिट सीएन सेंटर और अस्पताल के अन्य विभागों से हृदय संबंधी अध्ययन के लिए संदर्भित रोगियों को सेवाएँ प्रदान करती है।

विभाग नियमित रूप से मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीई इमेजिंग करता है, जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और उपचार में एक अनिवार्य जांच है। हम मायोकार्डियल वायबिलिटी के आकलन के लिए पीईटी परफ्यूजन ट्रेसर एन-13 एनएच 3 और मेटाबॉलिक ट्रेसर एफ-18 एफडीजी के साथ कार्डियक पीईटी इमेजिंग भी करते हैं। गैर सीएडी संकेतों जैसे कार्डियक सार्कोइडोसिस, कार्डियक संक्रमण और इन्फ़्लेमेशन पैथोलॉजी के लिए के लिए अब नए नैदानिक इमेजिंग जैसे गैलियम-68 डॉटानॉक किए जाते हैं। हमने कार्डियक सिम्पैथेटिक पारी के मूल्यांकन के लिए एफ़-18 एफ़डीओपीए की व्यवहार्यता का भी आकलन किया है। केंद्र से संदर्भित सीएडी रोगियों में और आईआरसीएच से कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में कार्डियक मूल्यांकन के लिए विभाग बाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन के मूल्यांकन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी भी करता है।

न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में कुल मरीजों की जांच की गई

मायोकार्डिअल परफ्यूजन अध्ययन:	1,859	आरएनवी अध्ययन:	562
कार्डिएक पीईटी:	156	विविध (वी/क्यू स्कैन, प्रथम पास):	147
अध्ययनों की कुल संख्या:	2,724		

कार्डिएक पैथोलॉजी

नमूने

नियमित:	460	अनुसंधान:	176

अन्य

इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री:	48 स्लाइड	एच एंड ई दाग:	327 स्लाइड
विशेष दाग:	107 स्लाइड		
ट्रांसप्लांट बायोप्सी की मैनुअल प्रोसेसिंग:	44 मामले		
ब्लॉकों की कटाई (बेदाग भाग):	498 स्लाइड		

कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन

सुविधा	**प्रक्रियाओं की संख्या**		
सीटी	5,184 (सीटी हेड - 262, छाती - 198, पेट - 4,724)		
एमआरआई	759	डीएसए	663
डॉपलर और अल्ट्रासाउंड	7,511	कैथेटर एंजियोग्राफी	4,662

स्टेम सेल सुविधा

क्र०स०	सेवा दी गई	नमूनों की संख्या

1.	बोन मैरो से स्टेम सेल आइसोलेशन	**41**
2.	एडिपोज ऊतक से स्टेम सेल आइसोलेशन	**17**
3.	व्हार्टन जेली से स्टेम सेल आइसोलेशन	**23**
4.	डेंटल पल्प से स्टेम सेल आइसोलेशन	**11**
5.	एफेरेसिस नमूने का क्रायोप्रिज़र्वेशन	**17**
6.	अंबिलिकल कॉर्ड के रक्त का क्रायोप्रिज़र्वेशन	**4**
7.	कल्चर की हुई मुंह की लार का एपिथीलियल प्रत्यारोपण	**2**
8.	कल्चर लिम्बल एपिथीलियल प्रत्यारोपण	**8**
9.	ग्राफ्टिंग के लिए एमनियोटिक मेम्ब्रेन की तैयारी	**30** बैच
10.	हेयर फ़ोलिकल स्टेम सेल	**22**
11.	स्टेम सेल की वायबिलिटी (प्रत्यारोपण/इंफ्यूजन के पहले और बाद)	**21**
12.	स्टेम सेल इन्यूमरेशन (सीडी34+ काउंट)	**21**

रक्ताधान सेवाएँ

रक्त	**संग्रहीत इकाई**
दाताओं का प्रतिस्थापन	12,552
विभाग में स्वैच्छिक दानकर्ता	359
रक्त मोबाइल के माध्यम से स्वैच्छिक	590
पारिवारिक स्वैच्छिक दाता	8,365
आईआरसीएस से संग्रहीत रक्त	52
अस्पताल के ब्लड बैंक, एम्स से संग्रहीत रक्त	345
जेपीएनएटीसी, एम्स से संग्रहीत रक्त	152
दूसरे अस्पताल से संग्रहीत रक्त	99
कुल संग्रहीत की गई रक्त इकाइयों की संख्या	**22,514**
जारी की गई रक्त इकाइयां	
सीटीवीएस/एनएस को जारी किए गए रक्त इकाई	28,119
हस्पताल ब्लड बैंक, एम्स को जारी किया गया रक्त	713
जेपीएनएटीसी को जारी किया गया रक्त	180
दूसरे हस्पतालों को जारी किया गया रक्त	1,020
एचआईवी/एचबीएसएजी/एचसीवी से रिएक्ट करने वाली इकाइयों को हटाया गया	521
जारी किए गए कुल रक्त इकाइयों की संख्या	**30,032**

प्रयोगशाला प्रक्रियाएँ	
कुल रक्त समूहों की संख्या (एबीओ)	93,188
कुल रक्त समूहों की संख्या (आरएच)	70,674
क्रॉस मैच की गई कुल संख्या	1,39,708
संक्रमण के सूचक	
एचआईवी	25,824
एचबीवी	25,968
एचसीवी	25,840
वीडीआरएल	24,250
एमपी	24,250
कुल	**1,26,132**
जारी किए गए रक्त अवयवों की संख्या	
ताज़ा जमा हुआ प्लाज्मा (एफ़एफ़पी)	20,912
प्लेटलेट्स कन्संट्रेट	15,879
क्रायोप्रेसीपिटेट	2,008
पैक की हुई लाल कोशिकाएँ	30,032
एकल दाता प्लेटलेटफेरेसिस	34
कुल	**68,865**

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट घटनाएं

हृदरोग विज्ञान

आचार्य वीके बहल ने टीवी न्यूज एक्स हेल्थ अवार्ड्स, 2018 द्वारा कार्डियोलॉजी में उत्कृष्टता अवार्ड प्राप्त किया; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ हार्ट रिसर्च (2018) द्वारा पीएल वाही ओरेशन; लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड सीएसआई, दिल्ली ब्रांच, (2018); एके ठाकुर मेमोरियल ओरेशन, सीएसआई, बिहार; पाठ्यक्रम निदेशक, इंडिया लाइव; अध्यक्ष, भारत लाइव सत्र यूरो पीसीआर 2018, 22-25 मई 2018, फ्रांस।

आचार्य अनीता सक्सेना नेशनल रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम की अध्यक्ष थीं।

आचार्य एसएस कोठारी मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) की एथिक्स सब-कमेटी के सदस्य थे; सदस्य (विशेषज्ञ), ड्रग कंट्रोलर, भारत सरकार (डीसीजीआई), 2018-2019।

आचार्य बलराम भार्गव: महानिदेशक, आईसीएमआर; सचिव, डीएचआर; अध्यक्ष, एसएलआईएम (सोसाइटी फॉर कम इन्वेस्टिगेटिव मेडिसिन)।

आचार्य केसी गोस्वामी, कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष थे; सीएसआई 2018 के वार्षिक सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति के सभापति थे, जो मुंबई में आयोजित हुई थी। यह सम्मेलन दक्षिण पूर्व एशिया और एशिया प्रशांत क्षेत्र के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्डियोलॉजी सम्मेलनों में से एक था और यह एक बड़ी सफलता थी। इसमें दुनिया भर के 4,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

आचार्य संदीप सेठ जेपीसीएस में मुख्य संपादक थे।

प्रोफेसर सुदीप मिश्रा एससीएआई बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्य थे; एससीएआई के क्लीनिकल निर्देश दस्तावेज़ के उपसमूह के अंतर्राष्ट्रीय अनुकूलन के सदस्य; श्रीलंका जर्नल ऑफ़ कार्डियोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय संपादक; भारत सत्र समन्वयक, के इमेजिंग, कोरिया; भारत सत्र समन्वयक, आईसी मेड, तुर्की।

आचार्य राकेश यादव सीएसआई दिल्ली शाखा के कोषाध्यक्ष; और, इंडियन हार्ट जर्नल के एडिटर थे।

आचार्य जी कार्तिकेयन हार्ट एशिया के प्रधान संपादक थे जो बीएमजे समूह द्वारा प्रकाशित तीन हृदय पत्रिकाओं में से एक है; स्वास्थ्य हृदय मैट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान (आईएचएमई) द्वारा समन्वित रोग के वैश्विक बोझ के ह्र्युमेटिक हृदय रोग (आरएचडी) विशेषज्ञ समूह के सदस्य; रूमेटिक हार्ट डिजीज, एविडेंस, एडवोकेसी, कम्युनिकेशन, होप (आरएचईएसीएच) के बोर्ड सदस्य जो इस उपेक्षित बीमारी के समाधानों की पहचान, वर्णन और प्रसार के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग है और दुनिया भर में कमजोर आबादी पर बोझ को कम करने के लिए; भारत सरकार के स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन बोर्ड के सदस्य।

आचार्य अंबुज रॉय: अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन प्रमाणित बीएलएस / एसीएलएस प्रशिक्षक; सहयोगी, ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज; जीबीडी इंडिया सीवीडी विशेषज्ञ समूह के सदस्य; सदस्य, विशेषज्ञ समिति, राष्ट्रीय सीवीडी कार्यक्रम-एनपीसीडीसीएस के लिए एमओएचएफडब्ल्यू; हरियाणा शासन सुधार प्राधिकरण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं पर कार्य समूह के सदस्य।

आचार्य एस रामाकृष्णन एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के सहायक संपादक थे; राष्ट्रीय रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम के कोषाध्यक्ष; जेपीसीएस के एसोसिएट एडिटर; सचिव, एस.एल.आई.एम.

डॉ. सौरभ के गुप्ता, कोषाध्यक्ष, पीसीएसआई; यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड पीसीएसआई 2018; कार्डियोलॉजी अवार्ड 2018 में रनर अप आईएचजे-एवी गांधी अवार्ड फॉर एक्सीलेंस; सीएसआई 2018 में डीपी बसु पुरस्कार।

हृदवक्ष एवं संवहनी सर्जरी

आचार्य एसके चौधरी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश द्वारा विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में नामित किया गया था; वर्ष 2018-2019 के लिए सर्वश्रेष्ठ समीक्षक पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, इंडियन जर्नल ऑफ़ थोरैसिक और कार्डियोवास्कुलर सर्जरी द्वारा स्थापित; सीटीवीएस, भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग), नई दिल्ली में मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ (एसटीडब्ल्यू) के विकास के लिए विशेषज्ञ समूहों के अध्यक्ष के रूप में नामित; भारतीय जर्नल ऑफ़

थौरैसिक और कार्डियोवास्कुलर सर्जरी के लिए विभागीय संपादक 'एओर्टा' के रूप में नामांकित; एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में 4 मई 2018 को सीटीवीएस में संकाय सदस्यों के चयन और मूल्यांकन संवर्धन के लिए चयन समिति के विशेषज्ञ के रूप में नामित; 17 जुलाई 2018 को राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, नई दिल्ली में एमएस, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और चिकित्सा अधिकारी के चयन के लिए चयन समिति के विशेषज्ञ के रूप में नामित; 2 अगस्त 2018 को राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, नई दिल्ली में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर के चयन के लिए चयन समिति के विशेषज्ञ के रूप में नामित; 18 अगस्त 2018 को एलपीएस इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में एमसीएच (सीटीवीएस) के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नामांकित; 26 अक्टूबर 2018 को आईजीएमएस, पटना में सीटीवीएस में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ के रूप में नामित; 26 नवंबर, 2018 को डीजीएचएस, नई दिल्ली द्वारा मानव ऑर्गन्स अधिनियम, 1995 के प्रत्यारोपण के तहत पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के लिए हार्ट और फेफड़े प्रत्यारोपण सुविधाओं के निरीक्षण के लिए अध्यक्ष के रूप में नामित; 14 दिसंबर 2018 को डीजीएचएस, नई दिल्ली द्वारा मानव अंग अधिनियम, 1995 के प्रत्यारोपण के तहत हृदय प्रत्यारोपण सुविधाओं के लिए डॉ॰ राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में निरीक्षण करने के लिए अध्यक्ष के रूप में नामित; इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में 11-12 जनवरी 2019 से एमसीएच (सीटीवीएस) के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नामांकित; 23 जनवरी 2019 को एम्स, ऋषिकेश में सीटीवीएस में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; सीटीवीएस, भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग), नई दिल्ली में मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ (एसटीडब्ल्यू) के विकास के लिए विशेषज्ञ समूहों के अध्यक्ष के रूप में नामित; विजिटिंग प्रोफेसर, एम्स, ऋषिकेश के रूप में नामांकित; एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए चयन समिति में विशेषज्ञ के रूप में नामित, और बीएचयू, वाराणसी में 14 फरवरी 2019 को सीटीवीएस में प्रोफेसर; आईजीआईएमएस, पटना में 18 फरवरी को सीटीवीएस में सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन की विशेषता में विशेषज्ञ बोर्ड में नामांकित।

आचार्य सचिन तलवार को राष्ट्रीय हृदय संस्थान, नई दिल्ली, 18-20 अप्रैल 2018 को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा डीएनबी (सीटीवीएस) के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नामित किया गया था; 18 जून 2018 चयन के लिए प्रोफेसर, पीजीआई, चंडीगढ़ के पद के लिए सहायक प्रोफेसर और मूल्यांकन संवर्धन योजना के पद के लिए स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ के रूप में नामित; दयानंद मेडिकल कॉलेज, लुधियाना में एमसीएच (सीटीवीएस) के लिए बाहरी परीक्षक, 23 सितंबर 2018; डॉ रमेश कार्डिएक और मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, गुंटूर, आंध्र प्रदेश के भौतिक बुनियादी ढांचे का निरीक्षण करने के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा नामित।

डॉ॰ सर्वेश पाल सिंह को इंडियन जर्नल ऑफ़ थौरैसिक और कार्डियोवस्कुलर सर्जरी में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ केस रिपोर्ट के लिए 2018 के लिए बेस्ट केस रिपोर्ट अवार्ड मिला। सिंह एसपी, बंसल ए, पारख एन, साहू

एमके, होटे एमपी, सेठ एस, एयरन बी। तृतीय श्रेणी की देखभाल वाले संस्थान में हार्ट ट्रांसप्लांट करने के लिए ईसीपीआर का पहला सफल अनुभव। भारतीय जे थोरैक कार्डियोवस्क सर्ज; 2018, 34 (2): 150-53; डॉ॰ श्यामल रब्बानी को पेपर रब्बानी एस, सिंह एसपी, होटे एमपी के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड। तृतीयक देखभाल संस्थान में हार्ट ट्रांसप्लांट - 15 और 16 सितंबर 2018 को कोयंबटूर में सोसायटी फॉर हार्ट फेल्योर एंड ट्रांसप्लांटेशन के 6 वें वार्षिक सम्मेलन में 3 वर्षों का एक अनुभव प्रस्तुत किया।

हृद संवदेनाहरण विज्ञान

आचार्य नीती मखीजा ने आर्ट ऑफ़ स्टेट पर सत्र की अध्यक्षता की: महाधमनी वाल्व और महाधमनी का मूल्यांकन जिसमें निम्न व्याख्यान शामिल थे (3:00 बजे से शाम 5:15 बजे) 1 से 2 दिसंबर 2018 तक 7वीं व्यापक प्रेपेरेटिव इको कार्यशाला में। गुड़गांव: महाधमनी स्टेनोसिस का आकलन - जब एवीआर? महाधमनी का पुनरुत्थान: मूल्यांकन में नुकसान, कला के राज्य का मूल्यांकन तीव्र महाधमनी सिंड्रोम, प्रोस्थेटिक हार्ट वाल्व का मूल्यांकन; प्रतिनिधियों में शामिल हुए: वेटलैब: कार्यशाला में इको एनाटॉमिक सहसंबंध के साथ हाथ पर पोर्सिन हृदय विच्छेदन, गुड़गांव में 1 से 2 दिसंबर, 2018 तक 7 वीं व्यापक प्रीपरोच इको वर्कशॉप में अन्य सत्रों (5.30 पीएम-7.15 पीएम) में भाग लिया। ; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 13 वीं वार्षिक इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला में 2 मार्च 2019 को बाल चिकित्सा इमेजिंग पर सत्र की **अध्यक्षता** की, जिसमें निम्नलिखित व्याख्यान शामिल थे: टीजीए के साथ रोगी का इको मूल्यांकन: पुन: प्रभावित होने के लिए निर्णय लेना, एलवी: क्या यह वेंट्रिकल तनाव लेगा? गंभीर पीएएच वाले रोगियों में ईको को देखें - क्या देखना है - क्या हम कैथ अध्ययन से बच सकते हैं? वेंट्रिकुलर सेप्टल दोष और ए वी नहर दोष का मूल्यांकन; 3 मार्च 2019 को इकोकार्डियोग्राफी पर हाल के अग्रिमों पर एक सत्र की **अध्यक्षता** की, जिसमें निम्नलिखित व्याख्यान शामिल थे: 3 डी इमेजिंग-3 डी टीईई में भौतिकी, वेंट्रिकुलर सहायता उपकरणों का टीईई मूल्यांकन, टीईई में तनाव इमेजिंग की भूमिका; ईकेएमओ और बियॉन्ड पर सत्र की **अध्यक्षता** की जिसमें निम्नलिखित व्याख्यान शामिल थे: आईसीयू में ईसीएमओ प्रबंधन, ईसीएमओ में इकोकार्डियोग्राफी की भूमिका, ईसीएलएस नैतिक दुविधा।

आचार्य पूनम मल्होत्रा कपूर आईएसीटीए की (गैर निर्वाचित) अध्यक्ष बनी; एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा के (गैर निर्वाचित) अध्यक्ष के रूप में कार्य करना जारी; सिमुलेशन सोसायटी के संस्थापक सचिव और अध्यक्ष शिक्षाविदों के रूप में काम जारी; डॉ. पूनम मल्होत्रा ईसीएमओ सोसाइटी ऑफ इंडिया की (गैर निर्वाचित) पूर्व अध्यक्ष बन गई हैं; जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर, जेसीसीसी 2018 के पहले और दूसरे अंक की एडिटर-इन-चीफ; पीजी विधानसभा और सीएमई के रूप में आयोजित 7 राष्ट्रीय सम्मेलन; परीक्षक: एफ़आईएसीटीए के लिए परीक्षक थी, बैंगलोर में आईएसीटीए द्वारा आयोजित की जाने वाली एफ़टीईई परीक्षा; कार्डियक क्रिटिकल केयर (एफ़आईसीसीसी) में ऑनलाइन फेलोशिप के लिए सामग्री प्रदाता, उन्नत इकोकार्डियोग्राफी (एफ़आईएई) में फेलोशिप और बेसिक इकोकार्डियोग्राफी (एफ़आईबीई) में फैलोशिप ऑनलाइन परीक्षा, सिमुलेशन सोसायटी (टीएसएस) और जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर (जेसीसीसी) द्वारा आयोजित किए जाने वाले एक्जाम, ऑनलाइन टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज द्वारा आयोजित

एक्जाम। 9 सितंबर 2018, बेंगलुरु में एमआईसीएस पर, एसएमआईसीटीएसआई का तीसरा वार्षिक सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य अरिंदम चौधरी को कोलकाता के साल्ट लेक, बिश्वा बंगला कन्वेंशन सेंटर में एआईडीएए के राष्ट्रीय वायुमार्ग सम्मेलन 2018 के दौरान ऑल इंडिया डिफिकल्ट एयरवे एसोसिएशन (एआईडीएए) की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के उत्तर क्षेत्र प्रतिनिधि के रूप में फिर से चुना गया।

हृद जैवरसायन

आचार्य लक्ष्मी रामकृष्णन व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस) के संचालन के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य थे; मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम के क्षेत्र में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; इसके अलावा गैर संचारी रोगों के क्षेत्र में आईसीएमआर का एक विशेषज्ञ सदस्य; आईसीएमआर- इंडिया डायबिटीज [आईएनडीआईएबी] पर टास्क फोर्स प्रोजेक्ट के लिए विशेषज्ञ सदस्य भारत के विभिन्न राज्यों में मधुमेह और प्री-डायबिटीज की व्यापकता का आकलन करने के लिए अध्ययन करते हैं; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, एपी सरकार द्वारा गठित सीकेडी परियोजना निगरानी तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य; आईआरएसएचए, पुणे में प्रीक्लेम्पसिया के लिए जाने वाले तंत्र पर आईसीएमआर के उन्नत अनुसंधान के केंद्र के सलाहकार; नेशनल एडिटर, जे ऑफ प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज; डीबीटी द्वारा विटामिन-डी के क्षेत्र में प्रस्तावों के लिए कॉल की समीक्षा के लिए उपसमिति के सदस्य; डीएसटी के तहत 2 स्कीम की छाप के लिए समीक्षित परियोजनाएं; जैव रसायन विभाग, आरएमएल में उपकरणों की खरीद के लिए तकनीकी विनिर्देश समिति के सदस्य।

हृद नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य चेतन डी पटेल पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में ठोस राज्य डिटेक्टर एसपीईसीटी कैमरा खरीदने के लिए तकनीकी विशिष्टता समिति में बाहरी विशेषज्ञ थे; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; कार्यकारी समिति के सदस्य, परमाणु चिकित्सा सोसायटी, भारत; कार्यकारी समिति के सदस्य, एसोसिएशन ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिशियन ऑफ इंडिया; कार्यकारी समिति के सदस्य, न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन के छात्रों की समीक्षा, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि; एमडी परमाणु चिकित्सा परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि; मई 2017 में आयोजित एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन और एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए आंतरिक परीक्षक; आईसीएमआर के एडहॉक एक्सट्रामुरल प्रस्ताव का समीक्षक; इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (सीआईएमआर) केंद्र के सदस्य स्टोर खरीद समिति; सीआईएमआर में अनुसंधान परियोजनाओं में भर्तियों के लिए अध्यक्ष, चयन समिति; सीओई योजना, आयुष के तहत सीआईएमआर में कोर स्टाफ की भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य; डीएम कार्डियोलॉजी के छात्र: डॉ. रणदीप कुमार नाथ सिवम और डॉ. सिंट्रांग बाटनगेन वारजरी, एनईआईजीआरआईएचएमएस , न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी, एम्स में एक महीने का अनुभव।

हृद विकृति विज्ञान

डॉ. सुधीर ए अध्यक्ष, पुलमॉक्रिट एम्स 2019, 2-3 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली; पोस्टर सत्र के लिए अध्यक्ष और न्यायाधीश, सीएमई: बाल रोग विकृति: वर्तमान रुझान और परिप्रेक्ष्य, 16 मार्च 2019, एसएसपीएच और पीजीटीआई, नोएडा

कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन

आचार्य संजीव शर्मा एमडी (रेडियो-डायग्नोसिस), 30 जून 2018, आईजीएमसी, शिमला की व्यावहारिक परीक्षाओं के लिए बाहरी परीक्षक थे; एससीटीआईएमएस की स्थायी वरिष्ठ चयन समिति के लिए विशेषज्ञ, 5 जून 2018 त्रिवेंद्रम; वरिष्ठ कर्मचारी चयन समिति की बैठक के लिए बाहरी विशेषज्ञ, 21 जनवरी 2019, त्रिवेंद्रम; अध्यक्ष, मामलों का मॉडरेशन, सीएसआई-एनआईसी सम्मेलन - 2018, 11 मई 2018, हैदराबाद; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक।

आचार्य गुरप्रीत सिंह गुलाटी को एम्स, कालसंगम का संस्थापक सदस्य बनाया गया; आयोजन समिति, एम्स गॉट टैलंट एम्स स्टाफ और छात्रों के सभी संवर्गों के बीच प्रदर्शन कला में प्रतिभा दिखाने के लिए अपनी तरह का पहला आयोजन। संगीत की विभिन्न श्रेणियों में 160 से अधिक प्रविष्टियाँ थीं, 2 ऑडिशन के माध्यम से एक स्क्रीनिंग, और 27 जनवरी 2019 को समापन समारोह में समापन; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक।

आचार्य प्रिया जगिया कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक थीं; 5-7 अक्टूबर 2017 को मेदांता, अस्पताल, गुड़गांव में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियक इमेजिंग के वार्षिक सम्मेलन के आयोजन सचिव; जेपी ब्रदर्स द्वारा प्रकाशित डॉ॰ एचके चोपड़ा द्वारा संपादित कार्डियक इमेजिंग, एडवांस इन क्लिनिकल कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग, पुस्तक के राष्ट्रीय संपादक।

डॉ॰ संजीव कुमार कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक थे।

रेजीडेन्ट

डॉ॰ नीरज पांडे को गोवा में इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के 21वें वार्षिक सम्मेलन (7-10 मार्च 2019) में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में बेस्ट फेलो से सम्मानित किया गया।

स्टेम सेल की सुविधा

आचार्य सुजाता मोहंती ने 26 मार्च 2019 को प्रथम संस्थान अनुसंधान दिवस (एम्स) में अमतोज कौर द्वारा स्किन टिशू इंजीनियरिंग के लिए स्कैफोल्ड्स शीर्षक के लिए मौखिक प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया; पुनर्योजी चिकित्सा में स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की चिकित्सीय भूमिका के पोस्टर के लिए पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार: सुचि गुप्ता, बैबस्वता नायक, अरूप बनर्जी, सुजॉय मोहंती द्वारा 26 मार्च 2019 को प्रथम संस्थान अनुसंधान दिवस (एम्स) में एक सेल मुक्त दृष्टिकोण; नेशनल इंस्टीट्यूट

ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली में स्टेम सेल रिसर्च के लिए संस्थागत समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर; टीएचएसटीआई, फरीदाबाद; आईआईटी, इंदौर; दिल्ली विश्वविद्यालय; सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (IGIB); इंडियन स्पाइनल इंजरीज़ सेंटर, नई दिल्ली; कविकृष्ण लैब आईआईटी, गुवाहाटी; जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; सेलुलर थेरेपी (ISCT) के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय निकायों के सदस्य के रूप में नामांकित; स्टेम सेल रिसर्च (ISSCR) के लिए इंटरनेशनल सोसायटी; जैविक रसायनज्ञों (एसबीसी) का समाज; इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी; इंडियन सोसायटी ऑफ नैनोमेडिसिन; भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन; स्टेम सेल रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया; साइटोमेट्री सोसायटी, भारत; इंडियन सोसायटी फॉर ट्रांसलेशनल रिसर्च; बायोमेडिकल इंजीनियरिंग सोसाइटी (BMES); भारत में अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री के लिए कोर समिति जैसी विभिन्न सलाहकार निकायों के सदस्य के रूप में नामित; स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री, विज्ञान और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उच्चाधिकार प्राप्त समिति; बायोफाइब्रेशन और 3 डी बायोप्रिनटिंग पर मंथन बैठक; विशेषज्ञ समूह समिति - लिम्बल स्टेम सेल प्रत्यारोपण - आईसीएमआर; प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल रिसर्च एंड एप्लीकेशन (CiRA) के लिए केंद्र - सहयोग के लिए; सीडीएससीओ की जांच टीम - डेंड्रिटिक सेल वैक्सीन स्कैंडल; जैव प्रौद्योगिकी पर जैव प्रौद्योगिकी कार्य बल विभाग; इंडो-ऑस्ट्रेलियन करियर बूस्टिंग गोल्ड फ़ेलोशिप (IACBG-Fellowships) के लिए DBT विशेषज्ञ समिति; प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, डीएसटी; यौन उत्पीड़न सेल के लिए आंतरिक समिति: शिकायतों का निवारण एनआईआई; जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर; सेल विज्ञान के लिए राष्ट्रीय केंद्र; विभिन्न अनुसंधान अनुदान समीक्षा समिति परियोजना निगरानी समिति (BIRAC), DBT के सदस्य के रूप में नामांकित; बायोटेक्नोलॉजी कैरियर एडवांसमेंट एंड रिओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर विमेन साइंटिस्ट्स (बायोकेयर), डीबीटी; जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC); भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली; वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; पीयर रिव्यू कमेटी - डीआरडीओ - अपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद; SPARC (शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए योजना), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, IIT, खड़गपुर में भारत सरकार; विभिन्न संपादकीय समितियों के जर्नल में सदस्य के रूप में- स्टेम सेल और पुनर्योजी चिकित्सा में मौजूदा रुझान (CTSR); बोन मैरो और स्टेम सेल रिसर्च के जैकब्स जर्नल; वैज्ञानिक रिपोर्ट, प्रकृति प्रकाशन हाउस; स्ट्रोक अनुसंधान और उपचार; भारतीय बाल चिकित्सा; Cytotherapy; ट्रांसलेशनल सर्जरी; विभिन्न जर्नल रेविओ कमेटी स्टेम सेल रिसर्च ओपन लाइब्रेरी (SCROL) में सदस्य के रूप में; जीवन विज्ञान; बायोसाइंसेस का जर्नल; बायोमेडिकल रिसर्च जर्नल; स्टेम सेल में अंतर्दृष्टि; स्टेम सेल की विश्व पत्रिका; CEINCIA प्रकाशन समूह; ट्रांसलेशनल सर्जरी; आणविक और सेलुलर जैव रसायन; इंडियन हार्ट जर्नल; बीएमसी नेत्र विज्ञान; पुनर्योजी चिकित्सा; बायोसाइंस रिपोर्ट; वर्तमान स्टेम सेल अनुसंधान और थेरेपी।

रक्त-आधान सेवाएँ

डॉ. अंजलि हजारिका ने 2015 से पीएचडी के लिए दाखिला लिया; एफएमआरआई फोर्टिस, गुड़गांव, हरियाणा में 23 जून 2018 को हालिया अग्रिमों पर सीएमई के दौरान बाल चिकित्सा अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण पर अध्यक्षता में वैज्ञानिक सत्र; आईएलबीएस, नई दिल्ली, 15 और 16 फरवरी 2019 में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन में उन्नत इम्युनोमेथोलॉजी पर सीएमई सह कार्यशाला के दौरान आयोजित वैज्ञानिक सत्र; राष्ट्रीय रक्त कोशिका की कोर समिति के सदस्य के रूप में, एनएचएम ने भारत में रक्त संग्रहण केंद्रों के दिशानिर्देशों के पुनर्गठन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और भारत में बीएसयू के लिए मॉडल एसओपीएस की तैयारी भी की; सीएमएसएस की खरीद टीम में बाहरी तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में, नाको के लिए रक्त बैग के तकनीकी मूल्यांकन में भाग लिया; एनआईबी और एनएचएम द्वारा रक्त सेवाओं और ई-राक्तोश को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल के सामग्री विकास में संसाधन व्यक्ति, 2 अप्रैल 2018,17 अप्रैल 2018, 20 जून 2018, 18 जुलाई 2018, 30 अगस्त 2018, 16 अक्टूबर 2018 और 18 दिसंबर 2018; रक्त दाताओं में आईडी-एनएटी परीक्षण पर इनहाउस सीएमई, 5 जुलाई 2018; रक्त दाताओं में एमपी-एनएटी परीक्षण पर इनहाउस सीएमई, 20 जुलाई 2018।

अतिथि वैज्ञानिक

हृदवक्ष वाहिका शल्यचिकित्सा

1. टीके सुशील कुमार, ले बोनह्योर चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल, मेम्फिस, संयुक्त राज्य अमेरिका
2. डॉ. क्लाउस गोएर्लिंगर, टीईएम इंटरनेशनल जीएमबीएच, म्यूनिख, जर्मनी
3. डॉ. जिग्नेश के पटेल, देवदार-सिनाई, लॉस एंजिल्स, संयुक्त राज्य अमेरिका
4. डॉ. पीटर ज़िला, केप टाउन विश्वविद्यालय, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका

कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन

1. डॉ. एर्डेनसेउरेन, द थर्ड स्टेट, सेंट्रल हॉस्पिटल, उलानबटार, मंगोलिया
2. डॉ. बटर्गल, द थर्ड स्टेट, सेंट्रल हॉस्पिटल, उलानबटार, मंगोलिया
3. डॉ. डेलगर्मा, द थर्ड स्टेट, सेंट्रल हॉस्पिटल, उलानबटार, मंगोलिया
4. डॉ. तोगोजवक्खन, तीसरा राज्य, केंद्रीय अस्पताल, उलानबटार, मंगोलिया
5. डॉ. रीता कनौजिया, सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली, भारत
6. डॉ. पुनीत गर्ग, सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली, भारत
7. डॉ. हारुना सालिहू मूसा, संघीय चिकित्सा केंद्र, बिरिन केब्बी, नाइजीरिया
8. डॉ. कबीरु इस्यकु, रेडियोलॉजी विभाग अमीनुकानो टीचिंग हॉस्पिटल, कानो, नाइजीरिया
9. डॉ. सोय हटे, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
10. डॉ. थेट ज़ट, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
11. डॉ. हटत थुरा, डिफेंस सर्विसेज जनरल हॉस्पिटल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
12. डॉ हतुन हातुन निंग, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
13. डॉ. एलविन मायो थान्ट, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार

14. डॉ. एनए हेट, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
15. डॉ. पवन कुमार, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, भारत
16. डॉ. राघवेन्द्र, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, भारत
17. डॉ. राजेश वी, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, भारत
18. डॉ. मालविका गुलाटी, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, भारत
19. डॉ. शूरेनचिमेग साइनाबार, द थर्ड स्टेट, सेंट्रल हॉस्पिटल, उलानबटार, मंगोलिया
20. डॉ. मोलर एर्डीन डेमचिग्सुरेन, द थर्ड स्टेट, सेंट्रल हॉस्पिटल, उलानबटार, मंगोलिया
21. डॉ. जर्गलसैखन सोदनोमबल्जिर, द थर्ड स्टेट, सेंट्रल हॉस्पिटल, उलानबटार, मांगलिया
22. डॉ. क्यॉ ज़या, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
23. डॉ. आंग ज़ॉ हुतुन, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
24. श्री चैन न्येन लू, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
25. श्री ये नाज़िंग ट्यून, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
26. श्री टुंगुंगकी, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
27. श्री प्याए फ्यो ऊ, रक्षा सेवा जनरल अस्पताल नंबर (1), यांगून, म्यांमार
28. डॉ. अथुकुनलैलेज दिलशा प्रणीत एथुकोरला, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी नेशनल हॉस्पिटल, कोलंबो, श्रीलंका
29. डॉ. सत्यशीलन मनिहारन, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी नेशनल हॉस्पिटल, कोलंबो, श्रीलंका

स्टेम सेल की सुविधा

1. डॉ. डीन ब्रेनर, मिशिगन विश्वविद्यालय, मिशिगन, यूएसए
2. डॉ. जस्टिन कोलेसिनो, मिशिगन विश्वविद्यालय, मिशिगन, यूएसए
3. डॉ. जेनिफर क्रिस्टन, मिशिगन विश्वविद्यालय, मिशिगन, यूएसए
4. डॉ. वीणा सांगवान, मैकगिल विश्वविद्यालय, मॉन्ट्रियल, कनाडा

10-2 nar f'k{kk ,o vuqla/kku dsna

प्रमुख

ओ.पी. खरबंदा
(ऑर्थोडोंटिक्स एंड डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)

आचार्य

रितु दुग्गल
(ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)

अजय रॉयचौधरी
(ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

वीना जैन
(प्रोस्थोडोंन्टिक्स)

ओंकिला भूटिया
(ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

अपर आचार्य

विजय प्रकाश माथुर
(पेडोडोंटिक्स)

अजय लोगानी
(एंडोडोन्टिक्स एंड कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री)

सहायक आचार्य

दालिम कुमार बैद्य
(संवेदनाहरण)

देवलीना गोस्वामी
(संवेदनाहरण)

सहायक आचार्य

अमृता चावला
(एंडोडोन्टिक्स एंड कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री)

विजय कुमार
(एंडोडोन्टिक्स एंड कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री)

राहुल यादव
(ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

विलास समरित
(ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)

प्रभात कुमार चौधरी
(ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)

कुनाल ढींगरा
(पीरियोडॉन्टिक्स)

नितेश तिवारी
(पेडोडोंटिक्स)

कल्पना बंसल
(पेडोडोंटिक्स)

धीरज कुमार कोली
(प्रोस्थोडॉन्टिक्स)

शालिनी गुप्ता
(ओरल मेडिसिन)

विकेंदर सिंह
(पीरियोडॉन्टिक्स)

दीपिका मिश्रा
(ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी)

हर्ष प्रिया
(सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा)

विशेषताएँ

ऑर्थोडॉन्टिक्स

इसमें कुपोषित, डेंटोफेशियल विकृति और कटे होंठ और तालु वाले रोगियों को गुणवत्तापूर्ण ऑर्थोडॉन्टिक्स चिकित्सा प्रदान की जाती है। हमने चेहरे की विकृति को ठीक करने के लिए एक नये संयुक्त 'ऑर्थोगाथिक सर्जरी' क्लिनिक की स्थापना और शुरुआत की है। इसने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान किया है। डॉ खरबंदा रिपोर्टिंग वर्ष में बारह राष्ट्रीय और सात अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए एक आमंत्रित वक्ता थे। इसके अलावा, विभिन्न सरकारी/अनुसंधान संगठनों जैसे आईसीएमआर और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और अन्य संस्थानों के लिए पेशेवर और अकादमिक विशेषज्ञता भी विस्तारित की गई थी। डॉ. ओ.पी. खरबंदा ने अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड/पीयर रिव्यू बोर्ड की क्षमता में ऑर्थोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

यह ट्रॉमा, फेशियल एस्थेटिक्स, टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट, क्रानियोसिनेस्टोसिस आदि में उच्च गुणवत्ता वाली सर्जिकल चिकित्सा प्रदान करने में शामिल है। इसे मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा उपचार में अग्रणी होने का गौरव प्राप्त है। इस संदर्भ में, ऑर्थोगाथिक सर्जरी पर दो दिवसीय लाइव सर्जिकल कार्यशाला नवंबर 2018 में आयोजित की गई थी। इसमें व्याख्यान, 3डी-प्रिंटेड फेशियल मॉडल्स और लाइव ऑर्थोगाथिक सर्जरी रोगी पर लाइव सर्जरी और प्रायोगिक प्रशिक्षण शामिल थे। पूरे भारत के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया।

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

इसने इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के उद्घाटन राष्ट्रीय सम्मेलन और नई दिल्ली में पहले साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेन्टिस्ट्री कॉन्फरेंस का आयोजन कर पेशे में नेतृत्वशीलता प्रदर्शित की है। इसने देश के विभिन्न हिस्सों में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी और तीन अन्य वैज्ञानिक कार्यक्रम भी आयोजित किये। हमारे संकाय और छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेरोगत संगठनों में सर्वश्रेष्ठ पत्र और अकादमिक सम्मान और पेशेगत गौरव प्राप्त किया है।

पीरियोडॉन्टिक्स

यह पीरियोडोंटल (दांत के आसपास के रोग) बीमारियों की रोकथाम, निदान और उपचार से संबंधित है। यह पीरियोडोंटल उपचार के लिए रोजाना बड़ी संख्या में रोगियों तथा अन्य विभागों से रेफ़र किये गए रोगियों को सर्वोत्तम चिकित्सा प्रदान करता है। विभिन्न प्रकार की उपचार प्रविधियों जैसे कि पारंपरिक नॉन-सर्जिकल और सर्जिकल पीरियोडोंटल थेरेपी, पीरियोडोंटल प्लास्टिक सर्जरी, सॉफ्ट एंड हार्ड टिशू रीजनरेटिव प्रविधियां और डायोड लेजर-असिस्टेड सॉफ्ट टिशू एक्सिजन और एडजंक्टिव पॉकेट डेब्रिडमेंट प्रविधियों को प्रभाग में किया जा रहा है। प्रभाग के दंत स्वास्थ्यविदों को विशेषज्ञों की निगरानी में बुनियादी पीरियोडोंटल चिकित्सा प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी

प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली और प्रोफेसर ओ.पी. खरबंदा, मुख्य, सीडीईआर, एम्स ने 17 जनवरी, 2018 को ओरल हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला, सीडीईआर का उद्घाटन किया। रूम

नंबर 503, पांचवीं मंजिल, सीडीईआर, एम्स में ओरल हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला अब चालू है और काम करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है तथा मुख और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र के विभिन्न कोमल और सख्त ऊतक विकृति पर हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी की जानकारी प्रदान करती है। इसमें संभावित घातक विकारों, सौम्य ओरल केविटी के सौम्य और घातक घावों, ओडोन्टोजेनिक और मैक्सिलोफैशियल गांठ और हड्डी के ट्यूमर, ओरल केविटी, जीभ और लार ग्रंथियों के ट्यूमर और मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाले अन्य विकारों की रिपोर्टिंग शामिल है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च को नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस के रूप में नामित किया है और यह एनओएचपी के निष्पादन के लिए कार्य करने वाले कार्यक्रम के प्रमुख और निदेशक के मार्गदर्शन में कार्य करता है।

शिक्षा

ऑर्थोडॉन्टिक्स

स्नातकोत्तर

वर्तमान में केंद्र ऑर्थोडॉन्टिक्स, पीएचडी और फेलोशिप में पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम चला रहा है। दिसंबर 2018 में क्लेफ्ट और क्रैनियोफेशियल ऑर्थोडॉन्टिक्स में पहली फेलोशिप प्रदान की गई है।

ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

यह पिछले 10 वर्षों से ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी शिक्षा में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण दे रहा है। शिक्षण में स्नातकोत्तर सेमिनार, जर्नल क्लब, बेड-साइड केस चर्चा और सर्जिकल प्रशिक्षण शामिल हैं।

- समस्या - आधारित शिक्षण
- शिक्षण में "टेल-शो-डू-रिव्यू" मॉडल
- लॉग-बुक और रिकॉर्ड रखना
- सेमिनार में "क्या सही हुआ? क्या बेहतर हो सकता था"? मॉडल

प्रोस्थोडॉन्टिक्स

स्नातकपूर्व एमबीबीएस के 7वें सेमेस्टर के छात्रों को नैदानिक शिक्षण
प्रोस्थोडॉन्टिक्स में स्नातकोत्तर कोर्स।

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जनवरी 2017 (मास्टर इन डेंटल सर्जरी) में शुरू किया गया था। यह सीडीईआर के अन्तर्गत अंतःविषय प्रशिक्षण में भी भाग लेता है।

पेरियोडॉन्टिक्स

अपने दंत चिकित्सा पाठ्यक्रम के अनुसार एमबीबीएस छात्रों को नैदानिक शिक्षण। गैर-शैक्षणिक जूनियर रेजीडेंट्स के लिए सेमिनार। बीएससी डेंटल हाइजीन छात्रों के लिए संयुक्त शैक्षणिक सत्र और कक्षाएं।

ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी

7वें सेमेस्टर के एमबीबीएस छात्रों (4 बैच) का चिकित्सकीय अध्यापन। सीडीईआर में नॉन-एकेडमिक जूनियर रेजीडेंट्स (बीडीएस) के लिए संगोष्ठियों के रूप में अध्यापन।

ओरल मेडिसिन

गैर-शैक्षणिक जूनियर रेजीडेंट्स, एमबीबीएस, डीओआरए छात्र, डेंटल हाइजीनिस्ट और नर्सिंग छात्रों के लिए कक्षाएं।

सीडीईआर के संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित क्रमिक चिकित्सा शिक्षा / कार्यशालाएँ / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एनओएचपी नेशनल रिव्यू वर्कशॉप, 12-13 अप्रैल 2018, सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली
2. ऑर्थोडॉन्टिक्स कार्यशाला में नैदानिक और जैविक अनुसंधान, 21-23 अप्रैल 2018, सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली
3. नेशनल टाइपोडोंट स्किल वर्कशॉप 2018, 5-7 अक्टूबर 2018, रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम और सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली
4. "करंट ट्रेंड्स इन स्पेस क्लोजर इन एक्सट्रेक्शन केसेस" पर सीएमई, 17 दिसंबर 2018, सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली
5. "डिजिटल डेंटिस्ट्री" पर सीएमई, 18 दिसंबर 2018, सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली
6. रेजीडेंट अभिविन्यास कार्यक्रम, 13-14 अगस्त 2018, नई दिल्ली
7. ऑर्थोडॉन्टिक्स (आयोजन सचिव) में नैदानिक और जैविक अनुसंधान, 22-24 अप्रैल 2018, नई दिल्ली
8. मुख स्वास्थ्य पर एम्स-ओरेगन संयुक्त संगोष्ठी, 12 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
9. एंडोडोंटिक्स में सीबीसीटी - तीसरा आयाम, 3 अगस्त 2018, नई दिल्ली
10. इंडियन सोसायटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, 17-18 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
11. "मौखिक स्वास्थ्य चिकित्सा में संक्रमण की रोकथाम, परिशोधन" पर पहली कार्यशाला, 10 अप्रैल 2018, सीडीईआर, एम्स
12. वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे पर कौशल स्थान पर कार्यक्रमों का आयोजन किया, सेवलाइव्सः क्लीन योर हैंड, 5 मई 2018, सीडीईआर, एम्स
13. 30वां इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च वार्षिक सम्मेलन, 30 सितम्बर-2 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
14. साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री का पहला सम्मेलन, 4-6 मई 2018, नई दिल्ली
15. इंडियन सोसायटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, 17-18 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली

16. इंडियन सोसायटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी की दूसरी राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15 जुलाई 2018, पणजी, गोवा
17. इंडियन सोसायटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी की तीसरी राष्ट्रीय संगोष्ठी, 3 मार्च 2019, कन्नूर, केरल
18. कंप्यूटर निर्देशित प्रत्यारोपण उपचार योजना, 12 दिसंबर 2018, सीएमईटी, एम्स, दिल्ली
19. सीडीईआर एम्स के सहयोग से मुंह के कैंसर की जांच पर कार्यशाला, 10 अप्रैल 2019, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा
20. दक्षिण दिल्ली नगर निगम में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत दंत चिकित्सकों के लिए गड्ढे और विदर सीलेंट अनुप्रयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 12 जनवरी 2018, दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

ओपी खरबंदा: 18
रितु दुग्गल: 6
अजॉय रॉयचौधरी: 10
वीणा जैन: 4
औंकिला भूटिया: 4
अजय लोगानी: 11
विजय प्रकाश माथुर: 10
देवलीना गोस्वामी: 8
दालिम कुमार बैद्य: 14
प्रभात कुमार चौधरी: 5
नितेश तिवारी: 12
कल्पना बंसल: 4
धीरज कुमार कोली: 2
शालिनी गुप्ता: 16
कुनाल ढींगरा: 5
विकेंदर सिंह: 4
दीपिका मिश्रा: 5
हर्ष प्रिया: 10
राहुल यादव: 1

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 93

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. क्लास-द्वितीय पोस्टीरियर रेस्टोरेशन, के लिए चांदी के मिश्रम के विकल्प के रूप में दांत के रंग की धातु मुक्त स्व-उपचार रेजिन आधारित सामग्री की नैदानिक सफलता का मूल्यांकन करने के लिए एक भावी प्रायोगिक अध्ययन, अमृता चावला, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपए 3.72 लाख
2. प्लेक और जिंजीवाइटिस (मसूड़े की सूजन) को कम करने में हर्बल माउथवॉश के प्रभाव को सत्यापित करने वाला एक अध्ययनः *इन विट्रो* मूल्यांकन और यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, ओपी खरबंदा, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, डीएसटी, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2019, रुपये 30.47 लाख
3. मौखिक ल्यूकोप्लाकिया में प्रो-इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स के साथ कैंडिडा और एंटिफंगल थेरेपी का संबंध - एक प्रायोगिक अध्ययन, शालिनी गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रु. 5 लाख
4. आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क (एएनएन) का उपयोग करके ऑर्थोडॉन्टिक इनविजिबल एप्लायंस के लिए स्वचालित निदान और निगरानी, ओपी खरबंदा, भारत-ताइवान एस एंड टी कोऑपरेशन प्रोग्राम-ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी अलायंस (जीआईटीए), 2 वर्ष 10 महीने, जुलाई 2018 से मई 2021, रुपये 16.6 लाख (भारत), एनटी $600,000 (ताइवान)

5. भारत में कटे होंठ और तालु विसंगतिः नैदानिक प्रोफाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थितिः एक अस्पताल आधारित अध्ययन-मुख्य चरण, ओपी खरबंदा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रु. 316 लाख
6. अस्थाई रूप से नियंत्रित श्रेष्ठता परीक्षण, अस्थाई रूप से अण्डकोशिका के प्रबंधन में अस्थि-पंजर बनाम गैप आर्थरोप्लास्टी के साथ अस्थाई आर्थोप्लास्टी के बाद वृद्धि परिणाम और जबड़े के कार्यों का मूल्यांकन करने के लिए नियंत्रित श्रेष्ठता परीक्षण, अजय रॉयचौधरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2020, 15.46 लाख रुपए।
7. एंडोडॉन्टिक मूल के बड़े पेरियापिकल घावों की गैर सर्जिकल चिकित्सा के लिए दो नवीन तकनीकों का सहायक के रूप में कोन बीम टोमोग्राफिक मूल्यांकन-संभावित यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, अजय लोगानी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपए 30 लाख
8. नैदानिक पर प्रणालीगत व स्थानीय एंटीबायोटिक उपचारों का प्रभाव और रोगी ने डेंटल इम्प्लांट प्लेसमेंट कराने वाले स्वस्थ, आंशिक रूप से डेंटेट रोगियों में परिणाम दर्ज कराया - प्रारंभिक अध्ययन, वीणा जैन, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपए 3.98 लाख
9. व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और मानव पीरियडोंटल लिगामेंट स्टेम कोशिकाओं के विभेदन पर विभिन्न टूथ स्टोरेज मीडिया का प्रभाव – एक इन-विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, नितेश तिवारी, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, रुपये 18 लाख
10. 2-14 वर्षीय बाल कैंसर रोगियों में मुख स्वास्थ्य स्थिति के सुधार में मानक चिकित्सा के मुकाबले पीडियाट्रिक ऑंकोलॉजी रोगी के लिए ओरल हेल्थ टूलकिट का प्रभाव, हर्ष प्रिया, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 5 लाख
11. तत्काल भारित और विलंब भारित दंत प्रत्यारोपण में सूजन मार्कर मेटालोप्रोटीनेस-8 (एमएमपी-8) और कैथस्पिन-के (सीटीएसके) के स्तरों का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित प्रारंभिक अध्ययन, धीरज कुमार कोली, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 7.5 लाख
12. क्षयग्रस्त प्राथमिक दाढ़ पर पारंपरिक स्वास्थ्यकर तकनीक के साथ सिल्वर मॉडिफाइड एट्रोमैटिक स्वास्थ्यकर तकनीक की सफलता का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कल्पना बंसल, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रु. 1.21 लाख
13. क्लास II मैलोक्लुजन से ग्रसित किशोर और युवा वयस्कों में मिनिप्लेट एंकर्ड हाइब्रिड फिक्स्ड फंक्शनल उपकरण के प्रभावों का मूल्यांकन, विलास समृत, एम्स, 2 वर्ष, 2016-जारी, रुपए 3.67 लाख
14. फ्लैट हड्डी के पुनर्जनन के लिए कार्यात्मक कोलेजन नैनोपार्टिकल संसेचन सिल्क नैनो-सिरेमिक कम्पोजिट 3डी मैट्रिसेस, ओपी खरबंदा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रु. 9.86 लाख
15. मैक्सिलोफेशियल प्लानिंग एंड सिमुलेशन सिस्टम, अजय रॉयचौधरी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, 3 वर्ष, 2016-2019, रु. 131.93 लाख
16. मुख और मैक्सीलोफेसियल क्षेत्र, दीपिका मिश्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-जारी, रु. 5 लाख

17. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस के साथ परिपक्व स्थायी दांतों में पल्पोटॉमी के परिणाम हेतु प्रोग्नॉस्टिक बायोमार्कर के रूप में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-9 (एमएमपी-9) के स्तर - एक नैदानिक संभावित अध्ययन, विजय कुमार, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2018-2020, रु. 0.5 लाख

पूर्ण

1. भारत में भवन निर्माण अनुसंधान क्षमताः मौखिक स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए बाधाओं और संबल की पहचान करना**,** ओपी खरबंदा**,** इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च (आईएसडीआर) के सहयोग से इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएडीआर**)**, 2 वर्ष 6 माह, 2016-जारी, अमरीकी डॉलर 39,960

2. अवायवीय संस्कृति और आणविक तकनीकों का उपयोग करके भारतीय बच्चों मे गंभीर दंत क्षय के माइक्रोफ्लोरा का आकलन, कल्पना बंसल**,** एम्स**,** 2 वर्ष**,** 2016-2018**,** प्रति वर्ष रुपये 9.3 लाख

3. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में क्लिनिकोपथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वीईजीएफ ए और सीके आनुवांशिक बहुरूपताओं के बीच संबंध - एक प्रारंभिक अध्ययन**,** शालिनी गुप्ता**,** एम्स**,** 2 वर्ष**,** 2016-2018, रुपए 9.99 लाख

विभागीय परियोजना

जारी

1. डिजिटल मॉडल का उपयोग करते हुए तृतीय श्रेणी के रोगियों में मैक्सिलरी प्रोट्रेक्शन प्रोटोकॉल के बाद उपचार परिवर्तनों का 3डी अध्ययन
2. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस और पेरीएपिकल रेयरफैक्शन वाले परिपक्व स्थायी दाढ़ (मोलर) दांत की चिकित्सा के लिए नॉन-सर्जिकल एंडोडोंटिक्स और वाइटल पल्प थेरेपी के समेकित परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन
3. पॉस्टेरियर एयरवे वॉल्युम में सुधार और एंकिलोसिस के एक साथ स्राव में जबड़े की लंबाई बढ़ना और जबड़े के खिंचाव के मूल्यांकन हेतु एक संभावित अध्ययन
4. पेरिऐपियल पैथोलॉजी वाले पीछे के दांतों में किए गए नॉन-सर्जिकल एंडोडोंटिक थेरेपी के परिणाम में फुल कवरेज के प्रोस्थेसिस तत्काल कार्यात्मक बनाम गैर-कार्यात्मक लोडिंग के प्रभाव के अवलोकन हेतु एक संभावित अध्ययन
5. जनवरी 2014 से अप्रैल 2018 तक टीएमजे एंकिलोसिस के रोगियों में कोस्टोकोंडल ग्राफ्ट के भविष्य का मूल्यांकन करने के लिए एम्बीस्पेक्टिव अध्ययन
6. बचपन से कैंसर के दीर्घकालिक उत्तरजीवियों में दांत निकालने कि प्रक्रिया पर एंटी-कैंसर थेरेपी के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकनात्मक विश्लेषणात्मक अध्ययन
7. पेराक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी सर्जरी से ग्रसित रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथैकल मॉर्फिन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता: एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक प्रायोगिक अध्ययन
8. स्थायी दंत विन्यास पर प्राथमिक टूथ ट्रॉमा के दीर्घकालिक प्रभावों का विश्लेषण

9. भारत में विभिन्न भौगोलिक स्थानों और कार्यान्वयन क्षेत्रों में मौजूदा थूकना विरोधी कानून का विश्लेषण
10. पोस्ट-स्पाइनल हाइपोटेंशन का अनुमानक के रूप में इनफेरियर वेना कैवा कोलेप्सिबिलिटी इंडेक्स (आईवीसीसीआई) और कैरोटिड आर्टरी पीक वेलोसिटी (सीएपीवी) की भिन्नता का आकलन
11. ऑर्थोडोंटिक टूथ मूवमेंट के दौरान आईएल-1β स्तरों के एकल बनाम अनुवर्ती माइक्रो ऑस्टियोपोरफोरेशन उत्तेजित अभिव्यक्ति का आकलन - एक प्रायोगिक अध्ययन
12. आपातकालीन लेपेरोटॉमी में पोस्ट-ऑपरेटिव परिणामों के साथ अंतःक्रियात्मक रक्त ग्लूकोज परिवर्तनशीलता के संबंध।
13. 60 मिनट से अधिक अतिरिक्त ओरल ड्राई टाइम के साथ दांतों में विभिन्न मूल सतह जैव-परिवर्तन विधियों का तुलनात्मक मूल्यांकन
14. नरम ऊतक प्रक्रियाओं में डायोड लेजर और पारंपरिक सर्जिकल तकनीक का तुलनात्मक मूल्यांकन
15. प्राथमिक दांतों में सीधे रखे गए कंपोजिट और सीधे कंपोजिट इनलेज़ का तुलनात्मक मूल्यांकन
16. प्राथमिक दाढ़ में पल्पोटॉमी के लिए सिमावास्टेटिन जेल और डायोड लेजर का तुलनात्मक मूल्यांकनः एकल ब्लाइंड चरण 2 यादृच्छिक परीक्षण
17. केरियास प्राथमिक दाढ़ पर पारंपरिक स्वास्थ्यकर तकनीक के साथ सिल्वर मॉडिफाइड एट्रॉमैटिक स्वास्थ्यकर तकनीक की सफलता का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
18. बायोमार्कर पोस्ट तत्काल के स्तर की तुलना में मिनी-स्क्रू इंप्लांट के तत्काल और विलंबित अप्रत्यक्ष लोडिंग -एक प्रारंभिक अध्ययन
19. सीजेरियन सेक्शन में सहौषध के रूप में फेंटानाइल बनाम क्लोनीडाइन के साथ इंट्राहेकल 0.75% आइसोबेरिक रोपीवेकैन के चिकित्सकीय प्रभाव की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. सेप्टिस के रोगियों में मृत्यु दर के अनुमानकों के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात की तुलना
21. स्त्रीरोग संबंधी विकृति के लिए लेपेरोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में ओपियॉइड आधारित संवदेनाहरण तकनीक और ओपियॉइड मुक्त संवदेनाहरण तकनीक की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
22. एक ट्रेपोजॉइडल प्लेट बनाम दो गैर-समानांतर सीधी मिनीप्लेट का उपयोग करके निचले जबड़े के उपचार परिणामों की तुलना की गई
23. गंभीर रूप से बीमार सेप्सिस के रोगियों में आईसीयू की समय सीमा कम करने के लिए विटामिन डी को तीव्रता से दिया जानाः यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
24. सामान्य संवेदनाहरण के तहत मेंडीबुलर सर्जरी से ग्रसित रोगियों में असाधारण मेंडीबुलर नर्व ब्लॉक के लिए रोपीवेकाइन को डेक्सैमेथेसोन के अतिरिक्त प्रभाव।
25. प्रवाहकीय श्रवण दोष वाले तालु भंग रोगियों में श्रवण क्षमता पर रैपिड मैक्सिलरी एक्सपेंशन का प्रभाव - एक प्रायोगिक अध्ययन
26. पेरफोरेशन पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी: भावी अवलोकनात्मक अध्ययन

27. मुख स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन का मूल्यांकन और विश्लेषण – ई दंत सेवा
28. भारतीय जनसंख्या के टीएमजे एंकिलोसिस रोगियों में टीजेआर मानक स्टॉक प्रोस्थेसिस की उपयुक्तता का मूल्यांकन-एंबिस्पेक्टीव अवलोकनात्मक अध्ययन अन्वेषक
29. निचले स्तर के लेजर थेरेपी के साथ कैनाइन रिट्रेक्शन के दौरान जीसीएफ में श्रेणी का मूल्यांकन और दांतों की क्रिया की दर - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
30. वन पीस यट्रियम - स्टेबिलाइज्ड जिर्कोनिया रूट एनालॉग (आरएआई) डेंटल इम्प्लांट्स की सफलता दर का मूल्यांकन - एक प्रायोगिक अध्ययन
31. आईसीयू में मांसपेशी क्षरण का आकलन करने की एक विधि के रूप में एंटेरियर टेम्पोरलिस मांसपेशी अल्ट्रासाउंड की उपयोगिता
32. एक अस्पताल आधारित सेटिंग में अंतर्राष्ट्रीय कैरिज वर्गीकरण और प्रबंधन प्रणाली प्रोटोकॉल की व्यवहार्यता
33. हिमोडायनेमिक्स और एनेस्थेटिक आवश्यकताओं की तुलना के लिए सिर और ग्रीवा मुक्त फ्लैप सर्जरी में फेंटेनियल बनाम डेक्समेडिटोमिडाइन इंफ्यूजन।
34. प्रत्यक्ष लोडिंग के दौरान ऑर्थोडोंटिक मिनी इंप्लांट के आसपास इंटरल्यूकिन 1बी का स्तर
35. ऑर्थोडॉन्टिक श्वेत स्थान घाव सूची: ऑर्थोडॉन्टिक रोगियों में उभरे हुए श्वेत स्थान घाव के आकलन हेतु एक नया उपकरण
36. मैकेनिकल पल्प एक्सपोज़र वाले परिपक्व स्थायी दांतों में कैल्शियम सिलिकेट आधारित सीमेंट के साथ या इसके बिना किये गये पूर्ण पल्पोटॉमी का परिणाम - एक स्प्लिट माउथ अध्ययन
37. एक्युट फेब्राइल रोग में इंटेंसिव केयर यूनिट एडमिशन और मोर्टैलिटी के अनुमानक: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
38. भारत में दंत चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए तृतीयक चिकित्सा केन्द्र में तम्बाकू छुड़ाने वाले क्लिनिक में भाग लेने वाले लोगों में तंबाकू छोड़ने के पूर्वानुमान
39. लद्दाख क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व-स्कूली बच्चों में प्रारंभिक बचपन में दंत क्षय की व्यापकता
40. परफॉरेशन पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लेपेरोटॉमी से ग्रसित रोगियों में प्री-ऑपेरेटिव ब्लड लैक्टेट और लैक्टेट क्लीयरेंस का ज्ञात महत्व: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
41. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के गंभीर रूप से बीमार रोगियों में लाल रक्त कोशिका संक्रमण ट्रिगर का ज्ञात महत्वः संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
42. टीएमजे एंकिलोसिस में रेट्रोग्नेथिया के लिए द्वितीयक ओबस्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया (ओएसए) में जबड़े के डिस्ट्रैक्शन ओस्टियोजेनेसिस के बाद जीवन की गुणवत्ता में सुधार और 3डी एयरवे वॉल्युम में परिवर्तन के मूल्यांकन के लिए संभावित अध्ययन
43. जायगोमैटिको मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स के अभिघातजन्य अवशिष्ट विकृति के रोगियों में जाइगोमेटिक ओस्टियोटमी के बाद स्थिरता का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन

44. यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: 3डी मॉडल में कक्षीय मात्रा के तुलनात्मक विश्लेषण ने ऑर्बिटल फ्लोर फ्रैक्चर के पुनर्निर्माण में पारंपरिक तकनीक बनाम मेष अनुकूलन की सहायता की
45. ट्रांसपेरोटिड और ट्रांसमैसेट्रिक पूर्वकाल पेरोटिड के उपचार परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मैनडीब्यूलर सबकोंडायलर का इलाज करने हेतु किया गया
46. दीर्घकालिक गुर्दे की चोट के गंभीर रूप से बीमार रोगियों के वॉल्यूम ओवरलोडेड में फ्यूरोसेमाइड तनाव परीक्षण में स्पॉट मूत्र सोडियम की भूमिका - एक संभावित अध्ययन
47. प्री-स्कूल बच्चों में बचपन की शुरूआत में दंत क्षय की गंभीरता व पैटर्न तथा व्यवहार से जुड़े विभिन्न कारकों के साथ इसका संबंध - अस्पताल आधारित अध्ययन
48. स्केलेटल क्लास II में बढ़ते रोगियों में ट्विन ब्लॉक थेरेपी से पहले और बाद में स्टर्नोक्लेडोमैस्टॉइड और ट्रापेजियस मसल एक्टिविटी
49. सहायक संरचनाओं पर दो अलग-अलग प्रकार के हटाने योग्य आंशिक डेन्चर में तनाव वितरण प्रणाली- एक 3डी परिमित तत्व विश्लेषण और एक नैदानिक अध्ययन
50. मैक्सिलरी कैनाइन रिट्रैक्शन के दौरान दांत के मूवमेंट की दर पर स्थानीय रूप से इंजेक्टेड प्लेटलेट रिच प्लाज्मा का प्रभाव - एक प्रायोगिक अध्ययन
51. अवशिष्ट रिज रिसॉर्प्शन पर डेन्चर द्वारा सहायक जबड़े के एकल प्रत्यारोपण का प्रभाव
52. समृति प्रक्रिया पर हल्की संज्ञानात्मक हानि से ग्रसित पूरी तरह से दन्तहीन जराचिकित्सा रोगियों में प्रोस्थोडोंटिक पुनर्वास का प्रभाव - एक कार्यात्मक एमआरआई-आधारित पायलट अध्ययन
53. संचारविहीन सहवर्ती एंडोडोंटिक पीरियोडॉन्टल घावों के साथ दांतों में गैर-सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी के बाद पेरिऑपिकल रोग पर पेरियोडोंटल बीमारी की गंभीरता का प्रभाव - एक संभावित अध्ययन
54. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस के परिपक्व स्थायी दांतों में पल्पोटॉमी के परिणाम हेतु प्रोग्नॉस्टिक बायोमार्कर के रूप में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-9 (एमएमपी-9) के स्तर - एक नैदानिक संभावित अध्ययन
55. जबड़े की हड्डी के क्षेत्र में तत्काल प्रत्यारोपण के तुरन्त बाद क्रेस्टल हड्डी के स्तर पर एल-पीआरएफ या एलोप्लास्टिक ग्राफ्ट सामग्री के प्रभाव की तुलना
56. एलोप्लास्टिक टोटल जॉइन्ट रिप्लेसमेंट गैप आर्थ्रोप्लास्टी से उपचारित टीएमजे एंकिलोसिस के रोगियों में बाइट फोर्स और चबाने की क्षमता का मूल्यांकन और तुलना करना
57. क्लास II हाई एंगल रोगियों की वृद्धि में ट्विन ब्लॉक थेरेपी से जबड़े की बनावट में आये परिवर्तन के बाद गर्दन की मांसपेशीय गतिविधि का मूल्यांकन करना - एक ईएमजी अध्ययन
58. पेरी एपिकल इंडेक्स (पीएआई) पर आधारित रेडियोग्राफिक पेरी एपिकल घावों को वर्गीकृत करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की प्रभावकता - विधि तुलना अध्ययन
59. गहरे समीपस्थ कैरियस घाव में अप्रत्यक्ष पल्प थेरेपी अथवा पूर्ण पल्पोटॉमी के साथ किए गए समग्र पुनर्स्थापना का उपचार परिणाम - एक नैदानिक अध्ययन
60. रोगियों में आने वाले प्रतिकूल परिणामों के पूर्वसूचक के रूप में ब्रांकियल धमनी की प्रतिक्रिया का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन

पूर्ण

1. सॉकेट शील्ड तकनीक और पारंपरिक तकनीक का उपयोग करते हुए तत्काल प्रत्यारोपण के समीप नरम ऊतक और वॉल्यूमेट्रिक परिवर्तनों का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।– एक प्राथमिक अध्ययन
2. गैर-सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी (एनएसईटी) के परिणाम पर पेरिऑपिकल पैथोसिस के अग्र दांतों पर किया गया सह-स्थित पीड़ादायी अतिवृद्धि के प्रभाव का निरीक्षण करने के लिए एक संभावित अध्ययन
3. केविटी में सूक्ष्म रॉल की सूक्ष्म-तन्यता बंधन शक्ति को बढ़ाने के लिए नीतियों का पता लगाने के लिए पूर्ववत्त मिश्रण के साथ रीस्टोर किया गया एक्स-विवो अध्ययन
4. मौखिक स्वास्थ्य चिकित्सा पैरा पेशेवरों में मौखिक कैंसर का जल्द पता लगाने में एक नियमित मॉड्यूल की प्रवीणता का विश्लेषण।
5. वैकल्पिक सर्जरी से गुजरते वयस्क रोगियों में सामान्य संज्ञाहरण के शामिल होने के बाद कैरोटिड धमनी का सही समय और श्वसन रक्त के तीव्र प्रवाह के लिए अति रक्त प्रवाह वेग के श्वसन रूपों में हाइपोटेंशन का पूर्वानुमानः एक संभावित अवलोकन अध्ययन
6. चमकता हुआ जिरकोनिया क्राउन, पॉलिश जिरकोनिया क्राउन और प्राकृतिक तामचीनी के घिसाव का विरोध करने का तुलनात्मक मूल्यांकनः एक इन विवो अध्ययन
7. एनेस्थेटिक बच्चों में फेसमास्क बनाम लेरिंजल मास्क एयरवे के साथ इंट्राओक्युलर दबाव परिवर्तन की तुलना
8. लेपेरोस्कोपिक गायनेकोलॉजिकल सर्जरी में ओपियॉइड बेस्ड और ओपियॉइड फ्री टीआईवीए। की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. ब्रिजिंग उपचार के साथ और इसके बिना एंटी कोएगुलेंट लेने वाले रोगियों में खून बहाव के निष्कर्षण की जटिलता के पश्चात तुलना: एक प्रायोगिक अध्ययन।
10. अंतःप्रेरक पेरीपिकल रेडियोग्राफ़ पर स्पष्ट होने वाले पेरापिकल घावों के कोन बीम टोमोग्राफिक वर्णकरण की गणना पूर्वप्रभावी विश्लेषण।
11. सामान्य संवेदनाहरण के तहत मेंडीबुलर सर्जरी से ग्रसित रोगियों में असाधारण मेंडीबुलर नर्व ब्लॉक के लिए रोपीवेकाइन से डेक्सैमेथेसोन के अतिरिक्त प्रभाव।
12. बच्चों में डीस्फ्लुरेन या सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया के बाद भ्रम का पैदा होना और स्वास्थ्य लाभ मानकों पर डेक्समेडिटोमिडाइन का प्रभाव: एक संभावित अवलोकन यादृच्छिक अध्ययन।
13. गैर-पुनर्निमित मंडिबुलेक्टोमी रोगी में कार्यात्मक और एस्थेटिक परिणामों पर प्रोस्थोडॉन्टिक पुनर्वास का प्रभाव - एक प्रारंभिक अध्ययन।
14. रक्त जैव रसायन, बीसीए और पीजी-एसजीए का उपयोग कर मैक्सीलेक्टोमी रोगियों के पोषण की स्थिति पर प्रोस्थोडॉन्टिक पुनर्वास का प्रभाव - एक प्रारंभिक अध्ययन।
15. ऑर्थोडोंटिक टूथ मूवमेंट की दर पर दो बार के माइक्रो-ऑस्टेपरफॉर्मेशन का प्रभाव - एक प्रायोगिक अध्ययन।
16. नर्सिंग पेशेवरों के लिए मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन पर वेब आधारित लर्निंग मॉड्यूल की प्रभावशीलता।

17. आपातकालीन लेपेरोटॉमी से ग्रसित वयस्क रोगियों में पोस्टऑपरेटिव ऑक्सीजनेशन स्थिति पर घटते क्रम वाले पीईईपी परीक्षण की प्रभावशीलता: एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
18. लेफ्ट वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रेक्ट वेलोसिटी टाइम इंटीग्रल (एलवीओटी वीटीआई) की प्रभावकारिता और पीएलआर के लिए इकोकार्डियोग्राफी निर्देशित स्ट्रोक मात्रा परिवर्तन (डेल्टा एसवी प्रतिशत) के साथ सहसंबंधित द्वारा सेप्सिस और सेप्टिक शॉक वाले रोगियों में पैसिव लेग रेसिंग (पीएलआर) के लिए कैरोटिड आर्टरी वीटीआई के रूप में मात्रा की प्रतिक्रियात्मकता का अनुमानक।
19. सेप्सिस में हिमेटोलॉजिकल सिस्टम के सेल्यूलर घटकों की एपिडेमियोलॉजी और प्रोग्नोस्टिक उपयोगिता।
20. तीव्र श्वसन विफलता के लिए दबाव नियंत्रित मात्रा नियंत्रित वेंटिलेशन और सिंक्रोनाइज आंतरायिक अनिवार्य वेंटिलेशन वाले रोगियों में डायफ्रेग्मेटिक मसल्स मास का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
21. मैक्सीलैक्टॉमी के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और मनोवैज्ञानिक पीड़ा पर प्रोस्थोडॉन्टिक पुनर्वास के प्रभाव का मूल्यांकनः प्रारंभिक अध्ययन
22. वीनिंग सक्सेस और एस्ट्यूबेशन फेल्यूर का अनुमान लगाने में एकीकृत अल्ट्रासाउंड प्रोटोकॉल: एक संभावित अवलोकन अध्ययन
23. विश्वसनीयता और सेफालोमेट्रिक सुपरइम्पोजिशन परिणामों की वैधताः पारंपरिक और कम्प्यूटरीकृत सेफलोमेट्रिक सॉफ्टवेयर्स की तुलना-रिकेट के सुपरइम्पोजिशन तरीकों का उपयोग करना
24. स्कूल आधारित पिट और फिशर सीलेंट प्रोजेक्ट
25. पोस्ट ऑपरेटिव दर्द के नियंत्रण के लिए टेम्पोरोमेंडीबुलर जॉइंट एंकीलोसिस सर्जरी में स्थानीय एनेस्थेटिक घाव इंफिल्ट्रेशन की प्रभावकारिता की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
26. मैकेनिकली वेंटिलेटिड वाले रोगियों में मानक देखभाल प्रोटोकॉल की तुलना में इसकी दर को कम करने के लिए एक नए आईसीयू डेलिरियम प्रीवेंशन बंडल के कार्यान्वयन का निर्धारण करना।
27. वयस्क गुर्दा प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस ब्लॉक में रोपिवेकाइन के लिए एक सहायक के रूप में क्लोनिडाइन की प्रभावकारिता का अध्ययन - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. आघात एवं संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को स्पष्ट करने के लिए एक जनसंख्या आधारित भावी सहसंयोजक अध्ययनः एक क्रॉस कल्चरल परिप्रेक्ष्य, न्यूरोलॉजी
2. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया में ऑफसेट एनाल्जेसिया का एक अध्ययन, फिजियोलॉजी
3. अवायवीय संस्कृति और आणविक तकनीकों का उपयोग करके भारतीय बच्चों में गंभीर दंत क्षय के माइक्रोफ्लोरा का आकलन, माइक्रोबायोलॉजी

4. भारत में कटे होंठ और तालू विसंगतिः नैदानिक प्रोफाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थितिः एक अस्पताल आधारित अध्ययन-मेन फेज़, जेनेटिक्स और सीएसआईआर-आईजीआईबी
5. सूजन का पता लगाने के लिए सेंसर के साथ ऑर्थोडोंटिक मिनीस्क्रू एम्बेडेड के लिए डिजाइन और परीक्षण- चरण I, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
6. ओरल हेल्थ और ओरल कैंसर पर एमओओसी का विकास, डब्ल्यूएचओ
7. व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और मानव पीरियडोंटल लिगामेंट स्टीम कोशिकाओं के विभेदन पर विभिन्न टूथ स्टोरेज मीडिया का प्रभाव-एक इन-विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, स्टेम सेल सुविधा
8. मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए आयुष स्वास्थ्य पेशेवरों को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
9. सामान्य एनेस्थेसिया के जरिए की गयी दांत की सर्जरी में ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत के लिए एटोरिकॉक्सिब की सिंगल प्री-ऑपरेटिव प्रीएम्पिटिव खुराक का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक, संभावित डबल-ब्लाइंडिड प्लेसिबो कंट्रोल्ड ट्रायल, एनेस्थेसिया
10. फ्लैट हड्डी के पुनर्जनन के लिए कार्यात्मक कोलेजन नैनोपार्टिकल संसेचन सिल्क नैनो-सिरेमिक कम्पोजिट 3डी मैट्रिसेस, आईआईटी, गुवाहाटी
11. भारत में नर्सिंग पेशेवरों में मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन प्रशिक्षण का प्रभाव - एक पारंपरिक अध्ययन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
12. भारत में स्कूल के शिक्षकों में ओरल हेल्थ संवर्धन पर प्रशिक्षण पैकेज का प्रभाव: एक महत्वपूर्ण अध्ययन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
13. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द की घटना और जोखिक कारक: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान
14. मेडिकल इमेजिंग का उपयोग करके सहयोगात्मक डिजिटल डायग्नोसिस सिस्टम (कोलार्ड) का पायलट कार्यान्वयन, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), नई दिल्ली, केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन, चंडीगढ़ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, रेडियोडायग्नोसिस, एम्स, नई दिल्ली
15. मौखिक कैंसर में मानव विजातीय नाभिकिय राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी की भूमिका, बायोकेमिस्ट्री
16. ओरल डिसप्लेसिया के घातक ट्रांसफॉर्मेशन में ईजीएफआर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका बायोकेमिस्ट्री
17. व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण: दुनिया भर के स्कूल शिक्षकों के दांत में लगी दर्दनाक चोट की रोकथाम और आपातकालीन चिकित्सा के लिए ज्ञान, प्रवृत्ति, जागरूकता और प्रैक्टिस, बायोस्टेटिस्टिक्स, सेंटर फॉर कम्यूनिटी मेडिसिन
18. कैंसर के सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन एल और कैथेप्सीन बी की संभावित क्षमता का आकलन, जैव रसायन

पूर्ण

1. एम्स, नर्सिंग कॉलेज की सघन चिकित्सा एकक में कार्यरत नर्सों के ज्ञान और कौशल पर एक नियोजित सिमुलेशन शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
2. निकोटीन मेटाबोलाइट अनुपात (एनएमआर) और धुआं रहित तम्बाकू उपयोग मापदंडों के बीच सहयोग का आकलन करने के लिए खोजपूर्ण अध्ययन, मनोचिकित्सा और एनडीडीटीसी
3. स्थायी डेंटिशन पर प्राथमिक दांत आघात के दीर्घकालिक प्रभावों का विश्लेषण, डिपार्टमेंट ऑफ़ पेडोडॉन्टिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, एफओडीएस, केजीएमयू, लखनऊ और बीबीडीसीओडीएस
4. पेरी-नेटल ओरल हेल्थ का आकलन और भारतीय गर्भवती महिलाओं में ओरल स्वास्थ्य संवर्धन का कार्यान्वयन, स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान
5. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में क्लिनिकोपथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वीइजीएफ ए और सी की आनुवांशिक बहुरूपताओं के बीच संबंध - एक प्रायोगिक अध्ययन, जैव रसायन
6. सीबीसीटी स्कैन डेटा का उपयोग करके ऊपरी वायुमार्ग का स्वचालित विभाजन, केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ), चंडीगढ़
7. दर्द की स्थिति पर थर्मल सेंसिटिविटी पर दोहराए जाने वाले ट्रांस क्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का प्रभाव तथा मायोफेशियल दर्द की सिंड्रोम में मोटर गतिविधि, फिजियोलॉजी
8. आईसीएमआर तम्बाकू टास्क फोर्स प्रोजेक्ट में शामिल रोगियों में पुराने घावों-ल्यूकोप्लाकिया, सबम्यूकोस फाइब्रोसिस, लाइकेन प्लेनस के रोगियों के लंबे समय तक अनुवर्ती (10-15 वर्ष) में ओरल कैंसर कंवर्जन रिस्क का अनुमान लगाना, जनरल सर्जरी, तथा एनआईसीपीआर, नोएडा
9. मौखिक श्लैष्मिक घावों के स्पेक्ट्रम में अंतःविषय रूपांतर, त्वचाविज्ञान
10. व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण: भारत में ट्रॉमेटिक डेंटल इंजरीज की व्यापकता, जैव सांख्यिकी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 41 सारः 12 पुस्तकों में अध्यायः 3

रोगी उपचार

ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हमने कटे होंठ और तालू के रोगियों के अंतःविषय उपचार पर अधिक जोर दिया है और चेहरे की विकृति से पीड़ित रोगियों के लिए संयुक्त ऑर्थोगाथिक सर्जरी को शुरू किया। अभी तक 48 मरीजों का इलाज चल रहा है।

ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

विभाग में 1,000 से अधिक प्रमुख मामले संचालित हैं। 50 टीएमजे रिप्लेसमेंट सर्जरी करने में देश का प्रथम विभाग।

(ओरल और मैक्सिलोफैशियल सर्जरी ओपीडी और अंतःरोगी सेवाएं)

1. निर्गमन, सरल और जटिल
2. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त सर्जरी
3. क्रैनियो-चेहरे का ट्रॉमा
4. चेहरे की ऑर्थोगैथिक और एस्थेटिक सर्जरी
5. मौखिक और मैक्सिलोफैशियल पैथोलॉजी
6. मैक्सिलोफेशियल संक्रमण
7. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया के लिए सर्जरी
8. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया क्लिनिक
9. ओस्टेओडोनटोकेराटोप्लास्टी

प्रोस्थोडोन्टिक्स

पूर्ण और आंशिक रूप से जबड़े के पुनर्वास के लिए रोगियों को नैदानिक सुविधा प्रदान करते हैं। ओरल और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थोडॉन्टिक्स, इम्प्लांट दंत चिकित्सा और टेम्पोरो-मेंडिबुलर विकार पर विशेष क्लिनिक चलाया रहा है। विभिन्न प्रकार के प्रोस्थेसिस जिसे हम दंत रोगियों के लिए तैयार कर रहे हैं वे है पूर्ण दंत चिकित्सा, रिमूवेबल पार्टिकल डेंचर, क्राउन और ब्रिज कार्य, लैमिनेट्स, ऑकलस स्प्लिन्ट, इम्प्लांट समर्थित प्रोस्थेसिस (रिमूवेबल और फिक्स्ड), और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थेसिस (एक्स्ट्रा ओरल/फेशियल और इंट्रा ओरल)। हटाने योग्य एवं नियत प्रोस्थोडॉन्टिक उपकरणों को तैयार करने के लिए दो प्रयोगशालाएं।

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स का विशेष क्लिनिक सप्ताह में दो बार चलाया जाता है। गैर-सर्जिकल और सर्जिकल एंडोडॉन्टिक रिट्रीटमेंट क्लिनिक शुरू किया गया है और सप्ताह में एक बार चलाया जाता है।

पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्साः

यह मुख की स्वास्थ्य समस्याओं वाले बच्चों को अत्याधुनिक निवारक, नैदानिक और उपचार की सुविधा प्रदान करता है। नियमित विधियों के अलावा, हम पीडियाट्रिक सॉफ्ट टिश्यू लेजर डेंटिस्ट्री के सर्वोत्तम केंद्रों में से एक हैं। पीडियाट्रिक सॉफ्ट टिश्यू लेजर डेंटिस्ट्री समर्पित माइनर ओटी है। स्पेशल केयर डेंटिस्ट्री हमारे कार्य फलक का अभिन्न हिस्सा है, जहां पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, कार्डियो-थोरैसिक सर्जरी और हेमेटोलॉजी से भारी संख्या में रेफरल के मामले आये हैं। अत्याधुनिक नीतियों सहित अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप डेंटल केयरीज प्रिवेंटिव प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाता है। प्राथमिक और स्थायी दंत चिकित्सा में दांत में लगी दर्दनाक चोटों का आपातकालीन रूप से उपचार किया जाता है।

ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी

स्पेशल्टी क्लीनिकः ओरल अल्सर क्लिनिक (बुधवार 2:00 बजे)

ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी सीडीईआर में कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी सुविधा।

सीडीईआर में ओरल पोटेंशियल प्रेमालिग्नेंट घावों के लिए पंजीकरण की शुरुआत

पीरियोडॉन्टिक्स

विभाग में की गईं विभिन्न उपचार प्रक्रियाएँ:

- पारंपरिक गैर-सर्जिकल और सर्जिकल पीरियोडॉन्टल थेरेपी, पीरियडोंटल प्लास्टिक सर्जरी, सॉफ्ट एंड हार्ड टिशू पुनर्योजी प्रक्रियाएं, डायोड लेजर से नरम ऊतक हटाना और सहायक पॉकेट डेब्रिडमेंटे प्रक्रियाएं

सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

1. सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली ओपीडी में तंबाकू निषेध परामर्श
2. स्कूल आधारित पिट और फिशर सीलेंट प्रोग्राम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
3. जवाहरलाल नेहरू ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में 27 फरवरी 2019 को अंतर्राष्ट्रीय बाल्यकाल कैंसर दिवस के अवसर पर ओरल हेल्थ प्रमोशन ड्राइव तथा निदानित बाल रोग ऑन्कोलॉजी रोगियों के लिए डे केयर में मासिक उपस्थिति।

ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी

सीडीईआर में ओरल साइटोपैथोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

सम्मान - सामुदायिक कार्य के लिए सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च, एम्स

1. जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में 25 सितंबर 2018 को 63वें संस्थान दिवस 2018 में सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च, एम्स को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी हेतु सम्मान प्रदान किया गया।
2. दिनांक 15-16 दिसंबर 2018 को हैदराबाद के इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ़ डेंटिस्ट के सम्मेलन में वर्ष 2018 के लिए संस्था द्वारा आरम्भ की गई सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक दंत चिकित्सा परियोजना के लिए सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च, एम्स, नई दिल्ली को डॉ. डीएन कपूर पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रोफेसर ओपी खरबंदा को सर्वसम्मति से इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएडीआर) के "ऑर्थोडॉन्टिक रिसर्च ग्रुप" (ओआरजी) के लिए "एशिया प्रतिनिधि" के रूप में नामित किया गया; इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी का उत्कृष्ट प्रोफेसर पुरस्कार प्राप्त किया;

अध्यक्ष, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय द्वारा नियुक्त, सशस्त्र सेना चिकित्सा अनुसंधान समिति (एएफएमआरसी) के सदस्य; 13 मई 2018 को ओआरएमसीओ पाठ्यक्रम में भाग लिया, नई दिल्ली; 27 मई 2018 को मेरठ के ब्रावुरा गोल्ड रिज़ॉर्ट में "हील टॉक अवार्ड 2018 के 5वें पुरस्कार समारोह" के मुख्य अतिथि; 22 दिसंबर, 2018 को मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, दिल्ली में पियरे फ़्यूचर्ड अकादमी सीडीई और 32वें वार्षिक दीक्षांत समारोह और पुरस्कार समारोह में भाग लिया; मेडिकल एडवाइजरी काउंसिल मिशन स्माइल, नई दिल्ली में मानद सलाहकार नियुक्त; ऑर्थोडॉन्टिक्स और ऑस्ट्रेलियाई ऑर्थोडॉन्टिक जर्नल के ब्रिटिश जर्नल के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड पर नियुक्त जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "8वें इनसाइट इन ऑर्थोडॉन्टिक पोस्टग्रेजुएट एक्जामिनेशन" में मुख्य संसाधन संकाय; डॉ डीवाई पाटिल विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे के बोर्ड ऑफ रिसर्च स्टडी की बैठक में भाग लिया; 12 जुलाई 2018 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी की बैठक में भाग लिया; 29 जून 2018 को एम्स भोपाल में अतिथि व्याख्यान दिया; मानव रचना

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च स्टडीज, फरीदाबाद (हरियाणा) के कार्यक्षेत्र में महाविद्यालय को शामिल करने के संबंध में मानव रचना डेंटल कॉलेज (एमआरडीसी) का दौरा करने के लिए यूजीसी टीम द्वारा आमंत्रित; ओरल हेल्थ और स्नातकोत्तर अनुसंधान अनुदान के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर के विशेषज्ञ; "ओरल हेल्थ" कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दूरदर्शन द्वारा आमंत्रित किया गया; डब्ल्यूएचओ, राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य नीति पर भारत सरकार के सलाहकार के रूप में महत्वपूर्ण योगदान; राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत, निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं: (**i**) राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत संशोधित गतिविधियों के साथ एम्स, नई दिल्ली और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन का नवीकरण; (**ii**) मई से दिसंबर 2018 तक इडेंट सेवा-सामग्री अपलोड, डिजाइनिंग, समीक्षा, सत्यापन और प्रतिक्रिया संग्रह का पर्यवेक्षण किया; (**iii**) मई 2018 से वर्तमान तक स्कूल आधारित सीलेंट कार्यक्रम के लिए टीम का पर्यवेक्षण किया; (**iv**) एनओएचपी के तहत अनुसंधानकर्ताओं की भर्ती के लिए टीम का नेतृत्व करना; (**v**) एनओएचपी अक्टूबर 2018 से वर्तमान तक मोबाइल ऐप के विकास का पर्यवेक्षण किया; (**vi**) एम्स नई दिल्ली के 63वें संस्थान दिवस के दौरान मौखिक स्वास्थ्य बूथ के आयोजन और स्थापना के लिए टीम का नेतृत्व किया गया और उसे "सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन" के लिए सम्मानित किया गया; (**vii**) जोखिम समूहों के लिए नए आईईसी के विकास का पर्यवेक्षण किया- गर्भवती महिलाओं, शिशुओं और विशेष स्वास्थ्य आवश्यकताओं वाली आबादी हेतु (**viii**) नवंबर 2018 में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री के 23वें राष्ट्रीय सम्मेलन में आईईसी और एनओएचपी में वैज्ञानिक प्रस्तुति के लिए टीम का नेतृत्व और मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए "दूसरा सर्वश्रेष्ठ नवाचार" से सम्मानित किया गया; (**ix**) एनओएचपी के तहत गतिविधियों के लिए इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन में सीडीआर एम्स, नई दिल्ली को बेस्ट आउटरीच प्रोग्राम से सम्मानित, सेक्शन **VI**, दिसंबर 2018; (**x**) दिसंबर 2018 में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग एवं टोबैको काउंसलिंग पर एनसीडी सेल राजस्थान के चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षण देने वाली टीम की अगुवाई की।

प्रोफेसर रितु दुग्गल ओरल हेल्थ के क्षेत्र में प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी की सदस्य थीं, जिसका आयोजन 20 मार्च 2019 को सुबह 10 बजे सीजी पंडित बोर्ड रूम, आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में होने वाला है; जामिया मिल्लिया इस्लामिया, मौलाना मोहम्मद अली जौहर मार्ग, नई दिल्ली में 25 जनवरी 2019 को ऑर्थोडॉन्टिक्स में सीएमई के लिए पैनलिस्ट; 27 दिसंबर 2018 को ऑर्थोडॉन्टिक्स, पीजीआईडीएस विभाग में आयोजित होने वाले ऑर्थोडॉन्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट बोर्ड ऑफ स्टडीज के लिए विशेषज्ञ; 26 अक्टूबर 2018 को यूपीएससी, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली में होने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सक के पद के लिए साक्षात्कार बोर्ड में आयोग के लिए विशेषज्ञ; आईआईटी-दिल्ली अस्पताल में 30 अक्टूबर 2018 की चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; 5-6 सितंबर 2018 को लुधियाना (पंजाब) में ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग में एमडीएस-नवीकरण के लिए परिषद के निरीक्षक के रूप में 2 वर्ष के लिए नियुक्त किया गया।

आचार्य अजय रॉयचौधरी को नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंडिया की फैलोशिप से सम्मानित किया गया; निम्नलिखित अनुक्रमित पत्रिका ब्रिटिश जर्नल ऑफ ओरल तथा मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के लिए समीक्षक, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी और नेशनल जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी; भारत में विभिन्न स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने वाले डेंटल कॉलेज की शिक्षण, बुनियादी सुविधाओं को सत्यापित करने के लिए डेंटल काउंसिल निरीक्षक; भारत के विभिन्न डेंटल कॉलेजों को मान्यता देने से संबंधित डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति में भी रही हैं; एसजीपीजीआई लखनऊ में चयन समिति में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

आचार्य औंकिला भूटिया को अध्यक्ष एचआईसीसी (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) सीडीईआर के रूप में नियुक्त किया गया है; माननीय सुप्रीम कोर्ट केस ट्रायल, 2018 के लिए समिति (डेंटल एक्सपर्ट) में सदस्य के रूप में नामित किया गया था; भारत के विभिन्न डेंटल कॉलेजों को मान्यता देने से संबंधित डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति में रहा है; 25 अक्टूबर 2018 को पटना एम्स में एमडीएस कोर्स (ओरल और मैक्सिलोफेशियल) शुरू करने के लिए निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था; 26 नवंबर 2018 को एम्स ऑर्थोनगैथिक सर्जरी कार्यशाला में आयोजन समितियों और पाठ्यक्रम संकाय के सदस्य।

डॉ. अजय लोगानी इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रॉमेटोलॉजी (2017-2020) के अध्यक्ष थे।

डॉ. विजय प्रकाश माथुर ने इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च की प्रगति में उत्कृष्ट योगदान और डेंटल रिसर्च के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए संस्थापक अध्यक्ष एम रहमतुल्ला पुरस्कार प्राप्त किया; 7 दिसंबर 2018 को गाजियाबाद में डेंटल स्टडीज एंड रिसर्च के लिए आईटीएस सेंटर में वर्ष 2018-2019 के लिए प्रोफेसर हरि प्रकाश ओरेशन लेक्चर; उपाध्यक्ष- इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर-इंडिया डिवीजन) (2017-2019); उपाध्यक्ष, इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी (2018-2020); माननीय कोषाध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री (2019-2020); वैज्ञानिक संपादक, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स (खंड VI) (2019-2020); मुख्य संपादक, जर्नल ऑफ साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री (2018-2021)।

डॉ. दलिम कुमार बैद्य: विवरण के लिए कृपया 9.1 एनेस्थिसियोलॉजी देखें।

डॉ. देवलीना गोस्वामी: विवरण के लिए कृपया 9.1 एनेस्थिसियोलॉजी देखें।

डॉ. प्रभात कुमार चौधरी को आईएडीआर बोर्ड ऑपरेशन कमेटी, डेंटल रिसर्च, यूएसए के लिए अंतर्राष्ट्रीय और अमेरिकी एसोसिएशन द्वारा आईएडीआर सदस्यता और भर्ती समिति के सदस्य के रूप में तीन साल के कार्यकाल (2018-2021) के लिए नियुक्त किया गया था; जर्नल पियरे फ़्यूचर्ड अकादमी-इंडिया सेक्शन के सहायक संपादक के रूप में कार्य करते हुए एल्सेवियर इंडिया द्वारा प्रकाशित की; फैलो-वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ऑर्थोडॉन्टिस्ट्स के सदस्य (सदस्यता आईडी: 14016802); पियरे फ़्यूचर्ड अकादमी-इंडिया सेक्शन

(2018) के फैलो; इंटरनेशनल फेलो, इटैलियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी (एसआईडीओ) (2019); अमेरिकन क्लेफ्ट पैलेट और क्रैनियोफेशियल एसोसिएशन के अंतरराष्ट्रीय सदस्य (आईडी-94260)।

डॉ. नितेश तिवारी को 15-18 अक्टूबर 2018 सैन डिएगो, यूएसए के वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ मूल अनुसंधान पुरस्कार (तृतीय स्थान) से सम्मानित किया गया; फेलोशिप ऑफ एकेडमी ऑफ डेंटिस्ट्री इंटरनेशनल, यूएसए से सम्मानित किया; 12 दिसंबर 2018 को कैंडी, श्रीलंका में चौथे अंतर्राष्ट्रीय क्रैनियोफेशियल और डेंटल समिट में क्रैनियोफेशियल और डेंटल रिसर्च फाउंडेशन, इंडिया द्वारा उत्कृष्ट बाल रोग विशेषज्ञ पुरस्कार 2018; वर्ष 2019 के लिए जापान डेंटल एसोसिएशन की फैलोशिप; दिसंबर 2018 में क्रैनियोफेशियल और डेंटल रिसर्च फाउंडेशन की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुने गए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी की सूचना और न्यूज़लेटर समिति के लिए स्थायी समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त; दिसंबर 2018 में जर्नल ऑफ ओरल बायोलॉजी एंड क्रैनियोफैसिअल रिसर्च में सहायक संपादक, रेस्टोरेटिव एंड पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री सेक्शन के रूप में नियुक्त; इंडियन सोसायटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री के स्माइल टाइम्स-पेडो के आधिकारिक समाचार पत्र के संपादक के रूप में नियुक्त।

डॉ. शालिनी गुप्ता डिब्रूगढ़, असम में "स्क्रीनिंग एंड अर्ली डिटेक्शन ऑफ सर्वाइकल, ब्रेस्ट एंड ओरल कैंसर" शीर्षक से आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन की परियोजना सलाहकार समिति (पीएसी) की सदस्य थीः आईसीएमआर नई दिल्ली द्वारा टाटा टी गार्डन में प्रदर्शन परियोजना; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) गैर-संचारी रोग मंत्रालय द्वारा "ओरल कैंसर स्क्रीनिंग एपीपी डेवलपमेंट" तकनीकी विशेषज्ञ; तकनीकी सलाहकार समूह (एनसीडी टीएजी); स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) के लिए सीडीईआर द्वारा "ई दंत सेवा ऐप डेवलपमेंट" तकनीकी विशेषज्ञ; एनआईसीपीआर द्वारा आयोजित "ओरल कैंसर स्क्रीनिंग ऑनलाइन ट्रेनिंग मॉड्यूल ईसीएचओ" तकनीकी विशेषज्ञ; डब्ल्यूएचओ द्वारा मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए एमओओसीएस के विकास के लिए तकनीकी विशेषज्ञ।

डॉ. कुनाल ढींगरा को अमेरिकन/इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च (यूएसए) की प्रतिष्ठित संविधान समिति की सदस्यता से सम्मानित किया गया; फेलोशिप ऑफ प्रेस्टीजियस पियरे फ़्यूचर्ड एकेडमी-इंडिया सेक्शन से सम्मानित किया, अमेरिकन/इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च (यूएसए) के शिक्षा अनुसंधान और साक्ष्य आधारित दंत चिकित्सा समूहों की सदस्यता से सम्मानित किया गया।

डॉ. विकेंदर सिंह को अप्रैल 2018 में डेंटल सर्जन एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गुरुग्राम ब्रांच के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. हर्ष प्रिया को दिव्या ज्योति डेंटल कॉलेज, मोदीनगर 23वें वार्षिक सम्मेलन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री में 30 नवंबर - 2 दिसंबर 2018 को "नर्सिंग पेशेवरों के लिए मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन पर एक वेब आधारित लर्निंग मॉड्यूल की प्रभावशीलता" नामक अध्ययन पर सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पत्र से सम्मानित किया गया; दूसरा पुरस्कार दिव्य ज्योति डेंटल कॉलेज, मोदीनगर में 30 नवंबर -2

दिसंबर 2018 को 23वें वार्षिक सम्मेलन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री में सर्वश्रेष्ठ नवाचार का पुरस्कार मिला नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की सम्मानित सदस्यता; सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली और एनआईसीपीआर, एनडीडीटीसी, आईआरसीएच और डब्ल्यूएचओ कंट्री ऑफिस में 3 से 5 दिसंबर 2018 तक संभावित रूप से मैलिग्नेंट डिसऑर्डर और ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए श्रीलंका दंत चिकित्सकों के साथ पांच दिवसीय ऑब्जर्वर शिप प्रोग्राम के लिए संगठित और समन्वित; चंडीगढ़ (15 फरवरी 2019) में उत्तर क्षेत्र तथा शिलांग (31 जनवरी 2019) में पूर्वी क्षेत्र, अहमदाबाद (10 दिसंबर 2018) में पश्चिम क्षेत्र, चेन्नई (23 अक्टूबर 2018) में दक्षिण क्षेत्र के राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारियों की क्षेत्रीय समीक्षा बैठकें; ई-दंत सेवा के लिए तकनीकी जानकारी सभी बैठकों में प्रस्तुत की गई थी; राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य नीति 2018 के प्रारूपण के लिए समिति के सदस्य; प्रोफेसर जोहूरी विदा के साथ समन्वित, एनपीपीसीएफ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से फ्लोराइड रिसर्च पर सहयोग के लिए टीसाइड विश्वविद्यालय से सार्वजनिक स्वास्थ्य और पोषण में प्रोफेसर, एनाटॉमी विभाग, एम्स और डॉ. एके सुशीला, निदेशक, फ्लोरोसिस रिसर्च एंड रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली; ओरल हेल्थ वेबसाइट और ईदंत सेवा नाम के मोबाइल एप्लिकेशन को विकसित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ।

डॉ. दीपिका मिश्रा ओरल पैथोलॉजी एंड मेडिसिन और ट्यूमर बायोलॉजी जर्नल में समीक्षक थीं; राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम और अनुसंधान संस्थान, नोएडा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, दिल्ली में कई बार 2018-2019 में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रमों में एक संसाधन विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; 17 नवंबर 2018 को अमृतसर में इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी के 27वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर की प्रस्तुतियां एवं सत्र की अध्यक्षता; मैं एनाईसीपीआर, नोएडा में सीडीईआर, एम्स के सहयोग से ओरल कैंसर स्क्रीनिंग पर प्रायोगिक कार्यशाला में संसाधन विशेषज्ञ भी थी मेडिकल परीक्षा के लिए एम्स के मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त (आयु अनुमान) कई बार फोरेंसिक ओडोन्टोलॉजी में विशेषज्ञ।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. स्टीफन चू, एसोसिएट क्लिनिकल प्रोफेसर, ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग, कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री, डलास, टेक्सास, यूएसए, इंटरएक्टिव व्याख्यान, 7 अगस्त 2018, सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली
2. डॉ. वरुण कालरा, क्लिनिकल एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ डेंटल मेडिसिन, पिटिबुर्ग, यूएसए
3. डॉ. अलेक्जेंडर रेंडायन, क्लिनिकल एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ रिस्टोरेटिव साइंसेज एंड बायोमटैरियल्स, बोस्टन विश्वविद्यालय, यूएसए
4. डॉ. राजीव अग्रवाल, एमडी, डीएम (नेफ्रोलॉजी) बाल रोग सलाहकार, एजावे पीडियाट्रिक्स, एरिजोना, यूएसए
5. डॉ. यासुताका यावाका, डीडीएस, पीएचडी प्रोफेसर और प्रमुख, बच्चों और विकलांग व्यक्तियों के लिए दंत चिकित्सा, ओरल फंक्शनल साइंस विभाग, होक्काइडो यूनिवर्सिटी, फैकल्टी ऑफ डेंटल मेडिसिन, सप्पोरो / होक्काइडो, जापान

6. डॉ. ऐव्स अलानी कंसल्टेंट और प्रोग्राम डायरेक्टर, रिस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, किंग्स कॉलेज हॉस्पिटल (एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट), लंदन, यूके
7. डॉ. उज्जल कुमार भवाल, सहायक प्रोफेसर, जैव रसायन और आणविक जीवविज्ञान विभाग, निहोन विश्वविद्यालय डेंटल स्कूल, मात्सुडो, जापान।
8. डॉ. अनूप सौंढी, अतिथि व्याख्यान, 8 अक्टूबर 2018, सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली

10-3 Mk- ch-vkj- vEcsMdj laLFkku jksVjh dSalj vLirky

आचार्य एवं अध्यक्ष

जी.के. रथ
(विकिरण अर्बुद विज्ञान)

आचार्य

सुभाष चंदर (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	ललित कुमार (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	सिद्धार्थ सतपथी (अस्पताल प्रशासन)	एस.वी.एस. देव (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी)
संजय थुलकर (रेडियोडायग्नोसिस)	सुषमा भटनागर (एनेस्थिसियोलॉजी)	अतुल शर्मा (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	समीर बख्शी (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)
सीमा मिश्रा (एनेस्थिसियोलॉजी)	डी.एन. शर्मा (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	सुमन भास्कर (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	प्रतीक कुमार (चिकित्सा भौतिकी)
सुष्मिता पथी (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	रितु गुप्ता (प्रयोगशाला ऑन्कोलॉजी)		

सह-आचार्य

हरेश के.पी. (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	सुभाष गुप्ता (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	अनीता चोपड़ा (प्रयोगशाला ऑन्कोलॉजी)	प्रणय तंवर (प्रयोगशाला ऑन्कोलॉजी)
संजीव कुमार गुप्ता (प्रयोगशाला ऑन्कोलॉजी)	राकेश गर्ग (एनेस्थिसियोलॉजी)	निष्कर्ष गुप्ता (एनेस्थिसियोलॉजी)	विनोद कुमार (एनेस्थिसियोलॉजी)
सच्चिदानंद जी भारती (एनेस्थिसियोलॉजी)	चंद्रशेखर एस.एच. (रेडियोडायग्नोसिस)	सुनील कुमार (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी)	मेजर एम.डी. रे (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी)

सहायक आचार्य

अमर रंजन सिंह (प्रयोगशाला ऑन्कोलॉजी)	अजय कुमार गोगिया (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	रंजीत कुमार साहू (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	प्रभात सिंह मलिक (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)
समीर रस्तोगी (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	राजा प्रमाणिक (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	अतुल बत्रा (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	अहिताग्नी बिस्वास (विकिरण ऑन्कोलॉजी)
रितेश कुमार (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	रंभा पांडेय (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	मयंक सिंह (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	मुकेश कुमार यादव (रेडियोडायग्नोसिस)
एकता धमीजा (रेडियोडायग्नोसिस)	थौदाम देबराज सिंह (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	चंद्र प्रकाश प्रसाद (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	सचिन खुराना (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)

प्रशासनिक अधिकारी	**लेखा अधिकारी**	**भंडार अधिकारी**
सतीश कुमार सिंह	पदम सिंह	अरविंद कुमार शर्मा

कुल कर्मचारी

संकाय सदस्य	44	रेजीडेंट डॉक्टर	107
ग्रुप 'ए' अधिकारी	36	ग्रुप 'बी' अधिकारी	438
ग्रुप 'सी' अधिकारी	130	पार्ट टाइम सोशल गाइड	06
आउटसोर्स हाउस कीपिंग स्टाफ	156	आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारी	77
आउटसोर्स डाटा ऐंट्री ऑपरेटर	36	आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारी	77

विशिष्टताएं

ओन्को-एनेस्थीसिया और पैलीएटिव मेडिसिन

एनेस्थिसियोलॉजी की इकाई को जून 2015 में ओन्को-एनेस्थीसिया और पैलीएटिव मेडिसिन (उपशामक चिकित्सा) विभाग में अपग्रेड किया गया था। विभाग में छह कुशल प्रशिक्षित संकाय (डॉ. सुषमा भटनागर, डॉ. सीमा मिश्रा, डॉ. राकेश गर्ग, डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. सचिदानंद जी भारती) हैं और एनेस्थिसियोलॉजी, गहन देखभाल, दर्द और उपशामक चिकित्सा के लिए सेवाएं प्रदान करते हैं। वे सभी

पेशेवर रूप से योग्य एनेस्थैसियोलॉजिस्ट और सघन देखभाल (क्रिटिकल केयर) चिकित्सक हैं और दर्द और अन्य लक्षण उपचार के लिए संदर्भित उन्नत कैंसर रोगियों में उपशामक देखभाल कर्मियों के रूप में अनुभव प्राप्त किया है।

विभाग का मिशन कैंसर रोगियों के लिए अत्याधुनिक और व्यापक उद्देश्यों के साथ रोग निवारक (क्यूरेटिव) और रोग उपशामक (पैलीएटिव) दोनों तरह की देखभाल प्रदान करना है। इसमें विभिन्न नैदानिक हस्तक्षेप, शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं, दर्द और उपशामक प्रक्रियाओं के लिए सेवाएं शामिल हैं। विभाग तीव्र और जीर्ण दर्द उपचार के लिए चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है। विभाग में गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए 6 बिस्तर वाली गहन देखभाल इकाई है और साथ ही ऑन्कोलॉजी रोगियों की उपशामक देखभाल के लिए 6-बिस्तर का पैलीएटिव (उपशामक) देखभाल वार्ड भी है। विभाग में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ रोगी के प्रस्तावित लाभों के लिए कैंसर दर्द, उपशामक देखभाल और पेरीऑपरेटिव मेडिसिन के क्षेत्र में विभिन्न शोध गतिविधियों का भी लक्ष्य है। विभाग ने प्रोटोकॉल विकसित किया है और बेहतर रोगी उपचार के लिए एस.ओ.पी. संरचित किया है। विभाग नियमित आधार पर सी.एम.ई., सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। विभाग राष्ट्रीय कैंसर संस्थान-एम्स में अपनी सेवाएं प्रदान करता है और इसके लिए विभिन्न प्रोटोकॉल तैयार करता है।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक आबादी आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो 172 से अधिक सरकारी या निजी अस्पतालों/केंद्रों और 250 नर्सिंग होम और एम.सी.डी. और एन.डी.एम.सी. के महत्वपूर्ण सांख्यिकी विभाग से दिल्ली शहर के निवासियों के बीच से कैंसर रोगी के डेटा एकत्र करती है और विभिन्न कैंसर की घटनाओं की रिपोर्ट करती है। जब 1988 में रजिस्ट्री की स्थापना हुई तो उसने 5854 नए कैंसर के मामलों का पंजीकरण किया था और पिछले कुछ वर्षों में कैंसर की नई घटनाएं बढ़ रही हैं और फलस्वरूप 2014 में पंजीकृत घटनाएं के 20,446 मामले दर्ज हुए। दिल्ली में पुरुषों के बीच कैंसर के सामान्य क्षेत्र फेफड़े, मुंह, प्रोस्टेट, जीभ और लारनेक्स हैं और महिलाओं में कैंसर होने के सामान्य अंग स्तन, गर्भाशय, अंडाशय, पित्त की थैली और गर्भाशयग्रीवा हैं। शोधकर्ताओं, सरकारी संगठन आदि द्वारा रजिस्ट्री द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान इकाई, डॉ.भी.रा.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली ने 29-30 अक्टूबर, 2018 को ग्यारहवीं टीसीएस (द साइटोमेट्री सोसाइटी-इंडिया) वार्षिक सम्मेलन और कार्यशाला का आयोजन किया। इसके अलावा, एमआरडी विश्लेषण, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी, मल्टी-पैरामीट्रिक फ्लो साइटोमेट्री और सेल सॉर्टिंग में 31 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2018 तक 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग 'आंतरिक रोगी' और 'बाह्य रोगी' दोनों में एक उच्च-स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम और अच्छी नैदानिक सेवाओं को बनाए रखने में सक्षम है। डीएम (25 छात्र) और पीएचडी (7

छात्र) कार्यक्रम के अलावा, विभाग ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों और अन्य राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों को आकर्षित करता है। हम अनुसंधान अनुदान प्रस्तावों को लिखने के लिए हाल ही में शामिल संकाय सदस्यों को प्रेरित करने में सक्षम हैं; वर्तमान वर्ष में एक करोड़ रुपए मूल्य के इस तरह के दो अनुदान आई.सी.एम.आर. एवं डीएसटी से प्राप्त किए गए हैं। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में सहकर्मियों की अकादमिक उपस्थिति के अलावा, विभाग ने विभिन्न सरकारी एजेंसियों की परियोजनाओं की बैठकों में विशेषज्ञों की राय प्रदान करने में योगदान दिया है, जो संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ पैनल के सदस्य के रूप में और विभिन्न विश्वविद्यालयों में पीएचडी और डीएम के लिए परीक्षक के रूप में कार्य करते हैं। विभाग ने नई सेवाएं भी शुरू की हैं - चिरकालिक माइलॉयड ल्यूकेमिया के रोगियों में मॉलीक्यूलर सुधार को परिभाषित करने के लिए बीसीआर-एबीएल आकलन के लिए सीरम एलडीएच आकलन, मात्रात्मक आरटी-पीसीआर। हम मरीजों की कुशल देखभाल के लिए लैब सेवाओं के विस्तार के लिए भी प्रयास कर रहे हैं। विभाग ने 19-20 नवंबर, 2018 से 'फेफड़े के कैंसर' पर दूसरी राष्ट्रीय बैठक (सीएमई) भी आयोजित की। यह सब कड़ी मेहनत और विभाग के सभी सदस्यों द्वारा किए गए ईमानदार प्रयासों से संभव हुआ। नैदानिक अनुसंधान कर्मचारियों और प्रयोगशाला के लिए स्थान की कमी लगातार बनी हुई है।

हमारे विभाग में उपचारित रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

क्र.सं.	मद	2017-2018	2018-2019	% वृद्धि
1.	आंतरिक रोगियों की संख्या	9,194	11,965	**30.1**
2.	दिवस उपचार सुविधा में उपचारित रोगी	29,801	34,440	**15.6**
3.	चिकित्सा प्रक्रियाएं	5,972	6,830	**14.4**
4.	बाह्य रोगी कीमोथेरेपी	14,574	15,943	**9.4**
5.	बाह्य रोगी आई वी एंटीबायोटिक्स	25,303	32,541	**28.6**
6.	हेमटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण	105	115	**9.5**

अफेरेसिस प्रयोगशाला (2018-2019)

(क) पीबीएससी उपजः 231

(ख) एसडीपी अफेरेसिसः 2,600

(ग) ग्रेनुलोसाइट अफेरेसिसः 62

(घ) हीमोग्राम परीक्षणः 24,002

चिकित्सा भौतिक विज्ञान

चिकित्सा भौतिक विज्ञान इकाई डॉ.भी.रा.सं.रो.कैं.अ., एम्स के विभिन्न विभागों में रेडियोडायग्नोसिस, कार्डियक-रेडियोलॉजी और न्यूरो-रेडियोलॉजी सहित विभिन्न विभागों में इस्तेमाल होने वाले नैदानिक और चिकित्सीय एक्स-रे मशीनों से निकलने वाले विकिरण के पंजीकरण का कार्य करती है। इसके अलावा, हम

विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण, एक्स-रे इमेजिंग उपकरणों की गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण, एक्सेसरीज़ (सहायक सामग्री) और एवं गैजेट कर्मियों को चिकित्सा में विकिरण के सुरक्षित उपयोग में प्रशिक्षित करते है। हम कर्मचारियों और जनता को विकिरण से सुरक्षा के बारे में परामर्श प्रदान करके प्रयोगशाला जांच, अनुसंधान और रोगी देखभाल के लिए रेडियोधर्मिता का उपयोग करने वाले विभागों को भी सेवाएं देते हैं। हम एक्स-रे जांच के दौरान गर्भावस्था के अनजाने जोखिम के मामले में परामर्श देते हैं। वर्ष 2018-2019 के दौरान हमने रक्त परिसंचरण के लिए रक्त बैग के 4,017 माप, परीक्षण, प्रयोग और विकिरण जीवाणुनाशन किये।

रेडियोडायग्नोसिस

विभाग ने राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर के रेडियोलॉजी विभाग के कामकाज के लिए प्रोटोकॉल तैयार करने में अत्यधिक दिलचस्पी ली। एनसीआई झज्जर में अल्ट्रासोनोग्राफी, फ्लोरोस्कॉपी मशीनों के साथ-साथ सीटी तथा एमआरआई मशीनों की स्थापना के लिए निरीक्षण के लिए झज्जर में विभिन्न बैठकें हुईं तथा उस स्थान पर जाकर निरीक्षण किया गया। विभाग ने शनिवार और बुधवार (सुबह और दोपहर) क्रमशः आमाशय के कैंसर, फेफड़ों के कैंसर और सार्कोमा को संबोधित करने वाले नए बहुआयामी चर्चा/ट्यूमर बोर्ड आयोजित किए। इसके अलावा, इस वर्ष के दौरान अन्य विभागों के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्यशालाओं के आयोजन में सक्रिय भागीदारी हुई थी।

शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

सभी संकाय सदस्यों ने एम.सी.एच. शिक्षण/प्रशिक्षण एवं थीसिस कार्य के साथ 16 एम.सी.एच. छात्र एवं 11 गैर अकादमिक वरिष्ठ रेजीडेंट सहित 27 वरिष्ठ रेजीडेंट के स्नातकपूर्व/स्नातकोत्तर शिक्षण एवं संरचित प्रशिक्षण में भाग लिया। संकाय विभिन्न विभाग जिसमें रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी जराचिकित्सा दवा आदि शामिल हैं, के थीसिस कार्य में सह-मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करता है। विभाग ने यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल नॉर्थ मिडलैंड (यूके) और एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया (एबीएसआईसीओएन 2018) के वार्षिक सम्मेलन के सहयोग से ब्रेस्ट ऑन्कोप्लास्टी पर कैडेवर कार्यशाला का आयोजन किया। संकाय ने व्याख्यान, पैनल चर्चा और शैक्षिक वीडियो देकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 20 पेपर प्रस्तुत किए हैं और 13 वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं, 15 विभागीय परियोजनाओं और 11 सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हैं। कुल 25 मूल लेख प्रकाशित हुए थे। विभाग स्तन कैंसर, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर, सिर और गर्दन के कैंसर, स्त्रीरोग संबंधी कैंसर, हड्डी और नरम ऊतक ट्यूमर, वक्ष कैंसर, हेपेटोबिलरी-अग्नाशय के कैंसर और जननांग कैंसर के लिए विशेष कैंसर क्लीनिक चलाता है। वर्ष के दौरान कुल 1592 जटिल विशेष ऑपरेशन, 10477 साधारण ऑपरेशन और विभिन्न नैदानिक और चिकित्सकीय एंडोस्कोपी प्रक्रियाएं की गईं। संकाय ने ओस्टोमेट्स को सलाह देकर, अखिल भारतीय रेडियो, टेलीविजन में वार्ता और कैंसर जागरूकता शिविरों में भाग लेकर सामुदायिक सेवाओं में भाग लिया। संकाय सदस्यों को संपादकीय बोर्ड, समीक्षक और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निकाय

के सदस्यों के रूप में शामिल किया गया था। संकाय सदस्यों ने विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों और संस्थानों के एम.सी.एच. सर्जिकल ओन्कोलॉजी और एम.एस. सर्जरी परीक्षाओं के लिए परीक्षक के रूप में कार्य किया।

शिक्षा

ओन्को-एनेस्थेसिया और प्रशामक चिकित्सा

विभाग सफलतापूर्वक दो शैक्षणिक पाठ्यक्रम चला रहा है: डीएम और एमडी। पहला बैच जनवरी 2016 में भर्ती किया गया था। विभाग जून और नवंबर, के महीने में सालाना दो बार पैलीएटिव देखभाल में सर्टिफिकेट कोर्स और मार्च माह में एक वर्ष में एक बार पैलीएटिव देखभाल पर फाउंडेशन कोर्स आयोजित करता है। विभाग ने डॉ.भी.रा.सं.रो.कैं.अ., एम्स में 'पैन पॉलिसी' शुरू की है। पॉलिसी का उद्देश्य सभी पंजीकृत रोगियों की पीड़ा के इलाज के लिए उसकी प्रतिबद्धता है। विभाग वर्ष में दो बार भारतीय एसोसिएशन ऑफ पैलीएटिव केयर के सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन करने के लिए नोडल केंद्र है।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान पैथोलॉजी, पेडियाट्रिक्स, लैब मेडिसिन, हेमाटोलॉजी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी से कनिष्ठ एवं वरिष्ठ रेजीडेंट को मॉर्फोलॉजी, मायलोमा और फ़्लो साइटॉमेट्री प्रशिक्षण प्रदान करती है। पूरे भारत में विभिन्न महाविद्यालयों के मध्य और युवा स्तर के संकाय और अकादमिक छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

विभाग डीएम छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल है। विभाग अन्य विशिष्टताओं के साथ-साथ अन्य स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने में भाग लेता है। 2 पीएचडी छात्र (मोहसिन मकबूल और अनुदिशी त्यागी) को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी इकाई ने रेडियोग्राफी और नर्सिंग में एमडी रेडियोलॉजी, एमडी रेडियोथेरेपी, एमबीबीएस, और बीएससी (ऑनर्स) के छात्रों को चिकित्सा इमेजिंग भौतिकी विकिरण संरक्षण, विकिरण डोसीमेट्री और चिकित्सा इमेजिंग में गुणवत्ता आश्वासन में प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान किया। वर्तमान में विभाग 3 पीएचडी छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

रेडियोडायग्नोसिस

संकाय ने स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर स्पेशियलिटी शिक्षण, रेडियो-कॉन्फ्रेंस, ट्यूमर बोर्ड मीटिंग, निदानीय संयुक्त राउंड्स, निदानीय ग्रैंड राउंड में भाग लिया। संकाय ने आई.आर.सी.एच. और संस्थान में आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों और सी.एम.ई. में भी भाग लिया था।

शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

संकाय शैक्षिक व्याख्यान और अर्बुद विज्ञान विषयों पर संगोष्ठी में भाग लेने/मॉडरेट करके स्नातक शिक्षण में शामिल थे। संकाय 16 एम.सी.एच. शल्य कैंसर विज्ञान के छात्रों और 11 शल्य कैंसर विज्ञान वरिष्ठ रेजीडेंटों, डी.एम. चिकित्सा अर्बुद विज्ञान रेजीडेंटो एवं एम.डी., रेडियोथेरेपी, कनिष्ठ रेजीडेंट को शैक्षिक व्याख्यान देकर, संगोष्ठियों को मॉडरेट करके, जर्नल क्लब इत्यादि द्वारा तथा वार्ड के दौरों के दौरान और आई.आर.सी.एच. के विशेष कैंसर क्लीनिक में नैदानिक शिक्षण देकर, उनके शिक्षण और प्रशिक्षण में लगा हुआ है। संकाय ने एम.सी.एच. शल्य कैंसर विज्ञान के छात्रों की थीसिस में मुख्य गाइड और सह-गाइड के रूप में कार्य किया। उन्होंने डी.एम. शल्य कैंसर विज्ञान थीसिस, एम.डी. रेडियो डायग्नोसिस, एम.डी. रेडिएशन कैंसर विज्ञान थीसिस और बी.आर.ए. आई.आर.सी.एच. और एम्स के विभिन्न विभाग के पी.एच.डी. छात्रों में सह-गाइड और सह-पर्यवेक्षकों के रूप में भी कार्य किया। संकाय आरसीसी, तिरुवनंतपुरम के एम.सी.एच. छात्रों व दंत सर्जरी रेजीडेंटो जो एक महीने के चक्रानुक्रम और प्रसूति और स्त्री रोग विभाग से एम.सी.एच. स्त्रीरोग अर्बुद विज्ञान प्रशिक्षु के चक्रानुक्रम पर तैनात हैं, के शिक्षण और प्रशिक्षण में भी शामिल थे। संकाय एम.एससी. नर्सिंग ऑन्कोलॉजी के छात्रों के शिक्षण में शामिल था। एम्स, पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ. जगजीत पांडे ने अतिथि संकाय के रूप में एम्स, नई दिल्ली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग का दौरा किया। श्रीलंका के सात मैक्सिलोफेशियल सर्जन ने एम्स के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में प्रेक्षकता कार्यक्रम करवाया।

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

ओन्को-एनेस्थेसिया और प्रशामक चिकित्सा

1. प्रशामक देखभाल पर सोलहवां फाउंडेशन कोर्स, मार्च और नवंबर, 2018 एम्स, नई दिल्ली
2. प्रशामक देखभाल में आईएपीसी सर्टिफिकेट कोर्स, जून और नवंबर, 2018 डॉ. बीआरए आईआरएचसी, एम्स
3. भारत में कैंसर उपचार केंद्रों के लिए प्रशामक देखभाल प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16-20 जनवरी 2018, 12-16 जनवरी 2019, दिल्ली
4. वर्ल्ड हास्पस डे, 8 अक्टूबर 2018, डॉ. बीआरए आईआरएचसी, एम्स
5. साक्ष्य आधारित दर्द उपचार, एम्स में आईएएसपी एडवांस्ड सर्टिफिकेट कार्यक्रम पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
6. आईएएसपी अल्ट्रासाउंड कार्यशाला 2018, अल्ट्रासाउंड गाइडेड इंटरवेंशन-डायग्नोस्टिक एवं थैरेप्यूटिक्स, वर्ल्ड कांग्रेस ऑन पेन-2018, 15 सितंबर 2018, माइक्रोसॉफ्ट बोस्टन, यूएसए

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

1. कैंसर पंजीकरण प्रणाली पर कार्यशाला, 2 मई 2016, नई दिल्ली

विकिरण अर्बुद विज्ञान

1. एम्स में 12 और 13 मई 2018 को "लंग कैंसर अपडेटः एन एम्स-एनसीआई इनिशिएटिव" पर राष्ट्रीय सम्मेलन
2. गोवा में 11-13 अक्टूबर 2018 को मानव स्वास्थ्य और कृषि अनुसंधान में हालिया विकास - ट्रांसलेशनल रिसर्च पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री- कैंसर पंजीकरण पर एनसीडीआईआर कार्यशाला, 2 मई 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. एबीएसआईसीओएन 2018 - एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन आफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन, 9-11 नवंबर, 2018, एम्स, नई दिल्ली
3. एम्स-यूके ब्रेस्ट ऑन्कोप्लास्टी कार्यशाला और कैडेवर कोर्स, 12 नवंबर, 2018, एम्स, नई दिल्ली

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

1. एम्स, नई दिल्ली में 29 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2018 तक ग्यारहवां टीसीएस वार्षिक सम्मेलन और फ़्लो साइटॉमेट्री कार्यशाला-2018

प्रदत्त व्याख्यान

अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

सुषमा भटनागर: 22 **सीमा मिश्रा: 11** **राकेश गर्ग: 7**

निष्कर्ष गुप्ता: 12 **विनोद कुमार: 5** **सचिदानंद जी भारती: 10**

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

एन मनोहरन: 2

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

रितु गुप्ता: 7 **संजीव कुमार गुप्ता: 7** **अनीता चोपड़ा: 4**

प्रणय तंवर: 5 **गुरविंदर कौर: 2** **दीपशी ठकराल: 2**

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

ललित कुमार: 3 **अतुल शर्मा: 19** **समीर बख्शी: 32**

रंजीत कुमार साहू: 20 **समीर रस्तोगी: 3** **प्रभात सिंह मलिक: 5**

राजा प्रमाणिक: 13 **सचिन खुराना: 7** **चंद्र प्रकाश प्रसाद: 4**

थौदाम देबराज सिंह: 4 **मयंक सिंह: 6**

चिकित्सा भौतिकी

प्रतीक कुमार: 3

विकिरण निदान

संजय थुलकर: 1 **मुकेश कुमार: 5** **एकता धमीजा: 4**

विकिरण अर्बुद विज्ञान

जीके रथ: 9 **सुभाष चंदर: 5** **डीएन शर्मा: 13**

सुष्मिता पथि: 8 **सुभाष गुप्ता: 10** **हरेश के.पी.: 9**

रंभा पांडेय: 8 **अहिताग्नी बिस्वास: 4** **रितेश कुमार: 5**

शल्य अर्बुद विज्ञान

एसवी सूर्यनारायण देव: 16 **सुनील कुमार: 8** **एमडी रे: 8**

संदीप कुमार भूरीवाल: 2

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा: 10 **दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री: 2**

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान: 20 **चिकित्सा अर्बुद विज्ञान: 39**

चिकित्सा भौतिकी: 6 **रेडियोडायग्नोसिस: 34**

विकिरण अर्बुद विज्ञान: 14 **शल्य अर्बुद विज्ञान: 19**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

1. भारतीय पैलिएटिव देखभाल रोगियों द्वारा सामना करने वाली आध्यात्मिक समस्याएं और चिंताएं, सुषमा भटनागर, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 1.32 लाख ।
2. भारत में कैंसर से संबंधित न्यूरोपैथिक दर्द के कारक और इसकी व्यापकता: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, सुषमा भटनागर, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, रुपये 10 लाख ।
3. न्यूरोपैथिक दर्द के रोगियों में गाबापेनटिन की तुलना में गाबा-एनटी (गाबापेनटिन और नॉर्ट्रिप्टाइलीन की निश्चित खुराक का संयोजन) की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल ब्लाइंड, डबल-डमी, यादृच्छिक, भावी, द्विभुज, समानांतर, बहुकारक, चरण 4 नैदानिक परीक्षण, सुषमा भटनागर, 2 वर्ष, रुपये 3 लाख ।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

1. स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और सिर एवं गर्दन के कैंसर पर हस्पताल आधारित कैंसर पंजीकरण और देखभाल का स्वरुप और उत्तरजीविता का अध्ययन, एस.वी.एस. देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बेंगलुरु, 6 वर्ष, 2014, 38 लाख रुपये प्रति वर्ष (लगभग)

2. बालपन में लिम्फोइड और हेमटोपोइएटिक विरूपताओं, अन्य स्त्रीरोग संबंधी विकृतियों पर देखभाल के तरीके और जीवन रक्षा अध्ययन, एस.वी.एस.देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बेंगलुरु, 5 वर्ष, 2017-2020, 1 लाख रुपये प्रति वर्ष (लगभग)।
3. स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा और सिर और गर्दन के कैंसर पर जनसंख्या आधारित जीवन रक्षा अध्ययन, एस.वी.एस. देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बेंगलुरु, 5 वर्ष, 2017, रुपये 6.8 लाख प्रति वर्ष, (लगभग)।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

1. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में रोग और उपचार के लिए ल्यूकेमिक स्टेम सेल (एसएससी) में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र (सीएआरई-एलएससीपीटी), रितु गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2019-2024, रुपये 490.82 लाख।
2. मल्टीपल मायलोमा पर कैंसर अनुसंधान की उत्कृष्ट इकाई, रितु गुप्ता, डी.बी.टी., 5 वर्ष, 2016-2021, रुपये 314 लाख।
3. लिम्फोमा और ल्यूकेमिया निदान के लिए ड्राई (सूखे) मल्टी-कलर पैनल्स का मूल्यांकन और फ्लो साइटोमीटर, रितु गुप्ता, बेकमैन कल्टर पर निगरानी, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 9.46 लाख
4. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में ईटीएस से संबंधित जीन विलोपन की व्यापकता और महत्व, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 5 लाख
5. प्रारंभिक अपरिपक्व टी-लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ऑल): प्रारंभिक थाइमिक अग्रदूत टी-ऑल इम्युनोफेनोटाइप का मूल्यांकन, टीसीआर γ कड़ियों (एबीडी) के बायालेलिक विलोपन की अनुपस्थिति और न्यूनतम अवशिष्ट रोग निर्धारण द्वारा मूल्यांकन के रूप में उपचार प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक के रूप में एम.ई.एफ 2सी की अभिव्यक्ति, अनीता चोपड़ा, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2015-2018, रुपये 20.16 लाख ।
6. बाल चिकित्सा प्रखर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में प्रेडनिसोलोन संवेदनशीलता के आणविक निर्धारक, अनीता चोपड़ा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 8 लाख।
7. साइटोजेनेटिक रूप से सामान्य प्रखर मायलोयॉइड ल्यूकेमिया का आणविक जीव विज्ञान, अनीता चोपड़ा, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2015-2018 , रुपये 55 लाख।
8. भारतीय जनसंख्या में स्तन कैंसर के अनुवांशिक, नैदानिक और महामारी संबंधी कारकों का आई.सी.एम.आर. टास्क फोर्स तुलनात्मक अध्ययन, प्रणय तंवर, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022, रुपये 122 लाख।
9. माइलॉयड ल्यूकेमिया के डे नेवो मामलों में रोग की प्रगति के पूर्वानुमानशील आणविक मार्कर के रूप में डब्ल्यूटी 1 जीन अभिव्यक्ति का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन प्रखर, प्रणय तंवर, डी.एस.टी., 1 वर्ष, 2017-2018, रुपये 52 लाख।

10. भारतीय मरीजों में आसीएमआर टास्क फोर्स (कार्य बल) जीनोमिक्स ऑफ गौलब्लैडर कार्सिनोमा, प्रणय तंवर, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022, रुपये 1.99 लाख
11. ह्यूमन पालिलोमा वायरस (एचपीवी): भारतीय जनसंख्या में मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के एटियलजि (हेतुविज्ञान) में प्रासंगिकता, प्रणय तंवर, डीएचआर, एमओएचएफडब्ल्यू, 4 वर्ष, 2017-2021, रुपये 45 लाख
12. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मैलिग्नेंसी के बाद के मामलों में सेप्सिस के एक मार्कर के रूप में थ्रोम्बोपोइटिन का मूल्यांकन, अमर रंजन, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपये 4 लाख।
13. चिकित्सा के निदान और निगरानी के लिए उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में एच.ई.4 के स्तर का मूल्यांकन, अमर रंजन, आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 25 लाख।
14. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के रोगियों में सर्जरी के बाद थ्रोम्बोपोइटिन के पूर्वानुमान मूल्यांकन, अमर रंजन, ऑन्कोलॉजी फोरम, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018, 1.5 लाख रुपये।
15. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में प्रेडनिसोलोन संवेदनशीलता के आणविक निर्धारक, अनीता चोपड़ा, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2016-2018, रुपये 8 लाख
16. भारतीय बाल चिकित्सा पीएच-जैसे तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में नोवल टाइरोसिन किनेस की पहचान, अनीता चोपड़ा, डीएचआर, नई दिल्ली, 3 साल, 2018- 2021, रुपये 30 लाख
17. सीएमएल विस्फोटों में टीसीआर $\alpha\beta$ अनुक्रम प्रदर्शनों की सूची का प्रभाव, गुरविंदर कौर, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रुपये 10 लाख
18. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया की शुरुआती पुनरावृत्ति निगरानी में ल्यूकेमिया-विशिष्ट आनुवंशिक परिवर्तनों की पहचान के लिए सेल मुक्त न्यूक्लिक एसिड के प्रसार की विशेषता, दीप्ति ठकराल, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2018-2020, रुपये 10 लाख

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. ड्यूक सी और हाई रिस्क ड्यूक बी कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एस्पिरिन - एक अंतर्राष्ट्रीय, बहु-केंद्र, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित चरण III परीक्षण, अतुल शर्मा, सिंगापुर क्लीनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर, 5 वर्ष, 2013-2018, 500 अमेरिकन डॉलर प्रति मरीज
2. रियल-वर्ल्ड सेटिंग (एएनसीईआरएस-1) में कैनस्क्रिप्ट[टीएम] क्लिनिकल परिणाम: नियमित नैदानिक अभ्यास में केनस्क्रिप्ट टीएम की नैदानिक उपयोगिता की जांच के लिए एक संभावित, बहुविकल्पीय, अवलोकन संबंधी अध्ययन, अतुल शर्मा, कैटलिस्ट (सीआरओ) 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 2 लाख
3. मेटास्टैटिक गैस्ट्रिक एडेनोकोसिनोमा रोगियों में डोसियाक्लिप (इंटेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, इंडिया के इंजेक्शन के लिए डॉकिटैक्सिल लिपिड सस्पेंशन) आधारित परहेज का एक एकल आर्म, मल्टीसेन्ट्रिक, ओपन लेबल, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, अतुल शर्मा, लैंबडा थैरेप्यूटिक्स रिसर्च लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018-2020 रुपये 4.79 लाख + रुपये 1.72 लाख प्रति रोगी।
4. बाल चिकित्सा और किशोर कैंसर में इनकार, गैर-अनुपालन, परित्याग और आउट पेशेंट संक्रमण उपचार में सुधार, समीर बख्शी, लेबरा फाउंडेशन, 5 वर्ष, 2015-2020, रुपये 93.33 लाख

5. बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में एक पोषण परामर्श कार्यक्रम स्थापित करना और एक पोषण डेटाबेस विकसित करना, समीर बख्शी, कुड्डल फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपये 13.37 लाख।
6. बाल चिकित्सा ए.एम.एल. में माइटोकॉन्ड्रियल कॉम्प्लेक्स एन्कोडिंग जीन की भूमिका, समीर बख्शी, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपये 10 लाख।
7. राष्ट्रीय बहुकेंद्र बाल रोग ल्यूकेमिया कार्यक्रम, समीर बख्शी, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 32 लाख।
8. प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया (ए.एम.एल.) की प्रगति और रोगनिरोध में माइटोकॉन्ड्रियल विषमता की भूमिका, समीर बख्शी, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 50.7 लाख।
9. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ऑल) नव निदान के लिए भारतीय बालपन सहयोगी ल्यूकेमिया समूह बहुकेंद्रीय राष्ट्रीय मानक अध्ययन, समीर बख्शी, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपये 35 लाख।
10. एस.ए.डी.ए.एल.: अपक्षय/रिफ्रैक्टरी डिफ्यूज लार्ज बी-सेल लिम्फोमा (डी.एल.बी.सी.एल.) वाले रोगियों में सेलिनेक्सर (केपीटी-330) का फेज 2बी ओपन लेबल अध्ययन, समीर बख्शी, एक्सेल लाइफ साइंसेज, 5 वर्ष, 2018-2023, रुपये 11 लाख।
11. चयनित रीलैप्सड एडवांस्ड ट्यूमर (एएसआईएडी) वाले मरीजों में वन्स डेली ओरल सीए-170 की दो खुराक का प्रभाव और सुरक्षा का मूल्यांकन, चरण 2, ओपन-लेबल परीक्षण, समीर बख्शी, वैद्य क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2018-2023, रुपये 3.8 लाख प्रति मरीज।
12. हेटेरो के मार्केटेड फॉर्म्युलेशन की सुरक्षा, इम्युनोजेनेसिटी और प्रभावकारिता का मूल्यांकन का चरण IV बहुस्तरीय पोस्ट--मार्केटिंग अध्ययन - रितुक्सिमाब, समीर बख्शी, हेट्रो फार्मा लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 12 लाख
13. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में एस्ट्रोजन रिसेप्टर, अजय गोगिया, एम्स, 1 वर्ष, 2019, रुपये 3.75 लाख
14. इलाज किए गए पित्ताशय की उन्नत कार्सिनोमा में जेमिसिटेबाइन-प्लेटिनम डबल्ट के साथ आरआरएम 1, आरआरएम 2, एचईएनटी 1 और ईआरसीसी 1 अभिव्यक्ति की भूमिका, रंजीत कुमार साहू, नाग फाउंडेशन, पुणे, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 5 लाख
15. भारत में चयनित उन्नत विकृतियों के लिए निवोलुमाब का सुरक्षा अध्ययन, प्रभात सिंह मलिक, ब्रिस्टल-मायर्स स्क्विब कंपनी (बीएमएस), 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 39.72 लाख
16. भारतीय वयस्क रोगियों में टीएजीआरआईएसएसओ टीएम (ओसिमरटिनिब) की सुरक्षा का आकलन करने के लिए मेटास्टैटिक एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) टी 790 एम (टी 790) के साथ म्यूटेशन पॉजिटिव नॉन सेल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) पर एक संभावित, बहुस्तरीय, चरण- IV नैदानिक परीक्षण, प्रभात सिंह मलिक, एस्ट्राज़ेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 1 वर्ष, 2019-2020, रुपये 5.06 लाख
17. लिक्वड बायोप्सी पर एम्स-आईआईटी दिल्ली का सहयोगात्मक अनुसंधान प्रस्तावः फेफड़े के कैंसर के

लिए एक्सोसोम आधारित निदान पर एक खोजपूर्ण अध्ययन, प्रभात सिंह मलिक, आईआईटी और एम्स, दिल्ली, 1 वर्ष, 2019-2020, रुपये 10 लाख (आईआईटीडी के लिए), रुपये 10 लाख (एम्स)

18. एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एनओटीसीएच-1, 2, 3, एचईएस -1 और पी 21 का एक्सप्रेशन, राजा प्रमानिक, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, रुपये 5 लाख
19. डिम्बग्रंथि के कैंसर के रोगियों में मल्टी जीन पैनल परीक्षण के साथ बीआरसीए और गैर-बीआरसीए म्यूटेशन का आकलनः एक क्रॉस-अनुभागीय अवलोकन अध्ययन, सचिन खुराना, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 10 लाख
20. स्तन कैंसर में फॉस्फोफ्रक्टोकिनेज-पी (पीएफकेपी) की भूमिका, चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 10 लाख
21. यह पता लगाना कि ट्रिपल नकारात्मक स्तन कैंसर (टीएनबीसी) रोग के निदान और उपचार के लिए β.कैटेनिन इंडयूस्ड मैटाबॉलिक परिवर्तनों को कैसे शोषित किया जा सकता है, चंद्र प्रकाश प्रसाद, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 46.65 लाख
22. थायराइड कैंसर में संभावित बायोमार्कर के रूप में एस्ट्रोजन-रिलेटेड रिसेप्टर गामा (ईआरआरγ) के योगदान का अध्ययन करना, थौदाम देवराज सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 9 लाख

चिकित्सा भौतिकी

1. मेडीकल रेडिएशन की कम और ज्यादा खुराक में रेडिएशन डॉसिमेट्रिक अनुप्रयोगों के लिए मांस-तंतु समकक्ष दृष्टिगत रूप से अभिप्रेरित ल्यूमिनसेंट सामग्री का विकास, प्रतीक कुमार, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 15.53 लाख
2. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डॉसिमिटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन, प्रतीक कुमार, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 16.69 लाख

रेडियोडायग्नोसिस

1. स्तन कैंसर के लिए धातु ट्यूमर मार्कर क्लिपः डिजाइन, विकास और नैदानिक प्रभाव, प्रो संजय थुलकर, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)-डीएसटी, 5 वर्ष, 2014-2019, रुपये 23.27 लाख
2. ऑरोफरीनक्स या ऐसोफागस के नवोप्लाज्म के कारण मध्यम और गंभीर डिस्फेगिया के रोगियों में आंत्रिक समर्थन के लिए नासोइंटरिक फीडिंग और पर्क्यूटेनियस रेडियोलॉजिक गैस्ट्रोस्टॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मुकेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018- 2020, रुपये 5 लाख
3. ब्रैस्ट कैंसर के रोगियों में नीयोएडजूवेन्ट कीमोथेरेपी की प्रारम्भिक प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए कॉन्ट्रास्ट परिष्कृत अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, एकता धमीजा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 8 लाख

विकिरण अर्बुद विज्ञान

1. हार्मोन रिसेप्टर पॉजिटिव के साथ पोस्टमेनोपॉज़ल महिलाओं के उपचार के रूप में लेट्रोज़ोल और पल्बोसिक्लिब, Her-2 दमन नकारात्मक उन्नत स्तन कैंसर, जिनके लिए लेट्रोज़ोल थेरेपी को उचित माना जाता है, का एक संयुक्त अध्ययन, हरेश के पी, पीफाइजर इंडिया, 3 वर्ष, 2017-2019, रुपये 10 लाख
2. सहायक पोस्ट-ऑपरेटिव थ्री डायमेंशनल कंफ़ॉर्मल रेडियोथेरेपी (3डी सीआरटी) वाले स्तन कैंसर के रोगियों में रेडिएशन इंड्यूस्ड लंग इंजरी (आरआईएलआई) का संभावित आकलन, रितेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 4 लाख

शल्य अर्बुद विज्ञान

1. एचबीसीआर और स्तन, सिर और गर्दन तथा सर्वाइकल कैंसर में देखभाल और सर्वाइवल अध्ययन के पैटर्न, एसवीएस देव, आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2014-2018, रुपये 35 लाख प्रति वर्ष
2. तंबाकू चबाने वाले और गैर-तंबाकू चबाने वाले स्वस्थ व्यक्तियों की तुलना में धूम्ररहित तंबाकू प्रेरित ओरल कैंसर के रोगियों की ओरल माइक्रो बायोम की विविधता- एक मेटागेनोमिक दृष्टिकोण, एसवीएस देव, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2015-2018, रुपये 50 लाख
3. बाल्यावस्था में, लिम्फोइड और हेमटोपोइएटिक विकृतियां, अन्य स्त्रीरोग संबंधी विकृतियां वाले कैंसर पर देखभाल और सर्वाइवल अध्ययन के पैटर्न, एसवीएस देव, आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2017-2021, रुपये 5 लाख
4. ट्रिपल नेगेटिव/Her-2 नीओ पॉजिटिव स्तन कैंसर के रोगियों में पीडीएलआई का निष्पीड़न और इम्यून सिस्टम के ट्यूमर रिसाव वाली कोशिकाओं का इम्युनो-फेनोटाइपिक प्रोफाइल और नीयोएडज्यूवेन्ट कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ उनका सहसंबंध, एसवीएस देव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 28.74 लाख
5. संभावित मेटास्टैटिक बायोमार्कर की पहचान के लिए टिशू टाइप और स्तन कैंसर कोशिका की तुलनात्मक स्फिंगोलिपिड प्रोफाइलिंग, एसवीएस देव, डीएसटी, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 47.15 लाख
6. पल्मनेरी मेटास्टेसटॉमी वाले रोगियों में इन्ट्रा ऑपरेटिव प्लेयूरल लेवेज फ्लूइड और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए का नैदानिक महत्वः एक पायलट अध्ययन, सुनील कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 10 लाख
7. भारत में पब्लिक सैट-अप के लिए पेरिटोनियल सरफेस मलिग्नेन्सी में हाइपरथेराटिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) के स्टेंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स (एसओपी) का विकास, एमडी रे, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 50 लाख
8. एपीथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में टी रेग्यूलेटरी सेल्स (एफओएक्सपी 3) के निष्पीड़न के साथ एचआईपीईसी उपचार का संबंध और इसका नैदानिक महत्व, एमडी रे, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2019, रुपये 8 लाख

9. एपीथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में टी-रेग्यूलेटरी सेल्स (टीरेग्स) का योगदान और उनका नैदानिक सहसंबंध, एमडी रे, एम्स, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 8-10 लाख

पूर्ण

अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

1. कैंसर रोगियों में ऑपिओइड के प्रति आणविक निर्धारण प्रतिक्रिया: भारतीय परिदृश्य, आई.सी.एम.आर., सुषमा भटनागर, 3 वर्ष, रुपये 28 लाख

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

1. सी.एल.एल. में कीमोथेरेपी की रोग प्रतिरोधक क्षमता और प्रतिरोध के लिए जिम्मेदार रोगजन्य प्रासंगिक एम.आई.आर.एन.ए. की व्याख्या रितु गुप्ता, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2015-2018, रुपये 1.05 लाख।
2. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया वाले भारतीय रोगियों में टायरोसिन किनेज अवरोधकों का प्रतिरोध - एक यंत्रवत दृश्य, रितु गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2015-2018, रुपये 21.24 लाख।
3. बी-ए.एल.एल. में गुणसूत्र 21 (आई एम्प 21) के इंट्राक्रोमोसोमल प्रवर्धन की व्यापकता, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 10 लाख।
4. गैस्ट्रोइंन्टेस्टनल मलिग्नेन्सी के पोस्ट ऑपरेटिव मामलों में सेप्सिस के एक मार्कर के रूप में थ्रोम्बोपोइटिन का मूल्यांकन, अमर रंजन, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2016-2017, रुपये 4 लाख

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. बाल चिकित्सा प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया में आणविक मार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की प्रभावकारिता की जांच, समीर बख्शी, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2015-2018, रुपये 26.85 लाख
2. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में आईजीएफआर/सीके-5/6, अजय गोगिया, एम्स, 1 वर्ष, 2017, रुपये 3.5 लाख
3. प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा में एमजीएमटी मिथाइलेशन, रंजीत कुमार साहू, एम्स, 3 वर्ष, 2015-2017, रुपये 3.15 लाख
4. थाइमिडिलेट सिंथेटेज और फोलेट रिसेप्टर अल्फा की उन्नत नॉन-स्क्वैमस एन.एस.सी.एल.सी. में पेमेट्रेक्स आधारित कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता के लिए भविष्य बताने वाले बायोमार्कर के रूप में अभिव्यक्ति की पुष्टि, प्रभात सिंह मलिक, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 9 लाख

शल्य अर्बुद विज्ञान

1. पोस्ट थोरैकोटॉमी दर्द सिंड्रोम (पेंट), का मूल्यांकन करने के लिए पेरीकोस्टल थोरैकोटॉमी के साथ इंट्राकोस्टल की तुलना करने के लिए एक भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुनील कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 2 लाख
2. लसीका जल निकासी की दर को कम करने और रुग्णता में सेरोमा के गठन को रोकना में फाइब्रिन सीलेंट की भूमिका, एमडी रे, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 1.20 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

1. ऑन्कोसर्जिकल रोगियों में थोरैकोटमियों के लिए एक फेफड़े के वेंटिलेशन के दौरान धमनियों के ऑक्सीकरण पर डेसफ्लुरेन बनाम सेवोफ्लुरेन के प्रभाव की तुलना, एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया की दो तकनीकों की तुलना: लिग्नोकेन-फेंटेनल इंट्रावीनस इन्फ्यूजन और रोपिवैकेन-फेनटाइनल एपिड्यूरल इन्फ्यूजन उन रोगियों में जिनके पेट में कैंसर सर्जरी (साइटोरीडक्टिव सर्जरी (सीआरएस) और हाइपरथेराटिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) की जा रही है - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. भारत में चिकित्सा पेशेवरों का एक अनुभागीय सर्वेक्षण, ऑपिओयेड एनाल्जेसिक नुस्खे के लिए उनके दवा लिखने की प्रथाओं, ज्ञान, दृष्टिकोण और बाधाओं का आकलन करना
4. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के रोगियों में हीमोडायनामिक इन्फ्लैमटरी और जमाव के कारकों में बदलाव पर डेसफ्लूरेन एनेस्थीसिया बनाम टोटल इंट्रावेनस एनेस्थीसिया की तुलना का एक पायलट रैंडमाइज्ड नैदानिक परीक्षण।
5. भारत में एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में एडवांस्ड लंग कैंसर से पीड़ित रोगियों की उपचारात्मक देखभाल आवश्यकताओं पर उपचारात्मक देखभाल परामर्श के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन
6. पोस्ट थोरैकोटॉमी दर्द सिंड्रोम (पेंट), का मूल्यांकन करने के लिए पेरीकोस्टल थोरैकोटॉमी के साथ इंट्राकोस्टल की तुलना करने के लिए एक भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में गोल गाइडिड बनाम स्टेंडर्ड फ्लूअड थेरेपी एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
8. सामान्य बेहोशी के तहत मोडिफाइड रेडिकल मैस्टेक्टमी के लिए एसएपी ब्लॉक (एसएपी) की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
9. उपचारात्मक देखभाल में जागरूकता, रुचि, प्रथाओं और ज्ञान का आकलन करने के लिए एक शीर्ष तृतीयक देखभाल अस्पताल में चिकित्सा पेशेवरों का एक सर्वेक्षणः एक वर्णनात्मक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन।
10. एस.एफ.36, डी.ए.एस. 28, डी.ए.एस.एस और एच.ए.क्यू.-डी.आई. प्रश्नावली का उपयोग करके गठिया के रोगियों में उपशामक देखभाल की आवश्यकता का आकलन।
11. तृतीयक देखभाल अस्पताल में स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडमा के लिए घरेलू उपचार का पालन न करने के कारणों को स्पष्ट करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन।
12. पिछले 6 वर्षों में एक कैंसर संस्थान में ब्रैकीथेरेपी के लिए संवेदनाहरणः एक पूर्वव्यापी अवलोकन अध्ययन

13. अर्बुद विज्ञान जागरूकता, देखभाल और स्वास्थ्य के बारे में एशियाई रोगी का दृष्टिकोण (ए.पी.पी.आर.ओ.सी.एच.)
14. एक संभावित अवलोकन अध्ययन: तृतीयक देखभाल केंद्र के उपशामक देखभाल निदान केंद्र में इलाज लेने वाले बहु मायलोमा के रोगियों में उपशामक चिकित्सा के परिणाम का आकलन।
15. एक तृतीयक देखभाल केंद्र के उपशामक देखभाल निदान केंद्र में इलाज लेने वाले आमाशयी विकृतियों के रोगियों में उपशामक देखभाल परिणामों का आकलनः एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
16. हार्मोनल थेरेपी प्राप्त करने वाले स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन।
17. भारतीय आबादी में एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में लक्षण बोझ और जीवन स्तर का आकलनः एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन
18. ओपियोड के सेवन के साथ विटामिन डी की कमी, जीवन की गुणवत्ता और मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में प्रोग्रेशन फ्री सर्वाइवल का संबंध : एक अवलोकन विवरणात्मक संभावी अध्ययन
19. पोषण संबंधी जोखिम वाले रोगियों में गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर सर्जरी के बाद रुग्णता के पूर्वानुमान के रूप में कार्डियोपल्मोनरी एक्सरसाइज परीक्षणः एक संभावित अवलोकन संबंधी पायलट अध्ययन
20. प्रमुख अर्बुद विज्ञानात्मक पेट की प्रमुख सर्जरी के बाद परिणामों के भविष्यवक्ता के रूप में कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षणः एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
21. नीयोएडजूवेन्ट कीमोथेरेपी के बाद इसोफेगियल कैंसर सर्जरी वाले रोगियों में शल्यचिकित्सा के बाद के परिणामों के भविष्यवक्ता के रूप में कार्डियोपल्मोनरी एक्सरसाइज टेस्टिंग - एक संभावित अवलोकन अध्ययन
22. नीयो एडजुवेंट कीमोथेरेपी चिकित्सा प्राप्त करने वाले कार्सिनोमा स्तन रोगियों में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियक डिसफंक्शन का कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षण द्वारा प्रारंभिक पूर्वानुमान और अपफ्रंट सर्जरी के लिए भेजे गए स्तन कार्सिनोमा रोगी के साथ उनकी प्रारंभिक पोस्ट-ऑपरेटिव रिकवरी की तुलना करनाः एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
23. पोस्ट ऑपरेटिव एनाल्जेसिया और सिर तथा गर्दन के कैंसर की सर्जरी में बेहोश करने के लिए मॉर्फिन के साथ इन्ट्रावीनस इनफ्यूजन की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन
24. सिर और गर्दन के कैंसर सर्जरी वाले रोगियों में डी ब्लेड यूजिंग कफ इनफ्लेशन तकनीक बनाम सी मैक वीडियो लारिन्गोस्कोप पारंपरिक ब्लेड बनाम डी ब्लेड के साथ नासोट्रेचील इंटूबेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
25. सिर एवं गले के कैंसर के की सर्जरी करवाने वाले रोगियों में कफ इंफ्लेशन तकनीक का प्रयोग करके नेसेट्रेकियल इंटुबेशन का ग्लाइडस्कॉपी विडियो लैरिजोस्कॉपी एवं रुढ़ मैकिन्टोश लैरिंजोस्कॉप का तुलनात्मक अध्ययनः एक यादृच्छिक अध्ययन।

26. मोडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडिड सेराटस पूर्वकाल प्लेन ब्लॉक बनाम इरेक्टर स्पिना प्लेन ब्लॉक का तुलनात्मक मूल्यांकन-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
27. दर्द से राहत और जीवन स्तर के मामले में ऊपरी पेट के कैंसर के रोगियों में सीलिएक पेलेक्सस न्यूरोलिसिस के लिए सी-आर्म फ़्लोरोस्कोपिक गाइडेड पोस्टीरियर बनाम परक्यूटिनस अल्ट्रासाउंड-गाइडेड एन्टीरियर अप्रोच के बीच तुलना -एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
28. गंभीर उदर ऑन्कोसर्जरी वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया तकनीक के रूप में लिग्नोकेन-फेंटेनाइल इन्ट्रावीनस इनफ्यूजन और रोपाइवाकेन-फेंटेनाइल एपिड्यूरल इनफ्यूजन के बीच तुलना
29. फेफड़ों के सर्जरी के लिए थोरैकोटॉमी वाले रोगियों में शल्यचिकित्सा के बाद तीव्र दर्द के लिए सर्जन गाइडिड सेराटस एन्टीरियर प्लेन ब्लॉक बनाम अल्ट्रासाउंड गाइडिड थोरैसिक पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
30. चिकित्सीय थोरैकोस्कोपी से गुजरने वाले रोगियों के लिए बेहोश करने की क्रिया में डेक्समेडिटोमिडीन बनाम मिडाज़ोलम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित सुरक्षा अध्ययन
31. मोडीफाइड रेडिकल मास्टेक्टोमी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक बनाम इरेक्टर स्पिना प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
32. जीवन स्तर पर 3 महीनों में फॉलो-अप और दर्द से राहत पाने के मामले में ऊपरी पेट की खराबी वाले रोगियों में एनाल्जेसिक बनाम एनाल्जेसिक के साथ हस्तक्षेप की तुलना : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
33. 3 माह के फॉलो-अप में पीड़ा राहत एवं जीवन गुणवत्ता के संदर्भ में सिर एवं गले की दुर्दमता वाले रोगियों में एनालजेसिक्स बनाम एनालजेसिक्स एकल के साथ इंटरवेंशन की तुलनाः एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।
34. फेफड़ों के कैंसर की सर्जरी के लिए थोरैकोटॉमी वाले रोगियों में एपिड्यूरल मॉर्फिन की समान खुराक बनाम इंट्राथेलिक मॉर्फिन की पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - संभावित यादृच्छिक अध्ययन
35. कार्सिनोमा ग्रीवा वाले रोगियों में इंट्राकैवर्टी रेडियोथेरेपी के लिए हाइपरबेरिक ब्यूपीवैकिन की दो अलग-अलग खुराक की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
36. कोलोरेक्टल सर्जरी में इंट्राऑपरेटिव हाइपोथर्मिया की रोकथाम के लिए दो फोर्सड एयर वार्मिंग बलैंगकिट की तुलनाः एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
37. डब्ल्यू.एच.ओ. चरण 2 एनाल्जेसिक दवा बनाम चरण 3 एनाल्जेसिक दवा का प्रक्रम 4 ओपॉयडनैव फेफड़ों के कैंसर के रोगियों को दर्द से राहत और जीवन की गुणवत्ता के मामले में मध्यम से गंभीर दर्द वाले रोगियों को 3 सप्ताह के अंतराल पर पुनः परीक्षण के सन्दर्भ में । एक यादृच्छिक भावी अध्ययन।

38. कैंसर रोगियों में कुल दर्द का आकलन करने के लिए उपकरण का विकास।
39. कैंसर के दर्द वाले रोगियों में प्रारंभिक दर्द हस्तक्षेप से दर्द से राहत के स्तर में सुधार होता है, एनाल्जेसिक आवश्यकता घट जाती है और इस प्रकार जीवन स्तर में सुधार होता है
40. मोडीफाइड रेडिकल मास्टेक्टोमी के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडिड सेराटस एन्ट्रीरियर प्लेन ब्लॉक पर रोपीवेसायन से डेक्सामेथासोन को जोड़ने का प्रभावः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन
41. पोस्ट इंडक्शन और प्रारंभिक इन्ट्रा ऑपरेटिव हाइपोटेंशन पर स्तन कैंसर के रोगियों में ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम की गड़बड़ी का प्रभाव : एक संभावित अवलोकन अध्ययन
42. आमाशयी कैंसर की शल्य चिकित्सा के दौर से गुजरने वाले रोगियों में सर्जरी के बाद उत्तेजक प्रतिक्रिया और कैंसर की पुनरावृत्ति पर आने वाले रोगियों में एपिड्यूरल एनाल्जेसिया (पी.सी.ई.ए.) और अंतःशिरा रोगी नियंत्रित एनाल्जेसिया (आईवीपीसीए) के प्रभाव। एक यादृच्छिक भावी नियंत्रित परीक्षण।
43. क्रोनिक पोस्ट मैसेक्टोमी दर्द सिंड्रोम की घटनाओं पर पेरिऑपरेटिव प्रीगैबलिन का प्रभाव - एक संभावित यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित पायलट अध्ययन।
44. छाती की सर्जरी के बाद पुराने दर्द के नियंत्रण के लिए इंटरकोस्टल रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन की प्रभावशीलता
45. प्रतिभागियों के बीच उपशामक देखभाल में ज्ञान पर प्रशामक देखभाल कार्यक्रम की अनिवार्यता में सर्टिफिकेट कोर्स की प्रभावशीलताः एक पार-अनुभागीय पारंपरिक अध्ययन।
46. मुंह के कैंसर के रोगियों में सर्जरी के बाद फिजियोथेरेपी का गर्दन और कंधे की गतिविधियों और मुंह खोलने और उनके जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव, एक पायलट अध्ययन।
47. भारत में एक तृतीयक कैंसर केंद्र में जीवन देखभाल अभ्यास का अंत: एक अवलोकन अध्ययन
48. कैंसर रोगियों में दर्द की सामाजिक तथ्यों की पहचान करने के लिए व्याख्यात्मक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन
49. कैंसर सर्जरी के बाद मतली या उल्टी की घटना और जोखिम कारकः एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
50. ऑन्कोलॉजी सेटअप में शिरापरक कैथेटर देखभाल - एक पायलट एकल केंद्र भावी अवलोकन अध्ययन
51. अंतःस्रावी अग्नाशय, गैस्ट्रिक और पित्ताशय के कैंसर में दर्द से राहत के लिए अंतःक्रियात्मक सीलिएक प्लेक्सस न्यूरोलिसिस।
52. भारतीय कैंसर रोगियों में मॉर्फिन के उपयोग के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और धारणा
53. सामान्य बेहोशी के तहत ऑरोफरीन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में नासोट्रेचील इंटूबेशनः फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कोप और सी-मैक डी ब्लेड वीडियो लैरींगोस्कोप के बीच एक तुलनात्मक मूल्यांकन

54. एडवान्सड क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी)/इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी) से पीड़ित रोगियों में पैलीएटिव केयर नीडस एसेसमेन्टः एक संभावित अध्ययन
55. उपशामक देखभालः भारत में पहुँच को बढ़ावा और अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुभव सहयोगी (पी.सी.-पी.ए.आई.सी.ई. इंडिया सहयोग)।
56. स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडेमा की प्रस्तुति का पैटर्न और स्तन कैंसर के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव और दर्द निवारक देखभाल क्लिनिक।
57. सिर और गर्दन के कैंसर वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एयरवे उपचार चयनः तृतीयक देखभाल केन्द्र में पूर्वव्यापी विश्लेषण
58. क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल मापदंडों द्वारा मौखिक कैंसर के रोगियों में कठिन लैरींगोस्कोपी का पूर्वानुमान- एक संभावित, अवलोकन संबंधी अध्ययन।
59. थ्रोम्बोपोइटिन के विश्लेषण द्वारा गैस्ट्रोइन्टेस्टनल मैलिगनेन्सी के पोस्टोपरेटिव मामलों में संक्रमण की भविष्यवाणी
60. भारत में तृतीयक कैंसर सेन्टर में प्रशामक देखभाल इकाई में मौजूद एडवान्सड कैंसर रोगियों में डिस्पेनिया को प्रभावित करने वाले कारक और प्रसार
61. भारत में कैंसर संबंधी न्यूरोपैथिक पीड़ा से संबंधित व्यापकता एवं कारकः एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।
62. भारत में तृतीयक उपचार केंद्र के प्रशामक उपचार एकक में आए कैंसर रोगियों में इंसोमनिया की व्यापकता एवं पूर्व सूचक।
63. प्रशामक देखभाल इकाई में भर्ती गंभीर कैंसर रोगियों में संज्ञानात्मक शिथिलता का प्रसार और जोखिम कारक
64. क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, भारत में कैंसर के रोगियों में कैंसर के दर्द और जीवन स्तर पर इसके प्रभाव की व्यापकताः ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी
65. एक उपचारात्मक देखभाल सेटअप में कीमोथेरेपी प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी की व्यापकता और कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव
66. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान-नई दिल्ली में दाखिल मरीजों में दर्द की व्यापकता
67. रेडियोथेरेपी प्रक्रियाओं से गुजर रहे प्रीस्कूली बच्चों में बेहोशी की प्रभावकारिता के लिए इंट्रैनासल डेक्समेडोमिडीन बनाम इंट्रानासल केटामाइन का संभावित, यादृच्छिक, डबल ब्लान्ड तुलना
68. हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण प्राप्त करने वाले हेमटोलॉजिकल विकृतियों वाले रोगियों में जीवन स्तर और बोझ के लक्षण - एक संभावित अवलोकन अध्ययन
69. सिर, गर्दन और वक्षीय मूल के कैंसर के कारण दर्द के इंतमाम में स्क्रैम्बलर थेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
70. नॉन-स्मॉल-सेल लंग कार्सिनोमा (एनएससीएलसी) की द्वितीय-बी और तृतीय-ए स्थिति में नीयोएडजूवेन्ट कीमोथेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता : एकल आर्म चरण द्वितीय अध्ययन

71. एपीबीआई- से गुजरने वाले रोगियों में जीए की तुलना में सिंगल इंजेक्शन यूएस गाइडिड इएसपी ब्लॉक- रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण
72. भारत में एक कैंसर अस्पताल में लक्षण की शुरुआत से उपचार के सूत्रपात तक की कैंसर के रोगियों की यात्रा
73. प्रोसिकल लेरिंजियल मास्क एयरवे के सही प्लेसमेंट के नैदानिक बनाम अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन की तुलना करना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
74. कीमोथेरेपी-प्रेरित पैरीफेरल न्यूरोपैथी के साथ रोगियों में न्यूरोपैथिक पेन की तीव्रता पर डुलोक्सिटिन बनाम गैबापेंटिन की प्रभावशीलता की तुलना: एक डबल-ब्लाइन्ड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
75. तृतीयक देखभाल केन्द्र में आने वाले प्रशामक देखभाल वाले रोगियों में वित्तीय बोझ का निर्धारण करना : पैलिएटिव केयर ओपीडी में आने वाले सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में जीवन स्तर का एक संभावित अवलोकन अध्ययन
76. कीमोथेरेपी प्रेरित दर्दनाक न्यूरोपैथी (सीआईपीएन) वाले रोगियों में गाबापेंटिन, डुलोक्सेटीन और प्रीगाबलिन की तुलनात्मक प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट परीक्षण।
77. भारत के क्षेत्रीय कैंसर केंद्र में उपशामक देखभाल वार्ड में उपस्थित रोगियों के लक्षणों के स्वरुप का अध्ययन और विश्लेषण करना।
78. कीमोथेरेपी इंड्यूस्ड पैरीफेरल न्यूरोपैथी (सीआईपीएन) और विटामिन बी 12, विटामिन डी 3, कैल्शियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड के बीच नैदानिक सहसंबंध का अध्ययन करना
79. एक भारतीय प्रशामक देखभाल में आध्यात्मिक संकट के पैमाने की पुष्टि।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

1. प्लाज्मा सेल प्रोलिफेरेटिव डिसऑर्डर (पीसीपीडी) में प्लाज्मा सेल और बी-सेल कम्पार्टमेंट का अध्ययन
2. मिनिमल रेसिडुअल डिसीज (एमआरडी) की निगरानी के लिए मानक और अत्याधुनिक आणविक प्रक्रियाओं की स्थापना और क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) में एबीएल काइनेस डोमेन म्यूटेशन की पहचान
3. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के विकास में शामिल पथों का जीएस आधारित विवरण
4. बी-ऑल में टायरोसिन काइनेज घावों की पहचान
5. एकाधिक मायलोमा में जीनोमिक विपथन का न्यूनतम इनवेसिव मूल्यांकन
6. अपरिपक्व टी-ऑल का आणविक जीव विज्ञान
7. परिवहन उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले औपचारिक-आधारित समाधानों की तुलना में विभिन्न परिरक्षकों की प्रभावकारिता का अध्ययन

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. अनियंत्रित पित्ताशय के कैंसर में संशोधित फोल्फिरिनॉक्स की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
2. हाइपरथेरिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में गोल डाइरेक्टिड बनाम स्टैंडर्ड फ्लूइड थेरेपी का संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. पैडिएट्रिक एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया की पहले आवृति के लिए साइटाराबाइन, डानोरूबिसिन और ईटोपोसाइड (एडीई) की प्रतिक्रिया का एक संभावित, पारंपरिक अध्ययन
4. हैवी मैटल के साथ फेफड़ों का कैंसर और ट्रेस एलीमेन्ट्स का संबंध तथा धूम्रपान के साथ उनके सहसंबंध को निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन
5. एक डबलेट सैकण्ड लाइन कीमोथेरेपी प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए ए टू आर्म रैंडोमाइज्ड ऑपन लेबल प्रोस्पेक्टिव पैरेलेल डिजाइन फेज सैकंड मल्टीसेन्ट्रिक क्लिनिकल ट्रायल बनाम मोनोथेरेपी इन एडवान्सड अनरिसेक्टेबल ऑर मेटास्टेटिक गाल ब्लेडर कैंसर प्रोग्रेसिंग ऑन फर्स्ट लाइन कीमोथेरेपी
6. पित्ताशय के कैंसर में कीमो-रेडिएशन या एडजूवेन्ट कीमोथेरेपी : एक तृतीय चरण का यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (गतिशील अध्ययन)
7. 40 वर्ष से कम आयु वाले फेफड़ों के कैंसर रोगियों की क्लिनिक पैथोलॉजिकल विशेषताऐं, मॉलिक्यूलर प्रोफ़ाइल और सर्वाइवल परिणाम : डिफ्यूज लार्ज बी सेल लिम्फोमा (डीएलबीसीएल) का विश्लेषण
8. डिफ्यूज लार्ज बी सेल लिम्फोमा (डीएलबीसीएल) का विश्लेषण
9. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर का विश्लेषण
10. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर का विश्लेषण
11. बोरतेजोमिब, लेनलीडोमाइड और डेक्सामेथासोन (वीआरडी) बनाम बोरतेजोमिब, सिक्लोफॉस्फ़ॅमाइड और डेक्सामेथासोन (वीसीडी) इंडक्शन थेरेपी के रूप में अनुपचारित बहु मायलोमा में: एक चरण III यादृच्छिक अध्ययन
12. बहु मायलोमा में ऑटोलॉगस हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद बोर्टेजोमिब, लेनिलीगोमाइड और डेक्सामेथासोन आधारित समेकन चिकित्साः एक एकल बाहु भावी अध्ययन
13. जेनेटिक परीक्षण के लिए एनसीसीएन 2018 के मानदंड को योग्य और गैर-योग्य स्तन कैंसर के रोगियों में "मल्टीग्रेन हरेडिटेरी पैनल टेस्टिंग" प्रोफाइल की तुलना : उत्तरी भारत की जनसंख्या में एक संभावित अध्ययन
14. समवर्ती कीमोथेरेपी और बाहरी विकिरण चिकित्सा: स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में साप्ताहिक बनाम तीन साप्ताहिक सिस्प्लैटिन और रेडिकल रेडियोथेरेपी का एक खुला लेबल गैर-हीनता चरण III यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

15. उच्च जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपेनिया के साथ बाल चिकित्सा कैंसर के रोगियों में नैदानिक सुधार पर एम्पायरिकल एंटीबायोटिक चिकित्सा का प्रारंभिक ठहराव, मानव स्वास्थ्य पर नॉन-आइओनाइजिंग इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का एक यादृच्छिक ओपन लेबल नैदानिक परीक्षण प्रभाव।
16. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनीकरण विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव
17. पैडिएट्रिक एएलएम में माइटोकॉन्ड्रियल एनर्जी मेटाबोलिज्म के साथ जीन एक्प्रेशन प्रोफाइल और इसका सह-संबंध
18. उच्च जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपिया में आक्रामक फंगल संक्रमण के परिणाम और रोगनिदान पर सीरम गैलेक्टोमेन्नन एस्से का प्रभाव
19. मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग
20. अत्यधिक एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी (एचईसी) प्राप्त कर रहे बच्चों और किशोरों में उल्टी और उबकाई की रोकथाम के लिए ओल्ज़ानापाइन : एक अन्वेषक द्वारा शुरू किया यादृच्छिक, ओपन-लेबल परीक्षण
21. प्लेटिनम रिलेप्सड, प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी और एडवांस ओवेरियन कैंसर में पेजोपेनिब बेस्ड ओरल मेट्रोनोमिक थैरेपीः यादृच्छिक चरण 2 का अध्ययन
22. मल्टीपल मायलोमा में प्राकृतिक किलर टी कोशिकाओं का प्री एवं पोस्ट ट्रांसप्लांट मूल्यांकन
23. आईआरसीएच, एम्स में वृषण जर्म सेल ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण
24. एडवांस्ड थाइमिक ट्यूमर से पीड़ित रोगियों का कीमोथेरेपी से किये गये उपचार के क्लिनोपैथोलॉजिकल लक्षण और उपचार परिणामों की विशेषताओं और उपचार परिणामों की पूर्वव्यापी समीक्षा
25. ओवेरियन कैंसर में सिस्प्लैटिन सेंसिटिविटी और डीएनए मिथाइलेशन पर पीएआरपी1 और γ-ग्लुटेमाइल सिस्टिन सिंथिटेज (जीसीएस) की भूमिका
26. इलाज किए गए पित्ताशय की उन्नत कार्सिनोमा में जेमिसिटेबाइन-प्लेटिनम डबल्ट के साथ आरआरएम 1, आरआरएम 2, एचएनटी 1 और ईआरसीसी 1 की भूमिका की अभिव्यक्ति
27. तृतीयक कैंसर केन्द्र में उच्च जोखिम और मेटास्टेटिक एंडोमेट्रियल कैंसर में थेरेपी के लिए क्लिनिको-पैथोलॉजिकल लक्षणों व परिणामों का अध्ययन
28. स्टेज II बी और III एनएससीएलसी के रोगियों में नियोएड्जुवेंट कीमोथेरेपी के प्रभाव और सुरक्षा का अध्ययन
29. डिम्बग्रंथि सीरस कार्सिनोमा में पीकेसी- आयोटा सिग्नलिंग का अध्ययन
30. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में सिस्प्लैटिन प्रतिरोध में पी.ए.आर.पी. - 1 और बी-कैटेनिन की भूमिका
31. अनैच्छिक / मेटास्टेटिक जीबीसी वाले रोगियों में थ्री आर्म फेज II/III आरसीटी का खराब परफॉर्मेंस स्टेटस - सर्वश्रेष्ठ सहायक देखभाल / एर्लोटिनिब / कैपेसिटाबाइन

32. एनएससीएलसी रोगियों में फ्रीक्वेंसी, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल, आणविक सहसंबंध और ब्रेन मेटास्टेसिस के परिणाम का आकलन करना

चिकित्सा भौतिकी

1. विकिरणमापी उद्देश्य के लिए नई संदीप्ति सामग्री का विकास
2. अंशांकन(कैलिब्रेशन) और वैकल्पिक रूप से उत्तेजित संदीप्ति (ल्यूमिनेशन) डोसमीटर का उपयोग
3. लीड एप्रन और थायरॉयड कॉलर की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास
4. रेडियोक्रोमिक फिल्म डोसीमीटर का विकास

रेडियोडायग्नोसिस

1. पित्ताशय के कैंसर के रोगियों में पर्कुटियस ट्रांसहेपैटिक बाइलियरी ड्रेनेज में दर्द से राहत के लिए ट्रांसवर्सस एब्डोमाइनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक की प्रभावशीलता का आकलन-एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

विकिरण अर्बुद विज्ञान

1. स्टेज I-II नोडल डिफ्युज लार्ज B-सेल लिम्फोमा के शिकार नये रोगियों में कीमो-इम्यूनोथेरेपी के बाद कंसोलिडेशन के लिए सम्मिलित साइट रेडियोथेरेपी की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए चरण II अध्ययन
2. लोकली एडवांस्ड सर्वाइकल कैंसर में मानक कीमोरेडिएशन बनाम मानक कीमोरेडिएशन के बाद साप्ताहिक कीमोथेरेपी का फेज III मल्टीसेंटर ट्रायल
3. आरंभिक स्तन कैंसर में एपीबीआई के लिए इंटरस्टीशियल मल्टीकैथेटर ब्रेसीथेरेपी बनाम वीएमएटी की तुलना करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन: अनुकूलन, विषाक्तता, और कॉस्मेसिस तुलना
4. आईआरसीएच, एम्स में विद्‌यमान रेक्टल कैंसर के संभावित कम्प्यूटरीकृत सर्जिकल डेटाबेस का विश्लेषण
5. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में ब्रेन मेटास्टेसिस (घटना, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल, आणविक सहसंबंध और परिणाम) का आकलन: एक सिंगल आर्म संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
6. प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन और स्थानीय रूप से उन्नत गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का मूल्यांकन 3 डी अनुरूप विकिरण चिकित्सा के साथ-साथ समवर्ती सिस्प्लैटिन और छवि निर्देशित उच्च खुराक दर ब्रैकीथेरेपी
7. स्तन कैंसर के रोगियों की ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी के बाद पूरे स्तन और रिजनलनोड्स पर हाइपोफ्रैक्शनेशन बनाम पुराने फ्रैक्शनेशन रेडियोथेरेपी में तीव्र विषाक्तता, कॉस्मेसिस और जीवन की गुणवत्ता का तुलनात्मक मूल्यांकन
8. 3डीसीआरटी बनाम वीएमएटी के बीच पोस्ट मास्टेक्टॉमी स्तन कैंसर रोगी में डोसिमेट्री और जीवन की गुणवत्ता

9. लोकली एडवांस्ड नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के लिए 4डीसीटी आधारित आईएमआरटी/वीएमएटी और 3डीसीआरटी प्लानिंग का मूल्यांकन - डोसिमेट्री मूल्यांकन और आरंभिक नैदानिक परिणाम
10. पेमेट्रेक्सिड कार्बोप्लाटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल- कार्बोप्लाटिन प्रवर्तन आहार के रूप में नॉन स्क्वैमस नॉन स्मॉल कोशिका फेफड़े का कैंसर की प्रभाविता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
11. ईबीआरटी और संक्षिप्त, सिस्प्लैटिन के बाद गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में आईसीआरटी निर्देशित पीईटी सीटी की भूमिका
12. उच्च जोखिम वाले और मेटास्टेटिक एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के क्लिनिकोपैथोलॉजिकल लक्षण और टर्शियरी केयर सेंटर में थेरेपी के परिणाम का अध्ययन
13. कोरोइडल मेलानोमा में कंबाइंड प्लेक ब्रैकीथेरेपी और ट्रांसप्यूपलरी थर्मोथेरेपी के परिणाम का आकलन

शल्य अर्बुद विज्ञान

1. पूर्व-ऑपरेटिव रोग के भार और प्रतिरोधकता का निर्धारण करने के लिए कार्सिनोमा अंडाशय में सीटी स्कैन बनाम पीईटी सीटी स्कैन की तुलना का एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
2. शुरुआती स्तन कैंसर वाले रोगियों में हाई वॉल्युम सेंटर में अल्ट्रासाउंड और यूएसजी-गाइडेड फाइन नीडलएस्पिरेशन साइटोलॉजी का उपयोग करके एग्जिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन।
3. युवा कोलोरेक्टल रोगियों पर अध्ययन-क्लिनिकल प्रोफ़ाइल, उपचार और रिलैप्स पैटर्न, और कोलन कैंसर के रोगियों में एमआईआरएनए एक्सट्रैक्शन के लिए आणविक जीव विज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीक सीखना।
4. स्तन स्तन कैंसर के वंशानुगत पहलू से प्रभावित स्तन कैंसर के शिकार भारतीयों के लिए जागरूकता और जानकारी, रीसेक्टेबल प्राइमरी पल्मनरी मैलिग्नैंसीज वाले रोगियों के लिए इंट्राऑपरेटिव प्ल्युरल लैवेज फ्लुइड और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए की चिकित्सकीय उपयोगिता - एक प्रायोगिक अध्ययन।
5. कार्सिनोमा अन्नप्रणाली में नियोएडजयूवांट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता - पैक्स्टैक्सेल + कैबोप्लाटिन के साथ सिस्प्लैटिन + 5-एफयू की तुलना हेतु एक पायलट अध्ययन
6. कार्सिनोमा ब्रेस्ट के एग्जिलरी मैनेजमेंट को अनुकूलित करने में इंडोसायनिन ग्रीन डाई-आधारित नेविगेशन सर्जरी का मूल्यांकन।
7. भारतीय आबादी में प्राथमिक उन्नत डिम्बग्रंथि उपकला कार्सिनोमा में पेरिटोनियल कैंसर इंडेक्स (पीसीआई) का मूल्यांकन
8. बुनियादी लैब तकनीकें सीखना और कोलोरेक्टल कैंसर डेटा बेस का विश्लेषण।

9. अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और फेफड़े की खराबी से पीड़ित और सर्जिकल रीसेक्शन कराने वाले रोगियों में सार्कोपेनिया का फैलना और ऑपरेशन के तुरंत बाद के परिणामों पर इसका प्रभाव: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

पूर्ण

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. उन्नत गैर-स्क्वैमस एनएससीएलसी के कैंसर में प्रेरण रेजिमेंट के रूप में पेमिट्रैक्सेड कार्बोप्लाटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल कार्बोप्लाटिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए फेज-3 ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन,
2. मेटास्टैटिक स्तन कैंसर का विश्लेषण
3. फाइब्राइल न्यूट्रोपेनिया के साथ कम जोखिम वाले बाल चिकित्सा कैंसर के रोगियों में रोगाणुरोधी चिकित्सा के प्रारंभिक ठहराव बनाम निरंतरता, रिकवरी से पहले: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन-डैलफेन अध्ययन
4. एंग्रैफ्टमेंट सिंड्रोम: टर्शियरी केयर इंस्टीट्युट के अनुभव का पूर्वव्यापी विश्लेषण।
5. मायलोमा और लिम्फोमा में ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद लिम्फोसाइट पुनर्निर्माण
6. उपचार सहज फॉलिक्युलर लिंफोमा के उपचार में चरण II यादृच्छिक परीक्षण (एलआर बनाम बीआर)
7. पीओईएमएस सिंड्रोम: तृतीयक देखभाल संस्थान से भारतीय अनुभव
8. मल्टीपल माइलोमा में अस्थि मज्जा माइक्रोएन्वायरमेंट की भूमिका
9. एएमएल रेमिशन इंडक्शन कीमोथेरेपी लेने वाले बच्चों व किशोरों में अतिरिक्त थेरेपी के रूप में एप्रेपिटेंट के एंटी-एमेटिक प्रभाव के मूल्यांकन हेतु अध्ययन: अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया,यादृच्छिक, ओपन लेबल परीक्षण
10. प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए विनियामक क्षेत्र में उत्परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व का अध्ययन करना
11. प्रखर मायलॉयड ल्यूकेमिया में डब्ल्यू.एन.टी. सिग्नलिंग अणुओं और उनकी सामान्य उत्परिवर्तन (एफ.एल.टी.3, सी.ई.बी.पी.ए) के साथ उनके सहसंबंध का अध्ययन करना
12. उन्नत उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए प्रत्येक 3 सप्ताह में कार्बोप्लाटिन के साथ संयोजन में साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल

चिकित्सा भौतिकी

1. चिकित्सा छवि लेजर प्रिंटर की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास
2. फ्लोरोस्कोपी की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास

विकिरण अर्बुद विज्ञान

1. तीव्रता संशोधित रेडियोथेरेपी तकनीकों के लिए रोगी विशेष के पूर्वोपचार सत्यापन की विधियों का मूल्यांकन
2. कार्सिनोमा एसोफैगस में नियोएडजयूवांट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता - पैक्स्टैक्सेल + कैबोप्लाटिन के साथ सिस्प्लैटिन + 5-एफयू की तुलना हेतु एक पायलट अध्ययन
3. एक भारतीय तृतीयक कैंसर केंद्र में पंद्रह साल से मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर के परिणामः एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
4. समवर्ती कीमोथेरेपी बनाम हाइपोफेक्टेड रेडियोथेरेपी बनाम फेफड़े के पारंपरिक रूप से उन्नत गैर-छोटे सेल कार्सिनोमा में पारंपरिक समवर्ती रसायन-रेडियोथेरेपी - यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

शल्य अर्बुद विज्ञान

1. स्तन कैंसर के शिकार भारतीय रोगियों में नैदानिक और रेडियोलॉजिकल विधियों का उपयोग करके ब्रेस्ट एंथ्रोपोमेट्री व ट्यूमर बनाम ब्रेस्ट रेशियो कैलकुलेशन के आकलन का एक संभावित अध्ययन।
2. स्तन कैंसर के आनुवांशिक पहलू से संबंधित भारतीय स्तन कैंसर रोगियों की जागरूकता और जानकारी - एक संभावित अध्ययन
3. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमस नमूनों के सर्जिको-पैथोलॉजिकल मूल्यांकन का मानकीकरण- एक अग्रदर्शी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

4. पल्मनेरी मेटास्टेसटॉमी वाले रोगियों में इन्ट्रा ऑपरेटिव प्लेयूरल लेवेज फ्लूइड और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए का नैदानिक महत्व, शल्य अर्बुद विज्ञान
5. बी सेल एक्युट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आईकेजेडएफ1 (आईकेआरओएस) विलोपन के ब्रेकपॉइंट्स का निर्धारण, इंस्टीट्यूटो नैशनल डी कैंसर जोस गोम्स डी अलेंसर डॉ. सिल्वा, रियो डी जेनेरो, ब्राजील
6. कैंसर का पता लगाने के लिए प्लेटलेट आधारित तरल बायोप्सी परख विकसित करना–एक पायलट अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, और इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) दिल्ली
7. 3डी आकृति विज्ञान आधारित वर्गीकरण के लिए तीव्र ल्यूकेमिक सेल के डिजिटल होलोग्राफिक माइक्रोस्कोपी, आईआईटी, दिल्ली
8. रोगजनन, रोग प्रगति में सर्कुलेटिंग सेल फ्री एमआईआरएनए की व्याख्या और एकीकृत जैव सूचना विज्ञान और प्रायोगिक का उपयोग करते हुए कई मायलोमा में परिणाम, बायोफिज़िक्स

9. आईसीएमआर टास्क फोर्स भारतीयों में स्तन कैंसर के आनुवांशिक, नैदानिक और महामारी-विज्ञानी कारकों का तुलनात्मक अध्ययन, आईसीएमआर टास्क फोर्स, राष्ट्रीय पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली, रीजनल कैंसर सेंटर त्रिवेंद्रम, राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, नोएडा
10. आईसीएमआर टास्क फोर्स भारतीय रोगियों में पित्ताशय की थैली के कैंसर का जीनोमिक्स, राष्ट्रीय पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली, और राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, नोएडा
11. डीप लर्निंग का उपयोग करते हुए एनजीएस डेटा से मल्टीपल मायलोमा में दवा डालने के लिए नेटवर्क मार्ग की पहचान, आईआईटी दिल्ली
12. इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करके मल्टीपल मायलोमा में मिनिमल रेसिड्युअल डिजीज का अनुमान: मायलोमैमेजर का डिजाइन और विकास- एक स्वचालित कंप्यूटर सहायक उपकरण, आईआईटी, दिल्ली

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. उन्नत अनुसंधान केंद्र और एएमएल में उत्कृष्टता, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान
2. मेटास्टैटिक सीआरपीसी में एलयू177-पीएसएमए थेरेपी, न्यूक्लियर मेडिसिन
3. उन्नत थायरॉइड कैंसर में लेन्वैटिनिब, न्यूक्लियर मेडिसिन
4. डेफिनिटिव केमोरेडियोथेरेपी के प्राथमिक उपचार के बाद लोकली एडवांस्ड सिर और गर्दन के कैंसर में रेसिड्युअल बीमारी की पहचान करने में पीईटी-सीटी स्कैन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, न्यूक्लियर मेडिसिन, ईएनटी, विकिरण अर्बुद विज्ञान
5. नैदानिक रूप से संदिग्ध नासोफेरींजल कैंसर में ईबीवी डीएनए पीसीआर, माइक्रोबायोलॉजी, ईएनटी, विकिरण अर्बुद विज्ञान
6. फिब्राइल न्यूट्रोपेनिक रोगियों में बैक्टीरेमिया, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस और अस्पताल में अर्जित संक्रमणों के लिए एनएमआर व मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा बायोमार्कर, माइक्रोबायोलॉजी
7. स्तन कैंसर में एपिथेलियल-मेसेन्काइमल संक्रमण के नियमन में पी53: सूक्ष्म-आरएनए की भूमिका, आईआईटी दिल्ली, इंस्टीट्यूट ऑफ साइटोलॉजी, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस

रेडियोडायग्नोसिस

1. ग्रीवा के कैंसर में एमआरआई-सीटी आधारित इंट्राकवेटरी ब्रेकीथेरेपी के नैदानिक परिणाम- एक यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन
2. कैंसर के दर्द से पीड़ित रोगियों में दर्द हेतु शुरुआती हस्तक्षेप से दर्द से बेहतर राहत मिलती है, एनाल्जेसिक की ज़रूरत कम होती है और इस प्रकार, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है, ओन्कोएनेस्थेसिया और पैलिएटिव केयर।
3. स्तन कैंसर की शुरुआती अवस्था में एपीबीआई के लिए वॉल्यूमेटिक मॉड्यूलेटेड एआरसी थेरेपी बनाम इंटरस्टीशियल मल्टीकैथेटर ब्रेशीथेरेपी (आईएमबी) की तुलना हेतु एक प्रायोगिक अध्ययन: अनुकूलन, विषाक्तता और कॉस्मेसिस तुलना, विकिरण अर्बुद विज्ञान

4. 3डी कॉन्फॉर्मल रेडिएशन थेरेपी के साथ-साथ सिस्प्लेटिन और इमेज गाइडेड हाई डोज रेट ब्रेकीथेरेपी से उपचारित लोकली एडवांस्ड सर्वाइकल कैंसर में प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया का आकलन और डोसिमेट्रिक मूल्यांकन, विकिरण अर्बुद विज्ञान
5. ऑपरेशन किये जा सकने योग्य आरंभिक सर्वाइकल कैंसर में एमआरआई द्वारा निर्धारित बैरल इंडेक्स, लिम्फ मोड स्टेटस और रोग के लोकल एक्सटेंशन में सहसंबंध, ऑब्स्टेट्रिक्स और गायन्कोलॉजी
6. पुरःस्थ ग्रन्थि (प्रोस्टेट) कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद
7. उन्नत एनएससीएलसी में मस्तिष्क मेटास्टेस का आकलन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान
8. स्टेज के निर्धारण, रोग की गंभीरता और रीसेक्टेबिलिटी के अनुमान और पीसीआई के निर्धारण की सटीकता के लिए सीए-ओवरी में सीटी बनाम पीईटी सीटी की तुलना, एक संभावित अध्ययन, शल्य अर्बुद विज्ञान
9. प्राथमिक केमो-रेडिएशन थेरेपी द्वारा प्रबंधित लोकली एडवांस्ड हेड और नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी / कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पीईटी / सीटी) की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन, न्यूक्लियर मेडिसिन
10. ऊतक के समान वैकल्पिक रूप से चिकित्सा विकिरण की कम खुराक की माप के लिए उत्तेजित ल्यूमिनसेंट सामग्रियों का विकास, चिकित्सा भौतिकी इकाई, बीआरएआईआरसीएच एवं स्वास्थ्य भौतिकी विभाग, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, नई दिल्ली ।
11. खराब परफॉर्मेंस स्टेटस (ईसीओजी पीएस-3) वाले अनरीसेक्टेबल/मेटास्टेटिक सीएजीबी रोगियों में एर्लोटिनिब व बेस्ट सपोर्टिव केयर (बीएससी), कैपिसिटेबिम प्लस बीएससी और केवल बीएससी की तुलना करने वाला थ्री आर्म फेज 2/3 आरसीटी, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

शल्य अर्बुद विज्ञान

जारी

1. गैर-छोटी कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा, पैथोलॉजी में राफामाइसिन (एमटीओआर) और मिटोजन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) के स्तनधारी लक्ष्य के व्यापक विश्लेषण, विकृतिविज्ञान
2. फेफड़ों के कैंसर में 18-एफ.डी.जी.- पी.ई.टी./सी.टी. पर इंफ्लेमेटरी और मेटास्टैटिक मीडियास्टिनल लिम्फैडेनोपैथी का विभाजन करनाः स्टेरॉयड सप्रेशन की भूमिका, न्यूक्लियर मेडिसिन
3. कार्सिनोमा पित्त मूत्राशय के रोगजनन में परमाणु रिसेप्टर्स की भूमिका, जैव रसायन,
4. भारतीय जनसंख्या में पित्ताशय के कार्सिनोमा के आणविक आनुवंशिक जोखिम कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक संभावित अध्ययन, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान
5. डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एच.ई.4) स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

6. एचआईपीईसी और आईपी कीमोथेरेपी के बीच तुलना करते हुए एचआईपीईसी और प्रस्तावित फेज 3 आरसीटी का चरण 2 अध्ययन, टीएमसी, कोलकाता
7. होमोलोगस रीकंबिनेशन स्ट्रेटिफाइड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में हाइपरथर्मिया और इम्यून मॉड्युलेशन: लक्षित चिकित्सीय एप्रोच का विकास, टीएमसी, कोलकाता
8. भारत में ओवेरियन कैंसर की वैकल्पिक उपचार विधियों का आर्थिक विश्लेषण: आर्थिक बोझ, जीवन की गुणवत्ता और मृत्यु-दर जोखिम का मूल्यांकन, ऑब्स्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी
9. मास स्पेक्ट्रोमेट्रिक इमेजिंग उपयोग करके रैपिड मॉलिक्युलर एसेसमेंट द्वारा कैंसर के सर्जिकल रिसेप्शन मार्जिन का निर्धारण, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर, तिरुपति

पूर्ण

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. सिर और गर्दन के लोकली एडवांस्ड कैंसर्स में नियोएड्जुवेंट कीमोथेरेपी का प्रभाव: पैक्लिटैक्सेल+ कार्बोप्लेटिन बनाम सिस्प्लैटिन और 5एफयू की तुलना हेतु यादृच्छिक प्रायोगिक अध्ययन, शल्य अर्बुद विज्ञान
2. इसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में नियोएड्जुवेंट कीमोथेरेपी का प्रभाव: पैक्लिटैक्सेल+ कार्बोप्लेटिन बनाम सिस्प्लैटिन और 5एफयू की तुलना हेतु यादृच्छिक प्रायोगिक अध्ययन, शल्य अर्बुद विज्ञान

रेडियोडायग्नोसिस

1. प्रारंभिक स्तन कैंसर रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडेड एफएनएसी का उपयोग करके एग्जिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन, शल्य अर्बुद विज्ञान
2. भारतीयों में प्राइमरी एडवांस्ड ओवेरियन एपिथेलियल कार्सिनोमा में पेरिटोनियल कैंसर इंडेक्स (पीसीआई) का मूल्यांकन, शल्य अर्बुद विज्ञान
3. नैदानिक और रेडियोलॉजिकल मापदंडों द्वारा मुख कैंसर के रोगियों में कठिन लेरिंजोस्कोपी का पूर्वानुमान लगाना - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, ओन्को एनेस्थेसिया और पैलेटिव मेडिसिन

विकिरण अर्बुद विज्ञान

1. प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा में एमजीएमटी प्रमोटर मेथिलिकरण, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान**,** पैथोलॉजी
2. लुटेटियम-177 के साथ ट्रास्टुजुमाब की रेडिओलाबेलिंगः स्तन कैंसर में रेडियोइम्यूनोथेरेपी के संभावित एजेंट के रूप में इसका मूल्यांकन, न्यूक्लियर मेडिसिन

शल्य अर्बुद विज्ञान

1. फेफड़े की सर्जरी के लिए थोरैकोटॉमी कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद तेज दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड थोरैसिक पैरावर्टेब्रल ब्लॉक बनाम सर्जन गाइडेड सेराटस एंटेरियर प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, ओन्को-एनेस्थिसिया

2. भारतीय तृतीयक देखभाल कैंसर केन्द्र से पंद्रह वर्ष से अधिक समय तक मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर के परिणाम: एक पूर्वव्यापी अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं

ओन्को-एनेस्थेसिया और प्रशामक चिकित्सा

पत्रिकाएं: 32 **सारः** 16

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

पत्रिकाएं: 7

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

पत्रिकाएं: 28 **सारः** 6 **पुस्तकों में अध्यायः** 2

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

पत्रिकाएं: 64 **सारः** 29

चिकित्सा भौतिकी

पत्रिकाएं: 3

रेडियोडायग्नोसिस

पत्रिकाएं: 8 **सारः** 1

विकिरण अर्बुद विज्ञान

पत्रिकाएं: 40 **सारः** 17

शल्य अर्बुद विज्ञान

पत्रिकाएं: 18 **सारः** 2

रोगी की देखभाल

कुल बेड की संख्याः	**182**		
चिकित्सा अर्बुद विज्ञानः	**78**	**विकिरण अर्बुद विज्ञानः**	**37**
शल्य अर्बुद विज्ञानः	**61**	**प्रशामक देखभाल इकाईः**	**6**
ओपीडी उपस्थिति:	**1,71,778**		

नए रोगी पंजीकृतः 13,886 **पुनरीक्षणः 1,67,680**

विभिन्न ओपीडी / क्लिनिक

क्र.सं. ओपीडी/क्लिनिक का नाम नए रोगी पंजीकृत पुनरीक्षण							
क्र. सं.	ओपीडी / क्लिनिक का नाम	नये रोगी			पुराने रोगी		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	एडल्ट मेडिकल ऑन्कोलॉजी	992	902	1894	16,941	27,193	44,134
2.	एएमएल/एचएल	196	102	298	3,390	2,297	5,687
3.	एएलएल/सीएमएल	206	124	330	3,453	2,603	6,056
4.	ब्रेस्ट कैंसर	47	760	807	811	9,236	10,047
5.	बोन एवं सॉफ्ट (ऊतक)	170	143	313	1,069	1,017	2,086
6.	कैंसर की रोकथाम और स्क्रीनिंग	17	17	34	-	-	-
7.	वंशानुगत कैंसर	3	3	6	-	-	-
8.	गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल	452	412	864	1,285	1,001	2,286
9.	गाइनेकोलॉजी 'ए'	-	164	164	-	745	745
10.	गाइनेकोलॉजी 'बी'	-	366	366	-	1,818	1,818
11.	गाइनेकोलॉजी 'सी'	-	265	265	-	1,062	1,062
12.	जेनिटोयुरिनेरी और गाइनी	85	238	323	659	1,976	2,635
13.	सिर और गर्दन (सर्जरी) - ए	343	107	450	1,933	626	2,559
14.	सिर और गर्दन (ईएनटी) - बी	1,161	215	1,376	3,608	914	4,522
15.	हेपेटोबिलरी और पैनक्रियाटिक	130	89	219	978	667	1,645
16.	फेफड़ों का कैंसर	550	180	730	4,605	2,609	7,214
17.	एनएचएल/एमएम/सीएलएल	86	53	139	2,182	1,285	3,467
18.	न्यूरो ऑन्कोलॉजी	315	159	474	1,471	821	2,292
19.	ऑप्थाल्मिक ट्यूमर	57	30	87	-	-	-
20.	बाल चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	273	118	391	8,169	5,273	13,442

21.	बाल चिकित्सा लिंफोमा ल्यूकेमिया	124	46	170	4,424	2,233	6,657
22.	बाल चिकित्सा (सर्जरी)	81	59	140	1,809	1,439	3,248
23.	पेन रिलीफ	550	413	963	8,495	7,782	16,277
24.	रेडियोथेरेपी	630	813	1,443	5,916	7,885	13,801
25.	शल्य अर्बुद विज्ञान	363	337	700	2,512	2,764	5,276
26.	थोरैसिक ऑन्कोलॉजी	182	144	326	1,510	1,009	2,519
27.	प्रत्यारोपण	22	22	44	699	422	1,121
28.	यूरोलॉजी मैलिग्नेंसी	467	35	502	4,776	1,601	6,377
29.	एंडो मैलिग्नेंसी	43	25	68	408	299	707
	कुल	**7,545**	**6,341**	**13,886**	**81,103**	**86,577**	**1,67,680**

कुल योग = 13,886 + 1,67,680 = 1,81,566

भर्ती		**छुट्टी**		**ऑपरेशन**	
नियमित	11,965	नियमित	11,618	मुख्य	1,592
अल्पकालिक/डे केयर	34,440	अल्पकालिक/डे केयर	34,120	गौण	10,477
कुल	46,405	**कुल**	45,738	**कुल**	12,069

कुल मृत्युः 349

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी)	4,519	**ओपीडी प्रक्रियाएं**	6,836

ओपीडी कीमोथेरेपी सेवाएं (उपचार कक्ष संख्या 15)			
पुरुष वयस्क	5,134	बच्चे	5,940
महिला वयस्क	2,447	बच्चियाँ	2,422
कुल		**15,943**	

ओपीडी उपस्थिति

महीना एवं वर्ष	**नए रोगी**			**पुराने रोगी**		
	पुरुष	**महिला**	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**	**कुल**
अप्रैल 2018	592	499	1,091	6,464	6,563	13,027
मई 2018	727	610	1,337	7,422	7,559	14,981
जून 2018	589	517	1,106	6,392	6,434	12,826

जुलाई 2018	627	551	1,178	6,971	6,993	13,964
अगस्त 2018	662	605	1,267	7,327	7,396	14,723
सितंबर 2018	567	502	1,069	6,545	6,808	13,353
अक्टूबर 2018	617	531	1,148	7,216	7,929	15,145
नवंबर, 2018	583	448	1,031	6,325	7,118	13,443
दिसंबर 2018	599	516	1,115	7,034	8,218	15,252
जनवरी 2019	677	512	1,189	6,833	7,459	14,292
फरवरी 2019	681	507	1,188	6,299	7,241	13,540
मार्च 2019	624	543	1,167	6,275	6,859	13,134
कुल	**7,545**	**6,341**	**13,886**	**81,103**	**86,577**	**1,67,680**

नए रोगियों का भौगोलिक वितरण

क्र. सं.	राज्य/राष्ट्र	कुल
1.	आंध्र प्रदेश	13
2.	अंडमान निकोबार	2
3.	असम	34
4.	अरुणाचल प्रदेश	4
5.	बिहार	1,876
6.	चंडीगढ़	3
7.	छत्तीसगढ़	30
8	दादर एवं नगर हवेली	-
9.	दमन और दीव	1
10.	दिल्ली	4,179
11.	गोवा	2
12.	गुजरात	5
13.	हरियाणा	1,585
14.	हिमाचल प्रदेश	47
15.	जम्मू एवं कश्मीर	138
16.	झारखंड	147
17.	केरल	16
18.	कर्नाटक	6
19.	लक्षद्वीप	-
20.	मध्य प्रदेश	242

21.	महाराष्ट्र	17
22.	मेघालय	-
23.	मणिपुर	47
24.	मिजोरम	5
25.	नागालैंड	8
26.	ओडिशा	47
27.	पांडिचेरी	4
28.	पंजाब	81
29.	राजस्थान	296
30.	सिक्किम	33
31.	तमिलनाडु	11
32.	तेलंगाना	03
33.	त्रिपुरा	7
34.	उत्तर प्रदेश	4,415
35.	उत्तरांचल	395
36.	पश्चिम बंगाल	133
	कुल	**13,832**
37.	अफ़ग़ानिस्तान	7
38.	बांग्लादेश	6
39.	बहरीन	1
40.	कैमरून	2
41.	फ़िजी	1
42.	इराक	1
43.	कजाखस्तान	1
44.	नेपाल	34
45.	उज़्बेकिस्तान	1
	कुल	**54**
	कुल योग	**13,886**

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान सेवाएं

1.	हीमोग्रामः हीमोग्लोबिन, कुल ल्यूकोसाइट गणना, प्लेटलेट्स	51,137
2.	परिधीय रक्त धब्बा	8,012

3.	अस्थि मज्जा आकांक्षा	4,373
4.	साइटो -रसायन विज्ञान	1,163
5.	सीरम प्रोटीन वैद्युतकणसंचलन	4,213
6.	इम्म्यूनोफिक्सेशन	2,782
7.	मूत्र वैद्युतकणसंचलन	1,800
8.	ट्यूमर मार्कर	3,366
9.	फ्लो साइटॉमेट्री	34,324
10.	मस्तिष्कमेरु द्रव	1,147
11.	एरिथ्रोसाइट सेडीमेंटेशन दर	573
12.	आणविक जीव विज्ञान	4,416
13.	सीरम फ्रीलाइट चेन	3,886
14.	साइटोपैथोलॉजी	-
15.	बीटा 2-माइक्रोग्लोबुलिन	462
16.	कोशिका विज्ञान	-
17.	एचपीबी डीएनए	-
	कुल	1,21,654

अफेरेसिस

1.	सिंगल डोनर प्लेटलेट्स	2,606
2.	परिधीय रक्त स्टेम सेल-हार्वेस्ट	231
3.	हीमोग्राम	24,002
4.	प्लाज्मा	-
5.	ग्रैनुलोसाइट्स की संख्या	57
6.	प्लाज्मा एक्सचेंज	11
	कुल	26,907

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला सेवाएं

1.	फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	317
2.	चिरामवाद के लिए साइटोजेनेटिक्स	01
3.	सीएमएल (गुणात्मक) में पी210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर	475
4.	सीएमएल (गुणात्मक) में पी210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का	17

	पता लगाने के लिए आरक्यू-पीसीआर	
5.	सीडी 34 प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा गणना	371
6.	सीडी 3 प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा गणना	13
7.	एमएनसी गणना	231
8.	-80 डिग्री सेल्सियस पर स्टेम कोशिकाओं का क्रायोप्रीजर्वेशन	137
9.	4 डिग्री सेल्सियस पर स्टेम कोशिकाओं का भंडारण	94
10.	स्टेम सेल का आसव	134
11.	स्टेम सेल की व्यवहार्यता	164
12.	एस्परगिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	2,052
	कुल	**4,006**

डॉ. अतुल शर्मा ने 3-30 सितंबर 2018 को लेह (लद्दाख), जम्मू और कश्मीर में सुपरस्पेशलिटी चिकित्सा शिविर में भाग लिया।

डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद ने अप्रैल 2018 से विभाग में कैंसर रोगियों के लिए दो जैव रासायनिक जांचों की शुरूआत कीः **(i)** सीरम एलडीएच जांच और **(ii)** सीरम एमजी2 + जांच

चिकित्सा भौतिकी

विकिरणित रक्त थैलियों की संख्या	1,152
एक्स-रे मशीनों पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	2,322
रेडियोलॉजी (मुख्य) पर फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	27
एक्स-रे इकाइयों में विकिरण उत्पादन माप	398
एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	76
विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	2
असंगत अनावरण गर्भधारण के लिए सलाह देना	9
एम्स में लीड एप्रन पर किए गए क्यूए परीक्षण	31
कुल	**4,017**

रेडियोथेरेपी सेवाएं

1.	रेडियोथेरेपी के मामले	65,792
2.	ब्रैकीथेरेपी के मामले	835
3.	उपचार योजना और सिमुलेशन	3,894
4.	दो और तीन आयामी खुराक वितरण	619

5.	कम्पेंसेटर्स	447
6.	परिरक्षण ब्लॉक स्थिरीकरण उपकरण	2,168
7.	विकिरण समीक्षा क्लिनिक	1,667
8.	योजना सी.टी.	1,975
	कुल	**77,397**

रेडियोडायग्नोसिस

सीटी स्कैन	7,448
अल्ट्रासाउंड	7,045
मैमोग्राफी	2,086
मैमोग्राफी	17,430
डॉपलर	296
अल्ट्रासाउंड और सीटी निर्देशित हस्तक्षेप	1,807
फ्लोरोस्कोपी जांच और निर्देशित हस्तक्षेप	765
हस्तक्षेप मैमोग्राफी	28
कुल	36,905

ओन्को-एनेस्थेसिया और प्रशामक चिकित्सा

1. आईआरसीएच, एम्स में 'पेन-पॉलिसी' शुरू हुई। इस पॉलिसी का उद्देश्य है; आईआरसीएच सभी पंजीकृत रोगियों के दर्द का उपचार करने के लिए प्रतिबद्ध है।
2. पलिएटिवकेयर यूनिट ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर का सर्टीफिकेट कोर्स डॉ. बीआरए, आईआरसीएच वर्ष में दो बार पैलिएटिव केयर में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के सर्टीफिकेट कोर्स को चलाने का नोडल सेंटर है।
3. कैंसर रोगियों में दर्द के मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक पहलू पर शोध
4. दर्द और प्रशामक देखभाल के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक शोध शुरू हुआ

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

क्र. सं.	**जाँच**	**संख्या**
1.	हीमोग्राम	51,137
2.	बोन मैरो	4,373
3.	पेरीफेरियल ब्लड स्मियर	8,012

4.	सीरम प्रोटीन इलेक्ट्रोफॉरिसिस	4,213
5.	यूरिन इलेक्ट्रोफॉरिसिस	1,800
6.	इम्यूनोफिक्सेशन	2,782
7.	सीरम फ्री लाइट चेन	3,886
8.	ईएसआर	573
9.	साइटोकैमेस्ट्री	1,163
10.	साइटोस्पिन	1,147
11.	फ़्लोसाइटॉमेट्री	34,324
12.	मॉलीक्यूलर स्ट्डीज	4,416
13.	बीटा 2 माइक्रोग्लोबुलिन	462
14.	ट्यूमर मार्कर	3,366
15.	एचपीवी डीएनए टेस्ट	1,397
16.	गाइडेड साइटोपैथोलॉजी	610

शल्य अर्बुद विज्ञान

कुल निष्पादित लघु ऑपरेशन और एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं की संख्याः 10,477
कैंसर के किए गए प्रमुख ऑपरेशन की संख्याः 1,592

- बिस्तर पर कुल भर्तीः 100%
- ऑपरेटिव मृत्यु दरः 0.7%
- पुनः ऑपरेशन दरः 1.5%
- पुनः प्रवेश दरः 0.5%
- पेरी ऑपरेटिव मृत्यु संख्या (सीडी ग्रेड **III** और **IV**): 5%

अन्य प्रमुख पहल

एनसीआई-एम्स - शल्य अर्बुद विज्ञान (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) विभाग ने एनसीआई झज्जर में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सेवाओं की योजना, प्राप्ति व शुरूआत करने में सक्रिय योगदान दिया है। ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाएँ फरवरी 2019 में शुरू हुईं।

आयोजनः

(i) 'कैंसर सहयोग' के सहयोग से स्तन कैंसर सर्वाइवर और चिकित्सकों की इंटरएक्टिव मीटिंग और (ii) एम्स के फिजियोथेरेपी प्रभाग में 'स्तन कैंसर के रोगियों के पुनर्वास में फिजियोथेरेपी की भूमिका' पर कार्यशाला

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट कार्यक्रम

ओन्को-एनेस्थेसिया और प्रशामक चिकित्सा

आचार्य सुषमा भटनागर इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलियेटिव केयर की अध्यक्ष हैं; अगस्त 2020 में एम्स्टर्डम में आयोजित होने वाली दर्द पर विश्व कांग्रेस की वैज्ञानिक समिति की सदस्य; 12-16 सितंबर 2018 के दौरान बोस्टन में आयोजित होने वाली दर्द पर विश्व कांग्रेस की वैज्ञानिक समिति; कार्यान्वयन समूह की सदस्य- लैंसेट कमीशन ग्लोबल कंट्रोल टू पेन कंट्रोल एंड पेलियेटिव केयर, 2018; अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी द्वारा कॉन्कर कैंसर फाउंडेशन से 2018 इंटरनेशनल इनोवेशन ग्रांट (परियोजना आईडी 12554) की प्राप्तकर्ता; 2023 तक छह वर्ष की अवधि हेतु इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडीज़ ऑफ पेन (आईएएसपी) परिषद की 'काउंसिल मेंबर'; 2009 से इंडियन जर्नल ऑफ पेलियेटिव केयर के मुख्य संपादक; 2014 में तीन वर्ष के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ होस्पीस एंड पेलियेटिव केयर (आईएएचपीसी) के निदेशक मंडल के रूप में नियुक्त किया गया है; एशिया पैसिफिक धर्मशाला प्रशामक देखभाल नेटवर्क, 2012-2018 द्वारा प्रशामक देखभाल कार्यक्रम में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण की 'डिप्टी टीम लीडर'; भारत में प्रशामक देखभाल कार्यक्रम की 'मास्टर संरक्षक' के रूप में नियुक्त; लैंसेट ऑन्कोलॉजी और ब्रिटिश जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया हेतु लेखों की समीक्षक है; एम्स, रायपुर में संकाय पदों की भर्ती हेतु चयन समिति में विशेषज्ञ; 4 जनवरी 2019 को रायपुर में एम्स में संकाय पदों की भर्ती हेतु चयन समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित; 24 अक्टूबर 2018 को मणिपाल के कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज में भारत में कैंसर उपचार केंद्रों के लिए उपशामक देखभाल कार्यक्रम, भारत में कैंसर उपचार केंद्र (मूल्यांकन) के लिए प्रशामक देखभाल प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार करने के लिए मूल्यांकन।

डॉ. राकेश गर्ग को इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया पुरस्कार आईएसए भोपाल पुरस्कार 2018 प्राप्त हुआ; डॉ. वाई.जी. भोज राज अवार्ड 2018-आईजेए में सर्वश्रेष्ठ समीक्षा लेख, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट द्वारा सम्मानित पुरस्कार; ऑल इंडिया डिफिकल्ट एयरवे एसोसिएशन का आधिकारिक प्रकाशन; "एयरवे" जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के लिए एसोसिएट संपादक है; एनेस्थिसियोलॉजी और क्लिनिकल फार्माकोलॉजी जर्नल; जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट जो पबमैड इंडेक्सेड पीयर रिव्यू जर्नल हैं।

डॉ. निष्कर्ष गुप्ताः टीएमएच 2018 में सिर और गर्दन के कैंसर रोगियों में वायुमार्ग प्रबंधन विकल्पों के साथ बहुभिन्नरूपी जोखिम सूचकांक का सहसंबंध: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण ने एसओएपीसीसी में प्रस्तुति के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्राप्त किया; सामान्य संज्ञाहरण के तहत प्रमुख ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में इंट्रोऑपरेटिव हाइपोथर्मिया पर मजबूर एयर वार्मिंग और अमीनो एसिड के घोल का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, (आरएसएसीपीसीओएन 2018 में नवाचार में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया); आईजेए के समीक्षक, बीएमजे ओपन, जेओएपीसी, ईरानी जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ़ कैंसर; डॉ. डी वाई पाटिल विद्यापीठ के मेडिकल जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; 1-3 मार्च 2019, एम्स पीयूएलएमओसीआरआईटी, दिल्ली में फेफड़ों के कैंसर संगोष्ठी, एम्स पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

डॉ. राजीव कुमार मल्होत्रा ने 26-28 अक्टूबर 2018 को महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पांडिचेरी में आयोजित राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के वार्षिक सम्मेलन में पत्र शीर्षक "रिसीवर ऑपरेटिंग कैरेक्टरिस्टिक (आरओसी) कर्व फॉर मेडिकल रिसर्च" की मान्यता के लिए डॉ. अभय इंद्रायन पुरस्कार प्राप्त किया

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

आचार्य रितु गुप्ता को एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2019 मिला।

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता 26 मार्च 2019 को एम्स, नई दिल्ली में "बीसीआर-एबीएल1 में आणविक आनुवंशिक प्रोफ़ाइल नकारात्मक पीडियाट्रिक बी-सेल तीव्र लैकोब्लास्टिक ल्यूकेमिया इसके अलावा परिणाम अंत-प्रेरण न्यूनतम अवशिष्ट रोग का पता लगाने की भविष्यवाणी को और अधिक परिष्कृत कर सकता है" शीर्षक के उत्कृष्ट प्रकाशन (क्लिनिकल रिसर्च) के लिए दूसरे पुरस्कार ऑन्कोलॉजी रिसर्च अवार्ड 2019 के प्राप्तकर्ता थे; दिनांक 25-28 अक्टूबर 2018 को कोच्चि, केरल में इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन के 59वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ समीक्षक पुरस्कार; सितंबर 2018 को एम्स, नई दिल्ली में हिंदी निबंध-प्रतियोगिता में पुरस्कार; दिनांक 23 सितंबर 2018 को यूसीएमएस, दिल्ली में 29वें वार्षिक डीएसएच सम्मेलन में पोस्टर सत्र के निर्णायक थे; दिनांक 29 अक्टूबर -1 नवंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली में टीसीएस सम्मेलन "केस प्रेजेंटेशन सेशन", 11 वीं वार्षिक द सिमिट्री सोसाइटी की बैठक के अध्यक्ष; दिनांक 29 अक्टूबर -1 नवंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली में टीसीएस कार्यशाला - "सीएलपीडी सत्र", 11वीं वार्षिक द साइटोमेट्री सोसायटी की बैठक और कार्यशालाएं के अध्यक्ष; दिनांक 6-7 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली में लिम्फोमा पर अंतर्राष्ट्रीय सीएमई "टी सेल लिम्फोमा" में सत्र के अध्यक्ष।

डॉ. अनीता चोपड़ा ने पेशे में उपलब्धियों की स्वीकृति के रूप में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस, 2018 की सदस्यता और चिकित्सकों के लिए डीबीटी वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट कैरियर फेलोशिप प्राप्त की।

डॉ. प्रणय तंवर को ऑस्ट्रेलिया के न्यूकैसल विश्वविद्यालय में मास्टर ऑफ फिलॉसफी के बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। दिनांक 12-15 सितंबर 2018 को ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए में एसओएचओ-2018 में आयोजकों द्वारा भाग लेने के लिए एसईआरबी, डीएसटी और स्थानीय आतिथ्य से यात्रा अनुदान प्राप्त किया; दिनांक 21-24 अक्टूबर 2018, एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलियन साइटोमेट्री सोसायटी की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए एम्स, नई दिल्ली यात्रा अनुदान। वह एम्स, नई दिल्ली में सत्र -1, 9 से 10 बजे, 12-13 मई 2018 तक लंग कैंसर अपडेट में अध्यक्ष थे; 6-7 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली में लिम्फोमा पर अंतर्राष्ट्रीय सीएमई "टी सेल लिम्फोमा" सत्र के अध्यक्ष; 11-12 मार्च 2019 को इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेज, मेडिकल बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में फ्रंटियर्स ऑन हेल्थ साइंसेज (एनसीएफएचएस-2019) पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष। वह

एसईआरबी, डीएसटी में अर्ली कैरियर रिसर्च और आईएमपीआरआईएनटी ग्रांट की श्रेणी में विभिन्न एक्सट्रैमेंटल प्रोजेक्ट्स के समीक्षक हैं।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

आचार्य ललित कुमार सदस्य संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर), (जुलाई 2018); 15 सितंबर 2018 को कछार कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, सिलचर, असम में 'एस कृष्ण मूर्ति मेमोरियल ओरेशन' दिया; इंडियन साइंस एकेडमी, बैंगलोर में काउंसिल सदस्य है और विभिन्न विशेषज्ञ समिति -11-12 जून, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित कैंसर कंसोर्टियम आर एंड डी कार्यक्रम (डीबीटी) बैठक की स्क्रीनिंग समिति के सदस्य; दिल्ली विश्वविद्यालय-साउथ कैंपस (2018 के बाद) हेतु स्टेम सेल रिसर्च (आईसी-एससार) की संस्थागत समिति के सदस्य; भारत सरकार द्वारा एनपीसीडीसीएस की तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य; सदस्य, सीरम संस्थान, पुणे (2018-2019) द्वारा क्यूएचपीवी टीकाकरण अध्ययन के डीएरसएमबी (डेटा सेफ्टी मॉनिटरिंग बोर्ड); गैर संचारी रोगों (एनसीडी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (2019 के बाद) के विभाग हेतु वैज्ञानिक सलाहकार समूह; शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज श्री नगर में (14 अगस्त 2018) डीएम (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान) परीक्षक हैं; 30 नवंबर 2018 को एम्स, नई दिल्ली (सन फार्मा साइंस फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित) में “न्यू फ्रंटियर्स ऑन ऑन्कोलॉजी” के आयोजन सचिव हैं।

आचार्य अतुल शर्मा ने 15-16 फरवरी 2019 को नई दिल्ली में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक "हेमेटोलॉजी अपडेट ईयर इन रिव्यू 2018" का आयोजन किया; सत्र की अध्यक्षता की - आईएससीओ (इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी) में एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया (एएमएल) में उपचार के चयन पर अगली पीढ़ी की अनुक्रमण (एनजीएस) का प्रभाव; दिल्ली में मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर पर एक बैठक आयोजित की; चेयरपर्सन, सिर और गर्दन के कैंसर में टीओयूएसएस में सिर और गर्दन के कैंसर में सर्जिकल ओरल सर्जिकल विकल्प; एबीआईएससीओएन 2018 में एडवांस ब्रैस्ट कैंसर के प्रबंधन में ट्रांसफॉर्मिंग देखभाल और अधिकतम प्रतिक्रिया सत्र की अध्यक्षता की; टाटा मेमोरियल अस्पताल और नाग फाउंडेशन में स्तन कैंसर सम्मेलन की समीक्षा में वर्ष का चौथे संस्करण सत्र की अध्यक्षता की; भारत में कैंसर के साक्ष्य आधारित प्रबंधन पर ईबीएम 2019 में सहायक उपचार और साहित्य अद्यतन सत्र की अध्यक्षता की; आई.आर.सी.एच., एम्स, नई दिल्ली में डॉ. एरिक वान कटसेम द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आचार्य समीर बख्शी ने वर्ष 2017-2018 के दौरान उत्कृष्ट प्रकाशित शोध कार्यों के लिए एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड -2018 प्राप्त किया; नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एनएएसआई) 2018 की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. रंजीत कुमार साहू को 2018 में एएसएच-वीटीपी (आगंतुक प्रशिक्षण कार्यक्रम) पुरस्कार मिला; 2019 में आईएसीए फैलोशिप; सितंबर 2018 में एमडीएसीसी, ह्यूस्टन, टेक्सास में ल्यूकेमिया विभाग में प्रेक्षकता।

डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद 3 मई, 2018 को एनएचआरसी, नई दिल्ली में भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित 'ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग' पर एचटीए के कार्य समूह समिति के सदस्य हैं; जून 2018 से आज तक यूरोपीय एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (ईएसीआर) के राजदूत हैं; 28 जुलाई 2018 को सर्वश्रेष्ठ एएससीओ बैठक में स्तन कैंसर मेटास्टेसिस पर सर्वश्रेष्ठ एएससीओ एबस्ट्रेक्ट हेतु पैनलिस्ट; 14 अगस्त 2018 को 'ऑटोमेटेड न्यूक्लिक एसिड एक्सट्रैक्शन सिस्टम फॉर सीटीडीएनए - बाय प्रोमेगा' के लिए कार्यशाला आयोजित की;
18 दिसंबर 2018 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एनीमल टीशू कल्चर (बीटी 355) हेतु प्रायोगिक परीक्षा/मौखिक परीक्षा के बाहरी विशेषज्ञ थे; 15 फरवरी 2019 को 'हेमेटोलॉजी अपडेट ईयर इन रिव्यू 2019' में सीएमएल सत्र के अध्यक्ष थे।
डॉ. थौदाम देबराज सिंह को बायोमेडिकल और फार्माकोलॉजिकल जर्नल द्वारा "रिव्यूवर ऑफ द ईयर अवार्ड 2018-19" से सम्मानित किया गया; 15 फरवरी 2019 को 'हेमेटोलॉजी अपडेट ईयर इन रिव्यू 2019' में नॉन-हॉजकिन लिंफोमा सत्र के अध्यक्ष थे।

डॉ. मयंक सिंह ने 14 अगस्त, 2018 को दिल्ली में "ऑटोमेटेड न्यूक्लिक एसिड एक्सट्रैक्शन सिस्टम फॉर सीटीडीएनए-बाय प्रोमेगा" के लिए कार्यशाला आयोजित की; वे 15 फरवरी 2019 को 'हेमाटोलॉजी अद्यतन वर्ष 2019 की समीक्षा' पर कई मायलोमा सत्र के अध्यक्ष थे।

चिकित्सा भौतिकी

आचार्य प्रतीक कुमार को एसोसिएशन ऑफ़ मेडिकल फिजिसिस्ट ऑफ़ इंडिया (एएमपीआई) के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया; डीएसटी द्वारा सदस्य के रूप में नामित किया गया था, एम्स, दिल्ली में परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा (एसएआईएफ) हेतु सुविधा प्रबंधन समिति; सोशल इनोवेशन प्रोग्राम्स फॉर प्रोडक्ट एफोर्डेबल एंड रीलेवेंट टू सोसाइटल हेल्थ (एसपीएआरएसएच) के तहत परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), डीबीटी द्वारा आमंत्रित किया गया; आईसीएमआर द्वारा फंडिंग के लिए अवधारणा प्रस्तावों की समीक्षा करने हेतु इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च (आईटीआर) डिवीजन की बैठक में भाग लिया; बीआईआरएसी और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स पर उद्योग नवाचार कार्यक्रम (आईएमबीएमई) के तहत वित्त पोषित परियोजनाओं की समीक्षा की; जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) के लिए आवेदन के अंतिम चयन के लिए बीआईआरएसी द्वारा विशेषज्ञ चयन समिति की बैठक; चिकित्सा उपकरणों और निदान, बीआईआरएसी पर 115 वीं तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टीईसी) की उप-समिति के सदस्य; राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन, बीआईआरएसी के तहत चिकित्सा उपकरणों और निदान के लिए 2 वैज्ञानिक सलाहकार समूह के सदस्य; टीईसी, एसपीएआरएसएच, बीआईआरएसी के सदस्य; थर्मोचिमिका एक्टा (एल्सेवियर), इंडियन जे रेडिओल इमेज, जे ल्यूमाइनस्कैन्स, एप्लाइड रेडिएशन एवं आइसोटोप और जे मेड फिजिक्स की प्रस्तुत पांडुलिपियों हेतु रेफरी थे; एएमयू अलीगढ़, केजीएमयू लखनऊ, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, आईजीआईएमएस पटना में रेडियोथेरेपी/रेडियोलॉजी प्रौद्योगिकी के

स्नातक के लिए प्रश्नपत्र सेटर और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में एमएससी मेड. टेक रेडियोडायग्नोसिस; 2-4 नवंबर 2018 को एएमपीआईसीओएन-2018, चेन्नई, में एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट ऑफ इंडिया के 39वें वार्षिक सम्मेलन में "रेडियोलॉजिकल परीक्षाओं में लाभ बनाम जोखिम" विषय के लिए पैनलिस्ट थे; 27-28 अक्टूबर 2018 को केजीएमयू, लखनऊ में इंडियन सोसाइटी ऑफ़ रेडियोग्राफ़र्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की; 7-9 जनवरी 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में न्यू फ्रंटियर्स में नैनोमेडिकल साइंसेज और केमिस्ट्री बायोलॉजी इंटरफेस सिनर्जिस्टिक पर छठवीं विश्व कांग्रेस; उत्तरी क्षेत्रीय नियामक केंद्र (एनआरआरसी), एईआरबी, नई दिल्ली में उत्तरी क्षेत्र (ईआईसी-एनआर) की विकिरण सुविधाओं के लिए एक्सपोजर जांच समिति की बैठकों की अध्यक्षता की; चिकित्सा भौतिकी राजपत्र, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिक्स ऑफ इंडिया (एएमपीआई) के समाचार पत्र के संपादक थे; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स; सदस्य इलेक्ट्रो-मेडिकल उपकरण अनुभागीय समिति, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली।

रेडियोडायग्नोसिस

वर्ष 2019-2020 के लिए **डॉ. मुकेश कुमार यादव** को सोसायटी फॉर इमरजेंसी रेडियोलॉजी इंडिया के कोषाध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया गया।

विकिरण अर्बुद विज्ञान

आचार्य जी.के. रथ ने 12 मई, 2018 को महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जयपुर में धनवन्तरी भाषण (ओरेशन) दिया; क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम के लिए एक नए निदेशक की नियुक्ति के लिए खोज समिति के अध्यक्ष थे; 29 से 31 जुलाई 2018 तक एसआईडीसीयूपी में गाएज़ कैंसर सेंटर और इसकी उपग्रह इकाई का दौरा करने के लिए लंदन की प्रतिनिधिमंडल के सदस्य हैं; 18 जून 2018 को असम सरकार के साथ साझेदारी में कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में कैंसर देखभाल सुविधाओं के ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह के लिए आमंत्रित किया गया; 21 अप्रैल 2018 को अमरावती में आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के साथ कैंसर की देखभाल के लिए बैठक के लिए आमंत्रित किया गया; 16-17 अप्रैल 2018 के इम्फाल में एनसीआई इंडिया-आईबीएसडी संयुक्त कैंसर अनुसंधान पहल में भाग लिया; 2 दिसंबर 2018 को हौसला कैंसर जागरूकता अभियान पर विशेष ध्यान देते हुए 513 जिलों, 5 राज्यों को शामिल करते हुए बेरहमपुर से पुणे तक 1,481 किलोमीटर तक कैंसर जागरूकता अभियान के लिए फ्लैग ऑफ समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में सम्मानित किया गया; सिल्चर में 26 से 27 अप्रैल तक जय विज्ञान द्वितीय कार्यक्रम के तहत 6 एमईवी एलआईएनएसी की तैनाती के लिए साइट विजिट में और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, असम द्वारा आयोजित 1 सितंबर 2018 को डॉ. बी. बरुआ कैंसर अस्पताल गुवाहाटी में सिर और गर्दन का कैंसर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया; एसएएमईईआर, मुंबई द्वारा विकसित की जा रही दोहरी ऊर्जा चिकित्सा एलआईएनएसी की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रक्रिया की देखरेख करने वाली समिति; तिरुवनंतपुरम द्वारा कार्यान्वित सीडीएसी, सर्वाइकल कैंसर (सर्वी स्कैन-द्वितीय) के लिए कम लागत वाली स्वचालित स्क्रीनिंग प्रणाली का विकास परियोजना के लिए पीआरएसजी; राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर), भारतीय चिकित्सा

अनुसंधान परिषद, बेंगलुरु की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); एसएएमईईआर, मुंबई और आईएनएमएएस, डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा कार्यान्वित की रही परियोजना शीर्षक 'चिकित्सा और अन्य अनुप्रयोगों के लिए उच्च ऊर्जा इलेक्ट्रॉन रैखिक त्वरक प्रौद्योगिकी का अनुसंधान और विकास' की राष्ट्रीय संचालन समिति के अध्यक्ष हैं; आरएमएलआईएमएस, लखनऊ में अपने सामान के साथ 4 डीसीटी सिम्युलेटर के निविदा विनिर्देश विकसित करने की लिए बाहरी विशेषज्ञ की विशेषज्ञ समितियाँ / निकाय; परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी), भारत सरकार के सदस्य हैं; राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बेंगलुरु कप कैंसर पर अनुसंधान क्षेत्र पैनल के सदस्य; 16 जुलाई 2018 को केजीएमयू, लखनऊ में संकाय चयन (रेडियोथेरेपी) के विशेषज्ञ; 14 जुलाई 2018 को आईजीआईएमएस, पटना की रेडियोथेरेपी विभाग की स्थायी चयन समिति के सदस्य; एआईपीएच विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, एम्स, भोपाल, सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट और अस्पताल, लखनऊ, आचार्य तुलसी क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, बीकानेर, आचार्य हरिहर क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कटक और क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, अगरतला, और क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, इलाहाबाद की शासी निकाय के सदस्य; 23 जून 2018 को एनईआईजीआरआईएमएस, शिलांग में ब्रैकीथेरेपी इकाइयों के तकनीकी मूल्यांकन के विशेषज्ञ; अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के तहत राष्ट्रीय कैंसर संस्थान द्वारा विकसित की जा रही ऑनलाइन स्क्रीनिंग मॉड्यूल/पाठ्यक्रम की सामग्री की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समूह समिति के सदस्य; सीएनसीआई, कोलकाता का स्थायी शैक्षणिक और अनुसंधान परिषद (एसएआरसी) के सदस्य; 14 अक्टूबर 2018 को आयुष्मान भारत पर डीडी न्यूज के कार्यक्रम में भाग लिया।

आचार्य डी.एन. शर्मा को यूरोपियन सोसाइटी ऑफ रेडियोथेरेपी एंड ऑन्कोलॉजी, द नीदरलैंड्स द्वारा समीक्षा में उत्कृष्ट योगदान का प्रमाणपत्र दिया गया।

आचार्य सुष्मिता पथी नई दिल्ली में 9-11 नवंबर, 2018 को सातवें वार्षिक सम्मेलन में सत्र की और एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया (एबीएसआईसीओएन-2018) की कार्यशाला की अध्यक्ष थीं; नई दिल्ली में 18 दिसंबर, 2018 को आईएलबीएस के लिए संकाय पद के साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ; कोच्चि, केरल में 8-10 फरवरी, 2019 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर, आईएपीसीओएन-2019 के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की चेयरपर्सन; कोलकाता में 2-4 मार्च, 2019 को कोलकाता गाइकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी ट्रायल एंड ट्रांसलेशन रिसर्च ग्रुप की पहली वार्षिक बैठक में कोर ग्रुप क्लिनिकल ट्रायल एवं स्टडी पोर्टफोलियो प्लानिंग की चेयरपर्सन एवं सदस्य; कोच्चि, केरल में फरवरी 2019 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलियेटिव केयर, आईएपीसीओएन-2019 के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सार की समीक्षक और विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं में समीक्षक हैं; जे.एल.एन सभागार में फरवरी, 2019 को 'बचपन में कैंसर का इलाज संभव है' पर सार्वजनिक व्याख्यान में स्पीकर थीं।

डॉ सुभाष गुप्ता दिल्ली में फरवरी 2019 को आरजीसीओएन में एसबीआरटी लंग पर सत्र के; दिल्ली में 5-

6 मई 2018 को बेस्ट ऑफ एएसटीआरओ के; दिल्ली में 12-13 मई, 2018 को लंग कैंसर एट लंग कैसर अफडेट- एम्स एनसीआई पहल में अध्यक्ष थे; इंडियन एसोसि 2018, दिल्ली के आरजीसीओएन में लंग के दो सत्र के चेयरपर्सन थे; चंडीगढ़ में 15-16 सितंबर को एनजेडएआरओआईसीओएन के; बीकानेर, राजस्थान में 18-19 अगस्त 2018 को सर्वश्रेष्ठ पत्र पुरस्कार सत्र के निर्णायक थे; आईसीपीओ, नोएडा की कैंसर स्क्रीनिंग गतिविधियों के साथ जुड़े; कैंसर रोगियों की सेवा के लिए अशोक मिशन द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

डॉ. हरेश के.पी. नई दिल्ली में 12 मई, 2018 को लंग कैंसर अपडेट 2018- एक एम्स एनसीआई पहल में सत्र के; नई दिल्ली में 6 मई, 2018 को बेस्ट ऑफ एएसटीआरओ में लंग ट्रैक सत्र के; नई दिल्ली पहल में 6 मई, 2018 को एएसटीआरओ की सहायक चिकित्सक में अग्रिम के अध्यक्ष थे; आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली में ऑन्कोलॉजी में प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी, आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली में रिसर्च मेथडोलॉजी सेल की प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी, एम्स, नई दिल्ली में तंबाकू मुक्त शिक्षा संस्थान समिति, एम्स, नई दिल्ली में रेडियोलॉजी टेक्नोलॉजिस्ट की डीपीसी समिति एम्स, नई दिल्ली में रेडियोथेरेपी प्रौद्योगिकीविदों की डीपीसी समिति के 3 अक्टूबर, 2018 से सदस्य हैं; आरएंडआर अस्पताल, नई दिल्ली में 9-11 मई, 2018 को हुई अंतिम डीएनबी रेडियोथेरेपी प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए परीक्षक हैं; आईसीपीओ, नोएडा की कैंसर स्क्रीनिंग गतिविधियों के साथ जुड़े; कैंसर रोगियों की सेवा के लिए 23-30 सितंबर, 2018 को लेह में अशोक मिशन द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

शल्य अर्बुद विज्ञान

आचार्य एस.वी.एस. देव ने 24-25 अगस्त 2018 को एफएएसआईसीओएन, कडपा में सीवीके राव स्मारक भाषण (मेमोरियल ओरेशन); "शल्य अर्बुद विज्ञान अतीत, वर्तमान और भविष्य"; अरुण बैनर्जी स्मारक भाषण (मेमोरियल ओरेशन), स्वर्ण जयंती समारोह, आईपीजीएमईआर, कोलकाता "ऑन्कोलॉजी में कम्प्यूटरीकृत डेटाबेस विकास"; 24 मार्च, 2019 को यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल नॉर्थ मिडलैंड्स, यूके में विजिटिंग अंतर्राष्ट्रीय संकाय द्वारा "भारत में कैंसर सुनामी-तथ्य और आंकड़े" पर ग्रैंड राउंड वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया; ब्रेस्ट सर्जरी इंटरनेशनल, स्विट्जरलैंड में कोषाध्यक्ष के रूप में चुने गए; अध्यक्ष "इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिटोनियल सर्फेस मैलिग्नेंसीज़"; कोषाध्यक्ष "एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया"; उपाध्यक्ष "एनसीआर ऑन्कोलॉजी फोरम"।

डॉ. सुनील कुमार ने 8 जून 2018 को फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) में "नौवाँ डॉ. टी. एन. बाजपेयी स्मारक भाषण (मेमोरियल ओरेशन)" दिया।

डॉ. एम.डी. रे को 2018 में ग्लासगो से एफआरसीएस से सम्मानित किया गया था।

10-4 Mk- jktsUnz izlkn us= foKku dsUnz

आचार्य एवं अध्यक्ष

अतुल कुमार

आचार्य

प्रदीप शर्मा	रमनजीत सिहोटा	गीता सत्पथी (नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान)
जे एस टिटियाल	राधिका टंडन	एस के खोखर
शक्ति कुमार गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक)	महेश चंद्र	दिलीप एस शिंदे (नेत्र संवेदनाहरण)
मंदीप सिंह बजाज	राजपाल वोहरा	सीमा सेन (नेत्र विकृति विज्ञान)
संजय शर्मा (विकिरण निदान)	सीमा कश्यप (नेत्र विकृतिविज्ञान)	नम्रता शर्मा
तनुज दादा	प्रदीप वेंकटेश	नीलम पुष्कर
टी वेल्पंडियन (नेत्र भेषजगुण)	प्रवीन वशिष्ठ (सामुदायिक नेत्रविज्ञान)	जसबीर कौर (नेत्र जैवरसायन)
रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता	रेणु सिन्हा (नेत्र संवेदनाहरण)
तुषार अग्रवाल	एम वानथी	राजेश सिन्हा

भावना चावला (अवकाश पर)

अपर-आचार्य

पारिजात चन्द्रा

सह-आचार्य

सेंजम सूरज सिंह (नेत्र सामुदायिक)	आलोक कुमार रवि (नेत्र जैवरसायन)	नबानिता हलदर (नेत्र भेषजगुणविज्ञान)

सहायक आचार्य

नूपुर गुप्ता	रचना मील	विनोद कुमार
रोहन चावला	स्वाती फुलझले	विवेक गुप्ता (सामुदायिक नेत्रविज्ञान)
निशात हुसैन अहमद (नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान)	शिखा गुप्ता	नेईवेटे लोमी
देवांग अंगमो	प्रफुल्ल महाराणा	शौर्य वर्धन आज़ाद
नीलिमा	कनिल रंजीत कुमार (नेत्र संवेदनाहरण)	अरशद अय्यूब (नेत्र संवेदनाहरण)

विशिष्टताएं

डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, देश में नेत्र उपचार के लिए सर्वोच्च केंद्र, रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक उपकरणों और विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ एक प्रमुख सुपर-स्पेशियलिटी संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। डॉ.रा.प्र.केंद्र की कुछ मुख्य विशेषताएं हैं:-

- दृष्टिविहीनता की रोकथाम के लिए डबल्यूएचओ सहयोग केंद्र
- 100 से अधिक स्नातकोत्तर रेज़िडेन्ट्स और 50 से अधिक वरिष्ठ रेज़िडेन्ट्स को किसी भी समय प्रशिक्षित किए जाने के साथ दुनिया में सबसे बड़ा स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम
- भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए नेत्रहीनता एवं दृष्टि विकलांगता नियंत्रण राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत नेत्र देखभाल गतिविधियों की योजना और नीति विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। केंद्र के प्रमुख, कार्यक्रम हेतु मंत्रालय के सलाहकार हैं।
- नेत्र विज्ञान की उप-विशिष्टताओं पर 22 वैज्ञानिक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें लाइव इंटरैक्टिव सर्जिकल सत्र और प्रशिक्षण के साथ व्यक्तिगत प्रशिक्षण सत्रों को शामिल किया गया।
- **रेटिना और यूवीया सेवाएं:** विभिन्न दृष्टिगत विटेरो-रेटिनल विकार खतरों के उपचार के लिए एपेक्स रेफरल केंद्र है। पिछले साल कई शोध पत्र प्रकाशित किए गए जिनमें रेटिना कोशिका एंजियोमाटोसिस और नवीन इंट्राऑपरेटिव ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी फीचर के लिए प्रस्तावित वर्गीकरण प्रणाली शामिल है जो मैक्यूलर होल क्लोजर की भविष्यवाणी करता है। अपक्षयी रेटिना संबंधी विकारों पर चल रहे स्टेम सेल अनुसंधान का उद्देश्य भविष्य में दृष्टिहीनों को आशा प्रदान करना है। पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहला संस्थान, 3 डी हेड्स अप डिस्प्ले टेक्नोलॉजी, एनजीएनयूआईआईटी 3 डी विज़ुअलाइज़ेशन सिस्टम का अधिग्रहण करने के लिए, अत्याधुनिक डिजिटल रूप से सहायता प्राप्त विटेरेटिनरी सर्जरी की सुविधा प्रदान करता है।

- **ग्लूकोमा सर्विसेज:** नेशनल प्रोग्राम ऑफ कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस के सहयोग से देश में ग्लूकोमा प्रशिक्षण के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। केंद्र के शोध में पाया गया है कि ध्यान इंट्राऑकुलर दबाव पर बेहतर नियंत्रण प्रदान करने के लिए तनाव को कम करता है और इसे सामयिक दवाओं के साथ सहायक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है
- **कॉर्निया, मोतियाबिंद और अपवर्तक सेवाएं:** फंगल केराटाइटिस में संक्रमण की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कोलेजन क्रॉस-लिंकिंग-उपचार दाता कॉर्निया का उपयोग सहित प्रकाशित पाथ-ब्रेकिंग शोध पत्र। शुष्क एएमडी वाले रोगियों के लिए बेहतर दृश्य परिणामों के लिए विशेष इंट्राओकुलर लेंस के आरोपण जैसी नवीन तकनीकों को शुरू किया गया है। कॉर्नियल डायस्ट्रोफी में आनुवंशिक अनुसंधान पर काम जारी है। कृत्रिम कॉर्निया अनुसंधान पर बायोइंजीनियरिंग चल रही है। आंखों में ग्राफ्टस होस्ट रोग (जीवीएचडी) के लिए विकसित उपचार प्रोटोकॉल और नेत्र विज्ञान में मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ की तैयारी में आईसीएमआर से सहायता ली जा रही है।
- **स्ट्रैबिस्मस और बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान:** विशेष रूप से विशिष्ट सर्जरी अर्थात् जटिल स्ट्रैबिस्मस प्रक्रियाएं, ऑर्बिटोटॉमी, कॉस्मेटिक ओकुलोप्लास्टी, ग्राफ्टिंग प्रक्रिया (प्रावरणी-लता), जन्मजात असामान्यताएं मरम्मत आदि का प्रदर्शन किया जाता है। टोसेस, पलक और अनुबंधित पुनर्निर्माण, रेटिनोब्लास्टोमा, स्ट्रैबिस्मस और न्यूरोप्थाल्मोलॉजी के क्षेत्र में नई सर्जिकल तकनीकों पर शोध जारी है
- **ओकुलोप्लास्टी:** रा.प्र.केंद्र में अच्छे नियंत्रण दर वाले इंट्राओक्यूलर ट्यूमर के लिए प्लाक ब्रैकीथेरेपी की स्थापना की गई है। कई जटिल पलकों की, ऑर्बिटल और लैक्रिमल ड्रेनेज सिस्टम सर्जरी, स्क्लेरोथेरेपी, ऑर्बिटल डीकम्प्रेशन और पुनर्निर्माण की प्रक्रियाएं, इंट्राविट्रियल मेलफेलान, पेरिसेनल इंटरफेरॉन थेरेपी का प्रदर्शन किया जाता है।
- **पर्यावरणीय कारक और नेत्र स्वास्थ्य**: पर्यावरण परिवर्तन और नेत्र संबंधी स्वास्थ्य पर पराबैंगनी किरण जोखिम के प्रभाव पर आईसीएमआर बहुसांस्कृतिक सहयोगात्मक अध्ययन आरपीओ गुवाहाटी, आईआईपीएच हैदराबाद और राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल) की साझेदारी के साथ आरपी सेंटर में शुरू किया गया था।
- **इंडो यूएस सहयोग के तहत, लिंक के साथ स्थापित**: जूल्स स्टीन इंस्टीट्यूट, टफ्ट्स यूनिवर्सिटी, यूटी वेस्टर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, मैसाचुसेट्स आई एंड इयर इन्फर्मरी, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, एनईआई, एनआईएच, बेथेस्डा, एमडी, यूएसए, साइटलाइफ, सिएटल, यूएसए और क्लीवलैंड क्लिनिक, यूएसए
- **एनपीसीबी और VI- राष्ट्रीय दृष्टिहीनता सर्वेक्षण** सहित राष्ट्रव्यापी मधुमेह रेटिनोपैथी सर्वेक्षण इस वर्ष 31 जिलों में पूरा किया गया। <50 वर्ष आयु वर्ग (पिछले 30 वर्षों में) में अंधेपन का पहला देशव्यापी सर्वेक्षण भी केंद्र द्वारा पूरा किया गया था
- भारत में ट्रेकोमैटस ट्राइकियासिस के उन्मूलन के लिए, केंद्र ने प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए और एमओएच एंड एफडब्ल्यू और डब्ल्यूएचओ के साथ साझेदारी में राज्य कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण का आयोजन किया।

- **सामुदायिक नेत्र विज्ञान:** गरीब और कमजोर समुदायों के लिए प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं को 28 दृष्टि केंद्रों तक विस्तारित किया गया है। 20,000 बच्चों के परीक्षण के साथ दिल्ली में बचपन में अंधापन पर एक महामारी विज्ञान अध्ययन पूरा किया
- **अतिरिक्त पुनर्वास सेवाओं के साथ लो विजन सर्विसेज:** क्रिस्टोफेल ब्लाइंडन मिशन के समर्थन से अपग्रेड किए गए। ऑडियो और वीडियो के साथ डेस्कटॉप आवर्धक का अधिग्रहण करने वाला भारत का पहला सार्वजनिक क्षेत्र केंद्र बन गया
- **विजुअल रिहैबिलिटेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर** शुरू किया गया, जो कम दृष्टि सहायता परामर्श, विकलांगता प्रमाण पत्र, गतिशीलता और अभिविन्यास प्रशिक्षण, दैनिक जीवन प्रशिक्षण की गतिविधियाँ, स्पर्श उत्तेजना और पर्यावरण और प्रकाश संशोधन के लिए आदि सुविधाएं प्रदान करता है।
- **नेत्र संबंधी रोग:** सूक्ष्म-आरएनए, माइटोकॉन्ड्रियल म्यूटेशन, सेल चक्र नियामक प्रोटीन, पी 53 और चक्रवात, एनएफपी-कप्पा बी मार्ग, पीडी -1 / पीडी-एल 1-एल 1 मार्ग, लिपिड चयापचय, विभिन्न नेत्र ट्यूमर में; स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम, आईओपी और ट्रैब्युलर मेशवर्क हिस्टोपैथोलॉजी, और ऑटोइम्यून रेटिनाइटिस में एंटीरेटिनल एंटीबॉडी
- **ओकुलर फार्माकोलॉजी:** रा.प्र.केंद्र और अन्य विभागों के लिए अति जीवाणु रहित इंजेक्शन/सामयिक दवा वितरण का अभ्यास करना। स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन के तहत एनसीआर में सतह और भूजल में बायोएक्टिव यौगिकों का विश्लेषण। मानकीकृत कॉर्नियल स्टोरेज मीडिया को भारत के 23 राज्यों में 66 नेत्र बैंकों में सेवा प्रदान की जाती है, जिसने पूरे देश में 15,000 से अधिक नेत्रदान किए हैं। नए स्टोरेज मीडिया की शुरुआत की गई है जो एक हफ्ते के लिए डोनर कॉर्निया को संरक्षित कर सकता है। एडिटेड फार्माकोलॉजी टेक्स्टबुक "लिपिपकॉट्स इलस्ट्रेटेड रिव्यू इन फार्माकोलॉजी"
- **ओक्युलर माइक्रोबायोलॉजी**: एकान्थोमोएबा आई और सीएनएस संक्रमण, क्लैमाइडिया एंटीजन डिटेक्शन, हर्पीज सिंप्लेक्स वायरस एंटीजन डिटेक्शन के लिए कल्चर और पीसीआर जैसी जांच प्रदान करता है; बैक्टीरिया, कवक, वायरस, आदि के लिए पीसीआर एसे
- **ओकुलर बायोकैमिस्ट्री:** हार्मोन, विटामिन बी 12 आदि जैसे विशिष्ट जांच प्रदान करता है। वैज्ञानिक अनुसंधान क्षेत्रों में ऑक्यूलर ट्यूमर, ग्लूकोमा, एंजियोजेनेसिस से संबंधित रेटिना के रोग और स्टेम सेल अनुसंधान दोनों बुनियादी और अनुवादकीय शामिल हैं। विभाग को कई पुरस्कारों से मान्यता दी गई है
- **नेशनल आई बैंक:** ने 31,000 से अधिक कॉर्निया एकत्र किए हैं और 20,000 से अधिक कॉर्नियल प्रत्यारोपण किए हैं। कई मील के पत्थर जिनमें उत्तर भारत में एक दिन में 10,500 प्रतिज्ञाएं प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया है, एक दिन में 22 कॉर्निया प्रत्यारोपण और एक ही दिन में 21 आधुनिक कॉर्निया सर्जरी (डीएसएईके) शामिल हैं। एनईबी यूटिलाइजेशन रेट्स पिछले 10 सालों में लगातार >70% है। पिछले 4 वर्षों से >1,000 कॉर्नियल प्रत्यारोपण प्रतिवर्ष किए गए हैं

- **अस्पताल प्रशासन, आरपी केंद्र:** होली के त्यौहार के दौरान रंगों के कारण आंखों की रोशनी में मामलों की घटनाओं के विश्लेषण और दिवाली महोत्सव के दौरान पटाखे की चोट की समस्या के परिणाम का अध्ययन किया। पारस्परिक संपर्क को बेहतर बनाने के लिए, सॉफ्ट स्किल और संचार के संबंध में सुरक्षा कर्मचारियों, हाउसकीपिंग, अस्पताल परिचारकों और नर्सिंग अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डिजिटल इंडिया पहल की कई सेवाओं के रूप में, प्रलेखन और संचार प्रणालियों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है
- अस्पतालों में आने वाले रोगियों के लिए गैर-डिजिटल और डिजिटल हस्तक्षेपों का उपयोग करके आईआईटी-दिल्ली के साथ सहयोग करना

शिक्षा

- केंद्र, स्नातकोत्तर नेत्र विज्ञान के 110 छात्रों और बीएससी (ऑनर्स) नेत्र तकनीक के 49 छात्रों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- 21 पीएचडी छात्रों और कई पोस्ट-डॉक्टरल फेलो को विभिन्न उप-विशिष्टताओं के तहत केंद्र में नामांकित किया गया है और सामुदायिक देखभाल सहित आंखों की देखभाल में अग्रिम अनुसंधान में शामिल हैं
- केंद्र ने एक राष्ट्रीय नेत्र शल्य चिकित्सा कौशल विकास केंद्र (एनओएसएसडीसी) की स्थापना की है, जो मोतियाबिंद और विटेरो-रेटिना सर्जरी के लिए इंट्राओकुलर सर्जिकल प्रशिक्षण के लिए एक उच्च अंत आभासी वास्तविकता सिम्युलेटर के साथ अपनी तरह का पहला है। प्रशिक्षण के दौरान सभी नेत्र संबंधी उप-विशिष्टताओं हेतु व्यक्तिगत तौर पर प्रशिक्षण कौशल प्रदान किया जाता है। कई प्रशिक्षुओं ने वास्तविक समय में उपकरणों और इंट्रोक्यूलर संरचनाओं के बीच जटिल बातचीत का अनुभव करके बेहद लाभ उठाया है
- डबल्यूएचओ, आईसीएमआर और स्वास्थ्य मंत्रालय के तत्वावधान में नेत्र रोग विशेषज्ञों के अभ्यास के लिए निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम संस्थान में नियमित रूप से संचालित किए जाते हैं। दो जिला नेत्र सर्जन और अन्य 9 उम्मीदवारों को डॉ॰ आरपी सेंटर में विभिन्न नेत्र संबंधी उप-विशिष्टताओं के तहत लघु / दीर्घकालिक प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया।
- राष्ट्रीय दृष्टिहीनता सर्वेक्षण के तहत प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएं पहुँचाने के लिए तथा स्थानीय स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत आर.ए.ए.बी. पद्धति, मानक के अनुसार दृष्टिहीनता सर्वेक्षणों को कराने के लिए विभिन्न भागीदार संस्थानों का क्षमता विकास किया गया।
- केंद्र ने दिल्ली के शहरी झुग्गी समूहों में प्राथमिक नेत्र देखभाल में 230 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया
- ऑल इंडिया नेत्र रोग सोसाइटी और दिल्ली नेत्र रोग सोसाइटी के शिक्षण कार्यक्रमों के दौरान आरपी सेंटर, एम्स के संकाय देश भर के नेत्र विज्ञान स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण में सहायक थे।

- चिकित्सा अधीक्षक और नर्सिंग अधीक्षक संयुक्त रूप से एक इन-सर्विस शिक्षा कार्यक्रम चलाते हैं। नर्सिंग इन-सर्विस शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षिक गतिविधियों का संचालन किया गया है, जिसमें कम्प्यूटरीकरण पर सतत नर्सिंग शिक्षा (सीएनई), हाउसकीपिंग, स्वच्छता और फार्मेसी कर्मचारियों के लिए मानक सावधानियां और अभ्यास, हैंड हाइजीन प्रैक्टिस, ओटी शिष्टाचार और नव शामिल नर्सिंग स्टाफ के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम शामिल हैं। मरीज की सुरक्षा, देखभाल के लिए प्रत्यायन और गुणवत्ता, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन में डॉक्टरों, नर्सों, हाउसकीपिंग, स्वच्छता और फार्मेसी स्टाफ का संवेदीकरण, नर्सिंग अभ्यास में संचार और तनाव प्रबंधन का महत्व, सीपीआर और बीएलएस में नर्सों को नियमित रूप से प्रशिक्षण देना। ब्लॉक, सीएमईटी में ओआरबीओ द्वारा मृत अंग और ऊतक पर नर्सिंग अधिकारियों की सेवा शिक्षा और प्रशिक्षण में जारी, 7 से 18 मई के दौरान "ए वॉयस टू लीड- हेल्थ इज ए ह्यूमन राइट," थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय नर्स सप्ताह समारोह आयोजित किया गया था। मरीज और रिश्तेदारों के लिए वार्ड और ओपीडी आदि में स्वच्छता जागरूकता" अभियान का आयोजन किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. कार्यशाला "राइटिंग ए रिसर्च पेपर", सीएमईटी, 5-6 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. स्ट्रैबिस्मस वर्कशॉप, डॉ॰ रा.प्र.ने.वि.केंद्र, 22 जुलाई 2018, एम्स, नई दिल्ली
3. 25 वीं भारतीय नेत्र अनुसंधान समूह (आईईआरजी-एआरवीओ) बैठक, एलवीपीईआई, 27-29 जुलाई 2018, हैदराबाद में ओकुलर फार्माकोलॉजी पर कार्यशाला
4. आरपीसी-साइट लाइफ डीएसएईके कोर्स, नेत्र रोग विज्ञान के लिए डॉ॰ आरपी सेंटर, जुलाई-अगस्त 2018, एम्स, नई दिल्ली
5. इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटो रिफ्रैक्टिव सर्जन (आईएससीकेआरएस), तीसरी वार्षिक बैठक, अगस्त 2018, नई दिल्ली
6. बायोमेडिकल रिसर्च के लिए अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, 6-8 अगस्त 2018, आईसीएमआर, नई दिल्ली
7. ग्लूकोमा वर्कशॉप, डॉ॰रा.प्र.ने.वि.केंद्र, 19 अगस्त 2018, एम्स, नई दिल्ली
8. रेटिना वर्कशॉप, डॉ.रा.प्र.ने.वि.केंद्र , 23 सितंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
9. 33 वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा समारोह, डॉ रा.प्र.ने.वि.केंद्र, एम्स, सितंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
10. आरपीसी एसीओआइएन ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन द ऑप्थल्मोलॉजी, कम्युनिटी ऑप्थल्मोलॉजी, डॉ.रा.प्र.ने.वि.केंद्र, 26-27 अक्टूबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
11. कॉर्निया कार्यशाला, डॉ॰रा.प्र.ने.वि.केंद्र, अक्टूबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
12. 2020 तक ट्रेकोमा और सीक्वेला के उन्मूलन के लिए एसपीओ के लिए एनपीसीबी और VI कार्यशाला, सामुदायिक नेत्र विज्ञान, डॉ॰रा.प्र.ने.वि.केंद्र, 22 नवंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली

13. लो विजन एंड रिहेबिलिटेशन (एलवीआर) सर्विसेज, कम्युनिटी ऑप्थल्मोलॉजी, डॉ.रा.प्र.ने.वि.केंद्र, 29-30 नवंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली को मजबूत बनाने पर पहली राष्ट्रीय कार्यशाला
14. केराकॉन 2018, 6वीं राष्ट्रीय बैठक, 30 नवंबर -2 दिसंबर 2018, नई दिल्ली
15. उन्नत जैव प्रौद्योगिकी पर 3 राष्ट्रीय हेन्ड्स ऑन कार्यशाला- विधि विकास से डेटा इंटरप्रिटेशन तक, मुख्य रूप से मेटाबॉलिक, लिपिडोमिक्स और प्रोटिओमिक्स पर ध्यान केंद्रित, 17-19 दिसंबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
16. फेकोइमल्सीफिकेशन एंड रिफ्रैक्टिव सर्जरी वर्कशॉप, डॉ.रा.प्र.ने.वि.केंद्र, जनवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली
17. इंडियन सोसाइटी ऑफ़ कॉर्निया एंड केरेटोफ्रेक्टिव सर्जन (आईएससीकेआरएस), डेक्कन ऑप्थेलमिक एसोसिएशन और आईएससीकेआरएस वेस्ट ज़ोन मीट, जनवरी 2019, गोवा की वार्षिक बैठक
18. क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर): नेत्र संबंधी देखभाल में अंतःविषय दृष्टिकोण: कॉर्निया, मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी और नेत्र संबंधी ऑन्कोलॉजी सेवाओं से विस्टा, 15 जनवरी 2019, नई दिल्ली
19. फेकोइमल्सीफिकेशन एंड रिफ्रैक्टिव सर्जरी अपडेट, डॉ॰रा.प्र.ने.वि.केंद्र, 20 जनवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली
20. कम्युनिटी ऑप्थल्मोलॉजी, डॉ.रा.प्र.ने.वि.केंद्र, 29 जनवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली में लो विजन एंड रिहेबिलिटेशन (एलवीआर) सेवाओं को मजबूत करने पर 2 राष्ट्रीय कार्यशाला।
21. 52 वाँ वार्षिक दिवस कांग्रेस, 9 मार्च 2019, नई दिल्ली
22. विश्व ग्लूकोमा सप्ताह, 11 और 15 मार्च 2019 को नई दिल्ली में रोगी शिक्षा कार्यक्रम

व्याख्यान दिए

अतुल कुमार: 21	**प्रदीप शर्मा: 27**	**रमनजीत सिहोटा: 6**	**गीता सत्पथी: 1**
जेएस टिटियाल: 9	**राधिका टंडन: 64**	**एसके खोखर: 16**	**शक्ति कुमार गुप्ता: 5**
दिलीप आर शिंदे: 6	**एमएस बजाज: 2**	**राजपाल वोहरा: 4**	**सीमा सेन: 5**
संजय शर्मा: 3	**सीमा कश्यप: 3**	**नम्रता शर्मा: 79**	**तनुज दादा: 7**
टी वेलपांडियन: 2	**प्रवीन वशिष्ठ: 33**	**रेणु सिन्हा: 13**	**एम वानथी: 40**
पारिजात चन्द्र: 10	**सेनजम सूरज सिंह: 6**	**नबनिता हलदर: 2**	**नूपुर गुप्ता: 18**
रचना मील: 3	**विनोद कुमार: 16**	**रोहन चावला: 7**	**स्वाति फुलझले आलोक: 9**
विवेक गुप्ता: 13	**निशात हुसैन अहमद: 1**	**शिखा गुप्ता: 7**	**निवेते लोमि: 5**
देवांग अंग्मो: 15	**शोर्य आज़ाद: 10**	**कनील रंजीथ कुमार: 2**	**अरशद अयूब: 5**

मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुति

यूनिट II (विटेरेटिना, यूविया और आरओपी): 7

यूनिट III (कॉर्निया और अपवर्तक सर्जरी, बाल चिकित्सा मोतियाबिंद): 3

यूनिट IV (ग्लूकोमा और बाल चिकित्सा मोतियाबिंद): 27
यूनिट V (स्क्विंट, न्यूरो ऑप्थल्मोलॉजी, पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी और ऑकुलोप्लास्टी): 8
यूनिट VI (कॉर्निया, स्क्विंट और न्यूरो-नेत्र विज्ञान): 7
कोशिकीय माइक्रोबायोलॉजी: 1 समुदाय नेत्र विज्ञान: 13
ओकुलर पैथोलॉजी: 15 ओकुलर बायोकैमिस्ट्री: 3
ओकुलर फार्माकोलॉजी: 13 ओकुलर रेडियोलॉजी: 9
नेत्र संज्ञाहरण: 6

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

यूनिट I (मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी, विट्रियोरेटिना, यूविया और आरओपी)

1. सीआरएफ़बी002एच2301, रेनबो अध्ययन: रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्योरिटी से पीड़ित समय से पहले पैदा हुए शिशुओं के उपचार के लिए लेजर थेरेपी की तुलना में रेनबीजुम्ब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक, नियंत्रित अध्ययन, राजपाल, नोवार्टिस हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, रेटिनोपैथी से पीड़ितों में, मई 2016 से चल रहा है।

यूनिट II (विट्रियोरिटिना, यूविया और आरओपी)

1. आयु से संबंधित धब्बेदार शुष्क नेत्र अध: पतन - एक व्यापक अध्ययन (कोड- I880), अतुल कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015-2018, 49 लाख रुपये में ऑटोलॉगस बोन मैरो व्युत्पन्न स्टेम सेल का मूल्यांकन
2. डायबिटिक रेटिनोपैथी: एनपीसीबी और VI के तहत दिल्ली में इसके जोखिम कारकों और जैविक मार्करों का एक महामारी विज्ञान अध्ययन, अतुल कुमार, एमओएच और एफडब्ल्यू, 2 साल, 2017-2019, 109.25 लाख रुपये
3. टीबी डीएनए / आरएनए में कोरोइडाइटिस, रोहन चावला, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रु।
4. ओपेरियन डिलीवरी के लिए चेम्पोर्ट, रोहन चावला, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रु।

यूनिट III (कॉर्निया और अपवर्तक सर्जरी, बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

1. लिम्बल स्टेम सेल डेफिसिएंसी, के साथ रोगियों में गॉब्लेट कोशिकाओं के विश्लेषण के लिए एक नए प्रतिमान फोल्डस्कोपी और पारंपरिक माइक्रोस्कोपी की प्रभावकारिता और स्वीकार्यता का तुलनात्मक अध्ययन, जेएस टिटियाल, डीबीटी, 1 वर्ष, 2018-2019।
2. मॉडरेट मायोपिया और हाइपरोपिया के साथ प्रेस्बोपिया सुधार के लिए प्रेस्बायोपिया आईपीसीएल की सुरक्षा और प्रभावकारिता, जेएस टिटियाल, आईपीसीएल, 3 साल, 2018-2021, रु. 7.8 लाख
3. फ्लक्स सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों के जलीय ह्यूमर में इन्फ्लेमेट्री मध्यस्थों का अध्ययन: एक पायलट सर्जरी, जेएस टिटियाल, एम्स, 3 साल, 2018-2021, 5 लाख रुपये

4. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) ओकुलर सीकेले के मामलों में 0.1% सोडियम हायल्यूरोनेट ड्रॉप्स बनाम 0.5% कार्बोक्सी मिथाइल सेलुलोज (सीएमसी) का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, नम्रता शर्मा, माइक्रोलैब्स, 1 वर्ष, 2019, रु. 2.67 लाख।
5. शुष्क नेत्र रोग के मामलों में 0.1% सोडियम हायल्यूरोनेट की तुलना में 0.5% कार्बोक्सी मिथाइल सेलूलोज़ (सीएमएस) का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, नम्रता शर्मा, माइक्रोलैब, 1 वर्ष, 2019, रु. 1.22 लाख
6. एलर्जिक केराटोकोनजिक्टिविटिस के मामलों में अकेले 0.1% ऑलोपाटाइड की बूंदों के साथ संयुक्त 0.03% क्लोरोक्वीन फॉस्फेट का तुलनात्मक मूल्यांकन, नम्रता शर्मा, एफडीसी लिमिटेड, 1 वर्ष, 2018-2019, रु. 10.50 लाख।
7. उत्तर भारत में पोस्ट-मोतियाबिंद सर्जरी एंडोफ्थैल्मिस की रोकथाम में इंट्राकैरल मॉक्सिफ़्लोक्सासिन के रोगनिरोधी उपयोग की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नम्रता शर्मा, सिप्ला लिमिटेड, 1 वर्ष 2 महीने, 2018-2019, 24.5 लाख रुपये

यूनिट IV (ग्लूकोमा और बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

1. जुवेनाइल ऑनसेट ओपन एंगल ग्लूकोमा से संबंधित ज्ञात और उपन्यास आनुवंशिक विविधताओं की स्क्रीनिंग, विनी गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 33 लाख रुपये
2. किशोर प्रारंभिक ओपेन एंगल मोतियाबिंद से संबंधित नवीन और आकस्मिक उत्परिवर्तन पर आधारित सटीक अनुक्रमण पता लगाना, विनी गुप्ता, डीआरडीओ, 3 साल, 2017-2020, 68 लाख रुपये
3. वयस्कों में प्रारंभिक ग्लूकोमा में एंडोकेनाबिनोइड्स की भूमिका की व्याख्या, देवांग अंग्मो, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 9 लाख रु।
4. प्राइमरी एंगल क्लोज़र रोग की आनुवांशिकी, रमनजीत सिहोटा, डीबीटी, 2 वर्ष, 2016-2018, 54 लाख रु।
5. स्कूली बच्चों की वृद्धि और प्रगति पर बाहरी गतिविधि के प्रभाव का मूल्यांकन करना, रोहित सक्सेना, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2019 में 31.10 लाख रुपये
6. सीबीएम- आरपीसी विकलांगता नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम और एलवी और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करना, रोहित सक्सेना, सीबीएम, 5 साल, 2015-2020, 12.42 लाख रुपये
7. एक्यूट नॉन-आर्टेरिटिक एन्टीसेमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एनएआईओएन) के मरीजों को एक निर्णायक चरण II/III, रैंडमाइज्ड, डबल-मास्कड, क्यूपीआई-1007 के शम-नियंत्रित ट्रायल को एक्यूट या मल्टी-डोज़ इंट्रोविट्रियल इंजेक्शन, रोहित सक्सेना क्वार्क फार्मास्यूटिकल्स इंक, 3 वर्ष, जुलाई 2016-2019

यूनिट V (स्क्विंट, तंत्रिका नेत्रविज्ञान बाल नेत्रविज्ञान और ऑकुलोप्लास्टी)

1. यूवियल मेलेनोमा में आणविक और उत्परिवर्ती अध्ययन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मापदंडों के साथ उनका सहसंबंध, नीलम पुष्कर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 30 लाख रु।

2. लेबर के वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी रोगियों में प्लेसबो की तुलना में ईडेबोन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन - एक पायलट अध्ययन, स्वाति फुलझले आलोक, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रु। 4.32 लाख प्रति वर्ष
3. रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट की भूमिका की खोज, रचना मील, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रु 5 लाख

यूनिट VI (कॉर्निया, स्क्विंट और न्यूरो-नेत्र विज्ञान)

1. द्विपक्षीय ओकुलर सतह रोगों के रोगियों में संवर्धित ओरल म्यूकोसल एपिथेलियल ट्रांसप्लांट (सीओएमईटी) का क्लिनिकल परीक्षण, राधिका टंडन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019
2. मल्टी-सेंट्रिक टास्क-फोर्स प्रोजेक्ट: भारत में द्वितीय चरण में अल्ट्रा वायलेट रेडिएशन (यूवीआर) और ऑक्युलर हेल्थ पर एयरोसोल एक्सपोज़र के प्रभाव का अध्ययन, राधिका टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, रु 428.42 लाख
3. द्विपक्षीय सिकाट्रीज़िंग ऑक्यूलर सरफेस डिज़ीज़ के साथ रोगी में ओरल म्यूकोसल उपकला प्रत्यारोपण के साथ कंजंक्टिवल स्टेम सेल प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन, डीबीटी सेंटर ऑफ़ एक्सिलेंस फ़ॉर स्टेम सेल रिसर्च: बेसिक एंड ट्रांसलेशनल (फेज़-II), राधिका टंडन, डीबीटी, 3 साल, 2017-2020
4. सामान्य और रोगग्रस्त कॉर्निया में इन्फ्लेमेटरी मार्करों और वृद्धि कारकों का आकलन, नूपुर गुप्ता, एम्स, 3 साल, 2016-2019, 5 लाख रुपये
5. स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने पर परिचालन अनुसंधान परियोजना, नूपुर गुप्ता, डीएचआर
6. फेनोटाइप्स के संभावित ऑडिट, कारण, ट्राइकियासिस के सहसंबंध - डब्ल्यूएचओ ट्रैकोमा सहयोगी अध्ययन, नूपुर गुप्ता, डब्ल्यूएचओ जेनेवा, 1 वर्ष, 2018-2019, 5.2 लाख रुपये
7. यूवियल मेलेनोमा में मेलानोजेनेसिस का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल महत्व, नीवेट लोमी, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रु 5 लाख
8. रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट की भूमिका की व्याख्या, रचना मील, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

1. भारत में परिहार्य दृष्टिहीनता संबंधी महामारी विज्ञान अध्ययन, प्रवीण वशिष्ठ, एमओएचएफ़ओ, 4 वर्ष, 2015-2019, 528.08 लाख
2. स्कूली बच्चों में मायोपिया की घटनाओं और प्रगति पर बाहरी गतिविधि के प्रभाव का मूल्यांकन, प्रवीण वशिष्ठ, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 48.63 लाख रु।
3. दिल्ली की शहरी कमजोर आबादी में एकीकृत प्राथमिक नेत्र देखभाल को मजबूत करने पर प्रचालनात्मक अनुसंधान परियोजना, प्रवीण वशिष्ठ, 3 साल, 2016-2019, 163.74 लाख रुपये

4. एनसीआर में व्यापक आउटरीच आई केयर सर्विस के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 5 साल, 2017-2022, रु 77.12 लाख
5. एनसीआर में व्यापक आउटरीच आई केयर सर्विस के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, हीरो मोटोकॉर्प, 3 साल, 2018-2021, 37.04 लाख रुपये
6. अशिक्षित आबादी के लिए व्यापक आउटरीच आई केयर सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, 3 साल, 2018-2020, रु 39.42 लाख
7. दिल्ली झुग्गियों और पुनर्वास कॉलोनियों में अयोग्य आबादी के लिए व्यापक आउटरीच आई केयर सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 5 वर्ष, 2018-2022, 125.10 लाख रुपये
9. दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएँ / डीजेजेएस, प्रवीण वशिष्ठ, दिव्य ज्योति जागृति संस्थान, 4 वर्ष, 2016-2020, रु 34.74 लाख
10. दिल्ली के स्कूलों में छात्रों के लिए विजन स्क्रीनिंग और चश्मा वितरण कार्यक्रम, प्रवीण वशिष्ठ, विजन स्प्रिंग, 2 साल, 2017-2019, 6.40 लाख रु।
11. सहायक प्रौद्योगिकी अध्ययन, सेनजम सूरज सिंह, कॉमनवेल्थ आई हेल्थ कंसोर्टियम यूके, 1 वर्ष, 2017-2018, रु॰ 1.5 लाख
12. भारत में विकासशील समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम पर एक संक्रियात्मक अनुसंधान, सूरज सिंह सेनाम, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडन मिशन (सीबीएम), 2 वर्ष, 2018-2020, रु॰ 22.54 लाख
13. पश्चिमी दिल्ली की शहरी कमजोर जनसंख्या सेटिंग के बीच सामान्य नेत्र संबंधी रुग्णता और मोतियाबिंद की तलाश के पैटर्न और रास्ते पर स्थानीय स्वयंसेवकों के प्रभाव, विवेक गुप्ता, स्वामी शिवानंद मेमोरियल, 2 साल, 2017-2019, 20 लाख रुपये
14. नई दिल्ली में सामान्य और प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएं प्राप्त करने वाले हिंदी भाषी रोगियों में एक सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त स्वास्थ्य साक्षरता उपकरण का विकास और इसकी वैधता का आकलन, विवेक गुप्ता, 3 वर्ष, 2016-2019, 9.96 लाख रु।
15. नई दिल्ली में स्कूल जाने वाले बच्चों में यूवी विकिरण एक्सपोज़र और मायोपिक अपवर्तक त्रुटि के अनुसार बाहरी गतिविधि के बीच सहसंबंध, प्रवीण वशिष्ठ, ओआरबीआईएस, 1 वर्ष, 2019, 10 लाख रु।

नेत्र रोग विज्ञान

1. ऑर्बिटल ट्यूमर में आणविक लक्ष्य की पहचान और विशेषता: नवीन चिकित्सीय रणनीतियों की सीमा, सीमा सेन, यूजीसी, 5 वर्ष, 2017-2022, रु 40 लाख

कोशिकीय जैव रसायन

1. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में एंडोथेलियल पूर्वज सेल मार्करों को प्रसारित करने की भूमिका, जसबीर कौर, एम्स, 2 साल, 2017-2018, 10 लाख रुपये

नेत्र भेषजगुणविज्ञान

1. स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत भारतीय नेत्र बैंकों के लिए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट प्रिजर्वेशन के लिए गुणवत्ता नियंत्रण मानकों और वितरण एमके मीडिया का विकास, टी वेलपांडियन, एमओएचएफ़डबल्यू, भारत सरकार 11 वर्ष, 2009-2020, 129 लाख रुपये
2. मधुमेह के नव संवहनी स्थितियों के लिए नए इंट्रावेक्टोरल एजेंटों/योगों के विकास को युक्तिसंगत बनाना, टी वेलपांडियन, सक्सिन लाइफसाइंसेस प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2018-2019, 18 लाख रुपये
3. हाई-थ्रूपुट ओक्यूलर ड्रग डेवलपमेंट के लिए रक्त रेटिना बाधाओं के माध्यम से ड्रग्स पेनेट्रेटिंग के इन-सिलिको भविष्यवाणी के लिए इनविवो आधारित क्यूएसपीआर मॉडल, टी वेलपांडियन, डीबीटी, 4 साल, 2015-2019, 51 लाख रुपये
4. रेटिनल नव संवहनी स्थितियों में उनकी उपयुक्तता के लिए चयनित एंटी-एंजियोजेनिक यौगिकों पर प्रीक्लिनिका अध्ययन, नबनीता हलदर, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 9 लाख रु॰
5. उनके ओक्यूलर काइनेएिक्स के आधार पर तैयार किए गए पिपेरसिलिन और टाज़ोबैक्टम संयोजन के एक्सटम्परेरी सामयिक समाधान के उपयोग को युक्तिसंगत बनाना, नबनिता हलदर, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 4.5 लाख रुपये

पूर्ण

यूनिट I (मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी, विट्रियोरेटिना, यूविया और आरओपी)

1. माध्यमिक कोरोइडल नवोस्कुलराइजेशन से रोगविज्ञान मायोपिया के द्वारा दृश्य हानि के रोगियों में दो अलग-अलग रेजीमेन की 0.5 मिलीग्राम रनिबिजुमाब बनाम वर्टेफोरिन पीडीटीजी प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक 12 महीने, III चरण, यादृच्छिक, डबल-मास्कड, बहु-केंद्र सक्रिय नियंत्रित अध्ययन, राजपाल, नोवार्टिस हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, 2 साल, 2015-2017, 2.53 लाख रुपये

यूनिट II (विट्रियोरेटिना, यूविया और आरओपी)

1. खरगोश नेत्र में नतालिज़ुमाब, रोहन चावला, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रु॰

यूनिट III (कॉर्निया और अपवर्तक सर्जरी, बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

1. ओनिय्यूलर मेम्ब्रेन ट्रांसप्लांट बनाम ऑम्नियोटिक मेम्ब्रेन टेंपरेचर पर ऑटोलोगस कल्चरल लिम्बल स्टेम सेल्स की तुलना ऑक्युलर बर्न के कारण मैनेजमेंट टोटल लिम्बल स्टेम सेल डिफेक्ट में अकेले लिम्नकुले ट्रांसप्लांटेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल ट्रायल, नम्रता शर्मा, डीएसटी, 2 साल 6 महीने, 2015-2017, 42 लाख रु
2. मोतियाबिंद सर्जरी में रोगियों में पहले से मौजूद कॉर्नियल दृष्टिवैषम्य को ठीक करने के लिए सुप्राटोब टॉरिक इंट्रा ओकुलर लेंस (आईओएल) आरोपण का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, नम्रता शर्मा, अप्पासामी एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, 3 साल 7 महीने, 2015-2018, 4.4 लाख रु॰

3. प्राथमिक केराटोप्लास्टी में एचएसवी -1 इटियोलॉजी का पता लगाना और संदिग्ध वायरल केराटाइटिस के मामलों में असफल ग्राफ्ट: एक संभावित क्लिनिक पैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन, प्रोफेसर नम्रता शर्मा, आईसीएमआर, 4 महीने 2 महीने, 2013-2017, 31 लाख रुपये
4. डीप एन्टीरियर लैमेलर केराटोप्लास्टी, नम्रता शर्मा, लिंकोकेर लाइफसाइंसेस, स्वीडन (केयर ग्रुप इंडिया), 2 साल 4 महीने, 2016-2018, 12.8 लाख रुपये की आवश्यकता वाले मरीजों में बायोइंजीनियर कॉर्निया की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए नैदानिक अध्ययन।
5. एशिया कॉर्निया सोसाइटी फॉर इंफेक्शस केराटाइटिस स्टडी, एसीएसआईकेएस स्टडी, नम्रता शर्मा, एशिया कॉर्निया सोसाइटी, सिंगापुर, 2 साल, 2015-2017, रु॰ 18.29 लाख

यूनिट IV (ग्लूकोमा और बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

1. किशोरावस्था में प्राथमिक एंगल ग्लोकोमा से पीड़ित रोगियों के परिवार के सदस्यों की कैस्केड स्क्रीनिंग, विनय गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, 2015-2018, 47 लाख रुपये

नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान

1. हरपीज सिंप्लेक्स वायरस टाइप 1 और टाइप 2 की जांच के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर की स्थापना, कोशिकालोवायरस, वैरिकाला-जोस्टर वायरस और नेत्रकोशिका वायरल संक्रमण में एडेनोवायरस, निशात हुसैन अहमद, एम्स, 24 महीने, 2016-2018, 7.7 लाख रुपये

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

1. दक्षिण दिल्ली में सामुदायिक नेत्र विज्ञान कार्यक्रम, प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 1 वर्ष, 2017-2018, 2 लाख रु॰

नेत्र विकृति विज्ञान

1. बाल्यावस्था के घातक इंट्राओकुलर ट्यूमर में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए का आणविक अध्ययन, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3 साल, 2015-2018

नेत्र भेषजगुणविज्ञान

1. रेटिनोब्लास्टोमा के लिए नए एंटीकैंसर एजेंटों के विकास के लिए दवा और जैव-विश्लेषणात्मक तरीकों को विकसित करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन, टी वेलपांडियन, इनविक्टस, 5 साल, 2013-2018, 38.86 लाख रुपये
2. ओकुलर और अन्य संक्रमणों के अनुमानित उपयोग के लिए क्यूएसपीआर प्लेटफॉर्म पर आधारित नए रोगाणुरोधी विकसित करने पर सहयोगात्मक अध्ययन, टी वेलपांडियन, व्योम बायोसाइंसेस, 4 साल 2014-2018 में 23.12 लाख रुपये
3. रेटिनल नव-संवहनी स्थितियों में उनकी उपयुक्तता के लिए चयनित एंटी-एंजियोजेनिक यौगिकों पर प्रीक्लिनिकल स्टडीज, नबनीता हलदर, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 9 लाख रु

4. विशेष जनसंख्या में उपयोग के लिए दवा उत्पादों का विकास और मानकीकरण, टी वेलपांडियन, इनमास, डीआरडीओ, 3 साल, 2015-2018, रु 26 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

यूनिट I (मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी, विट्रियोरेटिना, यूविया और आरओपी)

1. पीटीसीएल के बाद के रेटिनोटॉमी बनाम पीएफसीएल के माध्यम से जल निकासी के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम, रुमेटोमोजेनस रेटिना टुकड़ी के लिए इन विट्रोक्टोमी में पूर्व-मौजूदा विराम के माध्यम से जल निकासी की सहायता
2. माध्यमिक / अज्ञातहेतुक कोरोइडल नव संवहनी झिल्ली की विशेषता और ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए एंटी-वीईजीएफ थेरेपी के लिए उनकी प्रतिक्रिया।
3. केंद्रीय सीरस कोरियोरेटिनोपैथी के मामले में सबथ्रेशोल्ड माइक्रोप्रोसेज़ लेजर (577 एनएम) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन
4. अवयस्कता की आक्रामक पोस्टीरोपैथी (एपीआरओपी) और ज़ोन 1 अवयस्कता की रेटिनोपैथी मामलों के प्रगतिशील अवलोकन अध्ययन
5. ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए उपचार नाइव कोरॉइडल नव संवहनी झिल्ली को चिह्नित करना
6. 6.1 मिलीग्राम बनाम 0.25 मिलीग्राम के परिणामों की तुलना करने के लिए प्रीमेच्योर रेटिनोपैथी के आक्रामक पोस्टिरोपैथी में इंट्राविट्रियल रानीबिज़ुमाब
7. तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय आरओपी सर्जरी के परिणामों का अध्ययन करना

यूनिट II (विट्रियोरेटिना, यूविया और आरओपी)

1. रोगी की रेटिना नस अवरोध में इंट्राविट्रियल एफलिबरसेप्ट के साथ संयोजन में सुप्राकोराइडल सीएलएस-टीए की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक, मास्क्ड, नियंत्रित परीक्षण
2. आयु से संबंधित धब्बेदार शुष्क नेत्ररोग अध: पतन के उपचार में ऑटोलॉगस बोन मैरो व्युत्पन्न स्टेम सेल की भूमिका का आकलन - एक व्यापक अध्ययन
3. ओसीटी-ए गाइड का उपयोग करके कोरोइडल नव संवहनी झिल्ली उपचार की विशेषता
4. स्वेप्ट सोर्स ऑप्टिकल सुसंगत टोमोग्राफी का उपयोग करके सामान्य स्वस्थ भारत की आबादी में कोरोडियल मोटाई का माप।
5. कोग्यूइड-डायबिटिक रेटिनोपैथी के शुरुआती चरणों में अनुकूली प्रकाशिकी फंडस कैमरा और ओसीटी एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए उच्च संकल्प फोटोरिसेप्टर और माइक्रोवैस्कुलर इमेजिंग।
6. माइक्रोस्कोप का उपयोग कर रेटिना के वास्तु परिवर्तनों का तुलनात्मक मूल्यांकन - मैक्यूलर सर्जरी में एकीकृत आई-ओसीटी- एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण

7. इपीरेटिनल झिल्ली सर्जरी के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणामों पर एसएफ़6 बनाम आंशिक वायु टैम्पोनड का तुलनात्मक मूल्यांकन।
8. सीआरवीओ के मामलों में एंटी-वीईजीएफ + 2 मिलीग्राम ट्राइकोर्ट के साथ अकेले एंटीवेज की तुलना
9. एंडोफथालमिटिस में 3 एंटीबायोटिक रेजीमेंट के प्रभाव की तुलना
10. डिजिटली असिस्टेड वीएस पारंपरिक विटेरो-रेटिनल सर्जरी-एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण
11. पॉलीपॉइडल कोरॉइडल वैस्कुलोपैथी में एप्लेरोन की प्रभावकारिता
12. पॉलीपॉइडल कोरॉइडल वैस्कुलोपैथी में ओरल एप्लेरोन की प्रभावकारिता
13. रेटिना डिटेचमेंट सर्जरी के बाद मेटामोर्फोप्सिया के साथ आंखों की मल्टीमॉडल रेटिनल इमेजिंग
14. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा के साथ एंटी-वीईजीएफ आँखों में एन फेस ओसीटी इमेजिंग का उपयोग करके बाहरी रेटिना की संरचनात्मक अखंडता का मूल्यांकन - एक संभावित अध्ययन
15. डायबिटिक रेटिनोपैथी के शुरुआती चरणों में एडेप्टिव ऑप्टिक्स फंडस कैमरा और ओसीटी-एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए उच्च-रिज़ॉल्यूशन के फोटोरिसेप्टर और माइक्रोवास्कुलर इमेजिंग
16. निकटवर्ती स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) का उपयोग करते हुए सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति की अंतःक्रियात्मक निगरानी और प्रीटर्म में कम सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति के लिए जोखिम कारकों का आकलन और विटेरेटिनल सर्जरी के दौरान समयपूर्वता के रेटिनोपैथी के साथ समय से बहुत पहले जन्मे प्रारंभिक शिशुओं में: एक अवलोकन संबंधी भावी अध्ययन
17. सीआरवीओ में इंट्राविट्रियल स्टेरॉयड, एंडोऑप्थैल्माइटिस में विभिन्न एंटीबायोटिक दवाओं का प्रभाव
18. सामान्य स्वस्थ भारतीय आबादी में सुप्त स्रोत ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी का उपयोग करके कोरोडियल मोटाई का मापन
19. एंडोऑप्थैल्माइटिस और सेप्टीसीमिया में मेटेगेनोमिक्स
20. रेटिना डिटेचमेंट सर्जरी के बाद मेटामोर्फोप्सिया के साथ आंखों की मल्टीमॉडल रेटिनल इमेजिंग
21. समयपूर्वता के चरण 4 ए रेटिनोपैथी में सर्जिकल परिणामों के लिए पूर्वानुमान
22. एपीआरओपी और जोन 1 आरओपी के मामलों का संभावित अवलोकन अध्ययन
23. 3 डी प्रमुखों की भूमिका प्राथमिक और आवर्तक रेग्मैटोजेनस रेटिना टुकड़ी में डिजीटल रूप से असिस्टेड विटेरेटेरिनल सर्जरी प्रोलिफेरेटिव विटेरेटिनोपेथी के साथ-एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण।
24. अंत चरण 5 आरओपी में सिवनी रहित स्पष्ट कॉर्नियल माइक्रिनिटिस विट्रोक्टॉमी सर्जरी के सर्जिकल परिणाम
25. 0.1 मिलीग्राम बनाम 0.25 मिलीग्राम के परिणामों की तुलना करने के लिए प्रीमेच्योर रेटिनोपैथी के आक्रामक पोस्टिनोपैथी में इंट्राविट्रियल रेनिबिजुमाब

26. थ्रेसहोल्ड रेटिनोपैथी में समय के साथ लेजर बनाम संयुक्त लेजर और रानीबिज़ुमाब के परिणामों की तुलना करना
27. उन्नत आरओपी में तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय पार्श्व विसर्गीय शल्य चिकित्सा (आईएसबीवीएस) के परिणामों का अध्ययन करना
28. अल्ट्रा-वाइड फील्ड फ्लॉरेसिन एंजियोग्राफी (यूडबल्यूएफ़ए) ने रिकैलसिट्रेंट डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा आँखों में परिधीय लेजर फोटोकॉजेशन निर्देशित किया - एक तुलनात्मक यादृच्छिक अध्ययन
29. पारंपरिक और स्वचालित (बीबीएसीटीएसी) संस्कृति के खिलाफ एंडोऑप्थैल्माइटिस और इसकी तुलना के निदान के लिए व्यापक रेंज पीसीआर परख का उपयोग
30. सीएसआर में योग

यूनिट III (कॉर्निया और अपवर्तक सर्जरी, बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

1. कॉर्नियल स्थलाकृति पर ग्लूकोमा सर्जरी का प्रभाव
2. पूर्व डिसेमेट्स एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी बनाम डिसेमेट्स झिल्ली एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी
3. बाल चिकित्सा केराटोप्लास्टी में एकीकृत इंट्राऑपरेटिव ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी माइक्रोस्कोप की भूमिका

यूनिट IV (ग्लूकोमा और बाल मोतियाबिंद)

1. बाल्यकाल में मायोपिया के लिए कम खुराक वाली एट्रोपिन आई ड्रॉप के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. एकल ट्रेबेकुलेटोमी बनाम गहरी स्क्लेरल पॉकेट ट्रेंकुलेक्टोमी के परिणामों की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. रक्त में प्रदाह मार्करों और जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल पर "योग आधारित हस्तक्षेप" का प्रभाव, प्राथमिक ओपन कोण ग्लूकोमा मरीजों के जलीय और त्रिकुटी जाल: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. एएससीटी के सहसंबंध में प्रारंभिक ओपन एंगल ग्लोकोमा, एससीटी और पीएसीजी में ओसीटी एंजियोग्राफी के बीच एसटीटी परिणामों के साथ ट्रिब्युलर मेशवर्क में परिवर्तन होता है।
5. ओकुलर उच्च रक्तचाप वाले रोगियों में इंट्राओकुलर दबाव पर माइंडफुलनेस आधारित तनाव में कमी (एमबीएसआर) का प्रभाव
6. ग्लूकोमा मरीजों में ओसीटी एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए ऑप्टिक डिस्क छिड़काव पर माइंडफुलनेस आधारित तनाव में कमी (एमबीएसआर) का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
7. आईओपी, क्यूओएल, प्रदाहक मार्करों में योग आधारित हस्तक्षेप और मोतियाबिंद के दर्द में जीन की अभिव्यक्ति का प्रभाव: एसीटी

8. डीप स्क्लेरेक्टोमी के साथ ट्रेबेकुलेटोमी तथा अकेले ट्रेबेकुलेटोमी के परिणामों की तुलना करने के लिए आरसीटी
9. दुर्दम्य मोतियाबिंद में एंडोसायक्लोफ़ोटोकोगुलेशन तथा स्यूडोफैकिक मोतियाबिंद में एसएलटी की भूमिका
10. पीएसीजी में एनडी-याग पीआई बनाम मोतियाबिंद निष्कर्षण का मूल्यांकन - एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
11. ओकुलर उच्च रक्तचाप वाले रोगियों में इंट्राओकुलरप्रेशर पर माइंडफुलनेस आधारित तनाव में कमी के प्रभाव का मूल्यांकन
12. कॉर्नियल स्थलाकृति, एब्रोमेट्री, बायोमैकेनिक्स और ऑक्युलर सतह पर ट्रेबेकुलेटोमी के प्रभावों का मूल्यांकन
13. क्रोनिक ग्लूकोमा और क्यूओएल परिणाम में मेडिकल थेरेपी बनाम सर्जिकल थेरेपी का दीर्घकालिक मूल्यांकन, प्रगति विश्लेषण के आधार पर दृश्य क्षेत्र गिरावट की भविष्यवाणी करना
14. ग्लूकोमा थेरेपी के मेटाबोलिक और फार्माकोजेनिक मूल्यांकन, जन्मजात ग्लूकोमा की घटना - एक बहुसांस्कृतिक परीक्षण, ग्लूकोमा परिभाषा अध्ययन भारत
15. डायबिटिक रेटिनोपैथी रोगियों में मोतियाबिंद की व्यापकता, केराटोकोनस के रोगियों में पतले कॉर्निया बनाम >400 माइक्रोन के बीच की मोटाई के साथ कॉर्निया क्रॉस जुड़ाव के बाद कॉर्नियल बायोमेकनिकल एबेरेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन
16. डायबिटिक रेटिनोपैथी में ग्लूकोमा की व्यापकता, समान रक्त संबंधों में विवाह के कारण होने वाले ग्लूकोमा की गंभीरता का मूल्यांकन, ग्लूकोमा में परिधि और कंफोकल स्कैनिंग लेजर नेत्ररोग संबंधी परिवर्तन की 10 साल की समीक्षा

यूनिट वी (स्क्विंट, तंत्रिका नेत्रविज्ञान, बाल नेत्र रोग विज्ञान और ऑकुलोप्लास्टी)

1. अज्ञातहेतुक इंट्राकैर्नेलियल हाइपरटेंशन के तीव्र मामलों में ऑप्टिक तंत्रिका के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तनों का एक अस्थायी मूल्यांकन और उस पर वजन में कमी का प्रभाव
2. नैदानिक अध्ययन में प्रस्तावित एमआरआई आधारित ऑप्टिक नर्व स्टेजिंग के बीच उभयलिंगी सहसंबंध का मूल्यांकन क्लिनिकल आउटकम के साथ एक्सट्रोक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक नर्व स्टेजिंग और ऑप्टिक तंत्रिका संवर्धन के वैकल्पिक मूल्यांकन के बिना ऑप्टिक तंत्रिका का मोटा होना।
3. छोटी दृष्टिहीन आंख के साथ सॉकेट्स में कक्षीय मात्रा वृद्धि के लिए ऑटोलॉगस वसा हस्तांतरण
4. प्राथमिक अधिग्रहित नासोलैक्रिमल वाहिनी रुकावट के साथ वयस्कों में सहायक माइटोमाइसिन-सी की जांच के बाद सिलिकॉन इंटुबेशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन
5. गंभीर जन्मजात पीटोसिस में ललाट स्लिंग सर्जरी की तुलना में लेवेटर प्लिकेशन का मूल्यांकन
6. श्लेष्मा झिल्ली ग्राफ्टिंग के साथ एनोफैटलमिक अनुबंधित सॉकेट पुनर्निर्माण में माइटोमाइसिन-सी का मूल्यांकन

7. कक्षीय लिम्फैंगियोमा में इंट्रालेजनल ब्लियोमाइसिन की भूमिका का मूल्यांकन
8. ऑप्टिकल संघीय टोमोग्राफी-एंजियोग्राफी (ओसीटी-ए) का मूल्यांकन
9. गैर-धमनी पूर्वकाल इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एनएआईओएन) में परिवर्तन
10. कक्षीय परीक्षा के दौर से गुजर रहे रोगियों के बीच मनोसामाजिक कारक
11. इनवेसिव ऑर्बिटल एस्परगिलोसिस के उपचार में सीरम गैलेक्टोमेनन परख की भूमिका

यूनिट VI (कॉर्निया, स्क्विंट और तंत्रिका नेत्रविज्ञान)

1. यंग मायोपस में बाहरी पराबैंगनी प्रकाश एक्सपोजर और सीरम मेलाटोनिन के स्तर का आकलन
2. पूर्वकाल लैमेलर केराटोप्लास्टी से गुजरने वाले रोगियों में दृष्टि की गुणवत्ता और दृष्टि संबंधी जीवन की गुणवत्ता का आकलन: एक पायलट अध्ययन
3. वायरल कंजक्टीवाइटिस के उपचार में कृत्रिम प्रोफाइल बनाम कृत्रिम आंख के आँसू की नैदानिक रूपरेखा और परिणाम
4. तीव्र ओकुलर सतह विकारों में एएमटी, एमएमजी सीओएमईटी की तुलना
5. वर्नेल केराटोकोनजाइक्टाइटिस में फूरियर डोमेन ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी और कॉर्नियल बायोमैकेनिक्स का उपयोग करके कॉर्नियल इपिथीलियल मोटाई का मानचित्रण।
6. टॉरोल आईओएल आरोपण के मामलों में पोस्ट ऑपरेटिव अवशिष्ट दृष्टिवैषम्य की भविष्यवाणी में बैरेट टॉरिक कैलकुलेटर की सटीकता का मूल्यांकन
7. केराटोकोनस में इंट्रास्ट्रोमल लैमेलर केराटोप्लास्टी के बाद कॉर्नियल टोमोग्राफी और बायोमैकेनिक्स का मूल्यांकन, नेत्र संबंधी जीवीएचडी में सामयिक ऑटोलॉगस प्लेटलेट लिसेट्स की बूंदें, शुष्क नेत्र रोग और नींद संबंधी विकार वाले व्यक्तियों में नेत्रहीनता।
8. वर्टिकल केराटोकंजक्टिवाइटिस में केराटोप्लास्टी के बाद ग्राफ्ट सर्वाइवल और विजुअल परिणामों का मूल्यांकन
9. कॉर्निया ग्राफ्ट अस्वीकृति में थ्रोम्बोस्पोन्डिन-1 बहुरूपता का मूल्यांकन
10. आईओएल शक्ति गणना के लिए बैरेट यूनिवर्सल II फॉर्मूला का मूल्यांकन
11. स्टैटिंस के उपयोग के साथ लेंटिक्युलर परिवर्तन - एक अस्पताल आधारित भावी काउहोट अध्ययन
12. स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने पर परिचालन अनुसंधान परियोजना
13. छाले के रिसाव के लिए कोलेजन क्रॉस लिंकिंग की भूमिका
14. ओक्यूलर सतह स्क्वैमस नियोप्लासिया में नेत्रश्लेष्मला ऑटोफ्लोरेसेंस की भूमिका
15. फंगल कॉर्नियल अल्सर के उपचार में सोनिकेटेड बनाम नॉन-सॉनिकेटेड लिपोसोमल एम्फ़ोटेरिसिन बी।
16. वर्नल केराटोकंजक्टिवाइटिस में नेत्र सतह का मूल्यांकन

17. सामान्य और पोस्ट अपवर्तक सर्जरी कॉर्निया में पोस्टीरियर कॉर्नियल दृष्टिवैषम्य का अध्ययन, कवक केराटाइटिस में एंटिफंगल संवेदनशीलता परीक्षण
18. जन्मजात रंग दृष्टि की कमी और प्रकार, गंभीरता और संरचनात्मक परिवर्तन के प्रभाव वाले रोगियों में रंग भेदभाव पर लाल रंग के फिल्टर के प्रभाव का अध्ययन

नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान

1. अस्पताल में भर्ती मरीजों में नेत्र संबंधी बैक्टीरियल आइसोलेट्स और एंटीबायोटिक के एंटीबायोटिक प्रतिरोध पैटर्न का सहसंबंध - एक कदम एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप की ओर
2. प्रजातियों की पहचान और निर्धारण सहसंबंधों में कोगुलेज़ नकारात्मक स्टेफिलोकोसी के विषाणु कारकों का निर्धारण
3. कल्चर नकारात्मक संक्रमण के माइक्रोबायोलॉजी में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

1. दिल्ली में ग्लूकोमा की व्यापकता का आकलन करने के लिए जनसंख्या आधारित अध्ययन
2. दिल्ली के शहरी कमजोर आबादी के लिए प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं को मजबूत करने में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशाओं) की भागीदारी पर समुदाय आधारित परिचालन अनुसंधान अध्ययन
3. दिल्ली में बचपन दृश्य क्षति पर महामारी विज्ञान का अध्ययन

सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान

1. घातक लैक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर का आणविक लक्षण
2. यूवियल मेलानोमा में एनएफकेबी मार्ग की आणविक विशेषता
3. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम ओक्यूलर सीक्वेल के आणविक लक्षण का वर्णन
4. यूवियल मेलेनोमा में मेलेनोजेनेसिस मार्ग का आणविक तंत्र
5. मौखिक केराटोकंजक्विवाइटस में नेत्र सतह का मूल्यांकन
6. एसएलसी4ए11 जीन उत्परिवर्तन के साथ और बिना सीएचईडी रोगियों का अध्ययन
7. केराटोकोनस के रोगियों में रोज़. के. लेंस के दीर्घकालिक उपयोग के बाद आंसू फिल्म और ओकुलर सतह में परिवर्तन का अध्ययन
8. ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में पीडी-1 / पीडी-एल1 पाथवे को लक्षित करना: न्यूक्लियर असाध्यताओं के लिए नए इम्युनोथेरपोरेटिक प्रतिमान
9. सामान्य जनसंख्या बनाम मायोपिया के रोगियों में कोलेजन और उस से संबंधित मानव विट्रियस में मौजूद अपक्षयी एंजाइमों परिवर्तनशील की जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना

नेत्र भेषजगुणविज्ञान

1. कोणीय और अन्य संक्रमणों में इसके अनुमानित उपयोग के लिए क्यूएसपीआर प्लेटफॉर्म पर आधारित नए रोगाणुरोधकों के विकास पर सहयोगात्मक अध्ययन
2. डायबिटिक रेटिनोपैथी के पैथोफिज़ियोलॉजी के साथ ओमिक्स संबंध निर्धारित करना

3. विशेष जनसंख्या में उनके उपयोग के लिए दवा उत्पादों का विकास और मानकीकरण
4. रेटिनोब्लास्टोमा के लिए नए एंटीकैंसर एजेंटों के विकास के लिए दवा और जैव-विश्लेषणात्मक तरीकों को विकसित करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन
5. उच्च-थ्रूपुट ओक्युलर ड्रग डिवेलपमेंट के लिए रक्त रेटिनल बाधाओं के माध्यम से पेनेट्रेटिंग ड्रग्स की इन-सिलिको भविष्यवाणी के लिए इनविवो आधारित क्यूएसपीआर मॉडल
6. ग्लूकोमा थेरेपी के मेटाबोलिक और फार्माकोजेनिक मूल्यांकन
7. रेटिनल नव संवहनी स्थितियों में उनकी उपयुक्तता के लिए चयनित एंटी-एंजियोजेनिक यौगिकों पर प्रीक्लिनिकल अध्ययन
8. यूवेइटिस के प्रायोगिक मॉडल में ऑक्यूलर सूजन के दौरान ड्रग ट्रांसपोर्टर के कार्यों को रक्त ओकुलर बाधाओं में समझना

नेत्रीय रेडियोलॉजी

1. बाल बड चिअरी सिंड्रोम में इमेजिंग और हस्तक्षेप, बच्चों में विभिन्न ऊर्जा सामग्री के साथ क्लियर तरल पदार्थ के गैस्ट्रिक एंपटिंग का अल्ट्रासाउंड आकलन: एक क्रॉसओवर पायलट अध्ययन
2. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, प्रोन पर्कुटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी की संभावना के संदर्भ में किडनी की स्थिति पर बोल्टस्टर और इसके अभिविन्यास के प्रभाव, प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में अल्ट्रासाउंड और उन्नत एमआरआई की भूमिका

नेत्र संवेदनाहरण

1. बच्चों में सेवोफ्लुरेन इंडक्शन की मानक तकनीक के लिए लोफ्रेश गैस प्रवाह तकनीक की तुलना
2. बाल रोगियों में गुर्दे की सर्जरी से पैरावर्टेब्रल ब्लॉक और कॉडल एपिड्यूरल ब्लॉक की तुलना
3. घुटने के ट्यूमर के उच्छेदन के बाद पोस्ट ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड फीमरो-कटिस्नायुशूल तंत्रिका ब्लॉक बनाम एपिड्यूरल एनाल्जेसिया की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
4. नेत्र सर्जरी के दौर से गुजर रहे बच्चों में लेरिंजल मास्क वायुमार्ग हटाने के समय पर एन्ट्रापी निर्देशित कम प्रवाह डिसफ्लुरेन संज्ञाहरण का प्रभाव-एक संभावित, यादृच्छिक अध्ययन, तुलनात्मक अध्ययन
5. इंफ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) का उपयोग कर सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति की इंट्रा ऑपरेटिव मॉनिटरिंग और प्रीटरम में लो सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति के लिए जोखिम कारकों का आकलन और विटेरियो रेटिनल सर्जरी के दौरान समयपूर्वता की रेटिनोपैथी के साथ बहुत पहले शिशुओं में: एक अवलोकन भावी अध्ययन।
6. सीरम प्रोलिसिटोनिन, इंटरल्यूकिन -6 और एसटीआरईएम-1 गहन देखभाल इकाई में सेप्सिस में नैदानिक और रोगनिरोधी मार्कर के रूप में

7. सेवोफ्लुरेन संज्ञाहरण के दौरान ललाट प्रांतस्था में बदल मस्तिष्क रक्त प्रवाह के बीच संबंध का निर्धारण करने के लिए और बच्चों में पश्चात उद्भव प्रलाप की घटना: एक एफ़एनआईआरएस आधारित अवलोकन अध्ययन
8. उन्नत आरओपी में तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय जन्मजात विटेरियो रेटिनल सर्जरी (आईएसबीवीएस) के परिणामों का अध्ययन करने के लिए, एसिटाबुलर फ्रेक्चर्स के लिए फेसिया इलियाका ब्लॉक, रीढ़ की सर्जरी के लिए इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक, एलएमए की यूएसजी निर्देशित पुष्टि

पूर्ण

यूनिट I (मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी, विट्रियोरेटिना, यूविया और आरओपी)

1. पीटीसीएल के बाद के रेटिनोटॉमी बनाम पीएफसीएल के माध्यम से जल निकासी के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम, रुमेटोमोजेनस रेटिना टुकड़ी के लिए इन विट्रोक्टोमी में पूर्व-मौजूदा विराम के माध्यम से जल निकासी की सहायता करते हैं।
2. माध्यमिक / अज्ञातहेतुक कोरोइडल नव संवहनी झिल्ली की विशेषता और ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए एंटी-वीईजीएफ थेरेपी के लिए उनकी प्रतिक्रिया।
3. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी-एंजियोग्राफी का उपयोग कर के नाइव कोराइडल नियोवेस्कूलर मेम्ब्रेन उपचार की विशेषता
4. स्टर्ज वेबर सिंड्रोम में कोरोइडल वैस्कुलर पैटर्न
5. डायबिटिक रेटिनोपैथी के मरीज में OCTA और फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी की तुलना
6. मायोपिया में क्लिनिक-इमेजिंग असामान्यताएं और विटेरो रेटिनो-कोरॉइडो-स्क्लेरल संबंध का निर्धारण
7. 15 वर्ष से कम आयु के बाल चिकित्सा समूह में नेत्रीय बायोमेट्रिक 35 मेगाहर्ट्ज अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी का उपयोग करना
8. रेटिना वैस्कुलिटिस और उनके नैदानिक और एटीओलॉजिकल प्रोफ़ाइल के पैटर्न - अल्ट्रा वाइड फील्ड (UWF) अध्ययन
9. केंद्रीय सीरियस कोरियोरिटिनोपैथी के मामले में सबथ्रेशोल्ड माइक्रोप्रोसेज़ लेजर (577 एनएम) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन
10. फुफ्फुसीय टीबी रोगियों में तपेदिक के ओकुलर प्रकटीकरण की व्यापकता
11. पूर्व परिपक्वता (एपीआरओपी) और ज़ोन 1 रेटिनोपैथी ऑफ़ एग्रेसिव पोस्टीरियर रेटिनोपैथी के मामलों के संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
12. एंडोफ्लाइटिस में तीन एंटीबायोटिक ड्रग रेजिमेंट (इंट्राविट्रियल) की अनुकंपा के लिए संभावित पायलट अध्ययन।
13. तृतीयक अस्पताल में जन्मजात और अस्पताल से बाहर पैदा हुए बच्चों में प्रीमेच्योर प्रोफाइल की रेटिनोपैथी।

14. अपरिपक्वता की आक्रामक पश्च-वृद्धता रेटिनोपैथी के प्रबंधन में फंडस फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी की भूमिका
15. ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी-एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए उपचार नाइव कोरॉयडल नव संवहनी झिल्ली को चिह्नित करने के लिए
16. 0.1 मिलीग्राम बनाम 0.25 मिलीग्राम के परिणामों की तुलना करने के लिए प्रीमेच्योर रेटिनोपैथी के आक्रामक पोस्टिनोपैथी में इंट्राविट्रियल रानीबिज़ुमाब
17. इंट्राविट्रियल रानिबिज़ुमाब प्लस ट्राइकोर्ट बनाम अकेले इंट्राविट्रियल रानिबिज़ुमाब की प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए रोगियों में मेक्युलर शोफ के साथ सीआरवीओ
18. तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय आरओपी सर्जरी के परिणामों का अध्ययन करना

यूनिट II (विटेरेटिना, यूविया और आरओपी)

1. इडियोपैथिक पूर्ण मोटाई मैक्यूलर छेद के शारीरिक रूप से बंद होने की स्थिति में कोई सख्त प्रवण स्थिति बनाम एक दिन पोस्ट ऑपरेटिव सख्त प्रवण स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: एक प्रारंभिक अध्ययन
2. रिकेटसीट्रेंट ट्रैक्टिकल वीएस गैर-ट्रैक्टिकल डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा के लिए विट्रोक्टोमी (आईएलएम छीलने के बाद) संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम।
3. डॉ.आरपीसी एम्स, नई दिल्ली में फाकोफ्रेग्मैंटियो सेवाओं के बाद खराब डिस्लोकेटेड लेंस के शारीरिक और दृश्य परिणाम
4. शुष्क आयु से संबंधित धब्बेदार अध: पतन के उपचार में ऑटोलॉगस बोन मैरो व्युत्पन्न स्टेम सेल की भूमिका का आकलन - एक व्यापक अध्ययन
5. उल्टे आंतरिक सीमित झिल्ली प्रालंब के साथ पारंपरिक धब्बेदार छेद सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन बड़े धब्बेदार छेद के लिए – एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
6. पुनर्गठित केंद्रीकृत डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा में इंट्राविट्रियल एंटीवीईजीएफ़ के साथ और बिना अल्ट्रा-वाइड फील्ड फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी निर्देशित परिधीय लेजर फोटोकैग्यूशन का तुलनात्मक मूल्यांकन।
7. डीआर में एफए निर्देशित पास्कल लेजर उपचार के साथ अल्ट्रा-वाइड फील्ड एफए (यूडब्ल्यूएफएफए) की तुलना
8. ड्राई एएमडी के उपचार के लिए ऑटोलॉगस स्टेम सेल का मूल्यांकन
9. रेटिनोपैथी ऑफ़ रेटिनोपैथी ऑफ़ प्रीमैटैरिटीकी (आरओपी) के पशु मॉडल में रेटिनल रेनिन एंजियोटेंसिन आर.ए.एस. की भूमिका का मूल्यांकन
10. सुप्त सोर्स ओसीटी का उपयोग करके स्वस्थ भारतीय जनसंख्या में कोरोइडल मोटाई का मापन
11. माइक्रोवेव असिस्टेड सिंथेसिस, एलसी-ईएसआई-एमएस विधि का विकास और मानव कैडेवर रेटिनल पिगमेंट एपिथेलियम में ओकुलर बीआई-रेटिनोइड्स की मात्रा का ठहराव
12. सीएनवी में ओसीटी-ए

13. समयपूर्वता के चरण 4 ए रेटिनोपैथी में सर्जिकल परिणामों के लिए पूर्वानुमान
14. उपचार वाले केसों में रेनीविज़ुमेब बनाम रेनीबिज़ुमेब के सम्मिश्रण में अल्ट्रा वाइड फील्ड इमेजिंग गाइडिड परिसरिए लेजर के साथ ब्रांच रेटीनल वेन ऑक्लुशन उपचार की तुलना करते हुए अग्रदर्शी यादृच्छिक इंटरवेंशनल परीक्षण
15. डॉ॰ आरपीसी एम्स, नई दिल्ली में एक तृतीयक अस्पताल सेवाओं में जन्मजात और बाहर जन्म लेने वाले बच्चों में समयपूर्व प्रोफ़ाइल की रेटिनोपैथी
16. डॉ॰ आरपीसी एम्स नई दिल्ली में समयपूर्व सेवा के एग्रेसिव पोस्टीरियर रेटिनोपैथी के उपचार में फंडस फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी की भूमिका
17. डॉ॰ आरपीसी एम्स, नई दिल्ली में कम दृष्टि और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करना
18. ओकुलर ट्रॉमा स्कोरिंग (ओटीएस) पर आधारित ओकुलर ट्रॉमा और अंतिम दृश्य तीक्ष्णता के पैटर्न का निर्धारण करना
19. टाइप 1 ज़ोन 2 आरओपी में अतिरिक्त पश्च बैराज लेजर की भूमिका का अध्ययन करना

यूनिट III (कॉर्निया और रिफ्रैक्टिव सर्जरी, बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

1. एपिडर्मल नेक्रोलिसिस अंतर्निहित आनुवंशिक आधार की पहचान करने के लिए एक अध्ययन
2. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा के मरीजों में आंसू तरल पदार्थ की क्लिनिकबोकेमिकल प्रोफ़ाइल
3. मध्यम से उच्च एटोपिया के लिए इन-सीटू केराटोमाइल्यूसिस (एफएस-लैसिक) असिस्टेड लेजर फेमटोसेकंड और छोटे इंसीजन लेंटिकुल एक्सट्रैक्शन (एसएमईएल) फेमटोसेकंड का तुलनात्मक मूल्यांकन
4. एटियालाजी का मूल्यांकन, नैदानिक विशेषताएं और परिणाम डिससिमेटोसील के मामलों में, एक एम्बिस्पेक्टिव परंपरागत अध्ययन
5. पर्टिगियम के साथ मरीजों में कंजंक्टिवल ऑटोग्राफ़्ट के पहले और बाद में दृश्य कार्यों और नेत्र सतह का मूल्यांकन
6. स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम ओक्यूलर सीक्वेल की आणविक विशेषता

यूनिट IV (ग्लूकोमा और बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

1. प्राइमरी एंगल क्लोजर संदिग्ध, प्राइमरी एंगल क्लोजर और प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा आंखों में इरिडोटॉमी कॉन्टेक्ट में बदलाव के बाद सर्कुलर इरिडोट्रैब्युलर कॉन्टेक्ट में बदलाव होता है।
2. प्राथमिक खुले कोण मोतियाबिंद के रोगियों में माइंडफुलनेस आधारित तनाव में कमी के प्रभाव का मूल्यांकन

यूनिट V (स्क्विंट, न्यूरो ऑप्थल्मोलॉजी, पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी और ऑकुलोप्लास्टी)

1. डिस्टोमिनसिन सी के साथ स्ट्रेप के साथ तुलनात्मक अध्ययन
2. लैक्रिमल बहिर्वाह बाधा में बोटुलिनम विष इंजेक्शन का मूल्यांकन
3. सामान्य कैनालिक ब्लॉक में कैनालिक ट्रेफिनेशन और मोनोकेनालिक स्टेंटिंग बनाम कैनालिकोडैक्रोसिस्टोरिनोस्टोमी का मूल्यांकन।

4. मिटोमाइसिन सी की तुलना में असफल डैक्रीकोस्टोरीनोस्टॉमी सर्जरी में कोलेजन मैट्रिक्स इम्प्लांट का मूल्यांकन
5. प्रत्यारोपण प्रवास के साथ एनोफैल्मिक सॉकेट्स में छिद्रपूर्ण पॉलीथीन प्रत्यारोपण के सर्जिकल परिणाम का मूल्यांकन
6. समूह सी और डी रेटिनोब्लास्टोमा में लगातार / आंशिक रूप से पुनर्जीवित विट्रोसस बीज के लिए अंतःशिरा कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में इंट्राविट्रियल मेलेफेलन का उपयोग करते हुए विटेरस बीज प्रतिगमन का मूल्यांकन। स्व-प्रतिरक्षित और प्रतिरक्षा संबंधी रोगियों में 68जीए डोटानोक पीईटी / सीटी के साथ सोमटोस्टेटिन रिसेप्टर अभिव्यक्ति का विवो मूल्यांकन।
7. स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम के साथ रोगियों में लिड मार्जिन पैथोलॉजी के लिए श्लेष्म झिल्ली ग्राफ्टिंग (फाइब्रिन गोंद बनाम सिवनी): एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
8. हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी में दृश्य हानि और नैदानिक वर्गीकरण के साथ उनके संबंध के स्पेक्ट्रम

ओकुलर माइक्रोबायोलॉजी

1. माइकोटिक केराटाइटिस और इनवेसिव संक्रमणों से फंगी की आणविक विशेषता और प्रत्यक्ष पहचान और संस्कृति जैसे पारंपरिक तरीकों की तुलना

नेत्र रोग विज्ञान

1. बेसलाइन इंट्राओक्यूलर दबाव और ट्रिब्युलर मेशवर्क के हिस्टोपैथोलॉजी के बीच सहसंबंध

नेत्र जैव रसायन

1. नेत्र सतह रोग के लिए गैस परनियबल स्केलरल कांटेक्ट लैंस के साथ नैदानिक प्रदर्शन और ओक्यूलर सरफेस होमियोस्टेसिस अध्ययन
2. समयपूर्वता की रेटिनोपैथी में जीन अभिव्यक्ति रूपरेखा
3. किशोर खुले कोण मोतियाबिंद में जीनोमिक परिवर्तन
4. मोतियाबिंद में आणविक परिवर्तन
5. कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) के मरीजों में एंडोथेलियल प्रोजेन्टर सेल (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) के स्तर और ईपीसी नंबर और फंक्शन के साथ इसका अध्ययन

ओकुलर फार्माकोलॉजी

1. बाजार में उपलब्ध दवा योगों में विटामिन डी 3 के स्तर का विश्लेषण
2. बाल चिकित्सा रोगियों में सीएमएसी मिलर ब्लेड आकार 1 और सीएमएसी मेकिंतोश ब्लेड आकार 2 के साथ इंटुबेट और इंटुबेशन स्थितियों की समय की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
3. कैंसर रोगियों में IV मॉर्फिन के साथ एनाल्जेसिक अनुमापन की दो तकनीकों (बोलस मॉर्फिन बनाम मॉर्फिन इन्फ्यूजन) की तुलना
4. विशेष जनसंख्या में उनके उपयोग के लिए दवा उत्पादों का विकास और मानकीकरण

5. वेंटीलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया में लंग अल्ट्रासाउंड का नैदानिक प्रदर्शन
6. नॉरपेनेफ्रिन के प्लाज्मा स्तर पर एसीई अवरोधक का प्रभाव
7. लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में भड़काऊ मार्करों पर और पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया पर कम खुराक केटामाइन का प्रभाव - एक संभावित, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन
8. जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस वाले बच्चों में अकेले मानक चिकित्सा के अलावा पल्स डेक्सामेथासोन की प्रभावकारिता: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. एनआईसीयू में भर्ती नवजात शिशुओं में तीन अलग-अलग एंटीसेप्टिक समाधानों की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण
10. तीव्र परिसंचरण विफलता में द्रव जवाबदेही की भविष्यवाणी करने के लिए समाप्ति श्वसन रोड़ा परीक्षण और मिनी द्रव चुनौती
11. ऑटोसोमल रिसेसिव जन्मजात इचिथोसिस में सेरामाइड्स का अनुमान
12. मिरगी में मस्तिष्क के ऊतकों से न्यूरोट्रांसमीटर, मेटाबोलाइट्स और फास्फोलिपिड्स का अनुमान
13. रेटिनोब्लास्टोमा में अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन
14. रेटिनोब्लास्टोमा के लिए नए एंटीकैंसर एजेंटों के विकास के लिए दवा और जैव-विश्लेषणात्मक तरीकों को विकसित करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन
15. दोलन कम शरीर नकारात्मक दबाव के दौरान हार्मोनल प्रतिक्रिया
16. टीबी के रोगियों में पहली पंक्ति एंटी-ट्यूबरकुलर दवाओं का फार्माकोकाइनेटिक मूल्यांकन
17. टीबी के रोगियों में दूसरी पंक्ति के एंटी-ट्यूबरकुलर दवाओं का फार्माकोकाइनेटिक मूल्यांकन
18. बच्चों में दूसरी पंक्ति के एंटी-ट्यूबरकुलर दवाओं के फार्माकोकाइनेटिक्स
19. चयनित आयुर्वेदिक सूत्रीकरण का औषधीय मूल्यांकन
20. रेटिनल नव संवहनी स्थितियों में उनकी उपयुक्तता के लिए चयनित एंटी-एंजियोजेनिक यौगिकों पर प्रीक्लिनिकल अध्ययन
21. चिकित्सीय दवा की निगरानी और उदर तपेदिक में नैदानिक प्रतिक्रिया का मूल्यांकन
22. मेथोट्रेक्सेट-लोडेड नैनोकणों के अनुक्रम के लिए चूहे के अंग में समय-आधारित पशु अध्ययन
23. विभिन्न जैविक नमूनों में शराब और विभिन्न दवाओं के विषैले विश्लेषण और वितरण पैटर्न और आत्मघाती जानवरों में उनके तंत्रिका संबंधी प्रभाव
24. यूवाइटिस के प्रायोगिक मॉडल में ओकुलर सूजन के दौरान ड्रग ट्रांसपोर्टर कार्यों को रक्त ओकुलर बाधाओं में समझना

नेत्र रेडियोलॉजी

1. मध्यवर्ती और उच्च ग्रेड प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में बहु पैरामीट्रिक एमआरआई, और गा -68 पीएसएमए पीईटी स्कैन की भूमिका

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

यूनिट IV (ग्लूकोमा और बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

1. एक पोर्टेबल और गैर-संपर्क प्रकार इंट्राओकुलर (आईओपी) दबाव माप उपकरण, आईआईटी, दिल्ली का विकास

यूनिट VI (कॉर्निया, स्क्विंट और न्यूरो-नेत्र विज्ञान)

1. ओकुलर सतह रोग में मानव ओकुलर माइक्रोबायोम का मूल्यांकन करने के लिए एक मेगाहर्टेनिक दृष्टिकोण
2. तेजी से प्रगतिशील विटिलिगो में मौखिक बीटामेथासोन पल्स थेरेपी के मानक खुराक के कम खुराक की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

1. सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम में डेथ अन्वेषण के मौखिक आटोप्सी आधारित कारण हेतु एक तकनीकी सहायता इकाई (टीएसयू) की स्थापना भारत के रजिस्ट्रार जनरल- मिनर्वा - एन 1715, सीसीएम, एम्स और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया
2. एसएनओएमईडी-सीटी: एनआरसीईएस- राष्ट्रीय औषध रिपोजिटरी डेटाबेस का विकास, एमओएचएफ़डबल्यू और सी-डीएसी पुणे
3. भारत में आयु से संबंधित मोतियाबिंद के इलाज के लिए स्वास्थ्य-संबंधित गुणवत्ता और जीवन की लागत पर अध्ययन
4. निदान करने के लिए उपकरण- ग्लूकोमा की पहचान के लिए आंख के विकास और छवि विश्लेषण उपकरण, आईआईटी दिल्ली
5. निदान करने के लिए उपकरण- रेटिनल डिसऑर्डर, डायबिटिक रेटिनोपैथी पहचान के लिए नेत्र विकास और छवि विश्लेषण विकास उपकरण, आईआईटी, दिल्ली

नेत्र रोग विज्ञान

1. ऑकुलर मैलिग्नेंसीज (एन-पीडीएफ; डीएसटी-एसआरबी), जामिया-मिलिया में लिपिड मेटाबॉलिज्म का अध्ययन

शक्ति गुप्ता

1. डॉ॰ आरपी सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एसिटेक लैब, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में मरीजों के लिए इनडोर नेविगेशन सहायता

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 254 **सार: 10** **पुस्तक में अध्याय: 22**

रोगी की देखभाल

ओपीडी/दवाखाने का नाम	नए मामले	पुराने मामले	कुल
सामान्य ओपीडी	1,59,216	1,64,903	3,24,119
आपातकाल	11,492	47,744	59,236
विशेषज्ञता दवाखाने	42,727	1,43,979	1,86,706
कुल	**2,13,435**	**3,56,626**	**5,70,061**
विशिष्टता क्लिनिक			
कॉर्निया क्लीनिक	7,099	13,713	20,812
लेंस क्लीनिक	1,121	2,733	3,854
यूविया क्लीनिक	1,100	4,911	6,011
कांटैक्ट लेंस क्लीनिक	925	1,741	2,666
ग्लूकोमा क्लीनिक	3,945	9,051	12,996
ऑप्थैल्माप्लास्टी क्लीनिक	5,111	4,050	9,161
पाएड. ऑप्थैल्मालाजी क्लीनिक	48	10	58
रेटिना क्लीनिक	4,267	6,331	10,598
न्यूरो-ऑप्थैल्मालाजी क्लीनिक	3,480	3,340	6,820
विट्रियो रेटिनल क्लीनिक	5,157	4,878	10,035
आरओपी	1,048	3,687	4,735
ओकुलर ऑंकोलोजी क्लीनिक	283	693	976
लो विजुअल एड	3,155	1,795	4,950
a) ओर्थोओप्टिक क्लीनिक	568	21,690	22,258
b) स्क्विंट क्लीनिक	5,420	20,437	25,857
रिफ्रेक्शन	0	44,919	44,919
कुल मामले	**42,727**	**1,43,979**	**1,86,706**
प्रवेश			
सामान्य प्रवेश			16,935
कैजुअल्टी			3,793
प्राइवेट प्रवेश			1,323
छोटे प्रवेश			14,388
डे केयर प्रवेश			10,917
कुल			**47,356**
शल्य क्रिया			

मेजर	20,984
डे केयर	9,867
कुल	**30,851**
माइनर	18,725
महायोग	**49,576***
मृत्यु	0
अन्य संख्याएँ	
औसत बेड ओक्युपेन्सी अनुपात	81%
ठहरने की औसत अवधि	4.7%
औसत ओपीडी उपस्थिति प्रति कामकाजी दिन	1,916 per day
प्रतिदिन इंडोर प्रवेश की औसत संख्या	130 per day
प्रतिदिन ऑपरेशनों की औसत संख्या	136 per day

परीक्षण प्रयोगशालाएँ

परीक्षण	**कुल**
डार्क रूम प्रोन प्रोवोकेशन टेस्ट (डीआरपीपीटी)	22
टियर लैब	41
प्युपिलोमेट्री	131
एमआरआई रेकर्ड की स्कैनिंग और स्टोरेज	132
फोटोडायनामिक थेरेपी (पीडीटी)	142
जीडीएक्स वैरिएबल कोर्नियाल कंपनसेशन(वीसीसी) और एन्हेंस्ड कोर्नियाल कंपनसेशन (ईसीसी)	148
अल्ट्रासोनिक बायोमाइक्रोस्कोपी	304
एडाप्टिव ओप्टिक्स	488
फ्लेयरमीटर	517
ओप्टिक न्यूरिटिस क्लीनिक	652
एलेक्ट्रोरेटिनोग्राम (ईआरजी) और मल्टीफोकल ईआरजी	1,158
मेडिकल बोर्ड	1,504
गोल्डमैन विजुअल फील्ड	2,105
शिरमर + टियर फिल्म ब्रेकअप टाइम	2,195
वाईएजी लेजर + सेलेक्टिव लेजर ट्राबेकुलेक्टोमी	2,662
कांटैक्ट लेंस क्लीनिक	2,852
एंट. सेग. क्लीनिकल फोटोग्राफ	2,984

आई-ट्रेस एबेरोमीटर	3,415
अवयस्कता की रेटिनोपैथी (आरओपी)	3,527
विडियो केराटोग्राफी (वीकेजी), कैसिनी + सिरियस टोपोग्राफी	3,894
पोस्ट सेगमेंट लेजर (पीआरपी)	4,105
कांट्रास्ट सेंस्टीविटी	4,825
ओसीटी एंजियोग्राफी	4,943
हेडेलबर्ग रेटिनल टोमोग्राफी (एचआरटी)	5,039
ईसीजी	5,462
लो विज़न एड सर्विसेज	5,585
कलर विज़न एसेसमेंट	6,527
विजुअल इवोक्ड रिस्पोंसेज (वीईआर)	7,615
फंडस फोटो और ऑटो फ्लोरेसेन्स	8,237
लेजर इंटरफेरोमेट्री	9,515
फ्लोरेसीन फंडस एंजियोग्राफी (एफ़एफ़ए), और इंडोसायनिन ग्रीन एंजियोग्राफी (आईसीजी)	10,434
स्पेकुलर माइक्रोस्कोपी	10,815
एंटीरियर सेगमेंट ओकुलर कोहेरेंट टोमोग्राफी (एएस ओसीटी)	11,397
पेंटाकैम	12,235
हमफ्रे पेरीमीटर और माइक्रो पेरीमीटर	13,997
ऑटो-लेंसोमेट्री	14,541
पैचीमेट्री (सेंट्रल कार्नियल थिकनेस और एनसीसीटी)	15,627
एक्सियल लेंथ	24,491
बी-स्कैन अल्ट्रासाउंड	25,945
केराटोमेट्री (मैनुअल + ऑटो)	27,913
ओकुलर बायोमेट्री, आईओएल मास्टर और लेंस स्टार	29,934
हाई डेफ़िनिशन ओसीटी (एचडी-ओसीटी), पोलराइज़ेशन-सेंसिटिव ओसीटी (पीएस ओसीटी)	56,459
रिफ्रेक्शन	99,015
ऑटो रिफ्रेक्शन (एआर)	1,15,969
नॉन कांटैक्ट टोनोमेट्री (एनसीटी), एप्लेनेशन टोनोमेट्री (एटीएन)	1,36,415
कुल	**6,95,913**

कम्यूनिटी ऑप्थैल्मोलॉजी

आउट रीच प्रोग्राम में देखे गए मरीजों की कुल संख्या: 1,09,772

विज़न केंद्र के द्वारा प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएँ	
दृष्टि केन्द्रों की संख्या	28
दृष्टि केन्द्रों पर उपस्थित लोगों की संख्या	72,944

अपवर्तन का आयोजन किया	29,578
चश्मे की सलाह दी गई	28,704
मरीजों को आरपी सेंटर रेफर किया	9,186
प्राथमिक नेत्र देखभाल स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम	
स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए	16
स्वयंसेवक प्रशिक्षित किए गए	230
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	
दृष्टि केन्द्रों में संचालित नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	1,104
आरपीसी में संचालित नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	198
ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में मोतियाबिंद शल्यक्रिया के लिए कार्यक्रम की पहुँच	
मोतियाबिंद की जाँच के लिए शिविर आयोजित किए गए	2
लोगों की जाँच की गई	395
अपवर्तन	189
आरपी केंद्र को रिफ़र किए गए मरीज	124
पाठशालाओं में नेत्र जाँच कार्यक्रम (एसईएस)	
एसईएस कार्यक्रम के तहत समाविष्ट पाठशालाएँ	34
जाँच किए गए बच्चों की संख्या	36,378
संचालित किया गया अपवर्तन	5,092
चश्मे की सलाह दी गई	3,312
चश्मों का आरक्षण किया गया	3,312
डायबिटिक रेटिनोपैथी जाँच शिविर	
आयोजित डीआर जाँच शिविरों की कुल संख्या	242
शिविरों में जाँचे गए डायबिटिक मरीजों की संख्या	2,764
पहचाने गए और आरपी केंद्र को रिफ़र किए गए डीआर मरीजों की कुल संख्या	562(523)
सामुदायिक ऑप्थैल्मोलॉजी के तहत डॉ. आरपी केंद्र में इलाज के लिए आए मरीज	
सामुदायिक ऑप्थैल्मोलॉजी के तहत सूचित किए गए कुल मरीज	4,825
सामुदायिक ऑप्थैल्मोलॉजी के तहत मोतियाबिंद के लिए शल्यक्रिया किए गए कुल मरीज	2,121
फॉलो-अप	
आयोजित किए गए फॉलोअप क्लिनिक	50
फॉलो अप क्लिनिक में जाँचे गए मरीज	1,422
लो विज़न पुनर्वास	

कुल पंजीकृत हुए	772
गतिशीलता का प्रशिक्षण	463
एडीएल काउंसलिंग	641
दृष्टि विकलांगता प्रमाणपत्र	274
व्यावसायिक प्रशिक्षण	55
विशेष पाठशाला में प्रवेश	26

ऑक्युलर बायोकेमिस्ट्री

क्रम संख्या	परीक्षण का नाम	संख्या
1.	शकर (आर, एफ़, पीपी, जीटीटी)	13,697
2.	एचबीएएलसी	3,412
3.	टीबीआईएल	13,154
4.	डीबीआईएल	13,154
5.	एएलटी या एसजीपीटी	13,154
6.	एएसटी या एसजीओटी	13,154
7.	एएलपी	13,154
8.	टीपी	8,183
9.	एएलबी	8,183
10.	क्रिटेनाइन (सीआरई)	13,564
11.	यूरिया (यूआरईए)	13,564
12.	यूरिक एसिड (यूए)	13,563
13.	सोडियम (Na^{+})	13,566
14.	पोटैसियम (K^{+})	13,566
15.	क्लोराइड (Cl^{-})	13,566
16.	टीसीएचओएल	2,766
17.	एलडीएलसी	2,766
18.	एचडीएल-सी	2,766
19.	ट्राईग्लिसराइड (टीआरआईजी)	2,766
20.	फ्री टी3	1,052
21.	फ्री टी4	1,053
22.	टीएसएच	1,121
23.	विटामिन बी12	378
	कुल	**1,95,302**

ऑक्युलर माइक्रोबायोलॉजी

क्रम संख्या	परीक्षण	
1.	जीवाणु कल्चर और संवेदनशीलता	17,858
2.	कवक कल्चर	5,016
3.	साइटोलोजी के लिए प्रोसैस किए गए स्पेसिमेन	2,740
4.	डीएफ़ए का उपयोग कर के क्लामाइडिया एजी परीक्षण के लिए प्रोसैस किए गए स्पेसिमेन	58
5.	डीएफ़ए का उपयोग कर के एचएसवी एजी परीक्षण के लिए प्रोसैस किए गए स्पेसिमेन	26
6.	हर्पीज सिम्प्लेक्स वाइरस, एडेनो और कोक्साएकी वाइरस (कंजक्टिवाइटिस/कॉर्नियल अल्सर) के लिए वाइरल पीसीआर	149
7.	माइक्रोस्पोरिडिया के लिए प्रोसैस किए गए स्पेसिमेन	18
8.	माइकोबैक्टीरिया के लिए प्रोसैस किए गए स्पेसिमेन	19
9.	अकांथअमीबा के लिए कल्चर	29
10.	एंडोप्थैलमाइटिस के लिए ऑटोमेटेड (बैकटेक) कल्चर	46
11.	एंडोप्थैलमाइटिस के लिए ब्रॉड रेंज पीसीआर	46
	कुल	**26,005**

ऑक्युलर पैथोलॉजी

रक्त	1,18,089
मूत्र	7,852
साइटो + साइटो रिसर्च	2,460
हिस्टो + हिस्टो रिसर्च	28,763
कुल जाँचों कि संख्या	**1,57,164**

ऑक्युलर फर्माकोलॉजी

साल के दौरान ऑक्युलर फार्मेसी द्वारा दवाओं की सप्लाई की गई/ वितरण किया गया

दवाएं वितरित की गईं	कुल बोतलें (5 ml)
1. मरीजों द्वारा खरीदी और फार्मेसी में आरक्षित दवाएं	
एसीटिल सिस्टीन (10, 20%, 2.5%, 5%)	194 बोतलें
एमिकेसीन (1.3%, 2.5%,1%,5%)	47 बोतलें
एंफोटेरिसिन बी (0.25, 0.15%)	57 बोतलें

बीटाक्सोलोल (0.25%)	363 बोतलें
सिफ़ाज़ोलीन (5%)	1,132 बोतलें
कोंक. टोब्रामाइसिन (1.3%)	4,602 बोतलें
मिटोमाइसिन (0.02%, 0.04%)	119 बोतलें
पाइलोकार्पाइन (0.125%, 0.5%, 0.25%, 1%)	87 बोतलें
पोलिमिक्सिन बी (20,000 μ-30,000 μ/ml, 50,000 μ/ml)	225 बोतलें
वेंकोमाइसिन (5%)	3,057 बोतलें
टिमोलोल 0.25	4 बोतलें
सेफ़्टजिडीन	47 बोतलें
बिवाकीजुमाब/एवेस्टीन	5,367 एम्प्यूल्स
इंटरफेरोन	167 बोतलें
वोरिकोनाज़ोल (1%)	573 बोतलें
2. फार्मेसी आरपीसी की तुलना में निशुल्क	
ऑटोलोगस सीरम	208 बोतलें
आर्टिफ़िशियल टियर्स	56,682 बोतलें
सिप्रोफ्लोक्सेसिन (0.3%)	8,557 बोतलें
कॉर्नियल स्टोरेज मीडिया (एमके मीडिया)	4,037 बोतलें
साइक्लोस्पोरिन 2%, 1%	134 बोतलें
ईडीटीए (1.1%)	123 बोतलें
होमट्रोपीन (2%)	14,000 बोतलें
हाइपर टॉनिक सेलाइन (5%)	4,371 बोतलें
मिथाइल सेल्यूलोज़ (2%)	77 एल
मिथाइल सेल्यूलोज़ (2%)	1,099 बोतलें
पाइलोकार्पाइन (2%)	1,698 बोतलें
एसिटाज़ोलामाइड30 मिग्रा, 10, 25, 40, 50, 60, 80 mg	1,699 पैकेट
सोडियम एस्कोर्बेट (10%)	352 बोतलें
सोडियम सिट्रेट (10%)	326 बोतलें
थिमेरोसाल घोल (0.005%)	90 एल
ट्रोपिकामाइड (1%)	33,374 बोतलें
पिप्रासिलिन	115
ट्रोपैक + फ़िनाइलफेरीन (0.5%+2.5%) (ROP)	9,487 बोतलें
गैनसीक्लोवैर बोतलें 100 मिग्रा	105
पीएचएमबी	168 बोतलें

मेरोपेनाम 5 मिग्रा/मिली	8 बोतलें
पाइलोक्लोनीडाइन	165 बोतलें
एट्रोपाइन 0.01%	4 बोतलें
माइकोफेनोलाटेमो डायज़ोक्साइड 10 मिग्रा, 12.5 मिग्रा	69
ग्लिसरीन 20%	1
ओलोआपटाडीन	6,261
3. किट आइटम वितरित किए गए	
बोटोक्स	307 एम्प्यूल्स
इथाइल एल्कोहोल 20%	321 x 5 मिली
गोल्ड क्लोराइड	73
हाइड्राजीन हाइड्रेट	73
सोड. क्लोराइड 20% घोल	25 ml x 2 बोतलें
टैब.सिट्रिज़ेन 2.5 मिग्रा	4 सैशे
टैब. ए साइक्लोवर 1/8	16 सैशे
वोरिकोनाज़ोल 25 मिग्रा	63 सैशे
फोलिक एसिड 0.5%	4 बोतलें
इथाइल एल्कोहोल 100%	5 ml x 1 बोतलें
जाइलिस्टिन 0.15%	1 बोतलें
फोरमालिम 10%	3 ली
इमेपेरम 5%	1 बोतलें
टिमोलोल मिलिएट ओइंट. 0.5%	11 मलहम
औग्मेंटिन टैब. टुकड़ों में	8 सैशे
वालगनसिक्लोवर टैबलेट	153 सैशे
सिरोलिमस पाउडर	56 सैशे
ग्लिबेंक्लामाइड	29 सैशे
इंडोमिथासीन टैब.	110 सैशे
नीतिसिनोन कैप्सूल	78 सैशे
लेंजप्राज़ोल टैब्लेट	22 सैशे
स्पिरानोलेक्टोन टैब्लेट	30 सैशे

ऑक्युलर रेडियोलॉजी

एक्सरे के लिए मरीजों की कुल संख्या	8,496
सीटीज़ के लिये मरीजों की कुल संख्या	1,407

ऑक्युलर एनस्थीसिया

क्रम स॰	जी.ए. के मामले	संख्या
1.	रूटीन + ईयूए	5,720
2.	आपातकाल	1,667
3.	निरीक्षित एनस्थीसिया देखभाल	485
4.	डॉ॰ आर.पी.सी. कैजुएल्टी-ओ.टी.	3,137
	कुल	**11,009**

राष्ट्रीय नेत्र बैंक

राष्ट्रीय नेत्र बैंक (एनईबी):	
कॉर्निया का कुल कलेक्शन	2,209
कॉर्निया प्रत्यारोपन के लिए कुल उपयोग	1,439
अन्य नेत्र बैंक (ओईबी):	
कॉर्निया का कुल कलेक्शन	99
कॉर्निया प्रत्यारोपन के लिए कुल उपयोग	82
नेब में नेत्रदान के लिए आने वाले लोगों की कुल संख्या :	
नेत्रदान करने वाले कुल लोगों की संख्या	225

लो विज़न सेवाएँ :

कुल 4,950 रोगियों को उनके नैदानिक मूल्यांकन के लिए कम दृष्टि सेवाओं के लिए प्रस्तुत किया गया था। 4,950 के बीच, कम दृष्टि मूल्यांकन के लिए कुल 3,060 रोगियों को देखा गया, जिन्हें कम दृष्टि उपकरणों की आवश्यकता थी। कम दृष्टि के तहत नामांकित नए रोगियों में 1,808 और 1,252 फॉलोवर थे।

मरीजों की 1,890 संख्या ओपीडी / वार्ड / क्लीनिक से संदर्भित मामलों को चुनौती दे रही थी, जो नैदानिक तस्वीर, आंसू नमूना विश्लेषण के लिए अपवर्तन के साथ सुधार किया जा सकता था।

नए मरीजों की कुल संख्या थी: 3,155

फॉलोअप मरीजों की कुल संख्या थी: 1,795

पुरुषों की कुल संख्या	2,261
बच्चों की कुल संख्या	1,035

महिलाओं की कुल संख्या	1,104
बच्चियों की कुल संख्या	550

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

यूनिट I (मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी, विट्रीटोरिना, यूविया और आरओपी)

प्रोफेसर एसके खोखर को यूके के वॉर्सेस्टर में मिडलैंड ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट में मोतियाबिंद सर्जिकल कठिनाइयों के वीडियो आधारित शिक्षण के लिए एमओएस, यूके द्वारा सम्मानित किया गया, जो 29 मार्च से 2 अप्रैल 2019 तक आयोजित किया गया था।

यूनिट II (विटेरेटिना, यूविया और आरओपी)

प्रोफेसर अतुल कुमार माननीय सलाहकार नेत्र विज्ञान, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (दिसंबर 2015-दिसंबर 2018); सलाहकार नेत्र विज्ञान, भारत सरकार, दिसंबर 2015-2018; सदस्य, सलाहकार बोर्ड, नेत्र रोग अनुसंधान समूह के वर्तमान भारतीय नेत्र अनुसंधान जर्नल; सह-अध्यक्ष, भारत सरकार के नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबी) के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 13 वीं पंचवर्षीय योजना के लिए सलाहकार समिति; एनपीसीबी, भारत सरकार के तहत सदस्य पीएमओए ड्यूटी समिति; सहायक प्रोफेसर नेत्र संज्ञाहरण के चयन के लिए एम्स समिति सदस्य; राष्ट्रीय अंधता सर्वेक्षण और राष्ट्रीय ट्रेकोमा सर्वेक्षण के लिए सदस्य सलाहकार समिति, मई 2016; नेशनल प्रोग्राम फॉर ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) के लिए समिति के तहत देश में रेटिना रोगों के सह-अध्यक्ष उपचार; भारत के राष्ट्रपति द्वारा नेत्र विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए डॉ बीसी रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित; निदेशक, डब्लूएचओ कोलैबरेटिंग सेंटर फॉर ब्लाइंडनेस, आईएनडी-142; कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) के तहत राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 13 वीं पंचवर्षीय योजना के लिए सलाहकार समिति में सह-अध्यक्ष; एपीएस के सदस्य "एपीएस के तहत साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति की बैठक" पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; 11 वें संस्थापक दिवस एईसी-पीजीआई, चंडीगढ़ में 18 मार्च 2017 को हाई मायोपिया से संबंधित रेटिना पैथोलॉजी पर संस्थापक दिवस का आयोजन; आई-फोकस सीएफएस द्वारका, दिल्ली में "गोल्डन एप्पल" पुरस्कार, 27 जनवरी 2018; अध्यक्ष: 27 जनवरी 2018 को आईफोकस- पीजी टीचिंग प्रोग्राम, नई दिल्ली में रेटिना डायग्नोस्टिक्स सत्र; अध्यक्ष: 3 फरवरी 2018 को AIOS रिफ्रेशर कोर्स, PGIMER, चंडीगढ़ में रेटिना कैप्सूल सत्र; डॉ सुब्रमण्यम ओरेशन लेक्चर को 36 वें 201 को बैंगलोर में 36वें वार्षिक कर्नाटक स्टेट ऑप्थेलिक कॉन्फ्रेंस 2018 में दिया गया; 4 और 5 मई 2018 को “PGI” चंडीगढ़ में MS (नेत्र विज्ञान) के लिए बाहरी परीक्षक को आमंत्रित किया गया; 20 अप्रैल 2018 को ब्रिटेन के एडिनबर्ग में आयोजित रॉयल कॉलेज ऑफ़ सर्जन्स के फैलोशिप एड होमिनम का पुरस्कार प्राप्त किया; अध्यक्ष: रेटिना टुकड़ी और आईओएफ़बी का प्रबंधन और आघात के बाद संक्रमण और सूजन का प्रबंधन, ओक्युलर ट्रामा कोन 2018 मीटिंग, 12-15 जुलाई 2018, चेन्नई; सत्र के अध्यक्ष: कोरोइडल नव संवहनी झिल्ली: आईपीसीवी प्रबंधन प्रोटोकॉल और जब विट्रोरेटरीनल स्पेशलिस्ट, सीएमई का उल्लेख करना है: व्यापक नेत्र रोग विशेषज्ञों के लिए रेटिना कैप्सूल, 12 अगस्त 2018, चंडीगढ़

प्रोफेसर महेश चंद्र: अन्य विश्वविद्यालयों की थीसिस परियोजनाओं का मूल्यांकन किया।

डॉ. पारिजात चंद्रा दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी, दिल्ली के 6-8 अप्रैल 2018 के 69 वें वार्षिक सम्मेलन में सह-संयोजक, रेटिना ग्रैंड राउंड्स; पैनलिस्ट, आरओपी में एंटीवीईजीएफ़, 3rd आईआरओपी सोसायटी की बैठक, रायपुर, 21-22 जुलाई 2018; पैनलिस्ट, द्वितीय हैदराबाद रेटिना सोसायटी मीटिंग, हैदराबाद, 5 अगस्त 2018; अध्यक्ष, निर्देश पाठ्यक्रम: रेटिनोपैथी ऑफ प्रेमाटेरिटी, झारखंड ओफ्थैल्मिक सोसाइटी, रांची का 16वाँ वार्षिक सम्मेलन; दिसंबर 2019; परीक्षक, एफएआईसीओ [विटेरेटिना] परीक्षा, ऑल इंडिया ऑप्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी के तत्वावधान में, एम्स, नई दिल्ली, 17 दिसंबर 2018; मूल्यांकनकर्ता, फ्री पेपर्स (बाल रोग), एआईओएस, इंदौर, १४-१ 201 फरवरी 2019

यूनिट III (कॉर्निया और अपवर्तक सर्जरी, बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

प्रोफेसर जीवन एस टिटियाल को एआईओएस इंटरनेशनल हीरोज अवार्ड, 77 वाँ अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी सम्मेलन, फरवरी 2019, इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत; आईजेओ सम्मान, 77 वाँ अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी सम्मेलन, फरवरी 2019, इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत; कॉर्निया और अपवर्तक खंड पर सर्वश्रेष्ठ ई पोस्टर (प्रथम पुरस्कार), कॉर्नेल बायोमैकेनिक्स का सहसंबंध और म्योपोप में कॉर्नियल मोटाई के साथ कंफ़ोकल माइक्रोस्कोपी, पीपी3-06, मोतियाबिंद और अपवर्तक सर्जन के एशिया पैसिफिक एसोसिएशन (एपीएसीआरएस), जुलाई 2018, चियांग माई, थाईलैंड; टिटियाल जेएस, कौर एम, शेख एफ, एसएमईएल 2018 के सीखने की अवस्था में कठिन मसूर की निकासी का प्रबंधन, अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, शिकागो, यूएसए, अक्टूबर 2018 में शो ऑफ बेस्ट; कर्नल हेनरी "जल्लंदर" स्मिथ ओरेशन अवार्ड, जालंधर मोतियाबिंद और अपवर्तक क्लब, अगस्त 2018, जालंधर, पंजाब; महर्षि सुश्रुत अवतरण, महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जनवरी 2018, जयपुर, राजस्थान।

यूनिट IV (ग्लूकोमा और बाल चिकित्सा मोतियाबिंद)

प्रोफेसर रोहित सक्सेना को दिल्ली में शहरी स्कूली बच्चों में पेपर इंसीडेंस और प्रोग्रेस ऑफ़ मायोपिया और संबंधित कारकों के लिए एम्स एक्सीलेंस अवार्ड 2018 से सम्मानित किया गया: द नॉर्थ इंडिया मायोपिया स्टडी (एनआईएम स्टडी), पीएलओएस वन, 2017 अप्रैल 18: 12 (12): ई0189774

डॉ. शिखा गुप्ता: इंस्टीट्यूट रिसर्च डे 2019, प्राथमिक कांगेनिटल ग्लूकोमा में अर्जुन देसाई, मनीष भारद्वाज, विनी गुप्ता, शिखा गुप्ता, पोस्टर प्रेजेंटेशन, बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन में वेव-फ्रंट अबेरोमेट्री और ऑकुलर एबेरेशन; एआईओएस 2019, साइक्लोडायलेसिस का प्रबंधन: एक पूर्ण चक्र में आ रहा है, हरिओम सेलवन, विनी गुप्ता, शिखा गुप्ता, एआईओसी 2019 में सत्र का सर्वश्रेष्ठ पेपर।

डॉ. देवांग अंग्मो ने विश्व ग्लूकोमा कांग्रेस 2019 में युवा नेत्र रोग विशेषज्ञ यात्रा अनुदान प्राप्त किया; एआईओएस 2019 में ट्रिब्यूलेक्टोमी के मूल सिद्धांतों पर आधारित और वितरित सफल निर्देश पाठ्यक्रम।

यूनिट V (स्क्विंट, न्यूरो ऑप्थल्मोलॉजी, पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी और ऑकुलोप्लास्टी)

प्रोफेसर प्रदीप शर्मा ने कोयम्बटूर 2018 में अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी से एआईओएस के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय नायकों को प्राप्त किया; इंडोनेशियाई बाल रोग नेत्र विज्ञान और स्ट्रैबिस्मस सोसाइटी

के लिए आमंत्रित मुख्य वक्ता, सेमारंग, इंडोनेशिया में अप्रैल 2018; डिजीटैक पर प्रोफेसर प्रदीप शर्मा के पोस्टर को अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, एएओ, शिकागो, अक्टूबर 2018 में पोस्टर थियेटर में विशेष प्रस्तुति के लिए चुना गया; काठमांडू, नेपाल, अक्टूबर 2018 में तिलगंगा नेत्र संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय बाल रोग नेत्र विज्ञान और स्ट्रैबिस्मस संगोष्ठी के लिए आमंत्रित अतिथि वक्ता; स्ट्रैबिस्मस और बाल रोग नेत्र विज्ञान सोसायटी, भारत के अध्यक्ष के रूप में स्थापित, एसपीओएसआई दिसंबर 2018; कोलकाता अकादमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के आईएस रॉय पुरस्कार से सम्मानित, जनवरी 2019; जनवरी 2019, आईफोकस, हैदराबाद के डॉ॰ एचके तिवारी गोल्डन एप्पल पुरस्कार से सम्मानित।

डॉ॰ स्वाति फुलझेली आलोक को न्यूरो-नेत्र रोग विज्ञान में एसएनईसी-एआरसी एआईओएस फैलोशिप से सम्मानित किया गया; भारतीय न्यूरो-नेत्र विज्ञान सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन के लिए संयुक्त आयोजन सचिव; भारतीय न्यूरो-नेत्र विज्ञान सोसायटी, 2018 के वार्षिक सम्मेलन में ई-पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार; फुलझले आलोक एस, सलूजा जी, निरंजना बी, सक्सेना आर, शर्मा पी, "चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग का सहसंबंध और हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी के मरीजों में नेत्र संबंधी जांच निष्कर्ष"; सह-अध्यक्ष, बीएससी ऑप्टोमेट्री के रूप में नियुक्त; बीएससी ऑप्टोमेट्री चरण III के लिए एक आंतरिक परीक्षक के रूप में नियुक्त; न्यूरो-नेत्र विज्ञान में अग्रिम के लिए मॉडरेटर, भारतीय न्यूरो-नेत्र विज्ञान सोसाइटी का पहला वार्षिक सम्मेलन, 30 सितंबर 2018; बाल देखभाल नेत्र रोग और आई केयर अस्पताल के स्ट्रैबिस्मस पर रजत जयंती सीएमई के लिए आमंत्रित संकाय, 19 अगस्त 2018, नई दिल्ली; नेत्र विज्ञान एपेक्स कॉन्क्लेव में एआईओएस एआरसी-आईसीओ शिक्षकों के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित, इंदौर में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी 2018, 13-17 फरवरी 2019 की 77 वीं वार्षिक सम्मेलन; अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी 2018, 13-17 फरवरी 2019 इंदौर में 77 वें वार्षिक सम्मेलन में न्यूरो-नेत्र विज्ञान (आईएनओएस) सत्र के लिए पैनलिस्ट।

यूनिट VI (कॉर्निया, स्क्विंट और न्यूरो-नेत्र विज्ञान)

प्रोफेसर राधिका टंडन ईबीआईए द्वारा सम्मानित ईबीएआई की अध्यक्ष थी; एशिया के नेत्र बैंकों के एसोसिएशन के उपाध्यक्ष; एनओटीटीओ द्वारा प्रदत्त एनओटीटीओ के सदस्य; डबल्यूएचओ द्वारा समर्थित चेयरपर्सन, नेत्र नेतृत्व शिखर सम्मेलन के रूप में नियुक्त, 7 सितंबर 2018; नेत्र बैंक संघों (जीएईबीए) के वैश्विक गठबंधन के लिए सलाहकार सदस्य; आईसीएमआर द्वारा प्रदान मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ (एसटीडबल्यू) के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त; ग्लोबल बैंक ऑफ आई बैंक एसोसिएशंस और डब्ल्यूएचओ के सहयोग से जारी दान ऊतक के उपयोग में एथिकल प्रैक्टिस के लिए बार्सिलोना सिद्धांतों के फ्रेमिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; ब्लाइंडनेस एंड विज़ुअल इम्पेयरमेंट (एनपीसीबी एंड VI) के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; आईसीएमआर द्वारा परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; जुलाई 2018 से इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (IJMR) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित; डीबीटी बायोइंजीनियरिंग टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में नामित, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार;

जुलाई 2018 से इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित [रेफ० नंबर आईजेएमआर / ईबी / 2017-18 / 194 दिनांक 4 जुलाई 2018]; 22 दिसंबर 2018 को एम्स, जोधपुर की स्थायी चयन समिति की बैठक के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; 7 फरवरी 2019 को एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में एम्स, गोरखपुर की स्थायी चयन समिति की बैठक के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर एम वनाथी ने क्लिनिकल रिसर्च 2018 में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन प्राप्त किया- एम्स द्वारा ऑन्कोलॉजी (नायर एस, वनपति एम, महापात्रा एम, सेठ टी, कौर जे, वेलपांडियन टी, एट अल। आंसू भड़काऊ मध्यस्थों और प्रोटीन) की आंखों में आंखों से संबंधित नैदानिक अनुसंधान के लिए सम्मानित किया गया। पोस्ट एलोजेनिक हेमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के मरीज, ओकुल सर्फ, 201,181; 16: 352-367।)

डॉ॰ नूपुर गुप्ता को डब्ल्यूएचओ मुख्यालय, जिनेवा द्वारा डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रैकोमा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था, ताकि ट्रेकोमा के वैश्विक उन्मूलन के लिए सिफारिशें विकसित की जा सकें; आईसीएमआर द्वारा प्रदत्त परियोजना समीक्षा समिति की बैठक के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित; भारत सरकार के तहत नेत्र विज्ञान के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ विकसित करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; एमओएच एंड एफडब्ल्यू द्वारा वर्ष 2020 तक देश से ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए नीतिगत योजना और रणनीति के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय कार्य बल के लिए विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; ब्लाइंडनेस की रोकथाम पर दक्षिण-पूर्व एशिया (एसईएआरओ) के लिए डबल्यूएचओ के क्षेत्रीय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त और नेत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और ब्लाइंडनेस की रोकथाम के लिए क्षेत्रीय समूह परामर्श-त्वरित कार्यों में भारत का प्रतिनिधित्व किया; भारत में यूनिवर्सल आई हेल्थ प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के विकास पर एनपीसीबी-डबल्यूएचओ एसईएआरओ विशेषज्ञ समूह की बैठक के लिए संसाधन संकाय और राष्ट्रीय डबल्यूएचओ विशेषज्ञ के रूप में; सितंबर 2018 में ईबीएआई, पुणे में सर्जन प्रशिक्षण पहल के भाग के रूप में डीएएलके (लैमेलर केरेटोप्लास्टी) और डीएसएईके (एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी) कार्यशाला के लिए ट्रेनर और संसाधन संकाय; विशेषज्ञ नेत्र रोग विशेषज्ञ और गोवा और बांदा में ऑप्टोमेट्रिस्ट और नेत्र रोग विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षक के रूप में, एनपीसीबी, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार के तहत मई 2018 और जनवरी 2019 में 52 वें आरपी सेंटर स्थापना दिवस, 2019 पर राष्ट्रीय दृष्टिहीनता सर्वेक्षण, पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए बांदा।

ओकुलर माइक्रोबायोलॉजी

प्रोफेसर गीता सत्पथी को आईसीएमआर की महामारी विज्ञान और संचारी रोग प्रभाग के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समूह सदस्य बनाया गया था।

डॉ. निशात हुसैन अहमद को क्लिनिकल हर्पीज़ के नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ़ क्लिनिकल में हर्पीज़ सिम्प्लेक्स वायरस टाइप -1 और टाइप -2, साइटोमेगालोवायरस, वैरिकाला-ज़ीरा वायरस और एडेनोवायरस के डिटेक्शन के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर की स्थापना शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार दिया गया। संक्रामक रोग सोसायटी, 2018, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, तमिलनाडु में आयोजित किया गया।

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

डब्ल्यूएचओ द्वारा डब्ल्यूएचओ वर्ल्ड विजन रिपोर्ट की समीक्षा के लिए **प्रोफेसर प्रवीण वशिष्ठ** को आमंत्रित किया गया था; नेपाल ट्रैकोमा उन्मूलन डोजियर समीक्षा समूह की समिति के सदस्य के रूप में डब्ल्यूएचओ द्वारा नामित, नेपाल में ट्रेकोमा उन्मूलन की सिफारिश करने के लिए; भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रैकोमा टास्क फोर्स और राष्ट्रीय ट्रैकोमा निगरानी समिति के सदस्य सचिव के रूप में नामांकित, भारत में ट्रैकोमा के उन्मूलन के लिए प्रस्तुत ट्रैकोमा मॉड्यूल और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए "ट्रेकोमा केवल सर्वेक्षण" के लिए सर्वेक्षण प्रस्ताव; 2018-2019 की अवधि के लिए दृष्टि भारत का अधिकार 2020 की वैज्ञानिक समिति के लिए नियुक्त अध्यक्ष; 1 जून 2018 को कार्यक्रम "स्वच्छ भारत" में नेत्र देखभाल के लिए विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में लोकसभा टीवी द्वारा आमंत्रित; 8-10 जून 2018 को श्री शंकरदेव नेत्रालय, गुवाहाटी में विजन 2020 इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में "स्कूल स्क्रीनिंग और अपवर्तक त्रुटि" और "एचएमआईएस चुनौतियां और सिफारिशें" पर अध्यक्षता सत्र; भारत में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन से संबंधित गतिविधियों का मूल्यांकन करने के लिए डीएचआर, रेड क्रॉस, नई दिल्ली में 3 जुलाई 2018 को आयोजित तकनीकी मूल्यांकन समिति की बैठक के सदस्य के रूप में आमंत्रित; 20 जुलाई 2018 को डीएचआर में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए इंट्रा ओकुलर लेंस के स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन पर परिणाम अध्ययन के लिए हितधारकों की परामर्श बैठक में आमंत्रित; 18 जुलाई 2018 को साइटएवर्स साझेदार अस्पतालों के लिए नैदानिक गुणवत्ता आश्वासन पर चर्चा करने के लिए साइटएवर्स द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; 21 अगस्त को रांची में सेवा की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए जिले की नेत्र विज्ञान इकाइयों के समर्थन के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में साइटसेवर्स द्वारा आमंत्रित; 28 जुलाई 2018 को गुड़गांव, हरियाणा में एसीओआईएन द्वारा डॉ॰ परमार मेमोरियल ओरेशन 2018 से सम्मानित; हैदराबाद में 11-12 सितंबर 2018 को आयोजित 25 वीं आईएसजीईओ बैठक में "इक्विटी और यूनिवर्सल आई हेल्थ" के सत्र की अध्यक्षता की; एनएचएसआरसी, भारत सरकार के तहत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के माध्यम से प्राथमिक नेत्र देखभाल पर दिशानिर्देशों के विकास के लिए संसाधन व्यक्ति; 6 मार्च 2019 को संयुक्त सचिव, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, नई दिल्ली में भारत में राष्ट्रीय अंधत्व और दृश्य हानि सर्वेक्षण के लिए 0-49 वर्ष की प्रस्तुत रिपोर्ट; 9 दिसंबर 2018 को संयुक्त सचिव, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, नई दिल्ली में भारत में महामारी विज्ञान के महामारी विज्ञान अध्ययन (2015-2018) के लिए प्रस्तुत रिपोर्ट; 30 मार्च 2019 को राष्ट्रीय अंधता सर्वेक्षण पर एक विजन एटलस विकसित करने के लिए एनपीसीबी और VI द्वारा पुरस्कृत परियोजना; एनपीसीबी और VI समिति के सदस्य / राज्य / संघ राज्य क्षेत्र वार मोतियाबिंद के लिए मानदंड विकसित करने में तकनीकी सहायता प्रदान करने और एनपीसीबी और VI के तहत पुरस्कार और प्रोत्साहन के लिए राज्यों / जिलों के सत्यापन मोतियाबिंद मुक्त दावों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए प्रोटोकॉल डिजाइन करने के लिए नियुक्त सदस्य; 9 अक्टूबर 2018 को एमओएच एंड एफडब्ल्यू, निर्माण भवन में एनपीसीबी और VI के कार्यान्वयन के लिए मौजूदा योजना और भविष्य की योजना की समीक्षा करने के लिए एनपीसीबी और VI सलाहकार समिति की बैठक में आरपी सेंटर का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रमुख द्वारा नामित; हिंदी राजभाषा समिति के लिए आरपी केंद्र के लिए नोडल अधिकारी, समिति

की सिफारिशों के हिस्से के रूप में तैयार आरपीसी कैलेंडर; अनुसंधान अनुभाग, एम्स द्वारा इंट्रामुरल प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी (क्लिनिकल साइंस) के सदस्य के रूप में नामित; निदेशक एम्स को प्रस्तुत करने के लिए आरपी केंद्र वार्षिक रिपोर्ट के लिए मुख्य नोडल अधिकारी के रूप में नामित।

एमएससी पब्लिक हेल्थ फॉर आई केयर, 2017-2018 के लिए **डॉ. सेनजम सूरज सिंह** कॉमनवेल्थ आई हेल्थ कंसोर्टियम यूके स्कॉलरशिप के प्राप्तकर्ता थे; लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (एलएसएचटीएम) में 5 मार्च को आई केयर के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य में मास्टर डिग्री से सम्मानित; एक सत्र की अध्यक्षता की और 19 और 20 जनवरी 2019 को आयोजित एम्स ऑप्टोमेट्री एक्सप्लोरर 2019 में "भारत में दृष्टिहीनों के लिए नई विकलांगता दिशानिर्देश" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया; आयोजन सचिव, सीबीएम-प्रथम राष्ट्रीय कार्यशाला कम दृष्टि और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत बनाने, 29 नवंबर 2018, डॉ. आरपी सेंटर, एम्स; आयोजन सचिव, सीबीएम-द्वितीय राष्ट्रीय कार्यशाला कम दृष्टि और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत बनाने, 29 जनवरी 2019, डॉ। आरपी सेंटर, एम्स।

डॉ. विवेक गुप्ता, आयोजन सचिव, 52 वें आरपीसी स्थापना दिवस कांग्रेस 2019; आयोजन सचिव, एसीओआईएन-आरपीसी कार्यशाला 2018; मिनर्वा परियोजना के तहत वर्बल ऑटोप्सी में कोडर्स के दूरस्थ प्रशिक्षण के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया गया: www.causeofdeathindia.com; सहायक संकाय, कंप्यूटर सुविधा, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य सचिव, तकनीकी विनिर्देश समिति, कंप्यूटर सुविधा, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, एम्स के परिसरों के पुनर्विकास और विस्तार के लिए समिति, नई दिल्ली; भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित, "2020 तक देश से ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए नीतिगत योजना और रणनीति के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय कार्य बल के सदस्य"; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित "देश से वर्ष 2020 तक ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए राज्यों में ट्रेकोमा मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए निगरानी समिति" के सदस्य; एनपीसीबी और VI के सदस्य "ग्रुप स्तर के प्रदर्शन की पारदर्शी निगरानी के लिए और एनपीसीबी और VI एमआईएस के माध्यम से एनजीओज़ को भुगतान के लिए एक साउंड आईटी प्लेटफॉर्म बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए समूह"।

कोशिकीय जैव रसायन

प्रोफेसर जसबीर कौर, पीएचडी, पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ के परीक्षक थी; भारत-अमेरिका कार्यक्रम, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत शोध परियोजना; एसोसिएट एडिटर, ग्लोबल जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी एंड एलर्जी डिजीज; संपादकीय बोर्ड के सदस्य: नेत्र रोग विज्ञान: ओपन एक्सेस, एसएम जेनेटिक सिंड्रोम और जीन थेरेपी, बायोमोलेक्युलस एंड बायोकैमिस्ट्री के जर्नल, जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी एंड विजन, एनल्स ऑफ क्लिनिकल डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी, एनल्स ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी, ओकुलर डिसीज़ एंड इंटरनेशनल के जर्नल हेमटोलॉजी और रक्त अनुसंधान जर्नल, स्टेम सेल अनुसंधान के इतिहास; समीक्षक (अनुक्रमित पत्रिकाएं): बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑन्कोलॉजी, बीएमसी ऑप्थल्मोलॉजी, जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ

ऑप्थेलोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी; जैव प्रौद्योगिकी सोसायटी के भारत के कार्यकारी परिषद के सदस्य; सदस्य, संस्थागत नैतिक समिति, सीएआरआईसीडी (सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार), नई दिल्ली।

ओकुलर फार्माकोलॉजी

प्रोफेसर टी॰ वालपेंडियन ने 27 नवंबर -1 दिसंबर 2018 को मणिपाल, भारत के कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल में एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्मासिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई) की 64 वीं वार्षिक बैठक में 2 सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया; प्राप्त परियोजना के लिए बिग ग्रांट (बीआईआरएसी) "बाँझपन की तैयारी के लिए ट्रांसरेकोन तकनीक का सत्यापन और सत्यापन" है।

नेत्र रेडियोलॉजी

प्रोफेसर संजय शर्मा संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे जेसीआईआर: यूरो-रेडियोलॉजी अनुभाग; कंसल्टिंग एडिटर (रेडियोलॉजी), इंडियन जे यूरोलॉजी; आईसीएमआर के लिए बाह्य विशेषज्ञ, एक्सट्रा मुरल फंडेड प्रोजेक्ट जून 2018 का आकलन करने के लिए।

अस्पताल प्रशासन

प्रोफेसर शक्ति कुमार गुप्ता को स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन के क्षेत्र में जबरदस्त योगदान के लिए असम के राज्यपाल द्वारा सितंबर 2018 में कैपिटल फाउंडेशन नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया; हेल्थकेयर में उत्कृष्टता के सम्मान में टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा टाइम्स हेल्थकेयर अचीवर्स अवार्ड, 2018 से सम्मानित; 19 जनवरी 2019 को नई दिल्ली में चिकित्सा अधीक्षक और नर्सिंग अधीक्षक के चयन के लिए चयन समिति की बैठक के लिए सदस्य; 22 जनवरी 2019 को एमओएचडब्ल्यूडब्ल्यू, नई दिल्ली में एम्स, जम्मू के लिए मास्टर प्लांट के लिए सदस्य; 2 से 5 नवंबर 2018 तक दक्षिण सूडान के जुबा में एक मनोरोग और मानसिक अस्पताल की स्थापना के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; 18 सितंबर 2018 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल, नोएडा में भारत के हेमोविजिलेंस कार्यक्रम की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य; 11 सितंबर 2018 को विशाखापट्टनम में मेडिवलली और बायोवाली ऊष्मायन पार्कों के लिए संभावित सदस्यों के मूल्यांकन के लिए जूरी सदस्य; 6 सितंबर 2018 को एम्स, भोपाल में अस्पताल प्रशासन विभाग में संकाय की भर्ती के लिए पैनल चयन समिति के लिए विशेषज्ञ; चुनिंदा चिकित्सा प्रक्रियाओं की लागत के लिए फिक्की टास्कफोर्स चेयर के लिए अध्यक्ष पद के साथ सम्मानित किया गया और फिक्की के साथ लागत पर एम्स के अध्ययन के परिणाम को साझा करने के लिए; इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर एप्लाइड मैनेजमेंट (आईएएएम), यूएसए, 2018 के लिए निदेशक मंडल के सदस्य; 1 अगस्त 2017 को सौरा, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में अस्पताल प्रशासन की विशेषता में पदोन्नति / चयन के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए विशेषज्ञ; 200 बेडेड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, न्यू नगरनार, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ की स्थापना के लिए राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड के लिए मानद सलाहकार; हेल्थकेयर, नई दिल्ली में 22 से 24 जून 2018 तक तीसरे लेयन सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट इंटरनेशनल प्रोग्राम के लिए कार्यक्रम निदेशक; अस्पताल प्रशासन में 2 मई 2018 को एम्स, नई दिल्ली में एनईआईजीआरआईएचएमएस के "संकाय पद" के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के लिए

विशेषज्ञ सदस्य; 19 अप्रैल 2018 को हील्स ऑफ इंडिया अवार्ड्स में भाग लेने वाले ग्रैंड फिनाले; 15 अप्रैल 2018 को हैदराबाद में "इंडो यूएस एकेडमी ऑफ हेल्थ एंड हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन" के उद्घाटन के लिए अतिथि के रूप में "हेल्थकेयर जनरल के भविष्य पर सीएमई" के लिए आमंत्रित किया गया; 15 अप्रैल 2018 को इंडियन हेल्थकेयर सिस्टम, निदेशक मंडल कक्ष, एम्स, नई दिल्ली में फार्मासिस्टों पर संगोष्ठी में भाग लिया; 13 अप्रैल 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में सीआईआई रीजनल लाइफसाइंसेज समिट 2018 में भाग लिया; 12 अप्रैल 2018 को फिक्की, नई दिल्ली में हेल्थकेयर में टास्क फोर्स के विशेषज्ञ सदस्य; 9 अप्रैल 2018 को इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायलरी साइंसेज, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आकस्मिक चिकित्सा अधिकारियों के लिए चयन समिति के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में आमंत्रित; भारत फाउंडेशन के रोगी सुरक्षा और पहुँच पहल के मानद बोर्ड सदस्य।

अतिथि वैज्ञानिक

1. विदेशी अतिथि संकाय, यूके से प्रोफेसर क्रिस्टोफर लियू ओबीई ने 16 नवंबर 2018 को दौरा किया
2. विदेशी अतिथि संकाय, प्रोफेसर जेम्स चोदोश, प्रोफेसर हार्वर्ड मेडिकल स्कूल ने 28 जनवरी 2019 को दौरा किया
3. सीबीएम जर्मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. रेनर ब्रोकहौस 12 फरवरी 2019 को सामुदायिक नेत्र रोग, 7 वीं मंजिल, डॉ. आरपी सेंटर, एम्स में दृश्य पुनर्वास और प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे।
4. प्रोफेसर सारा कपलैंड, पैथोलॉजी के जॉर्ज होल्ट चेयर, एनडबल्यूसीआर कैंसर रिसर्च सेंटर के निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसलेशनल मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल, यूके ने 20 नवंबर 2018 को "ओक्यूलर मेलानोमास और लिम्फोमास पर एक अद्यतन" नामक अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया।

10-5 t; izdk'k ukjk;.k ,iDl VªkWek dsUnz

प्रमुख

राजेश मल्होत्रा

अपर चिकित्सा अधीक्षक

अमित लठवाल

आचार्य

संवेदनाहरण विज्ञान | **आपात चिकित्सा** | **न्याय चिकित्सा**

बबीता गुप्ता

छवि साहनी

संजीव के. भोई

संजीव लालवानी

आदर्श कुमार

प्रयोगशाला चिकित्सा | **तंत्रिका शल्यचिकित्सा** | **अस्थिरोग**

अरुलसेलवी एस.

पूर्वा माथुर

दीपक अग्रवाल

दीपक कुमार गुप्ता

कामरान फारूक

विजय शर्मा

बुद्धदेव चौधरी

विवेक त्रिखा

विकिरण निदान | **ट्रॉमा सर्जरी** | **बर्न्स एंड प्लास्टिक**

शिवानंद गमनगट्टी

अतीन कुमार

सुषमा सागर

सुबोध कुमार

अमित गुप्ता

बिप्लब मिश्रा

मनीष सिंघल

सह आचार्य

हृद विज्ञान | **गहन उपचार**

नीरज पारख

कपिल देव सोनी

ऋचा गर्ग

वृक्क विज्ञान | **तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान** | **तंत्रिका शल्य चिकित्सा**

सौमिता बागची

केशव गोयल

नवदीप सोखल

आशीष बिंद्रा

ज्ञानेंद्र पाल सिंह

नीरज कुमार गुरु दत्ता सत्यार्थी

पंकज के. सिंह

प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

गरिमा कछावा

बाल शल्यचिकित्सा

शिल्पा शर्मा

सहायक आचार्य

ट्रॉमा सर्जरी

दिनेश कुमार बगारिया

आधान चिकित्सा

प्रत्युषा प्रियदर्शनी

अभिनव कुमार

नरेंद्र चौधरी

राहुल चौरसिया

आपातकालीन चिकित्सा

तेज प्रकाश सिन्हा

अस्थि रोग विज्ञान

सामर्थ मित्तल

विशिष्टताएँ

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स ट्रॉमा पीड़ितों की समग्र देखभाल लगातार करता रहा है। यह रोगियों की अच्छी तरह देखभाल से जुड़ी सेवाओं, शोध, शिक्षण और प्रशिक्षण में अग्रणी बना हुआ है। ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और अन्य सहायक कर्मचारियों की समर्पित टीम है, जिनका मुख्य उद्देश्य ट्रॉमा मैनेजमेंट में उत्कृष्टता हासिल करना और नये आइडियाज व तकनीकों का विकास करना है।

वर्ष 2018-2019 में कुल 77,139 रोगी कैजुअल्टी में आये, जिनकी संख्या पिछले वर्ष के मुकाबले 1951 अधिक रही। इनमें से 7,080 मरीज भर्ती हुए; जिनकी संख्या पिछले वर्ष के मुकाबले 170 अधिक रही और 8,672 सर्जिकल इंटर्वेंशन किए गए। कुल 51,660 रोगी फॉलो-अप क्लिनिक/ओपीडी में आये, जिनकी संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 3,003 अधिक रही।

सेंटर के आपातकालीन विभाग को जनवरी 2019 में दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के लिए आपात और ट्रॉमा में डब्ल्यूएचओ के सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया गया है।

संकाय सदस्य और रेजिडेंट्स विभिन्न शोध परियोजनाओं में शामिल हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में **200** से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं**,** अतः उक्त वर्ष में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या पिछले वर्ष से **13** अधिक है। एमसीएच (ट्रॉमा सर्जरी और क्रिटिकल केयर) का पहला बैच **2018** में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हो गया। जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर संक्रमण नियंत्रण, एचएआई और एएमआर की निगरानी के लिए, जिसे सीडीसी द्वारा एक सहकारी समझौते के रूप में वित्त पोषित किया गया, क्षमता

निर्माण पर एक बहु-केंद्रित परियोजना में अग्रणी रहा है। 120 से अधिक आईसीयू का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 36 अस्पताल इस निगरानी नेटवर्क का हिस्सा हैं। यह राष्ट्रीय काया कल्प कार्यक्रम और मौजूदा एचएआई निगरानी ढांचे को एकीकृत करने के लिए एक नवीन पहल भी है।

शिक्षा

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

राजेश मल्होत्रा: 41	**अभिनव कुमार: 2**	**आदर्श कुमार: 10**
अमित गुप्ता: 26	**आशीष बिंद्रा: 12**	**अतीन कुमार: 12**
बबीता गुप्ता: 3	**बिप्लब मिश्रा: 18**	**छवि साहनी: 3**
दीपक गुप्ता: 6	**दिनेश कुमार बगारिया: 11**	**गरिमा कच्छावा: 10**
जीपी सिंह: 8	**कामरान फारूक: 16**	**केशव गोयल: 16**
नरेंद्र चौधरी: 1	**नवदीप सोखल: 9**	**नीरज कुमार: 8**
पंकज सिंह: 5	**प्रत्यूशा: 1**	**पूर्वा माथुर: 9**
ऋचा अग्रवाल: 11	**समर्थ मित्तल: 8**	**संजीव के भोई: 1**
सुबोध कुमार: 15	**सुषमा सागर: 17**	**तेज प्रकाश सिन्हा: 2**
विजय शर्मा: 12	**विवेक त्रिखा: 44**	

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टरः 114

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में द्वितीयक और तृतीयक देखभाल केंद्रों में आपातकालीन और जख्मी हालत में देखभाल की वर्तमान स्थिति का देशव्यापी आकलन - 50 तृतीयक देखभाल स्तर के और बड़े प्राइवेट अस्पताल, नीति आयोग, भारत, 38 लाख रु.
2. भारत में द्वितीयक और तृतीयक देखभाल केंद्रों में आपातकालीन और जख्मी हालत में देखभाल की वर्तमान स्थिति का देश-स्तरीय आकलन - 50 डिस्ट्रिक्ट अस्पताल, नीति आयोग, भारत, 35 लाख रु.
3. घुटने के प्रत्यारोपण की कंप्यूटर सहाय्यित नेविगेशन बनाम पारंपरिक सर्जिकल तकनीक में सिस्टम इम्बोली की तुलना के लिए संभावित यादृच्छिक अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 49 लाख रु.
4. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में ऑपरेशन पश्चात परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में निचले अंगों के एम्पुटिस में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सुषमा सागर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 54 लाख रुपये
5. एडीएपीटी, दीपक गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 7 वर्ष, 2015-2022, 49,336 रु

6. भारत में सड़क यातायात की चोटों के लिए व्यापक आपातकालीन देखभाल और ट्रॉमा रजिस्ट्री पर एक उपचार अध्ययन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017-2019, 32 लाख रु./वर्ष
7. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और रोकने के लिए अस्पताल के संक्रमण नियंत्रण का क्षमता निर्माण और मजबूती, पुर्वा माथुर, सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन, 5 वर्ष, 2015-2020, 33 करोड़ रुपये
8. सेंटर-टीबीआई दीपक गुप्ता यूनिवर्सिटी ज़िकेनहुइस एंटवर्प (यूजेडए), बेल्जियम, 4 वर्ष, 2016-2020, 5000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष
9. अल्ट्रासाउंड निर्देशित केंद्रीय शिरापरक केन्यूलेशन प्रदर्शन करने में फ्री हैंड तकनीक बनाम सुई मार्गदर्शन के उपयोग की तुलनाः एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण, 2016 जारी, 4.6 लाख रुपये
10. जेरिएट्रिक हिप फ्रैक्चर में प्रीऑपरेटिव सीएसएफ मेलाटोनिन के स्तर और पोस्ट-ऑपरेटिव डेलिरियम के बीच सहसंबंध, सामर्थ मित्तल, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 4.6 लाख रुपये प्रतिवर्ष
11. सीवी 185-158: फेज IV, वैकल्पिक संपूर्ण घुटना प्रत्यारोपण या संपूर्ण नितम्ब प्रतिस्थापन सर्जरी कराने वाले भारतीय रोगियों में एपिक्साबैन की सुरक्षा के आकलन हेतु ओपन-लेबल, बहु-केंद्रीय अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, ब्रिस्टल-मायर्स स्क्विब, 4 वर्ष, 2015-2019, 3.3 लाख रु.
12. अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान और छुट्टी के बाद विकसित होने वाले सर्जिकल साइट संक्रमणों के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास और अधिप्रमाणन, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 1.3 करोड़ रुपये
13. मस्तिष्क में गंभीर रूप से दर्दनाक चोट वाले रोगियों में ज्युगुलर वीनस ऑक्सिमेट्री पर डिकम्प्रेसिव क्रैनिएक्टोमी का प्रभाव, नवदीप सोखल, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2018, 2.5 लाख रु.
14. ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमैन के बाद सॉलिड ऑर्गन इंजुरी वाले मरीजों में नॉन-ऑपरेटिव मैनेजमेंट प्रोटोकॉल पर इंट्रा एब्डोमिनल हाइपरटेंशन होने का अनुमान, दिनेश बागरिया, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 4.80 लाख रु.
15. ट्रॉमेटिक क्रश इंजुरी के बाद गुर्दे में लगी तेज चोट की शीघ्र पहचान के लिए यूरिनरी बायोमार्कर्स टीआईएमपी-2 और आईजीएफबीपी 7 का मूल्यांकन, ऋचा अग्रवाल, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 3.5 लाख रुपये
16. ट्रॉमा हेमरेजिक शॉक वाले रोगियों की जलन और रिकवरी का डिसरेग्युलेशन पर एल्कोहल का प्रभाव, एम्स, 9.5 लाख रु.
17. पेल्वी-एसिटाबुलर फ्रैक्चर में हेटेरोट्रोपिक ओसीफिकेशन की घटना – क्या इसका पूर्वानुमान लगाया जा सकता है और इसे रोका जा सकता है? सामर्थ मित्तल, एओ ट्रॉमा, 2018-2020, सीएचएफ 8000
18. मस्तिष्क में लगी गंभीर चोट में पैरोक्सिस्मल सिम्पैथेटिक हाइपरेक्टिविटी (पीएसएच) और परिणाम में इसकी भूमिका, एस. अरुल्सेल्वी, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 10 लाख रु.

19. रेस्क्यू एएसडीएच दीपक गुप्ता कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, 3 वर्ष, 2017-2020, उपभोक्ता वस्तुएं: 144 पाउंड प्रति याद्दच्छिक रोगी सीआरएफ समापन लागत: 213 पाउंड्स प्रति याद्दच्छिक रोगी, 9.52 लाख रु.
20. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायन (आडीसीज) की भूमिका, आईएमआर, 3 वर्ष, 2018, 35 लाख रु।
21. ट्रॉमा मरीजों के प्रारंभिक निदान में पोस्ट-ट्रॉमा लिम्फोसाइट - मोनोसाइट रिस्पॉन्स और प्रोग्राम्ड डेथ -1 लेवल की भूमिका, पुर्वा माथुर, आईसीएमआर, 2018-2021, 45 लाख रूपये
22. सिर की चोट के रोगियों में फ्रैक्चर हीलिंग पर ओस्टियोजेनिक ह्यूमरल कारकों का अध्ययन: डिकोडिंग द मिस्ट्री, विजय कुमार दिग्गी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021
23. प्रीक्लेम्पसिया आईसीएमआर (डीएचआर) के पूर्वानुमान में बायोकेमिकल एंडोथेलियल मार्कर्स और धमनी में कड़ापन के मिश्रण का मूल्यांकन, 3 वर्ष, 2018, 76 लाख रु.
24. पोस्ट अभिघातजन्य चेहरे की विकृति के रोगियों में स्ट्रक्चरल फैट ग्राफ्टिंग के साथ सॉफ्ट टिशू पुनर्निर्माण और ऑग्मेंटेशन के परिणामों का मूल्यांकन करना, सुषमा सागर, डीएसटी (महिला वैज्ञानिक), 3 वर्ष, 2015-2018, 30 लाख रुपये
25. ट्रॉमा सर्जरी यूनिट में भर्ती पोस्ट ट्रॉमेटिक रॉ एरिया वाले रोगियों में घाव की ड्रेसिंग करने के लिए वैकल्पिक तरीके के रूप में एम्नियोटिक मेम्ब्रेन के प्रभाव का अध्ययन, अभिनव कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये
26. लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर में चेस्ट ट्रॉमा के रोगियों में फुफ्फुसीय क्रियाओं, प्रतिरोधी प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन, सुबोध कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 40 लाख रु.
27. ट्रॉमेटिक इंजुरी के बाद न्यूरोकॉग्निटिव इम्पेयरमेंट के शीघ्र पूर्वानुमान के लिए सूचक के रूप में नोवल कोटेड प्लेटलेट्स की उपयोगिता, एस अरुलसेल्वी, डीएसटी-सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2016-2019, 37.11 लाख रु.

पूर्ण

1. भारत में क्लिफ्ट लिप और तालु विसंगतिः क्लिनिकल प्रोफाइल, जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति-अस्पताल आधारित सर्वेक्षण, सुषमा सागर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2013-2018, 35 लाख रुपये
2. देखभाल की बेहतर व्यवस्था के विकास और नियंत्रण के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया में चोट के बोझ को कम करना, अमित गुप्ता, डीएसटी, 4 वर्ष, 2013-2018, 2.74 करोड़ रुपये
3. सेरेब्रल माइक्रोडायलिसिस से क्षेत्रीय ऊर्जा चयापचय की निगरानी के द्वारा गंभीर सिर की चोटों में सेरेब्रल छिड़काव दबाव वृद्धि के प्रभाव का आकलन, आशीष बिंद्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4.95 लाख रुपये।

4. मिर्गी सर्जरी में डेक्समेडेटोमिडाइन की सेरेब्रोप्रोटेक्टिव भूमिका, आशीष बिंद्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2012-2014, 2.62 लाख रुपये
5. डज रियल टाइम अल्ट्रासोनोग्राफी ड्यूरिंग ब्रोंकोस्कोपी गाइडेड परक्युटेनियस ट्राकियोस्टोमी कन्फेर एनी बेनेफिटः ए प्रीलिमनरी रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल, एम्स, 0.83 लाख रुपये
6. पूरे कूल्हे को बदलने की आवश्यकता वाले व्यक्तियों में डेल्टा मोशन कप प्रणाली के अस्तित्व और प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए एक बहु-केंद्र, भावी, अनियंत्रित पोस्ट मार्केट नैदानिक अनुवर्ती अध्ययन (पीएमसीएफएस), राजेश मल्होत्रा, जॉनसन एंड जॉनसन मेडिकल इंडिया, 5 वर्ष, 2013-2018, 15.50 लाख रुपये
7. अग्रदर्शी, मल्टी-सेंटर परिणाम, टोटल नी-आर्थोप्लास्टी में पर्सोना नी-सिस्टम का अध्ययन, स्टडी प्रोटोकॉल # सीएसए 2014-02 के, राजेश मल्होत्रा, जिम्मेर इंडिया, 3 वर्ष, 2015-2018, 23.5 लाख रु.
8. इण्डियन पोस्टमेनोपौजल ऑस्टियोपोरोटिक महिलाओं में अस्थि मार्करों की प्राथमिकता, सुविधा, पालन, स्थायित्व में वार्षिक जोलेंड्रोनिक एसिड बनाम साप्ताहिक एलेनड्रोनेट की तुलना, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015-2018, 40 लाख रुपये
9. रोगियों में क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल परिणामों की तुलना करने के लिए एक सिंगल ब्लाइंड क्लस्टर रेंडम कंट्रोल्ड ट्रायल के साथ फ्यूज्ड हिप्स और स्पाइनोपेल्विक स्पोंडिलाइटिस डिफॉर्मिटी वाली टोटल हिप आर्थोप्लास्टी के लिए एक नवीन कंप्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) मॉडल आधारित प्रोटोकॉल बनाम पारंपरिक तकनीक, राजेश मल्होत्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2018, 34 लाख रु.
10. ऑस्टियोपोरोटिक दर्दनाक समीपस्थ फीमर फ्रैक्चर में हड्डी की चिकित्सा के लिए एक मार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए (एमआईआरएनए) का मूल्यांकनः पायलट अध्ययन, एस अरूलसेल्वी, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, जैव सूचनात्मक विश्लेषण और व्याख्या, 5 लाख रुपये
11. भारत के द्वितीयक और तृतीयक देखभाल केंद्रों में आपातकालीन और जख्मी हालत में देखभाल की वर्तमान स्थिति का देश-व्यापी आकलन, नीति आयोग, भारत, 60 लाख रु.
12. इमर्जेंसी डिपार्टमेंट में लाये गये गंभीर ट्रॉमेटिक घाव वाले रोगियों में हीमोस्टेसिस हासिल करने के लिए चिटोसैन के प्रभाव का अध्ययन करना, डीआरडीओ, भारत, 55 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रायोगिक मध्यम आकार के परिधीय धमनी की मरम्मत के साथ रोगी में पोस्ट ऑपरेटिव प्रणालीगत एंटीकोगुलेशन की आवश्यकता का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. बड़े कंसोल, इमेज लेस कंप्यूटर सहायता प्राप्त नेविगेशन बनाम एक्सीलेरोमीटर आधारित पोर्टेबल नेविगेशन तकनीक से पूरे घुटने के प्रतिस्थापन की तुलना के लिए एक भावी यादृच्छिक अध्ययन

3. मीडियल पाइवोट और लेटरल पाइवोट घुटने के बीच क्लीनिकल, फ्लोरोस्कोपिक और रेडियोलॉजिकल परिणाम की तुलना के लिए एक भावी यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण
4. सर्वाइकल स्पाइन इंजुरी (सी1-सी5) वाले रोगियों को वेंटिलेटर से हटाते समय दो अलग-अलग टाइडल वॉल्युम्स (6-8 मिलीलीटर / किग्रा बनाम 12-15 मिलीलीटर / किग्रा) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. पेट पर तीव्र आघात वाले रोगियों में कंट्रास्ट एन्हैंस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी एब्डोमेन बनाम डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपिक की तुलनात्मक अध्ययन के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल परिणामों का अध्ययन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. ट्रॉमा के बाद लैप्रोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में मानक रिकवरी प्रोटोकॉल बनाम मानक देखभाल का तुलनात्मक अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
7. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में खतरनाक ढंग की चोट वाले मरीजों में कंट्रास्ट एन्हेंस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन टोर्सो के नियमित उपयोग की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
8. अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉस्टोक्लेविक्युलर ब्लॉक के लिए 0.5% रोपिवेकेन की न्यूनतम प्रभावी मात्रा की खोज के लिए अध्ययन
9. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में गंभीर रूप से घायल रोगियों और उनके परिणामों के साथ सहसंबंध से ग्रेड प्रबंधन संबंधी जटिलताओं का अध्ययन
10. कुंद जिगर और प्लीहा की चोट के साथ रोगियों में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉलः एक पायलट अध्ययन
11. आपातकालीन विभाग में कार्डियक अरेस्ट रोगियों में परिणाम का अनुमान करने के लिए बेडसाइड अल्ट्रासाउंड द्वारा कार्डियक गतिविधि का आकलन
12. कुंद प्लीहा की चोट के रोगियों में प्लीहा प्रतिरक्षा क्रिया का आकलन
13. दर्दनाक रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद हृदय की जटिलताएं
14. ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी के संभावित जैव-संकेतक के रूप में सेल्युलर प्रियोन प्रोटीन और ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी की गंभीरता के साथ इसका सह संबंध
15. सर्वाइकल रीढ़ स्थिरीकरण के साथ इंटुबैशन के लिए डी-ब्लेड की सी-मैक वीडियो-लैरिंजोस्कोप से मानक ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लैरिंजोस्कोप, और मैकिंटोश लैरिंजोस्कोप से तुलना: एक यादृच्छिक अध्ययन
16. पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर उच्छेदन के लिए तैनात बाल चिकित्सा रोगियों में अंतःक्रियात्मक आधान ट्रिगर के साथ एनआईआरएस का सहसंबंध
17. ब्रोंकोस्कोपी निर्देशित पर्कुटेनीअस ट्राकियोस्टॉमी के दौरान रियल टाइम अल्ट्रासोनोग्राफी किसी भी लाभ को प्रदान करने के लिए प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ऋचा अग्रवाल, एम्स, 3 वर्ष, 2013-2016, 83,000 रुपये
18. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) के रोगियों में जुगुलर शिरापरक ऑक्सिमेट्री (एसजेवीओ$_2$) पर डिकम्प्रेसिव क्रानियोक्टॉमी का प्रभाव, एम्स द्वारा वित्तपोषित, 5 लाख रुपये

19. पैल्विकैटेबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में ट्रानेक्सैमिक एसिड के विभिन्न खुराक आहार का प्रभाव: यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
20. मस्तिष्क में गंभीर दर्दनाक चोट वाले रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में केटामाइन इंफ्युजन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित प्रायोगिक अध्ययन
21. पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार के साथ रोगियों में क्षेत्रीय सेरेब्रल ऑक्सीकरण पर न्यूरोरेडियोलाजिक हस्तक्षेप का प्रभावः एक अवलोकनात्मक अध्ययन
22. आरेख शक्ति और मोटाई पर फ्रेनिक तंत्रिका उत्तेजना का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
23. निचले अंग के विच्छेदन संतुलन एडीएल और दर्द पर आभासी वास्तविकता थेरेपी का प्रभाव
24. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में आघात के रोगियों में मृत्यु दर के पूर्वानुमान के महामारी विज्ञान और विश्लेषण
25. सीटी स्कैन की तुलना में मैक्सिलोफेशियल फ्रैक्चर की पहचान में अल्ट्रासाउंड के बिंदु के नैदानिक विशेषताओं का मूल्यांकन
26. सीईयूएस और इलास्टोग्राफी का उपयोग करके नरम ऊतक संवहनी विसंगतियों का मूल्यांकन
27. स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था के विभिन्न स्तरों पर आरटीआई के लिए अस्पताल आधारित आघात रजिस्ट्री की व्यवहार्यता और कार्यान्वयन और रोगी की देखभाल की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव
28. फाइब्रॉडिपोज वॉस्क्यूलर (संवहनी) विसंगति: क्लिनिक-रेडियोलॉजिक-पैथोलॉजिकल विशेषताओं और इस नई इकाई के उपचार परिणामों का व्यापक विश्लेषण
29. जनन संबंधी रोग में लंबर इंटर वर्टेब्रल डिस्क का ऊतक विज्ञान और नैदानिक तथा रेडियालॉजिकल निष्कर्षों के साथ इसका सहसंबंध
30. शिशु ब्रैकियल प्लेक्सोपैथी में इमेजिंग
31. मोबाइल बियरिंग यूकेआर वाले भारतीय लोगों में आरएसए और क्लिनिक-रेडियोलॉजिकल आउटकम के उपयोग द्वारा इम्पलांट माइग्रेशन विश्लेषण
32. इंटरट्रोकांटेरिक फेमुर फ्रैक्चर (जनवरी 2019 में प्रारंभ)
33. बड़े संवहनी मेनिंगियोमास में डेक्समिडिटोमिडाईन का अंतःक्रियात्मक उपयोग
34. पृथक थोरैसिक चोट में प्रारंभिक धमनी रक्त गैस विश्लेषण के परिणाम का सहसंबंध
35. आघात के बाद निचले अंगों के विच्छेदन के दौर से गुजर रहे रोगियों में प्राथमिक बनाम विलंबित प्राथमिक समापन - एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
36. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में आधान व्यवहार के संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
37. यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: ऑर्बिटल फ्लोर फ्रैक्चर के पुनर्निर्माण में पारंपरिक तकनीक बनाम 3डी-मॉडल सहाय्यित मेश अनुकूलन में आर्बिटल वाल्यूम का तुलनात्मक विश्लेषण: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

38. जाईगोमेटिको-ऑरबिटो-मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स फ्रेक्चर में सीएडी मॉडल द्वारा निर्देशित 3डी प्रिंटेड हाइड्रॉक्साइपटाइट स्कैफोल्ड से प्राप्त मेसेंचिमल स्टीम सेल का उपयोग करते हुए एडिपोज टिस्सू के प्रयोग से पोस्ट ट्रोमैटिक फेशियल डिफेक्ट्स का पुनर्निर्माण
39. श्रोणि फ्रैक्चर रोगियों में नैदानिक परिणाम मूल्यांकन के लिए इमेजिंग की भूमिका
40. प्रसूति संबंधी संबंधित रक्तस्राव में इंटरवैंशनल रेडियालॉजी की भूमिका
41. छाती के आघात के रोगियों के परिणाम में टी-हेल्पर कोशिकाओं और न्यूरोफिल की भूमिका
42. निम्न-प्रवाह संवहनी विकृतियों में स्क्लेरोथेरेपी: तृतीयक देखभाल केंद्र में वर्तमान विधियों की नैदानिक प्रभावशीलता का आकलन
43. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के पूर्वानुमानक मार्कर के रूप में सीरम लैक्टेट, बेस घाटे और ग्लूकोज के स्तर
44. बुजुर्ग हिप फ्रैक्चर के रोगियों में परिणाम निर्धारित करने के लिए जैव रासायनिक मापदंडों की भूमिका का अध्ययन
45. स्पाइन सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में कफ रिसाव मात्रा पर मानक तरल पदार्थ रेगिमेन बनाम लक्ष्य निर्देशित द्रव चिकित्सा के प्रभाव की तुलना।
46. बढ़े हुए इंट्राक्रेनियल दबाव वाले बाल रोगियों में कंट्रोल ग्रुप की तुलना में ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर का अल्ट्रासाउंड के द्वारा निर्धारण
47. सामान्य संज्ञाहरण के तहत ऑप्टिक तंत्रिका आच्छद कोशिका व्यास पर अंत ज्वारीय कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करना
48. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में श्रेणी के फ्रैक्चर वाले रोगियों में प्रबंधन, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करना
49. लेवल 1 ट्रामा केन्द्र में नैदानिक मापदंड एवं अन्त:उदर दबाव के बीच सह-संबंध और कुछ ट्रॉमा उदर के रोगियों के अपरिचालित प्रबंधन पर उनका प्रभाव
50. सिर की चोट के रोगियों में जोखिम कारकों और नलिका-निष्कासन की विफलता के कारणों का अध्ययन करना
51. एंडोस्कोपिक ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में उभरती प्रतिक्रिया को कम करने के लिए इंट्राट्रैकीयल लिग्नोकेन का उपयोग: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
52. आपातकालीन विभाग में डिस्टल हाथ और पैर की चोटों के अल्ट्रासाउंड के लिए जल स्नान मूल्यांकन तकनीक

पूर्ण

1. परंपरागत पाप स्मीयर और एचपीवी डीएनए परीक्षण द्वारा गभार्वस्था में अवसरवादी गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग की स्वीकार्यता और व्यवहार्यता का एक अध्ययन
2. अग्नाशयी आघात के साथ रोगियों में अग्नाशयी एंडोक्राइन और एक्सोक्राइन कार्यों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन

3. अंग की शिथिलता और सेप्सिस के प्रारंभिक निदान के लिए मोनोसाइट्स के उत्पादन के बाद के आघात साइटोकाइन का आकलन
4. लेवल 1 एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में फैट एम्बोलिज्म सिंड्रोम वाले रोगियों के लक्षण और परिणाम-एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
5. मानव पेपिलोमावायरस संक्रमण के प्रसार और एचआईवी पॉजिटिव और नेगेटिव महिलाओं में योनि और गभार्शय के पूर्वी घाव का तुलनात्मक अध्ययन
6. कोराकुलम्बर स्पाइन सर्जरी कराने वाले रोगियों में ट्रॉसक्रेनियल मोटर से उत्पन्न क्षमता पर प्रोपोफॉल और केटोफॉल की तुलना
7. एन्यूरिज्म के लिए क्लिपिंग से गुजरने वाले सबआर्कनॉइड हिमोरेज रोगियों में प्रोपोफॉल बनाम सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया की तुलना
8. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में आईसीपी माप की आक्रामक और गैर-आक्रामक तकनीक के बीच सहसंबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन
9. तीव्र दर्दनाक गर्भाशय ग्रीवा रीढ़ की चोटों के मूल्यांकन में एमआरआई की नैदानिक और रोगनिरोधी भूमिका
10. नवंबर 2018 में डीओए में संयुक्त सचिव के रूप में निर्वाचित
11. इंट्राक्रेनियल मेनिंगियोमा सर्जरी के दौरान अंतःस्रावी रक्त हानि पर अंतःशिरा डेक्समेडेटोमिडाइन के प्रभाव का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, पूर्ण
12. डॉक्टरों और नर्सों के ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को बेहतर बनाने में आपातकालीन विभाग में आघात के रोगियों के प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की भूमिका का मूल्यांकन
13. इंट्राक्रैनील्ट्युमर सर्जरी वाले रोगियों में गहरी शिरा घनास्त्रता की घटना और जोखिम कारक, एक संभावित अध्ययन, जारी
14. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में पेट के ट्रॉमा के रोगियों में मेश लैपरोस्टोमी का प्रबंधन एवं परिणाम।
15. सर्जिकल आईसीयू में गुर्दे की रिप्लेसमेंट थेरेपी में घातक गुर्दे की चोट के साथ आघात वाले रोगियों का परिणाम: हमारा अनुभव
16. सीओपीडी से पीड़ित छाती के आघात के रोगियों का परिणाम - हमारा अनुभव, स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर।
17. कोरपस केलोसम में एक्सोनल बी. एपीपी दागों के प्रयोग द्वारा प्रेरित अक्षतंतु संबंधी चोट का पोस्ट टी.बी.आई. का पोस्ट मॉरटम हिस्टोपेथोलोजिकल अध्ययन, थैलेमस और ब्रेन स्टीम
18. संक्रमित नॉन-यूनियन वाले रोगियों में मैस्कलेट तकनीक से प्रबंधित इंड्युस्ड मेम्ब्रेन के कार्यात्मक परिणाम का संभावित मूल्यांकन
19. क्यूआई परियोजना- आईसीयू में वीएपी बंडल के अनुपालन में सुधार करना
20. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत फाइब्रोप्टिक ऑरोक्रैचियल इंटुबैशन की दो तकनीकों की तुलना करते हुए यादृच्छिक परीक्षणः एयर-क्यू लेरिंजल एयरवे इंट्युबेटिंग के उपयोग के और उपयोग के बिना फाइब्रोओप्टिक इंटुबैशन

21. कोलेस्टिन का इलाज किए गए किडनी की गंभीर इंजरी वाले रोगियों के पूर्वानुमान हेतु शुरुआती जैव-संकेतक रूप में यूरिनरी न्यूट्रोफिल जिलेटिनस एसोसिएटेड लिपोकेलिन (यू-एनजीएएल) की भूमिका
22. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के साथ दुबला बनाम अधिक वजन वाले रोगियों में इंसुलिन संवेदनशीलता और कार्डियो-संवहनी जोखिम कारकों के बीच संबंध का अध्ययन
23. प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता वाले आघात के रोगियों में प्लेटलेट की शिथिलता का अध्ययन
24. जिगर आघात (पूर्वव्यापी) में टीईजी बनाम पारंपरिक जमावट के परीक्षणों का अध्ययन
25. अति सक्रिय मूत्राशय सिंड्रोम वाले मरीजों में टॉल्टेरोडीन और सोलेफेनासीन की प्रभावकारिता की तुलना करना
26. लक्षणों गर्भाशय मायोमा और पोस्ट उपचार के साथ महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट बनाम यूलिप्रिस्टल एसीटेट की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिएः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
27. ओवीआई तथा आईयूआई से गुजर रही पीसीओएस महिलाओं में मेटफॉर्मिन के साथ मायोनोसिटल बनाम केवल मेटाफॉर्मिन तथा प्रजनन परिणाम में हार्मोनल और चयापचय परिणामों की तुलना
28. एंडोमेट्रोसिस वाली महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट की तुलना में कैबरगोलिन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
29. पोस्ट ट्रॅामेटिक हड्डी दोष के रोगियों में हिस्टालॉजिकल और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक विशेषताओं को मैस्कलेट तकनीक के साथ प्रबंधित कार्यात्मक परिणाम का मूल्यांकन करना
30. आईवीएफ आईसीएसआई चक्रों के प्रजनन परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए पुरुष कारक बांझपन में स्खलित शुक्राणु आईसीएसआई बनाम पर्क्यूटेनियस एपिडीडिमल शुक्राणु (पीईएसए आईसीएसआई) का उपयोग करना
31. ट्रामा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रोमा के रोगियों में अल्पकालिक परिणामों के अनुमान में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना
32. स्तर 1 ट्रॉमा में कुंद प्लीहा की चोट वाले रोगियों में स्प्लेनिक कार्यों और जटिलताओं का अध्ययन करना
33. पल्मोनरी फंक्शंस, रेस्पिरेटरी मसल स्ट्रेंग्थ एंड एंड्युरेंस, चेस्ट वॉल मोबिलिटी, इंफ्लेमेटरी मार्करों और ब्लंट चेस्ट आघात के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में वक्षीय आघात गंभीरता स्कोर के साथ उनके सहसंबंध पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना
34. ट्रंक आधारित फ्लैप सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में सेराटस पूर्वकाल प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता का अध्ययन करना - एक प्रायोगिक अध्ययन
35. टी हेल्पर-9, टी हेल्पर-17, टी हेल्पर-22, टी-पोस्ट-ट्रॉमा इम्यूनोपैथोजेनेसिस में टी-रेगुलेटरी लिम्फोसाइट्स की भूमिका का अध्ययन करना
36. विभिन्न जैविक नमूनों में शराब और विभिन्न दवाओं के विषविज्ञान संबंधी विश्लेषण और वितरण पैटर्न और आत्मघाती मौतों में उनके न्यूरोबायालॉजिकल प्रभाव

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. तनाव मूत्र असंतोष वाली महिलाओं में ऑटोलॉगस रेक्टस फेसिआ प्यूबोवाजिनल स्लिंग और ट्रांसबॉउटर योनि टेप प्रक्रिया का एक तुलनात्मक प्रयोगात्मक अध्ययन, मूत्र विज्ञान
2. एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस के बाद वाल्ड ऑफ के लिए लैप्रोस्कोपिक बनाम इंडोस्कोपिक ड्रेनेज की तुलना हेतु एक संभावित याद्दच्छिक परीक्षण, सर्जरी
3. बचपन में फोकल ऑनसेट रीफ्रैक्टरी एपिलेप्सी, पीडियाट्रिक्स में कम फ्रीक्वेंसी पर लक्षित रीपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक सिम्यूलेशन का याद्दच्छिक रूप से नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, पीडियाट्रिक्स
4. न्यूरोक्रिटिकल केयर यूनिट में एक सप्ताहः न्यूरोक्रिटिकल केयर में पॉइंट प्रचलित अवलोकन अध्ययनः पीआरआईएनसीई अध्ययन; बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ह्यूस्टन, टेक्सास
5. जिगर और/या कुंद आघात प्लीहा-संबंधी पेट, ट्रामा सर्जरी और क्रिटिकल केयर के बाद जिगर और/या प्लीहा की चोट के रोगियों में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉल
6. दैनिक सर्जिकल प्रक्रियाओं के दौरान सफल एक्सटुबेशन के एक कारक के रूप में एम-मोड सोनोग्राफी द्वारा डायफ्रेग्मेटिक मूवमेंट का एक मूल्यांकन, संवेदनाहरण, विकिरण निदान
7. सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इंट्यूबेशन के लिए मानक ब्लेड और मैकिनटोश लेरिंजियोस्कोप के साथ डी-ब्लेड, सी-मैक वीडियो-लेरिंजियोस्कोप सहित सी-मैक वीडियो-लेरिंजियोस्कोप की तुलना: एक याद्दच्छिक अध्ययन, न्यूरोएनेस्थीसिया एवं गहन देखभाल
8. आईवीएफ-आईसीएसआई साइकल से गुजरने वाली पीसीओएस महिलाओं में नियंत्रित ओवेरियन स्टिम्यूलेशन के लिए लेट्रोज़ोल प्लस गोनाडोट्रोपिन बनाम अकेले गोनैडोट्रोपिन की तुलना - एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. श्रेणी अंग प्रकोप में गुप्त तनाव मूत्र असंतुलन का निदान करने के लिए विभिन्न तरीकों की तुलना करना
10. एशियाई भारतीय महिलाओं में जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस के विकास के साथ पहली तिमाही के मेटाबॉलिक मापदंडों और मातृ शरीर में वसा सूचकांक का सहसंबंध - एक तुलनात्मक अध्ययन
11. अल्ट्रा साउंड द्वारा निर्धारित गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा का सहसंबंध और मेडिकल/सर्जिकल आईसीयू में एंटेरल ट्यूब फीड की स्वीकृतिः एक अवलोकनात्मक अध्ययन, एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर
12. डीटीआई, एफएमआरआई और क्यूईईजी बच्चों और किशोरों में अच्छी तरह से नियंत्रित गैर-घाव संबंधी मिर्गी के साथ अनुभूति और व्यवहार को सहसंबंधित करता है: एक अवलोकनात्मक अध्ययन, बालचिकित्सा
13. हेमोडायनामिक्स पर लिडोकेन जलसेक का प्रभाव और एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी के रोगियों में रिकवरीः एक बहुस्तरीय, याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एनेस्थिसियालॉजी, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मैन्निटोबा, विन्निपेग, कनाडा
14. मापी गई जीएफआर में बदलावों का मूल्यांकन, इकोग्राफी, बोन मिनरल मेटाबोलिज्म के मार्कर्स और रीनल डोनेशन के बाद केरोटिड इंटिमा मीडिया थिकनैस, वृक्क विज्ञान

15. स्त्रीरोग संबंधी सर्जरी कराने वाली महिला में सर्जरी उपरांत एन्हांस्ड रिकवरी (ईआरएएस) के क्रियान्वयन की क्षमता और व्यवहार्यता का मूल्यांकन
16. जनन संबंधी रोग में लंबर इंटर वेर्टेब्रल डिस्क का ऊतक विज्ञान और नैदानिक और रेडियालॉजिकल निष्कर्षों के साथ इसका सहसंबंध, अस्थिरोग विज्ञान
17. बहुत कम जन्म के नवजात शिशुओं (32 सप्ताह का गर्भकाल या 1500 ग्राम से कम जन्म वजन) में प्रीटर्म मस्तिष्क की चोट (पेरिवेंट्रिकुलर ल्यूकोमालेसिया और/या इंट्रावेंट्रिकुलर हेमरेज) के जोखिम और जोखिम वाले कारक: एक संभावित गहन अध्ययन, बाल चिकित्सा
18. भ्रूण की विकृतियों के मूल्यांकन में न्यूनतम इनवेसिव ऑटोप्सी (एमआईए) और स्टिलबर्थ्स, बाल चिकित्सा
19. हिमाचल प्रदेश के मंडी के ब्राह्मण और राजपूत आबादी में कान और नाक का मॉर्फोमेट्रिक और मॉर्फोस्कोपिक अध्ययन - एक फोरेंसिक मानव विज्ञान जांच, नृविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
20. 1 महीने -18 साल के बच्चों में पेरिफेरल हाइपोटोनिया वाले बच्चों में मांसपेशियों का अल्ट्रासाउंड, बाल चिकित्सा
21. भारत में एक सुपर स्पेशियलिटी ब्लड सेंटर में रक्त सूची प्रबंधन का अनुकूलन - एक केस अध्ययन, सीएनसी ब्लड बैंक
22. पृथक थोरैसिक चोट में प्रारंभिक धमनी रक्त गैस विश्लेषण के परिणाम का सहसंबंध, ट्रामा सर्जरी और क्रिटिकल केयर
23. आघात के बाद निचले अंग विच्छेदन के दौर से गुजरने वाले रोगियों में प्राथमिक बनाम विलंबित प्राथमिक समापनः एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, ट्रामा सर्जरी एवं क्रिटिकल केयर
24. स्तर I के ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रामा रोगियों में आधान व्यवहार के संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा
25. आघात आईसीयू, एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर में वेंटिलेटर से जुड़ी घटनाओं और जटिलताओं के रोगियों के जोखिम कारक और परिणाम, एनेस्थिसिया और क्रिटिकल केयर
26. अन्य पारंपिरक नैदानिक तकनीकों की तुलना में मादा जननांग तपेदिक के निदान में जीन एक्सपर्ट की भूमिका
27. छाती आघात के रोगियों के परिणाम में टी-हेल्पर सेल्स एवं न्यूट्रोफिलिस की भूमिका
28. ट्रॉमा आईसीयू में किडनी की गंभीर चोट के लिए अर्ली यूरिन और ब्लड बायोमार्कर्स (आईजीएफबीपी7 और टीआईएमपी2) का अध्ययन, एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर, जेपीएनएटीसी
29. रेफरल इंडियन हॉस्पिटल, माइक्रोबायालॉजी, जेपीएनटीसी में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) की निगरानी
30. ओव्यूलेशन प्रेरण और आईयूआई चक्र से गुजरने वाली बांझ पीसीओएस महिलाओं में नैदानिक गर्भावस्था दर के मामले में अकेले मेटफॉर्मिन प्लस मायोइनोजिटोल बनाम मायो इनोजिटोल के प्रभाव की तुलना करने के लिए

31. गर्भावस्था में एक्सहेल्ड एयर कार्बन मोनोऑक्साइड स्तर का मूल्यांकन करना और मातृ और भ्रूण के परिणाम के साथ सहसंबंधी होना: एक प्रायोगिक अध्ययन
32. एशियाई भारतीय महिलाओं में गेस्टियोनियल डायिबटीज मेलिटस के इलाज में मायोइनोजिटोल की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक प्रायोगिक अध्ययन
33. ट्रामा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रोमा के रोगियों में अल्पकालिक परिणामों के अनुमान में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना
34. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में कुंद स्प्लेनिक ट्रॉमा के उपरांत स्प्लेनिक क्रियाओं और जटिलताओं का अध्ययन
35. पल्मोनरी फंक्शंस, रेस्पिरेटरी मसल स्ट्रेंग्थ एंड एंड्युरेंस, चेस्ट वॉल मोबिलिटी, इंफ्लेमेटरी मार्करों और ब्लंट चेस्ट आघात के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में वक्षीय आघात गंभीरता स्कोर के साथ उनके सहसंबंध पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना
36. रिज केरेक्टेरिस्टिक्स में वेरिएशन की सीमा का अध्ययन और जुड़वा बच्चों में उनकी उंगलियों के निशानों की विशेषता का प्रयोग करके उनकी लिंग संबंधी जानकारी पता करना, न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान, केएमसी, मणिपाल
37. पल्मोनरी फंक्शंस, इम्यून रिस्पॉन्स और लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर में मरीजों के जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना
38. मायो-आइनोसिटोल-डी-चिरो-आइनोसिटोल कॉम्बिनेशन बनाम क्लिनिको-हार्मोनल ओरल कॉन्ट्रासेप्टिव और युवा एशियाई-भारतीय लड़कियों में पोलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के साथ मेटाबोलिक पैरामीटर की भूमिका का अध्ययन
39. भारतीय और पश्चिमी आबादी में ओस्टियोआर्थिराइटिस की पद्धतियों में अंतरों को समझना: लक्षणों, उपचार विकल्पों और उनके परिणाम पर प्रभाव, डीएसटी-यूकेआईईआरआई, आईजीआईबी, आईआईटी
40. ओस्टियोसारकोमा और ईविंग के सारकोमा के मेटास्टेटिक रोग के मूल्यांकन में पूरे शरीर का एमआरआई, अस्थिरोग विज्ञान

पूर्ण

1. गर्भावस्था और उनके पति/पत्नी में आईएडीपीएसजी मानदंड/अति डायबिटीज से गर्भावस्था के डायबिटीज मेलिटस के इतिहास वाले महिलाओं में ग्लूकोज सहनशीलता के वितरण पर एक अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म
2. भिन्न नियमित मेटाबोलाइट्स की पहचान के लिए मेटाबोलोमिक्स और गर्भ के दौरान प्री-टर्म डिलीवरी के जोखिम के आकलन के लिए प्रीक्लेंपसिया / गेस्टेशनल हाइपरटेंशन तथा गेस्टेशनल डाइबेटिक रोगियों में पाथवे, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी
3. कॉर्पस केलोसम, थैलामस तथा ब्रेन स्टेम में पोस्ट टीबीआई इंड्यूस्ड एक्सोनल बी एपीपी स्टेन्स की पोस्ट मॉर्टम हिस्टोपैथोलॉजिकल स्टडी, फारेंसिक मेडिसिन और न्यूरोसर्जरी

4. साइटोकिन्स के प्रोग्नोस्टिक महत्व और ट्रॉमेटिक लंग इंजीरीस वाले मरीजों में बायोमार्कर, प्रयोगशाला चिकित्सा
5. डायनेमिक कंप्रेशन के बाद सॉफ्ट टिश्यू (मानव हृदय ओर फेफड़ा) के सूक्ष्म संरचनात्मक विश्लेषण का प्रस्ताव, आईआईटी मैकेनिकल विभाग, दिल्ली
6. अस्पष्टीकृत पेट दर्द वाले रोगियों में चयापचय इमेजिंग की भूमिका, सर्जरी
7. छाती के आघात के रोगियों के परिणाम में टी-हेल्पर कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल की भूमिका, प्रयोगशाला चिकित्सा
8. आपातकालीन विभाग के सामने आने वाले तीव्र अपच के रोगियों के मूल्यांकन में नैदानिक परीक्षण के लिए देखभाल अल्ट्रासाउंड केंद्र की भूमिका, आपातकालीन चिकित्सा
9. पोस्ट ट्रॉमाटिक हड्डी दोष के रोगियों में हिस्टालॉजिकल और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक विशेषताओं को मैस्कलेट तकनीक के साथ प्रबंधित कार्यात्मक परिणाम का मूल्यांकन करना, अस्थिरोग विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 177 सारः 6 पुस्तकों में अध्यायः 8

रोगी देखभाल

I. कुल बिस्तर सुविधा की संख्या: 278

वार्ड बिस्तरः 194 आईसीयू बिस्तर दूसरी मंजिलः 12 आईसीयू बिस्तर तीसरी मंजिलः 20

ट्राइएजः 30 नए निजी वार्डः 22

कुल क्रियाशील बिस्तरः 248

II. आँकड़े - एक नजर में

कुल ईडी उपस्थिति: 77,139 औसत प्रति दिनः 211

भर्ती की कुल सं.: 7,678 औसत भर्ती प्रति दिनः 21

ठहरने की औसत अवधि (एएलएस): 10

फॉलो-अप ओपीडी मामलों की कुल सं.: 51,660 फॉलो-अप ओपीडी उपस्थिति की औसत सं.: 176

पुरुष	: 51,271	महिला	: 17,662
बच्चे	: 5,332	बच्चियां	: 2,858
अन्य	: 16		
एमएलसी	: 43,361	गैर-एमएलसी	: 33,778

स्पेशलिटी वार

पीला	: 21,374	हरा	: 46,690	लाल	: 5,328
ओपीडी	: 3,613	रेडियोलॉजी	: 37	काला	: 97

III. फॉलो-अप ओपीडी मामलों की कुल सं.: 51,660

नए	: 20,040	पुराने (री-विजिट)	: 31,620
पुरूष	: 35,027	बच्चे	: 3,865
महिला	: 10,734	बच्चियां	: 2,034

स्पेशलिटी-वार ब्रेक-अप

ट्रामा सर्जरी एवं गहन देखभालः 6,051 अस्थि रोग विज्ञान: 29,129 न्यूरोसर्जरीः 6,961
प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरीः 9,461 ब्रैकियल प्लेक्सस चोटः 58

IV. भर्तियों की कुल सं. : 7,678

नियमित	: 7,438	कम- 240
एमएलसी	: 5,229	- 116
एनएमएलसी	: 2,209	- 124
पुरुष	: 5,515	- 173
महिला	: 1,306	-36
बच्चे	: 388	-18
बच्चियां	: 234	-13
अन्य	: 1	

स्पेशलिटी-वार ब्रेक अप

ट्रॉमा शल्यचिकित्सा एवं गहन देखभालः	2146		कम-81
अस्थि रोग विज्ञानः	2,506	-14	
न्यूरोसर्जरीः	1,853	-7	
पीआरएसः	871	-137	
ईएनटीः	1	-1	
बाल चिकित्सा सर्जरीः	61		-0

VI. किए गए कुल ऑपरेशनः 8,672

प्रमुखः	8,372	गौणः	300

स्पेशलिटी-वार ब्रेक-अप

ट्रामा सर्जरी एवं गहन देखभालः	1,985	अस्थि रोग विज्ञान:	4,325
न्यूरोसर्जरीः	1,315	यूरोलॉजीः	7
पीआरएसः	1,040		

VII. कुल डिस्चार्जः 7266

एमएलसीः	4,929	एनएमएलसीः	2,337	
पुरूषः	5,313	महिलाः	1,209	
पुरूष बच्चे:	490	बच्चियां :	253	अन्यः 1

विभाग वार वितरण

ट्रॉमा सर्जरी एवं गहन देखभालः	2,113	अस्थिरोग विज्ञानः	2,474
न्यूरोसर्जरीः	1,695	पीआरएसः	936
ईएनटीः	1	बाल चिकित्सा सर्जरीः	47

VIII. देखभाल के दिनः **72,142**

ट्रामा सर्जरी एवं गहन देखभालः	20,265	अस्थिरोग विज्ञानः	21,869
न्यूरोसर्जरीः	24,666	पी.आर.एस.:	4,903
ईएनटीः	1	बाल चिकित्सा सर्जरीः	438

IX. कुल पंजीकृत मृत्युः **908**

लाए गए मृतः 110

टीसी (पंजीकृत मृत्यु-लाए गए मृत) में कुल मृत्युः 798 (908-110)

48 घंटे के अंदर मृत्युः	419	48 घंटे के बाद मृत्युः	379
सकल मृत्यु दरः	11%	नेट मृत्यु दरः	6%
भरे हुए बिस्तरों की दरः	80%	ठहरने की औसतन अवधिः	10 दिन
बेड टर्नओवर रेटः	29%		

प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर में आयोजित परीक्षण: 13,38,898

हेमेटोलॉजी

हिमोग्लोबिन:	50,830	एमसीएच:	50,830	ईएसआर:	3,973
टीएलसी:	50,830	एमसीएचसी:	50,830	आरबीसी मोर्फोलॉजीः	7,693
विभेदक काउंट:	50,830	एमसीवीः	50,830	रक्त परजीवीः	7,693
एचसीटी:	50,830	आरडीडब्ल्यूः	50,830		
आरबीसी:	50,830	प्लेटलेट काउंटः	50,830		
कुल	**5,27,659**				

कोएगुलेशन

पीटीः	30,369	फाइब्रीनोजेनः	12
एपीटीटीः	30,369	डी-डाइमरः	196
कुल	**60,946**		

क्लीनिकल पैथोलॉजी

यूरीन रूटीन एवं माइक्रोस्कॉपीः	2,374	सीएसएफ माइक्रोस्कॉपीः	809
यूरीन मायग्लोबिनः	178	फैट ग्लोबुल्सः	67
कुल	**3,428**		

हिमेटोलॉजी अनुभाग में किए गए कुल परीक्षणः 5,92,033

जैव रसायन

शुगरः	16,649	कोलेस्ट्रॉल:	5,092	एसेटिकफ्लूइड प्रोटीनः	2
यूरिया:	52,845	एमीलेस:	4,299	प्लूरल फ्लूइड शुगरः	3
क्रिएटिनिन:	52,845	एचडीएलडी:	773	प्लूरल फ्लूइड एमीलेसः	7
कैल्शियमः	49,267	एलडीएलडी:	718	प्लूरल फ्लूइड प्रोटीनः	3
फॉस्फोरस:	48,024	टीजी:	1,152	यूरीनरी स्पॉट सोडियमः	138
यूरिक एसिडः	35,006	वीएलडीएल:	1,152	यूरीन कैल्शियमः	35
सोडियम:	51,974	सीके:	86	यूरीनरी क्रिएटिनिनः	81
पोटेशियम:	51,974	सीआरपी:	3,079	पेरीटोनियल फ्लूइड एमाइलेजः	33
टीबीआईएल:	38,317	एमजी:	3,396	24 घंटे यूरीन प्रोटीनः	16
डीबीआई:	38,252	लिपेस:	12	24 घंटे यूरीन शुगरः	15
कुल प्रोटीन:	38,218	सीके-एमबी:	24	यूरीन ओस्मोलेलिटीः	105
एल्बुमिन:	38,217	सीएसएफ शुगरः	714	एस. ओस्मोलेलिटीः	23
एसजीओटी:	38,266	सीएसएफ प्रोटीन:	703	ड्रेन फ्लूइड एमाइलेसः	46
एसजीपीटी:	38,266	पेरीटोनियल फ्लूइड शर्करा:	13	लैक्टेट:	6
एएलपी	38,212	पेरीटोनियल फ्लूइड प्रोटीनः	13	क्लोराइडः	91

एबीजी

पीओ$_2$:	5475	पीसीओ$_2$:	5475	पीएचः	5475
एच+:	5475	कैल्शियम (Ca):	5475	ग्लूकोजः	200
पोटेशिम (के):	5475	सीएलः	5475		
सोडियम (Na):	5475	लैक्टेटः	200		

जैव रसायन अनुभाग में किए गए कुल परीक्षणः 6,94,518

हिस्टोपैथोलोजी

संशोधित नमूनेः 580 ब्लॉकों की सं.: 2,178 स्लाइडों की कुल सं.: 3519

सूक्ष्मजीव विज्ञान के नमूने

पूर्ण कल्चरः	18,952	प्रोकेल्सीटोनिनः	7,395	एचसीवीः	1,461
पॉजिटिवः	5,161	एचआईवी (स्पॉट+विदा):	1,738	अस्पताल संक्रमण नियंत्रणः	4,555
सेंसिटिविटीः	5,161	एचबीएसएजी(स्पॉट+विदा):	1,647		

कुलः 46,070

रेडियोलॉजी

माह	सीटी स्कैन	यूएसजी	एमआरआई	एक्स-रे			फ्लोरो	डीएसए
				हताहत	ओपीडी/वार्ड	पोर्टेबल		
अप्रैल 2018	2,077	2,674	94	6,184	1,405	1,763	18	6
मई 2018	2,065	2,760	123	6,672	1,414	1,759	17	15
जून 2018	1,808	2,488	86	6,198	1,364	1,566	16	11
जुलाई 2018	1,947	2,738	105	6,494	1,512	1,730	23	13
अगस्त 2018	2,064	2,968	94	7,057	1,476	1,945	18	12
सितंबर 2018	1,919	2,722	105	6,427	1,322	1,932	14	9
अक्टूबर 2018	1,917	2,931	79	6,850	1,428	1,965	18	12
नवंबर 2018	1,928	2,506	90	6,037	1,361	1,675	11	8
दिसंबर 2018	1,966	2,573	108	6,065	1,390	1,714	16	10
जनवरी 2019	2,120	2,396	80	6,275	1,549	1,726	18	11
फरवरी 2019	2,180	2,459	90	5,920	1,451	1,670	21	7
मार्च 2019	2,012	2,220	82	5,195	1,465	1,618	12	7
कुल	**24,003**	**31,435**	**1,136**	**75,374**	**17,137**	**21,063**	**202**	**121**

ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी, एम्स

रक्त दान

माह	दाता संवीक्षित	दाता रक्त	प्रतिस्थापक दाता			स्वैच्छिक दाता			आन्तरिक/ स्वैच्छिक दाता	बाह्य स्वैच्छिक दाता शिविर
			पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल		
अप्रैल 2018	1,009	864	654	6	660	200	4	204	153	51
मई 2018	973	806	706	2	708	93	5	98	98	शून्य
जून 2018	1,094	917	720	7	727	186	4	190	68	122
जुलाई 2018	957	785	697	6	703	74	8	82	82	शून्य
अगस्त 2018	1,316	1039	771	13	784	216	30	246	131	115
सितंबर 2018	1,048	846	696	7	703	117	26	143	98	45
अक्टूबर 2018	1,149	907	769	22	791	109	7	116	116	शून्य
नवंबर 2018	1,193	945	830	14	844	97	4	101	101	शून्य
दिसंबर 2018	1,156	876	698	16	714	63	7	70	19	51
जनवरी 2019	1,122	937	831	11	842	83	12	95	95	शून्य
फरवरी 2019	1,016	794	683	7	690	103	1	104	104	शून्य

मार्च 2019	1,083	887	770	4	774	105	8	113	113	शून्य
कुल	**13,116**	**10,606**	**8,130**	**115**	**8,940**	**1,446**	**116**	**1,562**	**1,178**	**384**

स्वैच्छिक रक्त दान शिविरों की संख्याः 6

संक्रामक मार्कर प्रयोगशाला और दाता परामर्श

माह	एचआईवी		एचबीएसएजी		एचसीवी		वीडीआरएल		एमपी	
	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया
अप्रैल 2018	867	1	869	9	870	5	915	1	866	शून्य
मई 2018	969	3	916	14	926	12	885	शून्य	830	शून्य
जून 2018	1,044	शून्य	1,000	20	998	7	989	6	918	शून्य
जुलाई 2018	900	शून्य	854	10	854	7	824	4	767	शून्य
अगस्त 2018	1,178	4	1,130	11	1,139	15	1,104	1	1,050	शून्य
सितंबर 2018	953	1	912	11	914	6	899	4	837	1
अक्टूबर 2018	1,028	1	987	17	986	12	959	शून्य	905	1
नवंबर 2018	1,091	1	1,053	16	1,054	8	1,025	2	969	शून्य
दिसंबर 2018	1,024	4	970	11	981	13	958	3	891	शून्य
जनवरी 2019	1,037	2	993	21	996	10	959	4	908	शून्य
फरवरी 2019	871	1	817	7	826	7	803	3	746	शून्य
मार्च 2019	936	2	899	12	904	7	867	4	824	1
Total	**11,898**	**21**	**11,400**	**159**	**1,148**	**109**	**11,187**	**32**	**10,511**	**3**

दाता और रोगी समूहीकरण की संख्या

माह	दाता समूहीकरण	रोगी समूहीकरण	कुल
अप्रैल 2018	864	1,187	2,051
मई 2018	806	1,345	2,151

जून 2018	917	1,176	2,093
जुलाई 2018	785	1,355	2,140
अगस्त 2018	1,039	1,497	2,536
सितंबर 2018	846	1,295	2,141
अक्टूबर 2018	907	1,355	2,262
नवंबर 2018	945	1,440	2,385
दिसंबर 2018	876	1,329	2,205
जनवरी 2019	937	1,301	2,238
फरवरी 2019	794	1,332	2,126
मार्च 2019	887	1,239	2,126
कुल	**10,603**	**15,851**	**26,454**

आपातकालीन निर्गम काउंटर

माह	**जारी किए गए पीआरबीसी**	**जारी किए गए एफएफपी**	**जारी किए गए पीआरसी**	**जारी किए गए क्रायो**
अप्रैल 2018	909	965	619	10
मई 2018	912	392	428	11
जून 2018	841	822	556	26
जुलाई 2018	886	754	651	34
अगस्त 2018	1,048	780	855	83
सितंबर 2018	903	570	784	118
अक्टूबर 2018	889	567	760	89
नवंबर 2018	1,031	948	871	133
दिसंबर 2018	965	609	776	44
जनवरी 2019	995	621	868	57
फरवरी 2019	763	452	595	56
मार्च 2019	825	1,058	521	31
कुल	**10,967**	**8,538**	**8,284**	**692**

अन्य अस्पताल के ब्लड बैंक (मुख्य एम्स, सीएनसी, जीबी पंत, एलएनएच, ईएसआई, डॉ. हेडगवार) को जारी किए गए रक्त और अवयव

माह	**रक्त**		**एफएफपी**		**पीआरसी**		**क्रायो**	
	जारी	**प्राप्त**	**जारी**	**प्राप्त**	**जारी**	**प्राप्त**	**जारी**	**प्राप्त**
अप्रैल 2018	6	65	0	0	0	0	0	0

मई 2018	49	19	0	0	0	0	0	0
जून 2018	0	0	350	0	15	0	0	0
जुलाई 2018	14	0	205	0	15	0	0	0
अगस्त 2018	0	18	250	0	12	65	0	0
सितंबर 2018	31	2	60	शून्य	20	18	शून्य	शून्य
अक्टूबर 2018	25	26	0	0	14	0	0	0
नवंबर 2018	0	56	0	0	12	43	0	0
दिसंबर 2018	81	58	225	0	2	0	0	0
जनवरी 2019	55	9	145	0	0	121	0	0
फरवरी 2019	12	5	0	0	0	0	0	0
मार्च 2019	8	0	550	0	10	0	0	0
कुल	**281**	**258**	**1,785**	**शून्य**	**100**	**247**	**शून्य**	**शून्य**

आपातकालीन विभाग रोगी का डेटा

एमएलसी	**गैर-एमएलसी**	**क्रिटकेलिटी**				**चोट का प्रकार**				**चिकित्सा परीक्षण**	**कुल**
		लाल	पीला	हरा	काला	गिरना	आरटीए	अवैध मार-पीट	अन्य		
44,175	34,349	5,502	18,229	51,099	117	24,201	20,258	17,971	15,913	181	**78,524**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ. अभिनव कुमार ने 7 अप्रैल, 2018 को एम्स के शल्य-चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित घाव पर टांका लगाने (सूचरिंग) संबंधी कार्यशाला में फैकल्टी के रूप में हिस्सा लिया; उन्होंने एम्स, नई दिल्ली के शल्य-चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित ईएनडीओएसयूआरजी (इंडोसर्ज) 2018 (19-22 अप्रैल 2018) में कंपीटिटिव पेपर प्रजेंटेशन वाले सत्र की अध्यक्षता की; उन्होंने वीएमएमसी के डिपार्टमेंट ऑफ सर्जरी और सफदरगंज अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मेड्सिकोन (एमईडीएसआईसीओएन) 2018 (26-29 अप्रैल, 2018) के सत्र की अध्यक्षता की; रामबाम हेल्थ केयर कैम्पस, हाइफा, इजरायल द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कोर्स ऑन ट्रॉमा सिस्टम एंड मास कैजुअल्टी मैनेजमेंट (3-14 जून, 2018) में फैलो के रूप में हिस्सा लिया; उन्होंने भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद

द्वारा आयोजित "बिल्डिंग ऑर्गेनाइजेशनल एक्सीलेंस फ़ोकस: सिनर्जी ऑफ आईटी एंड एचआर" (28 जनवरी - 1 फरवरी, 2019) पर प्रशिक्षण प्रोग्राम में फैलो के रूप में भाग लिया।

प्रोफेसर आदर्श कुमार को वर्ष 2019-2021 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ लीगल मेडिसिन (आईएएलएम) की निर्वाचित गवर्निंग काउंसिल का सदस्य चुना गया; चिकित्सा व्यवसाय की उत्कृष्ट सेवा के लिए एमएन बर्मन चेरिटेबल ट्रस्ट, गुवाहाटी द्वारा गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, तेजपुर, असम में 9 अक्टूबर 2018 को उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया; वर्ष 2016-2019 के लिए इंडो-पैसेफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में निर्वाचित; कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल, उच्च शिक्षा अकादमी, मणिपाल, कर्नाटक द्वारा वर्ष 2017-2019 के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज-एक्सटर्नल एक्सपर्ट सदस्य के रूप में नामित (फारेंसिक मेडिसिन और फारेंसिक साइंसेस); अन्य 2 वर्ष 2018-2020 तक की अवधि के लिए एशिया पैसेफिक मेडिकोलीगल एसोसिएशन (एपीएमएलए)के सदस्य; राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के मेडिकोलीगल एक्सपर्ट; विभिन्न पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य: इंटरनेशनल एडिटोरियल बोर्ड सदस्य– एचएसओए फारेंसिक जर्नल, लीगल और इंवेस्टिगेटिव साइंसेस (यूएसए); इजिप्टियन जर्नल ऑफ फारेंसिक साइंसेस, इजिप्ट, अदली टिप बुलेटिन, तुर्की; द इजिप्टियन जर्नल ऑफ फारेंसिक साइंसेस एंड एप्लाइड टोक्सीकोलॉजी; एसोसिएट एडिटर, मेडिकोलीगल अपडेट, मेडिकल एजुकेशन और एथिक्स में रिसर्च जर्नल; वेब एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हैल्थ रिसर्च और मेडिकोलीगल प्रेक्टिस; सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड, जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ टोक्सीकोलॉजी; जर्नल ऑफ कर्नाटक मेडिकॉलेजिकल सोसाइटी; इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन; इंडियन जर्नल ऑफ फारेंसिक मेडिसिन एंड टोक्सीकोलॉजी; जर्नल ऑफ फारेंसिक केमिस्ट्री एंड टोक्सीकोलॉजी; दिनांक 26-28 अक्टूबर 2018 को डॉ. वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ‘‘आईएएमएलई-2018’’ की वैज्ञानिक समति के अध्यक्ष और कॉन्फ्रेंस-पूर्व गतिविधि के रूप में "आकस्मिक हृदयाघात के कारण मृत्यु की जांच" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रोफेसर अमित गुप्ता अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध समिति के अमेरिकन एसोसिएशन फॉर सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (एएएसटी), अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स - कमेटी ऑन ट्रॉमा, यूएसए के सदस्य थे; चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के चयन हेतु गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य; भारत में ट्रॉमा केयर सुविधाओं के लिए न्यूनतम मानकों को अंतिम रूप देने के लिए बनाए गए तकनीकी रिसोर्स ग्रुप के सदस्य, ट्रॉमा एंड बर्न्स केयर डिवीजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2018-अब तक; सदस्य तकनीकी ग्रुप: समाज के लिए प्राथमिक उपचार मॉड्यूल हेतु पाठ्यक्रम (करिक्यूलम) का आलेखन और समीक्षा; के विश्व स्वास्थ्य संगठन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2018-2019; सदस्य, एक्सपर्ट ग्रुप: नेशनल प्रोग्राम फॉर ट्रॉमा केयर की आईईसी गतिविधियों के तहत सामग्री के विकास के लिए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2018; सदस्य, एक्सपर्ट ग्रुप: दुर्घटनाओं को रोकने और प्राथमिक उपचार पर जागरुकता के लिए हैंडबुक, ट्रॉमा केयर के लिए नेशनल प्रोग्राम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2018;

एसजीपीजीआई, लखनऊ स्थित ट्रॉमा सेंटर की शुरुआत के लिए वर्ष 2018 के बाद से संचालन समिति के सदस्य; सदस्य, एक्सपर्ट कमेटी सीएटीएस : सीएटीएस एंबुलेंस सेवाओं के संचालन और रखरखाव की आउटसोर्सिंग के लिए निविदा दस्तावेज तैयार करने हेतु, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, 2018-2019; सदस्य, एक्सपर्ट्स ग्रुप एनआईएचएफडब्ल्यू वर्ष 2018 में वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों में अस्पताल की तैयारी पर प्रशिक्षण सामग्री के मानकीकरण के लिए; सदस्य, एक्सपर्ट्स ग्रुप एनआईएचएफडब्ल्यू वर्ष 2018 में जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों में अस्पताल की तैयारी पर प्रशिक्षण सामग्री के मानकीकरण के लिए; सदस्य, विशेषज्ञ समूह: निम्न एवं मध्यम-आय वाले देशों में इमर्जेंसी मेडिकल सिस्टम के लिए उपयोग होने वाली टैक्सी-बेस्ड डिस्पैचर समन्वय सेवा की व्यवहार्यता की स्थापना; यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो और टीआरआईपीपी, आईआईटी, दिल्ली, 2018; सदस्य, फर्स्ट रिस्पोंडर व्हीकल के क्रय हेतु गठित समिति, जिसका कार्य दिल्ली में आपात रेस्पांस सर्विस में सुधार करना है, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, 2017-2019; एम्स स्थित एंटार्कटिका एक्सपडिशन टीम की मेडिकल/साइकोलॉजिकल जांच के लिए गठित मेडिकल बोर्ड के 2016 से अब तक सदस्य; सदस्य, हिंदी राजभाषा समिति, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली, 2016 से अब तक; सदस्य, तकनीकी समिति जिसका कार्य "दोपहिया वाहन चालकों के लिए सुरक्षात्मक हेलमेट-विशिष्टियां" को संशोधित करना है (आईएस 4151:2015) ताकि भारत के लिए स्वीकार्य हेलमेट का विकास किया जा सके, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, 2016-2018; सदस्य, (आरटीएजी-आरटीएस) सड़क यातायात सुरक्षा पर क्षेत्रीय तकनीकी परामर्शी ग्रुप, विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय, 2015-2018; नेशनल ट्रॉमा सिस्टम प्लान के विकास के लिए तकनीकी उप-समिति के सदस्य, स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2014 से अब तक; नियमित सदस्य, एच-1 समिति, ट्रांसपोर्ट प्लानिंग, ट्रैफिक इंजीनियरिंग ऑफ इंडियन रोड ट्रांसपोर्ट कांग्रेस, 2015-अब तक.

डॉ आशीष बिंद्रा ने कैडावेरिक ट्रेनिंग एंड रिसर्च फैसिलिटी, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, नई दिल्ली में अक्टूबर 2018 को कैडेवरिक इंटरवेंशनल दर्द प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रोफेसर अतिन कुमार ने इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग 2018 के एनजी गाडेकर ओरेशन दिया; 2019 के लिए भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली चैप्टर का 'प्रेसिडेंट इलेक्ट' निर्वाचित; 2018 के लिए भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली चैप्टर के कोषाध्यक्ष के रूप में काम किया; एंजियोग्राफ़ी, इम्बोलाइज़ेशन और स्क्लेरोथेरेपी की मूल बातें आईआर प्राइमर पर सीएमई के आयोजन सचिव।

प्रोफेसर दीपक कुमार गुप्ता: डॉ. दीपक कुमार गुप्ता द्वारा लिखित संपादक के रूप में क्रैनियोसिनॉस्टोसिस पर पहली पुस्तक: टेनेट्स ऑफ क्रानियोसिनोस्टोसिस: सर्जिकल सिद्धांतों और उन्नत बहु-विषयक देखभाल, 2018 (थिएमे मेडिकल एंड साइंटिफिक पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड) (संपादक: दीपक कुमार गुप्ता, अशोक कुमार महापात्रा); एएनसीटी 2018, 26-28 अक्टूबर, 5 एम्स न्यूरोट्रामा कॉन्फरेन्स, अक्टूबर 2018, नई दिल्ली; एम्स वार्षिक माइक्रो न्यूरोसर्जरी कार्यशाला, 13-14 फरवरी 2019, नई दिल्ली; आईडीएसपीएनसीओएन 2019,

15-17 फरवरी; इंडियन सोसाइटी फॉर पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी का वार्षिक सम्मेलन, फरवरी 2019, नई दिल्ली।

डॉ. दिनेश कुमार बगारिया ने एंडोसर्ज 2018 में लाइव ऑपरेटिव कार्यशालाओं के लिए चेयरपर्सन के रूप में भाग लिया (20-22 अप्रैल 2018); जनसाधारण हेतु केआईआईटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली, सुमन विद्या मंदिर, आईआईटी, नई दिल्ली और डीटीयू में आईआरएससी (भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान, आईआईटी नई दिल्ली) के साथ ट्रॉमा फर्स्ट रिस्पॉन्डर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया; एम्स, नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रीशन के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव (31 अगस्त-2 सितंबर 2018); दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय में 30 अक्टूबर 2018 को iSAFE मेगा इवेंट में संकाय और मॉडरेटर के रूप में भाग लिया; नई दिल्ली में सड़क सुरक्षा कानून और बहुक्षेत्रीय कार्रवाई पर डब्ल्यूएचओ सम्मेलन में भाग लिया (13-14 दिसंबर 2018); नई दिल्ली में सड़क सुरक्षा नीतियों पर तीसरे विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन में ट्रॉमा केयर विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया (11-13 फरवरी 2019); 22 नवंबर, 2019 को बादशाह खान सिविल अस्पताल, फरीदाबाद में एम्स ट्रॉमा मूल्यांकन और प्रबंधन पाठ्यक्रम में संकाय के रूप में भाग लिया।

डॉ. गुरु दत्ता सत्यार्थी ने न्यूरोसाइंसेज में फैकल्टी रिसर्च अवार्ड्स 2018 प्राप्त किया; जिसे माननीय केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा दिया गया; लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2019, मार्किस हूज़ हू, अमेरिका; हूज़ हू इन वर्ल्ड 2019, मार्किस हूज़ हू, अमेरिका।

डॉ. ज्ञानेंद्र पाल सिंह ने एम्स, नई दिल्ली में 2-4 नवंबर, 2018 से "एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2018" का आयोजन किया; कैडवेरिक एयरवे वर्कशॉप, 23 सितंबर 2018 जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली; कैडवेरिक इंटरवेंशनल पेन वर्कशॉप, 13 अक्टूबर 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।

प्रोफेसर कामरान फारूक जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में 22 नवंबर, 2018 को डीओएसीओएन 2018 में "बेसिक स्पाइन वर्कशॉप" के पाठ्यक्रम निदेशक थे।

डॉ. केशव गोयल को मार्च - मई 2018 तक क्लीवलैंड क्लिनिक, ओहियो, अमेरिका के ऑब्जर्वर के रूप में न्यूरोक्रिटिकल केयर और विजिटिंग न्यूरोलॉजिकल इंटेंसिव केयर में प्रिसेप्टरशिप का अवार्ड दिया गया; मई से जून 2018 तक क्लीवलैंड क्लिनिक, ओहियो, अमेरिका के एनेस्थेसियोलॉजी इन्स्टीट्युट और विजिटिंग न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी डिपार्टमेंट के ऑब्जर्वर के रूप में प्रिसेप्टरशिप का अवार्ड; नेशनल सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) द्वारा वर्ष 2018-19 के लिए आईएसएनएसीसी ट्रैवल ग्रांट प्रदान किया गया; एम्स एडवांस्ड केयर लाइफ केयर सपोर्ट (एसीएलएस) के कोर फैकल्टीज के सदस्य; जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में सितंबर 2015 में इंट्रोडक्टरी पाठ्यक्रम; नवंबर 2018 में एसीएलएस और बीएलएस इन्स्ट्रक्टर स्टेटस को नवीकृत किया गया; इमर्जेंसी न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (ईएनएलएस) इन्स्ट्रकटर रीसर्टिफ़िकेशन, नवंबर 2018; आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम में फरवरी 2019 में नेशनल सोसायटी (आईएसएनएसीसी) से संबद्ध पहले एक्युट न्यूरो केयर (एएनसी) के कोर्स डाइरेक्टर सह संयोजक; एसएनएसीसी, यूएसए की ट्रेनी इंगेजमेंट कमिटी के सदस्य; इंटरनेशनल

जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी और पल्मोनरी मेडिसिन के समीक्षक; एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2018 की आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य, तीसरा कैडेवेरिक क्रोनिक पेन वर्कशॉप, फर्स्ट एक्युट न्यूरो केयर (एएनसी), कोर्स डाइरेक्टर और को-ऑर्डिनेटर।

डॉ. नरेन्द्र चौधरी ने 7 अप्रैल 2018 को डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन, एम्स द्वारा आयोजित घाव पर टांका लगाने (सूचरिंग) संबंधी कार्यशाला में संकाय के रूप में भाग लिया; डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एंडोसर्ज 2018 (19-22 अप्रैल 2018) में प्रतिस्पर्धी पेपर प्रस्तुति के लिए सत्र की अध्यक्षता; शल्य चिकित्सा विभाग, वीएमएससी तथा सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मेड्सिकोन 2018 (26 29 अप्रैल, **2018)** में सत्र की अध्यक्षता की; रामबम हेल्थ केयर कैम्पस, हाइफा, इजराइल द्वारा आयोजित ट्रामा सिस्टम और मास कैजुअल्टी मैनेजमेंट (3-14 जून 2018) पर इंटरनेशनल कोर्स में फेलो के रूप में भाग लिया; असम के दुलियाजान में आयोजित ऑयल इंडिया मेडीमेट (2-3 फरवरी 2019) में ट्रॉमा पीड़ितों में प्राथमिक सर्वेक्षण पर कार्यशाला के लिए समन्वयक के रूप में भाग लिया।

डॉ. नवदीप सोखल ने 8-9 दिसंबर 2018 को पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में "एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर इंटर्न्स" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षुओं को मैनकिन्स पर विभिन्न जीवन रक्षक कौशल के लिए प्रशिक्षित किया गया और महत्वपूर्ण देखभाल की बुनियादी अवधारणा को सिखाया गया; 13 अक्टूबर 2018 को पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में कैडवेरी पेन कार्यशाला आयोजित की; 23 सितंबर 2018 को पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में 5वीं कैडवेरिक एयरवे प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन; 2-4 नवंबर 2018 को एम्स में आयोजित एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट में संकाय के रूप में भाग लिया; आर्टेमिस अस्पताल, गुरुग्राम में 13-14 फरवरी 2019 को एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी) पाठ्यक्रम में संकाय के रूप में भाग लिया; 15-17 फरवरी 2019 को गुरुग्राम में आईएसएनएसीसी 2019 के 20वें वार्षिक सम्मेलन में संकाय के रूप में भाग लिया; पेरिक्युटेनियस ट्रेकियोस्टोमी (पीसीटी) करने के लिए रेजीडेन्टस को प्रशिक्षित किया।

डॉ. नीरज कुमार एम्स, नई दिल्ली, जनवरी 2019 में पार्ट टाइम क्लिनिकल रिसर्च मेथोडोलॉजी और एविडेंस बेस्ड मेडिसिन कर रहे; एएनएलएस, एसीसीसी, एम्स-ईएम-एसओएनओ, एयूटीएलएस, एम्स कैडवर एयरवे, इंटरवेंशनल दर्द प्रबंधन कार्यशाला पाठ्यक्रम के प्रशिक्षक (संकाय); ऑर्बो टीम के एक संकाय के रूप में अस्पताल कर्मचारियों के बीच ज्ञान वृद्धि एवं जागरूकता फैलाने में तथा सक्रिय रूप से अंग खरीदी से संबंधित प्रक्रियाओं में भी शामिल है; एम्स, नई दिल्ली में एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2018, 2-4 नवंबर 2018।

डॉ. प्रत्युषा प्रियदर्शनी ने एंडोसर्ज (ईएनडीओएसयूआरजी) 2018 (19-22 अप्रैल 2018) को ब्रेस्ट एंड एंडोक्राइन सर्जरी पर लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप की अध्यक्षता की, जो डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया; एम्स, नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रीशन के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की आयोजन सचिव (31 अगस्त -2 सितंबर 2018)।

प्रोफेसर पुरवा माथुर ने 17 सितंबर 2018 को आईडीसीसी, हिंदुजा अस्पताल में "एचएआई की निगरानी" पर डॉ. अजीता मेहता व्याख्यान दिया।

डॉ. ऋचा गर्ग दिसंबर 2018 में एम्स में प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित 2 दिन के पाठ्यक्रम "एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स" की निदेशक थीं; एम्स में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के मुख्य संकाय; एम्स में ऑर्बो के साथ अंग दान शिक्षण के लिए नियमित संकाय।

प्रो. अरुल्सेल्वी एस ने 27-28 अक्टूबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित एएनटीसी 2018, चौथा एम्स न्यूरोट्रॉमा कॉन्फ्रेंस में "असेसमेंट ऑफ प्लेटलेट फंक्शन इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी पेशेंट्स विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया यूजिंग फ्लोसाइटोमेट्री" अध्ययन पर प्रस्तुत किये गये पत्र के सह-लेखक और प्रथम पुरस्कार विजेता; 27-28 अक्टूबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित एएनटीसी 2018, चौथा एम्स न्यूरोट्रॉमा कॉन्फ्रेंस में "कोरिलेशन ऑफ माइक्रोएल्बुमाइनुरिया विद ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी एंड इट्स आउटकम - ए लॉन्गिट्युडिनल स्टडी एट लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर" अध्ययन पर प्रस्तुत किये गये पत्र के सह-लेखक और द्वितीय पुरस्कार विजेता; साइटोमेट्री सोसायटी, भारत द्वारा 29-31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2018 तथा 27-28 अक्टूबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 11वें वार्षिक सम्मेलन और कार्यशालाओं में "फ्लोसाइटोमेट्रिक एनालिसिस ऑफ प्लेटलेट फंक्शन इन ट्रॉमा पेशेंट्स विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया" अध्ययन पर प्रस्तुत पत्र का सह-लेखक और द्वितीय सर्वोत्तम पत्र सम्मान हासिल किया।

प्रोफेसर संजीव कुमार भोई ने डॉक्टरों को ट्रॉमा पुनर्जीवन को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रामा लाइफ सपोर्ट (एयूटीएलएस) किया; आघात पुनर्जीवन को सशक्त बनाने के लिए नर्सों को प्रशिक्षित करने के लिए एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रामा लाइफ सपोर्ट कोर्स फॉर नर्सेज (एयूटीएलएसएन); डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स को प्रशिक्षित करने और बुनियादी आपातकालीन कौशल और सीपीआर में व्यक्तियों को रखने के लिए एम्स बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स (एम्स-बीईसीसी); मास कैजुअल्टी इन्सीडेंट्स के अस्पताल प्रबंधन में (सीडीसी अटलांटा के सहयोग से हमारे द्वारा तैयार आपदा दायित्व और शमन का एक मॉड्यूल); एम्स आपातकालीन सोनोग्राफी कोर्स (ईएम सोनो); डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए एम्स डिजास्टर अल्ट्रासाउंड कोर्स; बाल रोग विशेषज्ञ और आपातकालीन चिकित्सकों के लिए एम्स बाल रोग अल्ट्रासाउंड कोर्स; डॉक्टरों के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड वैस्कुलर एक्सेस; प्राथमिक देखभाल चिकित्सकों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में अल्ट्रासाउंड; डॉक्टरों के लिए इमरजेंसी में अल्ट्रासाउंड गाइडेड नर्व ब्लॉक; डॉक्टरों के लिए अल्ट्रासाउंड की शक्ति के साथ एम्स ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट; डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए एम्स ट्राइएज प्रोटोकॉल कार्यशाला; नर्सों के लिए बुनियादी ईसीजी कार्यशाला; सीआरपीएफ जवानों के लिए सामरिक कॉम्बैट कैजुअल्टी केयर कोर्स; डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में आपातकालीन देखभाल को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण; पैरामेडिक्स और अविशेषज्ञ व्यक्तियों के लिए पहला एम्स रिस्पोंडर कोर्स है; स्वास्थ्य न्यूरोसाइंस में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला में भाग लिया/ आयोजित किया, 28-31 मार्च 2019, गोवा; एडवांस अल्ट्रासाउंड ट्रामा लाइफ सपोर्ट एटीएसएसएफ, 14-15 सितंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; पेडी स्टार्स शेपिंग द सेफ्टी

कल्चर का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 27 फरवरी-3 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली; नर्सेज जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के लिए बेसिक ईसीजी, 23 जून 2018, एम्स, नई दिल्ली; नर्सेज न्यू इमरजेंसी के लिए बेसिक ईसीजी, 25 जुलाई 2018, एम्स, नई दिल्ली; बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स एटीएसएसएफ, 20 सितंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स एटीएसएसएफ, 25 अक्टूबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; सीआरपीएफ एटीएसएसएफ हेतु बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स, 22 नवंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; सीआरपीएफ एटीएसएसएफ हेतु बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स, 13 दिसंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; बेसिक लाइफ सपोर्ट जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 9 जुलाई 2018, एम्स, नई दिल्ली; सीआरपीएफ एटीएसएसएफ के लिए बीईसीसी / बीएलएस प्रशिक्षण, 8-9 अगस्त 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; कैडेवरिक उन्नत अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्रीऑपरेटिव और क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला, 1-13 जनवरी 2019, नई दिल्ली; बीआरओ एटीएसएसएफ के लिए व्यापक जीवन सहायता पाठ्यक्रम, 26 अक्टूबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; व्यापक जीवन सहायता पाठ्यक्रम, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 12 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली; ईएम इंडिया 2018 बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 21-22 जुलाई 2018, वाराणसी, उ.प्र.; ईएम सोनो एटीएसएसएफ, 10-11 अगस्त 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; आपातकालीन चिकित्सा (विभाग वर्ग) एटीएसएसएफ, 4 अगस्त 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; एमरजेंसी मेडिकल सोनोग्राफी ईएमएसओएनओ कोर्स, 14-15 अप्रैल 2018 जिपमेर, पुडुचेरी; ट्रॉमा कोर्स सेमिनार कक्ष में प्राथमिक चिकित्सा, 27 सितंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; ट्रॉमा कोर्स सेमिनार कक्ष में प्राथमिक चिकित्सा, 30 जुलाई 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; टीएचआईएचएमएस मेडिकल कॉलेज और आपातकालीन विभाग की साइट का उद्घाटन समारोह, 1 अगस्त 2018, टीएचआईएचएमएस, अरुणाचल प्रदेश; इंडोसर्ग 2019 (13वें एम्स सर्जिकल वीक), 28-31 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली; प्रशिक्षकों के नर्सिंग के प्रशिक्षक और नेतृत्व की बैठक, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 13 जून 2018, एम्स, नई दिल्ली; राजस्थान डॉक्टर एटीएसएसएफ के लिए प्रशिक्षक पाठ्यक्रम, 26 नवंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; पीएचयूकेईटी प्रतिबद्धता के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने हेतु सड़क सुरक्षा और चोट की रोकथाम के लिए कार्यक्रम प्रबंधकों की बैठक, 12-14 नवंबर 2018, काठमांडू, नेपाल

प्रोफेसर शिवानंद गमनगट्टी इंडियन कॉलेज ऑफ़ रेडियोलॉजी के फैलो थे; डॉ. दीवान चंद अग्रवाल मेमोरियल ओरेशन: हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा में इमेजिंग, हस्तक्षेप और भविष्य, आईआरआईए का 72वां वार्षिक सम्मेलन, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।

प्रोफेसर सुबोध कुमार को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) की ओवरसाइट कमेटी के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; नीति अयोग, भारत सरकार द्वारा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के लिए ओवरसाइट समिति के सदस्य के रूप में नामित; एमएलबी मेडिकल कॉलेज, झांसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, उ.प्र. में एमएस (सर्जरी) के लिए बाहरी परीक्षक; संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआईएमएस), लखनऊ की संकाय चयन समिति के

विशेषज्ञ सदस्य; भारतीय चिकित्सा परिषद, भारत सरकार की नीति विषयक उप समिति के सदस्य; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के संस्थागत नीति विषयक समिति के सदस्य; एम्स एंडोमेंट फंड साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी के सदस्य और फंड प्रमोशन एंड इन्वेस्टमेंट कमेटी, एम्स, नई दिल्ली के सदस्य; नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन, भारत सरकार के असेसर।

प्रोफेसर सुषमा सागर ने 30 अक्टूबर 2018 को डीटीयू दिल्ली में दिल्ली आईआईटी के छात्रों द्वारा चलाए गए भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान द्वारा आयोजित पहले प्रत्युत्तर कार्यक्रम के लिए 800 छात्रों के प्रशिक्षण का नेतृत्व किया; डीएम छात्र निवारण के लिए डीन समिति की सदस्य, एम्स, दिल्ली; सदस्य इंट्रामुरल रिसर्च प्रोजेक्ट ग्रांट कमिटी, एम्स, दिल्ली; सदस्य महिला शिकायत प्रकोष्ठ समिति, एम्स, दिल्ली; एम्स, दिल्ली में अनुसंधान स्कोलरों के चयन को मंजूरी देने के लिए गठित अनुसंधान समिति की सदस्य; पहले एम्स अनुसंधान दिवस समारोह के लिए पोस्टर प्रदर्शनी समिति की सदस्य; एम्स, दिल्ली में ट्रामा सर्जरी और क्रिटिकल केयर की प्रथम एम्स एमसीएच परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक; एम्स, ऋषिकेश में संकाय भर्ती के लिए चयन समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ; दिल्ली अंग प्रत्यारोपण समिति के सचिव के रूप में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नामित व्यक्ति; एम्स पटना में ट्रॉमा और क्रिटिकल केयर में अकादमिक पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य; विश्व ट्रॉमा दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि, एम्स, ऋषिकेश में ट्रामा सर्जरी विभाग द्वारा आयोजित; एनआईडीएम (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान) के लिए कोर शिक्षण संकाय सदस्य; आईआरएससी (भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान), आईआईटी दिल्ली के छात्रों द्वारा आईसेफ के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ सदस्य; 'यूनिटर एबी इनबेव' के सहयोग में गुरुग्राम के लिए सुरक्षित सड़कों पर पहल के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ सदस्य; समुदाय, डब्ल्यूएचओ और एमओएचएफडब्ल्यू भारत सरकार के लिए प्राथमिक चिकित्सा मॉड्यूल के लिए करिक्यूलम के आलेखन और समीक्षा के लिए तकनीकी दल के सदस्य।

डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा ने ट्रॉमा पुनरुत्थान को सशक्त बनाने के लिए डॉक्टरों को प्रशिक्षित करने के लिए एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रामा लाइफ सपोर्ट (एयूटीएलएस) में भाग लिया/आयोजित किया; डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स को प्रशिक्षित करने और आम व्यक्तियों को बुनियादी आपातकालीन कौशल और सीपीआर में प्रशिक्षित करने के लिए एम्स बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स (एम्स-बीईसीसी); आपातकालीन सोनोग्राफी कोर्स (ईएम सोनो); डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए आपदा अल्ट्रासाउंड कोर्स; डॉक्टरों के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित वस्कुलर एक्सेस; डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए ट्राइएज प्रोटोकॉल कार्यशाला; नर्सों के लिए बुनियादी ईसीजी कार्यशाला; डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में आपातकालीन देखभाल को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण; पैरामिक्स और आम व्यक्तियों के लिए एम्स फर्स्ट रिस्पोंडर कोर्स; एडवांस अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स, एटीएसएसएफ, 14-15 सितंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; मेडइंस्पायर 2019 सम्मेलन, 14 फरवरी 2019, डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, मुंबई में एयूटीएलएस पाठ्यक्रम; नर्सों के लिए बेसिक ईसीजी, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 23 जून 2018, एम्स, नई दिल्ली; नर्सों के लिए बेसिक ईसीजी, न्यू इमरजेंसी, 25 जुलाई 2018, एम्स, नई दिल्ली; सीआरपीएफ एटीएसएसएफ के लिए बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स, 8-9 अगस्त 2018, जेपीएनएटीसी,

नई दिल्ली; बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स एटीएसएसएफ, 20 सितंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स एटीएसएसएफ, 25 अक्टूबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; सीआरपीएफ एटीएसएसएफ के लिए बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स, 13 दिसंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; सीआरपीएफ एटीएसएसएफ के लिए बेसिक इमरजेंसी केयर कोर्स, 22 नवंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; बेसिक लाइफ सपोर्ट कोर्स जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 9 जुलाई 2018, एम्स, नई दिल्ली; कैडेवरिक उन्नत अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्रीऑपरेटिव और क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला, 11-13 जनवरी 2019, नई दिल्ली; बीआरओ एटीएसएसएफ, 26 अक्टूबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली के लिए व्यापक जीवन समर्थन पाठ्यक्रम; व्यापक जीवन समर्थन पाठ्यक्रम जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 12 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली; ईएम सोनो कोर्स एटीएसएसएफ, 10-11 अगस्त 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; टीएचआईएचएमएस मेडिकल कॉलेज की आपातकालीन विभाग की साइट का दौरा और उद्घाटन समारोह, 1 अगस्त 2018, टीआरआईएचएमएस, नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश; ईएमइंडिया (EMINDIA) 2018 राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 21-22 जुलाई 2018, वाराणसी, उ.प्र.; ट्रामा कोर्स सेमिनार कक्ष में प्राथमिक चिकित्सा, 27 सितंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; ट्रामा कोर्स सेमिनार कक्ष में प्राथमिक चिकित्सा, 30 जुलाई 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; मेडवर्क 2018 सम्मेलन, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, 7-8 अप्रैल 2018, बरेली, उ.प्र.; फुकेट प्रतिबद्धता के कार्यान्वयन की सहायता के लिए सड़क सुरक्षा और चोट की रोकथाम हेतु कार्यक्रम प्रबंधकों की बैठक, 12-14 नवंबर, 2018, काठमांडू, नेपाल; "एसईएआर में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (पीएचसी) में इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर को एकीकृत करने के लिए क्षेत्रीय रणनीति" विकसित करने के लिए बैठक; 23-25 अगस्त 2018, बैंकॉक, थाईलैंड; एसईएआर में आपातकालीन नर्सिंग के संवर्धन के लिए प्रारंभिक (प्रिपेरटॉरी) बैठक, 2-4 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली; राजस्थान क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रशिक्षक पाठ्यक्रम एटीएसएसएफ, 26 नवंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; राजस्थान क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रदाता पाठ्यक्रम एटीएसएसएफ, 16-18 नवंबर 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; सीमुलस (SIMULUS) 4 पेडिस्टार्स इंडिया का चौथा वार्षिक वार्षिक सम्मेलन, 27 फरवरी-3 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली; ट्रॉमा प्रबंधन और चोट की रोकथाम पर संगोष्ठी, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 20-21 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली; टैक्टिकल कॉम्बैट कैजुअल्टी केयर (सीआरपीएफ) एटीएसएसएफ, 15 फरवरी 2019, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली; सीआरपीएफ के लिए टैक्टिकल कॉम्बैट कैजुअल्टी केयर कोर्स, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 18 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली; सीआरपीएफ के लिए टैक्टिकल कॉम्बैट कैजुअल्टी केयर कोर्स, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, 11 मई 2018, एम्स, नई दिल्ली।

प्रोफेसर विजय शर्माः तीसरे एम्स कैडेवरिक पेल्विक - एसिटाबुलम कोर्स, 14-15 अप्रैल 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली; प्री कॉन्फ्रेंस कैडैविक पेल्विक - एसिटाबुलम कार्यशाला, डीओएसीओएन 2018, 22 नवंबर 2018, एसीएसएसटी, एम्स, नई दिल्ली।

आचार्य विवेक त्रिखा इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, नेशनल जर्नल ऑफ इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (पबमेड इंडेक्सेड जर्नल) के एसोसिएट एडिटर थे; जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा (पबमेड इंडेक्सेड जर्नल) के एसोसिएट एडिटर थे।

10.6 jk"Vªh; vkS"k/k fuHkZjrk mipkj dsUnz

आचार्य एवं अध्यक्ष

आर॰ के॰ चड्ढा

आचार्य

राका जैन | राकेश लाल | अंजु धवन

सोनाली झाँजी | अतुल अम्बेकर

सह-आचार्य

यतन पाल सिंह बल्हारा | गौरी शंकर कालोइया | रवीन्द्र राव

अश्वनी के॰ मिश्रा | रचना भार्गव

सहायक आचार्य

प्रभु दयाल | बिस्वदीप चटर्जी | आलोक अग्रवाल

रिज़वाना कुरैशी | पियाली मंडल | सिद्धार्थ सरकार

रोशन भाड

वैज्ञानिक

मोनिका मौंगिया

चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

ब्रह्म प्रकाश | दीपक यादव

रत्नेश कुमार | दिनेश कुमार

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

अजय कुमार (मई 2018 तक) | रेणु भारद्वाज (अक्टूबर 2018 से)

प्रशासनिक अधिकारी

अनीता टेटे (मई-अक्टूबर 2018)

लेखा अधिकारी

मीनाक्षी डबराल

सहायक नर्सिंग अधीक्षक

राधामणि नायर

सहायक भंडार अधिकारी

एम॰एल॰ आर्य (जुलाई 2018 तक) | आर॰पी॰ राय जेएसओ (जुलाई-सितंबर 2018)

मनोहर लाल आर्य (अक्टूबर 2018-मार्च 2019) | यतेंद्र कुमार (मार्च 2019)

विशिष्टताएं

वर्ष 2012 से ही एनडीडीटीसी मादक द्रव्यों के सेवन पर डब्ल्यूएचओ का सहयोगी केंद्र रहा है। 2018-2019 के दौरान, केंद्र ने दवा के सेवन के क्षेत्र में उपचार, प्रशिक्षण और अनुसंधान के संबंध में प्रगति की है। यहाँ नियमित ओपीडी, 4 सामुदायिक क्लीनिकों और 3 विशेष क्लीनिकों समेत कुल 2,21,947 रोगियों को देखा गया: जिसमें 10,681 नए रागी और 2,11,266 पुराने रोगी शामिल हैं। एनडीडीटीसी प्रयोगशाला द्वारा वर्ष के दौरान अपने विष विज्ञान, हेमटोलॉजी, जैव रसायन और एचआईवी स्क्रीनिंग प्रयोगशालाओं में 90,000 से अधिक नमूनों की जांच की गई। वर्तमान में प्रयोगशाला में 19 प्रकार के नशीले पदार्थों का पता लगाने की सुविधा है।

एनडीडीटीसी की कुछ प्रमुख जारी गतिविधियों में शामिल हैं: मादक पदार्थ (ओपियाइड) पर निर्भरता के उपचार के लिए आवश्यक नार्कोटिक ड्रग्स (ईएनडी) के उपयोग के लिए प्रशिक्षण तंत्र का विकास और कार्यान्वयन तथा भारत में मादक पदार्थ के ट्रीटमेंट के बीच नए मनोवैज्ञानिक पदार्थों का पता लगाना शामिल हैं। इस गतिविधि को राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित किया गया है। एनडीडीटीसी भारत के फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम के लिए एडीआर मॉनिटरिंग सेंटर का दर्जा रखता है।

कई संकाय सदस्य तकनीकी विशेषज्ञ हैं तथा प्रतिष्ठित पीयर-रिव्यू पत्रिकाओं में संपादकीय बोर्ड में तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर निकायों में प्रमुख पद भी संभाल रहे हैं। कई संकाय सदस्यों को पेशेवर सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

वर्तमान में, कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां केंद्र में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही हैं। इस अवधि के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी की समीक्षा पत्रिकाओं में 100 से अधिक लेखों और पुस्तकों में अध्यायों/रिपोर्टों को प्रकाशित किया गया है।

एनडीडीटीसी व्यसन मनोचिकित्सा में पीएचडी भी प्रदान करता है। केंद्र व्यसन मनोविज्ञान में डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) पाठ्यक्रम भी चला रहा है। पहला बैच दिसंबर 2018 में पूर्ण हुआ है।

एनडीडीटीसी ने दिनांक 1 फरवरी 2019 से सीएल की व्यसन मनोचिकित्सा सेवा शुरू की है। पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी में दिनांक 22 मार्च 2019 को, एशिया में इस तरह के क्लीनिकों में से पहला एनडीडीटीसी का मोबाइल मेथाडोन क्लिनिक लॉन्च किया गया है।

दिनांक 26 जून, 2018 को एम्स में दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर डीएम और एमडी रेजीडेंट्स द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था जिसके मुख्य श्रोता एम्स के यूजी और पीजी के छात्र थे।

(Director, AIIMS dispensing methadone at the mobile dispensing van)

फरवरी 2019 में एमएसजेई, भारत सरकार द्वारा समर्थित, "नेशनल सर्वे ऑन एक्सटेंट एंड पैटर्न ऑफ सब्स्टेंस यूज़ ऑफ इंडिया" की रिपोर्ट जारी की गई थी। यह सर्वेक्षण दुनिया में पदार्थ के उपयोग संबंधित विकारों पर महामारी विज्ञान के सबसे बड़े अध्ययनों में से एक है। इसमें सभी राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश शामिल थे।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

एमबीबीएस के छात्रों को उनके मनोचिकित्सा विभाग में तैनाती के दौरान केंद्र में एक दिन के लिए तैनात किया जाता है।

स्नातकोत्तर

एमडी (मनोचिकित्सा) करने वाले रेज़ीडेंट्स को 6 महीने के लिए केंद्र में तैनात किया जाता है। ग्यारह अभ्यर्थी व्यसन मनोचिकित्सा में डीएम कर रहे हैं।

पीएचडी और स्नातकोत्तर शिक्षण

- *जर्नल क्लब- मनोचिकित्सा विभाग के साथ साप्ताहिक रूप से संयुक्त गतिविधि
- एम्स में प्रत्येक सेमेस्टर में दो *सीसीआर और सीजीआर
- सेमिनार-साप्ताहिक
- केस सम्मेलन-साप्ताहिक
- सेमिनार / जर्नल क्लब

*मनोचिकित्सा विभाग और राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र की संयुक्त गतिविधियाँ

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आरके चड्ढा: 19	**राका जैन: 3**	**राकेश लाल: 1**
अंजू धवन: 8	**सोनाली झांजी: 3**	**अतुल अम्बेकर: 27**
वाईएसपी बल्हारा: 42	**गौरी शंकर कालोइया: 7**	**रवींद्र वी राव: 6**
अश्वनी कुमार मिश्र: 8	**रचना भार्गव: 14**	**बिस्वदीप चटर्जी: 1**
आलोक अग्रवाल: 6	**रिजवाना कुरैशी: 1**	**सिद्धार्थ सरकार: 5**
पियाली मंडल: 3	**रोशन भाड: 9**	

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर: 21

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. साइकोसिस परिणामों पर एनआईएचआर ग्लोबल स्वास्थ्य रिसर्च ग्रुप: द वारविक-इंडिया-कनाडा (डब्ल्यूआईसी) नेटवर्क, आरके चड्ढा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, यूके, 3 वर्ष, 2017-2020, 2.44 करोड़ रुपये
2. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन का उपचार चाहने वालों में नए साइकोएक्टिव पदार्थों का पता लगाना - बहु केंद्रीय अध्ययन, आरके चड्ढ़ा, राजस्व विभाग, भारत सरकार, 3 साल, 2017-2020, 6.51 करोड़ रुपये

3. निकोटीन डिपेंडेंस के चूहे के मॉडल में डेल्फीनियम डेनुडाटम (जदवर) की भूमिका, राका जैन, आयुष, 3 साल, 2017-2019, 29.16 लाख रुपये
4. दिल्ली में किशोरों के अनुकूल स्वास्थ्य क्लीनिकों में मदद के लिए आने वाले किशोरों में व्यसन संबंधी व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य के मामलों का विस्तार, अंजू धवन, किशोर स्वास्थ्य प्रभाग, परिवार कल्याण निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली सरकार, 1 वर्ष, 2019-2020, 18.85 लाख रुपये
5. स्कूल और कॉलेज के छात्रों के बीच पदार्थ के उपयोग पर सर्वेक्षण, अंजू धवन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, अंजू धवन, भारत सरकार, 6 महीने, 2019, 14.85 लाख रुपये
6. भारत में पदार्थ के उपयोग की प्रणाली और विस्तार पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण, अतुल अम्बेकर, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2016-2019, 22.41 करोड़ रुपये
7. मादक द्रव्यों के सेवन और व्यसन संबंधी व्यवहार से संबंधित विकारों के आईसीडी-11 वर्गीकरण का क्षेत्र परीक्षण, अतुल अम्बेकर, डब्ल्यूएचओ, 2 वर्ष, 2017-2019, 3.25 लाख रुपये
8. मादक पदार्थों पर निर्भरता के इलाज के लिए आवश्यक नारकोटिक ड्रग्स (मेथाडोन) के उपयोग के लिए प्रशिक्षण तंत्र विकसित करना, अतुल अम्बेकर, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2017-2019, 76.21 लाख रुपये
9. अस्थि खनिज घनत्व और क्रोनिक अल्कोहलिज्म और डिसुलफिरम डेडिकेशन थेरेपी के बाद परिवर्तन, यतन पाल सिंह बलहारा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2019, 8.3 लाख रुपये
10. दक्षिण एशिया में अवैध दवाओं के लिए सीमा पार और सामुदायिक प्रतिक्रियाओं को मजबूत करना, यतन पाल सिंह बलहारा, यूएनओडीसी, 2 वर्ष, 2017-2019, 5.94 लाख रुपये
11. बॉलीवुड फिल्मों में साइकोएक्टिव पदार्थों के उपयोग का चित्रण: एक मिश्रित प्रणाली अध्ययन, रवींद्र राव, एम्स, 18 महीने, जुलाई 2016-मार्च 2019, 1.44 लाख रुपए
12. गुजरात में जेल के कैदियों में एचआईवी, अन्य रक्त जनित वायरस, टीबी और जोखिम वाले व्यवहार का आकलन, रवींद्र राव, यूएनओडीसी, दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय कार्यालय, 7 महीने, अगस्त 2018-मार्च 2019 के बीच, 21 लाख रुपये
13. भारत के कैदियों में साइकोएक्टिव मादक पदार्थों के उपयोग की पद्धति और दर, रवीन्द्र राव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 6 महीने, जनवरी 2019-जून 2019, 30 लाख रूपये
14. मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों के उपचार पर चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास और परीक्षण, रवींद्र राव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 14 महीने, जनवरी 2019-मार्च 2020, 14.59 लाख रुपये
15. शराब पर निर्भरता वाले रोगियों में उपचार के बेहतर परिणाम के लिए संज्ञानात्मक विकार और कार्विंग मैनेजमेंट के लिए एक नवीन तकनीक के रूप में मस्तिष्क उत्तेजना: एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रभु दयाल, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 25.80 लाख रुपये

16. स्वस्थ नियंत्रण के साथ डिटॉक्सिफाइड-मादक पदार्थ पर निर्भर रोगियों में सीरम कॉर्टिकोट्रॉफ़िन रिलीज़िंग फैक्टर (सीआरएफ) के स्तर की तुलना, बिस्वदीप चटर्जी, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2020, 2 लाख रुपये
17. भारत में बेघर आबादी के बीच पदार्थों के उपयोग पर अध्ययन, आलोक अग्रवाल, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 1 वर्ष, 2018-2019, 5.2 लाख रुपये
18. भारत में ओपियोड का उपयोग करने वाली पर एक अध्ययन, आलोक अग्रवाल, कोलंबो योजना, 5 साल, 2018-2023, 3.5 करोड़ रुपये,
19. अल्कोहल निर्भरता वाले रोगियों में डोपामाइन बीटा-हाइड्रॉक्सिलस जीन और डाइसल्फिरैम उपचार प्रतिक्रिया की एक कार्यात्मक बहुरूपता: एक अग्रगामी खोजपूर्ण अध्ययन, रिज़वाना कुरैशी, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 4.5 लाख रुपये
20. ओपियोड निर्भरता वाले रोगियों के बीच स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार के साथ सेरोटोनिन मार्ग बहुरूपता का संबंध, सिद्धार्थ सरकार, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017-2019, 20.68 लाख रुपये
21. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र के महिला क्लिनिक में उपस्थित लोगों में दवा (ड्रग) के प्रयोग का मनोवैज्ञानिक-सामाजिक संबंध, पियाली मंडल, एम्स, 3 वर्ष, 2017-2020, 0.5 लाख रुपये

पूर्ण

1. व्यवहारिक व्यसनों पर दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए क्षेत्रीय संसाधन केंद्र की स्थापना, यतन पाल सिंह बलहारा, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2018-2019, 3.51 लाख रुपये
2. इमरजेंसी में एमएचपीएसएस के प्रति समन्वित प्रतिक्रिया हेतु डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय सहयोगात्मक फ्रेमवर्क विकसित करना, यतन पाल सिंह बलहारा, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2018, 1.44 लाख रुपये
3. हाल ही में अमानवीय दुर्व्यवहार के शिकार किशोरों में तनाव और उसका मुकाबला करने का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक केस नियंत्रण अध्ययन, रोशन भाड, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 3.5 लाख रुपये
4. एगोनिस्ट रखरखाव उपचार पर ओपियोड निर्भर रोगियों के बीच हानिकारक अल्कोहल उपयोग के बायोमार्कर के लिए फिल्टर पेपर से स्क्रीन पर रक्त / सीरम के नमूनों की परिवहन की व्यवहार्यता: सामुदायिक सेटिंग में एक अग्रगामी अध्ययन, रिजवाना कुरैशी, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, 2.8 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ब्यूप्रेनोर्फीन पर बनाए गए मादक पदार्थ पर निर्भर धूम्रपान करने वालों के बीच तंबाकू धूम्रपान करने की लालसा पर ट्रान्सक्रेनियल डायरेक्ट करेंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के प्रभाव का पता लगाने के लिए एक नैदानिक परीक्षण।

2. शराब बायोमार्कर और शराब निर्भरता में उनकी नैदानिक प्रयोज्यता का तुलनात्मक अध्ययन
3. अल्कोहल पर निर्भर रोगियों में अन्य पारंपरिक बायोमार्कर्स के साथ एथिल ग्लूक्यूरोनाइड (ईटीजी) और फैटी एसिड एथिल एस्टर (एफ़एईई) का तुलनात्मक अध्ययन
4. अल्कोहल निर्भरता, अवसाद और को-मॉर्बिड अल्कोहल निर्भरता और अवसाद वाले रोगियों में सीरम मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारकों के स्तर का एक तुलनात्मक अध्ययन
5. कॉलेज के छात्रों के बीच गेमिंग विकार के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक सहसंबंधों का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन
6. भारत में ओपियोड एनाल्जेसिक तैयारी के लिए चिकित्सा कर्मियों के ज्ञान, दृष्टिकोण और बाधाओं का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण
7. मादक पदार्थों पर निर्भरता से पीड़ित रोगियों के प्रतिधारण और परिणाम पर एक अग्रगामी अनुवर्ती अध्ययन
8. मौखिक नाल्ट्रेक्सोन पर ओपियोड आश्रित सिंड्रोम के अल्पावधि प्रतिधारण से जुड़े कारकों का आकलन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन
9. भारत के तृतीयक केयर ड्रग ट्रीटमेंट केंद्र में उपचार के लिए आने वाले प्राकृतिक अफीम के सेवन के विकारों से ग्रसित रोगियों के बीच आंतरिक स्टिग्मा और देखभाल के मार्ग का एक अध्ययन
10. मादक पदार्थों पर निर्भरता वाले रोगियों में वयस्क एडीएचडी: एक खोजपूर्ण अध्ययन
11. निकोटीन मेटाबोलाइट अनुपात (एनएमआर) और निर्धूम तम्बाकू के उपयोग के मापदंडों के बीच संबंध का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन
12. इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स के बीच ओपीयोड प्रतिस्थापन थेरेपी को आरंभ करने हेतु क्लाइंट पर्सिव्ड बैरियर का आकलन करना - एक क्रॉस सेक्शनल, तुलनात्मक, समुदाय-आधारित अध्ययन
13. किशोर इन्हेलेंट उपयोगकर्ताओं में जैव रासायनिक मापदंडों का आकलन
14. एनडीडीटीसी में मादक पदार्थों पर निर्भरता के लिए उपचार चाहने वाले रोगियों में यौन व्यवहार का आकलन
15. तनाव के सहसंबंध की प्रतिक्रिया में ओपियोड पर निर्भर युवाओं में तनाव के बायोमार्कर का आकलन: एक खोजपूर्ण अध्ययन
16. शराब के उपयोग संबंधी विकार वाले रोगियों के बीच सीरम सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन स्तर और शराब की खपत के बीच संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल, खोजपूर्ण अध्ययन
17. गुजरात के कैदियों के बीच एचआईवी, रक्त जनित वायरस और तपेदिक के अधिग्रहण के लिए कमजोरियों का व्यवहार और जैविक मूल्यांकन
18. ब्यूप्रेनोर्फिन स्तर के चरम और गर्त पर बूप्रेनोर्फिन के द्वारा संभाले गए ओपियोड पर निर्भर रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली: एक प्रयोगात्मक अध्ययन
19. शराब निर्भरता सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक थेरेपी का संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व और प्रभावकारिता

20. स्थिर इस्कीमिक हृदय रोग के रोगियों में प्लेटलेट एकत्रीकरण और मूत्र संबंधी 11-डीहाइड्रोथ्रोम्बोसेन B2 स्तरों पर विभिन्न एंटी-प्लेटलेट्स ड्रग शासनों की तुलना
21. किशोर पदार्थ उपयोगकर्ताओं पर परिवार के कामकाज का सहसंबंध
22. सक्रिय उपचार और रखरखाव के चरण में वयस्क माइलोमा रोगियों में विषाद, चिंता, नींद की गुणवत्ता और मानसिक समायोजन शैली
23. कानून के साथ संघर्ष में किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास
24. भारतीय चिंता और उन्माद प्रश्नावली का विकास
25. डिसोसिएटिव विकार वाले किशोरों के बीच मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास
26. सीरम मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक स्तर पर भांग का प्रभाव और मनोविकृति के साथ इसका संबंध, एक क्रॉस-सेक्शनल खोजपूर्ण अध्ययन
27. पदार्थ उपयोग विकार वाले रोगियों में उपचार रिटेंशन पर फोन कॉल बनाम लघु संदेश सेवा का उपयोग करने वाले रिमाइंडर्स की प्रभावशीलता: एक खुला लेबल यादृच्छिक परीक्षण
28. पदार्थ के उपयोग के विकार संबंधी रोगियों के बीच उपचार के साथ अनुभव लेबल
29. शराब पर निर्भर रोगियों में उपचार के प्रतिधारण से जुड़े कारक
30. किशोर पदार्थों के उपयोग में परिवार के कामकाज और परवरिश की शैली: केस नियंत्रण अध्ययन
31. उपचार की तलाश में ओपियोइड निर्भरता वाले पुरुषों में भावनाओं की अभिव्यक्ति को संबोधित करने वाला पारिवारिक हस्तक्षेप
32. उपचार के लिए आने वाले शराब के विकार से ग्रसित रोगियों में जुआ का विकार और इसके सामाजिक-जनसांख्यिकीय संबंध
33. भारत में स्वदेशीय उत्पादित साइकोएक्टिव पदार्थों, उपयोग के पैटर्न और उपयोगकर्ताओं की प्रोफाइल
34. इंजेक्टिंग ड्रग उपयोगकर्ताओं के बीच नॉन-फेटल ओवरडोज़ का ज्ञान, जोखिम कारक और अनुभव, एक समुदाय-आधारित, क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
35. मनोविकृति के साथ और मनोविकृति के बिना भांग की लत से पीड़ित रोगियों में न्यूरोलॉजिकल सॉफ्ट संकेत तथा उनका सहसंबंध, एक क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
36. तृतीयक देखभाल अस्पताल में पदार्थ के उपयोग विकार से संबंधित रोगियों में आत्म-क्षति और आत्महत्या के प्रयासों की व्यापकता और विशेषताएँ
37. स्कीज़ोफ्रेनिया वाले रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच, देखभाल संबंधी अनुभव का मनोवैज्ञानिक सहसंबंध
38. मेडिकल और इंजीनियरिंग पूर्व स्नातक छात्रों के बीच इंटरनेट के उपयोग के व्यवहार से जुड़े मनोवैज्ञानिक कारक, एक तुलनात्मक अध्ययन
39. भारत में जेल के कैदियों के बीच साइकोएक्टिव पदार्थ के उपयोग की दर और पैटर्न

40. मादक द्रव्यों के सेवन के लिए इलाज की मांग करने वाले पुरुषों और महिलाओं और उनके परिवार के सदस्यों के बीच स्टिग्मा, एक क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
41. दिल्ली में आश्रय घरों से सेवा प्राप्त करने वाले बेघर पुरुषों के बीच पदार्थ का उपयोग
42. स्कूल और कॉलेज के छात्रों के बीच पदार्थ का उपयोग
43. परिवहन श्रमिकों के बीच पदार्थ का उपयोग
44. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर से पीड़ित बच्चों और किशोरों में पदार्थ का उपयोग, एक खोजपूर्ण अध्ययन
45. शराब वापसी सिंड्रोम के नैदानिक और प्रयोगशाला पूर्व संकेत
46. नैदानिक रिकॉर्ड की समीक्षा पर आधारित डीटी के निदान के साथ और उसके बिना भर्ती कराए गए अल्कोहल डिपेंडेंस (एडी) के रोगियों में डेलिरियम ट्रेमेंस (डीटी) के साथ विभिन्न जनसांख्यिकीय, नैदानिक और प्रयोगशाला कारकों के सहयोग का पता लगाना और तुलना करना
47. शराब पर निर्भर रोगियों में तंबाकू का उपयोग
48. ब्यूप्रेनोर्फिन पर रखे गए ऑपियोइड पर निर्भर रोगियों में नींद की गड़बड़ी के लिए ट्रैज़ोडोन, एक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. बाह्य-रोगी युवाओं और पुराने वयस्क मादक द्रव्य उपयोगकर्ताओं के बीच पदार्थ के उपयोग और सह-रुग्णता के पैटर्न और तीव्रता का तुलनात्मक अध्ययन
2. अल्कोहलिक लिवर की बीमारी वाले रोगियों में अल्कोहल के उपयोग के विकारों के लिए सहायता की चाह करने संबंधी व्यवहार के आकलन हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
3. ब्यूप्रेनोर्फिन के साथ निर्धारित मादक द्रव्य पर आश्रित रोगियों द्वारा समवर्ती गैर-निर्धारित औषधीय और अवैध दवा के उपयोग का पूर्वव्यापी अध्ययन
4. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल दवा उपयोग उपचार केंद्र में इलाज के इच्छुक प्राथमिक भांग के सेवन के विकार संबंधी रोगियों में आंतरिक स्टिग्मा और देखभाल के मार्ग का अध्ययन
5. वापसी के दौरान शराब निर्भरता वाले रोगियों में सीरम बीडीएनएफ़ के स्तर का एक अध्ययन
6. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में भाग लेने वाले रोगियों में भांग के उपयोग की पद्धति और उपचार का एक खोजपूर्ण अध्ययन
7. भारत के तृतीयक नशामुक्ति केंद्र में उपचार की मांग करने वाले प्राकृतिक अफीम उपयोगकर्ताओं के बीच स्टिग्मा और देखभाल के मार्ग का एक खोजपूर्ण अध्ययन
8. उपचार की इच्छा रखने वाले ओपियोड उपयोगकर्ताओं में क्लिनिकल प्रोफाइल, निर्भरता की तीव्रता तथा जीवन की गुणवत्ता का क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
9. उत्तरी भारत के एक तृतीयक देखभाल नशामुक्ति केंद्र में अल्कोहल, कैनबिस और ओपिओइड निर्भरता सिंड्रोम से पीड़ित एब्स्टिनेंट रोगियों के संज्ञानात्मक अभाव को सुधारने के लिए संज्ञानात्मक रिट्रेनिंग मॉड्यूल का विकास

10. इंट्रावेनस ब्यूप्रेनोर्फिन के अटेन्युएटिंग एगोनिस्ट प्रभावों में इंट्रावेनस नेलोक्सोन की प्रभावकारिता: एक डबल ब्लाइंड, विषय में, यादृच्छिक, ओपिओइड निर्भरता वाले व्यक्तियों के बीच क्रॉस-ओवर अध्ययन
11. इंजेक्टिंग दवाओं के उपयोगकर्ताओं के बीच नॉन-फेटल ओवरडोज़ का ज्ञान, जोखिम कारक और अनुभव: एक समुदाय-आधारित, क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
12. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में उपचार की मांग करने वाली महिला पदार्थ उपयोगकर्ताओं की प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल, पूर्वव्यापी अध्ययन
13. भारतीय घरों और प्रतिक्रिया संचालित नमूने में पदार्थ के उपयोग के विस्तार तथा पैटर्न पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण
14. तीव्र ओपिओइड निकासी के उपचार के लिए मौखिक मेथाडोन बनाम सब्लिंगुअल ब्यूप्रेनोर्फिन, एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, डबल-डमी, नियंत्रित अध्ययन
15. समुदाय-आधारित सेटिंग में ब्यूप्रेनोर्फिन के साथ तीव्र ओपिओइड निकासी का बाह्य-रोगी उपचार, एक पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा
16. पहले एपिसोड सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में सीरम बीडीएनएफ़ का स्तर, एक पायलट अध्ययन
17. शराब पर निर्भर रोगियों में शराब छोडने के दौरान सीरम मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक स्तर
18. ब्यूप्रेनोर्फिन द्वारा संभाले गए ऑपिओइड पर निर्भर रोगियों में नींद के मापदंडों का अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. विभिन्न नैतिक दुविधा नैदानिक स्थिति पर स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर के परिप्रेक्ष्य का आकलन करने के लिए एक वीन्येट आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
2. नशे की लत के विकारों का डिफ़ॉल्ट मोड नेटवर्क, एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन, फिजियोलॉजी
3. अस्पताल में रहने के मामले में ओपेन कोहेन के यूरेटेरिक रिइंप्लांटेशन में डबल "जे" और स्टेंट के रूप में शिशु आहार नलिकाओं की तुलना, एक यादृच्छिक अध्ययन, बाल शल्य चिकित्सा
4. स्थिर इस्केमिक हृदय रोग के मरीजों में प्लेटलेट एकत्रीकरण और मूत्र संबंधी 11-डीहाइड्रोथ्रोम्बोक्सेन बी 2 के स्तर पर अलग-अलग एंटी-प्लेटलेट ड्रग रेजीम्स की तुलना, कार्डियोलॉजी
5. सेरोटोनर्जिक मार्ग के जीनों की आनुवंशिक बहुरूपता और रोग की गंभीरता के साथ उनके संबंध का अध्ययन और प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार से पीड़ित रोगियों में एसिटालोप्रैम उपचार की प्रतिक्रिया, जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी संस्थान), आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित
6. एम्स, कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नर्सिंग छात्रों में इंटरनेट के समस्याग्रस्त उपयोग का विस्तार

पूर्ण

1. भारत में किशोर बच्चों के बीच धूम्रपान, शराब पीने और तंबाकू चबाने के लिए डेटा संग्रह विधियों और संबंधित महामारी विज्ञान मॉडल का तुलनात्मक मूल्यांकन, जैव सांख्यिकी
2. प्लेटलेट एकत्रीकरण द्वारा एस्पिरिन और क्लोपिडोग्रेल प्रतिरोध का अध्ययन तथा भारतीय स्थिर कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों में प्रतिकूल परिणामों के साथ इसका संबंध, कार्डियोलॉजी
3. सिज़ोफ्रेनिया और पार्किंसंस रोग के डोपामाइन डिक्टेटिड स्टेट (स्थिति) में प्रोटीन सिग्नेचर की पहचान के लिए सीएसएफ़ के प्रोटिओमिक्स, डीएसटी द्वारा वित्तपोषित, बायोफिजिक्स
4. एम्स में नर्सिंग छात्रों के बीच व्यक्तित्व, मनोवैज्ञानिक संकट और समायोजन कठिनाइयों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
5. पूरी तरह से दंतहीन बूढ़े रोगियों के वर्किंग मेमोरी प्रक्रिया पर प्रोस्थोडॉन्टिक रिहैबिलिटेशन का प्रभाव, एक कार्यात्मक एमआरआई आधारित पायलट अध्ययन, सीडीईआर

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 50 **सार: 12** **पुस्तकों में अध्याय: 3** **पुस्तकें: 3**

रोगी का उपचार

बाह्य रोगी सेवाएँ

बाह्य रोगी विभाग	**नए मामले**	**फॉलो-अप दौरे**	**कुल**
1. जनरल ओपीडी, एनडीडीटीसी	9,543	66,948	76,401
2. विशेष क्लीनिक			
i) बाल और किशोर	96	549	645
ii) द्वि-निदान	135	605	740
iii) तंबाकू अवसान	45	547	592
iv) महिला क्लीनिक	40	230	270
v) परिवार सशक्तिकरण	42	45	87
कुल विशेष क्लीनिक	358	1,976	2,334
3. नई दिल्ली में सामुदायिक क्लीनिक			
i) त्रिलोक पुरी	295	26,339	26,634
ii) सुंदर नगरी	302	81,081	81,383
iii) कोटला मुबारकपुर	273	34,922	35,195
कुल सामुदायिक क्लीनिक	870	1,42,412	1,42,912
4. कुल योग (1+2+3)	10,681	2,11,266	2,21,947

वार्ड की सेवाएँ

1. प्रवेश की कुल संख्या	1,341
2. उपयोग किए गए कुल बेड	99%
3. ठहरने की औसत अवधि	13 दिन
4. डे केयर वार्ड में आने वाले कुल रोगी	3,104

अन्य रोगी देखभाल आंकड़े

1. कुल मृत्यु	0
2. कार्यदिवस में प्रतिदिन प्रवेश की औसत संख्या	5
3. कार्यदिवस में औसत ओपीडी उपस्थिति	
क. एनडीडीटीसी (नए मरीज)	32
ख. एनडीडीटीसी (पुराने मरीज)	227
ग. त्रिलोकपुरी समुदाय क्लीनिक (नए मरीज)	1
घ. त्रिलोकपुरी समुदाय क्लीनिक (पुराने मरीज)	89
ङ. सुंदरनगरी समुदाय क्लीनिक (नए मरीज)	1
च. सुंदरनगरी समुदाय क्लीनिक (पुराने मरीज)	275
छ. कोटला मुबारकपुर समुदाय क्लीनिक (नए मरीज)	92
ज. कोटला मुबारकपुर समुदाय क्लीनिक (पुराने मरीज)	118

जैव रसायन प्रयोगशाला

1. जैव रसायन परीक्षण 43,128
2. हेमेटोलॉजिकल परीक्षण 17,758
3. एचआईवी स्क्रीनिंग 313

ड्रग स्क्रीन प्रयोगशाला

क्र.स.	ड्रग	संख्या	क्र.स.	ड्रग	संख्या
1.	मॉर्फीन जाँच	3,175	8.	बेंज़ोडायाजेपाइन जाँच	5,630
2.	कोडीन जाँच	2,515	9.	कोटिनाइन जाँच	80
3.	ब्यूप्रेनोर्फीन जाँच	3,435	10.	कैनाबिस जाँच	560
4.	प्रोक्सीवोन जाँच	2,595	11.	बार्बिट्यूरेट जाँच	80
5.	एविल जाँच	2,515	12.	कोकीन जाँच	80
6.	नाल्ट्रेक्सोन जाँच	2,515	13.	इन्हेलेंट जाँच	15
7.	पेंटाज़ोसाइन जाँच	2,515	14.	ट्रामाडोल जाँच	288
मूत्र में जाँच की गई ड्रग्स की कुल संख्या					29,285

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण आयोजन

- एम्स में स्वच्छता पुरस्कार 2018 - डे केयर स्टॉल के लिए सर्वश्रेष्ठ स्टॉल अवार्ड, एनडीडीटीसी
- दिनांक 26 मार्च 2019 को प्रथम एम्स अनुसंधान दिवस समारोह के अवसर पर सीनियर रेजिडेंट श्रेणी में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया

प्रोफेसर राकेश चड्ढा दक्षिण सूडान में मेंटल अस्पताल डिजाइन करने के लिए भारत सरकार की टीम के विशेषज्ञ सदस्य थे; टीम के सदस्य के रूप में साइट निरीक्षण के लिए दिनांक 2-5 जनवरी 2019 को दक्षिण सूडान का दौरा किया; इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री, रोहतक के 25 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में दिनांक 16-18 नवंबर 2018 को वेंकोबा राव ओरेशन दिया; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, भाजपा अंतर्राष्ट्रीय; अध्यक्ष, पुरस्कार समिति, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री, 2018-2021; अध्यक्ष, इंजेक्शन ड्रग उपयोगकर्ताओं पर तकनीकी संसाधन समूह; सदस्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय) के तहत नशा मुक्ति अभियान कार्य बल; सदस्य, शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रतिबंध (निरोध) के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयन समिति (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय); एम्स, जोधपुर, भुवनेश्वर, गोरखपुर की चयन समिति के सदस्य थे; स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक; केजीएमयू, लखनऊ; चयन समिति में यूपीएससी के सलाहकार रहे हैं; विभिन्न भूमिकाओं में सहायक एनबीई; सदस्य, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) समिति।

प्रोफेसर राका जैन ने ड्रग डिपेंडेंस (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन) पर डबल्यूएचओ के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में काम किया, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) में ड्रग डिपेंडेंस (40 वीं ईसीडीडी) पर 40 वीं विशेषज्ञ समिति की बैठक में दिनांक 4-8 जून 2018, डब्ल्यूएचओ मुख्यालय, जेनेवा, स्विट्जरलैंड में भाग लिया; ड्रग डिपेंडेंस (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन) पर डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, वर्किंग ग्रुप द्वारा आगामी 41वीं ईएसडीडी को तैयार करने के लिए डबल्यूएचओ मुख्यालय, जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड में दिनांक 24-25 सितंबर 2018 तथा दिनांक 26-27 सितम्बर को न्यू साइकोएक्टिव सब्स्टेंस पर 5वें डबल्यूएचओ/यूएनओडीसी एक्सपर्ट परामर्श में भाग लिया; ड्रग डिपेंडेंस (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन) पर डबल्यूएचओ के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में दिनांक 12-16 नवंबर 2018 को, डबल्यूएचओ मुख्यालय, जिनेवा, स्विटजरलैंड में ड्रग डिपेंडेंस पर 41 वीं विशेषज्ञ समिति की बैठक (41 वें ईसीडीडी में भाग लिया; वर्ष 2018 में मनोचिकित्सा में एमडी थीसिस शोध प्रबंध के मूल्यांकन के लिए परीक्षक के रूप में नियुक्त, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस), एमओएच एंड एफ़डब्ल्यू, भारत सरकार; मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस), एमओएच एंड एफ़डबल्यू, भारत सरकार (फरवरी 2019) में संकाय पद के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त, मानसिक स्वास्थ्य और पदार्थों के उपयोग में अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सोसायटी के लाइफ सदस्य।

प्रोफेसर राकेश लाल उनके डॉक्टर के प्रशिक्षण के साथ ड्रग डिपेंडेंस मैनेजमेंट सेंटर स्थापित करने के लिए रेल मंत्रालय के सलाहकार थे; कोलंबो योजना: उपचार विशेषज्ञ सलाहकार समूह के सदस्य थे।

प्रोफेसर अंजू धवन ने इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम) प्रशिक्षण और शिक्षा समिति की सदस्यता प्राप्त की; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए अल्कोहल सेवन विकार पर विकसित मानक उपचार वर्कफ़्लो विकसित किया; विभिन्न सेटिंग्स में बच्चों में मादक पदार्थों के सेवन संबंधी रोकथाम और उपचार के लिए ड्राफ्ट एक्शन प्लान डॉक्यूमेंट और विवरणिका विकसित की; चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यूके के लिए अनुसंधान प्रस्ताव की समीक्षा; बदलती दुनिया में युवा लोगों और मानसिक स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्याख्यान में बच्चों के बीच नशाखोरी पर व्याख्यान, 9 अक्टूबर 2018, एम्स, नई दिल्ली; 27 सितंबर 2018 और 9 मार्च 2019 को एम्स, नई दिल्ली में छात्र कल्याण कार्यक्रम में पदार्थ के उपयोग के बारे में संवेदनशीलता; एनडीडीटीसी और इसकी गतिविधियों के बारे में विवरणिका का विकास; 22 नवंबर 2018 को एनआईएमएचएएनएस में डीएम व्यसन मनोचिकित्सा परीक्षा संचालित की।

प्रोफेसर सोनाली झांजी को डब्ल्यूएचओ एफसीटीसी सचिवालय / डब्ल्यूएचओ व्यसन मुक्ति बैठक, दिनांक 15-16 मई 2018, बर्लिन में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था; एमओएच और एफडब्ल्यू द्वारा "डेंटल कॉलेजों में तंबाकू समाप्ति केंद्रों की स्थापना के लिए दिशानिर्देश और ब्रीथ कार्बन मोनोऑक्साइड मॉनिटर के तकनीकी विशेष वर्णन" को अंतिम रूप देने हेतु बुलाई गई एक सलाहकार समिति का एक हिस्सा और निम्नलिखित रिपोर्ट "दंत चिकित्सा संस्थानों में तंबाकू समाप्ति केंद्रों की स्थापना" : भारत में एक एकीकृत दृष्टिकोण, एमओएच और एफडब्ल्यू, 2018” में योगदान दिया; मेडिकल कॉलेजों में तम्बाकू समाप्ति केंद्रों की स्थापना के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के लिए एमओएच एंड एफडब्ल्यू द्वारा बुलाई गई एक सलाहकार समिति का हिस्सा।

प्रोफेसर अतुल अम्बेकर ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (जेनेवा) को नशे की लत से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों पर विशेषज्ञ सलाह प्रदान की और चांगशा, चीन (नवंबर 2018) में विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया; वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में नामित, ड्रग पॉलिसी सम्मेलन (2019) के अध्ययन के लिए इंटरनेशनल सोसायटी, पेरिस; चेयरपर्सन, एडिक्टिव डिसऑर्डर सब-स्पेशलिटी, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (आईपीएस) के रूप में नामांकित।

डॉ. वाईपीएस बल्हारा को दिनांक 16-18 मई 2018 से कनाडा के वैंकूवर में आयोजित 2018 आईएसएसडीपी सम्मेलन में भाग लेने के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ ड्रग पॉलिसी (आईएसएसडीपी) द्वारा ओएसएफ एशियाई छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया; कोलंबो प्लान ड्रग एडवाइजरी प्रोग्राम (सीपीडीएपी) के पदार्थ उपयोग विकार के लिए उन्नत स्तर के सार्वभौमिक उपचार पाठ्यक्रम (यूटीसी) को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ कार्य समूह के सदस्य; साइबर जागरूकता राजदूत कार्यक्रम पर सलाहकार पैनल के सदस्य, दक्षिण-पूर्व जिला, दिल्ली पुलिस, भारत; मेडिकल छात्रों के लिए मनोचिकित्सा शिक्षा पर डब्ल्यूपीए समिति के सदस्य; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डुअल डिसऑर्डर

(डबल्यूएडीडी) के जोनल प्रतिनिधि के रूप में नामांकित; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डुअल डिसऑर्डर (डबल्यूएडीडी) की सलाहकार समिति, वर्ष 2018-2021 के निर्वाचित सदस्य।

डॉ. जीएस कालोइया इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (आईएसीपी) के माननीय महासचिव, 2018-2020; दिनांक 10 से 14 दिसंबर 2018 को कोलंबो, श्रीलंका में दक्षिण एशिया के यूएनओडीसी क्षेत्रीय कार्यालय (यूएनओडीसी आरओएसए) द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया के लिए पदार्थों पर निर्भर युवाओं के लिए परिवार के हस्तक्षेप पर टीओटी पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया; केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए), महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के एनओसी विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

डॉ. रविन्द्र राव गुजरात स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के लिए ओपियोड सब्स्टीट्यूशन थेरेपी के सेवा प्रदाताओं की क्षमता निर्माण के विशेषज्ञ थे; पंजाब राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के लिए ओपियोइड सब्स्टीट्यूशन थेरेपी के सेवा प्रदाताओं का प्रशिक्षण; स्वास्थ्य विभाग, पंजाब सरकार द्वारा समर्थित आउट पेशेंट ओपियोड एगोनिस्ट उपचार क्लीनिक का आकलन; पंजाब राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा आयोजित ओपियोड सब्सटेशन थेरेपी के सेवा प्रदाताओं की समीक्षा-सह-उन्मुखीकरण बैठक में तकनीकी विशेषज्ञ; विशेषज्ञ, प्रत्यायन समिति, राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड ऑफ हॉस्पिटल्स एंड हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स द्वारा नशेड़ियों के लिए एकीकृत पुनर्वास केंद्र के लिए एनएबीएच प्रत्यायन कार्यक्रम।

डॉ. अश्विनी कुमार मिश्रा टोबैको रेगुलेटरी साइंस पत्रिका के सह-संपादक थे; ह्यूमन बिहैवियर एंड एलाइड साइंसेज संस्थान (आईएचबीएएस) में क्लीनिकल साइकोलॉजी विषय में एम. फिल कोर्स की परीक्षा हेतु अनुसंधान मेथडोलॉजी के पेपर, अनुसंधान मेथडोलॉजी एवं जैव सांख्यिकी के पेपर पर नर्सिंग परीक्षा के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) में बाह्य परीक्षक; नैदानिक जैव सांख्यिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी, अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय संस्थान, सांख्यिकीय शिक्षा के अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ, चिकित्सा सांख्यिकी के लिए इंडियन सोसाइटी, जनसंख्या पर अध्ययन के लिए भारतीय एसोसिएशन के सदस्य थे।

डॉ. बिस्वदीप चटर्जी जर्नल ऑफ़ साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन एंड मेंटल हेल्थ पत्रिका, इंडियन जर्नल ऑफ़ साइकोलॉजिकल मेडिसिन के समीक्षक थे; एम्स में स्वच्छता पुरस्कार 2018 - एनडीडीटीसी में पुनर्वास सुविधाओं के संकाय प्रभारी के रूप में डेकेयर स्टॉल के लिए बेस्ट स्टॉल अवार्ड, एनडीडीटीसी प्राप्त किया।

डॉ. आलोक अग्रवाल ने हिमाचल प्रदेश सरकार के निमंत्रण पर सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में काम करने वाले डॉक्टरों और नर्सों के लिए पदार्थ उपयोग के विकारों के उपचार पर 2 प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित कीं; अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) के माध्यम से नशेड़ियों के लिए एकीकृत रिहैबिलिटेशन केन्द्रों के प्रत्यायन हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार को एक्सपर्ट सलाह प्रदान की; इंजेक्टिंग ड्रग उपयोगकर्ताओं के लिए क्षति रिडक्शन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, पंजाब सरकार को विशेषज्ञ सलाह प्रदान की; इंजेक्टिंग ड्रग उपयोगकर्ताओं के लिए क्षति रिडक्शन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु राज्य

एड्स नियंत्रण सोसायटी, हरियाणा सरकार को विशेषज्ञ सलाह प्रदान की; जेल सेटिंग में ड्रग उपयोगकर्ताओं के लिए उपचार और पुनर्वास सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर तिहाड़ जेलों के डीजी विशेषज्ञ सलाह देना; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, नेशनल जर्नल ऑफ सोशल डिफेंस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

डॉ. पियाली मंडल को कोलंबो, श्रीलंका में "नशीली दवाओं के सेवन विकार से पीड़ित युवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र परिवार उपचार पैकेज" के संचालन पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए चुना गया था (दिनांक 10-14 दिसंबर 2018); पदार्थ उपयोग की पत्रिका, चिकित्सा में मनोचिकित्सा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के लिए विद्वत समीक्षक।

डॉ. रोशन भाड 20 वीं आईएसएएम, 2018, बुसान, दक्षिण कोरिया में भाग लेने के लिए आईसीएमआर द्वारा गैर-आईसीएमआर वैज्ञानिक के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान पुरस्कार के प्राप्तकर्ता थे; दिनांक 22 मार्च 2019 को निदेशक महोदय, एम्स द्वारा सीमापुरी, पूर्वी दिल्ली में शुभारंभ की गई दक्षिण एशिया की प्रथम मोबाइल मेथाडोन यूनिट के संचालन में सहायक।

10-7 rf=dk foKku dsUnz

प्रमुख

कामेश्वर प्रसाद (31 जनवरी 2019 तक) एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव (1 फरवरी 2019 से)

तंत्रिका विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

कामेश्वर प्रसाद (31 जनवरी 2019 तक) एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव (1 फरवरी 2019 से)

आचार्य

मंजरी त्रिपाठी, विनय गोयल, अचल श्रीवास्तव, गरिमा शुक्ला (छुट्टी पर), रोहित भाटिया, ममता भूषण सिंह

सह-आचार्य

दीप्ति विभा

सहायक आचार्य

विष्णु वी.वाई., रूपा राजन, दीपा दास, अवध किशोर पंडित, राजेश कुमार सिंह

न्यूरो सर्जरी

आचार्य एवं अध्यक्ष

शशांक शरद काले

प्रतिष्ठित आचार्य

प्रकाश नारायण टंडन, अजीत के. बनर्जी

आचार्य

पी. शरत चंद्र, आशीष सूरी, राजेंद्र कुमार, मनमोहन सिंह, दीपक अग्रवाल (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.), दीपक गुप्ता (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.)

सह-आचार्य

गुरूदत्त सत्यार्थी (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.), पंकज कुमार सिंह (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.), विवेक टंडन, सचिन बोरकर

सहायक आचार्य

हितेश गुर्जर, अमन जगदेवन, शाश्वत मिश्रा, राजीव शर्मा, श्वेता केडिया, रमेश डोड्डामणि, दत्ताराज सावरकर, कंवलजीत गर्ग, मनोज फलक, अमोल रहेजा, सतीश वर्मा, राजेश मीना, शांतनु बोरा

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. बी. गायकवाड़

आचार्य

अजय गर्ग

सह-आचार्य

एस. लेव जोसेफ देवराजन

सहायक आचार्य

अनुज प्रभाकर

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरविंद चतुर्वेदी

आचार्य

मिहिर प्रकाश पांडिया राजेंद्र सिंह चौहान

गिरिजा प्रसाद रथ हिमांशु प्रभाकर

सह आचार्य

ज्ञानिंदर पाल सिंह (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.) आशीष बिंद्रा (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.) नीरज कुमार (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.)

केशव गोयल (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.) नवदीप सोखल (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.)

सहायक आचार्य

चारु महाजन इंदु कपूर

सूर्या कुमार दुबे वनिता राजगोपालन

नैदानिक तंत्रिका-मनोविज्ञान

अपर आचार्य

आशिमा नेहरा

तंत्रिका जैव रसायन

सहायक आचार्य

अशोक शर्मा

तंत्रिका विकृति विज्ञान

आचार्य

चित्रा सरकार मिहिर चंद शर्मा वैशाली सूरी

अस्पताल प्रशासन

आई. बी. सिंह

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अंजली हजारिका

विशिष्टताएँ

इस शैक्षणिक वर्ष में, न्यूरोलॉजी विभाग ने न्यूरोलॉजी में दूसरे एम्स-पीजीआई अपडेट में भाग लिया: एक क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम जिसका उद्देश्य प्रशिक्षण में रेजिडेंटस को विभिन्न प्रकार की न्यूरोलॉजिकल परिस्थितियाँ प्रदान करना है। प्रोफेसर कामेश्वर प्रसाद जनवरी 2019 में केंद्र के प्रमुख और न्यूरोलॉजी के अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त हुए। प्रोफेसर एमवी पद्मा श्रीवास्तव ने फरवरी 2019 से न्यूरोसाइंस केंद्र के प्रमुख और न्यूरोलॉजी विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। विभाग द्वारा कई सीएमई, कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित किए गए थे।

न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा अनेक कार्यशालाएँ, सीएमई और कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। तीन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए। अमेरिका के बहुत प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन, प्रो. रिचर्ड वॉन्स और डेचलिंग पेंग ने एडवांस न्यूरोसर्जिकल प्रोसिजर पर पढ़ाने के लिए इन कार्यशालाओं में हिस्सा लिया। प्रोफेसर दीपक अग्रवाल एक देशी वेंटिलेटर के विकास में सहायक रहे हैं, जो बहुत सस्ता है और भारत जैसे विकासशील देशों के लिए एक वरदान की तरह है।

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग में, 10 वर्ष पुराने 6-स्लाइस सीटी स्कैनर के स्थान पर आधुनिकतम 128 स्लाइस ड्यूल एनर्जी सीटी स्कैनर लगाए गए हैं जिनमें लो-डॉज सीटी प्रोटोकॉल्स हैं और क्लिनिकल रुटीन में फास्टर एक्विजिशन की सुविधा है जिससे अब सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता की इमेज ले पाना सुनिश्चित हो सका है। विद्यमान 1.5 टीएमआर को मरीजों में कलाउस्ट्रोफोबिया को उल्लेखनीय रूप से कम करने के साथ 'साइलेंट एमआर' सिस्टम में अपग्रेड किया गया है।

न्यूरोएनेस्थिसिया विभाग द्वारा कई कार्यशालाओं, सम्मेलनों का आयोजन किया गया है। क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तरों पर ख्याति प्राप्त वक्ताओं द्वारा साइकोलॉजिकल साइंस पर व्याख्यानों की श्रृंखला के एक भाग के रूप में कुछ वार्ताओं का आयोजन किया था।

न्यूरोबायोकेमिस्ट्री द्वारा टीपीएमटी स्क्रीनिंग नामक नए डाइग्नोस्टिक टेस्ट और अन्य टेस्ट्स की शुरुआत की गई है। न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसी के गरीब मरीजों की देखभाल के लिए कोर्पस फंड का आबंटन किया गया था।

तंत्रिका-विज्ञान

विशिष्टताएँ

न्यूरोलॉजी विभाग द्वारा मरीजों की देखभाल, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यों में नए आयाम पाना जारी है। प्रो. एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव ने न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख के तौर पर कार्यभार ग्रहण किया है। यह वर्ष इस बात के लिए उल्लेखनीय रहा है कि न्यूरोलॉजिकल मरीजों को आपात चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गरीब रोगी निधि की शुरुआत की गई है। इससे विभाग द्वारा रोगियों को हर तरह की देखभाल के लिए आपात दाखिले की 24 घंटे मुफ्त सुविधा मुहैया कराई जा सकेगी। इसमें तीव्र रूप से पड़े हृदयाघात और थेराप्यूटिक प्लाज़्मा के बदलाव के लिए मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी जैसे महंगे इलाज शामिल हैं। रिसर्च के क्षेत्र में, विभाग द्वारा उच्च स्तरीय पत्रिकाओं में अपने उत्कृष्ट लेख प्रकाशित किए जा रहे हैं। न्यूरोलॉजी रेजिडेंट्स को व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के भाग के रूप में, नवीन प्रयासों के साथ-साथ एक विद्यार्थी के नेतृत्व में अध्यापन कार्यक्रम की अगुआई की गई।

शिक्षा

छह नए सीनियर रेजीडेंट को शामिल करने के साथ शिक्षण और प्रशिक्षण क्षमताओं को अपग्रेड किया गया, जिसे प्रति वर्ष बारह स्नातक करने वाले योग्य तंत्रिका विज्ञान विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने के लिए बनाया गया है। नियमित शिक्षण जिम्मेदारियों के अतिरिक्त, तंत्रिका विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य एम्स के अंदर कई अंतःविषयक कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों के संचालन में शामिल रहे हैं।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. वर्ल्ड पार्किंसं'स डिजीज डे प्रोग्राम, 1 अप्रैल 2018, नई दिल्ली
2. नेपाल एपिलेप्सी सोसाइटी के लिए चौथी रूरल एपिलेप्सी वर्कशॉप, 4-8 अप्रैल 2018, डडेलधुरा, नेपाल
3. वर्ल्ड मल्टीपल स्क्लेरोसिस डे प्रोग्राम, 30 मई 2018, नई दिल्ली
4. कार्यशाला 'डायग्नोसिस एंड ट्रीटमेंट ऑफ एपिलेप्सी', 9 अगस्त 2018, नई दिल्ली
5. एपिलेप्सी डायग्नोसिस एंड ट्रीटमेंट वर्कशॉप, 15-16 अक्टूबर 2018, लखनऊ
6. वर्ल्ड स्ट्रोक डे प्रोग्राम, 29 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली
7. कम-संसाधन सेटिंग्स में सामान्य न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के प्रबंधन पर कार्यशाला, 12-16 नवंबर 2018, गनियारी, छत्तीसगढ़
8. एपिलेप्सी सर्जरी और एपिलेप्सी न्यूरोबायोलॉजी के लिए 15वीं राष्ट्रीय ईईजी कार्यशाला और मास्टरक्लास, 21-23 नवंबर 2018, वाराणसी
9. चौथी मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी ऑफ इंडिया एनुअल कॉन्फ्रेंस (एमडीएसआईसीओएन 2019), 22-24 फरवरी, 2019, नई दिल्ली
10. नेपाल एपिलेप्सी सोसाइटी के लिए 5वीं ग्रामीण एपिलेप्सी कार्यशाला, 16-18 मार्च 2019, गोरखा, नेपाल

प्रदत्त व्याख्यान

एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव: 20 **मंजरी त्रिपाठी: 5** **विनय गोयल: 3**
अचल के. श्रीवास्तव: 11 **रोहित भाटिया: 11** **ममता भूषण सिंह: 5**
दीप्ति विभा: 11 **विष्णु वी. वाई. : 2** **रूप राजन: 7**
दीपा दास: 11 **अवध किशोर पंडित: 1** **राजेश कुमार सिंह: 2**

मौखिक पत्र / प्रस्तुत पोस्टर: 56

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ट्यूबरकुलोसिस मैनिंजाइटिस वाले रोगियों में इन्फार्कशन की भविष्यवाणी के लिए नैदानिक ग्रिड का विकास, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, 4 वर्ष, 2015-2019, रुपये 59.99 लाख
2. अनिर्धारित स्रोत के एम्बोलिक स्ट्रोक वाले रोगियों में थ्रोम्बिन इंहिबिटर डाबिगट्रेन टेक्सीलेट 110 या 150 मि.ग्रा. (दिन में तीन बार) बनाम एसिटिलीसाइक्लिक एसिड (100 मि.ग्रा. दिन में एक बार) की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना में माध्यमिक स्ट्रोक की रोकथाम में यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड मूल्यांकन, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, बीआई, 3 वर्ष, 2016-19, रुपये 51 लाख
3. एचपी में स्ट्रोक के संबंध में वैज्ञानिक जागरूकता तथा स्वास्थ्य अभ्यास के बीच के अंतर को पाटना, उसकी मैपिंग तथा शोधः नए, इंटरएक्टिव / प्रदर्शनकारी विज्ञान संचार अपनाना, एमवी पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, तीन वर्ष, 2016-2019, रुपये 40.45 लाख
4. स्ट्रोक के रोगियों में पोस्चरल स्थिरता और गति पर फ्लूक्साइटीन और ट्रान्सक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टीमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ संयोजन में दोहरा-कार्य अभ्यास का प्रभाव, एमवी पद्मा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 50.60 लाख
5. पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में शारीरिक, शरीरक्रियात्मक और कार्यात्मक स्वास्थ्य पर योग का प्रभाव: एक आरसीटी, एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, दो वर्ष, 2017-2019, रुपये 43.23 लाख
6. संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक जैव मार्कर्स आधारित चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में क्लासिकल आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की पैथो बायोलॉजी का वर्णन करना, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 31.33 लाख
7. स्ट्रक्चर्ड सेमी-इंटरएक्टिव स्ट्रोक प्रीवेंशन पैकेज इन इंडिया (स्प्रिंट इंडिया) द्वारा सेकेंडरी प्रीवेंशन के अध्ययन और इंडियन स्ट्रोक क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क (इंस्ट्रक्ट) की स्थापना, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 3.29 लाख रुपये एवं रुपये 12.11 लाख
8. हाइपोक्सिक आइस्केमिक मस्तिष्क की चोट में नोर्मोबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी, फ्लूक्साइटिन और ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टीमुलेशन (आरटीसीडीएस) की भूमिका-एचआईबीआई पहल, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023, रुपये 106.03 लाख

9. एक्यूट इस्कीमिक स्ट्रोक अथवा ट्रांजिएंट इचेमिक अटैक वाले रोगियों मे स्ट्रोक अथवा मृत्यु की रोकथाम में टाइकाग्रेलर और एएसए की क्षमता और संरक्षा के अन्वेषण के लिए रैंडोमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-कंट्रोल्ड, इंटरनेशनल, मल्टीसेंटर, फेज-III अध्ययन (टीएचएएलईएस- दिल के दौरे और मृत्यु को रोकने के लिए एक्यूट स्ट्रोक अथवा ट्रांजिएंट इचेमिक अटैक) का टाइकाग्रेलर तथा एएसए से उपचार, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, एस्ट्रा-जेना, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 3.92 लाख
10. क्या वायु प्रदूषण और मौसमी बदलाव दिल के दौरे के जोखिम के कारण हैं? युवा भारतीयों में दिल के दौरे के विशेष संदर्भ में और तीखे दर्द के साथ दिल के दौरे के प्रकार : एक मल्टी-सेंटर स्टडी, एमवी पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 59.11 लाख
11. एडल्ट एपिसॉडिक माइग्रेशन पेशेंट (EMPOWER) में प्लेसीबो की तुलना में माह में एक बार सबक्युटेनियस एएमजी 334 की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा के मुल्यांकन हेतु एक 12 सप्ताह की डबल ब्लाइंड, रैंडोमाइज्ड मल्टी-सेंट्रिक स्टडी, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, नोवार्टिस, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 0.9 लाख
12. भारत में दिल के दौरे संबंधी देखभाल के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च का ग्लोबल हेल्थ रिसर्च ग्रुप, यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल लैंकशायर, भारत में दिल के दौरे की देखभाल में सुधार (IMPROVISE), एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, एनआईएचआर-यूसीएलएएन,-यूके, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 42 लाख
13. सेंटर फॉर एक्सीलेंस - एपिलेप्सी - मैग्नेटोएनसेप्लोग्राफी (एमईजी) प्रोग्राम, मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 3,00 लाख
14. सीआरआईएसपीआर-बेस्ड एडिटिंग ऑफ रेगुलेटरी रीजन और एक्सपेंडेड ट्रिपलेट को भारत के सर्वाधिक कॉमन हेरेडिटरी एटॉक्सियस में थेरेपेटिक दृष्टिकोण को दोहराता है, अचल के. श्रीवास्तव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 125.35 लाख
15. एफएक्सएन जीन और एसोसिएटिड ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स में रिप्रेसर साइटों को फ्रेडरिच एटेक्सिया में पोटेंशियल थेरेपेटिक एप्रोच के रूप में टारगेट करना, अचल के श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 62.27 लाख
16. टेम्पोरल लॉब एपिलेप्सी के रोगियों में नींद की विशिष्ट असामान्यताओं को टारगेट करना, ताकि बोध क्षमता में सुधार हो सके - एक रैंडेमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी, अचल के श्रीवास्तव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 45.60 लाख
17. मल्टीपल स्केलेरोसिस की पैथोबायोलॉजी को समझना; बायोमार्कर, फिनोटाइपिक और जीनोटाइपिक सिगनेचर्स, रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, रुपये 1.2 करोड़
18. एस्चेमिक स्ट्रोक वाली भारतीय जनसंख्या में एस्पिरिन प्रतिरोध से जुड़े जेनेटिक और नैदानिक कारक, रोहित भाटिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 58 लाख
19. एमयोट्रोपिक लेटरल स्लेरोसिस वाली भारतीय रोगियों का जीनोमिक और प्रोटोमिक केरेक्टेराइजेशन, रोहित भाटिया, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 20 लाख

20. एस्चेमिक स्ट्रोक वाली भारतीय जनसंख्या में एस्पिरिन प्रतिरोध से जुड़े जेनेटिक और नैदानिक कारक, रोहित भाटिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 58 लाख
21. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक के रोगियों में मानक सहायक देखभाल के साथ पीएमजेड-1620 थेरेपी की सुरक्षा और दक्षता की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी, बहुआयामी, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समांतर, सेलाइन नियंत्रित चरण II नैदानिक अध्ययन, दीप्ति विभा, फार्माज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2017-2019, रुपये 4 लाख।
22. पोस्ट स्ट्रोक दौरे (प्रोलेविस), की रोकथाम के लिए प्रोफाइलेक्टिक लेविटिरैसेटम का एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन, विष्णु वीवाई, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 29 लाख
23. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक में सिटिकोलीन पुनर्नवीनीकरण चिकित्सा, विष्णु वीवाई, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2018-2019, रुपये 5 लाख
24. ऑटोमेटेड हैंड-ड्रॉन स्पाइरल एनालिसिस प्लेटफॉर्म एज ए टूल टू डिफरेंशिएट ट्रेमर सिंड्रोम, रूपा राजन, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 42 लाख
25. डिस्टोनिक हाथ के कंपकंपी के इलाज के लिए बोटुलिनम विषाक्त इंजेक्शनः एक यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित, समांतर समूह परीक्षण, रूपा राजन, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 4.82 लाख
26. इंडियन मूवमेंट डिसऑर्डर रजिस्ट्री एवं बायोबैंक: मूवमेंट डिसऑर्डर वाले भारतीय रोगियों में क्लिनिकल और जेनेटिक इवैल्यूएशन, रूपा राजन, डीबीटी, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 73.37 लाख
27. ट्यूबरक्युलर मेनिंनजाइटिस के रोगियों के नैदानिक परिणाम के साथ होस्ट ल्यूकोट्रियन ए4 हाइड्रोलेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म का एसोसिएशन, दीपा दास, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 49 लाख
28. दृष्टि की हानि के साथ इडियोपैथिक इंट्राक्रैनियल उच्च रक्तचाप में प्रत्याशी सीएसएफ बायोमार्कर्स की पहचान करने के लिए एक अन्वेषक अध्ययन, अवध किशोर पंडित, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 2.5 लाख।
29. मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी (एमटीएलई) के रोगियों में एटीएफ 3 और टीजीएफ β के संकेत की भूमिका का निर्धारण, राजेश के सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 9.44 लाख

पूर्ण

1. एक इंटरनेशनल मल्टी-सेंटर, ओपन पैरलल ग्रुप, प्रोसपेक्टिव, रेंडमाइज्ड, कंट्रोल्ड ट्रायल ताकि कार्डियोवेस्क्यूलर (सीवी) सीवियर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) कम करने में मानक देखभाल के अतिरिक्त कंटिन्युअस पोजिटिव एयरवेज़ प्रेशर (सीपीएपी) के साथ इलाज की प्रभाविता की पहचान की जा सके, मंजरी त्रिपाठी, यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, 5 वर्ष, 2013-2108, रुपये 60 लाख
2. रीलेप्सिंग मल्टीपल स्क्लेरोसिस के मरीजों में पीईजिलेटिड इंटरफेरॉन बीटा-1ए (BIIB017) की क्षमता और संरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक मल्टीसेंटर, रेंडमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, पैरेलल-ग्रुप, प्लेसबो-कंट्रोल्ड स्टडी, मंजरी त्रिपाठी, बायोजेन आईडेक लिमिटेड, 5 वर्ष, 2013-2018, रुपये 5 लाख

3. स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप-2 (एससीए-2) पैथोजेनेसिस को मॉड्यूलेट करने वाले माइक्रोआरएनए सिग्नेचर और उनके लक्षित जीन की पहचान अचल के श्रीवास्तव, डीबीटी, 2 वर्ष, 2015-2018, रुपये 86.95 लाख
4. सेरेबेलर एटैक्सीस के रोगियों में कैजुअल और संशोधक बदलावों को प्रकट करने के लिए माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम और एक्सोमेस का डीप लक्षित क्लिनिकल अनुक्रमण, अचल के श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016-2019, रुपये 82 लाख
5. एमाइट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस और एएलएस-फ्रंटोटेम्पोरल डेमेंशिया में आनुवंशिक कैजुअल और जोखिम एलील की पहचान, दीप्ति विभा, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2018, रुपये 4 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अस्पताल में दाखिल दिल के दौरे के रोगियों के परिणामों में सुधार और जटिलताओं में कमी लाने हेतु देखभाल करने वालों की शिक्षण संबंधी भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक क्लिनिकल ट्रायल
2. मस्तिष्क के कार्य और वित्तीय निर्णय लेने के संबंधों का अध्ययन
3. मिरगी के रोगियों में कोंप्लीमेंट्री मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी के रूप में फिजीकल एक्सरसाइज के प्रभाव का आकलन
4. स्पष्ट रूप से इडियोपैथिक स्पोरेडिक प्रोग्रेसिव सेरेबैलर एटेक्सिया में ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्ट और बीमारी की गंभीरता के साथ स्लीप डिसफंक्शन और इसके पारस्परिक संबंध का आकलन
5. स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12 में कंपन और चाल की विशेषता
6. एक तृतीयक रैफरल अस्पताल में हाइपोकाइनेटिक और हाइपरकाइनेटिक डिसऑर्डर्स का क्लिनिकल स्पेक्ट्रम और नेचुरल कोर्स
7. फोकल एपिलेप्सी रोगियों की जांच में सीईसीटी और एनसीसीटी की तुलना - एक प्रोसपेक्टिव ऑबजर्वेशनल स्टडी
8. ट्यूबरक्युलर मेनिंजाइटिस में डेक्सैमेथेसोन के रजिमेंस की तुलना-एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
9. एपिलेप्सी मॉनिटरिंग यूनिट (ईएमयू) में लेट्रेलाइजिंग और लोकेलाइजिंग सीजर्स में इक्टल फेज़ के दौरान कस्टमाइज्ड बनाम रेगुलर टैस्टिंग बैटरी
10. एस्केलेट : ट्यूबरक्यूलर मेनिंजाइटिस के इन्टेंसिव फेज़ में ट्रीटमेंट पर एक एडऑन के रूप में लाइनज़ोलिड - एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
11. अस्पताल में दाखिल दिल के दौरे के रोगियों के परिणामों में सुधार और जटिलताओं में कमी लाने हेतु देखभाल करने वालों की संरचनात्मक शिक्षण की भूमिका का मूल्यांकन - एक क्लस्टर रेंडेमाइज्ड ट्रायल
12. जीनॉम वाइड स्क्रीनिंग द्वारा नॉवेल अनस्टेबल टेंडम न्यूक्लियोटाइड रिपीट लॉसी की पहचान और जेनेटीकली अनकेरेक्टेराइज़्ड पैथोजेनेसिस के प्रोग्रेसिव सेरेबैलर एटासिएक्स में उनका क्रियान्वयन

13. भारत में मिर्गी के व्यक्तियों के लिए स्टीग्मा के लिए हस्तक्षेप।
14. मिर्गी के रोगियों में केटोजेनिक आहार।
15. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक में थेरेपी पर एक ऐडऑन के रूप में एनएसी, यादृच्छिक परीक्षण
16. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग की गैर-गतिहीन अभिव्यक्तियाँ
17. इंट्राक्रैनील हैमरेज में प्रोफिलैक्टिक एंटीपीलेप्टिक
18. प्री सर्जिकल एपिलेप्सी के दौरान सीजर्स के टर्मिनेशन में इन्ट्रानेसल बनाम इन्ट्रामस्क्यूलर मिडजोलाम की क्षमता की तुलना हेतु रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल - वीईईजी मॉनिटरिंग
19. पार्किंसंस रोग में दोहराव वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय स्टीमुलेशन की भूमिका की यादृच्छिक जांच।
20. न्यूरोडीजनरेटिव डिसऑर्डर की पैथोफिजियोलॉजी में माइक्रो आरएनए की भूमिका : स्पीनोकेयरबैलर एटेक्सिया टाइप 2 (एससीए2)
21. ड्रग रिफ्रेक्ट्री एपिलेप्सी में सामाजिक संज्ञान और एपिलेप्सी सर्जरी का प्रभाव ।
22. स्ट्रोक के बाद की घबराहट में फ्लुओक्सेटीन की प्रभावकारिता का अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
23. हाई-थ्रुपूट प्रोटियोमिक्स एप्रोच के इस्तेमाल से स्ट्रोक की भिन्नता के लिए ब्लड-बेस्ड प्रोटीन बायोमार्कर्स की डायग्नोस्टिक परफोर्मेंस की विशेषताओं का निर्धारण करना
24. स्पिनोकेयरबैलर एटेक्सियास में ट्रिपलेट रिपीट्स फ्लेंक्ड हेप्लोटाइप रीजन और माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम में फंक्शनल जेनेटिक एलिमेंट्स की पहचान करना
25. माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम और ट्रांसक्रिप्टोमी विश्लेषण के माध्यम से फ्रेडरिच एटेक्सिया (एफआरडीए) फीनोटाइप के आण्विक सह-संबंध का अध्ययन करना
26. एपिलेप्सी में इंट्रिक्टल जेनरेलाइज्ड स्पाइक और वेव डिस्चार्जिज में 8-चैनल ईईजी की उपयोगिता - एक डायग्नोस्टिक स्टडी
27. मिरगी के रोगियों में एसएमएस टेक्स्ट मैसेज के माध्यम से सीजर हेल्पलाइन का उपयोग - एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
28. एससीए 12 रोगियों में एफएक्सटीएएस रेटिंग पैमाने की मान्यता

पूर्ण

1. ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल (आरसीटी) ऑफ अर्ली वर्सेस लेट सर्जरी इन चाइल्डहुड इंट्राक्टेबल एपिलेप्सी
2. उपचार कराने वाले इस्चेमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में सिटिकोलिन, यादृच्छिक परीक्षण
3. ऑटोसोमल रिसेसिव सेरेबेलर अटेक्सियास का डिकंवोल्यूशन: क्लिनिकोजेनेटिक दृष्टिकोण और फिनोटाइपिक जीनोटाइपिक सहसंबंध
4. माइग्रेन में योग किए जाने का प्रभाव, एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल (कोंटेन)
5. सिरदर्द पर मोबाइल और इंटरनेट उपयोग का प्रभावः एक क्रांस सेक्शनल अध्ययन

6. 1 वर्ष से 18 वर्ष आयु के रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी वाले बच्चों में मॉडिफाइड एटकिंस डाइट बनाम केटोजेनिक डाइट की प्रभावकारिता
7. टेम्पोरल लॉब एपिलेप्सी से संबद्ध एपिलेप्टोजेनेसिस और हाइपर-एक्साइटेबिलिटी में सेमाफोरिंग की भूमिका को स्पष्ट करना
8. मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी वाले रोगियों में आटोनोमिक डिसफंक्शन का मूल्यांकन
9. एएलएस में रोग के बढ़ने के संबंध में क्लिनिकल प्रोफाइल और वीईजीएफ का मूल्यांकन
10. एंटी-एपिलेप्टिक दवाएं ले रहे मिरगी के रोगियों में इम्यूनोजेनेटिक मेकेनिज्म
11. एंटी-एपिलेप्टिक दवाएं ले रहे मिरगी के रोगियों में इम्यूनोजेनेटिक मेकेनिज्म
12. ल्यूकोरायोसिस और माइक्रोब्लीड्स और हेमेटोमा विस्तार और परिणाम से संबंध
13. मस्क मायस्थेनिया ग्रेविस
14. नींद में मेडियोडोरसल थैलेमिक न्यूक्लाई की भूमिका
15. न्यूरोडीजनरेटिव बीमारी में सरटिन प्रोटीन की भूमिका और इसका थेराप्यूटिक इम्पलिकेशन
16. न्यूरोलॉजिकल माइटोकोंड्रियल डिसऑर्डर में क्लिनिकल, हिस्टोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल विशेषताओं का अध्ययन
17. फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) का उपयोग करके क्रोनिक इंट्रेक्टेबल एपिलेप्सी में संज्ञान एवं जीवन गुणवत्ता का अध्ययन
18. मेरालजिया पारेस्थेटिका में ट्रायमेसीनोलोन।
19. आईसीएच के साथ एक भारतीय कोहोर्ट में आईसीएच और आईसीएचजीएस स्कोर की मान्यता

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रारंभिक चरण के पार्किंसंस रोग में व्यायाम की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पीएमआर
2. एक्यूट इडियोपैथिक इन्ट्राक्रेनियल हाइपरटेंशन के मामलों में डिस्क एडिमा के रिडक्शन में वजन के माप का एक टेम्पोरल इवैल्यूएशन, नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. मिर्गी परीक्षणों को चलाने के लिए एक इंटरनेट आधारित मंच का एक अंतरराष्ट्रीय प्रायोगिक अध्ययन, (ईपीआईएनईटी), ऑकलैंड विश्वविद्यालय
4. एचआईवी और एड्स रोगियों के साथ रहने वाले लोगों में क्रिप्टोकोक्कल एंटीजनेमिया, मेडिसन
5. डिमेंशिया साइंस प्रोग्राम : डिमेंशिया का प्रसार / जोखिम / इंटरवेंशन का विश्लेषण और उसकी बेसिक रिसर्च, एनबीआरसी, मानेसर, गुरुग्राम, एच.आर.
6. मिरगी वाले रोगी में निराशा (पी.डब्ल्यू. ई.): सीरम बायोमार्कर्स और सीवीईपी2सी19 पॉलिमॉर्फिज्म के साथ पारस्परिक संबंध, एक पायलट स्टडी, इन्ट्राम्यूरल कोलेब्रोटिव
7. रेट मिडिल सेरेब्रल आर्टरी ओक्लुशन में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मॉडुलेशन का प्रभाव, 2017, शरीर रचना

8. एमियोट्रोपिक लेटरल स्क्लेरोसिस वाले भारतीय रोगियों का जीनोमिक और प्रोटियोमिक लक्षण वर्णन, आईआईटी, दिल्ली
9. एमआरआई तकनीक 2016 का उपयोग कर पीडी में बायोमार्कर की पहचान, एनएमआर।
10. हल्की संज्ञानात्मक गिरावट के साथ पार्किंसंस रोग के रोगियों के मस्तिष्क में कार्यात्मक और बायोकेमिकल सहसंबंधी की मैपिंग, एनएमआर, 2016
11. डिसीजन मेकिंग का न्यूरल बेसिस: मेडिकल टेम्पोरल लॉब एपिलेप्सी पेशेंट में कॉगनिटिव फंक्शन का लेटरेलाइजेशन, आईआईटी, दिल्ली
12. वित्तीय निर्णय लेने संबंधी सिद्धांत के लिए प्लास्टिसिटी विकल्प और एक्पेरिमेंटल एविडेंस, टेक्निकल यूनिवर्सिटी ड्रेसडेन, जर्मनी एवं डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली
13. पार्किंसंस रोग और स्किजोफ्रेनिया पर प्रोटियोमिक अध्ययन, जैव भौतिकी
14. डोपामाइन निर्देशित पार्किंसंस रोग की अवस्था में प्रोटीन सिग्नेचर की पहचान के लिए सीएसएफ के प्रोटीयोमिक्स तथा शिजोफ्रेनिया 2014, जैव भौतिकी
15. कुष्ठरोग प्रेरित पेरिफेरल न्यूरोपैथी, डर्माटोलॉजी एवं वेनेरियोलॉजी में प्लेटलेट से परिपूर्ण प्लाज्मा के प्रभाव का अध्ययन
16. एकाधिक स्क्लेरोसिस की पैथोबायोलॉजी को समझना: बायोमार्कर्स, जेनेटिक और फेनोटाइपिक सिग्नेचर्स, आईजीआईबी, दिल्ली

पूर्ण

1. पोस्ट स्ट्रोक अफेसिया में व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास, न्यूरोसाइकोलॉजी
2. पार्किंसंस रोग में चुनिंदा ध्यान पर सबथैलेमिक नाभिक के तीव्र गहरे मस्तिष्क उत्तेजना का प्रभाव, फिजियोलॉजी
3. वयस्क ट्यूबरकुलोसिस मेनिनजाइटिस और दवा प्रतिरोधकता के नैदानिक निदान में सहायता हेतु सूक्ष्मजीवविज्ञान तकनीकों की क्षमता, माइक्रोबायोलॉजी
4. अपवर्तक स्थिति एपिलेप्टिकस के उपचार की वैश्विक लेखा परीक्षा, यूके-इटली
5. सीएएस से पूर्व और उपरांत गंभीर प्रोक्सिमल सर्वाइकल आईसीए स्टेनोसिस वाले रोगियों में रेस्टिंग स्टेट सेरेब्रल परफ्यूजन के मूल्यांकन में मल्टीपल पोस्ट लेबलिंग डिले के साथ पीसी-एएसएल की भूमिका
6. पार्किंसंस रोग में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए उत्परिवर्तन और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों का अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा
7. मायस्थेनिया ग्रेविस, स्कूल ऑफ नर्सिंग

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 52 सारः 40 पुस्तकों में अध्यायः 6 पुस्तकें: 1

रोगी उपचार

तंत्रिका विज्ञान विभाग न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को बाहय रोगी, अंतरंग रोगी और आपातकालीन उपचार प्रदान करता है। सामान्य न्यूरोलॉजी उपचार के अलावा, स्ट्रोक, एपिलेप्सी, मूवमेंट डिसऑर्डर, न्यूरोमस्क्यूलर डिसऑर्डर के क्षेत्र में सबस्पेशलिटी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। विभाग न्यूरोलॉजी की सभी उप-विशिष्टताओं में उपचार के लिए आधुनिकतम सुविधाएं प्रदान करता है और मूवमेंट विकारों के लिए तीव्र स्ट्रोक उपचार, मिर्गी सर्जरी और कार्यात्मक न्यूरोसर्जरी के लिए देश में रोगियों की सबसे ज्यादा संख्या वाले केंद्रों में से एक है। इमरजेंसी सेटिंग में थ्रोम्बोलाइटिक सहित स्ट्रोक हेतु सभी तरह के एक्यूट केयर रोगियों को निःशुल्क प्रदान की जाती है। वर्ष 2018-2019 में न्यूरोलॉजी ओपीडी में 29,334 नए पंजीकरण और 46,320 पुराने पंजीकरण (कुल 75,654 मरीज) हुए।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव को वर्ष 2018 में फैलोशिप टू रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस (एफआरसीपी) अवार्ड से सम्मानित किया गया था; वर्ष 2018 के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा "बलदेव सिंह ओरेशन" अवार्ड से सम्मानित; "होमोसिस्टीन लोअरिंग स्ट्रोक पेशेंट्स इन इंडिया: स्ट्रेटेजिक प्लानिंग", यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा, यूएसए पर वर्चुअल नेटवर्क्ड सेंटर पर आईयूएसएसटीएफ प्रोजेक्ट।

प्रोफेसर मंजरी त्रिपाठी ने वर्ष 2017-2018 के एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2018 के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, एम्स, नई दिल्ली; 11वीं एशियाई और ओशिनिया मिर्गी कांग्रेस हांगकांग में एन आउटस्टेंडिंग अचीवमेंट एपिलेप्सी अवार्ड के लिए असाधारण योगदान।

प्रोफेसर अचल के श्रीवास्तव को सितंबर 2018 में रायपुर में इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के 26वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'डिफरेंशिएशन ऑफ ऑटोनोमिक डिसफंक्शन इन मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी सबटाइप्स एंड पार्किंसंस डीसिज़' नामक शोध कार्य के लिए पोस्टर अवार्ड-द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ**;** 2-3 फरवरी **2019** को नई दिल्ली में दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनएसीओएन-2019) के 21वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'नीड ऑफ नेक्सट जेनेरेशन सीक्वेंसिंग टेक्नोलॉजी टू डी-कोन्वोल्यूट ए.आर. सेरेबेरल एटेक्सियास इन इंडिया' सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार-द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रोफेसर रोहित भाटिया को मौखिक प्रस्तुति आईएनएससी 2018 के लिए पोस्टर पुरस्कार मिला; सदस्य राष्ट्रीय स्ट्रोक दिशानिर्देश, भारत सरकार; पीएचडी छात्र युवा अन्वेषक पुरस्कार के लिए चयनित, विश्व स्ट्रोक कांग्रेस 2018; आमंत्रित समीक्षक, सार ग्रेडिंग, अंतर्राष्ट्रीय स्ट्रोक सम्मेलन, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन; स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए सदस्य संस्थान नीति विषयक समिति; सदस्य, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर) एम्स; सदस्य डीन अनुसंधान समिति, एम्स।

डॉ दीप्ति विभा को यंग लू लिन स्कूल ऑफ मेडिसिन, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में न्यूरोसोनोलॉजी में ट्रेनीशिप के लिए चुना गया था; अमेरिका में इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी-एसोसिएशन ऑफ इंडियन न्यूरोलॉजिस्ट (आईएएन-एआईएनए) के लिए चयनित; स्ट्रोक सर्विसेज,

पिट्सबर्ग मेडिकल सेंटर (यूपीएमसी) विश्वविद्यालय में स्ट्रोक के लिए पर्यवेक्षक फेलोशिप; इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसेज, नई दिल्ली में तकनीकी समिति के सदस्य; एम्स द्वारा स्ट्रोक और मल्टीपल स्क्लेरोसिस पर आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रमों के लिए विशेषज्ञ पैनलिस्ट के सदस्य; न्यूरोलॉजिकल विकारों से संबंधित विषयों पर दूरदर्शन और आकाशवाणी में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

डॉ विष्णु वीवाई को यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड, वर्ल्ड स्ट्रोक कांग्रेस, मॉन्ट्रियल 2018 प्राप्त हुआ।

डॉ रूपा राजन को अंतर्राष्ट्रीय पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी-एलईएपी कार्यक्रम 2019 के लिए चुना गया; वीडियो अखाड़ा में सेकंड रनर अप, एमडीएसआईसीओएन 2019।

डॉ दीपा दास ने स्वास्थ्य अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा 2018, बेंगलुरु में अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए डेविड सैकेट मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया; आईसीटीआरआईएमएस 2018, कोच्चि, भारत में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार।

डॉ अवध किशोर पंडित ने 11वीं विश्व स्ट्रोक कांग्रेस, मॉन्ट्रियल, कनाडा में भाग लेने और पेपर प्रस्तुत करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त किया।

डॉ राजेश कुमार सिंह ने 14 अगस्त 2018 को एम्स में "द क्यूरियस केस ऑफ़ इरेंट हाइपोथैलेमस" विषय पर क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर) प्रस्तुत किया और संचालित किया; 29 अक्टूबर 2018 को एम्स में एम्स जर्मन सहयोगी दौरे का संचालन किया; पटना में 26 अगस्त 2018 को एम्स एमबीबीएस परीक्षा और 16 सितंबर 2018 को नर्सिंग अधिकारियों की परीक्षा आयोजित करने के लिए संकाय प्रभारी के रूप में भाग लिया; 22-24 फरवरी 2019 को एमडीएसआईसीओएन में सत्र की अध्यक्षता की; भारतीय मिर्गी सोसायटी के 8-10 मार्च 2019 के 20वें संयुक्त वार्षिक सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

न्यूरो सर्जरी

विशिष्टताएँ

विभाग द्वारा अनेक कार्यशालाओं, सीएमई और सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इनमें विश्व के अनेक हिस्सों से न्यूरोसर्जरी और स्टालवर्ट्स की शाखाओं से विशेषज्ञ एम्स आए और उन्होंने हमारे साथ सर्जरी की तथा हमें शिक्षित किया। हमारे विभाग द्वारा तीन अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की गईं जिनमें न्यूरोसर्जरी के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। अप्रैल माह में इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, उसके बाद नवंबर में एशिया पैसेफिक सर्वाइकल सर्जरी सोसाइटी की बैठक का आयोजन किया गया और फरवरी, 2019 में इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। सर्वाइकल सर्जरी और पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी कॉन्फ्रेंस के आयोजन से पूर्व क्रमशः वार्षिक स्पाइन एवं माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। अमेरिका के सुप्रसिद्ध न्यूरोसर्जन, प्रो. रिचर्ड वॉन्स और डेचलिंग पेंग ने एडवांस न्यूरोसर्जिकल प्रोसिजर पर पढ़ाने के लिए इन कार्यशालाओं में हिस्सा लिया। ऑरलेंडो, फ्लोरिडा, सं.रा. अमेरिका स्थित नॉर्थ अमेरिकन स्कल बेस सोसाइटी की 29वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस में प्रो. आशीष सूरी के “सिमुलेशन इन स्कल बेस

न्यूरोसर्जरी" विषय पर प्रस्तुत शोधपत्र को सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र चुना गया। उन्हें प्रतिष्ठित वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोसर्जिकल सोसाइटीज स्कल बेस कमेटी का एक कार्यकारी सदस्य भी बनाया गया।

प्रो. दीपक अग्रवाल एक देशी वेंटिलेटर के विकास में सहायक रहे हैं, जो बहुत सस्ता है और भारत जैसे विकासशील देशों के लिए एक वरदान की तरह है। उन्हें इंडियन जर्नल ऑफ नर्व सर्जरी और इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा का मुख्य संपादक भी चुना गया था। प्रो. दीपक गुप्ता ने क्रेनियोसाइनोस्टोसिस पर एक पुस्तक का संपादन किया तथा लेखन कार्य किया। डॉ गुरुदत्त सत्यार्थी को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा न्यूरोसाइंसेस में प्रतिष्ठित फैकल्टी रिसर्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ सचिन बोरकर को भारतीय उपमहाद्वीप से ए.ओ. स्पाइन डेलीगेट नामित किया गया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. तीसरी जापान-भारत उन्नत स्कल बेस और न्यूरोवैस्कुलर कार्यशाला, 17 अक्टूबर 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. न्यूरोसर्जरी सिमुलेशन-आधारित शॉर्ट टर्म स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम: न्यूरोसर्जरी स्किल्स ट्रेनिंग सुविधा (एनएसटीएफ) और न्यूरोसर्जरी एजुकेशन एंड ट्रेनिंग स्कूल (एनईटीएस)
3. वार्षिक न्यूरोट्रॉमा पर सीएमई के लिए फैकल्टी, स्कल बेस वर्कशॉप, न्यूरो एंडोस्कॉपी कोर्स, मिनिमली इनवेसिव न्यूरोसर्जरी वर्कशॉप, स्पाइन वर्कशॉप
4. ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में मई, 2018 को आयोजित कॉम्प्लेक्स स्पाइनल ट्रामा पर 8वां लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप और संगोष्ठी
5. अक्टूबर 2018 तक आयोजित ई-स्वास्थ्य देखभाल में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग पर 8वीं अंतरराष्ट्रीय सीएमई और कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली
6. एंडोस्कोपिक स्कुल बेस पर कैडवेरिक कार्यशाला, 8-9 दिसंबर
7. एएनटीसी 2018: पाँचवां एम्स न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, अक्टूबर 2018, 26-28 अक्टूबर 2008, नई दिल्ली
8. एम्स वार्षिक माइक्रो न्यूरोसर्जरी कार्यशाला 2019, 13-14 फरवरी 2019, नई दिल्ली
9. पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के लिए इंडियन सोसाइटी का आई.एन.डी.एस.पी.एन.सी.ओ.एन. 2019, वार्षिक सम्मेलन, 15-17 फरवरी, नई दिल्ली
10. न्यूरो-ऑन्कोलॉजी सम्मेलन के लिए इंडियन सोसाइटी के लिए संयुक्त आयोजन सचिव, एम्स, 4-7 अप्रैल 2018, नई दिल्ली
11. दिनांक 14-17 नवंबर 2018, नई दिल्ली में एशिया पैसिफिक सर्वाइकल स्पाइन सोसाइटी वार्षिक बैठक की वैज्ञानिक समिति के सह-अध्यक्ष
12. दिनांक 13-15 फरवरी, नई दिल्ली में एम्स वार्षिक माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला 2019, के सह-आयोजन सचिव
13. दिनांक 15-17 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी फॉर पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी (आईएनडीएसपीएनसीओएन) 2019 की वार्षिक सम्मेलन के सह-आयोजन सचिव

14. आयोजन सचिव : 21-23 नवबंर, 2018 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 15वीं राष्ट्रीय ईईजी कार्यशाला और एपिलेप्सी सर्जरी एंड न्यूरोबायोलॉजी की मास्टक्लास

प्रदत्त व्याख्यान

एस. एस. काले: 17	**आशीष सूरी: 30**	**राजेंद्र कुमार: 2**
मनमोहन सिंह: 6	**दीपक गुप्ता: 7**	**विवेक टंडन: 14**
पंकज कुमार सिंह: 5	**सचिन बोरकर: 5**	**हितेश गुर्जर: 1**
शाश्वत मिश्रा: 2	**श्वेता केडिया: 7**	**दत्ताराज सावरकर: 1**
मनोज फलक: 5	**रमेश डोड्डामणि: 2**	**कंवलजीत गर्ग: 3**
अमोल रहेजा: 2	**राजेश मीणा: 1**	

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 63

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एपिलेप्सी के लिए उत्कृष्टता केंद्र, फेस II, पी शरत चंद्र, डीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 502 लाख
2. उन्नत एपिलेप्सी अनुसंधान: एक बहुआयामी दृष्टिकोण, पी शरत चंद्र, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए), भारत सरकार, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 377.47 लाख
3. इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च में उत्कृष्टता के लिए कोलेबोरेटिव न्यूरो-इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म, आशीष सूरी, डीबीटी, विज्ञान एव प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार एम्स+सीएसई-आईआईटी-दिल्ली, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 657 लाख
4. आरकाइवल, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय रिपोजिटरी सर्वर के साथ तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सुविधा, आशीष सूरी, डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स + सीएसई-आईआईटी-डी, 5 वर्ष, 2013-2018, रुपये 650 लाख।
5. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और प्री-ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल योजना के लिए 3डी / स्टीरियोस्कोपी आधारित वर्चुअल रियालिटी सिमुलेशन प्लेटफॉर्म का विकास, आशीष सूरी, डीएचआर, आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स + सीएसई-आईआईटी-डी, 4 वर्ष, 2014-2018, रुपये 211 लाख
6. ऑपरेशनल रिसर्च न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय संस्थानों को समर्थन, प्रोफेसर आशीष सूरी, डीएचआर, आईसीएमआर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स+सीएसई-आईआईटी-डी, 5 वर्ष, 2016-2020, रुपये 99 लाख
7. कैरियर विकास 2015 के लिए राष्ट्रीय जैव विज्ञान पुरस्कार, आशीष सूरी, डीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 17 लाख

8. टाटा नवाचार अध्येतावृत्ति पुरस्कार 2015, आशीष सूरी, डीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2016-2020, रुपये 45 लाख
9. सीवीयर ट्रामेटिक ब्रेन इंजरी में ऑप्टिक नर्व अल्ट्रासाउंड, दीपक अग्रवाल, डीबीटी, 2 वर्ष, 2015-2017, रुपये 36.07 लाख।
10. पेरोक्सिसमल सिम्पेथेटिक एक्टिविटी और गंभीर टीबीआई में इसकी भूमिका, दीपक अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2018-19, रुपये 10 लाख
11. एडीएपीटी, दीपक गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 7 वर्ष, 2015-2022, रुपये 105.49 लाख
12. सेंटर-टीबीआई, दीपक गुप्ता, यूनिवर्सिटेयर जाइकेनहुई एंटवर्पेन (यूजेडए), बेल्जियम, 4 वर्ष, 2016-2020, 5000 यूएसडी प्रति वर्ष
13. बचाव एएसडीएच, दीपक गुप्ता, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, 3 वर्ष, 2017-2020, उपभोग्य: प्रति यादृच्छिक रोगी के लिए 144 पाउंड सीआरएफ पूरा होने की लागत: 213 पाउंड प्रति यादृच्छिक रोगी
14. डीजनरेटिव लम्बर स्पाइन रोगों में डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग की भूमिका, विवेक टंडन, एम्स, एक वर्ष, 2018-19, रुपये 5 लाख
15. लम्बर स्पाइन के लिए पार्श्व दृष्टिकोण: भारतीय आबादी में कैडवेरिक व्यवहार्यता अध्ययन, सचिन बोरकर, एम्स, 1 वर्ष, 2018-19, रुपये 5 लाख
16. जीएबीए की भूमिका की जांच: फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में एक रिसेप्टर सब्यूनिट्स परिवर्तन, हितेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2019, रुपये 5 लाख।
17. एंडोस्कोपिक एंटीरियर ओडोन्टिड स्क्रू फिक्सेशन की व्यवहार्यता - ए कैडवेरिक प्रायोगिक अध्ययन, श्वेता केडिया, एक्स्ट्रामुरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2018, रुपये 6 लाख
18. लम्बर स्पाइन के लिए पार्श्व दृष्टिकोण: कैडवेरिक अध्ययन, सचिन बोरकर, एम्स, 1 वर्ष, 2017, रुपये 2 लाख
19. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में हिस्टोन डेसिटाइलेस (एचडीएसी) की भूमिका को समझना, रमेश एस डोड्डामणि, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 5 लाख
20. मिडिल फोसा और रेट्रोसिग्मॉइड हियरिंग प्रिसर्वेशन स्क्ल बेस अपरोच के माध्यम से आंतरिक इंटर्नल एकॉस्टिक केनल के ऑपरेटिव एक्सपोजर की माइक्रोसर्जिकल तुलना - एक प्रयोगशाला जांच, अमोल रहेजा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 5 लाख
21. फार लेटरल कोंडाइलर अपरोच के रूपों का मात्रात्मक विश्लेषण, राजेश कुमार मीना, एम्स, 2 वर्ष, 2017-अब तक, रुपये 4.75 लाख

पूर्ण

1. ब्लास्ट एंड ब्लंट ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी में इंजरी मेकेनिज्म - क्लिनिकल डेटा और न्यूमेरिकल एनालाइजिस पर एक तुलनात्मक अध्ययन, एस.एस. काले, नवल रिसर्च ग्लोबल का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्यालय, 3 वर्ष, 2015-2018, रुपये 29.68 लाख

2. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एपिलेप्सी, पी शरत चंद्र, डीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, 5 + 2 वर्ष का विस्तार, 2011-2018, रुपये 40 करोड़
3. वीईजीएफ: स्थानीय एंजियोजेनिक गतिविधि के संभावित सिस्टेमिक मार्कर के रुप में तथा गामा नाइफ सर्जरी के लिए प्रतिक्रिया, दीपक अग्रवाल, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, रुपये 5 लाख
4. तीव्र स्पाइनल कॉर्ड की चोट अध्ययन में दर्दनाक उच्च सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड की चोट के लिए प्रारंभिक बनाम विलंबित डिकंप्रेशन, दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 वर्ष, 2014-2018, रुपये 24.52 लाख
5. सामान्य संचय कारक स्तर के साथ एलिवेटिड पीटी / आईएनआर के लिए संदर्भ सीमा का निर्धारण और सिर की चोट वाले रोगियों में प्लाज्मा ट्रांसफ्यूजन थेरेपी के साथ इसका संबंध, दीपक अग्रवाल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015-2017, रुपये 25 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. जीएबीए के प्रभाव पर एक अध्ययन: कॉर्टिकल डिसप्लेसियास में एक रिसेप्टर परिवर्तन।
2. मिडलाइन ग्लियोमास के विभिन्न मॉलेक्यूलर सबग्रुपों में पीडीएल1 एक्सप्रेशन और टी-सेल इनफिल्ट्रेशन का विश्लेषण एवं चिकित्सीय परिणाम
3. क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन (सीवीजे) एनॉमिली में आर्मोल्ड चियरी मेलफॉरमेशन, क्लिनिकल और प्रोस्पेक्टिव आउटकम
4. क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन एनॉमिली वाले रोगियों में सेकेंडरी स्पाइनल कर्वेचर का आकलन और डीसीईआर के बाद इसका सुधार
5. सर्वाइकल एलाइनमेंट के बाद सर्वाइकल लेमिनोप्लास्टी
6. सर्वाइकल एलाइनमेंट के बाद सर्वाइकल स्पोन्डिलाइटिस माइलोपैथी (सीएसएम) के लिए लेमिनोप्लास्टी
7. चीयारी मैलफॉर्मेशन के साथ सीवीजे विसंगतियाँ
8. मेसियल टेम्पोरल लॉब एपिलेप्सी में केसिन काइनेस2 की भूमिका का निर्धारण
9. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में एपीलेप्टोजेनेसिस में विकास कारक बीटा सिग्नलिंग और मैट्रिक्स मेटलप्रोटीनेस 9 को बदलने की भूमिका को समझना
10. रेडियोसर्जरी के बाद क्रेनियोफेरिन्जियोमा रोगियों के परिणाम
11. ड्रग रेज़िस्टेंस एपिलेप्सी वाले रोगियों में तुलनात्मक मेग्निटोएन्सेफलोग्राफी सोर्स लोकेलाइजेशन की प्रभावकारिता और इन्टेरीक्टल एपिलेप्टिक डिस्चार्ज का प्रसार
12. जिआंट इंट्राक्रेनियल (>20 सीसी) घावों के लिए गामा-नाइफ
13. सर्वाइकल डीकंप्रेशन का प्रभाव और सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस के टिपिकल और अटिपिकल लक्षण
14. ग्लिओमास में रिसेक्शन की मात्रा में सुधार में इंट्राऑपरेटिव एमआरआई की भूमिका
15. कॉर्टिकल डिस्पलेसिया में गाबा-ए रिसेप्टर आल्टरेशन की भूमिका की जांच
16. वेस्टिबुलर स्क्वान्नोमा के लिए गामा नाइफ का दीर्घावधिक फॉलोअप
17. क्रानियोवर्टिब्रल जंक्शन एनामोली का उपचार

18. मिडलाइन ग्लिओमास: क्लिनिकल आउटकम और संबद्ध मॉलेक्यूलर आल्टरेशंस का एक अध्ययन
19. एम्स, दिल्ली में ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया के लिए गामा नाइफ थेरेपी से मिलने वाले परिणाम
20. अच्छे ग्रेड के एसएएच के साथ सर्जिकली क्लिप्ड एंटीरियर सर्कुलेशन एनिरीसम्स के परिणाम
21. पीडियाट्रिक इंट्राक्रेनियल नियोप्लाज्म - इंसीडेंस, आउटकम और प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स
22. पेरिमीटर, डायामीटर और सी1 लेवल पर वॉल्यूम तथा अटलेंटो-एक्सियल डिस्लोकेशन पर विशेष ध्यान के साथ चियारी-I मेलफॉर्मेशन में रेडिग्राफिक फीचर्स का प्रीऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव मूल्यांकन
23. ट्रॉमेटिक स्पाइनल इंजरी के परिणाम को प्रभावित करने वाले प्रोग्नोस्टिक कारक
24. चियरी मेलफार्मेशन के लिए फोरामेन मैग्नम डीकंप्रेशन के साथ ड्यूरोप्लास्टी बनाम पोस्टेरियर इंस्ट्रूमेंटिड फिक्सेशन की प्रभावकारिता की तुलना में प्रोस्पेक्टिव रेंडेमाइज्ड ट्रायल
25. सीएसएफ रिसाव को रोकने में फाइब्रिन सीलेंट की भूमिका
26. क्रानियोफेरींजिओमास में गामा नाइफ की भूमिका
27. मेसियल टेम्पोरल लॉब एपिलेप्सी से संबद्ध हाइपरएक्साइटेबिलिटी पर न्यूरेंसिक एसिड की भूमिका
28. सर्वाइकल स्पोंडिलिटिक मायेलोपैथी (सीएसएम) में एमआरआई की भूमिका
29. सर्वाइकल स्पोंडिलोटिक माइलोपैथी में परिणाम के अनुमान में एमआरआई की भूमिका
30. मेसियल टेम्पोरल लॉब एपिलेप्सी के रोगियों के न्यूरेनिक साइनेप्टिक ट्रांसमिशन के मॉड्यूलेशन पर न्यूरेनिक एसिड के प्रभाव का अध्ययन

पूर्ण

1. डे-केयर स्पाइन सर्जरी और पारंपरिक स्पाइन सर्जरी के बीच एक अग्रदर्शी तुलनात्मक अध्ययन
2. कोंजेनिटल क्रैनियोस्पाइनल डायस्राफिज्म
3. डे केयर स्पाइन सर्जरी: व्यवहार्यता और परिणाम
4. लार्ज वेस्टिब्यूलर श्वेनोमा में डीटीआई ट्रेक्टोग्राफी फेशियल नर्व की प्रभावकारिता: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन
5. ट्रॉमेटिक सर्वाइकल स्पाइन का प्रबंधन
6. सी$_2$ बॉडी और ऑडोन्टोइड प्रोसेस का मॉर्फोमेट्रिक मूल्यांकन और भारत की व्यस्क जनसंख्या में डबल एंटीरियर ऑडोन्टोइड स्क्रू के लिए हाइपोथेटिकल एंट्री प्वाइंटों का पता लगाना
7. 75 वर्ष से ऊपर के रोगियों में स्पाइनल सर्जरी का परिणाम
8. सीक्रिटोरी पिट्यूटरी एडेनोमास के लिए स्टीरियोटेक्टिक रेडियोसर्जरी के बाद पिट्यूटरी डिसफंक्शन।
9. प्राइमरी एक्स्ट्राड्यूरल स्पाइनल लीशन
10. जीबीएम के लिए समवर्ती टेमोजोलोमाइड के साथ प्राइमरी गामा-नाइफ
11. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में अपर्याप्त मानक एमआरआई इमेजिंग है: पूर्वदर्शी विश्लेषण
12. फिब्रीलिन (एफबीएन1) और पेयर्ड बॉक्स (पीएएक्स1) जीन म्यूटेशंस और डेवलपटल बोनी क्रेनिया-वेर्टेब्रल जंक्शन एनॉमलीज वाले रोगियों में ऑटोनोमिक फंक्शंस का अध्ययन

13. माध्यमिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परिवर्तन प्रेरित दर्दनाक मस्तिष्क की चोट का अध्ययन
14. पूर्ण स्पाइनल कॉर्ड की चोट में अस्थिमज्जा व्युत्पन्न स्टीम कोशिका का उपचारात्मक अनुप्रयोग
15. इमेज गाइडेड ब्रेन बायोप्सी की उपयोगिता और डायग्नोस्टिक यील्ड
16. वैकल्पिक पोस्टऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव सीटी स्कैन की उपयोगिता

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में एनआईआरएस का उपयोग कर सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन का आकलन, न्यूरोएनेस्थीसिया
2. बीआईआरएसी बिग परियोजना 2018-2020, आईआईटी दिल्ली, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग
3. इनोवेशन और ट्रांसलेशनल रिसर्च, एनाटोमी, फारेंसिक मेडिसिन, न्यूरोरेडियोलॉजी, न्यूरोपैथोलॉजी और आईआईटी-दिल्ली में उत्कृष्टता के लिए कॉलाबोरेटिव न्यूरो-इंजीनियरिंग प्लेटफार्म : सीएसई
4. मेसियल टेम्पोरल लॉब एपिलेप्सी रोगियों में एटीएफ3 और टीजीएफβ सिगनलिंग की भूमिका का अर्थ निकालना, न्यूरोलॉजी
5. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और प्री-ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल योजना के लिए 3डी / स्टेरियोस्कोपी आधारित वर्चुअल रियलिटी सिमुलेशन प्लेटफार्म का विकास, एनाटॉमी, फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी-दिल्ली: सीएसई
6. सर्जिकल माइक्रोस्कोप के तहत की गई सर्जरी में उपयोग होने वाले सर्जन द्वारा नियंत्रित टच एक्टिवेटिड इरिगेशन सिस्टम के साथ एक सर्जिकल सक्शन केन्यूला का विकास
7. ट्यूमर से जुड़ी रीफ्रेक्टरी एपिलेप्सी वाले रोगियों से संबंधित ट्यूमर टिश्यू पर प्लाज्मा जेट का प्रभाव, इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च, गांधीनगर
8. आरकाइवल, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय रिपोजिटरी सर्वर के साथ तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सुविधा, एनाटॉमी, फोरेंसिक मेडिसिन और आईआईटी-डी: सीएसई
9. हिपोकैम्पल स्क्लेरोसिस, बायोफिजिक्स से संबद्ध एब्नॉर्मल साइनेप्टिक ट्रांसमिशन में नाइकोटिनिक रिसेप्टर्स की अल्फा7 और अल्फा4-बीटा2 की भूमिका

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 124 सारः 3 पुस्तकों में अध्यायः 7 पुस्तकें: 1

रोगी उपचार

न्यूरो सर्जरी विभाग में 2 यूनिट हैं तथा प्रत्येक यूनिट (35×2 के बिस्तर) में एक सामान्य न्यूरो सर्जिकल वार्ड है। इसमे 23 बिस्तरों के साथ दो आईसीयू हैं। ट्रामा सेंटर में अब 7 इलेक्टिव ऑपरेशन थिएटर और एक एक्सक्लूसिव ऑपरेशन थिएटर है। हम सभी न्यूरोसर्जिकल सबस्पेशलिटीज जैसे वैस्कुलर सर्जरी, एपिलेप्सी सर्जरी, मिनिमली इनवेसिव क्रैनियल एंड स्पाइनल न्यूरोसर्जरी, पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी, फंक्शनल

न्यूरोसर्जरी, न्यूरो-ऑन्कोसर्जरी, स्कल बेस और कॉम्प्लेक्स स्पाइनल सर्जरीज आदि के लिए विश्व स्तरीय न्यूरोसर्जिकल सुविधाएं प्रदान करते हैं। वर्ष 2018-2019 के दौरान हमारे द्वारा निम्नलिखित रोगियों का उपचार किया गया।

क्र.सं.	**उपचार की सुविधा**	**संख्या**
1.	बाह्य रोगी विभाग	
	क) कुल नए मामले	16,766
	ख) कुल पुराने मामले	31,334
	ग) बाल चिकित्सा के नए मामले	2,086
	घ) बाल चिकित्सा के पुराने मामले	4,862
	ङ) कुल मामले	48,100
2.	निष्पादित गामा नाइफ	653
3.	शल्य चिकित्सा, सीएनसी की कुल संख्या	3,345
4.	ब्रेन सूट में मामलों की कुल संख्या	284
5.	वैकल्पिक शल्य चिकित्सा की संख्या (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.)	1,314
6.	शल्य चिकित्सा की कुल संख्या	4,659

इसके अलावा न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा गामा नाइफ क्लिनिक और स्पाइन क्लिनिक जैसे विशेषज्ञता वाले क्लिनिक भी चलाए जाते हैं। डॉ दीपक अग्रवाल एक देशी वेंटिलेटर के विकास में सहायक रहे हैं, जो वस्तुतः 2 क्रोनिक वेंटिलेटर पर निर्भर ऐसे रोगियों के डिस्चार्ज में सहायक होते हैं, जो बहुत लंबी अवधि के लिए न्यूरोसर्जरी विभाग में दाखिल रहते हैं। वे गामा-नाइफ सेंटर की प्रोसेस में सुधार में भी सहायक रहे, जिससे 2018 में एक वर्ष में सर्वाधिक गामा-नाइफ सर्जरी की गईं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर शशांक काले ने न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश से डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि प्राप्त की।

प्रोफेसर आशीष सूरी ने ऑरलेंडो, फ्लोरिडा, सं.रा. अमेरिका स्थित नॉर्थ अमेरिकन स्कल बेस सोसाइटी की 29वें वार्षिक सम्मेलन में “स्कल बेस न्यूरोसर्जरी में सिमुलेशन” विषय पर सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्र पुरस्कार प्राप्त किया; सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली; कार्यकारी सदस्य; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोसर्जिकल सोसाइटीज; स्कल बेस कमेटी; महासचिव: स्कल बेस सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया

प्रोफेसर मनमोहन सिंह: केवर्नस साइनस हेमांगीओमा के लिए बाहय ट्रांसकैवर्नस दृष्टिकोण: एक संस्थागत अनुभव - प्रथम पुरस्कार, भारत की वार्षिक स्कल बेस सर्जरी सोसायटी, 1-3 नवंबर 2018, लुधियाना- पीबी, राघव सिंगला, आशीष सूरी, मनमोहन सिंह, दीपक अग्रवाल, एसएस काले।

प्रोफेसर दीपक अग्रवाल को जर्नल ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी (जेपीएनएस) का प्रधान संपादक चुना गया; इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा (आईजेएनटी) के अंतरिम एडिटर-इन-चीफ बनाए गए।

प्रोफेसर दीपक गुप्ता: डॉ दीपक कुमार गुप्ता द्वारा लिखित संपादक के रूप में क्रानियोसिनोस्टोसिस पर पहली पुस्तक: क्रानियोसिनोस्टोसिस के सिद्धांत: सर्जिकल सिद्धांतों और उन्नत बहु-विषयक देखभाल, 2018 (थिएमे मेडिकल एंड साइंटिफिक पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड) (संपादक: दीपक कुमार गुप्ता, अशोक कुमार महापात्रा)।

डॉ गुरुदत्त सत्यार्थी को माननीय केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा प्रदत्त न्यूरोसाइंस में फैकल्टी रिसर्च अवार्ड्स 2018 प्राप्त हुआ; लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2019, मार्किस हूज़ हू, अमेरिका; हूज़ हू इन वर्ल्ड अवार्ड-2019, मारकिस हूज़ हू, अमेरिका।

डॉ विवेक टंडन ने अशोक मिशन द्वारा आयोजित एक चैरिटी शिविर में दूरदराज के क्षेत्रों के रोगियों के इलाज के लिए लेह का दौरा किया; न्यूरो-ऑन्कोलॉजी पर मालदीव में ब्रिंसपाइन 2018 में सत्र की अध्यक्षता।

डॉ सचिन बोरकर को वर्ष 2018-2020 सत्र में एओ स्पाइन इंडियन सब कॉन्टिनेंट काउंसिल (एओआईएन) में एओ स्पाइन प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया था; वर्ष 2018-2020 सत्र में इंडियन सोसायटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी के कोषाध्यक्ष के रूप में नामित; कुआलालम्पुर -2018 में डब्ल्यूएफएनएस संगोष्ठी के दौरान सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार; सितंबर 2018 में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) द्वारा डीएनबी न्यूरोसर्जरी (दिसंबर 2013 सत्र) के लिए गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

डॉ अमनदीप जगदेवन दिनांक 22-26 फरवरी 2019 को जापान-भारत न्यूरोसर्जिकल सहयोग परियोजना, ओसाका, नागानो और टोक्यो, जापान में प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए।

डॉ अमोल रहेजा : मार्च 2019 - वर्ष 2019 में बेलग्रेड, सर्बिया में आयोजित डब्ल्यूएफएनएस इंटरनेशनल मीटिंग में ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के क्षेत्र में मूल कार्य जिसका शीर्षक "चोट की गंभीरता के प्रीडिक्टर्स के रूप में सीरम बायोमार्क्स और गंभीर ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के बाद फंक्शनल आउटकम" था, प्रस्तुत करने के लिए *डब्ल्यूएफएनएस यंग न्यूरोसर्जन्स ग्रांट* से पुरस्कृत किया गया; फरवरी 2019 - निवेदिता एम (थीसिस उम्मीदवार) ने न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में प्रस्तुत शोधपत्र (सह-लेखक) के लिए 30वें आईडएनडीएसपीएनसीओएन, नई दिल्ली, भारत में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जिसका शीर्षक "एनालिसिस ऑफ पीडीएल 1 एक्सप्रेशन एंड टी-सैल इंफिल्ट्रेशन इन डिफरेंट मॉलीक्यूलर सब ग्रुप्स ऑफ मिडलाइन ग्लोयोमास एंड द क्लीनीकल आउटकम" था; फरवरी 2019 - निवेदिता एम (थीसिस उम्मीदवार) ने न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में प्रस्तुत शोधपत्र (सह-लेखक) के लिए 21वें डीएनएसीओएन, नई दिल्ली, भारत में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जिसका शीर्षक "मिडलाइन ग्लियोमास : क्लिनिकल आउटकम और संबद्ध मोलेक्यूलर आल्ट्रेशंस का एक अध्ययन" था; अप्रैल 2018 - ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी में न्यूरोसर्जरी ओरल प्रेजेन्टेशन (फ्री-पेपर सेशन) में के लिए 24वें यूपी-यूके न्यूरोकोन,

रामनगर, उत्तराखंड में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया, जिसका शीर्षक "चोट की गंभीरता के अनुमानों के रूप में सीरम बायोमार्कर्स और एक्यूट ट्रॉमेटिक स्पाइनल कोर्ड इंजरी के बाद फंक्शनल आउटकम" था।

डॉ दत्ताराज सावरकर ने डेन्वर सीओ, संयुक्त राज्य अमेरिका में (30 जून से 3 जुलाई 2018 तक) आयोजित पेडिएट्रिक न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (आईएसपीएनओ) 2018 विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी वर्टिब्रल हेमिनजियोमा विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए 'द अल्डर हे 2018 आई.एस.पी.एन.ओ इंटरनेशनल ट्रैवलिंग फेलोशिप अवार्ड' प्राप्त किया; एम्स के न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा एम्स केडवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग फैसिलिटी (एसीएसएसटी) में दिसंबर, 2018 में एक कोर्स फैकल्टी के रूप में केडवर एंडोस्कोपिक एंडोनेसल स्कल बेस वर्कशॉप का सफलतापूर्वक समन्वयन किया गया।

डॉ राजीव शर्मा ने दिनांक 15-17 फरवरी 2019 तक आईएनडीएसपीएनसीओएन 2019 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार श्रेणी में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ श्वेता केडिया ने जून 2018 को क्लीवलैंड क्लिनिक में न्यूरो-ऑन्कोलॉजी और गामा नाइफ में लैंडलिसाऊ और स्टीनर की फेलोशिप पूरी की।

डॉ रमेश डोड्डामणि को ड्ब्ल्यूएफएनएस वार्षिक बैठक 2019, बेलग्रेड, सर्बिया में भाग लेने के लिए आईसीएमआर ट्रैवल फैलोशिप से सम्मानित किया गया; सीटीआरएफ प्रयोगशाला में आयोजित हैंड्स-ऑन कैडैवरिक स्कल आधारित कार्यशाला में संकाय प्रभारी के रूप में भाग लिया।

डॉ मनोज फलक ने आईएसपीएन 2018-एपस्टीन यात्रा छात्रवृत्ति प्राप्त की; हाल ही में तकनीकी विकास के लिए ब्रेनस्पाइन 2018, मालदीव में सत्र की अध्यक्षता की; हाल के तकनीकी विकास के लिए अध्यक्ष - एनएससीओटीटी 2018, दिल्ली, दिसंबर 2018; एनआईएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली द्वारा सम्मानित एप्लाइड एपिडेमियोलॉजी 2016-2017 के डिप्लोमा के लिए बेस्ट आउटगोइंग स्टूडेंट अवार्ड और मेडल प्राप्त किया।

डॉ सतीश वर्मा ने भारत-जापान सहयोग परियोजना (एओटीएस, जापान द्वारा संचालित) के तहत जापान में अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया-जापान में तीन न्यूरोसर्जिकल केंद्रों में प्रेक्षकता (ओब्सर्वशिप)।

अतिथि वैज्ञानिक

15-17 अक्टूबर, 2018: वरिष्ठ जापानी न्यूरोसर्जन का जापानी प्रतिनिधिमंडल

1. प्रोफेसर केनजी ओहाटा, ओसाका, जापान
2. प्रोफेसर कात्सुमी ताकिजावा, असिकावा, जापान
3. प्रोफेसर हिरोयोशी अकुत्सु, त्सुकुबा, जापान
4. प्रोफेसर शुहो तनाका, त्सुकुबा, जापान

न्यूरो इमेजिंग एवं इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग

विशिष्टताएँ

10 वर्ष पुराने 6 स्लाइस सी.टी. स्कैनर की जगह नवीनतम 128 स्लाइस ड्यूल ऊर्जा सी.टी. स्कैनर लगाए गए। परस्पर पुनः निर्माण मॉडलिंग के साथ नवीन सीटी लो-डोज सीटी प्रोटोकोल्स की सहायता से अब डोज में 60 प्रतिशत तक की कमी और चिकित्सीय कार्यकलापों में तीव्र प्रगति संभव हो गई है और उत्कृष्ट इमेज गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। इससे विशेष रूप से बच्चों और जहां पर सांस रोककर रखने की आवश्यकता हो, रोगी अनुपालन में वृद्धि हुई है।

नए सीटी स्कैनर की स्थापना से गाइडेड बायोप्सीज में सहायता हेतु सीटी फ्लोरोस्कोपी और विशेष रूप से एक्यूट स्ट्रोक में प्रमस्तिष्कीय परफ्यूजन आकलन हेतु सीटी परफ्यूजन आरंभ कर दिया गया है।

मौजूदा 1.5टी एमआर को 'साइलेंट एमआर' प्रणाली से उन्नत कर दिया है, जो साइलेंट रिस्कैन में सहायक है जिसमें रोगी लंबी अवधि तक परीक्षणों के दौरान शांत रहते हैं और सहयोग करते हैं। पहले की प्रणाली के उच्च प्रवणता वाले क्वालिंग स्विचिंग का शोर बहुत से रोगियों को विशेष रूप से हाइ-एंड अधिग्रहण तकनीक के दौरान परेशानी होती थी। इसमें सुधार के साथ इस प्रकार की परेशानी को बड़े पैमाने पर दूर कर दिया गया है और वाइड बोर मैग्नेट से विशेष रूप से रोगियों में क्लस्ट्रोफोबिया को कम किया गया है।

वाई - फाई सुविधा के साथ वार्डों, आईसीयू और ओपीडी कक्ष में थिन क्लाइंट्स में पीएसीएस सर्वर के उन्नयन और जांच केंद्रों की स्थापना के साथ पीएसीएस नेटवर्क एनएससी के वार्डों तथा ओपीडी कक्षों में संचालित है। रिपोर्ट, सम्पादन, साइन आउट और सभी प्रकार के अध्ययन के लिए ऑन लाइन नेटवर्क को सुगम बनाने के लिए रिपोर्टिंग कक्ष की व्यवस्था में सुधार के साथ सभी न्यूरो इमेजिंग प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग को ऑन लाइन कर दिया गया है। सीटी, एमआरआई, यूएस एंव डीएसए इत्यादि हेतु एनएससी वार्डों के ऑन लाइन से स्वतः मांग सक्रिय कर दी गई है। न्यूरोडियोलॉजी संपर्कों के लिए पीएसीएस से केस अभिलेखों की स्वतःप्राप्ति सक्रिय कर दी गई है। प्राइवेट इमेजिंग फिल्मों को अब डिजिटाइज्ड कर दिया गया है और रोगी के यूएचआईडी पंजीकरण पर पीएसीएस से एकीकृत किया गया है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

न्यूरोलॉजी तकनीकों का परिचय, ब्रेन ट्यूमर इमेजिंग के मूल तत्व, स्ट्रोक इमेजिंग और सीएनएस की अनुकूल विसंगतियां विषयों पर 6वें सत्र के एमबीबीएस छात्रों के लिए स्नातकपूर्व व्याख्यानों और संगोष्ठियों हेतु संकाय को सामग्री तथा दिशानिर्देश उपलब्ध कराये गए। न्यूरोलॉजी में उनकी वैकल्पिक तैनाती के दौरान न्यूरो इमेजिंग व्याख्या के मूल्य तत्वों के बारे में पढ़ाया गया।

स्नातकोत्तर

न्यूरोलॉजी विभाग में क्रमिक आधार पर तैनात एमडी रेडियोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों को रिपोर्टिंग न्यूरोइमेजिंग (सीटी और एमआरआई) और सभी न्यूरोइमेजिंग प्रोटोकॉल्स में प्रशिक्षित किया

जाता है और संकाय की देख रेख में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाता है। डीएम (न्यूरोरेडियोलॉजी) छात्रों को सभी न्यूरोइमेजिंग प्रक्रियाओं के निष्पादन का प्रशिक्षण दिया जाता है और इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी प्रक्रियाओं में सहायता की जाती है, जिनके बारे में बाद में उनसे नियमित आधार पर चर्चा की जाती है। आईसीयू में न्यूरो-इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक प्रक्रियाओं वाले रोगियों की प्रक्रिया उपरांत चिकित्सा और उपचार के बारे में भी उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है और उनके संवादात्मक कौशलों में सुधार और संवादात्मक विकास हेतु उनके उन्मुखीकरण के लिए वार्डों, संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों तथा केस परिचर्चा का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है। सीनियर रेजीडेंट्स न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले अंतः विभागीय सम्मेलनों में नियमित रूप से न्यूरोरेडियोलॉजिकल परिणाम प्रस्तुत करते हैं जिससे उन्हें क्लिनिकल न्यूरोइमेजिंग व्याख्या कौशल और प्रस्तुतीकरण की कला को सीखने में मदद मिलती है। उन्हें क्रमिक आधार पर कम से कम एक वर्ष के लिए बायप्लेन न्यूरो-इंटरवेंशनल अध्ययन हेतु भेजा जाता है और न्यूरो-एंजियोग्राफिक और न्यूरो-इंटरवेंशनल कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

एस. बी. गायकवाड़: 24 अजय गर्ग: 20 एस. लेव जोसेफ देवराजन: 6

अनुज प्रभाकर: 4

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 5

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म, में क्षेत्र-विशिष्ट जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल के साथ इमेजिंग लक्षणों का सहसंबंध, अजय गर्ग, डीएसटी 3 वर्ष, 2018-2021

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफिक एंजियोग्राफी और इसके नैदानिक-इमेजिंग सहसंबंधों का उपयोग करके इंट्राक्रैनिल एथेरोस्क्लेरोटिक घावों की ज्यामिति की विशेषता
2. अंतःस्रावी मीलिनोन की कार्यक्षमता बनाम अंतरा-धमनी निफेडिपिन के प्रबंधन में नैदानिक वासोस्पास्म सेकेंडरी का एन्यूरिस्मल उप-अरोनिओइड रक्तस्राव

पूर्ण

1. कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग से पहले और बाद में गंभीर गर्भाशय ग्रीवा आईसीए स्टेनोसिस वाले रोगियों में रेस्टिंग स्टेट सेरेब्रल परफ्यूजन के मूल्यांकन में छद्म निरंतर आर्टेरियल स्पिन लेबलिंग की भूमिका।

2. मोया-मोया रोग की नैदानिक और एंजियोग्राफिक विशेषताएं और हमारे सेट के रोगियों में गंभीरता, प्रगति और परिणाम की भविष्यवाणी करने में उनके निहितार्थ।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. C2 शरीर और ओडोन्टोइड प्रक्रिया के मॉर्फोमेट्रिक मूल्यांकन और भारतीय वयस्क आबादी में दोहरे अग्रिम ओडोन्टोइड स्क्रू के लिए परिकल्पित प्रवेश बिंदुओं का निर्धारण, न्यूरोसर्जरी
2. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक में सिटीकॉलिन की भूमिका - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाः 21 **पुस्तकों में अध्यायः 11**

रोगी उपचार

विभाग सप्ताह के सातों दिन पूरे वर्ष रोगी का उपचार करता है और सब आर्चेनॉइड हैमरेज, स्ट्रोक, एक्यूट इनसेफेलोपैथीज, माइलोपैथीज, ट्रॉमेटिक अथवा इआट्रोजेनिक सेरेब्रो वेस्कुलर इंजरी आदि जैसे आपातकालीन स्थितियों में नियमित रूप से सेवाएं देता है। बाह्य रोगियों और अंतः रोगियों से प्राप्त सभी सीटी स्कैन अनुरोधों को उसी दिन किया जाता है और प्रायः तत्काल किया जाता है, ताकि रोगी के उपचार हेतु तुरंत निर्णय लिए जा सके। इस विभाग में सीटी स्कैन के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती है। न्यूरोसाइंसेज केंद्र में आने वाले रोगियों के प्रमस्तिष्कीय एवं वेस्कुलर अध्ययन हेतु ईएनटी और ऑप्थेल्मोलॉजी जैसे अन्य अनेक विभागों में भी नियमित रूप से डीएसए किए जाते हैं। इस प्रकार से न्यूरो साइंसेज के रोगियों के साथ साथ ईएनटी, ऑप्थेल्मोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, कार्डियोलॉजी, अन्य के साथ साथ ऑर्थोपीडिक्स का भी नियमित आधार पर न्यूरोइंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक संचालन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल सीटी स्कैनर का उपयोग कर आईसीयू अथवा वेंटिलेटर वाले रोगियों का सीटी स्कैन किया जाता है। डिजिटल एक्स-रे यूनिट अथवा सीआर यूनिट का उपयोग कर नियमित आधार पर एक्स-रे किए जाते हैं और इमेजें पीएसीएस नेटवर्क पर अपलोड की जाती हैं। जब भी आवश्यक होता है न्यूरोसाइंसेज सेंटर के अस्वस्थ और चलने फिरने में असमर्थ रोगियों का वार्डों और आईसीयू में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड किया जाता है। सभी परामर्शदाता और रेजीडेंट्स आईपी आधारित प्रोटोकोल के माध्यम से पीएसीएस इमेजों को प्राप्त करते हैं और इस प्रकार से इंटरनेट अथवा अपना स्मार्ट फोन उपयोग कर कहीं से भी इमेजों को देखा जा सकता है। उच्च रिजोल्यूशन डिकॉम कम्पैटिबल प्रोजेक्शन प्रणाली का उपयोग कर बहु विधीय इमेज अवलोकन हेतु विभागीय सम्मेलन कक्षों में सुधार किया गया है, ताकि चिकित्सीय परामर्शदाता और रेजीडेंट्स बड़ी प्रोजेक्शन स्क्रीन पर अपने रोगियों की इमेजों को काल क्रमानुसार और तुलनात्मक रूप में आसानी से देख सकें। यहां तक कि पुरानी और स्कैन की गई इमेजों को प्रभावी रूप से तत्काल देखा जा सकता है जो शीघ्र निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होती हैं।

वर्ष 2018-19 के दौरान न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं का निष्पादन

सीटी स्कैन	नियमित	14,967
	आपातकालीन	4,547
	सी टी एंजियोग्राफी	1,257
	निर्देशित इमेज	1,592
	परफ्यूजन	25
	एचआरसीटी	69
	कुल	22,457
डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी	थेराप्यूटिक न्यूरो - इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं (सेरेब्रल एरिन्यूज्म, सेरेब्रल एंड स्पाइनल एवीएम एम्बोलाइजेशन, कैराटाइड रेवेस्कुलराइजेशन आदि)	384
	डायग्नोस्टिक डीएसए	965
	कुल	1,349
अल्ट्रासाउंड जांच / डोपलर अध्ययन		2,594
एमआरआई	एनएससी एमआरआई	
	गामा नाइफ प्लानिंग	4,329
	इंट्रा-ऑपरेटिव एमआरआई (ओटी)	65
	एनएमआर सुविधा	1,987
	कुल	6,321
एक्स-रे		7,473
पोर्टेबल एक्स-रे		6,123
विडर		20,180
डेटा माइग्रेशन		1,786
वर्ष के लिए योग		**68,283**

रोगी देखभाल निर्णय लेने के लिए न्यूरोरेडियोलॉजी सम्मेलनों के मामलों पर चर्चा की और समीक्षा की

सम्मेलन	**मामलों की सं.**	**साप्ताहिक आवृत्ति**	**कुल**
एपिलेप्सी मामले	10@	2	20/सप्ताह
न्यूरोसर्जरी	40@	4	160/ सप्ताह
न्यूरोलॉजी	25@	6	150/ सप्ताह
न्यूरोपैथोलॉजी	4@	सप्ताह में दो बार	8/सप्ताह
		कुल	338/ सप्ताह
		कुल =	17,576 मामले प्रति वर्ष

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी का 20वां वार्षिक सम्मेलन 27-30 सितंबर 2018 को "द ललित", कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में डॉ अजय गर्ग, डॉ जोसेफ लेवे और अनुज प्रभाकर के संयोजन में प्रोफेसर शैलेश बी. गायकवाड़ (आयोजन सचिव) द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी ने 27 सितंबर 2018 को सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में 15 अंतर्राष्ट्रीय और 45 राष्ट्रीय फैकल्टी सहित दुनिया भर के 300 से अधिक चिकित्सकों ने भाग लिया। शिक्षाप्रद व्याख्यानों के अलावा, प्रतिभागियों ने न्यूरोइमेजिंग और न्यूरोइंटरवेंशन तकनीकों पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इस मौके पर ग्रैंड क्विज भी आयोजित किया गया और विजेताओं को उनकी योग्यता के अनुसार पुरस्कार और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

11-12 मार्च को, प्रोफेसर शैलेश गायकवाड़ के नेतृत्व में वर्ल्ड फेडरेशन फॉर इंटरवेंशनल स्ट्रोक ट्रीटमेंट द्वारा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आईसीसीए स्ट्रोक 2019 सम्मेलन आयोजित हुआ। एम्स, नई दिल्ली के निदेशक महोदय ने बैठक का उद्घाटन किया और स्वागत भाषण दिया। अपने स्वागत संबोधन में, उन्होंने विशेष तौर पर एशिया के संदर्भ में स्ट्रोक (दौरा) और इसके उपचार के महत्व को रेखांकित किया जहां दुनिया के बाकी हिस्सों के मुकाबले एम्बोलिक स्ट्रोक के मामले काफी अधिक देखने को मिलते हैं।

स्ट्रोक (दौरा), दुनिया भर में मृत्यु का तीसरा सबसे बड़ा कारण और विकलांगता का प्रमुख कारण है। हाल ही में न्यूनतम इनवेसिव कैथेचर तकनीकों का उपयोग करके, मस्तिष्क की नसों से थक्कों को हटाने के लिए उपचार के नये तरीके विकसित किए गए हैं। यह स्ट्रोक (दौरा) के गंभीर रोगियों को बचाने और विकलांगता को रोकने में सहायक है।

आईसीसीए स्ट्रोक एक ऐसा सम्मेलन है जिसे स्ट्रोक (दौरा) के गंभीर मामलों में हस्तक्षेप हेतु जानकारी और प्रशिक्षण देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगतियों के बारे में जानने के लिए दुनिया भर के लगभग 200 चिकित्सक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) (www.aiims.edu), नई दिल्ली आए। मस्तिष्क की बंद नसों को खोलने और गंभीर रोगियों की प्राथमिकता निर्धारित करने की तकनीकों व प्रविधियों पर विस्तार से चर्चा की गयी। बनावटी प्रारूपों पर हस्तक्षेप (इंटवेंशन) के बारे में प्रशिक्षण दिया गया और बड़ी संख्या में कठिन मामलों की समीक्षा और चर्चा की गई। न्यूयॉर्क के बफेलो स्थित स्ट्रोक सेंटर से प्रविधियों को सीधा (लाइव) दिखाया गया।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (प्रोफेसर शैलेश गायकवाड़ और उनकी टीम, www.aiims.edu) भारत में न्यूरो-इंटरवेंशन्स का एक प्रमुख केंद्र है। इस केंद्र में वर्ष भर में 1,000 से अधिक प्रोसिजर्स होते हैं। यह एक तृतीयक स्ट्रोक सेंटर है, जहां न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी में पोस्टडॉक्टरल स्ट्रक्चर्ड डिग्री कोर्स (डीएम) कराया जाता है। यह डब्ल्यूआईएसटी ट्रेनिंग सेंटर बन जाएगा। प्रोफेसर गायकवाड़ भारत में डब्ल्यूआईएसटी के एंबेसडर के रूप में कार्य कर रहे हैं।

डब्ल्यूआईएसटी (WIST-mywist.org) का उद्देश्य स्ट्रोक (दौरा) के गंभीर मामलों में हस्तक्षेप करने की विशेषज्ञता रखने वाले सभी क्षेत्रों के इंटरवेंशनिस्ट्स को जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि स्ट्रोक के रोगियों को उनके लिए आवश्यक उपचार अधिक आसानी से सुलभ हो सके और वो सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली जिंदगी जी सकें। डब्ल्यूआईएसटी यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि गंभीर कैथेटर-आधारित स्ट्रोक इंटरवेंशन प्रविधियाँ केवल सुप्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा ही की जाएं।

11-12 मार्च को एम्स में आयोजित आईसीसीए स्ट्रोक 2019 कांग्रेस के आयोजन हेतु स्वैच्छिक रूप से डॉ शैलेश बी. गायकवाड़ के निरीक्षण, समय और अथक प्रयास के लिए वर्ल्ड फेडरेशन फॉर इंटरवेंशनल स्ट्रोक ट्रीटमेंट (डब्ल्यूआईएसटी) द्वारा उन्हें प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. अलेक्जेंडर कून, एमडी, एंडोवैस्कुलर और सेरेब्रोवैस्कुलर न्यूरोसर्जरी के निदेशक, व्यापक स्ट्रोक कार्यक्रम के सह-निदेशक, सेंट जोसेफ अस्पताल, टक्सन, एरिजोना, यूएसए

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

विशिष्टताएं

4,342 न्यूरो सर्जिकल प्रक्रियाओं (3,027 न्यूरो साइंस केन्द्र पर और 1,315 ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें. पर) के लिए एनेस्थेटिक उपचार किया गया था। 636 न्यूरोरेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं (एंजियोग्राफी लैब में 428 और एमआरआई सूट में 208) के लिए भी एनेस्थेटिक उपचार का पूरा प्रबंधन किया गया था। गामा नाइफ थेरेपी प्राप्त करने वाले 9 रोगियों के लिए एनेस्थेटिक प्रबंध किया गया। 4,430 आईसीयू रोगियों (3510-एनएससी; 920-टीसी3 आईसीयू, ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें.) के गहन चिकित्सा उपचार का निष्पादन किया गया। कुल 5,499 रोगियों को एनएससी में पूर्व संवेदनाहरण चेक-अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में देखा गया। दर्द क्लीनिक ओपीडी, एनएससी में कुल 833 रोगियों (139 नए और 694 पुराने) को देखा गया और उनमें से 412 का उपचार तंत्रिका ब्लॉक में किया गया था। ट्रॉमा सेंटर में पांच मरीजों को तंत्रिका ब्लॉक मिले।

शिक्षा

छह प्रत्याशियों को डीएम (न्यूरो एनेस्थियोलॉजी) डिग्री प्रदान की गई थी और एक प्रत्याशी को न्यूरोक्रिटिकल चिकित्सा में अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था। आठ नए प्रत्याशियों ने डीएम पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था और तीन प्रत्याशी न्यूरोक्रिटिकल चिकित्सर अध्येतावृत्ति मामलों में शामिल हो गए। सैंतीस वरिष्ठ रेजीडेंटों (अकादमिक और गैर-अकादमिक दोनों) को विभाग में प्रशिक्षण मिला। अन्य तंत्रिका संवेदनाहरण विभागों के 21 स्नातकोत्तर छात्रों (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से 9 सहित) तथा 24 सीनियर रेजीडेंट्स ने न्यूरो-एनेस्थीसिया प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने सफलतापूर्वक एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट-2019, एम्स कैडेवेरिक एयरवे कार्यशाला और एम्स कैडेवेरिक क्रोनिक पेन मैनेजमेंट पाठ्यक्रम चलाया।

प्रदत्त व्याख्यान

अरविंद चतुर्वेदी: 2	**एम. पी. पांडिया: 4**	**गिरिजा प्रसाद रथ: 13**
हिमांशु प्रभाकर: 3	**ज्ञानेंद्र पाल सिंह: 8**	**आशीष बिंद्रा: 11**
नीरज कुमार: 8	**केशव गोयल: 16**	**नवदीप सोखल: 6**
चारु महाजन: 3	**इंदु कपूर: 3**	**सूर्य कुमार दुबे: 9**

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 24

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मेनिंजियोमा वाले रोगियों में ट्रांसफ्यूजन संबंधी इम्यूनो-मॉड्यूलेशन के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक (रैंडोमाइज्ड) नियंत्रण परीक्षण, गिरिजा प्रसाद रथ, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 5 लाख
2. अल्ट्रासाउंड निर्देशित केंद्रीय शिरापरक केन्यूलेशन करने में निःशुल्क हाथ की तकनीक बनाम सुई मार्गदर्शन के उपयोग की तुलनाः एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण, नीरज कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2016 जारी, रुपये 4.6 लाख
3. गंभीर आघात मस्तिष्क के रोगियों में एनआईआरएस का उपयोग करते हुए सेरेब्रल ऑटोरेग्यूलेशन का आकलन, केशव गोयल, एम्स, 2 वर्ष, जनवरी 2016, रुपये 5 लाख
4. गंभीर मानसिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में जुगुलर वीनस ऑक्सीमेट्री पर डिकम्प्रेसिव क्रैनियोक्टोमी का प्रभाव, नवदीप सोखल, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2018, रुपये 2.5 लाख
5. न्यूरोसर्जरी में मांसपेशी के एन्जाइम में बढ़ाव का अध्ययन एवं पोस्टऑपरेटिव तीव्र वृक्क चोट में उसकी प्रासंगिकताः एक प्रायोगिक अध्ययन, सूर्य कुमार दुबे, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपये 3 लाख
6. ग्रीवा रीढ़ की चोट के रोगियों में एक नाली के रूप में एयर-क्यू के उपयोग के बिना और बिना फाइब्रोप्टिक एंडोट्रैचियल इंटुबैशन की तुलनाः एक प्रायोगिक अध्ययन, ज्ञानेंद्र पाल सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2015-18, रुपये 2 लाख
7. ब्रोंकोस्कोपी निर्देशित पर्कुटेनीयस ट्राकियोस्टॉमी के दौरान रियल टाइम अल्ट्रासोनोग्राफी किसी भी लाभ को प्रदान करने के लिएः प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एम्स, रुपये 0.83 लाख

पूर्ण

1. स्ट्रोक रोगियों में परिणाम के आकलन के लिए अप्रत्यक्ष कैलोरीमेट्री का उपयोग: मानक की तुलना बनाम वजन आधारित सूत्र, गिरिजा प्रसाद रथ, जीई हेल्थ केयर प्रा. लि., दो वर्ष, 1 मार्च 2016- 29 फरवरी 2018, उपकरण

2. सेरेब्रल माइक्रोडायलिसिस द्वारा क्षेत्रीय ऊर्जा चयापचय की निगरानी करके गंभीर सिर की चोटों में सेरेब्रल परफ्यूजन दबाव वृद्धि के प्रभाव का आकलन, आशीष बिंद्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 4.95 लाख।
3. एपिलेप्सी सर्जरी में डेक्समेडेटोमिडाइन की सेरेबप्रोटेक्टिव भूमिका, आशीष बिंद्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2012-2014, रुपये 2.62 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सामान्य संवेदनाहरण के तहत न्यूरोसर्जिकल रोगियों में कार्डियक परिणाम के इंट्राऑपरेटिव अनुमान के लिए दो नॉन-इनवेसिव विधियों की तुलना।
2. सर्वाइकल स्पाइन इंजरी (सी1-सी5) वाले मरीजों को वेंटिलेटर से हटाते समय दो अलग-अलग टाइडल वॉल्युम्स (6-8 mL / kg बनाम 12-15 mL / kg) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए संभावित यादृच्छिक (रैंडोमाइज्ड) नियंत्रित परीक्षण।
3. ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के बाद की कार्डियोवेस्कुलर जटिलताएं।
4. मस्तिष्क में लगी दर्दनाक चोट वाले रोगियों में मिडलाइन शिफ्ट [एमएलएस] का आकलन करने के लिए ट्रांसक्रेनियल सोनोग्राफी [टीसीएस] और कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी [सीटी] स्कैन के बीच तुलना
5. डी-ब्लेड, सी-मैक वीडियो-लैरिंजोस्कोप की तुलना, मानक ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लैरिंजोस्कोप, और सर्वाइकल रीढ़ स्थिरीकरण के साथ इंटुबैशन के लिए मैकिंटोश लैरिंजोस्कोपः एक यादृच्छिक अध्ययन
6. सर्वाइकल स्पाइन की चोट वाले रोगियों में एयर-क्यू के जरिए उपयोग सहित और बिना फाइबर ऑप्टिक एंडोट्रेकियल इंट्यूबेशन की तुलना, एक प्रायोगिक अध्ययन
7. थोरेकोलम्बर स्पाइन सर्जरी कराने वाले रोगियों में ट्रांसक्रेनियल मोटर इवोक्ड पोटेंशियल्स पर प्रोपोफोल और केटोफोल की तुलना
8. पोस्टेरियर फोसा ट्यूमर एक्सिजन के लिए लाए गये बाल रोगियों में इंट्राऑपरेटिव ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर का एनआईआरएस से सहसंबंध
9. गंभीर मानसिक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) वाले रोगियों में जुगुलर वीनस ऑक्सीमेट्री (एसजेवीओ$_2$) पर डिकम्प्रेसिव क्रैनियोक्टोमी का प्रभाव
10. मस्तिष्क में लगी गंभीर चोट वाले रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में केटामाइन इनफ्यूजन का प्रभाव: एक यादृच्छिक (रैंडमाइज्ड) नियंत्रित प्रायोगिक अध्ययन
11. पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार के रोगियों में क्षेत्रीय सेरेब्रल ऑक्सीकरण पर न्यूरोरोडियोलॉजिकल उपचार का प्रभावः एक अवलोकन अध्ययन
12. परक्युटेनियस ट्रैचियोस्टोमी का ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर [टीओएनएस ट्रायल] पर प्रभाव
13. बचपन की मोयामोया रोग में प्रमस्तिष्क ऑक्सिजिनेशन पर प्रोवोफोल बनाम सेवोफ्लुरेन का प्रभाव - नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी [एनआईआरएस] अध्ययन

14. कार्डियक रिद्म पर एन्यूरिस्मल सबरैक्नॉइड हैमरेज के बाद सेरेब्रल वैसोस्पैजम के लिए स्टैलेट गैंग्लियन ब्लॉक का प्रभाव, होल्टर-आधारित एक अध्ययन
15. मोयामोया रोग वाले रोगियों में रिजनल सेरेब्रल ऑक्सीजेनेशन पर सर्जिकल रीवैस्क्युलराइजेशन का प्रभाव
16. इंट्राक्रैनियल मेनिनजियोमा सर्जरी के दौरान अंतःक्रियात्मक रक्त हानि पर अंतःशिरा डेक्समेडेटोमाइडिन के प्रभाव का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
17. एंडोस्कोपिक ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी वाले रोगियों में उभरती प्रतिक्रियाओं को कम करने हेतु सामान्य सेलाइन की तुलना में इंट्राट्रैचियल लिग्नोकेन का मूल्यांकन: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
18. ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी में प्रोग्नोसिस के लिए जीसीएस-पुपिल्स स्कोर का आकलन - सीओएमए अध्ययन
19. पोस्टीरियर फोसा सर्जरी के बाद देर से एक्स्ट्युबेशन की घटना और जोखिम कारक - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
20. इंट्राक्रेनियल ट्यूमर सर्जरी कराने वाले रोगियों में डीप वेन थ्रोम्बोसिस की घटना और जोखिम कारक - एक संभावित अध्ययन
21. बड़े संवहनी तंत्रिका अर्बुद में माइडिन के लिए डेक्समेडेटोमाइडीन का इंट्राऑपरेटिव उपयोग।
22. पेरिऑपरेटिव एनेस्थैटिक मैनेजमेंट और रोबोटिक स्टीरियोटैक्टिक असिस्टेड (आरओएसए) इंट्राक्रेनियल प्रविधियों में परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक: पूर्वव्यापी विश्लेषण
23. कोलेस्टिन में इलाज किए गए रोगियों में तीव्र गुर्दे चोट के एक प्रारंभिक बायोमार्कर के रूप में यूरिनरी न्यूट्रोफिल गेलेटिनेस एसोसिएटेड लिपोकैलिन (यू-एनजीएएल) की भूमिका
24. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगसूचक मार्कर के रूप में सीरम लैक्टेट, बेस डेफिसिट और ग्लूकोज का स्तर
25. डिसफ्लुरेन एनेस्थीसिया के तहत एपिलेप्सी सर्जरी वाले रोगियों में ईसीओजी का डेक्समेडेटोमाइडिन पर प्रभाव
26. स्पाइन सर्जरी वाले रोगियों में कफ रिसाव मात्रा पर मानक तरल पदार्थ रेजिमेन बनाम लक्ष्य निर्देशित द्रव चिकित्सा के प्रभाव की तुलना
27. सामान्य एनेस्थेसिया में ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर पर एंड टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का आकलन
28. थोरैसिक, लम्बर और थोरैको-लम्बर स्पाइनल सर्जरी वाले रोगियों में कफ रिसाव मात्रा पर लक्ष्य निर्देशित थैरेपी (जीडीटी) आधारित तरल पदार्थ के प्रभाव का अध्ययन
29. सिर की चोट वाले रोगियों में एक्सट्यूबेशन विफल रहने के जोखिम कारकों और कारणों का अध्ययन करना
30. स्पाइन सर्जरी में ब्लड ट्रांसफ्यूजन (रक्त आधान) के लिए नॉन-इनवेसिव हीमोग्लोबिन आकलन का उपयोग; पारंपरिक हीमोग्लोबिन आकलन विधि के साथ तुलना-एक प्रायोगिक अध्ययन

पूर्ण

1. सेरेब्रल घाव के साथ फैलॉट ऑफ टेट्रॉलोजी (टीओएफ) वाले रोगियों में एनेस्थेटिक उपचार: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
2. सर्जरी वाले एक्रोमेगली के रोगियों में एयरवे का आकलन: ट्रेकियल इंटुबेशन का सफलतापूर्वक पूर्वानुमान लगाना
3. मिर्गी की सर्जरी कराने वाले रोगियों में थ्रोम्बोलैस्टोमेट्री में परिवर्तन
4. एन्यूरिज्मल सबरैच्नॉयड हेमरेज में परिणाम के पूर्वानुमान में फुल आउटलाइन ऑफ अनरिस्पांसिवनेस [एफओयूआर] स्कोर और पारंपरिक स्कोर की तुलना
5. एन्यूरिज्म के लिए क्लिपिंग वाले सबआर्कनॉइड हेमरेज रोगियों में प्रोपोफॉल बनाम सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया की तुलना
6. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में आईसीपी माप की इनवेसिव और नॉन- इनवेसिव तकनीक के बीच सहसंबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन
7. सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया के तहत सुप्रेटेंटोरियल ट्यूमर के रोगियों में डायनेमिक सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन पर डेक्समेडेटोमाइडिन का प्रभाव
8. पोस्ट - क्रेनियोटोमी दर्द पर मैग्नीजियम और लिग्नोकाइन का प्रभाव: एक तुलनात्मक, यादृच्छिक, डबल ब्लाइड, प्लेसिबो - नियंत्रित अध्ययनात्मक
9. पूर्ववर्ती परिसंचरण एन्यूरीजम्स वाले रोगियों में रिजनल सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन पर न्यूरोरेडियोलॉजिकल हस्तक्षेप का प्रभाव: एक अवलोकनात्मक अध्ययन
10. स्पाइन सर्जरी के दौरान ट्रांसक्रेनियल इलैक्ट्रीकल मोटर इवोक्ड पोटेंशियल पर एडजुवेंट के रुप में डेक्समेडेटोमीडाइन के साथ दो एनेस्थेटिक रेजिम का प्रभाव: एक प्रायोगिक अध्ययन
11. इंट्राक्रैनियल मेनिनजिग्योमा सर्जरी के दौरान अंतःक्रियात्मक रक्त हानि पर अंतःशिरा डेक्समेडेटोमाइडिन के प्रभाव का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
12. एन्यूरियसैमल सबआर्कनॉइड हेमरेज के साथ न्यूरोरेडियोलॉजिकल प्रक्रिया के बाद विपरीत-प्रेरित नेफ्रोपैथी / एक्यूट किडनी की चोट के रोगियों में न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज से जुड़े लिपोकालिन (एन-जीएएल) की माप: एक प्रारंभिक अध्ययन
13. पेरिऑपरेटिव एनेस्थेटिक मैनेजमेंट और रोबोटिक स्टीरियोटैक्टिक असिस्टेड (आरओएसए) इंट्राक्रेनियल प्रविधियों में परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
14. सामान्य संवेदनाहरण के तहत फाइबर ऑप्टिक ओरोट्रेकियल इंटुबेशन की दो तकनीकों की यादृच्छिक परीक्षण तुलना: एयर-क्यू इंटुबेटिंग लेरिंजियल एयरवे के उपयोग के साथ और उनके बिना फाइबर ऑप्टिक इंटुबेशन
15. कोलेस्टिन से इलाज किए गए रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट के एक प्रारंभिक बायोमार्कर के रूप में यूरिनरी न्यूट्रोफिल गेलेटिनेस एसोसिएटेड लिपोकैलिन (यू-एनजीएएल) की भूमिका

16. एन्यूरिज्म की क्लिपिंग वाले सबआर्कनॉइड हेमरेज रोगियों में विलंबित सेरेब्रल इस्चेमिया और न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर सर्जरी से पूर्व की अवधि में एनेस्थेटिक एक्सपोजर का प्रभाव - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
17. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में चेस्ट फिजियोथैरेपी और ट्रेकियल सक्शनिंग के बाद इंट्राक्रेनियल और प्रणालीगत दबाव पर डिक्समेडिटोमाइडिन और लिग्नोकाइन के प्रभाव की तुलना करना, एक यादृच्छिक, ब्लाइंड आरम्भिक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. न्यूरोक्रिटिकल केयर इकाई में एक सप्ताह: न्यूरोक्रिटिकल चिकित्सा में बिंदु व्यापकता अवलोकनात्मक अध्ययन: पीआरआईएनसीई अध्ययन, जुलाई 2014, (आईसी/एनपी-190/2014 आरपी-03/2014), बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ह्यूस्टन, टेक्सास
2. दैनिक सर्जिकल प्रक्रियाओं के दौरान सफल एक्सटुबेशन के एक कारक के रूप में एम-मोड सोनोग्राफी द्वारा डायफ्रेगमेटिक मूवमेंट का एक मूल्यांकन, संवेदनाहरण, रेडियोडायग्नोसिस
3. सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इंट्यूबेशन के लिए मानक ब्लेड और मैकिनतोश लेरिंजियोस्कोप के साथ डी-ब्लेड, सी-मैक वीडियो- लेरिंजियोस्कोप सहित सी-मैक वीडियो-लेरिंजियोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक अध्ययन, न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी तथा क्रिटिकल केयर
4. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में हीमोडायनेमिक्स पर लिडोकेन इंफ्यूजन के प्रभाव और इनका ठीक होना: एक बहु कैंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान कैंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, वाइनीपेग, कनाडा
5. पोस्ट-क्रेनियोटोमी दर्द पर मैग्नीजियम और लिग्नोकाइन का प्रभाव: एक तुलनात्मक, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो - नियंत्रित अध्ययन, जैवरसायन विज्ञान
6. स्पाइन सर्जरी के दौरान ट्रांसक्रेनियल इलैक्ट्रीकल मोटर इवोक्ड पोटेंशियल पर एडजुवेंट के रुप में डेक्समेडेटोमीडाइन के साथ दो एनेस्थेटिक रेजिम का प्रभावः एक प्रायोगिक अध्ययन, फिजियोलॉजी
7. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सीएलएबीएसआई) को कम करने में क्लोरेहेक्सिडिन ग्लुकोनेट इम्प्रेगनेटेड पैच (बीआईओपीएटीसीएच^{R}) की प्रभावशीलता पर अग्रदर्शी अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान, ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कैं., एम्स
8. एक रेफरल इंडियन अस्पताल में ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शंस (बीएसआई) की निगरानी, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, जेपीएनटीसी, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाऐं: 72 सारः 7 पुस्तकों में अध्यायः 5 पुस्तकेः 3

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर अरविंद चतुर्वेदी का चयन ईएसआई मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद की चयन समिति में किया गया; सुल्तान कुबोस यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल (एसक्यूयूएमजे), ओमान, जेओएसीपी के समीक्षक; आईएसएनएसीसी के कार्यकारी परिषद सदस्य के रूप में बने रहे।

प्रोफेसर मिहिर प्रकाश पांडिया ने 26-29 नवंबर 2018 को आगरा में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स के 66वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र सत्र की अध्यक्षता की; 16 फरवरी 2019 को गुड़गांव में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी-2019) के 20वें वार्षिक सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की; 14 से 16 मार्च 2019 को जापान के नारा में आयोजित, एशियन सोसाइटी फॉर न्यूरोएनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर की 6वीं कांग्रेस में शोध पत्र सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद रथ ने "द्वितीय एम्स टीसीडी कार्यशाला" का आयोजन किया और आयोजन समिति (वैज्ञानिक) के एक सदस्य के रूप में 'एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2018' के लिए सक्रिय रूप से अपना योगदान दिया; उनको सोसाइटी फॉर न्यूरोसाइंस इन एनेस्थीसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर की वैज्ञानिक समिति के एक सदस्य के रूप में नामांकित किया गया; उन्होंने इसकी संचार समिति के एक सदस्य और एसएनएसीसी के न्यूज़लेटरों के सहायक संपादक के रूप में अपनी सेवाओं को जारी रखा; उन्होंने जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (जेएनएसीसी) के कार्यकारी संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, द इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम, इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थेसिया (आईजेसीए) के सहायक संपादक और इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के वेब संपादक के पद पर बने रहे; एनेस्थेसिया एसेज़ एंड रिसर्चेज (एईआर) और एनेस्थेसियोलॉजी एंड पेन मेडिसिन (एएपीएम) के अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदात्री परिषद के एक सदस्य और मिनेर्वा एनेस्थेसियोलॉजिका, जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थेसियोलॉजी, न्यूरोक्रिटिकल केयर, बीएमसी एनेस्थेसियोलॉजी और जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थेसिया जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों के सहकर्मी समीक्षक के रूप में अपनी सेवाओं को जारी रखा; उन्होंने रोगग्रस्त अंगों और ऊतक दान के लिए नर्सों और रेजिडेंट डॉक्टरों के अंतर्सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम (ओआरबीओ, एम्स द्वारा आयोजित) में (कोर फैकल्टी) में सम्मिलित होना जारी रखा; उनको एशियाई सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर (एएसएनएसीसी) के लिए एक ईएक्ससीओ सदस्य (भारत) के रूप में मनोनीत किया गया और उन्होंने एक वेब संपादक होने के कारण अपना वेबसाइट आरंभ किया; उनको अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों जैसे नारा, जापान में प्री-एएसएनएसीसी बैठक में संकाय/वक्ता के रुप में आमंत्रित किया गया; सैन फ्रांसिस्को, यूएसए में एसएनएसीसी वार्षिक सभा; नारा, जापान में आयोजित एएसएनएसीसी की छठीं कांग्रेस के दौरान एसएनएसीसी पैनल के वक्ता थे; न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन और बांग्लादेश सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलोजिस्ट (बीएसए) के 36वें वार्षिक अधिवेशन के वक्ता थे।

प्रोफेसर हेमांशु प्रभाकर को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2019 में चुना गया था।

डॉ आशीष बिंद्रा ने कैडेवरिक ट्रेनिंग एंड रिसर्च फैसिलिटी, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, नई दिल्ली में अक्टूबर 2018 को कैडेवरिक पेन मैनेजमेंट कार्यशाला आयोजित की; अध्यक्ष: न्यूरोपैथिक दर्द का उपचार, इंडियन सोसाइटी ऑफ पेन क्लिनिशियंस कॉन्फ्रेंस (आईएसएसपीसीओएन), 16 नवंबर 2018, लखनऊ।

डॉ नीरज कुमार ने जनवरी 2019 के सत्र के लिए एम्स, नई दिल्ली में फेलोशिप कार्यक्रम (सीएमईटीआई- अंशकालिक नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित औषधि) में प्रवेश लिया; इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट कार्यशाला पाठ्यक्रम के आधार पर एएनएलएस,एसीसीसी,एम्स- आईएम-एसओएनओ, एयूटीएलएस,एम्स कैडेवर एयरवे के चिकित्सा प्रशिक्षक (संकाय); वे ओआरबीओ दल के एक संकाय सदस्य के रूप में अस्पताल के कर्मचारियों के बीच में ज्ञान व जागरूकता को सुगम बनाते हैं और अंगों को प्राप्त करने से सम्बंधित प्रक्रियाओं में भी सक्रिय रूप से सम्मिलित रहते हैं; ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें., नई दिल्ली में कैडेवरिक एयरवे मैनेजमेंट कोर्स (23 सितंबर 2018) के पाठ्यक्रम निदेशक; एम्स के आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य न्यूरानेशथिसिया अपडेट 2018; एम्स, सीएडीएवीईआरआईसी-हस्तक्षेपीय दर्द उपचार कार्यशाला।

डॉ केशव गोयल को मार्च से लेकर मई 2018 तक क्लीवलैंड क्लीनिक, ओहायो, यूएसए के लिए एक पर्यवेक्षक के रूप में न्यूरोक्रिटिकल केयर और विजिटिंग न्यूरोलॉजिकल इंटेंसिव केयर में प्रिसेप्टरशिप प्रदान की गयी; उनको मई से जून 2018 तक क्लीवलैंड क्लिनिक, ओहायो, यूएसए के लिए एक पर्यवेक्षक के रूप में एनेस्थेसियोलॉजी इंस्टिट्यूट और विजिटिंग न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी विभाग में प्रिसेप्टरशिप प्रदान की गयी; नेशनल सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) द्वारा 2018-2019 के लिए आईएसएनएसीसी ट्रेवल ग्रांट प्रदान किया गया; वे एम्स एडवांस्ड लाइफ केयर सपोर्ट (एसीएलएस); ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें., नई दिल्ली में सितम्बर 2015 को आयोजित प्रवेशिक पाठ्यक्रम और नवम्बर 2018 को रिन्यूएड एसीएलएस एंड बीएलएस इंस्ट्रक्टर स्टेटस; इमरजेंसी न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (ईएनएलएस) इंस्ट्रक्टर रिसर्टिफिकेशन, नवम्बर 2018 में मुख्य शिक्षण संकाय के सदस्य हैं; आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुडगाँव में फरवरी 2019 को नेशनल सोसाइटी (आईएसएनएसीसी) से सहबद्ध फर्स्ट एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी) के पाठ्यक्रम निदेशक और समन्वयक; एसएनएसीसी, यूएसए के ट्रेनी इंगेजमेंट कमिटी के सदस्य; श्वसन और पल्मोनरी मेडिसिन के इंटरनेशनल जर्नल के समीक्षक; आयोजित: एम्स के आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2018; तीसरी कैडेवरिक क्रोनिक पेन कार्यशाला; पहले एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी); पाठ्यक्रम निदेशक और समन्वयक।

डॉ नवदीप सोखल ने 8-9 दिसंबर 2018 को पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में "एम्स के लिए एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह पाठ्यक्रम डॉ रणदीप गुलेरिया, निदेशक एम्स और डॉ अशोक देवरारी, चेयरमैन, सेट सुविधा द्वारा इसके कागज रहित डिजाइन के लिए सराहा गया था, जो कि मुख्य ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें. और एचओडी न्यूरो एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर द्वारा समर्थित था। इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षकों को पुतलों का प्रयोग कर विभिन्न जीवनरक्षा कौशल के लिए प्रशिक्षित किया गया और गंभीर रुप से रोगियों की बुनियादी अवधारणा को सिखाया गया।

नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान

विशेषताएं

क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी), न्यूरोसाइंसेज सेंटर ने डब्लूएचओ के अनुसार, कंटिन्यूअम ऑफ हेल्थ केयर प्रदान करने के लिए सराहनीय प्रयास किया है। ये सब एम्स के माननीय वरिष्ठगणों, सहकर्मियों और विद्यार्थियों सहित, टीम के सहयोग से संभव हुआ है। पीएचडी विद्यार्थियों के उत्साह और इच्छाशक्ति ने 'चिकित्सा के मानक' देने में एक बड़ी भूमिका निभायी है। संकाय को सम्मेलनों में अध्यक्षक के रुप में, आमंत्रित वक्ता के रूप में उपस्थित होने या अन्य कारणों से सम्मेलन और अन्य कार्यक्रमों में आमंत्रित होने का गौरव प्राप्त हुआ। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वक्ताओं द्वारा मनोवैज्ञानिक अध्ययनों पर व्याख्यान श्रृंखला के एक हिस्से के रूप में वार्ता आयोजित की गई थी। चिकित्सकों के द्वारा उनके रोगियों के लिए न्यूरोसाइकोलॉजी से संबंधित परेशानियों पर वक्तवय देना आनंदायक था और मूल्य संवर्धित 'चिकित्सा मानक' प्रदान करने में सक्षम रहा। हम मिलकर इस शाखा के अच्छे परिणाम को प्रदर्शित करने में सक्षम हुए।

प्रदत्त व्याख्यान

आशिमा नेहराः 8

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पार्किन्सन्स रोग के रोगियों की दैनिक जीवनचर्या, व्यवहारिक एवं बोधात्मक क्षमता (ए-बी-सी) की गतिविधियों पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन, आशिमा नेहरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 30.33 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. शीजोफ्रेनिया वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक कार्यों में इसकी क्षमता के आकलन के लिए एक तंत्रिका संज्ञानात्मक उपचार पैकेज का विकास और चरण II परीक्षण
2. ड्रग रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक तंत्रिका तांत्रिय क्रियात्मक पुनर्वास का विकास और दक्षता: एक याद्दच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण
3. पार्किन्सन्स रोग के रोगियों की दैनिक जीवनचर्या, व्यवहारिक एवं संज्ञानात्मक क्षमता (ए-बी-सी) की गतिविधियों पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन
4. ड्रग रिफ्रेक्ट्री एपिलेप्सी और एपिलेप्सी सर्जरी के प्रभाव पर सामाजिक संज्ञान

5. इंटैक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम के साथ प्रमुख धमनियों के प्रतिस्थापन वाले उन बच्चों में तंत्रिका विकास के परिणामों का एक आकलन जिन्होंने एकीकृत ईसीएमओ आधार के बिना शल्यक्रिया करवाने वाले बच्चों की तुलना में एकीकृत ईसीएमओ आधार के साथ बचपन में प्राथमिक धमनी से सम्बंधित स्विच शल्यक्रिया करवाया
6. टाइप 1 डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूरोनाटॉमिकल और न्यूरोफंक्शनल विसंगतियों का आकलन
7. बेरियाट्रिक सर्जरी करवाने वाले मोटापे से ग्रस्त रोगियों में वजन घटाने, सह-रोग और जीवन की गुणवत्ता पर लैप्रोस्कोपिक मिनी गैस्ट्रिक बाय पास (एमजीबी) के प्रभाव का अध्ययन: एक संभावित और पूर्वव्यापी गैर यादृच्छिक पर्यवेक्षण अध्ययन

पूर्ण

1. पोस्ट स्ट्रोक अफेसिया वाले रोगियों में शैली और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मानक फार्मोकोलॉजिकल उपचार के लिए एक सहायक के रूप में "व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास" का विकास और प्रभावकारिता: यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण
2. गुर्दे की बीमारी पुरानी वाले रोगियों और गुर्दा प्रत्यारोपण के प्रभाव में संज्ञानात्मक कार्यों का अध्ययन
3. शल्य चिकित्सा आईसीयू में मैकेनिकल वेंटिलेशन पर गंभीर रूप से बीमार रोगियों के अनुभवों को जीने का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
4. ग्रोस मोटर कार्यों, हाथ के कार्यों और सेरेब्रल पाल्सी में संज्ञान के साथ बच्चों के परिवार के जीवन की गुणवत्ता के सहसंबंध का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन
5. एम्स, दिल्ली में एक सूचनाप्रद पुस्तिका (बुकलेट) को विकसित करने के दृष्टिकोण से, ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें. में तंत्रिका शल्यक्रिया ओपीडी में उपस्थित होने वाले अपघात के पश्चात मस्तिष्क क्षति से ग्रस्त रोगियों के संज्ञानात्मक क्रियाकलाप और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक विवरणात्मक अध्ययन
6. मोया मोया रोग में सर्जिकल रिवैस्कुलराइजेशन के पश्चात, संवर्धित सेरिब्रल पर्फ्यूजन और न्यूरो-कॉग्निटिव परिवर्तनों के बीच सह-सम्बन्ध

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. शीजोफ्रेनिया के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों के प्रति इसकी क्षमता के आकलन के लिए एक तंत्रिका संज्ञानात्मक उपचार पैकेज का विकास और चरण II परीक्षण, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, साइकियाट्री, बायोस्टैटिस्टिक्स
2. ड्रग रिफ्रेक्टरी मिर्गी वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक तंत्रिका तंत्र क्रियात्मक पुनर्वास का विकास और दक्षता: एक यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, बायोस्टैटिस्टिक्स

3. पार्किन्संस रोग के रोगियों की दैनिक जीवनचर्या, व्यवहारिक एवं बोधात्मक क्षमता (ए-बी-सी) की गतिविधियां, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक्स पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन
4. ड्रग रिफ्रेक्ट्री मिर्गी और एपिलेप्सी सर्जरी के प्रभाव में सामाजिक संज्ञान तंत्रिका-विज्ञान, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी
5. इंटैक्ट वैंट्रिकुलर सेप्टम के साथ प्रमुख धमनियों के प्रतिस्थापन वाले उन बच्चों में जिन्होंने एकीकृत ईसीएमओ आधार के बिना शल्यक्रिया करवाने वाले बच्चों की तुलना में एकीकृत ईसीएमओ आधार के साथ बचपन में प्राथमिक धमनी से सम्बंधित स्विच शल्यक्रिया करवाया, तंत्रिका विकास के परिणामों, कार्डियोथोरासिक और वैस्कुलर सर्जरी, कार्डियक एनेस्थेसिया, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी का एक आकलन
6. टाइप-1 डायबिटीज, एंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबोलिज्म, साइकियाट्री, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूरो-एनाटोमिकल और न्यूरो-फंक्शनल अनियमितताओं का आकलन
7. बेरियाट्रिक सर्जरी के मोटापे से ग्रस्त रोगियों में वजन घटाने, सह-रोग और जीवन की गुणवत्ता पर लैप्रोस्कोपिक मिनी गैस्ट्रिक बाय-पास (एमजीबी) के प्रभाव का अध्ययन: एक संभावित और पूर्वव्यापी गैर-यादृच्छिक पर्यवेक्षण अध्ययन, सामान्य शल्य चिकित्सा, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एनेस्थिसियोलॉजी, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 2 सारः 1

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

मनोवैज्ञानिक आकलन में नैदानिक निदान/मूल्याकंन शामिल है जिसमें नैदानिक निदान (स्वर्ण मानकों के अनुसार), व्यापक साक्षात्कार शामिल है; व्यवहारिक अवलोकन, न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षणों की श्रृंखला, व्याख्या, रिपोर्ट न्यूरोसाइकोलॉजिकल फॉर्मूलेशन की रिपोर्ट जिसमें सामान्य बौद्धिकता (हेमिस्फेरिक मूल्यांकन), संज्ञान, उच्च स्तरीय कार्यकारी कौशल (जैसे समस्या निवारण, तर्क), ध्यान और एकाग्रता, स्मृति और सीखना, मोटर और संवेदी कौशल, परसेप्टू-मोटर कार्यकरण/विजुओ-स्थानिक कौशल, मनोदशा और व्यक्तित्व (ऑर्बिटो फ्रंटल कार्य), भाषा/अफेसिया आकलन शामिल हैं। व्यक्तियों के दैनिक जीवन के मूलभूत प्री-मॉर्बिड कार्यों में सुधार करने के लिए कार्यात्मक कौशल में सुधार के लिए बुनियादी कार्य दृष्टिकोण सहित न्यूरोफिजियालॉजिकल पुन: परीक्षण; नुकसान की प्रतिपूर्ति सहित न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्गठन, जब क्षतिपूर्ण कार्य को न तो पुनर्गठित किया जा सकता है और न ही पुनर्स्थापित किया जा सकता है, क्लिनिक आधारित थैरेपी; गृह आधारित थैरेपी।

सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि

न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास, व्यावसायिक मार्गदर्शन, सहायक मनोचिकित्सा, रोगियों और परिवार के सदस्यों को निर्देशक परामर्श जो किसी भी तंत्रिका संबंधी रोग के उपचार के मामले में रोगी चिकित्सा का

एक महत्वपूर्ण पहलू है। ये सभी सेवाएं न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास (एनआर) और संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी क्लिनिक (सीडी एवं एमएम) के विशेष क्लिनिक के अन्तर्गत आती हैं।

बाह्य रोगी सेवा (ओपीडी): 3 रजिस्ट्रियों के साथ 4 नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी ओपीडी प्रति सप्ताह है:

1. **नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी)** क्लिनिकः
2. **विशेष क्लीनिकः**

क. न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास **(एनआर)** क्लिनिक

तंत्रिका मनोविज्ञानी पुनर्वास, संज्ञानात्मक प्रशिक्षण/पुनर्गठन, मूल-भूत कौशल प्रशिक्षण, कार्यात्मक पुनः प्रशिक्षण, भाषण और भाषा पुनर्वास, मनोसामाजिक थैरैपी, मार्गदर्शन और परामर्श, व्यक्तिगत थैरैपी, पारिवारिक थैरैपी, व्यावसायिक मार्गदर्शन, समग्र/पारिस्थितिक दृष्टिकोण थैरैपी (रोगी की जरूरतों के आधार पर)।

ख. संज्ञानात्मक विकार और स्मृति (मेमोरी) **(सीडीएम)** क्लिनिक

संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी क्लिनिक, स्मृति आकलन, संज्ञानात्मक कमी के लिए स्क्रीनिंग, डिमेंशिया / अल्जाइमर डिमेंशिया के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास, स्मृति में गिरावट के लिए संज्ञानात्मक पुनः प्रशिक्षण / कार्यकारी कार्यकरण, संज्ञानात्मक / स्मृति विकार का उपचार, छद्म-डिमेंशिया की पहचान और उपचार, शिक्षा: रोगियों, देखभाल करने वालों, प्रशिक्षुओं, सहयोगियों, और जन साधारण, पारिवारिक मार्गदर्शन, चिकित्सा प्रतिक्रियास और प्रगति की निगरानी ।

सिफारिशें

रोगियों को न्यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, साइकियाट्री, जेपीएन ट्रामा सेंटर, गामा नाइफ यूनिट, न्यूरोएनेस्थेसिया , भौतिक पुनर्वास और औषध (पीएमआर), ईएनटी, नेफ्रोलॉजी, त्वचारोग विज्ञान, स्त्रीरोग विज्ञान, एंडोक्राइनोलॉजी, नाभिकीय औषधि, चिकित्साधिकारी कार्यालय (चिकित्सा-विधिक प्रकरणों के लिए) आदि से रेफर किया जाता है।

रोगों के बीच में अंतर करने हेतु, विशिष्ट क्षेत्रों की शक्तियों और कमियों को पहचानने के लिए भविष्य में परिवर्तन का आकलन करने के लिए क्षमताओं/दुर्बलताओं की आधाररेखा को स्थापित करने हेतु परामर्श दिए जाते हैं जो तब दुर्बलताओं की क्षतिपूर्ति के लिए शक्तियों के उपयोग हेतु, उपचार की योजना बनाने, सहायता या उपचार के लिए योजना बनाने हेतु प्रतिदिन क्रियात्मक क्षमताओं का आकलन करने के लिए उपयुक्त उपचार का निर्देश दे सकते हैं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डब्लूएचओ रिहेबिलिटेशन कम्पिटेंस फ्रेमवर्क वर्किंग ग्रुप का एक सदस्य बनने का दायित्व निभाने और इसमें भाग लेने के लिए इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ साइकोलोजिस्ट (आईसीपी) द्वारा मनोनीत। कार्यकारी समूह को यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह समूह अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त कर सके, पुनर्वास कम्पिटेंस फ्रेमवर्क के विकास का सहयोग करने, इसकी संरचना, भाषा, अवसर और विषयवस्तु पर विशेषज्ञ विचार प्रदान करने का दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा, कार्य समूह को उनके संबंधित

संगठनों या विशेषज्ञ समूहों द्वारा सहकर्मियों की समीक्षा के लिए मसौदा के प्रसार में मदद करने का कार्य सौंपा जाता है, और प्राप्त प्रतिक्रिया को ठोस और सार्थक सिफारिशों में बदलने में सहयोग देता है; दिल्ली विश्वविद्यालय के गृह अर्थशास्त्र संस्थान में सदस्य एथिक्स बोर्ड के रूप में नामित; सदस्य और अध्यक्षता सत्र: 7 अक्टूबर 2018 (रविवार) को "भारतीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा हेतु विकलांगता अध्ययन पर एक मॉडल पाठ्यक्रम विकसित करने" पर राष्ट्रीय कांग्रेस; सीएसआईआर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट स्टडीज (एनआईएसटीएडीएस) द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के तहत घटक प्रयोगशालाओं में से एक, जो "माइंड कोनसियशनेस एंड बियोंड: बिल्डिंग ऑन वेदांतिक मेटाफिजिक्स" (बैठक में भाग लिया) पर नीति अनुसंधान संस्थान के रूप में काम कर रहा है; प्रोफेसर अपूर्व पौरानिक की अध्यक्षता में भारत में अफेसिया पर विशेषज्ञ समूह की बैठक के पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित (न्यूरोलॉजी पहल के भारतीय अकादमी के तहत); अल्जाइमर और संबंधित विकार सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली के लिए गवर्निंग बोर्ड का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर आशम गुप्ता, निदेशक, गांधी भवन, पूर्व प्रमुख, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा साइकोलॉजिकल साइंसेज में व्याख्यान श्रृंखला के एक अंश के रूप में व्याख्यान
2. प्रोफेसर वैष्ण नारंग, भाषाविज्ञान के प्रोफेसर, पूर्व प्रमुख, स्कूल ऑफ लैंग्वेज, साहित्य और संस्कृति अध्ययन, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत। वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया से डॉ मेल कौशांस्की।

तंत्रिका जैव रसायन

विशेषताएं

- मेरी देखरेख में एक स्नातकोत्तर छात्र और दो पीएचडी छात्रों का अपना शोध प्रबंध जारी है;
- डायग्नोस्टिक डिवीजन, बायोकेमिस्ट्री, एनएससी में नए नैदानिक परीक्षण टीपीएमटी स्क्रीनिंग आरंम्भ किया
- एमओओसी-एसडब्ल्यूएवाईएएम, एक एमएचआरडी, शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के लिए एक सामग्री प्रदाता के रूप में भाग लेना जो भारत में शिक्षा को बेहतर बनाने में मदद करेगा

शिक्षा

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

अशोक शर्माः 1

(प्रस्तुत मौखिक पत्र/ पोस्टरः 2)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ओवेरियन कैंसर के लिए बायोमार्कर और इम्यूनोथेरैप्यूटिक लक्ष्य के रूप में जीनोम-वाइड डीएनए मिथाइलेशन और जीनोमिक अस्थिरता प्रोफाइलिंग और इसकी संभावित मूल्यांकन, डीबीटी - रामालिंगास्वामी परियोजना, 5 वर्ष, 2015-2020, रुपये 32.5 लाख
2. ओवेरियन कैंसर में पेरिसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर-टेस्टिस / जर्मलाइन एंटीजन पीओटीई अभिव्यक्ति में एक एपिजेनेटिक नियामक के रूप में परमाणु वास्तुकला, अशोक शर्मा, डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 55 लाख
3. ओवेरियन कैंसर में नए बायोमार्कर के रूप में कैंसर-टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई के सीरम स्तर और इंट्रा ट्यूमर अभिव्यक्ति का विश्लेषण करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन, अशोक शर्मा, डीएचआर-आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 25 लाख
4. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका संबंध, अशोक शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 10 लाख
5. पोस्ट-ट्रौमिक सेप्सिस और सेप्टिक शॉक में प्रो-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-इन्फ़्लेमेटरी साइटोकाइन जीन का एपिजेनेटिक विनियमन, जो सेप्सिस-3 वर्गीकरण द्वारा परिभाषित किया जाता है। प्रमुख आघात के रोगियों में एक अन्वेषण अध्ययन, कपिल देव सोनी, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 10 लाख
6. एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कैंसर-टेस्टिस एंटीजन पीओटीई के सीरम स्तर का अनुमान, डॉ अशोक शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 10 लाख ।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई की क्लोनिंग और कार्यात्मक विश्लेषण।
2. ओवेरियन कैंसर में कैंसर-टेस्टिस / जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी की कार्यात्मक विशेषता, अभिव्यक्ति, और नैदानिक महत्व
3. पेरिकोनोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर के एपिजेनेटिक नियामक के रूप में 3डी जीनोम आर्किटेक्चर की भूमिका - कैंसर में टेस्टीस/रोगाणु प्रतिजन पीओटीई

पूर्ण

1. ओवेरियन कैंसर में कैंसर-टेस्टिस / जर्मलाइन जीन पीओटीईई की अभिव्यक्ति में डीएनए मिथाइलेशन का प्रभाव
2. एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में पीओटीईबी अभिव्यक्ति पर डीएनए मिथाइलेशन प्रभाव

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ओवेरियन कैंसर में डीएनए मिथाइलेशन के साथ सिप्लेटिन संवेदनशीलता और सहसंबंध में पीएआरपी1 और गामा-ग्लूटेमाइलेस्टाइन सिंथेटिस की भूमिका, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
2. रिह्यूमेटिड आर्थराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान
3. कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स में ट्यूबरक्यूलर मेनिनजाइटिस रोगियों के उपचार में ल्यूकोट्रियन ए$_4$ हाइड्रोलेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म और नैदानिक परिणाम सहसंबंध की भूमिका, तंत्रिका विज्ञान
4. वृद्ध भारतीयों में कार्बन चयापचय और संज्ञानात्मक हानि, जराचिकित्सा।
5. संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर के रूप में पुराने रोगियों के बीच नवीन प्रोटीन का अनुमान, जराचिकित्सा
6. दो या दो से अधिक असफल आईवीएफ/आईसीएसआई वाली महिलाओं में जो उन्नत नेचुरल किलर सेल स्तर के साथ हैं आरोपण दर पर इंट्रा-लिपिड पूरकता के प्रभाव का मूल्यांकन करना - एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग
7. डिम्बग्रंथि ट्यूमर और इसके नैदानिक महत्व में कैंसर में टेस्टीस/रोगाणु प्रतिजन पीओटीई की अभिव्यक्ति: एक प्रायोगिक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
8. एंडोमेट्रियल कैंसर के आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशिष्टताओं के साथ इसके सहसंबंध

पूर्ण

1. ट्रोफोब्लास्ट इनवेशन में पेरियोक्सीसोम प्रोलिफेरेटर सक्रिय रिसेप्टर अल्फा (पीपीएआर-अल्फा) की भूमिका, जैव रसायन

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 3

रोगी चिकित्सा सेवाएं

जैव रसायन प्रभाग, एनएससी में नियमित नैदानिक सेवाएं प्रदान करना। बायोकेमिस्ट्री डिवीजन, एनएससी में टीपीएमटी स्क्रीनिंग डायग्नोस्टिक जांच की शुरूआत की।

किए गए वार्ड और ओपीडी परीक्षणों का विवरण

	वार्ड हेमेटोलॉजी	**ओपीडी हेमेटोलॉजी**	**पीटी**	**एपीटीटी**
कुल	60,706	35,696	67,916	6,895

कैटेकोलामाइंस, वीएमए, विटामिन डी, पीटीएच, एचबीए1सी, एनएमओ का विवरण

माह	**केटेकोलामाइंस**	**वीएमए**	**विटामिन डी**	**पीटीएच**	**HbA1c**	**एनएमओ**
कुल	490	490	4,320	119	9,301	664

केंद्रीकृत लैब सीएनसी में किए गए वार्ड रसायन विज्ञान परीक्षणों का विवरण

क्र.सं.	विवरण	परीक्षणों की सं.
1.	ग्लूकोज	31,433
2.	यूरिया	57,478
3.	क्रिएटिनिन	57,478
4.	कैल्शियम	56,120
5.	फास्फ़रोस	56,130
6.	यूरिक अम्ल	57,115
7.	सोडियम	57,128
8.	पोटैशियम	57,120
9.	बिलीरुबिन	56,390
10.	प्रत्यक्ष बिलीरुबिन	55,540
11.	टोटल प्रोटीन	56,160
12.	एल्बुमिन	56,890
13.	एएसटी	60,140
14.	एएलटी	60,140
15.	एएलपी	58,140
16.	कोलेस्ट्रॉल	36,180
17.	एमाइलेस	26,110
18.	साइक्लोस्पोरिन	215
19.	टेक्रोलिमस	476

केंद्रीयकृत लैब सीएनसी में किए गए ओपीडी रसायन विज्ञान परीक्षणों का विवरण

क्र.सं.	विवरण	परीक्षणों की सं.
1.	ग्लूकोज	46,840
2.	यूरिया	45,810
3.	क्रिएटिनिन	45,750
4.	कैल्शियम	44,105
5.	फास्फ़रोस	43,990
6.	यूरिक एसिड	44,220
7.	सोडियम	44,550
8.	पोटैशियम	44550
9.	बिलीरुबिन	44,840
10.	डायरेक्ट बिलीरुबिन	45,450

11.	टोटल प्रोटीन	45,340
12.	एल्बुमिन	45,110
13.	एएसटी	45,110
14.	एएलटी	45,220
15.	एएलपी	44,740
16.	कोलेस्ट्रॉल	7,115
17.	एमाइलेस	7,101

केंद्रीकृत लैब सीएनसी में किए गए लिपिड और एंजाइम

क्र.सं.	**विवरण**	**परीक्षणों की कुल सं.**
1.	लिपिड प्रोफाइल	96,440
2.	सीके-एनएसी	16,552
3.	सीके-एमबी	5,296
4.	एलडीएच	19,480
5.	एएसएलओ	4,815
6.	डायजोक्सिन	826

केंद्रीयकृत लैब सीएनसी में किए गए हार्मोन, ड्रग्स और अन्य न्यूरोलॉजिकल परीक्षण

हार्मोन

क्र.सं.	**विवरण**	**परीक्षण सं.**
1.	टी3	13,000
2.	टी4	13,500
3.	टीएसएच	14,000
4.	प्रोलैक्टिन	1,650
5.	कोर्टिसोल	1,700
6.	एलएच	1,600
7.	एफएसएच	1,600

ड्रग्स

क्र.सं.	**विवरण**	**परीक्षण सं.**
1.	फेनीटोइन	1,400
2.	वाल्पोरेट	1,300
3.	फेनोबार्बिटोन	200
4.	कार्बामाजेपाइन	800

अन्य

क्र.सं.	विवरण	परीक्षण सं.
1.	विट बी12	5,000
2.	फोलेट	3,000
3.	होमोसिस्टीन	1,500
4.	फेरीटीन	1,300
5.	सेरुलोप्लाज्मीन	400
6.	सीरम कॉपर	450
7.	यूरिन कॉपर	250
8.	एसीएचआर	200
9.	ओसीबी	400
10.	न्यूरोनल ए.जी.	12
11.	गैंग्लीयोसाइड	03

सेंगर-अनुक्रमण आधारित परीक्षण:

क्र.सं.	विवरण	परीक्षण सं.
1	टीपीएमटी	120
2	बीआरसीए	15
3*	एससीए, एमएनडी-एएलएस, सीएएच	160
4*	एमएनडी, स्ट्रोक, एएमएल	456

*प्रोफेसर अचल श्रीवास्तव

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ अशोक शर्मा ने सत्र "यंग स्पीकर प्रोग्राम" की अध्यक्षता के साथ-साथ पोस्टर सत्र के लिए परीक्षक की भूमिका निभाई जीव विज्ञान का संवर्धन 2019: टुवर्ड्स थिंकिंग मशीन पर संगोष्ठी, 4-7 फरवरी 2019, पुणे, एपिजेनेटिक्स और ह्मेन डिजीज; 2018-2020 की अवधि के लिए डीएसआई में संयुक्त सचिव के रूप में निर्वाचित, डीएनए सोसाइटी ऑफ इंडिया, 24 अप्रैल 2018, कोलकाता; इंडियन कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम (आईसीआरसी), आईसीएमआर, नई दिल्ली के लिए समन्वयक सदस्य के रूप में कार्य करना; कैंसर स्क्रीनिंग हस्तक्षेप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय परामर्श के सदस्य; "इनोवेटिव ट्रांसलेशनल रिसर्च (आईटीआर) डिवीजन", आईसीएमआर, भारत की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; "सेल टावर और मोबाइल विकिरण कार्यक्रम" की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य, डीएसटी, भारत; "इंडियन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी" के संस्थापक सदस्य; संपादकीय और समीक्षा कार्य: कैंसर विज्ञान और कोशिका जीव विज्ञान के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी

(आईजेआईआईटी) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; इम्युनोपीजेनेटिक्सः ए फ्यूचर सेंटिनल फॉर ट्यूमर डायरेक्टेड थेरपीज पर विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक, जर्नल ऑफ ऑन्कोलॉजी, हिंदवी; समीक्षकः पीएलओएस वन, पीएलओएस जेनेटिक्स, पीएलओएस बायोलॉजी, बीएमसी कैंसर; कार्सिनोजेनेसिस-ऑक्सफोर्ड जर्नल; प्रयोगशाला जांच-प्रकृति; आणविक जैव प्रणाली-आरएससी प्रकाशन; आणविक जैव प्रौद्योगिकी, आणविक और सेलुलर जैव रसायन-स्प्रिंगर।

तंत्रिकाविकृति विज्ञान

प्रदत्त व्याख्यान

चित्रा सरकारः 5 मेहर सी शर्माः 15 वैशाली सूरीः 12

प्रस्तुत मौखिक पत्र/ पोस्टरः 20

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ग्लायोब्लास्टोमा पर्सनलाइज्ड थेरेपी के लिए व्यापक आणविक अनुशंसिक पैनलों को विकसित करने के लिए एक बहु-केन्द्रीय अध्ययन, चित्रा सरकार, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2021, रुपये 50 लाख (लगभग)
2. जे.सी. बोस रिसर्च फेलोशिप, चित्रा सरकार, डीएसटी, 5 वर्ष, 2016-20, प्रति वर्ष रुपये 15 लाख
3. ओलिगोडेन्ड्रोग्लिओमास में एमआईआरएनए क्लस्टर्स (सी14एमसी तथा सी19एमसी) की भूमिका का प्रकटीकरणः क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंधों के साथ आनुवंशिक और कार्यात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए अध्ययन, चित्रा सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 10 लाख प्रति वर्ष
4. रूटीन मोलेक्युलर उपसमूह के लिए एक नवीन दृष्टिकोण विकसित करने हेतु जीनोमिक-एपिजेनोमिक विश्लेषण को लक्षित करना और मेनिंगियोमा में क्रियात्मक लक्ष्यों की पहचान करना, वैशाली सूरी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 42 लाख लगभग
5. मेनिंगियोमा के स्तरीकरण के लिए नए बायोमार्कर के रूप में नॉन-कोडिंग आरएनए पैनल की पहचान और इसके रोग संबंधी चिकित्सीय महत्ता का मूल्यांकन, वैशाली सूरी, आईआईटी दिल्ली के साथ बहु-संस्थागत संकाय अंतःविषयी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 10 लाख
6. डब्ल्यूएचओ 2016 ग्लियोमा के वर्गीकरण के परिप्रेक्ष्य में प्रोटमोरीजेनिक सूजन का मोलेक्युलर प्रतिरूप, वैशाली सूरी, एम्स, 3 वर्ष, 2018-2020, रुपये 20 लाख
7. बाल चिकित्सा एपिन्डिमोमास के रोगजनन में घोंघा पैरालोग्स की कार्यात्मक प्रासंगिकता को उजागर करना, एम.सी. शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2020, रुपये 45 लाख
8. भारत में न्यूरोमस्कुलर विकारों के उद्देश्य से लक्ष्य जीन अनुक्रमण (स्टैंड-इंडिया), एम.सी. शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 50 लाख

पूर्ण

1. संपूर्ण एक्सोम सीक्वेंसिंग के माध्यम से ग्लियोमा विकास और प्रगति का प्रकटीकरण, चित्रा सरकार, डीबीटी, 4 वर्ष, 2013-17, रुपये 99 लाख (लगभग)
2. विकासशील देशों में नियमित नैदानिक अभ्यास हेतु आणविक उप-समूह और मेडूलाब्लास्टोमा के जोखिम स्तरीकरण के लिए शीघ्र और आर्थिक विधियों की स्थापना, वैशाली सूरी, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपये 10 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मेडुलोब्लास्टोमास के आणविक उपसमूह के लिए डीएनए मैथिलेशन सारणी
2. आईडीएच नेगेटिव ग्लियोमा के लक्षित अनुक्रमण
3. शिशु ग्लियोमास का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन
4. ईजेडएच2-डब्ल्यूएनटी अभिव्यक्ति और ट्यूमर इनवेसिव, स्टेम सेल फेनोटाइप और पिट्यूटरी एडेनोमास में प्रगति के साथ सहसंबंध
5. एपेथेलिओइड जीबीएम और पीएक्सए की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफाइल की तुलना
6. ग्लिओमास में प्रतिरक्षा जांच बिंदु मार्करों का विश्लेषण
7. मेनिंगियोमा में ईएमटी पाथवे
8. एपिथेलिओइड ग्लियोब्लास्टोमा की मोलेक्यूलर प्रोफाइलिंग

पूर्ण

1. मेडुलोब्लास्टोमा के आणविक उपसमूह हेतु नैनोस्ट्रिंग तकनीक
2. आईडीएच नकारात्मक ग्लियोमा की मोलेक्यूलर प्रोफाइलिंग
3. एपेंडिमोमा में गुणसूत्र 22q परिवर्तन और एनएफ2 सिग्नलिंग पाथवे का अध्ययन
4. बाल चिकित्सा ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा की मोलेक्यूलर प्रो फाइलिंग

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ग्लिओमास में फैट जीन, जीव रसायन
2. मिडलाइन ग्लियोमास की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल, न्यूरोसर्जरी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 28

रोगी देखभाल

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

कुल नमूने	2,844
फ्रोजन सेक्शन	372

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन

नियमित आईएचसी	7,323
अनुसंधान आईएचसी	2,700
मांसपेशी आईएचसी	1,870
प्राप्त कुल मांसपेशी	367
मांसपेशी एंजाइम-ऊतक रसायन	1,170
स्वस्थानी संकरण में प्रतिदीप्ति	
नैदानिक	305
नियमित	252

ईएम सुविधा

कुल मांसपेशी सैम्पल	376
कुल नर्व सैम्पल	44

पुरस्कार, **सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ**

प्रोफेसर चित्रा सरकार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अध्यक्ष, एम्स, कल्याणी नियुक्त किया गया था; वे भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के बारे में सिफारिशें देने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित समिति की अध्यक्ष थीं; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के शासी निकाय की सदस्य; टीएचएसटीआई सोसायटी समिति की सदस्य; डीएसटी-इंस्पायर फैलोशिप स्थायी समिति की मनोनीत सदस्य; उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में 6 से 8 अप्रैल 2018 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (इसनोकोन 2018) के 10वें वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता की; उन्होंने मोलेक्युलर न्यूरो-ऑन्कोलॉजी पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला भी आयोजित की; वे महिला शिकायत प्रकोष्ठ, एम्स की अध्यक्ष थीं; वह एम्स में महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम की अध्यक्ष थीं; सहयोगी अनुसंधान के लिए एम्स और अन्य संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन की समन्वयक रहीं; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के नैनो मिशन काउंसिल (एनएमसी) की सदस्य; सदस्य, उत्तर पूर्वी क्षेत्र जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के लिए सर्वोच्च समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग; न्यूरोपैथोलॉजी के इंटरनेशनल सोसायटी की उपाध्यक्ष; सचिव, न्यूरोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया; रैनबैक्सी पुरस्कारों के लिए चयन समिति की सदस्य; आईएनएसए की सैक्शनल समिति (स्वास्थ्य विज्ञान) की सदस्य; सदस्य, जर्नल न्यूरोपैथोलॉजी के संपादकीय बोर्ड (जापान से प्रकाशित); सदस्य, आईसीएमआर के वैज्ञानिकों की पदोन्नति हेतु मूल्यांकन समिति; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर की शासी निकाय और वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य; पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली की मानव नैतिकता समिति की सह-अध्यक्ष; तथा सदस्य, एनसीडी-III की ऑन्कोलॉजी उप-समिति, आईसीएमआर।

प्रोफेसर मिहिर चंद शर्मा को एम्स उत्कृष्टता सम्मान (3रा स्थान) उनके शोधपत्र "सी11 ओआरएफ95-आरईएलए फ्यूशन एंड अपरेगुलेटेड एनएफ-केबी सिग्नलिंग कैरेक्टराइजिंग ए सबसेट ऑफ अग्रेसिव सब्ट्राटेंटोरियल एपेंडाइमोमस देट एक्सप्रेस एलआईसीएएम एंड नेस्टीन इन इंस्टीट्यूट डे, 2018 के लिए प्राप्त हुआ; टोक्यो, जापान में आयोजित इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ़ न्यूरोपैथोलॉजी (आईसीएन-2018) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार; एम्स ऑन्कोलॉजी अवार्ड, बेसिक रिसर्च में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित शोधपत्र "ट्रांसक्रिप्शनल को-एक्सप्रेशन रेग्युलेटरी नेटवर्क एनालाइसिस फॉर स्नैल एंड स्लग आइडेंटिफाइड आईएलआईआर1, एन इनफ्लमेटरी साइटोकिन रिसेप्टर टू बी प्रिफरेंशीयली एक्सप्रेस्ड इन एसटी-ईपीएन-आरईएलए तथा पीएफ-ईपीएन - मॉलेक्युलर सबग्रुप्स ऑफ इंट्राक्रेनियल एपेंडाइमोमासीन, के लिए दूसरा स्थान, पहला वार्षिक एम्स अनुसंधान दिवस, 26 मार्च 2019।

प्रोफेसर वैशाली सूरी (बतौर मुख्य लेखक) को एम्स, नई दिल्ली में 6-8 अप्रैल, 2018 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में न्यूरोकोलॉजी में उत्कृष्ट कार्य के लिए आईएसएनओ वार्षिक पुरस्कार मिला।

रेजिडेंट पुरस्कार

मधु राजेश्वरी एस को एम्स, नई दिल्ली, 6-8 अप्रैल 2018 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में, "प्राइमरी हिस्टीयोकाइटिक सार्कोमा ऑफ ब्रेन–ए रेयर अकरेंस" मधु राजेश्वरी, एम.सी. शर्मा, वी सूरी, चित्रा सरकार के पोस्टर के लिए पहला सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला।

प्रियदर्शनी एस को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 6-8 अप्रैल, 2018 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में 'डिफ्यूज़ लेप्टोमेनिंगल ग्लियोन्यूरोनल ट्यूमर' नामक पोस्टर के लिए तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला।

अग्रीमा एस को पोस्टर शीर्षक "ओवर-एक्सप्रेशन ऑफ प्रोग्राम्ड सेल डेथ लिगैंड (पीडी-एल1) सजेस्ट्स नेगेटिव आउटकम इन आरईएलए फ्यूजन एपेंडीमोम्स" के लिए तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला। एम्स, नई दिल्ली में 6-8 अप्रैल 2018 को आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में अग्रिमा शर्मा; प्रीत बेनी माल्गुलवर; मनमोहन सिंह; वैशाली सूरी; चित्रा सरकार; मेहर चंद शर्मा।

कवनीत कौर को एम्स, नई दिल्ली में 6-8 अप्रैल, 2018 को आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन में "मॉलेक्यूलर क्लासिफिकेशन ऑफ मेडुलोब्लास्टोमास इन रूटीन प्रैक्टिस: वेयर टू स्ट्राइक ए बैलेंस?" शीर्षक के लिए तीसरा सर्वश्रेष्ठ सम्मानित पेपर पुरस्कार मिला।

अरुणा नंबिराजन ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी, 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में 'क्लिनिकोपैथोलॉजिकल इवैल्यूएशन ऑफ पीडी-एल1 एक्सप्रेशन एंड

साइटोटोक्सिक टी-लिम्फोसाइट इंफिल्ट्रेटस एक्रॉस मॉलिक्यूलर सबग्रुप्स ऑफ इंट्राक्रेनियल एपेंडीमोमास' के लिए नियोप्लास्टिक- मौखिक पेपर प्रस्तुतीकरण के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

अंजू जीएस ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में 'एनएफ2 हेमीजीगोस डीलेशंस एंड मर्लिन लोस इन स्पाइनल एपेण्डीमोमास आर नॉट रिलेटेड टू एमटीओआर और हिप्पो पाथवे एक्टिवेशन' के लिए निओप्लास्टिक - मौखिक पेपर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार जीता।

श्रद्धांजलि सतपती ने पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता- पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में 'प्राइमरी इंट्राक्रेनियल मैलिग्नैंट एक्टोमेसेनचिमोमा इन एन एडल्ट: ए रेयर केस रिपोर्ट' के लिए नियोप्लास्टिक/केस रिपोर्ट

कल्पना कुमारी ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन -2019 में 'सीएनएस लिम्फोमेटोइड ग्रेनुलोमाटोसिस: रिपोर्ट ऑफ रेयर केस' के लिए पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

शालिनी कर्दम ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में 'जुवेनाइल न्यूरोनल सेरॉइड लिपोफुसिनोसिस-रिपोर्ट ऑफ टू केसेस' के लिए नियोप्लास्टिक/केस रिपोर्ट- पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार जीता।

कवनीत कौर ने पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता - पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में 'स्पेक्ट्रम ऑफ इन्फैंटाइल ट्यूमर्स अकॉर्डिंग टू द डब्ल्यूएचओ 2016 क्लासिफिकेशन' के लिए नियोप्लास्टिक/केस रिपोर्ट- पोस्टर प्रस्तुति के लिए पहला पुरस्कार जीता।

सुधा बट्टू ने उनके पेपर 'बट्टू एस, कुमार ए, पाठक पी, पुरकित एस, धवन एल, शर्मा एमसी, सूरी ए, सिंह एम, सरकार सी, सूर्या वी' के लिए डॉ सुबिमल रॉय पब्लिश्ड पेपर अवार्ड जीता। पेडिएट्रिक मेनिंगियोमास की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल और आणविक विशेषताएं। तंत्रिकाविकृति विज्ञान। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 15-17 फरवरी 2019 को आयोजित एनपीएसआईसीओएन-2019 में 2018; 38: 22-33

11-1 ch-ch- nhf{kr iqLrdky;

iHkkjh vkpk;] iqLrdky; lfefr

एस. राजेश्वरी

eq[; iqLrdky;k/;{k

एस. शिव चिदंबरम

विशिष्टताएं

डॉ. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय गुणवत्ता हेतु सभी शिक्षण विभागों एवं केन्द्रों को सूचना सेवा प्रदान करने का प्रमुख पुस्तकालय है। पुस्तकालय 24x7 (365 दिनों) खुला रहता है और इसमें 1,50,000 से अधिक पुस्तकें तथा अन्य दस्तावेज जैसे बाउंड पत्रिकाएं एवं पैम्फलेट्स इत्यादि हैं। पुस्तकालय में तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पाठकों व कर्मचारियों हेतु हिंदी की 2,296 पुस्तकों का संग्रह भी है। प्रतिदिन लगभग 320 पाठक लाइब्रेरी में आते हैं। पुस्तकालय जैव चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान सहायता हेतु आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। पुस्तकालय में मुख्यत: (70%) ई-संसाधन हैं, जो चिकित्सकों एवं संकाय सदस्यों को उनकी वैज्ञानिक गतिविधियों हेतु कभी भी, कहीं भी उपलब्ध कराए जा सकते हैं। पुस्तकालय के माध्यम से विभिन्न ई-संसाधनों के संग्रह तक पहुंचने तथा उपलब्ध प्रमाणिक सेवायें नीचे दी गई हैं:

ई-संसाधन के प्रकार	**वितरण**
ई-पत्रिकाएं	1493 वैज्ञानिक पत्रिकाएं, दंत चिकित्सा एवं मौखिक विज्ञान स्त्रोत (डीओएसएस समूहक), एनईजेएम जर्नल वाच
ई-पुस्तकें	एक्सेस चिकित्सा, ऑक्सफोर्ड ऑनलाइन चिकित्सा (53 पाठ्यपुस्तकें), ओवीआईडी
पाइंट ऑफ केयर डाटाबेस	अप-टू-डेट (कभी भी, कहीं भी), बी.एम.जे. बेस्ट प्रेक्टिस, बी.एम.जे. केस रिपोर्ट, एकलैंड एनाटॉमी, मेड-वन सर्जरी
ई-लर्निंग पेकैज	जे.ए.एम.ए. साक्ष्य, प्रकाशन हेतु बी.एम.जे. एच.एस.टॉक व्याख्यान माला
एब्सट्रेक्टिंग एंड इंडेक्सिंग डेटाबेस	ई.एम.बी.ए.एस.ई., वेब ऑफ साइंस (उद्धरण विश्लेषण डेटाबेस), पत्रिका उद्धरण रिपोर्ट
सेवाओं तक पहुंचने हेतु सुविधा सॉफ्टवेयर	• पुस्तकालय लाईबासिसप्रीमिया (संस्करण-10) स्वचालन • ई.बी.एस.सी.ओ. डिस्कवरी सेवा (सभी सदस्यता प्राप्त हेतु ई-संसाधन सिंगल पाइंट सर्च है) • परिसर में सभी ई-संसाधनों तक आई.पी. सक्षम के माध्यम से पहुंचते है। • परिसर के बाहर के लिए रिमोट एक्सेस, ओपन एथेन्स सुविधा है।
प्लेजिरिज़्म जांच सेवा	आई-थेन्टीसेट सक्षम वेब

इन ऑनलाइन डेटाबेस, ई-पत्रिकाओं एवं ई-पाठ्यक्रम पैकेजों तक पुस्तकालय की वेब-सकेल डिस्कवरी सेवा (सिंगल पाइंट सर्च) द्वारा आई.पी. सक्षम कोड एवं रिमोट एक्स सुविधा के माध्यम से देखा जा सकता है। कुछ सोसाइटी आधारित पत्रिकाओं को यूज़रनेम तथा पासवर्ड के माध्यम से ही देखा जा सकता है। उपलब्धता की आवश्यक सूचना पुस्तकालय के वेबपेज: http://www.aiims.edu/en/library.html के माध्यम से प्रसारित की जाती है। पुस्तकालय संकाय सदस्यों व अकादमिक रेजीडेंट डॉक्टरों को लिंक: http://elibraryaiims delhi.remotexs.in के माध्यम से परिसर एवं देश के बाहर भी ई-संसाधन एक्सेस करने हेतु रिमोट एक्सेस सुविधा प्रदान करता है। पुस्तकालय का अपना एक सर्च इंजन है जिसे 'सिंगल पाइंट सर्च' वेब-स्केल

डिस्कवरी सेवा कहा जाता है, जिससे पुस्तकालय हेतु अंशदान किए गए इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों को प्रभावी ढंग से पुन: प्राप्त किया जा सके और यह डॉक्टरों के लिए ग्रंथ सूची प्रबंधन प्रणाली हेतु एक उपकरण के रूप में कार्य करता है।

पुस्तकालय समिति पुस्तकालय के प्रबंधन हेतु एक सलाहकार निकाय है। यह पुस्तकों की खरीद तथा पीरियोडिकल्स तथा डेटाबेस की सदस्यता लेने के संबंध में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष को सलाह देता है। वर्तमान समिति में अध्यक्ष के रूप में प्रभारी आचार्य, सदस्यों के रूप में विभिन्न संभागों से सात आचार्य, दो सह-आचार्य एवं एक सहायक आचार्य तथा समन्वयक के रूप में पुस्तकालयाध्यक्ष है। समिति की नियमित रूप से बैठक की जाती है।

इस पुस्तकालय में 3 सर्वरों और 49 कंप्यूटरों से मिलकर इन-हाऊस सूचना संचार एवं प्रबंधन प्रणाली हैं। यह पुस्तकालय लिबसिसप्रीमिया स्वचालन सॉफ्टवेयर सिस्टम का प्रयोग करता है जोकि डाटा एंट्री तथा पुस्तकों एवं अन्य दस्तावेजों की पुन: प्राप्ति में सहायता करता है। सभी प्रलेखन/ग्रंथ सूची की सेवाओं के साथ-साथ पुस्तकालय के कुछ क्रियाकलापों को इस एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर कंप्यूटरीकृत किया गया है। पुस्तकालय के वितरण अनुभाग को आर.एफ.आई.डी. स्मार्ट कार्ड सिस्टम के माध्यम से तथा ऑनलाइन पुस्तकों के इश्यू व रिटर्न के साथ-साथ ईमेल के माध्यम से स्वचालित रिमांइडर सिस्टम को कंप्यूटरीकृत किया गया है। पुस्तकालय सामाजिक जागरूकता सेवा और संदर्भ सेवा प्रदान करता है। पुस्तकालय, ई-संसाधन बुलेटिन, एक्स इंस्टीटयूशनल रिपोसिटरी बुलेटिन, न्यू बुक बुलेटिन आदि प्रकाशित करता है, यह वेब-आधारित ओपन एक्सेस पब्लिक केटालोग (वेब ओ.पी.ए.सी.), रेप्रोग्राफी और शैक्षणिक साहित्य के प्रिंटआउट जैसी सेवाएं भी प्रदान करता है। पुस्तकालय नियमित रूप से छात्रों, शोध विद्यार्थियों और डॉक्टरों को ओरिएन्टेशन एवं सूचना साक्षरता कार्यक्रम प्रदान करता है।

इस वर्ष पुस्तकालय ने ई-पत्रिकाओं, डेटाबेस, पुस्तकों तथा अन्य दस्तावेजों, आई.टी. इक्वीपमेंट एवं सेवाओं आदि पर लगभग 18 करोड़ रुपये खर्च किए है। यहां लगभग 354 नई पुस्तकें, 1493 ई-पत्रिकाएं, 13 डेटाबेस तथा 4 एक्सेस सुविधा सेवा आदि शामिल की गई है पुस्तकालय ने मेसर्स प्रो.क्वेस्ट के माध्यम से प्रिंट में और साथ ही साथ सीडी फोर्मेट में उपलब्ध थीसिस और शोध-प्रबंध की स्कैनिंग एवं डिजीटलीकरण से इलेट्रॉनिक थीसिस और शोध-प्रबंध डिजीटल पुस्तकालय स्थापित करने का कार्य प्रारंभ किया है। जो लगभग पूरा होने वाला है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन का आयोजन

1. 'इलैक्ट्रॉनिक वातावरण में चिकित्सा साहित्य तक पहुँच एवं उपलब्धता (ए.एम.एल.ई.ई.-2018)' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 16-17 अप्रैल 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. आहार विशेषज्ञों हेतु पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम, 15 मई, 2018 डॉ. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली
3. पुस्तकालय स्टाफ सदस्यों हेतु लाईबसिस (संस्करण 10), पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम 5-8 जून, 2018, डॉ. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली
4. विले द्वारा आर्टिकल का प्रकाशन कैसे करें पर लेखक कार्यशाला, 19 जून, 2018, डॉ. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली।
5. लायब्रेरियन दिवस पर डॉक्टरों के विद्वतापूर्ण संचार में ई-संसाधनों का उपयोग पर संगोष्ठी, 13 अगस्त, 2018 डॉ. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली
6. 'एक पत्रिका चुनना एवं एक बड़ा प्रस्तावित पैकेज तैयार करना' पर कार्यशाला, 18 सितम्बर, 2018, डॉ. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली
7. समीक्षक की टिप्पणियों के जवाब पर लेखक कार्यशाला, 21 दिसम्बर, 2018, डॉ. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली
8. 'स्वास्थ्य उपचार प्रणाली में ई-शिक्षण की उभरती प्रवृतियों' पर संगोष्ठी, 28 जनवरी, 2019, डॉ.बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय एम्स, नई दिल्ली
9. डॉ. नलिनी महाजन, पुस्तकालय निदेशक एवं वेबमास्टर, मारियन जांच रिहेबिलिटेशन अस्पताल, विटोन, यू.एस.ए. द्वारा 'डिजीटल पुस्तकालय एवं स्वास्थ्य उपभोक्ताओं' पर विशेष व्याख्यान 9 फरवरी, 2019, डॉ. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

एस. शिवा चिदंबरम : 7

प्रकाशन

पत्रिका : 1 **पुस्तकों में अध्याय : 12** **पुस्तके : 1**

सम्मेलन/संगोष्ठी में भाग लिया

डॉ. एस. शिवा चिदंबरम

1. 'अतिथि के सम्मान' के रूप में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, 3 जुलाई, 2018, डॉ. के.डी. गुप्ता ज्ञान संसाधन केन्द्र, महात्मा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, जयपुर
2. संसाधन व्यक्ति, एशियाई पुस्तकालय संघ द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 6-8 अगस्त, 2018, सेन्ट्रल युनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर
3. आई.ए.एस.एल.आई.सी.-इग्नू पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर 'क्रोस मार्गों पर पुस्तकालय व्यवसाय', 17 सितम्बर, 2018, इग्नू, नई दिल्ली
4. पैनलिस्ट, 'डिजीटल पुस्तकालयों के निर्माण हेतु ज्ञान: क्षमता तक पहुँच की गारंटी' पर संगोष्ठी, 15 अक्टूबर, 2018, नई दिल्ली
5. 'पुस्तकालयों में मानव संसाधनों का स्थानांतरण: भविष्य में शिक्षण संबंधी नीतियों' पर डेलनेट का वार्षिक व्याख्यान, 7 जनवरी, 2019, डेलनेट, जे.एन.यू. कैम्पस, नई दिल्ली
6. संसाधन व्यक्ति, एशियाई विशेष पुस्तकालयों का छठा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएसीएल, 2019),14-16 फरवरी, 2019, आई.ई.जी. एवं 'अम्बेडकर विश्वविद्यालय', दिल्ली

श्री एम.के. विश्वकर्मा

1. आई.ए.एस.एल.आई.सी.-इग्नू पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर 'क्रोस मार्गों पर पुस्तकालय व्यवसाय', 17 सितम्बर, 2018, इग्नू, नई दिल्ली
2. नई दिल्ली एवं विशाखापटनम में 4-6 अक्टूबर, 2018 को डेलनेट द्वारा आयोजित पुस्तकालयों की प्रगति के क्षेत्र एवं सेवाओं हेतु प्रबंधन नीतियों और तकनीकों हेतु ज्ञान, पुस्तकालय तथा सूचना नेटवर्किंग पर राष्ट्रीय सभा, एन.ए.सी.एल.आई.एन. 2018
3. जेम नेशनल मिशन सीरीज इवेन्ट 'जेम स्वास्थ्य', 16 अक्टूबर, 2018, प्रवासी भारतीय केन्द्र, नई दिल्ली
4. 'पुस्तकालयों में मानव संसाधनों का स्थानांतरण: भविष्य में शिक्षण संबंधी नीतियों' पर डेलनेट का वार्षिक व्याख्यान, 7 जनवरी, 2019, डेलनेट, जे.एन.यू. कैम्पस, नई दिल्ली

श्री जहांगीर खान

1. नई दिल्ली एवं जी.टी.ए.एम. विशाखापटनम में 4-6 अक्टूबर, 2018 को डेलनेट द्वारा आयोजित पुस्तकालयों की प्रगति के क्षेत्र एवं सेवाओं हेतु प्रबंधन नीतियों और तकनीकों हेतु ज्ञान, पुस्तकालय तथा सूचना नेटवर्किंग पर राष्ट्रीय सभा, एन.ए.सी.एल.आई.एन. 2018

श्री प्रशांत श्रीवास्तव

1. 'पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षितिज की खोज: पुस्तकालयों से केन्द्रों तक' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 7-9 अगस्त, 2018, राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान, बैंगलोर केन्द्र
2. आई.एफ.एल.ए.-एशिया एवं ओशेनिया, आर्थिक विकास संस्थान, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सहयोग से तथा पुस्तकालय व्यवसायों हेतु समाज एवं कोरिया स्पेशल पुस्तकालय संघ के सहयोग से एवं ए.पी.पी.टी.आई.एस. (एसोसिएसी प्रपुस्तकान पेरगुरूअन टिंग्गी इस्लाम इंडोनेशिया) आर्थिक विकास संस्थान में (14 फरवरी, 2019), दिल्ली एवं अम्बेडकर

विश्वविद्यालय दिल्ली (15 फरवरी, 2019) के सहयोग से एशियाई अध्याय, विशेष पुस्तकालय संघ (एस.एल.ए.यू.एस.ए.) द्वारा आयोजित एशियाई विशेष पुस्तकालयों का छठा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई.सी.ओ.एम.ए.एल. 2019), 14-15 फरवरी, 2019,

3. स्वास्थ्य सूचना संसाधन एवं तकनीकी प्रचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 27 जुलाई 2018, भारतीय भेषजकोश आयोग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, गाजियाबाद
4. विद्वानों के लेखन और प्रकाशन पर दूसरी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 27 अगस्त, 2018, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली
5. डिजीटल रूपांतरण: संरक्षण, नीति एवं गोपनीयता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 29 नवम्बर-1 दिसम्बर, 2018, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली

श्री उमेश कुमार

1. 'ई.आर.एम.ई.डी.: स्वस्थ डिजीटल भारत: एक सच' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 3-4 मई, 2018, राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली
2. केन्द्रीय पुस्तकालय एवं भारत के राष्ट्रीय डिजीटल पुस्तकालय (एन.डी.एल.आई.) द्वारा आयोजित पुस्तकालय प्रबंधन हेतु ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (ओ.एस.एस.एल.एम.-2018) पर अन्तर्राष्ट्रीय अल्पवधि पाठ्यक्रम, 7-12 मई, 2018 आई.आई.टी., खडगपुर
3. 'स्वास्थ्य सूचना संसाधन एवं तकनीकी खोजों' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 27 जुलाई, 2018, भारतीय भेषजकोश आयोग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
4. 'पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षितिज की खोज: पुस्तकालय से ज्ञान केन्द्रों तक' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अनुसंधान प्रलेखन एवं प्रशिक्षण केन्द्र (डी.आर.टी.सी.) 7-9 अगस्त, 2018, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, बैंगलोर
5. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय भोपाल, राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पंजाब एवं ब्रिल द्वारा आयोजित 'शोध लेखन एवं प्रकाशन थीम: अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं सामाजिक विज्ञान कैसे प्रकाशित करें' पर दूसरी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 27 अगस्त, 2018, एन.एल.यू., दिल्ली
6. 'आर्थिक ज्ञान में शैक्षणिक पुस्तकालयों की भागीदारी की थीम पर आधारित: शैक्षणिक पुस्तकालयों में ज्ञान संगठन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई-के.ओ.ए.एल.-2018), 26-27 नवम्बर, 2018, लाईब्रेरी प्रोफेशनल एसोसिएशन (एल.पी.ए.) तथा हैदराबाद विश्वविद्यालय
7. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, भोपाल, आर.जी.एन.यू.एल., पटियाला एवं टेरी, दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित, डिजीटल रूपांतरण: संरक्षण, नीति एवं गोपनीयता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 29 नवम्बर-1 दिसम्बर, 2018, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली

श्री दीपक शुक्ला

1. पुस्तकालय प्रबंधन हेतु ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर पर अन्तर्राष्ट्रीय अल्प अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 7-12 मई, 2018, भारतीय तकनीकी संस्थान, खड़गपुर
2. एशियाई पुस्तकालयों का तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्मार्ट लाइब्रेरी का निर्माण: परिवर्तन चुनौतियां, मुद्दे और रणनीतियां (आई.सी.ए.एल.-2018) 6-8 अगस्त, 2018, सेन्ट्रल युनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर
3. डिजीटल रूपांतरण: संरक्षण, नीति एवं गोपनीयता (आई.सी.डी.टी. 2018) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 29 नवम्बर-1 दिसम्बर, 2018, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली

सुश्री नीतू प्रिया

1. एशियाई स्पेशल पुस्तकालयों का छठा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई.सी.ओ.ए.एस.एल. 2019), 14-16 फरवरी, 2019, आर्थिक विकास संस्थान एवं अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ.एस. शिवा चिदंबरम ने अतिथि सम्मान प्राप्त किया: (i) आर.एम.एल.ए. तथा महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल द्वारा आयोजित 'जागरूक समाज: चुनौतियों एवं अवसरों हेतु पुस्तकालयाध्यक्षों को तैयार करना' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 7 जुलाई, 2018, जयपुर, (ii) विकसित देशों में शैक्षणिक संस्थानो का सामाजिक उत्तरदायित्व' (आई.सी.एस.ई.डी.सी. 2018) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्री रामकृष्ण मिशन विद्यालय, कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, 24-25 अगस्त, 2018, कोयम्बटूर।

श्रीमती नीतू प्रिया, पुस्तकालयाध्यक्ष, ग्रेड-III तथा **श्री राकेश रावत,** डाटा एंट्री ऑपरेटर ग्रेड-ए को उनके 'अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य उपचार' पर 25-27 सितम्बर, 2018, एम्स, नई दिल्ली में 63वीं संस्थान दिवस प्रदर्शनी के सफलतापूर्वक आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान हेतु संस्थान दिवस प्रदर्शनी समिति, एम्स, नई दिल्ली के अध्यक्ष द्वारा प्रशस्ति पत्र।

11.2 कैफेटेरिया

अध्यक्ष

एम. बाजपेयी, आचार्य, बाल रोग शल्य चिकित्सा विभाग (14 फरवरी, 2019 तक)

श्री शुभाशीष पांडा, उप-निदेशक (प्रशासन) (15 फरवरी, 2019 से)

सदस्य-सचिव

वी. दारलोंग, आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग (14 फरवरी, 2019 तक)

श्री राकेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ भंडार अधिकारी (15 फरवरी, 2019 से)

लेखा अधिकारी

मीनाक्षी डबराल

महा प्रबंधक

एस. के. कौशिक

उप महाप्रबंधक

के. के. शर्मा

कैफेटेरिया 1972 में स्थापित हुआ था तथा कैफेटेरिया के उपकरण, फर्नीचर, बर्तनों तथा अन्य आधारभूत आवश्यकताओं हेतु संस्थान से कोई भी वित्तीय सहायता प्राप्त किए बिना एम्स के कर्मचारियों को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए कैफेटेरिया 'न लाभ-न हानि' के आधार पर चलाया जा रहा है।

प्रबंधन समिति

निदेशक, एम्स द्वारा समय-समय पर कैफेटेरिया विभाग से संबंधित नीतिगत मामलों पर निर्णय लेने हेतु एक प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। इसके सदस्य निम्नानुसार है:

श्री शुभाशीष पांडा	अध्यक्ष
डॉ. सिद्धार्थ सतपथी	सदस्य
डॉ. मीनू बाजपेयी	सदस्य
डॉ. आरती कपिल	सदस्य
डॉ. बिनोद कुमार खैतान	सदस्य
डॉ. राजेश खडगावत	सदस्य
डॉ. निरूपमा मदान	सदस्य
फेम्स के प्रतिनिधि	सदस्य
आर.डी.ए. प्रतिनिधि	सदस्य
ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि	सदस्य
नर्सिस यूनियन के प्रतिनिधि	सदस्य

कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधि	सदस्य
श्री एस.के. कौशिक	सदस्य
श्री राकेश कुमार शर्मा	सदस्य-सचिव

सेवा सुविधाएं

कैफेटेरिया द्वारा एम्स के 14,000 से अधिक कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए 10 ईकाईयां चलाई जाती हैं।

1. जवाहर लाल नेहरू सभागार के निकट मुख्य बहुमंजिला कैफेटेरिया (24 घंटे सेवा)
2. मुख्य अस्पताल की 9वीं मंजिल पर स्थित मुख्य ऑपरेशन थिएटर कैफेटेरिया
3. सी.एन.सी. कैफेटेरिया, केन्द्र की दूसरी मंजिल पर स्थित
4. केन्द्र की 5वीं मंजिल/भू-तल पर स्थित डॉ.रा.प्र. केन्द्र ऑपरेशन थिएटर कैफेटेरिया
5. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
6. डॉ.भी.रा. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
7. मुख्य कैफेटेरिया के निकट स्थित संकाय कक्ष कैफेटेरिया
8. एम्स आऊटरीच ओ.पी.डी., बाढ़सा गांव, झज्जर, हरियाणा
9. ऑर्थोपेडिक्स ओ.टी. में दैनिक सेवा तथा कम्प्यूटर सुविधा के निकट चाय/कॉफी आउटलेट
10. 24 घंटे रोगियों तथा उनके रिश्तेदारों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एम्स कैफेटेरिया के प्रबंधन के अधीन स्थापित एम्स ओ.पी.डी. कैन्टीन

इसके अतिरिक्त कैफेटेरिया सभी उच्च अधिकारियों तथा संकाय-सदस्यों को उनकी दिन-प्रतिदिन की आवश्यकताओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण सरकारी बैठकों, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठी इत्यादि हेतु विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भी सेवाएं प्रदान करता है।

स्टाफ क्षमता

कैफेटेरिया विभाग में संविदा आधार के साथ-साथ नियमित आधार पर 110 कर्मचारी नियुक्त है।

भविष्य की योजनाएं

एम्स की स्टाफ संख्या में भारी वृद्धि के परिणामस्वरूप संस्थान में कैटरिंग सेवाओं को पूरा करने हेतु आवश्यकताओं में व्यापक वृद्धि पर विचार किया जा रहा है तथा एम्स परिसर में बनने वाले ब्लॉकों को ध्यान में रखते हुए संकाय, रेजीडेन्ट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, अन्य स्टाफ तथा आगंतुको हेतु परिसर में अत्यधिक कुशल व्यावसायिक कैटरिंग/कैफेटेरिया की सेवाओं की आवश्यकताओं का अनुभव किया जा रहा है। संस्थान में कैफेटेरिया सेवाओं को आउटसोर्स करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है संस्थान में संपूर्ण कैटरिंग सेवाओं को दो जोन में बांटा गया है जोन के अनुसार दो कंपनियों को चुना गया है तथा अप्रैल, 2019 के पहले सप्ताह में कार्य देने संबंधी पत्र जारी करने की संभावना है तथा दोनों कंपनियों को पत्र जारी होने के 45 दिनों के भीतर अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

11-3 dsnzh; i'kq lqfo/kk

iHkkjh vkpk;Z
एस. के. मौलिक

ofj"B i'kq fpfdRld vf/kdkjh
पी. के. यादव

वर्ष के दौरान केन्द्रीय पशु सुविधा में केवल चूहों, मादा चूहों, खरगोश, गिनी पिग और हेमस्टर्स को अनुरक्षित रखा गया।

छोटे पशु (रोडेंट्स)

वर्ष के दौरान अनुरक्षित पशुओं की संख्या निम्नानुसार है:

1.	चूहे (विस्टर)	1341
2.	चूहे (स्प्रेग डॉले)	409
3.	मादा चूहे (स्विस)	673
4.	मादा चूहे बाल्ब/सी	239
5.	मादा चूहे सी 57बीएल/6	254
6.	खरगोश (न्यूजीलैंड)	127
7.	गिनी पिग (डंकिन हार्टली)	60

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विभिन्न विभागों को कुल 4207 छोटे पशु उपलब्ध कराए गए (चूहे: 3109; मादा चूहे स्विस 837; मादा चूहे बाल्ब/सी 176, खरगोश: 76 तथा गिनी पिग: 09) तथा दिल्ली एवं दिल्ली के बाहर के सहयोगी संस्थानों को भी कुछ पशु बेचे गए (चूहे: 1,130, मादा चूहे: 386; खरगोश: 3 तथा गिनी पिग: 20; कुल 1,539)।

प्रायोगिक शल्य चिकित्सा

संस्थान के केन्द्रीय पशु सुविधा में विभिन्न विभागों के संकाय, अन्वेषकों तथा विद्यार्थियों द्वारा इकत्तीस शल्यक प्रक्रियाएं निष्पादित की गईं। इनमें शल्य चिकित्सा, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, तंत्रिका–शल्य चिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, प्रयोगशाला चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, स्टेम सेल सुविधा तथा विकृति विज्ञान विभाग शामिल हैं।

सांस्थानिक पशु नीति विषयक समिति

सांस्थानिक पशु नीति विषयक समिति (आई.ए.ई.सी.) को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के तहत जंतुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोजन के लिए समिति (सी.पी.सी.एस.ई.ए) द्वारा अनुमोदन प्राप्त है। एम्स की सी.पी.सी.एस.ई.ए. पंजीकरण संख्या 10/जी.ओ./आरईबीआईबीटी/एस./99/सी.पी.सी.एस.ई.ए. है। सांस्थानिक पशु नीति विषयक समिति (आई.ए.ई.सी.) ने वर्ष 2018–19 के दौरान अ.भा.आ.सं. के विभिन्न अन्वेषकों द्वारा छोटे पशुओं (रोडेन्ट्स) पर 90 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

प्रदत्त सेवाएं

सी.ए.एफ. में बायोमेडिकल इंजीनियरी, जैव प्रौद्योगिकी, शरीर रचना विज्ञान, विकृतिविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, स्टेम सेल सुविधा, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, जैव भौतिकी, जरा चिकित्सा, शल्य चिकित्सा तथा प्रजनन जैव विज्ञान, मनोचिकित्सा विभाग से संबंधित पशुओं की देखरेख की जाती है। इस सुविधा में पूरे वर्ष उपरोक्त विभागों से संबंधित 222 चूहे, 160 मादा चूहे, 3 खरगोश एवं 2 गिनी पिग रखे जाते हैं।

सी.ए.एफ. द्वारा अन्वेषकों को प्रयोगशाला सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं, जैसे सेरा का निर्वात शुष्कन तथा सीरम नमूनों का संग्रहण, रुधिर–विज्ञान, नैदानिक जैव रसायन, सूक्ष्मदर्शी जांच एवं एक्स–रे सुविधा।

इम्युनोडेफिशियंट पशुओं (न्यूड एवं एस.सी.आई.डी मादा चूहे) के साथ अनुसंधान हेतु सुविधाएँ अंतिम चरण में हैं तथा जल्द ही कार्यात्मक होंगी।

शैक्षिक कार्यक्रम में भाग लिया

1. ट्रांस्लेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) में दिनांक 24 सितंबर 2018 को जीएलपी सेंसिटाइजेशन पर एक दिन की राष्ट्रीय कार्यशाला, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, फरीदाबाद, हरियाणा, नेशनल गुड लेबोरेट्री प्रैक्टिस कंप्लीयांस एथोरिटी (एनजीसीएमए), डी एसटी, क्वालिटी कांसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) एवं क्लिनिकल डिवलपमेंट सर्विसिंस एजेंसी (सीडीएसए) के सहयोग के साथ।
2. 8वां एशियन फेडरेंशन ऑफ लेबोरेट्री एनिमल साइंस (ए.एफ.एल.ए.एस.) कांग्रेस 2018, 28 नवंबर–1 दिसम्बर, 2018 बैंगलोर, भारत।

11-4 d:nh; dk;l'kkyk

l:dk; leUo;d

डॉ. गंगा प्रसाद
(आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार)

e:[; rduhdh vf/kdkjh

कालू राम

ofj"B rduhdh vf/kdkjh

हरिंदर पाल
(मैकेनिकल अनुभाग)

नितिन श्रीवास्तव
(इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स)

mís';

केन्द्रीय कार्यशाला की स्थापना 1964 में हुई थी। यह सुचारु एवं पूर्ण रोगी उपचार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विभिन्न विभागों में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव करता है। यह एम्स में चिकित्सा शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों का निर्माण भी करता है। एकल तकनीकी विभाग होने के नाते यह अ.भा.आ.सं. की विभिन्न क्रय समितियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

LFkku ,o: le;

केन्द्रीय कार्यशाला, शवगृह के निकट तथा लॉन्ड्री से सटे हुए भवन में बेसमेंट, भू–तल तथा पहली मंजिल में स्थित है। इसका एक विस्तृत केन्द्र मुख्य अस्पताल के 7वें तल पर भी स्थित है। इस विस्तृत केन्द्र (मिनी कार्यशाला) में तत्काल आधार पर उपकरणों की मरम्मत की जाती है तथा इसके रोगी उपचार गतिविधियों के निकट होने का भी लाभ है जो उस व्यक्ति का समय एवं श्रम बचाता है जो उपकरण को मरम्मत हेतु लाया है। यह विभाग सोमवार से शुक्रवार प्रातः 9.30 से सायं 5.15 एवं शनिवार प्रातः 9.30 से दोपहर 1.15 बजे तक कार्यरत रहता है।

de:pkfj;k: dh l:[;k

उपर्युक्त कार्यों के निष्पादन हेतु विभाग में तकनीशियनों तथा अधिकारियों की एक कुशल टीम मौजूद है। यह टीम अस्पताल में विभिन्न उपकरणों का कुशल रखरखाव करती है। केन्द्रीय कार्यशाला विभाग में विभिन्न अनुभाग हैं जिनका संचालन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/तकनीकी अधिकारी की अध्यक्षता में स्टाफ के सदस्यों द्वारा किया जाता है। केन्द्रीय कार्यशाला में समूह 'ख' तथा 'ग' स्टाफ की संख्या निम्नानुसार है:

- तकनीकी अधिकारी: 4
- तकनीशियन (ग्रेड I): 5
- तकनीशियन (ग्रेड II): 8
- कार्यशाला सहायक: 3
- कार्यालय अधीक्षक: 1
- वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक (भंडार लिपिक) 1
- खलासी: 6

miyC/k lsok,¡

केन्द्रीय कार्यशाला पूरे एम्स, इसके केन्द्रों तथा सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ को निम्नलिखित सेवाएँ उपलब्ध कराता है:

1- ejEer ,o: j[kj[kko

केन्द्रीय कार्यशाला में विभिन्न उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव करने हेतु विभिन्न अनुभाग हैं। वर्ष के दौरान केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 7,677 कार्य पूर्ण किए गए। मरम्मत किए गए उपकरणों का अनुभाग–वार विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	अनुभाग	कार्यों की संख्या	उपकरण

1	इलेक्ट्रोनिक्स	526	पेशेंट मॉनीटर, इन्फ्यूज़न पम्प, विनियमित पावर सप्लाईज, इलैक्ट्रोनिक तौल मशीन, पेपर श्रेडिंग मशीन, लाईट सोर्सिज, ई.सी.जी. मशीन, सीलिंग मशीन, अल्ट्रासोनिक नेबूलाईज़र, डी.वी.टी. पम्प, ब्ल्यू एल.ई.डी. लाईट, स्टैबलाईज़र, इंडक्शन हीटर, नेबूलाईज़र, पब्लिक एड्रैस सिस्टम, ऑपरेशन टेबल इलैक्ट्रोनिक, माइक्रोस्कोप, माइक्रोवेव ओवन, कलर टेलीविजन, ह्यूमीडिफायर, फोयटल डॉप्लर, एयर मैट्रस पम्प इत्यादि।
2	इलेक्ट्रिकल	940	ऑटोक्लेव मशीन, बोन कटर्स, बुल आई लैम्प, बॉईलर, सेंट्रीफ्यूज, सक्शन मशीन, फ्लोर क्लीनिंग मशीन, फ्लाय किलर मशीन,फ्यूमीगेटर, गॉज/प्लास्टर कटर्स, ग्राइंडर्स, हॉट केस, हॉट एयर ओवन, हॉट डिस्पले काऊंटर, हॉट प्लेट्स, इन्क्यूबेटर्स, लैमिनार फ्लो, मायो स्टैंड, मिक्सर ग्राइंडर, मैग्नेटिक स्टीरर, निडल डिस्ट्रॉयर्स, ओ.टी. लाईट्स, स्पॉट लाईट, स्टीम बाथ, स्टेरीलाईज़र्स, यू.वी. लाईट्स, वैक्यूम क्लीनर्स, एक्स–रे व्यू बॉक्स, वॉर्टेक्स शेकर, वाटर बाथ, वैक्स बाथ इत्यादि।
3	मैकेनिकल एवं कार पेन्टरी	3,437	सर्जिकल उपकरण, ट्यूब, स्प्रे पम्प, वेपोर जेट क्लीनिंग मशीन, कैंची (पट्टी काटने वाली), बेड साइड लॉकर्स, आई.वी. स्टैंड, रोगी ट्रॉली, रोगी बेड, व्हील चेयर्स, लोडिंग ट्रॉली, फूड ट्रॉली, साईड स्क्रीन, उपकरण ट्रॉली, बेसिन स्टैंड, फुट स्टेप, सर्जिकल ड्रम, पुश कार्ट, रोगी परीक्षण टेबल, हायड्रॉलिक ट्रॉली, टेस्ट ट्यूब स्टैंड, सभी प्रकार के रिवोल्विंग स्टूल इत्यादि। स्पिलिंट्स, सोफा, सेट्टी, कुर्सियां, लकड़ी का स्टूल, ट्रॉली गद्दा, रोगी कोच गद्दे आदि एवं उनके कमरे का साज़ समान कार्य।
4	फाइन उपकरण	2,116	डिजिटल बी.पी. दाब उपकरण, माइक्रो बैलेंसिज, डायल बी.पी. उपकरण, स्टैथेस्कोप, तौल मशीन, कम्प्रेसर्स, फ्लो मीटर्स, ऑक्सीजन रेगुलेटर्स, हायड्रॉलिक टेबल्स, लैरिंगोस्कोप्स इत्यादि।
5	रेफ्रिजेरेशन	225	वीसी कूलर्स, डीप फ्रीजर्स, चिलिंग यूनिट, आईसक्रीम कैबिनेट, रेफ्रिजेरेटर्स, कोल्ड डिस्पले काऊंटर्स, मिनिकोल्ड, रेफ्रिजेरेटिड बी.ओ.डी. इन्क्यूबेटर इत्यादि।
6	पेन्टिंग	433	कार्यालय तथा अस्पताल की सभी फर्नीचर सामग्री जैसे बेड, आई.वी. स्टैंड, सभी प्रकार की ट्रॉलियाँ, व्हील चेयर्स, बेंचिस, फुट स्टेप्स, रोगी साइड लॉकर्स, पीजन लॉकर्स, रोगी परीक्षण टेबल, पुश चार्ट, अलमारी, रैक इत्यादि।
	कुल	**7,677**	

2- fuek.k ,o ekxn'ku

धीरे–धीरे मरम्मत एवं रखरखाव की गतिविधियों का भार बढ़ने के बावजूद भी केन्द्रीय कार्यशाला विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए विशेष–वर्णानुसार उपयोगी उपकरणों के डिजाइन एवं निर्माण द्वारा संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों में मदद करने में सक्षम हैं। वर्ष के दौरान केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 725 (सात सौ एवं पच्चीस) उपकरणों का निर्माण किया गया था। विवरण निम्नानुसार हैः

क्र. सं.	उपकरण	मात्रा	विभाग
1	शल्यक उपकरण हेतु हैंडल	54	अस्थि रोग विज्ञान ओ.टी., जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केन्द्र ओ.टी.
2	टेम्परेचर चार्ट होल्डर	123	मुख्य अस्पताल
3	बेकलाइट बोर्ड	30	हृदय संबंधी कैथेटराइजेशन, प्रयोगशाला हृ.तं केंद्र
4	टोकन मशीन हेतु ट्रे	13	कंप्यूटर सुविधा
5	वुडन स्पिलिंट	400	जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केन्द्र, आपातकालीन

6	ह्यूमिडिटी चेम्बर	1	भेषजगुण विज्ञान
7	बार कोड स्कैनर हेतु होल्डर	10	कंप्यूटर सुविधा
8	टेस्टिकल बाल	5	बाल शल्य चिकित्सा
9	पीसीएनएल रोल	3	अस्थिरोग ओ.टी.
10	कैमरा स्टैंड	4	सीमेट
11	स्टायलैट	55	आपात, एबी2 वार्ड
12	वुडन ब्लाक	4	अस्थिरोग ओ.टी.
13	ओ.टी. टेबल गद्दा	5	मुख्य ओ.टी.
14	परस्पेक्स प्लेट	4	तंत्रिका शल्य चिकित्सा
15	साइड सपोर्ट गद्दे	4	अस्थिरोग ओ.टी.
16	स्वेदनाहरण के दौरान गले को सहारा देने के लिए एल पीस	2	संवेदनाहरण भंडार
17	लैप्रोस्कॉपिक सर्जरी प्रशिक्षण मॉड्यूल	6	सर्जरी
18	डीसी पावर आपूर्ति	1	सं.रो.कैं.अ. प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान
19	पसीना जांच मशीन	1	बाल चिकित्सा
	कुल	**725**	

3- vYidkyhu i;f'k{k.k

केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा सक्रिय रूप से विभिन्न इंजीनियरी कॉलेजों के डिप्लोमा/स्नातक पूर्व विद्यार्थियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण (4 से 6 सप्ताह) तथा मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

miyfC/k;k

1. कार्यशाला ने एंजियोग्राफी के दौरान रोगियों की गतिविधि को रोकने के लिए तैयार किए गए बैकलाइट बोर्डस के निर्माण के लिए आचार्य अनीता सक्सेना, हृद कैथेटराइजेशन प्रयोगशाला, हृद तंत्रिका केंद्र से प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया।
2. कार्यशाला ने अ.भा.आ.सं. के संस्थान दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रदर्शनी की विषय वस्तु के अनुसार कार्यशाला ने **नेक्सट जेनरेशन हेल्थ केयर** का प्रदर्शन किया था। कार्यशाला द्वारा निर्मित कुछ उपकरणों को इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया था जिनकी अधिकतर अतिथियों द्वारा देखा एवं सराहना की गई। चयन समिति द्वारा कार्यशाला को **प्रशंसा पुरस्कार (प्रदर्शन)** प्रदान किया गया था।

11.5 कम्प्यूटर सुविधा

प्रभारी आचार्य

ए. शरीफ

उप-निदेशक (कंप्यूटर सुविधा)

एस.एन.रघु कुमार

सिस्टम एनालिस्ट

सतीश प्रसाद	सुशील कुमार मेहर	संजय गुप्ता

वरिष्ठ प्रोग्रामर

विनय पांडे	हरि शंकर	श्यामल बरूआ
पवन शर्मा	सुषमा धामा (दिसम्बर 2018 तक)	तृप्ता शर्मा

प्रोग्रामर

अमित भाटी	संजीव कुमार	अंकिता सैनी
गीतिका गुप्ता	हरीश सैनी	प्रियंका सिंह

नर्सिंग इंफोर्मेटिक्स विशेषज्ञ

प्रीति एस. एवं टीम

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग तथा नर्सिंग कॉलेज के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराने के लिए कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कक्षाओं का आयोजन किया गया।

स्नातक

बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग और बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को 3-महीने का बेसिक कंप्यूटर, इंटरनेट, विंडो एप्लिकेशन्स, कंप्यूटर ऐडीड लर्निंग, डाटाबेस इत्यादि का कोर्स कराया गया। एम.बी.बी.एस. के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन भी किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

फैसिलिटी के अधिकारियों ने क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और व्याख्यान दिए।

सेवाएं

एस.एन.ओ.एम.ई.डी. सी.टी.-अप्रैल 2018 से मार्च 2019 की समयावधि के दौरान एस.एन.ओ.एम.ई.डी. सी.टी. के अनुपालन में एचआईएस (ई-अस्पताल) में **49728** प्रविष्टियां दर्ज की गई।

अस्पताल का कंप्यूटरीकरण

अस्पताल सूचना प्रणाली (एच.आई.एस) अपॉइंटमेंट एवं ओपीडी पंजीकरण, प्रवेश, डिस्चार्ज और स्थानांतरण, एमआरडी, पेशेंट बिलिंग, भंडार, प्रयोगशाला सूचना प्रणाली, आहार और रक्त कोष के प्रबंधन के लिए eHospital@NIC सॉफ्टवेयर का उपयोग करके एचआईएस लागू किया जाता है। वर्ष 2018-2019 का विवरण निम्नानुसार है:

नए ओपीडी पंजीकरण	11,07,701	अनुवर्ती ओपीडी पंजीकरण	17,10,068
आपात चिकित्सा पंजीकरण	98,655	प्रयोगशाला जांच आदेश प्रविष्टि	1,53,080
कुल प्रवेश	2,34,839	कुल डिस्चार्ज	2,34,979
कुल रोगी बिलिंग	9,35,111	रक्त कोष	33,967
कुल स्थानांतरण	1,04,833	आहार	17,13,750
भंडार मांग पत्र संख्या	75,313	भंडार द्वारा स्वीकृत मांग पत्र	73,135

ओपीडी अपॉइंटमेंट

अपॉइंटमेंट का तरीका	**नए अपॉइंटमेंट**	**अनुवर्ती अपॉइंटमेंट**
कॉल सेंटर	11,992	17,272
काउंटर	16,06,400	7,39,970
एवीसी	889	29
इंटरएक्टिव वॉइस रिस्पोंस सिस्टम	4,127	26,496
मोबाइल एप	37,153	1,22,385
एम्स का वेब पोर्टल	8,649	46,193
ओआरएस	2,52,451	1,50,293
कियॉस्क	8,495	34,672

अलग-अलग अनुभागों के अनुसार यह निम्नानुसार है:

अनुभाग	**कुल अपॉइंटमेंट**
ओपीडी और क्लीनिक	36,48,074
विकिरण विज्ञान	2,33,441
प्रयोगशाला	1,85,951

एलआईएस इंप्लांटेशन

प्रयोगशाला उपकरण और ई-हॉस्पिटल का एकीकरण एचएल 7 स्टेण्डर्ड के माध्यम से किया जाता है। एलाइज़र टेस्ट ट्यूब पर चिपकाए गए बारकोड की मदद से नमूना पहचान संख्या (एसआइडी नं.) की पहचान करता है। इसके बाद यह की जाने वाली जांच हेतु एलआईएस से संपर्क करता है। एलआईएस एनलाइज़र को विशिष्ट एसआईडी नं. के लिए की जाने वाली जांच की जानकारी देता है। एनलाईज़र विशिष्ट जांच करता है और जांच पूरी होने के बाद प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (एलआईएस) को केवल आवश्यक और संबंधित जांच परिणाम स्थानांतरित कर दिए जाते हैं। एलआईएस को भेजे जाने वाले डाटा का चुनाव बाय-डायरेक्शनल/यूनी-डायरेक्शनल एन लाईज़र के अनुसार विशिष्ट होता है। प्रयोगशाला के सभी उपकरणों को एक-दूसरे से जोड़ा गया है।

क्र.सं.	**प्रयोगशाला**	**उपकरण**	**संख्या**	**मशीन का प्रकार**
1	हृ.तं.कें.	बैकमैन 5 प्लॉट सैल कांउटर	1	यूनी-डायरेक्शनल
2	हृ.तं.कें.	आईआरआईएस आई काउंट 3	1	यूनी-डायरेक्शनल
3	हृ.तं.कें.	इम्यूलाईट 1000	1	यूनी-डायरेक्शनल
4	हृ.तं.कें.	बायो-रेड 10	1	यूनी-डायरेक्शनल
5	हृ.तं.कें.	एलिफेक्स आर20 ईएसआर मशीन	1	यूनी-डायरेक्शनल
6	हृ.तं.कें.	बैकमैन 3 प्लॉट सैल कांउटर	1	यूनी-डायरेक्शनल
7	रा.प्र.के. रूधिर विज्ञान (7वां तल)	बैकमैन कोल्टर 5 प्लॉट एक्ट डिफ सेल कांउटर	1	यूनी-डायरेक्शनल
8	रा.प्र.कें. रूधिर विज्ञान (7वां तल)	सिस्मैक्स KX21	1	यूनी-डायरेक्शनल
9	रा.प्र.के. रूधिर विज्ञान (6वां तल)	बैकमैन AU680	1	बाय-डायरेक्शनल
10	अंत स्राविकी विज्ञान-1	बायो-रेड D10	1	यूनी-डायरेक्शनल
11	सीसीएफ भू-तल	कोबास 6000	1	बाय-डायरेक्शनल
12	सीसीएफ भू-तल	यूरीन एनलाईज़र	1	यूनी-डायरेक्शनल
13	रीनल	कोबास C311	1	बाय-डायरेक्शनल
14	रीनल	ऐबट आर्किटैक्ट1000	1	बाय-डायरेक्शनल
15	रीनल	आईओएनएस	2	यूनी-डायरेक्शनल
16	आपातकाल विभाग	AQT 90	1	यूनी-डायरेक्शनल
17	आपातकाल विभाग	ABL 800	1	यूनी-डायरेक्शनल
18	आपातकाल विभाग	पेंट्रा XL	1	यूनी-डायरेक्शनल
19	नया प्राइवेट वार्ड दूसरा तल	मिनी कैप	1	यूनी-डायरेक्शनल
20	बाल चिकित्सा अंत: स्राविकी	कोबास ई411	1	बाय-डायरेक्शनल

21	हृ.तं.कें.	बैकमैन कोल्टर AU680	1	बाय-डायरेक्शनल
22	हृ.तं.कें.	बैकमैन कोल्टर 480	1	बाय-डायरेक्शनल
23	प्रजनन जैव विज्ञान	ऐबट आर्किटेक्ट1000	1	बाय-डायरेक्शनल
24	सं.रो.कैं.अ. पहला तल	MS4 सैल कांउटर	1	यूनी-डायरेक्शनल
25	सं.रो.कैं.अ. पहला तल	MS9 सैल कांउटर	1	यूनी-डायरेक्शनल
26	सं.रो.कैं.अ. दूसरा तल	MS4 सैल कांउटर	2	यूनी-डायरेक्शनल
27	सं.रो.कैं.अ. दूसरा तल	MS9 सैल कांउटर	2	यूनी-डायरेक्शनल
28	लैब चिकित्सा कक्ष संख्या-2	कॉम्बिलाइन	2	यूनी-डायरेक्शनल
29	लैब चिकित्सा कक्ष संख्या-2	केरैटियम	2	यूनी-डायरेक्शनल
30	हृ.तं.कें. कक्ष सं.53 भू-तल	हिताची माड्यूलर	1	बाय-डायरेक्शनल
31	सी.सी.एफ, भू-तल	बैकमैन कोल्टर एक्सेस2	1	बाय-डायरेक्शनल
32	लैब चिकित्सा कक्ष सं.20	हिताची माड्यूलर	2	बाय-डायरेक्शनल
33	अंत:स्राविकी-01	कोबास इंटीग्रा	1	बाय-डायरेक्शनल
34	हृ.तं.कें.	एसटीए कांपैक्ट	2	बाय-डायरेक्शनल
35	रा.प्र.कें. 6वां तल	बैकमैन कॉल्टर AU680	1	बाय-डायरेक्शनल
36	रा.प्र.कें. 6वां तल	एक्सेस2	1	बाय-डायरेक्शनल
37	नया प्राइवेट वाई, दूसरा तल	एसटीए कांपैक्ट	1	बाय-डायरेक्शनल
38	प्रजनन जैव विज्ञान	आर्किटेक्ट 1000	1	बाय-डायरेक्शनल
39	प्रजनन जैव विज्ञान	आर्किटेक्ट 2000	2	बाय-डायरेक्शनल
40	अंत स्राविकी-02	कोबास ई411	4	बाय-डायरेक्शनल
41	अंत: स्राविकी-02	लाइसन	2	बाय-डायरेक्शनल
42	अंत: स्रविकी-02	लाइसनXL	**1**	बाय-डायरेक्शनल
43	हृ.तं.कें.	एडविया	1	बाय-डायरेक्शनल
44	हृ.तं.कें.	एडविया सेंचुरा XP	1	बाय-डायरेक्शनल
45	हृ.तं.कें.	बैकमैन कॉल्टर एसीटी5	1	बाय-डायरेक्शनल
46	जैव-रसायन	विट्रोस एनलाइजर	1	बाय-डायरेक्शनल
47	अंत: स्राविकी-01	थोष G8	1	यूनी-डायरेक्शनल
		यूनी-डायरेक्शनल	**27**	
		बाय-डायरेक्शनल	**32**	
		कुल संख्या	**59**	

प्रयोगशाला	ऑनलाइन सूचित नमूने
द्रव्य रसायन हृ.तं.कें.	275
जीवाणु विज्ञान सीएसएफ पीसीआर, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग	35
रुधिर विज्ञान पीटी (ओपीडी), प्रयोगशाला चिकित्सा	20,374
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (मल) प्रयोगशाला चिकित्सा	13,308
केन्द्रीय बाल चिकित्सा, तीसरा तल, बाल चिकित्सा	1,206
रा.प्र.कें. ओक्यूलर	1,765
रा.प्र.कें. पैथोलॉजी (मूत्र/मल)	2,018
हॉर्मोन्स, हृ.तं.कें.	36,174
टी.बी. प्रयोगशाला, सूक्ष्म जैव विज्ञान	23,247
औषधि जांच, हृ.तं.कें.	1394
प्रजनन जीव विज्ञान	1,56,108
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (मूत्र एएफबी), प्रयोगशाला चिकित्सा	549
अवायुजीवी प्रयोगशाला, सूक्ष्म जैव विज्ञान	8,770
स्पूटम संवर्धन, सूक्ष्म जैव विज्ञान	38,192
कवक विज्ञान प्रयोगशाला, सूक्ष्म जैव विज्ञान	35,698
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (एचआईवी और वायरल मार्कर), प्रयोगशाला चिकित्सा	86,371
एसआरबी, प्रयोगशाला	25,069
रक्त कोष	3,109
परजीवीय, सूक्ष्म जैव विज्ञान	17,727
ट्यूमर मार्कर, लैब ऑनकोलॉजी, सं.रो.कैं.अ.	610
हीमोग्राम, लैब, सूक्ष्म जैव विज्ञान	1,74,199
एसटीडी लैब, सूक्ष्म जैव विज्ञान	1,294
फ्लो साइटोमेट्री, सूक्ष्म जैव विज्ञान	7
रुधिर विज्ञान/कोएग्यूलेशन/रक्तसंलाची अरक्तता, सूक्ष्म जैव विज्ञान	25
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (सीमन) प्रयोगशाला चिकित्सा	3,801
विकृति-विज्ञान/रुधिर विज्ञान, रा.प्र.कें.	83,421
नैदानिक विकृति विज्ञान और आणिवक प्रतिरक्षा विज्ञान	3,617
जैव रसायन, रा.औ.नि.उ.के., गाजियाबाद	24,899
नैदानिक जैव रसायन, जैव रसायन	2,946
रुधिर विज्ञान (एफेरेसिस), सं.रो.कैं.अ.	44,827
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (पीसीआर), प्रयोगशाला चिकित्सा	1,231

अंत: स्राविकी एवं चयापचय	38,057
द्रव्य रसायन, प्रयोगशाला चिकित्सा	9,589
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (मूत्र नेमिक ओपीडी) प्रयोगशाला चिकित्सा	21,155
द्रव्य रसायन (मूत्र 24 घंटे/स्पॉट), प्रयोगशाला चिकित्सा	23,149
मूत्र संवर्धन/सूक्ष्म जैव विज्ञान कक्ष सं. 2071 प्रयोगशाला	48,291
नैदानिक रसायन, हृ.तं.कें.	7,18,369
नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान, रूमेटोलॉजी	43,860
रुधिर विज्ञान, हृ.तं.कें.	4,67,498
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	112
आपातकालीन जैव रसायन, प्रयोगशाला चिकित्सा	10,15,466
रुधिर विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	17,67,790
नैदानिक रसायन, प्रयोगशाला चिकित्सा	28,19,108
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (मूत्र सी/एस), प्रयोगशाला चिकित्सा	12,320
एलर्जी जांच प्रयोगशाला	3,472
रुधिर विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	11,05,709
मल संवर्धन, सूक्ष्म जैव विज्ञान	2,651
आपातकालीन रुधिर विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	3,26,687
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (स्पूटम एएफबी और संवर्धन), प्रयोगशाला चिकित्सा	1,447
रुधिर विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	214
विशेष जांच, हृ.तं.कें.	10,227
सीएसएफ संवर्धन, सूक्ष्म जैव विज्ञान	20,531
लिपिड्स और एन्जाइम्स, हृ.तं.कें.	1,81,480
चिकित्सीय अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.	2,349
रुधिर विज्ञान पीटी, हृ.तं.कें.	68,074
बाईल प्रयोगशाला	809
विशेष जांच, प्रयोगशाला चिकित्सा	1,617
नेत्र जैवरसायन विज्ञान, रा.प्र.कें.	1,65,101
प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.	18,180
पीटी, प्रयोगशाला चिकित्सा	11,519
रुधिर विज्ञान, रा.औ.नि.उ.कें., गाजियाबाद	7,220
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान, टॉर्च प्रोफाइल, प्रयोगशाला चिकित्सा	5,415

प्रयोगशाला चिकित्सा पीएसवाई, प्रयोगशाला चिकित्सा	8
नेत्र सूक्ष्म जैवविज्ञान, रा.प्र.कें.	10,568
मूत्र नैदानिक रसायन, हृ.तं.कें.	1,360
मूत्र नेमिक, प्रयोगशाला चिकित्सा	26,208
रक्त संवर्धन सूक्ष्म जैव विज्ञान	41,174
एसआरबी, प्रयोगशाला चिकित्सा	297
रुधिर विज्ञान (द्रव्य जांच), प्रयोगशाला चिकित्सा	31,268
पूय (पस) संवर्धन, सूक्ष्म जैव विज्ञान	28,409
एंडो संचयन, अंत: स्राविकी	34,652
आपातकालीन रुधिर विज्ञान पीटी, प्रयोगशाला चिकित्सा	1,98,851
नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	2,521
एचएनयू	200
सीरम विज्ञान प्रयोगशाला, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग	8,757
आण्विक रुधिर विज्ञान, रुधिर विज्ञान विभाग	17,993

ईएचएस फार्मेसी सॉफ्टवेयर पिछले वर्ष 32,775 पंजीकरण किए गए है और इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 29,971 पर्चे बनाए गए है।

1. ईएचएस फार्मेसी में कुल पंजीकरण **2,28,559**
2. ईएचएस फार्मेसी में कुल ऑनलाइन पंजीकरण **1,46,661**

मौजूदा इन-हाउस मॉड्यूल का प्रबंधन

वित्त वर्ष 2018-2019 के दौरान विभिन्न मौजूद इन-हाउस मॉड्यूल के तहत दर्ज कुल मामलों को सारांश निम्नानुसार है:

1. **पेशेंट डिस्प्ले सिस्टम(पीडीएस):** आपातकालीन, नए आपातकालीन और बाल चिकित्सा के लिए 99,124 मरीजों के पंजीकरण का विवरण प्राप्त किया गया है।
2. **स्नोमेड (एसएनओएमईडी) सीटी का उपयोग-**निदान, लक्षणों और प्रणाली इत्यादि क्षेत्रों के मॉड्यूल में एसएनओएमईडी सीटी का समेकन। कुल दर्ज मामलों की संख्या 19,568 है।
3. **गुणवत्ता आश्वासन मॉड्यूल(क्यूएएम):** 2,232 प्रविष्टियों को सम्मेलन, व्याख्यान, संकाय बैठकों के निर्धारण तथा डाक्टरों के ग्रेडिंग उद्देश्य के लिए दर्ज किया गया है।
4. **क्यूएएम/एचए:** एचए द्वारा ग्रेडिंग के उद्देश्य से 123 प्रविष्टियां की गई हैं।
5. **आरपीसी पीडीएस:** आरपीसी के लिए 28,475 मरीजों के विवरण पंजीकृत किए गए हैं।
6. **ओटी निर्धारण:** विभिन्न विभागों के लिए 66,975 ओटी निर्धारण किए गए हैं।
7. **उपकरण जांच सूची आरपीसी:** आरपीसी में उपकरणों के लिए 2,976 जांच सूचियां तैयार की गई हैं।
8. **ई-जन्म प्रमाणपत्र:** इस मॉड्यूल के माध्यम से 2,421 जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए हैं।
9. **ई-रक्त अनुरोध:** मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था के लिए 95,522 रक्त अनुरोध पूरे किए गए हैं।

स्नोमेड सीटी का उपयोग

हमने इस मॉड्यूल के निदान जैसे क्षेत्रों में स्नोमेड सीटी का समेकन किया है। कुल दर्ज मामलों की संख्या 7,894 है।

10. **ई-कैथ सूची:** कैथ प्रयोगशाला के लिए 4,777 निर्धारण किए जा चुके हैं।
11. **ईएमएलसी:** एमएलसी मामलों के लिए 13,268 मेडिकल रिकाईस का अनुरक्षण किया गया है।
    स्नोमेड सीटी का उपयोग: यह ईएमएलसी तैयार करने हेतु डाक्टरों के लिए एक ऑनलाइन मॉड्यूल है। इस मॉड्यूल में अभिकथित एच/ओ, निदान जैसे क्षेत्रों में, स्नोमेड सीटी को समेकित किया गया है। कुल दर्ज मामलों की संख्या 9,553 है।
12. **ई एमएलसी रा.प्र.कें.:** रा.प्र.कें. में एमएलसी मामलों के लिए 124 मेडिकल रिकार्ड्स का अनुरक्षण किया गया है।
13. **पेनिसिलिन रजिस्टर:** पेनिसिलिन के सेवन संबंधी निर्धारण और सतर्कता के लिए 2,120 पंजीकरण किए जा चुके हैं।
14. **गामा नाइफ रजिस्टर:** गामा नाइफ प्रक्रिया के लिए **149** पंजीकरण किए जा चुके हैं।
15. **चुनाव ई-मतपत्र:** इस मॉड्यूल के माध्यम से चुनाव के लिए 506 वोट डाले गए।
16. **ऑनलाइन प्रवेश पर्ची:** अलग-अलग विभागों के तहत बेड की उपलब्धता के आधार पर ओपीडी और आपातकाल दोनों के मरीजों के लिए वास्तविक प्लेटफॉर्म पर कुल 23,913 प्रवेश पर्चियां उपलब्ध कराई गई है। इस मॉड्यूल में निदान जैसे क्षेत्रों में स्नोमेड सीटी को समेकित किया गया है और कुल दर्ज किए गए मामलों की संख्या 4,987 है।
17. **चिकित्सा और फिटनेस प्रमाण पत्र में क्यू आर कोड:** एम्स और अन्य केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 10,180 प्रमाण पत्र बनाए गए हैं।
18. **ई-शिकायत मॉड्यूल:** इसके माध्यम से **98** शिकायतें की गई हैं।
19. **ई-डेथ नोट**: इस एप्लिकेशन के माध्यम से 5,943 मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए गए हैं। इस मॉड्यूल में आकस्मिक कारणों: (क), पूर्ववर्ती कारण: (ख), पूर्ववर्ती कारण: (ग), निदान जैसे क्षेत्रों में स्नोमेड सीटी को समेकित किया गया है। कुल दर्ज स्नोमेड सीटी मामलों की संख्या 18,965 है।
20. **ईसीजी लैब:** ईसीजी लैब की गणना और 4,331 प्रविष्टियों दर्ज की गई है।
21. **ई-अस्पताल (एनआईसी) के साथ स्नोमेड सी.टी. का समेकन**

स्नोमेड सीटी का समेकन ई अस्पताल के वेब एपीआई से किया जाता है। इसका समेकन 2 मॉड्यूल्स अर्थात भर्ती और डिस्चार्ज से किया जाता है।

ई अस्पताल में भर्ती के समय कुल मामलों की संख्या 1,688 है।

ई अस्पताल में डिस्चार्ज के समय कुल मामलों की संख्या 32,317 है।

संस्थागत रूप से विकसित एप्लिकेशंस के नये मॉड्यूल्स की सूची

1. **एंटीकोएग्यूलेंट रजिस्टर:** यह एक ऑनलाइन रजिस्टर है जिसमें टेली-कंसल्टेशन के लिए रोगियों की लैब वैल्यूज़ जैसे पीटी/आईएनआर दर्ज की जाती है। ओटीपी से प्रमाणित करने के बाद रोगी इस

एप्लिकेशन में अपनी लैब वैल्यूज़ खुद दर्ज कर सकते हैं, तत्पश्चात् चिकित्सकों द्वारा नई दवा का सुझाव दिया जाएगा।

2. **बोन बैंक:** यह एप्लिकेशन रोगी का अस्थि विवरण दर्ज करने के लिए है, जिसे बाद में उपयोग के लिए संरक्षित किया जाएगा। इसे तंत्रिका एवं अस्थि विभाग के लिए विकसित किया गया है।

3. **स्त्रीरोग विज्ञान ईएमएलसी:** इसका उपयोग स्त्री संबंधी एमएलसी मामलों को दर्ज करने के लिए किया जाता है। इस मॉड्यूल में सभी फॉर्म्स इलैक्ट्रोनिकली प्रिंट किए जाते हैं।

4. **हृदय प्रतिरोपण:** इसका उपयोग हृदय प्रतिरोपण के लिए मरीजों का विवरण दर्ज करने के लिए किया जाता है, ताकि प्रतिरोपण के लिए हृदय मिलान किया जा सके।

5. **स्तन कैंसर:** इसका उपयोग स्तन कैंसर का विवरण दर्ज करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग शल्य चिकित्सा विभाग में किया जाता है।

एम्स में आरआईएस, पीएसीएस और एचआईएस

वर्तमान में एम्स ई-अस्पताल एचआईएस सुविधा दे रहा है, जिसमें रोगियों को विभिन्न रेडियोलॉजिकल जांच के लिए अपॉइंटमेंट दिए जाते हैं। निम्नलिखित रेडियोलॉजिकल जांच उपलब्ध हैं:

1. प्लेन एक्स-रे
2. सी.टी. स्कैन
3. एमआरआई स्कैन
4. अल्ट्रासोनोग्राफी
5. पीईटी स्कैन
6. ओपथेलमिक रेडियोलॉजी
7. मेमोग्राफी
8. एंजियोग्राफी
9. डेन्टल एक्स-रे

अन्य काय-प्रतिबिंबक (इमेजिंग मोडेलिटीज़) सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। ये जांच सुविधाएं एम्स परिसर में कई जगहों पर उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं को उपलब्ध कराने वाले विशिष्ट विभागों के पास अपने अलग पीएसी और आरआई सिस्टम हैं। कुछ विभागों के पास कोई पीएसी नहीं है। इसके अतिरिक्त, एम्स ने वेब-आधारित विज़ुअलाईजर ओवियम के साथ सामान्य केन्द्रीयकृत पीएसी सर्वर भी लगाए है। यह सिस्टम विशिष्ट विभागीय पीएसीएस (सीमन्स/जी ई सेंट्रिसिटी/फिलिप्स/सोनासाईट) और मोडेलिटीज़ से जुड़ता है। कुछ सिस्टम अभी भी नहीं जोड़े गए है।

वर्तमान ओपन पैक्स कार्यान्वयन

- **dcm4chee2.18.1**–ओपन सोर्स पैक्स को Raster iPACS के रूप में कस्टमाइज और रीनेम किया गया है।
- **एचएल** 7 **एडीटी मॉड्यूल** को ई-अस्पताल से रोगी जनसांख्यिकी प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित किया गया है।
- **ओवियम व्यूअर–** DICOM C-Get/C-Move का प्रयोग कर, जी ई-पैक्स से अध्ययन सीधे प्राप्त करने के लिए जोड़ा गया मॉड्यूल
- **एचएल** 7 **एडीटी ए**40 **मॉड्यूल -** विस्टा/ई-अस्पताल से यूएचआईडी प्राप्त करने तथा इसे मौजूदा टीसी नम्बर से बदलने के लिए व्यवस्थित।

- **ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. पैक्स से एम्स पैक्स में अध्ययनों को स्वत: अग्रेषित करने के लिए** व्यवस्थित इसके लिए एक अतिरिक्त एई टाईटल दिसंबर 2017-आई ओवियम2-मोबाइल व्यूअर की सोफ्टवेयर अपडेट हो चुकी है।

एचआईएस ई-अस्पताल के साथ पैक्स का समेकन: यह रेडियोलॉजिकल जांच जैसे एक्स-रे, सी.टी., एम.आर.आई. आदि के ऑनलाइन अनुरोध आरआईएस सिस्टम को भेजने में सहायता करता है। अप्रैल-2017-मार्च 2018 के दौरान 15 विभिन्न जांचों के लिए पैक्स का समेकन किया गया था।

वर्ष 2018-19 के दौरान रेडियोलॉजिकल इमेज को ओपन पैक्स में स्टोर/आरकाइव किया गया है।

जांच प्रकार	**इमेज की संख्या**	**जांच केंद्र**
सीआर	92,265	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
सीआर	88,573	आई पैक्स, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.
सीटी	35,940	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
सीटी	23,495	आई पैक्स, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.
डीजी	1	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
डीएक्स	60,533	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
केओ\एमआर	4	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
एमजी	2,108	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
एमआर	6,950	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
एमआर	985	आई पैक्स, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.
ओटी	27,458	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
पीआर	134	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
पीआर\एमआर	1	आई पैक्स, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.
पीएक्स	20	आई पैक्स, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.
पीएक्स	2	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
आरईजी \ एमआर \ एसआर	75	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
आरएफ	3,064	आई पैक्स, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.
आरएफ	280	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
आरडब्ल्यूवी	3	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
एससी	5,311	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
एसईजी\सीटी\पीआर\डीओसी\एसआर	45	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
यूएस	18,619	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
एक्सए	142	मुख्य एम्स एवं सं.रो.कैं.अ.
एक्सए	221	आई पैक्स, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.

कुल एम्स अध्ययनों की गणना 2,12,797 कुल ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें. अध्ययनों की गणना 1,16,359

प्रशासन

- कंप्यूटर सुविधा केंद्रों सहित प्रशासन/वित्त/इंजीनियरिंग/स्टोर के सभी अनुभागों में ई-ऑफिस के प्रबंधन एवं उपयोग में शामिल है।
- पेरोल सिस्टम, जीपीएफ सिस्टम, टैक्स मॉड्यूल, पेंशन सिस्टम आदि जैसी वित्तीय एप्लिकेशन्स के लिए फाइनेंस सर्वर (नोवेल)/एडमिनिस्ट्रेटिव सर्वर (विंडोज) और हॉस्टल आबंटन एवं पंजीकरण प्रणाली, संकाय के लिए घर का आबंटन, कंप्यूटर सुविधा प्रपत्र, ऑनलाइन पे स्लिप्स, ऑनलाइन जीपीएफ स्टेटमेंट, ऑनलाइन फॉर्म 16, सतर्कता प्रणाली, एलओआई और ईएसडी के लिए पुरस्कार प्रणाली अकादमिक शिक्षण अनुसूची एवं मेल, कर्मचारी डेटा डिस्प्ले, ऑनलाइन पॉइसन सूचना, ऑनलाइन अंगदान प्रपत्र, ऑनलाइन परिवहन प्रणाली, जैसी वेब आधारित प्रशासनिक एप्लिकेशन्स का प्रबंधन करना।

आईटी संरचना और नेटवर्किंग, इंटरनेट और इंट्रानेट प्रबंधन गतिविधियां

कंप्यूटर सुविधा एनआईसी से एनकेएन कनेक्टिविटी के माध्यम से एम्स के विभिन्न उपयोगकर्ताओं को उच्च गति वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित नेटवर्क प्रबंधन सुविधाएं प्रदान करती है। यह aiims.edu और aiims.ac.in पर एम्स की वेबसाइट का रखरखाव करती है।

1. एम्स के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को लगभग 518 नए इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
2. विभिन्न सेमिनारों/सम्मेलनों/वीडियो सम्मेलनों के लिए उच्च गति वाली एनकेएन इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है:-
    a. आहार विज्ञान विभाग द्वारा 30 जुलाई 2018 को आयोजित व्याख्यान के लिए रामालिंगा स्वामी निदेशक सभागार कक्ष में वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई।
    b. युवा वैज्ञानिक समाज (एसवाईएस) द्वारा वैज्ञानिक समस्याओं और इन पर चर्चा के लिए अखिल भारतीय शोधार्थी प्रतिनिधियों की बैठक के लिए लाइव स्ट्रीम सुविधा की व्यवस्था की गई।
    c. 26 फरवरी 2019 को परिचर्या कार्मिकों के लिए संप्रेषण कौशल पर कार्यशाला के लिए लाइव स्ट्रीम सुविधा की व्यवस्था की गई।
    d. रा.प्र.कें. द्वारा 30 नवम्बर से 2 दिसंबर 2018 तक आयोजित केराकोन 2018 के लिए लाइव स्ट्रीम सुविधा की व्यवस्था की गई।
    e. संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार विभाग द्वारा 2 दिसंबर 2018 को ओटी तकनीकविदों की संवेदनाहरण, शल्य चिकित्सा और गंभीर उपचार की तकनीकों पर आयोजित दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए लाइव स्ट्रीम सुविधा की व्यवस्था की गई।
    f. तंत्रिका विकिरण विज्ञान, हृ.तं.के. द्वारा 11 मार्च 2019 को आयोजित व्याख्यान के लाइव प्रसारण के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट की व्यवस्था की गई।

g. 18 मई 2018 को अन्य आयुर्विज्ञान संस्थानों को एनकेएन द्वारा वेब टेलीकास्ट के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई।

h. भारत तथा विदेशों में सभी बाल रोग शल्य चिकित्सकों के लिए बाल रोग शल्य चिकित्सा के शिक्षण हेतु सेमिनार के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई।

i. जवाहर लाल नेहरू सभागार में 11 और 12 जनवरी 2018 के दौरान नूसिकॉन (एनयूएसआईसीओएन) 2018 की वेबकास्टिंग की गई।

j. शल्यचिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित 12वें एम्स सर्जिकल सप्ताह, इंटरनेशनल मिनिमल एक्सेस सर्जरी कांफ्रेंस के लिए टेलिकास्ट सुविधा उपलब्ध कराई गई।

k. तंत्रिका शल्य चिकित्सा द्वारा 15 से 17 फरवरी 2018 के दौरान आयोजित "आईएनडीएसपीएनसीओएन 2019 कान्फ्रेंस" के लिए वाई-फाई कनेक्शन दिया गया।

l. मुख-स्वास्थ्य प्रसार के लिए आयुष स्वास्थ्य चिकित्सकों के प्रशिक्षण हेतु वाई-फाई सुविधा दी गई।

m. जठरांत्र शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित एलटीएसआईसीओएन 2018 के लिए वाई-फाई सुविधा दी गई।

3. गेटवे लेवल एंटी वायरस, एंटी स्पैम, आईपीएस/आईडीएस, लोड बैलेंसिंग और कंटेंट फिल्टरिंग पर प्रबंधन के लिए कंप्यूटर नेटवर्क एवं एप्लिकेशन की सुरक्षा के लिए किए गए यूनिफाइड थ्रेट मैनेजमेंट (यूटीएम) फायरवॉल का निरंतर प्रबंधन।
4. लगभग 18 छात्रावास स्थानों पर वायरलेस नेटवर्किंग ज़ोन का निरंतर प्रबंधन, इंटरनेट, सूचना और ऑनलाइन पत्रिकाओं तक छात्रों एवं निवासी डॉक्टरों की पहुंच के लिए वाई-फाई जोन का निर्माण। अब तक लगभग 9000 छात्रों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। वर्तमान में इस सुविधा के लिए 1250 उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं।
5. निरंतर बीबीडीएल ओपीएसी सेवाएं और पुस्तकालय ऑनलाइन संसाधनों की वृद्धि को बी.बी. दीक्षित लाइब्रेरी में एम्स वेबसाइट के माध्यम से सब्स्क्राइब किया गया है।
6. छात्रों की इंटरनेट और ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच के लिए बी.बी. दीक्षित लाइब्रेरी में वाई-फाई ज़ोन का निरंतर प्रबंधन।
7. संकाय, स्टाफ और छात्रों के लिए एनकेएन लीज लाइन के माध्यम से उच्च गति वाल इंटरनेट सुविधा लगभग 8500 नोड्स पर एम्स नेटवर्क पर 24/7 के आधार पर प्रबंधित की जा रही है।
8. प्रॉक्सी सर्वर और मेल सर्वर का 24x7x365 दिनों तक रखरखाव।
9. कंप्यूटर सुविधा के हेल्प डेस्क् के माध्यम से इंटरनेट और नेटवर्क उपयोगकर्ता की शिकायतों और समाधान के लिए 24x7x365 दिनों तक सुविधा प्रबंधन और कॉल रखरखाव।
10. बल्लभगढ़, एम्स केंद्रो के लिए ई-हॉस्पिटल मॉडयूल के लिए वीपीएन आधारित एक्सेस मैकेनिज्म, एम्स के बाहर से सीपीआरएस एक्सेस का निरंतर प्रबंधन।
11. एपिलेप्सी और ब्रेन रिसर्च सेंटर, गुरूग्राम में एनडीडीटीसी, जेपीएनएटीसी और उत्कृष्टता केंद्रों के लिए आईपीएसईसी टनल का निरंतर प्रबंधन।

12. वार्ड, ओपीडी, आईसीयू और ओटी आदि में ई-हॉस्पिटल सॉफ्टवेयर और इंटरनेट के लिए वाई-फाई आधारित पहुंच के लिए एम्स संकाय, वैज्ञानिकों, सहायकों और उप-नर्सिंग अधीक्षकों को प्रदत्त मैक आईडी आधारित प्रमाणीकरण।
13. एसएसएल वीपीएन पहुंच के लिए लगभग 50 आईडी बनाई गई।
14. एम्स के संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के लिए aims.edu और aims.ac.in डोमेन पर लगभग 80 नई ई-मेल आई.डी. बनाई गई हैं।
15. विभिन्न सम्मेलन, सेमिनार आदि के संबंध में सभी संकायों को नियमित ई-मेल भेजे गए हैं।
16. निविदा के लिए तकनीकी विनिर्देश समिति द्वारा सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में आईटी नेटवर्क के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए तकनीकी विनिर्देश का मसौदा तैयार किया गया।
17. नेटवर्किंग, पीसी, परिधियों और पुर्जों के आरसी के सीएएमसी के लिए निविदा विनिर्देश निविदा के लिए तकनीकी विनिर्देश समिति द्वारा तैयार किए गए थे और लागू किए गए थे।
18. एम्स के लिए होस्ट आधारित एंटी वायरस सोल्यूशन के लिए तकनीकी विनिर्देशों को बनाने में शामिल।

प्रस्तुत मौखिक लेख/पोस्टर्स: 3

प्रकाशन

पुस्तकों में अध्याय: 1

सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

एस.एन. रघु कुमार एम्स और इसके सभी केंद्रों, भावी केंद्रों के आईटी इंफ्रास्ट्रकयर के विकास के लिए विभिन्न तकनीकी विनिर्देश समिति के सदस्य थे; एम्स में आई टी कार्यान्वयन संबंधी सेवाओ, सभी सेवा प्रदाताओं/वेंडर्स की निगरानी; कंप्यूटर सुविधा, कंप्यूटर सुविधा में तैनात एनआईसी स्टाफ और कंप्यूटर सुविधा में कार्यरत अनुबंधित स्टॉफ का प्रबंधन; एम्स, नई दिल्ली में नए चयनित एमबीबीएस छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन; एम्स के टेलीमेडिसिन केंद्र में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों को व्याख्यान एवं डेमोंस्ट्रेशन दिया गया; कंप्यूटर साईंस और इंजीनियरिंग विभाग जेपी इंस्टट्यूट ऑफ इंफोर्मेशन टेक्सालॉजी, नोएडा, यूपी में 25 जून से 7 जुलाई 2018 तक कंप्यूटिंग में सुरक्षा पर दो सप्ताह के समर स्कूल ट्रेनिंग में भाग लिया।

सतीश प्रसाद ईऑफिस परियोजना के नोडल अधिकारी (एनआईसी) ने ईऑफिस के उपयोग के लिए कर्मियों को समन्वित और प्रशिक्षित किया है; इन हाउस विकसित किए गए वित्तीय एप्लिकेशन्स के लिए फाइनेंस सर्वर (नोवेल) की गिरानी और रखरखाव में शामिल थे; उन्होंने नर्सिंग कॉलेज की आईटी कक्षाओं के लिए एमएससी, बीएससी और पोस्ट सर्टिफिकेट छात्रों की कक्षाएं लीं; इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के लिए आपदा प्रबंधन पाठयक्रम के लिए आईटी से संबंधित कक्षाएं ली (जो आईपी विश्वविद्यालय से संबद्धित मास्टर कोर्स है); उन्हें कंप्यूटर सुविधा के लिए केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के रूप में नामित किया गया है; ओपन सोर्स प्लैटफॉर्म पर आधारित एपीएआर मॉड्यूल और पे-रोल मॉड्यूल के विकास के लिए टीम लीडर है।

डॉ. एस.के. मेहर ने एनसीआई, झज्जर में नए स्थापित केंद्र में एचआईएस (ई अस्पताल), ओपीडी क्लीनिकल स्क्रीनिंग और अन्य विशेष मॉड्यूल को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे कोर मॉड्यूल, एलआईएस मॉड्यूल, रक्त कोष, आरआईएस, पैक्स और इन-हाउस विकसित विभिन्न क्लीनिकल मॉड्यूल का पर्यवेक्षण कर रहे है। एनसीआई, झज्जर (हरियाणा) के लिए कंप्यूटर नेटवर्किंग और वाई-फाई इंस्टॉलेशन; स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण क्रियाकलापों से जुड़े है; हृ.तं.कें. की निराकरण समिति के सदस्य; कंप्यूटर संबंधी सामग्री की खरीद हेतु तकनीकी समिति के सदस्य; कॉलम्बो, श्रीलंका में आयोजित डिजिटल हैल्थ वीक सम्मेलन में भागीदार रहे और एपीएएमआई 2018 (ट्रांस्फोर्मिंग हैल्थ केयर थ्रू इनोवेशन इन डिजिटल हैल्थ केयर) में प्रस्तुति दी; कॉलम्बो, श्रीलंका में आयोजित जीटी 2018 और एशिया ई-हैल्थ इंफोर्मेशन नेटवर्क (एईएचआईएन) में भाग लिया; इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर गेरोन टेक्नोलॉजी 2018-2019 के बोर्ड सदस्य; इंडिया असोसिएशन ऑफ मेडिकल इंफोर्मोटिक्स (आइएएमआई) के सलाहकार है। सीडीएसी, पुणे द्वारा आयोजित एनआरसी ईएस यूज़र्स मीट का आयोजन किया; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स में स्नोमेड सीटी परियोजना के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्यरत; विभिन्न नैदानिक विभागों के चिकित्सकों के लिए स्नोमेड सीटी परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया; एन सी आई झज्जर और एम्स के लिए ओपन सेंट्रलाईज्ड पैक्स और वीएनए के लिए तकनीकी दस्तावेज तैयार किए; मुख्य अस्पताल और सभी केंदों के नैदानिक विभागों के वार्ड/लैब में रोगी चिकित्सा सेवाओं की सुविधाएं देखने के लिए अंतरंग-रोगी विभाग में अध्ययन/सर्वेक्षण किया; हिताची द्वारा मुख्य सर्वर कक्ष में नया आई टी इंफ्रास्ट्रक्यर लगने के बाद ओपन पैक्स प्रक्रिया का अध्ययन।

संजय गुप्ता ने ई-अस्पताल परियोजना के ईएचएस फार्मेसी मॉड्यूल, डाईट माड्यूल आदि के कार्यान्वयन का समन्वय किया; चुनाव के लिए साफ्टवेयर विकसित करवाया तथा एम्स में इंफोर्मेशन कियास्क का उपयोग कर फेम्स, एसवाईएस और आफिसर्स एसोसिएशन के ऑनलाईन चुनावों का समन्वय किया; एम्स में कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन शिकायत पोर्टल शुरू किया गया; एनसीआई, झज्जर, एम्स में नई ओपीडी, एमसीएच, नए सर्जिकल ब्लॉक्स में की जा रही नेटवर्किंग का समन्वय; कॉलम्बो, श्रीलंका में एपीएएमआई 2018 और यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज के लिए इंटर ओपरेबल डिजीटल हैल्थ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "तृतीयक देखभाल सार्वजनिक अस्पताल में अस्पताल के संसाधनों का अनुकूल उपयोग करने के लिए आवश्यकता से अधिक बुकिंग नीति पर आधारित "ऑनलाइन आउट पेशेंट अपाइंटमेंट सिस्टम के उपयोग पर व्याख्यान दिया।"

विनय पांडे एम्स के डिजीटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए नोडल अधिकारी हैं; ई-अस्पताल सॉफ्टवेयर के बिलिंग मॉड्यूल की देख-रेख कर रहे हैं, एपीएआर माड्यूल के एसआरएस, के विकास पेरोल मॉड्यूल और सॉफ्टवेयर विकास/कार्यान्वयन; हेतु टीम सदस्य है; एम्स के एमएससी (नर्सिंग), बीएससी (नर्सिंग) के छात्रों के लिए आपदा प्रबंधन पर अपने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए आईसीटी, एमआईएस, साइबर आतंकवाद और साइबर सुरक्षा आदि पर व्याख्यान देने के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आमंत्रित किए गए (गु.गो.सि.इ.प्र. विश्वविद्यालय, दिल्ली) से संबद्ध; सूचना प्रौद्योगिकी, एचआईएस, नर्सिंग और मेडिकल इंफोर्मेटिक्स, बायो मेडिकल इंफोर्मेशन रीट्रीवल कक्षाएं ली।

हरि शंकर ने एमबीबीएस के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया; एमएससी और बीएससी नर्सिंग के छात्रों की कक्षाएं ली; कोलंबो, श्रीलंका में 7-12 अक्टूबर, 2018 के दौरान आयोजित एपीएएमआई 2018 में "इंटीग्रेटेड लेन, वाई-फाई एंड वाइड नेटवर्क ऐट एम्स फॉर हैल्थ केयर प्रोफेशनल्स एंड स्टूडेंट्स" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

पवन कुमार शर्मा को ई-क्रय पोर्टल जीईएम के लिए एम्स का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

तृप्ता शर्मा एम्स और अन्य केंद्रों में ई-अस्पताल मॉड्यूल जैसे अपॉइंटमेंट मॉड्यूल, एडमिशन डिस्चार्ज एंड ट्रांसफर मॉड्यूल, इंवेंट्री मॉड्यूल, ईएचएस (कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा) मॉड्यूल का रख-रखाव एवं व्यवस्था कर रही है; स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण क्रियाकलापों से जुड़ी हैं; विभिन्न विभागीय समितियों की सदस्य है।

अर्चना और रितु ने ऑनलाइन संपदा आबंटन प्रणाली (पहला चरण पूर्ण); ऑनलाइन छात्रावास पंजीकरण और आबंटन प्रणाली; ऑनलाइन पाइॅसन सूचना; ऑनलाइन अंगदान फॉर्म सुविधाएं विकसित की हैं।

11-6 bysDVªkWu lw{en'khZ lqfo/kk
(’kjhj jpuk foHkkx)

आचार्य

टी. सी. नाग

सहायक आचार्य

सुभाष सी. यादव

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

संदीप आर्य

तकनीकी अधिकारी

चंदा पंवार

शिक्षा

1. जैवप्रौद्योगिकी विभाग, अ.भा.आ.सं. के तेरह एम. बायोटेक छात्रों ने दिनांक 31 अगस्त से 1 सितंबर, 2018 तक 2 सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया (अपने प्रथम सत्र कोशिका जीवविज्ञान अभ्यास के भाग के रूप में)।
2. दिनांक 4 जनवरी से 31 मार्च, 2019 तक शरीर रचना स्नातकोत्तर के लिए ई.एम. कक्षाओं (सिद्धांत सहित अभ्यास, केवल शुक्रवार) का संचालन किया गया था।

सी.एम.ई./कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. दिनांक 15 मई से 25 जून 2018 तक तकनीकी कार्मिकों के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में ग्रीष्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। 6 अभ्यर्थियों को नमूना प्रक्रियागत करने, अल्ट्रामाइक्रोटोमी, सी.पी.डी., स्पुटर कोटिंग, टी.ई.एम. तथा एस.ई.एम. प्रदर्शन तथा माइक्रोस्कोपी के नैमिक अनुरक्षण में प्रशिक्षित किया गया।
2. दिनांक 27 नवंबर से 7 दिसंबर 2018 तक वैज्ञानिक अन्वेषकों के लिए इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी में 34वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से बाईस अभ्यर्थियों ने भाग लिया। सहभागियों के लिए अ.भा.आ.सं. के संकाय स्टाफ एवं बाह्य विशेषज्ञों ने बारह व्याख्यान प्रदान किए गए।
3. दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसिस के एम.एससी. द्वितीय वर्ष के छह छात्र (शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में प्रशिक्षण पर, प्रभारी संकाय आचार्य के.पी. कोचर) दिनांक 9 जुलाई 2018 को ई.एम. सुविधा आए तथा उन्हें ई.एम. के सिद्धांतों एंव ई.एम. अवलोकन हेतु जीवविज्ञानात्मक नमूनों को प्रक्रियागत करने हेतु निर्देश दिए गए।
4. डॉ. रफीद शेलव (फार्मेसी कालेज, बसरा, इराक) दिनांक 31 मई, 2018 को ई.एम. लैब में आए।
5. डॉ. अपराजीत दास, शरीररचना विभाग, डब्लिन, आयरलैंड दिनांक 9 नवम्बर, 2018 को ई.एम. लैब में आए।
6. डॉ. के. बासु एवं डॉ. एम सेनगुप्ता, विकृतिविज्ञान विभाग, आईपी.जी.एम.ईआर. (कलकत्ता) दिनांक 1 मार्च, 2019 को ई.एम. लैब में आए।
7. बी.पी.के.आई.एच.एस. धरन, नेपाल से छह एम.डी. विकृति विज्ञान वरिष्ठ रेज़ीडेन्ट दिनांक 12 मार्च, 2019 को ई.एम. लैब में आए।
8. कोच बेहर पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल से अठारह संकाय सदस्यों के साथ 18 छात्र दिनांक 27 मार्च, 2019 को ई.एम. सुविधा आए एवं उन्हें ई.एम. अवलोकन हेतु जीवविज्ञानात्मक नमूनों को प्रक्रियागत करने तथा ई.एम. के सिद्धांतों पर शिक्षित किया गया।

सी.एम.ई./राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

टी.सी. नाग : 5 सुभाष चंद्र यादव : 4

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय जनसमुदाय में गठिया रोगियों में टीएच (टी. हेल्पर)–17 कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, स्व. टी. के. दास (वर्तमान में ए. शरीफ द्वारा निर्देशित), आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2015–19, 40 लाख रुपये।
2. सामान्य उम्र बढ़ने के साथ मानव कोरॉइडल वाहिकाओं का अल्ट्रास्ट्रक्चरल और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण, टी. सी. नाग, आई.सी.एम.आर., 3.5 वर्ष, 2015–2018, 21.4 लाख रुपए।
3. अलक्षणी अवस्था में पैथोजेन की पहचान के लिए सामान्य, तत्काल एवं आनसाइट शीघ्र नैदानिक किट, सुभाष चंद्र यादव, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2016–19, 50.21 लाख रुपये।
4. कोशिकाविज्ञान नमूने से ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं का चुम्बकीय नेनोपार्टिकल्स एवं क्वांटम डॉट्स संयोजित दृश्य पुष्टिकरणः ग्रामीण भारतीय व्यवस्था हेतु एक लागत प्रभावी, शीघ्र तथा अनुकूल जांच, सुभाष चन्द्र यादव, एस.ई.आर.बी., 3 वर्ष, 2018–22, 38.68 लाख रूपये।
5. ग्रीवा कैंसर के उपचार के लिए मानव पेपिलोमा वायरस (एच.पी.वी.16) आधारित नैनोकेरियर्स का प्रयोग करते हुए सिस्प्लेटिन की बाह्य आपूर्ति, सुभाष चंद्र यादव, अ.भा.आ.सं.–आई.आई.टी. दिल्ली, 2 वर्ष, 2019–21, 10 लाख रूपए।
6. ई.डब्ल्यू.एस.–एफ.एल.आई–1 फ्यूजन प्रोटीन का शीघ्र एवं विशिट पहचान पद्धति का विकास, सुभाष चंद्र यादव, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2019–22, 80 लाख रुपए।

पूर्ण

1. अल्प डोज़ उच्च प्रभावी एवं दीर्घ क्रिया वाले ओपन ऐंगल ग्लुकोमा के उपचार हेतु ब्रिमोनिडाइन के लिए नेनो–ड्रग आपूर्ति पद्धति का विकास, सुभाष चंद्र यादव, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2016–18, 9 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रसवपूर्व ध्वनि उत्तेजना से ग्रस्त नवजात चूज़ो का हिप्पोकैंपस एवं केंन्द्रीय श्रवण पथ में ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रोफिक फैक्टर (बी.डी.एन.एफ.) का एपीजेनेटिक विनियमन।
2. पोस्ट–हैच चिक रेटिना में प्रकाश–प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव तथा एंडोजिनस न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्र।
3. चूहे में प्रकाश–प्रेरित रेटिनल क्षति के पश्चात समांतर कोशिकाओं में रीमॉडलिंग।
4. गोल्ड नॉनोपर्टिकल संयोजित लूप मेडिएटिड आइसोथर्मल एम्लीफिकेशन (नेनो–एल.ए.एम.पी.) का प्रयोग करते हुए वृक्क प्रत्यारोपित रोगियों के लिए दृश्य, शीघ्र, गैर–इंवेसिव एवं लागत–प्रभावी बी.के. वायरस पहचान पद्धति।

पूर्ण

1. भिन्न फोटोपीरियड्स के प्रकाश हेतु प्रवृत्त नवजात चिक रेटिना में बी.डी.एन.एफ. एवं टर्क–बी का अभिव्यक्ति पैटर्नस।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सुपर रेजूल्यूशन माइक्रोस्कॉपी का प्रयोग करते हुए दृष्टिगत रूप से सक्रिय अतिसूक्ष्म कणों का इंटरासेलुलर ट्रैफिकिंग का विकोडित क्रियाविधिक आधार, जैवप्रौधोगिकी विद्यालय, जे.एन.यू., नई दिल्ली।
2. यूरिन–आधारित प्रोटीन बायोमार्कस का प्रयोग करते हुए प्रोस्टेट कैंसर की नॉनइंवेसिव पहचान के लिए एक नवीन इम्यूनों नेनो फ्लूरेसेंस एस्से (आई.एन.एफ.ए.) पद्धति, पी.एस.ए. एवं एम.एस.एम.बी. (विकृतिविज्ञान)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 13 सार : 2

रोगी उपचार

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएँ

वर्ष के दौरान, अनुसंधान एवं रोगी उपचार हेतु प्रदान की गई विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	सुविधाएँ	प्रयोक्ता सं.		विश्लेषित नमूने	
		आंतरिक	बाहरी	आंतरिक	बाहरी
1.	ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	224	327	1,225	1746
2.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	41	109	125	335

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य टी. सी. नाग ने माइक्रोस्कोपी एवं माइक्रोएनालाइसिस, सैल टिस्सू आर्गेन्स माइक्रोस्कोपी रिसर्च एवं टेक्नीक्स, फ्रंटियर्स इन फार्माकोलोजी, करंट फार्मास्यूटिकल डिजान्स, बायोमेडिसिन एंड फार्माकोथेरेपी, साइंटिफिक रिपोर्टस, जनरल एंड कंपेरेटिव इंडोक्रिनोलोजी, ऑक्सीडेटिव मेडिसिन एंड सेल्लुलर लोंगीविटी तथा वित्तीय सहायता के लिए डी.एस.टी.–एस.ई.आर.बी. अनुसंधान परियोजनाओं हेतु पांडुलिपियों की समीक्षा की। उन्होंने इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसांइसिस की 36वीं वार्षिक बैठक (बी.एच.यू., 30 अक्तूबर, 2018) तथा अ.भा. आ.सं. ऋषिकेश में आयोजित (14 नवम्बर, 2018), एनाटोमिकल सोसायटी की 66वीं वार्षिक बैठक में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सुभाष सी. यादव ने नैनोस्केल, नेनोमेडिसिन एवं जर्नल ऑफ नेनोटेक्नोलोजी से पांडुलिपियों की समीक्षा की। उन्हें 2018 ई.एम.एस.आई. मीटिंग 'इंटरनेशनल कॉफ्रेस ऑन माइक्रोस्कॉपी एवं XXXIX एन्युल मीटिंग ऑफ इलेक्ट्रोन माइक्रोस्काप सोसाइटी इंडिया', भुवनेश्वर में इलैक्ट्रान माइक्रोस्कॉप सोसायटी ऑफ इंडिया (ई.एम.एस.आई) द्वारा मेडिकल साइंसिस के लिए 'एक्सीलेंस इन माइक्रोस्कोपी प्रदान किया। वह ''यूज ऑफ इंवाइरमेंटल स्कैनिंग इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कॉपी इन मेडिसिन'' कार्यशाला, उस बैठक (16–20 जुलाई, 2018) में समन्वयकर्ता थे। उन्हें स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार से विदेश जाने के लिए दीर्घ अवधि फेलोशिप प्रदान किया गया।

11.7 छात्रावास अनुभाग

छात्रावास अधीक्षक

डॉ. के.के. दीपक (14 मार्च, 2019 तक) डॉ. संदीप अग्रवाल (15 मार्च, 2019 से)

छात्रावास उप-अधीक्षक

डॉ. एस. दत्ता गुप्ता	डॉ. एस.के. मौलिक	डॉ. नीरजा भाटला
डॉ. तनुज दादा	डॉ. राज कुमार यादव	डॉ. राकेश कुमार
डॉ. के.एच. रीता	डॉ. विजय कुमार	डॉ. पार्थ हल्दर
डॉ. कपिल यादव	डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा	श्रीमती भूपिंदर कौर

वरिष्ठ भण्डार अधिकारी (छात्रावास)

श्री राकेश कुमार शर्मा

प्रशासनिक अधिकारी (छात्रावास)

श्री बी.के. सिंह

लेखा अधिकारी (छात्रावास)

श्री त्रिलोक चंद

वरिष्ठ वार्डन

श्री शशि प्रकाश पांडे

वार्डन

श्री मोहन शर्मा श्रीमती सीमा परूथी

उप वार्डन

श्री सतप्रकाश कालिया श्रीमती सुचिता कुमारी श्री सुखपाल मलिक

सहायक वार्डन

श्रीमती तृप्ता शर्मा सुश्री रानी वर्गीस

कनिष्ठ वार्डन

श्री बाबू लाल मीणा	श्री दिनेश देसाई	श्रीमती निर्मला
श्री राजेश रावत		श्रीमती सुनील देवी

अनुसचिवीय तथा संविदात्मक स्टाफ

छात्रावास अनुभाग में चार अनुसचिवीय तथा आठ संविदात्मक स्टाफ हैं।

अधीनस्थ स्टाफ

बारह पुरुष और बीस महिला कार्यालय परिचर विभिन्न छात्रावासों में तैनात हैं। एम्स में 1812 (लगभग) से अधिक सिंगल/डबल कमरे तथा विवाहितों के लिए 352 आवास तथा नर्सिंग छात्रों/ स्टाफ नर्सों के लिए 480 आवास और 24 अतिथि कक्ष की क्षमता वाले कई छात्रावास हैं। ये विभिन्न आवास और छात्रावास मुख्य परिसर मस्जिद मोठ, आयुर्विज्ञान नगर और ट्रॉमा केन्द्र (राज नगर) में स्थित हैं।

छात्रावासों का विस्तृत वर्णन

क्र.सं.	छात्रावास का नाम	एकल कमरा	दो से आठ सीटर	अतिथि कक्ष	कुल क्षमता
पुरुष छात्रावास					
1	सं. 1 (चरक)	62	2x3=6(बी.एस.सी)	0	68
2	सं. 2 (जीवक)	55	2x2=4(बी.एस.सी)	1	60
3	सं. 3 (सुश्रुत)	70	2x6=12(बी.एस.सी)	1	83
4	सं. 4 (माधव)	53	2x7=14(बी.एस.सी)	0	67
5	सं. 5 (नागार्जुन)	53	2x5=10(बी.एस.सी)	0	63
6	सं. 6 (वाग्भट्ट)	69	2x6=12(एम.बी.बी.एस.)	0	81
7	सं. 7 (अश्विनी)	107	0	1	108
8	सं. 8 (भारद्वाज)	108	0	1	109
9	सं. 18 (कश्यप)	283	2x10=20; 3x14=42	0	345
10	जे.पी.एन. अपैक्स ट्रामा केंद्र	58	0	2	60
11	सं. 12 (धन्वंतरि)	71	0	1	72
	कुल	**989**	**120**	**7**	**1,116**
महिला छात्रावास					
12	सं. 9 (पार्वती)	62	16+2+0+1(32+6+5)=43	1	106
13	सं. 10 (सरस्वती)	106	3+0+1+0+0+1(6+4+8)= 18	1	125
14	सं. 11 (अक्षरा)	21	5+0+3+0(10+12)=22	0	43
15	सं. 13 (लक्ष्मी)	20	13+0+1+0+1(26+4+6)= 36	1	57
16	सं. 14 (अत्रेय)	68	0	6	74
17	सं. 19 (पतंजलि)	307	0	0	307
	कुल	**584**	**119**	**9**	**712**
नर्सिंग छात्र/स्टाफ नर्स छात्रावास					
18	सं. 14 (अत्रेय) विद्यार्थी	76	0	0	76

19	सं. 15 (मेधा) विद्यार्थी	160	76+14+4+0+0 (152+42+16)	3	373
20	सं. 15 (मेधा) स्टाफ नर्स	34	0	0	34
	कुल	**270**	**210**	**3**	**483**
विवाहितों हेतु छात्रावास आवास					
21	एफ-टाईप	0	7x2=14 (एक कक्ष भंडार के लिए)	0	13
22	सं. 14 (अत्रेय)	42	0	0	42
23	सं. 16 (अग्निवेश)	142	0	0	142
24	पी.एच.डी. हेतु एफ टाइप	18	0	0	18
25	सं. 17 (अंबुजा)	54	0	5	59
	आयुर्विज्ञान नगर टाइप III	77	0	0	77
25	जे.पी.एन. अपैक्स ट्रामा केंद्र	6	0	0	6
	कुल	**339**	**13**	**5**	**357**
	कुल योग	**1,109 (पुरुष) 703 (महिला) 480 (नर्सिंग विद्यार्थी तथा स्टाफ) 352 (विवाहित)**		**24**	**2,668**

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. मई, 2018 में छात्रावास संख्या-18 (कश्यप) छात्रावास अनुभाग को सौंप दिया गया। इस छात्रावास में 283 सिंगल आवास पुरुष वरिष्ठ रेजीडेंटों, कनिष्ठ रेजीडेंटों तथा पी.एच.डी. विद्यार्थियों के लिए तथा 42 सीट (थ्री. सीटर) पुरुष एम.एस.सी. विद्यार्थियों के लिए और 20 सीट (टू सीटर) पुरुष बी.एस.सी. (पी.बी.) नर्सिंग के लिए हैं।
2. जनवरी, 2019 में छात्रावास संख्या-19 (पंतजलि) छात्रावास अनुभाग को सौंप दिया गया। इस छात्रावास में महिला वरिष्ठ रेजीडेंटों, कनिष्ठ रेजीडेंटों तथा पी.एच.डी. विद्यार्थियों के लिए 307 सिंगल आवास हैं।
3. छात्रावास सं.1 एवं 2 में 9 शौचालयों, छात्रावास सं. 3 में 3 शौचालयों, छात्रावास सं. 4 में 3 शौचालयों तथा छात्रावास सं. 7 एवं 8 में 21 शौचालायों को पुनर्निर्मित किया गया। छात्रावास सं. 7 (अश्विनी) में साईकिल स्टैंड का निर्माण किया गया।
4. छात्रावास सं. 9 में 48 कक्षों की खिड़कियां बदल दी गई तथा मुख्य दरवाजे की दीवार के पुनर्निर्माण का कार्य कर दिया गया। छात्रावास सं. 9,10 तथा 13 के खुले क्षेत्र में इलैक्ट्रीकल कंट्रोल पैनल बनाए गए।
5. छात्रावास सं. 10 में 5 सार्वजनिक शौचालयों एवं मेस के शौचालयों तथा छात्रावास सं. 13 में 4 शौचालयों एवं 1 सार्वजनिक कक्ष को पुनर्निर्मित किया गया।

6. छात्रावास सं. 9,10,13 तथा 17 छात्रावासों के सभी गलियारों में एल.ई.डी. लाईट लगा दी गई।
7. छात्रावास सं. 14 (अत्रेय छात्रावास) में 3 सार्वजनिक शौचालय एवं मेस किचन पुनर्निर्मित की गई तथा 144 कक्ष पुनर्निर्माण के अधीन हैं।
8. छात्रावास सं. 15 (मेधा) के सभी सार्वजनिक शौचालय पुनर्निमित कर दिए गए। मेस किचन की खिड़कियां तथा स्लैब पुनर्निर्मित किए गए तथा एक्जोस्ट फैन बदले गए।
9. छात्रावास सं. 16 (अग्निवेश) में भूतल से दसवें तल तक सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराए गए। जनरल स्टोर (मिष्ठान भंडार) शुरू किए गए।
10. छात्रावास सं. 17 (अंबुजा) में तीन नए अतिथि कक्षों तथा वार्डन कार्यालय में एयर कंडीश्नर लगाए गए।
11. छात्रावास सं. 18 (कश्यप) में वाटर कूलर एवं आर.ओ. प्लांट लगाए गए तथा साईकिल स्टैंड बनाया गया।
12. ज.प्र.ना.ए.ट्र.कें. छात्रावास में सभी कक्षों की खिड़कियां बदली गई।
13. आयुर्विज्ञान नगर छात्रावास में पांच कक्षों का पुनर्निर्माण किया गया।
14. वरिष्ठ वार्डन तथा नए नियुक्त कर्मचारियों के लिए चैंबर सहित छात्रावास अनुभाग का विस्तार किया गया।
15. काम्पेक्टर स्टील चलायमान स्टोरेज स्टिम प्राप्त किए तथा छात्रावास रिकॉर्ड छात्रावास सं. 17 (अश्विनी) में स्थानांतरित किए गए।

भविष्य की योजनाएं-

1. छात्रावास सं. 1 के शौचालयों 7 तथा 9, छात्रावास सं. 3 के शौचालयों 1,3,7,8 तथा 9 छात्रावास सं. 5 के शौचालयों 1,3 तथा 5 छात्रावास सं. 7 के शौचालयों 4,8,12,13,15 एवं 17 तथा छात्रावास सं. 8 के शौचालयों 3,7,11,13,14,15,16,17 तथा 18 का पुनर्निर्माण कराना।
2. छात्रावास सं. 8 (भारद्वाज) की प्रथम तल की मेस मोड्यूलर किचन के साथ पुनर्निर्माण के अधीन है।
3. छात्रावास सं. 9 के स्टोर, 3 सार्वजनिक कक्षों एवं अतिथि कक्ष तथा छात्रावास सं. 10 का टी.वी. कक्ष, जिमखाना और अतिथि कक्ष का पुनर्निर्माण कराना।
4. छात्रावास सं. 14 (अत्रेय) के अतिथि कक्षों तथा टी.वी. कक्ष का पुनर्निर्माण कराना।
5. छात्रावास सं. 15 (मेधा) के सभी कक्षों की खिड़कियां, दोनों रोगी कक्ष, अतिथि कक्षों, सभी गलियारों, सीढियों तथा पैंट्रीज का पुनर्निर्माण कराना।
6. मुख्य छात्रावास स्टोर को पुरुष छात्रावास मुख्य द्वार के निकट पुराने छात्रावास कार्यालय में स्थानांतरित कराना।

7. छात्रावासों तथा स्टाफ की संख्या को देखते हुए छात्रावास अनुभाग का विस्तार कराना तथा छात्रावास स्वागत कक्ष, छात्रावास खजांची एवं अतिथि कक्षों के बुकिंग काउंटर को छात्रावास सं. 7 में छात्रावास अनुभाग के सामने कक्ष सं. 32 में स्थानांतरित कराना।

11.8 uhfr fo"k;d lfefr

uhfr fo"k;d lfefr esa mi;qDr of.kZr 'kSf{kd o"kZ gsrq izLrqr ,oa fopkj fd, x, ifj;kstuk izLrkoksa ,oa Fkhfll izksVksdkWy dh dqy la[;k dk o.kZu fuEukuqlkj gS%

cSBd%

lfefr dh cSBdksa dh la[;k bl çdkj FkhA

- संस्थान नीति विषयक समितिः **11**
- मूल और नैदानिक विज्ञान के स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समितिः **12**

leh{kk ifj;kstukvksa dh la[;k bl çdkj FkhA

- नए परियोजना प्रस्तावः 700
- समीक्षा परियोजनाएंः 600
- पुरानी परियोजनाएंः 190

ewy vkSj uSnkfud foKku ds LukrdksÙkj vuqla/kku ds fy, laLFkku uhfr fo"k;d lfefr }kjk leh{kk ifj;kstukvksa dh la[;k bl çdkj FkhA

- नई थीसिसः 770
- समीक्षा थीसिसः 480
- पुरानी थीसिसः 100

इसके अतिरिक्त, संस्थान नीति विषयक समिति को गंभीर प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट और समापन रिपोर्ट आदि की सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं।

संस्थान नीति विषयक समिति की मानक संचालन प्रक्रियाओं (एस.ओ.पी.) को संशोधित किया गया और ये एम्स की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

egRoiw.kZ ?kVuk,a

संस्थान नीति विषयक समिति और मूल और नैदानिक विज्ञान के स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समिति भारत के महा औषधि नियंत्रक और यू.एस.ए. फैडरल वाइड एस्योरेंस के साथ पंजीकृत हैं।

11-9 fpfdRlk f'k{kk] iks|kfxdh vkSj uokpkj d-,y- fox lsUVj ¼lh,ebZVh&vkbZ½

izeq[k

ओ.पी. खरबंदा

izHkkjh vkpk;Z
¼cfu;knh foKku dk ladk; fodkl dk fy,½

के.के. दीपक

izHkkjh vkpk;Z
¼fpfdRlk vkSj lac) fo"k;ksa dk unSnkfud ladk; dk ladk; fodkl dk fy,½

रीता सूद

izHkkjh vkpk;Z
¼'kY; fpfdRlk fo"k;ksa dk ladk; fodkl dk fy,½

अनुराग श्रीवास्तव

,tqds'ku ehfM;k tujfyLV

योगेश कुमार

eq[; rduhdh vf/kdkjh

आदर्श कुमार शर्मा (अक्तूबर 2018 तक)

çcU/kd ¼,p.vkj.Mh½

सौरव सरकार (मई 2018 तक)

iz'kklfud vf/kdkjh

पल्लव कुमार चित्तेज (अक्तूबर 2018 से)

उपलब्धियां

- **वर्ष के दौरान 90 आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें**
  1. 5 नर्सिंग एडमिनिस्ट्रेटर इंपावरमेंट प्रोग्रामः पहली बार नर्सिंग अधीक्षक उप–परिचर्या अधीक्षक, सहायक परिचर्या अधीक्षक (140+) के लिए अस्पताल प्रशासन विभाग एवं मनोचिकित्सा विभाग एवं प्रमुख नर्सिंग अधिकारी की सलाह से 5 बैचों में 5 दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य रोगियों को गुणवत्ता पूर्ण उपचार प्रदान करने के लिए नर्सिंग प्रशासकों और उनकी टीम को सशक्त बनाना था। प्रत्येक बैच में 30 से अधिक विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मुख्य नियमों जैसे आचरण नियम, अवकाश नियम, सूचना अधिकार अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण कानून, मेडिको कानूनी मामलों, संचार कौशल, तनाव प्रबंधन, टीम निर्माण, संक्रमण विरोधाभास नीति, एम्स का गौरव जेसे विषयों पर प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई।
  2. विभिन्न विषयों से संबद्ध 27 संकाय सदस्यों ने चिकित्सा नर्सिंग एवं दंतरोग संबंधी शिक्षा में चिकित्सा शिक्षण पद्धति और जानकारी में अपनी दक्षता को बढ़ाने के लिए 3 दिवसीय बुनियादी पाठ्यक्रम में हिस्सा लिया।
  3. भारतीय राष्ट्रीय चिकित्सा प्रकाशन के सहयोग से अनुसंधान पत्र संबंधी लेख हेतु 2 कार्यशालाओं का आयोजन।
  4. 18 नर्सों, 3 ओ.टी. परिचरों तथा 1 सुरक्षा गार्ड के लिए 3 अर्ध दिवस में 22 प्रारंभिक कार्यक्रम संचालित किए गए।
  5. संकाय और रेज़िडेंन्ट्स के लिए विभिन्न विषयों पर विशेष जोर देने के लिए अलग–अलग विषयों जैसे सूचना पुर्नप्राप्ति, ग्रंथ सूची प्रबंधन, एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेख हेतु उपकरण, डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुति, पावरप्वाइंट एनीमेशन, एक्सेल रचनात्मकता में उत्कृष्टता हेतु 12 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

6. नैदानिक अनुसंधान मेथेडोलॉजी एवं साक्ष्य आधारित मध्यस्थ विषयों जैसे सांख्यिकी विश्लेषण के सिद्धांतों, सांख्यिकी सॉफ्टवेयर का उपयोग प्रतिगमन मॉडेल मामलों के नियंत्रण अध्ययन एवं कोहार्ट अध्ययन इत्यादि हेतु फेलोशिप के तहत 32 व्याख्यान आयोजित किए गए।
7. ऑर्बो के सहयोग से 17 प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

सीमेट हॉल का प्रयोगः

सीमेट द्वारा अपने स्वयं के कार्यक्रम के अलावा (185 दिन) विभिन्न विभागों के लिए (187 दिन) दृश्य–श्रव्य सहित लॉजिस्टिक समर्थन हेतु कार्यशाला/कर्मिक आयुर्विज्ञान शिक्षा का आयोजन किया गया। वर्ष के दौरान क्रमशः 80 दिनों के लिए 219, 161 व्यक्तियों हेतु सीमेट विभाग के तीन हॉल शिक्षा हॉल, तकनीकी हॉल एवं अनुसंधान हॉल का इस्तेमाल किया गया।

63वें संस्थान दिवस संबंधी प्रदर्शनीः

सीमेट द्वारा 25 से 26 सितंबर 2018 को संस्थान में प्रदर्शनी के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रदर्शनी का विषय **'नेक्स्ट जनरेशन हेल्थकेयर'** था। प्रोफेसर जे.एस. गुलेरिया ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य विज्ञान में अब तक की शीर्ष 10 खोज़ों के इतिहास को दर्शाने वाले पोस्टर प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण थे। इसमें केंद्रों सहित 52 विभागों ने उक्त विषय पर अपने पोस्टरों और वीडियों सहित हिस्सा लिया प्रदर्शनी में प्रयुक्त पोस्टरों को पोर्टेबल पैनल डिस्पले सिस्टम का उपयोग करके डिज़ाइन किया गया था। एक्रेलिक माऊंट के साथ 90 पोस्टर तैयार किए गए थे और 6 वीडियों स्टेशन पर प्रदर्शित किए गए थे।

प्रथम एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस–2019

एम्स के प्रथम वार्षिक अनुसंधान दिवस के अवसर पर सीमेट के सहयोग से अनुसंधान अनुभाग द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया; जिसमें 450 पोस्टर्स प्रदर्शित किए गए, 220 से अधिक पोस्टर पी–एच.डी, एम.बी.बी.एस. तथा एम.एस.सी. विद्यार्थियों के लिए डिज़ाइन किए गए तथा सीमेट में प्रिंट किए गए। सीमेट द्वारा वरिष्ठ रेज़ीडेन्ट एवं कनिष्ठ रेज़ीडेन्ट की 200 से अधिक ई–पोस्टर्स बनाने में भी सहायता की गईं सीमेट ने इस प्रदर्शनी को मुद्रण और प्रदर्शन सहित प्रबंधित किया।

लघु स्वास्थ्य प्रदर्शनी

1. ऑटिज्म जागरूकताः हम साथ हो सकते है, 11 अप्रैल, 2018 सीमेट द्वारा 40 पोस्टरों का डिज़ाइन एवं मुद्रण।
2. डॉ. रा.प्र. केंद्र दिवस प्रदर्शनीः 10 मार्च, 2018 सीमेट द्वारा 40 पोस्टरों का डिज़ाइन एवं मुद्रण।
3. बालावस्था में कैंसर संबंधी प्रदर्शनीः 27 फरवरी, 2019 सीमेट द्वारा 16 पोस्टरों का डिज़ाइन एवं मुद्रण।

संस्थान का 46वां दीक्षांत समारोह

सीमेट के फोटोग्राफी दल ने 12 दिसंबर, 2018 को एम्स के वार्षिक दीक्षांत अवसर पर 2400 हाई रेज़ोल्यूशन फोटोग्राफ खींचे। इन सभी तस्वीरों को एम्स की वेबसाइट www.aiims.edu पर अपलोड किया गया तथा छात्रों को मुफ्त में उपलब्ध कराया गया।

सीमेट द्वारा 6 महीने के प्रशिक्षण कैलेन्डर के अनुसार (i) जून से दिसंबर, 2018 तथा (ii) जनवरी से जून, 2019 तक अग्रिम तौर पर संकाय, रेज़ीडेन्ट तथा एम्स के स्टाफ सदस्यों को वितरित किया गया।

मीडिया से संबंधित उपलब्धियां

विवरण	संख्या
क्लिनिकल/समारोह संबंधी फोटोग्राफी और स्कैन, एक्स–रे/सीटी/एमआरआई/ स्लाइड मांगपत्रों की संख्या	536
कलर प्रिंटिंग (ए–3 साइज़)	800+
कलर प्रिंटिंग (ए–4 साइज़)	1,500+
वीडियो रिकॉर्डिंग और संपादन मांगपत्रों की संख्या	546
बड़े आकार के पोस्टर की डिजाइनिंग/प्रिंटिंग (450+ ई–पोस्टरों सहित)	2,350
ऑन स्क्रीन प्रस्तुति, मांगपत्र की संख्या	480
प्रमाण पत्र प्रिंट ए–4 साइज़ (सीमेट कार्यशाला + अन्य विभाग)	1,085

शिक्षा

नैदानिक अनुसंधान पद्धति विज्ञान में छात्रवृत्ति एवं साक्ष्य आधारित, चिकित्सा

फेलोशिप कार्यक्रम में निम्नलिखित संकाय–सदस्य सम्मिलित है

1. कामेश्वर प्रसाद (मुख्य समन्वयकर्ता)
2. अनुराग श्रीवास्तव

9. तूलिका सेठ
10. राजीव कुमार

3. एस.एन. द्विवेदी
4. शशि कांत
5. गोविंद मकारिया
6. वी. श्रीनिवास
7. दीप्ति विभा
8. नलिन मेहता
11. राकेश लोधा
12. नीरजा भाटला
13. नवनीत विग
14. मंजु वत्स
15. पीयूष साहनी

वर्ष के दौरान निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किए गए

क्र.सं.	विषय	वक्ता	दिनांक
1.	नैदानिक परीक्षण अध्ययन	डॉ. सचिन कुमार	4 अप्रैल, 2018
2.	लाक्षणिक समीक्षा एवं मेटा विश्लेषण	डॉ. सचिन कुमार, डॉ. कामेश्वर प्रसाद	11 अप्रैल, 2018
3.	लाक्षणिक समीक्षा एवं मेटा विश्लेषण	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	18 अप्रैल, 2018
4.	समीक्षा कक्षा	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	25 अप्रैल, 2018
5.	समीक्षा कक्षा	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	02 मई, 2018
6.	नैदानिक अनुसंधान पद्धति विज्ञान एवं साक्ष्य आधारित चिकित्सा की प्रस्तावना	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	01 अगस्त, 2018
7.	नैदानिक लेख का आलोचनात्मक मूल्यांकन	डॉ. कामेश्वर प्रसाद एवं डॉ. कपिल देव सोनी	01 अगस्त, 2018
8.	यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण को समझने का परिणाम	डॉ. कामेश्वर प्रसाद एवं डॉ. कपिल देव सोनी	29 अगस्त, 2018
9.	लेखा चर्चा	डॉ. कपिल देव सोनी	05 सितम्बर, 2018
10.	अध्ययन डिज़ाइन का अवलोकन	डॉ. कामेश्वर प्रसाद एवं डॉ. दीप्ति विभा	12 सितम्बर, 2018
11.	थ्योरी पेपर का आलोचनात्मक मूल्यांकन	डॉ. कामेश्वर प्रसाद एवं डॉ. दीप्ति विभा	19 सितम्बर, 2018
12.	थ्योरी पेपर का आलोचनात्मक मूल्यांकन	डॉ. दीप्ति विभा	26 सितम्बर, 2018
13.	थ्योरी पेपर का आलोचनात्मक मूल्यांकन	डॉ. कपिल देव सोनी एवं डॉ. दीप्ति विभा	03 अक्तूबर, 2018
14.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. वी. श्रीनिवास	18 अक्तूबर, 2018
15.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. वी. श्रीनिवास	24 अक्तूबर, 2018
16.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. वी. श्रीनिवास	25 अक्तूबर, 2018
17.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. वी. श्रीनिवास	29 अक्तूबर, 2018
18.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. सचिन कुमार	15 नवम्बर, 2018
19.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. सचिन कुमार एवं डॉ. अमित कुमार	22 नवम्बर, 2018
20.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. एस.एन. द्विवेदी	29 नवम्बर, 2018
21.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. एस.एन. द्विवेदी	05 दिसम्बर, 2018
22.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. एस.एन. द्विवेदी	17 जनवरी, 2019
23.	सॉफ्टवेयर प्रैक्टिस	डॉ. अमित कुमार	23 जनवरी, 2019
24.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. एस.एन. द्विवेदी	24 जनवरी, 2019
25.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. एस.एन. द्विवेदी	30 जनवरी, 2019
26.	नैदानिक अनुसंधान हेतु जैवसांख्यिकी	डॉ. अमित कुमार एवं डॉ. सचिन कुमार	31 जनवरी, 2019
27.	कोहार्ट अध्ययन सत्र–1	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	07 फरवरी, 2019
28.	कोहार्ट अध्ययन सत्र–2	डॉ. दीप्ति विभा	13 फरवरी, 2019
29.	कोहार्ट अध्ययन सत्र–3	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	20 फरवरी, 2019
30.	कोहार्ट अध्ययन सत्र–4	डॉ. कपिल देव सोनी	05 मार्च, 2019
31.	उत्तरजीविता विश्लेषण की कप्लन केयर पद्धति	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	20 मार्च, 2019
32.	उत्तरजीविता विश्लेषण की कप्लन केयर पद्धति	डॉ. कपिल देव सोनी एवं डॉ. अमित कुमार	27 मार्च, 2019

90 कार्यशालाओं/प्रशिक्षण कार्यक्रम की सूची

क्र.सं.	विषय	पद्धति	दिनांक
1. से 12	प्रतिमाह 12 बैचों के लिए दो पाठ्यक्रमों में नर्सिंग अधिकारियों हेतु बुनियादी जीवन समर्थन प्रशिक्षण कार्यक्रम	पूर्ण दिवस	जुलाई से दिसम्बर 2018
13.	घाव की देखभाल और दबाव की रोकथाम	पूर्ण दिवस	10 अप्रैल 2018
14.	अंग एवं उत्तकदान	अर्ध दिवस	17 अप्रैल 2018
15.	स्वास्थ्य उपचार में गुणवत्ता सुधार	अर्ध दिवस	25 अप्रैल 2018
16.	बेहतर प्रकाशन क्लब का निर्माण कैसे करें	अर्ध दिवस	27 अप्रैल 2018
17.	अंग एवं उत्तक दान	अर्ध दिवस	03 अप्रैल 2018
18.	रेज़ीडेन्ट्स के लिए उत्तम बेडसाइड आधान प्रणाली	अर्ध दिवस	06 अप्रैल 2018
19.	शोध पत्र लेखन	2 पूर्ण दिवस	5–6 अप्रैल 2018
20.	अंग एवं उत्तक दान	अर्ध दिवस	22 मई 2018
21.	प्रकाशन हेतु पांडुलिपि प्रस्तुति	अर्ध दिवस	02 मई 2018
22.	रेज़ीडेन्ट्स के लिए उत्तम बेडसाइड आधान प्रणाली	अर्ध दिवस	04 मई 2018
23.	अंग एवं उत्तक दान	अर्ध दिवस	08 मई 2018
24.	परिचर्या अधीक्षक/सहायक परिचर्या अधी. एवं उप–परिचर्या अधीक्षक (प्रथम बैच) हेतु नर्सिंग प्रशासक सशक्तिकरण कार्यक्रम	5 अर्ध दिवसीय	14–18 मई 2018
25.	अंग एवं उत्तक दान	अर्ध दिवस	12 जून 2018
26.	अंग एवं उत्तक दान	अर्ध दिवस	05 जून 2018
27.	परिचर्या अधीक्षक/सहायक परिचर्या अधी. एवं उप–परिचर्या अधीक्षक (प्रथम बैच) हेतु नर्सिंग प्रशासक सशक्तिकरण कार्यक्रम	5 अर्ध दिवसीय	4–8 जून 2018
28.	परिचर्या अधीक्षक/सहायक परिचर्या अधी. एवं उप–परिचर्या अधीक्षक (तृतीया बैच) हेतु नर्सिंग प्रशासक सशक्तिकरण कार्यक्रम	5 अर्ध दिवसीय	18–22 जून 2018
29.	परिचर्या अधीक्षक/सहायक परिचर्या अधी. एवं उप–परिचर्या अधीक्षक (चतुर्थ बैच) हेतु नर्सिंग प्रशासक सशक्तिकरण कार्यक्रम	5 अर्ध दिवसीय	2–6 जुलाई 2018
30.	परिचर्या अधीक्षक/सहायक परिचर्या अधी. एवं उप–परिचर्या अधीक्षक (पंचम बैच) हेतु नर्सिंग प्रशासक सशक्तिकरण कार्यक्रम	5 अर्ध दिवसीय	9–13 जुलाई 2018
31.	सुरक्षा गार्डों के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण–2018	5 अर्ध दिवसीय	23–27 जुलाई 2018
32.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 1 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम–2018	3 अर्ध दिवसीय	2–4 अगस्त 2018
33.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 2 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम–2018	3 अर्ध दिवसीय	6–8 अगस्त 2018
34.	शिक्षा में मीडिया (एम.एस.सी. नर्सिंग)	अर्ध दिवसीय	9 अगस्त 2018
35.	मिरगी के प्रारंभिक उपचार हेतु रेज़ीडेन्ट्स एवं नर्सिंग स्टाफ	अर्ध दिवसीय	9 अगस्त 2018
36.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों के लिए प्रारंभिक उपचार	अर्ध दिवसीय	10 अगस्त 2018
37.	एम.एस. वर्ड में वैज्ञानिक लेख हेतु सामग्री (एम.एस.सी. नर्सिंग)	अर्ध दिवसीय	11 अगस्त 2018
38.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 3 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम–2018	3 अर्ध दिवसीय	13–16 अगस्त 2018
39.	सूचना पुनः प्राप्ति एवं ग्रंथसूची प्रबंधन (एम.एस.सी. नर्सिंग)	अर्ध दिवसीय	16 अगस्त 2018
40.	स्वास्थ्य उपचार प्रदायक हेतु मनो–सामाजिक योग्यता	अर्ध दिवसीय	17 अगस्त 2018
41.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 4 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम–2018	3 अर्ध दिवसीय	16–18 अगस्त 2018
42.	डिजाइनिंग पोस्टर एवं पैम्फलेट	अर्ध दिवसीय	18 अगस्त 2018
43.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों हेतु आर्गन रिट्रीवल कार्यशालाएं	अर्ध दिवसीय	20 अगस्त 2018
44.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 5 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम–2018	3 अर्ध दिवसीय	27–29 अगस्त 2018
45.	पावरप्वाइंट में एनीमेशन (एम.एस.सी. नर्सिंग)	अर्ध दिवसीय	29 अगस्त 2018
46.	सृजनात्मकता (एम.एस.सी. नर्सिंग)	अर्ध दिवसीय	31 अगस्त 2018
47.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 6 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम–2018	3 अर्ध दिवसीय	30 अगस्त–1 सितम्बर 2018

48.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों हेतु आर्गन रिट्रीवल कार्यशालाएं	अर्ध दिवसीय	10 सितम्बर 2018
49.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 7 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम–2018	3 अर्ध दिवसीय	10–12 सितम्बर 2018
50.	ऑपरेशन थिएटर सहायक बैच–1 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	10–12 सितम्बर 2018
51.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों हेतु आर्गन रिट्रीवल कार्यशालाएं	अर्ध दिवसीय	14 सितम्बर 2018
52.	नर्सिंग अधिकारियों हेतु घाव उपचार संबंधी कार्यशाला	एक दिवसीय	18 सितम्बर 2018
53.	एन.एम.जे.आई.के सहयोग से रेज़िडेन्ट हेतु अनुसंधान पत्र लेखन	दो दिवसीय	28–29 सितम्बर 2018
54.	ऑपरेशन थिएटर सहायक बैच–2 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	1–4 सितम्बर 2018
55.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों हेतु आर्गन रिट्रीवल कार्यशालाएं	अर्ध दिवसीय	8 अक्तूबर 2018
56.	ऑपरेशन थिएटर सहायक बैच–3 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	8–10 अक्तूबर 2018
57.	नर्सिंग अधिकारियों के लिए सुरक्षित रक्त आधान अभ्यास	अर्ध दिवसीय	26 अक्तूबर 2018
58.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों हेतु आर्गन रिट्रीवल कार्यशालाएं	अर्ध दिवसीय	2 नवम्बर 2018
59.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों हेतु आर्गन रिट्रीवल कार्यशालाएं	अर्ध दिवसीय	12 नवम्बर 2018
60.	चिकित्सा मानवता कार्यात्मक परिणाम में सुधार संबंधी।	अर्ध दिवसीय	15 नवम्बर 2018
61.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों हेतु आर्गन रिट्रीवल कार्यशालाएं	अर्ध दिवसीय	7 दिसम्बर 2018
62.	रेज़िडेन्ट्स एवं नर्सिंग अधिकारियों हेतु आर्गन रिट्रीवल कार्यशालाएं	अर्ध दिवसीय	10 दिसम्बर 2018
63.	नर्सिंग अधिकारियों हेतु घाव उपचार	पूर्ण दिवसीय	18 जनवरी 2019
64.	सूचना पुर्नप्राप्ति एवं गंथसूची प्रबंधन	अर्ध दिवसीय	22 जनवरी 2019
65.	सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम	2 अर्ध दिवसीय	23–24 जनवरी 2019
66.	एम.एस.वर्ड में वैज्ञानिक लेख हेतु सामग्री	अर्ध दिवसीय	29 जनवरी 2019
67.	वरिष्ठ रज़िडेन्ट हेतु ऑर्बो प्रशिक्षण	अर्ध दिवसीय	29 जनवरी 2019
68.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 1 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	28–30 जनवरी 2019
69.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 2 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	31 जनवरी–2 फरवरी 2019
70.	डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुति	अर्ध दिवसीय	5 फरवरी 2019
71.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 3 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	4–6 फरवरी 2019
72.	आचार नियम	अर्ध दिवसीय	07 फरवरी 2019
73.	पावरप्वाइंट में एनीमेशन	अर्ध दिवसीय	12 फरवरी 2019
74.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 4 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	11–13 फरवरी 2019
75.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 5 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	14–16 फरवरी 2019
76.	वरिष्ठ रज़िडेन्ट हेतु ऑर्बो प्रशिक्षण कार्यक्रम	अर्ध दिवसीय	18 फरवरी 2019
77.	एक्सेल में एक्सेल	अर्ध दिवसीय	19 फरवरी 2019
78.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 6 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	18–20 फरवरी 2019
79.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 7 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	21–23 फरवरी 2019
80.	चिकित्सा फोटोग्राफी की प्रस्तावना	अर्ध दिवसीय	5 मार्च 2019
81.	अवकाश नियम/एल.टी.सी/ई.एच.एस.	अर्ध दिवसीय	6 मार्च 2019
82.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 8 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	7–9 मार्च 2019
83.	संकाय हेतु चिकित्सा शिक्षा में बेसिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	11–13 मार्च 2019
84.	नर्सिंग अधिकारियों हेतु घाव उपचार	पूर्ण दिवसीय	15 मार्च 2019
85.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 9 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	14–16 मार्च 2019
86.	वरिष्ठ रज़िडेन्ट हेतु ऑर्बो प्रशिक्षण कार्यक्रम	अर्ध दिवसीय	18 मार्च 2019
87.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 10 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	18–20 मार्च 2019
88.	फेसः कॉमन इमरजेंसी में प्राथमिक चिकित्सा	पूर्ण दिवसीय	22 मार्च 2019
89.	नर्सों हेतु ऑर्बो प्रशिक्षण कार्यक्रम	अर्ध दिवसीय	25 मार्च 2019
90.	नर्सिंग अधिकारियों के बैच 11 हेतु प्रारंभिक कार्यक्रम	3 अर्ध दिवसीय	25–27 मार्च 2019

प्रदत्त व्याख्यान

योगेश कुमार

(61 कार्यशाला/सत्र)

1. 18 प्रारंभिक कार्यक्रमों के दौरान टीम बिल्डिंग एंड कॉनफ्लिक्ट मैनेजमेंट संबंधी सत्र।
2. नर्सिंग प्रशासन सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत परिचर्या अधीक्षक सहायक परिचर्या अधीक्षक एवं उप–परिचर्या अधीक्षक (5 बैच, प्रति 5 दिवस) हेतु संवाद कौशल, दल निर्माण एवं विवाद व्यवस्थापन हेतु 10 सत्र आयोजित किए गए तथा फैसिलिटेटर के तौर पर कार्य करते हुए 30 सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक सहभागी ने नर्सिंग के विषय में 10 मिनट का व्याख्यान प्रस्तुत किया, मई–जुलाई, 2018.
3. स्वास्थ्य विज्ञान एवं ग्रंथ रचना व्यवस्थापन में सूचना की पुनः प्राप्ति पर कार्यशाला एवं ''डिकोडिंग थिसिस फॉर पी.जी. स्टुडेंट'' विषय पर (एम.एस.वर्ड में वैज्ञानिक लेख हेतु उपकरणों के बारे में मानव रचना दंत महा–विद्यालय, फरीदाबाद, द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया 14 जुलाई, 2018.
4. सुरक्षा गार्डों ने 2018 हेतु आरंभिक कार्यक्रम के दौरान एम्स के महत्व, आचरण नियमावली, संवाद कौशल एवं दल निर्माण के संबंध में 4 सत्र आयोजित किए गए, 23–27 जुलाई, 2018.
5. शिक्षा में मीडिया (एम.एस.सी. नर्सिंग) 9 अगस्त, 2018.
6. एम.एस.वर्ड (एम.एस.सी. नर्सिंग) में वैज्ञानिक लेख हेतु उपकरण, 11 अगस्त, 2018.
7. सूचना पुर्नप्राप्ति एवं ग्रंथ प्रबंधन (एम.एस.सी. नर्सिंग) 16 अगस्त, 2018.
8. डिज़ाइनिंग पोस्टर्स एवं पैम्फलेट्स (एम.एस.सी. नर्सिंग) 18 अगस्त, 2019.
9. पावरप्वाइंट में एनिमेशन (एम.एस.सी. नर्सिंग) 29 अगस्त, 2018.
10. क्रिएटिविटी (एम.एस.सी. नर्सिंग) 31 अगस्त, 2018.
11. ऑपरेशन थिएटर सहायक हेतु (i) एम्स के महत्व एव (ii) दल निर्माण सितम्बर, 2018 हेतु आरंभिक कार्यक्रम के दौरान 6 सत्रों का आयोजन।
12. शिक्षा एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, शरीर रचना विभाग, एम्स, ऋषिकेश में मीडिया की भूमिका पर प्रिकान्फ्रेंस कार्यशाला, 12 नवम्बर, 2018.
13. इनफोर्मेशन रिट्राइवल एवं बिवलियोग्राफी मैनेजमेंट (संकाय/रेज़िडेन्ट्स), 22 जनवरी, 2019.
14. टूल्स फॉर साइंडिफिक राइटिंग इन एम.एस.वर्ड (संकाय/रेज़िडेन्ट्स), 29 जनवरी, 2019
15. एम्स के सेवानिृत्त स्टाफ के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान ''सेवानिवृत्ति की तैयारी हेतु'' सत्र, 23–24 जनवरी, 2019.
16. डिज़ानिंग इफेक्टिव प्रेजेन्टेशन (संकाय/रेज़िडेन्ट्स), 5 फरवरी, 2019.
17. पावरप्वाइंट में एनिमेशन (संकाय/रेज़िडेन्ट्स), 12 फरवरी, 2019.
18. एक्ससेल इन एक्सेल (संकाय/रेज़िडेन्ट्स), 19 फरवरी, 2019.
19. शारीरिक तौर पर अक्षम व्यक्तियों के लिए पं. दिनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली विकलांगता पुर्नस्थापन एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान पद्धति संबंधी 5 दिवसीय रिफ्रेशर कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विज्ञान एवं ग्रंथ सूची प्रबंधन में सूचना पुर्नप्राप्ति संबंधी कार्यशाला 24 फरवरी, 2019.
20. मेडिकल फोटोग्राफी की प्रस्तावना (संकाय/रेज़िडेन्ट्स), 5 मार्च, 2019.
21. रेज़िडेन्ट्स पी.एच.डी., एम.एस.सी, एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों के लिए प्रथम वार्षिक अनुसंधान दिवस–2019 हेतु 450 से अधिक पोस्टर बनाने का लक्ष्य लेकर 5 सत्रों का आयोजन।
22. एम्स के संकाय वर्ग हेतु चिकित्सा शिक्षा में बेसिक पाठ्यक्रम संबंधी सीमेट कार्यशाला के दौरान 'शिक्षा में मीडिया संबंधी सत्र, 11–13 मार्च, 2019.

पल्लव कुमार चित्तेज

14 कार्यशाल/सत्र

1. जनवरी–मार्च, 2019 के प्रारंभिक कार्यक्रम के दौरान सी.सी.एस. आचरण नियमावली, अवकाश नियम, एल.टी.सी. नियम तथा ई.एच. एस. नियमों के बारें में 11 सत्रों का आयोजन।
2. 23–24 जनवरी, 2019 को संस्थान के सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों हेतु आयोजित अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान 'सेवानिवृत्ति लेखा' पर सत्र का आयोजन।
3. प्रशासनिक स्टाफ सदस्यों हेतु आचरण नियमावली पर आधारित 'आचरण नियमावली–एम्स परिप्रेक्ष्य'' सत्र, 7 फरवरी, 2019.
4. प्रशासनिक स्टाफ सदस्यों हेतु 'एल.टी.सी. एवं ई.एच.एस.' हेतु कार्यक्रम सत्र, 6 मार्च, 2019.

11-10 ehfM;k vkj ikVkdky iHkkx

v/;{k
डॉ. आरती विज

vij-çoäk
डॉ. करण मदान

LVkQ lnL;
सुशील कुमार   बिश्वनाथ आचार्य   संदीप सक्सेना   एन. पी. सिंह

एम्स में प्रेस कॉन्फ्रेंस

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
1.	1 अप्रैल 2018	एम्स में इलाज के लिए अब विभाग के नाम पर मिलेगा मरीज़ो को अपॉइंटमेंट	दैनिक जागरण
2.	2 अप्रैल 2018	एम्स में व्यस्कों की रेटिना सर्जरी के लिए 3डी तरीका अपनाया जाता है।	मेल टूडे
3.	3 अप्रैल 2018	दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों के 40% विद्‌यार्थी मोटापे से पीडित हैं-एम्स सर्वेक्षण	द पाइनियर
4.	4 अप्रैल 2018	एम्स नई शुरू की गई चिकित्सा श्रेणी में अग्रणी है	द हिन्दू
5.	5 अप्रैल 2018	एम्स ने 10 साल में 850 लोगो को मोटापे से निजात दिलाई	हिंदुस्तान
6.	5 अप्रैल 2018	नेशनल इंस्टीटूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क की रैंकिंग में एम्स को पहला स्थान मिला है	हिंदुस्तान
7.	8 अप्रैल 2018	मोबाइल से बच्चो के कान के पास टयूमर होने का खतरा	दैनिक जागरण
8.	10 अप्रैल 2018	जयपुर के दिल ने दिल्ली के 24 साल के युवा की बचाई जान	द टाइम्स ऑफ इंडिया
9.	10 अप्रैल 2018	जगिया और बलिया ने अलग अलग काटा केक	नवभारत टाइम्स
10.	11 अप्रैल 2018	इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला 5 में से हरेक स्कूली छात्र 'समस्या' का शिकार	द टाइम्स ऑफ इंडिया
11.	13 अप्रैल 2018	एम्स में न्यूरो की बीमारियों से पीड़ित बच्चो के लिए टेली कंसल्टेंसी शुरू	दैनिक जागरण
12.	13 अप्रैल 2018	6 नए एम्स में सेवानिवृत्त डॉक्टरों की नियुक्ति की तैयारी	दैनिक जागरण
13.	13 अप्रैल 2018	एम्स में बचपन में तंत्रिका विकास संबंधी विकार के लिए हेल्पलाइन की शुरूआत	द स्टेट्समैन
14.	14 अप्रैल 2018	तंत्रिका रोगों की जानकारी के लिए 24 घंटे उपलबध होगी हेल्पलाइन	जनसत्ता
15.	15 अप्रैल 2018	सड़क सुरक्षा व स्वच्छता का संदेश लेकर दौड़े एम्स के डॉक्टर	दैनिक जागरण
16.	15 अप्रैल 2018	स्वच्छता में भी एम्स नंबर एक, मिलेंगे ढाई करोड़	दैनिक जागरण
17.	15 अप्रैल 2018	एम्स साफ़ सफाई में शीर्ष स्थान पर	हिंदुस्तान
18.	17 अप्रैल 2018	700 ग्राम की बच्ची, फ़ूड पाइप साँस की नली से जुडी...हुई सफल सर्जरी	नवभारत टाइम्स
19.	17 अप्रैल 2018	देश में पहली बार असामयिक बेबी का हुआ इलाज, न खा पा रही थी न साँस ले	नवभारत टाइम्स

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
		पा रही थी	
20.	17 अप्रैल 2018	इंसुलिन की तरह त्वचा में ले सकेंगे इंजेक्शन	दैनिक जागरण
21.	18 अप्रैल 2018	एम्स में २०० बेड के सर्जिकल ब्लॉक को मंजूरी	हिंदुस्तान
22.	18 अप्रैल 2018	रखतदान सबसे बड़ी सेवा: उर्मिला राणा	दैनिक जागरण
23.	18 अप्रैल 2018	आई.आई.टी. में स्मार्ट लिम्बस के लिए सस्ते नासिका फिल्टर्स-दिल्ली ओपन हाऊस	हिंदुस्तान टाइम्स
24.	19 अप्रैल 2018	एम्स में रोबोट हडियो की सर्जरी करेंगे	हिंदुस्तान
25.	19 अप्रैल 2018	एम्स ने नशे की बढ़ती लत पर चिंता जताई	हिंदुस्तान
26.	20 अप्रैल 2018	एम्स ट्रामा सेंटर में ताइवान, मोरक्को के सर्जनो ने दी ट्रेनिंग	दैनिक भास्कर
27.	20 अप्रैल 2018	हस्पतालो में बरक़रार रखे स्वछता: जे. पी. नड्डा	दैनिक जागरण
28.	20 अप्रैल 2018	एम्स के डॉक्टरों ने रीढ़ की हड्डी के गंभीर ऑपरेशन में 100 डिग्री सफलता प्राप्त की	हिंदुस्तान टाइम्स
29.	20 अप्रैल 2018	कार्यकल्प स्कीम में एम्स को मिला पहला पुरस्कार	दैनिक भास्कर
30.	22 अप्रैल 2018	ऑटिज़्म एवं मिरगी से पीडित बच्चों के लिए हेल्पलाइन एक नई आशा की शुरूआत	द इंडियन एक्सप्रेस
31.	22 अप्रैल 2018	एसिडिटी को भगाने के लिए दवाई की जगह हरी सब्जियों और व्यायाम को अपनाए-चिकित्सकों की सलाह	हिंदुस्तान टाइम्स
32.	22 अप्रैल 2018	अब बुज़ुर्गो की कैंसर स्क्रीनिंग करेंगे एम्स के डॉक्टर	दैनिक जागरण
33.	23 अप्रैल 2018	एम्स में कॉस्मेटिक सर्जरी पैर कार्यशाला: नई दिल्ली	हिंदुस्तान
34.	25 अप्रैल 2018	टीकाकरण के क्षेत्र में एम.एन.सी. का राष्ट्रवादी दावा भारतीय फर्म के लिए नुकसानदेह-वि.स्वा.सं. के उच्च अधिकारी	द इंडियन एक्सप्रेस
35.	26 अप्रैल 2018	डॉक्टरों के कार्य की अवधि को घटाने की आवश्यकता	द स्टेट्समैन
36.	27 अप्रैल 2018	एम्स में प्रथम वर्चुअल ब्रोन्कोस्कोपी नेवीगेशन	द पाइनियर
37.	27 अप्रैल 2018	एम्स में फेफड़ो में छोटे ट्यूमर का हो सकेगा उपचार	दैनिक जागरण
38.	27 अप्रैल 2018	नेविगेशन से साँस की नली में मौजूद कणों की होगी पहचान	अमर उजाला
39.	28 अप्रैल 2018	एम्स: एक साल में 41,00,000 का इलाज	नवभारत टाइम्स
40.	28 अप्रैल 2018	फेफड़े की बीमारी के उपचार हेतु एम्स में नई मशीन	द स्टेट्समैन
41.	2 मई 2018	एम्स की धड़कन करेगी आप के दिल की देखभाल-आई.आई.टी.	द टाइम्स ऑफ इंडिया
42.	7 मई 2018	दिल के रोगी को मिली जीवन की नई उमंग	मेल टूडे
43.	7 मई 2018	कैंसर सर्जरी की मिली नयी तकनीक	दैनिक जागरण
44.	7 मई 2018	एम्स में 3 डी प्रिंटिंग तकनीक के जरिये ऑपरेशन से रीढ़ की हड्डी सीधी हुई	हिंदुस्तान
45.	8 मई 2018	नई तकनीक से अस्पताल को जल्दी छोड़ने में मिलेगी मदद	द इंडियन एक्सप्रेस
46.	10 मई 2018	धूल से बढ़ रही अस्थमा मरीज़ो की संख्या	अमर उजाला
47.	13 मई 2018	3डी इंप्लांट के इस्तेमाल से एम्स के डॉक्टरों ने कूल्हे के जोड़ो को बदला	हिंदुस्तान टाइम्स
48.	15 मई 2018	क्षमता से अधिक सेवा दे रहे है एलएनजेपी, सफदरजंग, एम्स	दैनिक जागरण
49.	16 मई 2018	कैंसर के मरीज़ो का दर्द दूर करेगा एम्स	अमर उजाला

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
50.	18 मई 2018	भारत में 2016 से हृदय प्रत्यारोपण में 10 गुणा बढ़ोतरी	हिंदुस्तान टाइम्स
51.	22 मई 2018	जल्द सुलभ होगा ब्लड कैंसर का सस्ता व कारगर इलाज	दैनिक जागरण
52.	24 मई 2018	ख़राब लाइफस्टाइल युवा दिल को कर रहा बर्बाद	नवभारत टाइम्स
53.	28 मई 2018	एम्स ट्रॉमा सेंटर में पांच नए ब्लॉक के निर्माण को मंज़ूरी	हिंदुस्तान
54.	28 मई 2018	चार साल में एम्स ट्रामा सेंटर में बढ़ेंगे 1841 बेड	नवभारत टाइम्स
55.	30 मई 2018	गर्भ में जेनिटिक बीमारियों का चलेगा पता	दैनिक जागरण
56.	30 मई 2018	एम्स जल्द शुरू करेगा फेफड़े प्रत्यारोपण की सुविधा	दैनिक जागरण
57.	31 मई 2018	दृष्टिहीनता का थ्रीडी- प्रिंटेड कॉर्निया से हो सकेगा इलाज	दैनिक जागरण
58.	4 जून 2018	एम्स ने भावी डॉक्टरों के लिए शुरू की हेल्पलाइन	अमर उजाला
59.	9 जून 2018	एम्स ट्रॉमा सेंटर के पास बनेगा 12 मंजिला स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर	अमर उजाला
60.	11 जून 2018	एम्स एक लाख लोगो को जान बचाने का तरीका सिखाएगा	हिंदुस्तान
61.	18 जून 2018	डॉक्टरों ने टूटी साँस नली जोड़ी, लौटी आवाज़: एम्स	अमर उजाला
62.	20 जून 2018	एम्स 2018-अखिल भारतीय टॉपर्स	द पाइनियर
63.	21 जून 2018	एम्स में योग और मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन	द इंडियन एक्सप्रेस
64.	21 जून 2018	एम्स में दवा के साथ योग का प्रयोग सफल	हिंदुस्तान
65.	22 जून 2018	600 से अधिक एम्स संकाय, विद्यार्थियों, नर्सिंग अधिकारियों तथा स्टाफ ने एम्स में योग दिवस मनाया	द हिन्दू
66.	24 जून 2018	तनाव घटाने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका-एम्स में अध्ययन	द एशियन एज
67.	27 जून 2018	एम्स में बुज़ुर्गो के लिए होगा अलग सेंटर	नवभारत टाइम्स
68.	27 जून 2018	शुक्रवार को एम्स में प्रधानमंत्री द्वारा 4 'की' 'क्रियात्मक' परियोजना का आरंभ	द टाइम्स ऑफ इंडिया
69.	28 जून 2018	एम्स की परिक्रमा अब कीजिए कैब में	नवभारत टाइम्स
70.	28 जून 2018	115 एकड़ में फैले एम्स परिसर में एक सेंटर से दूसरे सेंटर तक जाना हुआ आसान, 'एम्स की परिक्रमा' अब कीजिये कैब में	नवभारत टाइम्स
71.	30 जून 2018	एम्स में बुज़ुर्गो के लिए देश का पहला अस्पताल	हिंदुस्तान
72.	30 जून 2018	बायो पार्क के लिए एम्स-आई.आई.टी. मिले, नैनो तकनीक पर होगा काम	अमर उजाला
73.	30 जून 2018	बुज़ुर्गो के लिए 2020 तक बनकर तैयार हो जायेगा हस्पताल	अमर उजाला
74.	1 जुलाई 2018	घर पर मरीज़ो से फीस नहीं लेते डॉ. पी.के. देव	नवभारत टाइम्स
75.	1 जुलाई 2018	एम्स के पूर्वी परिसर में बनेगे 1500 बेड के नए सेंटर	दैनिक जागरण
76.	2 जुलाई 2018	कूल्हें के जोड़ में एम्स ने किए जुड़वां परीक्षण	मेल टुडे
77.	2 जुलाई 2018	डॉक्टर डे: दिल्ली के 40 डॉक्टर सम्मानित	अमर उजाला
78.	4 जुलाई 2018	विटामिन डी की कमी मधुमेह की शुरूआत का संकेत-एक अध्ययन	द हिंदू
79.	4 जुलाई 2018	नींव की स्थापना	द टाइम्स ऑफ इंडिया
80.	4 जुलाई 2018	एम्स के पेरामेडिकल स्टाफ ने किया प्रदर्शन	अमर उजाला
81.	7 जुलाई 2018	भोपाल से हृदय लाकर एम्स में किया प्रत्यारोपित	दैनिक जागरण
82.	8 जुलाई 2018	एम्स में ई-लर्निंग का प्रारंभ	द इंडियन एक्सप्रेस

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
83.	8 जुलाई 2018	कमर से जुड़ी चार बेटियों को अलग कर फिर इतिहास रचेगा एम्स	अमर उजाला
84.	8 जुलाई 2018	देश में चिकित्सकीय दक्षता बढ़ाना एम्स की जिम्मेदारी: जे. पी. नड्डा	दैनिक जागरण
85.	11 जुलाई 2018	देशभर के डॉक्टर्स, स्टूडेंट को ट्रेनिंग देगी एम्स की फैकल्टी	नवभारत टाइम्स
86.	11 जुलाई 2018	समर्पित देखरेख दल के साथ 'दर्द मुक्त' अस्पताल के तौर पर दिल्ली का एम्स	हिंदुस्तान टाइम्स
87.	13 जुलाई 2018	एम्स में एक्सूप्रेशर कॉन्फ्रेंस आयोजित	हिंदुस्तान
88.	16 जुलाई 2018	एम्स देश का पहला दर्द मुफ्त हस्पताल बनेगा	हिंदुस्तान
89.	18 जुलाई 2018	अफगानिस्तान में नहीं मिल रहा सही इलाज, धमाके में घायल सिख लाए जा रहे एम्स	नवभारत टाइम्स
90.	18 जुलाई 2018	इंजीनियर इलाज में बटाएंगे एम्स का हाथ	अमर उजाला
91.	18 जुलाई 2018	एम्स, आई.आई.टी. साइन एम.ओ.यू.	द एशियन एज
92.	19 जुलाई 2018	सर्जिकल सेपरेशन के लिए एम्स में दो जुड़वां बच्चों का आगमन	द टाइम्स ऑफ इंडिया
93.	21 जुलाई 2018	गर्भ में ब्लैडर फटा, एम्स के डॉक्टरों ने बचाया	नवभारत टाइम्स
94.	22 जुलाई 2018	एम्स व आइआइटी खरगपुर मिलकर करेंगे शोध	दैनिक जागरण
95.	22 जुलाई 2018	अनुसंधान हेतु एम्स का आई.आई.टी. खड़गपुर से समझौता ज्ञापन।	द एशियन एज
96.	22 जुलाई 2018	शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग हेतु एम्स का खड़गपुर के साथ समझौता ज्ञापन	द स्टेट्समैन
97.	28 जुलाई 2018	पेट के कैंसर का एम्स में नई तकनीक से उपचार	मेल टूडे
98.	28 जुलाई 2018	देश में हर साल सिर और गर्दन कैंसर के 1.75 लाख नए मरीज़	अमर उजाला
99.	29 जुलाई 2018	हर चार में से एक व्यक्ति फैटी लीवर से पीड़ित	दैनिक जागरण
100.	29 जुलाई 2018	टी.बी. मेनेनजाइटिस के लिए नेतृत्व दल ने अत्यधिक संवेदनशील पोर्टेबल परीक्षण का विकास किया	द हिंदू
101.	1 अगस्त 2018	लिवर की खराबी कर सकती कई अंगो को बीमार	जनसत्ता
102.	2 अगस्त 2018	डेंगू से बचने के लिए एम्स में खास तैयारी	नवभारत टाइम्स
103.	3 अगस्त 2018	एम्स में इसी साल शुरू हो जायेगा फेफड़ो का ट्रांसप्लांट	नवभारत टाइम्स
104.	3 अगस्त 2018	एम्स में इसी साल शुरू हो जायेगा फेफड़ो का ट्रांसप्लांट, दिल्ली में पहला हॉस्पिटल होगा ये तकनीक को अपनाने वाला	नवभारत टाइम्स
105.	4 अगस्त 2018	एम्स 10 मरीज़ो का निशुल्क करेगा फेफड़ा प्रत्यारोपण	दैनिक जागरण
106.	4 अगस्त 2018	एम्स ने 24 साल में 66 दिलो की धड़कन को दी मज़बूती	अमर उजाला
107.	4 अगस्त 2018	एम्स 10 मरीज़ो का करेगा निशुलक फेफड़ा प्रत्यारोपण	दैनिक भास्कर
108.	4 अगस्त 2018	लंग्स ट्रांसप्लांट का खर्च उठाएगा एम्स	नवभारत टाइम्स
109.	4 अगस्त 2018	हृदय प्रत्यारोपण से एम्स ने 66 जिंदगिया बचाई	हिंदुस्तान
110.	5 अगस्त 2018	अब तक 500 लोगो को मिला दिल	जनसत्ता
111.	5 अगस्त 2018	10 साल में 16,000 से अधिक विषाक्त संबंधी कॉल प्राप्त हुई अधिकांश तौर पर बच्चे प्रभावित।	द इंडियन एक्सप्रेस
112.	6 अगस्त 2018	एम्स में अब 24 घंटे की जाएगी एमआरआई	दैनिक जागरण
113.	9 अगस्त 2018	मुफ्त चिकित्साः और एक्सपर्ट की मिलेगी सलाह	अमर उजाला

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
114.	11 अगस्त 2018	सावधान: स्मार्टफोन बच्चो की हड्डी कमज़ोर कर रहा	हिंदुस्तान
115.	12 अगस्त 2018	तनाव दूर करने के लिए एम्स में वेलनेस क्लीनिक की शुरूआत	द हिंदू
116.	15 अगस्त 2018	एम्स के डॉक्टर बुज़ुर्गो का मुफ्त इलाज करेंगे	हिंदुस्तान
117.	15 अगस्त 2018	बुज़र्गो के इलाज के लिए चलेगी मोबाइल वैन	दैनिक जागरण
118.	17 अगस्त 2018	पूर्व प्रधानमंत्री ने एम्स कैंसर सेंटर को दिया विस्तार	दैनिक जागरण
119.	21 अगस्त 2018	एम्स ने बाढ़ में फंसे छात्रों की मदद के लिए बढ़ाए हाथ	मेल टूडे
120.	24 अगस्त 2018	अब आई आई टी व एम्स भी कर सकेगा गुणवत्ता का मूल्यांकन	अमर उजाला
121.	26 अगस्त 2018	देश भर में आ रहें है 22 नए एम्स, स्वास्थ्य मंत्री का बयान	हिंदुस्तान टाइम्स
122.	26 अगस्त 2018	सांप के काटने की सस्ती दवाई का निर्माण-आई.आई.टी.	हिंदुस्तान टाइम्स
123.	28 अगस्त 2018	एम्स में अंगदान को ले ऑनलाइन शपथ	दैनिक जागरण
124.	29 अगस्त 2018	एम्स में बुजुर्गो के लिए हेल्प डेस्क	दैनिक जागरण
125.	30 अगस्त 2018	एम्स एवं आई.आई.टी. द्वारा कम लागत वाली चिकित्सा तकनीक समाधान का विकास	आईएएनएस
126.	30 अगस्त 2018	इलाज को साथ आएंगे आई आई टी दिल्ली व एम्स	अमर उजाला
127.	31 अगस्त 2018	बायोमेडिकल रिसर्च पार्क बनाएँगे आई आई टी-एम्स	हिंदुस्तान
128.	31 अगस्त 2018	आई.आई.टी. दिल्ली एवं एम्स द्वारा संयुक्त रूप से बायोमेडिकल रिसर्च पार्क की स्थापना	द हिंदू
129.	5 सितम्बर 2018	सिंथेटिक कॉर्निया लोटा रहा है आँखों की रौशनी, एम्स के डॉक्टरों ने देश में पहली बार आर्टिफीसियल कॉर्निया का इस्तेमाल करना शुरू किया है	नवभारत टाइम्स
130.	5 सितम्बर 2018	एक कॉर्निया को काटकर दो मरीजों को दे रहे रोशनी, एम्स में दो वर्षों में 50 कॉर्निया से 100 मरीजों को दी गयी रोशनी	दैनिक जागरण
131.	5 सितम्बर 2018	एम्स ने फिर रचा इतिहास, सिंथेटिक कॉर्निया किया प्रत्यारोपित	अमर उजाला
132.	7 सितम्बर 2018	'साथी' और 'सहारा' करेंगे बुजुर्गो की मदद, एम्स ने लॉन्च की तकनीक	नवभारत टाइम्स
133.	10 सितम्बर 2018	डॉक्टरों ने हथेलियों से दिल का मसाज कर बचाई जाएं	हिंदुस्तान
134.	12 सितम्बर 2018	अंतर्राष्ट्रीय क्विज में एम्स के स्टूडेंट्स को तीसरा स्थान	दैनिक जागरण
135.	12 सितम्बर 2018	एम्स में कॉर्नियल संबंधी दान एवं प्रत्यारोपण में वृद्धि	हिंदुस्तान टाइम्स
136.	15 सितम्बर 2018	एम्स में सुविधाजनक किओसक का प्रारंभ	द स्टेट्समैन
137.	17 सितम्बर 2018	नसें फटने की बीमारी का एम्स ने खोज निकाला इलाज	नवभारत टाइम्स
138.	21 सितम्बर 2018	देश का पहला दन्त शोध केंद्र एम्स में	अमर उजाला
139.	26 सितम्बर 2018	आयुष्मान भारत के लाभार्थियो के लिए एम्स बना सहारा	अमर उजाला
140.	27 सितम्बर 2018	आयुष्मान को समर्थन देने वाला एम्स, दिल्ली का पहला अस्पताल	द हिंदू
141.	29 सितम्बर 2018	बर्न सेंटर के लिए एम्स द्वारा एन.टी.पी.सी. से समझौता ज्ञापन	मेल टूडे
142.	29 सितम्बर 2018	हर ' बीमारी ' की नब्ज़ अब एम्स के हाथ में	नवभारत टाइम्स
143.	30 सितम्बर 2018	वृद्धाश्रम के लिए एम्स में जल्दी ही वैन सेवा का प्रारंभ	द टाइम्स ऑफ इंडिया
144.	30 सितम्बर 2018	बुजुर्गो के लिए स्वास्थ वैन की शुरुआत	जनसत्ता
145.	1 अक्तूबर 2018	एम्स के डॉक्टर घर जाकर करेंगे बुजुर्गो का इलाज	नवभारत टाइम्स
146.	2 अक्तूबर 2018	एम्स के डॉक्टर घर जाकर करेंगे बुजुर्गो का इलाज	द पायनियर

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
147.	3 अक्तूबर 2018	एम्स के डॉक्टरों ने लेह में 27 के घुटने व कूल्हे बदले	हिंदुस्तान
148.	7 अक्तूबर 2018	एम्स के अस्थि बैंक ने हिप सर्जरी से 6 साल पहले ढ़ाका के खोए आत्मविश्वास को लौटाया	द टाइम्स ऑफ इंडिया
149.	18 अक्तूबर 2018	जापान के साथ मिलकर एम्स बचाएगा हर साल 16 करोड़ की बिजली	द पायनियर
150.	18 अक्तूबर 2018	हर साल 16 करोड़ की बिजली बचाएगा एम्स	अमर उजाला
151.	20 अक्तूबर 2018	पति के योग करने से पत्नी को नहीं होगा गर्भपात	अमर उजाला
152.	24 अक्तूबर 2018	जल्द ही शुरू होगा एम्स वन स्टॉप सेंटर	मेल टूडे
153.	26 अक्तूबर 2018	गर्भ में सर्जरी से ठीक होगा रीढ़ का मर्ज	दैनिक जागरण
154.	31 अक्तूबर 2018	ब्रांकल थर्मोप्लास्टीक से अस्थमा से छुटकारा: एम्स बना देश का पहला सरकारी अस्पताल	दैनिक जागरण
155.	31 अक्तूबर 2018	एम्स में गंभीर अस्थमा रोगियों को राहत देने के लिए नई प्रकिया	द इंडियन एक्सप्रेस
156.	1 नवम्बर 2018	यूट्रस के पास से निकला 15 किलो का टूयूमर: एम्स के डॉक्टरों के लिए थी चुनौती	नवभारत टाइम्स
157.	6 नवम्बर 2018	नए एम्स में आयुर्वेद विभाग खोले जाएंगे'	हिंदुस्तान
158.	10 नवम्बर 2018	एम्स की एम.बी.बी.एस प्रवेश परीक्षा को दो बार पंजीकरण का मौका	अमर उजाला
159.	11 नवम्बर 2018	फुफ्फुसीय (फेफड़े) की तपेदिक के लिए नेतृत्व दल द्वारा संवेदनशील परीक्षण का विकास एम्स	द हिंदू
160.	15 नवम्बर 2018	प्रदूषण का बच्चों पर प्रभाव बताने वाली सेंसर बेल्ट: एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
161.	16 नवम्बर 2018	प्रदूषण का असर बच्चो पर कितना हो रहा है, बताएगी सेंसर वाली बेल्ट: एम्स	नवभारत टाइम्स
162.	17 नवम्बर 2018	देश में एम्स पहले पायदान पर	दैनिक जागरण
163.	17 नवम्बर 2018	शोध: गर्भ में पल रहे बच्चे पर प्रदूषण का असर पता लगाएंगे	हिंदुस्तान
164.	19 नवम्बर 2018	एम्स में # MeToo को लेकर कार्यक्रम आज	नवभारत टाइम्स
165.	19 नवम्बर 2018	6 नए एम्स में होगी एम.बी.बी.एस की पढ़ाई	दैनिक जागरण
166.	19 नवम्बर 2018	एम्स में 671 डॉक्टरों को डिग्रियां बांटी जाएगी	हिंदुस्तान
167.	20 नवम्बर 2018	ज़ीका परीक्षण प्रयोगशाला समय अवधि के बाद भी करेगी कार्य-एम्स, भोपाल	हिंदुस्तान टाइम्स
168.	23 नवम्बर 2018	एम्स ने केरल को 1.70 करोड़ दिए	हिंदुस्तान
169.	24 नवम्बर 2018	एम्स में रॉड से ओपीडी में ही सीधी की जा रही रीढ़	दैनिक जागरण
170.	30 नवम्बर 2018	रेज़ीडेन्ट्स डॉक्टरों द्वारा 29 नवम्बर को रामलीला मैदान में किसानों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	द स्टेट्समैन
171.	3 दिसम्बर 2018	एम्स में तीमारदारों के लिए हेल्पडेस्क	हिंदुस्तान
172.	3 दिसम्बर 2018	एम्स में कल शुरू होगा शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल	अमर उजाला
173.	4 दिसम्बर 2018	एम्स के डॉक्टर ने 35 हज़ार में बनाया वेंटिलेटर	दैनिक भाष्कर
174.	7 दिसम्बर 2018	आज उपराष्ट्रपति देंगे एम्स के 671 डॉक्टरों को डिग्री	अमर उजाला
175.	7 दिसम्बर 2018	एम्स दीक्षांत समारोह पर नायडू का एम्स जैसे संस्थान बनाने पर बल देकर 'मेक इन इंडिया' का कथन	द इंडियन एक्सप्रेस
176.	8 दिसम्बर 2018	देश के बेस्ट एम.बी.बी.एस. चुने गए डॉ. गोपाल पुरी, जीते 7 अवार्ड, एम्स ने	नवभारत टाइम्स

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
		बनाया 43 लाख ओ पी डी का रिकॉर्ड, 1.94 लाख सर्जरी	
177.	8 दिसम्बर 2018	एम्स दीक्षांत समारोह पर नायडू का एम्स जैसे संस्थान बनाने पर बल देकर 'मेक इन इंडिया' का कथन	द इंडियन एक्सप्रेस
178.	14 दिसम्बर 2018	योग का सामुदायिक मॉडल सेंटर शुरू	दैनिक जागरण
179.	14 दिसम्बर 2018	लोगों को घर जाकर योग सिखाएंगे एम्स एक्सपर्ट	नवभारत टाइम्स
180.	18 दिसम्बर 2018	देश के विशाल कैंसर अस्पताल की आज से एनसीआर में शुरूआत	द टाइम्स ऑफ इंडिया
181.	18 दिसम्बर 2018	एम्स के एनसीआई झज्जर में आज से शुरू होगी ओपीडी सेवा	दैनिक जागरण
182.	18 दिसम्बर 2018	झज्जर में बने कैंसर संस्थान की ओपीडी आज शुरू होगी	हिंदुस्तान
183.	19 दिसम्बर 2018	एम्स झज्जर कैंपस में कैंसर संस्थान की शुरूआत	हिंदुस्तान टाइम्स
184.	22 दिसम्बर 2018	देश का सबसे बड़ा इमरजेंसी सेंटर मिला	दैनिक जागरण
185.	28 दिसम्बर 2018	एम्स ने सालाना सर्जरी के मामले में ताइवान को पछाड़ा	अमर उजाला
186.	30 दिसम्बर 2018	एम्स में अंगदान पर सेमिनार व सम्मान समारोह का आयोजन	जनसत्ता
187.	1 जनवरी 2019	गाल ब्लॉडर, पेनक्रियाज और फेफड़ो के कैंसर का एनआईसी में होगा इलाज	अमर उजाला
188.	2 जनवरी 2019	दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी करके पेट में गए ब्रश को फ़ूड पाइप के रास्ते मुँह से बहार निकला	दैनिक भाष्कर
189.	3 जनवरी 2019	एम्स में अब सुविधा अधिक इंतज़ार कम	द टाइम्स ऑफ इंडिया
190.	3 जनवरी 2019	गले के अंदर तक करते थे टूथब्रश, पेट में गया तो एम्स के डॉक्टरों ने निकला	दैनिक जागरण
191.	3 जनवरी 2019	एम्स में अब सुविधा अधिक इंतज़ार कम	द टाइम्स ऑफ इंडिया
192.	4 जनवरी 2019	5-6 साल तक नहीं करना पड़ेगा सर्जरी का इंतज़ार	नवभारत टाइम्स
193.	6 जनवरी 2019	एम्स में पांच साल में बढ़े 15.68 लाख मरीज	दैनिक जागरण
194.	7 जनवरी 2019	एम्स व आईआईटी बना रहे सस्ती कृत्रिम त्वचा	दैनिक जागरण
195.	9 जनवरी 2019	एम्स में बढ़ेगा सर्जरी का समय, घटेगी वेटिंग	दैनिक जागरण
196.	13 जनवरी 2019	एम्स में ऑपरेशन के लिए लम्बा इन्तजार खत्म होगा	हिंदुस्तान
197.	20 जनवरी 2019	वर्चुअल ऑटोप्सी: शरीर पर बिना कट और घाव के ऑपरेशन	द टाइम्स ऑफ इंडिया
198.	23 जनवरी 2019	एम्स के डॉक्टरों वृद्धाश्रमों में जाकर बुजुर्गों का इलाज करेंगे	हिंदुस्तान
199.	24 जनवरी 2019	डॉक्टरों ने बिना चीरफाड़ के पैर से निकाला विशाल ट्यूमर	द पायनियर
200.	24 जनवरी 2019	मांस खाने वाली महिलाएं पड़ती कम बीमार	द इंडियन एक्सप्रेस
201.	27 जनवरी 2019	एम्स में पीएम- जय से अब तक 180 मरीज़ो की निशुल्क सर्जरी	दैनिक जागरण
202.	28 जनवरी 2019	जब एम्स के डॉक्टरों ने किया डांस	नवभारत टाइम्स
203.	28 जनवरी 2019	एम्स के डॉक्टरों ने म्यूजिक और डांस में दिखाया टैलेंट	दैनिक भास्कर
204.	29 जनवरी 2019	ऑपरेशन के दौरान मोबाइल टॉर्च ने बचाई किशोर की जान	द टाइम्स ऑफ इंडिया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
205.	3 फरवरी 2019	बीमारी का इलाज है मुमकिन: कैंसर	नवभारत टाइम्स
206.	4 फरवरी 2019	गॉल ब्लैडर कैंसर के कारण जानने में जुटा एम्स	दैनिक जागरण
207.	5 फरवरी 2019	देसी क्लॉट बस्टर दवा से बचेगी हार्ट अटैक के मरीज़ की जान	अमर उजाला
208.	6 फरवरी 2019	स्पाइन और हड्डी के कैंसर का वर्ल्ड क्लास इलाज अब एम्स में	नवभारत टाइम्स
209.	6 फरवरी 2019	एम्स में रोबोट से होगी रीढ़ की सर्जरी	दैनिक जागरण
210.	6 फरवरी 2019	पहली बार, 19 वर्षीय, पोर्टेबल वेरीलेटर पर घर में पा रहा उपचार	द इंडियन एक्सप्रेस
211.	7 फरवरी 2019	ज्योति की सर्जरी के लिए डॉक्टर ने 22 हज़ार दिए	हिंदुस्तान
212.	9 फरवरी 2019	7 दिन से पेट में थी सुई, सर्जरी से मिली नयी जिंदगी	नवभारत टाइम्स
213.	12 फरवरी 2019	कैंसर मरीज़ो को निशुल्क मिल सकेगी प्रोटोन थैरेपी	अमर उजाला
214.	12 फरवरी 2019	झज्जर में कैंसर संस्थान का उद्घाटन आज	हिंदुस्तान
215.	12 फरवरी 2019	मिरगी के मामलों में बिना सर्जरी के एम्स में इलाज	मेल टूडे
216.	13 फरवरी 2019	प्रधानमंत्री द्वारा झज्जर में एम्स परिसर में विशाल सरकारी कैंसर अस्पताल का प्रारंभ	हिंदुस्तान टाइम्स
217.	15 फरवरी 2019	कटे होंठों के सही ब्यौरे की भारत में एप की शुरूआात	हिंदुस्तान टाइम्स
218.	15 फरवरी 2019	एम्स करेगा एक ही बार में कैंसर ट्यूमर का खात्मा	अमर उजाला
219.	23 फरवरी 2019	एम्स व यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन मिलकर ढूढेंगें बच्चो में डाइबिटीज का कारण	दैनिक भास्कर
220.	23 फरवरी 2019	मांसपेशियो के रोगों का पता लगाएगा एम्स	अमर उजाला
221.	24 फरवरी 2019	भारत के विशाल कैंसर अस्पताल के भीतर: एम्स एनसीआई, झज्जर	द इंडियन एक्सप्रेस
222.	1 मार्च 2019	विश्वस्तरीय चिकित्सा विवि बनेगा राजधानी का एम्स	दैनिक जागरण
223.	1 मार्च 2019	वर्ल्ड क्लास बनेगा एम्स मेडिकल	नवभारत टाइम्स
224.	5 मार्च 2019	सस्ते दामों में उत्कृष्ट उपचार	हिंदुस्तान टाइम्स
225.	5 मार्च 2019	भारतीयों के पास निदान और इलाज का विकल्प होना चाहिए	हिंदुस्तान टाइम्स
226.	9 मार्च 2019	रेप पीडितों की मदद के लिए एम्स में यूनिट का प्रारंभ	हिंदुस्तान टाइम्स
227.	10 मार्च 2019	एम्स ने एक लाख से अधिक लोगो में आँखों की बीमारी पर किया सर्वे	अमर उजाला
228.	10 मार्च 2019	बंदिशों को तोड़ बुलंदियों को छुआ एम्स की डॉ. उमा ने	जनसत्ता
229.	11 मार्च 2019	नए ओ.टी. कॉप्लेक्स के निर्माण से एम्स में रोगियों की प्रतीक्षा में कमी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
230.	14 मार्च 2019	गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद भी जीवन पर खतरा: एम्स	अमर उजाला
231.	15 मार्च 2019	दोगुनी होने जा रही है एम्स की क्षमता	हिंदुस्तान
232.	15 मार्च 2019	कैंसर के बाद झज्जर में खुलेगा दिल का राष्ट्रीय संस्थान	अमर उजाला
233.	21 मार्च 2019	एम्स में नहीं भटकेंगे मरीज़, डॉक्टर ने बनाया एप	अमर उजाला
234.	23 मार्च 2019	नशीली चीज़ों का सेवन करने वालों के उपचार हेतु एम्स में मोबाइल (वैन) सेवा का प्रारंभ	द इंडियन एक्सप्रेस
235.	28 मार्च 2019	मोटापे से जूझ रहे 180 किलो के मरीज़ की एम्स में सफल सर्जरी	अमर उजाला

एम्स द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति/संवाददाता सम्मेलन

क्र .सं.	विषय	दिनांक	विभाग
1.	10वां वार्षिक सम्मेलन (.ओ.एन.एस.आई)	7 अप्रैल 2018	तंत्रिका शल्य चिकित्सा
2.	एस.एमता के ताल में हृदय की उपलब्धजयपुर अस्प .एस. करने हेतु सुविधाबारे में देर रात तक जानकारी प्राप्त	8 अप्रैल 2018	ऑर्बो
3.	जग्गा एवं बलिया दोनों एक साथ जुड़े जुड़वां बच्चे मना रहे है एम्स में अपना तीसरा जन्मदिवस	9 अप्रैल 2018	तंत्रिका शल्य चिकित्सा
4.	चाइल्ड न्यूरोलॉजी टेली लाइन एवं दूरभाष सलाहहेल्प-	12 अप्रैल 2018	बाल तंत्रिका विज्ञान
5.	प्रतिष्ठित कायाकल्प स्वच्छता पुरस्कार योजना में प्रथम पुरस्कार	19 अप्रैल 2018	स्वा .क.एवं परि. मंत्रालय
6.	भारत में पहली बार एम्स में वर्चुअल ब्रांकोस्कॉपी नेवीगेशन सुविधा की स्थापना	23 अप्रैल 2018	छाती संबंधी रोग चिकित्सा
7.	एम्स में संकाय सदस्य द्वारा रेज़िडेन्ट डॉक्टर को थप्पड़ मारने की घटना प्रकाश में आई	25 अप्रैल 2018	डॉ केंद्र .प्र.रा .
8.	कन्हैया नगर मेट्रो स्टेशन के समीप सार्वजनिक आपात स्थिति	26 अप्रैल 2018	जे .सी.टी.ए.एन.पी.
9.	निदेशक द्वारा जांच समिति का गठन	27 अप्रैल 2018	आर मैटर .ए.डी.
10.	डेंगू ज्वर	16 मई 2018	डॉ .अ.कैं.रो.सं.रा.भी.
11.	एम्स के मस्जिद मोठ कैंपस में होस्टल नं .18 का उद्घाटन	22 मई 2018	होस्टल अनुभाग
12.	कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न संबंधी जागरूकता हेतु कार्यशाला	30 मई 2018	अस्पताल प्रशासन
13.	श्री केशव प्रसाद मौर्य, माननीय उप मंत्रीमुख्य-, उत्तर प्रदेश, एम्स में भर्ती	25 मई 2018	स्वास्थ्य बुलेटिन
14.	मल्टीस्केलेरोसिस के बारे में आप सबको जानना चाहिए	30 मई 2018	तंत्रिका विज्ञान
15.	एम्स-प्रवेश परीक्षा .एस.बी.बी.एम-2018	18 जून 2018	परीक्षा अनुभाग
16.	एम्स में वृद्धों के लिए अन्य सुविधाओं हेतु राष्ट्रीय केंद्र	29 जून 2018	इंजीनियरिंग विभाग
17.	शिलान्यास समारोह	29 जून 2018	एम्स बुलेटिन
18.	एम्स सेट सुविधा का उद्घाटन	7 जुलाई 2018	टेलीमेडिसिन
19.	एम्स और आई खड़गपुर में आपसी समझौता-.टी.आई.	17 जुलाई 2018	एम्स एवं आई टी.आई. (खड़गपुर)
20.	हेपेटाइटिस	28 जुलाई 2018	जठरांत्र रोग विज्ञान
21.	एम्स हृदय प्रत्यारोपण दिवस	3 अगस्त 2018	एम्स बुलेटिन

22.	एम्स आई.आई.टी. दिल्ली सहयोग	29 अगस्त 2018	एम्स एवं आई.आई.टी (दिल्ली)
23.	33वां राष्ट्रीय नेत्र दान	5 सितम्बर 2018	डॉ. रा. प्र. केंद्र
24.	आई लनय सम्मेवां राष्ट्री 18 तंत्रिका विज्ञान का .पी.ए.	7 सितम्बर 2018	बाल तंत्रिका विज्ञान
25.	एम्स में अंगदान	12 सितम्बर 2018	ऑर्बो
26.	एम्स में बैटरी चालित बस सेवा का उद्घाटन	13 सितम्बर 2018	सीएसआर समिति
27.	एम्स का 67वां स्थापना दिवस	25 सितम्बर 2018	अस्पताल प्रशासन
28.	"आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री से योजना" एम्स एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी में समझौता ज्ञापन	25 सितम्बर 2018	स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय
29.	स्वच्छ एवं हरित संस्थान (एम्स) अभियान-प्रतिष्ठित कायाकल्प पुरस्कार में एम्स ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया	30 सितम्बर 2018	अस्पताल प्रशासन
30.	माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वच्छता मेले का उद्घाटन	3 अक्तूबर 2018	एम्स बुलेटिन
31.	बदलते विश्व में युवाजन एवं मानसिक स्वास्थ्य	10 अक्तूबर 2018	मनो चिकित्सा-
32.	नीडो मॉडल परियोजनाआईसीटी आधारित हरित : तालअस्प, एम्स, नई दिल्ली	17 अक्तूबर 2018	जापान एवं स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय
33.	ब्रोन्काइल थर्मोप्लास्टी	30 अक्तूबर 2018	एम्स बुलेटिन
34.	केरल बाढ़ पीडित फंड के लिए एम्स के कर्मचारियों द्वारा एक दिन के वेतन के तौर पर 1.77 करोड़ की सहायता	22 नवम्बर 2018	अस्पताल प्रशासन
35.	प्रथम एम्स आर्थोजेनेटिक	28 नवम्बर 2018	सीडीईआर
36.	मधुमेह, तनाव एवं स्वास्थ्य पर संरचनात्मक योग कार्यक्रम	13 दिसम्बर 2018	सीसीएम
37.	मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज एवं एमईआरडी अभिभावक दल के साथ एम्स की सहयोगी बैठक	15 दिसम्बर 2018	अस्पताल प्रशासन
38.	पेयजल में जल सुविधाएं तेजएम्स-, वाटर कूलरों का दान	25 दिसम्बर 2018	एम्स बुलेटिन
39.	तृतीय फेरटिकोन 2019	4 फरवरी 2019	एम्स बुलेटिन
40.	एम्स गोट टेलेंट -2019	6 फरवरी 2019	एम्स बुलेटिन
41.	लंदन विश्वविद्यालय एवं एम्स के बीच नए अनुसंधान एवं शिक्षा साझेदारी	23 फरवरी 2019	एम्स बुलेटिन
42.	बाल्यवस्था कैंसर	27 फरवरी 2019	बाल चिकित्सा
43.	रा. प्र. केंद्र का 52वां स्थापना दिवस	13 मार्च 2019	डॉ. रा.प्र. केंद्र
44.	किडनी स्वास्थ्य हरेक के लिए, हर जगह	14 मार्च 2019	वृक्कविज्ञान
45.	एम्स का प्रथम वार्षिक अनुसंधान	26 मार्च 2019	अस्पताल प्रशासन

जन व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम

क्र .सं.	जनव्याख्यान	दिनांक	विभाग
1.	ऑटिज़्म योग्यता विकास सहित सशक्तिकरण	11 अप्रैल 2018	बालरोग विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान मूत्र रोग विज्ञान
2.	डेंगू ज्वर	16 मई 2018	चिकित्सा विज्ञान, बालरोग विज्ञान
3.	कापिंग विद् सीज़ोफ्रेनिया	24 मई 2018	मनोचिकित्सा विज्ञान
4.	आप सभी को मल्टीप्लस्केलेरोसिस के बारे (एमएस) में जानना चाहिए	30 मई 2018	तंत्रिका विज्ञान
5.	हेपेटाइटिस	28 जुलाई 2018	जठरांत्र रोग विज्ञान
6.	मज़बूत हड्डियां - स्वास्थ्य एवं सुरक्षित वृद्धावस्था	6 सितम्बर 2018	अस्थिरोग
7.	बदलते विश्व के युवाजन एवं मानसिक स्वास्थ्य	9 अक्तूबर 2018	मनोचिकित्सा विज्ञान
8.	वयस्कों तथा बच्चों में रीढ़ संबंधी व्याधियां	23 अक्तूबर 2018	तंत्रिका शल्यक्रिया विज्ञान
9.	दौरा	30 अक्तूबर 2018	तंत्रिका विज्ञान
10.	बच्चों में कैंसर	27 फरवरी 2019	बालचिकित्सा विज्ञान
11.	किडनी स्वास्थ्य, सबके लिए, सब जगह	13 मार्च 2019	वृक्कविज्ञान

12- izdk'ku

पत्रिकाएं: 1426 सार: 429 पुस्तकों में अध्याय: 308 पुस्तकें: 33

विषय-सूची

क्र.सं.	केंद्र का नाम	पृष्ठ सं.
1.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)	881-910
2.	हृदय तंत्रिका केंद्र, अ.भा.आ.सं.	911-934
3.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान, अ.भा.आ.सं.	935-955
4.	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, सं.रो.कैं.अ., अ.भा.आ.सं.	956-975
5.	जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा केंद्र, अ.भा.आ.सं.	976-995
6.	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, अ.भा.आ.सं.	996-1014
7.	नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर, अ.भा.आ.सं.	1015-1033
8.	यूएनडीसीपी, अ.भा.आ.सं.	1034-1041
9.	सी.आई.एम.आर.	1042-1062
10.	अनुसंधान अनुभाग	1063-1080

मुख्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31-03-2019 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि-रु.)

संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2018-19	2017-18
संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	1	45237582250	37181444955
रिजर्व और अधिशेष	2	3613521480	3216644653
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	98996372	73185700
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	0	0
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	0	0
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	0	0
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	2534013546	2256923923
कुल		**51484113648**	**42728199231**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	34969632885	29892284054
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	9	160510000	50010000
निवेश - अन्य	10	253253424	253253424
चालू परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	16100717339	12532651753
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**51484113648**	**42728199231**
लेखांकन नीतियों एवं खातों का हिस्सा बनने वाले नोट्स	24		

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31.03.2019 के समाप्ति वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

(राशि-रु.)

आय	अनुसूची	2018-19	2017-18
विक्रय / सेवाओं से आय	12	307541206	311381385
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	14733402569	12897041408
शुल्क / चन्दा	14	212516061	137345952
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / स्थायी निधि में निवेश से आय)	15	0	0
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	212591830	0
अर्जित ब्याज	17	244602000	242008004
अन्य आय	18	941858558	927053379
तैयार वस्तुओं के स्टॉक में वृद्धि / (कमी) एवं जारी कार्य	19	0	0
कुल (क)		**16652512224**	**14514830128**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	10445535358	8936739835
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	2741700557	1807479112
सामग्री एवं आपूर्ति	21B	3068411374	2997628780
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22	0	0
ब्याज	23	0	0
अवमूल्यन (समाप्ति वर्ष - अनुसूची 8 हेतु तदनुरूप कुल योग)			
कुल (ख)		**16255647289**	**13741847727**
व्यय पर आय की अधिकता (क-ख) में होने वाला शेष		396864935	772982401
विशेष रिजर्व हेतु अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व हेतु / से अंतरण			
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (कमी) एवं शेष		**396864935**	772982401
कुल		**16652512224**	**14514830128**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 1 - कार्पस / पूंजी निधि:	2018-19		2017-18	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	37181444955		27266998170	
जमा: कार्पस / पूंजी निधि के लिए अंशदान	8131708953		9914462824	
वर्ष के दौरान अनुपयोगी न्यून	75571658	45237582250	16039	37181444955
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**45237582250**		**37181444955**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:	2018-19		2017-18	
1. पूंजी रिजर्व:				
गत लेखा के अनुसार	2914919			
समीक्ष्य वर्ष में जमा	11892	2926811	2914919	2914919
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार	3213729734		2440747333	
समीक्ष्य वर्ष में जमा	396864935		772982401	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	0	3610594669	0	3213729734
कुल		**3613521480**		**3216644653**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	2018-19	2017-18
क) निधियों का अथशेश	73185700	
ख) निधियों में जमा:		
i. दान / अनुदान	13967735	67966668
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	9139788	219032
iii. अन्य जमा (विशेष प्रकार) सीएसआर	2703149.00	5000000
कुल (क+ख)	**98996372**	**73185700**
ग) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय	0	0
i. पूंजी व्यय		
- स्थायी परिसंपत्ति		
- अन्य		
ii. राजस्व व्यय		
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि		
- किराया		
- अन्य प्रशासनिक व्यय		
कुल	**0**	**0**
वर्ष समाप्ति (क+ख+ग) के अनुसार शुद्ध शेष	**98996372**	**73185700**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	2018-19		2017-18	
1. केन्द्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) मियादी ऋण				
ख) अर्जित ब्याज एवं देय				
4. बैंक:				
क) मियादी ऋण				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित)				
कुल			0	0

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	2018-19	2017-18
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थाएं		
4. बैंक:		
क) मियादी ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर राशि देय

अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	2018-19	2017-18
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के गिरवी रखने से प्राप्त स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2018-19		2017-18	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता:				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य (सीमा शुल्क का भुगतान किए जाने हेतु)		34220408		18854849
3. प्राप्त अग्रिम				
4. अर्जित ब्याज लेकिन निम्न पर देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
5. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
6. अन्य वर्तमान देयताएं		2499793138		2238069074
कुल (क)		**2534013546**		**2256923923**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदीकरण				
5. व्यवसाय वारंटी / दावा				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**2534013546**		**2256923923**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 8	स्थायी परिसंपत्ति विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत / मूल्यांकन	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि	समीक्ष्य वर्ष में कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि पर	समीक्ष्य वर्ष में कटौती पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल योग	**2018-19**	**2017-18**
क.	**स्थायी परिसंपत्ति:**										
1	**भूमिः**										
	क) पूर्ण स्वामित्व/पट्टे पर	841194087		0	841194087	0	0	0	0	841194087	841194087
2	**भवन:**				0					0	0
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	16503624159	2810456019	0	19314080178	0	0	0	0	19314080178	16503624159
	ख) पट्टे पर भूमि				0					0	0
	ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर				0					0	0
	घ) भूमि पर अधिरचना इकाई से संबंधित नहीं				0					0	0
3	**मशीनरी संयंत्र एवं उपकरण**	11385251758	2093808648	71312474	13407747932				0	13407747932	11385251758
4	वाहन	50263813	690347	497200	50456960				0	50456960	50263813
5	फर्नीचर और उपस्कर				0					0	0
6	कार्यालय उपकरण				0					0	0
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	190852900	37245600	3761984	224336516	0	0	0	0	224336516	190852900
8	पुस्तकालय की पुस्तकें	921097337	210719875	0	1131817212				0	1131817212	921097337
	वर्तमान वर्ष का योग	**29892284054**	**5152920489**	**75571658**	**34969632885**	**0**	**0**	**0**	**0**	**34969632885**	**29892284054**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2018-19	2017-18
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य सावधि जमा (विन्यास निधि)	160500000	50000000
7. बैंक खाता खोलने के लिए प्रारंभिक धन (दान)	10000	10000
कुल	**160510000**	**50010000**

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	2018-19	2017-18
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (एन.पी.एस. सावधि जमा)	240000000	240000000
7. दान का निवेश	13253424	13253424
कुल	**253253424**	**253253424**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2018-19	2017-18
क वर्तमान परिसंपत्ति:		
1. वस्तुसूचियां:		
क) भण्डार एवं स्पेयर्स		
ख) खुले औजार		
ग) व्यापार में स्टॉक		
समाप्त सामग्री		
चालू कार्य		
कच्चा माल		
2. विविध देनदार:		
क) बकाया उधार	56242163	109742163
ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)	0	0
ग) केंद्र से प्राप्य विविध वसूलियां (इंजी. कार्य)		
3. नकद रोकड़ शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सम्मिलित हैं)	918650	931150
4. बैंक शेष:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास:		
चालू खाते में	2024883864	3754443504
जमा खाते में (मार्जिन राशि सम्मिलित है)	18489924	15315377
एफडीआर में	2000000000	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:		
चालू खाते में		
जमा खाते में		
बचत खाते में		
5. डाकघर - बचत खाता		
कुल (क)	**4100534601**	**3880432194**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी)	**2018-19**	**2017-18**
ख ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1. ऋणः		
क) कर्मचारीगण	3990673	2986235
ख) अन्य इकाइयां जो इकाई के लिए समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न हैं।		
ग) अन्य (लोहे एवं स्टील की खरीद हेतु अग्रिम)	2340588	2340588
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा प्राप्त की जाने वाली राशि हेतु प्रकार:		
क) मूलधन खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अन्य (अग्रिम भुगतान)	11993851477	8646892736
3. अर्जित आय:		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश पर - अन्य		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(आय देय अवास्तविक - रु. .... शामिल है)		
4. वसूलनीय दावे:		
कुल (ख)	**12000182738**	**8652219559**
कुल (क+ख)	**16100717339**	**12532651753**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 12 - विक्रय / सेवाओं से आय	**2018-19**	**2017-18**
1) विक्रय से आय		
1. परिष्कृत सामग्री का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	307541206	311381385
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य अस्पताल प्राप्तियां (निर्दिष्ट करें)		
कुल	307541206	311381385

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**2018-19**	**2017-18**
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार	14733402569	12897041408
2. राज्य सरकार/सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थान / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**14733402569**	**12897041408**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 14 - शुल्क / चंदा	2018-19	2017-18
1. ट्यूशन शुल्क	69283146	44836568
2. लाइसेंस शुल्क	49832288	27941996
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क	0	0
4. परीक्षा रसीद	0	0
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई.एच.एस.	93400627	64567388
कुल	**212516061**	**137345952**

अनुसूची 15 - निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश में आय)	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र				
2. लाभांश:				
क) शेयरों पर				
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

लेखा अधिकारी | **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2018-19	2017-18
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें) एनपीएस	212591830	0
कुल	**212591830**	**0**

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	2018-19	2017-18
1. अवधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	243180431	242002474
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	1421569	5530
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
कुल	**244602000**	**242008004**

टिप्पणी - दर्शाए गए स्रोतों पर कर कटौती की गई

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 18 - अन्य आय	2018-19	2017-18
1. विविध प्राप्ति	15031001	29104286
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)	60199321	72674289
3. परीक्षा अनुभाग रसीद	866628236	824388504
4. सामान्य दान	0	886300
कुल	**941858558**	**927053379**

अनुसूची 19 - तैयार सामग्री एवं कार्य में प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	2018-19	2017-18
क) समापन स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- कार्य प्रगति पर		
ख) न्यून: अथ स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- कार्य प्रगति पर		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]		0

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	2018-19	2017-18
वेतन एवं मजदूरी	8195420979	7286897250
यात्रा भत्ते	39120542	36500867
भविष्य निधि में अंशदान		
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)	17351441	23258400
कर्मचारी कल्याण व्यय (डीएलआईएस)	120000	480000
कर्मचारीगण पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"	1992389599	1372706536
अन्य (एनपीएस)	197709959	215970432
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	3422838	926350
कुल	**10445535358**	**8936739835**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2018-19	2017-18
क) अस्पताल भंडार की खरीद		
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) वार्डों में गाड़ी - भाड़ा एवं ढुलाई		
घ) विद्युत एवं बिजली	685677911	585417220
ङ) जल प्रभार	50139349	46003652
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी / सीएएमसी)	0	665480858
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	733955308	289095288
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	73843579	76450853
ढ़) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) अंशदान व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यावसायिक शुल्क		
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते में डाली गई अवसूलनीय शेष राशि		
फ) पैकिंग प्रभार		
ब) छात्रावास		
भ) बैंक प्रभार	360891	2384
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	1197723519	145028857
कुल	**2741700557**	**1807479112**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 21ख - सामग्री एवं आपूर्ति	2018-19	2017-18
अस्पताल स्टोर	3068411374	2997628780
कुल	**3068411374**	**2997628780**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 22 - अनुदानो, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2018-19	2017-18
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
नोट - अनुदानों / आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों, उनकी गतिविधियों के नाम को प्रकट किया जाना है।		

अनुसूची 23 - ब्याज	2018-19	2017-18
क) स्थायी ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार शामिल है) ग) अनुसंधान अनुभाग के लिए अंतरित अक्षयनिधि ब्याज अन्य (विशेष उल्लेख)	0	0
कुल	0	0

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

वर्ष 2018-2019 हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तिया	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
अथशेष			**व्यय**		
क) नकद राशि	931150	1037150	i) स्थापना व्यय (अनुसूची 20क)	10428183917	8913481435
ख) बैंक शेष			ii) अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	2708584370	1782702027
i) चालू खाते में	3754443504	2783029202	iii) अस्पताल भंडार की खरीद	3061814008	2946591920
ii) जमा खाते में	15315377	6275770	iv) एसएपी (व्यय)	42572573	13750664
			पूंजीगत/जारी कार्य पर व्यय		
भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			i) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	2566067642	990569426
i) राजस्व	23295000000	20310000000	ii) जारी पूंजीगत कार्य पर अग्रिम	5549604515	8862842177
ii) पूंजी	8730000000	9360000000			
iii) पूंजी (पर्यवेक्षण समिति)	0	1333100000	**केंद्रों को अंतरित सरकारी अनुदान**		
iv) उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एच.ई.एफ.ए.)	260000000	**0**	**डॉ. रा. प्र. केंद्र**		
रा. औ. नि. उप. केन्द्र			i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	400000000	240000000
i) राजस्व	205000000	194000000	ii) सहायता अनुदान वेतन	930000000	840000000
ii) पूंजी	117500000	25000000	iii) सहायता अनुदान सामान्य	400000000	350000000
			iv) स्वच्छता कार्य योजना	0	50000000
विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान					
i) स्कीम सेल	779518927	1156516487	**हृ. तं. केंद्र**		
ii) रोगी उपचार खाते में प्राप्त अनुदान	139410415	127190639	i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	318885000	211232218

iii) स्वच्छता कार्य योजना	5000000	450000000	ii) सहायता अनुदान वेतन	2728000000	2515366000
iv) कायाकल्प पुरस्कार	0	75000000	iii) सहायता अनुदान सामान्य	764000000	650000000
v) एम्स (मुख्य) में रोगी का उपचार	269092883	172509706	iv) स्वच्छता कार्य योजना		100000000
vi) अनुदान रसीद (जरा चिकित्सा)	547500000	16300000			
विन्यास / दान			**डॉ. बी. आर. अ. सं. रो. कैं. अ. (एनसीआई झज्जर सहित)**		
i) निर्धन रोगी खाता	5368230	2342241	i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	266680553	110000000
ii) विन्यास निधि	0	0	ii) सहायता अनुदान वेतन	911296695	782043000
निवेश पर आय			iii) सहायता अनुदान सामान्य	660000000	465000000
i) विन्यास निधि (इन्फोसिस)	0	0	iv) स्वच्छता कार्य योजना	0	50000000
ii) एनपीएस (ब्याज)	17401106	12034419			
			जे. पी. एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र		
ब्याज प्राप्त किया			i)पूंजीगत परिसंपत्तियां	138646715	175096714
i) बैंक जमा पर	255682500	252063188	ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	840000000	680000000
ii) ऋण, अग्रिम आदि	1421569	5530	iii) सहायता अनुदान (वेतन)	1085166374	976221458
प्राप्तियां			iv) स्वच्छता कार्य योजना	0	50000000
i) सामान्य भविष्य निधि	651512119	538095876			0
ii) बाह्य वसूलियां	1318110934	1133068549	**दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र**		
iii) जमा कार्य (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन)	0	39811727	i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	20088421	27623687
iv) वसीयत संपदा प्राप्ति तारीख (एन.पी.एस.)	42302779	530087777	ii) सहायता अनुदान सामान्य	127500000	102500000
v) एफडी परिपक्वता खाता (एन.पी.एस.)	20000000	0	iii) सहायता अनुदान वेतन	64935117	50997549
vi) एफडी परिपक्वता (निर्धन रोगी खाता)	2874547	590788	iv) स्वच्छता कार्य योजना	0	50000000

vii) प्राप्ति के रूप में दावा न किए गए चेक/बकाया अंतरण	0	58590200			
एम्स जोधपुर के लिए जमा राशि	0	41000000	**<u>सी. आई. एम. आर.</u>**		
			i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	1490358	14684557
			ii) सहायता अनुदान सामान्य	699245	830585
<u>अन्य आय</u>					
i) विविध प्राप्तियां	15031001	29104286	**<u>एन.सी.आई. झज्जर</u>**		
ii) परीक्षा रसीद	850003808	824388504	i) सहायता अनुदान सामान्य (पुनः भुगतान) (एचईएफए)	261500000	0
iii) अस्पताल प्राप्तियां	301062438	293977385			
iv) ट्यूशन शुल्क	69283146	44836568			
v) लाइसेंस शुल्क	49832288	27941996	आंतरिक अनुदान	50000000	50000000
vi) कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ई.एच.एस.)	93400627	64567388	यू. एन. डी. सी. पी.	0	71900000
vii) खाता सं. 10874585570 बंद (परीक्षा)	16624428	0			
			<u>रा. औ. नि. उप. केंद्र</u>		
			i) रा. औ. नि. उप. केंद्र के लिए अंतरित अनुदान	252500000	219000000
			ii) रा. औ. नि. उप. केंद्र के लिए ऋण	15000000	31000000
			iii) स्वच्छता कार्य योजना	0	50000000
<u>IX. अन्य प्राप्तियां</u>			**<u>अन्य भुगतान</u>**		
i) विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त निधि (प्रत्यक्ष प्राप्त)	611717494	146910754	i) विशिष्ट अनुदान से भुगतान (स्कीम सेल)	1197292174	1045925402

ii) कोकिलर इंप्लांट रोगी उपचार	27949839	28332000	ii) रोगी उपचार खाते हेतु भुगतान	116265430	101616014
iii) अन्य	73218636	102603126	iii) निर्धन रोगी खाता	4340102	1571050
iv) एम्स दान खाता क्रेडिट बी / ए	836297	886300	iv) सामान्य भविष्य निधि	651197057	537413484
v) दान (अनुसंधान अनुभाग)	11331438	0	v) बाह्य वसूलियां	1301236866	1125452226
vi) एन.पी.एस. (क्रेडिट बैंक सलाह)	162220892	0	vi) जमा कार्य (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन) एचएससीसी	0	84000000
vii) एन.पी.एस. सी.एन.सी.	50370938	0	vii) जेरियाट्रिक ब्लॉक (एचएससीसी)/जेरियाट्रिक	409000000	210000000
viii) दान की राशि (कैशियर)	1800000	0	viii) एम्स (मुख्य) में रोगी उपचार खाता	268367056	168079105
ix) सीएसआर (अस्पताल बिलिंग)	25500000	0	ix) एफडी निर्धन रोगी खाता	0	467189
x) पीडी खाता	0	1000000	x) अन्य विविध भुगतान	122413960	96013905
xi) परिक्रामी (रिवालविंग) निधि	114519000	115426000	xi) कोकिलर इंप्लांट रोगी उपचार	27479364	28399050

xii) एम्स पीएमओ रोगी खाता	38649929	0	xii) सीएसआर (अस्पताल बिलिंग)	5519129	0
xiii) सीएसआरआरईसी खाता (अस्पताल बिलिंग)	107738295	0	xiii) पी. डी. खाता	2986026	2524255
xiv) पीएमजेएवाई (प्र.मं.ज.आ.यो.) (अस्पताल बिलिंग)			xiv) परिक्रामी (रिवालविंग) निधि	110385000	95321651
(i) प्राप्त निधि	20000000	0	xv) एम्स पीएमओ रोगी खाता	26920922	0
(ii) दावे की तुलना में प्राप्त वापसी	7649882	0	xvi) सीएसआरआरईसी (अस्पताल बिलिंग)	79512301	0
			xvii) कायाकल्प	[illegible]	0
xv) सीएसआर	5000000	5000000	xviii) पीएमजेएवाई (प्र.मं.ज.आ.यो.) (अस्पताल बिलिंग)	5811885	0
			xiv) सी.एस.आर.	2296851	0
			xx) सीमा शुल्क खाता	259348451	132410268
सीमा शुल्क खाता	311407003	119483246	xxi) एफडी (विन्यास निधि)	50000000	0
			xxii) एफडी (अनुसंधान दान खाता)	10000000	0
			xxiii) एम्स जोधपुर	0	41000000
एफडी	30250000000	0	xxiv) एफडी	30250000000	0

एफडी परिपक्वता (विन्यास निधि)	49500000	500000	xxv) एफडी अनुसंधान अनुभाग	100000000	
			एन. पी. एस. खाता		
			i) वसीयत डेटा का भुगतान	59712634	538289755
			ii) बैंक प्रभार	124	0
			किए गए निवेश	0	20000000
			एफडीआर (कलमल बक्शी)	0	0
			विन्यास निधि	0	0
			निवेश (एफ.डी.)	0	0
			बैंक प्रभार	0	0
			व्यय	0	0
			अंतशेष		
			i) नकद राशि	918650	931150
			ii) बैंक शेष		
			क) चालू खाते में	2024883864	3754443504
			ख) एफडीआर में	2000000000	0
			ग) जमा खाते मे	18489924	15315377
कुल	**73698033419**	**40422606802**	**कुल**	**73698033419**	**40422606802**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग
स्थापना व्यय

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 क			2018-19	2017-18
क)	वेतन एवं मजदूरी		8195420979	7286897250
ख)	यात्रा भत्ता (टी. ए.)		39120542	36500867
ग)	अवकाश वेतन पेंशन अंशदान			
	भुगतान		3422838	
	न्यून प्राप्तियां		0	926350
घ)	कर्मचारीगण पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"		1992389599	1372706536
ङ)	बीमा योजना से जुड़ी हुई जमा		120000	480000
च)	अन्य			0
छ)	**नई पेंशन योजना**			
	राष्ट्रीय सुरक्षा जमा लि. में जमा	392291689		
	एन. पी. एस. खाते मे जमा			
	कर्मचारीगण से न्यून प्राप्तियां (एन.पी.एस.)	194581730	197709959	215970432
	कुल		**10428183917**	**8913481435**

लेखा अधिकारी | **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनाक 31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु प्राप्ति एव भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

अन्य प्रशासनिक व्यय

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21क	2018-19	2017-18
क) मरम्मत एवं अनुरक्षण	733720168	947619882
ख) यात्रा एवं वाहन व्यय	73843579	76450853
ग) आकस्मिकता कार्यालय	1164840879	127208036
घ) विद्युत एवं बिजली	685677911	585417220
ङ) जल प्रभार	50139349	46003652
च) अन्य (बैंक प्रभार)	362484	2384
कुल	**2708584370**	**1782702027**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए सामान्य भविष्य निधि का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

(राशि-रु.)

प्राप्तियां	18-19	17-18	भुगतान	18-19	17-18
अथशेष	198612428.75	112743375.00	सा.भ.नि. निकासी	1180062261.81	726435470.00
समयबद्ध चेक खाते में	0	2805014.00	वर्ष के दौरान निवेश	2615650390.60	848405019.00
अंशदान / प्राप्तियां	1268799781.00	835286256.00	बैंक प्रभार	4425.00	2645.00
ब्याज	244739500.00	251294050.00	अंतशेष	179370129.13	198612429.00
निवेश परिपक्वता	2262935496.79	571326868.00			
कुल	**3975087206.54**	**1773455563.00**	**कुल**	**3975087206.54**	**1773455563.00**

सा.भ.नि.

वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि-रु.)

व्यय	18-19	17-18	आय	18-19	17-18
अंशदान पर प्रदत्त ब्याज	466488427.00	410574377.00	प्राप्त किए गए ब्याज	244739500.00	251294050.00
बैंक प्रभार	4425.00	2645.00	आय से अधिक व्यय	221753352.00	159282972.00
कुल	**466492852.00**	**410577022.00**	**कुल**	**466492852.00**	**410577022.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

दिनांक 31 मार्च, 2019 के अनुसार अ. भा. आ. सं. के सामान्य भविष्य निधि का तुलन-पत्र

(राशि-रु.)

देयताएं		18-19	17-18	परिसंपत्तियां		18-19	17-18
अथशेष (सा.भ.नि.)	5761328663.00			निवेश			
जमा: सा.भ.नि. अंशदान	1268799781.00			अथशेष	5440511113.00		
जमा: सा.भ.नि. ब्याज क्रेडिट	466488427.00			वर्ष के दौरान जमा	2615650390.68		
अतिरिक्त समयबद्ध चेक खाते में	0			न्यून: वर्ष के दौरान परिपक्वता			
न्यून: वापसी	1180062261.81	6316554609.00	5761328663.00		2262935496.79	5793226007.00	5440511113.00
अधिशेष				बैंक शेष		179370129.13	198612429.00
व्यय से अधिक आय की संचयी अधिकता				व्यय से अधिक आय का ओ/बी	122205121.00		
अथशेष				जोड़ें: वर्ष के दौरान आय से अधिक अतिरिक्त व्यय			
न्यून: वर्ष के दौरान आय से अधिक व्यय					221753352.00	343958473.00	122205121.00
कुल		**6316554609.00**	**5761328663.00**	**कुल**		**6316554609.00**	**5761328663.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अनुसूची 24

मुद्रण नीतियाँ और लेखा की टिप्पणी तैयार करने वाला भागः

1. संस्थान की गतिविधियों को मुख्य रूप से भारत सरकार के अनुदानों से धन प्रदान किया जाता है और संस्थान के लेखा–जोखा को सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप तैयार किया जाता है।
2. लेखा नकद आधार पर अर्थात् वास्तविक प्राप्ति और भुगतान के आधार पर तैयार किए गए हैं।
3. लेखा–जोखा में परिसंपत्तियों, अर्थात मशीनरी, उपकरण, वाहन, भवन आदि पर कोई अवमूल्यन प्रदान नहीं किया गया है और परिसंपत्तियों का निष्पादन ऐतिहासिक दर पर किया जाता है। उपयोगिता की समाप्ति पर निराकरण के समय परिसंपत्तियों को परिसंपत्तियों और पूंजी कोष से हटाया जाता है।
4. लेखा में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि की देनदारी के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि भारत सरकार से अनुदान वास्तविक व्यय के लिए प्राप्त किया जाता है। लेखा में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि के भुगतान की गणना केवल वास्तविक भुगतानों के समय पर लेखा में किया जाता है।
5. लेखांकन अवधि के अंत में भंडार और आपूर्ति का कोई अंतिम स्टॉक लेखा में समाविष्ट नहीं किया जाता है क्योंकि भण्डारों और आपूर्तियों पर किये गए सभी खर्चों को लेखा में भुगतान के समय पर अंतिम व्यय के रूप में स्वीकार किया जाता है।
6. संस्थान की आय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के तहत आयकर से मुक्त है।
7. अनुसंधान परियोजनाओं हेतु अनुदान द्वारा वित्तपोषित सभी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) का उपयोग अनुसंधान परियोजनाओं की गतिविधियों के लिए किया जाता है और इन्हें संस्थान के परिसंपत्तियों में सम्मिलित नहीं किया जाता है। ऐसी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) को या तो धनराशि प्रदान करने वाले अभिकरणों को लौटाया जाता है अथवा इनका उपयोग धनराशि प्रदान करने वाले अभिकरणों की स्वीकृति के अनुसार, परियोजनाओं की समाप्ति के पश्चात ही विभागों में किया जाता है।
8. वर्ष 2018–19 के दौरान, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विभिन्न परियोजना जाँचकर्ताओं द्वारा किये गए व्यय को और दिनांकः 31.03.2019 के अनुसार, संस्थान का पास पड़ी हुई शेष राशि को दर्शाता हुआ एक विवरण लेखा के साथ संलग्न कर दिया गया है।
9. चूँकि, केंद्र का प्रबंध पृथक रूप से किया जाता है, इसलिए उनके अंतिम लेखा का रखरखाव भी पृथक रूप से होता है। फिर भी, उनके केन्द्रों को अवमुक्त की गयी राशि एम्स मुख्य के अंतिम लेखा में प्रदर्शित होती है। दिनांकः 31.03.2019 के अनुसार, संस्थान के विभिन्न केन्द्रों का लेखा एम्स मुख्य के लेखा के साथ संलग्न है।
10. पैकेजों के अंतर्गत, उन उपचारों के मद में राजस्व एवं व्यय के रूप में खर्च किये गए उपचार की अग्रिम राशियों को व्यय में दर्शाया गया था। चालू वर्ष के दौरान, उपचार के लिए उपलब्ध पैकेजों के मद में प्राप्त अग्रिम राशियों को आवर्ती निधि और आवर्ती

निधि पर किये गए व्यय के अंतर्गत प्रदर्शित किया गया है। आवर्ती निधि में शेष राशि को देनदारी के रूप में प्रदर्शित किया गया है। लेखांकन नीति के इन परिवर्तनों का प्रभाव आकलन योग्य और महत्त्वपूर्ण नहीं होता।

11. 31.03.2019 को समाप्त हुए वर्ष के लेखा को नए प्रारूप, समूहीकरण, पुनः समूहीकरण और वर्गीकरण में तैयार किया गया है, जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, इसे बेहतर प्रस्तुति के लिए परिवर्तित/अंगीकृत किया गया है।
12. प्रत्येक विभागध्केंद्र में संस्थान की परिसंपत्तियों का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामांकित फैकल्टी/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में अभी तक कोई गंभीर/बड़ी गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।
13. प्रत्येक विभाग/केंद्र में संस्थान की स्टोर तथा आपूर्ति का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामांकित फैकल्टी/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में अभी तक कोई गंभीर/बड़ी गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।
14. यह संस्थान रोगियों की देखभाल के लिए आवश्यक जाँचों/प्रक्रियाओं के लिए विभिन्न आवर्ती निधियों का रखरखाव कर रहा है और उसे संस्थान के सम्बंधित लेखा में सम्मिलित किया गया है।
15. बिना किसी संलग्न शर्तों के विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दानराशियों/प्राप्तियों को सम्बंधित केंद्र या संस्थान के आय के रूप में स्वीकार किया जाता है जैसे भी प्रकरण हो।
16. उपर्युक्त सूचीबद्ध सभी लेखांकन नीतियों और लेखा टिप्पणियाँ तैयार करने वाले भाग का उपयोग केन्द्रों के लेखा को तैयार करने में भी किया जाता है।

y[kk vf/kdkjh   foÙkh; lykgdkj   ofj"B foÙkh;

fun'kd

बिलिंग अनुभाग (एम्स)
प्राप्तियां और भुगतान का लेखा विवरण
नेशनल इलनेस असिस्टेंस फंड (एनआईएएफ) : 2018-19

क्र.सं.	प्राप्तियां	रु.	भुगतान	रु.
1.	दिनांक 1.4.2018 के अनुसार अथशेष	396068732.53	वर्ष 2018-19 के दौरान किया गया भुगतान	222075568.00
2.	वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त अनुदान	212126230.00	वर्ष के दौरान बैंक द्वारा बैंक निकासी शुल्क को नामे डाला गया	00.00
3.	वर्ष 2018-19 के दौरान बैंक से प्राप्त ब्याज	16604483.00	एम्स मुख्य लेखा को हस्तांतरित अर्जित ब्याज	13251084.00
4.			दिनांक 31.03.19 के अनुसार अंतशेष 1. बैंक में नकद रु. 89472793.53 2. एफडीआर रु. 250000000 3. एफडीआर रु. 50000000	389472793.53
	कुल	**624799445.53**	**कुल**	**624799445.53**

लेखा अधिकारी
अस्पताल बिलिंग अनुभाग

अस्पताल बिलिंग अनुभाग, एम्स
एम्स दिल्ली आरोग्य कोष
लेखा सं. - **33477690609**

वित्तीय वर्ष – 2018-2019

क्र.सं.	**प्राप्ति**	**रु.**	**भुगतान**	**रु.**
1.	दिनांक 1.4.2018 के अनुसार अथशेष	18153071.00	वर्ष 2018-19 के दौरान किया गया भुगतान	5910015.00
2.	वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त अनुदान	6005426.00	वर्ष के दौरान बैंक द्वारा बैंक निकासी शुल्क को नामे डाला गया	649.00
3.	बैंक से प्राप्त ब्याज	शून्य	दिनांक 31.03.19 के अनुसार अंतशेष	18247833.00
	कुल	**24158497.00**	**कुल**	**24158497.00**

लेखा अधिकारी

ân' rf=dk dsnz

अ. भा. आ. सं.

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (समेकित)

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
I. अथशेष			**I. व्यय**		
क) नकद राशि	66,000	66,000	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	2,726,562,030	2,515,368,878
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 22 में संगत)	368,053,449	239,497,294
(i) चालू खाते में			ग) सामग्री एवं आपूर्ति (अनुसूची 23 में संगत)	462,847,016	356,941,872
हृ. तं. कें. मुख्य	245,439,239	161,723,947			
गामा नाइफ	89,945,198	40,477,909			
एंजियो रोगी खाता	38,587,244	15,438,301			
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	52,893,371	37,151,884			
सी. टी. रोगी खाता	91,101,096	67,544,607			
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	257,251	207,900			
(ii) जमा खाते में	-	-			
(iii) बचत खाते में	-	-			
ग) सावधि जमा					
सावधि जमा (गामा नाइफ)	240,000,000	240,000,000			
सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	109,800,000	109,800,000			
सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31,800,000	31,800,000			
सावधि जमा (सी. टी. रोगी खाता)	50,000,000				
II. अनुदान प्राप्त			**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
क) भारत सरकार से - एम्स मुख्य के माध्यम से					
पूंजी (परिसंपत्तियां नई)					
(i) सहायता अनुदान (योजना)	338,885,000	211,232,218	एम्स मुख्य को अनुदान की वापसी	20,000,000	
राजस्व सामान्य			**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	2,728,000,000	2,515,366,000			
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	764,000,000	650,000,000			
(iv) सहायता अनुदान (एसएपी) - हृ. व. केन्द्र	-	50,000,000	(iv) सहायता अनुदान (एसएपी) - हृ. व. केन्द्र	1,672,177	404,400
(v) सहायता अनुदान (एसएपी) - तं. वि. केन्द्र	-	50,000,000	(v) सहायता अनुदान (एसएपी) - तं. वि. केन्द्र	1,691,074	404,400

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
ख) राज्य सरकार से					
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)					
(अलग से दर्शाने के लिए पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु अनुदान)					
III. निवेश पर आय से			**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि	-	-	क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से	-	-
ख) आवर्ती निधि			**ख) आवर्ती निधि**		
i) रक्त जांच / प्रयोगशाला जांच	11,863,700	11,065,090	i) रक्त जांच / प्रयोगशाला जांच	428,475	4,705,210
ii) हृद् जांच	5,105,750	5,142,760	ii) हृद् जांच	855,205	242,738
iii) स्ट्रेस थैलियम	2,488,000	2,579,000	iii) स्ट्रेस थैलियम	5,931,121	2,272,833
IV) तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	10,384,063	11,814,279	IV) तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	17,631,067	8,705,468
			तंत्रिका विज्ञान रोगी खाते से विभिन्न रोगी खाते के लिए अंतरण	1,339,840	2,129,929
V) एम.आर.आई. प्रभार	3,479,750	3,583,500			
vi) स्टेम सेल	742,000	74,000			
गामा नाइफ खाता	44,001,710	43081073	गामा नाइफ खाता	2629980	3,264,881
एंजियो रोगी खाता	186,714,129	221982973.9	एंजियो रोगी खाता	245497725	205,721,326
सी. टी. रोगी खाता	336,404,457	372829470	सी. टी. रोगी खाता	354162698	299,167,569
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	152,185,426	135490483	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	144345943	121,934,711
ग) स्वयं की निधियां (अन्य निवेश)	-	-			
IV. ब्याज प्राप्त			**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी पर व्यय**		
क) बैंक जमा पर (हृ. तं. कें. मुख्य)	29,093,970	10771488	कार्य प्रगति पर		
बैंक जमा पर (गामा नाइफ)	16,746,881	9651831	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	88,820,261	176,119,651
बैंक जमा पर (एंजियो रोगी खाता)	5,538,841	6890294	ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	-	-
बैंक जमा पर (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	1,113,232	2192180	ग) साख पत्र (मशीनरी एवं उपकरण)	151,064,739	106,634,607
बैंक जमा पर (सी. टी. रोगी खाता)	2,677,133	0	**V. अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी**		
			क) भारत सरकार को	-	-
ख) ऋण एवं अग्रिम आदि	1,981,442	1589524	ख) राज्य सरकार को	-	-
V. अन्य आय			ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को	-	-
विविध प्राप्ति	1,993,616	1955300	**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
अस्पताल प्राप्ति (हृ. तं. कें. मुख्य)	69,123,455	61442379	बैंक प्रभार (हृ. तं. कें. मुख्य)	1,537	2,142
			बैंक प्रभार (गामा नाइफ)	1,357	734
VI. उधार ली गई राशि			बैंक प्रभार (एंजियो रोगी खाता)	3,540	2,999
			बैंक प्रभार (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	3,277	6,465
			बैंक प्रभार (सी. टी. रोगी खाता)	4,543	105,412
			बैंक प्रभार (एम्स तंत्रिका विज्ञान निधन रोगी)	649	649
VII. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			**VII. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
क) दान	325,000	442530	दान/अनुदान	249,819	250,264
ख) धरोहर राशि जमा	7,115,000	4804000	धरोहर राशि जमा	2,878,995	1,810,820

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
कर्मचारी से वसूली			**कर्मचारी से वसूली**		
1. एम्स वसूलियां	18,667,362	14195956	1. एम्स वसूलियां	18,650,280	15572667
2. बाह्य वसूलियां	422,344,020	369912153	2. बाह्य वसूलियां	422,344,020	369912153
3 जी.पी.एफ. (अंशदान और अग्रिम)	285,389,498	153746608	3 जी.पी.एफ. (अंशदान और अग्रिम)	285,389,498	153746608
4. एन.पी.एस. वसूली	91,176,281	94695940	4. एन.पी.एस. वसूली	91,198,015	94664346
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति / वसूली			**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति / वसूली**		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	505,700	587800	कंप्यूटर अग्रिम	1,050,000	500,000
कार / स्कूटर अग्रिम वसूली	279,600	164800	कार / स्कूटर अग्रिम वसूली	-	-
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	525,350	716140	भवन निर्माण अग्रिम	3,564,600	498,000
त्यौहार अग्रिम वसूली	2,925	819000	त्यौहार अग्रिम	-	-
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	2,981,932	5805294	वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	2,074,481	5,805,294
			रिटर्न आर.टी.जी.एस.	-	78,252
रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस.)	249,375	1603028			
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	50,000	50000	डी.ए.वी.पी. के लिए अग्रिम भुगतान	-	712,157
			सीमा शुल्क	79,000,000	-
			पीडीए	-	-
			छूट / बीपीएल रोगी के लिए (एंजियो रोगी खाता) के लिए अंतरित अनुदान		24,626,413
छूट / बीपीएल रोगी के लिए एम्स सी एन सी (सी.टी. रोगी खाता) से प्राप्त अनुदान	-	-	छूट / बीपीएल रोगी के लिए (सी.टी. रोगी खाता) के लिए अंतरित अनुदान		18,241,871
			छूट / बीपीएल रोगी के लिए (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता) के लिए अंतरित अनुदान		545,227
टीडीआर	50,000,000		टीडीआर (सी एन सी मुख्य खाता)		50,000,000
			VIII. अंतशेष		
			क) नकद राशि	66,000	66,000
			ख) बैंक शेष		
			(i) चालू खाते में (सी.एन.सी. मुख्य)		
			सी. एन. सी. मुख्य	338,844,328	245,439,239
			गामा नाइफ	28,062,452	89,945,198
			एंजियो रोगी खाता	15,338,949	38,587,244
			तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	61,842,809	52,893,371
			सी. टी. रोगी खाता	46,015,445	91,101,096
			एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	306,602	257,251
			ii) जमा खाते में	-	-
			iii) बचत खाते में	-	-

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
			ग) सावधि जमा		
			सावधि जमा (गामा नाइफ)	360,000,000	240,000,000
			सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	79,800,000	109,800,000
			सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31,800,000	31,800,000
			सावधि जमा (सीटी रोगी खाता)	80,000,000	50,000,000
कुल	**6,542,023,997**	**5,730,487,640**	**कुल**	**6,542,023,997**	**5,730,487,640**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

प्रमुख, तं. वि. केंद्र

प्रमुख, हृ. व. केंद्र

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (समेकित)

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन - पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
समग्र / पूंजीगत निधि	1	6,721,192,017	6,402,307,017
रिजर्व और अधिशेष	2	68,515,493	6,960,654
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	99,050,549	102,338,619
आवर्ती निधि	4	778,954,058	798,407,127
सुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	6	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	7	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	8	61,674,526	56,485,722
कुल		**7,729,386,643**	**7,366,499,139**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	9	6,230,814,067	6,005,770,555
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	10	-	-
निवेश - अन्य	11	551,600,000	431,600,000
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	12	946,972,576	929,128,584
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
आय पर व्यय की अधिकता का शेष			
कुल		**7,729,386,643**	**7,366,499,139**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियाँ	26		

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

प्रमुख, हृ. व. केंद्र **प्रमुख, तं. वि. केंद्र**

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
विक्रय / सेवाओं से आय	13	70,885,415	62,033,065
अनुदान / आर्थिक सहायता	14	3,492,000,000	3,090,652,978
फीस / अभिदान	15	-	-
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	16	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	17	-	-
अर्जित ब्याज	18	57,151,499	31,095,317
अन्य आय	19	1,993,616	1,955,300
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति की वृद्धि / (कमी)	20	-	-
कुल (क)		**3,622,030,530**	**3,185,736,660**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	2,726,562,030	2,515,368,878
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	22	368,053,449	239,497,294
अग्रिम का समायोजन	22 (A)	2,998,292	-
सामग्री एवं आपूर्ति	23	462,847,016	356,941,872
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	24	-	-
ब्याज एवं वित्त व्यय	25	14,903	118,401
अवमूल्यन (अनुसूची 11 में वर्ष समाप्ति तदनानुसार पर शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**3,560,475,691**	**3,111,926,445**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाला शेष (क-ख)		61,554,839	73,810,215
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में / से अंतरण		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**61,554,839**	**73,810,215**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	26		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणी	27		

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

प्रमुख, हृ. व. केंद्र **प्रमुख, तं. वि. केंद्र**

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष (हृ. तं. कें. मुख्य)		6,350,915,314	-
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान (एम्स मुख्य के माध्यम से)	33,88,85,000	318,885,000	6,350,915,314
न्यून: एम्स मुख्य में वापसी	2,00,00,000		
जमा: दान खाता में सृजित समग्र / पूंजी		51,391,703	51,391,703
जमा / कटौती: आय और व्यय लेखा से अंतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष		-	-
वर्ष समाप्ति पर शेष		**6,721,192,017**	**6,402,307,017**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 (क) - रिजर्व एवं अधिशेष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. पूंजीगत रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	6,960,654	6,960,654
जमा: वर्ष के दौरान जमा	61,554,839	
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
3. विशेष रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
4. सामान्य रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
5. व्यय पर आय की अधिकता	-	
कुल	**68,515,493**	**6,960,654**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	हृद् विज्ञान	सी.टी.वी.एस	तंत्रिका विज्ञान	तंत्रिका सर्जरी	अन्य	स्वच्छता कार्य योजना (एस.ए.पी.)		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
						सी.टी.सी.	एन.एस.सी.	कुल	कुल
क) निधियों का अथशेष	64,306	188,750	909,327	1,966,505	18,531	49,595,600	49,595,600	102,338,619	2,955,153
ख) निधियों में जमा:	-							-	-
i. दान / अनुदान	-	-	25,000	150,000	150,000	-	-	325,000	100,442,530
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	-							-	-
iii. रोगियों से प्राप्त	-							-	-
iv. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)	-							-	-
कुल (क+ख)	**64,306**	**188,750**	**934,327**	**2,116,505**	**168,531**	**49,595,600**	**49,595,600**	**102,663,619**	**103,397,683**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय									
i. पूंजीगत व्यय									
स्थायी परिसंपत्तियां	-					1,672,177	1,691,074	3,363,251	808,800
अन्य	-							-	-
कुल (ग.i)	**-**					**1,672,177**	**1,691,074**	**3,363,251**	**808,800**
ii. राजस्व व्यय								-	-
वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बैंक प्रभार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	99,819	-	150,000	-	-	249,819	250,264
कुल ग (ii)	**-**	**-**	**99,819**	**-**	**150,000**	**-**	**-**	**249,819**	**250,264**
कुल (ग)	**-**	**-**	**99,819**	**-**	**150,000**	**1,672,177**	**1,691,074**	**249,819**	**1,059,064**
घ) रोगियों को वापसी	-							-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग-घ)	**64,306**	**188,750**	**834,508**	**2,116,505**	**18,531**	**47,923,423**	**47,904,526**	**99,050,549**	**102,338,619**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - परिक्रामी निधि	वर्तमान वर्ष											पिछले वर्ष
	प्रयोगशाला जांच	हृद् जांच	स्ट्रेस थैलियम	एम.आर.आई	स्टेम सेल	तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	सी. टी. रोगी खाता	गामा नाइफ खाता	एंजियो रोगी खाता	एनएस रोगी खाता	कुल	कुल
क) ***निधियों का अथशेष***	29,322,275	24,244,725	3,641,791	11,232,630	74,000	41,138,051	141,206,508	320,294,101	144,745,390	82,507,656	798,407,127	638,909,163
ख) निधियों में जोड़												
i. रोगियों से प्राप्ति	11,863,700	5,105,750	2,488,000	3,479,750	742,000	10,384,063	336,404,457	44,001,710	186,714,129	152,185,426	753,368,985	764,229,118
ii. छूट/बीपीएल रोगियों हेतु एम्स सीएनसी (एंजियो रोगी खाता) से प्राप्त अनुदान											-	43,413,511
कुल (क+ख)	**41,185,975**	**29,350,475**	**6,129,791**	**14,712,380**	**816,000**	**51,522,114**	**477,610,965**	**364,295,811**	**331,459,519**	**234,693,082**	**1,551,776,112**	**1,446,551,792**
ग) ***निधियों का लक्ष्यों हेतु उपयोग/व्यय***												
i. **पूंजी व्यय**												
स्थायी परिसंपत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य (उल्लेख करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (ग.i)	-	-	-	-	-	-					-	-
ii **राजस्व व्यय**												
सामग्री एवं आपूर्ति							271,806,118	146,329	216,152,377	108,196,394	596,301,218	**432,972,359**
रोगियों को वापसी	428,475	855,205	5,931,121			17,631,067	82,356,580	2,483,651	29,345,348	36,149,549	175,180,996	**162,408,085**
निर्धन/बीपीएल रोगियों का उपचार व्यय											-	**19,982,348**
निःशुल्क प्रक्रिया											-	**23,431,163**
अन्य (उल्लेख करें)											-	**7,220,781**
विभिन्न रोगी खातों में अंतरित						1,339,840					1,339,840	**2,129,929**
कुल ग (ii)	**428,475**	**855,205**	**5,931,121**	**-**	**-**	**18,970,907**	**354,162,698**	**2,629,980**	**245,497,725**	**144,345,943**	**772,822,054**	**648,144,665**
कुल (ग)	**428,475**	**855,205**	**5,931,121**	**-**	**-**	**18,970,907**	**354,162,698**	**2,629,980**	**245,497,725**	**144,345,943**	**772,822,054**	**648,144,665**
वर्ष के अंत में बकाया राशि (क+ख-ग)	**40,757,500**	**28,495,270**	**198,670**	**14,712,380**	**816,000**	**32,551,207**	**123,448,267**	**361,665,831**	**85,961,794**	**90,347,139**	**778,954,058**	**798,407,127**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – सुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 6 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – आस्थगित जमा देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्रतिभूति स्वीकृति	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - वर्तमान देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान देयताएं		
1. स्वीकृतियां	-	-
2. विविध ऋणदाता		
क) वस्तुओं हेतु	-	-
ख) अन्य		
3. अग्रिम प्राप्त	-	-
4. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु देय पर नहीं		
क) सुरक्षित ऋण / उधार	-	-
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-
5. सांविधिक देयताएं		
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य	-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं	1,252,320	349,521
7. धरोहर राशि जमा	60,092,789	55,856,784
8. अग्रदाय	20,000	20,000
9. एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	309,417	259,417
कुल (क)	**61,674,526**	**56,485,722**
ख. प्रावधान		
1. कराधान हेतु	-	-
2. उपदान	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-
4. संचित अवकाश नकदी	-	-
5. ट्रेड वारंटी / दावे	-	-
6. संचित अवमूल्यन		
7. अन्य	-	-
कुल (ख)	**-**	**-**
कुल (क)+(ख)	**61,674,526**	**56,485,722**

अनुसूची 9 - स्थायी परिसंपत्ति

(राशि रुपयों में)

विवरण	सकल ब्लॉक							अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के दौरान जमा (साख -पत्र)	वर्ष के दौरान जमा (पी.डी.ए.)	वर्ष के दौरान जमा (सीमा शुल्क)	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष के समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
स्थायी परिसंपत्ति												**वर्तमान वर्ष की समाप्ति के अनुसार**	
भूमि													
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
भवन													
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
घ) भूमि पर अधिरचना इकाई से संबद्ध नहीं													
अमूर्त स्थायी परिसंपत्ति													
क) सॉफ्टवेयर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण*	5,362,203,310	84,391,536		116,358,180	228,770	19,636,301	5,582,818,097	-	-	-	-	5,582,818,097	5,362,203,310
स्पेयर एवं सहयंत्र (ह्. व. केन्द्र)	65,573,564						65,573,564					65,573,564	65,573,564
स्पेयर एवं सहयंत्र (तं. वि. कें.)	86,631,063						86,631,063					86,631,063	86,631,063
साख पत्र स्पेयर एवं सहयंत्र (तं. वि. कें.)	11,918,584						11,918,584					11,918,584	11,918,584
साख पत्र स्पेयर एवं सहयंत्र (ह्. व. केन्द्र)	556,416						556,416					556,416	556,416
वाहन	4,381,989						4,381,989	-	-	-	-	4,381,989	4,381,989
फर्नीचर, उपस्कर	6,749,181	1,740,991					8,490,172	-	-	-	-	8,490,172	6,749,181
कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	7,452,748	2,687,734					10,140,482	-	-	-	-	10,140,482	7,452,748
विद्युत संस्थापन	-						-	-	-	-	-	-	-
पुस्तकालय पुस्तकें	-						-	-	-	-	-	-	-
ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	-						-	-	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	-						-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल योग	**5,545,466,855**	**88,820,261**	-				**5,770,510,367**	**-**	**-**	**-**	**-**	**5,770,510,367**	**5,545,466,855**
पिछले वर्ष	-	-	-				**-**	-	-	-	**-**	-	-
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	460,303,700	-	-				460,303,700	-	-	-	-	460,303,700	460,303,700
कुल	**6,005,770,555**	**88,820,261**	**-**	**116,358,180**	**228,770**	**19,636,301**	**6,230,814,067**	**-**	**-**	**-**	**-**	**6,230,814,067**	**6,005,770,555**

(उपर्युक्त में सम्मिलित किराये पर खरीद आधार पर परिसंपत्ति की लागत में तारीख दिये जाने हेतु)

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 10 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - निवेश अन्य	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
i. सावधि जमा (गामा नाइफ)	360,000,000	240,000,000
ii. सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	79,800,000	109,800,000
iii. सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31,800,000	31,800,000
iv. सावधि जमा (सी टी रोगी खाता)	80,000,000	50,000,000.00
कुल	**551,600,000.00**	**431,600,000.00**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान परिसंपत्ति		
1. इनवेंटरीज		
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-	-
ख) खुले औजार	-	-
ग) ट्रेड में भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य-प्रगति पर	-	-
कच्चा माल	-	-
2. विविध देनदार		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण		
ख) अन्य	3,245,441	3,245,441
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
क) अग्रदाय	66,000	66,000
4. बैंक शेष		
क) अनुसूचित बैंकों के पास:		
- चालू खाते में	338,844,328	245,439,239
गामा नाइफ	28,062,452	89,945,198
एंजियो रोगी खाता	15,338,949	38,587,244
सी. टी. रोगी खाता	46,015,445	91,101,096
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	61,842,809	52,893,371
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	306,602	257,251
- जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)	-	-
- बचत खाते में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:		
- चालू खाते में	-	-
- जमा खाते में	-	-
- बचत खाते में	-	-
5. डाक घर - बचत खाते	-	-
कुल (क)	**493,722,027**	**521,534,841**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1. ऋण		
क) स्टाफ	6,240,560	2,939,535
ख) इकाई के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न अन्य इकाइयां		
ग) अन्य (रोगी उपचार - सी.जी.एच.एस.)		
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु		
क) पूंजीगत खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अस्थायी आकस्मिक अग्रिम		
घ) अन्य		
3. अर्जित आयः		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश - अन्य पर		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)		
4. वसूलनीय दावे		
5. साख-पत्र	121,207,172	86,500,613
6. सीमा शुल्क	93,383,493	34,019,794
7. जमा पूर्व अग्रिम	300,848	529,618
8. टी.डी.आर.	-	50,000,000
9. कार्य के लिए अग्रिम	174,596,762	174,596,762
10. अग्रिम भुगतान डीएवीपी	2,709,744	5,708,036
11. सी. टी. रोगी खाते से अंतरण मशीनरी एवं उपकरण	49,025,000	49,025,000
12. रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस.)	5,786,970	4,274,385
कुल (ख)	**453,250,549**	**407,593,743**
कुल (क)+(ख)	**946,972,576**	**929,128,584**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 13 - विक्रय / सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय	-	-
ख) कच्चे माल का विक्रय	-	-
ग) रद्दी का विक्रय	-	-
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवा	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ङ) अस्पताल प्राप्तियां (सी.एन.सी. मुख्य)	69,123,455	61,442,379
च) अस्पताल प्राप्तियां (गामा नाईफ)	-	-
छ) अस्पताल प्राप्तियां (एंजियो रोगी खाता)	-	-
ज) अस्पताल प्राप्तियां (सी. टी. रोगी खाता)	-	-
झ) अस्पताल प्राप्तियां (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	-	-
ञ) रोगी उपचार सी. जी. एच. एस.	1,761,960	590,686
ट) अन्य (विशेष) संदिग्ध प्राप्ति	-	-
कुल	**70,885,415**	**62,033,065**

अनुसूची 14 - अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त) - एम्स मुख्य के माध्यम से		
1) केन्द्र सरकार	-	-
राजस्व सामान्य (योजना)		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	-
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	-	-
गैर - योजना		
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	764,000,000	575,286,978
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	2,728,000,000	2,515,366,000
सहायता अनुदान (एसएपी) - हृ. व. केन्द्र	-	-
सहायता अनुदान (एसएपी) - एनएससी	-	-
2) राज्य सरकारें		-
3) सरकारी एजेंसियां	-	-
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय	-	-
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**3,492,000,000**	**3,090,652,978**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 15 – शुल्क / अभिदान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक फीस / अभिदान	-	-
3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस	-	-
4) परामर्श फीस	-	-
5) टेंडर फीस	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखांकन नीतियां प्रकट की जानी हैं		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि के निवेश पर आय)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	-	-	-	-
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3) किराया	-	-	-	-
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**
टिप्पणी : उद्दिष्ट / अक्षय निधि में अंतरित				

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 17 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) रॉयल्टी से आय	-	-
2) प्रकाशन से आय	-	-
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) अवधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास (हृ. तं. कैंद्र मुख्य)	29,093,970	10,771,488
अनुसूचित बैंकों के पास (गामा नाइफ)	16,746,881	9,651,831
अनुसूचित बैंकों के पास (एंजियो रोगी खाता)	5,538,841	6,890,294
अनुसूचित बैंकों के पास (सी. टी. रोगी खाता)	2,677,133	-
अनुसूचित बैंकों के पास (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	1,113,232	2,192,180
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास	-	-
ग) संस्थानों के पास	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत खाते पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	-	-
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास	-	-
ग) संस्थानों के पास	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	1,981,442	1,589,524
ख) अन्य	-	-
4) देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज	-	-
कुल	**57,151,499**	**31,095,317**
टिप्पणी: दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौती की गई		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 19 - अन्य आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय / परिसंपत्ति निपटाने पर लाभ		
क) निजी परिसंपत्ति	-	-
ख) अनुदान अथवा निशुल्क प्राप्त में से अर्जित परिसंपत्ति	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
क) परिसमापन क्षति	-	-
3) विविध सेवाओं के लिए फीस	-	-
4) विविध प्राप्ति	1,993,616	1,955,300
5) लाइसेंस फीस वसूली		-
कुल	**1,993,616**	**1,955,300**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 - तैयार वस्तुओं एवं कार्य - प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) समापन भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य - प्रगति पर	-	-
ख) न्यून: अथ भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य - प्रगति पर	-	-
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क-ख)	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) वेतन एवं मजदूरी (योजना)	469,488,108	457,760,909
ख) वेतन एवं मजदूरी (गैर - योजना)	2,162,118,642	1,960,558,586
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान	-	
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान - (एन.पी.एस.)	87,133,450	88,000,814
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय	-	-
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय	-	-
छ) यात्रा एवं वाहन व्यय	7,821,830	9,048,569
ज) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**2,726,562,030**	**2,515,368,878**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
श्रम एवं संसाधन व्यय	-	-
गाड़ी भाड़ा एवं आवक वाहन	-	-
कार्यालय अनुरक्षण व्यय	5,734,144	1,930,947
प्रतिनिधिमंडल शुल्क	-	-
गैस प्रभार	226,090	140,398
चालू वाहन एवं अनुरक्षण	731,450	709,206
डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	45,324	96,272
विज्ञापन	-	61,904
भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	42,954,315	47,069,551
मशीनरी की मरम्मत एवं अनुरक्षण	17,107,937	6,626,675
चालू वाहन एवं अनुरक्षण	-	
लघु कार्यों का अनुरक्षण	26,576,143	35,661,217
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	-	-
स्पेयर एवं सहयंत्र (हृ. व. केन्द्र)	32,798,832	
स्पेयर एवं सहयंत्र (तं. वि. केन्द्र)	60,148,578	-
व्यावसायिक प्रभार	-	-
पैकिंग प्रभार	-	-
भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय	-	-
वितरण व्यय	-	-
प्रतिभूति सेवाएं	55,481,496	32,707,217
कर्मचारी आउटसोर्सिंग प्रभार (बीईसीआईएल/सुलभ/एमआरटी आदि)	74,984,746	62,490,557
स्वच्छता सेवा (बी.वी.जी.)	51,264,394	52,003,350
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**368,053,449**	**239,497,294**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 (क) अग्रिमों का समायोजन	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
डीएवीपी का अग्रिम भुगतान	2,998,292	-
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**2,998,292**	**0**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 - सामग्री एवं आपूर्ति	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
सामग्री एवं आपूर्ति	400,215,957	338,217,902
जेएसएसके	1,993,270	-
अनुरक्षण और उपकरण के लिए उपयोगी उपभोज्य और अभिकर्मकों का व्यय	60,637,789	18723970
कुल	**462,847,016**	**356,941,872**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 24 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी: अनुदान / आर्थिक सहायता राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियां प्रकट की जाती हैं।		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 25 - ब्याज एवं वित्तीय व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) स्थायी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) बैंक प्रभार (हृ. तं. कें. मुख्य)	1,537	2,142
ग) बैंक प्रभार (गामा नाईफ)	1,357	734
ग) बैंक प्रभार (एंजियो रोगी खाता)	3,540	2,999
ग) बैंक प्रभार (सी. टी. रोगी खाता)	4,543	105,412
ग) बैंक प्रभार (तंत्रिका सर्जरी खाता)	3,277	6,465
ग) बैंक प्रभार (निर्धन रोगी खाता)	649	649
घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**14,903**	**118,401**

Mk- jktsanz izlkn dsanz

अ. भा. आ. सं.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31-03-2019 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2018-19**	**2017-18**
समग्र / पूंजीगत निधि	**1**	3606471076	3206471076
रिजर्व और अधिशेष	**2**	72101573	140295935
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	77148456	70273056
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**		
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**		
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**		
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**7**	29163997	11019679
कुल		**3784885102**	**3428059746**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	3293547341	2993197028
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**9**		
निवेश - अन्य	**10**		
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	491337761	434862718
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**3784885102**	**3428059746**

लेखा अधिकारी **प्रमुख, रा.प्र.कें.**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	**अनुसूची**	**2018-19**	**2017-18**
विक्रय / सेवाओं से आय (अस्पताल प्राप्तियाँ)	**12**	36551342	276391580
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	1330000000	1190000000
फीस / अभिदान	**14**		
निवेश से आय (निवेश में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**		
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**		
अर्जित ब्याज	**17**	8269995	4756665
अन्य आय	**18**	492743	153380
तैयार वस्तुओं एवं कार्य - प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**		
कुल (क)		**1375314080**	**1471301625**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	939015472	858476429
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	427437756	725128894
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	77055214	
ब्याज	**23**		
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत - समाप्त वर्ष पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**1443508442**	**1583605323**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		-68194362	-112303698
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक को उल्लिखित करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
अधिशेष / (कमी) होने वाले शेष को समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया		**1375314080**	**1471301625**

लेखा अधिकारी **प्रमुख, रा.प्र.कें.**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में) (राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
1. अथशेष			**1. व्यय**		
(क) नकद राशि	26500	26500	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	939015472	858476429
जमाः ऑडिट अवलोकन (ऑडिट मेमो नंबर 13/2) के अनुपालन में	3500	316189138	(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क में संगत)	424575638	713839008
कुल	**30000**				
			2. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान		
(ख) बैंक शेष			(क) गैर - रा. प्र. कें. स्कीम	20969581	11831155
(i) चालू खाते में	283651688		(ख) एस.ए.पी.	49004198	995802
न्यूनः ऑडिट अवलोकन (ऑडिट मेमो नंबर 13/2) के अनुपालन में	3500		(ग) रोगी उपचार खाते से व्यय		
कुल	**283648188**		i) वीआर किट (बैंक हस्तांतरण शुल्क सहित)	81859679	0
			ii) आईओएल किट	174127696	0
			3. निवेश एवं जमा किया गया		
2.प्राप्त अनुदान			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
(क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से			**4. मुख्य जीपीएफ अनुभाग को भुगतान**	14208334	
(i) सहायता अनुदान (योजना) (पूंजी परिसंपत्ति)	400000000	240000000	**5. रा. प्र. कें. अनुसंधान खातों में स्थानांतरण**	27055214	
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	400000000	350000000	**6. रा. प्र. कें. रोगी उपचार खातों में स्थानांतरण**	50000000	
(iii) सहायता अनुदान (वेतन)	930000000	840000000	**7. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी कार्य प्रगति पर व्यय**		
(iv) स्वच्छता कार्य योजना		50000000	(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	183471508	98990632
(v) सहायता अनुदान (सामान्य) (गैर-योजना)	0	0	(ख) सीमा शुल्क	30000000	
(ख) राज्य सरकार से			(ग) साख पत्र	169150628	45000000
			(घ) वाहन खरीद	1306694	
(ग) एनएसडीएल से प्राप्त एनपीएस राशि	33282385		(ङ) फर्नीचर एवं फिक्स्चर	20430	85882779
(घ) अन्य स्रोतों (रा. प्र. कें. अनुसंधान परियोजना) से	18535561	23833839	**8. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
रा. प्र. कें. रोगी उपचार खाते हेतु मुख्य रा. प्र. कें. से स्थानांतरण राशि	50000000		(क) भारत सरकार को		
रा. प्र. कें. अनुसंधान खाते हेतु मुख्य रा. प्र. कें. से स्थानांतरण राशि	27055214				
3.निवेश पर आय द्वारा			(ख) राज्य सरकार को		
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			(ग) निधि की व्यवस्था अन्य को		
(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)					
टीएफआर			**9.वित्त प्रभार (ब्याज)**	0	0
एफडी			**एन.ई.एफ.टी. प्रभार**	7061	8576
4. प्राप्त ब्याज			बैंक प्रभार (रा. प्र. कें. रोगी उपचार खाता)	18959	794
(क) बैंक जमा पर	7915922	4294722	बैंक प्रभार (रा. प्र. कें. अनुसंधान परियोजना खाता)	1097	
(ख) रोगी उपचार खाते पर अर्जित ब्याज	1392310				
(ग) अनुसंधान परियोजना पर अर्जित ब्याज	1066695		**10.अन्य भुगतान**		
(घ) ऋण, अग्रिम आदि			एन.आई.ए.एफ.	148213	74587
कार	40000	101116	बयाना राशि जमा की वापसी	5384176	3506072
एचबीए	308117	331441	**कर्मचारी वसूली भुगतान**		
कंप्यूटर	5956	29386	एम्स (मुख्य) के लिए कर्मचारी प्रेषित से वसूलियां	5971254	5983346
त्यौहार		0	बाह्य वसूलियां	154425093	125038919
			iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	83378947	71174550

5. अन्य आय			iv) एन.पी.एस. से वसूली	17692641	17354550
(i) अस्पताल प्राप्तियां	35608158	275116497	v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)	290471	549815
(ii) रोगी उपचार खाता प्राप्तियां	235192233				
(ii) विविध प्राप्तियां	492743	153380			
6. उधार ली गई राशि			**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
			सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु भुगतानित अग्रिम	0	0
7. कोई अन्य प्राप्ति			कंप्यूटर अग्रिम		150000
(क) एन.आई.ए.एफ.	248705	113360	त्यौहार अग्रिम	0	0
(ख) बयाना राशि जमा	2932938	1671000	वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)	5872542	4462203
(ग) कर्मचारी वसूली			वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)	1812004	1860111
i) कर्मचारियों से वसूलियां	5971254	5983346			
ii) बाह्य वसूलियां	154425093	125038919			
iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	83378947	71174550			
iv) एन.पी.एस. से वसूली	17692641	17354550	**11.अंतशेष**		
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)	290471	549815	(क) नकद राशि	32500	26500
			(ख) बैंक शेष		
ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां / वसूली			(i) चालू खाते में	201260596	283651688
कार अग्रिम वसूली		1239	(ii) जमा खाते में		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	123500	87000	(iii) रोगी उपचार खाता	30578209	
भवन निर्माण अग्रिम वसूली		4804	(iv) रा. प्र. कें. अनुसंधान खाता	25686792	
त्यौहार अग्रिम वसूली	4050	480600			
वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)	5872542	4462203			
वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)	1812004	1860111			
कुल	**2697325627**	**2328857516**	**कुल**	**2697325627**	**2328857516**

लेखा अधिकारी **प्रमुख, रा.प्र.कें.**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**2018-19**		**2017-18**	
वर्ष के प्रारंभानुसार शेष	3206471076		2966471076	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	400000000		240000000	
न्यून: वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	0	3606471076	0	3206471076
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**3606471076**		**3206471076**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:	**वर्तमान वर्ष**		**पिछले वर्ष**	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार	140295935		252599633	
वर्ष के दौरान जमा	-68194362	72101573	-112303698	140295935
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल	0	**72101573**	**0**	**140295935**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**रोगी उपचार खाता**	**स्कीम गैर-रा. प्र. केंद्र**		**कुल**	
		स्कीम गैर-रा. प्र. केंद्र	एसएपी*	2018-19	2017-18
क) निधियों का अथशेष	0	21268858	49004198	0	82594034
ख) निधियों में जमा:	285192233	27055214			
i. दान / अनुदान		17592377		0	0
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	1392310	1066695			
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)					0
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय					
कुल (क+ख)	**286584543**	**66983144**	**49004198**	**402571885**	**82594034**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय					
i. पूंजीगत व्यय					
- स्थायी परिसंपत्ति					
- अन्य					
ii. राजस्व व्यय					
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि					
- किराया					
- अन्य प्रशासनिक व्यय		20431856	49004198		12320978
- रोगियों हेतु किट पर व्यय	255987375				
कुल	**255987375**	**20431856**	**49004198**	**325423429**	**12320978**
कुल (ग)	**255987375**	**20431856**	**49004198**	**325423429**	**12320978**
वर्ष समाप्ति (क+ख-ग) के अनुसार शुद्ध शेष	30597168	46551288	0	**77148456**	**70273056**

* स्वच्छता कार्य योजना

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2018-19**		**2017-18**	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) अर्जित ब्याज एवं देय				
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2018-19**	**2017-18**
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**2018-19**		**2017-18**	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता:				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य (इंजी. बकाया)	1421013	1421013		
3. सरकारी एजेंसियों के रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ				
अथशेष	1555040		1516267	
वर्ष के दौरान प्राप्त	248705		113360	
वर्ष के दौरान व्यय	148213	1655532	74587	1555040
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.		827		827
5. अर्जित ब्याज परन्तु निम्न पर देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
7. प्रतिभूति जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	9236734		11071806	
वर्ष के दौरान प्राप्त	2932938		1671000	
वर्ष के दौरान वापस	5384176	6785496	3506072	9236734
6. अन्य वर्तमान देयताएं		227078		227078
9. एम्स (मुख्य) को छूट दी जाने वाली एनपीएस के लिए राशि		0		0
अथशेष	33282385			
न्यून: एम्स (मुख्य) के लिए प्रेषित	14208334	19074051		0
10. सीमा शुल्क का भुगतान भंडार (डी.ओ.) के लिए किया जाएगा	0	0		
अथशेष	0			
न्यून: अनुसंधान एम्स (मुख्य) के लिए प्रेषित	0	0		0
कुल (क)		**29163997**		**11019679**

ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटी / दावा				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**29163997**		**11019679**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति	**सकल ब्लॉक**				**अवमूल्यन**				**शुद्ध ब्लॉक**	
	विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार
क.	**स्थायी परिसंपत्तिः**										
1	भूमिः										
	क) पूर्ण स्वामित्व										
	ख) पट्टे पर										
2	भवनः										
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	233443859	0	0	233443859	0	0	0	0	233443859	233443859
	ख) पट्टे पर भूमि पर										
	ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
	घ) भूमि पर अधिरचना इकाई से संबंधित नहीं										
3	संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	2733879503	299023189	0	3032902692	0	0	0	0	3032902692	2733879503
4	वाहन	7689572	1306694	0	8996266	0	0	0	0	8996266	7689572
5	फर्नीचर, उपस्कर	18184094	20430	0	18204524	0	0	0	0	18204524	18184094
6	कार्यालय उपकरण										
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स										
8	विद्युत संस्थापन										
9	पुस्तकालय पुस्तकें										
10	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11	अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
	वर्तमान वर्ष का कुल	2993197028	300350313	0	3293547341	0	0	0	0	**3293547341**	**2993197028**
	पिछले वर्ष										
ख.	**पूंजीगत कार्य प्रगति पर**										
	कुल										

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2018-19**	**2017-18**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश-अन्य	**2018-19**	**2017-18**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

			(राशि रुपयों में)			
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि			**2018-19**		**2017-18**	
क. **वर्तमान परिसंपत्ति:**						
1. खरीद हेतु अग्रिम						
	क) मशीनरी एवं उपकरण विदेशी खरीद	अथशेष	109002733		48591168	
		वर्ष के दौरान जमा	169150628		85882779	
		वर्ष के दौरान समायोजित	85882779	192270582	25471214	109002733
	ख) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	10658362		21432899	
		वर्ष के दौरान जमा	0		0	
		वर्ष के दौरान समायोजित	876263	9782099	10774537	10658362
	ग) स्टॉक-इन-ट्रेड					
	तैयार वस्तुएं					
	कार्य-प्रगति					
	कच्चा माल					
2. विविध देनदार:						
	क) छः माह से अधिक अवधि हेतु बकाया ऋण			76253		76253
	ख) अन्य					
3.हाथ में नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				32500		26500
4. बैंक शेष:						
	क) अनुसूचित बैंकों के पास:					
	चालू खाते में			201260596		283651688
	रोगी उपचार खाता			30578209		0
	आरपीसी अनुसंधान खाता			25686792		0
	जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)					
	बचत खाते में					
	ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:					
	चालू खाते में					
	जमा खाते में					
	बचत खाते में					
5. पी.डी.ए. अग्रिम		अथशेष	350055		451865	
		वर्ष के दौरान समायोजित	8805	341250	101810	350055
6. सीमा शुल्क अग्रिम		अथशेष	30781224		0	
		वर्ष के दौरान जमा	30000000		40842978	
		वर्ष के दौरान समायोजित	29660097	31121127	10061754	30781224
				0		
कुल (क)				**491149408**		**434546815**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2018-19		2017-18	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण:				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
अथशेष	0			
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली	0	0		0
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
अथशेष	0			
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली	0	0		0
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
अथशेष	290000			
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली	123500			
जमा: वर्ष के दौरान जमा	0	166500		290000
iv) त्यौहार अग्रिम				
अथशेष	25903			
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली	4050			
जमा: वर्ष के दौरान जमा	0	21853		25903
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किये जाने के लिए मूल्य हेतु:				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) भुगतान पूर्व				
ग) अन्य				
3. अर्जित आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश - अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे:				
कुल (ख)		**188353**		**315903**
कुल (क+ख)		**491337761**		**434862718**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2018-19**	**2017-18**
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	35608158	275116497
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	943184	1275083
3. रद्दी माल का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**36551342**	**276391580**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**2018-19**	**2017-18**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1330000000	1190000000
2. राज्य सरकार(सरकारें)		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थान / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**1330000000**	**1190000000**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - फीस / अभिदान	**2018-19**	**2017-18**
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क 2. लाइसेंस शुल्क 3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क 4. परामर्श शुल्क 5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई.एच.एस.		
कुल	**0**	**0**

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	**2018-19**	**2017-18**	**2018-19**	**2017-18**
1. ब्याज क) सरकारी जमानतों पर ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र 2. लाभांष क) शेयरों पर ख) म्युचुअल फंड प्रतिभूतियों पर 3. किराया 4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित	**0**	**0**	**0**	**0**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2018-19**	**2017-18**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2018-19**	**2017-18**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	7915922	4294722
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	354073	461943
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्यों से ब्याज		
कुल	**8269995**	**4756665**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	**2018-19**	**2017-18**
1. विविध प्राप्ति	492743	153380
2. स्थापना प्राप्ति (स्कीम)		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**492743**	**153380**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार एवं कार्य - प्रगति में वृद्धि / (कमी)	**2018-19**	**2017-18**
क) समापन भंडार		
- तैयार वस्तुएं		
- कार्य प्रगति		
ख) न्यून: अथ भंडार		
- तैयार वस्तुएं		
- कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
वेतन एवं मजदूरी	910451812	833419749
भत्ते एवं बोनस		
यात्रा भत्ते	10871019	7702130
एन. पी. एस. के लिए अंशदान	17692641	17354550
अन्य निधि के लिए अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारीगण पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''		
अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**939015472**	**858476429**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2018-19**	**2017-18**
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	239132104	512653937
ख) गत वर्ष के दौरान भुगतान किए गए अग्रिम के बदले प्राप्त सामग्री	876263	10774537
ग) कार्यालय व्यय	7313374	5587028
घ) प्रतिभूतियां	35526612	33225168
ङ) अन्य बाह्य एजेंसी	14735314	13083037
च) प्रशासनिक प्रभार (अनुसंधान परियोजना)	537725	506773
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)	16781216	2500212
ज) बैंक प्रभार आरपीसी, रोगी उपचार खाता और अनुसंधान परियोजना	27117	8576
झ) एम्स आरपीसी रोगी उपचार खाते के लिए भुगतान	0	
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय	49770997	36212796
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	30974166	40065577
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी./ए.एम.सी.)		49047336
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	31762868	21463917
न) अप्राप्य एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)	0	0
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) बीमा		
य) विज्ञापन और प्रचार		
र) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)		
कुल	**427437756**	**725128894**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2018-19**	**2017-18**
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	239132104	512653937
ख) कार्यालय व्यय	7313374	5587028
ग) प्रतिभूतियां	35526612	33225168
घ) अन्य बाह्य एजेंसी	14735314	13083037
ङ) एसएपी भुगतान	0	
च) एम्स आरपीसी रोगी उपचार खाते के लिए भुगतान	0	
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)	16781216	2500212
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय	49770997	36212796
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	30974166	40065577
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)	0	49047336
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	30341855	21463917
न) अप्राप्य एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार / बैंक प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)	0	0
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)		
कुल	**424575638**	**713839008**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**2018-19**	**2017-18**
क) आरपीसी अनुसंधान खाते को दिया गया अनुदान	27055214	0
ख) आरपीसी रोगी उपचार खाते को दिया गया अनुदान	50000000	0
ग) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	**77055214**	0

अनुसूची 23 - ब्याज	**2018-19**	**2017-18**
क) स्थायी ऋणों पर		
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

Mkl- Hkhe jko vEcsMdj

laLFkku jksVjh

dSalj vLirky

अ. भा. आ. सं.

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन - पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
समग्र / पूंजी निधि	1	2,761,091,131	2,494,410,578
रिजर्व और अधिशेष	2	56,284,082	33,616,396
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	157,228,257	186,492,645
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	…..	……
चालू देयताएं एवं प्रावधान	7	9,796,232	3,912,820
कुल		2,984,399,702	2,718,432,439
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	2,380,561,426	2,139,140,027
निवेश - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	9	-	-
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	603,838,276	579,292,412
विविध व्यय (आय पर व्यय की अधिकता का शेष) (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		-	-
कुल		2,984,399,702	2,718,432,439
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	25		

लेखा अधिकारी

प्रमुख (डॉ. बीआरएआईआरसीएच)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष 2018-19 समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
			-
विक्रय / सेवाओं से आय	12	25,275,987	23,839,849
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	1,571,296,695	1,247,043,000
फीस / अभिदान	14		-
निवेश से आय (निधियों के लिए अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	15		-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16		
अर्जित ब्याज	17	6,696,406	3,401,586
अन्य आय	18	-	98,457
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	19	-	-
कुल (क)		1,603,269,088	1,274,382,892
व्यय			
स्थापना व्यय	20	905,629,239	777,928,149
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	674,972,163	483,403,648
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22	-	-
ब्याज	23		-
अवमूल्यन (वर्ष समाप्ति पर शुद्ध योग - अनुसूची 8 के संगत)			-
कुल (ख)		1,580,601,402	1,261,331,797
व्यय पर आय की अधिकता के कारण होने वाला शेष (क-ख)		22,667,686	13,051,095
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			-
अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष (आय एवं व्यय में समायोजित)		22,667,686	13,051,095
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	25		

लेखा अधिकारी

प्रमुख (डॉ. बीआरएआईआरसीएच)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए तुलन - पत्र

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18	भुगतान	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
I. अथशेष			**I. व्यय**		
(क) नकद राशि			क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	905,629,239	777,928,149
(ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	674,972,163	483,403,648
(i) चालू खाते में	208,495,385	110,442,002	ग) जीएफपी को एनपीएस राशि हस्तांतरित	5,476,603	
(ii) जमा खाते में	30,000,000	36,000,000	**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
			क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
(क) एनसीआई झज्जर सहित एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			ख) आवर्ती निधियां		
(i) सहायता अनुदान (पूंजी परिसंपत्ति)	266,680,553	110,000,000	(i) आर. टी. आवर्ती निधि	-	-
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	911,296,695	782,043,000	(ii) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	-	
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	660,000,000	465,000,000	(iii) निर्धन रोगी खाता	107,355	459,969
(iv) स्वच्छता कार्य योजना	-	50,000,000	(iv) रोगी उपचार खाता	123,312,506	81,795,620
(ग) अन्य स्रोतों से-स्क्रैप बिक्री	217,120	402,000	(v) एचएमसीपीएफ खाता	1,568,212	2,955,648
			(vii) स्वच्छता कार्य योजना	35,910,080	9,412,238
II. निवेश पर आय से				-	….
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			**III. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी कार्य प्रगति पर व्यय**		
(ख) आवर्ती निधियां			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	163,646,279	65,124,243
(i) आर टी आवर्ती निधि	2,955,000	2,713,200	ख) एमएंडई के लिए अग्रिम	84,365,482	43,805,454
(ii) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	471,100	399,900	ग) सीमा शुल्क अग्रिम	20,000,000	1,000,000
(iii) निर्धन रोगी खाता	1,000,384	882,100			
(iv) रोगी उपचार खाता	125,710,793	115,921,900	**IV. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
(v) एचएमसीपीएफ खाता	-	3,000,000	क) भारत सरकार को		
एनएसडीएल से प्राप्त एनपीएस निधियां	12,870,015	-	ख) राज्य सरकार को		
			ग) निधि के अन्य प्रदाताओं के लिए		

III. ब्याज प्राप्त किया					
(क) बैंक जमा पर			**V. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
टी.डी.आर. पर ब्याज	6,696,406	3,401,586	(क) दान / अनुदान		
निर्धन रोगी खाते पर ब्याज	1,496,488	2,369,217	(ख) ईएमडी	1,875,000	6,214,000
रोगी उपचार खाते पर ब्याज			(ग) ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां		
(ख) ऋण एवं अग्रिम आदि			(i) वाहन अग्रिम	-	-
			(ii) कंप्यूटर अग्रिम	580,000	-
IV. अन्य आय (उल्लिखित)			(घ) जारी टीडीआर	-	-
(क) दान / अनुदान			(ङ) कर्मचारी से वसूली		-
(ख) अस्पताल प्राप्तियां	25,058,867	23,437,849	i) कर्मचारियों से वसूलियां		17,053,061
(ग) टी.डी.आर. जारी किया	-	-	ii) बाह्य वसूलियां		183,951,104
(घ) कर्मचारी से वसूली					
(i) अ. भा. आ. सं. वसूलियां					
(ii) बाह्य वसूलियां					
V. अन्य प्राप्तियां					
(क) धरोहर राशि जमा	365,000	4,236,000	**VI. अंतशेष**		
(ख) कर्मचारी से वसूली			क) नकद राशि	7,590	-
i) कर्मचारियों से वसूली	-	17,053,061	ख) बैंक शेष		
ii) बाह्य वसूलियां	-	183,951,104	i) चालू खाते में	205,977,449	208,495,385
			ii) जमा खाते में	30,000,000	30,000,000
VI. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां					
(i) वाहन अग्रिम	28,800	34,800			
(ii) कंप्यूटर अग्रिम	80,852	13,800			
(iii) त्यौहार अग्रिम वसूली	4,500	297,000			
कुल	**2,253,427,958**	**1,911,598,519**	**कुल**	**2,253,427,958**	**1,911,598,519**

लेखा अधिकारी

प्रमुख (डॉ. बीआरएआईआरसीएच)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	वर्तमान वर्ष 2018-19		पिछले वर्ष 2017-18	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		2,494,410,578		2,394,279,753
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	266,680,553		110,000,000	
न्यून: मशीनरी एवं उपकरण निराकृत	-		9,869,175	
न्यून: पूंजी में परिणत अतिरिक्त	-			
जमा / (कटौती): शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	-		-	
आय एवं व्यय लेखा से अंतरित		266,680,553	-	100,130,825
वर्ष के अंत तक के अनुसार शेष		2,761,091,131		2,494,410,578

	वर्तमान वर्ष 2018-19		पिछले वर्ष 2017-18	
अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:				
1. पूंजीगत रिजर्व:	….		….	
अंतिम लेखा के अनुसार	….		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		…….		……
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व:	…..		…..	
अंतिम लेखा के अनुसार	….		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		……		……
3. विशेष रिजर्व:	…..		…..	
अंतिम लेखा के अनुसार	…..		…..	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		…..		…..
4. सामान्य रिजर्व:	….		….	
अंतिम लेखा के अनुसार	-		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	-		(….)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		……..		……..
5. व्यय पर आय की अधिकता				
अंतिम लेखा के अनुसार	33,616,396		20,565,301	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	22,667,686		13,051,095	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		56,284,082		33,616,396
		-		……
कुल		56,284,082		33,616,396

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 उद्दिश्ट / विन्यास निधि	**निधि वार विवरण**						**कुल**	
	आर. टी. आवर्ती निधि	**चिकित्सा अर्बुद विज्ञान आवर्ती निधि**	**निर्धन रोगी खाता निधि**	**रोगी उपचार खाता निधि**	**एच.एम.सी. पी.एफ.**	**स्वच्छता कार्य योजना**	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछले वर्ष 2017-18**
क) निधि का अथशेष	8,865,723	2,764,119	4,701,421	127,727,556	1,846,064	40,587,762	186,492,645	109,387,803
ख) निधि में जमा:								
i दान / अनुदान	2,955,000	471,100	1,000,384	125,710,793	-	-	130,137,277	172,917,100
ii निधि के कारण किए गए निवेश से आय	-	-					-	
iii अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)			1,496,488		-		1,496,488	2,369,217
कुल (क+ख)	**11,820,723**	**3,235,219**	**7,198,293**	**253,438,349**	**1,846,064**	**40,587,762**	**318,126,410**	**284,674,120**
क) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय								
i पूंजीगत व्यय	-	-						
- स्थायी परिसंपत्ति	-	-						
- अन्य	-	-	107,355	123,312,506	1,568,212	35,910,080	160,898,153	88,769,237
कुल	-	-	**107,355**	**123,312,506**	**1,568,212**	**35,910,080**	**160,898,153**	**88,769,237**
ii राजस्व व्यय	-	-					-	9,412,238
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-					-	
- अन्य प्रशासनिक व्यय			-	-	-			
कुल	-	-	-	-				-
कुल (ग)	-	-	**107,355**	**123,312,506**	**1,568,212**	**35,910,080**	**160,898,153**	**98,181,475**
वर्ष समाप्ति के अनुसार (क+ख-ग) शुद्ध शेष	**11,820,723**	**3,235,219**	**7,090,938**	**130,125,843**	**277,852**	**4,677,682**	**157,228,257**	**186,492,645**

टिप्पणी
1. अनुदानों के साथ संलग्न शर्तों पर आधारित संगत शीर्ष के तहत प्रकटीकरण किया जाएगा।
2. केंद्रीय / राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को अलग अलग निधियों के रूप में दर्शाया जाना है और किसी भी निधियों के साथ मिश्रित नहीं होना चाहिए।

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	वर्तमान वर्ष 2018-19		पिछले वर्ष 2017-18	
			…..	
1. केंद्र सरकार			……	
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थान		…..		
क) सावधि ऋण		…..		
ख) अर्जित ब्याज एवं देय			……	
		……		
4. बैंक:		…….		
क) सावधि ऋण		……	……	
- अर्जित ब्याज एवं देय		…….	……	
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)			……	
- अर्जित ब्याज एवं देय			…….	
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां			……	
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार:	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
	….	…..
1. केंद्र सरकार	….	…..
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	….	…..
3. वित्तीय संस्थान	…..	
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण	…..	….
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	…	….
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	……	….
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	……	…..
7. सावधि जमा	…..	…..
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	…..	……
कुल		
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां ख) अन्य	…..	…..
कुल	…..	……
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान		वर्तमान वर्ष 2018-19		पिछले वर्ष 2017-18	
क. वर्तमान देयताएं					
1. स्वीकृति					
2. विविध ऋणदाता:					
क) वस्तुओं के लिए			……		……
ख) अन्य		…..		…..	
3. प्राप्त किए गए अग्रिम		…..	…..	…..	…..
4. अर्जित ब्याज परन्तु देय पर नहीं:			…..		…..
क) सुरक्षित ऋण / उधार					
ख) असुरक्षित ऋण / उधार		…..		…..	
		….		….	
5. सांविधिक देयताएं:					
क) अतिदेय					…..
एनएसडीएल से प्राप्त अन्य एनपीएस निधि	12870015			…..	
न्यून जीपीएफ 2018-19 में एनपीएस राशि स्थानांतरण	5476603	7,393,412		-	
न्यून: वर्ष के दौरान भुगतानित		-		-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं					
क) बैंक ओवर ड्राफ्ट (नकद बही के अनुसार)		-		-	
ख) ईएमडी / प्रतिभूति जमा				3,912,820	
अथशेष	3912820				
2018 -19 के दौरान जमा	365000				
न्यून: 2018-19 के दौरान भुगतान	1875000	2,402,820			
ग) एफडीआर जारी			9,796,232	-	3,912,820
कुल (क)			**9,796,232**		**3,912,820**
क. प्रावधान			…..		-
1. कराधान हेतु					
2. उपदान			……		
3. अधिवर्षिता / पेंशन					
4. संचित अवकाश नकदी					
5. ट्रेड वारंटी / दावा					
अन्य (निर्दिष्ट करें)			….		-
कुल (ख)			…..		-
कुल (क+ख)			**9,796,232**		**3,912,820**

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति:										
1. भूमि:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन:										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	339,060,768			339,060,768				-	339,060,768	339,060,768
ख) पट्टे वाली भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना इकाई से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	1,784,852,614	241,068,396	-	2,025,921,010				-	2,025,921,010	1,784,852,614
4. वाहन	3,563,988	-		3,563,988				-	3,563,988	3,563,988
5. फर्नीचर, उपस्कर	11,662,657	353,003		12,015,660				-	12,015,660	11,662,657
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें										
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
वर्तमान वर्ष का कुल	**2,139,140,027**	**241,421,399**	**-**	**2,380,561,426**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,380,561,426**	**2,139,140,027**
पिछले वर्ष	2,066,588,433	82,420,769	9,869,175	2,139,140,027					2,139,140,027	2,066,588,433

लेखा अधिकारी

(उपरोक्त सहित किराया खरीद आधार पर परिसंपत्तियों की लागत के अनुसार दी गई टिप्पणी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	….	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	….	
3. शेयर	….	
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	…..	
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	….	
6. अन्य (उल्लेख करें)	…..	
कुल	…..	

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
	….	
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	….	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	….	
3. शेयर	…..	
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	….	
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	….	
6. अन्य (उल्लेख करें)	….	
कुल	…..	

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**वर्तमान वर्ष 2018-19**		**पिछले वर्ष 2017-18**	
क. वर्तमान परिसंपत्ति:				
1. इन्वेंटर:				
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-		-	
ख) खुले औजार	-		-	
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड				
तैयार वस्तुएं	-		-	
कार्य-प्रगति	-		-	
कच्चा माल	-	-	-	-
2. विविध देनदार:				
क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-		-	
ख) अन्य		-	-	-
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)	7,590			
4. बैंक शेषः				
क) अनुसूचित बैंकों के पास:				
-चालू खाते में (आई.आर.सी.एच.)	98,451,346		64,220,344	
चालू खाते में (एन.सी.आई.)	31,470			
-चालू खाते में (रोगी उपचार खाता)	100,125,843		97,727,556	
-चालू खाते में (निर्धन रोगी खाता)	7,090,938		4,701,421	
-चालू खाते में (एच.एम.सी.पी.एफ.)	277,852		1,846,064	
-जमा खाते में (रोगी उपचार खाता) (एफडीआर)	30,000,000		30,000,000	
-जमा खाते में (आईआरसीएच) (एफडीआर)		-	40,000,000	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:				
-चालू खाते में	-		-	
-जमा खाते में	-		-	
-बचत खाते में	-		-	
	-	235,985,039	-	238,495,385
5. डाक घर बचत खाता				
कुल (क)		235,985,039		238,495,385

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष 2018-19		पिछले वर्ष 2017-18	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋणः				
क) स्टाफ - अथशेष	178,000		337,393	
वर्ष के दौरान जमा	580,000		186,207	
2018-19 के दौरान कम वसूली	114,152	643,848	345,600	178,000
ख) इकाई के उस सदृश गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य इकाईयां				
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)				
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु:				
क) पूंजीगत खाते में				
मशीनरी और उपकरण				
अथशेष	283,489,616		254,325,776	
जमा: वर्ष के दौरान जमा	84,365,482		43,805,454	
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजित	53,673,434	314,181,664	14,641,614	283,489,616
सीमा शुल्क / पीडीए अग्रिम				
अथशेष	54,503,411		56,158,323	
जमा: वर्ष के दौरान जमा	20,000,000		1,000,000	
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजित	24,101,686		2,221,621	
न्यून: पिछले वर्ष समायोजित	-	50,401,725	433,291	54,503,411
ख) एन.डी.एम.सी.		2,626,000		2,626,000
ग) अन्य	-	-	-	
3. अर्जित आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर	-		-	
ख) निवेश - अन्य पर	-		-	
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-		-	
घ) अन्य	-		-	
(अप्राप्य देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. वसूलनीय दावा	-	-	-	-
कुल (ख)		367,853,237		340,797,027
कुल (क+ख)		603,838,276		579,292,412

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - विक्रय / सेवाओं से आय	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछले वर्ष 2017-18**
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय		
ख) कच्चे माल का विक्रय		
ग) रद्दी की बिक्री	217,120	402,000
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	25,058,867	23,437,849
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	25,275,987	23,839,849

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछले वर्ष 2017-18**
(प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1) केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1,571,296,695	1,247,043,000
2) राज्य सरकार		
3) सरकारी एजेंसियां		
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन		
कुल	1,571,296,695	**1,247,043,000**

लेखा आधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - फीस / अभिदान	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
1) प्रवेश शुल्क		
2) वार्षिक फीस / सदस्यता		
3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस		
4) परामर्श फीस		
5) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		
टिप्पणी - प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं।		

अनुसूची 15 - निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश - अन्य**	
	वर्तमान वर्ष 2018-19	**पिछले वर्ष 2017-18**	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछले वर्ष 2017-18**
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	….	…..	…..	….
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र	…..	…..	…..	…..
2) लाभांश:				
क) शेयरों पर	…..	…..	…..	…..
ख) म्यूचुअल निधि प्रतिभूतियाँ	…..	…..	…..	…..
3) किराया	…..	…..	….	…..
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
1) रॉयल्टी से आय		
2) प्रकाशन से आय		
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स

अनुसूची 17 - ब्याज अर्जित	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
1) सावधि जमा पर:	6,696,406	3,401,586
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थाओं के पास		
घ) अन्य		
2) बचत खाते में:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3) ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4) देनदारों और अन्य वसूलनीय पर ब्याज		
कुल	6,696,406	3,401,586
टिप्पणी – दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौती की		

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछले वर्ष 2017-18**
1) परिसंपत्ति के विक्रय / निपटाने पर लाभ:		
क) निजी परिसंपत्ति		
ख) अनुदानों से अर्जित परिसंपत्ति अथवा निःशुल्क प्राप्त		
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
3) विविध सेवाओं हेतु फीस		
4) विविध - त्यौहार और कंप्यूटर अग्रिम के कारण समायोजन	-	98,457
कुल	-	98,457

अनुसूची 19 - तैयार वस्तु एवं कार्य - प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछले वर्ष 2017-18**
क) समापन स्टॉक		
- तैयार वस्तुएं		
- कार्य-प्रगति		
ख) न्यून: अथ स्टॉक		
- तैयार वस्तुएं		
- कार्य-प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)		

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछले वर्ष 2017-18**
क) वेतन एवं मजदूरी	890,450,458	769,236,293
ख) यात्रा भत्ता	15,178,781	8,691,856
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		…..
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान (उल्लिखित)	….	…..
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय	….	…..
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय	…	…..
छ) अन्य: वेतन और मजूदरी के लिए समायोजित अतिरिक्त त्यौहार अग्रिम		…..
कुल	905,629,239	777,928,149

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
क) खरीद (सामग्री और आपूर्ति)	420,321,204	247,231,797
ख) अभिकर्मक	79,038,583	50,350,546
ग) जनशक्ति की भर्ती	72,771,772	55,649,615
घ) लघु कार्य (इंजीनियरिंग)	12,006,115	29,133,516
ङ) स्वच्छता व्यय	6,328,894	24,542,293
च) भवन का अनुरक्षण	22,682,249	15,053,860
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)	17,128,957	11,214,734
ज) सीएएमसी	36,975,261	49,596,612
ज) अन्य (बताएं) आकस्मिकता बिल	7,719,128	630,675
कुल	**674,972,163**	**483,403,648**

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2018-19 हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान ख) संस्थानों / संगठनों की दी गई आर्थिक सहायता		
कुल		

टिप्पणी – अनुदानों / आर्थिक सहायताओं की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाता है।

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 – ब्याज	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
क) स्थायी ऋण पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

लेखा अधिकारी

t; idk'k ukjk;.k ,iDl

Vkek dn

अ. भा. आ. सं.

All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

Jai Prakash Narayan Apex Trauma Centre

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

BALANCE SHEET AS AT 31-03-2019

तुलन पत्र 31 मार्च, 2019 तक

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2018-19**	**2017-18**
समग्र / पूंजीगत निधि	1	3,080,668,244.00	2,982,352,665.00
रिजर्व एवं अधिशेष	2	162,126,645.00	153,940,082.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	26,958,208.00	45,730,055.00
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4		
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5		
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6		
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	46,214,776.00	37,468,957.00
कुल		**3,315,967,873.00**	**3,219,491,759.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	2,989,866,526.00	2,881,994,032.00
निवेश - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	9		
निवेश - अन्य	10		
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	326,101,347.82	337,497,727.00
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**3,315,967,873.82**	**3,219,491,759.00**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी | **प्रमुख, जेपीएनएटीसी**

All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

Jai Prakash Narayan Apex Trauma Centre

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2019

31-03-2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय और व्यय का खाता

(राशि रुपयों में)

आय	**अनुसूची**	**2018-19**	**2017-18**
बिक्री / सेवाओं से आय (अस्पताल प्राप्तियां)	**12**	32445169	10005887
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	1925166374	1656221458
फीस / अभिदान	**14**	0	0
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**		
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**16**		
ब्याज अर्जित	**17**	13752061	9845810
अन्य आय	**18**		0
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**		
कुल (क)		**1971363604**	**1676073155**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	1085166374	976221458
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	878010667	699219930
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**		
ब्याज	**23**		
अवमूल्यन (वर्ष समाप्ति पर शुद्ध योग - अनुसूची 8 के संगत)			
कुल (ख)		**1963177041**	**1675441388**
आय पर व्यय की अधिकता से होने वाला शेष (ख-क)		8186563	631767
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक को उल्लिखित करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र पूंजीगत निधि हेतु अग्रेषित शेष अधिशेष/(कमी)		**8186563**	**631767**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी **प्रमुख, जेपीएनएटीसी**

All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

Jai Prakash Narayan Apex Trauma Centre

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

RECEIPT AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED 31-03-2019

31-03-2019 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
1.अथशेष			**1. व्यय**		
(क) नकद राशि	4.00	-	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	1,085,166,374.00	976,221,458.00
(ख) बैंक शेष	206,493,093.00	153,162,465.00	(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क में संगत)	881,083,728.00	699,213,500.00
(i) चालू खाते में			आरटीजीएस शुल्क और अन्य बैंक शुल्क	4,956.00	6,430.00
(ii) जमा खाते में			**2. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
			(क) गैर - रा. प्र. कें. योजना		-
(iii) बचत खाते में			(ख) एस.ए.पी.	19,101,847.00	4,311,595.00
			3. निवेश एवं जमा किए गए		
2.अनुदान प्राप्त किया			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से			(ख) निजी निधि में से (निवेश - अन्य)		
(i) सहायता अनुदान (योजना) (वेतन)	1,085,166,374.00	980,000,000.00			
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	840,000,000.00	680,000,000.00			
(iii) सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्तियां)	138,646,715.00	225,000,000.00	**4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य - प्रगति पर व्यय**		
(iv) स्वच्छता कार्य योजना	-	50,000,000.00	(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	120,575,138.00	60,999,150.00
(v) आयुष मंत्रालय से अनुदान	330,000.00	-	(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
(b) राज्य सरकार से			(ग) सीमा शुल्क	5,000,000.00	-
			(घ) साख पत्र	13,071,577.00	114,097,564.00
ग) अन्य स्रोतों से (स्कीम)		-	**5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
			(क) भारत सरकार को	-	53,681,828.00
3. निवेश पर आय द्वारा			(ख) राज्य सरकार को		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			(ग) अन्य निधि दाताओं को		
ख) निजी निधि (अन्य निवेश)					
			6. वित्त शुल्क (ब्याज)		-
			एन.ई.एफ.टी. शुल्क		-
4.प्राप्त किया गया ब्याज					
(क) बैंक जमा पर	13,752,061.00	9,845,810.00	**7. अन्य भुगतान**		
(ख) ऋण, अग्रिम आदि			एन.आई.ए.एफ.		-
कार		-	बयाना राशि जमा की वापसी	4,590,000.00	2,778,000.00
भवन निर्माण अग्रिम		-	**कर्मचारी वसूली भुगतान**		
कंप्यूटर		-	कर्मचारियों से वसूली राशि एम्स (मुख्य) को प्रेषित		-
स्कूटर		-	बाह्य वसूलियां		-

			iii) जी.पी.एफ. (अभिदान और अग्रिम)		-
5. अन्य आय			iv) एन.पी.एस. से वसूली		-
(i) अस्पताल प्राप्तियां	32,416,584.00	10,005,887.00	v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)		-
ii) शुल्क	28,585.00	-			
6. उधार ली गई राशि			**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
			सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु अग्रिम भुगतान		-
7. कोई अन्य प्राप्तियां			कंप्यूटर अग्रिम		-
(क) एन.आई.ए.एफ		-	त्यौहार अग्रिम		
(ख) धरोहर राशि जमा	3,838,000.00	2,881,000.00	वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)		-
(ग) कर्मचारियों से वसूली			वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)		-
i) कर्मचारियों से वसूली (त्यौहार)		-			
ii) बाह्य वसूलियां		-	सी.टी.आर.एफ.		2,796,410.00
iii) जी.पी.एफ. (अभिदान और अग्रिम)		-	ए.आई.टी.एस.सी.		175,227.00
iv) एन.पी.एस. वसूली		-	परियोजना		7,347,777.00
v) एनएसडीएल से प्राप्त एनपीएस निधि	4,550,190.00	-	रोगी व्यय	2,062,320.00	1,609,910.00
			ए.टी.एल.एस.		-
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली					-
कार अग्रिम वसूली		-	**8. अंतशेष**		-
कंप्यूटर अग्रिम वसूली		-	(क) नकद राशि	-	4.00
भवन निर्माण अग्रिम वसूली		-	(ख) बैंक शेष	-	-
त्यौहार अग्रिम वसूली	-	166,500.00	(i) चालू खाते में	204,653,632.82	206,493,093.00
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)		-	(ii) जमा खाते में		
वसूली / कटौती (इंजी. कार्यों के अलावा)		-	(iii) बचत खाते में		
ए.आई.टी.एस.सी.	-	151,620.00			
सी.टी.आर.एफ.	-	2,880,410.00			
रोगी प्राप्तियां / अनुदान	4,714,260.00	2,730,000.00			
ए.टी.एल.एस.	-	-			
आर.आई.ए. लैब	-	-			
परियोजना	-	-			
रद्द चैक	5,373,706.00	-			
एम एंड ई देयताएं		9,830,237.00			
इंजी. देयताएं		3,078,017.00			
कुल	**2,335,309,572.00**	**2,129,731,946.00**	**कुल**	**2,335,309,572.82**	**2,129,731,946.00**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी **प्रमुख, जेपीएनएटीसी**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**2018-19**		**2017-18**	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	2982352665		2856911795	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	138646715		175096714	
न्यून: वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	40331136	3080668244	49655844	2982352665
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**3080668244**		**2982352665**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेषः	**वर्तमान वर्ष**			
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार	153940082		153308315	
वर्ष के दौरान जमा	8186563		631767	153940082
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल		**162126645**	0	**153940082**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	गैर ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र स्कीम			गैर ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र स्कीम		कुल	
	आर.आ ई.ए. लैब	एस.ए.पी.	आयुष	आर.आई.ए. लैब	एस.ए.पी.	2018-19	2017-18
क) निधियों का अथशेष	41650	45688405		41650	0	45730055	41650
ख) निधियों में जमा:							
i. आयुष से दान / अनुदान	0	0	330000	0	50000000		50000000
ii. निधि खाते में किए गए निवेशों से आय				0			
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)							
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय							
कुल (क+ख)	**41650**	**45688405**	**330000**	**41650**	**50000000**	**45730055**	**50041650**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय							
i. पूंजीगत व्यय							
- स्थायी परिसंपत्ति		19101847			4311595		4311595
- अन्य							
ii. राजस्व व्यय							
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि							
- किराया							
- अन्य प्रशासनिक व्यय				0	0		0
कुल		19101847		**0**	**4311595**	**1910847**	**4311595**
कुल (ग)		**19101847**		**0**	**4311595**	**1910847**	**4311595**
वर्ष समाप्ति (क+ख-ग) के अनुसार नेट शेष	41650	26586558	330000			**26958208**	**45730055**

* स्वच्छता कार्य योजना

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2018-19**		**2017-18**	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण				
- ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)				
- ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2018-19**	**2017-18**
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. मियादी जमा		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखने के द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**2018-19**		**2017-18**	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता:				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य				
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ				
अथशेष			0	
वर्ष के दौरान प्राप्त			0	
वर्ष के दौरान व्यय			0	0
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.				0
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
7. जमानत जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	9813968		9710968	
वर्ष के दौरान प्राप्त	3838000		2881000	
वर्ष के दौरान धन वापसी	4590000	9061968	2778000	9813968
8. अन्य वर्तमान देयताएं		37152808		24576972
9. एम्स (मुख्य) को दी जाने वाली वसूलियों के लिए राशि				0
अथशेष	3078017		0	
जमा: वर्ष के दौरान सृजित	0		3078017	
न्यून: एम्स (मुख्य) को प्रेषित	3078017	0	0	3078017
10. भंडार (डी.ओ.) को भुगतान किया जाने वाला सीमा शुल्क			0	0
अथशेष			0	
न्यून: एम्स (मुख्य) को प्रेषित			0	0
कुल (क)		**46214776**		**37468957**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटी / दावा				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**46214776**		**37468957**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत /मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार
क.	**स्थायी परिसंपत्ति:**										
1	भूमि:										
	क) पूर्ण स्वामित्व	54310794			54310794					54310794	54310794
	ख) पट्टे पर										
2	भवन:										
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	689076549	0	0	689076549	0	0	0	0	689076549	689076549
	ख) पट्टे की भूमि पर										
	ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
	घ) भूमि पर अधिरचना जो केन्द्र से संबंधित नहीं										
3	संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	2114916592	144869903	40331136	2219455359	0	0	0	0	2219455359	2114916592
4	वाहन	8395972	0	0	8395972	0	0	0	0	8395972	8395972
5	फर्नीचर, फिक्सचर	15294125	3333727	0	18627852	0	0	0	0	18627852	15294125
6	कार्यालय उपकरण										
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स										
8	विद्युत संस्थापन										
9	पुस्तकालय की पुस्तकें										
10	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11	अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
	वर्तमान वर्ष का कुल	**2881994032**	**148203630**	**40331136**	**2989866526**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2989866526**	**2881994032**
ख.	**पूंजीगत चालू कार्य**										
	कुल										

वर्ष के दौरान संपत्ति (एम एंड ई) की खरीद	***राशि***
प्राप्तियों और भुगतान खाते के अनुसार वर्ष के दौरान संपत्ति	*138,646,715.00*
न्यून- वर्ष के दौरान खरीदे गए फर्नीचर	*3,333,727.00*
न्यून- वर्ष के दौरान एल.सी. मार्जिन (अनुसूची 11 में पृथक रूप से दिखाया गया है)	13,071,577.00
न्यून- वर्ष के दौरान मशीनरी एवं उपकरण देय को स्पष्ट रूप से	-
न्यून-वर्ष के दौरान सीमा शुल्क निगमन	5,000,000.00
	117,241,411.00
जमा- वर्ष के दौरान समायोजित सीमा शुल्क निगमन	27,386,132.00
जमा- वर्ष के दौरान समायोजित पीडीए निगमन	242,360.00
वर्ष के दौरान खरीदी गई शुद्ध संपत्ति (एम एंड ई)	**144,869,903.00**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2018-19**	**2017-18**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	**2018-19**	**2017-18**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		
कुल	0	0

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

			(राशि रुपयों में)	
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**2018-19**		**2017-18**	
क. **वर्तमान परिसंपत्ति:**				
1. खरीद हेतु अग्रिम				
क) मशीनरी एवं उपकरण विदेशी खरीद — अथशेष	76007023		5424582	
वर्ष के दौरान जमा	13071577		114097564	
वर्ष के दौरान समायोजित		89078600	43515123	76007023
ख) सामग्री एवं आपूर्ति — अथशेष			0	
वर्ष के दौरान जमा			0	
वर्ष के दौरान समायोजित			0	0
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड				
तैयार वस्तुएं				
चालू कार्य				
कच्चा माल				
2. विविध देनदार:				
क) छः माह से अधिक अवधि हेतु बकाया ऋण				0
ख) अन्य				
3. हाथ में नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				4
4. बैंक शेष:				
क) अनुसूचित बैंकों के पास:				
चालू खाते में		204653632.8		206493093
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)				
बचत खाते में				
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:				
चालू खाते में				
जमा खाते में				
बचत खाते में				
5. पी.डी.ए. अग्रिम — अथशेष	7951625		8006705	
वर्ष के दौरान समायोजित	242360	7709265	55080	7951625
6. सीमा शुल्क अग्रिम — अथशेष	32062302		36984897	
वर्ष के दौरान जमा	5000000		0	
वर्ष के दौरान समायोजित	27386132	9676170	4922595	32062302
7. अन्य				
(क) एच.एस.सी.सी.		6500000		6500000
(ख) एन.डी.एम.सी.		5979000		5979000
(ग) आई.जी.एल.		1334680		1334680
(घ) टी.आर.आई.जी.ई.एन.		1170000		1170000
कुल (क)		**326101347.8**		**337497727**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2018-19		2017-18	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण:				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
अथशेष			0	
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली			0	0
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
अथशेष			0	
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली			0	0
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
अथशेष			0	
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली			0	
जमा: वर्ष के दौरान जमा			0	0
iv) त्यौहार अग्रिम				
अथशेष			159150	
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली			159150	
जमा: वर्ष के दौरान जमा			0	0
2. अग्रिम एवं अन्य नकद में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किये जाने वाले मूल्य के रूप में वसूली-योग्य राशिः				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य				
3. प्रोद्भूत आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश - अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे:				
कुल (ख)				**0**
कुल (क+ख)				**337497727**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2018-19**	**2017-18**
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	32445169	10005887
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	0	0
3. एनएसडीएल कर्मचारी का शेयर	0	
4. एनएसडीएल कर्मचारी का शेयर	0	
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें) शुल्क	0	
कुल	**32445169**	**10005887**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**2018-19**	**2017-18**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1925166374	1656221458
2. राज्य सरकार (रों)		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थानों / कल्याण निकायों		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठनों		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें) आयुष मंत्रालय से अनुदान	0	
कुल	**1925166374**	**1656221458**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क				
2. लाइसेंस शुल्क				
3. सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क			0	0
4. परामर्श शुल्क				
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई. एच. एस.				
कुल			**0**	**0**

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से निवेश पर आय)	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश				
क) शेयरों पर				
क) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / अक्षय निधियों में अंतरित	**0**	**0**	**0**	**0**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2018-19**	**2017-18**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		0

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2018-19**	**2017-18**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	13752061	9845810
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		0
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्यों से ब्याज		
कुल	**13752061**	**9845810**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 18 - अन्य आय	**2018-19**	**2017-18**
1. विविध प्राप्ति		0
2.स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		**0**

अनुसूची 19 - तैयार सामग्री के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**2018-19**	**2017-18**
क) समापन स्टॉक		
-तैयार सामग्री		
-चालू कार्य		
ख) न्यून: अथ स्टॉक		
-तैयार सामग्री		
-चालू कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)		0

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
वेतन एवं मजदूरी	1081937255	973583321
भत्ते एवं बोनस		
यात्रा भत्ते	3229119	2638137
एनपीएस में अंशदान		0
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)		
कर्मचारी कल्याण व्यय		
कर्मचारीगण पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''		
अन्य (एन.पी.एस. एवं एलएसपीसी)		
कुल	**1,085,166,374.00**	**976221458**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2018-19**	**2017-18**
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	489153948	383285939
ख) पिछले वर्षो के दौरान भुगतान किए गए अग्रिम से प्राप्त सामग्री		0
ग) कार्यालय व्यय		0
घ) प्रतिभूतियां	68571200	53231411
ङ) अन्य बाह्य एजेंसी	100782470	97868920
च) प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)		0
छ) इंजीनियरिंग अनुरक्षण	191553312	129284145
ज) बैंक प्रभार	4956	6430
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय		0
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	3144063	14482030
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी./ए.एम.सी.)		0
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		0
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		0
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) बीमा		
य) विज्ञापन एवं प्रचार		
र) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	24800718	21061055
कुल	**878010667**	**699219930**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

nar f'k{kk ,oa vuqla/kku dsanz

अ. भा. आ. सं.

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
समग्र / पूंजीगत निधि	**1**	630,151,200	610,062,779
रिजर्व और अधिशेष	**2**	30,507,482	23,423,070
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	52,325,359	53,868,326
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**7**	7,773,112	12,023,656
कुल		**720,757,153**	**699,377,831**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	623,297,295	602,573,055
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**9**	-	-
निवेश - अन्य	**10**	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	97,459,858	96,804,776
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**720,757,153**	**699,377,831**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**24**	-	-
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	**25**		

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

प्रमुख, सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
अस्पताल प्राप्तियां	**12**	2183330	2,310,620
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	192435117	153,497,549
शुल्क / अभिदान	**14**	-	-
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**	-	-
अर्जित ब्याज	**17**	3837361	1,072,525
अन्य आय	**18**	219801	76,288
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**19**	-	-
कुल (क)		**198675609**	**156,956,982**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	64935117	50997549
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	126630245	104,759,531
अग्रिम का समायोजन	**21 (क)**	23420	
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	-	-
ब्याज	**23**	2415	2685
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत - समाप्त वर्ष पर शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**191591197**	**155,759,765**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		7084412	1,197,217
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक को उल्लिखित करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष / (कमी)			
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**24**		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	**25**		

प्रमुख, सीडीईआर

(लेखा अधिकारी) **सीडीईआर**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु प्राप्तियां एवं भुगतान

प्राप्तियां		2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
1. **अथशेष**				**I. व्यय**		
(क) नकद राशि		5000	5000	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	64935117	50997549
(ख) बैंक शेष				(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 क)	126630245	104759531
i) चालू खाते में		87038803	36489313			
ii) जमा खाते में		-	-			
iii) बचत खाते में		-	-			
2. प्राप्त अनुदान				**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
(क) भारत सरकार से (एम्स मुख्य के माध्यम से)				भारतीय दंत परिषद	21000	-
पूंजीगत (परिसंपत्तियां नई)				रोगी उपचार निधि	1475478	823580
सहायता अनुदान (योजना)	30000000			परियोजना एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू.	-	99720
(एम्स मुख्य को वापस)	9911579	20088421	27623687	परियोजना एन.ओ.एच.पी.	3876581	381436
राजस्व सामान्य				परियोजना पी.आई.टी. और एफ.आई.एस.एस.यू.आर.ई	330950	151103
क) सहायता अनुदान (वेतन)	65500000			परियोजना एस.यू.जी.ए.आर.	3000	5769
(एम्स मुख्य को वापस)	564883	64935117	50997549	परियोजना वेब और मोबाइल ऐप	-	3550000
				कार्यशाला मसौदा नीति	18177	-
ख) सहायता अनुदान (सामान्य)		127500000	102500000	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	2709125	2053027
ग) राज्य सरकार से			-	डब्ल्यू.एच.ओ.	9435	-
घ) अन्य स्रोतों से		-	-	डब्ल्यू.एच.ओ. (एम.ओ.ओ.सी.)	-	-
ङ) विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान		-	-	**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
विभिन्न परियोजनाओं हेतु प्राप्त निधि				क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		-
भारतीय दंत परिषद		21000		ख) निजी निधि में से (निवेश - अन्य)	-	-
रोगी उपचार निधि		1509200	1202580			
परियोजना एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू.		-	99720	**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी चालू कार्य पर व्यय**		
परियोजना एन.ओ.एच.पी.		4337440	1400000	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	14282562	23358742
परियोजना पी.आई.टी. और एफ.आई.एस.एस.यू.आर.ई		236914	252000	ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-

परियोजना एस.यू.जी.ए.आर.	-	42693	ग) साख पत्र	5805859	3902002
परियोजना वेब और मोबाइल ऐप	-	4391972			
कार्यशाला मसौदा नीति	300000	0	**V. अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी**		
स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	-	50000000	क) भारत सरकार को	-	-
डब्ल्यू.एच.ओ.	96225		ख) राज्य सरकार को	-	-
डब्ल्यू.एच.ओ. (एम.ओ.ओ.सी.)	400000		ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को	-	-
III. निवेश पर आय, द्वारा					
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि	-	-			
ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)	-	-	**VI. वित्त शुल्क (ब्याज)**	2415	2685
IV.प्राप्त ब्याज			**VII. अन्य भुगतान**		
क) बैंक जमा पर	3837361	1072525			
ख) ऋण, अग्रिम आदि			क) कर्मचारी वसूली	20687167	16344061
			ख) बाहय वसूली	1538030	727469
V. अन्य आय			ग) इंजी. वसूली	3347544	-
अस्पताल प्राप्ति	2183330	2310620	घ) आकस्मिक अग्रिम	-	25000
विविध प्राप्ति	219801	76288	ङ) ई.एम.डी.	1181000	2227000
VI. उधार ली गई राशि					
			VIII. अंतशेष		
VII. अन्य कोई प्राप्तियां			(क) नकद राशि	5000	5000
कर्मचारी वसूली	20687167	16344061	(ख) बैंक शेष		
बाहय वसूली	1538030	727469	i) चालू खाते में	88354704.02	87038803
इंजी. वसूली	-	-	ii) जमा खाते में	-	-
आकस्मिक अग्रिम	1580	-	iii) बचत खाता	-	-
ई.एम.डी.	278000	917000			
कुल	**335213389**	**296452477**	**कुल**	**335213389**	**296452477**

प्रमुख, सीडीईआर

(लेखा अधिकारी) सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	610,062,779	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि में अंशदान	20,088,421	610062779
न्यून: वर्ष के दौरान हटा दी गई अचल परिसंपत्ति		
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष	**630,151,200**	**610,062,779**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:		
1. पूंजीगत रिजर्व:		
पिछले खाते के अनुसार		
वर्ष के दौरान जमा		
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व		
पिछले खाते के अनुसार		
वर्ष के दौरान जमा		
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		
3. विशेष रिजर्व		
पिछले खाते के अनुसार		
वर्ष के दौरान जमा		
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		
4. सामान्य रिजर्व		
पिछले खाते के अनुसार	23,423,070	23423070
वर्ष के दौरान जमा	7,084,412	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		
कुल	**30,507,482**	**23423070**

(लेखा अधिकारी) सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	निधि वार विवरण										कुल	
	एन.ओ.एच.पी.	एस.ए.पी. निधि	एस.यू.जी.ए. आर. निधि	पिट एंड फिशर	वेब और मोबाइल ऐप परियोजना	रोगी उपचार	भारतीय दंत परिषद	डब्ल्यूएचओ	डब्ल्यूएचओ (एमओओसी)	कार्यशाला मसौदा नीति	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) निधि का अथशेष	4,562,560	47,946,973	36,924	100,897	841,972	379,000	-	-	-	-	53,868,326	3543996
ख) निधि में जमा:											-	
i. दान / अनुदान	4,337,440	-	-	236,914	-	1,509,200	21,000	96,225	400,000	300,000	6,900,779	57388965
ii. निधि के कारण किए गए निवेश से आय											-	
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)											-	
कुल (क+ख)	**8,900,000**	**47,946,973**	**36,924**	**337,811**	**841,972**	**1,888,200**	**21,000**	**96,225**	**400,000**	**300,000**	**60,769,105**	**60932961**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय												
i. पूंजीगत व्यय												
-स्थायी परिसंपत्ति											-	
-अन्य	-										-	
ii. राजस्व व्यय												
-वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि											-	
-किराया											-	
-अन्य प्रशासनिक व्यय	3,876,581	2,709,125	3,000	330,950	-	1,475,478	21,000	9,435	-	18,177	8,443,746	7064635
कुल												
कुल (ग)	**3,876,581**	**2,709,125**	**3,000**	**330,950**	**-**	**1,475,478**	**21,000**	**9,435**	**-**	**18,177**	**8,443,746**	**7,064,635**
वर्ष समाप्ति के अनुसार (क+ख-ग) शुद्ध शेष	**5,023,419**	**45,237,848**	**33,924**	**6,861**	**841,972**	**412,722**	**-**	**86,790**	**400,000**	**281,823**	**52,325,359**	**53,868,326**

टिप्पणी

1) अनुदान संबंधी शर्तों पर आधारित संगत शीर्ष के तहत तथ्यों का प्रकटीकरण किया जाएगा।

2) केंद्रीय / राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को अलग-अलग निधियों के रूप में दर्शाया जाना है और अन्य निधियों के साथ मिश्रित नहीं होना चाहिए।

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
इकाई का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – प्रतिभूत ऋण एवं उधार :	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
1. केंद्र सरकार 2. राज्य सरकार 3. वित्तीय संस्थाएं क) सावधि ऋण ख) अर्जित एवं देय ब्याज 4. बैंक : क) सावधि ऋण – अर्जित एवं देय ब्याज ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें) – अर्जित एवं देय ब्याज 5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां 6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स 7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय				

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
इकाई का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. केन्द्र सरकार 2. राज्य सरकार 3. वित्तीय संस्थाएं 4. बैंक : क) सावधि ऋण ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें) 5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां 6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स 7. सावधि जमा 8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय		

अनुसूची 6 – आस्थगित जमा देयताएं :	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां ख) अन्य		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय		

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान		
1. स्वीकृतियां		
2. विविध ऋणदाता:		
क) वस्तुओं हेतु		
ख) अन्य		
3. प्राप्त अग्रिम		
4. ब्याज प्रोद्भूत लेकिन निम्न पर देय नहीं:		
क) सुरक्षित ऋण / उधार		
ख) असुरक्षित ऋण / उधार		
5. सांविधिक देयताएं:		
क) अतिशोध्य		
ख) अन्य		
6. अन्य वर्तमान देयताएं		
न्यून: वर्ष के दौरान किया गया भुगतान		
जमा: वर्ष के दौरान निर्मित	-	3,347,544
7. प्रतिभूति जमा (अथशेष)		
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्ति		
न्यून: वर्ष के दौरान वापसी	7,773,112	8,676,112
कुल (क)	**7,773,112**	**12,023,656**
ख. प्रावधान		
1. कराधान हेतु	-	-
2. उपदान	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-
4. संचित अवकाश नकदीकरण	-	-
5. व्यवसाय वारंटी / दावा	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल (ख)	-	-
कुल (क+ख)	**7,773,112**	**12,023,656**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति विवरण	सकल ब्लॉक					अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान जमा (एल.सी.)	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार
क. **स्थायी परिसंपत्तिः**											
1 भूमिः											
क) पूर्ण स्वामित्व											
ख) पट्टे पर											
2 भवनः											
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	308762005	-			308762005					308762005	308762005
ख) पट्टे की भूमि पर											
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर											
घ) इकाई से असंबंधित भूमि पर अधिरचना											
3 संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	293811050	14282562	6441678		314535290					314535290	293811050
4 वाहन											
5 फर्नीचर, फिक्सचर											
6 कार्यालय उपकरण											
7 कंप्यूटर / पेरीफेरल्स											
8 विद्युत संस्थापन											
9 पुस्तकालय पुस्तकें											
10 ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति											
11 अन्य स्थायी परिसंपत्ति											
वर्तमान वर्ष का कुल	**602573055**	**14282562**	**6441678**		**623297295**					**623297295**	**602573055**
पिछला वर्ष											
ख. **पूंजीगत चालू कार्य**											
कुल	602,573,055	14,282,562			623,297,295					623,297,295	602,573,055

(यह नोट दिया जाए कि किराए की खरीद के आधार पर संपत्ति की लागत ऊपर सम्मिलित है।)

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
इकाई का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
	1. सरकारी प्रतिभूतियों में 2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां 3. शेयर 4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स 5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम 6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		0
	कुल	**0**	0

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
	1. सरकारी प्रतिभूतियों में 2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां 3. शेयर 4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स 5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम 6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		
	कुल	0	0

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क. वर्तमान परिसंपत्ति:		
1. इनवेंटरीज:		
क) भंडार एवं स्पेयर्स		
ख) खुले औजार		
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड		
तैयार वस्तुएं		
चालू कार्य		
कच्चा माल		
2. विविध देनदार:		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण		
ख) अन्य		
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)	5000	5000
4. बैंक शेष:		
क) अनुसूचित बैंकों में:		
चालू खाते में	88354704	87038803
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		
बचत खाते में		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में:		
चालू खाते में		
जमा खाते में		
बचत खाते में		
5. डाक घर - बचत खाता		
कुल (क)	**88359704**	**87043803**

(लेखा अधिकारी) सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ख. **ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति**				
1. ऋण:				
क) स्टाफ				
ख) केन्द्र के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य इकाइयां				
ग) अन्य (उल्लिखित) आयरन एवं स्टील और हिंदुस्तान स्टील को अग्रिम				
2. अग्रिम एवं अन्य नकदी में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के रूप में योग्य राशि				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य				
3. प्रोद्भूत आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश पर - अन्य				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. वसूली योग्य दावे:				
5. अन्य अग्रिम				
i. एन.डी.एम.सी. को भुगतान किया गया अग्रिम			2364500	2364500
ii. एन.डी.एम.सी. को प्रतिभूति जमा			3000000	3000000
iii. डी.जी.एस. एंड डी. को भुगतान किया गया अग्रिम			469471	469471
iv. साख पत्र	अथशेष	3902002	3266183	3902002
	एलसी जारी किया	5805859		
	मशीनरी प्राप्त	6441678		
	अंत शेष	**3,266,183**		
v. आकस्मिक अग्रिम			-	25000
कुल (ख)			**9100154**	**9760973**
कुल (क + ख)			**97459858**	**96804776**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1) विक्रय से आय		
1. तैयार वस्तुओं का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें) अस्पताल प्राप्ति	2183330	2310620
कुल	**2183330**	**2310620**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त)		
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार (सरकारें)		
3. सरकारी एजेंसियां		
सहायता अनुदान (वेतन)	64935117	50997549
सहायता अनुदान (सामान्य)	127500000	102500000
4. संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**192435117**	**153497549**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
इकाई का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – शुल्क / अभिदान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई. एच. एस.		
कुल	**0**	**0**

टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखांकन नीतियां प्रकट की जाएं।

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश–अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से निवेश में आय)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश :				
क) शेयरों पर				
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / अक्षय निधि में अंतरित				

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम: <u>दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र</u>

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में	3837361	1072525
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों में		
ग) संस्थानों में		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों में		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
कुल	**3837361**	**1072525**

टिप्पणी: दर्शाए गए स्रोतों पर कर कटौती की गई

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. विविध प्राप्ति	219801	76288
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**219801**	**76288**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
क) समापन भंडार		
- तैयार वस्तुएं		
- चालू कार्य		
ख) न्यून: अथ भंडार		
- तैयार वस्तुएं		
- चालू कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)		

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
वेतन एवं मजदूरी	64935117	50997549
भत्ता एवं बोनस		
भविष्य निधि हेतु अंशदान		
अन्य निधि हेतु अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारियों पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''		
अन्य (एन.पी.एस. एवं एल.एस.पी.सी.)		
कुल	**64935117**	**50997549**

(लेखा अधिकारी) सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) सामग्री एवं आपूर्ति की खरीद	38686005	18450727
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) आवक भार एवं वाहन		
घ) विद्युत एवं ऊर्जा		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) आउटसोर्स कर्मचारी सेवाएं		
i) सुरक्षा सेवाएं	16651709	14056742
ii) स्वच्छता सेवाएं	13521880	12933499
iii) जन शक्ति	17221096	15079667
ज) मरम्मत एवं अनुरक्षण	39633996	43515059
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चलाना एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सम्मेलनों / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) आतिथ्य व्यय		
द) व्यवसायिक प्रभार		
ध) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिम हेतु प्रावधान		
न) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
प) पैकिंग प्रभार		
फ) माल एवं अग्रेषण व्यय		
ब) वितरण व्यय		
भ) विज्ञापन एवं प्रचार		
म) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	915559	723837
कुल	**126630245**	**104759531**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

z

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 (क) अग्रिमों का समायोजन	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. आकस्मिक अग्रिम	23420	-
2. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**23420**	**-**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
(क) संस्थाओं/संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
(ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी: अनुदानों/आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाना है।		

अनुसूची 23 - ब्याज	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
(क) सावधि ऋणों पर		
(ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	2415	2685
(ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**2415**	**2685**

(लेखा अधिकारी)

सीडीईआर

jk"Vªh; vkS"k/k fuHkZjrk
mipkj dsUnz
अ. भा. आ. सं.

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
1.अथशेष			**1. व्यय**		
(क) नकद राशि			(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	138,631,377.00	131,269,356.00
(ख) बैंक शेष			(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	107,351,051.00	88,033,355.00
(i) चालू खाते में	60,305,453.00	22,037,668.00			
(ii) जमा खाते में			**2. अग्रिम भुगतान**		
(iii) बचत खाते में			i) सामग्री एवं आपूर्ति	132,635.00	170,673.00
			ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अस्थायी अग्रिम (डीटीसी योजना)	27,901,917.00	19,257,228.00
2.प्राप्त अनुदान			**3. निवेश एवं जमा किया गया**		
(क) भारत सरकार से (स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मंत्रालय)			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्ति)	15,000,000.00	25,000,000.00	(ख) निजी निधि में से (निवेश - अन्य)		
सहायता अनुदान (सामान्य)	117,500,000.00	64,000,000.00			
सहायता अनुदान (वेतन)	145,000,000.00	130,000,000.00	**4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय**		
(ख) सहायता अनुदान (सामान्य)/डीटीसी योजना	45,000,000.00		(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद (अनुसूची सं. 8)	18,391,691.00	23,430,545.00
(ग) अन्य स्रोतों से (एस.ए.पी.)		50,000,000.00	(ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-
3.निवेश पर आय, द्वारा			**5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि		-	(क) भारत सरकार को		
(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)		-	(ख) राज्य सरकार को		
			(ग) एम्स को ऋण की वापसी (अनुसूची 7)	85,000,000.00	9,000,000.00
4.प्राप्त ब्याज			(घ) यूएनडीसीपी खाता को वापसी	11,221.00	632.00
(क) बैंक जमा पर		-	**6.वित्त शुल्क (ब्याज)**		
(ख) ऋण, अग्रिम आदि		-			
			7.अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)		
5. अस्पताल सेवाओं से आय			बाह्य वसूलिया (जीपीएफ, एनपीएस, एचबीए, आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)		
अस्पताल प्राप्तियां	689,040.00	622,365.00	(क) परियोजनाएं	-	-
5.अन्य आय			(ख) धरोहर राशि जमा की वापसी	50,000.00	-
विविध प्राप्तियां	31,679.00	69,295.00	(ग) कर्मचारियों से वसूली भुगतान		
गलत प्राप्ति प्रपत्र यूएनडीसीपी लेखा	11,221.00		i) कर्मचारियों से प्राप्त वसूलियां एम्स (मुख्य) को प्रेषित	915,054.00	750,601.00
6. उधार ली गई राशि					
एम्स (मुख्य) से ऋण	30,000,000.00	40,000,000.00	ii) बाह्य वसूलियां	21,671,504.00	20,385,558.00
यूएनडीसीपी से ऋण		-	iii) जीपीएफ (सदस्यता और अग्रिम)	13,477,375.00	10,120,240.00
			iv) एनपीएस से वसूली	4,187,563.00	4,731,165.00
7.कोई अन्य प्राप्तियां			v) एनपीएस से वसूली (पीआरएएन के बिना)	280,370.00	
(क) परियोजनाएं			पिछले वर्ष की वसूली		49,055.00
(ख) धरोहर राशि जमा			**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
(ग) कर्मचारी से वसूली (आय कर)	213,031.00		सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु अग्रिम भुगतान		
i) कर्मचारियों से वसूलियां	920,209.00	750,601.00	कंप्यूटर अग्रिम		
ii) बाह्य वसूलियां	21,679,504.00	20,172,527.00	त्यौहार अग्रिम		

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	13,477,375.00	10,120,240.00	वसूली /कटौतियां (इंजी कार्य)		
iv) एन.पी.एस. से वसूली	4,187,563.00	4,731,165.00	वसूली /कटौतिया (इंजी कार्य के अलावा)	1,737,119.00	560,952.00
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन. के बिना)	280,370.00		ऋण का पुनः भुगतान (यू.एन.डी.सी.पी.)	-	-
			8.अंतशेष		
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली			(क) नकद राशि		
कार अग्रिम वसूली		-	(ख) बैंक शेष		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली		-	(i) चालू खाते में	36,293,687.00	60,305,453.00
भवन निर्माण अग्रिम वसूली		-	(ii) जमा खाते में		
त्यौहार अग्रिम वसूली		-	(iii)बचत खाते में		
वसूली /कटौती (इंजी. कार्य)		-			
वसूली /कटौतिया (अन्य कोई इजी. कार्य)	1,737,119.00	560,952.00			
कुल	**456,032,564.00**	**368,064,813.00**	**कुल**	**456,032,564.00**	**368,064,813.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2018-19**	**2017-18**
समग्र / पूंजीगत निधि	**1**	266,672,470.00	251,672,470.00
रिजर्व और अधिशेष	**2**	46,489,763.00	19,880,519.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	-	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	**7**	15,411,370.00	70,546,325.00
कुल		**328,573,603.00**	**342,099,314.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	275,760,326.00	257,368,635.00
निवेश - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	**9**	-	-
निवेश - अन्य	**10**	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	52,813,277.00	84,632,569.00
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**328,573,603.00**	**342,001,204.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	**अनुसूची**	**2018-19**	**2017-18**
विक्रय / सेवाओं (अस्पताल प्राप्तियों) से आय	**12**	689,040.00	622,365.00
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	307,500,000.00	244,000,000.00
फीस / अभिदान	**14**		
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**		
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**		
अर्जित ब्याज	**17**	-	-
अन्य आय	**18**	31,679.00	69,295.00
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**19**		
कुल (क)		**308,220,719.00**	**244,691,660.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	138,631,377.00	131,269,356.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	142,980,098.00	99,547,168.00
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**		
ब्याज	**23**		
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत - समाप्त वर्ष पर शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**281,611,475.00**	**230,816,524.00**
आय पर व्यय की अधिकता होने वाला शेष (ख-क)		26,609,244.00	13,875,136.00
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक को उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष / (कमी)		**308,220,719.00**	**244,691,660.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**2018-19**		**2017-18**	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	251,672,470.00		226,672,470.00	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	15,000,000.00		25,000,000.00	
न्यून: वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति		266,672,470.00		251,672,470.00
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**266,672,470.00**		**251,672,470.00**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:	**2018-19**		**2017-18**	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां (एम्स ऋण रिवर्स)				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	19,880,519.00			
वर्ष के दौरान समायोजित	26,609,244.00	46,489,763.00		19,880,519.00
कुल	-	**46,489,763.00**	-	**19,880,519.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**योजना गैर**		**कुल**	
	योजना		**2018-19**	**2017-18**
क) निधि का अथषेश ख) निधि में जमा i. दान / अनुदान ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें) iv वर्ष के दौरान कम व्यय	0		0	
कुल (क+ख)			**0**	**0**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय i. पूंजीगत व्यय -स्थायी परिसंपत्तियां -अन्य ii. राजस्व व्यय -वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि -किराया -अन्य प्रशासनिक व्यय **कुल**				
कुल (ग)			0	0
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग)				**0**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधारः	**2018-19**		**2017-18**	
1. केन्द्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) अर्जित ब्याज एवं देय				
4. बैंक				
क) सावधि ऋण				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2018-19**	**2017-18**
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**2018-19**	**2017-18**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखकर प्राप्त स्वीकृति		
ख) अन्य		
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**2018-19**		**2017-18**	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता:				
क) वस्तुओ हेतु				
ख) अन्य (एम्स को भुगतान की जाने वाली बाह्य वसूलियां)	13,155.00	13,155.00		
i) एम्स कर्मचारी (ओबी)				
ii) बाह्य वसूलियां (ओबी)				
अथशेष				49,055.00
वर्ष के दौरान कम समयोजन				49,055.00
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एनआईएएफ				
4. परियोजना अनुदान				
ii) एनपीसीबी				
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) सुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
7. प्रतिभूति जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	335,000.00		335,000.00	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		-	
वर्ष के दौरान वापसी	50,000.00	285,000.00	-	335,000.00
8. अन्य वर्तमान देयताएं	113,215.00	113,215.00		113,215.00
यू.एन.डी.सी.पी. खाते में वापसी				
9. मंत्रालय (ओबी) को वापस किया जाने वाला अधिक अनुदान	-			
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजित	-	-		-
10. एम्स (मुख्य) से ऋण (ओबी)	70,000,000.00			-
एम्स (मुख्य) से ऋण	30,000,000.00			70,000,000.00
एम्स (मुख्य) को ऋण वापसी	85,000,000.00	15,000,000.00		
कुल (क)		**15,411,370.00**		**70,546,325.00**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटीज / दावे				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**15,411,370.00**		**70,546,325.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष 18-19 के अनुसार	गत समाप्त वर्ष 17-18 के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति:										
1. भूमि:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन:										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर (निर्माण)	118,120,165.00	3,153,089.00		121,273,254.00		-	-	-	121,273,254.00	118,120,165.00
ख) पट्टे की भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना इकाई से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	66,833,007.00	11,977,204.00		78,810,211.00					78,810,211.00	66,833,007.00
4. वाहन	12,241,608.00	1,089,741.00		13,331,349.00					13,331,349.00	12,241,608.00
5. फर्नीचर, फिक्सचर	11,850,520.00	1,890,203.00		13,740,723.00					13,740,723.00	11,850,520.00
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें	46,189,775.00	281,454.00		46,471,229.00					46,471,229.00	46,189,775.00
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति (एस.ए.पी.)	2,133,560.00			2,133,560.00					2,133,560.00	2,133,560.00
वर्तमान वर्ष का कुल	**257,368,635.00**	**18,391,691.00**	-	**275,760,326.00**	-	-	-	-	**275,760,326.00**	**257,368,635.00**
गत वर्ष										
ख. पूंजीगत चालू कार्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**257,368,635.00**	**18,391,691.00**	-	**275,760,326.00**	-	-	-	-	**275,760,326.00**	**257,368,635.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2018-19**	**2017-18**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश-अन्य	**2018-19**	**2017-18**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (उल्लेख किया जाए)		
कुल	0	0

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

			(राशि रुपयों में)	
अनुसूची 11क - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**2018-19**		**2017-18**	
क **वर्तमान परिसंपत्तिः**				
1. खरीद हेतु अग्रिम				
क) सामग्री एवं आपूर्ति — अथशेष	255,000.00		335,808.00	
वर्ष के दौरान जमा	132,635.00		170,673.00	
वर्ष के दौरान समायोजित	132,635.00	255,000.00	251,481.00	255,000.00
ख) मशीनरी एवं उपकरण — अथशेष	-			
वर्ष के दौरान जमा	-			
वर्ष के दौरान समायोजित	-	-		
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अग्रिम — अथशेष	23,418,377.00		15,423,481.00	
वर्ष के दौरान जमा	27,901,917.00		19,257,228.00	
वर्ष के दौरान समायोजित	35,496,412.00	15,823,882.00	11,262,332.00	23,418,377.00
3. विविध देनदारः		.		
क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण				
ख) वेतन शीर्ष के तहत अन्य अति भुगतान (आयकर)				213,031.00
अग्रदाय — अथशेष	213,031.00			
वर्ष के दौरान समायोजित	213,031.00			-
4. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		-		-
5. बैंक शेषः				
क) अनुसूचित बैंकों के पासः				
चालू खाते में		36,293,687.00		60,305,453.00
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)				
बचत खाते में				
ख) गैर-अनुसूची बैंक के पासः				
चालू खाते में				
जमा खाते में				
बचत खाते में				
6. सीमा शुल्क अग्रिम		400,000.00		400,000.00
7. बाह्य वसूली		40,708.00		40,708.00
कुल (क)		**52,813,277.00**		**84,632,569.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11ख - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	**2018-19**		**2017-18**	
ख **ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति**				
1. ऋणः				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
iv) त्यौहार अग्रिम				
2. अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि नकद अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्य हेतुः				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य				
3. प्रोद्भूत आयः				
क) उद्दिष्ट /विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश पर अन्य				
ग) ऋण एवं अग्रिम पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. ....की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावेः				
कुल (ख)		**0**		**0**
कुल (क+ख)		**52,813,277.00**		**84,632,569.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार आय और व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2018-19**	**2017-18**
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	689,040.00	622,365.00
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजनाएं)		
3. रद्दी की बिक्री		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (उल्लेख करें) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**689,040.00**	**622,365.00**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**2018-19**	**2017-18**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार	307,500,000.00	194,000,000.00
2. राज्य सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थाएं / कल्याण निकायें (एस.ए.पी.)		50,000,000.00
5.अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. एम्स से अन्य (उल्लेख करें) ऋण		
कुल	**307,500,000.00**	**244,000,000.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - फीस / अभिदान	**2018-19**	**2017-18**
1. ट्यूशन और परीक्षा शुल्क 2. लाइसेंस शुल्क 3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क 4. परामर्श फीस 5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ईएचएस		
कुल	**0**	**0**
नोट- प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जानी हैं		

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	**2018-19**	**2017-18**	**2018-19**	**2017-18**
1. ब्याज क) सरकारी प्रतिभूतियों पर ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स 2. लाभांश: क) शेयरों पर ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर 3. किराया 4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2018-19**	**2017-18**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 - ब्याज अर्जित	**2018-19**	**2017-18**
1. सावधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाते		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य पर ब्याज		
कुल	**0**	**0**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	2018-19	2017-18
1. विविध प्राप्ति	31,679.00	69,295.00
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	**31,679.00**	**69,295.00**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	2018-19	2017-18
क) समापन भंडार		
-तैयार वस्तुएं		
-चालू कार्य		
ख) न्यून: अथ भंडार		
-तैयार वस्तुएं		
-चालू कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]	-	-

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	2018-19	2017-18
वेतन	134,025,070.00	126,538,191.00
भत्ते एवं बोनस		
एन.पी.एस. के लिए अंशदान	4,606,307.00	4,731,165.00
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारीगण पर व्यय: "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"		
अन्य (एनपीएस एवं एलएसपीसी)		
कुल	**138,631,377.00**	**131,269,356.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2018-19	2017-18
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	53,073,788.00	52,171,350.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं	18,204,715.00	35,515,531.00
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	132,635.00	251,481.00
घ) सुरक्षा और संविदा कर्मचारियों के लिए मजदूरी	21,353,767.00	
ङ) अग्रदाय से विविध व्यय	99,586.00	107,887.00
च) अग्रदाय समायोजित (18-19) विविध व्यय		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)		
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) डीटीसी योजना के तहत व्यय	11,035,948.00	
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	3,583,247.00	238,587.00
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		
द) मशीनरी एवं उपकरण अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) स्वैप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लेख करें) प्रशिक्षण कार्यक्रम	35,496,412.00	11,262,332.00
कुल	**142,980,098.00**	**99,547,168.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21क - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2018-19	2017-18
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	53,073,788.00	52,171,350.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं (एसएपी)	18,204,715.00	35,515,531.00
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)		
घ) सुरक्षा और संविदात्मक कर्मचारियों के लिए मजदूरी	21,353,767.00	
ङ) जल प्रभार		
च) अग्रदाय समायोजित (18-19)	99,586.00	107,887.00
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)		
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) डीटीसी योजना के तहत व्यय	11,035,948.00	
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	3,583,247.00	238,587.00
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		
द) मशीनरी एवं उपकरण अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) स्वैप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लेख करें) (आकस्मिकता शुल्क) (अग्रिमों का समायोजन)		
कुल	**107,351,051.00**	**88,033,355.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**2018-19**	**2017-18**
क) संस्थाओं / संगठनों को दिए गए अनुदान ख) संस्थाओं / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
नोट - अनुदानों / आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाना है।		

अनुसूची 23 - ब्याज	**2018-19**	**2017-18**
क) मियादी ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	0	0

;|- ,u- Mh- lh- ih-

अ. भा. आ. सं.

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
यूएनडीसीपी अकाउंट
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए
प्राप्तियां और भुगतान लेखा

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
I. अथशेष			**I. व्यय**		
क) नकद राशि			क) स्थापना व्यय (अनुसूची सं. 5)	1,924,206	687,760
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची सं. 6)	4,390,985	649
(i) चालू खाते में	73,732,674	2,218,851	ग) बैंक प्रभार (अनुसूची सं. 7)	649	
(ii) जमा खाते में			**V. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
(iii) बचत खाते में			क) भारत सरकार को		
			ख) डब्ल्यूएचओ को अनुदान की वापसी		
II. प्राप्त अनुदान			ग) निधियों के अन्य प्रदाताओं को		
क) डब्ल्यूएचओ से	85,850	321,600			
ख) राज्य सरकार से		71,900,000	**VI. अचल संपत्तियों पर व्यय (अनुसूची सं. 2)**	7,499,950	
ग) सीएसआईआर से	119,513				
			VII. अन्य भुगतान		
V. अन्य आय			क) इंजी. अनुरक्षण		
क) अस्पताल प्राप्तियां			ख) लघु कार्य		
ख) विविध प्राप्तियां			ग) विविध व्यय		20,000
			घ) त्यौहार अग्रिम भुगतान		
VII. अन्य कोई प्राप्तियां			ज) रोगी उपचार		
क) अग्रदाय			झ) सीमा शुल्क के रूप में भुगतान की गई अग्रिम		
ख) एआईटीएससी					
ग) आईएनसीपीटी			**VIII. अंतशेष**		
घ) अन्य विविध		632	क) नकद राशि		
			ख) बैंक शेष		
			i) चालू खाते में	60,122,247	73,732,674
			ii) जमा खाते में		
			iii) बचत खाते		
	73,938,037	74,441,083		73,938,037	74,441,083

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
यूएनडीसीपी खाता
आय एवं व्यय लेखा
31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए

आय	अनुसूची	2018-19	2017-18
सेवाओं से आय			
अनुदान / आर्थिक सहायता	4	205,363.00	**72,221,600**
फीस / अभिदान			
निवेश से आय (उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)			
रॉयल्टी, प्रकाशन से आय			
अर्जित ब्याज			
अन्य आय			
कुल (क)		205,363.00	**72,221,600**
व्यय			
स्थापना व्यय	5	1,924,206.00	687,760
अन्य प्रशासनिक व्यय	6	4,390,985.00	1,925,000
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय			
बैंक प्रभार	7	649.00	649
अवमूल्यन			
अन्य			0
कुल (ख)		6,315,840	2,613,409
आय पर व्यय की अधिकता से होने वाली शेष (क-ख)		-6,110,477	69,608,191
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक को उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में अंतरित			
सामान्य रिजर्व में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		-6,110,477	69,608,191
		205,363	72,221,600

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
यूएनडीसीपी खाता
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
31 मार्च, 2019 के अनुसार तुलन पत्र

समग्र / पूंजी निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2018-19**	**2017-18**
समग्र / पूंजी निधि			
रिजर्व और अधिशेष	1	67,667,197.00	73,777,674.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि			
सुरक्षित ऋण एवं उधार			
असुरक्षित ऋण एवं उधार			
आस्थगित क्रेडिट देयताएं			
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान			
कुल पूंजी निधि एवं देयताएं		67,667,197.00	73,777,674.00
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	2	7,499,950.00	
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश			
निवेश - अन्य			
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	3	60,167,247.00	73,777,674.00
विविध व्यय			
(बट्टा खाता अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल परिसंपत्तियां		67,667,197.00	73,777,674.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
यूएनडीसीपी

अनुसूची 1 - रिजर्व एवं अधिशेष		2018-19		2017-18
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार	73,777,674.00		4,169,483.00	
न्यून: आय पर व्यय की अधिकता	-6,110,477.00			
जमा: व्यय पर आय की अधिकता			69,608,191.00	
न्यून: मंत्रालय को वापस अनुदान		67,667,197.00		73,777,674.00
अंतशेष		**67,667,197.00**		**73,777,674.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची २- स्थायी परिसंपत्ती

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष 18-19 के अनुसार	गत समाप्त वर्ष 17-18 के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति:										
1. भूमि:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन:										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर (निर्माण)										
ख) पट्टे की भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना										
केन्द्र से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण		7,499,950.00		7,499,950.00					7,499,950.00	
4. वाहन										
5. फर्नीचर, फिक्सचर										
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें										
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्तियां (एसएपी)										
वर्तमान वर्ष का कुल	-	**7,499,950.00**	-	**7,499,950.00**	-	-	-	-	**7,499,950.00**	-
गत वर्ष										
ख. पूंजीगत चालू कार्य										
कुल		**7,499,950.00**	-	**7,499,950.00**	-	-	-	-	**7,499,950.00**	-

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 3 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम		**2018-19**		**2017-18**
1. नकद राशि (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				
2. बैंक शेष:				
क) चालू खाता		60,122,247.00		73,732,674.00
ख) जमा खाता (मियादी जमा)				
3. ऋण:				
क) केन्द्र के कर्मचारियों को				
4. **अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि:**				
क) केन्द्र के कर्मचारियों से				
ख) अन्य (एनडीडीटीसी) से			632.00	
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजन		0.00	632.00	-
5. **अन्य**				
अग्रिम	45,000.00		1,950,000.00	
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजित अग्रिम		45,000.00	1,905,000.00	45,000.00
समाप्त वर्ष के अनुसार शेष		**60,167,247.00**		**73,777,674.00**

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 4 - अनुदान एवं आर्थिक सहायता		**2018-19**		**2017-18**
क) डब्ल्यूएचओ से	85,850.00			321,600.00
एनडीडीटीसी लेखा से प्राप्त				
ख) सीएसआईआर से अनुदान	119,513.00			71,900,000.00
		205,363.00		
कुल		**205,363.00**		**72,221,600.00**

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 5 - स्थापना व्यय	2018-19	2017-18
स्थापना प्रभार (वेतन)	1,924,206.00	687,760.00
कुल	**1,924,206.00**	**687,760.00**

अनुसूची 6 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2018-19	2017-18
खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	4,182,693.00	
जमा:- वर्ष 2017-18 के दौरान अग्रिम का समायोजन		1,905,000.00
परिवहन व्यय		
यात्रा व्यय	119,513.00	
बैंक प्रभार		
विविध व्यय (1,00,000-11221)	88,779.00	20,000.00
कुल	**4,390,985.00**	**1,925,000.00**

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 7 - बैंक प्रभार	2018-19	2017-18
बैंक प्रभार	649	649
कुल	**649**	**649**

Lkh- vkbl- ,e- vkj

अ. भा. आ. सं.

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां		2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
					-	-
I. अथशेष				**I. व्यय**		
क) नकद राशि		-	-	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	-	3,698
ख) बैंक शेष				ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 22 में संगत)	293,861	256,983
(i) चालू खाते में		110,953	-	ग) सामग्री एवं आपूर्ति	405,359	569,904
(ii) जमा खाते में		-	-			
(iii) बचत खाते में		-	-	**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
ग) मियादी जमा						
II. प्राप्त अनुदान				**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से				क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से	-	-
पूंजीगत (परिसंपत्तियां नई)				ख) परिक्रामी निधि	-	-
(i) सहायता अनुदान (योजना)	2464000					
अ.भा.आ.सं. मुख्य को वापसी	973642	1,490,358	14,684,557.00	**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी पर व्यय**		
राजस्व सामान्य (योजना)				चालू कार्य	-	-
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	959000			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	1,483,312	6,694,143
अ.भा.आ.सं. मुख्य को वापसी	259,755	699,245	830,585.00	ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-
				ग) साख पत्र (मशीनरी एवं उपकरण)	-	7,990,409
ख) राज्य सरकार से		-	-	**V. अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी**		
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)		-	-	क) भारत सरकार को	-	-
(दर्शाने के लिए पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु अनुदान)				ख) राज्य सरकार को	-	-
III. निवेश पर आय से				ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को	-	-
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि		-	-	**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
ख) परिक्रामी निधि				बैंक प्रभार	-	1,553
IV. प्राप्त ब्याज				**VII. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
क) बैंक जमा पर				दान/अनुदान	-	-
ख) ऋण एवं अग्रिम आदि				धरोहर राशि जमा	13,000	-

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	भुगतान	2018-19	2017-18
V. अन्य आय			**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति / वसूली**		
निविदा शुल्क	-	4,500.00	कर्मचारी के लिए अग्रिम	-	-
VI. उधार ली गई राशि			**VIII. अंतशेष**		
			क) नकद राशि	-	-
			ख) बैंक शेष		
VII. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			(i) चालू खाते में	108,722	110,953
क) दान	-	-	ii) जमा खाते में	-	-
ख) धरोहर राशि जमा	-	108,000.00	iii) बचत खाते	-	-
ग) विविध प्राप्ति	3,698				
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली					
कर्मचारी के लिए अग्रिम			**ग) मियादी जमा**	-	-
कुल	**2,304,254**	**15,627,642.00**	**कुल**	**2,304,254**	**15,627,642**

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी,
सी.आई.एम.आर.

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
समग्र / पूंजीगत निधि	1	16,174,915	14,684,557
रिजर्व और अधिशेष	2	6,671	2,948
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	-	-
परिक्रामी निधि	4	-	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	6	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	7	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	8	95,000	108,000
कुल		**16,276,586**	**14,795,505**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	9	16,167,864	6,694,143
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	10	-	-
निवेश - अन्य	11	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	12	108,722	8,101,362
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
आय पर व्यय की अधिकता का शेष			
कुल		**16,276,586**	**14,795,505**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणी	26		

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी,
सी.आई.एम.आर.

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
विक्रय / सेवाओं से आय	13	3,698	-
अनुदान / आर्थिक सहायता	14	699,245	830,585
फीस / अभिदान	15	-	4,500
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	16	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	17	-	-
अर्जित ब्याज	18	-	-
अन्य आय	19	-	-
तैयार वस्तुओं की वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	20	-	-
कुल (क)		**702,943**	**835,085**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	-	3,698
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	22	293,861	256,983
विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि का किया गया भुगतान	22 (A)	-	569,904
सामग्री एवं आपूर्ति	23	405,359	-
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	24	-	-
ब्याज एवं वित्त व्यय	25	-	1,553
अवमूल्यन (अनुसूची 11 में वर्ष समाप्ति तदनानुसार पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**699,220**	**832,138**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		3,723	2,948
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में / से अंतरण		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**3,723**	**2,948**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणी	26		

वित्त एवं मुख्य
लेखा अधिकारी,
सी.आई.एम.आर.

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)

दिनांक 31.03.2019 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	14,684,557	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि में अंशदान (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1,490,358	14,684,557
जमा: दान खाता से सृजित समग्र / पूंजी		
जमा / कटौती: आय और व्यय लेखा से अंतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	-	-
वर्ष समाप्ति पर शेष	**16,174,915**	**14,684,557**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. पूंजीगत रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	2,948	
सी.आई.एम.आर. खाता	3,723	2,948
जमा: वर्ष के दौरान जमा		-
सी.आई.एम.आर. खाता		
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
3. विशेष रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
4. सामान्य रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
5. व्यय पर आय की अधिकता	-	
कुल	**6,671**	**2,948**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / अक्षय निधि	XXX	YYY	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
			कुल	कुल
क) निधियों का अथशेष	-	-	-	-
ख) निधियों के लिए जमा	-		-	-
i. दान / अनुदान	-	-	-	-
ii. निधियों के खाते में किए गए निवेश से आय	-		-	-
iii. रोगियों से प्राप्त	-		-	-
iv. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)	-		-	-
कुल (क+ख)	**-**	**-**	**-**	**-**
ग) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय				
i. पूंजीगत व्यय				
स्थायी परिसंपत्तियां	-		-	-
अन्य	-		-	-
कुल (ग i)	**-**		**-**	**-**
ii. राजस्व व्यय			-	-
वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-	-	-
किराया	-	-	-	-
बैंक प्रभार	-	-	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-
कुल ग (ii)	**-**	**-**	**-**	**-**
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**	**-**
घ) रोगियों को वापसी	-		-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख–ग–घ)	**-**	**-**	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 4 परिक्रामी निधि	वर्तमान वर्ष			पिछले वर्ष
	XX	**YY**	कुल	कुल
क) निधियों के अथशेष	-	-	-	-
ख) निधियों के लिए जमा				
i. रोगियों से प्राप्ति	-	-	-	
ii. अनुदान प्राप्ति (17–18)	-	-	-	-
कुल (क+ख)	**-**	**-**	**-**	**-**
ख) निधियों के उद्देश्यों की ओर से उपयोगिता / व्यय				
i. पूंजी व्यय				
स्थायी परिसंपत्तियां	**-**	**-**	**-**	**-**
अन्य (निर्दिष्ट करें)	**-**	**-**	**-**	**-**
कुल (ग. i)	**-**	**-**	**-**	**-**
ii राजस्व व्यय				
सामग्री और आपूर्ति	-	-	-	**-**
अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-		
विभिन्न रोगी खाते के लिए अंतरण		-	**-**	
कुल (ग. ii)	**-**	**-**	**-**	**-**
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**	**-**
वर्ष के अंत में शेष (क+ख–ग)	**-**	**-**		**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – सुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 6 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – आस्थगित जमा देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृति	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - वर्तमान देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान देयताएं		
1. स्वीकृतियां	-	-
2. विविध ऋणदाताएं		
क) वस्तुओं हेतु	-	-
ख) अन्य		
3. अग्रिम प्राप्त	-	-
4. अर्जित ब्याज परन्तु निम्न पर देय नहीं		
क) सुरक्षित ऋण / उधार	-	-
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-
5. सांविधिक देयताएं		
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य	-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं	-	-
7. प्रतिभूति जमा	95,000	108,000
8. अग्रदाय	-	-
9. एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	-	-
कुल (क)	**95,000**	**108,000**
ख. प्रावधान		
1. कराधान हेतु	-	-
2. उपदान	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-
4. संचित अवकाश नकदी	-	-
5. ट्रेड वारंटीज / दावे	-	-
6. संचित अवमूल्यन		
7. अन्य	-	-
कुल (ख)	**-**	**-**
कुल (क)+(ख)	**95,000**	**108,000**

अनुसूची 9 - स्थायी परिसंपत्ति (राशि रुपयों में)

विवरण	सकल ब्लॉक							अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के दौरान जमा (साख पत्र)	वर्ष के दौरान जमा (पी.डी.ए.)	वर्ष के दौरान जमा (सीमा शुल्क)	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
स्थायी परिसंपत्ति													
भूमि													
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
भवन													
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
घ) केन्द्र से असंबंधित भूमि पर अधिरचना													
अमूर्त स्थायी परिसंपत्ति													
क) सॉफ्टवेयर			-				-	-	-	-	-	-	-
संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण*	5,500,909	1,183,951		7,990,409	-	-	14,675,269	-	-	-	-	14,675,269	5,500,909
वाहन	-		-				-	-	-	-	-	-	-
फर्नीचर, फिक्सचर	684,629	221,926	-				906,555	-	-	-	-	906,555	684,629
कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	508,605	77,435	-				586,040	-	-	-	-	586,040	508,605
विद्युत संस्थापन	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
पुस्तकालय पुस्तकें	-		-				-	-	-	-	-	-	-
ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल	**6,694,143**	**1,483,312**	-				**16,167,864**	-	-	-	-	**16,167,864**	**6,694,143**
पिछले वर्ष	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
पूंजीगत चालू कार्य	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
कुल	**6,694,143**	**1,483,312**	-	**7,990,409**	-	-	**16,167,864**	-	-	-	-	**16,167,864**	**6,694,143**
													-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 10 – उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
कुल	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – निवेश अन्य	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
i. सावधि जमा (गामा नाइफ)		
ii. सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)		
iii. सावधि जमा (तंत्रिका शल्य चिकित्सा रोगी खाता)		
कुल	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान परिसंपत्ति		
1. इनवेंटरीज		
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-	-
ख) खुले औजार	-	-
ग) ट्रेड में भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
चालू कार्य	-	-
कच्चा माल	-	-
2. विविध देनदार		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण		
ख) अन्य		
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
क) अग्रदाय		
4. बैंक शेष		
क) अनुसूचित बैंकों के पास:		
- चालू खाते में	108,722	110,953
- जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		-
- बचत खाते में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:		
- चालू खाते में	-	-
- जमा खाते में	-	-
- बचत खाते में	-	-
5. डाक घर - बचत खाते	-	-
कुल (क)	**108,722**	**110,953**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1. ऋण		
क) स्टाफ		
ख) इस केन्द्र के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न अन्य केंद्र		
ग) अन्य (रोगी उपचार - सीजीएचएस)		
2. अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि नकद अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने वाले मूल्य हेतु		
क) पूंजीगत खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अस्थायी आकस्मिक अग्रिम		
घ) अन्य		
3. प्रोद्भूत आय		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश - अन्य पर		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)		
4. वसूलनीय दावे		
5. साख-पत्र	-	7,990,409
6. सीमा शुल्क		
7. जमा पूर्व अग्रिम		
कुल (ख)	**-**	**7,990,409**
कुल (क)+(ख)	**108,722**	**8,101,362**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 13 - विक्रय / सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय	-	-
ख) कच्चे माल का विक्रय	-	-
ग) रद्दी का विक्रय	-	-
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवा	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ङ) अस्पताल प्राप्तियां		
च) अन्य (विशेष) संदिग्ध प्राप्ति	3,698	-
कुल	**3,698**	**-**

अनुसूची 14 - अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त) - एम्स मुख्य के माध्यम से		
1) केन्द्र सरकार	-	-
राजस्व सामान्य (योजना)		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	
(iii सहायता अनुदान (सामान्य)	-	
गैर - योजना		
(i) सहायता अनुदान (सामान्य)	699,245	830,585
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	
2) राज्य सरकारें		-
3) सरकारी एजेंसियां	-	-
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय	-	-
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (विशेष)	-	-
कुल	**699,245**	**830,585**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 15 - फीस / अभिदान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक फीस / अभिदान	-	-
3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस	-	-
4) परामर्श फीस	-	-
5) टेंडर फीस	-	4,500.00
6) अन्य आय	-	
कुल	**-**	**4,500.00**
टिप्पणी- प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	-	-	-	-
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3) किराया	-	-	-	-
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**
टिप्पणी- उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 17 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) रॉयल्टी से आय	-	-
2) प्रकाशन से आय	-	-
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – ब्याज अर्जित	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) सावधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंक के पास (हृ. तं. केंद्र मुख्य)		
अनुसूचित बैंक के पास (गामा नाइफ)		
अनुसूचित बैंक के पास (एंजियो रोगी खाता)		
अनुसूचित बैंक के पास (सी. टी. रोगी खाता)		
अनुसूचित बैंक के पास (तंत्रिका शल्य चिकित्सा रोगी खाता)	-	
ख) गैर – अनुसूचित बैंक के पास	-	-
ग) संस्थाओं के पास	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत खाते पर		
क) अनुसूचित बैंक के पास		

	-	-
ख) गैर – अनुसूचित बैंक के पास	-	-
ग) संस्थाओं के पास		
घ) अन्य	-	-
3) ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य	-	-
4) देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य पर ब्याज	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौती की गई		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 (क) विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधियों हेतु किए गए भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
एन.एस.सी. निर्धन रोगी	-	-
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	-	0

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 19 - अन्य आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय / परिसंपत्ति निपटान पर लाभ		
क) निजी परिसंपत्ति	-	-
ख) अनुदान में अथवा निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्ति	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
क) परिसमापन क्षति	-	-
3) विविध सेवाओं के लिए फीस	-	-
4) विविध प्राप्ति		
5) लाइसेंस फीस वसूली		-
कुल	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) समापन भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
चालू कार्य	-	-
ख) न्यून: अथ भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
चालू कार्य	-	-
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क-ख]	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) वेतन एवं मजदूरी (योजना)		
ख) वेतन एवं मजदूरी (गैर - योजना)		
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान - (एनपीएस)		
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय		
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय		
छ) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	3,698
ज) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	**3,698**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
अग्रदाय	-	42,535
कर्मचारी (आउटसोर्स)	293,861	118,554
अल्पाहार	-	95,894
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**293,861**	**256983**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 - सामग्री एवं आपूर्ति	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
सामग्री एवं आपूर्ति	405,359	569,904
अन्य (निर्दिष्ट)		
कुल	**405,359**	**569,904**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 24 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी- अनुदान / आर्थिक सहायता राशि के साथ केन्द्रों के नाम, उनकी गतिविधियां प्रकट की जानी हैं।		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 25 - ब्याज एवं वित्तीय व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) मियादी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) बैंक प्रभार	-	1,553
घ) अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
कुल	-	**1,553**

अनुसंधान अनुभाग

अ. भा. आ. सं.

<u>अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान</u>

<u>अनुसंधान अनुभाग</u>

<u>वर्ष 2018-2019 का विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु प्राप्त अनुदान के व्यय को दर्शाने वाला विवरण</u>

वित्तपोषित एजेंसी	प्राप्ति	राशि	वित्तपोषित एजेंसी	व्यय	अनुमानित व्यय	व्यय	अवितरित व्यय	कुल व्यय
				(क)	(ख)	(क+ख=ग)	(घ)	(ग+घ)
अथ शेष								
नकद राशि		30,000.00						
बैंक खाता :-								
स्कीम सेल	315,341,541.12							
अ. भा. आ. सं. डीबीटी अनुसंधान खाता	145,694,567.13							
अ. भा. आ. सं. डीएसटी अनुसंधान	97,898,247.00							
अ. भा. आ. सं. आईसीएमआर अनुसंधान खाता	159,625,642.00	718,559,997.25						
अ. भा. आ. सं. से प्राप्त अनुदान								-
संस्थान अनुसंधान अनुदान		**50,000,000.00**	आंतरिक अनुसंधान	45,825,786.00		45,825,786.00		45,825,786.00
						-		-
						-		-
अ. भा. आ. सं. के माध्यम से प्राप्त						-		-
						-		-
						-		-
एबोट प्रयोगशाला जीएमबीएच	-		एबोट प्रयोगशाला जीएमबीएच	431,098.00		431,098.00		431,098.00
एमिल फार्मास्यूटिकल इंडिया लिमिटेड	**8,667.00**		एमिल फार्मास्यूटिकल इंडिया लिमिटेड	458,667.00	50,000.00	508,667.00		508,667.00
एल्केम लैबोरेटरीज लि.	**253,117.00**		एल्केम लैबोरेटरीज लि.	320,702.00	31,576.00	352,278.00		352,278.00
एंटीसेंस फार्मा जीएमबीएच, जर्मनी	**347.00**					-		-
एनाजील एनालिटिकल्स एंड रिसर्च प्रा. लि.	**31,000.00**		एनाजील एनालिटिकल्स एंड रिसर्च प्रा. लि.	24,900.00	3,100.00	28,000.00		28,000.00
एओट्रॉमा एशिया पेसिफिक रिसर्च ग्रांट	**192,236.00**		एओट्रॉमा एशिया पेसिफिक रिसर्च ग्रांट	131,040.00		131,040.00		131,040.00
एपासेमी एसोसिएट चेन्नई	**5,000.00**		एपासेमी एसोसिएट चेन्नई	106,807.00		106,807.00		106,807.00
एस्ट्राजेनीका सिंगापुर प्रा. लि., सिंगापुर			एस्ट्राजेनीका सिंगापुर प्रा. लि., सिंगापुर	62,645.00		62,645.00		62,645.00
भारत सीरम एंड वेक्सीन लि	**1,488,036.00**		भारत सीरम एंड वेक्सीन लि	401,977.00	114,297.00	516,274.00		516,274.00
बिगटेक प्राइवेट लिमिटेड	**330,000.00**		बिगटेक प्राइवेट लिमिटेड	239,727.00	33,000.00	272,727.00		272,727.00
बोहरिंगर इंगेलहेम इंडिया प्राइवेट लि.	**582,717.00**		बोहरिंगर इंगेलहेम इंडिया प्राइवेट लि.	384,319.00	53,035.00	437,354.00		437,354.00
ब्रिस्टल मायर स्क्विब (बीएमएस),	**1,832,774.00**		ब्रिस्टल मायर स्क्विब (बीएमएस), यूएसए	474,826.00	181,990.00	656,816.00		656,816.00
ब्रिस्टल मायर स्क्विब इंडिया प्राइवेट	**1,493,991.00**		ब्रिस्टल मायर स्क्विब इंडिया प्राइवेट लि.	1,525,790.00	148,658.00	1,674,448.00		1,674,448.00
ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, यूके	**1,109,307.00**		ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, यूके	1,604,793.00	110,931.00	1,715,724.00		1,715,724.00
बीआरएनएस मुम्बई	**1,050,600.00**		बीआरएनएस मुम्बई	333,543.00	52,530.00	386,073.00		386,073.00
केडिला हेल्थ केयर लि.	**864,000.00**		केडिला हेल्थ केयर लि.	837,771.00	32,400.00	870,171.00		870,171.00
केडिला फार्मास्यूटिकल लि.	**606,985.00**		केडिला फार्मास्यूटिकल लि.	668,307.00	60,700.00	729,007.00		729,007.00
कन्नेक्टीन, कनाडा			कन्नेक्टीन, कनाडा	15,750.00		15,750.00		15,750.00
सीसीडीसी	**784,361.00**		सीसीडीसी	2,059,134.00	45,553.00	2,104,687.00		2,104,687.00
सी.डी.ए.सी.			सी.डी.ए.सी.	1,911,604.00		1,911,604.00		1,911,604.00
			सीडी फार्मा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	72,000.00		72,000.00		72,000.00
सीईएफआईपीआरए, फ्रैंच			सीईएफआईपीआरए, फ्रैंच	286,529.00		286,529.00		286,529.00
रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी), यूएसए	**70,084,080.00**		रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी), यूएसए	66,535,603.00	7,437,599.00	73,973,202.00		73,973,202.00
रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	**41,706,341.00**		रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	55,184,912.00		55,184,912.00		55,184,912.00
केंद्रीय आयुर्वेद और सिद्धा अनुसंधान परिषद			केंद्रीय आयुर्वेद और सिद्धा अनुसंधान परिषद	415,703.00		415,703.00		415,703.00
आयुर्वेदिक विज्ञान में केंद्रीय अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)	**3,223,600.00**		आयुर्वेदिक विज्ञान में केंद्रीय अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)	573,652.00	322,360.00	896,012.00		896,012.00

वित्तपोषित एजेंसी	प्राप्ति	राशि	वित्तपोषित एजेंसी	व्यय	अनुमानित व्यय	व्यय	अवितरित व्यय	कुल व्यय
				(क)	(ख)	(क+ख=ग)	(घ)	(ग+घ)
केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान केंद्र (सीसीआरएच), जनकपुरी, नई दिल्ली	**1,299,200.00**		केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान केंद्र (सीसीआरएच), जनकपुरी, नई दिल्ली	1,320,860.00	64,960.00	1,385,820.00		1,385,820.00
केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद			केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	382,226.00		382,226.00		382,226.00
सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योगा एंड नेचुरोपैथी			सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योगा एंड नेचुरोपैथी	335,176.00		335,176.00		335,176.00
सेंटर फॉर हेल्थ रिसर्च एंड इनोवेशन (सीएचआरआई)	**396,204.00**		सेंटर फॉर हेल्थ रिसर्च एंड इनोवेशन (सीएचआरआई)	307,627.00	39,620.00	347,247.00		347,247.00
सीईओ, एज्योर सॉफ्टवेयर प्रा. लि.	**822,382.00**		सीईओ, एज्योर सॉफ्टवेयर प्रा. लि.	1,015,362.00	82,238.00	1,097,600.00		1,097,600.00
क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर	**2,305,380.00**		क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर	2,431,609.00	230,538.00	2,662,147.00		2,662,147.00
क्रिस्टोफेल ब्लाइंडेनमिशन (सीबीएम) भारत	**3,652,915.00**		क्रिस्टोफेल ब्लाइंडेनमिशन (सीबीएम) भारत	3,785,126.00	230,153.00	4,015,279.00		4,015,279.00
कॉग्निटिव हेल्थ रिहेबिलिटेशन सिस्टम्स एलएलपी	**225,000.00**		कॉग्निटिव हेल्थ रिहेबिलिटेशन सिस्टम्स एलएलपी	158,522.00	22,500.00	181,022.00		181,022.00
कोंक्वेर कैंसर फाउंडेशन	**1,306,069.00**		कोंक्वेर कैंसर फाउंडेशन	1,110,335.00	130,607.00	1,240,942.00		1,240,942.00
कोवांस इंडिया फार्मा प्राइवेट लिमिटेड	**459,470.00**		कोवांस इंडिया फार्मा प्राइवेट लिमिटेड	18,000.00	45,948.00	63,948.00		63,948.00
सीएसआईआर	**27,292,311.00**		सीएसआईआर	2,711,833.00	71,600.00	2,783,433.00		2,783,433.00
कडल्स फाउंडेशन	**593,108.00**		कडल्स फाउंडेशन	578,741.00	49,425.00	628,166.00		628,166.00
क्योरहेल्थ डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट			क्योरहेल्थ डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड	483,644.00		483,644.00		483,644.00
कटिंग एज मेडिकल डिवाइसेस प्राइवेट लिमिटेड, आईआईटी दिल्ली	**9.00**					-		-
डीबीटी	**330,378,401.00**		डीबीटी	194,999,681.86	15,646,986.00	210,646,667.86		210,646,667.86
भौतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान रक्षा संस्थान (डीआईपीएएस)			भौतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान रक्षा संस्थान (डीआईपीएएस)	1,189,822.00		1,189,822.00		1,189,822.00
दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन	**75,000.00**		दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन		7,500.00	7,500.00		7,500.00
महिला एवं बाल विकास विभाग	**5,120,910.00**					-		-
दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स	**596,439.00**		दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स	738,287.00		738,287.00		738,287.00
डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल,	**12,611,448.00**		डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, यूएसए	3,624,842.00	386,472.00	4,011,314.00		4,011,314.00
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग	**978,500.00**		स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग	1,098,671.00		1,098,671.00		1,098,671.00
सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग	**704,928.00**		सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग	658,759.00		658,759.00		658,759.00
			सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 31 दिसंबर तक	3,222,572.00		3,222,572.00		3,222,572.00
			डाईटी को योजन निधि से अनुदान हस्तांतरित	702,259.00		702,259.00		702,259.00
डायग्नो सर्चलाइफसाइंस प्राइवेट	**969,435.00**		डायग्नो सर्चलाइफसाइंस प्राइवेट लिमिटेड	209,449.00	96,944.00	306,393.00		306,393.00
शिक्षा निदेशालय (एनएसएस)			शिक्षा निदेशालय (एनएसएस)	12,703.00		12,703.00		12,703.00
डीएनडीआई स्विट्जरलैंड	**8,755,903.00**		डीएनडीआई स्विट्जरलैंड	8,023,033.00	285,431.00	8,308,464.00		8,308,464.00
डीआरडीओ	**20,320,425.60**		डीआरडीओ	6,617,927.00	268,263.00	6,886,190.00		6,886,190.00
			डीआरडीओ को योजना निधि से अनुदान हस्तांतरित	17530265.6		17,530,265.60		17,530,265.60
डॉ. रेड्डी लैब लि.	**705,572.00**		डॉ. रेड्डी लैब लि.	818,464.00	70,557.00	889,021.00		889,021.00
डीएसटी	**167,400,989.00**		डीएसटी	149,959,820.00	9,693,339.00	159,653,159.00		159,653,159.00
ड्यूक यूनिवर्सिटी यूएसए	**1,116,778.00**		ड्यूक यूनिवर्सिटी यूएसए	363,291.00	111,739.00	475,030.00		475,030.00
इली लिली एंड कंपनी प्रा. लिमिटेड	**315,647.00**		इली लिली एंड कंपनी प्रा. लिमिटेड	25,000.00	31,565.00	56,565.00		56,565.00
एंडोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया	**100,000.00**		एंडोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया	206,935.00	500.00	207,435.00		207,435.00
यूरोपियन कमीशन	**1,116,672.00**		यूरोपियन कमीशन	15,000.00		15,000.00		15,000.00
एक्सेल लाइफ साइंसेज प्राइवेट	**832,529.00**		एक्सेल लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	15,800.00	63,803.00	79,603.00		79,603.00
एफडीसी लिमिटेड	**1,133,975.00**		एफडीसी लिमिटेड	420,063.00	113,398.00	533,461.00		533,461.00
फर्मिश क्लिनिकल टेक्नोलॉजिस्ट प्राइवेट लिमिटेड			फर्मिश क्लिनिकल टेक्नोलॉजिस्ट प्राइवेट लिमिटेड	1,348,454.00		1,348,454.00		1,348,454.00
फाइंड इंडिया	**4,282,173.00**		फाइंड इंडिया		428,217.00	428,217.00		428,217.00
जीनलाइफ क्लीनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	**57,578.00**		जीनलाइफ क्लीनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	61,512.00	5,757.00	67,269.00		67,269.00
जिलीड साइंसेज, इंक., कैलिफोर्निया	**673,533.00**		जिलीड साइंसेज, इंक., कैलिफोर्निया	202,694.00	67,353.00	270,047.00		270,047.00
ग्लैक्सो स्मिथ क्लाइन	**376,749.00**		ग्लैक्सो स्मिथ केलाइन	206,729.00	37,675.00	244,404.00		244,404.00

वित्तपोषित एजेंसी	प्राप्ति	राशि	वित्तपोषित एजेंसी	व्यय	अनुमानित व्यय	व्यय	अवितरित व्यय	कुल व्यय
				(क)	(ख)	(क+ख=ग)	(घ)	(ग+घ)
हैमिलटन हेल्थ साइंसेज कारपोरेशन, कनाडा	663,097.00		हैमिलटन हेल्थ साइंसेज कारपोरेशन, कनाडा	588,460.00	52,442.00	640,902.00		640,902.00
हेटेरो बायोफार्मा लिमिटेड	648,133.00		हेटेरो बायोफार्मा लिमिटेड	169,500.00	64,849.00	234,349.00		234,349.00
हिंदुस्तान लेटेक्स लि.	900,000.00		हिंदुस्तान लेटेक्स लि.	221,609.00		221,609.00		221,609.00
आईएडीआर, यू.एस.ए.			आईएडीआर, यू.एस.ए.	786,174.00		786,174.00		786,174.00
आईएडीवीएल	321,250.00		आईएडीवीएल	72,365.00	32,125.00	104,490.00		104,490.00
आईसीएमआर	404,424,747.00		आईसीएमआर	266,639,473.00	16,429,912.00	283,069,385.00		283,069,385.00
आईसीओएन क्लिनिकल रिसर्च इंडिया प्रा. लिमिटेड	1,284,315.00		आईसीओएन क्लिनिकल रिसर्च इंडिया प्रा. लिमिटेड	684,183.00	128,432.00	812,615.00		812,615.00
आईआईएफसीएल	25,000,000.00		आईआईएफसीएल	7,677,445.00	2,500,000.00	10,177,445.00		10,177,445.00
आईएनसीएलईएन	44,637.00		आईएनसीएलईएन	5,110,760.00	4,464.00	5,115,224.00		5,115,224.00
इंडिया मेडट्रॉनिक प्रा. लिमिटेड	1,637,364.00		इंडिया मेडट्रॉनिक प्रा. लिमिटेड	1,436,323.00	70,251.00	1,506,574.00		1,506,574.00
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	1,007,500.00		भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	264,669.00	82,000.00	346,669.00		346,669.00
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ हैदराबाद			इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ हैदराबाद	668,304.00		668,304.00		668,304.00
इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च	2,640,261.00		इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च			-		-
भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, भारत सरकार	736,066.00		भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, भारत सरकार	571,813.00	73,607.00	645,420.00		645,420.00
इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम	1,813,325.00		इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम	1,248,514.78	181,000.00	1,429,514.78		1,429,514.78
इन्नासेल टेक प्राइवेट लिमिटेड	150,000.00		इन्नासेल टेक प्राइवेट लिमिटेड		15,000.00	15,000.00		15,000.00
इन्सा	253,334.00		इन्सा	361,932.00	23,000.00	384,932.00		384,932.00
इन्टास फार्मासियूटिकल्स लिमिटेड	126,523.00		इन्टास फार्मासियूटिकल्स लिमिटेड		30,652.00	30,652.00		30,652.00
अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी	1,108,973.00		अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी	2,310,186.00	93,572.00	2,403,758.00		2,403,758.00
इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्युबरकुलोसिस एंड लंग डिजिज	429,352.00		इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्युबरकुलोसिस एंड लंग डिजिज	429,368.00		429,368.00		429,368.00
इन्विक्टस ऑन्कोलॉजी			इन्विक्टस ऑन्कोलॉजी	792,491.00		792,491.00		792,491.00
आईपीसीए लैबोरेटरीज	354,068.00		आईपीसीए लैबोरेटरीज	153,448.00	34,907.00	188,355.00		188,355.00
आई.एस.एच.टी.एम.	2,118,294.00		आई.एस.एच.टी.एम.	4,020,750.00	369,978.00	4,390,728.00		4,390,728.00
जेनसेन	298,000.00		जेनसेन	127,576.00	29,800.00	157,376.00		157,376.00
जेआईवी दया फाउंडेशन	3,618,797.00		जेआईवी दया फाउंडेशन	1,899,527.00	261,840.00	2,161,367.00		2,161,367.00
जॉनसन एंड जॉनसन			जॉनसन एंड जॉनसन	90,186.00		90,186.00		90,186.00
जेएसएस मेडिकल रिसर्च इंडिया प्रा.	224,011.00		जेएसएस मेडिकल रिसर्च इंडिया प्रा. लि.	174,047.00	22,400.00	196,447.00		196,447.00
केम्पेगौड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज	145,800.00		केम्पेगौड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज		14,580.00	14,580.00		14,580.00
खंडेलवाल लैबोरेटरीज लि.	928,211.00		खंडेलवाल लैबोरेटरीज लि.	780,736.00	92,672.00	873,408.00		873,408.00
क्लीनएरा	2,151,646.00		क्लीनएरा	205,376.00	142,400.00	347,776.00		347,776.00
लैब इंडिया हेल्थकेयर			लैब इंडिया हेल्थकेयर	128,531.00		128,531.00		128,531.00
लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	1,000,000.00		लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	282,539.00	100,000.00	382,539.00		382,539.00
लैम्ब्डा थेराप्यूटिक रिसर्च लिमिटेड	340,713.00		लैम्ब्डा थेराप्यूटिक रिसर्च लिमिटेड	392,713.00	32,058.00	424,771.00		424,771.00
लेबारा फाउंडेशन	1,299,393.00		लेबारा फाउंडेशन	1,270,496.00	130,423.00	1,400,919.00		1,400,919.00
एलजी लाइफ साइंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड			एलजी लाइफ साइंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	344,677.00		344,677.00		344,677.00
ल्यूपिन लिमिटेड			ल्यूपिन लिमिटेड	1,276,200.00		1,276,200.00		1,276,200.00
मैक मास्टर यूनिवर्सिटी कनाडा	1,439,163.00		मैक मास्टर यूनिवर्सिटी कनाडा	1,436,464.00	103,844.00	1,540,308.00		1,540,308.00
मीडिया लैब एशिया	11,301.00					-		-
मेडपेस	23,143.00					-		-
मेरिल लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड			मेरिल लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	12,600.00	11,880.00	24,480.00		24,480.00
मेट्रोह्म इंडिया लिमिटेड	434,267.00		मेट्रोह्म इंडिया लिमिटेड	298,795.00	43,425.00	342,220.00		342,220.00
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	13,375,936.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	10,050,423.00	7,368.00	10,057,791.00		10,057,791.00
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	28,137,425.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	24,661,458.97	175,120.00	24,836,578.97		24,836,578.97
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष)	6,835,298.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष)	7,694,449.00	348,724.00	8,043,173.00		8,043,173.00

वित्तपोषित एजेंसी	प्राप्ति	राशि	वित्तपोषित एजेंसी	व्यय	अनुमानित व्यय	व्यय	अवितरित व्यय	कुल व्यय
				(क)	(ख)	(क+ख=ग)	(घ)	(ग+घ)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष) 31 जुलाई तक अन्य	**24,315,565.00**		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष) 31 जुलाई तक अन्य	12,244,110.00		12,244,110.00		12,244,110.00
			आयुष को योजना निधि से अनुदान हस्तांतरित	24,315,565.00		24,315,565.00		24,315,565.00
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय-डीएचआर	6,189,045.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय-डीएचआर	5,859,309.00	60,187.00	5,919,496.00		5,919,496.00
गृह मंत्रालय	**3,946,669.00**		गृह मंत्रालय	8,225,348.00	197,033.00	8,422,381.00		8,422,381.00
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	**38,318,646.00**		सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	35,195,847.00	945,000.00	36,140,847.00		36,140,847.00
मैसर्स बेकमैन कोल्टर प्रा. लिमिटेड	**928,849.00**		मैसर्स बेकमैन कोल्टर प्रा. लिमिटेड	286,592.00	92,885.00	379,477.00		379,477.00
मैसर्स गिलीड साइंसेज इंक यूएसए	**7,590,393.00**		मैसर्स गिलीड साइंसेज इंक यूएसए	2,428,829.00	597,756.00	3,026,585.00		3,026,585.00
मैसर्स मार्कसेस रिसर्च डिविजन	**4,745.00**					-		-
एनआईई	**60,199,321.56**		एनआईई	17,351,441.24		17,351,441.24		17,351,441.24
नेशनल कैंसर ग्रिड रिसर्च			नेशनल कैंसर ग्रिड रिसर्च	1,432,913.00		1,432,913.00		1,432,913.00
नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन	**2,460,828.00**		नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन	632,697.00	182,733.00	815,430.00		815,430.00
नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च	**5,411,158.00**		नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च	1,112,913.00	89,153.00	1,202,066.00		1,202,066.00
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यूएसए	70,053,676.00		नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यूएसए	63,184,360.81	6,127,717.00	69,312,077.81		69,312,077.81
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, एनएच यूएसए	**1,400,000.00**		नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, एनएच यूएसए	1,458,299.00	70,000.00	1,528,299.00		1,528,299.00
नेशनल पेरिनाटल एपिडेमियोलाजी यूनिट, यूनिवर्सिटी			नेशनल पेरिनाटल एपिडेमियोलाजी यूनिट, यूनिवर्सिटी	113,756.00		113,756.00		113,756.00
नेवरॉन फार्मास्यूटिकल्स एस.पी.ए.	**837,900.00**		नेवरॉन फार्मास्यूटिकल्स एस.पी.ए.	847,187.00	83,790.00	930,977.00		930,977.00
नेक्स्ट जेन इनविट्रो डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड	**365,000.00**		नेक्स्ट जेन इनविट्रो डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड	809,678.00	36,500.00	846,178.00		846,178.00
नेक्स्ट जेन फार्मा इंडिया प्राइवेट			नेक्स्ट जेन फार्मा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	65,954.00		65,954.00		65,954.00
एनआईपीईआर, नई दिल्ली-110001.			एनआईपीईआर, नई दिल्ली-110001.	625,349.00		625,349.00		625,349.00
नोवा नॉर्डिस्क इंडिया प्रा. लिमिटेड	**3,580,944.00**		नोवा नॉर्डिस्क इंडिया प्रा. लिमिटेड	1,870,497.00	555,991.00	2,426,488.00		2,426,488.00
नोवार्टिस	**2,122,576.00**		नोवार्टिस	2,228,362.00	211,588.00	2,439,950.00		2,439,950.00
नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड	**909,623.00**		नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड	248,839.00	76,680.00	325,519.00		325,519.00
नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड	**51,787.00**		नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड	248,440.00	7,787.00	256,227.00		256,227.00
एनएसआरसी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	**1,285,578.00**		एनएसआरसी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	201,675.00	128,558.00	330,233.00		330,233.00
विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यालय, नौसेना अनुसंधान ग्लोबल के अधिकारी, अमेरिका			विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यालय, नौसेना अनुसंधान ग्लोबल के अधिकारी, अमेरिका	788,299.00		788,299.00		788,299.00
प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय, भारत सरकार	**21,198,352.00**		प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय, भारत सरकार	156,694.00	822,051.00	978,745.00		978,745.00
ऑन्कोलॉजी फोरम	**150,000.00**		ऑन्कोलॉजी फोरम		15,000.00	15,000.00		15,000.00
ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके	**297,955.00**		ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके	371,262.00	29,795.00	401,057.00		401,057.00
पीएआरईएक्सईएल इंटरनेशनल क्लीनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	**2,104,983.00**		पीएआरईएक्सईएल इंटरनेशनल क्लीनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	452,920.00	173,175.00	626,095.00		626,095.00
पीएआरईएक्सईएल इंटरनेशनल लिमिटेड (यू.के.)	**1,806,868.00**		पीएआरईएक्सईएल इंटरनेशनल लिमिटेड (यू.के.)	450,021.00	15,774.00	465,795.00		465,795.00
पाथ/ वन वर्ल्ड हेल्थ	**13,448.00**		पाथ/ वन वर्ल्ड हेल्थ	37,840.00	1,344.00	39,184.00		39,184.00
पिफजेर लिमिटेड	**1,346,439.00**		पिफजेर लिमिटेड	1,842,507.00	120,000.00	1,962,507.00		1,962,507.00
फार्माज्ज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	**358,068.00**		फार्माज्ज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड		35,807.00	35,807.00		35,807.00
पीएचएफआई	**3,902,360.00**		पीएचएफआई	1,824,133.00	390,236.00	2,214,369.00		2,214,369.00
पीएचआरआई, ओंटारियो कनाडा	**4,794,212.00**		पीएचआरआई, ओंटारियो कनाडा	1,771,567.00	479,420.00	2,250,987.00		2,250,987.00
पीपीडी फार्मास्युटिकल डेवलपमेंट इंडिया प्रा. लिमिटेड	**65,434.00**		पीपीडी फार्मास्युटिकल डेवलपमेंट इंडिया प्रा. लिमिटेड	78,280.00	6,643.00	84,923.00		84,923.00
क्विंटाइल स्पेक्ट्रल इंडिया	**220,807.00**		क्विंटाइल स्पेक्ट्रल इंडिया	52,499.00	18,937.00	71,436.00		71,436.00
			राज गढ़िया लिवर यूनिट	66,157.00		66,157.00		66,157.00
राजीव गांधी कैंसर इंस्टिट्यूट एंड रिसर्च सेंटर			राजीव गांधी कैंसर इंस्टिट्यूट एंड रिसर्च सेंटर	13,122.00		13,122.00		13,122.00
रैनबैक्सी / एलिली एंड कंपनी प्रा. लि.			रैनबैक्सी / एलिली एंड कंपनी प्रा. लि.	17,079.00		17,079.00		17,079.00
रैपटिम रिसर्च लि.			रैपटिम रिसर्च लि.	44,188.00		44,188.00		44,188.00

वित्तपोषित एजेंसी	प्राप्ति	राशि	वित्तपोषित एजेंसी	व्यय	अनुमानित व्यय	व्यय	अवितरित व्यय	कुल व्यय
				(क)	(ख)	(क+ख=ग)	(घ)	(ग+घ)
आरईसी पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लि.	**1,248,310.00**		आरईसी पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लि.	874,618.00	124,831.00	999,449.00		999,449.00
सैकसीन लाइफसाइंसेज प्रा. लिमिटेड	**405,000.00**		सैकसीन लाइफसाइंसेज प्रा. लिमिटेड	444,964.00	40,500.00	485,464.00		485,464.00
सैनोफी सिंथेलाबो (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	**121,500.00**		सैनोफी सिंथेलाबो (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	8,602.00	12,150.00	20,752.00		20,752.00
एससीए ग्लोबल हाइजीन प्रोडक्ट्स इंडिया प्रा. लिमिटेड			एससीए ग्लोबल हाइजीन प्रोडक्ट्स इंडिया प्रा. लिमिटेड	79,438.00		79,438.00		79,438.00
सिकइंडिया लैब प्रा. लिमिटेड	**607,200.00**		सिकइंडिया लैब प्रा. लिमिटेड	262,431.00	60,720.00	323,151.00		323,151.00
शास्त्री इंडो कैनेडियन इंस्टीट्यूट			शास्त्री इंडो कैनेडियन इंस्टीट्यूट	3,287.00		3,287.00		3,287.00
साइट सेवर्स	**3,949,770.00**		साइट सेवर्स	4,075,284.00	247,235.00	4,322,519.00		4,322,519.00
सिंगापुर क्लीनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट सिंगापुर			सिंगापुर क्लीनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट सिंगापुर	694,078.00		694,078.00		694,078.00
सिनोफार्म इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	**1,440,190.00**		सिनोफार्म इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	1,318,162.00	167,233.00	1,485,395.00		1,485,395.00
एसएमबी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया			एसएमबी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया	120,000.00		120,000.00		120,000.00
एसआरबी-क्लीनिकल फार्माकोलॉजी	**3,154,100.00**					-		-
सेंट ज्यूड मेडिकल इंडिया प्रा. लिमिटेड			सेंट ज्यूड मेडिकल इंडिया प्रा. लिमिटेड	30,240.00		30,240.00		30,240.00
स्ट्राइकर ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर प्राइवेट लिमिटेड			स्ट्राइकर ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर प्राइवेट लिमिटेड	6,816.00		6,816.00		6,816.00
स्वामी शिवानंद मेमोरियल इंस्टीट्यूट			स्वामी शिवानंद मेमोरियल इंस्टीट्यूट	778,667.00		778,667.00		778,667.00
स्वयं (मानव संसाधन विकास मंत्रालय)	**2,000,000.00**		स्वयं (मानव संसाधन विकास मंत्रालय)	1,309,491.00	100,000.00	1,409,491.00		1,409,491.00
साइनर्जी एनवायरोनिक्स लिमिटेड			साइनर्जी एनवायरोनिक्स लिमिटेड	118,329.00		118,329.00		118,329.00
टेक ऑब्जर्वर इंडिया प्रा. लिमिटेड	**126,000.00**		टेक ऑब्जर्वर इंडिया प्रा. लिमिटेड	111,902.00	12,600.00	124,502.00		124,502.00
द कैंसर फाउंडेशन	**1,000,000.00**		द कैंसर फाउंडेशन	650,132.00	100,000.00	750,132.00		750,132.00
द इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी	**220,000.00**		द इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी	202,588.00	22,000.00	224,588.00		224,588.00
द मीडिया लैब एशिया			द मीडिया लैब एशिया	20,942.00		20,942.00		20,942.00
द मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूनाइटेड किंगडम	**999,044.00**		द मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूनाइटेड किंगडम	177,642.00	99,904.00	277,546.00		277,546.00
टीएचएसटीआई	**592,640.00**		टीएचएसटीआई	1,114,671.00	59,264.00	1,173,935.00		1,173,935.00
टोरेंट फार्मास्युटिकल लि.	**1,196,999.00**		टोरेंट फार्मास्युटिकल लि.	56,186.00	119,700.00	175,886.00		175,886.00
ट्रोइका फार्मास्युटिकल लि.	**26,565.00**		ट्रोइका फार्मास्युटिकल लि.		2,657.00	2,657.00		2,657.00
यूसीएलएएन, यूके	**2,230,954.00**		यूसीएलएएन, यूके	627,333.00	223,341.00	850,674.00		850,674.00
यूनिसेफ	**15,113,599.00**		यूनिसेफ	14,617,384.00	520,054.00	15,137,438.00		15,137,438.00
यूनिक बायोटेक लि.	**308,250.00**		यूनिक बायोटेक लि.	1,085,951.00	107,225.00	1,193,176.00		1,193,176.00
यूनिवर्सिटायर जिकेंहूइस एंटवरपेन (यूजेडए), बेल्जियम			यूनिवर्सिटायर जिकेंहूइस एंटवरपेन (यूजेडए), बेल्जियम	69,000.00		69,000.00		69,000.00
यूनिवर्सिटी ऑफ बरगन नार्वे	**380.00**		यूनिवर्सिटी ऑफ बरगन नार्वे			-		-
यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग	**17,874,423.00**		यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग	3,591,355.00		3,591,355.00		3,591,355.00
यूएनएम एचएससी			यूएनएम एचएससी	862.00		862.00		862.00
यूनिक बायोटेक लि.	**800,000.00**		यूनिक बायोटेक लि.	1,085,539.00		1,085,539.00		1,085,539.00
यूएसवी प्राइवेट लिमिटेड	**1,153,880.00**		यूएसवी प्राइवेट लिमिटेड	1,038,492.00	115,388.00	1,153,880.00		1,153,880.00
वीड़ा क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट	**900,408.00**		वीड़ा क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	211,379.00	88,388.00	299,767.00		299,767.00
वॉल्टर बुशनेल	**868,824.00**		वॉल्टर बुशनेल		86,882.00	86,882.00		86,882.00
वारविक यूनिवर्सिटी, यूके	**2,798,166.00**		वारविक यूनिवर्सिटी, यूके	2,298,456.00	224,037.00	2,522,493.00		2,522,493.00
वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यू.के.	**152,000.00**		वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यू.के.	2,335,836.00	7,600.00	2,343,436.00		2,343,436.00
डब्ल्यूएफपीआईसीसीएस	**18,050.00**		डब्ल्यूएफपीआईसीसीएस	121,625.00	-	121,625.00		121,625.00
डब्ल्यूएचओ	**10,658,372.00**	1,564,742,988.16	डब्ल्यूएचओ	10,782,178.00	36,212.00	10,818,390.00		10,818,390.00
						-		-
आयुष खाते के बजाय योजना निधि खाते में जमा	2,518,897.00	2,518,897.00	बयाना राशि	1,361,195.00	-	1,361,195.00		1,361,195.00
						-		-
			बाहरी वसूली	706,346.00	-	706,346.00		706,346.00
		-						-
प्रत्यक्ष प्राप्तियां						-		-
स्थापना प्रभार	72,813,003.00	72,813,003.00				-		-
बयाना राशि	**2,889,964.90**	2,889,964.90				-		-
						-		-
कुल		2,411,554,850.31	कुल	1,174,479,171.26	72,813,003.00	1,247,292,174.26	-	1,247,292,174.26

विवरण	राशि (रु.)
व्यय वितरण	1,247,292,174.26
अ.भा.आ.सं. डीबीटी खाता	281,073,286.27
अ.भा.आ.सं. डीएसटी खाता	115,339,416.00
अ.भा.आ.सं. आईसीएमआर खाता	297,410,916.00
अ.भा.आ.सं. अनुसंधान योजना खाता	433,233,976.18
अ.भा.आ.सं. आयुष अनुसंधान खाता	23,456,414.00
अ.भा.आ.सं. डाइटी निधि खाता	46,169.00
डीआरडीओ निदेशक खाता	13,702,498.60
अंत शेष	1,164,262,676.05
कमः- बैंक में एफडीआर	100,000,000.00
एफडीआर के बाद शेष	1,064,262,676.05
अवितरित राशि	-
कुल योग	2,411,554,850.31

कनिष्ठ लेखा अधिकारी
अनुसंधान अनुभाग

लेखा अधिकारी
अनुसंधान अनुभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसंधान अनुभाग

वर्ष 2018-2019 का विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु प्राप्त अनुदान के व्यय को दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
1	*संस्थान अनुसंधान अनुदान*	37,819,274.00		50,000,000.00	87,819,274.00	45,825,786.00		45,825,786.00			-	41,993,488.00	
2	एब्बोट हेल्थ केयर प्रा. लि.	664,416.00			664,416.00			-			-	664,416.00	
3	एब्बोट वैसकुलर यूएसए							-	482,902.00		482,902.00	482,902.00	
4	एब्बोट लैबोरेटरीज जीएमबीएच	24,382.00			24,382.00	431,098.00		431,098.00			-		(406,716.00)
5	एक्सेस हेल्थ इंटरनेशनल एपी		(475,080.00)		(475,080.00)			-	475,080.00		475,080.00	-	
6	ए.सी.ई. फार्मेस्यूटिकल्स बी.वी. नीदरलैंड	15,116.00			15,116.00			-		8,677.00	(8,677.00)	6,439.00	
7	एमिल फार्मेस्यूटिकल इंडिया लि.		(331.00)	8,667.00	8,336.00	458,667.00	50,000.00	508,667.00	331.00		331.00		(500,000.00)
8	एजिनोमोटो कं. जापान	67,328.00			67,328.00			-			-	67,328.00	
9	एल्बर्ट डेविड लि.	-			-			-			-	-	
10	अमेरिकन अकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स	519,226.00			519,226.00			-			-	519,226.00	
11	एमजेन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	1,486,697.00			1,486,697.00			-		59,473.00	(59,473.00)	1,427,224.00	
12	एल्केम लैबोरेटरीज लि.		(75,450.00)	253,117.00	177,667.00	320,702.00	31,576.00	352,278.00			-		(174,611.00)
13	एनाजील एनालिटिकल्स एंड रिसर्च प्रा. लिमिटेड	-	-	31,000.00	31,000.00	24,900.00	3,100.00	28,000.00			-	3,000.00	
14	एंटीसेंस फार्मा जीएमबीएच, जर्मनी		(347.00)	347.00	-			-	-		-	-	
15	एओ स्पाइन इंडिया		(84,986.00)		(84,986.00)			-	115,600.00		115,600.00	30,614.00	
16	एओ स्पाइन इंटरनेशनल, हॉन्गकॉन्ग		(717,898.00)		(717,898.00)			-	718,014.00		718,014.00	116.00	
17	एओ स्पाइन इंटरनेशनल, यूएसए	266,994.00			266,994.00			-		266,994.00	(266,994.00)	-	
18	एओ ट्रामा एशिया पेसिफिक	478,621.00		192,236.00	670,857.00	131,040.00		131,040.00			-	539,817.00	
19	एपासामी एसोसिएशन, चेन्नई	123,241.00		5,000.00	128,241.00	106,807.00		106,807.00			-	21,434.00	
20	एपोथेकेरीज प्रा. लि.	642,895.00			642,895.00			-		642,895.00	(642,895.00)	-	
21	एस्ट्रा सेनेका सिंगापुर प्रा. लि., सिंगापुर	162,647.00		-	162,647.00	62,645.00		62,645.00			-	100,002.00	
22	परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड	335,185.00			335,185.00			-			-	335,185.00	
23	ऑक्सिलियम टैक्नीकल एंड मैनेजमेंट सर्विसिज प्रा. लि.	400.00			400.00			-			-	400.00	
24	एवेंटिस फार्मेस्युटिकल्स यू.एस.ए.	14,135.00			14,135.00			-			-	14,135.00	
25	आयुष भारत सरकार							-	170,063.00		170,063.00	170,063.00	
26	बी.ए.आर.सी.	477,447.00			477,447.00			-		477,447.00	(477,447.00)	-	
27	बीजिंग तोशीबी फार्मास्यूटिकल्स कं. लि.	180,235.00			180,235.00			-			-	180,235.00	
28	भारत बायोटैक इंटरनेशनल लि.	12,241.00			12,241.00			-			-	12,241.00	
29	भारत सीरम एंड वैक्सिन्स लि.		(44,607.00)	1,488,036.00	1,443,429.00	401,977.00	114,297.00	516,274.00	60,000.00		60,000.00	987,155.00	
30	बिगटैक प्राइवेट लिमिटेड	100,310.00		330,000.00	430,310.00	239,727.00	33,000.00	272,727.00			-	157,583.00	
31	बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यू.एस.ए.	1,304,624.00			1,304,624.00			-		1,291,981.00	(1,291,981.00)	12,643.00	
32	बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यू.एस.ए.	1,293,805.00			1,293,805.00			-			-	1,293,805.00	
33	बायोजेन इडेक लिमिटेड, यू.के.	547,408.80			547,408.80			-		380,210.80	(380,210.80)	167,198.00	
34	बायोमेरिएक्स इंडिया (प्रा.) लि.	12,011.00			12,011.00			-			-	12,011.00	
35	बोरिंजर इंगेलहेइन इंडिया प्रा. लि.		(585,332.00)	582,717.00	(2,615.00)	384,319.00	53,035.00	437,354.00	1,119,132.00		1,119,132.00	679,163.00	
36	बोन एंड ज्वाईंट डिकेड इंडिया	130.00			130.00			-			-	130.00	
37	ब्रेन्स गेट लि. इजरायल	132.00			132.00			-			-	132.00	
38	ब्रिजिज, यू.एस.ए.	83,429.00			83,429.00			-		83,429.00	(83,429.00)	-	
39	ब्रिस्टल मेयर स्क्यूइब इंडिया प्रा. लि.	367,453.60		1,493,991.00	1,861,444.60	1,525,790.00	148,658.00	1,674,448.00			-	186,996.60	
40	ब्रिस्टल मेयर स्क्यूइब (बी.एम.एस.), यू.एस.ए.		(15,191.00)	1,832,774.00	1,817,583.00	474,826.00	181,990.00	656,816.00	-		-	1,160,767.00	
41	ब्रिटिश काउंसिल, यू.के.	1,265,831.00			1,265,831.00			-		1,262,554.00	(1,262,554.00)	3,277.00	

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
42	ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, यू.के.	858,592.00		1,109,307.00	1,967,899.00	1,604,793.00	110,931.00	1,715,724.00			-	252,175.00	
43	बी.आर.एन.एस., मुंबई	34,187,380.00		1,050,600.00	35,237,980.00	333,543.00	52,530.00	386,073.00			-	34,851,907.00	
44	केडिला हेल्थ केयर लि.	33,233.00		864,000.00	897,233.00	837,771.00	32,400.00	870,171.00			-	27,062.00	
45	केडिला फार्मास्यूटिकल लि.	191,578.00		606,985.00	798,563.00	668,307.00	60,700.00	729,007.00			-	69,556.00	
46	केनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, केनेड़ा		(40,613.00)		(40,613.00)			-	40,613.00		40,613.00	-	
47	केन्नेक्टिन, केनेड़ा	80,186.00			80,186.00	15,750.00		15,750.00			-	64,436.00	
48	सी.सी.डी.सी.	5,831,713.00		784,361.00	6,616,074.00	2,059,134.00	45,553.00	2,104,687.00			-	4,511,387.00	
49	सी.डी. फार्मा इंडिया प्रा. लि.	1,505,515.00			1,505,515.00	72,000.00		72,000.00			-	1,433,515.00	
50	सी.डी.ए.सी.	1,540,014.00			1,540,014.00	1,911,604.00		1,911,604.00	371,590.00		371,590.00	-	-
51	सेफिप्रा, फ्रेंच	1,400,575.00			1,400,575.00	286,529.00		286,529.00			-	1,114,046.00	
52	सेंटोकोर रिसर्च एंड डिवेल्पमेंट, यू.एस.ए.	4,797.00			4,797.00			-			-	4,797.00	
53	केंद्रीय आयुर्वेद और सिद्धा अनुसंधान परिषद		(345,776.00)		(345,776.00)	415,703.00		415,703.00	1,538,189.00		1,538,189.00	776,710.00	
54	केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान केंद्र (सीसीआरएच), जनकपुरी, नई दिल्ली	583,398.00		1,299,200.00	1,882,598.00	1,320,860.00	64,960.00	1,385,820.00			-	496,778.00	
55	केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	1,058,028.00			1,058,028.00	382,226.00		382,226.00			-	675,802.00	
56	केंद्रीय योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद		(701,563.00)		(701,563.00)	335,176.00		335,176.00	1,054,391.00		1,054,391.00	17,652.00	
57	केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन	135,557.00			135,557.00			-			-	135,557.00	
58	आयुर्वेदिक विज्ञान में केंद्रीय अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)	-	-	3,223,600.00	3,223,600.00	573,652.00	322,360.00	896,012.00			-	2,327,588.00	
59	चिरकालिक विकार नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	1,466,054.00		-	1,466,054.00	-		-			-	1,466,054.00	
60	सेंटर फॉर हेल्थ रिसर्च एंड इनोवेशन (सीएचआरआई)	-	-	396,204.00	396,204.00	307,627.00	39,620.00	347,247.00			-	48,957.00	
61	सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी), यूएसए	11,270,471.00		70,084,080.00	81,354,551.00	66,535,603.00	7,437,599.00	73,973,202.00			-	7,381,349.00	
62	रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	17,481,944.00		41,706,341.00	59,188,285.00	55,184,912.00		55,184,912.00	-		-	4,003,373.00	
63	सेंटर फ्राको- इंडियन पौर ला प्रीओमोशन डि ला रिचेर्चे एडवांस (सीईएफआईपीआरए), फ्रांस		(753,741.00)		(753,741.00)			-	836,627.00		836,627.00	82,886.00	
64	सीईओ, एज्योर सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड	-	-	822,382.00	822,382.00	1,015,362.00	82,238.00	1,097,600.00	282,967.00		282,967.00	7,749.00	
65	चरक फार्मा (प्रा.) लि.	1,144.00			1,144.00			-			-	1,144.00	
66	क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर	1,232,333.00		2,305,380.00	3,537,713.00	2,431,609.00	230,538.00	2,662,147.00			-	875,566.00	
67	क्रिस्टोफटेल बाइनडेमिशन (सीबीएम) इंडिया		(1,001,264.00)	3,652,915.00	2,651,651.00	3,785,126.00	230,153.00	4,015,279.00	2,282,332.00		2,282,332.00	918,704.00	
68	क्लिनसाइट, यू.एस.ए.	665.00			665.00			-			-	665.00	
69	क्लिनिकल मार्किटिंग प्रा. लि.		(243,792.00)		(243,792.00)			-	252,164.00		252,164.00	8,372.00	
70	क्लिनिजेन इंटरनेशनल प्रा. लि.	1,144,531.00			1,144,531.00			-		1,144,531.00	(1,144,531.00)	-	
71	क्लिनिरक्स रिसर्च प्रा. लि., गुड़गांव, हरियाणा	71,079.00			71,079.00			-			-	71,079.00	
72	कोडमेन एंड श्रुतलीफ, इंक. यू.एस.ए.	42,138.00			42,138.00			-			-	42,138.00	
73	कोलोप्लास्ट		(5,775.00)		(5,775.00)			-	5,775.00		5,775.00	-	
74	कोनार्ड, यू.एस.ए.	591.00			591.00			-			-	591.00	
75	कॉग्निटिव हेल्थ रिहेबिलिटेशन सिस्टम्स एलएलपी	-	-	225,000.00	225,000.00	158,522.00	22,500.00	181,022.00			-	43,978.00	
76	कोंक्वेर कैंसर फाउंडेशन	-	-	1,306,069.00	1,306,069.00	1,110,335.00	130,607.00	1,240,942.00			-	65,127.00	
77	कोवांस इंडिया फार्मा प्राइवेट लिमिटेड	-	-	459,470.00	459,470.00	18,000.00	45,948.00	63,948.00			-	395,522.00	
78	कान्वेटी साईब	2,328.00			2,328.00			-			-	2,328.00	
79	कोर्वेटिस, यू.एस.ए.		(612,747.00)		(612,747.00)			-	617,201.00		617,201.00	4,454.00	
80	सी.पी.डब्ल्यू.डब्ल्यू. जेरूसलम	6,534.00			6,534.00			-			-	6,534.00	

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
81	क्रीटेरियम	16,211.00			16,211.00			-			-	16,211.00	
82	सी.एस.आई.आर.		(21,084,444.00)	27,292,311.00	6,207,867.00	2,711,833.00	71,600.00	2,783,433.00	-		-	3,424,434.00	
83	सी.टी.सी./आई.सी.डी.एस.	237,738.00			237,738.00			-		-	-	237,738.00	
84	क्यूडल्स फाउंडेशन	168,291.00		593,108.00	761,399.00	578,741.00	49,425.00	628,166.00			-	133,233.00	
85	कटिंग एज मेडिकल डिवाइसेस प्रा. लि., आईआईटी दिल्ली		(9.00)	9.00	-			-	-		-	-	
86	क्योर हेल्थ डायग्नोस्टीक प्रा. लि.	6,918.00		-	6,918.00	483,644.00		483,644.00	478,457.00		478,457.00	1,731.00	
87	सिस्टिक फाइब्रोसिस /वर्ल्ड वाइड, यू.एस.ए.	14,605.00			14,605.00			-			-	14,605.00	
88	डाबर रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर		(644,809.00)		(644,809.00)			-	653,722.00		653,722.00	8,913.00	
89	डाबर रिसर्च फाउंडेशन	1,095,999.00			1,095,999.00			-			-	1,095,999.00	
90	डेनीडा रिसर्च काउंसिल	19.00			19.00			-			-	19.00	
91	डी.बी.टी.	194,293,559.00		330,378,401.00	524,671,960.00	194,999,681.86	15,646,986.00	210,646,667.86			-	314,025,292.14	
92	दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स	42,880.00		596,439.00	639,319.00	738,287.00		738,287.00	116,931.00		116,931.00	17,963.00	
93	दिल्ली तपेदिक उन्मूलन समिति	10,824.00			10,824.00			-			-	10,824.00	
94	सीएसआईओ विभाग, चंडीगढ़		(135,557.00)		(135,557.00)			-	135,557.00		135,557.00	-	
95	स्वास्थ्य विभाग एवं मानव सेवा विकार नियंत्रण केंद्र, यू.एस.ए.		(4,563,749.49)	12,611,448.00	8,047,698.51	3,624,842.00	386,472.00	4,011,314.00	-		-	4,036,384.51	
96	स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग	4,045,843.00		978,500.00	5,024,343.00	1,098,671.00		1,098,671.00			-	3,925,672.00	
97	इलैक्ट्रोनिक्स विभाग	1,418,506.00			1,418,506.00			-		1,418,335.00	(1,418,335.00)	171.00	
98	सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग		(1,038,275.00)	704,928.00	(333,347.00)	658,759.00	-	658,759.00	4,222,629.00		4,222,629.00	3,230,523.00	-
99	सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग 31 दिसंबर तक	-	-	-	-	3,222,572.00		3,222,572.00			-		(3,222,572.00)
100	फार्मेस्यूटिकल्स विभाग	1,124,610.00			1,124,610.00			-		1,096,706.00	(1,096,706.00)	27,904.00	
101	महिला एवं बाल विकास विभाग		(4,972,556.00)	5,120,910.00	148,354.00			-	-		-	148,354.00	
102	डीएनडीआई स्विटजरलैंड		(118,826.00)		(118,826.00)			-	118,826.00		118,826.00	-	
103	भौतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान रक्षा संस्थान (डीआईपीएएस)	1,522,279.00			1,522,279.00	1,189,822.00		1,189,822.00			-	332,457.00	
104	दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन	-	-	75,000.00	75,000.00	-	7,500.00	7,500.00			-	67,500.00	
105	डायजीन कार्पोरेशन, यू.एस.ए.	42,184.00			42,184.00			-			-	42,184.00	
106	स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय		(57,267.00)		(57,267.00)			-			-		(57,267.00)
107	शिक्षा निदेशालय (एन.एस.एस.)	2,325.00			2,325.00	12,703.00		12,703.00			-		(10,378.00)
108	डायग्नो सर्चलाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	-	-	969,435.00	969,435.00	209,449.00	96,944.00	306,393.00			-	663,042.00	
109	दान / अनुदान	-			-			-			-	-	
110	डॉ. रेड्डी प्रयोगशाला प्रा. लि.		497,154.90	705,572.00	1,202,726.90	818,464.00	70,557.00	889,021.00			-	313,705.90	
111	डी.आर.डी.ई. (ग्वालियर)	362,354.00			362,354.00			-	-		-	362,354.00	
112	डी.आर.डी.ओ.		(471,816.00)	20,320,425.60	19,848,609.60	6,617,927.00	268,263.00	6,886,190.00	471,816.00		471,816.00	13,434,235.60	-
113	डी.एस.टी.	74,663,599.00		167,400,989.00	242,064,588.00	149,959,820.00	9,693,339.00	159,653,159.00	-	-	-	82,411,429.00	
114	ड्यूक यूनिवर्सिटी यूएसए	-	-	1,116,778.00	1,116,778.00	363,291.00	111,739.00	475,030.00			-	641,748.00	
115	इली लिलि		(346,109.00)	315,647.00	(30,462.00)	25,000.00	31,565.00	56,565.00			-		(87,027.00)
116	इम्क्योर फार्मास्यूटिकल लि.		(6,380.00)		(6,380.00)			-			-		(6,380.00)
117	इम्मीस कार्पोरेशन, मैरीलैंड, यू.एस.ए.	3,297.00			3,297.00			-			-	3,297.00	
118	एंड्रोनिक सोसायटी ऑफ इंडिया	85,000.00		100,000.00	185,000.00	206,935.00	500.00	207,435.00			-		(22,435.00)
119	यूरोपियन कमीशन	878,363.00		1,116,672.00	1,995,035.00	15,000.00		15,000.00		687,733.00	(687,733.00)	1,292,302.00	
120	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञानी फेडरेशन		(276.00)		(276.00)			-	276.00		276.00	-	
121	फ्लेमेंटरा एजी, स्विजरलैंड	48,193.00			48,193.00			-			-	48,193.00	
122	डीएनडीआई स्विजरलैंड	1,188,257.00		8,755,903.00	9,944,160.00	8,023,033.00	285,431.00	8,308,464.00		118,826.00	(118,826.00)	1,516,870.00	
123	एक्सेल लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	-	-	832,529.00	832,529.00	15,800.00	63,803.00	79,603.00			-	752,926.00	
124	एफडीसी लिमिटेड	-	-	1,133,975.00	1,133,975.00	420,063.00	113,398.00	533,461.00			-	600,514.00	

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
125	फोगर्टी इंटरनेशनल सेंटर, एन.आई.एच., यूएसए	5,807.00			5,807.00			-			-	5,807.00	
126	फोंडाजिओन एंग्लो बिआंची बानोमि मिलन - इटली	106,888.00			106,888.00			-			-	106,888.00	
127	फोर्ड फाउंडेशन	458,594.00			458,594.00			-		458,594.00	(458,594.00)	-	
128	फ्रीडम ट्रायल	86,253.00			86,253.00			-			-	86,253.00	
129	फेरमिश क्लिनिकल टेक्नोलॉजिस्ट प्रा. लि.	-	-		-	1,348,454.00		1,348,454.00	1,611,680.00		1,611,680.00	263,226.00	-
130	फाइंड इंडिया	-	-	4,282,173.00	4,282,173.00	-	428,217.00	428,217.00			-	3,853,956.00	
131	फुलफोर्ड इंडिया लि.	112,403.00			112,403.00			-		16,157.00	(16,157.00)	96,246.00	
132	जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, इंडिया		(26,469.00)		(26,469.00)			-	26,469.00		26,469.00	-	
133	जी.आई.एल.ई.ए.डी. साइंसेस, इंक, कैलीफॉर्निया	1,206,577.00		673,533.00	1,880,110.00	202,694.00	67,353.00	270,047.00			-	1,610,063.00	
134	ग्लैक्सो इंडिया लि.	217,377.00			217,377.00			-		217,377.00	(217,377.00)	-	
135	ग्लेक्सो स्मिथ क्लाइन	305,709.69		376,749.00	682,458.69	206,729.00	37,675.00	244,404.00		87,521.69	(87,521.69)	350,533.00	
136	ग्लेक्सो स्मिथ क्लाइन एशिया प्राइवेट लि.	3,642.00			3,642.00			-			-	3,642.00	
137	जीनलाइफ क्लिनिकल रिसर्च प्रा. लि.		(27,489.00)	57,578.00	30,089.00	61,512.00	5,757.00	67,269.00			-		(37,180.00)
138	ग्लोबल कैंसर कन्सर्न इंडिया	3,647.00			3,647.00			-			-	3,647.00	
139	जी.डब्ल्यू. फार्मा लि. यूके.	9,381.00			9,381.00			-			-	9,381.00	
140	हेमिलटन स्वास्थ्य विज्ञान एवं मैक मास्टर विश्वविद्यालय, कनाड़ा		(942,920.00)		(942,920.00)			-	948,075.00		948,075.00	5,155.00	-
141	हेमिलटन स्वास्थ्य विज्ञान कार्पोरेशन, कनाड़ा	916,245.00		663,097.00	1,579,342.00	588,460.00	52,442.00	640,902.00		904,798.00	(904,798.00)	33,642.00	
142	हेल्पेज इंडिया		(284,978.00)		(284,978.00)			-	284,978.00		284,978.00	-	
143	हेटेरो बायोफार्मा लिमिटेड	-	-	648,133.00	648,133.00	169,500.00	64,849.00	234,349.00			-	413,784.00	
144	हिमालय ड्रग कं.	1,366,236.00			1,366,236.00			-		1,366,236.00	(1,366,236.00)	-	
145	हिंदुस्तान लेटैक्स फैमिली प्लानिंग प्रमोशन		(138,013.00)		(138,013.00)			-			-		(138,013.00)
146	हिंदुस्तान लेटैक्स लिमिटेड	1,443,493.00		900,000.00	2,343,493.00	221,609.00		221,609.00			-	2,121,884.00	
147	होरिबा इंडिया प्रा. लि.		(151,949.00)		(151,949.00)			-			-		(151,949.00)
148	आई.ए.डी.वी.एल.	88,677.00		321,250.00	409,927.00	72,365.00	32,125.00	104,490.00			-	305,437.00	
149	आई.सी.सी.एस.आर.		(74,861.00)		(74,861.00)			-			-		(74,861.00)
150	आई.सी.जी.ई. एंड बी.	613,494.00			613,494.00			-		601,462.00	(601,462.00)	12,032.00	
151	आई.सी.एम.आर.	183,803,327.18		404,424,747.00	588,228,074.18	266,639,473.00	16,429,912.00	283,069,385.00			-	305,158,689.18	
152	आईसीओएन क्लिनिकल रिसर्च इंडिया प्रा. लिमिटेड	-	-	1,284,315.00	1,284,315.00	684,183.00	128,432.00	812,615.00			-	471,700.00	
153	आई.ए.डी.आर, यू.एस.ए.	2,546,256.00		-	2,546,256.00	786,174.00	-	786,174.00		365,205.00	(365,205.00)	1,394,877.00	
154	आई.सी.एस.एस.आर.		(79,411.00)		(79,411.00)			-			-		(79,411.00)
155	इम्पीरियल लाइफ साईसेज (प्रा.) लि.	66,552.00			66,552.00			-		50,202.00	(50,202.00)	16,350.00	
156	इन्क्लेन	8,382,490.00		44,637.00	8,427,127.00	5,110,760.00	4,464.00	5,115,224.00		3,809,252.00	(3,809,252.00)		(497,349.00)
157	इन्कलेन एंड यू.एस.ए.आई.डी.	24.00			24.00			-			-	24.00	
158	इंकटर यू.एस.ए.		(99,699.00)		(99,699.00)			-	99,699.00		99,699.00	-	-
159	इंडिया मेडट्रोनिक प्रा. लि.	1,384,322.00		1,637,364.00	3,021,686.00	1,436,323.00	70,251.00	1,506,574.00		88,416.00	(88,416.00)	1,426,696.00	
160	आईआईएफसीएल	-	-	25,000,000.00	25,000,000.00	7,677,445.00	2,500,000.00	10,177,445.00			-	14,822,555.00	
161	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	589,148.00		1,007,500.00	1,596,648.00	264,669.00	82,000.00	346,669.00	40,702.00		40,702.00	1,290,681.00	
162	भारतीय दर्शनविज्ञानी अनुसंधान परिषद		(176,320.00)		(176,320.00)			-			-		(176,320.00)
163	इंडियन हार्ट रिदम सोसायटी	2,560.00			2,560.00			-			-	2,560.00	
164	भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, हैदराबाद	415,016.00		-	415,016.00	668,304.00		668,304.00	282,164.00	-	282,164.00	28,876.00	-
165	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान		(257,018.00)		(257,018.00)			-			-		(257,018.00)

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
166	इंडियन सोसायटी फॉर बोन एंड मिनरल रिसर्च		(60,000.00)		(60,000.00)			-			-		(60,000.00)
167	इंडो - फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रोमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च	443,039.00		2,640,261.00	3,083,300.00	-		-		419,717.00	(419,717.00)	2,663,583.00	
168	इंडो जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर	4,497,582.00		736,066.00	5,233,648.00	571,813.00	73,607.00	645,420.00		4,484,821.00	(4,484,821.00)	103,407.00	
169	इंडो - यू.एस.	749,033.00			749,033.00			-		749,033.00	(749,033.00)	-	
170	इंडो - यू.एस. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच	141,666.00		1,813,325.00	1,954,991.00	1,248,514.78	181,000.00	1,429,514.78		230,321.00	(230,321.00)	295,155.22	
171	आई.एन.एम.ए.एस. (डी.आर.डी.ओ.)		(870,046.00)		(870,046.00)			-			-		(870,046.00)
172	आई.एन.एस.ए.	342,233.00		253,334.00	595,567.00	361,932.00	23,000.00	384,932.00		175,331.00	(175,331.00)	35,304.00	
173	इंस्ट्टियूट डि रिचर्चस इंटरनेशनल्स सर्वियर (आईआरआईएस), फ्रांस		(2,034.00)		(2,034.00)			-	2,034.00		2,034.00	-	
174	कैंसर अनुसंधान संस्थान यू.के. समन्वय समिति		(7,209.00)		(7,209.00)			-	7,209.00		7,209.00	-	
175	जिनोमिक एवं इन्टेगरेटिव बायोलॉजी संस्थान	1,882,584.00			1,882,584.00			-		1,116,358.00	(1,116,358.00)	766,226.00	
176	इनटास बायो फार्मेस्यूटिकल्स लि.		(50,063.00)		(50,063.00)			-			-		(50,063.00)
177	इनटास फार्मेस्यूटिकल्स लि.	-	-	126,523.00	126,523.00	-	30,652.00	30,652.00			-	95,871.00	
178	इन्नासेल टेक प्राइवेट लिमिटेड	-	-	150,000.00	150,000.00	-	15,000.00	15,000.00			-	135,000.00	
179	इन्टरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्युबरकुलोसिस एंड लंग डिजिजस	17,975.00			17,975.00			-			-	17,975.00	
180	अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी		(406,873.00)	1,108,973.00	702,100.00	2,310,186.00	93,572.00	2,403,758.00	840,530.00	-	840,530.00		(861,128.00)
181	इन्टरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्युबरकुलोसिस एंड लंग डिजिजस	-	-	429,352.00	429,352.00	429,368.00		429,368.00			-		(16.00)
182	अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान एसोसिएशन	462,959.00			462,959.00			-		419,898.00	(419,898.00)	43,061.00	
183	इन्टरनेशनल यूनियन अगेंस्ट कैंसर (युआईसीसी)	95,273.00			95,273.00			-			-	95,273.00	
184	इनविक्टस अर्बुदविज्ञान	87,978.00		-	87,978.00	792,491.00		792,491.00		6,203.00	(6,203.00)		(710,716.00)
185	आईपीसीए लेबोरेट्रीज		(917,054.00)	354,068.00	(562,986.00)	153,448.00	34,907.00	188,355.00			-		(751,341.00)
186	आई.एस.एच.टी.एम.	635,668.00		2,118,294.00	2,753,962.00	4,020,750.00	369,978.00	4,390,728.00	2,038,620.00		2,038,620.00	401,854.00	-
187	जीव दया फाउंडेशन		(1,823,865.50)	3,618,797.00	1,794,931.50	1,899,527.00	261,840.00	2,161,367.00			-		(366,435.50)
188	जॉन हॉप्किन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (जे.एच.बी.एस.पी.एच.)	260,845.00			260,845.00			-			-	260,845.00	
189	जनसेन		(69,016.00)	298,000.00	228,984.00	127,576.00	29,800.00	157,376.00			-	71,608.00	-
190	जेएसएस मेडिकल रिसर्च इंडिया प्रा. लि.		(102,556.00)	224,011.00	121,455.00	174,047.00	22,400.00	196,447.00	74,992.00		74,992.00	-	-
191	जॉनसन एंड जॉनसन	105,242.31			105,242.31	90,186.00		90,186.00		96,727.31	(96,727.31)		(81,671.00)
192	केम्पेगौड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज	-	-	145,800.00	145,800.00	-	14,580.00	14,580.00			-	131,220.00	
193	खंडेलवाल लेबोरेट्रीज लि.	805.00		928,211.00	929,016.00	780,736.00	92,672.00	873,408.00			-	55,608.00	
194	क्लीनएरा	-	-	2,151,646.00	2,151,646.00	205,376.00	142,400.00	347,776.00			-	1,803,870.00	
195	के.एल.पी.एफ., यू.एस.ए.	16,473.00			16,473.00			-		16,473.00	(16,473.00)	-	
196	कोब, जापान	10,221.00			10,221.00		-	-			-	10,221.00	
197	लैब इंडिया हेल्थकेयर	273,585.00		-	273,585.00	128,531.00		128,531.00			-	145,054.00	
198	लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	14,795.00		1,000,000.00	1,014,795.00	282,539.00	100,000.00	382,539.00			-	632,256.00	
199	लाजोला फार्मास्यूटिकल कंपनी, कैलीफोर्निया	487.00			487.00			-			-	487.00	
200	लाम्बडा थेराप्यूटिक रिसर्च लि.	592,178.00		340,713.00	932,891.00	392,713.00	32,058.00	424,771.00			-	508,120.00	
201	लेबारा फाउंडेशन	239,736.00		1,299,393.00	1,539,129.00	1,270,496.00	130,423.00	1,400,919.00			-	138,210.00	
202	एल.जी. कैमिकल्स इंडिया प्रा. लि.		(668.00)		(668.00)			-	668.00		668.00	-	
203	एल.जी. लाइफ साइंस इंडिया प्रा. लि.	419,863.00			419,863.00	344,677.00		344,677.00			-	75,186.00	
204	लिवर फाउंडेशन	155,987.00			155,987.00			-			-	155,987.00	

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
205	लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, यू.के.	146,225.00			146,225.00			-			-	146,225.00	
206	लूपिन लिमिटेड		(137,836.00)		(137,836.00)	1,276,200.00		1,276,200.00	1,543,834.00		1,543,834.00	129,798.00	
207	मैसर्स आर्कमिडिज डेवलपमेंट लि., यू.के.	47,204.00			47,204.00			-			-	47,204.00	
208	मैसर्स एस्प्रेवा फार्मस्यूटिकल कार्पोरेशन, कनाड़ा		(41,266.00)		(41,266.00)			-			-		(41,266.00)
209	मैसर्स बेकमैन कोल्टर प्रा. लिमिटेड	-	-	928,849.00	928,849.00	286,592.00	92,885.00	379,477.00			-	549,372.00	
210	मैसर्स जिलीड साइंसेज इंक, यू.एस.ए.	7,545,755.00		7,590,393.00	15,136,148.00	2,428,829.00	597,756.00	3,026,585.00			-	12,109,563.00	
211	मैसर्स जेनाकेयर सॉल्यूशन प्रा. लि.		(558,290.00)		(558,290.00)			-			-		(558,290.00)
212	मैसर्स मार्कन्सस रिसर्च डिविजन		(4,745.00)	4,745.00	-			-	-		-	-	
213	मैसर्स मार्क शार्प एंड डोहम कॉर्प, यूएसए	56,728.00			56,728.00			-			-	56,728.00	
214	मैसर्स मार्क शार्प एंड डोहम कॉर्पोरेशन, यूएसए		(1,354,464.00)		(1,354,464.00)			-	1,193,309.00		1,193,309.00		(161,155.00)
215	मैक्लियोड्स फार्मास्यूटिकल लि.	18.00			18.00			-			-	18.00	
216	महर्षि आयुर्वेद		(6,352.00)		(6,352.00)			-			-		(6,352.00)
217	मैक्स नीमान इन्टरनेशनल	993,796.00			993,796.00			-		993,796.00	(993,796.00)	-	
218	एम.बी.आई. किट्स	8,867.00			8,867.00			-			-	8,867.00	
219	मैक मास्टर विश्वविद्यालय, कनाड़ा	2,418,285.00		1,439,163.00	3,857,448.00	1,436,464.00	103,844.00	1,540,308.00			-	2,317,140.00	
220	मीडिया लैब एशिया		(11,301.00)	11,301.00	-			-	-		-	-	
221	मेडपेस		(23,143.00)	23,143.00	-			-	-		-	-	
222	मेडट्रॉनिक इंडिया प्रा. लि.	122,167.00			122,167.00			-			-	122,167.00	
223	मर्क फार्मास्यूटिकल्स लि.		(429,945.00)		(429,945.00)			-	429,945.00		429,945.00	-	-
224	मर्क सिरोनो इन्टरनेशनल एस.ए., स्वीट्जरलैंड	217,685.00			217,685.00			-			-	217,685.00	
225	मेरिल लाइफ साइंसेज प्रा. लि.	196,202.00		-	196,202.00	12,600.00	11,880.00	24,480.00			-	171,722.00	
226	मर्क एंड कं., इंक, यू. एस.ए.	729,223.80			729,223.80			-			-	729,223.80	
227	मर्क एंड कं., इंक, यू. एस.ए.		(67,291.00)		(67,291.00)			-			-		(67,291.00)
228	मेट्रोहम इंडिया लि.		(63,390.00)	434,267.00	370,877.00	298,795.00	43,425.00	342,220.00			-	28,657.00	-
229	कैमिकल एंड पेट्रोकैमिकल्स मंत्रालय		(14,820.00)		(14,820.00)			-			-		(14,820.00)
230	संचार एवं सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2,776,381.00			2,776,381.00			-			-	2,776,381.00	
231	रक्षा मंत्रालय (डी.आर.डी.ओ.)	65,850.00			65,850.00			-			-	65,850.00	
232	कल्याण मंत्रालय	-			-			-	2,100.00	-	2,100.00	2,100.00	
233	पृथ्वी-विज्ञान मंत्रालय	184,977.00			184,977.00			-			-	184,977.00	
234	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय		(42,383.00)		(42,383.00)			-			-		(42,383.00)
235	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)		(956,282.00)	13,375,936.00	12,419,654.00	10,050,423.00	175,120.00	10,225,543.00	4,098,666.00		4,098,666.00	6,292,777.00	
236	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष मंत्रालय	24,178,981.69		6,835,298.00	31,014,279.69	7,694,449.00	348,724.00	8,043,173.00	-	12,668,752.97	(12,668,752.97)	10,302,353.72	
237	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष) अन्य 31 जुलाई तक	-	-	24,315,565.00	24,315,565.00	12,244,110.00		12,244,110.00			-	12,071,455.00	
238	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	-	-	28,137,425.00	28,137,425.00	24,661,458.97		24,661,458.97			-	3,475,966.03	
239	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष) डीएचआर	54,362.00		6,189,045.00	6,243,407.00	5,859,309.00	60,187.00	5,919,496.00			-	323,911.00	
240	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय	5,766,774.00		38,318,646.00	44,085,420.00	35,195,847.00	945,000.00	36,140,847.00	-		-	7,944,573.00	-
241	गृह मंत्रालय	7,477,740.00		3,946,669.00	11,424,409.00	8,225,348.00	197,033.00	8,422,381.00	-		-	3,002,028.00	
242	मोर्फोटिक इंक, यू.एस.ए.	98,823.58			98,823.58			-			-	98,823.58	
243	एमएसडी (इंडिया) प्रा.लि.	236,463.00			236,463.00			-			-	236,463.00	
244	नग फाउंडेशन, पुणे	342,138.00			342,138.00			-			-	342,138.00	
245	एन.ए.आई.पी.		(59,810.00)		(59,810.00)			-			-		(59,810.00)

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
246	एन.ए.एम.एस.		(231,005.00)		(231,005.00)			-			-		(231,005.00)
247	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण	4,020,350.00			4,020,350.00			-			-	4,020,350.00	
248	नेटको फार्मा इंडिया	110,079.00			110,079.00			-			-	110,079.00	
249	नेशनल कैंसर ग्रिड रिसर्च		(522,197.00)	-	(522,197.00)	1,432,913.00		1,432,913.00	1,957,575.00		1,957,575.00	2,465.00	-
250	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन		(317,579.00)		(317,579.00)			-			-		(317,579.00)
251	राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग	889,923.00			889,923.00			-			-	889,923.00	
252	राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग		(614,244.00)	-	(614,244.00)			-			-		(614,244.00)
253	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आस्ट्रेलिया	532,000.00			532,000.00			-			-	532,000.00	
254	राष्ट्रीय सूचना केंद्र	47,745.00			47,745.00			-			-	47,745.00	
255	राष्ट्रीय नवाचार फाउण्डेशन	457,998.00		2,460,828.00	2,918,826.00	632,697.00	182,733.00	815,430.00			-	2,103,396.00	
256	राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यू.एस.ए.	25,438,858.00		70,053,676.00	95,492,534.00	63,184,360.82	6,127,717.00	69,312,077.82			-	26,180,456.18	
257	राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान	-	-	5,411,158.00	5,411,158.00	1,112,913.00	89,153.00	1,202,066.00			-	4,209,092.00	
258	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एनआईएच, यूएसए		436,887.00	1,400,000.00	1,836,887.00	1,458,299.00	70,000.00	1,528,299.00			-	308,588.00	-
259	राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) हैदराबाद	109.00			109.00			-			-	109.00	
260	राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान	12,439.00			12,439.00			-			-	12,439.00	
261	राष्ट्रीय ज्ञान आयोग	331,672.00			331,672.00			-			-	331,672.00	
262	नेशनल पेरिनेटल एपिडेमियोलॉजी यूनिट, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.	558,385.55		-	558,385.55	113,756.00		113,756.00			-	444,629.55	
263	नेशनल थैलेसेमिया वेलफेयर सोसायटी		(1,781.00)		(1,781.00)			-	1,781.00		1,781.00	-	
264	एन.सी.बी.आई.आर.	79,837.00			79,837.00			-			-	79,837.00	
265	एन.सी. प्रा. लि.	37,117.00			37,117.00			-			-	37,117.00	
266	एन.सी.टी.	33,584.00			33,584.00			-			-	33,584.00	
267	नीमान मेडिकल इन्टरनेशनल एशिया लि.	237,385.00			237,385.00			-			-	237,385.00	
268	न्यूरोन फार्मास्यूटिकल्स एस.पी.ए.	154,518.00		837,900.00	992,418.00	847,187.00	83,790.00	930,977.00			-	61,441.00	
269	न्यूकैसल विश्वविद्यालय, यू.के.		(717.00)		(717.00)			-	717.00		717.00	-	-
270	नेक्स्ट जेन फार्मा इंडिया प्रा. लि.	361,443.00		-	361,443.00	65,954.00		65,954.00			-	295,489.00	
271	नेक्स्ट जेन इनविट्रो डायग्नोस्टिक प्रा. लि.	500,767.00		365,000.00	865,767.00	809,678.00	36,500.00	846,178.00			-	19,589.00	
272	एन.आई.ई.	205,231,143.77		60,199,321.56	265,430,465.33	17,351,441.24		17,351,441.24			-	248,079,024.09	
273	एन.आई.पी.ई.आर. नई दिल्ली 110001	6,618,999.00			6,618,999.00	625,349.00		625,349.00			-	5,993,650.00	
274	नोवा नोर्डिस्क इंडिया प्रा. लि.	2,496,104.00		3,580,944.00	6,077,048.00	1,870,497.00	555,991.00	2,426,488.00			-	3,650,560.00	
275	नोवाबे फार्मास्यूटिकल्स इंक., यू.एस.ए.	54,353.69			54,353.69		-	-			-	54,353.69	
276	नोवार्टिस हेल्थ केयर प्रा. लि.	369,491.25		909,623.00	1,279,114.25	248,839.00	76,680.00	325,519.00			-	953,595.25	
277	नोवार्टिस	805,790.25		2,122,576.00	2,928,366.25	2,228,362.00	211,588.00	2,439,950.00			-	488,416.25	
278	नोवर्टिस इंडिया लि.	245,281.22		51,787.00	297,068.22	248,440.00	7,787.00	256,227.00			-	40,841.22	
279	एन.आर.डी.सी.	29,510.00			29,510.00			-			-	29,510.00	
280	एनएसआरसी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	-	-	1,285,578.00	1,285,578.00	201,675.00	128,558.00	330,233.00			-	955,345.00	
281	एन.एस.डी. (प्रतिभूति जमा)	2,973,194.00			2,973,194.00			-			-	2,973,194.00	
282	ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर ऑफ नवल रिसर्च ग्लोबल, यूएसए	988,697.00		-	988,697.00	788,299.00		788,299.00			-	200,398.00	
283	प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय, भारत सरकार	-	-	21,198,352.00	21,198,352.00	156,694.00	822,051.00	978,745.00			-	20,219,607.00	
284	ऑन्कोलॉजी फोरम	-	-	150,000.00	150,000.00	-	15,000.00	15,000.00			-	135,000.00	

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
285	ओवेशन फार्मस्यूटिकल्स, यू.एस.ए.	37,222.00			37,222.00			-			-	37,222.00	
286	ओवरसीज एसोसिएट्स	190.00			190.00			-			-	190.00	
287	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.		(18,142.75)	297,955.00	279,812.25	371,262.00	29,795.00	401,057.00			-		(121,244.75)
288	आक्सीजेन, यू.एस.ए.	215,126.84			215,126.84			-			-	215,126.84	
289	ओजोन फार्मास्यूटिकल्स लि.	239.00			239.00			-			-	239.00	
290	पेनेसिया बायोटेक लि.	8,084.00			8,084.00			-			-	8,084.00	
291	पेरेक्सेल इंटरनेशनल क्लिनिकल रिसर्च प्रा. लि.	74,815.00		2,104,983.00	2,179,798.00	452,920.00	173,175.00	626,095.00			-	1,553,703.00	
292	पेरेक्सेल इन्टरनेशनल लि., यू.के.	881,631.27		1,806,868.00	2,688,499.27	450,021.00	15,774.00	465,795.00			-	2,222,704.27	
293	पाथ/वन वर्ल्ड हेल्थ		(104,542.00)	13,448.00	(91,094.00)	37,840.00	1,344.00	39,184.00			-		(130,278.00)
294	पेरेग्राइन फार्मस्यूटिकल्स, यू.एस. ए.		(26,577.00)		(26,577.00)			-			-		(26,577.00)
295	पीफीजर लि.		(1,804,493.65)	1,346,439.00	(458,054.65)	1,842,507.00	120,000.00	1,962,507.00	2,472,581.65		2,472,581.65	52,020.00	-
296	फार्मेसिया इंडिया प्रा. लि.	837.00			837.00			-		837.00	(837.00)	-	
297	फार्माकोसमोस ए/एस, डेनमार्क		(900.00)		(900.00)			-	900.00		900.00	-	-
298	फार्म - ओलम इन्टरनेशनल लि.	16,923.00			16,923.00			-			-	16,923.00	
299	फार्माज इंडिया प्रा. लिमिटेड	-	-	358,068.00	358,068.00	-	35,807.00	35,807.00			-	322,261.00	
300	पी.एच.एफ.आई.	1,074,059.00		3,902,360.00	4,976,419.00	1,824,133.00	390,236.00	2,214,369.00			-	2,762,050.00	
301	फोनेनिक्स कार्डिक	7,761.00			7,761.00			-			-	7,761.00	
302	पी.एच.आर.आई., ऑनटेरियो कनाडा	1,575,419.00		4,794,212.00	6,369,631.00	1,771,567.00	479,420.00	2,250,987.00			-	4,118,644.00	
303	पीरामल हेल्थकेयर लि.	210,987.00			210,987.00			-			-	210,987.00	
304	पीरामल लाइफ साइंसेज	36,211.00			36,211.00			-			-	36,211.00	
305	पी.पी.डी. फार्मास्यूटिकल डेवेलपमेंट इंडिया प्रा.लि.		(446,118.72)	65,434.00	(380,684.72)	78,280.00	6,643.00	84,923.00	297,726.00		297,726.00		(167,881.72)
306	पी.आर.ए. इंडिया प्रा. लि.	-			-			-			-	-	
307	क्यू.ई.डी. फार्मास्यूटिकल सर्विसेज प्रा. लि.	577,043.00			577,043.00			-			-	577,043.00	
308	क्यूजेन इंक इंडिया	3,709.00			3,709.00			-			-	3,709.00	
309	क्विनटाइल्स स्पेक्ट्रल इंडिया	2,905,037.56		220,807.00	3,125,844.56	52,499.00	26,374.00	78,873.00			-	3,046,971.56	
310	राजीव गांधी फाउंडेशन		(989.00)		(989.00)			-	989.00		989.00	-	-
311	राज गढ़िया लिवर यूनिट	-	-	-	-	66,157.00		66,157.00			-		(66,157.00)
312	राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर	13,176.00		-	13,176.00	13,122.00		13,122.00			-	54.00	-
313	रेनबेक्सी / इलिलिलि एंड कंपनी प्रा. लि.	1,833,462.00		-	1,833,462.00	17,079.00		17,079.00			-	1,816,383.00	
314	रेप्टिम रिसर्च लि.	186,972.00	-	-	186,972.00	44,188.00		44,188.00			-	142,784.00	
315	रिलायंस क्लिनिकल रिसर्च सर्विसेज (प्रा.) लि.	-			-			-			-	-	
316	रिलायंस क्लिनिकल रिसर्च सर्विसेज (प्रा.) लि.	566,593.50			566,593.50			-			-	566,593.50	
317	रेलिसिस मेडिकल डिवाइसिस लि.		(3,433.00)		(3,433.00)			-			-		(3,433.00)
318	औषध / एसएनएमसी हेतु आवर्ती निधि	195,710.00			195,710.00			-			-	195,710.00	
319	आरओसीएचई उत्पाद (इंडिया) प्रा. लि.	168,443.00			168,443.00			-			-	168,443.00	
320	रसन फार्मा लि. मुंबई	433,750.00			433,750.00			-			-	433,750.00	
321	आर.ई.सी. पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लि.	1,398,112.00		1,248,310.00	2,646,422.00	874,618.00	124,831.00	999,449.00			-	1,646,973.00	
322	सैकसीन लाइफसाइंसेज प्रा. लिमिटेड	-	-	405,000.00	405,000.00	444,964.00	40,500.00	485,464.00			-		(80,464.00)
323	सेनेट प्रोडक्ट लि.		(77,996.00)		(77,996.00)			-			-		(77,996.00)
324	सनोफी सिंथेलाबो (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	-	-	121,500.00	121,500.00	8,602.00	12,120.00	20,722.00			-	100,778.00	
325	सनोफी पास्चुर इंडिया प्रा. लि.	123,346.00			123,346.00			-			-	123,346.00	
326	सनोफी - अवेंटिस	35,743.00			35,743.00			-			-	35,743.00	
327	साराभाई कैमिकल्स		(4,868.00)		(4,868.00)			-			-		(4,868.00)

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
328	सवीर बायोटेक लिमिटेड	223,123.00			223,123.00			-			-	223,123.00	
329	सेविंग न्यूबोर्न लाइव्स, यू.एस.ए.		(10,898.00)		(10,898.00)			-			-		(10,898.00)
330	एस.सी.ए. ग्लोबल हाइजीन प्रोडक्ट्स इंडिया प्रा. लि.	138,652.00		-	138,652.00	79,438.00		79,438.00			-	59,214.00	
331	सेरीकेयर		(182,191.00)		(182,191.00)			-			-		(182,191.00)
332	सिकइंडिया लैब्स प्रा. लि.	-	-	607,200.00	607,200.00	262,431.00	60,720.00	323,151.00			-	284,049.00	
333	शान्ता बायोटेकिस प्रा.लि.	89,952.00			89,952.00			-			-	89,952.00	
334	शास्त्री इंडो-कैंडियन इंस्टीट्यूट	3,287.00		-	3,287.00	3,287.00		3,287.00			-	-	
335	शिरे ह्यूमन जिनेटिक थिरेपीज इंक, यू.एस.ए.	1,114,905.40			1,114,905.40			-			-	1,114,905.40	
336	सीमेंस लि.	208,797.00			208,797.00			-			-	208,797.00	
337	साइट सेवर्स	244,928.00		3,949,770.00	4,194,698.00	4,075,284.00	247,196.00	4,322,480.00			-		(127,782.00)
338	सिंगापुर क्लिनिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट, सिंगापुर		(431,665.00)	-	(431,665.00)	694,078.00		694,078.00	1,044,408.00		1,044,408.00		(81,335.00)
339	सिनोफार्म इंडिया प्रा.लि.	27,241.00		1,440,190.00	1,467,431.00	1,318,162.00	167,233.00	1,485,395.00			-		(17,964.00)
340	सिरो क्लिन फार्मा प्रा.लि.		(35,171.00)		(35,171.00)			-			-		(35,171.00)
341	एसएमबी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया		(46,623.00)	-	(46,623.00)	120,000.00		120,000.00			-		(166,623.00)
342	स्मिथ एंड नेफ्यू हेल्थ केयर प्रा. लि.	5,443.00			5,443.00			-			-	5,443.00	
343	सोसायटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एंडोस्कोपिक सर्जन	7,001.00			7,001.00			-			-	7,001.00	
344	सोलूमिक्स हर्बक्यूटिकल्स लि.	13.00			13.00			-			-	13.00	
345	सोल्वे फार्मा लि.	13,465.00			13,465.00			-			-	13,465.00	
346	एस.आर.बी. - क्लीनिकल फार्माकोलॉजी		(3,154,100.00)	3,154,100.00	-			-	-		-	-	-
347	सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज बैंगलोर	-			-			-			-	-	
348	सेंट जूड मेडिकल हांग कांग		(5,014.00)		(5,014.00)			-			-		(5,014.00)
349	सेंट जूड मेडिकल इंडिया प्रा. लि.		(13,781.00)	-	(13,781.00)	30,240.00		30,240.00			-		(44,021.00)
350	स्टेमप्यूटिक्स रिसर्च प्रा.लि.	96,331.00			96,331.00			-			-	96,331.00	
351	स्टर्लिंग सिनेर्जी सिस्टम (प्रा.) लि.	58,580.00			58,580.00			-			-	58,580.00	
352	स्ट्राइकर ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर प्राइवेट लिमिटेड	-	-		-	6,816.00		6,816.00			-		(6,816.00)
353	सन फार्मास्यूटिकल्स	3,384.00			3,384.00			-			-	3,384.00	
354	स्वामी शिवानंद मेमोरल इंस्टीट्यूट	(10,360.00)		-	(10,360.00)	778,667.00		778,667.00	1,341,425.00		1,341,425.00	552,398.00	-
355	स्वयं (मानव संसाधन विकास मंत्रालय)	-	-	2,000,000.00	2,000,000.00	1,309,491.00	100,000.00	1,409,491.00			-	590,509.00	
356	सिनेर्जी नेटवर्क इंडिया प्रा. लि.		(27,061.00)		(27,061.00)			-			-		(27,061.00)
357	सिनेर्जी एनवायरोनिक्स लिमिटेड	-	-	-	-	118,329.00		118,329.00			-		(118,329.00)
358	टेक ऑब्जर्वर इंडिया प्रा. लिमिटेड	-	-	126,000.00	126,000.00	111,902.00	12,600.00	124,502.00			-	1,498.00	
359	टेक्सास ए एंड एम रिसर्च फाउंडेशन (टी.ए.एम.आर.एफ.)यू.एस.ए.	16,237.00			16,237.00			-			-	16,237.00	
360	द कैंसर फाउंडेशन	44,245.00		1,000,000.00	1,044,245.00	650,132.00	100,000.00	750,132.00			-	294,113.00	
361	द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट	7,775.00			7,775.00			-			-	7,775.00	
362	जॉर्ज अन्तरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, आस्ट्रेलिया	228,458.32			228,458.32			-			-	228,458.32	
363	द इन्टरनेशनल सोसायटी फॉर पेडिएट्रिक न्यूरोसर्जरी (आईएसपीएनई)	408.00			408.00			-			-	408.00	
364	द मीडिया लैब एशिया	98,442.00		-	98,442.00	20,942.00		20,942.00			-	77,500.00	
365	द मेडिकल रिसर्च कांउसिल, यू.के.	3,592.00		999,044.00	1,002,636.00	177,642.00	99,904.00	277,546.00			-	725,090.00	
366	द माइकोन्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया		(4,702.00)		(4,702.00)			-	4,702.00		4,702.00	-	-
367	द सर्विस डि-डर्मेटोलॉजी, फ्रांस		(8,445.00)		(8,445.00)			-			-		(8,445.00)

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
368	द यूनिवर्सिटी ऑफ अलबामा, यू.एस.ए.		(2,729,270.00)		(2,729,270.00)			-	2,734,433.00		2,734,433.00	5,163.00	-
369	द यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग एंड एनएचएस लोथियन		(71,269.00)		(71,269.00)			-			-		(71,269.00)
370	टीएचएसटीआई	466,165.00		592,640.00	1,058,805.00	1,114,671.00	59,264.00	1,173,935.00			-		(115,130.00)
371	द इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी	95,433.00		220,000.00	315,433.00	202,588.00	22,000.00	224,588.00			-	90,845.00	
372	थ्रैसहोल्ड फार्मस्यूटिकल्स, यू.एस.ए.		(3,136.00)		(3,136.00)			-	3,136.00		3,136.00	-	-
373	टोरंट फार्मस्यूटिकल लि.	2,013,863.00		1,196,999.00	3,210,862.00	56,186.00	119,700.00	175,886.00		1,974,169.00	(1,974,169.00)	1,060,807.00	
374	ट्रोइका फार्मस्यूटिकल लि.	85,043.00		26,565.00	111,608.00	-	2,657.00	2,657.00			-	108,951.00	
375	यूसीएलएएन, यूके	-	-	2,230,954.00	2,230,954.00	627,333.00	223,341.00	850,674.00			-	1,380,280.00	
376	यू.जी.सी.		(1,875,215.00)		(1,875,215.00)			-			-		(1,875,215.00)
377	यूनिक बायोटेक लि.	(278,591.00)		308,250.00	29,659.00	1,085,951.00	107,225.00	1,193,176.00	1,648,905.00		1,648,905.00	485,388.00	-
378	यू.एन. इन्टरनेशनल ड्रग एंड क्राइम कंट्रोल प्रोग्राम	53,106.00			53,106.00			-			-	53,106.00	
379	यूनिसेफ		(1,384,560.12)	15,113,599.00	13,729,038.88	14,617,384.00	520,054.00	15,137,438.00	3,032,624.12		3,032,624.12	1,624,225.00	
380	यूनिवर्सिटायर जेकेंहइस एंटवर्पेन (यूजेडए), बेल्जियम	206,577.00		-	206,577.00	69,000.00		69,000.00			-	137,577.00	
381	यूनिवर्सिटी ऑफ बेरगन, नार्वे	369,203.00		380.00	369,583.00	-		-			-	369,583.00	
382	यूनिवर्सिटी ऑफ केलगेरी, कनाडा	57,187.00			57,187.00			-			-	57,187.00	
383	यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफॉर्निया सैन फ्रांसिको		(1,512.00)		(1,512.00)			-	1,512.00		1,512.00	-	-
384	यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड	90,282.00			90,282.00			-			-	90,282.00	
385	यूनिवर्सिटी ऑफ नोटिंघम, यू.के.	1,974.00			1,974.00			-			-	1,974.00	
386	यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यू.के.		-	2,798,166.00	2,798,166.00	2,298,456.00	224,037.00	2,522,493.00			-	275,673.00	-
387	यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग	-	-	17,874,423.00	17,874,423.00	3,591,355.00	-	3,591,355.00			-	14,283,068.00	
388	यूएनएम एचएससी	5,549.00		-	5,549.00	862.00		862.00			-	4,687.00	
389	यूनिक बायोटेक लिमिटेड	1,311,244.00		800,000.00	2,111,244.00	1,085,539.00		1,085,539.00			-	1,025,705.00	
390	यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम, यूएसए	399,323.00			399,323.00			-			-	399,323.00	
391	यूएसवी प्राइवेट लिमिटेड	-	-	1,153,880.00	1,153,880.00	1,038,492.00	115,388.00	1,153,880.00			-	-	
392	वीड़ा क्लीनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	-	-	900,408.00	900,408.00	211,379.00	88,388.00	299,767.00			-	600,641.00	
393	वेनस रेमडीस लि.	14,330.00			14,330.00			-			-	14,330.00	
394	वेलोक बायोफार्मा एलएलसी	143,028.00			143,028.00			-			-	143,028.00	
395	वुलमिनी रामालिंगास्वामी फाउंडेशन	162,000.00			162,000.00			-			-	162,000.00	
396	वुलमिनी रामालिंगास्वामी फाउंडेशन		(6,508.00)		(6,508.00)			-	6,508.00		6,508.00	-	-
397	व्योमी बायोसाइंस प्रा.लि.	10,548.00			10,548.00			-			-	10,548.00	
398	वॉल्टर बुशनेल	63,344.00		868,824.00	932,168.00	-	86,882.00	86,882.00			-	845,286.00	
399	वेलकम ट्रस्ट लंदन, यूके	2,337,305.25		152,000.00	2,489,305.25	2,335,836.00	7,600.00	2,343,436.00			-	145,869.25	
400	विश्व स्वास्थ्य संगठन	20,142,363.12		10,658,372.00	30,800,735.12	10,782,178.00	36,212.00	10,818,390.00			-	19,982,345.12	
401	वोकहार्ट, मुम्बई	1,176,899.00			1,176,899.00			-			-	1,176,899.00	
402	वीथ फार्मस्यूटिकल्स इंक		(538,244.00)		(538,244.00)			-	764,194.00		764,194.00	225,950.00	
403	डब्ल्यूएफपीआईसीसीएस	121,624.33		18,050.00	139,674.33	121,625.00		121,625.00			-	18,049.33	
404	जीनोटैक	32,037.00			32,037.00			-			-	32,037.00	
405	जिमर इंडिया प्रा. लि.	81,593.00			81,593.00			-			-	81,593.00	
406	जुवेन्टस	146,250.00			146,250.00			-			-	146,250.00	
407	जाइडस हेल्थकेयर लि.		(398.00)		(398.00)			-	398.00		398.00	-	-
408	बयाना राशि	-	-	2,889,964.90	2,889,964.90	1,361,195.00	-	1,361,195.00			-	1,528,769.90	-
409	बाहरी वसूली	-	-	-	-	706,346.00		706,346.00			-		(706,346.00)
410	आयुष में स्कीम फंड से अनुदान अंतरित					24,315,565.00		24,315,565.00	24,315,565.00		24,315,565.00	-	

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन				
		जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	कुल (समायोजन)	जमा	नामे
411	डाईटी को योजना निधि से अनुदान अंतरित					702,259.00		702,259.00	702,259.00		702,259.00	-	
412	डीआरडीओ को योजना निधि से अनुदान हस्तांतरित					17530265.60		17,530,265.60	17,530,265.60		17,530,265.60	-	
413	आयुष खाते के बजाय योजना निधि खाते में जमा			2,518,897.00	2,518,897.00	-	-	-			-	2,518,897.00	
414	आईएनएसए			230000	230,000.00							230,000.00	
415	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एन.ए.सी.ओ.)			15078	15,078.00							15,078.00	
416	नोवार्टिस			76465.77	76,465.77							76,465.77	
417	नोवार्टिस			83824.88	83,824.88							83,824.88	
418	वीदा क्लिनिकल रिसर्च प्रा. लिमिटेड			201947	201,947.00							201,947.00	
419	माइक्रो लैब्स लिमिटेड			109890	109,890.00							109,890.00	
420	माइक्रो लैब्स लिमिटेड			241092	241,092.00							241,092.00	
421	इंडिया मेडट्रॉनिक प्रा. लिमिटेड			161100	161,100.00							161,100.00	
422	मेरिल लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड			118800	118,800.00							118,800.00	
	कुल	977,041,773.97	(63,255,700.33)	1,621,390,047.71	2,533,937,923.70	1,174,479,171.27	72,813,003.00	1,247,292,174.27	88,009,463.37	40,257,449.77	47,752,013.60	1,351,679,568.65	(16,043,607.97)

कनिष्ठ लेखा अधिकारी
अनुसंधान अनुभाग

लेखा अधिकारी
अनुसंधान अनुभाग

31 ekpl 2019 dk lekIr o"kl d fy, vf[ky Hkkjrh; vk;ifoKku lLFkku (,El), ubl fnYyh d y[kk ij Hkkjr d fu;=d vkj egky[kk ijh{kd dh iFkd y[kk ijh{kk fjikVA

1. हमने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 की धारा 18(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत 31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के संलग्न तुलन पत्र तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा की लेखा-परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व हैं। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।
2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखाकरण पद्धतियों, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटन मानदंडों आदि के साथ केवल वर्गीकरण, समनुरूपता के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां निहित हैं। कानून, नियमों तथा विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह-निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो तो, के संबंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा अवलोकन को निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से सूचित किया गया है।
3. हमने भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा का निष्पादन किया है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकार से लेखा परीक्षा आयोजित तथा निष्पादित करें कि यह उचित आश्वासन प्राप्त हो सकें कि वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण भ्रामक विवरणों से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण आधार पर, राशियों तथा प्रकटनों को समर्थित करने वाले साक्ष्यों की जांच की जानी शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन किया जाना तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया जाना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय के संबंध में तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।
4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि:
   - **i.** जहां तक मेरी जानकारी और विश्वास है, उसके अनुसार हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे;
   - **ii.** इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित लेखा परीक्षा के एक समान प्रारूप में तैयार किया गया है।
   - **iii.** हमारी राय में, हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों तथा अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच से प्रतीत होता है कि एम्स द्वारा लेखाकरण की दोहरी प्रविष्टि पद्धति पर लेखों की उचित पुस्तकें एवं अन्य संबद्ध रिकॉर्डों का उचित अनुरक्षण किया गया है।
   - **iv.** हम आगे सूचित करते हैं कि:

क. **तुलन पत्र**

क.1 **देयताएं**

क.1.1 **सुरक्षित ऋण एवं उधार - एम्स (मुख्य) (अनुसूची - 7)**

क.1.1.1 उच्च शिक्षा वित्तपोषण अभिकरण (एचईएफए) द्वारा रु. 525.00 करोड़ का ऋण राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), एम्स के झज्जर केन्द्र के लिए पूंजीगत खर्च हेतु स्वीकृत किया गया था। इस स्वीकृत राशि में से रु. 282.00 करोड़ की राशि को वर्ष 2018-19 के दौरान जारी किया जा चुका है। एम्स की ओर से इस राशि को कार्यपालक अभिकरणों अर्थात मैसर्स एचएससीसी एवं मैसर्स एचआईटीएस को एचईएफए द्वारा भुगतान किया गया। यह देखा गया कि एम्स ने इस राशि को वर्ष 2018-19 की लेखा में शामिल नहीं किया है। इसके परिणामस्वरूप देयताओं के साथ साथ वर्तमान संपत्तियों (अग्रिमों) को रु. 282.00 करोड़ तक घटा कर वर्णित किया गया है।

क.1.2 **वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान - एम्स (मुख्य) (अनुसूची-7) - 253.40 करोड़ रु.**

क.1.2.1 रु. 249.98 करोड़ की कुल वर्तमान देनदारियों में सीमा-शुल्क के कारण देय राशि के रूप में रु. 6.41 करोड़ का उल्लेख किया गया है। हालांकि, वर्ष 2018-19 के दौरान रु. 4.90 करोड़ के अग्रिम का भुगतान कार्डियो थोरेसिक एवं न्यूरो साइंसेज सेंटर (सीएनसी) द्वारा किया गया था, जिसकी एम्स (मुख्य) के वार्षिक लेखों में गणना नहीं की गई है। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान देयताओं तथा वर्तमान परिसंपत्तियों को रु. 4.90 करोड़ तक घटा कर वर्णित किया गया है।

क.1.2.2 एनपीएस की उपशीर्ष विवरणों में त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों के चलते उपरोक्त शीर्ष को रु. 2.00 करोड़ तक बढ़ाकर उल्लेख किया गया है। यह राशि एफडीआर में बराबर राशि जोड़कर अर्थात रु. 22.00 करोड़ के बजाय रु. 24.00 करोड़ वर्णित करते हुए संतुलित की गई थी। इसके परिणामस्वरूप, वर्तमान परिसंपत्तियों को भी उसी राशि तक बढ़ाकर उल्लेख किया गया था।

क.1.2.3 **वर्तमान देयताएं और प्रावधान- दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) (अनुसूची - 7) - 0.78 करोड़ रु.**

क.1.3.1 सीडीईआर द्वारा खरीदे गए उपकरणों के लिए एम्स (मुख्य) द्वारा सीमा-शुल्क भुगतान के तौर पर रु. 019 करोड़ की राशि खर्च की गई थी। उक्त राशि को सीडीईआर के तुलन-पत्र में शामिल नहीं किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक वर्तमान देयताओं तथा अचल परिसंपत्तियों को रु. 0.19 करोड़ तक घटाकर वर्णित किया गया था।

क.1.3.2 एम्स तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच हस्ताक्षर किए गए समझौते ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, एक नेशनल लेवल रेफरल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज (एनआरआरआईडीएस) की स्थापना एम्स परिसर के भीतर की जानी थी। इस परिप्रेक्ष्य में, सीडीईआर को इस उद्देश्य के लिए मंत्रालय से रु. 9.00 करोड़ की राशि प्राप्त हुई थी, हालांकि, यह राशि तथा इस राशि पर अर्जित ब्याज को सीडीईआर के लेखों में गणना नहीं की गई है। इसके परिणामस्वरूप उस राशि तक देयताओं तथा वर्तमान परिसंपत्तियों (बैंक शेषों) को घटाकर दर्शाया गया है।

क.1.4 वर्तमान देयताएं और प्रावधान- कार्डियो थोरेसिक और न्यूरो साइंसेज सेंटर (सीएनसी) (अनुसूची-8) - 6.17 करोड़ रु.

क.1.4.1 एम्स का एक चालू खाता (35984705875) क्रेडिट/डेबिट कार्ड्स के माध्यम से अस्पताल प्राप्तियों को प्राप्त करने के उद्देश्य के लिए है। इस खाते में, एम्स (मुख्य) और अन्य सभी केंद्रों से संबंधित प्राप्तियों को पीओएस मशीनों के माध्यम से 10 टर्मिनलों पर जमा की जाती हैं और महीने के समाप्त होने के बाद प्रत्येक खाते के संबंध में प्राप्तियों को संबंधित केंद्रों के खातों में स्थानांतरित कर दिया जाता है। यह पाया गया कि रु. 2.63 करोड़ की राशि, जो कि सीएनसी खाता, एंजिओ रोगी खाता, सीटी रोगी खाता, गामा नाइफ रोगी खाता तथा एनएस रोगी खाता के संबंध में मार्च 2019 के महीने के लिए थी, सीएनसी की प्राप्तियों में इसकी गणना नहीं की गई थी। इसके परिणामस्वरूप रु. 2.63 करोड़ तक की वर्तमान परिसंपत्तियों को, रु. 2.01 करोड़ की देयताओं तक घटाकर और आय को रु. 0.62 करोड़ तक घटाकर उल्लेख किया गया है।

क.2 परिसंपत्ति

क.2.1 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम एम्स (मुख्य) (अनुसूची-11) - 1610.07 करोड़ रु.

क.2.1.1 वर्ष 2018-19 के दौरान, एम्स द्वारा एचईएफए से प्राप्त किए गए रु. 525.00 करोड़ के ऋण तथा इसके सापेक्ष इसके ब्याज की पुर्नअदायगी के उद्देश्य से एक एस्क्रो खाता खोला गया, इस ऋण को एचईएफए द्वारा एम्स को झज्जर में एक राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के लिए स्वीकृत किया गया था। एम्स ने इस खाते में रु. 26.25 करोड़ की राशि जमा की और इसे एचईएफए को वापस की गई राशि के रूप में वर्णित किया। हालांकि, राशि का लौटाया जाना वर्ष 2019-20 से आरंभ होना था। इसलिए, दिनांक 31.03.2019 के अनुसार एम्स के एस्क्रो खाते में रु. 26.25 करोड़ की राशि उपलब्ध थी। एम्स ने इस बैंक खाते को तुलन-पत्र में सम्मिलित नहीं किया और इसके चलते वर्तमान परिसंपत्तियों (बैंक शेष) को घटाकर उल्लेख किया गया तथा भुगतानों को उस राशि तक बढ़ाकर दर्शाया गया।

क.2.1.2 एम्स के परीक्षा अनुभाग ने एक बैंक खाते का अनुरक्षण बाह्य परीक्षकों को किए जाने वाले भुगतान के उद्देश्य से किया था। एम्स (मुख्य) से प्राप्त अग्रिम भुगतानों को इस खाते में बाहरी परीक्षकों को भुगतान करने के लिए जमा किया जाता है। प्रलेखों की जांच से यह पता चलता है कि इस बैंक खाते को वार्षिक खाते में शामिल नहीं किया गया है और इस खाते में जमा किए गए अग्रिम भुगतानों को व्यय के रूप में माना गया है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार इस खाते में रु. 12.08 लाख की राशि उपलब्ध थी, इसलिए तुलन पत्र में इस खाते को शामिल नहीं किए जाने के परिणामस्वरूप व्ययों को बढ़ाकर वर्णित किया गया और वर्तमान परिसंपत्तियों को रु. 12.08 लाख तक घटाकर दर्ज किया गया।

ख सामान्य

ख.1 अनुसूची 8 में - एम्स (मुख्य) और संस्थान के अन्य केंद्रों के वार्षिक खातों की 'अचल परिसंपत्तियां' को दिनांक 31 मार्च 2019 को 5031.93 करोड़ रुपए के परिसंपत्तियों के मूल्य पर प्रकट किया गया। हालांकि, सामान्य वित्तीय नियमावली 2017 के तहत प्रपत्र जीएफआर-22 में एक परिसंपत्ति रजिस्टर को बनाए

रखने की आवश्यकता संस्थान द्वारा पूरी नहीं की गई थी। परिसंपत्ति रजिस्टर की अनुपस्थिति में, परिसंपत्तियों का मूल्य लेखा परीक्षा में सत्यापित नहीं किया जा सका।

ख.2 दिनांक 31.03.2019 तक, एम्स (मुख्य) और अन्य केंद्रों से संबंधित बैंक में अत्यधिक असंगत बैलेंस थे, जिनका विवरण निम्नानुसार हैं:

(राशि रु. में):

क्र.सं.	**इकाई का नाम**	**विवरण**	**राशि**
1	एम्स (मुख्य)	चैक जमा किए गए किंतु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	27,72,28,225
		बैंक द्वारा अतिरिक्त डेबिट किया गया	39,89,938
		बैंक द्वारा अतिरिक्त क्रेडिट किया गया	67,96,825
2	सीएनसी	बैंक द्वारा अतिरिक्त डेबिट किया गया	7,08,09,511
		चैक जमा किए गए किंतु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	4,85,716
		आरटीजीएस खाते में वापस किया गया	2,89,64,185
		बैंक द्वारा अतिरिक्त क्रेडिट किया गया	11,38,30,941
3	आरपीसी	चैक जमा किए गए किंतु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	2,04,55,302
		बैंक द्वारा लिए गए अज्ञात क्रेडिट (+ आंकड़े)	28,20,777
		बैंक द्वारा लिए गए अज्ञात डेबिट (- आंकड़े)	10,71,234

इस मामले को बैंक के साथ चर्चा की जानी चाहिए जिससे कि विसंगतियों का त्वरित तौर पर मिलान किया जा सके।

ख.3 जैसा कि प्राप्ति एवं भुगतान नियमावली के नियम 47 में यह अपेक्षित है कि कोई चेक जो जारी किए जाने की तिथि से छह माह से अधिक अप्रदत्त (अन्पेड) होने पर तथा इसके नवीनीकरण के लिए प्रस्तुत नहीं किए जाने पर, इसे रद्द किया जाना चाहिए और इसकी राशि को लेखों में वापस प्रविष्ट किया जाना चाहिए। जांच के मुताबिक 2805 बकाया चेक / आरटीजीएस की राशि 1894.81 लाख रुपए थी, जो जारी किए जाने की तिथि के पश्चात छह माह के लिए भुगतान नहीं हुई थी और 31.03.2019 को नवीनीकरण के लिए प्रदान नहीं की गई थी, न तो रद्द की गई थी और न ही खातों में उनकी राशि वापस लिखी गई थी, उनके विवरण नीचे दिए गए हैं:

क्र.सं.	इकाई का नाम	चैकों की संख्या / बकाया आरटीजीएस	राशि (लाख रु. में)
1	एम्स (मुख्य)	2728	1728.82
2	सीएनसी	9	144.26
3	आरपीसी	68	21.73
कुल		**2805**	**1894.81**

इससे बैंक शेष और वर्तमान देयताओं, प्रत्येक में, 18.95 करोड़ रुपए की कमी देखी गई है।

ख.4 आईसीएआई के एएस-6 के तहत आवश्यक 5031.93 करोड़ रुपए की अचल परिसंपत्तियों अर्थात् मशीनरी और उपकरण, वाहन, भवन, कंप्यूटर / पेरिफेरल और पुस्तकालय की पुस्तकों आदि पर कोई मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया गया है। इसके अभाव में लेखापरीक्षा अचल संपत्तियों के वास्तविक मूल्य और लेखों पर इसके प्रभाव को प्रमाणित करने में असमर्थ है।

ख.5 एम्स (मुख्य) सहित दस केंद्र हैं जो अलग-अलग खातों का रख-रखाव करते हैं। हालांकि, एम्स ने सभी केंद्रों के लेखों के समेकन द्वारा समेकित लेखों को तैयार नहीं किया है।

ख.6 आईसीएआई के लेखा मानक (एएस-15) के तहत आवश्यक बीमांकन आधार पर लेखा में सेवा निवृत्ति लाभों का प्रावधान नहीं किया गया है।

ख.7 एम्स (मुख्य) के वार्षिक खातों की अनुसूची-11 (वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम आदि) में, 23.41 लाख रुपए को शीर्ष "ऋण" के तहत लोहे और इस्पात की खरीद के लिए अग्रिम के रूप में दिखाया गया है। यह राशि पिछले कुछ वर्षों से अग्रेषित की जा रही है। इस में समीक्षा और सामंजस्य स्थापित करने की आवश्यकता है।

ख.8 सीडीईआर के वार्षिक खातों की अनुसूची-11ख में, केंद्र ने कई अग्रिम दिखाए हैं जिनमें 23.65 लाख रुपए की एनडीएमसी को अग्रिम भुगतान, 30.00 लाख रुपए की एनडीएमसी को प्रतिभूति जमा और डीजीएस एंड डी को अग्रिम रूप से 4.69 लाख रुपए का भुगतान किया गया है। ये अग्रिम राशियां छह साल से अधिक पुरानी थी। लेखों में न तो अति देय बकायों की समीक्षा की गई है और न ही इसका कोई प्रावधान किया गया है।

ख.9 सीएनसी के वार्षिक खातों की अनुसूची-12क (वर्तमान परिसंपत्ति) में, 32.45 लाख रुपए को 'विभिन्न देनदार' के रूप में दिखाया गया है। यह राशि पिछले कुछ वर्षो से अग्रेषित की जा रही है। कथित देनदारों के वर्ष-वार और पार्टी-वार विवरण केंद्र के पास उपलब्ध नहीं थे। केंद्र द्वारा इन देनदारों की समीक्षा भी नहीं की गई थी।

ख.10 सीएनसी के वार्षिक खातों की अनुसूची-12ख (ऋण अग्रिम और अन्य परिसंपत्ति) के अनुसार, 17.46 करोड़ रुपए और 4.91 करोड़ रुपए को क्रमशः 'कार्य के अग्रिम' और 'मशीनरी एवं उपकरण' के रूप में दर्शाया गया है, जिन्हें सीटी रोगियों के खातों से स्थानांतरित किया गया है। इन राशियों को वर्षो से अग्रेषित किया जा रहा है। इन अग्रिमों को न तो समायोजित किया गया है और न ही इसके समायोजन के लिए कोई समीक्षा की गई है।

ख.11 लेखों के एकसमान प्रारूप के उल्लंघन स्वरूप, एम्स ने अपने वार्षिक खातों को उपचय आधार के बजाए रोकड़ आधार पर अनुरक्षित किया है।

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 2018-19 के दौरान, एम्स को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से 3234.75 करोड़ रुपए का कुल अनुदान प्राप्त हुआ। संस्थान को 217.96 करोड़ रूपए की आंतरिक प्राप्ति हुई थी और इसके पास विगत वर्ष 2017-18 के लिए 106.45 करोड़ रूपए का अव्ययित शेष भी था। 3559.16 करोड़ रूपए की कुल निधि में से एम्स ने 3124.95 करोड़ रूपए की राशि का उपयोग किया तथा दिनांक 31.03.2019 के अनुसार कुल 434.21 करोड़ रूपए का अव्ययित शेष रहा। इसके अलावा, एम्स को विभिन्न योजनाओं के लिए 162.14 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ और 124.73 करोड़ रुपए का व्यय हुआ।

घ. प्रबंधन पत्र

जिन त्रुटियों को लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है उनको उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई हेतु पृथक रूप से जारी किए गए प्रबंधन पत्र के द्वारा संस्थान प्रबंधन की जानकारी में लाया गया है।

v. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारे अवलोकनों के अधीन हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, लेखा पुस्तकों के समनुरूप हैं।

vi. हमारी राय में तथा हमारी सूचना के अनुरूप और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक-**I** में वर्णित लेखाकरण नीतियों तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित महत्वपूर्ण मामलों तथा अन्य मामलों के अधीन भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

क. जहां तक कि यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च 2019 तक के तुलन-पत्र, उसकी कार्य स्थिति से संबंधित है; तथा

ख. उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए तथा उनकी ओर से

-ह/-

स्थानः नई दिल्ली **लेखा परीक्षा के महानिदेशक**

दिनांकः **(केन्द्रीय व्यय)**

layXud

1. आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता

वर्ष 2018-19 के दौरान एम्स की आंतरिक विंग द्वारा कुल 144 एककों में से केवल 33 एककों की योजना और लेखा परीक्षा का कार्य किया गया। इसमें कोई आंतरिक लेखा परीक्षा मैनुअल नहीं थी।

2. आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता

i. दिनांक 31 मार्च 2019 तक वर्ष 1996-98 से 2017-18 की अवधि के लिए बाह्य लेखापरीक्षा के 103 अनुच्छेद बकाया थे।

ii. एम्स अचल संपत्तियों के रजिस्टर का रखरखाव निर्धारित प्रारूप के अनुसार नहीं कर रहा था।

iii. बैंक में अत्यधिक जमा राशि लंबित थी जिसका मिलान नहीं किया गया था।

iv. एम्स (मुख्य) ने सीमा-शुल्क तथा विलंब शुल्क के भुगतान के लिए दो बैंक खातों का अनुरक्षण किया। हालांकि, कोई कैश बुक नहीं है और इन खातों के लिए मिलान विवरणों को तैयार किया जा रहा है और वार्षिक लेखों के आंकड़ों को कैश बुक के बजाय बैंक लेनदेन के रूप में माना जा रहा है। इसलिए, वित्तीय वर्ष के अंतिम दिनों में किए गए व्यय की संबंधित वर्ष के लेखों में गणना नहीं की जा रही है।

v. संस्थान, अपनी लेखा नीति के अनुसार, लेखों में भंडारों तथा आपूर्ति के अंतिम स्टॉक की गणना नहीं कर रहा है और भुगतान के समय इसे अंतिम व्यय के रूप में माना गया है। इससे भंडारों और आपूर्ति के पर्याप्त मूल्य पर प्रभाव पड़ा है, जिन्हें लेखों से परे रखा गया है।

3. परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की पद्धति

2018-19 के दौरान अचल परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।

4. माल-सूची के भौतिक सत्यापन की पद्धति

पुस्तकों और प्रकाशनों, लेखन सामग्री एवं अन्य उपभोज्य मदों जैसे माल सूची का भौतिक सत्यापन 2018-19 तक किया गया है।

5. देयताओं के भुगतान में नियमितता

लेखों के अनुसार, 31.03.2019 तक सांविधिक देयताओं के संबंध में 6 महीने से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

31 ekpZ 2019 dks lekIr o"kZ ds fy, vf[ky Hkkjrh; vk;qfoKku laLFkku, ubZ fnYyh dh i`Fkd ys[kk ijh{kk fjiksVZ dk fcUnqokj mRrjA

क. तुलन पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 प्रतिभूत ऋण और उधार - एम्स (मुख्य) (अनुसूची - 7)

क.1.1.1 वित्त वर्ष 2019-20 के वार्षिक खातों में आवश्यक सुधार प्रविष्टियां की जाएंगी।

क.1.2 वर्तमान देयताएं और प्रावधान-एम्स (मुख्य) (अनुसूची - 7) रु.253.40 करोड़

क.1.2.1 वित्त वर्ष 2019-20 के वार्षिक खातों में आवश्यक सुधार प्रविष्टियां की जाएंगी।

क.1.2.2 वित्त वर्ष 2019-20 के वार्षिक खातों में आवश्यक सुधार प्रविष्टियां की जाएंगी।

क.1.3 वर्तमान देयताएं और प्रावधान- दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) (अनुसूची - 7) रु. 0.78 करोड़

क.1.3.1 वित्त वर्ष 2019-20 के वार्षिक खातों में आवश्यक सुधार प्रविष्टियां की जाएंगी।

क.1.3.2 वित्त वर्ष 2019-20 के वार्षिक खातों में आवश्यक सुधार प्रविष्टियां की जाएंगी।

क.1.4 वर्तमान देयताएं और प्रावधान - हृद् वक्ष और तंत्रिका विज्ञान केंद्र (सीएनसी) (अनुसूची - 8) रु. 6.17 करोड़

क.1.4.1 चालू वित्त वर्ष 2019-20 में इस राशि का हिसाब रखा गया है और वर्ष 2019-20 के खातों में आवश्यक प्रविष्टियां की जाएंगी। हालांकि, इसे भविष्य में अनुपालन के लिए नोट कर लिया गया है।

क.2 परिसंपत्तियां

क.2.1 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम एम्स (मुख्य) (अनुसूची-11) - 1610.07 करोड़ रु.

क.2.1.1 एचईएफए के साथ हस्ताक्षरित अनुमोदन और ऋण समझौते के अनुसार चुकौतियां की गई हैं। हालाँकि वित्तीय वर्ष 2019-20 के वार्षिक खातों में आवश्यक सुधार प्रविष्टियाँ की जाएंगी।

क.2.1.2 भविष्य में अनुपालन के लिए नोट किया गया है।

ख सामान्य

ख.1 भविष्य में अनुपालन के लिए नोट किया गया है।

ख.2 बकाया चैकों की बड़ी राशि का समाधान कर दिया गया है। शेष बकाया असमायोजित बैंक बकायों के समाधान हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और बैंक द्वारा नामे संबंधी विवरण उपलब्ध कराने हेतु मामले को जोनल स्तर पर लाया गया है ताकि इसका समाधान किया जा सके।

ख.3 प्राप्ति एवं भुगतान नियमावली के नियम 47 के अनुसार छः माह से अधिक पुराने बकाया चैकों पर कार्रवाई की जा रही है।

ख.4 सक्षम प्राधिकारी द्वारा अवमूल्यन नीति को तैयार तथा अनुमोदित किया गया है। इसे लेखाकरण की प्रोद्भवन प्रणाली के अंगीकरण के साथ-साथ अपनाया जाएगा।

ख.5 लेखापरीक्षा द्वारा निदेशित किया गया है कि आवश्यक नोट अगले खातों में डाले जाएंगे। अनुपालन के लिए नोट किया गया।

ख.6 भविष्य के अनुपालन हेतु लेखा परीक्षा के अवलोकन को नोट कर लिया गया है। एक बार ही संस्थान के खातों को प्रोद्भवन आधार पर तैयार करने का प्रावधान किया जाएगा।

ख.7 रुपए 23.41 लाख के बकाया अग्रिम के परिनिर्धारण हेतु प्रयास किए जा रहे हैं।

ख.8 भविष्य में अनुपालन के लिए नोट किया गया है।

ख.9 शीघ्र परिनिर्धारण हेतु विविध लेनदारों के पार्टीवार विवरण का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ख.10 इन अग्रिमों को क्लियर करने के लिए समायोजन के प्रयास शुरू किए जा रहे हैं।

ख.11 अनुपालन के लिए नोट किया गया है।

ग. सहायता अनुदान

कोई टिप्पणी नहीं

घ. प्रबंधन पत्र

भविष्य में अनुपालन के लिए नोट किया गया है।

I;yXud

1. आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता

संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा विंग ने कार्मिकों की कमी के बावजूद भी 33 लेखा परीक्षा एककों के आंतरिक लेखा परीक्षा के लक्ष्य को पूर्ण किया है। इसके साथ ही अधिक आंतरिक नियंत्रण पद्धति को अपनाकर एवं आंतरिक लेखा परीक्षा कार्मिकों में वृद्धि करके आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति को सशक्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

2. आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता

संबंधित विभागों/केंद्रों से तर्कसंगत एवं यथोचित उत्तरों को प्राप्त करके पुराने शेष पैराओं को समयोजित करने के सशक्त प्रयास किए जा रहे हैं।
संबंधित विभाग एवं भंडार अनुभाग द्वारा परिसंपत्ति रजिस्टर का अनुरक्षण किया जा रहा है। इसको अगली लेखा परीक्षा के दौरान सत्यापित किया जा सकता है।
बैंक शेष में सामंजस्य स्थापित करने के लिए जोरदार प्रयास किए जा रहे हैं।

भविष्य में अनुपालन के लिये बिंदु नोट किए जाते हैं।

3. परिसंपत्तियों के वास्तविक सत्यापन की पद्धति

इस अवधि (2018-19) हेतु नियत परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन निष्पादित किया गया है। सभी केंद्रों एवं अधिकांश विभागों की वास्तविक सत्यापन रिपोर्ट को प्राप्त कर लिया गया है। इन वास्तविक सत्यापन रिपोर्ट में किसी प्रकार का बड़ा अंतर/कमियां नहीं हैं। वास्तविक सत्यापन रिपोर्ट को ऑडिट पार्टी को दिखाया गया है।

4. माल-सूची के वास्तविक सत्यापन की पद्धति

पुस्तकालय, लेखन सामग्री भंडार एवं उपभोज्य मदों का वास्तविक सत्यापन निष्पादित किया गया है। सभी केंद्रों एवं अधिकतर विभागों की वास्तविक सत्यापन रिपोर्ट को प्राप्त कर लिया गया है। इन वास्तविक सत्यापन रिपोर्टों में भी किसी प्रकार का बड़ा अंतर/कमियां नहीं हैं। वास्तविक सत्यापन रिपोर्ट को ऑडिट पार्टी को दिखाया गया है।

5. देय राशि के भुगतान में नियमितता

तथ्यात्मक जानकारी। कोई टिप्पणी नहीं।

अखिल-भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

ALL-INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्